Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

हिंदी-गुजराती कोश

संपादक
मगनभाई प्रभुदास देसाई

गूजरात विद्यापीठ
अमदावाद - १४

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

by Arya Samaj Foundation Chennai and eG

हिंदी-गुजराती कोश

मगनभाई देसाई

१.३
११

गूजरात विद्यापीठ
अमदावाद-१४

n Public Domain. Gurukul Kangri Collection, H

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

नवजीवनकी कुछ चुनी हुई पुस्तकें

अस्पृश्यता	०–३–०
आरोग्यकी कुंजी	०–७–०
खुराककी कमी और खेती	२–८–०
गांधीजीकी संक्षिप्त आत्मकथा	०-१२-०
गोखले : मेरे राजनीतिक गुरु	१–०–०
गोसेवा	१–८–०
दिल्ली-डायरी	३–०–०
नई तालीमकी ओर	१–०–०
बापूके पत्र : आश्रमकी बहनोंको	१–४–०
बापूके पत्र मीराके नाम	४–०–०
बापूके पत्र : सरदार वल्लभभाईके नाम	३–८–०
बुनियादी शिक्षा	१–८–०
रचनात्मक कार्यक्रम	०–६–०
रामनाम	०-१०-०
वर्ण-व्यवस्था	१–८–०
विद्यार्थियोंसे	२–०–०
शिक्षाकी समस्या	३–०–०
सच्ची शिक्षा	२–०–०
सत्याग्रह आश्रमका इतिहास	१–४–०
सर्वोदय	२–८–०
हमारे गाँवोंका पुनर्निर्माण	१–८–०
हरिजनसेवकोंके लिए	०–६–०
भूदान-यज्ञ	१–४–०
विवेक और साधना	४–०–०
सुसंवाद	०–९–०
महादेवभाईकी डायरी – १	५–०–०
महादेवभाईकी डायरी – २	५–०–०
महादेवभाईकी डायरी – ३	६–०–०
सयानी कन्यासे	१–०–०
सरदार पटेलके भाषण	५–०–०
सरदार वल्लभभाई — १	६–०–०
उत्तरकी दीवारें	०-१४-०

गाना
: तक
: तक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

NOT TO BE ISSUED

सन्दर्भ ग्रन्थ
REFERENCE BOOK

Stock Verification-2024

Stock Verification-2024

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ऋते ज्ञानान्न मुक्तिः
पुस्तक सं०
विषय
गुरुकुल विश्वविद्यालय काँगड़ी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

१

"हिन्दी और उर्दूको मैंने एकसाथ जाना है। हिन्दुस्तानी शब्दका इस्तेमाल भी खुलकर किया है। सन् १९१८ में इन्दौरके हिन्दी साहित्य सम्मेलनमें मैंने जो कुछ कहा* था, वही आज भी कह रहा हूँ। हिन्दुस्तानीका मतलब उर्दू नहीं; बल्कि हिन्दी और उर्दूकी वह ख़ूबसूरत मिलावट है, जिसे उत्तरी हिन्दुस्तानके लोग समझ सकें, और जो नागरी या उर्दू लिपिमें लिखी जाती हो। यह पूरी राष्ट्रभाषा है, बाक़ी अधूरी।"

महाबलेश्वर, १–५–'४५ **मोहनदास करमचंद गांधी**

* "हिन्दी भाषा वह भाषा है, जिसको उत्तरमें हिन्दू व मुसलमान बोलते हैं, और जो नागरी अथवा फ़ारसी लिपिमें लिखी जाती है। यह हिन्दी एकदम संस्कृतमयी नहीं है, न वह एकदम फ़ारसी शब्दोंसे लदी हुई है . . . ।"

२

[भारतके संविधानसे]

यूनियनकी दफ़तरी भाषा देवनागरी लिखावटमें हिन्दी होगी।

यूनियनके दफ़तरी मतलबोंके लिए हिन्दसोंका जो रूप काममें लाया जायगा वह हिन्दुस्तानी हिन्दसोंका अन्तर-क़ौमी रूप होगा। [३४३–(१)]

यूनियनका फरज़ होगा कि, हिन्दी भाषाके फैलावको वढ़ाए, और इसका इस तरह विकास करे कि वह भारतकी मिलीजुली कल्चरके सब अंगोंको ज़ाहिर करनेका साधन बन सके, और उसकी आत्माको छेड़े बिना, जो जो रूप, जो शैली और मुहावरे हिन्दुस्तानीमें और आठवीं पट्टीमें दर्ज भारतकी दूसरी भाषाओंमें* काम आते हैं उनको उसमें रचा पचाकर, और, जहाँ कहीं ज़रूरी या चाहनी हो, उसकी शब्दावलीके लिए पहले संस्कृतसे और फिर दूसरी भाषाओंसे शब्द लेकर, उसे मालामाल करे। [३५१]

*दर्ज की गई भारतकी दूसरी भाषाएँ ये चौदह हैं:—

१. आसामी २. बंगला, ३. गुजराती, ४. हिंदी, ५. कन्नड, ६. कश्मीरी, ७. मल्यालम्, ८. मराठी, ९. उड़िया, १०. पंजाबी, ११. संस्कृत, १२. तामिल, १३. तेलुगु, १४. उर्दू।

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

हिंदी - गुजराती कोश

CHECKED 1973

1.3/11
30469

१.२
३३

३०४.६
१६.१.५६

संपादक
मगनभाई प्रभुदास देसाई

प्रकाशककी ओरसे भेंट

गुजरात विद्यापीठ
अमदावाद-१४

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मुद्रक
जीवणजी डाह्याभाई देसाई
नवजीवन मुद्रणालय, अमदावाद – १४
प्रकाशक
मगनभाई प्रभुदास देसाई
महामात्र, गूजरात विद्यापीठ
अमदावाद – १४

सर्व हक्क प्रकाशक संस्थाने आधीन छे.

पहेली आवृत्ति, १९३९, २०००
बीजी आवृत्ति, १९४६, ५०००
सुधारेली वधारेली त्रीजी आवृत्ति, १०,०००

छ रूपिया　　　　ऑक्टोबर, १९५६

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

देशना अप्रतिम राष्ट्रभाषाप्रचारक

पूज्यश्री गांधीजीने

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अनुक्रमणिका

त्रीजी आवृत्तिनुं निवेदन		५
अगाउनी आवृत्तिनां निवेदनोमांथी		७
बे बोल	गांधीजी	१२
कोश वापरनारने सूचनाओ		१३
हिन्दी-गुजराती कोश		१–५७३

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

त्रीजी आवृत्तिनुं निवेदन

दस वरसे आ त्रीजी सुधारेली वधारेली नवी आवृत्ति बहार पडे छे, तेथी संतोष थाय छे. आम जोतां, बीजी आवृत्ति लगभग पांच-छ वरसमां खपी गई हती. एटले नवी आवृत्ति आथी वहेली बहार पडवी जोईती हती. तेम न थई शकवाथी हिंदीना अभ्यासीओने सोसवुं पड्युं छे, ते माटे क्षमा चाहुं छुं.

आ दस वरसमां आपणी दुनिया बहु फरी गई छे; आपणे स्वतंत्र थया अने आपणा देशने माटे कई भाषा राजभाषा बने ते आपणी राष्ट्रीय बंधारण सभाए नक्की कर्युं. ए भाषानुं स्वरूप केवुं हशे तेनी चोकस व्याख्या आपवामां आवी; अने तेनी लिपि एक नागरी हशे अने आंकडा तेमना अंग्रेजी रूपमां रहेशे, एम ठराव्युं. ए भाषा हिंदनी बधी भाषाओ वच्चे कडीरूप आंतरभाषा हशे. अने ते तरीके तेने, आवतां १५ वरसमां, आपणा राष्ट्रीय राजवहीवटमां दाखल करवी, एम पण आंकवामां आव्युं.

आ निर्णय आपणी राष्ट्रीय आगेकूचनी एक भारे मजल कापनारो छे. तेनी असर भारे दूरगामी हशे, ए उघाडुं छे.

एनी रूए, बे लिपिनो प्रश्न ऊकली गयो गणाय. तेथी उर्दू लिपिमां पण शब्दो लखीने गई आवृत्ति बहार पाडेली, ते आ आवृत्तिमां चालु राखवानी जरूर न रही. ए आवृत्तिना प्रारंभे गांधीजीए लखेला 'बे बोल' आ प्रस्तावनामां संघर्या छे. तेमां आ कोषना उपयोग अने तेने वधारे सारो बनाववामां मदद करवा विषे जे उल्लेख छे ते भणी वाचकोनुं ध्यान खेंचुं छुं.

गई आवृत्तिओमां जणावेलुं के, गुजराती अने हिंदीमां समान शब्दो संघर्या नथी; एवा शब्दोनी संख्या पंदर हजार करतांय वधारे हशे. तेमां सुधारो करीने एवा शब्दो आ नवी आवृत्तिमां उमेरी लेवामां आव्या छे. ते उपरांत पण वधु हिंदी शब्दो लीधा छे. तेने सारु केटलुंक साहित्य पण जोईने शब्दो वीणीने संघर्या छे. आ काममां विद्यापीठना विद्यार्थीओए ठीक ठीक मदद करी छे. ते जे साहित्य भणता, तेमांथी तेमणे शब्दो काढी आप्या हता. आम करतां

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

शब्दभंडोळ लगभग ३३००० जेटलुं थयुं छे. परिणामे कोशनुं कद अने किंमत ते मुजब वध्यां छे. हिंदी भाषानो अभ्यास हवे आपणी बधी शाळाओ तथा कॉलेजोमां चालशे. आ कोश तेमां सौने मददरूप थशे एवी आशा छे.

शब्दो पसन्द करवामां जे नीति पहेली आवृत्तिथी लीधेली छे ते ज कायम छे. आपणी आंतरभाषानुं स्वरूप आपणी विपुल राष्ट्रीयताने अनुरूप अने तेवुं ज वैविध्यपूर्ण अने व्यापक हशे. तेमां शब्दो अपनाववानी अनोखी शक्ति रहेली छे. ते तेनो भारे गुण छे. बंधारणे जणाव्युं छे के, आपणी भाषानी प्रकृति मुजब, शब्दो गमे त्यांथी लेवा घटे ते लेवा जोईशे. आ भाषा हवे खूब शक्ति-शाळी बनवी जोईए. हिंदनी बधी भाषाओनी साथे ते पण विकसवी जोईए. हिंदीभाषी प्रदेश माटे आथी एक खास जवाबदारी आवे छे. तेओ पोतानी भाषा परत्वे अतिअभिमान न धरावे. ते तेमनी प्रदेशभाषा के स्वभाषा छे; तेवी ज तेमना देशबांधवोनी पण स्वभाषा छे. बे वच्चे सरसाई न होय; विरोध न होय. एमनी भाषानी मूळ प्रकृतिना काठाने वफादार रहीने आपणी आंतरभाषा हिन्दी बनशे अने चालशे. आ वस्तु लक्षमां राखीने जो ते भाषानो विकास करवामां आवे, तो ते भाषा दुनियानी एक मातबर प्रजानी भाषा बने अने तेवुं मान पण तेने जगतना दरबारमां मळे. एम करवुं होय तो दरेक राष्ट्रप्रेमी हिंदीए ए भाषाने शीखीने तेने खीलववामां भाग लेवो जोईए. आ कोश गुजराती बोलता हिंदीओने एमां मदद करशे एवी आशा छे. अंते तेमने विनंती के, आ कोशने वधु उपयोगी बनाववामां तेओ बनती मदद करे.

२–१०–१९५६ म० प्र० देसाई

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अगाउनी आवृत्तिनां निवेदनोमांथी

१

राष्ट्रभाषाने शिक्षणमां स्थान होवुं जोईए एम गांधीजी दक्षिण आफ्रिकाथी हिंद आव्या त्यारथी सतत कहेता आव्या छे. एटले, राष्ट्रीय शिक्षणनी शरूआतथी तेमां तेने अनिवार्य स्थान आपवामां आव्युं छे; अने ते मुजब, विद्यापीठनी स्थापनाथी राष्ट्रभाषाना शिक्षणने तेमां स्थान रह्युं छे. बल्के, विद्यापीठनां ध्येयोमां ज ए विषे एक कलम छे के, "विद्यापीठमां राष्ट्रभाषा हिंदी-हिंदुस्तानीने आवश्यक स्थान हशे." अने तेनी ज साथे ए भाषानी व्याख्यानी स्पष्टता करवा नोंध मूकवामां आवी छे के, "हिंदी-हिंदुस्तानी ए भाषा के जे उत्तरना सामान्य हिंदु मुसलमान बोले छे अने देवनागरी अथवा फारसी लिपिमां लखाय छे."

१९३० थी '३४ना युद्धना दिवसो बाद, ई. स. १९३५मां विद्यापीठे नवेसर पोतानुं काम शरू कर्युं त्यारे राष्ट्रभाषाने अंगे एक वधु काम पण तेणे उपाड्युं; अने ते पोताने स्थानेथी बने तेटली राष्ट्रभाषाप्रचारने मदद करवानुं. आने अंगे १९३६मां विद्यापीठ मंडळे एक कार्यदिशा पण आंकी हती, अने तेमां गुजरातनी प्रजाने उपयोगी थाय एवो नानकडो राष्ट्रभाषानो कोश करवो, एवुं एक कार्य हतुं. आ कोश ते अनुसार करवामां आव्यो छे.

गुजरातमां राष्ट्रभाषाप्रचारनुं काम एक रीते जोईए तो साव सहेलुं छे. अ-हिंदीभाषी प्रान्तोनी भाषाओमां गुजराती भाषा कदाच हिंदुस्तानीनी साथे घणी ज मळती आवे छे. बेना शब्दभंडोळमां तद्‌भव अने तत्सम शब्दो ठीक ठीक प्रमाणमां सरखा छे, अथवा फेरफार छे तो एवो जूजजाज के भणेलो गुजराती वाचक सामान्य हिंदी शब्दोनो अर्थ कल्पी शके. एटलुं ज नहि, गुजरातमांथी हिंदी लेखको पण पाक्या छे. वळी, व्रजभाषा साथेनो तेनो सांस्कृतिक संबंध सैकांथी एकसरखो चालतो आवेलो छे. राष्ट्रभाषाना स्वयंसिद्ध प्रचारक समा साधुसंन्यासीओ गुजरातनां गामडांमां हमेश फरता रह्या छे अने तेओए हिंदी साथेनो तेनो संपर्क सतत चालु राखेलो छे. अने तेथी गुजरातमां गिरिधर करतांय कदाच तुलसी-रामायण वधारे वंचाय छे. कबीर अने दादुनां भजनो तेमना पंथ मारफते हजी जीवतां रहेलां छे. आ उपरांत गुजराती वेपारी पण करोडोनी भाषाने कामचलाउ जाण्या वगर ओछो ज रहे एवो छे? गुजरातना मुसलमान राजाओना काळमां फारसी अरबीनी असर पण तळपदी भाषामां ओछी ऊतरी नथी. एटले, गुजरातने माटे राष्ट्रभाषाप्रचारकार्य सहेलुं छे एमां प्रश्न नथी.

पण तेथी ज कदाच ए विषे उपेक्षा थवानो पण भारे भय रहे छे. मात्र वेपार के मुसाफरीनी सवड पूरतो ज परिचय जरूरी छे एम जो मनाय, तो तेटला परिचयथी आपणे एक बोली जरूर शीखी लई शकीए. परन्तु राष्ट्रभाषा एवी बोली मात्र नथी. तेणे तो हिंदनी एकतानुं अने आपणी हिंदी संस्कृतिनुं वाहन बनवानुं छे. प्रजाना राजकारणनी भाषा तो आज आपणी नजर सामे ते बनी रही छे. अनेक प्रांतीय साहित्य–प्रवाहो ए ज मोटी राष्ट्रगंगामां मळवाना छे. आज आपणां प्रांतीय साहित्यो सहेजे बनी जतो परस्पर संबंध कदाच साधे छे.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पण तेनी कोई नीतिरीति के नियमबद्ध पद्धति आपणे हजी नथी विकसावी. ए काम पण आगळ जतां राष्ट्रभाषाने ज माथे आवशे एमां कोईने शंका छे?

राष्ट्रभाषानुं आवुं स्वरूप होवाथी तेने आपणे मात्र एक बोली रूपे जाणीने निरांत वाळीए, तो सांस्कृतिक प्रगतिमां गुजरात पाछळ ज पडे एमां शंका नथी. एटले भाषा तरीके तेनुं अध्ययन थवुं जोईए, वधवुं जोईए, अने विकसवुं जोईए. तेने माटे बे दिशाओ देखाय छे:—(१) प्रौढ वर्ग हिंदी प्रचारनी परीक्षाओ आपवाने निमित्ते भाषानो शास्त्रीय अभ्यास शरू करे; (२) शाळाना विद्यार्थीओना अभ्यासक्रममां राष्ट्रभाषाने स्थान मळवुं जोईए;— जे सुधारो, में शरूमां कह्युं ए प्रमाणे, गांधीजी आफ्रिकेथी देशमां आव्या त्यारथी कहेता आव्या छे. प्रौढ वर्गोनी शरूआत गुजरातमां थई छे ए सौने खबर छे. तेनी गति दिवसे दिवसे वधशे एमां शंका नथी. अने खुशनी वात ए छे के, केळवणीना महासभावादी प्रधानोए शाळामां हिंदुस्तानी शिक्षणनी बीजी बाबतने पोताना कार्यमां स्थान आप्युं छे.

आ उपरांत एक त्रीजो वर्ग पण जरूरनो छे, अने ते उपरना बे वर्गोने मददरूप एवा राष्ट्रभाषाना प्रचारको अने तेना शिक्षकोनो. आ वर्गनी उत्पत्ति पण आजे गुजरातमां प्रारंभिक दशामां ज छे. जेम जेम आपणी राष्ट्रीय अस्मिता वधती जशे अने तेथी करीने राष्ट्रभाषानी किंमत वधारे ने वधारे जोता जईशुं, तेम तेम आ शिक्षक-प्रचारक-वर्ग वधवुं ज जोईशे — ते वधशे ज. अने ए वर्ग उपरना बे वर्गोने पछी पहोंची वळशे.

राष्ट्रभाषानो आ गुजराती कोश आ त्रणे वर्गोने लक्षमां राखीने करवामां आव्यो छे. शाळानो विद्यार्थीवर्ग कदाच आ कोशने एकदम न पण अपनावी शके, परंतु राष्ट्रभाषाप्रेमी प्रौढ लोक अने ते भाषाना शिक्षकवर्गने आ कोशथी पूरती मदद मळशे एम मानुं छुं. हिंदीमां अर्थो आपता कोशो आज घणा छे. परंतु ते कोशो आपणे माटे बे रीते ऊणपवाळा छे: एक तो, शीखवानो प्रारंभ करनारने हिंदीमां ज आपेला अर्थो बरोबर न फावे; ते अर्थो जो गुजरातीमां आपवामां आवे तो सरलता पडे. बीजुं, प्रचलित हिंदी कोशोमां राष्ट्रभाषानी दृष्टि राखीने अने जरूर विचारीने शब्दो संघरायेला नथी होता. तेमां हिंदी साहित्यनी जरूर ध्यानमां राखेली होय छे,—अने ते योग्य ज छे. तेथी करीने ते कदमां मोटा अने अन्यभाषाभाषीने माटे बिनजरूरी विस्तारवाळा थई पडे छे. आथी ते कोशो प्रारंभना अभ्यासमां काम दई शकता नथी.

आ कोशथी आ ऊणपो आपोआप टळे छे. तेमां शब्दोनी पसंदगी राष्ट्रभाषाना स्वरूपने बरोबर ख्यालमां राखीने करवामां आवी छे. फारसी अरबी शब्दो जे सामान्य रीते उत्तरना हिंदु-मुसलमानोमां बोलाय छे तेमने पण आ कोशमां स्थान आपवामां आव्युं छे. आ कामने अंगे विद्यापीठना सेवक भाई गिरिराजजी तथा पं० सुरेशचंद्रजीनी मदद लीधी छे. भाई गिरिराज दिल्ही प्रांतना छे अने उर्दू सारी पेठे जाणे छे, ए आ कामने माटेनी तेमनी योग्यता बताववा पूरतुं छे. पं० सुरेशचंद्रजी युक्त प्रांतना वतनी छे अने वृंदावन अयोध्या वगेरे विभागोनी हिंदीथी परिचित छे. आ बेउ भाईओए मळीने, हिंदी-हिंदुस्तानीनी व्याख्यानी दृष्टिए शब्द-पसंदगी करवामां कीमती मदद करी छे. तेथी ज आ कोशनुं काम संतोषप्रद ने सहेलुं तथा झट बनी शक्युं छे.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

कोशनो विस्तार नाहक वधे नहि तेटला माटे, शब्दो लेवामां ए धोरण राख्युं छे के, जे शब्दो समान रूपे ने समान अर्थमां गुजरातीमां पण चालता होय, तेमने आ कोशमां आपवा जरूर नथी. ए नियमथी, मोटा भागना संस्कृत शब्दो, 'पूछना, मीचना, आदमी, ख़रीदना, ख़बरदारी,' वगेरे जेवा शब्दो आ कोशमां नथी संघर्या,—संघरवा जरूरना पण नथी. परंतु, जे शब्दोनी जोडणीमां के अर्थमां लिंगमां फरक होय तेवा लीधा छे. जेम के 'आत्मा, असर'मां गुजराती हिंदुस्तानीमां लिंगफेर छे; 'पहोंचवुं, पहुँचना' 'महसूल, महेसूल'मां जोडणीफेर छे; 'सगीर' 'संकीर्ण' वगेरे जेवा अनेक शब्दोमां अर्थभेद छे. लिंगफेरने अंगे एक वस्तु नोंधवी जोईए: हिंदीमां नपुंसक लिंग नथी. एटले जे शब्दो गुजरातीमां नपुंसक लिंगना छे अने हिंदुस्तानीमां पुंलिंग छे तेमने छोडी दीधा छे. ए लिंगफेरवाळा शब्दो लीधा नथी.

शब्दोना अर्थोनो विस्तार करवामां पण, गुजरातने केवा कोशनी आजे जरूर छे ते ख्यालमां राखीने चालवाथी, आपोआप केटलुंक लाघव साधी शकायुं छे.

तुलसी, कबीर, सुरदास जेवा भक्त–कविओ जे आपणे त्यां लोकप्रिय छे तेमना शब्दोने जो घटतुं स्थान आपवामां आवे तो कोशनी उपयोगिता सहेजे वधी जाय. ए ख्यालथी ते कविओना शब्दोने स्थान आपवामां आव्युं छे. पण तेनो अर्थ एम नथी के, तेमना अभ्यासीने ते कविओनां लखाणोना बधा ज शब्दो आ कोशमांथी मळशे. उपर जणाव्युं एम, आ शब्दसंग्रहनी पसंदगी करवामां गुजरातनी तात्कालिक जरूरने मुख्यत्वे नजर सामे राखवामां आवी छे. अने तेथी ज ते संग्रह आवडो नानो ने माफक किंमतनो करी शकायो छे.

राष्ट्रभाषाप्रचारने माटे लेवाती परीक्षाओमां तथा गुजरात विनय मंदिरनी सात श्रेणीओमां चालतां पाठ्यपुस्तकोना शब्दो आ कोशमां आवी जाय ते हेतुथी ते पुस्तको जोई जवामां आव्यां छे. ते उपरांत पण केटलुंक सामान्य वंचातुं साहित्य जोवामां आव्युं छे. बाकी, शब्दपसंदगी माटे, मुख्यत्वे, उपलब्ध कोशोमांथी सीधी विणामणी करवामां आवी छे. अने तेम करवाने माटे 'हिंदी शब्दसागर'नी नानी, मोटी ने मध्यम ए त्रण आवृत्तिओ, काशी विद्यापीठनो 'हिंदीशब्दसंग्रह', रेवरंड बेट कृत हिंदीभाषानो (अंग्रेजी) शब्दकोश, श्री. रामचंद्र वर्मा कृत 'उर्दू-हिंदी शब्दकोश', इंडियन प्रेसनी 'Hindustani English Dictionary', पं. रामनरेश त्रिपाठी कृत 'हिंदुस्तानी कोश' तथा बीजा केटलाक कोशोनो उपयोग करवामां आव्यो छे. ते सर्व ग्रंथोना विद्वान संपादकोनो आ स्थळे हुं आभार मानुं छुं.

हिंदी शब्दोना गुजराती अर्थो आपवामां एक ए ख्याल पण राख्यो छे के, मूळ हिंदी शब्दने मळतो जो गुजराती शब्द होय, अने ते अर्थमां, तो तेने नोंधवो. आथी करीने तुलनात्मक भाषाभ्यासीओने थोडी घणी सामग्री आ कोशमांथी मळशे एम मानुं छुं. केटलाक तद्भव शब्दो जे बेउ भाषामां समान रूपे ने समान अर्थमां छे ने जे, हुं उपर कही आव्यो एम, आ कोशमां नथी संघर्या, ते अलग वीणी काढ्या होय तो सारुं, एम एक संमान्य मुरब्बीनी सूचना हती. ए रसिक काम तो हवे आथी अलग रूपे क्यारेक करवा उपर छोडवुं जोईए. अत्यारे तो, कोशनो उपयोग करनारने तेना विना कशी अडचण नथी पडवानी एटलुं समाधान छे.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

उपरनी मर्यादामां रहीने काम करतां, लक्षावधि जेवडा हिंदी शब्दसागरमांथी १५३२० शब्दो आ कोशमां समाया छे. ते उपरांत, बेउ भाषामां तत्सम एवा संस्कृत तथा अन्य शब्दो जे आ कोशमां छोडी दीधा छे, ते उमेरो तो एटला ज बीजा थाय, एमां शंका नथी. एटले के, कुछ ३० हजार उपर शब्दो जेटलुं काम आ कोशथी सरशे एम गणाय. कोशमां नोंधेला शब्दो साथे व्याकरण अने केटलीक व्युत्पत्ति आपवामां आवी छे. तथा शब्दोनी साथे तेमना रूढ शब्दप्रयोगो पण नोंध्या छे. तेमां पण जे रूढिप्रयोगो गुजरातीमां पण ते ज रूपे चाले छे — अने तेवा घणा छे — तेमने नथी आप्या, केम के गुजराती वाचकने ते परिचित ज छे.

ता. ३०–४–’३९ — म० प्र० देसाई

२

ई. स. १९३९ ना मे मासमां ‘राष्ट्रभाषानो गुजराती कोश’ नामथी प्रसिद्ध करेला हिंदुस्तानी-गुजराती शब्दकोशनी नवे नामे ने सुधारेलीवधारेली आ बीजी आवृत्ति छे. पहेली आवृत्ति लगभग त्रणेक वर्षमां ज पूरी थई गई हती. पण वच्चे १९४२–४नो गाळो आववाथी तेनी नवी आवृत्ति आटली मोडी बहार पाडवी पडी छे.

आ वर्षोमां राष्ट्रना जीवननां अनेक क्षेत्रो जेम राष्ट्रभाषा–प्रचार विषे पण भारे फेरफार थयो छे. देशनुं आ काम एक पगलुं आगळ वध्युं छे. ई. स. १९४२ सुधी आ रचनाकार्य हिंदी साहित्य संमेलननी वर्धा समिति मारफत चालतुं हतुं. ते सालमां छेवटे ए संस्थाए स्पष्ट कर्युं के, ते तो नागरी लिपि अने हिंदी शैलीनो ज अनुक्रमे राष्ट्रलिपि अने राष्ट्रभाषा तरीके प्रचार करशे; आ तेनी मर्यादा छे. तेणे राष्ट्रभाषानुं राष्ट्र-मान्य ‘हिंदुस्तानी’ नाम पण अपनाववा तैयारी न बतावी. बेउ लिपि द्वारा लखाती उत्तर हिंदनी जे आम लोकभाषा ते राष्ट्रभाषा छे, एवी व्याख्यामां आम तेणे फेरफार कर्यो. आथी पूर्ण राष्ट्रभाषानुं ए काम करवा माटे राष्ट्रना आ रचनाकार्यना नेताओए ‘हिंदुस्तानी प्रचार सभा’नी स्थापना करी, अने तेनुं काम आपणे त्यां शरू थयुं.

आ स्थितिमां कोषे पोतानुं शब्दभंडोळ वधारवा उपरांत बेउ लिपिनो पण समावेश करवो जोईए. तो उपरना कार्यमां कोशे पोतानो फाळो आप्यो एम कहेवाय. आ दृष्टिए आ नवी आवृत्तिमां शब्दने बेउ लिपिमां आप्या छे. एटले के, नागरी जोडे उर्दू लिपिमां पण ते छाप्या छे. आ करी शकायुं तेथी संतोष थाय छे.

शब्दभंडोळ वधीने कुल १६००० थयुं छे. शब्दो उमेर्या छे ते चालु वंचातुं केटलुंक हिंदुस्तानी साहित्य जोईने. केटलाक मित्रोए पण लेवा जेवा शब्दोनी नानी मोटी यादी मोकली छे. ए बधानां नाम गणाव्या वगर ते सौनो आभार मानुं छुं.

शब्दो संघरवा अंगे आंकेली मर्यादा, आ आवृत्तिमांय चालु रहे छे. एक एवी सलाह हती के, गुजराती तथा हिंदुस्तानी बेउना एकसरखा शब्दो, के जे आ कोशमां नथी संघर्या, तेय लेवा. आ शब्दो लगभग १५००० थाय छे.

आ शब्दोनी यादी भाषाशास्त्रनी दृष्टिए करवा जेवी खरी. पण आ कोशमां ते उमेरवाथी कद वधे ने किंमत वधे, जे तेना प्रचारमां बाधा आणे. ए ज व्हेवारु ख्यालथी आ

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

शब्दो आ वेळाय नथी लीधा. आजनी मोंघवारीथी आमेय किंमत तो सारी पेठे वधी ज छे, जेने माटे तो कशो उपाय नथी.

गई आवृत्तिमां 'राष्ट्रभाषानुं स्वरूप' ए मथाळे पू. गांधीजीना विचारोने आमुख तरीके आपेला. आ वेळा तेमणे खास 'बे बोल'* लखी आप्या होवाथी ते भाग जतो कर्यो छे. गांधीजीना विचारो जाणवा माटे हवे तेमनुं 'राष्ट्रभाषा विषे विचार' ए नामनुं स्वतंत्र पुस्तक प्रसिद्ध थयुं छे, ते वाचक जुए.

छेवटमां एक वात : हिंदुस्तानी भाषाना प्रचारने अंगे एक गेरसमज थती जोवामां आवे छे, ते ए के, तेमां फारसी अरबी ने संस्कृत शब्दोनो अदलोबदलो के आघापाछी करवानी होय छे. पण, भाग्ये ज कोई एम माने छे. आ तो एक अवळी दलील ज छे. आ कोशनी पाछळ एवी कोई दृष्टि न मानवा विनंती छे. आजनी स्थितिमां हिंदी + उर्दू बेउ शब्दोनुं भंडोळ चालवानुं. लेखक पोतानां रुचि अने शिक्षण प्रमाणे सहेजे अहींथी के तहींथी शब्दो लखशे. जे शब्दो ने जे शैली सामान्य जनताने वधु समजाशे ने गमशे, ते वधु चालशे. आ मोटी कसोटीने जो लेखको अनुसरे, तो आपोआप तेओ सरळ लोकभाषा तरफ वळशे. ते हिंदी हशे तो सरळ हिंदी बनशे ने उर्दू हशे तो सरळ उर्दू बनशे. अने ए दिशामां जतां बेउ शैलीओ एक प्रचलित लोकभाषा, जेने हिंदुस्तानी नामथी कहेवामां आवे छे, तेनी वधुमां वधु नजीक, आपोआप पहोंचशे. आ काम कोशनुं नथी. कोशे तो चालु स्थितिमां काम दे एवो शब्दसंग्रह आपवानो छे. एथी ज एम केटलाक कहे छे के, आजे तो उर्दू शब्दकोश + हिंदी शब्दकोश = पूरो हिंदुस्तानी शब्दसागर गणाय.

एक आथी ऊलटी विचार-दिशा पण प्रवर्ते छे. अने ते ए के, पायानी हिंदुस्तानी जेवुं एक रूप संशोधवुं अने तेने माटे जरूरी एवुं नानुं पायारूप शब्द-भंडोळ खोलवुं. आवा प्रयत्नो पण एक बे जाणमां छे. राष्ट्रभाषाना खेडाण अने वृद्धिने अर्थे आवा आवा विविध अभ्यासो थवा जोईए; प्रांतीय भाषाओ अने हिंदुस्तानीमां एकसरखा शब्दोनी यादीओ थवी जोईए. आ बधुं खूब उपयोगी काम छे. ने तेमां अभ्यासीओ लागशे तो ज एक राष्ट्रभाषा निर्माणना महान कामने सारु वैज्ञानिक मदद पण मळी शकशे.

आ कोश तैयार करवा माटे शब्द-पसंदगी लोकमां प्रचलितताने धोरणे करवानी नेम राखी छे. एने पायानी के संपूर्ण हिंदुस्तानीनो कोश मानवानी भूल न करवामां आवे. एनी नेम एटली ज छे के, आजे आपणे त्यां हिंदुस्तानी प्रचारनी जे प्रगति छे तेने तेणे पहोंची वळवा मथवुं. ते अर्थ जेटलो सरे तेटलो एनी कृतार्थता छे. एने वापरनाराओ ए दृष्टिए एने आगळ उपर सुधारवावधारवा सक्रिय मदद करता रहे ए विनंती छे.

१२–३–'४६

म० प्र० देसाई

---

* आ 'बे बोल' आ निवेदन पछी आप्या छे ते जुओ.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बे बोल

हिंदुस्तानी-गुजराती कोषनी आ बीजी आवृत्ति छे। एवो कोष आपणी भाषामां बीजो में नथी जोयो। नागरी ने उर्दू लिपिमां साथे शब्दो आपवावाळो कोष ए नवुं साहस लागे छे। जो नागरी अने उर्दू लिपि साथे जाणवा ने हिन्दी अने उर्दू रूपमां साथे बोलवानी आवश्यकतानो स्वीकार थाय, तो आवा कोषोनी जरूरियात बहु छे।

आ कोष वापरवानी रीत सामान्य कोष वपराय छे तेम नथी। आ कोषने हिन्दुस्तानीनो अभ्यासी वारंवार जुए तो तेमांथी बन्ने लिपिनुं ने बन्ने बोलीना शब्दोनुं तेनुं ज्ञान सहेजे वधे। आ कोषना सदुपयोगनी बीजी रीत ए छे के, तेमां भूल रही गई होय तो तेनी नोंध करी लेवी ने जे शब्दो न मळे ते लखी लेवा, ने एनी नोंध वखतोवखत संपादकने मोकल्या करवी। संपादक पोते सूचनानो घटतो उपयोग नवी आवृत्तिने सारु करी शके अथवा वधारा तरीके जेनी पासे कोष होय ते नजीवे दामे नवी आवृत्तिनुं काम लई शके। वळी मूळ कोष खरीदनारने ते पुरवणी तरीके मोकली शकाय।

मारी उमेद छे के आ साहसने गुजराती जनता वधावी लेशे।

मद्रास जतां ट्रेनमां,
२१–१–'४६

मो० क० गांधी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

कोश वापरनारने सूचनाओ

१. कोशमां वपरायेली संज्ञाओनी समजूती आ प्रमाणे छे :

पुं० पुंल्लिग (नाम)	(प.) एटले के मुख्यत्वे पद्यमां वपराय छे
स्त्री० स्त्रीलिंग (नाम)	ब० व० बहुवचन
वि० विशेषण	ए० व० एकवचन
अ० अव्यय	अ. अरबी
स० सर्वनाम	फा. फारसी
अ० क्रि० अकर्मक क्रियापद	सं. संस्कृत
स०क्रि० सकर्मक क्रियापद	तु. तुर्की
	इं., अं. इंग्रेजी

२. शब्दनो क्रम गोठववामां अनुनासिक के अनुस्वारवाळो अक्षर ते वगरना अक्षरनी अगाउ मूकवामां आव्यो छे. एटले, दा०त० कंस, कंद वगेरे 'कई'नी पहेलां आवे. ते सिवाय बाकीनी गोठवणी कक्कावारीना सामान्य रखाता क्रममां छे.

३. शब्दना पेटामां तेना रूढिप्रयोग तथा तद्भव ने झट समजाय एवा शब्दो मूक्या छे. जेम के,

(१) '**कँचेरा**'नुं स्त्रीलिंग '**कँचेरिन**' ते शब्द जोडे (स्त्री० **–रिन**) एम करीने बताव्युं छे.

(२) '**कफ़न**' शब्दमां '**– को कोड़ी न होना**' एटले के '**कफ़नको कोड़ी न होना**' रूढिप्रयोग आप्यो छे.

(३) वि० साथे तेनुं स्त्रीलिंग रूप कौंसमां स्त्री० करीने टांक्युं छे. जेम के, **काहिल** वि० [स्त्री० **–ली**]. मूळ शब्द परथी बनतुं नाम आप्युं छे त्यां कौंसमां [नाम, . .] करीने आप्युं छे. जेम के, **गिड़गिड़ाना** [नाम, **–हट**] एटले के, **गिड़गिड़ाहट. गिलकार** [नाम, **–री**]. **लँगड़ा** वि० [अ० क्रि० **–ना**] एटले के '**लँगड़ाना**' वगेरे. तेम ज क्रियापद, विशेषणनुं पण समजवुं.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

४. मूळ शब्दना विकल्प होय तो तेमने आखा लखवाने बदले, शक्य होय त्यां, नीचे प्रमाणे टूंकावीने मूक्या छे. जेम के,

तिकोना (–निया) = तिकोना, तिकोनिया
तिरछ (–छा) ई = तिरछई, तिरछाई
रिझा (०व) ना = रिझाना, रिझावना

एटले के, आ – संज्ञा तेनी पूर्वेना अक्षरने बदले लेतां थता शब्दनो अने आ ० संज्ञा तेमां उमेरीने बनता शब्दनो विकल्प सूचवे छे.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अ

अंक पुं० (सं.) अंक; संख्यानो आंकडो (२) आंक; निशान (३) नाटकनो अंक (४) खोळो. **–देना, –भरना, –लगाना** = भेटवुं; जुओ 'अँकवार देना' [आंकडानुं गणित

अंकगणित पुं० (सं.) संख्यानुं –

अँकड़ी स्त्री० जुओ 'अँकुड़ी'

अंकन पुं० (सं.) आंकवुं ते; आंकणी

अंकपाली स्त्री० (सं.) धाव; आया

अंकमाल पुं० गळे वाझीने भेटवुं ते. **–देना** = भेटवुं [धान

अँकरा पुं० घउं भेगुं ऊगतुं एक हलकुं

अँकवार स्त्री० गोद; छाती. **–देना, –भरना** = भेटवुं; छाती सरसुं लगाववुं

अँकाई स्त्री० आंकवुं ते; जुओ 'अँकाव'

अँकाना स०क्रि० ('आँकना'नुं प्रेरक) अंकाववुं; अंदाज कढाववो (२) परखाववुं; परीक्षा कराववी [अटकळ

अँकाव पुं० आंकवानुं काम (२) अंदाज;

अंकित वि० (सं.) आंकेलुं के अंकायेलुं

अँकुड़ा पुं० आंकडो

अँकुड़ी स्त्री० नानो आंकडो

अँकुड़ीदार वि० आंकडावाळुं

अंकुर पुं० (सं.) अंकुर; नवो फूटेलो फणगो. **-आना, उगना, निकलना, फूटना, फेंकना** = अंकुर फूटवो [अंकुरवाळुं

अंकुरित वि० (सं.) अंकुर फूटेलुं;

अंकुश पुं० (सं.) हाथीनो अंकुश (२) प्रतिबंध; काबू; दाब **(–देना, रखना)**

अंकुशग्रह पुं० (सं.) महावत

अँकुस पुं० अंकुश

अँकुसी स्त्री० आंकडी; हूक

अँकोर पुं० अंक; खोळो (२) भेट; नजराणुं (३) लांच (४) खेडूतनुं भाथुं के भात [भेटवुं ते

अँकोरी स्त्री० अंक; खोळो (२)

अँखड़ी स्त्री० आंख [मिचौली'

अँख-मीचनी स्त्री० जुओ 'आँख-

अँखिया स्त्री० आंख

अँखुआ पुं० (सं. अंकुर) बीजमांथी फूटतो अंकुर के कूंपळ. **–आना, उगना, निकलना, फूटना, फेंकना, लेना** = अंकुर फूटवो [ऊगवुं

अँखुआना अ० क्रि० अंकुर फूटवो;

अंगड़-खंगड़ वि० वध्धुंघटचुं; तूटचुं-फूटचुं (२) पुं० भंगार

अंग पुं० (सं.) अंग; शरीर (२) भाग; टुकडो. **–करना** = अंगीकार करवुं. **–देना** = वामकुक्षी करवी. **–मोड़ना** = लज्जाथी शरीर संकोचवुं. (२) आळस खावी. **–लगना** = पचवुं; लोही लई पुष्ट थवुं (२) कोईना खपमां आववुं. **–लगाना** = भेटवुं (२) स्वीकारवुं; अपनाववुं (३) लग्न कराववुं

अंगज वि० (सं.) अंगमांथी जन्मेलुं (२) पुं० पुत्र, परसेवो, वाळ, काम, क्रोध इ०. **अंगजा** स्त्री० पुत्री

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अँगड़ाई स्त्री० शरीर फाटवुं ते (जेम के ताव आवतां पहेलां) (२) आळसथी के शरीर जकडाईने अक्कड थयुं होय तेथी शरीरनां अंगो ताणतां फेलाववां ते. **—तोड़ना** = आळसु बेठा रहेवुं; काम न करवुं

अँगड़ाना अ०क्रि० शरीर फाटवुं (२) आळस काढवा के अंगो अकडावाथी शरीर ताणवुं – खेंचवुं

अंगण पुं० आंगणुं [बखतर; कवच

अंगत्राण पुं० (सं.) अंगरखुं (२)

अंगदान पुं० (सं.) पीठ देखाडवी; युद्धमां पाछुं पडवुं ते

अँगना पुं० (प.) आंगणुं

अंगना स्त्री० (सं.) सुन्दर स्त्री

अंगभंग पुं० (सं.) अंगनी खोड; अपंगता (२) वि० खोडीलुं

अंगभंगी स्त्री० (सं.) भंगी; नखरां; शरीरना कामुक चाळा

अंगभाव पुं० (सं.) अंगनी चेष्टाथी बतावातो मनोभाव

अंगभूत पुं० (सं.) जुओ 'अंगज'; पुत्र (२) वि० अंतर्गत; अंगनुं

अंगमर्द पुं० (सं.) अंग फाटवुं के कळवुं ते (२) अंग दाबनार – चंपी करनार

अँगरखा पुं० अंगरखुं; 'अंगा'

अँगरा पुं० अंगारो

अँगराना अ० क्रि० जुओ 'अँगड़ाना'

अँगरेज़ पुं० अंग्रेज

अँगरेज़ी स्त्री० अंग्रेजी भाषा

अंगलेट पुं०; स्त्री० शरीरनुं काठुं–बांधो

अँगवना स० क्रि० (प.) सहवुं; खमवुं; वेठवुं [कामदेव

अंगहीन वि० (सं.) अपंग (२) पुं०

अंगा पुं० अंगरखुं

अंगाकड़ी स्त्री० अंगार उपर शेकीने करेली रोटी; बाटी

अंगार पुं० (सं.) अंगारो. **—उगलना** = अंगारा जेवा बोल काढवा; आग वर्षाववी. **—पर पैर रखना** = जाणी जोईने नुकसान के मुश्केलीमां ऊतरवुं. **लाल अंगारा** = वि० लालचोळ; खूब गुस्से थयेलुं

अंगारक पुं० (सं.) अंगारो (२) मंगळ ग्रह [झाड

अंगारपुष्प पुं० (सं.) इंगोरी; इंगुदीनुं

अंगारमणि पुं० (सं.) माणेक [वेल

अंगारवल्ली स्त्री० (सं.) चणोठीनी

अंगारा पुं० अंगारो

अंगारिणी स्त्री० (सं.) सगडी (२) सूर्यास्तनी दिशा – पश्चिम

अंगारी स्त्री० नानो अंगारो; तणखी (२) चिनगारी (३) सगडी

अँगारी स्त्री० शेरडीना सांठा परनां पान (२) गंडेरी; शेरडीना वडवा

अँगिया स्त्री० (सं. अंगिका, प्रा० अंगिया) चोळी; स्त्रीनुं कापडुं

अंगी पुं० (सं.) देहधारी

अंगीकार पुं० (सं.) स्वीकार

अंगीकृत वि० (सं.) स्वीकृत; मंजूर; अपनावेलुं

अँगीठा पुं० (सं. अग्नि + स्था) मोटी सगडी. **अँगीठी** स्त्री० सगडी

अंगुर पुं० अंगुल; आंगळ

अंगुरी स्त्री० अंगुली; आंगळी

अंगुल पुं० (सं.) आंगळ

अंगुली स्त्री० (सं.) आंगळी (२) हाथीनी सूंढनुं टेरवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अंगुल्यादेश पुं०(सं.) इशारो; आंगळीथी निशानी करवी ते [ते; बदनामी

अंगुल्यानिर्देश पुं० (सं.) आंगळी चींधवी

अंगुश्त पुं० (फा.) आंगळी

अंगुश्तनुमाई स्त्री० (फा.) आंगळी–देखामणुं; बदनामी; कलंक; लांछन

अंगुश्तरी स्त्री० (फा.) 'अँगूठी'; वींटी

अंगुश्ताना पुं० (फा.) सीवती वखते दरजी आंगळी पर पहेरे छे ते अंगूठी

अंगुष्ठ पुं० (सं.) अंगूठो

अँगुसी स्त्री० जुओ 'अँकुसी' (२) सोनीनी फूंकणी; 'बंकनाल'

अँगूठा पुं० (सं. अंगुष्ठ) अंगूठो. **–चूमना** = खुशामत करवी (२) ताबे–अधीन थवुं. **–दिखाना** = टिक्को बतावववो; कांई करवा के देवा ना कहेवी. **अँगूठे पर मारना** = तुच्छ-कारवुं; परवा न करवी

अँगूठी स्त्री० 'अंगुश्तरी'; वींटी

अंगूर पुं० (फा.) अंगूर–लीली द्राक्ष

अंगूरी वि० अंगूरनुं बनेलुं के तेना रंगनुं (२) पुं० आछो लीलो रंग

अँगेठी स्त्री० जुओ 'अँगीठी'

अँगोछना अ० क्रि० अंगूछाथी शरीर लोहवुं [टुवाल

अँगोछा पुं० अंगूछो; अंग लोहवानो

अँगोछी स्त्री० नानो अंगूछो के टुवाल (२) पंचियुं; नानी पोतडी

अँगोरा पुं० मच्छर

अंग्रेज,–जी जुओ 'अँगरेज,–जी'

अंघस पुं० पाप ['आखा'

अँघिया स्त्री० झीणा लोटनी चाळणी;

अंघ्रि पुं० (सं.) पग

अंघ्रिप पुं० (सं.) झाड

अँचरा पुं० अंचल; साडीनो छाती पर आवतो भाग; पालव

अंचल पुं० (सं.) पालव (२) छेवाडा-नो भाग (३) किनारो

अँचला पुं० साधुओ धोतियाने बदले वींटे छे ते कपडानो टुकडो

अँचवना स०क्रि० जुओ 'अचवना'

अंछर पुं० जादुमंतर. **–मारना** = जादु करवो के मंत्र मारवो

अंज पुं० कमळ

अंजन पुं० (सं.) आंजवुं के अंजावुं ते(२) काजळ; सुरमो (३) शाही (४) एक जातनुं बगलुं (५) माया

अंजनशलाका स्त्री० (सं.) सुरमो आंजवानी सळी [आंजेलुं

अंजनसार वि० अंजनवाळुं; सुरमो

अंजनहारी स्त्री० जुओ 'अंजनी'(२) माटीनुं घर करती एक जातनी भमरी

अंजना,–नी स्त्री० आंखनी आंजणी

अंजबार पुं० (फा.) एक औषधि

अंजर-पंजर पुं०(सं. पंजर) पांसळी के तेनो माळो (२) अ० आसपास; नजीक. **–ढीला होना** = शरीरना सांधा ढीला थवा; सुस्त के शिथिल थवुं [अन्नजल

अंजल,–ला पुं० जुओ अंजलि (२)

अंजलि,–ली स्त्री० (सं.) अंजलि; बे हाथनी पोश, खोबो के तेमां माय तेटलुं के ते

अंजलि(–ली)पुट पुं० (सं.) अंजलि

अँजवाना स०क्रि० 'आँजना'नुं प्रेरक; अंजाववुं (अंजन, सुरमो इ०)

अंजही स्त्री० दाणापीठ

अँजाना स० क्रि० जुओ 'अँजवाना'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अंजाम पुं० (फा.) आखर; अंत (२) परिणाम. **– करना, – देना, – पर पहुँचना** = पूरुं करवुं; निपटाववुं

अंजाम-कार अ० आखरे; छेवटे

अंजित वि० (सं.) अंजायेलुं के आंजेलुं

अंजीर पुं० अंजीर के तेनुं झाड

अंजुमन स्त्री० (फा.) सभा; मंडळ; संस्था

अँजुरी(–ली) स्त्री० अंजलि; खोबो

अँजोर,–रा पुं० अजवाळुं; प्रकाश [(दीवो)

अँजोरना स० क्रि० चेताववुं; प्रगटाववुं

अँजोरा पुं० जुओ अँजोर (२) वि० अजवाळावाळुं. **अँजोरा पाख** = अजवाळियुं [अजवाळियुं

अँजोरी स्त्री० अजवाळुं (२) चांदनी;

अंझा पुं० (सं. अनध्याय) अणोजो; छुट्टी

अँटना अ० क्रि० समावुं; बरोबर आवी रहेवुं; पूरतुं होवुं ['अंडबंड'

अंटसंट अ० पाया वगर; अप्रस्तुत;

अंटा पुं० गोळो (२) मोटी कोडी – कोडो (३) 'बिलियर्ड'नी रमत

अंटा गुड़गुड़ वि० नशामां चकचूर; बेहोश [जगा

अंटाघर पुं० 'अंटा'–बिलियर्ड रमवानी

अंटाचित अ० चत्तापाट – लांबुंछट पडेलुं. **– करना** = चित करवुं; पछाडवुं. **– होना** = बेहोश थईने पडवुं (२) नकामुं के बरबाद थवुं

अँटिया स्त्री० पूळी; पुळेटी

अँटियाना स० क्रि० आंटी के गूंचळी करवी (२) आंगळीओ वडे छुपाववुं

अंटी स्त्री० बे आंगळीओ वच्चेनी जगा के गाळो (२) ओटी (३) (दोरानी) आंटी के ते उतारवानुं अटेरण (४) आंटी; विरोधभाव. **– करना** = छेतरी लेवुं (२) अटेरवुं. **– रखना** = छुपाववुं; दबावी राखवुं

अँटौतल पुं० घाणीना बळदनी आंखनुं ढांकण

अंड पुं० (सं.) 'अंडा'; ईंडुं (२) पेळ; गोळी; अंडकोश (३) ब्रह्मांड (४) (देहना) पंच कोश

अंडकोश पुं० (सं.) अंड के अंडनी कोथळी (२) ब्रह्मांड (३) फळनुं छोतरुं

अंडज पुं० (सं.) ईंडामांथी थतो जीव (सर्प, पक्षी, माछली इ०)

अंडबंड स्त्री० अडसट–उटपटांग वात; बकवाद (२) वि० उटपटांग; नकामुं; ढंगधडा वगरनुं

अंडवृद्धि स्त्री० (सं.) गुह्यांगनी गोळी वधवानो रोग

अंडस स्त्री० कठिनता; मुश्केली; संकट

अंडा पुं० अंड; ईंडुं. **– ढीला होना** = सांधा गगडी जवा; खूब श्रम पडवो; थाकी जवुं. **– फूट जाना** = भ्रम के भेद खूली जवो. **– सरकना** = पांगोठां हलाववां; मथवुं. **– सेना** = घर-कुकडी बनी बेठा रहेवुं (२) बाळ-बच्चांने गोदमां लईने सूवुं

अंडाकार वि० (सं.) ईंडाना आकारनुं; लंबगोळ [लंबगोळ

अंडाकृति स्त्री० (सं.) ईंडानो आकार;

अंडी स्त्री० दिवेली के दिवेलो; एरंडी के एरंडो (२) एक रेशमी कापड

अँडुआ पुं० सांढ; खसी न करेलुं पशु; 'आँडू'; 'बंधिया'. **– बैल** = सांढ (२) (ला.) सुस्त माणस

अँडुआना स० क्रि० खसी करवुं

अंडैल वि० (पेटमां) ईंडावाळुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अंत पुं० (सं.) अंत; आखर (२) परिणाम; फळ (३) मोत; मरण (४) जुओ 'आँत' (५) अ० अंते (६) (प.) अन्यत्र; बीजे; अलग. **–करना** =हद करवी (२) खतम करवुं. **–पाना** =भेद के मर्म पामवो. **–बनना** =सारुं परिणाम आववुं; सफळ थवुं. **–बिगड़ना** =बूरुं फळ आववुं (२) अवगति थवी. **–होना** =नाश थवो

अंतक पुं० (सं.) यमराजा (२) संनिपात; मूंझारो (३) शिव [घडी

अंतकाल पुं० (सं.) आखरनी–मोतनी

अंतक्रिया स्त्री० (सं.) मर्या बादनुं कारज; अंत्येष्टि [गत; निपुण

अंतग पुं० (सं.) अंतरयामी (२) पारं-

अंतगति स्त्री० (सं.) मरण

अँतड़ी स्त्री० आंतरडुं. **अंतड़ियोंका बल खोलना** =बहु दिवसो बाद खावानुं मळे त्यारे खूब पेट भरीने खावुं. **–गलेमें पड़ना** =कशी आपत्तिमां फसावुं. **–जलना** =खूब भूख लागवी

अंतपाल, पुं० (सं.) द्वारपाळ (२) सरहदनो रक्षक

अंतरंग वि० (सं.) अंदरनुं (२) नजीकनुं; आत्मीय ('बहिरंग' थी ऊलटुं) (३) पुं० दोस्त

अंतर पुं० (सं.) अंतर; वच्चेनो गाळो के तेनुं माप (२) मन; अंतःकरण (३) अंतरपट; पड़दो (४) अलगता (५) (प.) अंदर

अंतरजामी पुं० अंतर्यामी; परमेश्वर

अंतरदिशा स्त्री० (सं.) बे दिशा वच्चेनी दिशा; खूणो ['कपड़मिट्टी'

अंतरपट पुं० (सं.) आड; पडदो (२) जुओ

अँतरा पुं० आंतरो; गाळो (२) एकांतरो ताव (३) खूणो (४) वि० एक छोडीने बीजुं

अंतरा अ० वच्चे; मध्यमां (२) पासे; नजीक (३) विना; सिवाय (४) पुं० संगीतनो अंतरो (५) सवार सांज वच्चेनो समय –दिवस [अंतःकरण

अंतरात्मा स्त्री० (सं.) जीवात्मा (२)

अंतराय पुं० (सं.) विघ्न; बाधा; हरकत

अंतराल पुं० (सं.) अंतरियाळ; वचगाळो (२) घेरो के घेरायेली जगा

अंतरि(–री)क्ष, –ख पुं० (सं.) आकाश (२) वि० अंतर्धान; अलोप

अंतरित वि० (सं.) अंदर करेलुं, राखेलुं के समायेलुं (२) छूपुं; अंतर्धान (३) ढांकेलुं [भूशिर

अंतरीप पुं० (सं.) टापु; द्वीप (२)

अंतरीय वि० (सं.) अंदरनुं (२) पुं० धोतियुं [–अस्तर जेवुं कपडुं

अँतरौटा पुं० झीणी साडी नीचे पहेरातुं

अंतर्गत वि० (सं.) अंदरनुं; अंदर आवेलुं (२) छूपुं; गुप्त [भावना

अंतर्गति स्त्री० (सं.) मननो भाव के वृत्ति;

अंतर्द्धान पुं० अंतर्धान; अलोप

अंतर्नाद पुं० (सं.) अंतरनो अवाज

अंतर्बोध पुं० (सं.) आत्मज्ञान

अंतर्भाव पुं० (सं.) अंदर लपावुं के समावुं ते (२) अंतरनो भाव – मतलब, आशय

अंतर्भूत वि० (सं.) अंदर समायेलुं (२) पुं० जीव; प्राण

अंतर्मुख वि० (सं.) अंदरनी बाजु मुखवाळुं (२) 'बहिर्मुख' थी ऊलटुं

अंतर्यामी वि० (२) पुं० (सं.) अंतरजामी; भगवान

अंतर्वर्ती वि० स्त्री० सगर्भा (२) अंदरनी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अंतर्वाणी पुं० विद्वान; पंडित
अंतर्विकार पुं० (सं.) भूख, तरस, इ० शरीरधर्म [ब्रह्मावर्त
अंतर्वेद पुं० (सं.) दोआब (२) (सं.)
अंतर्वेशिक पुं० (सं.) जनानखानानो रक्षक; खोजो [थयेलुं
अंतर्शय्या स्त्री० मरणनो चोको (२) स्मशान (३) मृत्यु
अंतर्हित वि० (सं.) गुप्त; अंतर्धान
अंतस पुं० अंतःकरण
अंतसद पुं० चेलो; अंतेवासी
अंतस्थ वि० (सं.) अंदरनुं (२) अंतरियाळ (३) पुं० य, र, ल, व चार अर्धस्वर
अंतस्सलिल वि० (सं.) जमीननी अंदर जेनो प्रवाह होय एवुं [फल्गु नदी
अंतस्सलिला स्त्री० (सं.) सरस्वती के
अंतःकरण पुं० (सं.) मन; चित्त
अंतःपुर पुं० (सं.) जनानखानुं
अंतावरी स्त्री० आंतरडां
अंतिम वि० (सं.) आखरी; सौथी छेडेनुं (२) सौथी श्रेष्ठ [अंत्यज
अंतेवासी पुं० (सं.) शिष्य (२) चांडाल;
अंत्य वि० (सं.) अंतिम; आखरी
अंत्यकर्म पुं० (सं.) अंत्येष्टि क्रिया; कारज [मनायेलो ते
अंत्यज पुं० (सं.) वर्णोमां छेल्लो
अंत्याक्षरी स्त्री० अंतकडीनी रमत
अंत्येष्टि पुं० (सं.) उत्तरक्रिया; कारज
अंत्र पुं० (सं.) आंतरडुं [रोग
अंत्रवृद्धि स्त्री० (सं.) आंतरडानो एक
अंदर अ० (फा.) अंदर; महीं
अँदरसा पुं० एक मीठाई; अनारसुं
अंदरी(–रूनी) वि० (फा.) अंदरनुं; भीतरनुं
अंदाज पुं० अन्दाज; अडसट्टो; अटकळ; अनुमान (२) ढब; ढंग; रीत (३) भाव; चेष्टा. **–उड़ाना** = चाळा पाडवा. **–करना, –लगाना** = अन्दाज काढवो
अंदाजन् अ० (फा.) अडसट्टे; अंदाजथी
अंदाजपट्टी स्त्री० जुओ 'कनकूत'
अंदाजा पुं० (फा.) अंदाज; अटकळ
अंदेशा पुं० (फा.) चिंता; फिकर (२) अंदेशो; संशय (३) डर; आशंका (४) दुविधा; डामाडोळपणुं
अंदोख़्ता वि० (फा.) बचत; जमा; संघरेलुं
अंदोर पुं० (प.) शोरबकोर [फिकर
अंदोह पुं० (फा.) शोक; दुःख (२) चिंता;
अंध वि० (सं.) आंधळुं (२) अज्ञान; असावध (३) पुं० आंधळो (४) घुवड (५) चामाचीडियुं (६) अंधकार
अंधक पुं० (सं.) आंधळो
अंधकार पुं० (सं.) अंधारुं [नरक
अंधकूप पुं० (सं.) अंधारो कूवो (२) एक
अंधखोपड़ी स्त्री० मूर्ख; अक्कल वगरनुं माणस
अंधड़ पुं० आंधी; तोफान
अंधधुंध पुं० जुओ 'अंधाधुंध'
अंधपरंपरा पुं० (सं.) गाडरियो प्रवाह
अंधबाई स्त्री० आंधी; वावंटोळ
अँधरा पुं० आंधळो (२) वि० अंध
अंधा वि० (२) पुं० आंधळो. **–दीया** = मंद बळतो दीवो. **–बनना** = जाणी जोईने ध्यान पर न लेवुं; आंख आडा कान करवा. **अंधेकी लकड़ी या लाठी** = एकमात्र आधार (२) एकनो एक छोकरो
अंधाधुंध स्त्री० अंधाधूंधी; अंधेर
अँधियार,–रा वि० (२) पुं० जुओ 'अँधेरा'
अँधियारी स्त्री० पशुओने आंख पर बंधाती पट्टी के ढांकण; 'अँधेरी'
अंधेर पुं० अंधेर; अन्याय; गरबडगोटो
अंधेर-खाता पुं० अंधेरखातुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अँधेरना स० क्रि० अंधारुं करवुं
अँधेरा पुं० (२) वि० अंधारुं. **–गुप** या **धुप**=अंधारुं घोर; गाढ अंधकार. **अँधेरे मुँह, मुँह अँधेरे**=भरभांखळे; मळसके [वद पक्ष
अँधेरिया स्त्री० अंधारुं (२) अंधारियुं;
अँधेरी पुं० अंधकार (२) अंधारी रात (३) 'अंधड़'; आंधी (४) बळद, घोडानी आंख पर बंधातो पडदो. **–कोठरी**=पेट; गर्भ; कूख (२) गुप्त भेद. **–डालना** या **देना**=आंखमां धूळ नाखवी; दगो देवो; छेतरीने खाडामां नाखवुं [ढांकण; 'अँधियारी'
अँधौटी स्त्री० बळद के घोडानी आंखनुं
अंब स्त्री० अंबा; माता (२) पुं० आंबो
अंबक पुं० (सं.) आंख
अंबर पुं० (अ.) एक सुगंधी चीज जे वहेल माछलीमांथी मळे छे (२) एक अत्तर [छटा
अंबर-डंबर पुं० सूर्यास्त वेळाना रंगनी
अंवर-बेलि स्त्री० अमरवेल; अंतरवेल
अँबराई स्त्री०, **–व** पुं० (सं. आम्र+राजी) अमराई; आंबावाडियुं
अंबा स्त्री० (२) पुं० (सं.) जुओ 'अंब'
अंबार पुं० ढगलो; 'ढेर'
अंबारी स्त्री० 'अमारी'; हाथीनी अंबाडी
अँबिया स्त्री० नानी काची केरी; मरवो
अंबिया पुं० (अ. 'नवी' नुं ब० व०) नवी अने पेगम्बरो
अँबिरथा अ० (प.) वृथा; व्यर्थ
अंबु पुं० (सं.) पाणी
अंबुज पुं० (सं.) कमळ
अंबुधर पुं० (सं.) वादळ
अंबुधि, –निधि पुं० (सं.) समुद्र
अंबुप, –पति पुं० (सं.) समुद्र (२) वरुण देव
अंबुशायी पुं० (सं.) विष्णु
अंबोह पुं० (फा.) टोळुं; भीड
अंभ पुं० पाणी
अंभोज पुं० (सं.) कमळ
अंश पुं० (सं.) भाग (२) अपूर्णांकनो अंश (३) खूणाना मापनो अंश
अंशपत्र पुं० (सं.) भागीदारीनुं खतपत्र
अंशी वि० (सं.) अंश–भागवाळुं (२) अवतारी (३) पुं० भागियो
अंशु पुं० (सं.) किरण (२) बहु थोडो–अंशमात्र भाग (३) सूतरनो तागडो (४) सूर्य
अंशुमान्, –ली पुं० (सं.) सूर्य
अंस पुं० अंश; भाग; खंड
अंसर पुं० (अ.) जुओ 'अन्सर'
अँसुआ, –वा पुं० (प.) आंसवुं; आंसु
अँसुवाना अ० क्रि० (प.) आंसु भरावां
अंह, अंहस पुं० (सं. अंहस्) पाप
अउ, अउर अ० (प.) जुओ 'और'
अऊत वि० (प.) अपुत्र; वांझियुं
अएरना स० क्रि० (प.) ग्रहण करवुं; स्वीकारवुं
अकंटक वि० (सं.) निष्कंटक; निर्विघ्न; शत्रु वगरनुं [व्यभिचारी
अकच्छ वि० नागुं (२) काछडीछूटुं;
अकड़ स्त्री० अकडाट; अकडावुं ते (२) अकडाई; एंट; जीद (३) घमण्ड; शेखी (४) धीटपणुं; धृष्टता
अकड़ना अ० क्रि० अकडावुं (जुओ 'अकड़') (२) मिजाज करवो (३) शेखी मारवी (४) हठ करवी
अकड़बाई स्त्री० शरीरनो अकडाट; तेथी थती पीडा के दुखावो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अकड़बाज वि० शेखीखोर; अहंकारी
अकड़बाजी स्त्री० अकडाई; शेखी
अकड़ाव पुं० अकडावुं ते
अकड़(-ड़ैत) वि० 'अकड़'वाळो (जुओ 'अकड़'); अभिमानी; घमंडी
अकथ, अकथनीय, अकथ्य वि० (सं.) न कही शकाय के न कहेवा जेवुं
अक़द पुं० (अ.) प्रतिज्ञा; वायदो
अक़दस वि० (अ.) पाक; पवित्र
अकनना स० क्रि० (प.) सांभळवुं
अकना अ० क्रि० गभरावुं
अकबद स्त्री० बकबकाट; नकामो लवारो (२) गभराट; धडक (३) वि० निस्तब्ध; अवाक [चकित थवुं
अकबकाना अ० क्रि० गभरावुं (२)
अकबर वि० (अ.) सौथी मोटुं; महानमां महान
अकबरी स्त्री० एक प्रकारनी मीठाई (२) लाकडा परनुं एक प्रकारनुं नकसीकाम
अक़बाल पुं० जुओ 'इक़बाल'
अकर वि० करवामां कठण (२) कर के महेसूलमां माफ (३) कर-हाथ विनानुं
अकरकरा पुं०(सं.आकरकरभ)अक्कलगरो
अकरण पुं० (सं.) कर्मनो अभाव (२) ईश्वर (३) वि० अकरणीय
अकरणीय वि० (सं.) न करवा लायक
अकरास स्त्री० अकडावुं ते; जुओ 'अँगड़ाई' (२) आळस
अकरासू वि० स्त्री० गर्भवती
अकरी स्त्री० वावणियो [करनार
अकर्मण्य वि० (सं.) आळसु; काम न
अकर्मी पुं० (सं.) पापी; दुष्कर्मी
अकलंक,-कित वि०(सं.)निर्दोष [बेचेन
अकल वि० (सं.)अकळ(प्रभु)(२)आकुळ;
अक़ल स्त्री० (अ.) अक्कल
अकलखुरा वि० आपमतलबी; एकलपेटुं
अक़लन् अ० (अ.) अक्कलमां; समजमां
अक़लियत स्त्री० लघुमती
अक़लीम स्त्री० (अ.) देश; प्रांत
अकवन पुं० 'आक'; आकडो
अक़स पुं० (अ.) वेर; खार
अकसना स० क्रि० वेर, द्वेष, खार राखवो
अकसर अ० जुओ 'अक्सर'
अकसरियत स्त्री० जुओ 'अक्सरियत'
अक़साम पुं० (अ. 'क़िस्म'नुं ब०व०) प्रकार (२) कसम; शपथ
अकसीर स्त्री० (अ.) रसायण (२) रोग मटाडवानो कीमियो (३) वि० रामबाण [(२) दैवयोगे
अकस्मात् अ० (सं.)अचानक; ओचिंतुं
अकह,-हुवा वि० (प.) जुओ 'अकथ'
अकांड वि० (सं.) शाखारहित (२) अकस्मात्; अकारण
अकाउंट पुं० (इं.) हिसाव; नामुं [नीस
अकाउंटंट पुं०(इं.)नामुं लखनार; हिसाब-
अकाज पुं० नुकसान; अकार्य (२) खोटुं बूरुं काम (३) अ० अकाज; व्यर्थ; नकामुं
अकाजना अ० क्रि० नुकसान जवुं (२) मरवुं (३) स० क्रि० हानि करवी
अकाट्य वि० कापी न शकाय एवुं; मजबूत [नकामुं
अकाम वि० (सं.) निष्काम (२) अ०
अकाय वि० (सं.) अशरीरी; निराकार
अक़ायद पुं० (अ.) 'अक़ीदा'नुं ब० व०
अकारत,-थ अ० व्यर्थ; निष्फळ; निरर्थक
अकाल पुं० (सं.) दुकाळ (२) कवखत
अकालमूर्ति स्त्री० (सं.) नित्य अविनाशी पुरुष [नानकपंथी
अकाली पुं० काळो फेंटो बांधतो एक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अक़ास पुं० (प.) आकाश
अकासबानी स्त्री० आकाशवाणी
अकासबेल स्त्री० अंतरवेल
अकिंचन वि० (सं.) गरीब
अकिल स्त्री० अक्कल
अकिलदाढ़ स्त्री० डहापणनो दांत
अक़ीक़ पुं० (अ.) अकीक पथ्थर
अक़ीदत स्त्री० (अ.) धार्मिक श्रद्धा (२) कोई धर्मनी मूळ मान्यता जे वगर कोई ए धर्मनो न गणाय [मजहब
अक़ीदा पुं०(अ.) दृढ विश्वास (२) धर्म;
अकीर्ति स्त्री० (सं.) अपकीर्ति; अपजश
अक़ील पुं० (अ.) (स्त्री० **–ला**) अक्कलमन्द; बुद्धिमान
अकुंठ वि० (सं.) अकुंठित; तीक्ष्ण
अकुल, –लीन वि० (सं.) हलका कुळनुं (२) पुं० हलकुं, ऊतरतुं कुळ
अकुलाना अ० क्रि० (सं० आकुल) जलदी करवुं; उतावळा थवुं (२) गभरावुं; अकळावुं
अकूत वि० बेशुमार; अपरिमित
अक़ूबत स्त्री० (अ.) दंड; सजा
अकृत वि० (सं.) स्वयंभू (२) नकामुं; खराब
अकेला वि० (स्त्री० **–ली**) एकलुं (२) अपरिणीत (३) पुं० एकान्त; निर्जन स्थान. **– दम** = एक ज प्राणी. **–दुकेला** = एकलदोकल
अकेले अ० एकल; एकाकी (२) मात्र; फक्त. **– दुकेले** = अ० साव एकलुं
अक्का स्त्री० (सं.) माता (२) मोटी बहेन
अक्खड़ वि० मनस्वी; उद्धत (२) झघडाखोर (३) असभ्य (४) नीडर (५) आखाबोलुं
अक्खर पुं० (प.) अक्षर [थेलो, गूण
अक्खा पुं० पशु पर अनाज लादवानो
अक्टोबर, अक्तूबर पुं० ऑक्टोबर मास
अक़्द पुं० (अ.) संबंध (२) सगाई; (३) शादी (४) एकरार [व्यवस्थित
अक्रम वि० (सं.) क्रम विनानुं; अ-
अक्रिय वि० (सं.) कर्म न करनारुं (२) जड; निश्चेष्ट
अक़्ल स्त्री० (अ.) अक्कल; बुद्धि; समज. **–का चरने जाना** = बुद्धि – समज न होवी. **–का दुश्मन, –का पूरा** = बेवकूफ; मूर्ख. **–ख़र्च करना** = विचारवुं; बुद्धि लगाववी
अक़्लमन्द वि० (फा.) अकलमन्द; समजदार; बुद्धिमान
अक़्लमन्दी स्त्री० समजदारी; बुद्धिमत्ता
अक्ष पुं० (सं.) रमवानो पासो के तेनी रमत (२) पृथ्वीनी धरी (३) त्राजवानी दांडी (४) आंख; अक्षि
अक्षत वि० (सं.) अखंड; आखुं (२) पुं० अक्षत – चोखा, डांगर इ०
अक्षम वि० (सं.) क्षमा वगरनुं (२) अशक्त [अजर अमर
अक्षय, –य्य वि० (सं.) अविनाशी;
अक्षर वि० (२) पुं० (सं.) अक्षर
अक्षरौटी स्त्री० कक्को; वर्णमाळा
अक्षुण्ण वि० (सं.) अतूट; आखुं
अक्षोट पुं० (सं.) अखरोट
अक्षोनी स्त्री० (प.) अक्षोणी; अक्षौहिणी
अक्षोभ वि० (सं.) गंभीर; शांत (२) नीडर; क्षोभरहित (३) पुं० शांति
अक्स पुं० (अ.) छाया; प्रतिबिंब (२) चित्र; छबी; तसवीर [घणुं; अधिक
अक्सर अ० (अ.) अकसर; प्रायः (२) वि०

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अक्सरियत स्त्री० बहुमती [सतत
अखंड वि० (सं.) आखुं; अतूट; पूरुं;
अख्ज़ पुं० 'अख़्ज़'; ग्रहण करवुं ते
अखड़ैत पुं० अखाडियो; मल्ल
अखती, ०ज स्त्री० अखात्रीज
अखनी स्त्री० मांसनो सेरवो
अखबार पुं० (अ. 'खबर'नुं ब०व०) अखबार; छापुं
अखरना स० क्रि० खटकवुं; कठवुं (२) दुःखदायी के बूरुं लागवुं [नकली
अखरा वि० खरुं नहि ते; बनावटी;
अखरावट,–टी स्त्री०जुओ 'अक्षरौटी'
अखरोट पुं० अखरोट के तेनुं झाड
अख़लाक़ पुं० (अ.) आदत (२) स्वभाव (३) नीति के सदाचार
अखाड़ा पुं० अखाडो(कुस्तीनो, साधुनो) (२) सभा; दरबार; रंगभूमि (३) तमासगीरोनी के गानार-वगाडनारनी मंडळी
अखियाँ स्त्री० (प.) आंख
अखिल वि० (सं.) आखुं; बधुं; पूरुं
अख़ीर पुं० (अ.)'आखिर'; आखर; अन्त; समाप्ति
अखूट वि० अखूट; अक्षय
अखै वि० (प.) अक्षय; अखूट
अखोह पुं० खाडाटेकरावाळी जमीन
अखौट, –टा पुं० घंटीनो खीलडो
अख़्ख़ाह अ० अहा; आश्चर्यसूचक शब्द
अख़्ज़ पुं० (अ.) लेवुं ते; ग्रहण; 'अखज़'
अख़्तियार पुं० 'इख़्तियार'; अखत्यार
अगंड पुं०(सं.)कबंध;हाथपग वगरनुं धड
अग वि० (सं०) न चालनारुं (२) पुं० पर्वत (३) झाड
अगड़धत्ता वि० ऊंचुं ताड जेवुं
अगड़बगड़ वि० (२) पुं० अगडंबगडं; ढंगधडा वगरनुं; नकामुं ('अगड़-बगड़' पण लखाय छे) [असंख्य
अगणनीय, अगणित, अगण्य वि०(सं.)
अगति स्त्री० (सं.)दुर्गति; खराब दशा
अगती वि० पापी; दुराचारी (२) अ० अगाउथी
अगन,–नी स्त्री० अग्नि [कोण
अगनू स्त्री०; **–नेउ,–नेत** पुं०(प.)अग्नि-
अगम,–म्य वि०(सं.) अगम्य; अकल (२) अत्यंत; अथाक
अगमानी पुं०(२)स्त्री० जुओ 'अगवानी'
अगमासी स्त्री० जुओ 'अगवाँसी'
अगर पुं० (सं. अगरु) अगर; चंदन
अगर अ० (फा.) जो; यदि. **–मगर करना**=विवाद करवो; तर्क दोडाववो (२) गरबडगोटाळामां नाखवुं
अगरई वि० अगरना रंगनुं
अगरचे अ० (फा.) जोके
अगरबत्ती स्त्री० अगरबत्ती; धूपसळी
अग़राज़ स्त्री०(अ. 'ग़रज़'नुं ब०व०) मतलब; हेतु (२) जरूरियातो
अगरी स्त्री० आगळी; उलाळी
अगरु पुं० (सं.) चंदननुं लाकडुं
अग़लब अ०(अ.) घणुं करीने; प्रायः; घणो संभव छे के [तिम; बे बाजुए
अग़ल-बग़ल अ० (फा.) आसपास; आम
अगला वि० (सं. अग्र) आगलुं; आगळनुं (२) पूर्वनुं; पहेलांनुं (३) प्राचीन; पुराणुं (४) आगळ पर आवनारुं; आगामी (५) पुं० (स्त्री० **–ली**) पूर्वज (६) आगेवान [तैयार थवुं
अगवना अ० क्रि० 'आगे'–आगळ वधवुं;
अगवाँसी स्त्री० हळनुं तुंगुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अगवाई स्त्री० सामे—आगळ जईने सत्कार करवो ते; 'अगवानी' (२) पुं० आगेवान; अग्रेसर ['अगवानी')

अगवान पुं० 'अगवानी' करनार (जुओ

अगवानी स्त्री० सामे जईने सत्कार करवो ते (२) विवाहमां जानने सामे लेवा जवानो विधि (३) पुं० आगेवान

अगस्त पुं० ऑगस्ट मास(२)अगस्त्य ऋषि

अगहन पुं० अग्रहायण; मागशर मास

अगहनिया वि० मागशरमां थनारुं(धान)

अगहनी स्त्री० मागशरमां लेवाती फसल

अगहुड़ अ० (प.) आगळ

अगाऊ वि० अगाउथी; 'पेशगी'. उदा० 'उसको अगाऊ कुछ दाम दे दो' (२) अ० (प.) आगळ; अगाडीथी

अगाड़ी अ० अगाडी; आगळ (२) पुं० वस्तुनो अगाडीनो भाग(३)घोडानी अगाडी

अगाड़ू अ० अगाडी

अगाध वि० (सं.) अगाध; घणुं ऊंडुं (२) अपार (३) अगम; गहन(४) पुं० खाडो [अग्नि

अगिन वि० अगणित (२)स्त्री० अगन;

अगिनबोट पुं० आगबोट

अगिया स्त्री० एक वनस्पति(२)आगियो

अगियाना अ० क्रि० आग ऊठवी

अगिया बैताल पुं० आग जेवो क्रोधी माणस [नाखवानी क्रिया

अगियारी स्त्री० आगमां धूप इ०

अगियासन पुं० आगियो

अगीतपछीत अ० आगळ पाछळ (२) पुं० आगळ ने पाछळनो भाग

अगुआ पुं०आगेवान; मुखी; नेता (२) पंचात वगेरे करीने विवाह गोठवनार

अगुआई स्त्री० आगेवानी; सरदारी

अगुआना स० क्रि० आगेवान बनाववो के ठराववो (२) अ०क्रि० आगळ वधवुं

अगुण वि० (सं.)गुणरहित(२)मूरख (३) पुं० अवगुण

अगुरु वि० (सं.) हलकुं; भारे नहि एवुं (२) गुरु वगरनुं (३) पुं० चंदन (४) शीशम

अगुवा पुं० जुओ 'अगुआ'

अगुवानी स्त्री० जुओ 'अगवानी'

अगूता अ० आगळ; सामे [व्यक्त

अगोचर वि० (सं.) इंद्रियातीत; अ-

अगोट पुं० आड; रोकाण

अगोटना स० क्रि० रोकवुं (२) केद करवुं (३) घेरवुं (४) अ० क्रि० रोकावुं; आड आववी

अगोरना स० क्रि० राह जोवी (२) रखवाळी करवी

अगोरिया पुं० रखेवाळ [टोचडुं

अगौरा पुं० शेरडीनो छेडानो भाग—

अग्नि स्त्री० (सं.) आग; देवता (२) जठराग्नि

अग्निकर्म पुं०(सं.)हवन(२)अग्निदाह

अग्निक्रिया स्त्री० (सं.) अग्निदाह

अग्निदाह पुं० (सं.) मडदुं बाळवुं ते; अग्निसंस्कार [थवी ते

अग्निमांद्य पुं०(सं.)मंदाग्नि; भूख मंद

अग्निसंस्कार पुं० (सं.) अग्निदाह

अग्निसेवन पुं० (सं.) तापवुं ते

अग्य वि० (प.) अज्ञ; अजाण

अग्यारी स्त्री० जुओ 'अगियारी'

अग्र पुं० (सं.) आगळनो भाग (२) वि० आगळनुं; पहेलुं; उत्तम (३) अ० आगळ; अग्रे

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अग्रगण्य वि० (सं.) आगळ गणातुं
अग्रज;–जन्मा पुं० (सं.) मोटो भाई (२) ब्राह्मण
अग्रणी, –सर पुं० (सं.) आगेवान
अग्रहायण पुं० (सं.) जुओ 'अगहन'
अग्राह्य वि० (सं.) त्याज्य; ग्रहण करवा माटे अयोग्य
अग्रिम वि० (सं.) आगामी (२) मुख्य
अघ पुं० (सं.) पाप (२) दुःख
अघट वि० अघटित; अयोग्य (२) दुर्घट; दुष्कर (३) अक्षय; घटे नहि एवुं (४). एकरस; स्थिर [अयोग्य
अघटित वि० असंभव; अशक्य (२)
अघवाना स० क्रि० 'अघाना'नुं प्रेरक
अघाई स्त्री० संतोष; तृप्ति; धरावुं ते
अघाट पुं० कायमी भोगवटानी–वेची न शकाय एवी मालकीनी जमीन
अघात वि० अगाध; घणुं; मनमान्युं
अघाना अ० क्रि० धराईने खावुं (२) संतोष पामवुं (३) प्रसन्न–खुशी थवुं
अघी पुं० (सं.) पापी; कुकर्मी
अघोर वि० (सं.) शोभीतुं; सौम्य (२) अतिघोर; भयंकर (३) पुं० (सं.) महादेव
अघोरपंथ पुं० अघोरी बावाओनो पंथ
अघोरी पुं० एक भयंकर अने मेली साधना करनार (२) वि० अति मेलुं ने घृणा उपजावे एवुं
अचंभा पुं० अचंबो; आश्चर्य
अचक वि० खूब; बहु (२) पुं० अचंबो
अचकन पुं० एक जातनो लांबो कोट
अचर वि० (सं.) स्थिर; जड
अचरज पुं० आश्चर्य
अचल वि० (सं.) अचळ (२) पुं० पर्वत
अचवन पुं० आचमन (२) जमीने हाथ मों धोई कोगळा करवा ते
अचवना स० क्रि० 'अचवन' करवुं (जुओ 'अचवन')
अचांचक, अचानक अ० अचानक; ओचिंतुं
अचार पुं० 'आचार'; अथाणुं
अचिंत वि० (सं.) निश्चिंत; बेफिकर
अचिंत्य वि० (सं.) अचिंतनीय; अज्ञेय (२) बेहद; धार्याथी खूब (३) आकस्मिक; अणधार्युं
अचिर वि० (सं.) जलदी; तरत
अचीता वि० (स्त्री० **–ती**) अणधार्युं; आकस्मिक (२) अचिंत्य; बेशुमार
अचूक वि० निश्चित; अमोघ (२) अ० अवश्य; जरूर (३) होशियारीथी
अचेत वि० (सं.) बेहोश; बेभान (२) आकुल व्याकुल (३) अजाण (४) अणसमज; मूढ
अचैन पुं० बेचेनी; व्याकुलता
अच्छ वि० (सं.) स्वच्छ; निर्मळ
अच्छत पुं० अक्षत; चोखा
अच्छरा, –री स्त्री० (प.) अप्सरा
अच्छा वि० (स्त्री० **–च्छी**) उत्तम; उमदा (२) तन्दुरस्त; नीरोगी (३) अ० सारुं; 'हा, ठीक' अर्थसूचक उद्‌गार. **अच्छे आना**=बरोबर अवसर पर आववुं
अच्छाई स्त्री०, **–पन** पुं० उत्तमता; 'अच्छा' होवुं ते [(२) नीरोग
अच्छा बिच्छा वि० सारुं सारुं; चूंटेलुं
अच्युत वि० (सं.) अचळ; अटळ; नित्य (२) पुं० विष्णु [पस्तावुं
अछताना पछताना अ० क्रि० खूब
अछरा, –री स्त्री० (प.) अप्सरा

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अछरौटी स्त्री० जुओ 'अक्षरौटी'
अछूत वि० अस्पृश्य(२)नवुं; ताजुं; पवित्र (३)हरिजन(आ अर्थ आधुनिक छे)
अछूता वि० जुओ 'अछूत' १,२ अर्थ
अछोह पुं० अक्षोभ; शांति(२)निष्ठुरता; निर्दयता ['अज़-तरफ़'=तरफथी
अज़ (फा.) 'थी' अर्थनो प्रत्यय. उदा०
अज पुं० (सं.) स्वयंभू; प्रभु (२) कामदेव (३) बकरो के घेटो
अजगंधा स्त्री० (सं.) अजमो
अजगर पुं० (सं.) अजगर; साप
अजगरी स्त्री० अजगरवृत्ति; श्रम वगरनी आजीविका (२) वि० अजगरनी वृत्तिवाळुं
अजज़ा पुं० (अ. 'जुज़'नुं ब० व०) टुकडा; अंश; भागो
अज़दहा पुं० (फा.) अजगर
अज़दहाम पुं० भीड; गरदी
अजदाद पुं०(अ.)पूर्वज;वडवा;बापदादा
अजनबी वि० (अ.) अज्ञात; अपरिचित (२) अजाण्युं (३) परदेशी
अजनास पुं० (अ.) वस्तुभाव; जणस (२) घरवखरी; सरसामान
अजन्म, –न्मा वि० (सं.)अनादि; नित्य
अजपा वि० न जपातुं; न बोलातुं
अजब वि० (अ.) अजब; 'अजीब'
अज़-बर अ० (फा.) याददास्त परथी
अज़-बस अ०(फा.)ख़ूब; बहु [चमत्कार
अज़मत स्त्री० प्रताप; महत्ता (२)
अज़माइश स्त्री० अजमायश; 'आज़माइश' [मावबुं
अज़माना स० क्रि० 'आज़माना'; अज-
अज़मूदा (ह०) वि० 'आज़मूदा'; अजमावायेलुं; प्रयोगमां आवेलुं
अजमोद पुं० अजमो
अजय पुं० (सं.) हार (२) वि० अजेय
अजय्य वि० (सं.) अजेय
अजर वि०(सं.)जरा के घडपण रहित (२) न पचे एवुं
अजल स्त्री० (अ.) मोत
अज़ल स्त्री० (अ.) अनंत अनादि होवुं ते (२) आराम (३) मूळ; ऊगम. रोज़े-अज़ल=(सृष्टिनी) उत्पत्तिनो दिन
अजल-गिरिफ़्ता, अजल-रसीदा वि० जेनुं मोत आव्युं होय ते
अज़ली वि० (अ.) शाश्वत
अजवाइ(–य)न स्त्री० अजमो
अजस पुं० (प.) अयश; अपयश
अजसी वि० बदनाम; अपजशवाळुं
अजस्र अ० (सं.) सदा; हमेश
अज़हद अ० (फा.) हद उपरांत; बहु
अजहूं(–हू) अ० (प.) हजी पण; हमणां पण; आज पण
अजाचक, अजाची पुं० न मागनारो
अजाती वि० नात बहार
अजान वि० अज्ञान; अणसमजु (२) पुं० अज्ञानता; अजाण
अज़ान पुं० (अ.) बांग; अज्ञान
अज़ाब पुं० (अ.) दुःख (२)संकट(३) पाप
अजायब पुं० (अ.)अजब-विचित्र वस्तु ('अजीब'नुं ब० व०) [झियम
अजायब-खाना, अजायब-घर पुं० म्यु-
अजित वि० (सं.) नहि जितायेलुं (२) पुं० (सं.) विष्णु, शिव के बुद्ध
अजिन पुं० (सं.) मृगचर्म
अजिर पुं० (सं.) आंगणुं (२) हवा
अजी अ० (सं. अयि) बोलाववा माटेनो 'हे' 'ए' भावनो उद्गार

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अजीज वि० (२) पुं० (अ.) अजीज; प्यारुं (२) सगुंसंबंधी
अजीब वि०(अ.)अजब; विचित्र; विलक्षण
अजीम पुं० (अ.) वृद्ध अने पूज्य (२) वि० विशाळ; बहु मोटुं
अजीम-उश्शान वि० (अ.) बहु शानदार
अजीयत स्त्री०(अ.)अत्याचार; परपीडन
अजीरन, अजीर्ण पुं० अजीरण; अपचो
अजुगत पुं० (प.) अजुगती के असंगत वात (२) वि० आश्चर्यजनक
अजूबा वि० (अ.) अजायब; अद्भुत
अजेय वि० (सं.) न जीती शकाय एवुं
अजो पुं० (अ. अज्व) भाग; हिस्सो
अजोग वि० (प.) अयोग्य
अजोता पुं० (अ+जोतना) चैत्री पूर्णिमा (आ दिवसे बळद जोडाता नथी)
अज्ञ वि० (सं.) अज्ञान; अणसमजु
अज्ञात वि० (सं.) अजाण; अपरिचित
अज्ञान पुं० (सं.) अज्ञान; अजाणपणुं (२) वि० अज्ञान; नादान; मूर्ख
अज्ञानी वि०(सं.)नादान; मूर्ख [अगम्य
अज्ञेय वि० (सं.) न जाणी शकाय एवुं;
अज्म पुं० (अ.) निश्चय
अज्म-बिल-जज्म पुं० (अ.) दृढ निश्चय
अज्र पुं०(अ.) बदलो; महेनताणुं (२)खर्च
अज्व पुं० जुओ 'अजो'
अटंबर पुं० 'ढेर'; ढगलो [संकोच
अटक स्त्री० अटक;अडचण; रुकावट (२)
अटकना अ० क्रि० अटकवुं; रोकावुं (२) लाग्या रहेवुं; वळगवुं (३) विवाद करवो; झघडवुं
अटकर स्त्री०, **अटकरना** स० क्रि० जुओ 'अटकल', 'अटकलना' [अंदाज
अटकल स्त्री० अटकळ; अनुमान (२)
अटकलना स०क्रि० अटकळवुं; अनुमानवुं
अटकल-पच्चू पुं० कपोळ-कल्पना (२) वि० उटपटांग; ख्याली (३) अ० अध्धर; अंदाजथी [के धन
अटका पुं० जगन्नाथजीने चडावातो भात
अटकाना स० क्रि० अटकाववुं; रोकवुं
अटकाव पुं० रोकाण; विघ्न; अडचण
अटना अ० क्रि० अटवुं; भमवुं; रखडवुं
अटपट वि० (स्त्री० अटपटी) अटपटुं; अघरुं; कठण; गूढ (२) उटपटांग; ठेकाणा वगरनुं [गूंचावुं; गभरावुं
अटपटाना अ० क्रि० अटकवुं; लथडावुं;
अटरनी पुं० (इं. एटर्नी) एक वती काम करवा बीजाने कायदेसर नीमेलो प्रतिनिधि
अटल वि० अटळ; ध्रुव; पाकुं [चोपडी
अटलस पुं० एटलास; भूगोळना नकशानी
अटवी स्त्री० (सं.) जंगल
अटा स्त्री० अटारी
अटाटूट वि० बेशुमार; खूब
अटाला पुं० (सं. अट्टाल) ढगलो (२) सरसामान (३) कसाईवाडो [खूब
अटूट वि० अतूट; मजबूत (२) लगातार;
अटेरन पुं० अटेरण (२) घोडाने चक्कर फेरववानी रीत(३)कुस्तीनो एक दाव
अटेरना स० क्रि० अटेरणथी सूतर उतारवुं; अटेरवुं (२) खूब दारू पीवो
अट्टसट्ट पुं० अडसट्टे — गमे तेम कराती वात; बकवाद
अट्टहास पुं० (सं.) जोरथी हसवुं ते
अट्टालिका स्त्री० (सं.) अटारी
अट्टी स्त्री० आंटी (सूतर के दोरानी)
अट्ठा पुं० गंजीफानो अठ्ठो
अट्ठाईस वि० अठ्ठावीस; २८

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अट्ठानवे वि० अठ्ठाणुं; ९८
अट्ठावन वि० अठ्ठावन; ५८
अट्ठासी वि० अठ्ठयासी; ८८
अठ वि० (प.) आठ (प्रायः समासमां)
अठई स्त्री० आठम
अठखेली स्त्री० विनोद; खेल (२) चपळता (३) मस्तानी चाल
अठत्तर वि० 'अठहत्तर'; इठ्ठोतेर; ७८
अठन्नी स्त्री० आठ आनी; अडधो
अठवन्ना पुं० वणवानो ताणो जेनी पर लपेटी रखाय छे ते वांस के लाकडी ('अठवाडुं' सरखावो)
अठमासा पुं० अषाढथी महा सुधी खेडाती रहेती शेरडीनी जमीन के खेतर [गीनी
अठमासी स्त्री० आठ मासांनो सोनैयो;
अठवाँसा पुं० जुओ 'अठमासा' (२) वि० आठ मासे जन्मेलुं
अठवारा पुं० अठवाडियुं
अठहत्तर वि०'अठत्तर'; इठ्ठोतेर; ७८
अठारह वि० अढार; १८
अठासी वि० इठ्यासी; 'अट्ठासी'; ८८
अठोत्तरी स्त्री० १०८ दाणानी जपमाळा
अड़ंगा पुं० रुकावट; विघ्न. **–डालना, –लगाना** = अडचण करवी; वचमां आववुं (२) अडंगो; कुस्तीनो एक दाव (३) स्त्री० जथाबंध माल थाय के वेचाय ते धाम
अड़ पुं० हठ; जीद
अडग वि० अडग; अटळ
अड़गोड़ा पुं० ढोरना कोटनो डेरो
अड़चन, –ल स्त्री० अडचण; मुश्केली
अड़तालीस वि० अडताळीस; ४८
अड़तीस वि० आडत्रीस; ३८
अड़दार वि० अडियल (२) मस्त
अड़ना अ० क्रि० अडवुं; रोकावुं (२) हठ करवी; मंडया रहेवुं
अड़बंग वि० पुं० ऊंचुंनीचुं; असमान (२) विकट; दुर्गम (३) विलक्षण; अनोखं
अड़सठ वि० अडसठ; ६८
अड़ाड़ पुं० ढोरनी कोढ; अडाळुं;
अड़ान स्त्री० थोभवानी जगा; पडाव
अड़ाना स० क्रि० लटकाववुं; रोकवुं (२) वचमां वस्तु नाखी रोकवुं; ठांसवुं; सीडवुं (३) पुं० एक राग; अडाणो
अड़ार पुं० 'ढेर'; ढगलो (२) बाळवानां लाकडां के तेनी दुकान
अडिग वि० जुओ 'अडग'.
अड़ियल वि० अडियल (२) सुस्त; जड
अड़ी स्त्री० हठ; जक (२) अडी-ओपटी
अड़ूसा पुं० (सं. अटरूष) अरडूसो
अडोल वि० अडग; स्थिर [पास
अड़ोसपड़ोस पुं० आडोशपाडोश; आस-
अड़ोसीपड़ोसी पुं० आडोशीपाडोशी; आडोशपाडोशमां पासे रहेनार
अड्डा पुं० (सं. अट्टा) थोभवानी जगा (२) अड्डो (३) केन्द्र; धाम (४) पंखीने बेसवा पांजरामां होय छे एवी आडी (५) नाडुं वणवा के भरतकाम जेवामां वपरातुं लाकडानुं चोकठुं
अड्रेस स्त्री० (इं.) सरनामुं; ठेकाणुं
अढ़तिया पुं० आडतियो; दलाल
अढ़वना स० क्रि० (प.) काम वळगाडवुं; काम कहेवुं
अढ़ाई वि० अढी
अढुक पुं० ठोकर
अढुकना अ० क्रि० ठोकर खावी (२) अढेलवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अढ़ैया पुं० अढी शेरनुं तोल या माप (२) अढियानो गडियो

अणि, –णी स्त्री० अणी; भोंकाय एवो छेडो (२) छेडानो भाग

अणिमा स्त्री० (सं.) योगनी आठ सिद्धिमांनी एक — अणु जेम सूक्ष्म थवुं ते

अणु पुं० (सं.) नानामां नानो कण (२) जरासरखुं माप (३) वि० अति सूक्ष्म के झीणुं

अणुवीक्षण पुं० (सं.) सूक्ष्मदर्शक यंत्र (२) झीणुं कांतवुं के दूधमांथी पोरा काढवा ते [व्याकुल; बेचेन

अतंद्रिक वि० (सं.) अतंद्रित (२)

अतः, अतएव अ० (सं.) तेथी; तेटला माटे

अतनु वि० (सं.) शरीररहित (२) पुं० कामदेव

अतर पुं० (अ. इत्र) अत्तर

अतरदान पुं० (फा. इत्रदान) अत्तरदानी

अतरसों अ० (सं. इतर + श्वः) परम दिवसथी पहेलांनो के ते पछी आववानो दिवस; त्रीजे दिवसे

अतर्कित वि० (सं.) अणधार्युं; ओचिंतुं

अतर्क्य वि० (सं.) अचिंत्य; तर्कथी पर

अतलस स्त्री० (अ.) अतलस कपडुं

अतलस्पर्शी वि० (सं.) खूब ऊंडुं

अतवार पुं० (अ. 'तौर'नं ब० व०) रहेणीकरणी; चालचलगत

अतसी स्त्री० (सं.) अळसी

अता पुं० (अ.) दान; भेट. **–करना** = आपवुं. **– लेना** = अपावुं; मळवुं

अताई वि० (अ. अता) दक्ष; प्रवीण (२) पक्कुं; चालाक (३) जाते कुदरती बक्षिसथी शीखी ले एवुं

अताव पुं० जुओ 'इताब'

अतालीक़ पुं० (तु.) उस्ताद; शिक्षक

अति वि० (सं.) घणुं (२) स्त्री० अतिशयता

अतिक्रम पुं० (सं.) उल्लंघन; भंग (२) अवळो वर्ताव [(३) अग्नि

अतिथि पुं० (सं.) महेमान (२) संन्यासी

अतिया पुं० (अ.) भेट-दाननी चीज

अतिरंजन पुं० (सं.) अत्युक्ति; वधारीने कहेवुं ते

अतिरंजित वि० (सं.) अतिशयोक्तिवाळुं

अतिरथी पुं० (सं.) एकलो अनेक जोडे लडे एवो योद्धो

अतिरिक्त अ० (सं.) सिवाय; बाद करतां (२) वि० अतिरिक्त; वधारेनुं

अतिशय वि० (सं.) खूब; बहु

अतीत वि० (सं.) गत; थई गयेलुं (२) जुदुं; अलग (३) पुं० यति; अतिथि

अतीव वि० (सं.) घणुं

अतीस पुं० (सं.) एक वनस्पति–औषधि

अतुराई स्त्री० आतुरता; जल्दी (२) चंचळता; चपळता [थवुं

अतुराना अ० क्रि० आतुर के उतावळा

अतुल वि० अपार; खूब (२) अनुपम; अजोड (३) पुं० तलनो छोड

अतोल, अतौल वि० जुओ 'अतुल'

अत्तवार पुं० आतवार; रविवार; 'ईतवार' [गांधी; दवाओ वेचनार

अत्तार पुं० (अ.) अत्तारी; अत्तरियो (२)

अत्यंत वि० (सं.) खूब; घणुं

अत्याचार पुं० (सं.) अन्याय; जुलम (२) दुराचार (३) दंभ; ढोंग

अत्र अ० (सं.) अहीं [अविश्रांत

अथक वि० अथाक; न थाके एवुं;

अथ च अ० (सं.) अने; वळी

अथमना, अथवना अ० क्रि० आथमवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अथरा पुं० (स्त्री०, **–री**) माटीनुं कूंडुं
अथवा अ० [सं.] के; या; किंवा
अथाई स्त्री० मंडळीने बेसवानो चोतरो; ओटलो (२) मंडळी
अथान (–ना) पुं० अथाणुं
अथाह वि० अथाग; अपार (२) अगाध; अति ऊंडुं (३) पुं० ऊंडो खाधरो (४) समुद्र
अथिर वि० (प.) अस्थिर; चंचळ
अथोर वि० (प.) थोडुं नहीं; बहु
अदंड वि० [सं.] दंड के सजाने अपात्र (२) कर-माफीवाळुं; इनामी; महेसूल-माफ (जमीन) (३) उद्दंड; स्वेच्छाचारी
अद(–दा)ग वि० डाघा वगरनुं; निष्कलंक
अदद स्त्री० [अ.] संख्या के तेना अंक
अदन पुं० [अ.] आदमने बनावीने जे बागमां खुदाए राखेलो मनाय छे ते बाग
अदना वि० [अ.] मामूली; सामान्य (२) क्षुद्र; नम्र; अदनुं. **–व आला** = नानां मोटां बधां
अदब पुं० [अ.] अदब; विवेक; आदर (२) साहित्य; वाङ्मय. **–करना**=आदरथी वर्तवुं; मान आपवुं. **– देना** = विवेक शीखववो (२) शिक्षा करवी; दंडवुं
अदबदाकर अ० अवश्य; जरूर; टेकथी
अदम पुं० [अ.] अभाव; न होवुं ते. (समासमां) उदा० **अदम-पैरवी** = केसमां जरूरी पेरवी न करवी ते. **अदम सबूत** = प्रमाणनो अभाव
अदय वि० [सं.] निर्दय
अदरक पुं० आदुं
अदरा पुं० आर्द्रा नक्षत्र
अदल पुं० [अ.] न्याय; इन्साफ
अदल-बदल पुं० अदलाबदली; फेरफार
अदवान स्त्री० खाटलाना वाणने तंग करवानी दोरी (पांगतनी) [व०
अदविया (०त) स्त्री० [अ.] 'दवा'नुं ब०
अदहन पुं० [सं. आदहन] आधण
अदाँत वि० दांत न आव्या होय एवुं (पशु)
अदांत वि० [सं.] इंद्रियदमन वगरनुं (२) उद्दंड [हावभाव; नखरां (३) ढंग
अदा वि० [अ.] चूकतुं; चूकवेलुं (२) स्त्री०
अदाग वि० 'अदग'; निष्कलंक; पवित्र
अदायगी स्त्री० [अ.] अदा–चूकते थवुं ते
अदालत स्त्री० [अ.] अदालत; कचेरी (२) न्यायाधीश. **– खलीफ़ी** = नानां कामोनी अदालत. **–दीवानी**=दीवानी अदालत. **–माल** = महेसूली अदालत
अदालती वि० अदालतने लगतुं (२) अदालतमां लडनार
अदावत स्त्री० [अ.] अदावत; वेर
अदावती वि० वेरी; अदावत राखनार
अदिन पुं० [सं.] नठारो दिवस; दुर्भाग्य
अदीठ वि० [सं. अदृष्ट] न दीठेलुं (२) गुप्त; छूपुं [शिक्षक
अदीब पुं० [अ.] विद्वान; पंडित (२)
अदीम वि० [अ.] नष्ट (२) अप्राप्य
अदू पुं० [अ.] शत्रु; वेरी
अदूर अ० [सं.] पासे [अणसमजु
अदूरदर्शी वि० [सं.] टूंकी दृष्टिवाळुं;
अदृश्य वि० [सं.] न देखाय एवुं (२) अगोचर (३) अलोप [नसीब
अदृष्ट वि० न जोयेलुं (२) अलोप (३) न०
अदेखी वि० अदेखुं; देखी न शके एवुं
अदेस पुं० आज्ञा (२) (साधुओमां) प्रणाम
अदेह वि० [सं.] अदेही (२) पुं० कामदेव
अद्धा पुं० अरधुं ते. **–द्धी** स्त्री० अर्धी दमडी
अद्भुत वि० [सं.] विचित्र; आश्चर्यजनक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अद्य अ० [सं.] हमणां; आज
अद्यापि अ० [सं.] हजी पण
अद्रि पुं० [सं.] पर्वत [पुं० ब्रह्म
अद्वैत वि० [सं.] एकलुं (२) अजोड (३)
अधंग पुं० अर्धांग; पक्षाघात
अधंगी वि० अर्धांगनुं रोगी
अधः अ० [सं.] नीचे [(२) विनाश
अधःपतन, अधःपात पुं० [सं.] अधोगति
अध वि० [सं. अर्द्ध] (समासमां) अर्धुं. उदा० 'अधकचरा' (२) (प.) अ० अधः
अधकचरा वि० अधकचरुं; अधूरुं (२) काचुं; शिखाउ
अधकपारी (–ली) स्त्री० आदाशीशी
अधकहा वि० अस्पष्ट के अर्धुं कहेलुं
अधन्ना पुं०, **–न्नी** स्त्री० ढबु; अर्ध आनो
अधपई स्त्री० [हिं० आधा + पाव] अर्ध पाशेर (बंगाली) जेटलुं माप के तोल; पाशेरी के पाशेरो
अधबीच अ० अधवच; वच्चोवच [दुष्ट
अधम वि० [सं.] नीच; हलकुं (२) पापी;
अधमरा, अधमुआ वि० अधमूउं
अधमर्ण वि० [सं.] ऋणी; देवादार
अधर पुं० [सं.] नीचलो होठ (२) अध्धर स्थान; अंतरीक्ष (३) वि० बूरुं; नीच
अधर्म पुं० [सं.] कुकर्म; दुराचार
अधवा स्त्री० [सं.] विधवा
अधसेरा पुं० अच्छेरो
अधाधुन्ध अ० अंधाधूंधी होय तेम
अधार पुं० (प.) आधार
अधारी स्त्री० आधार (२) साधुओ टेका माटे लाकडानी एक बनावट राखे छे ते (३) मुसाफरीनो झोयणो, थेलो
अधावट वि० अर्धुं उकाळेलुं (दूध)
अधिक वि० [सं.] खूब; वधारेनुं; फालतु
अधिकांग वि० [सं.] वधारेना अवयववाळुं
अधिकांश पुं० [सं.] मोटो भाग (२) वि० अधिक (३) अ० मोटे भागे; घणुं करीने [वडाई; महिमा
अधिकाई स्त्री० (प.) अधिकता (२)
अधिकाना अ० क्रि० (प.) अधिक थवुं; वधवुं [(२) योग्यता; लायकात
अधिकार पुं० [सं.] हक; सत्ता; कबजो
अधित्यका स्त्री० [सं.] पहाडी उच्च प्रदेश; 'टेबललॅण्ड'
अधिमास पुं० [सं.] अधिक मास
अधिया स्त्री० अर्धो भाग (२) अर्धनी भागीदारी (३) पुं० अर्धो भागीदार
अधियाना स० क्रि० अर्धुं करवुं; अर्धुं अर्धुं वहेंचवुं
अधियार पुं० जुओ 'अधिया'
अधियारिन स्त्री० 'अधियार' नुं स्त्री०
अधियारी स्त्री० अर्धी भागीदारी
अधिरथ पुं० [सं.] सारथि
अधिवेशन पुं० [सं.] अधिवेशन; बेठक
अधिष्ठाता पुं० [सं.] अध्यक्ष; वडो
अधिष्ठान पुं० [सं.] निवास (२) नगर (३) पडाव (४) आधार; टेको (५) अधिकार; सत्ता
अधीन वि० [सं.] आधीन; आश्रित; तावानुं (२) पुं० दास
अधीर वि० [सं.] गभरायेलुं; (२) चंचळ; उतावळियुं (३) असंतोषी
अधुना अ० [सं.] अत्यारे; हवे.
अधूत वि० [सं.] नीडर; अडग
अधूरा वि० अधूरुं; अपूर्ण. **–कर देना** = कमजोर करी देवुं. **–जाना** = गर्भपात थवो. **–होना** = अणसमजु होवुं
अधेड़ वि० आधेड

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अधेला पुं० अधेलो; अरधोजी
अधेली स्त्री० आठ आनी; अर्धो
अधोगति स्त्री०[सं.]पतन;अवनति;दुर्दशा
अधोतर पुं० एक जातनुं जाडुं कपडुं
अध्यक्ष पुं०[सं.]स्वामी; मालिक(२) नायक; वडो (३) अधिकारी
अध्ययन पुं० [सं.] अभ्यास; भणवुं ते
अध्यवसाय पुं०[सं.]सतत उद्योग;खंत ने महेनत (२) निश्चय [धंधो
अध्यापकी स्त्री० अध्यापकनुं काम के
अध्वर पुं० [सं.] यज्ञ
अनंग पुं०[सं.]कामदेव [(३)शेषनाग
अनंत वि०[सं.]अपार(२) पुं० विष्णु
अनंतर अ० [सं.] पछी (२) निरंतर
अन नकारवाचक उपसर्ग (हिन्दी शब्दोमां, गुजराती 'अण' पेठे वपराय छे. उदा० अनगढ़)
अन-अहिवात पुं० विधवापणुं; रंडापो
अनइस वि० बूरुं; खराब; 'अनैस'
अनक़रीब अ० [अ.] नजीक; पासे
अनख पुं० [सं. अन्+अक्ष] क्रोध (२) ईर्षा; द्वेष (३) नजर न लागे ते माटे करातुं काजळनुं टपकुं
अनखाना अ० क्रि० गुस्से थवुं; चिडावुं
अनखाहट पुं० क्रोध; नाराजगी
अनगढ़ वि० (स्त्री०,**–ढ़ी**) घडचा वगरनुं (२) स्वयंभू (३) बेडोळ; अणघड
अनगना वि० अगणित (२) पुं० गर्भनो आठमो मास ['अनगना'
अनगिन(०त, –ना) वि० अगणित;
अनजान वि०अजाण; नादान(२)अज्ञात; अपरिचित [असावधानीमां
अनजाने अ० अजाण्ये; वगर समज्ये;
अनत अ० (प.) अन्यत्र; बीजे स्थाने (२) [सं.] वि० न नमेलुं [स्त्री०अहंकार
अनति वि० [सं.] अति नहि; थोडुं (२)
अनदेखा वि० न देखेलुं; 'अदीठ'
अनध्याय पुं० [सं.] रजानो दिवस; अणोजो
अनन्नास पुं० अनेनास फळ
अनपच पुं० अजीर्ण; बदहजमी
अनपढ़ वि० अभण; निरक्षर; मूर्ख
अनबन स्त्री० अणबनाव [अविद्ध
अनबि(–बे)धा वि० वेध्या वगरनुं;
अनबोल (०ना,–ला) वि० मूंगुं(प्रायः पशु माटे) [कुंवारुं
अनब्याहा वि०(स्त्री०,**–ही**)अविवाहित;
अनभल पुं० भलुं नहि ते; अहित.
– ताकना = बूरुं ताकवुं
अनमन (–ना) वि० (स्त्री०, **–नी**) अन्यमनस्क; उदास; खिन्न [असंबद्ध
अनमिल वि० (स्त्री०,**–ली**)मेळ वगरनुं;
अनमेल वि० मेळ वगरनुं; 'अनमिल' (२) सेळभेळ वगरनुं; विशुद्ध
अनमोल वि० अमूल्य; उत्तम
अनरस पुं० रसहीनता(२)अरुचि(३) अणबनाव. **–पड़ना** = अणबनाव थवो
अनर्थ पुं० [सं.]खोटो के ऊलटो अर्थ (२) खरावी; नुकसान (३) अधर्मनो पैसो
अनर्थक वि० [सं.] अनर्थ करे एवुं(२) व्यर्थ; नकामुं
अनल पुं० [सं.] अग्नि
अनवट पुं० अणवट; स्त्रीनुं अंगूठियुं
अनवद्य वि० [सं.] निर्दोष; अनिंद्य
अनवरत वि० [सं.] सतत; निरंतर
अनवासना स० क्रि० नवुं वासण पहेलप्रथम वापरवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अनशन पुं० [सं.] उपवास
अन-सखरी स्त्री० जुओ 'निखरी'
अनसुनां वि० (स्त्री०,-नी) न सांभळेलुं
अनसुनी करना=सांभळ्युं ना सांभळ्युं करवुं; ध्यान न देवुं [नहीं ते
अनसूया स्त्री० [सं.] असूया के ईर्षा
अनहोता वि० गरीब (२) असंभव (३) आश्चर्यजनक [असंभव-विलक्षण वात
अनहोनी वि० स्त्री० असंभव (२) स्त्री०
अनाकानी स्त्री० आंख आडा कान करवा ते (२) आनाकानी
अनागत वि० [सं.] नहि आवेलुं; गेर-हाजर (२) अजाण्युं (३) अजन्मा; अनादि (४) अ० (प.) अचानक
अनाचार पुं० [सं.] दुराचार; कुरीति
अनाज पुं० अन्न; धान्य
अनाड़ी वि० अनाडी; नादान; अणसमजु
अनात्म वि० [सं.] जड (२) पुं० आत्माथी ऊलटो - जड पदार्थ
अनाथ वि० [सं.] असहाय; दीन; दुःखी
अनादर पुं० [सं.] अवज्ञा; अपमान
अनादि वि० [सं.] आदिरहित; अजन्मा
अनाप-शनाप पुं० नकामो बकवाट
अनाम वि० [सं.] नाम विनानुं (२) अप्रसिद्ध
अनामय वि० [सं.] नीरोगी (२) निर्दोष (३) पुं० तंदुरस्ती [जुओ 'अनाम'
अनामा स्त्री० अनामिका (२) वि० स्त्री०
अनायत स्त्री० [अ.] कृपा; महेरबानी
अनायास अ० [सं.] विना महेनते (२) अचानक [दारूखानानी कोठी
अनार पुं० [फा.] दाडम (२) तेना घाटनी
अनारदाना पुं० [फा.] एक जातना खाटा अनारना सूकवेला दाणा
अनारी वि० जुओ 'अनाड़ी' (२) अनार-दाडमना रंगनुं; लाल
अनार्य पुं० [सं.] आर्य नहीं ते (२) अश्रेष्ठ
अनावश्यक वि० [सं.] बिनजरूरी [सुकवणुं
अनावृष्टि स्त्री० [सं.] वरसादनो अभाव;
अनाह पुं० [सं.] पेट चडवानो एक रोग
अनिंद (-द्य) वि० [सं.] निर्दोष; उत्तम
अनिच्छा स्त्री० [सं.] इच्छा न होवी ते
अनित्य वि० [सं.] नश्वर; अस्थायी (२) क्षणभंगुर (३) असत्य
अनिद्र वि० [सं.] ऊंघ जेने न आवे ते (२) पुं० तेनो रोग
अनिमि(-मे)ष अ० [सं.] एकीटसे; निरंतर
अनियमित वि० [सं.] नियमरहित; अव्यवस्थित (२) अनियत
अनियारा वि० (प.) अणियाळुं; अणीदार
अनिर्वचनीय वि० [सं.] अवर्णनीय
अनिल पुं० [सं.] पवन; वायु
अनिवार्य वि० [सं.] जरूरी (२) जरूर थनारुं; टाळी न शकाय एवुं
अनिष्ट वि० [सं.] न इच्छेलुं (२) पुं० अहित; बूराई
अनी स्त्री० [सं. अणि] अणी (२) वस्तुनो आगळनो भाग (३) समूह; झुण्ड (४) सेना (५) [हिं. आन=मर्यादा] ग्लानि; खेद
अनीक पुं० [सं.] युद्ध (२) सेना (३) वि० [अ + हिं. नीक = अच्छुं] बूरुं; खराब
अनीठ वि० [सं. अनिष्ट] (प.) अनिष्ट; अप्रिय (२) खराब
अनीति स्त्री० [सं.] अन्याय (२) अंधेर
अनीश वि० [सं.] अनाथ (२) पुं० विष्णु (३) जीव के माया
अनीस पुं० [अ.] दोस्त (२) प्रेम के सहानुभूति राखनार (३) वि० (प.) जुओ 'अनीश'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

३०४६५

अनुकंपा स्त्री० [सं.] दया

अनुकरण पुं० [सं.] देखादेखी करवुं ते

अनुकूल वि० [सं.] माफक (२) तरफेणमां रहेनार (३) प्रसन्न; राजी

अनुकूलना स० क्रि० (प.) अनुकूल थवुं

अनुकृति स्त्री० [सं.] नकल; अनुकरण

अनुक्रम पुं० [सं.] क्रम; क्रमवार होय ते

अनुक्रमणिका स्त्री० [सं.] क्रम (२) सूची; सांकळियुं [नोकर

अनुग, ०त वि० [सं.] अनुगामी (२) पुं०

अनुगति स्त्री० [सं.] पाछळ जवुं ते (२) अनुकरण (३) मरण [थवुं ते

अनुगमन पुं० [सं.] अनुसरण (२) सती

अनुगामी वि० [सं.] पाछळ पाछळ जनार; अनुयायी (२) आज्ञांकित

अनुगृहीत वि० [सं.] ऋणी; आभारी

अनुग्रह पुं० [सं.] दया; उपकार; महेरबानी (२) अनिष्ट-निवारण

अनुग्राहक वि० [सं.] अनुग्रह करनार

अनुचर पुं० [सं.] नोकर; दास

अनुचित वि० [सं.] अयोग्य; खोटुं

अनुज पुं० [सं.] नानो भाई

अनुज्ञा स्त्री० [सं.] आज्ञा; हुकम [पस्तावो

अनुताप पुं० [सं.] दाह (२) दुःख (३)

अनुदिन अ० [सं.] रोज

अनुनय पुं० [सं.] विनंती; प्रार्थना (२) मनाववुं ते [(वर्ण)

अनुनासिक वि० [सं.] नाकमांथी बोलातो

अनुपम, –मेय वि० [सं.] उत्तम; अजोड

अनुपयुक्त वि० [सं.] अयोग्य

अनुपयोगी वि० [सं.] नकामुं

अनुपस्थित वि० [सं.] गेरहाजर

अनुपस्थिति स्त्री० [सं.] गेरहाजरी

अनुपात पुं० [सं.] त्रिराशि

अनुपातक पुं० [सं.] महापाप

अनुपान पुं० [सं.] दवानुं अनुपान

अनुप्रास पुं० [सं.] अनुप्रास; एक वर्णालंकार

अनुभव पुं० [सं.] अनुभव (२) लागवुं; प्रतीत थवुं ते. –करना=खबर पडवी; मालूम थवुं; लागवुं

अनुभवना स० क्रि० अनुभववुं

अनुभवी वि० [सं.] अनुभववाळुं; जाणकार

अनुभाव पुं० [सं.] महिमा; मोटाई

अनुभूति स्त्री० [सं.] अनुभव; साक्षात्कार

अनुमति स्त्री० [सं.] हुकम; आज्ञा (२) रजा; बहाली [धारणा

अनुमान पुं० [सं.] अटकळ; अंदाज; क्यास;

अनुमोदन पुं० [सं.] खुशी थवी ते (२) समर्थन; टेको [नोकर; दास

अनुयायी वि० [सं.] अनुसरनार (२) पुं०

अनुरक्त वि० [सं.] आसक्त (२) लीन

अनुराग पुं० [सं.] प्रेम; प्रीति

अनुराध पुं० [सं.] विनंती; प्रार्थना [योग्य

अनुरूप वि० [सं.] समान (२) अनुकूळ;

अनुरोध पुं० [सं.] बाधा; रोकवुं ते (२) प्रेरवुं ते (३) आग्रह; दबाण

अनुलोम पुं० [सं.] ऊंचेथी नीचे जतो क्रम (२) संगीतमां अवरोह [भाषांतर

अनुवाद पुं० [सं.] फरी कहेवुं ते (२)

अनुशासन पुं० [सं.] आज्ञा (२) उपदेश

अनुष्टुप् पुं० [सं.] अनुष्टुभ छंद

अनुष्ठान पुं० [सं.] कामनो आरंभ; मंडाण (२) देवनुं पुरश्चरण

अनुसंधान पुं० [सं.] शोधखोळ; तपास

अनुसंधानना स० क्रि० (प.) खोळवुं (२) विचारवुं [करवुं ते

अनुसरण पुं० [सं.] अनुसरवुं के अनुकरण

पुस्तकालय
गुरुकुल कांगड़ी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अनुसार अ० [सं.] मुजब; प्रमाणे
अनुसाल पुं० (प.) पीडा; दुःख
अनुस्वार पुं० [सं.]स्वर पछी उच्चारमां आवतो एक अनुनासिक वर्ण के तेनुं चिह्न–अनुस्वार
अनूठा वि० [सं. अनुत्थ] (स्त्री०, –ठी) अनूठुं; अद्‌भुत (२) अद्वितीय; उत्तम
अनूढ़ा स्त्री० [सं.] अविवाहित स्त्री (पण प्रेम राखती) [करायेलुं
अनूदित वि० [सं.] अनुवादित; भाषांतर
अनूप वि० अनुपम
अनृत पुं० [सं.] असत्य; जूठ
अनेक वि० [सं.] घणुं (संख्यामां)
अनेग वि० (प.) अनेक
अनेरा वि० [सं. अनृत] (स्त्री०, –री) नकामुं; निष्प्रयोजन; व्यर्थ
अनैक्य पुं० [सं.] मतभेद; फूट
अनैस, –सा वि० 'अनइस'; बूरुं
अनोखा वि० अनोखुं; निराळुं (२) नवुं (३) सुन्दर
अन्दलीब स्त्री० [अ.] बुलबुल
अन्न पुं० [सं.] अन्न; अनाज (२) भात (३) (प.) वि० अन्य
अन्नकूट पुं० [सं.] अणकोट
अन्नछेत्र पुं० अन्नक्षेत्र [आजीविका
अन्नजल पुं० [सं.] दाणोपाणी (२)
अन्नदाता पुं० [सं.]मालिक; स्वामी; शेठ
अन्नसत्र पुं० [सं.] अन्नक्षेत्र
अन्ना स्त्री० [तु.] माता (२) धाव
अन्य वि० [सं.] बीजुं (२) परायुं
अन्यत्र अ० [सं.] बीजे ठेकाणे
अन्यथा वि० [सं.] विपरीत; ऊलटुं (२) असत्य (३) अ० नहि तो; तो पछी
अन्य पुरुष पुं० [सं.] त्रीजो पुरुष (व्याकरणमां) [(३) जुलम
अन्याय पुं० [सं.] गेरइनसाफ (२) अंधेर
अन्योन्य स० परस्पर; अन्योअन्य
अन्वय पुं० [सं.] संबंध; मेळ (२) कवितानो अन्वय (३) वंश; खानदान
अन्वाअ स्त्री० ब० व० [अ.] 'नौ'–रीत, प्रकार–नुं ब० व०
अन्वान पुं० जुओ 'उन्वान'
अन्वित वि० [सं.] युक्त; –वाळुं
अन्वीक्षण पुं०, **अन्वीक्षा** स्त्री० [सं.] ध्यानथी जोवुं ते (२) खोज; तपास
अन्वेषण पुं० [सं.] खोज; तपास; शोध
अन्सर पुं० [अ.] मूळ तत्त्व
अपंग वि० अपंग; लूलुं (२) अशक्त
अपकर्म पुं० [सं.] खराब काम
अपकाजी वि० स्वार्थी; मतलबी
अपकार पुं० [सं.] अनुपकार; हानि (२) अपमान; अनादर
अपकारक, अपकारी वि० [सं.] अपकार करनारुं (२) विरोधी
अपकीर्ति स्त्री० [सं.] बदनामी
अपक्व वि० [सं.] काचुं
अपघात पुं० [सं.] आपघात (२) हत्या; हिंसा (३) विश्वासघात
अपच पुं० अजीर्ण; अपचो
अपछरा स्त्री० (प.) अप्सरा
अपजस पुं० अपयश; बेआबरू [मूर्ख
अपठ, अपढ़ वि० 'अनपढ़'; अभण (२)
अपत्य पुं० [सं.] संतान
अपथ पुं० [सं.] विकट के खराब मार्ग
अपथ्य वि० (२) पुं० [सं.] पथ्य नहि एवो (आहार)
अपन सर्व० (प.) आपणे

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अपनपौ पुं० (प.) जुओ 'अपनापन'

अपनयन पुं० [सं.] दूर करवुं ते

अपना सर्व०[सं. आत्मनः] (स्त्री०, **–नी**) पोतानुं (त्रणे पुरुषमां वपराय) (२) पुं० स्वजन. **अपनी अपनी पड़ना** = पोतपोतानी पडी होवी. **अपने तक रखना** = कोईने न कहेवुं. **–सा मुँह लेकर रह जाना**=शरमिंदुं थईने रही जवुं; पाछा पडवुं; वनवुं

अपनाना स० क्रि० अपनाववुं; पोताने अनुकूळ के वश करवुं; पोतानुं करवुं

अपनापन पुं०, **अपनायत** स्त्री० अपनाववुं ते (जुओ 'अपनाना'); आत्मीयता

अपने आप अ० आपोआप; पोतानी मेळे

अपभ्रंश पुं० [सं.] पतन (२) विकृति; बगाड (३) वि० विकृत; बगडेलुं

अपमान पुं०[सं.]अनादर; अवगणना

अपमानना स० क्रि० अपमान करवुं

अपमानी वि० अपमान करनारुं

अपमृत्यु स्त्री० [सं.] कमोत

अपयश पुं० [सं.] अपकीर्ति; बदनामी

अपरंच अ० [सं.] वळी; उपरांत (२) तोपण

अपर वि० [सं.] पहेलुं (२)पछीनुं (३)त्रीजुं

अपरस वि० अस्पृश्य

अपराध पुं० [सं.] गुनो (२) कसूर; भूल

अपराधी वि० [सं.] गुनेगार

अपराह्ण पुं० [सं.] पाछलो पहोर

अपरिग्रह पुं० [सं.] (दान) न लेवुं ते (२) अपरिग्रह; त्याग

अपरिचित वि० [सं.] अजाण्युं; अज्ञात

अपरूप वि०अपूर्व; अद्‌भुत (२) [सं.] वेडोळ; कदरूपुं

अपलक्षण पुं० [सं.] खोटुं चिह्न; दोष

अपवश वि०(प.) 'परवश' थी ऊलटुं; स्वाधीन

अपवाद पुं० [सं.] विरोध; खंडन (२) बदनामी; निंदा (३) दोष; कलंक (४) सामान्य नियमनाथी विरोधी ते (५) आज्ञा; आदेश

अपवादक, अपवादी वि० [सं.]निंदाखोर (२) विरोधी; बाधक [उडाउपणुं

अपव्यय पुं० [सं.] खोटुं खरचवुं ते;

अपशकुन पुं० [सं.] खराब शुकन

अपशब्द पुं० [सं.] खोटो के अर्थ विनानो शब्द (२) गाळ (३) वाछूटनो अवाज

अपसना अ० क्रि० (प.) खसवुं; सरकवुं

अपसोस पुं० (प.) अफसोस

अपसोसना अ०क्रि०(प.)अफसोस करवो

अपांग पुं० आंखनो खूणो (२) वि० अपंग

अपात्र वि० [सं.] अयोग्य

अपान पुं० (प.) आत्मज्ञान (२)अभिमान (३) [सं.] अपान वायु

अपार वि० [सं.]अपार; बेहद; असंख्य

अपाह(–हि)ज वि० लूलुंलंगडुं; अपंग; काम न करी शके एवुं (२) आळसु

अपि अ० [सं.] वळी; पण (२) जरूर

अपितु अ० [सं.] परन्तु (२) बल्के

अपील स्त्री०[इं.]उपली कोर्टमां अपील (२) निवेदन

अपुत्र वि० [सं.] पुत्ररहित

अपूर्ण वि० [सं.] अधूरुं

अपूर्व वि० [सं.] अनोखुं; उत्तम

अपेक्षा स्त्री० [सं.] इच्छा (२) जरूरियात (३) तुलना; सरखामणी (४) आशा; भरोसो

अप्रतिम वि० [सं.] अद्वितीय; अनुपम

अप्रसिद्ध वि० [सं.] अजाण्युं (२) गुप्त

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अप्रस्तुत वि० [सं.] प्रसंग के स्थान बहारनुं; असंबद्ध
अप्राप्त वि० [सं.]नहि मळेलुं के मेळवेलुं (२) परोक्ष; अप्रस्तुत
अप्रामाणिक वि०[सं.]प्रमाण विनानुं; उटपटांग (२) विश्वासपात्र नहि तेवुं
अप्रासंगिक वि० [सं.] प्रसंग विरुद्ध; अप्रस्तुत
अप्रिय वि० [सं.] अणगमतुं(२)अरुचिकर
अप्रैल पुं० एप्रिल मास [करणी
अफ़आल पुं०[अ.' फेल 'नुं ब०व०]कृत्यो;
अफ़ई पुं० [अ.] काळो नाग
अफ़ग़ान [अ.] अफघान; काबुली
अफ़ज़ल वि० [अ.] उमदा; सर्वोत्तम
अफ़ज़ाइश स्त्री०[फा.] वृद्धि; वधारो
अफ़तारी स्त्री०उपवासनुं–रोजानुं पारणुं
अफ़यून स्त्री० [फा.] अफीण
अफरना अ०क्रि०पेट भरीने खावुं;धरावुं (२) अफरावुं(३) 'ऊबना'; अरुचि थवी
अफरा पुं० आफरो
अफ़लातून पुं० [अ.] प्लेटो (२) बहु अभिमानी माणस.**–का साला**=घमंडी माणस [खबर.(**–उड़ाना, फैलाना**)
अफ़वाह स्त्री० [अ.] अफवा; ऊडती
अफ़शा वि० जुओ 'इफ़शा'
अफ़सर पुं० ऑफिसर. **–माल**=महेसूल खातानो अमलदार
अफ़साना पुं० [फा०] कहाणी; कथा
अफ़सुरदा वि० [फा.] दुःखित; मूंझायेलुं (नाम,**–दगी** स्त्री०) [पस्तावो
अफ़सोस पुं० [फा.] अफसोस; शोक;
अफ़ीम स्त्री०अफ़ीण [नो व्यसनी
अफ़ीमची, अफ़ीमी पुं०अफीणियो;अफीण-
अफ़ू पुं० [अ. अफ्व] क्षमा; माफी
अफ़ूनत स्त्री० [अ.] बदबो; दुर्गंध
अब अ० आ वखते; हमणां; हवे.**–तब होना या लगना**=मरणघडी आववी. **–तब करना**=आजकाल करवी; बहानुं काढी ढील करवी
अबख़रा पुं० [अ.] बाफ; वराळ
अबतर वि० [फा.] बूरुं; खराब (२) बगडेलुं; भ्रष्ट [बगाड
अबतरी स्त्री० खराबी (२) अवनति;
अबद स्त्री० [अ.] अनंतता; असीमता
अबदी वि० [अ.] अनंत; अमर
अबरक पुं० [सं. अभ्रक] अबरख [कपडुं
अबरा पुं०[फा.]'अस्तर' नुं ऊलटुं; उपलुं
अबरी स्त्री०[फा.]एक जातनो चीकणो कागळ (२) एक पीळो पथ्थर
अबरू स्त्री० आंखनी भमर; 'अब्रू'
अबल वि० [सं.] निर्बळ; कमजोर
अबलक़(–ख) वि० [अ.] काबरचीतरुं; सफेद अने काळा के लाल रंगनुं
अबला स्त्री० [सं.] अबळा; स्त्री
अबवाब पुं० [अ.] ('बाब 'नुं ब० व०) अध्याय (२) एक मुसलमानी कर
अबस अ० [अ.] व्यर्थ; नाहक
अबा पुं० [अ.] डगला नीचे पहेरवानुं ढीलुं कपडुं
अबादान, अबादानी जुओ 'अबादान', 'अबादानी' [(२) अपार
अबाध वि०[सं.]बाधा के अडचण रहित
अबाधित वि० [सं.] अबाध (२) स्वतंत्र
अबाध्य वि० [सं.] न रोकाय एवुं; अनिवार्य [एक पक्षी
अबाबील स्त्री० [फा.] काळा रंगनुं
अबार स्त्री० (प.) विलंब; वार; ढील
अबास पुं० (प.) आवास; निवास

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अबीर पुं० [अ.] अबील [पुं० तेवो रंग
अबीरी वि० [अ.] अबीलना रंगनुं (२)
अबुहाना अ० क्रि० धूणवुं; 'अभुआना'
अबूझ वि० अबोध; अणसमजु
अबे अ० (नाना के ऊतरता माणस माटे संबोधन) ए, अल्या. **–तबे करना** = निरादरसूचक बोलवुं
अबेर स्त्री०(प.) [सं. अवेला] विलम्ब
अबोध वि० [सं.] जुओ 'अबूझ'
अबोला पुं० रिसाईने न बोलवुं ते; अबोला
अब्ज पुं० [सं.] कमळ (२) अबज संख्या
अब्द पुं० [सं.] वरस (२) वादळ
अब्धि पुं० [सं.] समुद्र
अब्बा पुं० [फा.] बाप
अब्बास पुं० [अ.] एक फूलझाड
अब्बासी स्त्री० इजिप्तनो एक जातनो कपास (२) एक जातनो लाल रंग
अब्र पुं० [फा.] अभ्र; वादळ
अब्रह्मण्य पुं० [सं.] ब्राह्मणने उचित नहि एवुं — कुकर्म; पाप
अब्रू स्त्री० [फा.] जुओ 'अबरू'
अब्रे-बाराँ पुं० [फा.] वरसादनुं वादळ
अभंग वि० [सं.] अखंड; अविनाशी
अभक्ष्य वि० [सं.] न खाई शकाय तेवुं — निषिद्ध
अभय वि० [सं.] नीडर (२) पुं० नीडरता
अभागा,–गी वि० अभागी
अभाग्य पुं० [सं.] दुर्भाग्य; कमनसीब
अभाव पुं० [सं.] न होवुं ते (२) कमी; खोट
अभिक्रमण पुं० [सं.] चडाई; हुमलो
अभिगमन पुं० [सं.] पासे जवुं ते (२) संभोग
अभिचार पुं० [सं.] मंत्रथी जारण-मारण करवुं ते
अभिजात वि० [सं.] कुलीन; खानदान (२) योग्य; मान्य (३) सुन्दर
अभिजित वि० [सं.] विजयी (२) पुं० एक नक्षत्र
अभिज्ञ वि० [सं.] जाणकार (२) निपुण
अभिज्ञान पुं० [सं.] स्मृति; ओळख (२) ओळखनी निशानी
अभिधान पुं० [सं.] नाम (२) शब्दकोष
अभिनन्दन पुं० [सं.] आनंद (२) संतोष (३) प्रशंसा (४) नम्र विनंती
अभिनय पुं० [सं.] चाळा; नकल (२) नाटकनो वेश भजववो ते
अभिनव वि० [सं.] नवुं (२) ताजुं
अभिनिवेश पुं० [सं.] अंदर पेसवुं ते (२) एकाग्रता (३) दृढ संकल्प
अभिनेता पुं० [सं.] अभिनय करनार; नट
अभिप्राय पुं० [सं.] मतलब; आशय
अभिभावक वि० [सं.] वश करनार; हरावनार
अभिभूत वि० [सं.] वश; पराजित
अभिमत वि० [सं.] इष्ट; वांछित (२) संमत (३) पुं० मत; अभिप्राय (४) मननी वात
अभिमान पुं० [सं.] गर्व; अहंकार
अभिमानी वि० [सं.] गर्विष्ठ; अहंकारी
अभिमुख अ० [सं.] सामे; सन्मुख
अभियुक्त वि० [सं.] आरोपी; प्रतिवादी
अभियोक्ता पुं० [सं.] वादी; फरियादी
अभियोग पुं० [सं.] आरोप; फरियाद (२) चडाई; हल्लो
अभियोगी पुं० [सं.] जुओ 'अभियोक्ता'
अभिरुचि स्त्री० [सं.] रुचि; चाह; पसंदगी
अभिलाष पुं०, **–षा** स्त्री० [सं.] इच्छा; कामना; आकांक्षा
अभिवादन पुं० [सं.] नमस्कार (२) स्तुति
अभिशाप पुं० [सं.] शाप (२) मिथ्या आरोप

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अभिषेक पुं० [सं.] जळ छांटवुं ते (जेम के राजानो) (२) शिवलिंग पर जळाधारी
अभिसरना अ० क्रि० (प.) जवुं (२) इष्ट जगाए के प्रियने मळवा जवुं
अभिसार पुं० [सं.] प्रियजनने नक्की जगाए मळवा जवुं ते
अभी अ० [हिं. अब+ही] हमणां ज; अबघडी
अभीक वि० [सं.] नीडर
अभीष्ट वि० [सं.] इष्ट; मनवांछित
अभुआना अ० क्रि० [सं. आह्वान] भूत आव्युं होय एम धूणवुं ने हाथ पग हलाववा [अपूर्व; अनोखुं
अभूत वि० [सं.] पूर्वे नहि बनेलुं;
अभेद पुं० [सं.] एकसमानता (२) वि० एकसमान
अभ्यंग पुं० [सं.] तेलनी मालिस
अभ्यंतर पुं० [सं.] अंतर (२) मध्य; वच (३) अ० अंदर [सत्कार
अभ्यर्थना स्त्री० [सं.] विनंती (२) स्वागत;
अभ्यस्त वि० [सं.] महावरावाळुं; कुशळ
अभ्यागत पुं० [सं.] अतिथि
अभ्यास पुं० [सं.] फरी फरी कांई करवुं ते (२) टेव; आदत
अभ्युत्थान पुं० [सं.] उत्यान; उदय; उन्नति
अभ्युदय पुं० [सं.] उदय; उत्पत्ति; उन्नति
अभ्र पुं० [सं.] वादळ (२) आकाश (३) 'अभ्रक'; अबरक
अभ्रक पुं० [सं.] अबरख
अमका पुं० [सं. अमुक] अमुक; फलाणो
अमचूर पुं० आमचूर
अमन पुं० [अ.] शांति; चेन (२) रक्षण; बचाव
अमन-अमान, अमन-चैन पुं० सुख-शांति; सुखचेन
अमर वि० [सं.] न मरे एवुं (२) पुं० देव
अमरख पुं० (प.) अमर्ष; क्रोध
अमरबेल, अमरवल्ली स्त्री० अंतरवेल
अमरसी वि० केरीना रसना रंगनुं; सोनेरी [आंबावाडियुं
अमराई स्त्री०, **अमराव** पुं० अमराई;
अमराज़ पुं० [अ. 'मर्ज़'नुं ब०व०] रोग
अमरू पुं० एक जातनुं रेशमी कपडुं
अमरूत (–द) पुं० [फा. ?] जामफळ
अमरैया पुं० (प.) अमराई; आंबावाडियुं
अमर्ष पुं० [सं.] क्रोध; रीस
अमल पुं० [अ.] अमल; सत्ता; नशो इ०
अमलतास पुं० गरमाळानी सींग
अमल-दर-आमद पुं० [फा.] अमल थवो ते
अमलदारी स्त्री० अधिकार (२) एक प्रकारनी विघोटी
अमला पुं० [अ.] कचेरीमां काम करनार; अमलदार (२) स्त्री० [सं.] लक्ष्मी
अमली वि० [अ.] अमलमां आवनारुं; व्यावहारिक (२) अमल करनारुं (३) नशेबाज; केफी [मोतो
अमवात स्त्री० ब० व० [अ.] मरणो;
अमहर पुं० काची छोलेली केरीनी सूकी चीर; चीरियुं
अमात्य पुं० [सं.] प्रधान; वजीर
अमान वि० [सं.] अमाप; बहु (२) मान के गर्व रहित; नम्र (३) तुच्छ; अपमानित [तेम राखेली वस्तु
अमानत स्त्री० [अ.] अनामत राखवुं ते के
अमानतदार पुं० अनामत राखनार; जेने त्यां अनामत रखाय ते

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अमाना अ० क्रि० समावुं; पूरुं मावुं (२) फुलावुं; गर्व करवो

अमानी स्त्री० [अ.] मजूर पासे रोजी के पगार पर जाते काम कराववुं ते (२) वि० [सं.] मान वगरनुं; निरभिमानी; नम्र

अमानुष,–षी वि० [सं.] मनुष्यनी शक्ति बहारनुं (२) पाशवी; राक्षसी

अमाप वि० बेहद; खूब

अमामा पुं० [अ.] जुओ 'अम्मामा'

अमारी स्त्री० [अ.] अंबाडी

अमाल पुं० [अ.] हाकेम; अमल करनार

अमावट स्त्री० केरीना रसने सूकवीने करेलो पापड (२) एक जातनी माछली

अमावस, अमावस्या [सं.] स्त्री० अमास

अमिट वि० (स्त्री०,–टा) मटी न शके एवुं; स्थायी (२) अटल; अवश्यंभावी

अमित वि० [सं.] अमाप; बहु

अमिताभ पुं० [सं.] बुद्धदेव

अमिय पुं० [सं. अमृत] अमी

अमिल वि० दुर्मेळ; दुर्लभ (२) ऊंचुंनीचुं; अ-सपाट (३) मेळ वगरनुं

अमिली स्त्री० 'इमली'; आमली (२) मेळ न होवो ते; अणबनाव

अमी पुं० (प.) अमी; अमृत

अमीन पुं० [अ.] अदालतनो एक अमलदार (२) थापण राखवा माटे विश्वासु माणस

अमीर पुं० [अ.] सरदार; उमराव (२) श्रीमंत; धनी

अमीराना वि० [अ.] अमीरना जेवुं; अमीरी [अमीर जेवुं

अमीरी स्त्री० अमीरपणुं (२) वि०

अमीरो-कबीर वि० [अ.] 'अमीर-व-कबीर'; खूब धनवान

अमुक वि० [सं.] फलाणुं [मिथ्या

अमूलक वि० [सं.] मूळ वगरनुं (२) असत्य;

अमूल्य वि० [सं.] खूब कीमती

अमृत पुं० [सं.] अमृत; सुधा (२) पाणी (३) दूध; घी (४) खूब स्वादिष्ट वस्तु

अमृतबान पुं० माटीनु रोगान करेलुं वासण (घी, अथाणुं इ० राखवानुं)

अमेय वि० [सं.] अपरिमित; अमाप; बेहद

अमोघ वि० [सं.] अचूक; अटल

अमोल, ०क वि० (प.) अमूल्य

अमोला पुं० आंबानो नवो छोड

अमौआ पुं० केरीना सूका रस जेवो रंग के तेवा रंगनुं कपडुं

अम्दन् अ० [अ.] जाणी जोईने; इरादाथी

अम्माँ (–म्मी) स्त्री० अम्मा; मा

अम्मामा पुं० [अ.] एक प्रकारनो मोटो (मुसलमानी) फेंटो

अम्मारी स्त्री० हाथीनी अंबाडी

अम्र पुं० [अ.] वात; अर्थ; मुद्दो; कहेवानी मतलब; विषय (२) आज्ञा; विधि (३) (व्या०) आज्ञार्थ.–व निही=विधिनिषेध

अम्ल वि० [सं.] खाटुं (२) पुं० खटाश (३) तेजाब

अम्हौरी स्त्री० अळाई

अयन पुं० [सं.] गति (जेम के सूर्यनी) (२) घर; आश्रम (३) ढोरनुं थान

अयाँ वि० [अ.] साफ; स्पष्ट

अयान वि० (स्त्री० –नी) अजाण; अज्ञान (२) [सं.] वाहन वगरनुं; पगपाळुं

अयानत स्त्री० [अ.] सहायता

अयानी वि० (प.) अज्ञानी

अयाल पुं० [फा.] घोडा के सिंहनी केशवाळी; याळ (२) [अ.] परिवार; बालबच्चां

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अयुत पुं० [सं.] दश हजारनी संख्या
अयोग्य वि० [सं.] अघटित; नालायक
अय्याश वि० [अ.] विलासी; विषयी
अय्यार पुं० [अ.] धंधो; चालाक माणस
अरंड पुं० एरंडो
अरंड-ककड़ी स्त्री० एरणकाकडी; पपैयुं
अरई स्त्री० हांकवानी परोणी
अरक़ पुं० [अ.] अर्क; कस (२) परसेवो. **–उतारना, –खींचना, –निकालना** = अर्क काढवो. **अरक़–अरक़ होना** = पसीनाथी भोंजाई जवुं; परसेवो परसेवो थई जवुं [करनार
अरकाटी पुं० गिरमीटियाओनी भरती
अरकान पुं० [अ.?] मुख्य प्रधान; सरदार
अरग, ०जा पुं० [सं. अगरु] अरगजो
अरगजी वि० अरगजाना जेवा रंग के सुगंधवाळुं
अर(–ल)गनी स्त्री० वळगणी; कपडां इ० सूकववानी दोरी [घेरुं लाल
अरग़वानी पुं० [फा.] लाल रंग (२) वि०
अरगाना अ० क्रि० (प.) चूप रहेवुं (२) जुओ 'अलगाना'
अरघा पुं० [सं. अर्घ] अर्घ्य आपवानुं एक पात्र (२) शिवलिंग जेमां स्थपाय छे ते
अरज़ स्त्री० जुओ 'अर्ज़'
अरज़ी स्त्री० अरजी; विनंती (२) वि० अरज करनार [(२) सूर्य
अरणि, –णी स्त्री० [सं.] अरणीनुं झाड
अरण्य पुं० [सं.] जंगल; वन
अरण्यरोदन पुं० अरण्यरुदन
अरथ पुं० (प.) अर्थ
अरथाना स० क्रि० (प.) अर्थ समजाववो
अरथी स्त्री० ठाठडी [मर्दन करवुं
अरदना स० क्रि० [सं. अर्द] कचडवुं;
अरदली पुं० [अं. ऑर्डरली] चपरासी; पटावाळो
अरदास स्त्री० [फा. अर्जदाश्त] विनंती; प्रार्थना; अरजी (२) भेट
अरना पुं० (स्त्री०, –नी) जंगली पाडो (२) सुकाई गयेलुं छाण, जे बाळवामां वपराय छे (३) अ० क्रि० जुओ 'अड़ना'
अरनी स्त्री० [सं. अरणी] अरणीनुं झाड
अरब पुं० अबज संख्या (२) घोडो (३) [अ.] अरबस्तान देश
अरबा वि० [अ.] चार; ४ (२) पुं० त्रिराशि
अरबाब पुं० ब० व० [अ.] मालिक
अरबी वि० [फा.] अरब देशनुं (२) स्त्री० अरबी भाषा (३) पुं० अरबी ऊंट के घोडो
अरमान पुं० [फा.] इच्छा; चाह; होंश
अरराना अ० क्रि० अरर एवो शब्द काढवो; अरेराटी छूटवी
अरवा पुं० ताको; गोख
अरवाह स्त्री० ब० व० [अ.] अरवा; आत्मा (२) फिरस्ता; देवदूतो
अरविंद पुं० [सं.] कमळ
अरवी स्त्री० एक कन्द; अळवी
अरस पुं० आळस (२) वि० नीरस; फीकुं (३) असभ्य; गमार
अरसट्टा पुं० अडसट्टो; अंदाज
अरसना-परसना स० क्रि० स्पर्शवुं; भेटवुं
अरस-परस पुं० 'डाहीनो घोडो' जेवी एक रमत
अरसा पुं० [अ.] अरसो; समय; मुदत
अरहट पुं० [सं. अरघट्ट] रहेंट
अरहन पुं० [सं. रंधन] (शाक, कढीमां नंखातो) चणानो लोट
अरहर स्त्री० तुवेर [त्यांनो घोडो
अराक़ पुं० [अ. इराक़] इराक देश के

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अराज वि० राजा बिनानुं; अंधेर (२) पुं० अराजकता; अव्यवस्था
अराजक वि० [सं.] राजा विनानुं
अराजकता स्त्री० [सं.] जुओ 'अराज'
अराज़ी स्त्री० [अ.] जमीन (२) खेतर
अराति पुं० [सं.] शत्रु (२) काम क्रोधादि षड्रिपु
अराधन पुं० आराधन
अराधना [सं.] आराधवुं; पूजवुं
अरारू(–रो)ट पुं० [इं.एरोरूट] एक कंद
अराल वि० [सं.] कुटिल; वांकुं (२) पुं० मद गळतो हाथी
अरि पुं० [सं.] शत्रु; दुश्मन
अरिष्ट पुं० [सं.] दुःख; पीडा (२) आफत; अपशुकन
अरी अ० स्त्री माटेनुं संबोधन; 'हे'
अरीज़ा वि० [अ.] निवेदित; अरज करायेलुं (२) पुं० अरजी
अरु अ० (प.) अने; 'और'
अरुचि स्त्री० [सं.] अनिच्छा (२) मंदाग्नि (३) घृणा
अरुझना अ० क्रि० फसावुं; गूंचवावुं; ['उलझना'
अरुझाना स० क्रि० जुओ 'उलझाना'
अरुण वि० [सं.] लाल (२) पुं० सूर्य (३) सिंदूर
अरोगना स० क्रि० (प.) 'आरोगना'; खावुं
अर्क़ पुं० [अ.] जुओ 'अरक़'
अर्क़रेज़ी स्त्री० [अ.+फा.] खूब महेनत
अर्गल पुं० [सं.] आगळो; भूंगळ
अर्घ पुं० [सं.] पूजानो एक विधि (२) पूजापो (३) किंमत
अर्घ्य वि० [सं.] पूज्य (२) कीमती
अर्चन पुं० [सं.] पूजन (२) आदर-सत्कार
अर्ज़ स्त्री० [अ.] विनंती; अरज; प्रार्थना (२) पुं० पनो; चोडाई (३) जमीन
अर्ज़दाश्त स्त्री० [फा.] अरजी; विनंतीपत्र
अर्जन पुं० [सं.] कमावुं–पेदा करवुं ते
अर्ज़मन्द वि० [फा.] आबरूदार; लायक
अर्ज़ां वि० [फा.] सस्तुं
अर्ज़ानी स्त्री० [फा.] सस्तापणुं
अर्ज़ी स्त्री० [अ.] अरजी; 'अर्ज़दाश्त'
अर्ज़ी-दावा पुं० [फा.] दावा-अरजी
अर्थ पुं० [सं.] अर्थ; मायनो (२) हेतु (३) लाभ (४) संपत्ति
अर्थकर वि० [सं.] लाभकारक
अर्थमंत्री पुं० [सं.] नाणाप्रधान
अर्थवेद पुं० [सं.] शिल्पशास्त्र
अर्थशास्त्र पुं० [सं.] सम्पत्तिशास्त्र
अर्थ-सचिव पुं० [सं.] जुओ 'अर्थमंत्री'
अर्थात् अ० [सं.] यानी; एटले के
अर्थी स्त्री० जुओ 'अरथी'
अर्दन पुं० [सं.] पीडवुं ते; हिंसा
अर्दली पुं० जुओ 'अरदली'
अर्द्ध वि० अर्ध; 'आधा'
अर्द्धांग पुं० [सं.] लकवो; पक्षाघात
अर्द्धांगिनी स्त्री० [सं.] स्त्री; पत्नी
अर्द्धांगी वि० लकवो थयेलुं (२) पुं० शिव
अर्पण पुं० [सं.] आपवुं ते (२) भेट
अर्पना स० क्रि० अर्पवुं; आपवुं
अर्बुद पुं० [सं.] दस करोडनी संख्या [नानुं
अर्भक पुं० [सं.] बालक (२) वि० नादान;
अर्वाचीन वि० [सं.] आधुनिक; नवुं
अर्श पुं० [अ.] मुसलमानो माने छे ते सौथी ऊंचुं – खुदानुं धाम (२) (सं.) हरस रोग. **–पर चढ़ना**=खूब तारीफ करवी. **–पर दिमाग़ होना**=बहु अभिमान होवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अर्हंत,–न्त पुं०परमज्ञानी;बुद्ध;तीर्थंकर
अलंकार पुं० [सं.] आभूषण; घरेणुं
अलंग पुं० बाजू; तरफ
अलकतरा पुं० [अ.] डामर
अलख वि० अलख; अगोचर. **–जगाना** =पोकारीने प्रभुस्मरण करवुं; अलख जगाववी
अलखधारी, अलखनामी पुं० 'अलख' 'अलख' पोकारी भिक्षा मागनार एक जातनो साधु
अलग वि० जुदुं; भिन्न (२) सुरक्षित; बचेलुं
अलगनी स्त्री० जुओ 'अरगनी'
अलग़रजी वि० [अ.] बेपरवा
अलगाई स्त्री०, **–व** पुं० अलगपणुं
अलगाना अ० क्रि० अलग थवुं; छूटुं पडवुं(२)प्र०क्रि० अलग करवुं;हठाववुं
अलग़ोजा पुं० [अ.] अलगोजा – एक जातनी वांसळी
अलपाका पुं० आलपाको; 'आलपाका'
अलफा पुं० विना वांयनुं लांबुं कुरतुं
अलफ़ाज़ पुं० [अ. 'लफ्ज़'नुं ब० व०] शब्दो (२) पारिभाषिक शब्द
अलबत्ता अ० [अ.] अलबत्त; बेशक
अलबम पुं० [फा.] 'आल्बम'; चित्रो संघरवानी पोथी [कठण उर्दू
अलबी-तलबी स्त्री० अरबी, फारसी के
अलबेला वि० (स्त्री०,–ली) [सं. अलभ्य +हिं. प्रत्यय ला] अलबेलुं; फांकडुं (२) सुन्दर; अनोखुं
अलभ्य वि० [सं.] दुर्लभ (२) अमूल्य
अलम पुं० [अ.] दुःख (२) झंडो
अलमस्त वि० [फा.] अलमस्त; मदमत्त; चकचूर (२) मस्तानी; बेफिकर
अलमारी स्त्री० अलमारी; कबाट
अलमास पुं० [फा.] हीरो [वगरनुं
अलल-टप्पू वि० अलेलटप्पु; ठेकाणा
अलल-बछेड़ा पुं० (हिं. अल्हल+बछेड़ा) घोडानो बछेरो (२) अल्लड आदमी
अललाना अ० क्रि० चीस पाडवी; गळुं फाडीने बोलवुं
अलवाँती वि०स्त्री०[सं.बालवती]प्रसूता
अलवाई वि०स्त्री० एकबे मासनी वियायेली (गाय, भेंस); 'बाखडी'थी ऊलटुं
अलवान पुं० [फा.] ऊननी चादर
अलस वि० [सं.] आळसु
अलसान, अलसानि (प.) स्त्री० आळस; सुस्ती (२) शिथिलता
अलसाना अ० क्रि० आळसमां पडवुं; सुस्त थवुं
अलसी स्त्री० [सं. अतसी] अळसी
अलसेट स्त्री० (प.) ढील (२) अडचण (३) झघडो
अलसेटिया वि० 'अलसेट' करनारुं
अलसौंहा वि०(स्त्री०,–ही)आळसयुक्त; सुस्त [परोढिये
अलस्सुबाह अ० [अ.] वहेली सवारे;
अलहदगी स्त्री०[अ.]इलायदापणुं;जुदाई
अलहदा वि० [अ.] इलायदुं; अलग
अलहदी वि० आळसु; 'अहदी'
अलान पुं० [सं. आलान]हाथीनुं अलान
अलानिया अ० [अ.] खुल्लंखुल्ला; स्पष्ट
अलाप पुं० आलाप
अलापना अ० क्रि० बोलवुं; वातचीत करवी (२) गावुं
अलामत पुं० [अ.] निशानी; चिह्न
अलार पुं० जुओ 'अलाव' (२)[सं.]कमाड
अलाल वि० आळसु (२) नवरुं; नकामुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अलालत स्त्री० [अ.] बीमारी; 'अलील' परथी नाम [ढेर; तापणी
अलाव पुं० [सं. अलात] अलाव; आगनो
अलावा अ० [अ.] सिवाय
अलिंजर पुं० [सं.] माटीनो पाणीनो घडो
अलिंद पुं० [सं.अलीन्द्र] भमरो (२) [सं.] घरना द्वार आगळनो ओटलो के छजु
अली पुं० [सं. अलि] भमरो (२) [सं. आली] सखी (३) पंक्ति
अलीक वि० [सं.] जूठुं; असत्य (२) अप्रतिष्ठित
अलील वि० [अ.] बीमार
अलुमीनम पुं० एल्युमिनियम धातु
अलेख वि० अज्ञेय (२) अगणित
अलोक वि० [सं.] अदृश्य (२) निर्जन; एकांत (३) पुं० परलोक (४) निंदा; अपयश [अस्वाद
अलोना वि० [सं.अलवण] अलूणुं; फीकुं;
अलोप वि० अदृश्य; 'लोप'
अलौकिक वि० [सं.] अद्‌भुत; अपूर्व
अल्कत वि० [अ.] रद के समाप्त करेलुं
अल्काब पुं० [अ.] इलकाब
अल्काबो-आदाब 'अलकाब-व-आदाब'; जुओ 'आदाब-ब-अल्काब'
अल्-क़िस्सा अ० [अ.] टूंकमां
अल्-ग़रज़, अल्-ग़र्ज़ अ० [अ.] मतलब के; टूंकमां तात्पर्य के
अल्प वि० [सं.] थोडुं (२) नानुं
अल्ल पुं० [अ. आल] अटक; उपनाम
अल्लम गल्लम पुं० नकामो बकवाद; अगडंबगडं
अल्लाना अ० क्रि० जुओ अललाना
अल्लामा स्त्री० कर्कशा; वढकणी स्त्री
अल्लाह पुं० [अ.] अल्ला; ईश्वर
अल्लाहताला पुं० खुदाताला
अल्लाह-बेली श०प्र०[अ.] ईश्वर सहाय छे. (विदाय वेळानो बोल) [शुक्रवार
अल्-विदा पुं० [अ.] रमजाननो छेल्लो
अल्हइत पुं० 'आल्हा' छंदनुं गीत गानार
अल्-हक़ अ० [अ.] खरेखर (२) हा; ठीक
अल्हजा पुं० गप; डिंग. **–मारना**=गप मारवी
अल्हड़ वि० अल्लड; नादान; बेवकूफ (२) पुं० नहि पलोटायेलो वाछडो
अव अ० (प.) 'और'; अने (२) [सं.] एक उपसर्ग
अवकाश पुं० [सं.] खाली जगा; आकाश (२) समय (३) नवराश (४) फासलो; अंतर
अवगत वि० [सं.] जाणेलुं (२) नीचे गयेलुं
अवगतना स० क्रि० [सं. अवगत] समजवुं; विचारवुं [दुर्गति; पतन
अवगति स्त्री० [सं.] समज; बुद्धि (२)
अवगाह वि० (प.) अथाह; बहु ऊंडुं (२) पुं० ऊंडुं के संकटनुं स्थान (३) [सं.] पाणीमां पडी नाहवुं ते
अवगाहना अ० क्रि० नाहवुं (२) डूबकुं मारवुं (३) स० क्रि० ऊंडा ऊतरी विचारवुं; तपासवुं
अवगुंठन पुं० [सं.] ढांकवुं के संताडवुं ते (२) घूमटो; बुरखो
अवगुण पुं० [सं.] दुर्गुण; दोष; अपराध
अवग्रह पुं० [सं.] बाधा; अडचण (२) शाप
अवघट वि० विकट; दुर्गम; कठण
अवचट अ० 'औचट'; अचानक (२) पुं० मुश्केली; संकडामण
अवज्ञा स्त्री० [सं.] अपमान; अवगणना
अवटना स० क्रि० 'औटना'; उकाळवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अवडेर पुं० झंझट; बखेडो; गरबड (२) फेर; चक्कर [नांखवुं; फसाववुं

अवडेरना स० क्रि० फेर – चक्करमां

अवडेरा वि० चक्करमां नांखे एवुं; झंझटवाळुं; गरबडियुं

अवतंस पुं० [सं.] भूषण (२) हार; माळा (३) वाळी (४) श्रेष्ठ व्यक्ति; शिरोमणि

अवतरण पुं० [सं.] पार ऊतरवुं ते (२) जन्मवुं ते (३) नकल (४) सीडी; घाट के तेनी सीडो [भूमिका

अवतरणिका स्त्री० [सं.] प्रस्तावना;

अवतार पुं० [सं.] अवतरवुं ते; जन्म (२) ईश्वरनो अवतार

अवदात वि० [सं.] निर्मळ; शुद्ध (२) श्वेत; गोरुं (३) पीळुं

अवद्य वि० [सं.] अधम; हीन

अवध पुं० अयोध्या (२) स्त्री० अवधि

अवधान पुं० [सं.] ध्यान; एकाग्रता

अवधारण पुं० [सं.] निश्चय; निरधार

अवधि स्त्री० [सं.] सीमा; हद (२) अ० पर्यंत; सुधी

अवधी स्त्री० अवध–अयोध्यानी बोली (२) वि० अयोध्या संबंधी

अवधूत पुं० बावो; संन्यासी

अवन पुं० [सं.] रक्षण (२) (प.) अवनि

अवनति स्त्री० [सं.] पडती (२) नीचे नमवुं ते

अवनि स्त्री० [सं.] पृथ्वी

अवम पुं० [सं.] अधिक मास

अवमतिथि स्त्री० [सं.] क्षय थती तिथि

अवमान पुं० [सं.] अपमान [अंग

अवयव पुं० [सं.] अंश; भाग (२) शरीरनुं

अवयवी वि० [सं.] अनेक अवयववाळुं (२) कुल; संपूर्ण (३) पुं० देह

अवर वि० (प.) अन्य; बीजुं (२) हलकुं; नीचुं (३) निर्बळ

अवरेखना स० क्रि० लखवुं; चीतरवुं (२) अनुमानवुं; कल्पवुं; मानवुं

अवरेब पुं० 'औरेब'; वक्र गति (२) कपडानो वांको काप (३) कठिनाई (४) झघडो; खेंचताण [लेवुं ते

अवरोध पुं० [सं.] अडचण (२) घेरी

अवरोह पुं० [सं.] ऊतरवुं ते; 'अवनति'

अवर्ण वि० [सं.] वर्णरहित (२) खराब रंगनुं

अवर्ण्य वि० [सं.] अवर्णनीय

अवलंघना स० क्रि० लांघवुं

अवलंबन पुं० [सं.] आधार; टेको

अवलेप पुं० [सं.] लेप (२) घमंड

अवलेपन पुं० [सं.] चोपडवुं ते (२) जुओ 'अवलेप'

अवलेह पुं० [सं.] चाटवानुं औषध

अवलोकन पुं० [सं.] जोवुं ते (२) तपास

अवश वि० [सं.] परतंत्र; लाचार

अवशिष्ट वि० [सं.] बचेलुं; बाकी

अवशेष पुं० [सं.] शेष; बाकी (२) समाप्ति (३) वि० बाकी (४) समाप्त

अवश्य अ० [सं.] जरूर (२) वि० वश न थाय तेवुं

अवसर पुं० [सं.] मोको; लाग (२) फुरसद (३) थाक

अवसाद पुं० [सं.] विषाद; खेद (२) नाश

अवसान पुं० [सं.] मरण (२) अंत; समाप्ति (३) सांज

अवसि अ० (प.) अवश्य

अवसेर स्त्री० [सं. अवसर] विलंब; ढील (२) चिंता; फिकर (३) हेरानगत

अवसेरना स० क्रि० पजववुं; दुःख देवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अवस्था स्त्री० [सं.] दशा; हालत (२) उमर [(२) नक्की

अवस्थित वि० [सं.] हयात; विद्यमान

अवस्थिति स्त्री० [सं.] हयाती

अवहेलना स्त्री० [सं.] अनादर (२) स०क्रि० अनादर करवो [भठ्ठी

अवाँ(-वा) पुं० 'आवाँ'; कुंभारनी

अवांतर वि० [सं.] अंतर्गत (२) पुं० मध्य; वच

अवाई स्त्री० (हिं० आना) आववुं ते

अवाक वि० [सं.] चूप (२) चकित

अवाङ्मुख वि० [सं.] अधोमुख; ऊलटुं (२) शरमायेलुं

अवाची स्त्री० [सं.] दक्षिण दिशा

अवाच्य पुं० [सं.] गाळ (२) वि० न बोलवा-कहेवा जेवुं (३) नीच

अवाम पुं० [अ.] आमजनता

अवाम-उन्नास पुं० जुओ 'अवाम'

अवायल वि० [अ.] प्राथमिक; शरूनुं ('अव्वल'नुं ब०व०)

अवार पुं० [सं.] नदीनो आ किनारो; 'पारथी' ऊलटुं [नो चोपडो

अवारजा पुं० [फ़ा. अवारिज] हिसाब-

अविच्छिन्न, अविच्छेद वि० [सं.] अतूट; लगातार; अखंड [माया

अविद्या स्त्री० [सं.] अज्ञान; मोह (२)

अविधि वि० [सं.] विधि—नियमथी विरुद्ध; नियम बहारनुं

अविरथा अ० (प.) वृथा; नाहक

अविरोध पुं० [सं.] विरोधनो अभाव (२) मेळ; समानता [(२) अन्याय

अविवेक पुं० [सं.] अविचार; अणसमज

अविश्वास पुं० अणभरोंसो (२) अनिश्चय

अवेज पुं० [अ. एवज] (प.) बदलो; अवेज

अवेर स्त्री० ढील; मोडुं थवुं ते; वार

अवैतनिक वि० [सं.] वेतन वगरनुं; मानद

अव्यक्त वि० [सं.] अगोचर (२) अज्ञात (३) पुं० प्रकृति (४) जीव (५) अव्यक्त राशि

अव्यक्त-गणित पुं० [सं.] बीजगणित

अव्यय वि० [सं.] नित्य; निर्विकार (२) पुं० व्याकरणनो अव्यय शब्द

अव्यवस्था स्त्री० [सं.] व्यवस्था के नियमनो अभाव; गरबड

अव्युत्पन्न वि० [सं.] अजाण; अणसमजु

अव्वल वि० [अ.] अवल; पहेलुं (२) उत्तम; श्रेष्ठ (३) पुं० शरूआत; आदि. उदा० 'अव्वलसे आखिर तक'

अशंक वि० [सं.] नीडर; निःशंक

अशअश करना=खूब खुश के संतुष्ट थवुं

अशआर पुं० [अ.] ('शेर'नुं ब०व०) काव्यनी टूंको

अशकुन पुं० अपशुकन

अशक्त वि० [सं.] नबळुं; शक्ति वगरनुं

अशक्ति स्त्री० [सं.] नबळाई; कमजोरी

अशक्य वि० [सं.] असंभव; शक्तिबहारनुं

अशख़ास [अ. 'शख्स' नुं ब०व०] घणा माणसोनुं टोळुं; जनसमूह

अशजार पुं [अ.] झाडो; वृक्षसमूह

अशन पुं० [सं.] खावुं ते (२) खोराक

अशरफ़ पुं० भलो माणस; मोटेरो

अशरफ़ी स्त्री० [फा.] सोनानो एक सिक्को (२) एक पीळुं फूल

अशराफ़ वि० शरीफ; भलुं (माणस)

अशिया स्त्री० [अ.] चीजो; वस्तुओ

अशिष्ट वि० [सं.] असभ्य; असंस्कारी

अशुद्ध वि० [सं.] मेलुं; अपवित्र (२) भूलभरेलुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अशुन पुं० (प.)अश्विना नक्षत्र
अशुभ वि० [सं.] बूरुं; भूंडुं; अमंगल (२) पुं० अहित (३) पाप
अशेष वि० [सं.] पूरुं; बधुं (२)खतम; समाप्त (३)अनेक; बहु
अशौच पुं० [सं.] अपवित्रता; अशुद्धि (२) सूतक
अश्क पुं० [फा.] आंसु [वादळ
अश्म पुं० [सं.] पथ्थर(२) पर्वत(३)
अश्मरी स्त्री० [सं.] पथरीनो मूत्ररोग
अश्रु पुं० [सं.] आंसु
अश्लील वि० [सं.] बीभत्स; गंदुं
अश्व पुं० [स.] घोडो [नक्षत्र
अश्विनी स्त्री० [सं.] घोडी (२) एक
अषाढ़ पुं० अषाढ मास
अष्ट वि० [सं.] आठ. **०म** वि० [सं.] आठमुं. **०मी** स्त्री० आठम
असंक्रांति मास पुं० [सं.] अधिक मास
असंख्य वि० [सं.] अगणित
असंगत वि० [सं.] अजुगतुं; अनुचित
असंतोष पुं० [सं.] अतृप्ति (२) अप्रसन्नता
असंभव वि०[सं.]अशक्य; 'नामुमकिन'
असंभावना स्त्री० [सं.] असंभव
अस वि० (प.) आवुं; आ प्रकारनुं (२) समान; तुल्य
असकताना अ०क्रि० आळस करवुं; आळसी जवुं
असकन्ना पुं० तलवारनुं म्यान अंदरथी साफ करवानुं लोढानुं एक ओजार
असगंध पुं० एक औषधि; अश्वगंधा
असगुन पुं० अपशुकन
असत् वि० [सं.] बूरुं; खराब (२) जूठुं (३) असाधु
असत्य वि० [सं.] मिथ्या; जूठुं
असबर्ग पुं० [फा.] रेशम रंगवामां आवतुं एक खुरासानी घास
असबाब पुं०[अ.] चीज; वस्तु; सामान
असमंजस स्त्री०[सं]दुविधा(२) अडचण
असमय पुं० (सं.) दुःखनो-खराब समय (२) अ० कवखते
असर पुं० [अ.] असर; प्रभाव
असरार अ० (प.) लगातार; सतत (२) पुं० ब०व० [अ.] भेद; गुप्त वातो
असल वि० [अ.] खरुं; साचुं (२) उच्च; श्रेष्ठ (३) शुद्ध; भेळसेळ वगरनुं (४) अकृत्रिम (५) पुं० जड; मूळ; पायो
असलह पुं० [अ.] शस्त्र; हथियार
असला अ० [अ.] जरा पण (२) कदापि; हरगिज
असलियत स्त्री०[अ.] साच; तथ्य (२) मूळतत्त्व; सार (३) जड; मूळ
असली वि० असल;खरुं (२) मूळ; मुख्य (३) शुद्ध; निर्भेळ
असवार पुं० सवार. **-री** स्त्री० सवारी
असह वि० असह्य
असहयोग पुं० असहकार
असही वि० अदेखुं; ईर्षाळु
असाँच वि० असत्य; मिथ्या
असा पुं० [अ.] सोटो; दंडो
असाढ़ पुं० [सं. आषाढ] अषाढ़ मास
असाढ़ी वि० अषाढनुं (२) स्त्री० अषाढी पाक (३) अषाढी पूनम
असाध्य वि० [सं.] न थई शके एवुं; कठण (२) न मटी शके एवो (रोग)
असामी पुं० [अ. आसामी] आसामी; व्यक्ति (२) देणदार (३) साथियो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(४)अपराधी (५) स्त्री० वेश्या; रखात (६) नोकरी; जगा
असार वि० [सं.] सार वगरनुं (२) खालीं (३) तुच्छ
असालत स्त्री० [अ.] कुलीनता(२)सत्य
असालतन् अ०[अ.] स्वयं; खुद
असावधानी स्त्री० सावधान न होवुं ते; गाफेली
असावरी स्त्री० आशावरी राग
असास पुं० [अ.] जड; पायो; मूळ
असासा पुं०[अ.]असबाब; माल; संपत्ति
असि स्त्री० [सं.] तलवार
असित वि० [सं.] काळुं (२) खराब; वूरुं (३) वांकुं
असिस्टंट वि० [इं.] मददनीश; सहायक
असी स्त्री० [सं.] एक नदी जे काशी पासे गंगाने मळे छे
असीम वि० [सं.] अपार; बेहद
असीर पुं० [फा.] केदी
असील वि० [अ.] खानदान (२) सुशील
असीस स्त्री० (प.) आशिष
असीसना स०क्रि० आशिष देवी
असु पुं० (प.) अश्व (२) अ० आशु; शीघ्र (३) [सं.] प्राण
असुबि(-वि)धा स्त्री० अगवड
असुर पुं० [सं.] राक्षस
असूझ वि० अन्धकारमय (२) अपार (३) विकट; कठण
असूया स्त्री० [सं.] ईर्षा; दाझ
असूल पुं० जुओ 'उसूल' तथा 'वसूल'
असेसर पुं० [इं.] एसेसर
असोज पुं० [सं. अश्वयुज] आसो मास
अस्त वि० [सं.] आथमेलुं (२) पुं० लोप; अदृश्य थवुं ते
अस्तबल पुं० [अ.] तबेलो; घोडाशाल
अस्तर पुं० [फा.] नीचेनुं पड के थर (२) कपडानुं अस्तर
अस्तरकारी स्त्री० [फा.] चूनाथी धोळवुं के प्लास्टर करवुं ते
अस्तव्यस्त वि० रफेदफे; आडाअवळी
अस्ति स्त्री०,०त्व पुं० हस्ती; हयाती
अस्तु अ० [सं.] ठीक; भले [बूराई
अस्तुती स्त्री० स्तुति (२) [सं.] निंदा;
अस्तुरा पुं० [फा.] अस्तरो
अस्तेय पुं० [सं] चोरी न करवी ते; पांचमांनो एक यम
अस्त्र पुं०[सं.]फेंकवानुं शस्त्र (२) बंदूक के ढाल जेवुं हथियार (३) नस्तर
अस्त्रचिकित्सा स्त्री० [सं.] वाढकापनुं वैदक
अस्त्रवेद पुं० [सं.] धनुषविद्या
अस्त्री पुं० अस्त्रधारी; सशस्त्र माणस
अस्थि स्त्री० [सं.] हाडकुं
अस्थिर वि० [सं.] डगमगतुं; चंचळ; अनिश्चित (२) (प.) स्थिर
अस्ना पुं० (अ.) वचगाळानो समय; दरमियान
अस्नान पुं० (प.) स्नान
अस्प पुं० [फा.] अश्व
अस्पताल पुं० इस्पिताल; दवाखानुं
अस्फंज पुं० [इं. स्पंज] वादळी
अ़स्मत स्त्री० [अ.] पापभीरुता (२) स्त्रीनुं पातिव्रत्य, शियळ
अस्मिता स्त्री० [सं.] अहंकार; हुंपणुं
अस्वस्थ वि० [सं.] बेचेन (२) बीमार
अस्सी वि० ८०; ऎंसी [कार; गर्व
अहं, ०कार पुं०, **०ता** स्त्री० [सं.] अहं-
अहंवाद पुं० [सं.] शेखी; पतराजी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अह अ० आह! (२) पुं० दिवस
अहक स्त्री० (प.) इच्छा
अहकना अ० क्रि० प्रबल इच्छा करवी
अहक़र वि० [अ.] अति तुच्छ
अहकाम पुं० [अ. 'हुक्म'नुं ब० व०] आज्ञाओ; हुकमो
अहतमाल पुं० [अ.] भय; आशंका
अहद पुं० [अ.] वायदो; करार (२) सुलेह (३) (राज्यनो) समय
अहदनामा पुं० [फ़ा.] करारनामुं (२) सुलेहनामुं
अहदी वि० [अ.] आळसु (२) नवरुं; नकामुं (३) पुं० अकबरना समयनो एक सिपाही जेने बोलावे त्यारे ज कामे आवे, बाकी बेठो रहेतो ते
अहना अ० क्रि० [सं. अस्] होवुं (आनां 'अहै,' 'अहा' ए ज रूपो मळे छे)
अहनिसि अ० (प.) अहोरात; रातदिवस
अहम वि० [अ.] खास महत्त्वनुं; बहु जरूरी
अहमक़ वि० [अ.] बेवकूफ; मूर्ख
अहमियत स्त्री० [अ.] महत्त्व
अहमेव पुं० अहंकार; घमंड
अहरन स्त्री० [सं. आधरण] एरण
अहरा पुं० [सं. आहरण] जेरणांनो ढग के तेनी आग (२) पाणीनो मोटो जमाव ज्यांथी खेतरोमां पाणी लेवाय
अहरी स्त्री० परब (२) होज के पाणीनी कूंडी
अहल पुं० [अ.] व्यक्ति; जण (२) मालिक (३) लोक (४) वि० लायक; योग्य; शक्तिवाळुं
अहलकार पुं० [फा.] काम करनार; गुमास्तो; नोकर
अहलमद पुं० [फ़ा.] अदालतनो एक अमलदार
अहवाल पुं० ब० व० [अ.] हेवाल; समाचार (२) दशा; हालत ('हाल' नुं ब० व०)
अहसान पुं० [अ.] अहेसान; आभार; [उपकार
अहसानमन्द वि० [फा.] आभारी
अहाता पुं० [अ.] वाडो (२) चारे तरफनी वाड के दीवाल
अहार पुं० (प.) आहार; खोराक
अहारना स० क्रि० (प.) आहार करवो (२) चोटाडवुं (३) कपडामां आर नाखवो
अहाली-मवाली पुं० ब० व० साथीओ तथा नोकर-चाकर लोक
अहाहा अ० हर्षनो उद्‌गार
अहिंसा स्त्री० [सं.] कोई जीवने न मारवुं के पीडवुं ते
अहिंस्र वि० [सं.] अहिंसक
अहि पुं० [सं.] साप (२) राहु (३) खल; [धूर्त
अहित पुं० [सं.] हानि; नुकसान (२) वि० शत्रु; वेरी (३) हानिकारक
अहिनी स्त्री० [सं. अहि] सापण
अहिफेन पुं० [सं.] अफीण (२) सापनी लाळ
अहिवात स्त्री० हेवातण; स्त्रीनुं सौभाग्य
अहिवाती वि० स्त्री० सौभाग्यवती; सधवा
अहीर पुं० [सं.] (स्त्री० –रिन) आहीर; गोवाळ
अहुटना अ० क्रि० (प.) हठवुं; दूर खसवुं
अहुटाना स० क्रि० (प.) हठाववुं; [भगाववुं
अहेतु,०क वि० [सं.] विना कारण (२) व्यर्थ

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

अहेर पुं० [सं. आखेट] शिकार के तेनो भोग थनार प्राणी
अहेरी पुं० शिकारी (ते जातनो के शिकार करनारो माणस)
अहोर-बहोर अ० फरी फरी; वारंवार
अहोरा-बहोरा पुं० विवाहमां एक रीत (जेमां कन्या सासरे जई ते ज दहाडे पाछी पियर आवे छे) (२) अ० (प.) वारंवार

आ

आँक पुं० अंक (२) चिह्न (३) अंश; भाग
आँकड़ा पुं० आँकड़ो; संख्या
आँकना स०क्रि० आंकवुं; परीक्षा करवी
आँकर वि० [सं. आकर] ऊंडुं (२) घणुं (३) [सं. अक्रय्य] मोघुं
आँकुस पुं० अंकुश
आँकू पुं० आंकनारो
आँख स्त्री० आंख (२) दृष्टि; नजर; ध्यान (३) विचार; विवेक (४) परख; पिछान (५) कृपादृष्टि (६) संतान; बालक. **–आना** या **उठना** = आंख आववी. **–उठाना** = जोवुं; ताकवुं (२) बूरुं ताकवुं. **–उलट जाना** = (मरती वखते) आंखनी पूतळीओ ऊंचे चडी जवी. **–खुलना** = आंख ऊघडवी (२) भ्रम टळवो; समजवुं. **–गड़ना** = आंख दुखवी (२) टक टक ताकवुं (३) इच्छाथी आंख चोटवी. **आँखें चार करना, चार आँखें करना** = आंख सामे आववुं. **–आँखें चुराना** या **छिपाना** = आंख आडी करवी; सामे न जोवुं. **आँखें डबडबाना**= अ० क्रि० आंखमां आंसु आववां (२) आंखमां आंसु लाववां. **–निकालना** = आंख काढवी. **– बचाना** = सामे न आववुं; कतरावुं. **आँखें बिछाना** = प्रेमथी स्वागत करवुं (२) वाट जोवी. **–भर देखना** = बरोबर जोवुं. **–मारना** = आंखो मारवी; इशारो करवो. **–में चरबी छाना**=गर्वथी छकी जवुं. **आँखोंमें फिरना**=ध्यान पर चडवुं; याद रहेवुं. **आँखोंमें रात काटना**=कष्ट के चिंताथी रात जागवुं. **–लगना**=ऊंघथी आँख मळवी. (किसीसे) **आँख लगना**=प्रेम थवो. **–लड़ना**=प्रेम थवो. **–सेंकना**= नेत्रसुख लेवुं. **–होना** =परख होवी; समज के विवेक होवो.
आँखड़ी स्त्री० आँख
आँखफोड़ टिड्डा पुं० एक लीलुं जीवडुं (२) कृतघ्न
आँखमिचौली, आँखमीचली स्त्री० संताकूकडीनी रमत
आँगन पुं० आंगणुं; घरनो चोक
आँगी स्त्री० जुओ 'अंगिया'
आँघी स्त्री० बारीक कपडे मढेली चाळणी
आँच स्त्री० [सं. अर्चिस्] आंच; गरमी (२) आग (३) तेज (४) आघात;

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

चोट (५) हानि; अनिष्ट (६) विपत; संकट (७) प्रेम; महोबत
आँचल पुं० अंचल; छेडो; पालव; 'अंचरा' (२) जुओ 'अँचला'
आँजना स०क्रि० आंजवुं; अंजन लगाववुं
आँट स्त्री० अंगूठा ने तर्जनी वच्चेनो हथेळीनो भाग (२) वेर (३) ओटी; गांठ (४) गठ्ठो; पूळो (५) दाव; जोग
आँटना अ० क्रि० जुओ 'अँटना'
आँट-साँट स्त्री० दावपेच; प्रपंच
आँटी स्त्री० आंटी (२) ओटी (३) सूतरनी आंटी (४) गिल्ली
आँठी [सं. अष्टि; प्रा. अट्ठि] दहीं, कफ इ० नो लोचो (२) गांठ (३) गोटली
आँत स्त्री० आंतरडुं. **–उतरना**=आंतरडुं ढीलुं पडी नीचे ऊतरवाथी एक रोग थवो. **आँतोंका बल खुलना**=धरावुं. **आँते कुलकुलाना या सूखना**=भूखनी पीडा थवी. **आँतें गलेमें आना**=खूब श्रम पडवो; आंतरडां ऊंचां चडी जवां
आँदू पुं० [सं. अंदू] बेडी; बंधन
आंदोलन पुं० [सं.] हिलचाल
आँधरा वि० आंधळुं
आँधी स्त्री० आंधी; जोरथी हवा वाई धूळ धूळ थई जवी ते; सखत वावाझोडुं (२) वि० आंधी जेवुं तेज
आँब पुं० आंबो के केरी [हळदर
आँबाहलदी स्त्री० 'आमाहलदी'; आंबा-
आँयबाँय स्त्री० 'अंडवंड'; नकामी वात
आँव पुं० आम; काचो मळ
आँवठ पुं० धार; किनार
आँवड़ा वि० (प.) ऊंडुं
आँवल पुं० गर्भनी ओर
आँवल-नाल स्त्री० जन्मेला बालकनो नाळ
आँवला पुं० [सं. आमलक] आमळुं
आँवलोहू पुं० आमनो रोग; मरडो
आँवाँ पुं० जुओ 'अवाँ'
आंशिक वि० [सं.] अंशवाळुं; कांईक (पूरुं नहि) [छे
आँसी स्त्री० मीठाई, जे मित्रोमां वहेंचाय
आँसू पुं० आंसु. **–गिराना, ढालना**=रडवुं. **–पीकर रह जाना**=मनमां ने मनमां ज दुःख शमावी लेवुं
आँहड़ पुं० वासण
आँहाँ अ० आंहां, 'ना' देखाडतो उद्गार
आइ स्त्री० (प.) आयु; उंमर
आइंदा वि० [फा.] आवनारुं; आगंतुक (२) पुं० भविष्य (३) अ० आगळ; भविष्यमां; हवे पछी
आई स्त्री० [हिं. आना] मृत्यु (२) 'आना' नुं भूतकाळ स्त्री० रूप (३) जुओ 'आइ'
आईन पुं० [फा.] नियम; कायदो
आईना पुं० [फा.] आयनो; आरसी. **–होना**=स्पष्ट होवुं. **आईनेमें मुँह देखना**=पोतानी लायकात विचारवी-जोवी
आईनी वि० [फा.] कानूनी; कायदाने लगतुं
आक, आकड़ा पुं० आकडो
आकन पुं० खेडेला खेतरमांथी बहार फेंकेल घास झांखरां इ०
आक़बत स्त्री० [अ.] सांपराय; मरण पछीनी अवस्था; परलोक
आकर पुं० [सं.] भंडार (२) खाण
आकरिक पुं० [सं.] खाणियो; खाणनुं काम करनार
आकरी स्त्री० खाणनुं काम
आकर्षण पुं० [सं.] खेंचाण
आकलन पुं० [सं.] संग्रह (२) गणतरी (३) ग्रहण करवुं के तपासवुं ते

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

आकला वि० (स्त्री० **–ली**) आकळुं
आकली स्त्री०आकुळता; व्यग्रता; बेचेनी
आकस्मिक वि० ओचिंतुं; अणधार्युं
आकांक्षा स्त्री० [सं.] इच्छा
आकांक्षी वि० [सं.] इच्छुक
आका पुं० [सं. आकाय] भठ्ठी; चूलो
आक़ा पुं० [अ.] मालिक; धनवान; शेठ
आकार पुं० [सं.] घाट; स्वरूप (२) बनावट (३) निशानी [अवरख
आकाश पुं० [सं.] गगन; आसमान (२)
आकाशबेल स्त्री० अंतरवेल [मंडप
आकाशी स्त्री० छांयो करवा बांधेलो
आक़िल वि०[अ.] बुद्धिमान; अकलमन्द
आकीर्ण वि० [सं.] व्यापेलुं; भरेलुं
आकुंचन पुं० [सं.] संकडावुं ते
आकुंठन पुं० [सं.] शरम; लज्जा
आकुल, –लित वि० [सं.] व्याकुळ; गभरायेलुं (२) व्यापेलुं [तिनो भाव
आकृति स्त्री० [सं.] आकार (२)मों के
आक्रमण पुं० [सं.] हल्लो; चडाई (२) आक्षेप; निंदा
आक्षेप पुं०[सं.]आरोप; आळ (२) व्यंग
आखत पुं० अक्षत – चोखा
आख़ता वि० [फा.] खसी करेलो (अंडकोश काढी नाखेलो) घोडो
आखर पुं० (प.) अक्षर
आखा पुं० जुओ 'आँधी' (२) वि० [सं. अक्षय] आखुं; पूरुं
आखातीज स्त्री० अखात्रीज
आख़िर वि० [फा.] अंतिम (२) पुं० आखर; अंत (३) अ० अंते; आखरे
आख़िरकार अ० [फा.] आखरे; अंते
आख़िरत स्त्री० [अ.] मरणदिन (२) कयामत (३) परलोक
आख़िरी वि० [फा.] आखरी; अंतिम
आखु पुं० [सं.] उंदर
आखेट पुं० [सं.] शिकार
आखेटक पुं० शिकार (२) वि०शिकारी
आखेटी पुं० शिकारी
आखोट पुं० [सं. अक्षोट] अखरोट
आखोर पुं० [फा.] ओगाट (२)नकामी रद्दी वस्तु (३) वि० नकामुं; रद्दी
आख़्ता वि० जुओ 'आखता'
आख्या स्त्री० [सं.] ख्याति (२) व्याख्या
आख्यात वि० [सं.] कहेलुं (२) विख्यात
आख्यान पुं० [सं.] वर्णन (२) कथा
आख्यायिका स्त्री० [सं.] कथा; वार्ता
आग स्त्री० आग; ताप. **–होना, –बबूला (बगूला) होना या बनना**= क्रोधमां आवी जवुं
आगत-स्वागत पुं० आगता-स्वागता
आगम पुं०[सं.]आगमन (२) भविष्यकाळ (३) बननारी वात (४) वेद; शास्त्र (५) वि०आगामी. **–करना**=उपाय करवो. **–बाँधना**=आवनारी वात नक्की करवी
आगमजा(–ज्ञा)नी वि० भविष्यवेत्ता
आगमना पुं०[सं.आगमन]आगळ जनारी सेना (२)पूर्व दिशा(३)वि०(स्त्री०**–नी**) आगमनार–आगळ झूकनार; साहसिक
आगमवाणी स्त्री० भविष्यवाणी
आगम-सोच(–ची) वि० अगमचेतीवाळुं; आगळनुं विचारनार; दूरदर्शी
आगमी पुं० जोषी; भविष्य जोनार
आगर पुं०[सं.आकर]खाण(२)ढग;ढेर(३) निधि (४) मीठानो अगर (५) [सं. आगार] घर (६)छाज; छापरुं (७) वि० [सं. अग्र] श्रेष्ठ (८) दक्ष; चतुर
आगरी पुं० अगरियो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

आगल पुं० [सं. अर्गल] आगळो (२) वि० आगलुं (३)अ० आगळ; अगाउ
आग़ा पुं० [तुर्की] शेठ; आका; मालिक
आगा पुं० कोई वस्तुनो आगलो भाग (२) छाती (३) मोढुं (४) कपाळ; माथुं (५) अंगरखानो आगळनो भाग
आग़ाज़ पुं० [फा.] प्रारम्भ; शरूआत
आगापीछा पुं० दुविधा; आनाकानी (२) परिणाम
आगार पुं० घर (२) खजानो; भंडार
आगाह वि० [फा.] वाकेफ
आगाही स्त्री० [फा.] जाण; खबर
आगिल(-ला) वि० (प.) आगळनुं; आगलुं (२) भविष्यनुं
आगे अ० 'आगळ' जेवा वधा अर्थमां प्रयोग थाय छे
आग़ोश स्त्री० [फा.] गोद; खोळो
आग्नेय वि० [सं.] अग्नि संबंधी (२)पुं० सोनुं
आग्रह पुं० [सं.] जोर करीने के खूब कहेवुं ते; अनुरोध (२) हठ के भारपूर्वक कांई करवुं ते [आक्रमण
आघात पुं० [सं.] धक्को (२) प्रहार;
आचरण पुं० [सं.] वर्ताव; आचरवुं ते (२) लक्षण; चिह्न (३) रथ
आचरना स० क्रि० आचरवुं; वर्तवुं
आचार पुं० [फा.] जुओ 'अचार'(२) [सं.] आचरण; चालचलगत
आचारजी स्त्री० गोरपदुं
आचारी वि० आचारवान (२) पुं० रामानुजी वैष्णव
आज अ० आज़े (२) हमणां
आजकल अ० आजकाल; आ दिवसोमां. **—लगना**=मरण पासे आववुं
आज़मंद वि० [फा.] लालचु; लोभी
आज़म वि० [अ. अअज़म] बहु मोटुं; महान; मुख्य
आज़मा वि० [फा.] अजमावी जोनार; परीक्षक [कसोटी
आज़माइश स्त्री० [फा.] अजमायश;
आज़माना स०क्रि० अजमाववुं; पारखवुं
आज़मूदा वि० [फा.] अजमावेलुं
आजा पुं० [सं. आर्य] (स्त्री० **—जी**) बापना बाप; दादा
आज़ाद वि० [फा.] आझाद; स्वतन्त्र (२) बेफिकर (३) नीडर (४) स्पष्टवक्ता (५) उद्धत
आज़ादगी, आज़ादी स्त्री० आझादी
आज़ार पुं० [फा.] आजार; रोग (२) दुःख; तकलीफ
आजिज़ वि० [अ.] दीन; नम्र (२) सपडायेलुं; सपटामणमां आवेलुं
आजिज़ी स्त्री० [अ.] दीनता
आजीविका स्त्री०[सं.] निर्वाह; वृत्ति
आज़ुर्दगी स्त्री० [फा.] दुःख; खेद
आज़ुर्दा वि० [फा.] खिन्न; दुःखी
आज्ञा स्त्री० [सं.] आज्ञा; हुकम (२) मंजूरी; अनुमति
आज्ञापन पुं० [सं.] जाहेर करवुं ते; सूचन
आटना स० क्रि० दबाववुं; ढांकी नाखवुं
आटा पुं० आटो; लोट (२) भूको. **आटे दालका भाव मालूम होना**=संसार-व्यवहारनी गम होवी
आठ वि० आठ; ८. **आठ-आठ आँसू रोना**=खूब रोवुं. **आठों गाँठ कुम्मैत**= सर्व वाते संपूर्ण (२) चतुर (३) धूर्त
आडंबर पुं० [सं.] मोटो आवाज (२) ढोंग; दंभ; देखाव; उपरनी टापटीप (३) तंबु (४) एक मोटुं ढोल

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

आडंबरी वि० ढोंगी; दंभी
आड़ स्त्री० आड; पडदो (२) रक्षण; आशरो (३) रोकाण; प्रतिबंध (४) पियळ; आडुं तिलक (५) पुं० वींछीनो डंख
आड़न स्त्री० ढाल
आड़ना स० क्रि० रोकवुं (२) मना करवी (३) आडमां मूकवुं; गीरववुं
आड़ा वि० आडुं; वांकुं; वच्चे आवतुं. **आड़े आना**=आडा आववुं; रोकवुं; वच्चे पडवुं. **आड़े हाथों लेना**=व्यंगोक्तिथी कोईने शरमाववुं
आड़ी स्त्री० तबलां मृदंग वगाडवानी एक ढब (२) करवती; आरी (३) पुं० ओथ देनार; रक्षक
आड़ू पुं० एक खटमधुरुं फळ; 'पीच'
आढ़ पुं० स्त्री० आड; ओथ (२) अंतर; आंतरो. **–आढ़ करना**=आजकाल करवुं; ढील करवी; टाळवुं
आढ़क पुं० चार शेरनुं माप के मापियुं
आढ़त स्त्री० आडत के तेनो माल रहेतो होय ए स्थान
आढ़तिया पुं० आडतियो; 'अढ़तिया'
आढ्य वि० [सं.] संयुक्त; –वाळुं
आतंक पुं० [सं.] भय (२) रोग
आतंकवाद पुं० [सं.] त्रासवाद
आततायी पुं० [सं.] अत्याचारी; पापी
आतप पुं० [सं.] ताप; गरमी (२) ताव
आतपी पुं० [सं.] सूर्य
आतमा स्त्री० आत्मा
आत(–ति)श स्त्री० [फा.] आतस; अग्नि
आतशक पुं० [फा.] चांदी; गरमी; उपदंशनो रोग
आतशकी वि० चांदीनुं रोगी
आतश-खाना पुं० पारसीनी अगियारी
आतश-दान पुं० [फा.] सगडी [पारसी
आतश-परस्त पुं० [फा.] अग्निपूजक;
आतशी वि० आतस–अग्नि संबंधी (२) तापथी न फूटे एवुं (काच)
आतिथ्य पुं० [सं.] परोणागत; महेमानगीरी
आतिश स्त्री० आतस; आग (२) गुस्सो
आतिशबाज़ी स्त्री० आग साथे खेलवुं ते (२) आतसबाजी; दारूखानुं
आतुर वि० [सं.] अधीरुं; व्यग्र; बेचेन; गभरायेलुं (२) दुःखी (३) रोगी (४) अ० जलदी [(२) उतावळ
आतुरता, आतुरी स्त्री० अधीराई; गभराट
आत्मघात पुं० [सं.] आपघात
आत्मज पुं० [सं.] पुत्र (२) कामदेव
आत्मज्ञान पुं० [सं.] आत्मानो साक्षात्कार
आत्मत्याग पुं० [सं.] स्वार्थनो त्याग
आत्मनिवेदन पुं० [सं.] सर्वस्व अर्पण करवुं ते (२) नवधाभक्तिनो एक प्रकार
आत्मसात् अ० [सं.] एकरूप; पोता जेवुं होय एम
आत्मा स्त्री० [सं.] आत्मा [मानसिक
आत्मिक वि० [सं.] आत्मा संबंधी (२)
आत्मीय वि० [सं.] पोतानुं (२) पुं० सगुंसंबंधी
आत्यंतिक वि० [सं.] अतिशय
आथना अ० क्रि० (प.) होवुं
आदत स्त्री० [अ.] स्वभाव; प्रकृति (२) टेव
आदतन् अ० [अ.] आदतने लईने; स्वभावतः [आदमी; माणस
आदमज़ाद पुं० आदमनुं संतान;
आदमियत स्त्री० [अ.] मनुष्यत्व; माणसाई
आदमी पुं० [अ.] माणस (२) नोकर; सेवक. **–बनना**=सभ्यता शीखवी
आदर पुं० [सं.] सन्मान; आबरू

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

आदान-प्रदान पुं० [सं.] आपले; लेवुं देवं ते
आदाब पुं० [अ.'अदब' नुं व०व०] नियम (२) अदब; मर्यादा (३) नमस्कार; सलाम. **-अर्ज़ करना**=प्रणाम करवा. **-व-अल्क़ाब** = अदब अने विवेकनां विशेषणोनी भाषा, जेवी के पत्रमां वपराय छे
आदि पुं० [सं.] प्रारंभ (२) परमेश्वर (३) वि० प्रथम; शरूनुं (४) अ० वगेरे
आदित्य पुं० [सं.] सूर्य
आदिम वि० [सं.] आदि; पहेलुं
आदिल वि० [फा.] अदल; न्यायी
आदी वि० [अ.] आदतवाळुं; टेव पडेलुं
आदेश पुं० [सं.] आज्ञा (२) उपदेश (३) (साधुओमां) नमस्कार
आद्य वि० [सं.] पहेलुं
आद्यन्त, आद्योपान्त वि० [सं.] आदिथी अंत सुधीनुं; पूरेपूरुं
आद्रा स्त्री० आर्द्रा नक्षत्र
आध वि० अर्धुं (बहुधा समासमां)
आधा वि० [स्त्री० **-धी**] अर्ध. **-तीतर आधा बटेर**=दोदश; रफेदफे. **-होना**=अर्धुं थई जवुं; दूबळुं थवुं. **आधी बात**=जरा पण घसाती, अपमानकारी वात. **आधोआध**=अर्धोअर्ध
आधान पुं० [सं.] स्थापवुं ते (२) गर्भ
आधार पुं० [सं.] आशरो; टेको; आलंबन (२) पायो
आधारी वि० आधारवाळुं (२) स्त्री० (?) साधुओ टेका माटे अमुक लाकडी राखी बेसे छे ते
आधासीसी स्त्री० आधाशीशी
आधि स्त्री० [सं.] चिंता; फिकर (२) गीरो
आधुनिक वि० [सं.] वर्तमान; हालनुं
आध्यात्मिक वि० [सं.] आत्मा संबंधी

आनंद-बधाई स्त्री० मंगळ उत्सव के प्रसंग
आनंद-बन पुं० काशी नगरी
आन स्त्री० [सं. आणि=सीमा] मर्यादा (२) सोगन (३) आण (४) ढंग; रीत; क्षण; जरा वार (५) प्रतिज्ञा; टेक (६) अदब; मर्यादा. **-की आनमें**=झटपट
आनक पुं० [सं.] नगारुं; दुंदुभी (२) गरजतुं वादळ
आनन-फानन अ० [अ.] झटपट
आनना स० क्रि० आणवुं; लाववुं
आन-बान स्त्री० ठाठमाठ
आनयन पुं० [सं.] लाववुं ते (२) जनोई; उपनयन [अवैतनिक
आनरेरी वि० [इं.] 'ऑनररी'; मानद;
आना पुं० आनो (२) अ० क्रि० आववुं (३) आवडवुं. **आ धमकना, निकलना**=अचानक आवी पहोंचवुं. **आया गया**=अतिथि. **आये दिन**=प्रतिदिन. **आ रहना**=पडी जवुं. **आ लगना**=पहोंचवुं (२) आरम्भ थवो; बेसवुं. **आ लेना**=पकडी लेवुं (२) आक्रमण करवुं
आनाकानी स्त्री० ध्यान पर न लेवुं ते (२) वात टाळवी ते (३) कानफूसियां करवां ते (४) आनाकानी
आप सर्व० स्वयं; खुद (त्रणे पुरुषमां) (२) 'तमे' के 'ते' ने स्थाने आदर-वाचक उपयोग थाय छे
आपत्ति स्त्री० [सं.] दुःख; पीडा (२) वांधो; अडचण (३) दोषारोपण
आपद, -दा स्त्री० [सं.] आफत; पीडा
आपस स्त्री० संबंध; भाईचारो (छठ्ठी सातमी विभक्तिमां प्रायः वपराय छे)
आपसदारी स्त्री० परस्पर व्यवहार; भाईचारो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

आपसमें अ० परस्पर; अंदरेअंदर

आपा पुं० पोतानुं अस्तित्व (२) अस्मिता; अहंकार (३) सुधबुध; भान (४) स्त्री० मोटी वहेन (मुसलमानोमां)

आपात पुं० [सं.] पतन (२) अचानक थवुं ते (३) आरंभ (४) अंत

आपाततः अ० [सं.] अचानक; अकस्मात् (२) आखरे

आपाधापी स्त्री० पोतपोतानी चिंता के कामनुं ध्यान (२) खेंचताण

आपापंथी वि० मनस्वी; कुपंथी

आपुस पुं० जुओ 'आपस'

आप्त वि० [सं.] प्राप्त (२) कुशळ (३) विश्वासपात्र; प्रमाण गणाय एवुं

आफ़त स्त्री० [अ.] आपत्ति; कष्ट; मुसीबत. **–उठाना**=दुःख सहवुं. **–का परकाला**=होशियार (२) आकाश पाताळ एक करनार; भारे उद्योगी (३) उधमातियुं; उपद्रवी. **–ढाना** =उधमात, दंगो मचाववो (२) तकलीफ–दुःख देवुं. **–मचाना**=उधमात मचाववो (२) उतावळ करवी. **–लाना** =पीडा के झंझट ऊभी करवी

आफ़ताब पुं० [फा.] सूरज

आफ़ताबा पुं० [फा.] (पाणी गरम करवानुं) एक प्रकारनुं वासण

आफ़ताबी स्त्री० [फा.] मोटुं छत्र (२) दारूखानानी एक जात (३) घर सामेनी नानी ओसरी (४) वि० गोळ (५) सूर्यने लगतुं

आफ़रीन अ० [फा.] शाबाश; वाह

आफ़ाक़ पुं० [अ.] दुनिया; संसार

आफ़ियत स्त्री० [अ.] क्षेमकुशळ

आफिस पुं० [इं.] ऑफिस; कार्यालय

आफू स्त्री० अफीण

आब स्त्री० [फा.] चमक; कांति (२) शोभा (३) पुं० पाणी

आबकारी स्त्री० [फा.] शराब गाळवानी के वेचवानी जगा (२) मादक पदार्थो बाबतनुं सरकारी खातुं

आबख़ोरा पुं० [फा.] प्यालो; कटोरो

आबख़ोरे भरना = मानता मानवी

आबगीना पुं० [फा.] आयनो (२) हीरो

आबगीर पुं० [फा.] तळाव (२) वणकरनो कूचडो

आबजोश पुं० [फा.] मुनक्का जेवी एक द्राक्ष (२) सूप; सेरवो (३) पाणी ऊकळवुं ते [(२) शोभा

आब-ताब स्त्री० [फा] चमक; रोनक

आबदस्त पुं० [फा.] जाजरूमां लई जवानुं पाणी के ते वापरवुं ते. **–लेना**=शौच जईने धोवुं

आबदाना पुं० [फा.] अन्नजल; निर्वाह. **– उठना** = अन्नजळ ऊठवुं

आबदार वि० [फा.] चमकदार; पाणीदार

आबदारी स्त्री० [फा.] चमक; कांति

आबदीदा वि० [फा.] अश्रुपूर्ण

आबनाए स्त्री० [फा.] सामुद्रधुनी

आबनूस पुं० [फा.] अबनूस; सीसम जेवुं एक काळुं लाकडुं; 'एबनी'. **–का कुन्दा** =सीसमनो ककडो; अति काळुं माणस

आबनूसी वि० अबनूस जेवुं के तेनुं बनेलुं

आबपाशी स्त्री० [फा.] (खेतरमां) पाणी पावुं ते; पाण

आबरवाँ स्त्री० [फा.] एक जातनुं बारीक मलमलनुं कपडुं (२) पुं० वहेतुं पाणी

आबरू स्त्री० [फा.] आवरू; इज्जत

आबला पुं० [फा.] छालुं; फोल्लो. **–पड़ना**=फोल्लो पडवो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

आबशार पुं० [फा.] झरणुं (२) धोध
आबहवा स्त्री०[फा.]आबोहवा;हवापाणी
आबा पुं० ब०व० [अ.]बापदादा; वडवा.
–व-इजदाद = बापदादाओ
आबाद वि०[फा.]वसेलुं;वस्ती वाडी वगेरे वाळुं; समृद्ध [किं जमीनदार
आबादकार पुं० एक प्रकारनो खातेदार
आबादान वि० 'आबाद' जुओ
आबादानी स्त्री० 'आबादी' जुओ
आबादी स्त्री० [फा.] वस्ती; जनसंख्या (२) वसवाटनी जगा
आबिद पुं०[अ.] इबादत करनार; भक्त
आबी वि० [फा.] पाणीनुं (२) फीकुं; आछा रंगनुं (३) पुं० दरियानुं मीठुं
आबेरवाँ पुं० [फा.] जुओ 'आवरवाँ'
आबेबक़ा, आबेहयात पुं० [फा.] अमृत
आब्दिक वि० [सं.] वार्षिक
आभ स्त्री० आभा; शोभा (२) पुं० आव; पाणी (३) अभ्र; आकाश
आभरण (–न) पुं० [सं.] आभूषण (२) भरण-पोषण [प्रतिबिंब
आभा स्त्री० [सं.] कांति; तेज (२)
आभार पुं०[सं.] बोजो; भार (२) गृहस्थ-जीवननो भार (३) आभार; उपकार
आभारी वि० [सं.] आभार के उपकार माननारुं; आभार तळे आवेलुं
आभीर पुं० [सं.] आहीर; गोवाळ (२) एक छंद के राग
आभूषण पुं० [सं.] घरेणुं [भीतरनुं
आभ्यन्तर, –रिक वि० [सं.] अंदरनुं;
आमंत्रण पुं० [सं.] नोतरुं
आमंत्रित वि० [सं.] नोतरेलुं
आम्र पुं० [सं. आम्र] आंबो के केरी (२) आम; जळस (३) वि० [अ.] सामान्य; मामूली (४) जाणीतुं; प्रसिद्ध (वस्तुनी साथे वपराय छे)
आमख़ास पुं० राजानी खास बेठक; दीवानेआम
आमद स्त्री०[फा.] आववुं ते (२) आवक
आमदनी स्त्री० [फा.] आमदानी; आवक (२) आयात; परदेशथी आवतो माल
आमन स्त्री० शियाळु पाक (२) एक ज पाक देती जमीन
आमनस्य पुं० [सं.] वैमनस्य
आमना-सामना पुं० सामासामी आववुं ते; बाझंबाझा
आमने-सामने अ० आमन-सामन; एक-बीजानी सामे; मांहोमांहे
आम-फहम वि०[अ.+फा.] आमजनताने समजाय एवुं; सरळ
आमय पुं० [सं.] रोग; बीमारी
आमरख पुं०जुओ 'अमरख'; अमर्ष;क्रोध
आमलक, आमला पुं० 'आँवला'; आमळुं
आमादगी स्त्री० [फा.] तैयारी
आमादा वि० [फा.] तैयार; तत्पर
आमाल पुं० [अ.] करणी; कर्म
आमाल-नामा पुं० [अ.] नोकरनी 'सर्विस-बुक', तेनी लायकात, काम इ०नुं रजिस्टर
आमास पुं० [फा.] सोजो
आमाहलदी स्त्री० जुओ 'आँबाहलदी'
आमिख पुं० जुओ 'आमिष'
आमिल पुं० [अ.] नोकर; गुमास्तो (२) सिद्ध पुरुष
आमिष पुं० [सं.] मांस (२) प्रिय; भोग्य वस्तु (३) लोभ; लालच
आमी स्त्री० नानी केरी; मरवो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

आमीन अ० [अ.] तथास्तु
आमुख पुं० [सं.] प्रस्तावना
आमूदा वि० [फा.] सजेलुं; ठीकठाक करी गोठवेलुं
आमेज़ वि० [फा.] मिश्रित (प्रायः समासमां. उदा० दर्द-आमेज़)
आमेज़िश स्त्री० [फा.] मिलावट; मिश्रण; भेळ
आमोख़्ता पुं० [फा.] तैयार करेलो पाठ के लेसन. **–करना या पढ़ना**= जूनो पाठ फरी करी जवो
आमोद पुं० [सं.] आनन्द; मनोरंजन
आमोद-प्रमोद पुं० [सं.] मजा; मनोरंजन
आमोदी वि० आनंदी
आम्र पुं० [सं.] आंबो के केरी
आयँ-बायँ पुं० जुओ 'आँयबाँय'
आय स्त्री०[सं.]आय;आवरो; आमदानी
आयत स्त्री० [अ.]निशानी (२)कुराननी आयात (३) वि० [सं.] चोडुं; विशाळ
आयद वि० [अ.] आरोपित
आय-व्यय पुं० [सं.] आवक अने खर्च
आयस पुं० [सं.] लोढुं (२) बखतर
आयसी वि० लोखंडी (२) पुं० बखतर
आयसु स्त्री० (प.) आदेश; आज्ञा
आया स्त्री० आया (२) अ० [फा.] प्रश्नार्थक 'शुं'
आयात पुं०[सं.] परदेशथी थती आयात
आयास पुं० [सं.] प्रयास; प्रयत्न
आयु स्त्री० उंमर; आयुष
आयुध पुं० [सं.] हथियार
आयुर्वेद पुं० [सं.] वैदक
आयुष्मान वि० [सं.] दीर्घायु; चिरंजीवी
आयुष्य पुं० [सं.] आयु; उंमर
आयोजन पुं० [सं.] प्रबंध; तैयारी (२) साधनसामग्री
आरंभ पुं० [सं.] शरूआत
आरंभना अ०क्रि० शरू थवुं (२)स०क्रि० शरू करवुं
आर पुं० [सं.] काचुं लोढुं (२) पित्तळ (३) किनारो (४) पैडानो आरो (५) स्त्री० [सं. अल] परोणानी आर (६) वींछी के माखीनो डंख (७) [सं. आरा] मोचीनी आरी (८) [अ.] तिरस्कार (९) वेर (१०) लाज; शरम
आरक्त वि० [सं.] लाल
आरज वि० [सं. आर्य्य] (प.) आर्य
आरज़ा पुं० [अ.] बीमारी; रोग
आरज़ी वि० [अ.] अवास्तविक (२) कामचलाउ
आरज़ू स्त्री० [फा.] इच्छा (२) विनंति
आरण्य, ०क वि० [सं.] अरण्यनुं के ते संबंधी; जंगली
आरत वि० आर्त; दुःखी; व्याकुल
आरति स्त्री० दुःख; आर्ति (२) [सं.] वैराग्य; निवृत्ति
आरती स्त्री० देवनी आरती के तेनुं [गीत
आरन पुं० (प.) वन; अरण्य
आर-पार पुं० बेउ किनारा (२) अ० आरपार; सोंसरुं
आरब्ध वि० [सं.] आरंभायेलुं
आरस पुं० आळस (२) स्त्री० आरसी
आरसी स्त्री० आरसी; दर्पण (२) स्त्रीओनुं हाथनुं एक घरेणुं
आरा पुं०[सं.] करवत (२) मोचीनी आर
आराइश स्त्री० [फा.]- सजावट (२) लग्नमां कागळनी फूलवाडी करे छे ते
आराज़ी स्त्री० [अ.] जमीन; खेतर

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

आराति पुं० [सं.] शत्रु; वेरी

आराधना स्त्री० [सं.] पूजा; उपासना (२) स० क्रि० आराधवुं; पूजवुं

आराम पुं० [सं.] बाग (२) [फा.] चेन; सुख (३) थाक खावो ते. **आरामसे** = निरांते; फुरसदे; धीरे धीरे

आराम-कुरसी स्त्री०[फा.+अ.] आराम खुरसी [(२) आळसु

आराम-तलब वि० [फा.] आरामप्रिय

आरास्ता वि० [फा.] सजेलुं

आरिफ़ वि०[अ.] संतोषी (२) पुं० साधु

आरियत स्त्री० [अ.] उछीनुं मागी आणवुं ते

आरिया स्त्री०[सं. आरू] आरियुं;चीभडुं

आरी स्त्री० आरी; नानी करवत (२) परोणानी आर (३) मोचीनी आरी (४) [सं. आर] बाजू; तरफ (५) कोर

आरी वि० [अ.] थाकेलुं; कंटाळेलुं. **–आना** = कंटाळवुं; थाकवुं

आरूढ़ वि० [सं.] सवार थयेलुं; चडेलुं (२) दृढ; मक्कम (३) तैयार; तत्पर

आरोग,–ग्य वि० नीरोगी; तंदुरस्त

आरोगना स० क्रि० आरोगवुं; खावुं

आरोग्यता स्त्री० तंदुरस्ती; स्वास्थ्य

आरोप पुं० [सं.] आक्षेप; तहोमत (२) खोटी कल्पना के आरोपण

आरोपना स०क्रि० (प.) आरोपवुं (२) लगाववुं; रोपवुं

आरोह पुं० [सं.] उपर चडवुं ते (२) चडाई (३) ऊगवुं ते

आरोही वि०[सं.] चडनारुं (२) पुं० सवार

आर्जव पुं० [सं.] ऋजुता; सरळता

आर्टिकिल स्त्री० [इं.] लेख

आर्त्त वि०[सं.] 'आरत'; दुःखी; व्याकुळ

आर्त्ति स्त्री० [सं.] पीडा; दुःख

आर्थिक वि० [सं.] अर्थ संबंधी

आर्द्र वि० [सं.] भीनुं

आर्द्रा स्त्री० [सं.] एक नक्षत्र (२) आदुं

आर्य,–र्य्य वि० [सं.] उत्तम; श्रेष्ठ (२) पुं० श्रेष्ठ पुरुष

आर्ष वि०[सं.]ऋषि संबंधी(२)वेदने लगतुं

आलंब,०न पुं० [सं.] आलंबन; टेको; आधार

आल पुं० हरिताल (२) झंझट; पंचात (३) [सं. आर्द्र] भीनाश (४) स्त्री० [अ.] दीकरीनी संतति (५) वंश

आल-औलाद स्त्री० [अ.] बाळबच्चां; परिवार

आलकस पुं० आळस (**–सी** वि० आळसु. **–सना** अ०क्रि० आळसवुं)

आल-जंजाल स्त्री० झंझट; जंजाळ

आलथी-पालथी स्त्री० बंने पग जांघ पर चडावीने वेसवानुं आसन

आलपीन स्त्री० [पो. आलफिनेट] टांकणी; पिन

आलबाल पुं० आलवाल; क्यारो

आलम पुं०[अ.] दुनिया (२) दशा (३) भीड; समूह

आलमारी स्त्री० जुओ 'अलमारी'

आलय पुं० [सं.] जगा (२) घर

आलवाल पुं० [सं.] क्यारो

आलस वि० आळसु (२) पुं० आळस

आलसी वि० आळसु

आलस्य पुं० [सं.] आळस

आला पुं० [सं. आलय] ताको; गोख (२) [सं. आर्द्र] भीनुं (३) वि० [अ.] उत्तम; श्रेष्ठ (४) पुं० [अ.] ओजार

आलाइश स्त्री० [फा.] गंदकी; मळ

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

आलात पुं० [सं.] बळतुं लाकडुं (२) [अ.]ओजारो;साधनसामग्री; 'उपकरण' **—काश्तकारी** = खेतीनां हळलाकडां
आलान पुं०[सं.] हाथी बांधवानो खीलो के दोर या सांकळ [आलाप
आलाप पुं०[सं.] वातचीत (२) संगीतनो
आलापचारी स्त्री०खूब आलापथी गावुं ते
आलापना स० क्रि० गावुं; सूर काढवो
आलापाला पुं० झाडनो आलोपालो
आलापी वि०[सं.] बोलनार (२) गावामां आलाप लेनार
आलिंगन पुं० [सं.] भेटवुं ते
आलिंगना स०क्रि०(प.)आलिंगवुं–भेटवुं
आलि स्त्री० [सं.] सखी (२) वींछी (३) भमरी (४) हार; पंक्ति
आलिम वि० [अ.] पंडित; विद्वान
आली स्त्री०[सं.] सखी (२) वि० स्त्री० (हिं. आला) भीनी (३) वि० [अ.] उच्च; उत्तम
आलीजाह वि० [अ.] ऊंचा दरज्जानुं
आलीशान वि० [अ.] आलेशान; भव्य; विशाळ; भभकदार
आलू पुं० [सं.] बटाटो
आलूचा पुं०[फा.] आलु जेवुं झाड के फळ
आलूदा वि० [फा.] खरडायेलुं
आलूबुखारा पुं० [फा.] आलुबुखार
आलेख पुं० [सं.] लखाण
आलेख्य पुं०[सं.]चित्र(२)वि०लखवा जेवुं
आलोक पुं० [सं.] प्रकाश; रोशनी (२) चमक [तपास
आलोचन पुं०[सं.] विवेचन; गुणदोषनी
आल्हा पुं० एक छन्द (२) एक वीर पुरुषनुं नाम
आव-आदर पुं० आदर-सत्कार
आवज(–झ) पुं० [सं. आवाद्य, प्रा. आवज्ज] एक जातनुं पुराणुं वाद्य
आवन पुं० (प.) आववुं ते; आगमन
आव-भगत स्त्री० जुओ 'आव-आदर'
आवरण पुं०[सं.]ढांकण;पडदो(२)अज्ञान
आवर्दा वि०[फा.]आणेलुं (२) कृपापात्र
आवली स्त्री० [सं.] पंक्ति; हार
आवश्यक,–कीय वि० [सं.] जरूरी
आवाँ पुं० कुंभारनो निमाडो
आवागम(–व)न पुं० आवागमन;आववुं जवुं; जन्ममरण
आवाज़ स्त्री० [फा.] ध्वनि; अवाज (२) बोल. **–उठाना** = विरोध करवो. **–देना, मारना, लगाना** = जोरथी पोकारवुं; बूम मारवी. **–पड़ना**=अवाज वेसवो (२) अवाज दई बोलाववुं. **–में आवाज़ मिलाना**=स्वर मेळववो (२) हामां हा भणवी
आवाज़ा पुं० [फा.] कटाक्ष; टोणो. **–कसना,–फेंकना,–मारना, –सुनाना**= टोणो मारवो
आवाजाही स्त्री०आववुं जवुं; आवागमन
आवारगी स्त्री०[फा.] वदमासी; कुमार्ग (२) रखडेलपणुं; 'आवारा'-पणुं
आवारजा पुं० [फा.] 'अवारजा'; जमा-उधारनो चोपडो
आवारा वि० [फा.] नकामुं; रखडेल (२) वंठी गयेलुं (३) वदमास; कुमार्गी
आवारागर्द वि० [फा.] रखडेल; नकामुं
आवास पुं० [सं.] रहेठाण (२) घर
आवाहन पुं०[सं.]मंत्रथी देवने बोलाववा ते
आविष्कार पुं० [सं.] प्रगट थवुं ते (२) शोध; 'ईजाद' [घेरायेलुं
आवृत्त वि० [सं.] छूपुं; ढंकायेलुं (२)

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

आवृत्ति स्त्री० [सं.] वारंवार करवुं के पढवुं ते; अभ्यास
आवेग पुं० [सं.] जोश; जोर
आवेज़ा पुं० [फा.] लटकतुं आभूषण; एरिंग
आवेदक वि० [सं.] अरजी के निवेदन करनार
आवेदन पुं० [सं.] निवेदन (२) अरजी
आवेदनपत्र पुं० [सं.] अरजीपत्र
आवेश पुं० [सं.] जोश; आवेश (२) वायुनो रोग
आशंका स्त्री० [सं.] शंका; डर; संदेह
आशकार वि०[फा.] प्रकट; जाहेर; खुल्लुं
आशना वि० [फा.] परिचित (२) प्रेमी (३) प्रेमपात्र; यार
आशनाई स्त्री० जाणपिछाण (२) प्रेम (३) अनुचित संबंध; यारी
आशय पुं०[सं.] हेतु; इरादो (२) इच्छा; वासना (३) स्थान–जेम के जलाशय
आशर पुं० [सं.] राक्षस
आशा स्त्री० [सं.] इच्छा; उमेद (२) भरोसो (३) दिशा
आशिक़ पुं० [अ.] आशक; आसक्त
आशियाँ, आशियाना पुं० [फा.] पक्षीनो माळो (२) झूंपडुं
आशिष, स्त्री०, **आशीर्वाद** पुं०[सं.] दुवा
आशु अ० [सं.] झट; जलदी
आशुग वि० [सं.] जलदी जनारुं (२) पुं० वायु (३) बाण
आशुफ़्तगी स्त्री० [फा.] हालहवाल; बेहाली; परेशानी
आशुफ़्ता वि० [फा.] बेहाल; परेशान; गभरायेलुं
आशोब पुं० [फा.] आंखनी पीडा
आश्चर्य,–र्य्य पुं०[सं.] अचंबो; नवाई; ताजुबी. **–करना, –मानना, –होना**= आश्चर्य पामवुं
आश्चर्यि(–र्य्यि)त वि० ताजुब; चकित
आश्रम पुं० [सं.] विश्रामनी जगा (२) ऋषिनो आश्रम (३) जीवननी चार अवस्था – ब्रह्मचर्य, गृहस्थ वगेरे
आश्रमी वि० [सं.] आश्रम संबंधी (२) आश्रममां रहेनार
आश्रय पुं० [सं.] आशरो; आधार (२) शरण (३) घर
आश्रयी वि० [सं.] आश्रय लेनार
आश्रित वि० [सं.] आशरे रहेलुं के आवेलुं (२) आधीन
आश्लेषा स्त्री० [सं.] एक नक्षत्र
आश्वास,०न पुं०[सं.] दिलासो; सांत्वन
आश्विन पुं० [सं.] आसो मास
आषाढ़ पुं० [सं.] अषाढ मास
आषाढ़ा स्त्री० [सं.] एक नक्षत्र
आषाढ़ी स्त्री० [सं.] अषाढी पूनम
आस स्त्री० आशा (२) लालच; कामना (३) आधार; भरोसो (४) [फा.] दळवानी घंटी
आसकत स्त्री० (वि०**–ती**; क्रि०**–ताना**) सुस्ती; आळस [मोहित
आसक्त वि०[सं.] राग के वासनावाळुं;
आसक्ति स्त्री०[सं.] राग; चाहना; मोह
आसते अ० आस्ते; धीमे
आसन पुं० [सं.] बेसवानी रीत; बेठक (२) ठेकाणुं; जगा (साधुनी)
आसना अ० क्रि० [सं. अस्] होवुं
आसनी स्त्री० नानुं आसन
आसन्न वि० [सं.] पासेनुं; नजीकनुं
आसपास अ० पासे; आजुबाज़ु; चारे तरफ

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

आसमान पुं० [फा.] आभ; आकाश. **–के तारे तोड़ना, –टूट पड़ना** = अचानक विपत्ति पडवी. **दिमाग़ आसमान पर होना** = बहु अभिमान थवुं. **–पर चढ़ना** = मगरूरी करवी. **–में छेद करना** = कठण के अशक्य काम करवुं. **–सिर पर उठाना** = उपद्रव मचाववो

आसमानी वि० आकाशने लगतुं (२) भूरुं (३) दैवी (४) स्त्री० ताडी

आसरना स०क्रि० (प.) आशरो लेवो; आशरवुं [प्रतीक्षा (३) आशा

आसरा पुं० आश्रय; आशरो (२) राह;

आसव पुं० [सं.] अर्क (२) दारू (३) औषधिनी एक रीत

आसवी वि० दारू पीनार

आसा स्त्री० (प.) आशा (२) [अ. असा] राजाओनी आगळ रखाती छडी

आसाइश स्त्री० [फा.] आसाएश; आराम

आसान वि० [फा.] सहेलुं; सरल

आसानी स्त्री० [फा.] सरळता; सुगमता

आसामी वि० आसाम देशनुं के तेने लगतुं (२) स्त्री० आसामी भाषा (३) पुं० व्यक्ति; जण

आसार पुं० [अ.] चिह्न; लक्षण (२) चोडाई; पहोळाई (३) स्त्री० [सं.] मुसळधार वृष्टि

आसावरी स्त्री० एक राग; आशावरी (२) पुं० एक जातनुं कबूतर के सुतराउ कपडुं

आसिन पुं० आश्विन – आसो मास

आसीन वि० [सं.] बेठेलुं; बिराजेलुं

आसीस स्त्री० आशिष (२) पुं० उशीकुं

आसु अ० (प.) आशु; शीघ्र (२) स० आनुं; 'इसका'

हिं–४

आसुन पुं० (प.) आश्विन मास

आसुर वि० [सं.] असुर – राक्षसने लगतुं (२) पुं० असुर [स्त्री

आसुरी वि० राक्षसी (२) स्त्री० असुर

आसूदगी स्त्री० [फा.] जुओ 'आसूदा' मां

आसूदा वि० [फा.] संतुष्ट (२) संपन्न; खातुंपीतुं (नाम, **–दगी** स्त्री०)

आसेब पुं० [फा.] भूतप्रेत वळगवुं ते (२) दुःख; पीडा; बला

आसोज पुं० [सं. अश्वयुज्] आसो मास

आसौं अ० ओण; आ साल

आस्तिक वि० [सं.] आस्थावाळुं; ईश्वर, वेद इ० मां माननारुं

आस्तीन स्त्री० [फा.] कपडानी बांय. **–का साँप**=मित्र थईने शत्रुता करनार; 'मारे आस्तीन'

आस्था स्त्री० [सं.] श्रद्धा; पूज्यभाव (२) बेठक; सभा (३) भरोंसो; आशा

आस्पद पुं० [सं.] स्थान (२) पद; प्रतिष्ठा (३) वंश;, खानदान

आस्वाद पुं० [सं.] स्वाद; मजा; लहेजत

आह अ० पीडा, शोक, खेद इत्यादि सूचक उद्गार (२) स्त्री० दुःख के क्लेशसूचक शब्द; हाय. **–पड़ना** = कोईनी हायनो शाप लागवो. **–भरना** = निसासो नाखवो. **–लेना** = कोईनी हाय लेवी; सताववुं [खटकारो

आहट स्त्री० पगनो अणसारो; आववानो

आहत वि० [सं.] घायल; जखमी (२) जर्जरित; जूनुं (३) कंपित

आहन पुं० [फा.] लोढुं (वि० **–नी**)

आहन-गर पुं० [फा.] लुहार

आहन-गरी स्त्री० लुहारकाम [कठोर

आहनी वि० [फा.] 'आहन'-लोढानुं (२)

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

आहर पुं० [सं. अहः] समय (२) [सं. आहव] युद्ध (३) [सं. आहाव] नानुं तळाव; तळावडी
आहरी स्त्री० नानी तळावडी
आहव पुं० [सं.] युद्ध (२) यज्ञ
आहवन पुं० [सं.] हवन करवुं ते
आहाँ स्त्री० हाक (२) पोकार
आहा अ० अहा ! अहो !
आहार पुं० [सं.] खोराक
आहित वि० [सं.] मूकेलुं; स्थापेलुं (२) गीरो मूकेलुं
आहिस्तगी स्त्री० [फा.] मंदता; धीमापणुं (२) कोमळता
आहिस्ता अ० [फा.] आस्ते; धीमे; 'आसते' (२) वि० धीमुं (३) कोमळ
आहुक पुं०[सं.] एक राजा; कृष्णनो वडवो
आहुत पुं० [सं.] आदर; सत्कार; आतिथ्य (२) भूतयज्ञ
आहुति स्त्री०[सं.] हवन के तेनी सामग्री
आहू पुं० [फा.] मृग (२) खोड; ऊणप
आहूत वि०[सं.] आह्वान करेलुं; बोलावेलुं
आहे अ०क्रि० (प.) 'है'; छे
आहो-ज़ारी स्त्री० 'आह-व-ज़ारी'; रोककळ; हाय़होय
आह्निक वि०[सं.] दैनिक (२) पुं० रोजी
आह्लाद पुं० [सं.] आनंद; खुशी
आह्वय पुं० [सं.] नाम; संज्ञा
आह्वान पुं० [सं.] बोलाववुं ते (२) यज्ञमां देवनुं आह्वान (३) अदालतनो 'समन्स'

इ

इंक स्त्री० [इं.] शाही
इंग पुं० [सं.] इशारो; चिह्न (२) हालवुं चालवुं ते (३) हाथीदांत
इंगला स्त्री० इडा नाडी (योग)
इंगलिश वि० [इं.] अंग्रेजी (२) स्त्री० अंग्रेजी भाषा
इंगलिस्तान पुं० इंग्लन्ड देश
इंगित पुं० [सं.] चाळो; इशारो
इंगुदी स्त्री० [सं.] इंगोरी; 'हिंगोट'
इंगुर पुं० जुओ 'इंगुर'
इँगुरौटी स्त्री० सिंदूरनी डबी
इंच स्त्री० [इं.] इंच माप
इँचना अ०क्रि० एंचवुं; खेंचवुं; 'ऐंचना'
इंजन पुं० एन्ज़िन; इंजिन
इंजीनियर पुं० इजनेर
इंजील स्त्री० यहूदीनुं धर्मपुस्तक; जूनो करार
इंडुरी स्त्री०, **इंडुवा** पुं० ऊढण; उढाणी
इंतक़ाम पुं० [अ. इंतिक़ाम] वदलो; प्रतिशोध; सामुं वेर लेवुं ते
इंतक़ाल पुं० [अ.] अन्तकाल; मोत (२) एकथी बीजी जगाए जवुं ते
इंत(-ति)ख़ाब पुं०[अ.] चूंटणी; पसंदगी
इंतजाम पुं० [अ.] प्रबन्ध; बन्दोबस्त
इंतजार पुं० [अ.] इन्तेजारी; राह; वाट
इंत(-ति)हा पुं० [अ.] अंत; हद
इँदारा पुं० कूवो; 'इनारा'
इंदु पुं० [सं.] चंद्र (२) कपूर
इंदुर पुं० [सं. इन्दूर] उंदर

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

इंद्र वि० [सं.] विभूतिमान (२) श्रेष्ठ; मोटुं (३) पुं० इन्द्रदेव
इंद्रगोप पुं०[सं.] चोमासानुं एक जीवडुं
इंद्रजाल पुं० [सं.] जादु; माया
इंद्रजाली पुं० [सं.] जादुगर
इंद्रधनुष पुं० [सं.] मेघधनुष
इंद्राणी स्त्री० [सं.] इंद्रनी स्त्री; शचि (२) मोटी इलायची
इंद्रिय स्त्री०[सं.] ज्ञान के कर्मना साधन रूपी शरीरनो कोई अवयव
इंद्री स्त्री० इन्द्रिय
इंद्री-जुलाब पुं० पेशाब वधारे एवी दवा
इंसाफ़ पुं० [अ.] इन्साफ; न्याय (२) फेंसलो. –पसंद=न्याय मागनारो
इक वि० एक
इकइस वि० 'इक्कीस'; एकवीस; २१
इकट्ठा वि० [सं. एकस्थ] (स्त्री०–ट्ठी) एकत्र; एकठुं; जमा
इकतरा पुं० एकांतरो ताव
इकता,०ई स्त्री० (प.) एकता
इकतान वि० एकतान; एकाग्र
इकतार वि० एकतार; बरोबर (२) अ० लगातार [कपडुं
इकतारा पुं० एकतारो (२) एक जातनुं
इकतीस वि० एकत्रीस; ३१
इक़दाम पुं० [अ.] अपराध करवानी तैयारी (२) इरादो
इकबारगी अ० सहसा; एकदम; 'एकवारगी'
इक़बाल पुं० [अ.] 'एकबाल'; भाग्य (२) ऐश्वर्य [आदर
इकराम पुं० [अ.] दान; इनाम (२)
इक़रार पुं० [अ.] एकरार; वायदो
इकला वि० 'एकलुं; 'अकेला'
इकलाई स्त्री० एकलापणुं (२) साफाना जेवुं एक झीणुं वस्त्र (रेशमी प्रायः)
इकलौता पुं० एकनो एक छोकरो
इकल्ला वि० एकवडुं (२) एकलुं
इकसठ वि० एकसठ; ६१
इक़साम पुं० जुओ 'अक़साम'
इकहरा वि० 'एकहरा'; एकवडुं
इकाई स्त्री० जुओ 'एकाई'
इकांत वि० (प.) एकांत; एकलुं
इकावन वि० ५१; 'इक्यावन'
इकासी वि० 'इक्यासी'; ८१
इक्का वि० [सं. एक] एकाकी; एकलुं (२) अद्वितीय (३) पुं० गंजीफानो एक्को (४) एक्को–गाडी (५) एकलवीर; एक्को
इक्का-दुक्का वि० एकलदोकल
इक्कीस वि० एकवीस; 'इकइस'; २१
इक्तफ़ा पुं०[अ.] धरपत; संतोष; तृप्ति
इक्यावन वि० ५१; एकावन
इक्यासी वि० ८१; एकाशी
इक्षु पुं० [सं.] शेरडी; 'ईख'
इख़राज पुं० [अ.] निकास (२) खर्च
इख़राजात पुं० [अ. 'खर्च' नुं ब० व०] खर्च; व्यय
इख़लाक़ पुं० जुओ 'अखलाक़'
इख़लास पुं०[अ.] एखलास; मैत्री; प्रेम
इख़्तराअ पुं०[अ.] अखतरो (२) शोध
इख़्तसार पुं० [अ.] संक्षेप
इख़्तियार पुं० [अ.] अखत्यार; अधिकार; सामर्थ्य
इख़्तिलाफ़ पुं०[अ.] विरोध; अणबनाव
इच्छना स० क्रि० (प.) इच्छवुं; चाहवुं
इच्छा स्त्री० [सं.] मरजी; कामना
इच्छित वि० इच्छेलुं; इष्ट
इच्छु,०क वि० [सं.] इच्छनार

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

इजतराब पुं० [अ. इज़्तिराव] गभराट (२) बेचेनी

इजतिनाब पुं० [अ.] परहेजी (२) संयम

इजमाल पुं० [अ.] समस्त; समष्टि (२) सहियारी मालकी [अमल

इजरा पुं०[अ.]जारी करवुं(२)व्यवहार;

इजराय पुं०[अ.] अमल; उपयोग (२) चालु करवुं ते; प्रचार

इजलास पुं० [अ.] बेठक (२) कचेरी

इज़हार पुं० [अ.] जाहेरात; प्रकाशन (२) साक्षी; जुबानी

इजाज़त स्त्री० [अ.] आज्ञा; हुकम (२) परवानगी; हुकम

इज़ाफ़ा पुं०[अ.] चडती; वृद्धि (२) बचत

इजाबत स्त्री० [अ.] मंजूरी; स्वीकार (२) मलत्याग

इजाया पुं० [अ.] एक यहूदी पेगंबर

इज़ार स्त्री० [फा.] इजार; पायजामो

इज़ारबंद पुं० [फा.] इजारबन्द; नाडुं. **–का ढीला**=छूटी काछडीनो; कामी

इजार(–रे)दार वि० [फा.] इजारदार; ठेकेदार

इजारा पुं०[अ.] इजारो (२) अधिकार

इज़्ज़त स्त्री० [अ.] आबरू.**–उतारना**= आबरू खोवी के खराब करवी. **–करना**=मान आपवुं. **–देना**=आबरू खोवी – दई देवी (२) जुओ '–करना'. **–होना**=आदरमान थवुं–करावुं

इठलाना अ० क्रि० वेडशी मारवी (२) नखरां करवां (३) जाणी जोईने मोडुं करवुं (नाम, **इठलाहट** स्त्री०)

इत अ० [सं. इतः] आ बाजू; अहीं

इतना(–नों) वि० (स्त्री०**–नी**) आटलुं

इतनेमें अ० एटलामां

इतमाम पुं० [अ.] समाप्त करवुं; पूरुं करवुं ते

इतमीनान पुं० [अ.] विश्वास (वि०**–नी**)

इतर वि० [सं.] बीजुं (२) फालतु; साधारण (३) ऊतरतुं; हलकुं (४) पुं० 'इत्र'; अत्तर [अणबनाव

इतराजी स्त्री० नापसंदगी; विरोध;

इतराना अ० क्रि० घमंड करवो (२) 'इठलाना' (नाम, **इतराहट** स्त्री०)

इतरेतर अ० [सं.] परस्पर; अंदर अंदर

इतलाक़ पुं० [अ.] 'इजराय'; अमल-बजावणी के तेनी नोंध

इतवार पुं० आतवार; रविवार

इताअत स्त्री०[अ.]आज्ञापालन;तावेदारी

इताति स्त्री० (प.) जुओ 'इताअत'

इताब पुं०[अ.]कोप; खफगी [अंत

इति अ०[सं.] पूरुं (२) स्त्री० समाप्ति;

इतेक वि० 'इतना'; आटलुं

इतो,–त्तो वि० (प.) 'इतना'; आटलुं

इत्तफ़ाक़ पुं० [अ.] इत्तिफाक; मेळ; एकता (२) संजोग, अवसर. **–पड़ना**= संयोग आववो; मेळ खावो

इत्तफ़ाक़न् [अ.], **इत्तफ़ाक़से** अ० संजोगवशात्; अकस्मात्

इत्तफ़ाक़िया वि० [अ.] आकस्मिक

इत्त(–त्ति)ला स्त्री०[अ.]खबर; सूचना

इत्तसाल पुं० [अ.] मेळाप (२) संबंध

इत्तहाद पुं० [अ.] एकता (२) दोस्ती

इत्तिला स्त्री० जुओ 'इत्तला'

इत्तिहाम पुं०[अ.] दोष; आक्षेप; तहोमत. **–देना**=दोष देवो; आक्षेप मूकवो

इत्तो वि० (प.) जुओ 'इतो'

इत्थम् अ० [सं.] आम; आ मुजब

इत्यादि अ० [सं.] वगेरे

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

इत्र पुं० [अ.] अत्तर
इत्रफ़(-फ़ि)रोश पुं०[अ.] अत्तर वेचनार
इधर अ० आ बाजु; अहीं. **–उधर** अ० =अहीं तहीं (२) आसपास.**–उधर करना**=ऊलटसूलट करवुं; रफेदफे करवुं; फेंदी नांखवुं. **–उधरकी बात** =सांभळेली वात; अफवा (२) ठेकाणा वगरनी वात. **–उधरमें रहना**=व्यर्थ समय खोवो.**–उधर होना**=आघापाछा थवुं (२) बगडवुं; भेलाई जवुं. **–की उधर करना** या **लगाना**=अहींनी वात त्यां करवी; सलाडा करवा. **–की दुनिया उधर होना**=असंभव वात वनवी
इन स० 'इस'नुं ब० व०
इनसान पुं० [अ.] इन्सान; मनुष्य
इनसानियत स्त्री० [फा.] माणसाई
इनान स्त्री० [अ.] लगाम
इनाम पुं० [अ.] इनाम; बक्षिस
इनाम-इकराम पुं० इनाम अकराम; बक्षिस अने आदरमान
इनायत स्त्री०[अ.] कृपा; अनुग्रह (२) अहेसान; आभार; अनुग्रह (३) भेट; एनायत. **–करना**=भेट आपवुं
इनारा पुं० 'इँदारा'; कूवो
इनेगिने वि० गणतर; थोडुंक; चुनंदा
इन्क(-कि)शाफ़ पुं० [अ.] जाहेर के खुल्लुं थवुं के पकडावुं ते
इन्क़िलाब पुं० [अ.] क्रान्ति; पलटो
इन्किसार पुं० [अ.] नम्रता
इन्त(-न्ति)हा स्त्री० जुओ 'इंतहा'
इन्शा स्त्री० [अ.] लेखनशैली. **–की किताब**=पत्रलेखननी चोपडी
इन्सान पुं० [अ.] मनुष्य; आदमी
इन्सानियत स्त्री० [फा.] आदमियत; मानवता
इन्सिदाद पुं० [अ.] काबूमां लेवुं के [रोकवुं ते
इन्ह स० (प.) 'इन'; आ
इफ़रात स्त्री० [अ.] अधिकता
इफ़लास पुं० [अ.] गरीबी; दरिद्रता
इफ़शा वि० [अ.] जाहेर; खुल्लुं
इफ़्तार पुं० [अ.] रोजो तोडवो–नास्तो करवो ते
इबरत स्त्री० [अ.] समज; बोध
इबरानी वि० [अ.] यहूदी (२) स्त्री० हिब्रू
इबलीस पुं० [अ.] सेतान
इबादत स्त्री० [अ.] प्रार्थना; भक्ति
इबारत स्त्री० [अ.] शैली
इब्तदा, इब्तिदाद स्त्री० [अ.] आरंभ; जन्म (२) मूळ; ऊगम
इब्तदाई वि० [फा.] शरूनुं; प्रारंभिक
इब्न पुं० [अ.] पुत्र
इब्नत स्त्री० [अ.] पुत्री
इमकान पुं० [अ.] शक्ति
इमदाद स्त्री० [अ.] मदद
इमदादी वि० मदद जेने मळती होय तेवुं
इमरती स्त्री० [सं. अमृत] एक मीठाई
इमराज़ पुं० 'मरज़' नुं ब० व०; रोगो
इमरोज़ अ० [फा.] आज
इमला पुं० अ.] श्रुतलेखन
इमली स्त्री० आमली
इमशब अ० [अ.] आज राते
इमसाल अ० [फा.] आ साल
इमाद पुं० [अ.] थांभलो (२) आधार; विश्वास
इमाम पुं० [अ.] नेता; आगेवान (२) मुसलमान धर्मगुरु
इमामदस्ता पुं० खांडणी–पराई

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

इमामबाड़ा पुं० ताजिया डुवाडे के तेनो उत्सव ज्यां करे ते स्थान
इमारत स्त्री०[अ.]इमारत; मोटुं मकान (२) अमीरी
इमि अ० (प.) आम
इम्त(-म्ति)ना पुं०[अ.] मनाई; निषेध
इम्तियाज़ पुं० [अ.] विवेकबुद्धि; पारख
इम्तिहान पुं० [अ.] परीक्षा
इम्दाद स्त्री० [अ.] जुओ 'इमदाद'
इम्साक पुं० [अ.] थंभाववुं; रोकवुं ते (२) तोटो; कमी; ताण
इयत्ता स्त्री० [सं.] सीमा; हद; मर्यादा
इरशाद पुं० [अ.] आज्ञा; हुकम
इरसाल पुं० [अ.] (पत्र) मोकलवो ते (२) भरणुं (महेसूली)
इराक़ी वि० इराक देशनुं (२) पुं० एक जातनो घोडो
इरादतन् अ० [अ.] विचारपूर्वक; [इरादापूर्वक
इरादा पुं०[अ.] ख्याल; विचार; संकल्प
इर्तकाब पुं० [अ.] कोई अपराध करवो ते (२) कोई काम माथे लेवुं ते
इर्द-गिर्द अ० आसपास; चोतरफ; 'गिर्द'
इर्शाद पुं० जुओ 'इरशाद'
इल्ज़ाम पुं० जुओ 'इल्ज़ाम'
इलहाक़ पुं० [अ.] संबंध; मेळाप
इलहाम पुं० [अ.] ईश्वरी अवाज़; अन्तरनाद
इलाक़ा पुं० [अ.] संबंध; क्षेत्र; लागतुं वळगतुं होवुं ते (२) जमीनदारी (३) राज्य; इलाको
इलाक़ेदार पुं० [फा.] जमीनदार
इलाज पुं० [अ.] दवा; चिकित्सा (२) उपाय; युक्ति
इलाम पुं० 'अैलान'; आज्ञा; सूचना
इलायची स्त्री० इलायची; एक तेजानो
इलावा अ० जुओ 'अलावा'
इलाही पुं० [अ.] अल्ला; ईश्वर (२) वि० ईश्वरी. **—ख़र्च** = नकामुं के वधारे खर्च. **—गज़**=अकबरे चलावेलो गज (३३ इंचनो)
इल्ज़ाम पुं०[अ.] आरोप; आळ; आक्षेप. **—देना, लगाना** = आरोप मूकवो
इल्तिजा स्त्री० [अ.] प्रार्थना; निवेदन
इल्तिमास पुं० [अ.] प्रार्थना; 'इल्तिजा'
इल्म पुं० [अ.] विद्या; ज्ञान; आवडत
इल्लत स्त्री० [अ.] बीमारी (२) झंझट; पंचात (३) दोष; अपराध (४) कुटेव
इल्लिलाह श०प्र० [अ.] हे ईश्वर ! सहाय कर
इव अ० [सं.] पेठे; जेवुं
इशरत स्त्री० [अ.] आनंद; खुशी (२) चेन; सुख; भोगविलास [प्रकाशन
इशाअत स्त्री० [अ.] प्रसिद्ध करवुं ते (२)
इशारत स्त्री०[अ.] इशारो; संकेत; सान
इशारतन् अ० [अ.] इशारा के संकेतथी
इशारा पुं० [अ.] इशारो (२) बारीक के थोडीक मदद; आधार
इश्क़ पुं० [अ.] महोबत; प्रेम; अनुराग
इश्क़पेचाँ पुं०[अ.] लाल फूलनी एक वेल
इश्त(-श्ति)हार पुं० [अ.] नोटिस; जाहेरात; जाहेरखबर
इश्तिआल(-क) स्त्री० [अ.] उत्तेजना; उश्केरणी. **—देना**=उश्केरवुं
इश्तियाक़ पुं० [अ.] इच्छा; आतुरता
इश्तिहार पुं० जुओ 'इश्तहार'
इष्ट वि० [सं.] इच्छेलुं; वांछित (२) पुं० इष्टदेव (३) मित्र (४) ईंट
इष्टका स्त्री० [सं.] ईंट

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

इष्टि स्त्री० [सं.] इच्छा (२) यज्ञ
इस स० आ ('यह'नुं विभक्तिरूप)
इसपंज पुं० [इं. स्पंज] वादळी; 'इस्पंज'
इसपात पुं० पोलाद; एक जांतनुं मजबूत लोढुं
इसबग़ोल पुं० [फा.] जुओ 'इस्पग़ोल'
इसराफ़ पुं०[अ.] खर्चाळपणुं; उडाउपणुं
इसरार पुं०[अ.] हठ (२) आग्रह; अनुरोध
इसलाम पुं० [अ.] इस्लाम [(२)हजामत
इसलाह स्त्री०[अ.] सुधारणा; संशोधन
इसहाल पुं० [अ.] झाडा थई जवा ते
इसारत स्त्री० इशारत; निशानी
इसे स० 'इस' नुं चोथी तथा बीजीनुं रूप
इस्क़ात पुं० [अ.] पतन; पडवुं ते
इस्तग़ासा पुं० [अ.] दावो; फरियाद (अदालतमां)
इस्तदुआ स्त्री० [अ.] विनंती; निवेदन
इस्तमरारी वि० [अ.] कायमी; नित्य
इस्तहकाम पुं० [अ.] मजबूती; दृढ़ता
इस्तिजा पुं०[अ.] पेशाब करीने ढेफाथी इन्द्रीने मुसलमान शुद्ध करे छे ते
इस्तिक़बाल पुं०[अ.] स्वागत करवुं ते
इस्तिक़लाल पुं० [अ.] धैर्य; दृढ़ता
इस्तिरी स्त्री० धोबीनी अस्तरी
इस्तिलाह स्त्री० [अ.] कोई शब्दनो खास पारिभाषिक उपयोग
इस्तिलाही वि० [अ.] पारिभाषिक
इस्तिस्ना स्त्री० [अ.] अपवाद (२) न मानवुं ते
इस्तीफ़ा पुं० [अ. इस्ति–अफा]राजीनामुं
इस्तेमाल पुं० [अ.] उपयोग; वापर
इस्पंज स्त्री० जुओ 'इसपंज'
इस्पग़ोल पुं०[फा.]इसपगोळ; ऊंटियुं जीरुं
इस्म पुं० [अ.] नाम; संज्ञा
इस्लाह स्त्री० [अ.] जुओ 'इसलाह'
इह अ० [सं.] अहीं; आ लोकमां
इहतिमाम स्त्री० [अ.] कोशिश; प्रयत्न (२) प्रबंध; व्यवस्था (३) निरीक्षण
इहतियात स्त्री० [अ.] सावधानी; जुओ 'एहतियात'. **–न्** अ० सावधानीथी
इहसान पुं० [अ.] अहेसान; आभार; कृतज्ञता. **–मंद** वि० आभारी
इहाँ अ० 'यहाँ'; अहीं
इहाता पुं० [अ.] जुओ 'अहाता'

ई

इंगुर पुं०[सं. हिंगुल, प्रा. इंगुल] हिंगळोक
इंचना स०क्रि० खेंचवुं; एंचवुं
ईं जानिब श० प्र० अमे (मोटा लोक नानानी जोडे वातमां पोताने माटे आ वापरे छे)
ईंट स्त्री० [सं. इष्टका] ईंट. **–चुनना=** दीवाल बनाववा ईंटो चणवी. **डेढ़ या ढाई ईंटकी मसजिद अलग बनाना=** वधाथी ऊलटुं कहेवुं के करवुं. **–पत्थर=**कांई नहीं. **–से ईंट बजना=** कोई घर के नगर नाश पामवुं.
ईंटा पुं० ईंट
ईंडरी स्त्री० ऊढण; 'इंडुरी'
ईंधन पुं० ईंधण; बळतण [आंख
ईक्षण पुं०[सं.] जोवुं के तपासवुं ते (२)
ईख स्त्री० [सं. इक्षु] शेरडी; 'ऊख'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ईखना स०क्रि० [सं. ईक्ष्] (प.) जोवुं
ईछना स०क्रि० (प.) इच्छवुं; 'इच्छना'
ईछा स्त्री० (प.) इच्छा
ईजा स्त्री० [अ.] ईजा. **–देना,पहुँचाना**= ईजा पहोंचाडवी–करवी. **–पहुँचना**= ईजा पहोंचवी–थवी
ईजाद स्त्री० [अ.] शोध; नवुं कांई शोधवुं के बनाववुं ते
ईठ पुं०[सं. इष्ट](प.) मित्र[स्त्री० **ईठी**]
ईठि स्त्री० (प.) दोस्ती
ईठी स्त्री०भालो; बरछी(२) 'ईठ'नुं स्त्री०
ईढ़ स्त्री० (प.) जिद्द; हठ
ईति स्त्री० [सं.] खेती बगाडनार उपद्रव, विघ्न वगेरे (२) पीडा; दुःख
ईद स्त्री० [अ.] मुसलमानोनी ईद. **–का चाँद देखना**=प्रियदर्शन करवुं. **–के पीछे टर**=वखत चूक्या पछी शो लाभ!
ईदगाह स्त्री० ईदनी नमाजनी जगा
ईदृश वि० [सं.] आवुं
ईप्सा स्त्री० [सं.] इच्छा; अभिलाषा
ईप्सित वि० [सं.] इच्छित
ईमान पुं० [अ.]आस्था; आस्तिकता (२) सद्‌वृत्ति; नेक नैयत (३) सत्य; सच्चाई. **–काँपना** = अंतरमां डर लागवो. **–देना** = ईमान छोडवुं – जतुं करवुं. **०दार** वि० ईमानवाळुं
ईरान पुं० [फा.] ईरान देश
ईर्षा, –र्ष्या स्त्री० [सं.] अदेखाई; झेर
ईर्षा(–र्ष्या)लु वि० झेरीलुं; अदेखुं
ईश पुं० [सं.] ईश्वर (२) स्वामी; राजा (३) अगियार संख्या
ईशान पुं० [सं.] जुओ 'ईश' (२) ईशान खूणो [महादेव
ईश्वर पुं० [सं.] भगवान; प्रभु (२)
ईषत्,–द् अ० [सं.] जरा; थोडुं
ईस पुं० ईश; ईश्वर
ईसवी वि० [फा.] ईस्वी; ईशु संबंधी
ईसा, ईसामसीह पुं० [अ.] ईशु ख्रिस्त
ईसाई वि० [फा.] ख्रिस्ती; विश्वासी
ईहा स्त्री०[सं.] इच्छा (२) लोभ; लालच

उ

उंगल स्त्री० जुओ 'अंगुल'
उँगली स्त्री० जुओ 'अंगुली'. (किसीकी ओर) **–उठाना** = आंगळी चींधवी; –नो दोष काढवो (२) आंगळी अडकाडवी; जराय हानि पहोंचाडवी. **–करना** = सताववुं. **–पकड़ते पहुँचा पकड़ना** = आंगळी आपतां पोंचो पकडवो. **उँगलियों पर नचाना**=पोताने फावे तेम कराववुं–चलाववुं. **पाँचों उँगलियाँ घीमें होना** = बधी रीते लाभ ज थवो
उँघाई स्त्री० जुओ 'औंघाई'
उँघाना अ० क्रि० ऊंघ आववी
उंचन स्त्री० खाटलाना वाणने तंग करवानी पांगतनी दोरी
उंचना स० क्रि० 'उंचन' खेंचवुं
उँचाई स्त्री०, **उँचान(-व, -स)** पुं० ऊँचाई

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

उंचास वि० ४९; ओगणपचास; 'उनपचास'

उंछ,०वृत्ति स्त्री० खळुं थया पछी खेतरमां पडेला दाणा निर्वाहने माटे वीणी लेवा ते

उँजेरा,-ला पुं० जुओ 'उजाला'

उँडेलना स० क्रि० जुओ 'उड़ेलना'

उंदुर पुं० [सं.] उंदर

उँह अ० 'ना' सूचवतो उद्‌गार (२) दुःखनो उद्‌गार

उऋण वि० [सं. उत्+ऋण] ऋणमुक्त

उकटना स०क्रि० वारंवार कहेवुं

उकटा वि० (स्त्री० **-टी**) वारंवार (अपराध के उपकार) कही बतावनार

उकटा पुरान पुं० गईगुजरी के दबाई रहेली वातोनुं विस्तारथी कहेवुं ते

उकठना अ० क्रि० सुकावुं; सुकाईने लाकडा जेवुं थवुं

उकठा वि० सूकुं

उकडूँ पुं० [सं. उत्कृतोरु] एडी पर अदूगडुं के उभडक बेसवुं ते

उकताना अ०क्रि० अधीरुं थवुं; गभरावुं (२) 'ऊबना'; कंटाळी जवुं

उक़बा पुं० [अ.] प्रलय (२) परलोक

उकलना अ०क्रि० छूटुं – अलग पडवुं; गूंचायेलुं के चोडेलुं ऊखडवुं-ऊकलवुं

उकलाई स्त्री० ऊलटी; वमन

उकलाना अ०क्रि० ऊलटी करवी; ओकवुं

उकसना अ०क्रि० ऊभरावुं; उपर आववुं (२) अंकुर नीकळवा

उकसाना स० क्रि० ('उकसना'नुं प्रेरक) उपर करवुं (२) उश्केरवुं (३) दीवानी बत्ती वधारवी [फूटतुं; खीलतुं

उकसौंहा वि० ऊभरातुं; उपर ऊठतुं (२)

उक़ाब पुं० [अ.] गरुड पक्षी के गीध

उका(-के)लना स०क्रि० (छोडुं के पड) खोलवुं; उखाडवुं (२) चोटेलुं उखाडवुं

उकासना स०क्रि० (प.) उपर करवुं (२) उश्केरवुं

उकेलना स० क्रि० जुओ 'उकालना'

उकौना पुं० गर्भवतीनो दोहद

उक्त वि० [सं.] कहेलुं; बोलेलुं [कहेवत

उक्ति स्त्री० [सं.] कथन; वचन (२)

उक़्दा पुं० [अ.] गांठ (२) कोयडो; समस्या

उखड़ना अ०क्रि० ऊखडवुं (२) घोडानी चालमां भंग पडवो (३) संगीतमां ताल के सूर बगडवो (४) हठवुं; अलग थवुं (५) तूटी जवुं. **उखड़ी उखड़ी बातें करना**=विरक्तिथी वातो करवी. **पैर या पाँव उखड़ना**=एक जगाए ठरी-ठाम न थवुं

उखम पुं० (प.) उष्मा; गरमी

उखल पुं०, **उखली** स्त्री० [सं. उत्खल] खांडणियो [एक दाव

उखाड़ पुं० उखाडवुं ते (२) कुस्तीनो

उखाड़ना स०क्रि० उखाडवुं ('उखड़ना' नुं प्रेरक). **गड़े मुर्दे उखाड़ना**=गईगुजरी पाछी काढवी. **पैर उखाड़ देना**=पग काढवो; हठाववुं

उखारी स्त्री० शेरडीनुं खेतर

उगटना स०क्रि० जुओ 'उकटना'

उगना अ०क्रि० ऊगवुं

उगलना स०क्रि० [प्रा. उग्गिलन] ओकवुं (२) थूंकी काढवुं. **उगल पड़ना**=बहार नीकळी आववुं. **जहर उगलना**=झेर जेवुं लागे एवं बोलवुं

उगलवाना, उगलाना स०क्रि० 'उगलना' नुं प्रेरक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

उगवना, उगाना स० क्रि० 'उगना'नुं प्रेरक; ऊगववुं
उगार(–ल) पुं० थूंक; गळफो के कफ
उगालदान पुं० थूंकदानी
उगाहना स० क्रि० उघराववुं; एकठुं करवुं
उगाही स्त्री० उघराववुं ते (२) उघराणुं (३) व्याजवटुं; धीरधार
उगिलना स०क्रि० जुओ 'उगलना'
उग्र वि० [सं.] प्रचंड; प्रबळ; तेज (२) पुं० महादेव
उघटना स०क्रि० ताल आपवो (२) गईगुजरी वारंवार काढवी (३) भलुं-बूरुं कोईने कहेवुं (जुओ 'उकटना')
उघटा वि० जुओ 'उकटा'
उघड़(–र)ना अ०क्रि० ऊघडवुं (प्रेरक उघाड़(–र) ना)
उचकन पुं० कशाने एक बाजु ऊंचुं करवा नीचे मुकातुं टेकण
उचकना अ०क्रि० ऊंचुं थवुं (२) कूदवुं (३) स०क्रि० ऊछळीने लेवुं (प्रेरक उचकाना)
उचका अ० अेकदम; अचानक
उचक्का पुं० (स्त्री०–**क्की**) ऊंचकी जनारो – चोर; ठग; बदमाश
उचटना अ०क्रि०अलग थवुं; हठवुं (२) ऊखडवुं (३) भडकवुं (४) विरक्त थवुं
उचड़(–र)ना अ० क्रि० ऊखडवुं (२) हठवुं; अलग थवुं
उचना अ०क्रि० (प.) ऊंचुं थवुं; 'उचकना' (२) स०क्रि० ऊंचुं करवुं
उचरंग पुं० पतंगियुं
उचरना अ०क्रि० ओचरवुं; बोलवुं (२) जुओ 'उचड़ना'
उचाट पुं०, **उचाटी** स्त्री० [सं. उच्चाट] उदासीनता; मन न लागवुं ते
उचाटना स०क्रि० 'उचटना'नुं प्रेरक (२) जीव हठाववो – काढी लेवो
उचाड़(-र)ना स०क्रि० 'उचड़ना'नुं प्रेरक
उचाना स० क्रि० ऊंचुं करवुं
उचारना स० क्रि० (प.) उच्चारवुं; बोलवुं (२) जुओ 'उचाड़ना'
उचित वि०[सं.] योग्य; घटतुं; वाजबी
उचेलना स० क्रि० जुओ 'उकेलना'
उच्च वि० [सं.] ऊंचुं (२) श्रेष्ठ
उच्च(–च्चा)रण पुं०[सं.] उच्चारवुं ते
उच्च(-च्चा)रना स० क्रि० ऊचरवुं; उच्चारवुं; बोलवुं
उच्चार, ०ण पुं० [सं.] बोलवुं ते
उच्छव पुं० (प.) ओच्छव
उच्छाव पुं० (प.) उत्साह
उच्छाह पुं० (प.) जुओ 'उछाह'
उच्छिष्ट वि०[सं.] एठुं (२) पुं० एठवाड (३) मध [उछांछळुं
उच्छृंखल वि० [सं.] उद्दंड; निरंकुश;
उच्छेद पुं० [सं.] खंडन; नाश
उच्छ्वास पुं० [सं.] श्वास [भेटवुं
उछंग पुं० (प.) खोळो; गोद.–**लेना**=
उछकना अ०क्रि० (प.) छाक के नशो ऊतरवो; भानमां आववुं
उछर(-ल)ना अ०क्रि० ऊछळवुं; कूदवुं (२) खूब राजी थवुं (३) ऊपसवुं (प्रेरक **उछार(-ल)ना**)
उछल-कूद स्त्री० खेलवुं कूदवुं ते (२) अधीराई; अजंपो
उछलना अ० क्रि० जुओ 'उछरना'
उछाँटना स०क्रि० मन ऊंचुं कराववुं (२) (प.) 'छाँटना'; वीणवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

उछार(-ल) स्त्री० ऊछळवुं – कूदको मारवो ते (२) छलंग (३) ऊलटी
उछार(-ल)ना स० क्रि० 'उछरना'नुं प्रेरक
उछाला पुं० उछाळो; जोश (२) ऊलटी
उछाह पुं० [सं. उत्साह] (वि० **-ही**) उत्साह; उमंग (२) उत्सव (३) उत्कंठा; इच्छा
उजड़(-र)ना अ० क्रि० उज्जड, वेरान, अस्तव्यस्त थवुं; नाश पामवुं
उजड्ड वि० [सं. उद्दंड] गमार; असभ्य; मूर्ख (२) उद्दंड; निरंकुश
उजबुक पुं० [तु.] एक जातनो तातार (२) वि० बेवकूफ; मूर्ख
उजर पुं० उजर; जुओ 'उज्र'
उजरत स्त्री० [अ.] मजूरी (२) भाडुं
उजरा वि० (प.) जुओ 'उजला'
उजलत स्त्री० [अ.] उतावळ; जलदी
उजलवाना स० क्रि० (घरेणां, शस्त्र इ०) धोवडाववुं; साफ कराववुं
उजला वि० (स्त्री०–**ली**) उज्ज्वळ; ऊजळुं; धोळुं (२) स्वच्छ
उजागर वि० (स्त्री०–**री**) झगझगतुं (२) प्रसिद्ध
उजागरा पुं० उजागरो
उजाड़(-र) पुं० उज्जड स्थान (२) जंगल (३) वि० उज्जड; वेरान
उजाड़(-र)ना स० क्रि० उजाडवुं
उजान अ० सामे प्रवाह ('भाठा'थी ऊलटुं)
उजारा(-ला) पुं० अजवाळुं; प्रकाश (२) वि० उज्ज्वळ
उजारी(-ली) स्त्री० चांदनी
उजालना स० क्रि० (घरेणुं, शस्त्र इ०) धोवुं; साफ करवुं; अजवाळवुं (२) जाळवुं; बाळवुं

उजास पुं० उजास; अजवाळुं
उजियार पुं० (२) वि० (प.) जुओ 'उजारा (–ला)' ['उजालना'
उजियारना स० क्रि० (प.) जुओ
उजियारा(-ला) पुं० जुओ 'उजारा'
उजियारी स्त्री० (प.) चांदनी (२) प्रकाश
उज़ीर पुं० (प.) वजीर; प्रधान
उज्जल अ० जुओ 'उजान' (२) वि० (प.) उज्ज्वळ
उज्ज्वल वि० [सं.] चळकतुं; ऊजळुं (२) धोळुं; निर्मळ
उज्यारा पुं० (प.) जुओ 'उजारा'
उज्यास पुं० (प.) उजास
उजेर,–रा,–ला पुं० (२) वि० जुओ 'उजारा'
उज़्र पुं० [अ.] उजर; बहानुं (२) वांधो; हरकत; आपत्ति (३) माफी; क्षमा
उज़्र-ख़्वाही स्त्री० मरण प्रसंगे दिलासो देवा–बेसवा जवुं ते
उज़्रदारी स्त्री० [फा.] अदालतमां कोई मागणीनी सामे पोतानो वांधो रजू करवो ते
उज़्र-माजिरत स्त्री० [अ.] माफी; क्षमा
उझकना अ० क्रि० ऊछळवुं (२) जोवा माटे ऊंचुं थवुं (३) चोंकवुं
उझरना अ० क्रि० ऊछळवुं; उपर आववुं
उझ(-झि)लना स० क्रि० [सं. उज्झरण] प्रवाहीने उपरथी रेडवुं; ढोळवुं (२) अ० क्रि० (नदीमां) रेल आववी
उटंग वि० मापमां नानुं (कपडुं)
उटंगन पुं० एक छोड (पाननी शाक-भाजी थाय छे) [करवुं
उटकना स० क्रि० अटकळवुं; अनुमान
उटज पुं० [सं.] झूंपडी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

उठँगन पुं० अठींगण; टेको

उठँगना अ० क्रि० उठंगवुं; अठिंगवुं (२) सूवुं; पड्या रहेवुं [बंध करवुं

उठंगाना स० क्रि० (कमाड) वासवुं;

उठना अ० क्रि० [सं. उत्थान] ऊठवुं. **उठ जाना**=मरी जवुं. **उठती जवानी**= ऊगती जुवानी

उठबैठ स्त्री० ऊठबेस; ऊठवुं बेसवुं ते; अजंपो (२) ऊठबेस कसरत

उठल्लू वि० रखडेल; अस्थिर

उठाईगीर(-रा) वि० उठावगीर (२) बदमाश

उठाऊ-चूल्हा वि० 'उठल्लू'; अस्थिर

उठान स्त्री०, **उठाव** पुं० [सं. उत्थान] ऊठवुं ते; उठाव (२) आरम्भ (३) उठाव; उपाड

उठाना स० क्रि० उठाववुं. **उठा देना**= खर्ची नांखवुं; उडावी देवुं. **उठा रखना** = बाकी राखवुं

उठौआ(-वा) वि० उठावीने आघुंपाछुं लई जवाय एवं

उठौनी स्त्री० उठाववुं ते (२) उठाववानी मजूरी (३) उठमणा जेवी एक रीति (४) खेडूतोने फसल पर अगाउथी धिरातां नाणां

उडंकू वि० ऊडी शके एवुं

उड़खाना अ० क्रि० अप्रिय लागवुं

उड़चक पुं० चोर; 'उचक्का'

उड़(-र)द पुं० जुओ 'उरद'. **–पर सफेदी**=धूळ पर लींपण

उड़न स्त्री० ऊडवुं ते

उड़नखटोला पुं० विमान

उड़नछू वि० छू करी जनारुं; गोटलीमार. **–होना**=छू थई जवुं

उड़ना अ० क्रि० ऊडवुं (२) स० क्रि० कूदीने पार करवुं. **उड़ चलना** अ० क्रि० झपाटामां चालवुं (२) कुमार्गे जवुं (३) रोफमां चालवुं (४) रसोई स्वादिष्ट बनवी

उड़व पुं० ओडव जातनो राग

उड़सना अ० क्रि० पथारी के विस्तरो लपेटवो (२) नष्ट थवुं

उड़ाऊ वि० ऊडनारुं; 'उड़ाका' (२) उडाउ; खरचाळ

उड़ाका(-कू) वि० ऊडनारुं; ऊडी शकनारुं [कूदको; छलंग

उड़ान पुं० 'उड़न'; ऊडवुं ते (२)

उड़ाना स० क्रि० उडाववुं; 'उड़ना' नुं प्रेरक

उड़ासना स० क्रि० विस्तरो उठाववो– समेटवो

उड़िया वि० ओरिसा देशनुं वासी

उड़ीसा पुं उत्कल; ओरिसा

उडुंबर पुं० [सं.] उमरडो

उडु स्त्री० [सं.] तारा (२) पक्षी (३) नाविक (४) पाणी

उडुप पुं० [सं.] चन्द्र (२) होडी

उड़ुस पुं० माकण

उड़लना स० क्रि० रेडवुं; ढोळवुं

उड़ैनी स्त्री० (प.) आगियो

उड्डयन पुं० [सं.] ऊडवुं ते

उढ़कना अ० क्रि० ठोकर खावी (२) रोकावुं; थोभवुं (३) टेको लेवो; अढेलवुं (प्रेरक–**उढ़काना**)

उढ़रना अ० क्रि० नातरे जवुं

उढ़री स्त्री० रखात (२) नातरे काढी लीधेली स्त्री

उढ़ाना स० क्रि० ओढाडवुं; ढांकवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

उढ़ावनी, उढ़ौनी स्त्री० ओढणी
उतंग वि० (प.) उत्तुंग; ऊंचुं
उत, ०न अ० (प.) ते तरफ; त्यां
उतना वि० (स्त्री० –नी) एटलुं
उतरन पुं० ऊतरेलुं कोई पण वस्त्र
उतरना अ० क्रि० ऊतरवुं
उतराई स्त्री० नीचे ऊतरवानी क्रिया (२) नदी पार ऊतरवानुं खर्च (३) उतार; ढाळवाळी जमीन
उतराना अ०क्रि० [सं.उत्तरण] पाणीनी उपर आववुं (२) ऊकळवुं; ऊभरावुं (३) प्रगट थवुं (४) स०क्रि० उतराववुं
उतरायल वि० ऊतरेलुं; पुराणुं
उतलाना अ० क्रि० उतावळ करवी
उतान वि० [सं. उत्तान] चीत; चत्तुं
उतायल अ० (प.) जुओ 'उतावल'
उतायली स्त्री० (प.) जुओ 'उतावली'
उतार पुं० ऊतरवुं ते (२) नदीनो उतार (३) झर, केफ इ० नो उतार
उतारन स्त्री० उतारेलुं – जीर्ण वस्त्र; 'उतरन' (२) माथा पर दाणा इ० उतारीने वाळवा ते; 'उतारा'
उतारना स० क्रि० उतारवुं
उतारा पुं० उतारो;ऊतरवानी जगा(२) नदी पार करवी ते (३) भूत इ० माटे दाणा वगेरे उतारवा ते के तेनी वस्तु
उतारू वि० तैयार; तत्पर
उताल अ०, –ली स्त्री० (प.) जुओ अनुक्रमे 'उतावल, –ली'
उतावल अ० जलदी(२)स्त्री० उतावळ
उतावला वि० (स्त्री० –ली) उतावळुं
उतावली स्त्री० उतावळ
उतृण वि० ऋणमुक्त
उतै अ० 'उत'; त्यां; ते तरफ
उत्कंठा स्त्री० [सं.] तीव्र इच्छा
उत्कट वि० [सं.] तीव्र; उग्र
उत्कर्ष पुं०[सं.] श्रेष्ठता; मोटाई (२) चडती; उन्नति
उत्कुण पुं० [सं.] माकण
उत्कृष्ट वि० [सं.] उत्तम; श्रेष्ठ
उत्कोच पुं०[सं.]लांच
उत्तम वि०[सं.] श्रेष्ठ. –पुरुष=(व्या०) [पहेलो पुरुष
उत्तमर्ण पुं०[सं.]लेणुं धीरनार;महाजन
उत्तर पुं० [सं.] उत्तर दिशा (२) जवाब (३) वि० पछीनुं (४) चडियातुं (५) अ० पछी
उत्तर-क्रिया स्त्री० [सं.] कारज
उत्तरदाता पुं० [सं.] जवाबदार माणस
उत्तरदायित्व पुं० [सं.] जवाबदारी
उत्तरदायी वि० [सं.] जवाबदार
उत्तराधिकार पुं० [सं.] वारसो. –री पुं० वारस
उत्तरायण पुं० [सं.] उतराण
उत्तरीय पुं० [सं.] उपरणुं (२) वि० उत्तरनुं (३) उपरनुं
उत्तरोत्तर अ० [सं.] एक पछी एक; क्रमशः (२) लगातार
उत्ता वि० 'उतना'; एटलुं
उत्ताप पुं० [सं.] गरमी (२) दुःख; पीडा (३) शोक
उत्तीर्ण वि० [सं.] पारंगत (२) पास [थयेलुं
उत्तुंग वि० [सं.] ऊंचुं; श्रेष्ठ
उत्तू पुं०[फा.] कपडा पर भात पाडवानुं एक ओजार, जे गरम करीने वपराय छे;या ते द्वारा थतुं काम(२)वि०नशामां चकचूर. -करना=खूब मारवुं पीटवुं
उत्तूकश, उत्तूगर पुं० [फा.] 'उत्तू' नुं काम करनार (जुओ 'उत्तू')

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

उत्तेजन पुं०, **-ना** स्त्री० [सं.] उत्तेजवुं ते; प्रोत्साहन [उन्नति; चडती
उत्थान पुं० [सं.] ऊठवुं ते (२)
उत्थापन पुं० [सं.] उठाडवुं-जाग्रत करवुं ते (२) हलाववुं-डगाववुं ते
उत्पत्ति स्त्री० [सं.] उद्भव; पेदाश; जन्म (२) आरंभ
उत्पन्न वि० [सं.] पेदा थयेलुं; जन्मेलुं
उत्पल पुं० [सं.] कमळ
उत्पाटन पुं० [सं.] उखाडवुं ते; निकंदन
उत्पात पुं० [सं.] उपद्रव; आफत (२) उधमात; खळभळाट
उत्पादन पुं० [सं.] पेदा करवुं ते; उत्पन्न
उत्सर्ग पुं० [सं.] छोडवुं ते; त्याग (२) दान
उत्सव पुं० [सं.] तहेवार; मंगळ पर्व (२) आनंद
उत्साह पुं० [सं.] उमंग; आनंदनो उछाळो
उत्सुक वि० [सं.] आतुर (२) तत्पर
उथपना स० क्रि० (प.) उखाडवुं; उथापवुं; उजाडवुं
उथलना अ० क्रि० [सं. उत्+स्थल] ऊथलवुं; गवडवुं (२) डामाडोळ थवुं (३) पाणी ओछुं थवुं (जुओ 'उथला'). **-पुथलना**=ऊथलपाथल थवुं
उथल-पुथल स्त्री० (२) वि० ऊथल-पाथल; ऊलटपूलट
उथला वि० छछरुं; ऊंडुं नहि एवुं
उदंत वि० दांत वगरनुं (पशु माटे) (२) पुं० [सं.] खबर
उदंतक पुं० [सं.] उदंत; समाचार
उदक पुं० [सं.] पाणी
उदथ पुं० (म.) [सं. उद्गीथ] सूर्य
उदधि पुं० [सं.] समुद्र
उदबस वि० (प.) वेरान; सूनुं
उदय पुं० [सं.] ऊगवुं के प्रगटवुं ते (२) उन्नति; चडती [भाग
उदर पुं० [सं.] पेट (२) पेटुं; अंदरनो
उदरना अ० क्रि० फाटवुं; चिरावुं (२) छिन्नभिन्न, नष्ट थवुं
उदांई स्त्री० ऊदापणुं; भूरो रंग
उदात्त वि० [सं.] दयाळु (२) उदार (३) श्रेष्ठ (४) ऊंचा सूरनुं
उदार वि० [सं.] दानशील (२) विशाळ के सरळ दिलनुं
उदारना स० क्रि० [सं. उदारण] फाडवुं; चीरवुं; तोडवुं [खिन्न; दुःखी
उदास वि० विरक्त (२) तटस्थ (३)
उदासी पुं० संन्यासी; त्यागी (२) स्त्री० उदासीनता
उदासीन वि० जुओ 'उदास'
उदाहरण पुं० [सं.] दाखलो; दृष्टांत
उदीची स्त्री० [सं.] उत्तर दिशा
उदीच्य वि० [सं.] उत्तरनुं रहीश (२) उत्तरनुं [(३) नपुंसक
उदुंबर पुं० [सं.] उमरडो (२) ऊमरो
उदू पुं० [अ.] दुश्मन; शत्रु [थवुं ते
उदूल पुं० [अ.] अवज्ञा (२) विमुख
उदूलहुक्मी स्त्री० [फा.] अवज्ञा करवी ते; आज्ञा न मानवी ते
उद्गम पुं० [सं.] ऊगम
उद्गार पुं० [सं.] ऊभरो (२) ऊलटी (३) ओडकार (४) थूंक; कफ (५) मनमी वात कही नांखवी ते
उद्घाटन पुं० [सं.] उघाडवुं ते
उद्घात पुं० [सं.] आघात; धक्को (२) आरम्भ [आरम्भक
उद्घातक वि० [सं.] आघातक (२)
उद्दंड वि० [सं.] उद्धत; नीडर; उद्दाम

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

उद्दाम वि० [सं.] उद्दाम; निरंकुश (२) स्वतंत्र (३) महान; गंभीर (४) पुं० वरुण (५) एक वृत्त

उद्दिष्ट वि० [सं.] बतावेलुं (२) अभिप्रेत; उद्देशेलुं

उद्दीपन पुं० [सं.] उत्तेजित करवुं ते के तेम करे तेवो पदार्थ

उद्देश पुं० [सं.] इच्छा (२) हेतु; कारण. **–श्य** वि० (२) पुं० लक्ष्य

उद्धत वि० [सं.] उग्र; न गांठे एवुं (२) मोटुं; ऊंचुं

उद्धरना स० क्रि० उद्धार करवो (२) अ० क्रि० ऊगरवुं; ऊधरवुं

उद्धार पुं० [सं.] मुक्ति; छुटकारो (२) उन्नति (३) उधार; वगरव्याजु देवुं

उद्धृत वि० [सं.] उगारेलुं; उतारेलुं

उद्ध्वस्त वि० [सं.] भांग्युं तूटचुं

उद्बोध, ०न पुं० [सं.] ज्ञान; जागृति

उद्भट वि० [सं.] प्रबळ; श्रेष्ठ

उद्भव पुं० [सं.] उत्पत्ति (२) उन्नति

उद्भास पुं० [सं.] प्रकाश (२) प्रतीति

उद्भिज (-ज्ज,-द) पुं० [सं.] उद्भिद; वनस्पति

उद्यत वि० [सं.] तैयार; तत्पर

उद्यम पुं० [सं.] महेनत (२) उद्योग; कामधंधो. **–मी** वि०

उद्यान पुं० [सं.] बाग

उद्यापन पुं० [सं.] कोई व्रत नियमनी पूर्णाहुतिनी उजवणी

उद्योग पुं० [सं.] जुओ 'उद्यम'. **–गी** वि०

उद्रेक पुं० [सं.] अतिशयता; खूब वृद्धि

उद्वह पुं० [सं.] (स्त्री० **-हा**) पुत्र

उद्वहन पुं० [सं.] उपर खेंचवुं ते (२) उद्वाह; विवाह

उद्वासन पुं० [सं.] स्थान छोडाववुं; भगाववुं ते (२) मारवुं ते; वध

उद्वाह पुं० [सं.] विवाह

उद्विग्न वि० [सं.] उद्वेगवाळुं [आवेश

उद्वेग पुं० [सं.] व्याकुळता (२) मननो

उधड़ना अ० क्रि० ऊखडवुं; (चोटेलुं) अलग थवुं; उधेडावुं

उधर अ० ए तरफ; बीजी बाजु

उधरना अ० क्रि० (प.) उद्धरवुं; छूटवुं (२) जुओ 'उधड़ना' (३) स० क्रि० उद्धारवुं

उधराना अ० क्रि० विखेराई जवुं; हवाथी ऊडी जवुं (२) उधमात करवो

उधार पुं० [सं. उद्धार] करज; ऋण; देवुं (२) उधार के उछीनुं लेवुं ते (३) उद्धार. **–खाए बैठना**=कशी के कोईनी आशा के आधार पर बेठा रहेवुं

उधारना स० क्रि० (प.) उद्धारवुं

उधेड़ना स० क्रि० उधेडवुं (२) सीवण उकेलवुं (३) विखेरवुं

उधेड़बुन स्त्री० [हिं. उधेड़ना, बुनना] बांधछोड; विचारणा (२) पंचात

उन स० 'उस' नुं ब० व० (२) [सं.] अंकमां 'एक कम' ए अर्थमां वपराय छे. उदा० 'उनतीस'

उनइस वि० 'उन्नीस'; १९

उनचालीस, उनतालीस वि० ओगणचालीस; ३९

उनचास वि० 'उंचास'; ४९

उनतीस वि० ओगणत्रीस; २९

उनमना वि० जुओ 'अनमना'

उनमान पुं० (प.) अनुमान; अंदाज (२) माप (३) वि० समान

उनमानना स० क्रि० अनुमानवुं; अंदाजवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

उनमुना वि० (प.) मौनी; चूप
उनसठ वि० ओगणसाठ; ५९
उनहत्तर वि० अगणोतेर; ६९
उनींदा वि० [सं. उन्निद्र] (स्त्री०–**दी**) ऊंघतुं; ऊंघ भरायेलुं
उन्क़ा पुं० [अ.] एक कल्पित पक्षी (२) वि० अप्राप्य (३) दुर्लभ
उन्नत वि० [सं.] ऊंचुं (२) उत्तम
उन्नति स्त्री० [सं.] ऊंचाई (२) चडती; 'तरक्की'
उन्नाब पुं० [अ.] एक जातनुं बोर (हकीमो दवामां वापरे छे)
उन्नाबी वि० 'उन्नाब' ना रंगनुं; घेरुं लाल (२) पुं० तेवो रंग
उन्नासी वि० ओगण्याएंशी; ७९
उन्निद्र वि० [सं.] निद्रा रहित (२) विकसित; खीलेलुं
उन्नीस वि० ओगणीस; १९. **–बिस्वे**= अ० मोटे भागे; घणुं करीने. **–बीस होना** =(बे वच्चे) भेद होवो; एकथी बीजुं चडवुं. **–होना** = गुण के मात्रामां थोडुं घटवुं [ब्रेभान
उन्मत्त वि० [सं.] मदांध (२) पागल;
उन्मन, ०स्क वि० [सं.] उदास; व्यग्र
उन्माद पुं० [सं.] पागलपणुं; चित्तभ्रम
उन्मार्ग पुं०[सं.] खोटो मार्ग; दुराचार
उन्मीलन पुं० [सं.] खूलवुं के खीलवुं ते
उन्मुख वि० [सं.] उत्सुक (२) उद्यत
उन्मूलन पुं०[सं.] जडमूळथी उखेडवुं ते
उन्मेष पुं०[सं.] पलकारो (२)झबकारो; थोडो प्रकाश (३) खीलवुं ते
उन्वान पुं० [अ.] (पुस्तक इ०नुं)नाम; शीर्षक (२). ढंग; रीत
उन्स पुं० [अ.] महोबत; प्यार
उन्हें स० तेमने ('उन'नी बीजी ने चोथी विभक्तिनुं रूप)
उपंग पुं० एक वाद्य
उपकरण पुं० [सं.] साधन सामग्री (२) छत्र, चमर इ० राजचिह्न
उपकार पुं०[सं.]भलाई(२)लाभ;फायदो
उपकारक, उपकारी वि०[सं.] उपकार करनार
उपकार्या स्त्री० तंबू [कृतज्ञ
उपकृत वि०[सं.] उपकार तळे आवेलुं;
उपक्रम पुं० [सं.] आरंभ (२) भूमिका
उपक्रमणिका स्त्री०[सं.] अनुक्रमणिका; सांकळियुं
उपखान पुं०(प.)उपाख्यान; पुराणी कथा
उपग्रह पुं० [सं.] केद; बंधन (२) नाना के मोटा ग्रहनो ग्रह
उपचार पुं० [सं.] इलाज; दवा (२) सेवा; पूजन (३) लांच
उपज स्त्री० ऊपज; पेदाश (२) नवी सूझ; शोध; कल्पना (३) कपोलकल्पित
उपजना अ० क्रि० ऊपजवुं
उपजाऊ वि० उपजाउ, फळद्रूप (भूमि)
उपजाना स०क्रि० उपजाववुं;पेदा करवुं
उपजीवन पुं० [सं.] निर्वाहमां परावलंबन [निशान; चिह्न
उपटन पुं० 'उबटन'; उपटण (२)
उपटना अ० क्रि० निशान पडवुं; जेम के शाही फूटवानुं के भारथी लखवानुं (२) ऊखडवुं (प्रेरक **–उपटाना**)
उपड़ना अ० क्रि० ऊखडवुं; ऊपडवुं (२) 'उपटना'; निशान पडवुं
उपत्यका स्त्री० [सं.] तळेटी
उपदंश पुं० [सं.] चांदी के गरमीनो रोग (२) गजक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

उपदिशा स्त्री० [सं.] खूणो
उपदेश,-स पुं० बोध; शिखामण
उपदेशक पुं० [सं.] उपदेश आपनार
उपदेश(-स)ना स० क्रि० उपदेशवुं
उपद्रव पुं० [सं.] उत्पात; खळभळाट (२) उधमात; दंगोफिसाद; बखेडो
उपद्रवी वि० [सं.] उधमातियुं; बखेडो करनारुं [शरणमां लेवुं
उपधरना स० क्रि० (प.) अपनाववुं;
उपधा स्त्री० [सं.] छळ; कपट (२) उपाधि; पंचात [तकियो
उपधान पुं० [सं.] टेको; आधार (२)
उपनना अ० क्रि० (प.) ऊपनवुं; ऊपजवुं (प्रेरक **उपनाना**)
उपनय,०न पुं० [सं.] जनोई के उपवीत संस्कार [तखल्लुस
उपनाम पुं० [सं.] बीजुं नाम (२)
उपनिवेश स्त्री०[सं.]त्रसाहत; 'कॉलोनी'
उपन्यास पुं० [सं.] नवलकथा
उपपत्ति स्त्री० [सं.] साबिती; प्रतिपादन करवुं ते (२) हेतु
उपभोग पुं० [सं.] माणवुं, भोगववुं ते
उपमा स्त्री० [सं.] तुलना (२) एक अलंकार [स्त्री० धाव
उपमाता पुं० [सं.] उपमा देनार (२)
उपमान पुं० [सं.] जेनी उपमा अपाय ते
उपमाना स० क्रि० (प.) उपमा देवी; सरखाववुं
उपमेय पुं०[सं.] जेने उपमा आपवानी ते
उपयुक्त वि० [सं.] योग्य; वाजबी
उपयोग पुं०[सं.] खप (२) योग्यता (३) फायदो; लाभ (४) प्रयोजन; जरूर
उपयोगी वि० [सं.] खपनुं (२) लाभदायी (३) माफक; अनुकूळ

उपरत वि० [सं.] विरक्त (२) मरेलुं
उपरति स्त्री० [सं.] वैराग्य (२) मरण
उपरना पुं० उपरणुं (२) अ० क्रि० जुओ 'उपड़ना'; ऊखडवुं
उपरफट(-ट्टू) वि० फालतु; छूटक (२) ठेकाणा वगरनुं; नकामुं [अर्थमां)
उपरांत अ० ते पछी (समयवाचक
उपराचढ़ी स्त्री० चडसा-चडसी; स्पर्धा
उपराना अ० क्रि० उपर आववुं (२) प्रगट थवुं (३) स० क्रि० उपर करवुं; उठाववुं [आराम
उपराम पुं० [सं.] उपरति; वैराग (२)
उपराला पुं० उपराळुं; पक्ष लेवो ते. **-करना**=उपराळुं लेवुं
उपरावटा वि० माथुं ऊंचुं राखनारुं; गर्विष्ठ; अक्कड
उपरि अ० [सं.] उपर
उपरी-उपरा पुं० चडसा-चडसी; अहमहमिका; पडापडी; स्पर्धा
उपरैना पुं० उपरणुं
उपरैनी स्त्री० उपरणी; ओढणी
उपरोक्त वि० उपर के पहेलुं कहेलुं
उपरौंछा पुं० अंगूछो; टुवाल (२) अ० उपरनुं [(स्त्री० **-ठी**)
उपरौठा वि० उपरनुं; उपर आवेलुं
उपर्युक्त वि० [सं.] उपरोक्त
उपल पुं० [सं.] पथ्थर (२) 'ओला'; करा (३) रत्न (४) वादळ
उपलक्ष,-क्ष्य पुं०[सं.] चिह्न (२) उद्देश. **-में**=(अमुक) दृष्टि के विचारथी
उपलब्ध वि० [सं.] मळेलुं (२) जाणेलुं
उपलब्धि स्त्री०[सं.] प्राप्ति (२) ज्ञान
उपला पुं० [सं. उत्पल] छाणुं; जेरणुं
उपली स्त्री० नानुं जेरणुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

उपल्ला पुं० कोई वस्तुनो उपलो भाग
उपवन पुं० [सं.] बाग [**–सी** वि०
उपवास पुं० [सं.] न खावुं ते; लांघो.
उपवीत पुं० [सं.] जनोई
उपशिष्य पुं० [सं.] शिष्यनो शिष्य
उपसंहार पुं०[सं.] समाप्ति (२) सारांश
उपस स्त्री० दुर्गंध; बदबो
उपसना अ०क्रि० गंधावुं; सडवुं; वासी थवुं (प्रेरक **उपसाना**)
उपसर्ग पुं० [सं.] अपशुकन (२) दैवी उत्पात (२) व्याकरणमां उपसर्ग– अनु, अव इ० [भाग; खाडी
उपसागर पुं०[सं.] नानो समुद्र; समुद्रनो
उपस्थ पुं० [सं.] गुह्य इंद्रिय (२) पेढु (३) गोद (४) वि० पासे बेठेलुं
उपस्थित वि० [सं.] हाजर (२) याद
उपस्थिति स्त्री० [सं.] हाजरी
उपहार पुं० [सं.] भेट; नजराणुं
उपहास पुं० [सं.], **–सी** स्त्री० (प.) हांसी (२) निंदा
उपही पुं० (प.) अजाण्युं माणस;परदेशी
उपांग पुं०[सं.] अंगनुं अंग; अंगनो भाग; अंश (२) तिलक
उपांत्य वि० [सं.] छेल्लानी पहेलुं
उपाइ,-उ,-व पुं० (प.) उपाय
उपाख्यान पुं० [सं.] पुराणी कथा (२) वृत्तांत
उपाट(-ड़)ना स०क्रि० (प.) उखेडवुं
उपादान पुं० [सं.] प्राप्ति; (२) जाण; बोध (३) मूळ पदार्थ जेमांथी बीजुं कांई बने ते; कारण
उपाधि स्त्री० [सं.] उपाधि (पीडा; इलकाब; चिह्न वगेरे अर्थो) (२) छळ; कपट; 'उपधा'
उपाधी वि० [सं. उपाधिन्] उपद्रवी; उपाधि के उत्पात करनारुं
उपाध्याय पुं० [सं.] शिक्षक; गुरु. **–या** स्त्री० शिक्षिका. **–यानी** स्त्री० गुरु-पत्नी.**–यी** स्त्री० गुरुपत्नी(२)शिक्षिका
उपानत(-ह) पुं० [सं.] उपान; जोडो; पगरखुं [करवुं; रचवुं
उपाना स०क्रि० (प.) पेदा करवुं (२)
उपाय पुं० [सं.] युक्ति; इलाज (२) पासे जवुं ते
उपायन पुं० [सं.] उपहार; भेट
उपारना स०क्रि० (प.) जुओ उपाटना
उपार्जन पुं० [सं.] कमावुं ते; कमाणी
उपार्जित वि० [सं.] कमायेलुं; मेळवेलुं
उपालंभ पुं० [सं.] ठपको; 'उलाहना'
उपाव पुं० (प.) उपाय
उपास पुं० उपवास
उपासक पुं०[सं.]उपासना करनार;भक्त
उपासना स्त्री० [सं.] प्रार्थना; भक्ति; पूजा (२) स०क्रि०(प.)सेवापूजा करवी (३) अ० क्रि० उपवास करवो
उपासी वि० (प.) उपासक(२)उपवासी (३) स्त्री० उपासना
उपास्य वि० [सं.] पूज्य; आराध्य
उपेक्षा स्त्री०[सं.] उदासीनता;बेपरवाई (२) अवगणना
उपेक्षित वि० [सं.] उपेक्षा करायेलुं
उपेक्ष्य वि० [सं.] उपेक्षा करवा जेवुं
उपैना वि० (प.) उघाडुं; नागुं
उपोद्घात पुं०[सं.] प्रस्तावना; भूमिका
उपोषण, उपोसथ पुं० उपवास
उफ़ अ० [अ.] शोक पीडा के दुःखनो उद्गार – ऊंह
उफ़(-फ़ु)क़ पुं० [अ.] क्षितिज

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

उफड़ना अ०क्रि०(प.) जुओ 'उफनना'
उफ़तादगी स्त्री० [फा.] नम्रता
उफ़तादा वि० [फा.] पडतर (खेतर)
उफनना, उफनाना अ० क्रि० [सं. उत्+फेन] उभरावुं; उछाळो मारवो
उफान पुं० ऊभरो; उछाळो
उफ़ुक़ पुं० जुओ 'उफ़क़'
उबकना अ०क्रि० ऊबको आववो;ओकवुं
उबकाई स्त्री० ऊबको; ऊलटी
उबटन पुं० [सं. उद्वर्तन] उपटण; 'उपटन'; मालिस माटेनी एक सुगंधी बनावट
उबटना अ० क्रि० उपटण मालिस करवुं
उबरना अ० क्रि० [सं. उद्दारण] ऊगरवुं (छूटवुं के बचत थवी)
उबरा वि० (स्त्री० **–री**) ऊगरेलुं
उबलना अ० क्रि० [सं. उद्+वलन] ऊकळवुं; खळखळ करतुं ऊछळवुं (२) ऊभरावुं
उबहना स० क्रि० (प.) हथियार खेंचवुं–म्यानमांथी काढवुं (२) उलेचवुं (३) जुओ 'जोतना' (४) वि० उघाड-पगुं [छुटकारो
उबार पुं० [सं. उद्धारण] उगारो;
उबारना स० क्रि० 'उबरना' नुं प्रेरक
उबारा पुं० कूवानो हवाडो
उबाल पुं० ऊभरो; ऊछाळो; 'उफान'
उबालना स० क्रि० 'उबलना'नुं प्रेरक
उबासी स्त्री० [सं. उश्वास] बगासुं
उबाहना स० क्रि० जुओ 'उबहना'
उबि(-बी)ठना स० क्रि० अरुचि थवी; मनमांथी ऊतरी जवुं (२) अ०क्रि० गभरावुं; जीव गभरावो
उबेना वि० (प.) जुओ 'उबहना'
उबरना स० क्रि० (प.) उद्धारवुं; बचाववुं
उभड़(-र)ना अ० क्रि० ऊंचुं थवुं; ऊठी आववुं; फूलवुं (२) ऊपजवुं (३) खूलवुं (४) वधवुं
उभय वि० [सं.] बंने
उभा स्त्री० ओभा; चिन्ता
उभाड़ पुं० ऊंचाई (२) वृद्धि
उभाड़ना स० क्रि० 'उभड़ना' नुं प्रेरक (२) उश्केरवुं; बहेकाववुं
उभै वि०(प.)उभय [अधिकता
उमं(-म)ग स्त्री० उमंग (२) जोश;
उमँ(-म)गना अ०क्रि०ऊमगवुं;ऊमडवुं; ऊभरावुं (२) उमंगमां आववुं
उमड़ स्त्री० भरती; भरावो; वृद्धि
उमड़(-ड़ा)ना अ० क्रि० ऊभडवुं; ऊभरावुं (२) ऊमटवुं (जेम के वादळ) (३) आवेशमां–जोशमां आववुं
उमदा वि० जुओ 'उम्दा'
उमर स्त्री० जुओ 'उम्र'
उमर-क़ैद स्त्री० जनमटीप. **–दी** पुं०
उमरा, ०व पुं० ('अमीर' नुं ब०व०) उमराव लोक; अमीरो
उमस स्त्री० [सं. उष्म] बफारो; कठारो
उमाह पुं० (प.) उत्साह; उमंग
उमूम वि० [अ.] साधारण; आम
उमेठ(-ड़)ना स० क्रि० [सं. उद्वेष्टन] 'ऐँठना'; आमळवुं
उम्दगी स्त्री०[फा.] उमदापणुं; उत्तमता
उम्दा वि०[अ.] उमदा;अच्छुं;भलुं;सारुं
उम्मत स्त्री०[अ.] जमात; फिरको (२) एक संप्रदायनी मंडळी (३) ओलाद; परिवार

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

उम्मी पुं०[अ.] नानपणमां बाप वगरनो थयेलो जेथी मा के दाईए उछेरेलो ते (२) अभण (३) महंमद पेगंबर (४) कोई 'उम्मत' नो माणस

उम्मी(-म्मे)द [फा.] उमेद

उम्मेदवार पुं० [फा.] इच्छुक (२) उमेदवार. **–री** स्त्री०

उम्र स्त्री० [अ.] उमर; आयु

उर पुं० छाती (२) हैयुं; दिल

उरग पुं० [सं.] साप

उरझना अ०क्रि० (प.) जुओ 'उलझना'

उरण पुं०[सं.] घेटुं; मेंढुं (२) युरेनस ग्रह

उरद पुं० अडद; 'उर्द'

उरदी स्त्री० नाना दाणाना अडद

उरबसी स्त्री० उर्वशी

उरबी स्त्री० (प.) उर्वा; पृथ्वी

उरमाल पुं० (प.) रूमाल

उरला वि० पछीनुं; पाछलुं (२) विरलुं

उरस वि० फीकुं; नीरस (२) पुं० उर; छाती (३) हृदय

उरसना स०क्रि० ऊंचुं नीचुं करवुं

उरसिज पुं० [सं.] स्तन

उराहना पुं० जुओ 'उलाहना'

उरिण(-न) वि० उऋण; ऋणमुक्त

उरु वि०[सं.] विशाळ; लांबुंपहोळुं (२) पुं० (प.) ऊरु; जांघ

उरुवा पुं० घुवड जेवुं एक पक्षी; 'रुरुआ'

उरूज पुं० [अ.] वृद्धि; चडती

उरूस स्त्री० [अ.] वधू

उरे अ० आगळ (२) दूर

उरेह पुं० चित्र के ते दोरवुं ते

उरेहना स०क्रि० चित्र दोरवुं

उरोज पुं० [सं.] स्तन

उर्द पुं० 'उरद'; अडद

उर्दू स्त्री०[तु.] अधिक अरबी फारसी शब्दोवाळी हिंदी भाषा जे फारसी लिपिमां लखाय छे. (२) पुं० छावणी. **–ए मुल्ला** स्त्री० ऊंची उर्दू. **०बाजार** पुं० लश्करनुं बजार

उर्फ़ पुं० [अ.] उपनाम; उरफे बोलातुं बीजुं नाम

उर्मि स्त्री० (प.) ऊर्मि

उर्वरा स्त्री०[सं.] उपजाउ जमीन (२) पृथ्वी (३) वि० स्त्री० उपजाउ; फळद्रुप (जमीन)

उर्वी स्त्री० [सं.] पृथ्वी [मरणतिथि

उर्स पुं० [अ.] ओरस; पीर वगेरेनी

उलंग वि० [सं. उन्नग्न] नागुं

उलंघना स०क्रि० उल्लंघवुं (ओळंगवुं के न मानवुं–लोपवुं)

उलका स्त्री० उल्का; खरतो तारो

उलच(-छ)ना स०क्रि० जुओ 'उलीचना'

उलझन स्त्री० फांस; गूंच (२) कोयडो; समस्या (३) चिंता

उलझना अ०क्रि० (ऊलटुं 'सुलझना') फसावुं; जकडावुं (२) लपटावुं (३) काममां लीन थवुं (४) मुश्केलीमां फसावुं (५) झघडवुं; तकरार करवी (६) वांकुं थवुं; आमळ चडवो

उलझना-पुलझना अ० क्रि० बरोबर फसावुं–लपटावुं

उलझाना स० क्रि० 'उलझना'नुं प्रेरक

उलझा-पुलझा वि० वांकुं के सीधुं (२) भलुं के बूरुं

उलझाव, उलझेड़ा पुं० फसावुं ते (२) झघडो; बखेडो (३) चक्कर; फेर

उलझौहाँ वि०फसावनार के लोभावनार

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

उलटना अ० क्रि० [सं. उल्लोठन] ऊलटवुं (२) स० क्रि० ऊलटुं के ऊंधुं करवुं (३) अस्तव्यस्त करवुं (४) ऊलटी करवी [गोटाळो

उलट-प(-पु)लट स्त्री० ऊलटपूलट,;

उलट-फेर पु० फेरफार; पलटो; परिवर्तन

उलटा वि० (स्त्री०-टी) ऊलटुं. **-हाथ**=पुं० डाबो हाथ. **उलटी खोपड़ीका**=जड; मूर्ख. **उलटी गंगा बहना**=न बनवानुं बनवुं. **उलटी माला फेरना**=बूरुं ताकवुं. **उलटी साँस चलना**=मरवा वखतनो सास चालवो. **उलटी सीधी सुनाना**=झाटकवुं; धमकाववुं. **उलटे छुरेसे मूँड़ना**=बेवकूफ बनावीने काम काढवुं. **उलटे पाँव फिरना**=तरत पाछुं फरवुं. **उलटे मुँह गिरना**=बीजानुं अनिष्ट करवा जतां पोतानुं थवुं

उलटा-प(-पु)लटा वि० ऊलटपूलट

उलटा-पलटी स्त्री० फेरफार; अदलाबदली

उलटाव पुं० पलटो; फेरफार

उलटी स्त्री० ऊलटी (२) गोटमडुं

उलटे अ० ऊलटुं; अवळी रीते. **-पाँव फिरना**=तरत ऊभे पगे पाछुं फरवुं

उलथना स० क्रि० ऊथलपाथल के ऊलटपुलट करवुं; उथलाववुं (२) अ० क्रि० (प.) ऊथलावुं

उलथा पुं० ताल प्रमाणे ठेकवुं ते (२) पासुं फेरववुं ते (३) ऊथलो; गुलांट (४) जुओ 'उल्था'

उलद स्त्री० (प.) वरसादनी झडी

उलदना अ० क्रि० खूब वरसवुं (२) स० क्रि० (प.) वरसाववुं

उलफ़त स्त्री० [अ.] प्रेम; 'उल्फ़त'

उलरना अ० क्रि० (प.) ऊछळवुं; कूदवुं

उललना अ० क्रि० (प.) ऊछळवुं

उलहना अ०क्रि० खीलवुं (२) उल्लासवुं (३) जुओ 'उलाहना'

उलाँक पुं० 'डाक'; टपाल

उलाँक-पत्र पुं० पत्तुं; पोस्टकार्ड

उलाँकी पुं० टपाली

उलार वि० उलाळवाळुं (गाडुं)

उलारना स०क्रि० उछाळवुं (२) उलाळवुं

उलाहना पुं० ओळंभो; ठपको के राव फरियाद (२) स०क्रि० दोष देवो; निंदवुं

उलीचना स० क्रि० उलेचवुं

उलूक पुं० [सं.] घुवड

उलूखल पुं०[सं.] खांडणियो (२) गूगळ

उलेड़ना स०क्रि० (प.) जुओ 'उड़ेलना'

उलेल स्त्री० (प.) उमंग; जोश; उछाळो (२) वि० अलेल; नादान; बेपरवा

उल्का स्त्री० [सं.] खरतो तारो (२) प्रकाश (३) मशाल

उल्कापात पुं०[सं.] तारो खरवो ते (२) उत्पात; दंगो; खळभळाट

उल्था पुं० भाषांतर; तरजुमो

उल्लंघन पु० [सं.] लांघवुं ते (२) उल्लंघन; अवगणना

उल्लंघना स०क्रि० उल्लंघवुं; 'उलंघना'

उल्लास पुं० [सं.] प्रकाश; झळक (२) हर्ष; आनंद (३) ग्रंथनो भाग के खंड

उल्लासी वि० आनंदी

उल्लू पुं० [सं. उलूक] घुवड (२) उल्लु; मूरख. **-करना, बनाना**=उल्लु बनाववुं. **-का पट्ठा**=मूर्ख. **-फँसाना**=बरावर चुंगलमां लेवुं. **-बनना, होना**=उल्लु बनवुं. **-सीधा करना**=काम बनाववुं-साधी लेवुं. [लखवुं ते

उल्लेख पुं०[सं.] वर्णन; 'जिकर' (२)

पुस्तकालय
गुरुकुल कांगड़ी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

उल्व पुं०[सं.] उल्व; ओर(२) गर्भाशय
उशीर पुं० [सं.] खस; वीरण
उषा स्त्री० [सं.] अरुणोदय के तेनी लालिमा
उष्ट्र पुं० [सं.] ऊंट [(३) डुंगळी
उष्ण वि०[सं.] गरम (२) पुं० उनाळो
उष्णता स्त्री०,**–त्व** पुं०[सं.]गरमी;ताप
उष्णीव पुं० [सं.]पाघडी; साफो(२)मुगट
उष्म पुं०, **–ष्मा** स्त्री० [सं.] गरमी
उस सर्व० विभक्तिओमां थतुं 'वह' नुं रूप. जेम के 'उसने, उसको',
उसकन पुं० वासण मांजवानो कूचो
उसनना स०क्रि० उकाळवुं(२) पकाववुं
उसनाना स० क्रि० 'उसनना'नुं प्रेरक
उसाँस, उसास स्त्री० लांबो श्वास
उसासी स्त्री० अवकाश; छूटी
उसी स० 'उस ही'; ए ज
उसीसा पुं० अठींगण. (२) ओशीकुं
उसूल पुं० [अ.] सिद्धान्त
उसूलन् अ०[अ.]सिद्धांतथी;सिद्धांतपूर्वक
उस्त(–स्तु)रा पुं० अस्तरो; 'उस्तुरा'
उस्त(-स्तु)वार वि०, **–री** स्त्री० जुओ 'उस्तुवार'
उस्ताद पुं० [फा.] शिक्षक, गुरु (२) वि० उस्ताद; चालाक (३) निपुण (नाम **-दी** स्त्री०)
उस्तानी स्त्री० [फा.] गुरुपत्नी (२) शिक्षिका (३) चालाक, ठगारी स्त्री
उस्तुरा पुं० [फा.] अस्तरो
उस्तुवार वि०[फा.]मजबूत(२) सपाट (३)सीधुं; सरळ(नाम, **-री** स्त्री०)
उहदा पुं० [अ.] होद्दो; 'ओहदा'
उहवाँ, उहाँ अ० 'वहाँ'; त्यां
उही, उहै स० 'वही'; ते ज

ऊ

ऊँग, ऊँघ, ऊँघन स्त्री० जरा ऊंघनुं झोकुं आववुं ते; ढणको
ऊँगा पुं० अपामार्ग; अघेडो–एक छोड
ऊँघना अ० क्रि० ऊंघनुं झोकुं खावुं; जरा ऊंघ आवी जवी
ऊँच वि० ऊंचुं
ऊँचनीच वि० ऊंचुंनीचुं (२) नानुंमोटुं (३) भलुंबूरुं; सारुंनरसुं; लाभालाभ
ऊँचा वि० ऊंचुं. **–नीचा सुनाना=** सारुं माठुं कहेवुं; वढवुं. **–बोल=** गर्वनी वाणी.**–सुनना=**ओछुं सांभळवुं
ऊँचाई स्त्री० ऊंचाई (२) मोटाई; श्रेष्ठता
ऊँचे अ० ऊंचे; उपर (२) ऊंचेथी; जोरथी (बोलवुं). (पैर) **ऊँचेनीचे पड़ना** = खराब टेवमां के बूरा काममां फसावुं
ऊँछना अ० क्रि० ओळवुं
ऊँट पुं० ऊंठ. **०वान**. पुं० ऊंटवाळो
ऊँड़ा वि० ऊंडुं (२) पुं० चरु (३) भोंयरुं
ऊँदर पुं० उंदर
ऊँहूँ अ० ना, नहीं बतावतो उद्गार
ऊ अ०(प.)'भी';पण(२)स०ते; 'वह'
ऊआबाई वि०नकामुं; व्यर्थ;(२)ढंगधडा विनानुं (३) स्त्री० खोटो गभराट

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ऊक पुं० (प.) लू (२) ताप; आंच (३) भूल; चूक

ऊकना अ० क्रि० चूकवुं; लक्ष्य छूटवुं (२) स० क्रि० भूलवुं (३) जाळवुं; बाळवुं

ऊख पुं० [सं.] 'ईख'; शेरडी [णियो

ऊखल पुं० [सं. ऊलूखल] ऊखळ; खांड-

ऊगना अ० क्रि० ऊगवुं; 'उठना'

ऊज पुं० (प.) उपद्रव; उधमात

ऊजड़,-र वि० उज्जड; वेरान

ऊजर,-रा वि० (प.) ऊजळुं

ऊटक-नाटक पुं० नकामुं के ढंगधडा वगरनुं काम

ऊटना अ० क्रि० (प.) ऊलटमां आवी जवुं (२) तर्कवितर्क करवा; 'ऊढ़ना'

ऊटपटाँग वि० उटंग; ठेकाणा वगरनुं (२) वाहियात; व्यर्थ

ऊड़ी स्त्री० डूबकी; 'गोता'

ऊढ़ वि० [सं.] परणेलुं

ऊढ़ना अ० क्रि० (प.) परणवुं (२) अनुमानवुं; तर्कवितर्क करवा

ऊत वि० अपुत्र (२) मूर्ख

ऊतला वि० (प.) उतावळुं; वेगवाळुं

ऊद पुं० [अ.] अगरु; चंदन (२) जुओ 'ऊदबिलाव'

ऊदबत्ती स्त्री० अगरबत्ती

ऊदबिलाव पुं० जळबिलाडी; 'ऑटर'

ऊदा वि० [अ. ऊद; फा. कबूद] ऊदुं

ऊधम पुं० उत्पात; उधमात

ऊधमी वि० उधमातियुं

ऊधो पुं० उद्धव; ओधवजी

ऊन पुं० घेटां बकरांनुं ऊन (२) वि० [सं.] कम; बाकी (३) तुच्छ (४) पुं० खेद; दुःख

ऊना वि० ऊणुं; कम; अधूरुं

ऊनी वि० ऊननुं (२) कम; थोडुं (३) स्त्री० उदासीपणुं; खेद

ऊपर अ० उपर. **ऊपर ऊपर** अ० चूपकीथी; कोई न जाणे एम. **-की आमदनी**=लांच के तेवी अयोग्य आवक. **-तले**=उपर नीचे (२) एक पछी एक क्रममां. **-तलेके**=एक पछी एक ए क्रमनुं (भाई बहेनो माटे). **-लेना**=हाथ पर जवाबदारी लेवी

ऊपरी वि० उपरनुं; बहारनुं (२) देखाव पूरतुं

ऊब स्त्री० कंटाळो (२) 'ऊभ'; उमंग; उत्साह

ऊबट पुं० [सं. उद्+वर्त्य] कठण अटपटो रस्तो (२) वि० जुओ 'ऊबड़खाबड़' [अटपटुं

ऊबड़खाबड़ वि० ऊंचुं नीचुं; असमान;

ऊबना अ० क्रि० कंटाळवुं; गभरावुं

ऊभ वि० (प.) ऊभुं (२) स्त्री० कंटाळो (३) होंश; उमंग (४) गरमी

ऊभना अ० क्रि० (प.) ऊभवुं; ऊठवुं

ऊमर पुं० उमरडो

ऊमी स्त्री० उंबी; घउं, जव वगेरेनुं डूंडुं

ऊरु पुं० [सं.] जांघ [शक्ति

ऊर्ज वि० [सं.] बळवान (२) पुं० बळ;

ऊर्ण पुं० [सं.] ऊन

ऊर्ध्व वि० [सं.] ऊंचुं; उपरनी तरफनुं; ऊभुं

ऊर्मि,-र्मी स्त्री० [सं.] लहेर; तरंग (२) पीडा; दुःख (३) छनी संख्या

ऊल-जलूल वि० असंबद्ध; कढंगुं (२) अनाडी (३) अशिष्ट

ऊषा स्त्री० [सं.] उषा; वहेली सवार

ऊष्म वि० [सं.] गरम (२) पुं० उष्मा

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ऊष्मा स्त्री० [सं.] गरमी; ताप (२) उनाळो (३) वाफ; वराळ

ऊसर पुं०[सं.ऊषर]ऊखर–खारी जमीन

ऊह अ०[सं.] ओह! (२) पुं० अनुमान (३) तर्क; दलील (४) अफवा

ऊहापोह पुं० तर्कवितर्क; शोच विचार

ऋ

ऋक् स्त्री० [सं.] वेदनी ऋचा (२) पुं० ऋग्वेद [नक्षत्र

ऋक्ष [सं.], **-च्छ** पुं० रींछ (२) तारो;

ऋग्वेद पुं० [सं.] एक वेद

ऋचा स्त्री० [सं.] वेदनो मंत्र

ऋच्छ पुं० जुओ 'ऋक्ष'

ऋजु वि०[सं.] सरळ; सीधुं (२) अनुकूळ

ऋण पुं०[सं.] देवुं. **–उतरना, –चढ़ना**= देवुं ऊतरवुं, चडवुं. **–पटाना**=देवुं पतववुं–चूकते करवुं

ऋणी वि० देवादार (२) आभारी

ऋतु स्त्री० [सं.] मोसम (२) स्त्रीनो मासिक धर्म – रजोदर्शन

ऋतुम(-व)ती वि०स्त्री०[सं.] रजस्वला

ऋतुराज पुं० [सं.] वसंत ऋतु

ऋत्विज पुं०[सं.]यज्ञ करावनार ब्राह्मण

ऋद्ध वि० [सं.] समृद्ध; संपन्न

ऋद्धि स्त्री० [सं.] समृद्धि; आबादी

ऋद्धि-सिद्धि स्त्री० [सं.] रिद्धिसिद्धि

ऋन पुं० ऋण. **–निया, –नी** वि० ऋणी

ऋषभ पुं० [सं.] पोठियो (२) एक विशेष नाम [तत्त्वज्ञानी

ऋषि पुं० [सं.] वेदना मंत्रोनो द्रष्टा;

ए

ऍंच-पेंच पुं० दावपेच; युक्ति

एंजिन पुं० इंजिन

ऍंड़ा-बेंड़ा वि० सीधुं वांकुं; आडुंअवळुं

ऍंडी स्त्री० एक जातनो रेशमनो कीडो के तेनुं रेशम (२) जुओ 'एड़ी'

ऍंड़ुआ पुं० ऊढण

एकंग वि० एकलुं

एकंगा वि० एकांगी; एक तरफनुं

एक वि०[सं.] एक. **–आँख न भाना**= जरा पण ठीक न लागवुं. **–आँख से देखना**=सौ साथे समान भाव राखवो. **–न चलना**=जरा पण न फाववुं; एक पण युक्ति न चालवी

एक-आध वि० एकाद

एक-क़लम अ० एक-झपट; एकीसाथे

एकज,०न्मा पुं० [सं.] शूद्र (२) राजा

एकटक अ० एकीटसे; अनिमेष

एकड़ पुं० एकर (जमीन)

एकतरफ़ा वि० [फा.] एकतरफी; पक्ष-पातवाळुं; एक बाजुनुं [समानता

एकता स्त्री० [सं.] ऐक्य; मेळ (२)

एकताक वि० (प.) बराबर सरखुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

एकतान वि० तल्लीन; एकाग्र
एकतारा पुं० एकतारो (तंबूरो)
एकतालीस वि० ४१; एकताळीस
एकतीस वि० ३१; एकत्रीस [जगाए
एकत्र अ० [सं.] एकठुं; भेगुं (२) एक
एकत्रित वि० एकठुं थयेलुं के करेलुं
एकदम अ० तरत; झट (२) एकसाथे
एकन्नी स्त्री० एक आनी
एकबारगी अ० [फा.] 'इकबारगी'; अचानक(२)एक ज साथे;एक ज वारमां
एक़बाल पुं० [अ.] जुओ 'इक़बाल'
एकमत वि०[सं.] संमत; समान मतनुं
एकरदन पुं० [सं.] गणेश
एक़रार पुं० जुओ 'इक़रार' [तेवुं ज
एकरूप वि० [सं.] समान (२) जेवुं ने
एकल वि० (प.) एकलुं (२) अजोड
एकला वि० एकलुं
एकलौता वि० जुओ 'इकलौता'
एकवांज स्त्री० एक ज संतानवाळी–काकवंध्या
एकवेणी वि० सादो अंबोडो बांधनारी (स्त्री) (२) वियोगिनी के विधवा
एकसठ वि० ६१; एकसठ [वधुं ज
एकसर वि० एकलुं (२) [फा.] तमाम;
एकसाँ वि० [फा.] समान; एकसरखुं
एकसा वि० (स्त्री०,–**सी**) समान
एकहत्तर वि० ७१; इकोतेर
एकहत्था वि० एकहथ्थुं
एकहरा वि० 'इकहरा'; एकवडुं. -**बदन** =एकवडो कोठो [एक अंकवाळुं
एकांकी पुं०[सं.]एक अंकनुं नाटक(२)वि०
एकांगी वि०[सं.]एकतरफी (२)हठीलुं
एकांत पुं० [सं.] निर्जन जगा (२) वि० तद्दन अलग (३) निर्जन; सूनुं
एकांतिक वि० [सं.] एकने ज लागु पडतुं; खास; एकदेशीय
एका पुं० एकता; मेळ
एकाई स्त्री० एकम स्थान के तेनी संख्या (२) कोई वस्तुनो घटक–एकम; 'युनिट' (३) एकता
एकाएक(-की) अ० एकाएक; ओचिंतुं
एकाकार वि० [सं.] एकसमान
एकाकी वि० [सं.] एकलुं
एकाक्ष वि० [सं.] काणुं; एक आंखवाळुं
एकाग्र वि० [सं.] एकध्यान; तल्लीन
एकादश वि० [सं.] अगियार
एकादशाह पुं० [सं.] अगियारमुं
एकादशी स्त्री० [सं.] अगियारश
एकीकरण पुं० [सं.] एक करवुं ते
एकेन्द्रिय वि० [सं.] एक ज इंद्रियवाळुं (प्राणी) (२) तल्लीन; एकाग्र
एकोतरसो वि० १०१; एकसो एक
एकौझा वि० एकलुं
एक्का वि० एकलुं (२) पुं० टोळाथी अलग फरतुं पशु पक्षी (३) एकागाडी (४) गंजीफानो एक्को
एक्कावान पुं० एकावाळो
एक्की स्त्री० एक बळदनी ग़ाडी;एको (२) गंजीफानो एक्को
एक्यानबे वि० ९१; एकाणुं
एक्यावन वि० एकावन; ५१; 'इक्यावन'
एक्यासी वि० 'इक्यासी'; एकाशी
एख़नी स्त्री० [फा.] मांसनो शेरवो
एगानगी स्त्री० [फा.] एकता; मेळ (२) मैत्री
एजेन्ट पुं० [इं.] एजन्ट; आडतियो
एजेन्सी स्त्री० [इं.] आडत (२) एजन्टनी जगा

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

एड़(-ड़ी) स्त्री० एडी [संपादनकार्य
एडिटर पुं० [सं.] संपादक. **-री** स्त्री०
एड़ी स्त्री० जुओ 'एड़'
एड़ीकाँग पुं० [इं.] सेनापति इ० नी तहेनातमां हाजर रहेनार कर्मचारी
एतक़ाद पुं० [फा.] विश्वास
एतदाल पुं० [अ.] बराबरी; समानता
एतना वि० (प.) 'इतना'; आटलुं
एतबार पुं० [अ.] इतबार; भरोंसो. **-उठना**=विश्वास जतो रहेवो. **-करना, मानना**=विश्वास करवो. **-खोना**=विश्वास खोवो-गुमाववो
एतमाद पुं० [अ.] विश्वास; भरोंसो
एतराज़ पुं० [अ.] वांधो; विरोध
एतवार पुं० 'इतवार'; आतवार
एता वि० (प.) 'इतना'; आटलुं
एतिक वि० स्त्री० (प.) आटली
एरंड पुं० [सं.] एरंडो. **०ककड़ी** स्त्री०, **०खरबूजा** पुं० एरणकाकडी; पपैयुं
एराक़ पुं० [अ.] इराक देश
एलची पुं०[तु.] राजदूत; एलची. **०गीरी** स्त्री० एलचीनुं काम
एला स्त्री० [सं.] इलायची
एवं अ० [सं.] एम (२) अने
एवज़ पुं० [अ.] अवेज; वदलो
एवज़-मुआवज़ा पुं०[फा.] अदलोबदलो
एवज़ी स्त्री० अवेजी माणस
एह स० (प.) 'यह'; आ
एहतमाम पुं० [अ.] जुओ 'इहतिमाम'
एहतमाल पुं०[अ.] सहन करवुं ते (२) आशंका; संदेह
एहतियाज पुं०[अ.] जरूरियात; हाजत
एहतियात स्त्री०[अ.] सावधानी; खबरदारी; संभाळ (२) परेज
एहसान पुं० [अ.] 'अहसान'; उपकार; कृतज्ञता; आभार
एहसानफ़रामोश पुं० [अ.] कृतघ्न; अहेसान भूली जनार
एहसानमन्द वि० [अ.] कृतज्ञ
एहो अ० हे; ए

ऐ

ऐँ अ० 'एं' एवो, न सांभळयुं होय त्यारे फरी पूछवाना उद्गार
ऐँचना स०क्रि० एंचवुं; खेंचवुं (२) बीजानुं करज पोते ओढवुं
ऐँचाताना वि० ऐंचाताणुं; बाड़ुं
ऐँचातानी स्त्री० खेंचताण; पोतपोताना पक्षनुं ताणवुं ते [ओळवुं (माथुं)
ऐँछना स० क्रि० (प.) 'ऊँछना';
ऐँठ स्त्री० एंट; ठसकी; अकडाई (२) गर्व (३) विरोध; द्वेष
ऐँठन स्त्री० लपेट; वळ; आमळ
ऐँठना स०क्रि० मरोडवुं; आमळवुं (२) छळथी के डरावीने वसूल करवुं (३) अ०क्रि० वळ चडवो; अमळावुं (४) अकडावुं; अक्कड थई जवुं. (**पेट ऐँठना**=पेट दुखवुं) (५) पतराजी-घमंड करवो (६) सीधी वात न करवी; वांकुं बोलवुं
ऐँठा पुं० दोरडाने वळ देवाने लाकडानी एक बनावट-ओजार

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

एँठू वि० मिजाजी;अभिमानी;एँ'ठ'वाळुं
एँड़ पुं० 'एँठ'; ठसकी; गर्व (२) पाणीनो भमरो (३) वि० नकामुं
एँड़दार वि० घमंडी
एँड़ना अ०क्रि० 'एँठना' अ०क्रि० जुओ (२) स०क्रि० आमळवुं (३) 'अँगड़ाना'; आळस काढवी (४)आळसु पडचा रहेवुं
एँड़बेँड़ वि० (प.) वांकुंचूकुं; 'एँड़ाबेँड़ा'
एँड़ा वि० (स्त्री०-ड़ी) वांकुं
एँड़ाना अ० क्रि० आळस खावी (२) एंट देखाडवी
एँड़ा-बेँड़ा वि० वांकुंचूकुं
ऐं अ० ए; हे; अयि
ऐक्य पुं० [सं.] एकता
ऐगुन पुं० (प.) अवगुण
ऐच्छिक वि०[सं.]इच्छानुसार;मरजियात
ऐज़न वि० [अ.] एजन; एनुं ए ज; उपर मुजब
ऐज़ाज़ पुं० [अ.इअज़ाज़] आदर;सन्मान
ऐतिहासिक वि० [सं.] इतिहास संबंधी के तेमां मळतुं (२) इतिहास जाणनार
ऐदाद स्त्री० [अ. अअदाद] 'अदद'नुं ब०व०; संख्या; गणना
ऐन पुं० अयन; घर (२) [अ.] आंख (३) वि० [अ.] योग्य; ठीक (४) बरोबर; पूरेपूरुं
ऐनक स्त्री० [अ. ऐ=आँख] चश्मां
ऐपन पुं० चोखा ने हळदर भेगां वाटीने करातुं एक पीठी जेवुं लेपन (पूजामां वपराय छे.)
ऐब पुं० [अ.] एब; दोष; कलंक. -निकालना=कशामां दोष बतावववो. -लगाना=कलंक लगाडवुं
ऐबक पुं० [फा.] दास; गुलाम
ऐब-गो वि० [फा.] निंदक; एब कहेनारुं
ऐब-गोई स्त्री० [अ.+फा.] निंदा
ऐब-जो वि० [अ.+फा.] दोषदृष्टिवाळुं; एब-दोष जोया करनारुं; छिद्रान्वेषी
ऐब-जोई स्त्री० [अ.+फा.] दोषदृष्टि; छिद्र जोवां ते
ऐब-पोश स्त्री० [अ.+फा.] एब ढांकनारुं
ऐबी वि० [अ.] एबवाळुं (२) काणुं के बीजी रीते खोडवाळुं
ऐमाल पुं० [अ.] काम; करणी
ऐया स्त्री० डोसी के दादीमा
ऐयाम पुं० [अ.] समय; वखत. -से होना=स्त्रीने अटकाव आववो
ऐयार पुं० [अ.] चालाक; उस्ताद
ऐयारी स्त्री० चालाकी; पक्काई; उस्तादी
ऐयाश वि० [अ.] आरामी; विलासी (२) विषयी; कामी
ऐयाशी स्त्री० भोगविलास; एशआराम
ऐरा-ग़ैरा वि० [अ.] अजाण्युं (२) तुच्छ; हीन
ऐराब पुं० [अ.] झेर, झबर, पेश इ०संज्ञा
ऐरावत पुं० [सं.] ऐरावत हाथी (२) वीजळी के तेथी चमकतुं वादळ (३) इंद्रधनुष [करवुं ते
ऐलान पुं० [अ. इ-अलान] घोषणा; प्रगट
ऐवान पुं० [फा.] महेल (२) मोटो ओरडो-हॉल
ऐश,०आराम पुं० [अ.] एशआराम; चेन
ऐश्वर्य पुं० [सं.] वैभव; संपत्ति (२) प्रभुत्व
ऐसा वि० (स्त्री०,-सी) आवुं; आवो जातनुं. -तैसा, वैसा=सामान्य; मामूली. ऐसी तैसी करना=खराब के बेआबरू करवुं
ऐसे अ० आम; आ रीते [संसारनुं
ऐहिक वि० [सं.] आ लोकनुं; दुन्यवी;

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ओ

ओं अ० हां; आं (२) ओम्; ॐ
ओंकार पुं० ओम् मंत्र
ओंगना स० क्रि० (गाडीनुं पैडुं) ऊंजवुं
ओंठ पुं० होठ; 'होंठ.' –चबाना=क्रोध अने दुःख प्रगट करवुं
ओंड़ा वि० (प.) ऊंडुं (२) पुं० खाडो
ओक स्त्री० ऊलटी; ओकवुं ते (२) पुं० खोबो; अंजलि (३) [सं.] घर
ओकना अ० क्रि० ओकवुं (२) आरडवुं
ओकाई स्त्री० ओकवुं ते
ओखली स्त्री० [सं. उलूखल] खांडणियो. –में सिर देना=कष्ट सहवा तैयार थवुं
ओखा वि० रूखुं; सूकुं (२) कठण; अटपटुं (३) खोटुं; भळतुं (४) आछुं (५) पुं० (प.) वहानुं
ओघ पुं० [सं.] समूह; ढगलो
ओछा वि० (स्त्री०–छी) तुच्छ; क्षुद्र; नीच (२) छछरुं; ऊंडुं नहि (३) हलकुं; नानुं (४) कम; ओछुं
ओछाई स्त्री० 'ओछापन' ('ओछा' जुओ)
ओज पुं० ओजस; तेज
ओजस्वी वि० [सं.] तेजस्वी; प्रभावशाळी. –स्विता स्त्री०
ओझ, ओझर पुं० ओझरी; पेट
ओझल पुं०; स्त्री० ओझल; एकांत (२) आड (३) पडदो. –करना=संताडवुं. –होना=संतावुं; पडदा पाछळ थवुं
ओझा पुं० [सं. उपाध्याय] (स्त्री० ओझाइन) एक जातनो ब्राह्मण (२) भूत काढनार; भूवो
ओझाई स्त्री० भूवानो कामधंधो
ओट स्त्री० आड; ओथ
ओटना स० क्रि० लोढवुं (२) एकनी एक वात कूटवी
ओटनी, ओटी स्त्री० लोढवानो चरखो
ओठँगना अ० क्रि० अठींगवुं; टेकवुं
ओठँगाना स०क्रि० टेकववुं (२) बारणुं वासवुं
ओड़न पुं० ढाल
ओड़ना स०क्रि० ओडवुं; रोकवुं; वारण करवुं (२) हाथ ओडवो; धरवुं; पसारवुं
ओड़ा पुं० मोटो टोपलो (२) खोट; कमी; तोटो
ओढ़ना स० क्रि० ओढवुं (२) पोता पर जवाबदारी लेवी (३) पुं० ओढवानुं वस्त्र
ओढ़नी स्त्री० ओढणी
ओढ़र पुं० बहानुं
ओढ़ाना स० क्रि० ओढाडवुं
ओत स्त्री० आराम (२) लाभ; बचत (३) आळस (४) वि० [सं.] वणेलुं
ओतप्रोत वि० [सं.] एकमेकमां मळी गयेलुं (२) पुं० ताणोवाणो (३) साटुं (लग्ननुं)
ओता,–तो,–त्ता वि०(प.)'उतना';एटलुं
ओद(–दा) वि० भीनुं
ओदन पुं०[सं.] भात; रांधेला चोखा
ओदा वि० जुओ 'ओद'
ओदारना स० क्रि० चीरवुं; फाडवुं; [विदारवुं
ओनचन स्त्री० खाटलानी पांगथनी खेंचवानी दोरी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ओनचना स०क्रि 'ओनचन' खेंचवी

ओना पुं० तळावनुं पाणी नीकळवानो मार्ग – गरनाळुं. **–लगना** = तळाव एटलुं भरावुं के 'ओना' थी पाणी नीकळवा लागे

ओनामासी स्त्री०[ॐ नमः सिद्धम्]भण-तरनो आरंभ (२) प्रारंभ; मंगळाचरण

ओप स्त्री० ओप (चमक; शोभा; ढोळ)

ओपची पुं० बखतरवाळो योद्धो;रक्षक

ओपचीख़ाना पुं० चोकी

ओपना स०क्रि० (२) अ०क्रि० ओपवुं

ओफ़ अ० जुओ 'उफ़'

ओबरी स्त्री० नानुं घर; कोटडी

ओरंगोटंग पुं०(मलाया. ओरंग=मनुष्य+ ऊटन=वन) उरांगउटांग

ओर स्त्री० [सं. अवार] बाजु; तरफ (२) पक्ष (ज्यारे आनी पूर्वे संख्यावाचक वि० आवे छ त्यारे पुं०मां उपयोग थाय छे. उदा० घरके चारों ओर) (३) अंत; आरो. **–निभाना या निबाहना** =अन्त सुधी पोतानुं कर्तव्य पूरुं करवुं

ओरहा पुं० 'होरहा', चणानो छोड के पोपटो

ओरा पुं० (प.) 'ओला;' करा

ओराना अ० क्रि० पूरुं थवुं

ओराहना पुं० जुओ 'उलाहना'

ओरी स्त्री० 'ओलती'; नेवुं

ओलंदेज(-जी) वि० होलॅन्डनुं; फिरंगी; वलंदानुं

ओलंबा,-भा पुं० उपालंभ; महेणुं

ओल वि० [सं.] भीनुं (२) पुं० सूरण (३) स्त्री० गोद (४) आड (५) ओथ; शरण (६) बहानुं

ओलती स्त्री० छापरानुं नेवुं

ओला पुं० 'ओरा'; करा (२) एक मीठाई (३) वि० खूब ठंडुं

ओलाहना पुं० जुओ 'उलाहना'

ओलियाना अ० क्रि० गोदमां भरवुं (२) स० क्रि० घुसाडवुं; ठांसवुं; हुलावी देवुं

ओली स्त्री० 'ओल'; गोद (२)पालव (३) झोळी

ओषधि, –धी स्त्री० [सं.] औषध; दवा

ओष्ठ पुं० [सं.] होठ

ओस स्त्री० झाकळ. **–पड़ना या पड़ जाना**= चीमळावुं (२) उमंग जतो रहेवो (३) शरमिंदा पडवुं [भेंस

ओसर(–रिया) स्त्री० जोटडुं; जुवान

ओसरा पुं०, **–री** स्त्री० वारी; अवसर

ओसाई स्त्री० फटकथी अनाज ऊपणवुं ते के तेनी मजूरी [ऊपणवुं

ओसाना स० क्रि० फटकथी अनाज

ओसार पुं० फेलावो; विस्तार; पहोळाई

ओसारा पुं० ओसारो; मोटी ओसरी

ओसारी स्त्री० ओसरी

ओसीसा पुं० 'उसीसा'; ओसीकुं

ओह अ० आश्चर्य, दुःख इ० नो उद्‌गार; ओह! अरे!

ओहदा पुं० [अ.] होद्दो

ओहदेदार पुं० [फ.] होद्देदार [–पडदो

ओहार पुं० रथ पालखी वगेरेनो ओढो

ओहो अ० आश्चर्य के आनंदनो उद्‌गार

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

औ

औंगना स० क्रि० (गाडी) ऊंजवी; 'ओंगना'

औंगा वि० [सं. अवाक्] मूगुं; मूक

औंगी स्त्री० मूगापणुं; चूपकी

औंघ(–घा)ना अ० क्रि० 'ऊँघना'; ऊंघमां झोकुं खावुं.

औंघाई स्त्री० ऊंघतुं झोकुं

औंजना अ० क्रि० 'ऊबना'; अकळावुं

औंठ स्त्री० किनार; कांठो

औंड़ा वि० (स्त्री० –ड़ी) ऊंडुं

औंधना अ० क्रि० ऊंधुं थवुं; ऊलटावुं (२) स० क्रि० उलटाववुं

औंधा वि० (स्त्री० –धी) ऊंधुं. **औंधी खोपड़ीका**=मूर्ख; जड. **औंधे मुंह गिरना**=बरोबर फसावुं (२) भूल करवी

औंधाना स० क्रि० 'औंधना' नुं प्रेरक

औक़ात पुं० [अ. 'वक़्त'नुं ब०व०] समय; वखत (२) स्त्री० शक्ति; गजुं. **–बसर करना**=जीवननिर्वाह करवो

औंगी स्त्री० दोरीनो कोरडो (२) बळदनो परोणो (३) जानवरने फसाववा माटे करातो खाडो

औगुन पुं० (प.) अवगुण

औघड़ पुं० [सं. अघोर] (स्त्री –ड़िन) अघोरी पंथनो माणस (२) मनस्वी; मोजी माणस (३) वि० ओघड; अवघड; विचित्र [अनोखुं

औघर वि० अवघड; विचित्र (२)

औचक अ० अचानक; एकाएक

औचट अ० 'औचक'; अचानक (२) अजाणमां; भूलमां (३) स्त्री० उचाट; सांकड; मुश्केली

औचित वि० (प.) निश्चित; बेफिकर

औचित्य पुं० [सं.] उचितता; योग्यता

औज पुं० [अ०] ऊंचाई (२) प्रताप; तेज; ओजस

औजड़ वि० (प.) अनाडी

औज़ार पुं० [अ.] ओजार

औझड़(–र) अ० लगातार; निरंतर

औटना स० क्रि० उकाळवुं (२) अ० क्रि० ऊकळवुं

औटाना स० क्रि० उकाळवुं

औढर वि० गमे तेम ढळी जाय एवुं; ढोचका जवुं

औथरा वि० (प.) छछरुं; 'उथला'

औदार्य पुं० [सं.] उदारता

औद्योगिक वि० [सं.] उद्योग संबधी

औध पुं० (प.) अवध; अयोध्या

औध,–धि स्त्री० (प.) अवधि; सीमा

औना पौना वि० अर्धुपोणुं; थोडुं घणुं (२) अ० ओछुंवत्तुं करीने. **औने पौने करना**=जेटलुं मळे तेटलामां वेची देवुं; फटकारी मारवुं

औपचारिक वि० [सं.] उपचार संबंधी (२) केवळ उपचार पूरतुं

औपनिवेशिक वि० [सं.] उपनिवेश–संस्थान विषेनुं

औपन्यासिक वि० [सं.] उपन्यास–नवलकथा विषेनुं (२) अद्‌भुत (३) पुं० नवलकथाकार

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

औम स्त्री० [सं. अवम] क्षयतिथि
और अ० अने (२) वि० बीजुं (३) अधिक. **–का और**=कांईनुं कांई. **–क्या**=हा, बरोबर ए अर्थनो उद्‌गार
औरत स्त्री० [अ.] ओरत; स्त्री
औरेब पुं० वक्र गति (२) कपडानो वांको काप (३) पेच; छळ; युक्ति
औलाद स्त्री० [अ.] ओलाद; वंश
औला मौला वि० मोजी; धूनी; मनस्वी
औलिया पुं० [अ. 'अली' नुं ब० व०] ओलियो; सिद्ध; पीर [सर्वश्रेष्ठ
औवल वि० [अ.] अवल; प्रथम; मुख्य;
औषध,–धि स्त्री० दवा; ओसड
औसत पुं० [अ.] सरासरी (२) वि० मध्यम; साधारण
औसतन् अ० [अ.] सरेराशे
औसना अ० क्रि० गरमी पडवी (२) सडवुं; वासी थई बगडवुं
औसर पुं० (प.) अवसर
औसान पुं० (प.) अवसान; अन्त (२) परिणाम (३) [फा. सूधबूध; होश
औसाफ़ पुं० [अ.] सद्‌गुण के खास गुण
औसेर स्त्री० (प.) जुओ 'अवसेर'
औहाती वि०स्त्री०(प.)जुओ 'अहिवाती'

क

कं पुं० [सं.] पाणी (२) सुख (३) अग्नि (४) काम
कंक पुं० [सं.] एक पक्षी
कंकड़(–र) पुं० [सं. कर्कर] कांकरो; कंकर (२) गांगडो
कंकड़ी स्त्री० कांकरी (२) गांगडी
कँकड़ी(-री)ला वि०कांकराळुं;कांकरावाळुं
कंकण(-न) पुं० हाथनुं कंकण
कंकरीट स्त्री० [इं. कॉन्क्रीट] कांकरेट
कँकरीला वि० जुओ 'कँकड़ीला'
कंकाल पुं० [सं.] हाडपिंजर
कंकाली पुं० एक नीच जाति (२) वि० कर्कशा (स्त्री)
कँखवारी स्त्री० वगलमां थतो फोल्लो
कँखौरी स्त्री० 'काँख'; बगल (२) जुओ 'कँखवारी'
कंगन पुं० कंकण. **–को आरसी क्या?** =प्रत्यक्ष वातनो पुरावो शा माटे ?
कँगना पुं० कंकण (२) कंकण बांधतां के छोडतां गवातुं गीत
कँगनी स्त्री० नानुं कंकण (२) कांगरी (३) दांतो के दांतावाळुं गोळ चक्कर; 'कॉग-व्हील' (४) स्त्री० कांग अनाज; चीणो
कंगला, कंगाल वि० कंगाळ; गरीब
कंगाली स्त्री० कंगालियत
कँगूरा पुं० कांगरो; शिखर; टोच (२) किल्लानो बुरज
कंघा पुं० कांसको (२) फणी; 'कंघी'. **–करना**=वाळ ओळवा
कंघी स्त्री० नानी कांसकी (बे बाजु दांतवाळी) (२) फणी. **–चोटी करना** =माथुं ओळी करी सजवुं
कँघेरा पुं० [स्त्री० **–रिन**] 'कंघा' बनावनार
कंचन पुं० कंचन; सोनुं (२) एक जिप्सी जेवी जात जेमनी स्त्रीओ ायः

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

गुणकानुं काम करे छे. –का कौर खिलाना=खूब प्रेमथी राखवुं.–बरसना =खूब धन मळवुं [विश्या

कंचनी स्त्री० कंचन जातनी स्त्री (२)

कंचुक पुं०[सं.] जामो (२) वस्त्र (३) बखतर (४) सापनी कांचळी

कंचुकी स्त्री० [सं.] चोळी (२) पुं० अंत:पुरनो रक्षक (३) साप

कँचुरि,–ली स्त्री०(प.) सापनी कांचळी

कँचेरा पुं० [स्त्री० –रिन] काचकाम करनारो

कंज पुं० [सं.] कमळ (२) ब्रह्मा

कंजई वि० राखोडी, रंगनुं

कंजड़(–र) पुं० एक रानीपरज(दोरडां भागवां वगेरे काम करे छे)

कंजा पुं० [सं. करंज]एक जातनी कांटाळी झाडी (२) वि० राखोडिया रंगनुं (३) ते रंगनी आंखवाळुं; भूखरी आंखवाळुं [कंजूसाई

कंजूस वि० कृपण; पाजी. –सी स्त्री०

कंटक पुं० [सं.] कांटो (२) विघ्न (३) रोमांच

कंटकित वि० [सं.] कांटावाळुं (२) पुलकित; रोमांचित

कंटर पुं० [इं. डिकेन्टर] सुंदर (दारू वगेरेनो) शीशो

कंटाइन स्त्री० भूतडी; डाकण (२) वढकणी स्त्री; कर्कशा

कँटिया स्त्री० खीली (२) माछली पकडवानो आंकडो (३) कूवामां नाखवानी बिलाडी (४) माथानुं एक घरेणुं

कँटीला वि० कांटावाळुं

कंटूनमेन्ट स्त्री० [इं.] छावणी; कॅम्प

कंटोप पुं० कानटोपी

कंट्रैक्ट पुं० कंट्राक्ट; ठेको

कंठ पुं० [सं.] गळुं (२) अवाज (३) कांठो; तट. –करना=मोढे करवुं. –खुलना=गळुं खूलवुं; अवाज बरोबर नीकळवो. –फूटना=गळुं खूलवुं (२) हैडियो फूटवो. –बैठना=गळुं के अवाज बेसवो

कंठमाळा स्त्री० [सं.] कंठमाळनो रोग

कंठा पुं० कांठलो (२) कपडानो कॉलर (३) कंठो; मोटी कंठी

कंठाग्र वि० कंठस्थ; मोढे

कंठी स्त्री० कंठी. –देना या बाँधना= कंठी बांधवी; चेलो करवो.–लेना= वैष्णव थवुं; मद्य-मांस छोडवुं

कंडरा पुं० एक शाक (२) स्त्री० [सं.] धोरी नस

कंडा पुं० छाणुं. –होना=सुकावुं; दूबळुं पडवुं (२) मरी जवुं

कंडाल पुं० एक वाद्य; तूरी (२) [सं. कंडोल] धातुनुं पाणीनुं एक वासण

कंडी स्त्री० नानुं छाणुं

कंडील स्त्री० [अ. कंदील] दीवो (२) (दिवाळीमां) शोभानो करातो कागळनो दीवो

कंडीलिया स्त्री० दीवादांडी

कंत(–थ) पुं० (प.) कंथ; स्वामी

कंथा स्त्री० [सं.] गोदडी

कंथी पुं० कंथावाळो; साधु

कंद पुं० [सं.] कंदमूळ (२) [फा.] साकर

कंदरा स्त्री० [सं.] गुफा

कंदर्प पुं० [सं.] कामदेव

कंदला पुं० सोनाचांदीनी चीप के तार

कंदा पुं० कंद (शकरियुं के अळवी)

क़ंदील स्त्री० [अ.] 'कंडील'; दीवो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

कंदुक पुं० [सं.] दडो (२) उशीकुं (३) सोपारी (४) एक वर्णबंध

कँदैला वि० मलिन; गंदुं ['करधनी'

कँदोरा पुं०, कंधनी स्त्री० कंदोरो;

कंध पुं० (प.) डाळी (२) 'कंधा'; खभो

कंधा पुं० स्कंध; खभो. –डाल देना, –डालना = वळदे झूंसरुं उतारवुं (२) नाहिंमत थवुं के थाकवुं. –देना = ठाठडी ऊंचकवी (२) मदद करवी. कंधेसे कंधा छिलना = खूब भीड होवी

कंधार पुं० कंदहार नगर

कंधावर स्त्री० झूंसरी (२) खेस

कँधेला पुं० साडीनो खभा परनो छेडो

कंप पुं० कॅम्प (२) [सं.] कंप; कांपवुं ते

कँपकँपी स्त्री० कंपारी; कमकमी

कंपन पुं० [सं.] कांपवुं ते; कंप

कँपना अ० क्रि० कंपवुं (२) डरवुं

कंपनी स्त्री० [इं.] वेपारी मंडळी; कपनी. –कागद = चलणी नोट

कंपा पुं० पक्षी पकडवानी वांसनी एक बनावट

कँपाना स० क्रि० कंपाववुं (२) डराववुं

कंपास पुं० [इं.] होकायंत्र (२) वर्तुल दोरवानो कंपास [ते

कंपू पुं० कॅम्प; छावणी; कंपु

कंपोज पुं० [इं.] छापवाने बीबां गोठववां

कंपोजिटर पुं० [इं.] बीबां गोठववानुं काम करनार

कंपौंडर पुं० [इं.] दवा बनावी आपनार कंपाउन्डर

कंवल पुं० [सं.] कामळो; धाबळो

कँवल पुं० कमळ

कँवल-गट्टा पुं० कमळकाकडीनुं बी

कंस पुं० [सं.] कांसुं के तेनुं वासण (२) प्यालो (३) मंजीरा (४) कंस मामो

हिं–६

कई वि० कंई; केटलुंक

ककड़ी (–री) स्त्री० काकडी. –के चोरको कटारीसे मारना = कीडी पर कटक आणवुं; जरा दोषनी भारे शिक्षा करवी

ककनी स्त्री० जुओ 'कँगनी' (२) एक मीठाई [वर्णमाळा

ककहरा पुं० कक्को; क थी ह सुधीनी

ककोड़ा, –रा पुं० कंकोडुं; 'खेखसा'

ककोरना स० क्रि० कोरवुं; खोतरवुं

कक्कड़ पुं० सूको (चलममां पीवानो)

कक्का पुं० प्राचीन केकय देश (२) नगारुं (३) काको

कक्ष पुं० [सं.] काख; बगल (२) कक्षा; दरज्जो (३) कंदोरो

कक्षा स्त्री० [सं.] कक्षा; श्रेणी; दरज्जो (२) सरखामणी (३) काख; बगल (४) काछडो

कखौरी स्त्री० जुओ 'कँखोरी'

कगर पुं० ऊंचो किनारो (२) कांगरी (३) कोर; किनार (४) अ० किनारा पर (५) पासे

कगार पुं० 'कगर'; (नदीनो) ऊंचो किनारो (२) टेकरो

कच पुं० [सं.] वाळ (२) कुस्तीनो एक दाव (३) 'कच' एवो कापवा के भोंकवानो रव; कच; भच (४) वि० 'कच्चा'नुं समासमां आवतुं रूप उदा० 'कचपेंदिया'

कचक स्त्री० कचडावाथी वागवुं ते

कचकच पुं० कचकच; बकवाद

कचकचाना अ० क्रि० कचकचवुं (२) दांत कचकचाववा – पीसवा

कच (–ज) कोल पुं० भिक्षापात्र

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

कचद्दिला वि० पोचा दिलनुं; न जीरवी शके एवुं [कचपच; कचकच

कचपच पुं० गीचोगीच होवुं ते; भीड(२)

कचपची(-चिया) स्त्री० कृत्तिका नक्षत्र

कचपेंदिया वि० काचा तळियानुं (२) अस्थिर मननुं [परिवार

कचबच पुं० 'कच्चेबच्चे'; बच्चांकच्चां;

कचर कचर पुं० कचर कचर चाववानो अवाज (२) कचकच

कचरकूट पुं० खूब कूटवुं–मारवुं ते (२) खूब पेट भरीने भोजन

कचरना स०क्रि० [सं. कच्चरण] पगथी कचडवुं; दवाववुं [(३) कचरो

कचरा पुं० काकडी (२) काचुं खडबूचुं

कचरी स्त्री० एक वेल जेनां फळ खावामां आवे छे

कचलोंदा पुं० कणकनो लूओ

कचलोहू पुं० दूझता घामांथी झरतुं पाणी

कचवाँसी स्त्री० जमीननुं एक माप

कचवाट स्त्री० कचवाट; खेद; अणगमो

कचहरी स्त्री० कचेरी. **–चढ़ना**=अदालते मामलो लई जवो. **–लगना**=दरबार भरावों; ठठ जामवी [कचाश

कचाई स्त्री० काचापणुं(२)कम अनुभव;

कचारना स०क्रि० कपडांने (कचरी धीवीने) धोवां

कचालू पुं० एक कंद (२) एक जातनी तेनी वानी. **–करना, –बनाना**= खूब पीटवुं

कचिया पुं० दातरडुं

कचियाना अ०क्रि० हिंमत हारवुं; पाछुं पडवुं (२) शरमावुं

कचूमर पुं० कचुंबर. **–करना, निकालना** =खूब कूटवुं, पीटवुं (२) नाश करवुं

कचोना स०क्रि० घच दईने खोसवुं, भोंकवुं

कचोरा पुं० कटोरो; प्यालो

कचौड़ी(-री) स्त्री० अडदनी दाळ वगेरेना पूरणनी एक प्रकारनी पूरी

कच्चा वि० काचुं (२) पुं० काचो खरडो (३) जडबुं; दाढ. **–करना**= जूठुं सावित करवुं (२) शरमाववुं. **–पड़ना**=जूठुं ठरवुं. **कच्चे जीका होना**=गभरावुं

कच्चा-चिट्ठा पुं० खरेखरी वात; रहस्य; गुप्त भेद [वगरनो हाथ

कच्चा हाथ पुं० काचो–आवडत

कच्ची वि० स्त्री० काची (२) स्त्री० काची रसोई. **–गोली खेलना**=नादान होवुं [खांड

कच्ची चीनी स्त्री० ओछी साफ करेली

कच्ची पक्की स्त्री० गाळ

कच्ची बही स्त्री० काचो चोपडो [वात

कच्ची बात स्त्री० अश्लील-लज्जाजनक

कच्ची रसोई स्त्री० दाळभात जेवी पाणीनी–बोटाय एवी रसोई

कच्चे पक्के दिन पुं० चार पांच मासनो गर्भकाळ (२) बे ऋतु वच्चेनो गाळो

कच्चे बच्चे पुं० कच्चांबच्चां;छोकरांछैयां

कच्छ पुं० [सं.] कछोटो (२) काचबो (३) कच्छ प्रदेश [काचबी)

कच्छप पुं० [सं.] काचबो (स्त्री०**–पी**=

कछनी स्त्री० काछडो. **–काछना, –बांधना, –मारना**=काछडो मारवो

कछान(-ना) पुं० काछडो

कछार पुं० [सं. कच्छ] समुद्र के नदी-किनारानी कांपवाळी जमीन

कछु(०क) वि० (प.) 'कुछ'; कांई

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

कछुआ, –वा पुं० काचवो
कछुई स्त्री० काचबी
कछोटा, कछौटा पुं० 'कछनी'; काछडो; कछोटो [दोष; खोड
कज पुं० [फा.] वक्रता; वांकापणुं (२)
कजरा पुं० काजळ (२) वि० काळी आंखवाळो (बळद)
कजरारा वि० काजळवाळुं (२) काळुं
कजलाना अ०क्रि० [हिं. काजल] काळुं पडवुं (२) (देवता) कजळावो; बुझावुं (३) स०क्रि० मेश आंजवी
कजली स्त्री० मेश (२) गंधक ने पारानी कजली (३) एक प्रकारनुं (वर्षानुं) गीत
कजलौटा पुं० काजळनी डबी
क़ज़ा स्त्री० [अ.] मरण (२) नसीब (३) नमाज के रोजानो समय चूकवो ते. –करना = मरवुं
क़ज़ा(–ज़्ज़ा)क़ पुं० [तुर्की] लूंटारु; कजाक. –क़ी स्त्री० लूंट (२) दगो; छळकपट
कजावह [फा.], कजावा पुं० ऊंटनो काठडो
क़ज़िया पुं० [फा.] कजियो; झघडो (२) कोर्टनो झघडो. –पाक होना = कजियो पतवो [दोष; खोड
कजी स्त्री० [फा.] 'कज'; वक्रता (२)
कज्जल पुं० [सं.] काजळ; मेश
क़ज़्ज़ाक़ पुं०, –क़ी स्त्री० जुओ 'क़ज़ाक़'
कटक पुं० [सं.] फोज; सेना (२) कडुं; कंकण (३) चटाई; सादडी
कटकई स्त्री० (प.) फोज; कटक
कटकट स्त्री० दांतोनो कटकट अवाज (२) कचकच; झघडो
कटकटाना अ०क्रि० दांत कटकटाववा
कटखना वि० करडे एवुं (२) पुं० युक्ति
कटघरा पुं० लाकडानुं (जेवुं के, –कठेरा– वाळुं साक्षी माटे कोर्टमां होय छे) पांजरुं
कटड़ा पुं० भेंसनुं पाडुं
कटती स्त्री० वेचाण; खपत
कटना अ०क्रि० कपावुं (२) वीतवुं (३) शरमावुं; झंखवाणुं पडवुं ('जाना' नी साथे). कटती कहना = कोईनुं कापतुं –तेने घसातुं कहेवुं
कटनी स्त्री० कापवानुं ओजार के कापणी. –काटना = आमतेम नाशभाग करवी. –मारना = वैशाख जेठमां घास झांखरां खोदी काढवां (खेडवा पहेलां)
कटरा पुं० नानुं बजार (२) पाडुं
कटवाँ वि० कपातुं के कपायेलुं. –ब्याज पुं० कापतुं व्याज
कटवाना स० क्रि० कपाववुं
कटसरैया स्त्री० कांटासरियो
कटहरा पुं० जुओ 'कटघरा'
कटहल पुं० [सं. कंटकि फल] फणस
कटहा वि० [स्त्री० –ही] 'कटखना'; करडे एवुं [के मजूरी
कटाई स्त्री० कापवानुं – कापणीनुं काम
कटाकट पुं० कटकट अवाज (२) लडाई; कटाकट
कटाकटी स्त्री० मार-काट; कापाकापी
कटाक्ष पुं० [सं.] वक्र दृष्टि (२) कटाक्ष; व्यंग्य
कटान स्त्री० काटवुं ते (२) कापणी
कटाना स० क्रि० कटाववुं; कपाववुं
कटार, –री स्त्री० कटार हथियार
कटाव पुं० कापवुं के कापेलुं ते (२) कापी करीने बनावेल वेलबुट्टा
कटि स्त्री० [सं.] केड; कमर [कटिबंध
कटिबंध पुं० कमरपटो (२) पृथ्वीनो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

कटीला वि० [स्त्री० –ली] कांटाळुं (२) अणीदार (३) तीक्ष्ण (४) प्रभाव पाडे एवुं; तेजस्वी

कटु [सं.], ०क वि० कडवुं [के वेण

कटूक्ति स्त्री [सं.] कडवी – अप्रिय वाणी

कटोरदान पुं० रसोई ढांकी राखवानुं एक वासण; गरमुं [वाडको

कटोरा पुं० (–री स्त्री०) कटोरो;

कटौती स्त्री० कोई रकममांथी अमुक भाग धर्मादा काढवो ते; धर्मादा, लागो (२) दलाली (३) अंदाजपत्रमां मुकातो काप – 'कट'

कट्टर वि० करडे एवुं (२) कट्टर; चुस्त; दृढ (३) हठीलुं (४) अंधश्रद्धाळु

कट्टहा पुं० मरणने अंगेनुं दान लेनार ब्राह्मण; 'महाब्राह्मण'

कट्टा वि० हृष्टपुष्ट; 'हट्टा-कट्टा' (२) बळवान (३) पुं० जडबुं; 'कच्चा'

कट्ठा पुं० पांच हाथ चार आंगळ जेटलुं जमीननुं एक माप (२)काठा घउं

कठ पुं० समासमां आवतां (१) काठी, लाकडुं के (२) जंगली, हलकुं ए अर्थ बतावे छे, उदा० 'कठपुतळी; कठकेला' (३) [सं.] कठ ऋषि के एक उपनिषद्

कठकेला पुं० खासडियुं केळुं

कठकोला पुं० लक्कडफोडो; 'कठफोड़वा'

कठड़ा(–रा) पुं० जुओ 'कटरा' (२) जुओ 'कठौता'

कठताल पुं० करताल

कठपुतली स्त्री० काष्ठनी पूतळी (२) जेम नचावे एम नाचे एवी व्यक्ति

कठफोड़वा पुं० जुओ 'कठकोला'

कठबाप पुं० बीजो-सावको बाप

कठमलिया पुं०कंठी पहेरनार-वैष्णव(२) बग-भगत; जूठो साधु

कठमस्त(-स्ता) वि० पाडा जेवुं अलमस्त; हृष्टपुष्ट (२) व्यभिचारी. (–स्ती स्त्री०)

कठरा पुं० जुओ 'कठड़ा'

कठला पुं० मादळियुं के तेवी बच्चाने पहेरावाती माळा

कठवत स्त्री०, –ता पुं० जुओ 'कठौला'

कठिन वि० [सं.] कठण

कठिनता, कठिनाई स्त्री० कठणाई

कठिनी स्त्री० लखवानो चाक; खडी

कठिया वि० कठण (२) कठण कोटलावाळुं. उदा० 'कठिया बदाम, गेहूं'

कठियाना अ० क्रि० सुकाईने लाकडा जेवुं थई जवुं

कठैला, कठौता पुं० लाकडानुं एक पहोळुं मोटुं वासण; कथरोट

कठोर वि०[सं.] कठण(२)निर्दय;निष्ठुर

कठौता पुं० जुओ 'कठैला'. –ती स्त्री० नानी कथरोट

कड़क स्त्री० कडाको; गर्जना (२) चपळता; तडपवुं ते (३) दर्दनो चसको (४) रोकाईने बळतरा साथे पेशाब थवानो रोग

कड़कड़ पुं० कडकड अवाज

कड़कड़ाता वि० कडकड अवाज करतुं (२) तेज; प्रचंड

कड़कड़ाना अ०क्रि० कडकड अवाज थवो (२) (घी इ०) ककडवुं (३) स०क्रि० कडकड अवाज साथे तोडवुं (४) (घी इ०) ककडाववुं

कड़कड़ाहट स्त्री० ककडाट; कडकड अवाज

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

कड़कना अ०क्रि० कडकड अवाज करवो (२) जोरथी तडूकीने अवाज करवो (३) कडाका साथे फाटवुं के तूटवुं

कड़खा पुं० [हिं. कड़क] लडाईमां गावानुं युद्धगीत; कडखो

कड़खैत पुं० कडखद–कडखो गानार

कड़बड़ा वि० काळा ने धोळा वाळवाळुं

कड़बी स्त्री० जारनी कडब; 'कड़वी'

कड़वा वि० कडवुं; 'कड़ुआ'

कड़वी स्त्री० जुओ 'कड़वो'

कड़ा पुं० कडुं (२) वि० [सं. कडु] [स्त्री० –ड़ी] कठण (३) लूखुं (४) उग्र; सखत; दृढ (५) तेज; प्रचंड (६) मुश्केल; दुष्कर (७) असह्य (८) कर्कश

कड़ाई स्त्री० 'कड़ा'-पणुं

कड़ाका पुं० कडाको [लांघो (२) अवाज]

कड़ाकेका वि० जोरदार; तेज; खूब

कड़ाबीन स्त्री० [तु. कराबीन] नानी के नानी नाळनी बंदूक

कड़ाहा पुं० [सं.कटाह, प्रा.कडाह] कढैयुं

कड़ाही स्त्री० कड़ाई

कड़ी स्त्री० [हिं. कड़ा] सांकळनी एक कडी (२) कडी लटकाववानो आंकडो (३) गीतनी कडी (४) लगाम (५) मुश्केली; मुसीबत

कड़ुआ वि० [स्त्री० कड़ुई] कडवुं (२) क्रोधी (३) अप्रिय; कटु (४) कठण; 'कड़ा'. –करना = धन बगाडवुं. –घूँट = कडवो घूंटडो; कठण काम. –मुँह = कटु बोलनार मोढुं. –होना = गुस्से थवुं

कड़ुआ तेल पुं० सरसियुं

कड़ुआना अ०क्रि० कडवुं लागवुं (२) गुस्से थवुं (२) आंखमां कळतर थवुं

कड़ुआपन पुं०, **कड़ुआहट** स्त्री० कडवापणुं

कड़ुए कसैले दिन पुं० व० व० खराब–दुःख, पीडा के चिंताना दहाडा

कढ़ना अ०क्रि० [सं. कर्षण] नीकळवुं; बहार आववुं; उदय थवो (२) नातरे जवुं (३) (दूध) घाटुं थवुं – कढवुं

कढ़ाई स्त्री० कडाई; 'कड़ाहा' (२) 'कढ़ना' परथी नाम

कढ़वाना, कढ़ाना स० क्रि० कढाववुं ('काढ़ना' नुं प्रेरक)

कढ़ाव पुं० वेलबुट्टा काढवा ते

कढ़ी स्त्री० खावानी कढी. –का सा उबाल = क्षणिक जोशनो ऊभरो. –में कोयला = दाळमां काळुं

कढ़ोरना स०क्रि० (प.) खेंचवुं; घसडीने बहार काढवुं

कण पुं० [सं.] कण; दाणो. –णिका स्त्री० नानो कण

क़त पुं० [अ.] कत; कलमनो काप

कत अ० (प.) केम ? शा माटे ?

क़तई अ० [अ.] बिलकुल; एकदम; नितांत

कतना अ०क्रि० कंतावुं; 'कातना' नुं कर्मणि

कतन्नी स्त्री० 'कतरनी'; कातर

कतब पुं० जुओ 'कत्वा'

कतरन स्त्री० कातरवामांथी पडता रद्दी कापला–कापलीओ

कतरना स०क्रि० [सं. कर्त्तन] कातरवुं

कतरनी स्त्री० कातर; 'कैंची'

कतरब्योंत स्त्री० कापकूप; आम तेम करवुं ते (२) जोवुं विचारवुं ते; गडभांग

कतरवाना स०क्रि० कतराववुं; 'कतराना'

क़तरा पुं० [अ.] टुकडो; खंड (२) बुंद; बिंदु

कतराई स्त्री० कातरवानुं काम के तेनी मजूरी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

कतराना स०क्रि०कतराववुं(२)अ०क्रि० कतराता जवुं; वांका फंटावुं
क़तल पुं० [अ. क़त्ल] कतल; हत्या
क़तलबाज़ पुं० शिकारी; जल्लाद
क़तला पुं० [अ. क़तरा] खाद्यनो टुकडो; फांक (२) एक माछली
क़तलाम पुं० [अ. क़त्लेआम] सर्वसंहार; कतलेआम
क़तली स्त्री० नानो टुकडो (मीठाई वगेरेनो)
कतवाना स० क्रि० कंतावनुं
कतवार पुं० कूडोकचरो; रद्दी घास वगेरे
कतहुँ (–हूँ) अ० क्यांय; कोई जगाए
क़ता स्त्री०[अ. क़तअ] बनावट; आकार (२) ढंग (३) कपडानुं वेतरण; 'कट'
कताई स्त्री० कांतवुं ते के तेनी मजूरी
क़ता-कलाम पुं० [अ.] वातमां वच्चे कहेवा लागवुं–पडवुं ते
कताना स० क्रि० 'कतवाना'
क़तार स्त्री० [अ.] पंक्ति; हार (२) समूह; जूथ
कतारा पुं० लाल मोटी शेरडी
कति(०क,-तेक) त्रि० केटलुं; केवडुं
कतिपय वि० [सं.] केटलुंक
कतेक वि० जुओ 'कतिक'
कतौनी स्त्री० जुओ 'कताई'
कत्ता पुं० छरो; वांस फाडवानुं ओजार
कत्तिन स्त्री० (मजूरीपर)कांतनारी स्त्री
क़त्ती स्त्री० छरी; कटार
कत्थई वि० कथ्थाई (रंगनुं)
कत्थक पुं० गावा वजावा ने नचवानुं काम करती एक जात
कत्था पुं०° [सं. क्वाथ] काथो के तेनुं झाड
क़त्बा पुं० [अ.] (मकान मसीद वगेरे पर लखातो के कोतरातो) लेख
क़त्ल, क़त्लेआम पुं० [अ.] जुओ अनुक्रमे 'क़तल', 'क़तलाम'
कथंचित् अ० [सं.] कदाच
कथक पुं० [सं.] कथाकार (२) पुराणी (३) जुओ 'कत्थक'
कथकीकर पुं० काथानुं झाड
कथक्कड़ पुं० कथा कहेनार
कथना स०क्रि० कहेवुं
कथनी स्त्री० (प.) कथनी; वात (२) बकवाद
कथरी स्त्री० गोदडी; कंथा
कथा स्त्री० [सं.] कथा; वार्ता (२) धर्मनी कथा (३) खबर; हाल (४) वादविवाद; बोलाबोली
कथानक पुं० [सं.] कथा (२) नानी कथा
कथावस्तु स्त्री० [सं.] वार्तानुं वस्तु
कथित वि० [सं. कहेलुं; कहेवायेलुं
कथोपकथन पुं० [सं.] वातचीत (२) वादविवाद
कदंब पुं० एक झाड; 'कदम' (२) ढगलो
कद स्त्री० [अ. कद्द] द्वेष (२) हठ (३) अ० [सं. कदा] क्यारे
क़द पुं० [अ.] कद; ऊंचाई
क़द-आवर वि० [अ.+फा.] कदावर; ऊंचुं
कदम पुं० कदंबनुं झाड
क़दम पुं० [अ.] कदम; पगलुं. **–उठाना** =पग उपाडवा; जलदी चालवुं. **–निकालना** =(घोडाने) पलोटवो, केळववो. **–फरमाना, रंजा करना**= पधारवुं; आववानी के जवानी तस्दी लेवी. **–बढ़ाना**=पग उपाडवो (२) आगळ वधवुं. **-भरना**=चालवुं; पगलुं मांडवुं. **–मारना**=दोडधाम करवी; (चालवामां) खूब झपाटो मारवो. **-लेना**=चरणस्पर्श करवो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

क़दमचा पुं० [फा.] पग मूकवानी जगा, जेत्री के जाजरूमां
क़दमबोसी स्त्री० [अ.] मोटाने पगे लागवुं ते; तेमनी शुश्रूषा
क़दर स्त्री० [अ.] कदर; किंमत
कदरज वि० कदरज; कंजूस (२) पुं० एक पापीनुं नाम
क़दरदाँ(-दान) वि०गुणग्राही;कदरदान
कदराई स्त्री० कायरता; भीरुता
कदर्य वि० [सं.] कदरज; कंजूस
कदली स्त्री० [सं.] केळ
क़दह पुं० [अ.] कटोरो; वाडको
कदा अ० [सं.] क्यारे?
कदाच(-चि) अ० (प.) कदाच; रखेने
कदाचित् अ० [सं.] कदाच (२) क्यारेक
कदापि अ० [सं.] क्यारे पण (प्रायः नकार जोडे)
क़दामत स्त्री० [अ.] कदीमपणुं. **-पसंद** वि० जुनवाणी; 'कॉन्झर्वेटीव'
क़दीम(-मी) वि० [अ.] जूनुं; पुराणुं
कदू पुं० [फा.] जुओ 'कद्दू'
कदूरत स्त्री० [अ.] मेल; गंदापणुं (२) वैमनस्य; अणबनाव
क़द्दावर वि० [फा.] कदावर
कद्दू पुं० दूधी (तूमडा घाटनी) (२) कोळुं; 'कुम्हड़ा'
कद्दूकश पुं० [फा.] छीणी
कद्दूदाना पुं०[फा.] झाडामां नीकळता धोळा नाना अमुक कीडा
क़द्दे-आदम वि०[अ.]कदमां माणस जेटलुं
कधी अ० कदी. **-कधार**=कदी कदी
कन पुं० कण (२) प्रसाद (३) भिक्षान्न (४) शरीरशक्ति (५) समासमां 'कान' बदले आवे छे. उदा० 'कनपटी'

कनक पुं० घउंनी एक जात (२) घउंनो लोट (३) [सं.] सोनुं (४) धंतूरो
कनकटा पुं० कानकट्टो (२) कान कापी लेनारो [एक रोग
कनकटी स्त्री० काननी पाछला भागनो
कनकना वि० जरामां तूटी जाय एवुं; बरड (२) जरामां चिडाय एवुं; चीडियुं (३) खंजवाळ लागे एवुं (४) अरुचिकर. (नाम **०हट** स्त्री०)
कनकनाना अ०क्रि० खंजवाळ लागवी (२) न रुचवुं
कनकी स्त्री० कणकी [आनावारी
कनकूत पुं० खडो पाक आंकवो ते;
कनकौवा पुं० कनकवो; पतंग
कनखजूरा पुं० कानखजूरो
कनखियाना स०क्रि० त्रांसी नजरे जोवुं के आंखथी इशारो करवो
कनखी स्त्री० त्रांसी नजरे जोवुं ते (२) आंखनो इशारो. **-मारना**=आंखथी इशारो करवो के ना कहेवुं
कनखोदनी स्त्री०कानखोतरणुं-तेनी सळी
कनगुरिया स्त्री०(कानमां नंखाती) सौथी नानी आंगळी
कनछेदन पुं० कान वींधवा ते
कनटोप पुं० कानटोपी
कनपटी स्त्री० कान ने आंख वच्चेनी जगा; लमणो
कनफटा पुं० कानफटो; गोरखपंथी साधु
कनफुंका वि० [स्त्री० **-की**] कानमां मंत्र फूंकनार (गुरु)
कनफुसका वि०[स्त्री० **-की**] कानफूसियुं
कनफुसली स्त्री० कानफोसणी
कनरस पुं० संगीत के वातो सांभळवानो रस (वि० **-सिया**)

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

कनवास पुं० कॅन्वास कपडुं
कनसलाई स्त्री० नानो कानखजूरो
कनसार पुं० कंसारो
कनस्तर पुं०[इं. कॅनिस्टर] टिननो डब्बो
क़नाअत स्त्री०[अ.] संतोष (२) संयम (३) सबूरी; खामोशी
कनागत पुं० [सं. कन्यागत] श्राद्ध (२) श्राद्धनुं पखवाडियुं [जाडो पडदो
क़नात स्त्री० [अ.] तंबूनी कनात के
कनारी स्त्री० कानडी भाषा
कनियाँ स्त्री० गोद; खोळो
कनिष्ठ वि० [सं.] नानामां नानुं (२) छेक ऊतरतुं [आंगळी
कनिष्ठा,-ष्ठिका स्त्री० [सं.] टचली
कनी स्त्री० कणी (२) हीराकणी (३) कणकी (४) बुंद
कनीज़ स्त्री० [फा.] दासी; नोकरडी
कनीनिका स्त्री० [सं.] आंखनी कीकी (२) कन्या
कने अ० कने; पासे (२) तरफ; बाजु
कनेठा वि० काणुं (२) बाडुं
कनेठी स्त्री० कान आमळवो ते
कनेर पुं० करेण. **–रिया** वि० करेणना फूलना रंगनुं
कनौड़ा वि० काणुं (२) अपंग; खोडवाळुं (३) पुं० खरीदेलो दास (४) कृतघ्न माणस (५) नीच क्षुद्र आदमी
कनौती स्त्री० पशुनो कान के तेनो छेडो (२) काननी वाळी (३) कान ऊंचा करवानी रीत
कन्ना पुं० [सं. कर्ण, प्रा. कण्ण] पतंगनी कन्ना (२) क़िनार; कोर
कन्नी स्त्री० पतंगनी बे बाजु (२) कन्नी; पतंगनी लांबी पूंछडी (३) किनार. **–खाना या मारना**=(पतंगनुं) गिन्नावुं; कन्नावुं. **–देना**=पतंगने छूट आपवी
कन्या, –न्यका स्त्री० [सं.] कुंवारी छोकरी (२) दीकरी
कन्हाई, कन्हैया पुं० कृष्ण (२) प्रिय माणस (३) सुन्दर छोकरो
कपट पुं० [सं.] दगो; छळ (२) छुपाववुं ते
कपटना स० क्रि० कापी लेवुं; चातरवुं
कपटी वि० [सं.] कपट करे एवुं; दगाबाज
कपड़छ(–छा)न पुं० कपडाथी चाळवुं ते (२) वि० तेवी रीते चाळेलुं; अति बारीक [भंडार
कपड़द्वार पुं० वस्त्र भंडार; कापडनो
कपड़मिट्टी स्त्री० दवा बनाववाना पात्रनुं मोढुं बंध करवा कपडुं बांधी माटीनो लेप करवो ते
कपड़ा पुं० [सं. कर्पट, प्रा. कप्पट,–ड] कपडुं; वस्त्र. **कपड़े आना, कपड़ोंसे होना**=स्त्रीने मासिक धर्म आववो.
कपड़ा-लत्ता पुं० कपडांलत्तां
कपड़ौटी स्त्री० जुओ 'कपड़मिट्टी'
कपाट पुं० [सं.] कमाड; बारणुं
कपार(–ल) पुं० कपाळ (२) खोपरी (३) ठींकरुं के एवुं भिक्षापात्र
कपाली पुं० [सं.] शिव (२) एक जातनो मांगण–साधुभिखारी
कपास स्त्री० [सं. कर्पास] कपास
कपासी वि० कपासना फूलना रंगनुं; आछुं पीळुं (२) पुं० तेवो रंग
कपि पुं० [सं.] वांदरो (२) हाथी
कपित्थ पुं० [सं.] कोठुं के कोठी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

कपिल वि॰[सं.] भूरुं (२) धोळुं (३) पुं॰ एक ऋषि [गाय

कपिला स्त्री॰[सं.] कपिल रंगनी(सीधी)

कपिश,-स वि॰ माटी रंगनुं

कपूत पुं॰ कुपुत्र; खराब छोकरो

कपूर पुं॰ कपूर पदार्थ

कपूरी वि॰ कपूरनुं बनेलुं के तेना रंगनुं (२) पुं॰ तेवो रंग (३) कपूरी पान

कपोत पुं॰ [सं.] कबूतर (२) पक्षी

कपोती स्त्री॰ कबूतरी (२) वि॰ कबूतरना रंगनुं

कपोल पुं॰ [सं.] गाल [बनावटी वात

कपोलकल्पना स्त्री॰ [सं.] गप; जूठ;

कपोलकल्पित वि॰[सं.] बनावटी; जूठुं

कप्तान पुं॰कॅप्टन(वहाण या सेना इ॰नो)

कफ़ पुं॰ शरीरनो कफ (२) [फा.] हथेळी के पगनुं तळियुं (३) फेण (४) [इं.] खमीसनो कफ. **कफ़े अफ़सोस मलना**=पस्तावामां हाथ घसवा

कफ़गीर पुं॰ [फा.] कडछी

कफ़न पुं॰ [अ.] शबनुं कफन. **–को कौड़ी न रखना**=कमावुं एटलुं वापरी नांखवुं. **–को कौड़ी न होना या रहना**=अत्यंत गरीब होवुं. **–फाड़कर बोलना**=एकदम जोरथी बोलवुं. **–लपेटना, सिरसे बाँधना**=जान जोखममां नाखवो; मरणिया थवुं

कफ़न-खसोट वि॰ (नाम, **–टी**) कंजूस; अत्यंत लोभी

कफ़नाना स॰क्रि॰कफनमां मडदुं लपेटवुं

कफ़नी स्त्री॰ फकीरनो चोळो; कफनी

क़फ़स पुं॰ [अ.] पांजरुं (२) पक्षीनी चबूतरी (३) केदखानुं (४) हवा उजास वगरनी सांकडी जगा (५) शरीर

कफ़्फ़ा(–फ़्फ़ा)रा पुं॰ [अ.] पापोनुं प्रायश्चित्त

कब अ॰क्यारे? **–का, के, से**=क्यारनुं

कबड्डी स्त्री॰ हुतुतुतु

क़बर स्त्री॰ जुओ 'क़ब्र'. **॰स्तान** पुं॰ जुओ 'क़ब्रिस्तान'

कबरा, –री वि॰ [सं.कर्वर, प्रा.कब्बर] (स्त्री॰**–री**) काबरुं; काबरचीतरुं

क़ब्रिस्तान पुं॰ [अ.] कबरस्तान

क़बल अ॰ [अ.] पहेलां; पूर्वे (२) वि॰ पूर्वनुं; पुराणुं

क़बस पुं॰ [अ.] पेटनुं एक दरद

क़बा पुं॰ [अ.] एक जातनो लांबो ने खूलतो झब्बो [के काम

कबाड़(–र) पुं॰ रद्दी नकामी वस्तु

कबाड़ा पुं॰ नकामी वात; झंझट

कबाड़िया, कबाड़ी पुं॰ भांग्या तूटचा के रद्दी मालनो वेपारी (२) नकामुं के तुच्छ काम करनारो(३)झघडाखोर

कबाब पुं॰ [अ.] मांसनी एक वानी

कबाबी वि॰ कबाब वेचनार (२) मांसाहारी

क़बाय पुं॰ 'क़बा'; एक जातनो झब्बो

कबार पुं॰ रोजगार; वेपार (२)'कबाड़'

क़बाला पुं॰ [अ.] कबालो; वेचाणखत; सोदानो दस्तावेज

क़बाहत स्त्री॰ [अ.] बूराई; दुष्टता (२) मुश्केली; अडचण [संत कबीर

कबीर वि॰ [अ.] श्रेष्ठ; महान (२)पुं॰

क़बीला स्त्री॰ [अ.] स्त्री; जोरु (२) कबीलो; परिवार

क़बुलवाना,क़बुलाना स॰क्रि॰ कबुलाववुं

कबूतर पुं॰ [फा.] कबूतर; कपोत

कबूतरबाज़ वि॰ [फा.] कबूतर पाळनार

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

कबूद वि० [फा.] आसमानी; नील
क़बूल पुं० [अ.] स्वीकार; कबूलत
क़बूलना स० क्रि० कबूलवुं; स्वीकारवुं
क़बूलियत स्त्री० [अ.] कबूल-मंजूरीनो दस्तावेज; कबूलतनामुं
क़बूली स्त्री० [फा.] चणानी दाळनी खीचडी [कबजियात
क़ब्ज़ पुं० [अ.] ग्रहण; पकड (२)
क़ब्ज़ा पुं० [अ.] (तलवारनी) मूठ; दस्तो (२) कब्जो; अधिकार (३) नरमादा; बरडवां
क़ब्ज़ादार पुं० [फा.] कब्जो धरावनार आसामी (२) वि० कबजावाळुं
क़ब्ज़ियत स्त्री० [अ.] कबजियात
क़ब्र स्त्री० [अं.] कबर. **–में पाँव** या **पैर लटकाना**=मरण पासे होवुं (२) बहु घरडा थवुं
क़ब्र(–ब्रि)स्तान पुं० [फा.] कब्रस्तान
कभी अ० कोई पण वखते; क्यारे पण. **–कभी, –कभार**=अवारनवार; क्यारे क्यारे. **–का** अ० क्यारनुं; घणा वखतथी. **–न कभी**=कोई ने कोई वखते
कभू अ० (प.) जुओ 'कभी'
कमंगर पुं० [फा. कमानगर] कमान बनावनार (२) हाडवैद (३) चितारो (४) वि० दक्ष; निपुण
कमंगरी स्त्री० 'कमंगर'नो धंधो के काम
कमंचा पुं० शारडी फेरववानुं कामठा जेवुं ओजार
कमंडल पुं० कमंडळ (साधुनुं)
कमंडली वि० कमंडलु राखनार; साधु (२) पाखंडी (३) पुं० ब्रह्मा
कमंडलु पुं० [सं.] (साधुनुं) कमंडळ
कमंद पुं० कबन्ध (प.) (२) [फा.]जंगली पशुने बांधवानो पाश
कम वि० [फा.] थोडुं; ओछुं (२) खराब (प्रायः समासमां) जेम के कमनसीब
कमअसल वि० [फा.+अ.] वर्णसंकर
कमख़ाब पुं० [फा.] किनखाब
कमची स्त्री० [तु.] पातळी सोटी; चाबुक
कमच्छा स्त्री० कामाक्षी देवी
कमज़ोर वि० [फा.] कमजोर; अशक्त (नाम **–री** स्त्री०)
कमठ पुं० [सं.] काचबो (२) कमठाळुं; वांस (३) साधुनी तूमडी
कमठा पुं० [सं. कमठ] कामठुं; धनुष्य
कमठी स्त्री० कमठाडुं (२) [सं.] काचबी
कमतर वि० [फा.] बहु ओछुं
कमती स्त्री० (२) वि० कमी; ओछुं
कमनीय वि० [सं.] सुंदर; मनोहर
कमनैत पुं० बाणावळी; तीरंदाज
कमबख़्त वि० [फा.] कमनसीब; दुर्भागी (नाम, **–ख़्ती** स्त्री०)
कमयाब वि० [फा.] दुर्लभ
कमर स्त्री० [फा.] केड; कमर. **–टूटना**= निरुत्साह, निराश थवुं
क़मर पुं० [फा.] चंद्रमा
कमरकोट,–टा पुं० किल्लानी उपरनी (कांगरा इ०वाळी) बंडी के दीवाल
कमरख स्त्री० कमरखी के कमरख फळ
कमरखी वि० कमरखना आकारनुं
कमरबंद पुं० [फा.] कमरबंध (पटो, नाडुं इ०) (२) वि० तत्पर
कमरा पुं० कोटडी; ओरडी (२) कॅमेरा (३) कामळो
कमरिया पुं० एक प्रकारनो हाथी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

कमल पुं०[सं.] कमळनुं फूल के वेलो (२) कमळो रोग [बीज
कमलगट्टा पुं० कमळकाकडी; कमळनुं
कमलवाई स्त्री० कमळानो रोग
कमला स्त्री०[सं.] लक्ष्मी (२) कातरा जेवुं एक जीवडुं (३) अनाजमां पडतुं एक जंतु; 'टोला' [(सं.) ब्रह्मा
कमली स्त्री० नानी कामळी (२) पुं०
कमवाना स०क्रि० 'कमाना' नुं प्रेरक
कमसिन वि० [फा.] कम उंमरनुं
कमसिनी स्त्री० [ा.] बाळपण
कमसे कम अ० ओछामां ओछुं (२) कांई नहि तो
कमाई स्त्री०कमाणी के तेनुं काम के धंधो
कमाऊ वि० कमाउ; कमानारुं
कमान स्त्री० [फा.] धनुष (२) कमान (घरनी) (३) तोप के बंदूक
कमान स्त्री० [इं. कमान्ड] लश्करी आज्ञा के नोकरी
कमाना स०क्रि० कमावुं (२) कमाववुं; केळववुं; कसीने दृढ करवुं (३) नानुं मोटुं (सेवानुं) काम करवुं(४)क्रम करवुं
कमानिया पुं० जुओ 'कमनैत'
कमानी स्त्री० स्प्रिंग; कमान
कमाल पुं०[अ.] संपूर्णता (२) कुशळता (३) अद्‌भुत काम (४) वि० कमाल
कमालियत स्त्री० [अ.] कमालपणुं
कमासुत वि० कमाउ (२) उद्यमी
कमिटी स्त्री० [इं.] कमिटी; समिति
कमिश्नर पुं० [इं.] कमिशनर
कमिश्नरी स्त्री० कमिशनरनी कचेरी के तेनुं काम के तेनी हकूमतनो प्रदेश
कमी स्त्री० [फा.] कमी; ऊणप (२) हानि; नुकसान
क़मीज़ (-स) स्त्री० [अ.] खमीस
कमीन पुं० वसवायुं
कमीना वि० [फा.] कमी; ओछुं; क्षुद्र. [नाम -नगी,-नी (स्त्री०),०पन पुं०]
कमीशन पुं० [इं.] कमिशन; दलाली (२) खास काम माटे नीमेलुं मंडळ-कमिशन
क़मीस स्त्री० जुओ 'क़मीज़'
कमून पुं० [अ.] जीरुं
कमूनी वि० [फा.] जीरावाळुं के जीरा संबंधी (२) स्त्री० (जीरानी) एक दवा
कमेटी स्त्री० कमिटी; समिति
कमेरा पुं० काम करनारो; मजूर; नोकर
कमेला पुं०पशु मारवानी जगा;कतलखानुं
कमोरा पुं० माटीनुं एक वासण (जेवुं के घडो; माटलुं)
कमोरी स्त्री० माटली; नानो 'कमोरा'
कम्बख़्त वि० [फा.] कमबख्त; कमनसीब
कम्मा पुं० ताडपत्र पर लखेलो लेख
कम्युनिज़्म पुं० [इं.] साम्यवाद
कम्युनिस्ट पुं० [इं.] साम्यवादी
क़याफ़ा पुं० [अ.] चहेरो; सिकल; सूरत. ०शिनास वि० [फा.] चहेरो जोई मननो भाव समझनार
क़याम पुं० [अ.] रोकावुं ते के तेनी जगा; विश्राम (२) स्थिरता; निश्चय
क़यामत स्त्री० [अ.] कयामत (२) प्रलय (३) ऊथलपाथल; खळभळाट
क़यास पुं० [अ.] कयास; ख्याल; अनुमान. -दौड़ाना, -लगाना, -लड़ाना = कयास बांधवो; ख्याल दोडाववो. -में आना = समजावुं; ख्यालमां आववुं
क़यासी वि० कल्पित; ख्याली
करंक पुं० [सं.] हाडपिंजर

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

करंज,–जा पुं० [सं.] जुओ 'कंजा'
करंड पुं० [सं.] मधपूडो (२) करंडियो के टोपली
करंतीना पुं० [इं. क्वोरेंटाइन] चेपी रोगना स्थानमांथी आवनारने अमुक वखत एक स्थाने रोकी लेवामां आवे छे ते जगा
कर पुं० [सं.] हाथ (२) किरण (३) करवेरो (४) हाथीनी सूंढ (५) (प.) 'का'–'नुं' संबंधक प्रत्ययना अर्थमां
करई स्त्री० एक माटीनुं वासण (२) अनाजनो भंडार
करक स्त्री० जुओ 'कड़क' (२) [सं.] करवडो; कमंडलु (३) दाडम
करकट पुं० 'कतवार'; कचरो
करकना अ०क्रि० जुओ 'कड़कना'
करकरा वि० [सं. कर्कर] ककरुं
करकराहट स्त्री० ककरापणुं(२)आंखमां कांकरी पडवानी पीडा
करकस वि० (प.) कर्कश
करखा पुं० जुओ 'कड़खा'(२)उश्केरणी (३) मेश; 'करिखा'
करगह, करघा [फा. कारगाह] पुं० साळ के तेनी पावडीनो खाडो
कर(–ल)छा पुं० कडछो
कर(–ल)छी स्त्री० कडछी
करछुला पुं० मोटो कडछो (भाडभूंजानो)
करज पुं० [सं.] नख (२) आंगळी
करण पुं० [सं.] ओजार; साधन (२) इंद्रिय (३) देह; शरीर (४) (व्या.) त्रीजी विभक्तिथी सूचवातो अर्थ
करणीय वि० [सं.] करवा योग्य
करतब पुं० कर्तव्य; काम (२) हुन्नर; कळा (३) करामत; जादु
करतबी वि० पुरुषार्थी (२) निपुण; 'करतब'वाळुं (जुओ 'करतब')
करतल पुं० [सं.], **–ली** स्त्री० हथेळी
करता पुं० कर्ता (२) बंदूकनी गोळी जाय तेटलुं अंतर
करतार पुं० परमेश्वर; जगकर्ता
करताल पुं०, **–ली** स्त्री० [सं.] हाथनी ताळी (२) वगाडवानी करताल (३) मंजीरा [कळा; हुन्नर
करतूत(–ति) स्त्री० करतूक; काम (२)
करद वि० [सं.] कर आपनार; आधीन (२) स्त्री० [फा. कारद] छरी
करदा पुं० खरीदेला मालमां कचरो इत्यादि होय ते खाध के ते पेटेनुं बारदान कपाय ते (२) नवा माल पेटे जूनो आपी बदलो करतां उपर आपवानुं रहेतुं बाकी वळतर
करदोरा पुं० कंदोरो
करधनी स्त्री० कंदोरो
करधर पुं० वादळुं; मेघ
करनफूल पुं० काननी फूलवाळी
क़रनबीक़ पुं० [अ.] अर्क काढवानुं एक नानुं वासण [स०क्रि० करवुं
करना पुं० एक जातनुं मोटुं लींबु (२)
करनाई स्त्री० [अ. करनाय] शरणाई
करनाटक पुं० कर्णाटक प्रांत. **–की** पुं० कर्णाटकी (२) जादुगर के खेलाडी
करनाल पुं० [अ. करनाय] 'करनाई' (२) मोटुं ढोल (३) एक जातनी तोप
करनी स्त्री० करणी (२) मरणक्रिया (३) कडियानुं लेलुं [अमलदार
करनैल पुं० [इं. कर्नल] एक ऊंचो लश्करी
करपर वि० कृपण; कंजूस (२) स्त्री० (प.) कर्पर; खोपरी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

करवरना अ०क्रि० कलरव करवो

करवला पुं० [अ.] तावूत डुबाडवानी जगा (२) निर्जळ प्रदेश (३) कब्रस्तान (४) (सं.) हजरत हुसेनने ज्यां मार्या ते स्थान [(२) कमर; केड

करभ पुं० [सं.] हाथी के ऊंटनुं वच्चुं

करम पुं० कर्म; काम (२) करम; नसीब (३) [अ.] महेरबानी; कृपा (४) उदारता

करमकल्ला पुं० करमकल्लो; कोबी

करमठ, करमी वि० कर्मठ; कर्मकांडी

कर(–ल)मुँहा वि० जुओ 'कलमुँहाँ'

करवट स्त्री० [सं. करवर्त] पासाभेर सूवुं ते; पासुं. **–खाना, –होना**=फरी जवुं. **–न लेना**=कोई कार्य विषे ध्यान न राखवुं. **–बदलना, –लेना**=पासुं वदलवुं (२) पलटवुं. **करवटें बदलना**= पथारीमां बेचेन पासां घस्या करवां

करवट, करवत पुं० [सं. करपत्र] करवत; आडियुं. **–लेना** =(काशीए) करवत मेलाववुं

करवर स्त्री० विपत्ति; संकट; मुसीबत

करवा पुं० करवडो; धातु माटीनो नाळवाळो लोटो. ०**चौथ** स्त्री० कारतक वद चोथ (स्त्रीओ 'करवा'थी गौरी-पूजा करे छे)

करवाना स० क्रि० कराववुं; 'कराना'

करवार(–ल) पुं० [सं. करवाल] तलवार

करवाली स्त्री० नानी तलवार; कटार; 'करौली'.

करवीर पुं० [सं.] करेण (२) तलवार

करवैया वि० करनार; करवैयो

करश्मा पुं० [फा.] चमत्कार; अद्भुत करामत

करष(–षा) पुं०[सं. कर्ष] वेर; अणवनाव

करष(–स)ना स० क्रि० (प.) आकर्षवुं; खेंचवुं (२) सूकववुं (३) समेटवुं; एकठुं करवुं

करसान पुं० किसान; खेडूत

करसायर(–ल) पुं० काळो मृग

करसी स्त्री० छाणांना टुकडा

करह पुं० ऊंट (२) फूलनी कळी

कराँत पुं० करवत

कराँती पुं० वेरणियो [साप

कराइत पुं० 'करैत'; एक झेरी काळो

कराई स्त्री० काळप; शामळापणुं (२) करवानी के करावववानी हिंमत (३) दाळनुं भूसुं

कराना स०क्रि० करावववुं [सगाई

क़राबत स्त्री०[अ.]समीपता (२) संबंध;

क़राबा पुं०[अ.] मोटो काचनो शीशो

क़राबीन स्त्री० [तु.] जुओ 'कड़ाबीन'

करामात स्त्री०ब०व०चमत्कार;'करश्मा'

करामाती वि० सिद्ध; चमत्कारी

क़रार पुं०[अ.] स्थिरता (२) धीरज; संतोष (३) आराम; चेन (४) करार; वायदो; ठराव (५)[सं.कराल?]कराड; भेखड;'करारा'. **–आना**=आराम थवो; चेन पडवुं. **–देना**=नक्की करवुं; ठराव करवो. **–पाना**=ठरवुं; नक्की थवुं

क़रार-दाद पुं० [अ.+फा.] लेणदेणने अंगेनो करार

करारा पुं० कराड; भेखड (२) वि० कराल; तीक्ष्ण; तेज; कठोर

कराल वि०[सं.] विकराळ; भयानक

कराव(–वा) पुं० नातरुं; कोईने त्यां ठामे बेसवुं ते

कराह पुं० पीडाथी आह करवुं ते

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

कराहना अ० क्रि० पीडाथी आह आह करवुं [‘कड़ाही’
कराहा, कराही जुओ अनुक्रमे ‘कड़ाहा’,
कराहियत स्त्री० [अ.] अप्रसन्नता; अणगमो (२) अयोग्य के निंद्य काम (३) घृणा; ‘नफ़रत’
करिखई स्त्री० ‘कराई’; काळप
करिखा पुं० ‘करखा’; मेंश
करिणी [सं.], **–नी** स्त्री० हाथणी
करिया वि० काळुं (२) पुं० खलासी (३) हलेसुं
करिहाँ(०व) स्त्री० कमर; कटि
करी पुं० [सं.] हाथी
क़रीन वि० [अ.] निकट; संगत; जोडेनुं
क़रीना पुं०[अ.]रीत; ढंग [लगभग
क़रीब अ० [अ.] पासे; नजदीक (२)
करीम वि० [अ.] दयाळु (२) पुं० ईश्वर
करीर [सं.], **–ल** पुं० वांसनो फणगो (२) कांटाळुं एक झाड; केरडो
करीह वि० [अ.] चीतरी चडे एवुं; घृणाजनक
करुआ वि० (प.) कडवुं; ‘कडुआ’
करुआई स्त्री० (प.) कडवापणुं; कटुता
करुण वि० [सं.] दयाळु (२) पुं० करुण रस; दया
करुणा स्त्री० [सं.] दया (२) शोक
करे(–ले)जा पुं० ‘कलेजा’; कलेजुं
करेब स्त्री० [इं. क्रेप] करेप; एक वारीक रेशमी कपडुं
करेमू पुं० एक भाजी
करेर वि० कठोर
करे(–रै)ला पुं० कारेली के कारेलुं
करैत पुं० जुओ ‘कराइत’ [माटी
करैल, –ली मिट्टी स्त्री०कांप जेवी काळी
करैला पुं० जुओ ‘करेला’
करोड़ वि० करोड संख्या
करोड़ी पुं० खजानची
करोदना, करोना स० क्रि० खणवुं; खोतरवुं; खोदवुं
करौंदा पुं० [सं. करमर्द] करमदी
करौत पुं० ‘करांँत’; करवत (२) स्त्री० रखात–दासी
करौता पुं० करवत (२) जुओ ‘क़राबा’
करौती स्त्री० आरी (२) नानो ‘क़राबा’ (३) काचनी भठ्ठी
करौली स्त्री० जुओ ‘करवाली’
कर्कट पुं० जुओ ‘करकट’
कर्कर पुं०[सं.] करकर (२) वि० ककरुं
कर्कश वि० [सं.] कठोर (२) पुं० तलवार (३) शेरडी
कर्चूर पुं० [सं.] सोनुं
क़र्ज़(–र्ज़ा) पुं०[अ.]करज;देवुं.**–उठाना, –खाना,–लेना**=देवुं करवुं(२)सपाटामां आववुं. **–उतारना, –पाक करना**=देवुं चूकते करवुं
क़र्ज़ख़ाह पुं० लेणदार
क़र्ज़दार पुं० देवादार
क़र्ज़ा पुं० जुओ ‘क़र्ज़’
कर्ण पुं० [सं.] क़ान (२) सुकान (३) काटखूण त्रिकोणनी कर्णलीटी (४) (सं.) कर्ण [सुकान
कर्णधार पुं०[सं.] नाविक; सुकानी (२)
कर्त्तन पुं०[सं.] कापवुं ते (२) कांतवुं ते
कर्त्तव्य पुं० [सं.] फरज (२) वि० करवा योग्य
कर्त्ता पुं० [सं.] कर्ता
कर्त्तार पुं० करतार; प्रभु
कर्दम पुं०[सं.] कादव (२) मांस (३) पाप

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

क़र्न पुं० [अ.] लांबो समय
कर्पूर पुं० [सं.] कपूर
कर्बुर पुं०[सं.] सोनुं (२) वि० कावरुं
कर्म पुं०[सं.] कर्म; काम (२) करम; नसीब (३) क्रियाकर्म
कर्मक़(-का)र पुं० लुहार के सोनी(२) नोकर (३) बळद (४) वेठियो
कर्मचारी पुं०[सं.]कार्यकर्ता(२)अमलदार
कर्मठ वि०[सं.] कार्यकुशळ (२) संध्या-पूजा इ० नियमित करनार
कर्मण्य वि० [सं.] उद्योगी; प्रयत्नशील
कर्ममास पुं० [सं.] श्रावण मास
कर्मयुग पुं० [सं.] कलियुग
कर्र पुं०[अ.] विजय (२) वैभव; प्रभाव. **-व फर्र**=वैभव अने शोभा
कर्रा वि० 'कड़ा'; कठण; मुश्केल
कर्राना अ०क्रि० 'कर्रा' थवुं
कलंक पुं० [सं.] डाघ (२) एब
कलँगी स्त्री० कलगी
क़लंदर पुं०[अ.] एक जातनो मुसलमान विरागी साधु (२) मदारी
कल पुं० [सं.] मधुर ध्वनि (२) वि० सुंदर (३) स्त्री० [सं. कल्य, प्रा. कल्ल] आरोग्य (४) आराम; सुख; कळ; संतोष (५) अ० काले (६) स्त्री०कळा; युक्ति (७) कळ; यंत्र. **-पाना**=कळ वळवी; शांति के संतोष थवो. **-से** अ० आरामथी (२) धीरे धीरे
क़लई स्त्री०[अ.] कलाई (२) बहारनो ओप (३) चूनाथी धोळवुं ते. **-उड़ना, उतरना**=कलाई ऊतरवी. **-करना, पोतना**=धोळवुं. **-करना, होना**=कलाई करवी के थवी. **-खुलना**=उघाडुं पडवुं. **-न लगना**=युक्ति ना चालवी
क़लईगर पुं०कलाई करनारो;कलाईवाळो
क़लईदार वि०[फा.]कलाई करेलुं [खेद
क़लक़ पुं० [अ.] बेचेनी (२) दुःख; चिंता;
कलकल पुं० [सं.] खळखळ झरणुं वहे ते अवाज (२) कोलाहल (३)स्त्री० झघडो
कलका वि० थोडा दिवसनुं; कालनुं
कलकानि स्त्री० हेरानगत; मुश्केली
कलक्टर पुं० कलेक्टर
कलगी स्त्री० [तु.] पक्षी के मुगट इ० नी कलगी (२) मकाननो उपरनो भाग
कलछा, कलछी जुओ 'करछा, करछी'
कलछुला पुं० जुओ 'करछुला'
कलत्र स्त्री० [सं.] स्त्री; पत्नी
कलदार वि० कळ-चावी के चांपवाळुं (२) पुं० कलदार रूपियो
कलधूत पुं०[सं.] चांदी [मधुर ध्वनि
कलधौत पुं० [सं.] सोनुं (२) चांदी (३)
कलप पुं० [सं. कल्प] वाळनो कलप (२) जुओ 'कलफ़'
कलपना अ० क्रि० कल्पांत करवुं; कलपवुं (२) स० क्रि० कापवुं
कलफ़ पुं० कपडानी अस्तरी करवामां नंखातो आर(२)चहेरा परनुं काळुं चाठुं
कलबल पुं० उपाय; युक्ति (२) कलबल; गरबड
कलबूत पुं० [फा. कालबूद] कालबूत(२) (पाघडी टोपी इ० नो) फरमो
क़लम पुं०, स्त्री० कलम (लखवानी के रोपवानी) (२) चित्रकारनी पींछी के शिल्पीनुं टांकणुं (३) धरु करी ववातुं धान(४)कान पासे हजामतमांथी बाकी रखाता नाना वाळ. **-खींचना, फेरना, वा मारना**=लखेलुं रद करवुं; चेकी नांखवुं. **-तोड़ना**=लखवामां हद करवी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

क़लम-क़साई पुं० [अ.] भणेलो छतां लोकने हानि करनारो

क़लमतराश पुं० [फा.] चाकु

क़लमदान पुं०[फा.] कलमदानी; कलम-खडियो राखवानो डब्बो के तेवुं साधन

क़लमबन्द वि० लखेलुं (२)ठीक; बरोबर

क़लम-रौ स्त्री० [फा.] राज्य; सल्तनत

कलमा पुं०[अ.] वाक्य; वात (२)कलमो. **–पढ़ना**=मुसलमान थवुं (२) कशामां खूब श्रद्धा राखवी

क़लमी वि०[अ.] लखेलुं;'क़लमबन्द'(२) कलमी (आंबो इ०) [(३) अभागी

कलमुँहाँ वि० काळा मोंनुं (२) कलंकित

कलवरिया स्त्री० दारूनुं पीठुं

कलवार पुं० कलाल

कलश(–स) पुं०[सं.] कळश; घडो (२) मंदिर इ० नुं शिखर

कलसा पुं० कलश; कळशियो (२) मंदिरनुं शिखर

कलसी स्त्री० नानो 'कलसा'

कलह पुं० [सं.] झघडो; लडाई

कलहनी, कलहारी वि०स्त्री० लडकणी; झघडाळु (स्त्री)

कलही वि० कलहप्रिय; लडकणुं

कलाँ वि० [फा.] मोटुं; वडुं

कला स्त्री०[सं.] कळा (२) युक्ति; छळ

कलाई स्त्री० हाथनुं कांडुं (२)'कलावा' नुं अल्पतावाचक रूप [–बरफी

क़लाक़ंद पुं०[फा.] मावानी एक मीठाई

कलाधर पुं० [सं.] चंद्र (२) शंकर

कलाप पुं०[सं.] झुंड; गुच्छ (२) मोरनुं पूंछ (३) चंद्र (४) बाणनुं भाथुं

कलापी पुं० [सं.] मोर (२) कोयल

कलाबत्तू पुं०[तुर्की–कलाबतून]कलाबूत; सोना चांदीना तारवाळो रेशमी दोरो के तेनुं मोळियुं [उस्ताद

कलाबाज़ वि० खेलकूद के नटक्रियामां

क़लाबाज़ी स्त्री० गुलांट; गोटमडुं. **–करना, खाना**=गोटमडुं खावुं

कलाम पुं०[अ.] वाक्य (२) वातचीत (३) प्रतिज्ञा (४) वांधो; खचको

कलार(–ल) पुं० 'कलवार'; कलाल

कलावा पुं० सूतरनुं कोकडुं; लाल नाडाछडीनुं. कोकडुं

कलिंग पुं०[सं.] कलिंगडुं; तडबूच (२) कालिंगडो राग (३) एक प्राचीन देश

कलिंदी स्त्री०[सं.]कालिंदी; जमना नदी

कलि पुं० [सं.] झघडो (२) पाप (३) कलियुग (४) वि० काळुं

कलिका स्त्री० [सं.] कळी

कलिमल पुं० [सं.] पाप

क़लिया पुं०[अ.]रसादार पकावेलुं मांस

क़लियान पुं०[फा.] एक जातनो हूको

कलियाना अ०क्रि० कळीओ बेसवी (२) पक्षीने पांख आववी

कलियुग पुं० [सं.] कळियुग

कलींदा पुं० कलिंगड; तडबूच

कली स्त्री० फूलनी के पहेरणनी कळी (२) पक्षीनी नवी आवेली पांख (३) हूकानो नीचेनो भाग (४) [अ. कलई] पथ्थर वगेरेना टुकडा जेनो चूनो बने छे. **–लेना**=झाडने कळी बेसवी

क़लील वि० [अ.] अल्प; थोडुं

कलीसा पुं०[फा.] यहूदी के ख्रिस्ती देवळ

कलीसिया पुं०यहूदी के ख्रिस्ती धर्ममंडळ

कलुख, –ष [सं.] पुं० पाप; मेल (२) वि० पापी; मलीन

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

कलुषाई स्त्री० चित्तनीं कलुषता
कलुषित वि० [सं.] पापी; मलिन; दोषित
कलूटा वि० [स्त्री० -टी] काळुं
कलेऊ पुं० 'कलेवा'; नास्तो
कलेजा पुं० कलेजुं; काळजुं (२) छाती. -उलटना=ऊलटी करतां जीव गभरावो. -ठंडा करना=संतोषवुं. -निकलना=जीव जवा जेवुं लागवुं. -निकाल कर रखना=सर्वस्व दई देवुं. -पक जाना=सहन करी करीने थाकी जवुं. -मुँहको या मुँह तक आना=आकुळव्याकुळ के बेचेन थवुं; गभरावुं. कलेजे पर साँप लोटना=कांई सांभरी आवतां शोक थवो
कलेजी स्त्री० पशुना काळजानुं मांस
कलेवर पुं०[सं.] शरीर (२)खोखुं; 'ढांचा'
कलेवा पुं० नास्तो; (२)भाथुं (३)कलवा जेवी विवाहनी एक रीत. -करना=खाई जवुं (२) मारी नाखवुं
कलैया स्त्री० गुलांट; गोटमडुं
कलोर स्त्री० वाछडी
कलोल पुं० कल्लोल
कलोलना अ० क्रि० कल्लोलवुं; आनंदवुं
कलौंजी स्त्री० एक जातनुं शाक
कलौटा वि० जुओ 'कलूटा'
कल्कि पुं० [सं.] कल्कि अवतार
कल्प पुं० [सं.] (ब्रह्माना दिवस जेटलो) लांबो काळ(२)वेदनुं (छमांनुं) एक अंग
कल्प-तरु, -द्रुम पुं० [सं.] कल्पवृक्ष
कल्पना स्त्री० [सं.] रचना; बनावट (२) मननी कल्पनाशक्ति (३) कल्पी काढेली वात; मान्यता
कल्पवास पुं० [सं.] माह महिनामां गंगातट पर संयमपूर्वक वास -एक व्रत
कल्पान्त पुं० [सं.] प्रलय
कल्पित वि० [सं.] कल्पेलुं
क़ल्ब पुं० [अ.] हृदय (२) बुद्धि (३) मध्य भाग (४) खोटी चांदी के सोनुं
कल्मष पुं० [सं.] पाप; मेल
कल्माष वि० [सं.] काबरचीतरुं(२)काळुं
कल्य पुं० [सं.] सवार (२) शराब
कल्याण पुं० [सं.] कल्याण; भलुं (२) सोनुं (३) एक राग (४) वि० भलुं; सारुं
कल्लर पुं० 'कल्हर'; खारी माटी; ऊस (२) ऊखर जमीन
क़ल्लाँच वि० जुओ 'क़ल्लाश' (२) शठ; बदमास; गुंडो
कल्ला पुं० अवाज (२) अंकुर (३) दीवानुं मोढियुं (४) [फा. कल्ला] जडबुं (५) गळुं; बकरी इ०नुं माथुं. -मारना=डिंग मारवी; छांटवुं
कल्लातोड़ वि० जडबातोड; जबरदस्त
कल्लादराज़ वि० [फा.] बहु बोलनार; बकवादी. [नाम -ज़ी स्त्री०]
कल्लाना अ० क्रि० वागवाथी के कशाथी चामडी बळवी; बळतरा थवी (२) असह्य थवुं
क़ल्लाश वि० [तु.] गरीब; कंगाळ (२) नफट; निर्लज्ज (३) दारूडियो
कल्लोल पुं० [सं.] तरंग; मोजुं(२)क्रीडा; गमत; आनंद
कल्लोलिनी स्त्री० [सं.] नदी
कल्ह अ० 'कल'; काले
कल्हर पुं० जुओ 'कल्लर'
कल्हारना स० क्रि० तळवुं (२)अ०क्रि० 'कराहना'; दुःखनो उद्गार काढवो
कवच पुं० [सं.] बखतर (२) ढांकण (३) मोटुं ढोल; डंको

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

कवन स० (प.) 'कौन'; कोण
कवर पुं० [इं.] कवर; पूठुं के परबीडियुं (२) [सं.] वाळनो गुच्छो (३) मीठुं (४) [स. कवल] कोळियो
कवरी स्त्री० [सं.] वेणी
कवल पुं० [सं.] कोळियो
कवलित वि० [सं.] कोळियो कराई गयेलुं; भक्षित
क़वाम पुं० [अ.] 'किमाम'; चासणी; उकाळीने मध जेवो करेलो रस
क़वायद पुं० [अ. 'कायदा' नुं ब०व०] नियम; शिस्त (२) स्त्री० कवायत (३) व्यवस्था; शिस्त (४) व्याकरण
कवि पुं० [सं.] कवि; काव्य रचनार (२) [सं.] शुक्राचार्य
कविता स्त्री० [सं.] पद्यरचना; काव्य
कवित्त पुं० कवित्व; कविता
क़वी वि० [अ.] जबरुं; बळवान; मजबूत
कवीठ पुं० 'कैथा'; कोठुं
क़वी-हैकल वि० [अ.] कदावर; मोटुं
कवेला पुं० कागडानुं बच्चुं
कवेलू पुं० नळियुं
क़व्वाल पुं० [अ.] कवाली गानार; ['क़ौवाल'
क़व्वाली स्त्री० [अ.] कवाली; 'क़ौवाली'
कश पुं० [सं.] चाबुक (२) [फा.] खेंच; आकर्षण (३) हूका के चलमनो दम
क़शक़ा पुं० [फा.] टीलुं; तिलक
कश-मकश स्त्री० [फा.] खेंचताण (२) भीड; धक्काधक्की (३) विचारमां पडवुं ते
कशा स्त्री० [सं.] दोरी (२) चाबुक
कशिश स्त्री० [फा.] खेंच; आकर्षण (२) अणबनाव. **-शे-सिक़्ल** स्त्री० [फा.] गुरुत्वाकर्षण
कशीदगी स्त्री० [फा.] वैमनस्य; अणबनाव
कशीदा पुं० [फा.] कशीदो; जरीनुं भरतकाम (२) वि० खेंचेलुं
कश्ती स्त्री० [फा.] कस्ती; होडी (२) धातुनो टाट (३) शेतरंजनुं एक महोरुं – हाथी
कश्नीज़ पुं० [फा.] धाणा
कश्मीर पुं० काश्मीर प्रदेश
कश्मीरी वि० काश्मीरनुं, तेने लगतुं (२) स्त्री० काश्मीरी भाषा (३) पुं० काश्मीरनो वतनी के त्यांनो घोडो
कषाय वि० [सं.] तूरुं (२) गे रंगनुं (३) पुं० मननो विकार (जैन)
कष्ट पुं० [सं.] दुःख; पीडा (२) संकट
कस पुं० परीक्षा; कसणी (२) काबू; वश (३) कस; सार (४) [फा.] व्यक्ति; माणस (५) स्त्री० बांधवानी कस (६) (प.) केम ? केवी रीते ? **–का**=काबूमां होय ते; आधीन
कसक स्त्री० सणको; सळक (२) जूनुं वेर (३) इच्छा; होंश (४) सहानुभूति. **–निकालना**=जूनुं वेर वाळवुं
कसकना अ० क्रि० चसको के लपको मारवो; सळकवुं
कसकुट पुं० कांसुं – मिश्र धातु
कसना स० क्रि० कसवुं (खेंचवुं; तंग करवुं; पारखवुं; पीडवुं इ०) (२) ठांसीने भरवुं (३) अ० क्रि० तंग थवुं; जकडावुं, (४) ठांसाईने भरावुं
कसनी स्त्री० बांधवानी रसी (२) कसणी (३) परीक्षा
कसब पुं० जुओ 'कस्ब'
क़सबा पुं० जुओ 'क़स्बा'
कसबी वि० जुओ 'कस्बी'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

क़सम स्त्री० [अ.] कसम; सोगन. –उतारना=नामनुं काम करवुं. –दिलाना, देना, रखना=कसम खवडाववा. –लेना=कसम खावा

कसमसाना अ०क्रि०सळवळवुं;खळभळवुं (२) गभरावुं; आघुंपाछुं थवुं. [नाम कसमसाहट स्त्री०]

कसर स्त्री० [अ.] कसर; ऊणप (२) द्वेष; वेर (३) दोष; विकार. –काढ़ना, निकालना=जनी बाकीनी भरपाई करवी; कसर काढवी (२) वेर लेवुं

कसरत स्त्री० [अ.] कसरत; व्यायाम (२) अधिकता; वैपुल्य

कसरत-राय स्त्री० [अ.] बहुमती

कसरती वि० कसरत करनार (२) दृढ ने मजबूत (शरीर)

कसवाना स०क्रि० (कसीने) बंधाववुं

क़साई पुं० (स्त्री०–इन) कसाई (२) वि० निर्दय

कसाना अ०क्रि० कसाणुं थवुं (२) कटावुं (३)स०क्रि०'कसना'नुं प्रेरक;'कसवाना'

कसाफ़त स्त्री० [अ.] गंदकी (२) स्थूळता

क़साब पुं० 'क़स्साब'; कसाई

कसार पुं० [सं. कृसर] कंसार

कसाला पुं० कष्ट (२) महेनत

कसाव [सं. कषाय] कसाणापणुं; काट

क़सीदा पुं०[अ.] स्तुति के निंदा करता काव्यनो एक प्रकार

कसीदा पुं० जुओ 'कशीदा' [जाडुं

कसीफ़ वि० [अ.] गंदुं; मेलुं (२) स्थूळ;

कसीर वि० [अ.] घणुं; बहु

कसीस पुं० हीराकशी

कसूंभा वि० [सं. कुसुंभ] कसुंबी

क़सूर पुं० [अ.] कसूर; गुनो; अपराध

क़सूरमंद, क़सूरवार वि०[फा.] गुनेगार; अपराधी

कसे वि० [फा.] कोई (व्यक्ति)

कसेरा पुं० [स्त्री०–रिन] कंसारो

कसैला वि० [स्त्री० –ली] कसाणुं; कषाय स्वादनुं

कसैली स्त्री० सोपारी [वाडको

कसोरा पुं० वाडको; कटोरो(२)माटीनो

कसौटी स्त्री०[सं. कषपट्टी, प्रा. कसवट्टी] कसोटी [(वि०, –रिया)

कस्तूर (–रा,–रिया) पुं० कस्तूरी मृग

कस्तूरी,–रिका स्त्री० [सं.] कस्तूरी

क़स्द पुं० [अ.] इरादो

क़स्दन् अ०[अ.]इरादापूर्वक;जाणी जोईने

कस्ब पुं० [अ.] कसब; धंधो; हुन्नर-कळा (२) पेदाश (३) वेश्यावृत्ति

क़स्बा पुं० [अ.] कसबो

क़स्बात पुं० ब० व० 'क़सबा' नुं

क़स्बाती वि० कसबामां रहेनारुं

कस्बी वि०[अ.] कसबी; कसबवाळुं (२) स्त्री० वेश्या

क़स्मिया अ०[अ.] कसम खाईने;सोगनथी

क़स्र पुं० [अ.] महेल [(गणित)

क़स्र स्त्री० [अ.] अंश (२) अपूर्णांक

क़स्र–आशारिया पुं० दशांश अपूर्णांक

क़स्साब पुं० [अ.] कसाई; 'क़साब'. ०ख़ाना पुं० कतलखानुं

कहँ अ० (प.) 'कहाँ'; क्यां (२) बीजी तथा चोथीना प्रत्यय तरीके वपराय छे

कह-कशाँ स्त्री० [फा.] आकाशगंगा

क़ह-क़हा पुं०[फा.] अट्टहास्य. –लगाना=खडखड हसवुं

कहगिल स्त्री० भींत लींपवानी गार

क़हत पुं०[अ.] खूब अछत (२) दुकाळ

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

क़हतज़दा पुं० दुकाळियो; खूब भूख्यो

क़हतसाली स्त्री०[अ.] दुकाळनो समय

कहता पुं० कहेनार

कहन स्त्री० कथन (२) वचन; वात (३) कहेवत (४) कवन; कविता

कहना स०क्रि० कहेवुं. –**बदना**=नक्की करवुं. **कहबदकर**=प्रतिज्ञापूर्वक; दृढ संकल्पथी. **कहनेकी बात**=कहेवा मात्र –खरेखर नहि एवी वात

कहनावत, कहनूत स्त्री० कहेवत

कहनी स्त्री० कथनी; 'कहानी'

क़हर पुं० [अ.] केर; जुलम (२) क्रोध (३) आफत (४) वि० भयंकर. –**टूटना** =आफत आववी.–**ढाना**=केर वर्तावेवो

क़हरन् अ० [अ.] बळजोरीथी

कहल पुं० कठारो; बफारो

कहलना अ० क्रि० तापथी बफावुं;कठवुं

कहलवाना, कहला(–वा)ना स० क्रि० कहेवडाववुं

कहवाँ अ० (प.) क्यां ?

क़हवा पुं० [अ.] कावो; बुंद; कॉफी

कहाँ अ० क्यां ?

कहा पुं० कहेण; आज्ञा (२) स० शुं ? (व्रजभाषा) (३) अ० (प.) केवी रीते

कहाकही स्त्री० बोलाबोली; 'कहा-सुनी'

कहाना स० क्रि० कहाववुं

कहानी स्त्री० कहाणी; कथा (२) जूठी –कहेवानी वात

कहार पुं० पालखी इ० ऊंचकनार–भोई

कहावत स्त्री०कहेवत(२)मरणनी चिठ्ठी

कहा-सुना पुं० भूलचूक (कहेलुं सांभळेलुं)

कहा-सुनी स्त्री० तकरार; बोलाबोली

कहीं अ० कोई जगाए; कहीं; क्यां

कहुँ(–हूँ) अ० (प.) जुओ 'कहीं'

काँइयाँ वि० चालाक; पाकुं; पहोंचेल

काँकर पुं० (प.) कांकरो. –**री** स्त्री० कांकरी.–**चुनना**=दुःखमां दिवस काढवा

काँख स्त्री० काख; बगल

काँखना अ० क्रि० करांजवुं (२) श्रम के पीडाथी ऊंह करवुं

काँखासोती स्त्री० जनोई पेठे खेस पहेरवानी रीत

कांखी वि० (प.) कांक्षी; इच्छतुं

काँगड़ी स्त्री० काश्मीरमां गळे पहेराती नानी शगडी

कांग्रेस स्त्री ०कॉन्ग्रेस; महासभा. –**सी** वि० कॉन्ग्रेसने लगतुं(२)पुं० कॉन्ग्रेसमॅन

काँच स्त्री० काछडी (२) काच

कांचन पुं० [सं.] सोनुं (२) धंतूरो

काँचरी(–ली) स्त्री० सापनी कांचळी

काँजी स्त्री०आथो चडवा दईने बनावातो एक खाटो प्रवाही पदार्थ (२) फाटेला दूधनुं के दहींनुं पाणी [ढोरनो डबो

काँजी-हाउस स्त्री० [इं. काइन-हाउस]

काँटा पुं० कांटो (२) कूवामां नाखवानी बिलाडी. (३) हिसाबनो ताळो (४) आंकडो.(**रास्तेमें**)**काँटा बिछाना**=वच्चे विघ्न नांखवुं. –**बोना**=बूराई करवी. –**होना**=बहु दूबळुं थवुं. **काँटेकी तोल** = बराबर तोल. **काँटोंमें घसीटना** =अति प्रशंसा करवी

काँटी स्त्री० नानो कांटो (२) खीली

काँठा पुं० कंठ (२) क़ांठलो (३) कांठो

काँड़ना स०क्रि० कचरवुं; कूटवुं

काँड़ी स्त्री० जमीनमां दाटेली खांडणी (२) वांस के लाकडानो नानो टुकडो

काँड़ी-क़फ़न पुं० ठाठडीनो सामान

कांत पुं० [सं.] पति

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

कांता स्त्री० [सं.] पत्नी; प्रिय स्त्री [सौंदर्य
कांतार पुं०[सं.] गाढु वन
कांति स्त्री०[सं.] चमक; तेज(२)शोभा;
काँती स्त्री० (प.) वींछीनो डंख (२) कातु; छरी
काँदना अ०क्रि० [सं. क्रंदन] रोवुं
काँदव पुं० कादव; 'काँदो'
काँदा पुं० कांदो; डुंगळी (२) कादव
काँदो पुं० कादव
कांध पुं० (प.) कांध; खभो. **–देना**= मदद करवी. **–मारना**=दगो देवो
काँप स्त्री० काने पहेरवानो काप– एक घरेणुं (२) पतंगनी कमान
काँपना अ०क्रि० कांपवुं; ध्रूजवुं
काँय काँय, काँव काँव कागडानी काका (२) शोरबकोर
काँवर(–रि) स्त्री० कावड
काँवरिया पुं० कावडवाळो; कावडियो
काँस पुं० एक जातनुं घास
काँसा पुं० कांसुं (२) जुओ 'कासा'
काँसागर, काँसार पुं० कांसानुं काम करनार–कंसारो
का छठ्ठी विभक्तिनो प्रत्यय (स्त्री० –की)(२)व्रजभाषामां 'किस', 'कौन'ना विभक्तिरूपनो आदेश. जेम के 'काको,' 'कासों'
काई स्त्री० लील (२) मेल (३) काट. **–छुड़ाना**=मेल के दुःखदारिद्र दूर करवुं
काऊ अ० (प.) कदी (२) सर्व कोई (३) कशुं; कांई
काक पुं० [सं.] कागडो
काकदंत पुं० (ला.) असंभव वात
काकरेज, काकरेजी पुं० [फा.] काळो– काकरेज, घेरो लाल जांबली रंग
काका पुं० काको
काकाकौआ, काकातूआ पुं० काकाकौवो
काकी स्त्री० काकी (२) [सं.] कागडी
काकु पुं० [सं.] व्यंगमां बोलवुं ते
काकुल पुं० [फा.] कान पर लटकती लट
काख पुं० [फा.] मोटुं आलेशान मकान; महेल
काग पुं० कागडो
काग़ज़ पुं० [अ.] कागळ (२) दस्तावेज (३) छापुं (४) सरकारी नोट. **–का रुपया**=चलणी नोट. **–की नाव**= नाशवंत के नकामी वस्तु. **–पत्र**= कागळपत्र (२) दस्तावेज
काग़ज़ात पुं० ब० व० [अ.] कागळपत्र
काग़ज़ी वि० कागळनुं के कागळ जेवुं पातळुं (जेम के काग़ज़ी नीबू) (२) लखेलुं (३) पुं० कागदी
कागद पुं० कागळ; 'काग़ज़'
कागर पुं० (प.) कागळ (२) पीछुं
कागारोल पुं० कागारोळ; शोरबकोर
काच पुं० [सं.] काच; 'काँच'
काचा वि० (प.) 'कच्चा'; काचुं
काछ पुं० [सं. कक्ष] पेढु ने जांघ वच्चेनो भाग (२) काछडी
काछना स० क्रि० काछडी घालवी (२) हथेळी के चमचीथी उपर उपरथी लेवुं
काछनी स्त्री० 'कछनी'; काछडी
काछा पुं० काछडो
काछी पुं० काछियो
काछे अ० (प.) पासे; नजीक
काज पुं० काज; काम (२) प्रयोजन (३) धंधोरोजगार (४) बटननो गाज
काजर(–ल) पुं० काजळ

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

क़ाज़ी पुं०[अ.]काजी; (इस्लाम प्रमाणे) न्यायाधीश

काजू पुं० काजु के तेनुं झाड

काजू-भोजू वि० काचुंपोचुं; तकलादी

काट स्त्री० कापवुं ते (२) घा; जखम (३) चालवांजी; दगोकपट

काटछाँट स्त्री० मारामारी; लडाई (२) ओछावत्तापणुं; कापकूप

काटना स०क्रि० कापवुं (२) कापी लेवुं; कमी करवुं (३) समय विताडवो (४) करडवुं; डसवुं. **काटो तो खून नहीं**=बिलकुल स्तब्ध थई जवुं

काटू वि० कापनारुं (२) डरामणुं

काठ पुं० काष्ठ; लाकडुं. **–कबाड़**= भांग्योतूट्यो सामान. **–का उल्लू**= जड; पाको मूर्ख. **–की हाँडी**=दगो दे एवी ना-टकाउ चीज. **–होना**= काष्ठवत् –स्तब्ध के अक्कड थवुं

काठड़ा पुं० लाकडानी कथरोट

काठी स्त्री० शरीरनुं काठुं (२) ऊंटनो काठडो; घोडाना जिननुं काठुं

काड-लिवर-आयल पुं० [इं.] कॉड माछलीनुं तेल

काढ़ना स०क्रि० काढवुं (२) कढाईमां तळीने काढवुं; पकाववुं (३) (चित्र) काढवुं; आलेखवुं

काढ़ा पुं० काढो; क्वाथ

कातना स०क्रि० कांतवुं

कातर वि०[सं.]दुःखी;बेचेन(२)बेबाकळुं; अधीर (३)गभरायेलुं; बीनेलुं [छरी

काता पुं० कांतेलुं सूतर; दो ो(२) कातुं;

कातिक पुं० कारतक मास

कातिब पुं० [अ.] लहियो; लखनार

क़ातिल वि०[अ.] कतल करनार; घातक

काती स्त्री० कातर (२) चाकु (३) कटार [गोदडी; कंथा

काथ पुं० (प.) खावानो काथो (२)

कादंबरी स्त्री०[सं.] कोयल; मेना (२) वाणी; सरस्वती (३) एक जातनो दारू

कादर वि० कातर; डरपोक

क़ादिर वि० [अ.] सशक्त; समर्थ

कान पुं० कर्ण; कान (२) काननुं एक घरेणुं (३) स्त्री० जुओ 'कानि' (४) [फा.] खाण. **–उठाना**=सांभळवा तैयार थवुं. **–कतरना, –काटना** = मात करवुं; चडियाता थवुं; माथे चपटी भभराववी (२) धोको देवो; छेतरवुं. **–करना, देना, धरना** = ध्यान देवुं; कान देवा. **–पर जूँ न रेंगना**=कशी परवा न करवी. **–फूँकना, भरना** =कानभंभेरणी करवी. **–भर जाना**= सांभळी सांभळीने कंटाळवुं. **कानमें तेल या रूई डालना** = कान बंध करवा – न सांभळवुं के ध्यान पर न. लेवुं. **–होना**=सतेज थवुं; भान आववुं. **कानोंकान ख़बर न होना**=ज़राय खबर न होवी

कानन पुं० [सं.] वन (२) घर

कानफरेन्स स्त्री० [इं.] परिषद

काना वि० [स्त्री०–नी] काणुं (२) डंखेलुं (फळ) (३) तीरछुं; वांकुं (४) पुं० लखवानो कानो (ा)

कानाकानी, कानाफूसी, कानाबाती स्त्री० कानमां वात कहेवी ते [संकोच

कानि स्त्री० लोकलाज; मर्यादा (२)

कानी वि०स्त्री० सौथी नानी (–ऊँगली) (२) काणी. **–कौड़ी** स्त्री० काणी कोडी; फूटी बदाम

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

कानीन वि०[सं.] कन्याथी पेदा थयेल
कानीहाउस पुं० जुओ 'काँजी-हाउस'
क़ानून पुं० [फा.] कायदो. **–छाँटना, बघारना, लड़ाना**=कानूनी चर्चा–कायदाबाजी करवी;तर्कबाजी लडाववी
क़ानूनगो पुं० [फा.] तलाटीओनो एक उपरी-अमलदार
क़ानूनदाँ पुं० [फा.] कानून जाणनार
क़ानूनदानी स्त्री० [फा.] कायदानुं ज्ञान
क़ानूनन् अ० [अ.] कायदेसर
क़ानूनिया वि० कानून जाणनार (२) तकरारखोर
क़ानूनी वि० कायदा कानूनने लगतुं, ते संबंधी [कानें
कानोंकान अ० कानोकान; एकथी बीजे
कान्फरेन्स स्त्री० [इं.] परिषद
कान्स्टिटयुशन पुं० [इं.] राज्यबंधारण
कान्स्टेबिल पुं० [इं.] पोलीसनो सिपाई
कान्ह, ०र पुं० कहान; श्रीकृष्ण
कान्हड़ा पुं० कानडो राग
कापालिक पुं० [सं.] कपाली बावो–शिवभक्त
कापाली पुं० [सं.] शंकर; महादेव
कापी स्त्री० [इं.] कॉपी; नकल के नोट
कापुरुष पुं० [सं.] कायर, बायलो माणस
क़ाफ़ पुं० [अ.] अरबी-फारसी वर्ण-माळानो एक अक्षर (२) एक कल्पित पर्वत. **–से क़ाफ़ तक**=आखा विश्वमां
क़ाफ़िया पुं०[अ.]काफियो; अंत्य अनुप्रास. **–तंग करना**=पजववुं
काफ़िर वि० [अ.] एक जातिनुं (अफघानिस्ताननी सरहद परनी) (२) काफर; गेरमुस्लिम (३) नास्तिक (४) निर्दय (५) दुष्ट
काफ़िरिस्तान पुं० [अ.]अफघानिस्ताननी 'काफ़िर' जातनो प्रदेश
काफ़िरी स्त्री० 'काफ़िरिस्तान' नी भाषा
काफ़िला पुं० [अ.] काफलो
काफ़ी वि० [अ.] काफी; पूरतुं (२)स्त्री० एक राग (३) कॉफी पीणुं [जवुं
काफ़ूर पुं०[फा.] कपूर. **–होना**=छू थई
काफ़ूरी वि० कपूरनुं के तेना रंगनुं
काब स्त्री० [तु.] मोटी तासक; थाळ
काब(–बु)क पुं० [फा.] कबूतरखानुं
काबर वि० काबरचीतरुं
क़ाबलियत स्त्री० जओ 'क़ाबिलीयत'
काबा पुं० [अ.] मक्कानुं काबा स्थान
क़ाबिज़ वि० [अ.] अधिकारवाळुं (२) दस्त रोकनारुं; कबजियात करनारुं
क़ाबिल वि० [अ.] योग्य; लायक (२) विद्वान. ०**(–ले)तारीफ़** वि० प्रशंस-नीय; वखाणवा लायक. ०**दीद** वि० जोवा लायक
क़ाबिलीयत स्त्री० [अ.] योग्यता; लायकात (२) पांडित्य; विद्वत्ता
काबुक स्त्री० [फा.] कबूतर राखवानी पेटी; कबूतरखानुं
काबुल पुं० [फा.] काबुल प्रदेश. **–में क्या गधे नहीं होते?**=सारा साथे नठारुं नथी होतुं? गाम होय त्यां ढेडवाडो होय
काबुली पुं० [फा.] काबुली (२) वि० काबुलनुं के तेने लगतुं [हकूमत
क़ाबू पुं० [तु.] काबू; कबजो; सत्ता;
काम पुं० काम; इच्छा; वासना (२) कर्म; काम. **–आना**=काममां आववुं (२) लडाईमां मरवुं. **–का**=कामनुं; उप-योगी. **–तमाम करना**=काम पूरुं करवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

(२) मारी नाखवुं. –निकलना, बनना= काम सफळ थवुं. –रखना=संबंध के लेवादेवा होवी के राखवी (२) कठण के मुश्केल पडवुं. –से काम रखना= पोते पोताना काममां ध्यान राखवुं. –होना=काम थवुं (२) मरवुं (३) खूब तकलीफ पडवी

कामकाज पुं० कामकाज; कामधंधो

कामकाजी वि० कामकाजवाळुं; उपयोगी

कामगार वि०[फा.] सफळ; कामियाब (२) पुं० कामदार

कामचलाऊ वि० कामचलाउ; जेनाथी काम चाली जाय एवुं [आळसु

कामचोर वि० काममां जीव चोरनार;

क़ामत स्त्री० [अ.] कद; आकार

कामदानी स्त्री० भरतकाम के ते करेलुं एक कपडुं

कामदार वि० कसबी भरतवाळुं (२) पुं० काम करनार; प्रवन्धकर्ता

कामधाम पुं० कामकाज

कामधेनु स्त्री० [सं.] कामधेनु गाय

कामना स्त्री० [सं.] इच्छा [विवश थईने

काम-ना-काम अ० [फा.] लाचारीथी;

कामयाब वि० [फा.] सफळ; कृतार्थ

कामयाबी स्त्री० [फा.] सफळता

कामरी,–रिया स्त्री० कामळी

कामरू,०प पुं० [सं.] कामरूप देश

कामरेड पुं०[इं.] साथी (साम्यवादी); 'काम्रेड' [कमळानो रोगी

कामल [सं.], –ला पुं० कमळो. –ली पुं०

कामा पुं० [इं.] 'कॉमा'; अल्पविराम

कामिनी स्त्री०[सं.] (सुंदर के कामयुक्त) स्त्री (२) दारू

कामिल वि०[अ.] पूरुं; कुल (२) योग्य

कामी वि० कामगरुं; 'कामकाजी' (२) [सं.] कामी; विषयी

कामुक वि०[सं.]इच्छुक; कामी [नाटक

कामेडी स्त्री०[इं.] 'कॉमेडी'; सुखांतक

काम्रेड पुं० [इं.] जुओ 'कामरेड'

काय स्त्री० [सं.] काया; देह

कायथ पुं० कायस्थ जातिनो माणस

कायथी स्त्री० कैथी लिपि

क़ायदा पुं०[अ.] कायदो (२) सिद्धांत; नियम(३)वर्तननो ढंग(४)व्यवस्था; क्रम (५) बाळपोथी. –बाँधना=नियम करवो

क़ायदादाँ वि०[फा.] विवेक सभ्यताना नियम जाणनार; सभ्य

क़ायदे-आज़म पुं०[अ.] सौथी मोटो नेता

कायफर,–ल पुं० कायफळ झाड के फळ

क़ायम वि०[अ.] कायम;स्थिर;स्थापित; निश्चित; मुकरर

क़ायम-मिज़ाज वि० शांत मिजाजनुं

क़ायम-मुक़ाम वि० [अ.] अवेजी

क़ायमा पुं० [अ.] काटखूणो

कायर वि० डरपोक; बीकण. ०ता स्त्री०

क़ायल वि० [अ.] माननारुं; कबूल करनारुं. –करना, –माकूल करना= समजाववुं; मनाववुं. –होना=समजवुं; मानवुं; स्वीकारवुं

कायस्थ पुं०एक हिंदु जाति के तेनो माणस

काया स्त्री० काया; देह; शरीर

कायाकल्प पुं० वृद्धने तरुण करवानो एक औषधोपचार [फेरफार

कायापलट स्त्री० कायापलटो; भारे

कायिक वि० [सं.] देह संबंधी; शारीरिक

कायिका स्त्री० [सं.] व्याज [पक्षी

कारंड, ०व पुं०[सं.] हंसनी जातनुं एक

कारंधमी पुं० [सं.] रसायनशास्त्री

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

कार वि० [सं.] (समासमां अंते आवे त्यां) करनार, जेम के, कुंभकार (२) पुं० [फा.] कामकाज (३) स्त्री० [इं.] मोटर

कार-आमद वि० [फा.] काममां आवे एवुं; उपयोगी [एवुं; अनुभवी

कार-करदा वि० [फा.] काम करेलुं होय

कारकुन पुं० [फा.] कामकाज करनार; कारकुन; गुमास्तो

कारख़ाना पुं० [फा.] कारखानुं (२) कारभार; व्यवसाय (३) घटना; मामलो. -नेदार पुं० क़ारखानदार

कार-ख़ास पुं० [फा.] खास काम

कारख़ैर पुं० [फा.] पुण्य काम

कारगर वि० [फा.] असरकारक (२) उपयोगी; काममां आवे एवुं

कार-गुज़ार वि० [फा.] कर्तव्यपरायण

कारगुज़ारी स्त्री० [फा.] कर्तव्यपालन (२) होशियारी; आवडत

कार-चोब पुं० [फा.] भरतकाम माटे कपडुं तंग राखवानुं चोकठुं (२) भरत क़रनारो

कार-चोबी वि० [फा.] भरतकामने लगतुं (२) स्त्री० भरतकाम; कोतरकाम

कारटून पुं० [इं.] 'कार्टून'; व्यंगचित्र

कारट्रिज, [इं.], कारतूस पुं० [पो.] बंदूक पिस्तोलनो कारतूस [सबब (२) साधन

कारण पुं० [सं.] कारण; हेतु; प्रयोजन;

कारन पुं० कारण

कारनामा पुं० [फा.] कोईनां कार्योनो हेवाल

कारनिस स्त्री० [इं.] दीवाल परनी कांगरी; 'कार्निस'

कारनी वि० प्रेरक (२) पुं० बुद्धिभेदक

कार-परदाज़ वि० [फा.] काम करनार; कामदार; मुनीम

कार-परदाज़ी स्त्री० [फा.] मुनीमी; कामदारपणुं

कारबंद वि० [फा.] आज्ञाकारी

कारबन पुं० [इं.] 'कार्बन'; एक रसायणी मूळतत्त्व

कारबार पुं० [फा.] कारभार; धंधो

कारबारी वि० [फा.] कामकाजवाळुं (२) पुं० कारभारी [लगतुं; 'कार्बोनिक'

कारबोनिक वि० [इं.] कार्बननुं के तेने

काररवाई स्त्री० [फा.] काम (२) कार्यवाही (३) कारस्तान; गुप्त प्रयत्न [काफलो

कारवाँ पुं० [फा.] यात्रीओनी टोळी;

कारवाँ-सराय स्त्री० [फा.] धर्मशाळा

कारसाज़ वि० [फा.] काम पार उतारनार; कार्यकुशल [गुप्त चालबाजी

कारसाज़ी स्त्री० [फा.] कार्यकौशल्य (२)

कारस्तानी स्त्री० [फा.] चालबाजी; कारस्तान होवां ते

कारा स्त्री० [सं.] केद; बंधन (२) पीडा

कारागार, कारागृह पुं० [सं.] केदखानुं; जेल

कारावास पुं० [सं.] केद

कारिंदा पुं० [फा.] मुनीम; कारकुन

क़ारिक़ पुं० [अ.] 'कुर्की'—जपती करनार

कारिका स्त्री० [सं.] छंदमां करेलुं विवरण (२) नटी (३) व्याज

कारिख स्त्री० जुओ 'कालिख'

कारी वि० [फा.] काम ठीक करी बतावे एवुं; होशियार (२) कारी; घातक (३) पुं० (कुरांन) पढनार (४) [सं.] (समासने अंते)—ते करनारुं. जेम के कल्याणकारी

कारीगर पुं० [फा.] कारीगर; अमुक कार्यमां कुशळ माणस. -री स्त्री० कारीगरनुं काम के कुशळता

कारुण्य पुं० [सं.] करुणा; दया

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

क़ारूँ पुं० [अ.] मूसानो धनवान पण कृपण भाई (२) कंजूस. **–का ख़ज़ाना** =अपार धन

क़ारूरा पुं० [अ.] पेशाब (२) मूत्रपरीक्षा माटे मूत्र राखवानी शीशी

कारो वि० (२) पुं० जुओ 'काला'

कारोबार पुं० जुओ 'कारबार';कामकाज

कार्ड पुं० [इं.] पोस्टकार्ड; पत्तुं

कार्तिक पुं० [सं.] कारतक महिनो

कार्निस स्त्री० [इं.] जुओ 'कारनिस'

कार्पण्य पुं० [सं.] कृपणता; कंजूसी; दया

कार्बन पुं० [इं.] जुओ 'कारबन'

कार्बोनिक वि० [इं.] जुओ 'कारबोनिक'

कार्य पुं० [सं.] काम

कार्यकर वि० [सं.] कार्यसाधक

कार्यकर्ता पुं०[सं.]काम करनार [करनार

कार्यार्थी वि० [सं.] उमेदवार (२) दावो

कार्यालय पुं०[सं.]दफतर;कचेरी;ऑफिस

कार्रवाई स्त्री० जुओ 'काररवाई'

काल पुं० [सं.] काळ; समय (२) मृत्यु (३) दुकाळ (४) काळो रंग (५) वि० काळुं (६) (प.) अ० 'कल'; काले. **–काटना** =वखत गाळवो–गुजारवो

कालकूट पुं० [सं.] एक भयंकर झेर–औषधि [(२) जेलनी अंधारी

कालकोठड़ी(–री) स्त्री० काळी कोटडी

कालचक्र पुं० [सं.] समयनुं चक्र (२) जीवननी सारी माठी दशा

कालधर्म पुं० [सं.] मरण (२) समय के ऋतुनो धर्म [(२)दिवाळीनी रात

कालनिशा स्त्री० [सं.] घोर अंधारी रात

कालपुरुष पुं० [सं.] काळ; यमराजा (२) भगवाननुं विराट रूप

कालबंजर पुं० पडतर जमीन

कालबुद [फा.], **कालबूत** पुं० जुओ 'कलबूत'; कालबूत

कालभैरव पुं० [सं.] शिव

कालरात्रि,–त्री(–त,–ति) स्त्री० [सं.] जुओ 'कालनिशा'

कालांतर पुं० [सं.] बीजो समय

काला वि० काळुं (२) (ला.) भारे; बहु मोटुं (३) खराब (४) पुं० काळो साप

कालाकलूटा वि० काळुंभमर; काळुंमेश

कालाचोर पुं० काळो चोर; भारे भूंडो के चोर माणस

काला नमक पुं० संचळ [बीजो

काला पहाड़ पुं० भारे(दुःखनो)के असह्य

काला पानी पुं० काळुं पाणी; देशनिकाल (२) दारू

कालिंग वि० [सं.] कलिंग देशनुं (२) पुं० कलिंगनो वतनी के त्यांनो साप (३) हाथी

कालिंदी स्त्री० [सं.] यमुना नदी

कालिका स्त्री० [सं.] काळका; काली (२) काळापणुं (३) मेश (४) वादळ (५) शराब

कालिख स्त्री०[सं. कालिका]मेश;काजळ

कालिज पुं० कॉलेज [(टोपीनो)

क़ालिब पुं० [अ.] शरीर; देह(२)कालबूत

कालिमा स्त्री० [सं.] काळाश (२)अंधारुं (३) जुओ 'कालिख'

कालिय पुं० [सं.] काळी नाग(यमुनानो)

काली स्त्री० [सं.] कालिका; काळी माता; (२) काळी स्त्री (३) काळो रंग, शाही, वादळ, पक्षी इ० (४) कोयल (५) एक दारू

कालीदह पुं० यमुनानो धरो जेमां काळो नाग रहेतो हतो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri.

कालीन वि० [सं.] (समासमां) काळनुं के ते संबंधी
क़ालीन पुं० [अ.] गालीचो
काली मिर्च स्त्री० मरी
कालू स्त्री० कालु माछली
कालोनी स्त्री० [इं. कॉलोनी] वसाहत
कालौंछ स्त्री० काळापणुं (२)'कालिख'
काल्पनिक वि० [सं.] कल्पेलुं; कल्पित
काल्ह, –ल्हि अ० (प.) काले
कावा पुं० [फा.] घोडाने गोळ गोळ फेरववो ते [शुक्राचार्य
काव्य पुं० [सं.] कविता (२) (सं.)
काश अ० [फा.] 'ईश्वर करे आम थाय' एवो उद्‌गार [फांक; टुकडो
क़ाश स्त्री० [तु.] फळ इ० नी चीरी;
काशाना पुं० [फा.] झूंपडी; नानुं घर
काशि,०का,–शी स्त्री०[सं.] काशी नगरी
काशी-करवट पुं० काशीनुं करवत के ते मुकाववानुं काशीनुं तीर्थस्थान.–लेना= काशीनुं करवत मुकाववुं
काशीफल पुं० कोळुं
काश्त स्त्री० [फा.] खेती (२) गणोत
काश्तकार पुं० [फा.] खेडूत(२)गणोतियो
काश्तकारी स्त्री० [फा.] खेती
काश्मीरा पुं० एक जातनुं गरम कापड
काश्मीरी वि० काश्मीरनुं (२) पुं० काश्मीर निवासी (३) रवरनुं झाड (४) स्त्री० काश्मीर प्रदेशनी भाषा
काश्मीर्य पुं०[सं.] केसर [भगवुं वस्त्र
काषाय वि०[सं.] भगवा रंगनुं (२) पुं०
काष्ठ पुं० [सं.] लाकडुं (२) ईंधण
कास पुं०[सं.] खांसी (२)काश–दर्भ घास
कासनी स्त्री०[फा.]एक वनस्पति–औषधि
कासा पुं० [अ.] कटोरो; भिक्षापात्र
कासार पुं० [सं.] तळाव
क़ासिद पुं० [अ.] कासद
क़ासिर वि०[अ.] कसरवाळुं(२)असमर्थ
कास्टिंग वोट पुं० [इं.] सरखा मत पडतां अपातो निर्णायक मत
कास्टिक पुं० [इं.] कॉस्टिक सोडा
काह अ० (प.) शुं; शी वात ?
काह स्त्री० [फा.] सूकुं घास
काहकशाँ पुं० [फा.] जुओ 'कहकशाँ'
काहिल वि० [अ.] आळसु; सुस्त
काहिली स्त्री० [अ.] आळस; सुस्ती
काही वि० [फा.] घासना रंगनुं; घेरुं लीलुं
काहु (–हू) स०(प.) कोई पण; 'किसी'
काहू पुं० [अ.] एक छोड, जेनां बी दवामां वपराय छे
काहे,काहेको अ०(प.) शा माटे ? केम ?
किं अ० जुओ 'किम्'
किंकर पुं० [सं.] दास; चाकर
किंकिणी स्त्री०[सं.] कंदोरो (२) एक जातनी खाटी द्राक्ष
किंकिनी स्त्री० 'किंकिणी'; कंदोरो
किंगरी स्त्री० रावणहथ्था जेवी सारंगी
किंतु अ० [सं.] पण; परंतु
किंपुरुष पुं० [सं.] किन्नर (२) हलको वर्णसंकर माणस
किंवदंती स्त्री०[सं.]अफवा; ऊडती वात
किंवा अ० [सं.] अथवा; के
कि अ०(प.) केवी रीते ? (२)[फा.] के
किकियाना अ०क्रि० किकियारी पाडवी (२) रोवुं; रोककळ करवी
किचकिच स्त्री० कचकच (२) तकरार
किचकिचाना अ०क्रि० दांत कचकचाववा के पीसवा के बेसाडवा

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

किचकिचाहट, किचकिची स्त्री० दांत पीसवा ते [पडवो

किचड़ाना अ० क्रि० (आंखमां) कचरो

किचपिच, किचरपिचर स्त्री० जुओ 'कचपच'; भीड (२) वि० अस्पष्ट

किछु वि० (प.) 'कुछ'

किटकिट पुं० कटकट; कजियो

किटकिटाना अ०क्रि० 'किटकिट' अवाज करवो (२) क्रोधथी दांत पीसवा (३) दांतमां कांकरी आववा जेवुं लागवुं –कचर कचर थवुं

किटकिना पुं० चाल; चालाकी (२) मोटा कन्ट्राक्टनो पेटा-कन्ट्राक्ट अपाय ते

किटकिना(–ने)दार पुं० 'किटकिना'–पेटा-कन्ट्राक्ट लेनार

किट्ट पुं० [सं.] मेल; काटरडो

कित अ० (प.) क्यां (२) कई तरफ

कितक वि० (प.) केटलुं; केवुं

कितना वि० (२) अ० [स्त्री०–**नी**] केटलुं

कितने(०ए)क वि० केटलाक

क़िता पुं० [अ.] सिलाईनो काप (२) ढंग (३) संख्या (४) विभाग; टुकडो

किता वि० (स्त्री० –**ती**) 'कितना'

किताब स्त्री० [अ.] किताब; ग्रंथ (२) वही (३) धर्मग्रंथ–कुरान के बाइबल

किताबखाना पुं० [अ.+फा.] पुस्तकालय

किताबत स्त्री० [अ.] लखवुं ते

किताबी वि० [अ.] किताबना आकारनुं, ने लगतुं (२) पुं० किताबना धर्मनो – यहूदी, ख्रिस्ती के इस्लामी [केटलुं

कितिक वि० (प.) 'कितक'; 'कितना';

कितेक वि०(प.) केटलुंक (२) केटलाएक

कितेब स्त्री० (प.) किताब

कितै अ० (प.) क्यां ?

कितो वि० (२) अ० (प.) जुओ 'कितना'

किधर अ० क्यां; कई बाजू

किधौं अ० (प.) या; अथवा

किन स० 'किस' नुं ब०व० (२) अ० (प.) 'क्यों न'; भलेने (३) पुं० चिह्न; डाघ

किनका पुं० अन्ननो टुकडो (२) कणकी

किनकी स्त्री० 'किनका' नुं अल्पत्ववाचक

किनार स्त्री० [फा.] पासुं; बाजू (२) भेटवुं ते (३) पुं० जुओ 'किनारा'. **दर किनार**=बाजूए रह्युं; क्यां वात!

किनारदार वि० किनारीवाळुं

किनारा पुं० किनार; कोर (२) [फा.] किनारो. **–करना, खींचना**=दूर थवुं; हठी ज़वुं. **किनारे लगना**=किनारे पहोंचवुं; समाप्त थवुं. **किनारे होना**=अलग के दूर थवुं

किन्नर पुं० [सं.] कुबेरना गणोनी एक देवयोनि. (स्त्री० **–री**)

किफ़ायत स्त्री० [अ.] काफी – पूरतुं होवुं ते (२) किफायत; बचत (३) सस्तापणुं; कम किंमत

किफ़ायती वि० संभाळीने–कम खरच करनारुं; करकसरवाळुं

क़िबला पुं० [अ.] नमाज पढवानी – कावानी पश्चिम दिशा (२) मक्का (३) बाप (४) पूज्य वडील [बादशाह

क़िबला-ए-आलम पुं० [अ.] ईश्वर (२)

क़िबलानुमा पुं० [फा.] पश्चिम दिशा बतावनारुं अरबी खलासीनुं एक यंत्र

क़िबला-रू वि० काबा तरफ मोंवाळुं

किम् स० [सं.] कयुं ? शुं ?

किमपि अ० [सं.] कांई पण; कशुंय

किमरिक(–ख) पुं० [इं. कॅम्ब्रिक] एक जातनुं कापड

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

किमाछ पुं० 'केवाँच'; कौच
किमाम पुं० जुओ 'क़वाम'
क़िमार पुं० [अ.] द्यूत; जूगटुं. ०खाना पुं० [फा.] जुगारखानुं
क़िमारबाज़ वि० [फा.] जुगारखोर
क़िमाश पुं० [अ.] जात; प्रकार; ढंग
किमि अ०(प.)केवी रीते; केम [किंमत
किम्मत स्त्री० चालाकी; होशियारी (२)
कियत वि० [सं.] 'कितना'; केटलुं
किया=कर्युं. 'करना' नुं भूत० रूप
कियारी स्त्री० क्यारी (२) मीठानो अगर
किरंटा पुं० किरानी; युरेशियन (तुच्छकारमां)
किरका पुं० नानो कांकरो
किरकिरा वि० करकरवाळुं. –हो जाना, होना=रंगमां भंग पडवो
किरकिराना अ०क्रि० करकर लागवी (२) करकरथी पीडा थवी. [नाम –हट स्त्री०]
किरकिरी स्त्री० करकर (२) अपमान
किरच स्त्री० कीरच; करच (जेम के काचनी) (२) अणीदार संगीन
किरण(-न)स्त्री० [सं.] किरण. –फूटना =सूर्य ऊगवो
किरपा स्त्री० (प.) कृपा
किरपान स्त्री० किरपाण; तलवार
किरम पुं० करम; कीडो; कृमि
किरमिच पुं० कॅन्वास कपडुं [रंग
किरमिज पुं० एक लाल – किरमजनो
किरमिजी वि० किरमजी रंगनुं
किरयात पुं० करियातुं; 'चिरायता'
किरराना अ०क्रि० दांत पीसवा–कच्च-कचाववा [डब्बो
किरांची स्त्री० गाडुं (२) भारखानानो

किरात पुं०[सं.] एक प्राचीन जाति (२) 'किरयात'; करियातुं (३) साईस
किरान अ० (प.) पासे; नजीक
किराना पुं० 'केराना'; करियाणुं
किरानी पुं० जुओ 'केरानी'
किराया पुं० [अ.] किरायुं; भाडुं
किरायेदार पुं० भाडे राखनार
किरासन, किरासिन पुं० केरोसीन
किरिच स्त्री० जुओ 'किरच'
किरिमदाना पुं० किरमज कीडो, जेमांथी ते नामनो रंग बने छे
किरिया स्त्री० (प.) सोगन (२) कर्तव्य (३) मृतकर्म; क्रिया
किरियाकरम पुं० क्रियाकर्म; मृतक्रिया
किरीट पुं० [सं.] मुगट
किर्म पुं० [फा.] 'किरम'; करम. –पीला=रेशमनो कीडो. –शबताब पुं० आगियो कीडो
किर्मिज पुं० जुओ 'किरमिज'
किलक(–कार,–कारी) स्त्री० किलकारी; हर्षध्वनि (२) जुओ 'किलिक'
किलकन स्त्री० किलकारवुं ते
किलक(–कार)ना अ०क्रि० किलकारी मारवी; किलकारवुं
किलकार,–री स्त्री० किलकारी
किलक़ारना अ०क्रि० जुओ 'किलकना'
किलकिल स्त्री० कचकच; झघडो (२) [सं.] खुशीनो किलकिलाट
किलकिला स्त्री० खुशीनो किलकिलाट (२) एक पक्षी (३) गर्जतो समुद्र
किलकिलाना अ०क्रि० किलकारवुं. [नाम –हट स्त्री०]
किलकी स्त्री० सुतारनुं एक ओजार; गरमी
किलना अ०क्रि० 'कीलना' नुं कर्मणि

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

किलनी स्त्री० .जूवो; कथीरी (कूतरां इ० पशुने चोटे छे ते)
किलबिलाना अ०क्रि० जुओ 'कुलबुलाना'
किलवाना स०क्रि० 'कीलना' नुं प्रेरक रूप
क़िला पुं०[अ.] किल्लो. –फ़तह करना, सर करना=मोटो गढ जीतवो; भारे मोटुं कांई काम करवुं
क़िलाबंदी स्त्री० किल्लेबंदी
किलिक, किल्क स्त्री०[फा.] कलमनुं वरु
क़िलेदार पुं० [फा.] किल्लेदार; गढवी
क़िल्लत स्त्री०[अ.] ऊणप; कमी (२) तंगी
किल्ला पुं० खीलो; खूंटो
किल्ली स्त्री० मेख; खूंटी (२) कूंची. –ऐंठना या घुमाना=चावी फेरववी; युक्ति करवी
किवाड़ (-र) पुं० [स्त्री०–ड़ी] कमाड. –देना, लगाना=कमाड बंध करवुं
किशमिश स्त्री० [फा.] किसमिस; द्राक्ष
किशमिशी वि० किसमिसवाळुं के तेना रंगनुं
किश (–स) लय पुं० [सं.] कूंपळ
किशोर पुं० [सं.] ११ थी १५ वरसनी उंमरनो छोकरो. (स्त्री० –री)
किश्त स्त्री० [अ.] शेतरंजमां राजाने शेह पडवी ते (२) पाकनुं खेतर
किश्तवार पुं० [फा.] तलाटीनो खातांना नंबरोनो चोपडो
किश्ती स्त्री० [फा.] जुओ 'कश्ती'
किश्वर पुं० [फा.] देश; मुलक
किस स० 'कौन' नुं विभक्तिमां थतुं रूप
किसब पुं० कसब; धंधो
किसबत स्त्री० [अ.] हजामनी थेली
क़िसमत स्त्री० जुओ 'क़िस्मत'
किसलय पुं० जुओ 'किशलय'
किसान पुं० [सं. कृषाण, प्रा. किसान] खेडूत. –नी स्त्री० खेती
किसी स० 'कोई' नुं विभक्तिमां थतुं रूप जेम के, 'किसीने', 'किसीको' इ. किसी न किसी=कोईनुं कोई; कोई एक
क़िस्त स्त्री० [अ.] हपतो (महेसूल के देवानो); कीस
क़िस्तबन्दी स्त्री० [फा.] किस्तबंधी; हपता चूकववानुं नक्की करवुं ते
किस्त-ब-किस्त, किस्तवार अ० हपते हपते
किस्बत स्त्री० [अ.] जुओ 'किसवत'
क़िस्म स्त्री० [अ.] किसम; जात; रीत; प्रकार
क़िस्मत स्त्री० [अ.] नसीब (२) अमुक जिल्लाओनो थतो प्रांत
क़िस्मतवर वि० [फा.] नसीबदार
क़िस्सा पुं० [अ.] किस्सो; कथा (२) वृत्तांत (३) झघडो [नकामी वात
क़िस्सा-कहानी स्त्री० काल्पनिक के
क़िस्सा-कोताह, –मुख़्तसर अ० [फा.] टंकमां के; तात्पर्य के
की 'का' प्रत्ययनुं स्त्री० (२) स०क्रि० करी; 'किया' नुं स्त्री०
कीक स्त्री० 'चीख'; चीस. [–देना, मारना]
कीकना अ०क्रि० चीस पाडवी; 'चीख़ना'
कीकर पुं० बावळियो
कीकरी स्त्री० बावळनी एक जात (२) एक जातनी सिलाई
कीच पुं० कीचड [पीयो
कीचड़ (–र) पुं० कीचड (२) आंखनो
कीट पुं० [सं.] कीडो (२) कीटुं; मेल
कीड़ा पुं० [सं. कीट, प्रा. कीड] कीडो (२) मंकोडो (३) जू, मांकण इ० (४) साप [(२) कीडी
कीड़ी स्त्री० 'कीडा' नुं अल्पतावाचक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

कीनख़ाब पुं०जुओ 'कमख़ाब'; किनखाब
कीना पुं० [फा.] कीनो; वेर. ०वर वि० कीनाखोर
कीप, कीफ़ [फा.] स्त्री० नाळचुं
क़ीमत स्त्री० [अ.] किंमत (वि० –ती)
क़ीमा पुं० [अ.] मांसनो खीमो
कीमिया पुं० [फा.] रसायणी क्रिया (२)कीमियो [करी जाणनार
कीमियागर पुं० [फा.] रसायणी क्रिया
कीमुख़्त पुं० [फा.] गधेडा के घोडानुं चामडुं (लीलुं दाणादार होय छे ते)
कीर पुं० [सं.] कीर; पोपट (२)काश्मीर (३) व्याध; शिकारी [कीर्तनकार
कीर्तन पुं०[सं.]गुणगान;भजन.–निया पुं०
कीर्ति स्त्री० [सं.] यश; ख्याति
कील स्त्री० [सं.] खीली के कांटो (२) कुंभारना चाकडानी के घंटीनी वचली खीली–खीलडो
कीलक पुं० [सं.] खूंटी (२) खीलो (ढोर बांधवानो)(३)मंत्रनो मुख्य भाग
कीलना स०क्रि० खीली मारवी (२) वश करवुं (३) मंत्रनुं मारण करवुं
कीला पुं० खीलो; खूंटो [खीली
कीली स्त्री० धरी (२)कीली; कूंची(३)
कीश पुं० [सं.] वानर
कीसा पुं० [फा.] थेली (२) खिस्सुं
कुँअर(–रेटा) पुं०[स्त्री० –री]'कुँवर'; पुत्र (२) राजपुत्र
कुँआ(–वा)रा वि० कुंवारुं (स्त्री०–री)
कुँई स्त्री० कुमुदिनी; 'कुईं'
कुंकुम पुं० [सं.] कंकु (२) केसर
कुंकुमा पुं० होळीमां गुलाल भरी नंखातो लाखनो गोळो [(वाळ)
कुंचित वि० [सं.] वांकुं (२) वांकडिया
कुंची(–जी) स्त्री० कूंची
कुंज पु०[सं.] कुंज; लतामंडप (२) [फा. =खूणो] शालना खूणा परनुं भरतकाम
कुँजड़ा पुं०[स्त्री०–ड़िन,–ड़ी] शाकभाजी वावनार वेचनार जातनो आदमी; कुंजडो ते वर्गमां श्रेष्ठ
कुंजर पुं०[सं.]हाथी (२)(समासने अंते)
कुंजा पुं० कूजो; 'कूजा'
कुंजी स्त्री० कूंची; चावी (२) टीकानी चोपडी
कुंठ वि० [सं.] बुठ्ठुं; मूरख
कुंठित वि० [सं.] 'कुंठ'; मूरख (२) रूंधायेलुं; रोकायेलुं
कुंड पुं०[सं.] पाणीनो कुंड; होज (२) (अग्निनो) कुंड
कुँड़रा पुं० कूंडाळुं (२) ऊढण
कुंडरा पुं० कूंडुं (२) माटलुं
कुंडल पुं० [सं.] कुंडळ (काननुं)
कुंडलिया पुं० कुंडळियो छंद
कुंडली स्त्री० जन्मकुंडली (२) जलेबी (३) पुं० [सं.] साप (४) मोर
कुंडा पुं० कूंडुं (२) कमाडनी सांकळनो नचूको
कुंडी स्त्री० पथ्थर के माटीनुं कूंडी जेवुं वासण (२) कमाडनी सांकळ (३) सांकळनो आंकडो
कुंत पुं० [सं.] भालो (२) जू
कुंतल पुं० [सं.] वाळ
कुंद पुं०[सं.] कुंद फूलझाड के फूल (२) नवनी संख्या (३) वि० [फा.] कुंठित; बुठ्ठुं (४) मंद
कुंदज़ेहन वि० मंदबुद्धि
कुंदन पुं० [सं.] चोख्खुं सोनुं
कुँदरू पुं० घिलोडुं–शाक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

कुंदा पुं० लाकडानुं नहि चीरेलुं मोटुं ठूणगुं–डीमचुं (२) बंदूकनो कुंदो–लाकडानो मूठनो भाग (३) दस्तो; मूठनो भाग (४) कुन्दी करवानी मोगरी (५) कुस्तीनो एक दाव

कुंदी स्त्री० कपडांने मोगरीथी टीपी सफाईदार करवुं ते. –करना=टीपवुं; मारवुं; धीबवुं

कुंदीगर पुं० कपडांने कुन्दी करनारो

कुँदेरना स०क्रि० खरादवुं

कुँदेरा पुं० खरादी

कुंभ पुं०[सं.] घडो (२) हाथीनुं कुंभ-स्थळ (३) एक राशि

कुंभकार, कुंभार पुं० [सं.] कुंभार

कुँभिलाना अ०क्रि० चीमळावुं

कुंभी पुं० [सं.] हाथी (२) मगर (३) स्त्री० नानो कुंभ–घडो

कुंभीर पुं० [सं.] मगर ['कुँआरा'

कुंवर(–रेटा), कुँवारा जुओ 'कुँअर',

कुँहकुँह पुं० कुंकुम; कंकु

कु उपसर्ग=खराब, नीच, नातुं, अल्प इ० भाव वतावें

कुआँ पुं०, [सं. कूप प्रा. कूव] कूवो. –खोदना=कूवो खोदवो; बीजानुं बूरुं ताकवुं (२) रोटलो कमावा मथवुं. **कुएँमें बाँस डालना**=खूब खोळवुं. **कुएँमें बाँस पड़ना**=खूब खोळ थवी.. **कुएँमें भाँग पड़ना**=वधांनी बुद्धि मारी जवी

कुआर पुं०(वि० –रा, –री)आसो मास

कुइयाँ स्त्री० कूई; नानो कूवो

कुईं स्त्री०कूई(२)[सं.कुव]कुमुदिनी;'कुँईं'

कुकटी स्त्री० कोकटी रू [संकोचावुं

कुकड़ना अ०क्रि० कोकडुं वळी जवुं;

कुकड़ा पुं० कूकडो

कुकड़ी,–री स्त्री० 'खुखडी'; सूतरनी कोकडी (२) कूकडी; मरघी (३) मकाईदोडो

कुकड़ूँकूँ अ० कूकडेकूक

कुकरना अ०क्रि० जुओ 'कुकड़ना'

कुकरी स्त्री०जुओ 'कुकड़ी' [(स्त्री०-टी)

कुकुर पुं० कुक्कुर; कूतरुं.

कुकुर-खाँसी, कुकुर-ढाँसी स्त्री० सूकी उधरस; ठांसो

कुकुर-माछी, कुकुरौंछी स्त्री० वगाई

कुकुर-मुत्ता पुं० कूतरानो कान; बिलाडीनो टोप

कुक्कुट पुं० [सं.] कूकडो (२)चिनगारी

कुक्कुर पुं० [सं.] कूतरुं.

कुक्ष पुं०, **–क्षि** स्त्री० [सं.] कूख; पेट

कुच पुं० [सं.] स्तन

कुचकुचाना स०क्रि० लगातार कोचवुं (जेम के, मुरब्बानुं आमळुं) (२) थोडुं कचरवुं

कुचना अ०क्रि० संकोचावुं; संकडावुं

कुचलना स०क्रि० कचडवुं; मसळवुं; पगथी दाबवुं

कुचला पुं० झेरकचोलुं

कुचाली वि० कुचालवाळुं; दुराचारी

कुचाह स्त्री० (प.) अशुभ वात

कुचील(–ला), कुचैला वि०[सं. कुचैल] (स्त्री०**–ली**) मेलां कपडांवाळुं (२) गंदुं; मेलुं

कुछ वि० थोडुं; केटलुंक; कांईक. **–एक** वि० थोडुंक. **–ऐसा** वि० एवुं कांईक –विलक्षण. **–का कुछ**=शुंनुं शुं; कांईनुं कांई;ऊलटुं.**–कुछ**=कांई कांई; थोडुं. **–हो** = चाहे ते हो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

कुज पुं० [सं.] मंगळ ग्रह (२) झाड
कुजा अ० [फा.] क्यां; कये ठेकाणे
कुज्जा पुं० जुओ 'कूज़ा'
कुटंट स्त्री० कूटियुं; मारपीट
कुटका पुं० कटको; ककडो
कुटकी स्त्री० कटकी (२) चीणो; 'कँगनी'
कुटनहारी स्त्री० खांडनारी स्त्री–गोली
कुटना पुं० कूटणो (२) बेने लडावी मारनार–चुगलीखोर [नाम. ०ई](३) अ०क्रि० कूटव्; मारवुं पीटवुं(४)खांडवुं
कुटनाना स०क्रि० स्त्रीने बहेकावी कूटणीना कुमार्गे लई जवी
कुटनी स्त्री० कूटणी; वेश्या
कुटाई स्त्री० कूटवुं ते के तेनी मजूरी
कुटिया स्त्री० कुटीर; झूंपडी
कुटिल वि० [सं.] खोटुं; दुष्ट; कपटी
कुटी स्त्री०, ०र पुं०[सं.] जुओ 'कुटिया'
कुटुंब पुं०[सं.] कुटुंब; परिवार
कुटुम पुं० कटम; कुटुंब; परिवार
कुटौनी स्त्री० खांडवानुं काम के तेनी मजूरी. –पिसौनी=दळवुं खांडवुं ते
कुट्टनी स्त्री० [सं.] कूटणी; 'कुटनी'
कुट्टी स्त्री० कापेलो बारीक चारो (२) कट्टा करवी; मैत्री छोडवी ते
कुठला पुं० [सं. कोष्ठ; प्रा. कोट्ठ](अल्प०, –ली) कोठलो (२) चूनानी भठ्ठी
कुठाँउँ,कुठाँव पुं०,स्त्री० कुठाम; कठेकाणुं
कुठार पुं० कोठार (२)[सं.] कुहाडी (२) फरसी
[[सं.] कुहाडी
कुठारी पुं० कोठारी; भंडारी (२) स्त्री०
कुठाली स्त्री० अंगीठी
कुठाहर,कुठौर पुं० कुठाम(२)कु-अवसर
कुठिया स्त्री० कोठी (अनाजनी)
कुड़क स्त्री० ईंडां मूकती बंध थयेली मरघी
कुड़कुड़ाना अ०क्रि० मनमां बळवुं; बबडवुं; चडभडवुं (२) खेतरमां पक्षी उडाडवां
कुड़कुड़ी स्त्री० पेटमां गुडगुड बोलवुं ते
कुड़बुड़ाना अ०क्रि० 'कुड़कुड़ाना'; मनमां चडभडवुं; कढवुं–गुस्से थवुं
कुडौल वि० बेडोळ; कढंगुं
कुढंग पुं० खोटो खराब ढंग (२) वि० जुओ 'कुढंगा'
कुढंगा, –गी वि० कढंगुं; 'भद्दा' (२) बूरी चालनुं
[कढवुं ते
कुढ़न स्त्री० [सं. क्रुद्ध] मनमां ने मनमां
कुढ़ना अ० क्रि० कढवुं; बळापो करवो
कुढ़ाना स०क्रि० चीडववुं; दुःखी करवुं
कुतका पुं० [तु.] कूतकुं; दंडो
कुतना अ० क्रि० अंदाज़, अडसट्टो थवो
कुतर पुं० [अ. कुत्र] वर्तुलनो व्यास
कुतरना अ०क्रि० दांतथी करपी लेवुं (२) वच्चेथी चातरी लेवुं
कुतवार, –ल पुं० 'कोतवाल'; कोटवाळ
कुतिया स्त्री० कूतरी
कुतुब पुं० [अ.] ध्रुव तारो
कुतुब स्त्री० ('किताब'नुं ब०व०) चोपडीओ
कुतुब-ख़ाना पुं०[अ.+फा.]'किताबखाना'
कुतुबनुमा पुं० जुओ 'क़ुत्बनुमा'
कुतुब–फ़रोश पुं० [अ.+फा.] बुकसेलर
कुतूहल पुं० [सं.] उत्कंठा; इच्छा (२) कौतुक; खेल (३) अचंबो
कुत्ता पुं० [स्त्री० –त्ती] कुत्तो (२) कुतरियुं घास (३) उलाळो (४) बंदूकनो घोडो. कुत्तेकी हुड़क=हडकवा. (–उठना=हडकवा थवो; अधीरुं बनवुं.) कुत्तेखसी=व्यर्थ नकामुं काम. कुत्तेने काटना=पागल थवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

क़ुत्ब पुं० [अ.] ध्रुव तारो (२) धरी (३) नेता

क़ुत्बनुमा पुं० [अ.+फा.] होकायंत्र

क़ुत्ब-शुमाली पुं० उत्तर ध्रुव प्रदेश

कुत्सा स्त्री० [सं.] निंदा. –त्सित वि० निंद्य; नीच

कुदकना अ०क्रि० कूदवुं

कुदक्का पुं० कूदको

क़ुदरत स्त्री० [अ.] प्रकृति; माया (२) महिमा; शक्ति [प्राकृतिक(२)दैवी

क़ुदरती वि० स्वाभाविक; असली;

कुदान स्त्री० कूदवुं ते; कूदको; छलंग. –भरना=कूदवुं (२) पुं० [सं.] खोटुं अपात्रे दान

कुदाना स० क्रि० कुदाववुं; 'कुदवाना'

कुदार,-ल,-री,-ली स्त्री० [सं. कुद्दाल] कोदाळी [द्वेष

कुदूरत स्त्री० [अ.] हृदयनो मेल; कीनो;

कुदृष्टि स्त्री० [सं.] खराब नजर; पापदृष्टि [एक दाव

कुद्रव पुं० [सं.] कोदरा (२) तलवारनो

कुधर पुं० [सं. कुध्र] पर्वत (२) शेषनाग

कुधातु स्त्री० [सं.] लोखंड

कुनकुना वि० कोकरवायुं

कुनना स० क्रि० खरादवुं

कुनवा पुं० [सं. कुटुंब, प्रा. कुडुंब] कुटुंब

कुनबी पुं० कणबी

कुनवा पुं० खरादी

कुनह स्त्री० [फा.] तत्त्व; तथ्य (२) वारीकी (३) [फा. कीना] द्वेष; वेर

कुनाई स्त्री० खरादीकाम के तेनी मजूरी (२) खखदतां पडतो भूको; वहेर

कुनैन स्त्री० क्विनीन [रस्तो

कुपं(–प)थ पुं० [सं.] खराब के खोटो

कुपढ़ वि० अभण; मूर्ख

कुपथ पुं० [सं.] जुओ 'कुपंथ'

कुपथ्य पुं० [सं.] शरीरने ना माफक ते

कुपना अ०क्रि० (प.) कोपवुं; गुस्से थवुं

कुपाठ पुं० [सं.] खोटो पाठ के सलाह शिखामण

कुपात्र वि०[सं.]अयोग्य;नालायक;अपात्र

कुपार पुं० (प.) अकूपार; समुद्र

कुपित वि० [सं.] गुस्से थयेलुं

कुप्पा पुं० (स्त्री० –प्पी) चामडानो कुप्पो. –होना=फूलवुं के हृष्टपुष्ट थवुं

कुफ़ुर, कुफ़्र [अ.] पुं० काफरपणुं; इस्लाममां नास्तिकता

क़ुफ़्ल पुं० [अ.] ताळुं

कुबड़ा पुं० [सं. कुब्ज] (स्त्री० –ड़ी) खूंधो (२) वि० खूंधुं; कूबडुं

कुब्ज वि० [सं.] कूबडुं; खूंधुं

कुमक स्त्री० [तु.] कुमक; मदद (२) पक्षपात (वि० –की). –पर होना= पक्ष लेवो

कुमकुम पुं० केसर (२) जुओ 'कुंकुमा'

क़ुमक़ुमा पुं० [तु.] काचनो रंगबेरंगी नानो गोळो (छतमां टंगाय छे ते) (२) जुओ 'कुंकुमा'

कुमरिया पुं० एक जातनो हाथी

क़ुमरी स्त्री० [अ.] कबूतर जेवुं एक पक्षी

क़ुमाच पुं० [अ. कुमाश] एक जातनुं रेशमी कापड [(३) वि० कुंवारुं

कुमार पुं० [सं.] छोकरो (२) राजकुमार

क़ुमारबाज़ वि० [अ. किमार+बाज] जुगारी [छोकरी–कन्या

कुमारी, –रिका स्त्री० [सं.] कुंवारी

कुमार्ग पुं० [सं.] खोटो–पापी रस्तो

कुमुद पुं० [सं.] कमळ

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

कुम्मैत पुं० [अ.] लाखनो रंग के ते रंगनो घोडो
कुम्हड़ा पुं० [सं. कुष्मांड] कोळुं. कुम्हड़ (०की) बतिया = नबळो पोचो माणस (२) नानुं काचुं कोळुं
कुम्हलाना अ० क्रि० चीमळावुं
कुम्हार पुं० (स्त्री० –रिन) कुंभार
कुम्ही स्त्री० (प.) पाणी पर फेलाती एक वेल
कुरंग पुं० [सं.] हरण (२) खराब रंग के लक्षण (३) वि० खराब रंगनुं. (स्त्री० –गिन = हरणी)
क़ुरआ पुं० [अ.] रमवानो पासो (२) वात नक्की करवा नखाती चिठ्ठी वगेरे
क़ुरक़ी स्त्री० जुओ 'क़ुर्क़ी'
कुरकुर पुं० कडकड थतो अवाज (जेम के पापडनो) [एवुं; कडक
कुरकुरा वि० 'कुरकुर' अवाज साथे भागे
कुरता पुं० [तु.] कुरतुं; पहेरण
कुरती स्त्री० सदरा जेवुं स्त्रीनुं कुरतुं
कुरना अ० क्रि० (प.) 'कूरा'–ढग थवो
क़ुरबत स्त्री० [अ.] नजदीक; समीपता
क़ुरबान पुं० [अ.] बलि; बलिदान कराय ते. –जाना, –होना = वारी जवुं; न्योछावर थवुं
क़ुरबानी स्त्री० बलिदान [(स्त्री० –री)
कुरर [सं.], –रा पुं० टिटोडी; क्रौंच पक्षी
कुरसी स्त्री० [अ.] खुरसी (२) मकाननी बेसणी (३) पेढी. –देना = मान आपवुं
कुरसीनामा पुं० [अ.+फा.] वंशावळी
कुराई (–य) स्त्री० (प.) कुराह; कुमार्ग (२) खाडाटेकरावाळो मार्ग
क़ुरान पुं० [अ.] कुरान धर्मग्रंथ
क़ुरानी वि० मुसलमान; कुरानने लगतुं
कुराह स्त्री० कुमार्ग; खोटो राह
कुराही स्त्री० जुओ 'कुराह' (२) वि० दुराचारी
कुरिया स्त्री० झूंपडी (२) नानुं गामडुं
कुरियाल स्त्री० पक्षी मोजमां आवी पांखो फफडावे ते. –में आना = मोजमां आववुं. –में गुलाल लगना = रंगमां भंग पडवो
कुरी स्त्री० (प.) वंश; खानदान (२) टुकडो
कुरुई स्त्री० वांस के मुंजनी नानी टोपली
कुरुख वि० [कु+रुख] नाराज
कुरुम पुं० (प.) कूर्म; काचबो ['करोदना'
कुरेद (–ल) ना स० क्रि० खणवुं; खोदवुं;
कुरै (–रौ) ना स० क्रि० (प.) (जुओ 'कूरा') ढगलो करवो
क़ुर्क़ वि० [तु.] जप्त करेलुं. –अमीन = जप्ती-अमलदार
क़ुर्क़ी स्त्री० जप्ती; 'क़ुरक़ी'
कुर्ता पुं० [तु.] जुओ 'कुरता'. –ती जुओ 'कुरती'
क़ुर्ब पुं०, ०त स्त्री० [अ.] 'क़ुरबत'; समीपता [के प्रदेश
क़ुर्ब-व-जवार पुं० [अ.] आसपासनी जगा
कुर्मी पुं० कणबी [पृथ्वी
कुर्र–ए–अर्ज पुं० [अ.] पृथ्वीनो गोळो;
क़ुर्स पुं० [अ.] सूर्यबिंब (२) गोळी
कुर्सी स्त्री० जुओ 'कुरसी'. ०नामा जुओ 'कुरसीनामा' [मरघो
कुलंग पुं० [फा.] एक जातनुं सारस (२)
कुल पुं० [सं.] कुळ; ओलाद (२) वि० [अ.] बधुं; तमाम [के रोटी
कुलचा पुं० [फा.] एक जातनी मीठाई
कुलच्छन पुं० (२) वि० कुलक्षण –नी पुं० (२) स्त्री० कुलक्षणवाळो के –वाळी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

कुल–जमा अ० [अ.] बधुं मळीने (२) केवळ; मात्र
क़ुलज़म पुं० [अ.] लाल समुद्र
कुलट पुं० व्यभिचारी. –टा स्त्री० खराब स्त्री [कळथी–एक धान
कुलथ पुं०, –थी स्त्री० [सं. कुलत्थिका]
कुलफ पुं० 'क़ुफ़्ल'; ताळुं
कुलफ़त स्त्री० [अ.] चिंता; फिकर
कुलफ़ा. पुं० [अ.] एक जातनुं शाक
कुलफ़ी स्त्री० कुलफी नळी जेमां मलाई इ० ठारवामां आवे छे
कुलबुल पुं० कलबल
कुलबुलाना अ० क्रि० कलबल करवी (२) खदवदवुं (३) सळवळवुं
कुल–मुख़्तार पुं० [फा.] कुल-मुखत्यार
कुलह(–हा) स्त्री० 'कुलाह'; टोपी(२) शिकारी पक्षीनी आंख परनुं ढांकण
कुलही स्त्री० कानटोपी
कुलाँच, –ट स्त्री० छलंग; कूदको
कुलाबा पुं० [अ.] मिजागरुं (२) मोरी (३) माछलीनो कांटो
कुलाल पुं० कुंभार(२)घुवड. –ली स्त्री०
कुलाह पुं० [फा.] एक जातनी टोपी
कुलिश,–स पुं० [सं.] वज्र (२) हीरो
कुली पुं० [तु.] गुलाम (२) रेलवेनो कुली–मजूर. ०कबारी पुं० हलका पछात लोक
कुलीन वि० [सं.] कुलवान; खानदान
कुलुफ पुं० ताळुं; 'क़ुफ़्ल' [(हिमालयनी)
कुलू,०त [सं.] पुं० एक पहाडी जाति
कुलेल स्त्री० कल्लोल; क्रीडा
कुल्फ़ी स्त्री० जुओ 'कुलफ़ी'
कुल्य पुं० [सं.] कुलीन पुरुष [(३) नदी
कुल्या स्त्री० [सं.] कुलीन स्त्री (२) नहेर
कुल्ला पुं०, कुल्ली स्त्री० कोगळो
कुल्लियात पुं० कुल कृतिओनो संग्रहग्रंथ
कुल्ली वि० [अ.] कुल; बधुं
कुल्हड़ पुं० [सं. कुल्हर] कुलडी; चडवो
कुल्हाड़ा पुं० कुहाडो
कुल्हाड़ी स्त्री० कुहाडी
कुल्हिया स्त्री० कुलडी (नानी). –म गुड़ फोड़ना=कुलडीमां गोळ भागवो; गुप्त रीते काम करवुं
कुवलय पुं० [सं.] भूरुं कमळ
कुवाँ पुं० कूवो [–री वि०
कुवाँर, कुवार पुं० 'कुआर'; आसो मास.
कुवेर पुं० [सं.] कुबेर
क़ुव्वत स्त्री० जुओ 'क़ूवत'
कुश पुं० [सं.] कुश घास
कुशल वि० [सं.] कुशळ; चतुर (२) स्त्री० कुशळता; खुशी. ०क्षेम पुं० क्षेमकुशळ. –लाई, –लात स्त्री० (प.) कुशळता; खुशी
कुशाग्र वि० [सं.] तीक्ष्ण; तेज
कुशादगी स्त्री०[फा.] विस्तार; मोकळाश
कुशादा वि० [फा.] खुल्लुं; मोकळुं (२) विस्तृत; विशाळ [गायक; नट
कुशीलव पुं० [सं.] कवि; भाटचारण (२)
कुश्ता पुं० [फा.] धातुनी भस्म
कुश्ती स्त्री० [फा.] कुस्ती. –खाना= कुस्तीमां हारवुं. –मारना = कुस्तीमां हराववुं–पछाडवुं
कुश्तोख़ून पुं० [फा.] मारकाट; खूनरेजी
कुष्ठ पुं० [सं.] कोढ. –ष्ठी वि० कोढियुं
कुष्मांड पुं० [सं.] कोळुं [०लाई(-त)'
कुस,०ल,०लाई(-त) जुओ 'कुश,०ल,
कुसवारी पुं० रेशमनो कीडो
कुसीद पुं० [सं.] व्याज; 'सूद'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

कुसुंभ पुं० [सं.] कसुंबानुं फूल
कुसुंभा पुं० कुसुबो (रंग के अफीणनो)
कुसुंभी वि० क़सुंबी; कुसुंबी
कुसुम पुं० [सं.] फूल (२) एक नेत्ररोग
क़ुसूर स्त्री० [अ.] कसूर; भूल. ०मंद, ०वार वि० अपराधी; भूलवाळुं
कुह(-हु)कना अ० क्रि० [सं. कुहक] पक्षीए कुहूकुहू – मधुर बोलवुं; टहुकवुं
कुहन वि० [फा.] जूनुं; पुराणुं
कुहनी स्त्री० [सं. कफोणि] कोणी
कुहरा पुं० धूमस
कुहराम पुं० [अ. कह्‌र–आम] रोककळ
कुहाना अ० क्रि० रूठवुं; रिसावुं
कुहासा पुं० 'कुहरा'; धूमस
कुहुकना अ० क्रि० जुओ 'कुहकना'
कुहू स्त्री० [सं.] अमास (२) कुहू कुहू अवाज
कूँच पुं० वणकरनो कूचडो (२) रती
कूँचा पुं० झाडु; सावरणो
कूँची स्त्री० सावरणी (२) पींछी के कूचडो
कूँज पुं० क्रौंच पक्षी
कूँजना अ० क्रि० कूजवुं
कूँड़ स्त्री० लाढानो टोप (माथा माटे) (२) हळनो चास (३) एक वासण
कूँड़ा पुं० कूंडुं. –ड़ी स्त्री० जुओ 'कुंड़ी'
कू पुं० [फा.] गली
कूईं स्त्री० कुमुदिनी
कूक स्त्री० मोर, कोयल इ० नो टहुको (२) घडियाळ, वाजा इ०नी चावी. –देना=चावी आपवी
कूकर पुं० कूतरुं. ०कौर पुं० एठुंजूठुं; तुच्छ वस्तु
कूका पुं० एक शीख संप्रदाय
कूच पुं० [सं.] स्तन (२) [तुर्की] कूच; प्रस्थान. –कर जाना=मरी जवुं. (किसीके) देवता कूच कर जाना= होशकोश ऊडी जवा. –बोलना=ऊपडवुं
कूचा पुं० [फा.] गली. ०गर्दी स्त्री० नकामी रखडपट्टी. ०बंद पुं० एक तरफ रस्तावाळी – बंध गली
कूज, ०न स्त्री० [सं.] ध्वनि; अवाज (२) पक्षीनुं कूजवुं ते
कूजना अ० क्रि० जुओ 'कूँजना'
कूज़ा पुं० [फा.] कूजो; माटीनुं पाणी माटेनुं वासण (२) माटीना वासणमां जमावातो साकरनो अर्धगोळ गांगडो
कूट पुं० [सं.] शिखर (२) कूडकपट (३) ढगलो (४) वि० अचळ; स्थिर (५) कूडुं; कपटी (६) बनावटी; जूठुं
कूटना स० क्रि० कूटवुं; खांडवुं (२) मारवुं; ठोकवुं (३) (घंटी इ०) टांकवी
कूटू पुं० एक छोड के तेनुं बी, जेनो लोट फराळमां चाले छे
कूड़ा [सं. कुट, प्रा. कूड =ढेर] 'कतवार'; कचरो पूंजो (२) नकामी चीज. ०कचरा, ०करकट पुं० कूडो कचरो; कचरापट्टी. ०ख़ाना पुं० कचरापेटी
कूढ़ वि० नासमज; बेवकूफ
कूढ़मग़ज़ वि० मंदबुद्धि
कूत स्त्री० अनुमान; अंदाज; अडसट्टो
कूतना स० क्रि० अनुमानवुं, अंदाजवुं
कूद स्त्री० [क्रि० कूदना=कूदवुं] कूदवुं ते
कूद–फाँद स्त्री० कूदवुं के ऊछळवुं ते
कून स्त्री० [फा.] गुदा
कूप पुं० [सं.] कूओ
कूब, कूबड़ पुं० [सं. कूबर] खूंध (२) कोई चीजनुं वांकापणुं
कूर वि०. क्रूर (२) दुष्ट; बूरुं (३) नकामुं (४) जड; मूर्ख

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

कूरा पुं० [सं. कूट, प्रा. कूड] (स्त्री० –री = ढगली) ढगलो (२) भाग; अंश
कूर्म पुं० [सं.] काचबो
कूल पुं० [सं.] किनारो (२) तळाव
कूला, कूल्हा पुं० कूलो
क़ूवत स्त्री० [अ.] कौवत; शक्ति
कृच्छ्र पुं० [सं.] कष्ट; दुःख (२) वि० कठण; कष्टमय [सतयुग
कृत वि० [सं.] करेलुं (२) पुं० कार्य (२)
कृतकृत्य वि० [सं.] कृतार्थ; सफळ; धन्य
कृतघ्न वि० [सं.] निमकहराम; उपकार न माननार [कदर करनार
कृतज्ञ वि०[सं.]निमकहलाल; उपकारनी
कृतांत पुं० [सं.] यम (२) शनिवार (३) सिद्धांत
कृतार्थ वि० [सं.] कृतकृत्य
कृति स्त्री० [सं.] कार्य; रचना (२) जादु (३) एक छंद (४) कातर के छरी-
कृती वि० [सं.] कृतार्थ; नसीबदार (२) कुशळ; होशियार (३) भलुं; पवित्र (४) कह्यागरुं [(३) कृत्तिकानक्षत्र
कृत्ति स्त्री० [सं.] मृगचर्म (२) चामडुं
कृत्तिका स्त्री० [सं.] एक नक्षत्र
कृत्य पुं०[सं.]कार्य(२)वि० करवा योग्य
कृत्रिम वि० [सं.] बनावटी; नकली
कृत्स्न वि० [सं.] आखुं; बधुं; समग्र
कृपण वि० [सं.] कंजूस (२) दीन; क्षु
कृपा स्त्री० [सं.] महेरबानी; दया
कृपाण (–न) पुं०[सं.] किरपाण;तलवार
कृपाल,–लु [सं.] वि० कृपाळु; कृपा के महेरबानीवाळुं
कृमि पुं० [सं.] करम; जंतु; कीडो
कृश,–शित वि० [सं.] दूबळुं; पातळुं (२) नानुं; क्षुद्र
कृषक पुं० [सं.] किसान; खेडूत
कृषि स्त्री० [सं.] खेती
कृष्ण वि० [सं.] काळुं (२) पुं० श्रीकृष्ण
कृष्णाष्टमी स्त्री० [सं.] गोकळआठम
कें कें स्त्री० चें चें अवाज
केंचली स्त्री० सापनी कांचळी
केंचुआ (–वा) पुं०अळसियुं;सरसियुं(२) झाडामां नीकळतो सफेद लांबो करम
केंचुरि (–ल,–ली) स्त्री० जुओ 'केंचली'
केंद्र पुं० [सं.] केन्द्र; मध्यबिंदु [एकत्रित
केंद्रित, केंद्री वि० [सं.] मध्यमां आवेलुं;
केंद्रीय वि० [सं.] केंद्रित (२) मुख्य
के स० (प.) कोण?
केउ स० (प.) कोई
केकड़ा पुं० करचलो [पुं० मोर
केका स्त्री० [सं.] मोरनो टहुको. –की
केड़ा पुं० नवो अंकुर; कूंपळ(२)नवजुवान
केत पुं० केतन; घर (२) केतकी [घणुं
केतक पुं० [सं.] केवडो(२)(प.)केटलुं(३)
केतकी स्त्री० [सं.] केवडो [निशान
केतन पुं० [सं.] घर; स्थान (२) धजा;
केतली स्त्री० कीटली; चादानी
केता वि० [स्त्री०–ती] केटलुं; 'कितना'
केतिक वि० केवुं (२) केटलुं
केतु पुं० [सं.] धजा (२) एक ग्रह
केतो वि० (प.) जुओ 'केता' 'केतक'
केदली स्त्री० कदली; केळ
केदार पुं० [सं.] वावेलुं खेतर (२) क्यारडो (३) झाडनो क्यारो
केन्द्र, –न्द्री इ० जुओ 'केंद्र'
केयूर पुं० [सं.] बाजुबंध
केर [सं. कृत] (स्त्री० –री) (प.) 'केरुं';नुं अर्थनो एक प्रत्यय
केराना पुं० 'किराना'; करियाणुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

केरानी पुं० 'किरानी'; युरेशियन (२) कारकुन
केराब पुं० वटाणा
केरी स्त्री० काची नानी केरी; 'अँबिया'
केरोसिन पुं० [इं.] ग्यासतेल
केला पुं० केळ के केळुं [रति – क्रीडा
केलि (–ली) स्त्री० [सं.] हांसी खेल (२)
केवका पुं० प्रसूतिमां अपातो एक मसालो
केवट पुं० [सं. कैवर्त] एक वर्णसंकर जात; माछी के नाविक
केवटी (दाल) स्त्री० अनेक प्रकारनी भेगी दाळ
केवड़ई वि० केवडाना रंगनुं
केवड़ा,–रा पुं० केवडो, तेनुं फूल के अत्तर
केवल वि० [सं.] केवळ; फक्त (२) शुद्ध; पवित्र; उत्तम. –ली पुं० केवळ ज्ञानवाळो
केवाँच स्त्री० कौवच; 'कौंच'
केवा पुं० [सं. कुव] कमळ
केवाड़ पुं० 'किवाड़'; कमाड
केश (–स) पुं० [सं.] वाळ
केशरंजन, केशराज पुं० [सं.] भमरो
केश (–स) र पुं० [सं.] केसर
केश (–स) री पुं० [सं.] केसरी; सिंह के घोडो [(२) केश; वाळ
केस पुं० [इं.] केस; किस्सो; मामलो
केसर पुं० [सं.] केसर (२) केशवाळी; याळ
केसरिया वि० (२) पुं० केसरी के ते रंग
केसरी पुं० जुओ 'केशरी'
केसारी स्त्री० एक हलकुं धान
केहा पुं० केका; मोर
केहि स० (प.) 'किस'; 'किसको'; कोने
केहूँ, –हू स० (प.) कोई (२) केवी के कोई रीते [वाडुं
क़ैंचा पुं० मोटी कातर (२) वि० 'भेंगा';
क़ैंची स्त्री० [तु.] कातर (२) साणसो. –करना=कापवुं. –काटना=फरी जवुं; नामुकर जवुं (२) छूपीथी सरकी जवुं. –बाँधना=बे जांघो वच्चे दबाववुं. –लगाना=कापवुं; कातर चलाववी
कैंडा पुं० चाल; रीत; ढंग (२) चालाकी; चालबाजी (३) माप; अंदाज. –करना =अंदाज काढवो
कैंप पुं० [इं.] कॅम्प; पडाव; छावणी
कै वि० 'कितना' (२) अ० या, अथवा
क़ै स्त्री० [अ.] वमन
कैतव पुं० [सं.] छळकपट; ठगाई (२) जूगटुं (३) वि० ठगारुं के जुगारी
क़ैतून स्त्री० [अ.] (सोनेरी के रूपेरी) एक जातनी कपडां पर लगावाती फीत
कैथ,–था पुं० कोठीनुं झाड
कैथिन स्त्री० कायस्थ स्त्री
कैथी स्त्री० शिरोरेखा वगरनी नागरीने मळती एक लिपि
क़ैद स्त्री० [अ.] केद; बंधन (२) केदख़ानुं (३) प्रतिबन्ध; रोकावट (४) शरत; मर्यादा. –काटना, भरना=केदनो वखत पूरो करवो–गुजारवो. –लगना=प्रतिबंध मुकावो; शरत के मर्यादा होवी
क़ैदक स्त्री० [अ.] 'पोर्टफोलियो'; कागळो राखवानी फाईल
क़ैदखाना पुं० [फा.] केदखानुं
क़ैद-तनहाई स्त्री० अंधारी कोटडीनी केद
क़ैद–महज़ स्त्री० [अ.] सादी केद
क़ैदी पुं० [अ.] केदी
कैधौं अ० (प.) या; अथवा
कैप पुं० [इं.] कॅप; टोपी
कैफ़ पुं० [अ.] केफ; नशो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

कैफ़ियत स्त्री० [अ.] समाचार (२) वर्णन; विवरण (३) आश्चर्यनी के हर्षनी घटना. –**तलब करना**=केफियत मागवी; कारण पूछवुं

कैफ़ी वि० [अ.] केफी; नशाबाज

कैबिनेट पुं० [इं.] राज्यनुं प्रधानमंडळ (२) खानावाळुं एक कबाट

कैमेरा पुं० [इं.] कॅमेरा, 'कमरा'

कैरा वि० भूखरो रंग (२) सफेद बळद

कैलंडर पुं० कॅलेंडर; ई० स० नुं पंचांग

कैवल्य पुं० [सं.] मुक्ति; एकता

कैवा अ० (प.) कंई वार

कैश पुं० [इं.] रोकड नाणुं

कैशियर पुं० [इं.] रोकड खजानची

क़ैसर पुं० [अ.] सम्राट; बादशाह

कैसा वि० (स्त्री०–सी) केवुं; कोना जेवुं

कैसे अ० केवी रीते (२) केम; शा माटे

कैसो वि० (प.) जुओ 'कैसा'

कोंचना स० क्रि० कोचवुं; घोचवुं; भोकवुं

कोंछ पुं० साल्लानो एक छेडो जेनाथी खोळो कराय छे. –**भरना**=(स्त्रीनो) खोळो भरवो

कोंछना, कोंछियाना स० क्रि० कांई छेडामां भरीने ते केडे खोसवो (२) साडीनी पाटली करी ते खोसवी

कोंढा पुं० कडी के आंकडो (२) वि० कडी के आंकडामां परोवेलुं

कोंप स्त्री० जुओ 'कोंपल'. ०**ना** अ० क्रि० कूंपळ नीकळवी

कोंपर पुं० केरीनी साख

कोंपल स्त्री० कूंपळ; नवां कोमळ पान

कोंवर,–रा वि० (प.) कोमळ

कोंहड़ा पुं० कोळुं; 'कुम्हड़ा' [प्रत्यय

को स० को; कोण (२) चोथी ने बीजीनो

कोआ पुं० जुओ 'कोया' (२) रेशमनो कोशेटो

कोइरी पुं० 'काछी' जात

कोइल, –लिया स्त्री० कोयल पक्षी

कोइली स्त्री० काळा डाघवाळी एक जातनी केरी

कोई स० (२) वि० कोई (३) अ० लगभग. उदा० कोई दस आदमी [कोईक

कोउ, –ऊ स० (प.) कोई. ०**क** स० (प.)

कोका पुं० [अ.] दूध-भाई; एक धावने धावेल [वेल

कोकाबेरी (–ली) स्त्री० भरा कमळनी

कोकिल पुं० [सं.] कोयल (२) अंगारो

कोकिला स्त्री० [सं.] कोयल

कोकी (–के) न स्त्री० [इं.] कोकेन–एक केफी औषधि

कोको स्त्री० कागडो (बाळभाषामां)

कोख स्त्री० कूख. –**उजड़ जाना, उजड़ना**=संतान मरी जवुं (२) गर्भपात थवो. –**खुलना**=बाळक थवुं. –**बंद होना, –मारी जाना**=वंध्या थवुं

कोच पुं० [इं.] वगी (२) बेसवानो कोच

कोचक वि० [फा.] नानुं

कोचना स० क्रि० 'कोंचना'; कोचवुं; भोंकवुं. **कोचा करेला**=वळियाना डाघवाळो चहेरो

कोचवान पुं० कोचमॅन; वगीवाळो

कोजागर पुं० [सं.] कोजागरी; शरद-पूनम

कोट पुं० [सं.] किल्लो (२) [इं.] कोट; डगलो (३) [सं. कोटि] समूह; करोड

कोटर पुं० [सं.] झाडनी बखोल

कोटि स्त्री० [सं.] धनुषनो छेडो (२) वर्ग; कक्षा (३) करोड संख्या (४) समूह

कोटिक वि० करोडो; अगणित

कोटी स्त्री० जुओ 'कोटि'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

कोठ वि० खटायेलुं (दांत माटे)
कोठड़ी(-री) स्त्री० कोटडी; नानी ओरडी
कोठा पुं० मोटी कोटडी (२) अटारी; उपरनो ओरडो (३) कोठो-खानुं के पेट इ० [-री पुं०
कोठार पुं० भंडार; कोठार; वखार.
कोठिला पुं० कोठलो; 'कुठला'
कोठी स्त्री० मोटुं भव्य मकान (२) कोई कामकाज माटेनी पेढीनुं के कचेरीनुं मोटु मकान (३) गर्भाशय (४) खाळकूवामां उतारवानी कोठी [साहुकार
कोठीवाल पुं० महाजन; मोटो वेपारी;
कोठेवाली स्त्री० वेश्या
कोड़ना स० क्रि० गोडवुं; खोदवुं
कोड़ा पुं० कोयडो
कोड़ी स्त्री० वीसनी कोडी; वीसी
कोढ़ पुं०पत-कोढनो रोग. -की खाज, -में खाज=दुःख पर दुःख आववुं. -चूना, टपकना=कोढ गळवो
कोढ़ी वि० कोढियुं (स्त्री० -ढ़िन)
कोण पुं० [सं.] खूणो [दिशा
कोत स्त्री० (प.) कौवत; बळ (२) कोण;
कोतल पुं० [फा.] कोतल; सवार वगरनो सजेलो के सवारीनो खास घोडो
कोतवाल पुं० कोटवाळ; फोजदार
कोतवाली स्त्री० पोलीसथाणुं के कोटवाळनुं काम के पद [-ती)
कोता(०ह) [फा.]वि० नानुं;कम (स्त्री०
कोताही स्त्री० [फा.] कमी; बाकी; कसर
कोथला पुं० कोथळो (२) पेट. -ली स्त्री० कोथळी; थेली
कोदंड पुं० [सं.] धनुष्य
कोद स्त्री० (प.) 'कोत'; दिशा
कोदई, कोदरा, कोदव, कोदो, कोद्रव [सं.] पुं० कोदरा. कोदो देकर पढ़ना या सीखना=अधूरी ढंग वगरनी केळवणी लेवी. छाती पर कोदो दलना=सामो जाणे तेम एवुं काम करवुं जेथी तेने बूरुं लागे [खूणे भरावुं
कोना पुं० खूणो; कोण. -झाँकना=
कोना-खँतरा पुं० खूणोखांचरो
कोनिया स्त्री० खूणामां मुकाती अभराई
कोप पुं०[सं.] क्रोध; गुस्सो. ०ना अ०क्रि० कोपवुं. -पी वि० क्रोधी
कोफ़्त स्त्री० [फा.] पीडा; दुःख (२) लोढा पर सोना चांदीनुं जडित काम
कोफ़्ता पुं०[फा.] एक जातनो कबाब-मांसनी वानी
कोबा पुं० [फा.] मोगरी; कूबो
कोबी स्त्री० कोबी, करमकल्लो;'गोबी'
कोमल वि० [सं.] कोमळ; मृदु
कोय स० 'कोई'
कोयल स्त्री० कोयल पक्षी
कोयला पुं० कोलसो; कोयलो
कोया पुं० आंखनो डोळो के खूणो (२) फणसनुं चांपुं (३) रेशमना कीडानो कोशेटो
कोर स्त्री० कोर (किनार; धार) (२) द्वेष; वेर (३) दोष; खामी (४) पंक्ति; हार (५) वि० [फा.] अंध. -दबना=लागमां आववुं [वत्ताओछापणुं
कोर-कसर स्त्री० दोष ने खामी (२)
क़ोरट पुं०[इं.] कोर्ट ऑफ वॉर्ड्झ;वालीनुं काम करती कोर्ट
कोरनिश [फा.] स्त्री० कुरनिस; झूकीने करेली सलाम
क़ोरमा पुं० [तु.] खूब घीमां तळेलुं मांस

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

कोरा वि० (स्त्री०–री) कोरुं (२) पुं० सादुं रेशमी कापड (३) गोद; खोळो
कोरि वि० (प.) कोटि; करोड
कोरी,–ली पुं० (हिंदु) वणकर
कोल पुं० [सं.], **कोली** स्त्री० गोद; खोळो
कोलाहल पुं० [सं.] कळाहोळ; शोरबकोर
कोलिया स्त्री० सांकडी गली (२) पटी जेवुं खेतर
कोली स्त्री० जुओ 'कोल' (२) पुं० जुओ 'कोरी'
कोल्हू पुं० कोलु के घाणी. **–काटकर मुंगरी बनाना** = थोडा लाभ माटे मोटी हानि वहोरवी. **–का बैल** = घांचीना वळद जेवो
कोविद वि० [सं.] कुशळ; प्रवीण
कोश(–ष) पुं० [सं.] खजानो (२) संघरेलुं धन (३) शब्दकोश (४) ढांकणुं; आवरण
कोशिश स्त्री० [फा.] प्रयत्न; महेनत
कोष पुं० [सं.] जुओ 'कोश'
कोष्ठ पुं० [सं.] कोठो; पेट (२) भंडार
कोष्ठक पुं० कोष्टक
कोष्ठी स्त्री० जनमोतरी
कोस पुं० गाउ; क्रोश
कोसना स० क्रि० महेणुं मारवुं; भांडवुं; शापवुं. **–काटना** = शाप अने गाळो देवां. **पानी पी पीकर कोसना** = खूब 'कोसना.'
कोसा-काटी स्त्री० शाप; निंदा
कोह पुं० क्रोध (२) [फा.] पहाड
कोहकनी स्त्री० [फा.] भगीरथ काम
कोहन,–ना वि० [फा. कुहन] पुराणुं
कोहनी स्त्री० 'कुहनी'; कोणी
कोहनूर पं० [फा.] कोहिनूर
कोहबर पुं० [सं. कोष्ठवर] विवाह इ०मां पूजवाना कुलदेवतानुं स्थान
कोहराम पुं० [फा.] जुओ 'कुहराम'
कोहसार पुं० [फा. कुहसार] पहाड के पहाडी प्रदेश
कोहान पुं० [फा.] ऊंटनी खूंध
कोहाना अ० क्रि० रोषावुं; गुस्से थवुं; रूसणुं लेवुं
कोहाब(–व) पुं० (प.) रूसणुं.
कोहिस्तान पुं० [फा.] पहाडी देश
कोही वि० क्रोधी (२) पहाडी
कौंच(–छ) स्त्री० कौवच
कौंध(–धा) स्त्री० वीजळीनो चमकारो (अ० क्रि० **कौंधना** = वीजळी चमकवी)
कौंसल पुं० [इं.] वकील; बारिस्टर
कौंसिल स्त्री० [इं.] काउन्सिल; धारासभा. ०र पुं० तेनो सभ्य [कागारोळ; शोर
कौआ पुं० कागडो. ०र, ०रोर पुं०
कौटिल्य पुं० [सं.] कुटिलता; फरेब
कौटुंबिक वि० [सं.] कुटुंब संबंधी (२) पुं० घरनो वडील
कौड़ा पुं० मोटी कोडी; कोडो (२) तापणी
कौड़ियाला वि० कोडीना रंगनुं (२) पुं० एक झेरी साप (३) कंजूस धनिक
कौड़ी स्त्री० कोडी (२) धनसंपत्ति. **–फिरना** = दावमां सारी कोडी पडवी
कौतुक पुं० [सं.] कुतूहल (२) अचंबो (३) हांसीखेल (४) विवाहनुं कंकण
कौतुकी,–किया पुं० कौतुक करनार (२) विवाहनो पुरोहित
कौतूहल पुं० [सं.] कुतूहल
कौथ स्त्री० [कौन + तिथि] कई तिथि के तारीख? (२) शो संबंध?
कौथा वि० केटलामुं?

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

कौन स० कोण. –सा=कोण. –होना=शो अधिकार छे (२) शो संबंध के सगाई छे?

कौपीन पुं०[सं.] लंगोटी (२) पाप; गुनो

क़ौम, क़ौमियत स्त्री०[अ.] कोम; जाति (२)राष्ट्र(ब०व० अक़्वाम;वि० क़ौमी)

कौमार पुं० [सं.] कुमारावस्था

क़ौमियत स्त्री० जुओ 'क़ौम' मां

क़ौमी वि० [अ.] राष्ट्रीय

कौमुदी स्त्री० [सं.] चांदनी (२) आसो या कारतक पूर्णिमा

कौर पुं० [सं. कवल] कोळियो (२) घंटीमां एक वार ओराय एटलुं–चपटी

कौरना स०क्रि० शेकवुं

कौरा पुं० कमाड पाछळनो भाग. कौरे लगना=कमाड पाछळ संतावुं

कौरी स्त्री० बाथ भरवी ते

कौल पुं० [सं.] वाममार्गी (२) खानदान (३) [कवल] जुओ 'कौर'

क़ौल पुं०[अ.] कोल; प्रतिज्ञा (२) कथन; वाक्य.. –(व) करार=कोलकरार; परस्पर प्रतिज्ञा. –का पूरा, पक्का या धनी=सत्यवादी

कौवा पुं० (स्त्री०–वी) कागडो; कौवो (२) धूर्त. –गुहार, –रोर=शोरबकोर. कौवे उड़ाना=नवरुं होवुं

क़ौवाल,क़ौवाली [अ.]जुओ 'क़व्वाल,–ली'

कौशल,–ल्य पुं०[सं.]कुशळता(२)मंगळ

क़ौस स्त्री० [अ.] धनुष; कमान. –ए क़ज़ह; क़ौस-क़ुज़ा=इन्द्रधनुष

कौस्तुभ पुं० [सं.] एक मणि

क्या स० शुं? –कुछ, –क्या=बधुं. –खूब!=वाह! धन्य!

क्यारी,–ली स्त्री० क्यारो

क्यों अ० केम? शा माटे? (२) (प.) 'कैसे'. –कर अ० 'कैसे'; केवी रीते. –कि अ० एटला माटे के. –नहीं अ० जरूर; बेशक

क्रंदन पुं० [सं.] रुदन(२)युद्ध माटे पडकार

क्रतु पुं० [सं.] यज्ञ

क्रम पुं० [सं.] एक पछी एक आवे ते व्यवस्था (२) पगलुं (३) (प.) कर्म

क्रमिक वि० [सं.] क्रममां आवतुं; क्रमबद्ध

क्रमेल,०क पुं० [सं.] ऊंट

क्रय पुं० [सं.] खरीद

क्रयविक्रय पुं० [सं.] वेपार

क्रांति स्त्री०[सं.]मोटो पलटो(२)सूर्यमार्ग

क्रिकेट पुं० [इं.] क्रिकेट रमत

क्रिया स्त्री० [सं.] करवुं ते; कर्म (२) कोई धार्मिक क्रिया

क्रियाकर्म पुं० [सं.] अंत्येष्टि क्रिया

क्रिस्तान पुं० (वि० –नी) ख्रिस्ती

क्रीड़ा स्त्री० [सं.] खेल; रमत

क्रीत(०क) पु० [सं.] बार प्रकारना पुत्रमांनो एक (२) वि० खरीदेलुं

क्रूर वि० [सं.] घातकी; निर्दय (२) पुं० भात; रांधेला चोखा (३) बाज पक्षी

क्रूस पुं० ख्रिस्ती धर्मचिह्न; क्रॉस

क्रोड़ पुं०[सं.] गोद;खोळो (२)बाथ;छाती

क्रोड़पत्र पुं० [सं.] (पुस्तक के छापानुं) परिशिष्ट; पुरवणी; वधारो

क्रोध पुं०[सं.] गुस्सो. –धी वि० क्रोध करनारुं (२) पुं० एक संवत्सर

क्रोश पुं०[सं.] कोस, अंतर (२) रोवुं ते

क्रोष्टु,०क पुं० [सं.] शियाळ; कोलुं

क्रौंच पुं०[सं.] एक पक्षी. –ची स्त्री० तेनी मादा

क्लब पुं० [इं.]क्लब; कोई मंडळीनी बेठक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

क्लर्क पुं०[इं.] क्लार्क; कारकुन. **–र्की** स्त्री० कारकुनी [थाक

क्लांत वि० [सं.] थाकेलुं. –ति स्त्री०

क्लाक पुं० [इं. क्लॉक] मोटुं घडियाळ

क्लास पुं० [इं.] वर्ग; दरज्जो; श्रेणी

क्लिप स्त्री० [इं.] चांप (कागळो इ० राखवानी)

क्लिष्ट वि० [सं.] क्लेश पडे के पाडे वुं; समजवामां कठण–अस्पष्ट [डरपोक

क्लीब,–व पुं० [सं.] नपुंसक (२) वि०

क्लेद पुं० [सं.] भेज (२) पसीनो

क्लेश पुं० [सं] कंकास; दुःख; राग-द्वेषादिनी पीडा

क्लोरोफार्म पुं० क्लॉरोफॉर्म; शस्त्र-क्रियामां सूंघाडाती दवा

क्वचित् अ० [सं.] कोक ज वार

क्वथ, क्वाथ पुं० [सं.] काढो; क्वाथ

क्वाँरा, क्वारा वि० (स्त्री०–री) कुंवारुं

क्वारंटाइन पुं० [इं.] क्वॉरॅन्टीन

क्वार पुं० आसो मास [लग्न थवुं

क्वारपन पुं० कुंवारापणुं. **–उतरना** =

क्विनाइन स्त्री० [इं.] 'कुनैन' दवा

क्षंतव्य वि०[सं.] माफ करवा जेवुं; क्षम्य

क्षण पुं० [सं.] 'छन'; क्षण – पळ

क्षणभंगु (प.), ०र वि० [सं.] क्षणमां नाश पामे तेवुं

क्षणिक वि० [सं.] क्षण जेटलुं; अनित्य

क्षत वि० [सं.] घायल(२) पुं० घा; जखम

क्षति स्त्री० [सं.] हानि; नाश; नुकसान

क्षत्र पुं० [सं.] क्षत्रिय (२) बळ (३) राज्य

क्षत्राणी स्त्री० क्षत्रियाणी

क्षत्रिय, क्षत्री पुं०[सं.] क्षत्रिय जातिनो माणस. **–याणी** स्त्री०

क्षपणक पुं० [सं.] (बौद्ध के जैन) संन्यासी

क्षपा स्त्री० [सं.] रात (२) हळदळ. ०कर पुं० चंद्र

क्षम वि० [सं.] (समासमां) –ने योग्य. ०ता स्त्री० शक्ति; बळ (२) योग्यता

क्षमना स० क्रि० (प.) क्षमा करवी

क्षमा स्त्री० [सं.] माफी; दरगुजर करवुं ते (२) धरती

क्षमी वि० [सं.] क्षमावान (२) समर्थ

क्षम्य वि० [सं.] क्षंतव्य; माफीने लायक

क्षय पुं० [सं.] क्षीण थवुं ते; ह्रास; नाश (२) क्षय रोग (३) घर; मकान

क्षर वि० [सं.] चल; नाशवंत; अनित्य

क्षात्र वि० [सं.] क्षत्रिय संबंधी (२) पुं० क्षत्रिय के तेनुं कर्म [(३) थोडुं

क्षाम वि० [सं.] क्षीण; पातळुं (२) दुर्बळ

क्षामा स्त्री० [सं.] पृथ्वी [(४) वि० खारुं

क्षार पुं० [सं.] खार (२) मीठुं (३) भस्म

क्षिति स्त्री० [सं.] पृथ्वी (२) स्थान; जगा. ०ज पुं० दृष्टिमर्यादा (२) झाड

क्षिप्र वि० [सं.] तरत; जलदी (२) तेज; वेगीलुं [गयेलुं; पूरुं थयेलुं

क्षीण वि० [सं.] दूबळुं; कमजोर (२) घटी

क्षीर पुं०[सं.] दूध (२) जळ [(३) कंजूस

क्षुद्र वि०[सं.] नानुं; अल्प (२) तुच्छ; नीच

क्षुधा स्त्री० [सं.] भूख. ०तुर, ०र्त वि० भूख्युं. ०लु वि० खाउधरुं; भुखाळवुं. **–धित** वि० भूख्युं [अशांत; चंचळ

क्षुब्ध, क्षुभित वि० [सं.] खळभळेलुं;

क्षुर पुं०[सं.] छरो; अस्तरो (२) पशुनी खरी

क्षुरी स्त्री० [सं.] छरी (२) पुं० वाळंद (३) खरीवाळुं पशु

क्षेत्र पुं० [सं.] खेतर; जमीन (२) कार्य-क्षेत्र (३) तीर्थस्थान (४) देह

क्षेम पुं० [सं.] खेमकुशळ

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

क्षोणि,-णी स्त्री० [सं.] धरती; पृथ्वी. ०प पुं० राजा

क्षोभ पुं० [सं.] खळभळाट; व्याकुळता (२) क्रोध; रो

क्षोम पुं० [सं.] शणियुं (२) वस्त्र

क्षौर पुं० [सं.] हजामत

क्ष्मा स्त्री० [सं.] पृथ्वी

क्ष्वेलिका स्त्री० [सं.] मश्करी; गमत

ख

खंख,०र वि० खाली (२) उज्जड; वेरान

खँखार पुं० जुओ 'खखार'

खँखारना अ०क्रि० खोंखारवुं; खांसवुं

खंग पुं० खड्ग; तरवार

खँगहा वि० दांतवु (२) पुं० गेंडो

खँगारना, खँगालना स०क्रि० खंखाळवुं; धोवुं (२) खाली करवुं; खंखेरी लेवुं

खँचना अ० क्रि० निशान पडवुं; अंकावुं

खँचाना स० क्रि० आंकवुं; निशान पाडवुं (२) जलदी जलदी लखवुं

खँजड़ी,-री स्त्री० बजाववानी खंजरी

खंजर पुं० [अ.] खंजर; कटार

खँजरी स्त्री० जुओ 'खँजड़ी'

खंड पुं० [सं.] भाग (२) खांड

खंडन पुं० [सं.] भांगवुं; तोडवुं ते

खँडनी स्त्री० सांथ; कर

खँडर पुं० जुओ 'खँडहर'

खँड़वानी स्त्री० खांडनुं पाणी (२) जानैयाओने नास्तो पाणी शरबत इ० मोकलवुं ते

खँडश पुं० चणाना लोटनुं एक पकवान

खँड़सार,-ल स्त्री० देशी खांडनुं कारखानुं

खँड़सारी स्त्री० एक जातनी देशी खांड

खँडहर, खँडर पुं० [खंड+घर] खंडेर

खंडित वि० [सं.] भांगेलुं; तूटेलुं; अपूर्ण

खँडिया स्त्री० नानो खंड – टुकडो

खँडौरा पुं० जुओ 'ओला'; एक मीठाई

खँतरा पुं० खाडो; तराड; बखोल

खंता पुं० (अल्प०–ती स्त्री०) कोदाळो; पावडो [(२) खाधरो

खंदक़ स्त्री० [अ.] किल्लानी खाई

खंदा पुं० (प.) खोदनारो [हसमुखुं

खंदा पुं० [फा.] हास्य. ०रू, ०पेशानी वि०

खंदी स्त्री० कुलटा

खँधवाना स० क्रि० खाली करावबुं

खंधार पुं० (प.) छावणी; डेरो; तंबू

खंभ (–भा) पुं० (स्त्री० –भिया) खंभो; थांभलो [डर (३) शोक

खँभार पुं० (प.) गभराट; चिंता; (२)

खई स्त्री० खई; क्षय (२) लड ई (३) झघडो [अनुभवी माणस

खक्खा पुं० जुओ 'क़हक़हा' (२)

खखरा पुं० देगडो (२) वांसनो टोपलो

खखार पुं० गलफो, कफ इ० जे खांखारीने कढाय छे

खखारना अ० क्रि० खोंखारवुं; 'खँखारना'

खग पुं० [सं.] पक्षी (२) तीर (३) वादळ (४) चंद्र सूर्य के तारा (५) हवा

खगना अ० क्रि० (प.) खची जवुं; अंदर पेसी जवुं – भोंकावुं (२) मनमां चोंटी जवुं; असर थवी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

खगोल पुं० [सं.] गगन (२) खगोळविद्या
खग्रास पुं० पूर्ण ग्रहण (सूर्य के चंद्रनुं)
खचना अ० क्रि० (प.) खची जवुं; अंदर जडाई जवुं
खचरा वि० वर्णसंकर (२) दुष्ट
खचाखच अ० खचोखच; ठसोठस
खचित वि० [सं.] जडेलुं; अंकित
खच्चर पुं० खच्चर; 'खचरा'
खज वि० (प.) खाद्य
खजला पुं० खाजुं–एक पकवान
ख़ज़ानची पुं० [फा.] खचानची; कोशाध्यक्ष
ख़ज़ाना, ख़ज़ीना (प.) [अ.] खजानो; धनभंडार (२) राजभंडार
खजुआ,–वा पुं० 'खजला'; खाजुं
खजुली, –लाना जुओ 'खुजली, –लाना'
खजूर पुं०स्त्री० खजूर के तेनुं झाड (२) एक मीठाई (वि०–री)
खट पुं० खट अवाज. **–से** = तरत
खटक स्त्री० खटको; डर; चिंता (२) खटकवुं ते
खट(–ड़)कना अ०क्रि० खटकवुं; खटखट थवुं; मनमां लागवुं (२) डरवुं (३) मनमां चिंता थवी (४) रही रहीने पीडा थवी (५) आखडवुं; झघडवुं
खटका पुं० खटको (२) भय (३) चिंता
खटकिन स्त्री० काछियण. (पुं० **खटिक**)
खटकीड़ा(–रा) पुं० मांकण; 'खटमल'
खटखट स्त्री० खटखट (अवाज के पंचात) (२) झघडो [खखडाववुं
खटखटाना स० क्रि० खटखटाववुं;
खटना स०क्रि० कमावुं; खाटवुं (२) अ०क्रि० कामधंधे लागवुं
ख़टपट स्त्री० खटखट अवाज (२) अणबनाव; झघडो
खटपाटी स्त्री० खाटलानी पाटी. **–लेना** = (स्त्रीए) रूसणुं लेवुं
खटबुना पुं० खाटलो भरनारो
खटमल पुं० [खाट+मल=मैल] मांकण
खटमिट्ठा, खटमीठा वि० खटमधुरुं
खटराग पुं० खटखट; झंझट; वखेडो (२) नकामी चीजोनो समूह
खटवाट स्त्री० जुओ 'खटपाटी'
खटाई स्त्री० खटाश के खाटी वस्तु. **–में डालना** = एमनुं एम अनिश्चित पडयुं राखवुं. **–में पड़ना** = एमनुं एम अनिश्चित रहेवुं [तरत
खटाखट पुं० खटखट अवाज (२) अ०
खटाना अ०क्रि० खटावुं; खाटुं थवुं (२) नभवुं; टकवुं [अणबनाव
खटापट,–टी स्त्री० खटपट; झघडो;
खटाव पुं० निभाव; गुजारो
खटास स्त्री० खटाश
खटिक पुं० काछियो (२) खाटकी (स्त्री० **खटकिन**)
खटिया स्त्री० खाटली; नानो खाटलो
खटोलना, खटोला पुं० 'खटिया'
खट्टा वि० खाटुं. **जी खट्टा होना**=दिल ऊतरी जवुं; रुचि ना रहेवी
खट्टाचूक वि० खाटुंचरड; खूब खाटुं
खट्टा-मीठा वि० जुओ 'खटमिट्ठा'. **जी खट्टामीठा होना** = मोंमां पाणी आववुं; ललचावुं
खट्टी स्त्री० खाटुं लींबु [कमानार
खट्टू वि० खाटनार; लाभी जनार;
खट्वा स्त्री० [सं.] खाटलो [छे ते
खड़ंजा पुं० फरस करवा ऊभी ईंटो चणे
खड़ पुं० खड; घास
खड़(–र)कना जुओ 'खटकना'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

खड़खड़ाना अ० क्रि० खखडवुं (२) स०क्रि० खखडाववुं
खड़खड़िया स्त्री० पालखी
खड़ग पुं० (प.) तलवार. **–गी** वि० तलवारवाळो
खड़बड़,–ड़ाहट,–ड़ी स्त्री० खळभळाट [(२) ऊलटासूलटी
खड़बड़ाना अ० क्रि० खळभळवुं (२) स० क्रि० ऊलटसूलट करवुं (३) खळभळाववुं
खड़बिड़ा वि० खडबचडुं; असमान
खड़ा वि० खडुं; ऊभुं (२) तत्पर (३) चालु; जारी. **खड़ा जवाब**=साफ ना. **खड़े खड़े**=तरत; झटपट
खड़ाऊँ स्त्री० खडाउ; पावडी
खड़िया, खड़ी स्त्री० खडी; खडी माटी
खड़ी-बोली स्त्री० पश्चिमी हिंदीनो- (दिल्लीनी आसपासनो) एक भेद
खड्ग पुं० [सं.] तलवार. **–गी** वि० तलवारवाळो
खड्ड पुं० बे पहाडो वच्चेनो ऊंडो मोटो खाडो – ऊभी खीण (२) 'खड्ढा'
खड्ड, खड्ढा पुं० खाडो
ख़त पुं० [अ.] खत; पत्र (२) रेखा (३) दाढीना वाळ (४) हजामत
खत [पुं० सं. क्षत] (प.) घा
ख़त-किताबत स्त्री० **ख़त-ख़ुतूत** पुं० पत्रव्यवहार; 'चिट्ठीपत्री'
ख़तना पुं० [अ.] सुन्नत; मुसलमानी
ख़तम वि०[अ.] खलास; पूरुं. **–करना**= मारी नांखवुं; पूरुं करवुं
ख़तर(–रा) पुं० [अ.] खतरो; जोखम; भय. **०नाक** वि० भयंकर; जोखमवाळुं
ख़ता स्त्री० [अ.] भूल; खत्ता (२) अपराध (३) दगो. **–खाना**=भूल खावी; दगामां फसावुं. **–होना**= भूली जवुं (२) भूल थवी
ख़तावार वि० [फा.] गुनेगार; अपराधी
ख़तियाना स० क्रि० खतववुं
खतियौनी स्त्री० खातावही (२) खतववुं ते (३) गामनी जमीन महेसूल वगेरेनुं तलाटीनुं पत्रक [विषुववृत्त
ख़ते-इस्तिवा पुं० [अ.] भूमध्य रेखा;
ख़ते-जद्दी पुं० [अ.] मकरवृत्त
ख़ते-मुस्तक़ीम पुं० [अ.] सरळ रेखा
खतौनी स्त्री० जुओ 'खतियौनी'
खत्ता पुं० खाडो (२) अन्न संघरवानी जगा (स्त्री०**–त्ती**)
ख़त्म वि० [अ.] 'खतम'; पूरुं
ख़दंग पुं. [फा.], **–गी** स्त्री० तीर
खदबदाना अ० क्रि० खदबदवुं
खदरा वि० नकामुं; रद्दी (२) पुं० खाधरो
ख़दशा पुं० [अ.] डर; भय
खदान स्त्री० खाण [(३) चंद्रमा
खदिर पुं० [सं.] खेरनुं झाड (२) काथो
ख़दीव पुं० [फा.] खुदावंद (२) शहेनशाह (३) मिसरनो खेदीव
खदेड़(–र)ना स०क्रि० खदेडवुं; भगाडवुं
खद्दड़, –र पुं० खादी
खद्योत पुं० [सं.] आगियो (२) सूर्य
खन पुं० (प.) क्षण (२) समय (३) अ० तरत (४) खण अवाज (५) पुं० मकाननो मजलो; माळ
खनक पुं० [सं.] खोदनार (२) खाण (३) भूस्तरशास्त्री (४) स्त्री० खणको
खनकना अ० क्रि० खणखणवुं
खनकाना, खनखनाना अ०क्रि० 'खनकना' (२) स० क्रि० खणखणाववुं
खनना स० क्रि० (प.) खोदवुं; गोडवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

खनि,-नी स्त्री० खाण (२) गुफा. ०ज वि० खाणमांथी नीकळतुं
खपची,-च्ची स्त्री० खपाटियानो नानो टुकडो
खपड़ा,-रा पुं० [सं. खर्पर] नळियुं
खपड़ी स्त्री० कूंडा जेवुं एक माटीनुं वासण (२) खोपरी
खपड़ैल स्त्री० नळियांनुं छापरुं के घर
खपत,-ती स्त्री० खपत; मांग (२) समावेश
खपना अ०क्रि० खपवुं (२) हेरान थवुं
खपरा पुं० जुओ 'खपड़ा'
खपरिया स्त्री० खापरियुं (२) नानुं नळियुं-'खपरा'
खपरैल स्त्री० जुओ 'खपड़ैल'
खपाच,-ची स्त्री० 'खपची'; खपाटियुं
खपाना स० क्रि० 'खपना' नुं प्रेरक
खप्पर पुं० खोपरी (२) भिक्षापात्र. **-भरना** = खप्परनां दारू वगेरे देवीने चडाववां(२)संतोषवुं; माग पूरी करवी
ख़फ़क़ान पुं०[अ.] (वि०**-नी**) गांडपण
ख़फ़गी स्त्री०[फा.] खोफ; कोप; नाराजी
ख़फ़ा वि० [अ.] नाराज (२) क्रोध-गुस्सामां आवेलुं (नाम,**-फ़गी** स्त्री०)
ख़फ़ी वि०[अ.] झीणुं; बारीक (अक्षर माटे) (२) छूपुं; गुप्त
ख़फ़ीफ़ वि० [अ.] थोडुं (२) तुच्छ (३) सामान्य (४) लज्जित
खबर स्त्री०[अ.] खबर; समाचार (२) होश; भान (३) जाण. **-उड़ना** = अफवा फेलावी. **-लेना** = मदद करवी (२) खबर लई नांखवी; सजा करवी
ख़बरगीर [अ.+फा.] जासूस (२) संरक्षक; पालक
ख़बरदार वि० [फा.]होशियार; सावधान (स्त्री० -री)
ख़बररसाँ पुं० [अ.+फा.] खेपियो; दूत
ख़बीस पुं० [अ.] खवीस; भूत; राक्षस
ख़ब्त पुं० [अ.] (वि० **-ब्ती**) गांडपण; धून; रंगीलापणुं [भेळववुं;मिश्र करवुं
खभरना स०क्रि० खभळे एम करवुं (२)
ख़म पुं० [अ.] वांकापणुं; झुकाव. **-खाना** = झूकवुं (२) हारवुं. **-ठोंककर** = दृढ़तापूर्वक; जोरथी **-ठोंकना** = कुस्तीमां जांघ ठोकी तैयार थवुं
ख़म-दम पुं० साहस; पुरुषार्थ
ख़मदार वि० [फा.] वांकुं; झूकेलुं
ख़मियाज़ा पुं० [फा.] आळसथी अंग मरोडवुं के बगासुं खावुं ते (२) कर्मनुं फळ भोगववुं ते
ख़मीदा वि० [फा.] वळेलुं; झूकेलुं; नमेलुं
ख़मीर पुं० [अ.] आथो चडावे ते-खमीर (२) तमाकुनो शीरो; काकब (३) स्वभाव
ख़मीरा पुं० [अ.] एक जातनी पीवा माटेनी तमाकुनी बनावट (२) वि० पुं० मीठाईमां बनावेली (औषधि)
ख़मीरी वि० खमीरवाळुं (२) स्त्री० खमीरवाळी एक जातनी रोटी
ख़मोश, ख़मोशी जुओ 'खामोश,-शी'
खम्माच स्त्री० खमाच रागिणी
खय स्त्री० (प.) क्षय [विश्वासघात
ख़यानत स्त्री० [अ.] बेईमानी; दगो;
ख़याल पुं०[अ.] ख्याल (विचार; ध्यान; स्मरण) (२) ख्याल - गानपद्धति
ख़यालात पुं० [अ.] 'खयाल' नुं ब०व०
ख़याली वि०[अ.] ख्याली; कल्पित (२) ख्यालने लगतुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

खर पुं०[सं.] गधेडो (२) खच्चर (३) खड; घास (४) वि० कठण; सखत (५) तेज; तीक्ष्ण (६) नुकसानकारक

खरक पुं० [सं. खडक] ढोरनो वाडो के चरो (२) खपाटियानुं बारणुं (३) स्त्री० जुओ 'खटक'

खरकना अ० क्रि० जुओ 'खटकना'

खरका पुं० दांतखोतरणुं. **–करना** = तेनाथी दांत साफ करवा [अवाज

खरखर अ० ऊंघमां नाक बोलवानो

ख़रख़शा पुं० [फा.] झघडो

ख़रगोश पुं० [फा.] 'खरहा'; ससलुं

ख़रच,–चा पुं० खरचो; खर्च

ख़रचना स० क्रि० खरचवुं; वापरवुं; उपयोगमां आणवुं

ख़रचीला वि० जुओ 'ख़र्चीला'

खरदरा वि० खरबचडुं [बुद्धिनुं

ख़र-दिमाग़ वि०[फा.] मूर्ख; गधेडानी

ख़रनफ़्स वि० [फा.] लंपट

खरब पुं० खर्व संख्या

ख़रबूज़ा पुं० [फा.] खडबूचुं

खरभर पुं० खळभळ; शोर; गरबड

खरभर(–रा)ना अ० क्रि० खळभळवुं (२) शोर मचाववो

ख़रमस्ती स्त्री० [फा.] दुष्टता

खरमा(–वाँ)स पुं० मंगळ कार्य न करवाना–पोष अने चैत्र–मास

खरल पुं० वाटवानो खल. **–करना** = खलमां वाटवुं

खरवाँस पुं० जुओ 'खरमास'

खरसा पुं० एक पकवान (२) उनाळो (३) खरडियुं (४) खूजली; लूखस. **–सैला** वि० खूजलीवाळुं (पशु)

खरसान स्त्री० धार काढवानो पथ्थर

खरहरा पुं० 'खरेरा'; खरेरो (२) सावरणो [मेवो; खारेक ?

खरहरी स्त्री० नानो 'खरहरा' (२) एक

खरहा पुं० ससलुं

खरा वि० तेज; तीक्ष्ण (२) खरुं (साचुं; साफ; घणुं शेकाई गयेलुं इ०) (३) स्पष्टवक्ता

खराई स्त्री० खारापणुं (२) सवारना खावाना समयमां मोडुं थवाथी, टेवने लीधे शरीरमां थती विक्रिया. **–मारना** =नास्तो करवो

खराऊँ स्त्री० जुओ 'खड़ाऊँ'

ख़राद पुं० [फा. ख़र्राद]खराद; संघाडो (२) स्त्री० खरादवानुं काम

ख़रादना स० क्रि० खरादवुं

ख़रादी पुं० खरादवानुं काम करनार

ख़राब वि० [अ.] खराब; बूरुं; नठारुं (२) बेहाल; दुर्दशामां पडेलुं. (नाम, **–बी** स्त्री०) [तद्दन पायमाल

ख़राब व ख़स्ता वि०[फा.]खराबखास्ता;

ख़राबा पुं० [फा.] बरबादी; खराबी

ख़राबात स्त्री० [अ.] उज्जड़ जमीन; खराबो (२)वेश्यावाडो (३)दारूनुं पीठुं

ख़राबी स्त्री० जुओ 'ख़राब' मां

ख़राश स्त्री० [फा.] 'खरोंच'; खसरको; उझरडो; छोलावुं ते

ख़रास स्त्री० [फा. ख़रीस] घंटी

ख़रिया स्त्री० दोरीथी वणेली झोळा जेवी जाळी (२) छाणांनी राख (३) जुओ 'खड़िया'

खरियाना स० क्रि० 'खरिया'मां भरवुं (२) कबजे करवुं

खरिहान पुं० जुओ 'खलियान'

खरी स्त्री०जुओ 'खड़ी'(२)खोळ;'खली'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ख़रीता पुं० [अ.] (स्त्री० **–ती**) थेली (२) खीसुं (३) खरीतो
ख़रीद स्त्री० [फा.] खरीदवुं ते के खरीदेली चीज
ख़रीदना स० क्रि० खरीदवुं; वेचातुं लेवुं
ख़रीद-फ़रोख़्त स्त्री० [फा.] क्रय-विक्रय (२) खरीदेली चीज
ख़रीदार पुं० [फा.] खरीदनार; घराक
ख़रीदारी स्त्री० [फा.] घराकी; खपत
ख़रीफ़ स्त्री० [अ.] खरीफ–चोमासु पाक
खरोंच(–ट) स्त्री० छोलावानुं चिह्न; 'खराश' (२) एक पकवान
खरोंच(–ट)ना स० क्रि० छोलवुं
खरोट, ०ना जुओ 'खरोंच, खरोंचना'
ख़रोश पुं० [फ़ा.] शोर-बकोर
खरोष्ट्री,–ष्ठी स्त्री० खरोष्ठी लिपि
ख़र्च,-र्चा पुं० [अ. ख़र्ज] खरच
ख़र्चना स० क्रि० जुओ 'खरचना'
ख़र्चीला वि० खरचाळ; उडाउ
खर्जूर पुं० [सं.] खजूर के तेनुं झाड
खर्पर पुं० [सं.] खप्पर (२) खोपरी
खर्ब,–र्व पुं० सो अबज; खर्व संख्या (२) वि० नानुं (३) ठींगणुं
खर्रा पुं० खरडो (२) लांबो हिसाब के दस्तावेजनो कागळ
ख़र्राच वि० [फा.] खरचाळ; उडाउ
खर्राटा पुं० ऊंघमां नाक बोलवानो अवाज. **–भरना, मारना, लेना**= घसघसाट ऊंघवुं
खर्व पुं० जुओ 'खर्ब'
खल वि० [सं.] धर्त; दगाबाज (२) दुष्ट; नीच (३) निर्दय; क्रूर (४) निर्लज्ज (५) पुं० वाटवानो खल. **०ई** (प.) स्त्री० दुष्टता; खलता

ख़लक़ पुं० खलक; जुओ 'ख़ल्क़'
ख़लक़-ख़ुदा पुं०, **ख़लक़त** स्त्री० ईश्वरनी सृष्टि
खलखलाना अ० क्रि० खळखळवुं
खलड़ा पुं० खाल; काचुं चामडुं
खलड़ी स्त्री० खालडी; खाल
खलना अ० क्रि० बूरुं, माठुं लागवुं
ख़लफ़ पुं० [अ.] पुत्र (२) वारस
खलब(–भ)ल,–ली स्त्री० खळभळ; 'खरभर' [(२) खळखळवुं
खलब(–भ)लाना अ० क्रि० खळभळवुं
ख़लल पुं० [अ.] खलेल; हरकत
ख़लल-अंदाज़ वि० खलेल पाडनार
ख़लवत स्त्री० [अ.] एकांत
ख़लवत-ख़ाना पुं० खानगी वात माटेनी बेठक; खलवत (२) जनानो
ख़ला पुं० [अ.] खला; खाली जगा (२) आकाश (३) जाजरू [खोतरणुं
ख़लाल वि० [अ.] (धातुनुं) दांत
ख़लास वि० [अ.] पूरुं; खलास (२) मुक्त (३) च्युत; भ्रष्ट
ख़लासी पुं० खलासी (२) स्त्री० मुक्ति; छुटकारो
खलित वि० (प.) स्खलित; खरेलुं
खलिया(–हा)न पुं० खळुं (२) 'ढेर'
खलियाना स० क्रि० खाल उतारवी (२) खाली करवुं
ख़लिश स्त्री० [अ.] पीडा (२) चिंता (३) डंखवुं ते
खलिहान पुं० जुओ 'खलियान'
खली स्त्री० खोळ [मिलनसार
ख़लीक़ वि० [अ.] सुशील; सज्जन;
ख़लीज स्त्री० [अ.] अखात; खाडी
ख़लीता पुं० [फा.] जुओ 'ख़रीता'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ख़लीफ़ा पुं० [अ.] अध्यक्ष (२) बुजरग (३) खलीफ (४) हजाम (५) दरजी (६) बवरची

ख़लील पुं० [अ.] साचो मित्र

खलु अ० [सं.] खरेखर; नक्की; अवश्य

ख़ल्क़ स्त्री० [अ.] खलक; सृष्टि (२) मनुष्यमात्र

खल्लड़ पुं० 'खलड़ी'; खालडी (२) मशक के चामडानो थेलो (३) खल (वाटवानो) [रोग (२) तालियो

खलवाट पुं० [सं.] ताल पडी जवानो

खवा पुं० खभो [कूवास्तंभनो खाडो

खवाई स्त्री० खावुं ते (२) वहाणना

खवाना स० क्रि० 'खाना' नुं प्रेरक

ख़वा(–व्वा)स पुं० [अ.] खवास; दास

ख़वासिन स्त्री० दासी; खवासण

ख़वासी स्त्री० खवासनुं काम; चाकरी

खवैया पुं० खानार

ख़शख़ाश स्त्री० [फा.] खसखस

ख़स स्त्री०[फा.] वीरणनो वाळो–खस

खसकना अ० क्रि० खसवुं; सरकवुं (धीमेथी, चूपचाप)

खसख(–खा)स स्त्री० जुओ 'ख़शख़ाश'

खसखसा वि० भभरुं; छूटुं (२) वारीक; खसखस जेवुं [घर के ओरडो

ख़सख़ाना पुं०[फा.]खसनी टट्टीओ बांधेलुं

खसखास स्त्री० जुओ 'ख़शख़ाश'

खसना अ०क्रि० (प.) खसवुं; 'खसकना'

ख़सम पुं०[अ.] खसम; पति (२) मालिक (३) 'ख़स्म;' शत्रु

ख़सरा पुं० [अ.] तलाटीनुं खेतरोने अंगेनुं पत्रक (२) काचो रोजमेळ (३) 'ख़ारिश'; खूजली (४) ओरी–माता नीकळे ते

ख़सलत स्त्री०[अ.] स्वभाव; प्रकृति (२) आदत; टेव [पाडवुं

खसाना स०क्रि० नीचे खसेडवुं; नीचे

ख़सासत स्त्री० [अ.] 'ख़सीस'-पणुं

खसिया, खसी पुं० बकरो (२) खसी करेल पशु (३) नपुंसक

ख़सीस वि० [अ.] कंजूस

खसोट,-टी स्त्री०('खसोटना' परथी नाम)

खसोटना स० क्रि० जोरथी उखाडवुं, खेंचवुं (२) छीनवुं

ख़स्ता वि० [फा.] छूटुं; भभरुं (२) दुःखी (३) भांगेलुं (४) घायल (नाम, –स्तगी स्त्री०)

ख़स्सी पुं० [अ.] जुओ 'खसी'

ख़ाँ पुं० जुओ 'ख़ान'

खाँखर वि० पोलुं (२) काणांकाणांवाळुं

खाँग पुं० कांटो (२) गेंडा के सूवरनो आगळनो दांत के शिंगडुं (३) स्त्री० कमी; ऊणप

खाँगना अ०क्रि० कमी थवुं (२) लंगडावुं

खाँगी स्त्री० कमी; 'खाँग'

खाँचा पुं० (स्त्री० –ची) टोपलो; 'झावा'

खाँड़ स्त्री० साफ कर्या वगरनी खांड (२) (प.) खाडो

खाँड़ना स० क्रि० खंडवुं; तोडवुं (२) चाववुं (३) खांडवुं

खाँड़ा पुं० खांडुं (२) खंड; भाग

खाँभ पुं० 'खंभा'; थांभलो (२) परबीडियुं; 'खाम' [करवुं

खाँभना स० क्रि० परबीडियामां बंध

खाँवाँ पुं० पहोळी खाई

खाँसना अ० क्रि० [सं. कासंन] खांसवुं

खाँसी स्त्री० उदरस

खाई स्त्री० (कोट इ० नी) खाई

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

खाऊ वि० खाउधरुं; खूब खानार
ख़ाक स्त्री० [फा.] खाख; धूळ. –उड़ना =नाश थई जवुं; धूळ ऊडवी. –उड़ाना या छानना=मार्या मार्या फरवुं. –छानना=खूब तपास करवी
ख़ाकसार वि० [फा.] अल्प; तुच्छ
ख़ाक-स्या(–सिया)ह वि०[फा.] धूळ-धाणी–वळीने खाख थयेलुं
ख़ाका पुं० [फा.] कशानी योजनानुं स्वरूप (२) अंदाजपत्र (३) खरडो. –उड़ाना=मश्करी करवी
ख़ाकी वि० [फा.] माटीना रंगनुं (२) वगर पायेलुं खेतर (३) पुं० राख चोळनार एक वैष्णव साधु (४) खाकीशाहनो अनुयायी [भोंकावुं
खागना अ० क्रि० जुओ 'खाँगना' (२)
खाज स्त्री० खूजली
खाजा पुं० खाद्य (२) खाजुं
खाट स्त्री० खाटलो; पलंगडी
खाट-खटोला पुं० खाटलापाटला इ० घरवखरी; विस्त्रो–पोटलां
खाड़ी स्त्री० दरियानी खाडी
खात पुं० [सं.] खोदेलुं ते–तळाव, कूवो के खाडो
ख़ातमा पुं०[फा.]खातमो (मृत्यु के अंत)
खाता पुं० वखार (२) खातुं
ख़ातिम पुं० [अ.] खतम करनार
ख़ातिर स्त्री० [अ.] खातर; वरदास; सन्मान (२) अ० खातर; माटे. –में आना=ध्यानमां आववुं (२) लेखावुं; वखणावुं
ख़ातिर-ख़्वाह अ० इच्छा मुजब
ख़ातिर-जमा स्त्री०[अ.]विश्वास;खातरी
ख़ातिर-तवाज़ा स्त्री०[अ.] आदरसत्कार
ख़ातिरदारी स्त्री० [फा.] खातरदारी; बरदास; आदर [खातरी
ख़ातिरी स्त्री० खातर; आदर (२)
खाती स्त्री० सुतार (२) खोदेली जमीन
ख़ातून स्त्री०[तु.] मोटा घरनी खान-दान स्त्री [खातर नांखवुं
खाद स्त्री० खातर. –डालना, देना=
खादर पुं० नीची क्यारीनी जमीन
ख़ादिम पुं० [अ.] खिदमतगार; नोकर
खाद्य वि० [सं.] खावा जेवुं (२) पुं० खोराकनी चीज [तेनी रीत के सामग्री
खान स्त्री० खाण (२) [सं.] खावुं ते के
ख़ान पुं० [तु.] खां; खान; सरदार
ख़ानए-ख़ुदा पुं० [फा.] मस्जिद
खानक पुं० खाणियो; खाण खोदनार (२) कडियो
ख़ानक़ाह स्त्री०[अ.] फकीरोनो तकियो
ख़ानख़ानाँ पुं० [फा.] खान-खानान; खानोनो खान [स्त्री० वेश्या
ख़ानगी वि०[फा.] खानगी; अंगत (२)
ख़ानदान पुं०[अ.] वंश; कुल. –नियत स्त्री० खानदानी; कुलीनता. –नी वि० खानदानवाळुं; कुलीन [रीत
खानपान पुं० [सं.] खावुंपीवुं ते के तेनी
ख़ानम स्त्री० खाननी स्त्री; बेगम; कुलीन स्त्री [रसोइयो
ख़ानसामाँ,–मा पुं०[फा.] अंग्रेजी ढबनो
खाना स० क्रि० खावुं (२) करडवुं; डसवुं. मुँहकी खाना=खूब नीचुं जोवुं (२) हारवुं [के, डाकखाना)
ख़ाना पुं० [फा.] घर; जगा; खानुं(जेम
ख़ाना-ख़राब वि० खराबखास्ता; पाय-माल (२)लफंगुं; 'आवारा'(नाम.–बी)
ख़ाना-ख़ुदा पुं० [फा.] मसीद

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

खाना-जंगी स्त्री० घरनी लडाई (२) आंतर-युद्ध; यादवी
खानाज़ाद पुं० [फा.] दास; गुलाम
खाना-तलाशी स्त्री०[फा.]झडती;तपास
खाना-दामाद पुं० घरजमाई
खानादार पुं० [फा.] गृहस्थ. –री स्त्री० [फा.] गृहस्थीनुं कामकाज
खाना-नशीन वि० [फा.] (नाम. –नी) कामकाज छोडी घर पकडीने बेठेलुं
खाना-पुरी स्त्री० [फा.] कोठानां खानां भरवां ते (२) वखत विताडवो ते
खाना-बदोश वि० [फा.] घरबार वगरनुं (नाम, –शी स्त्री०) [घरोनी गणतरी
खाना-शुमारी स्त्री० [फा.] (गामनी)
खाना-साज़ वि० [फा.] घेर बनेलुं
खानि स्त्री० [सं.] खाण. ०क स्त्री० (प.) खाण
खाब पुं० (प.) ख्वाब; स्वप्न
खाम वि० [फा.] (नाम, –मी) कमी; अधूरुं; काचुं; खामीवाळुं. –करना= ढांकवुं, बंध करवुं
खाम पुं० 'खाँभ'; परबीडियुं (२)सांधो (३) खंभ; थांभलो
खाम-खयाल वि० [फा.] गेरसमजु; बेवकूफ [भूलभरेलो ख्याल
खाम-ख़याली स्त्री० [फा.] खोटो–
खामखाह(–ही) अ० खामुखा
खामना स० क्रि० 'खाँभना' (२) माटी के लोटथी कशानुं मों बंध करवुं
खामोश वि० [फा.] चूप; शांत; मौन (नाम, –शी स्त्री०)
खायफ़ वि० [अ.] कायर; डरपोक
खाया पुं० [फा.] मरघीनुं ईंडुं (२) अंडकोश
खार पुं० क्षार(२)खारी माटी (३) धूळ
ख़ार पुं०[फा.] कांटो (२) खार; द्वेष. –खाना=दाझे बळवुं; द्वेष राखवो
खारवा पुं० खारवो; खलासी (२) लाल जाडुं एक जातनुं कपडुं; 'खारुवा'
खारा वि० खारुं (२) पुं० एक चोखंडो टोपलो (३) [फा.] एक जातनुं लीटीदार कपडुं
खारिक पुं० खारेक [अलग; भिन्न
ख़ारिज वि०[अ.] बहिष्कृत; बातल (२)
ख़ारिश(–श्त) स्त्री० [फा.] खूजली
खारी वि० खारुं; 'खारा'
खारुआँ(–वा) पुं० एक जातनो लाल रंग के ते रंगवाळुं कपडुं
खाल स्त्री० खाल; चामडी (२) नीची जमीन (३) खाडी (४) खाली जगा
ख़ाल पुं० [अ.] शरीर परनो तल
ख़ाल-ख़ाल वि० कोई कोई; थोडुंक; एकलदोकल
ख़ाल(–लि)सा वि० (२) पुं० जुओ 'ख़ालिसा'. –करना, खालसे लगाना= जप्त करवुं (२) खतम करवुं
खाला वि० नीचुं. –ऊँचा=ऊंचुंनीचुं; असमान (२) सारुंनरसुं
ख़ाला स्त्री०[अ.] मासी. –जीका घर= सहेलुं काम
ख़ालिक़ पुं० [अ.] सरजनहार; ईश्वर
ख़ालिस वि० [अ.] शुद्ध; निर्भेळ
ख़ालिसा वि०[अ.] खालसा–केवळ एक ज मालकीनी के सरकारी (जमीन) (२) पुं० शीख पंथ
ख़ाली वि० खाली; ठालुं; रहित; नकामुं (२) अ० फक्त; केवळ. –जाना= खाली, नकामुं जवुं (जेम के निशान)

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ख़ालू पुं० [अ.] मासो
ख़ाविंद पुं० [फा.]खसम;पति(२)मालिक
ख़ास वि० [अ.] खास; विशेष; 'आम'थी ऊलटुं (२) पोतानुं; खुद. **–कर**= खास करीने; प्रधानतः
ख़ास-क़लम पुं० [अ.] खानगी मंत्री
ख़ासगी पुं० [अ०] राजा के उमरावनो साथी (२) स्त्री० रखात
ख़ासदान पुं० [अ.+फा.] पानदानी
ख़ास-बरदार पुं० [फा.] राजा के मोटा सरदार आगळ चालतो सिपाही
ख़ासा पुं० [अ.] राजभोग; मोटा लोकनुं खाणुं (२)एक जातनुं मलमल (३) वि० खासुं; रूडुं (४) स्वस्थ; नीरोगी (५) सुंदर (६) पूरुं
ख़ासियत स्त्री० [अ.] खास गुण; लक्षण; स्वभाव; विशेषता
ख़ासी वि० स्त्री० 'खासा' नुं स्त्री० (२) स्त्री० राजानी खास तलवार के बंदूक इ०
ख़ास्सा पुं० [अ.] खास गुण; खासियत
ख़ाह-मख़ाह अ० खामुखा
खिचंना अ० क्रि० खेंचवुं (२) अनुराग कम थवो (३) भाव तेज थवो. (प्रेरक – खिचाना, खिचवाना)
खिचाई अ० क्रि० खेंचवानी क्रिया के तेनी मजूरी
खिचड़वार पुं० मकरसंक्रांति
खिचड़ी स्त्री० [सं. कृसर] खीचडी (२) 'खिचड़वार.' **–पकाना**=गुप्त कांई सलाह थवी. **ढाई चावलकी खिचड़ी अलग पकाना**=सौनी संमति विरुद्ध के अलग कांई करवुं
खिचाँव पुं०, **०ट**, **–हट** स्त्री० खेंचवुं
खिज(–झ)ना अ० क्रि० खिजावुं
खिजलाना अ० क्रि० खिजावुं (२) स० क्रि० खीजववुं
ख़िज़ाँ स्त्री०[फा.] हेमन्त; पानखर ऋतु
खिजा(०व)ना स० क्रि० खीजववुं
ख़िज़ाब पुं० [अ.] वाळनो कलप
ख़िजालत स्त्री० [अ.] शरम; लज्जा
खिझना अ० क्रि० जुओ 'खीजना'
खिझा(०व)ना स०क्रि० जुओ 'खिजाना'
खिड़की स्त्री० बारी
ख़िताब पुं० खिताब; इलकाब
ख़ित्ता पुं० [अ.] देश; प्रदेश
ख़िदमत स्त्री०[अ.]सेवा; बरदासचाकरी
ख़िदमत –गार, –गुज़ार वि० [फा.] (नाम,–री) स्वामीभक्त सेवक
ख़िदमती वि० खिदमतगार; सेवा करनार (२) खिदमत संबंधी
खिन पुं० (प.) क्षण. **–खिन**=प्रतिक्षण
खिनखिनाना अ०क्रि० नाकमांथी गणगणता रोवुं
खिन्न वि० [सं.] उदास; शोकातुर
खिपना अ० क्रि० (प.) खपवुं (२) –मां मग्न थवुं; खूंपवुं
ख़ियानत स्त्री० जुओ 'खयानत'
खियाना अ० क्रि० घसाई जवुं (२) 'खिलाना'
ख़ियाल पुं० ख्याल; विचार (२) [हांसी; खेल
ख़िरद स्त्री० [फा.] अक्कल
ख़िरद-मंद वि०[फा.]अक्लमंद;बुद्धिशाळी
खिरनी स्त्री० रायण के रायणुं
ख़िरमन पुं० [फा.] जुओ 'खलियान'
ख़िराज पुं० [अ.] कर; मालगुजारी; सांथ (२) खंडणी
ख़िराम स्त्री०[फा.] चाल(२)मस्त चाल

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ख़िरामाँ वि० [फा.] मस्तानी चाले चालनारुं. **–ख़िरामाँ**=धीरे धीरे; मस्त चाले (चालवुं)
खिलंदरा(–ड़ा) वि० खेलतुं कूदतुं
ख़िलअत स्त्री० [अ.] खिल्लत; राजा तरफथी माननो पोशाक
ख़िलक़त स्त्री० [अ.] सृष्टि (२) भीड
खिलकौरी स्त्री० खेल; गमत
खिलखिलाना अ० क्रि० खीखी के खडखड हसवुं
ख़िलत(–ति) स्त्री० जुओ 'ख़िलअत'
खिलना अ० क्रि० खीलवुं (२) शोभवुं (३) वच्चेथी फाटवुं (४) अलग अलग थवुं; छूटुं पडवुं
ख़िलवत स्त्री० [अ.] 'ख़लवत'; एकांत जगा. **–ख़ाना**='खलवत-ख़ाना'
खिलवाड़ (–र) पुं० जुओ 'खेलवाड़'
खिलाई स्त्री० खावुं के खवडाववुं ते (२) आया; वच्चाने राखनार स्त्री
खिलाऊ वि० उदार
खिलाड़(–ड़ी)पुं०(स्त्री०**–ड़िन**)खेलाडी (२) जादूगर
खिलाना स० क्रि० 'खेलना', 'खाना', 'खिलना' नुं प्रेरक
ख़िलाफ़ वि० [अ.] सामेनुं; विरुद्ध
ख़िलाफ़-क़ानून वि० [फा.] गेरकायदे; कायदा विरुद्ध
ख़िलाफ़-गोई स्त्री० [फा.] जूठुं बोलवुं ते
ख़िलाफ़त स्त्री०[अ.]इस्लामना खलीफनुं पद [[फा.] रूढि विरुद्ध
ख़िलाफ़-दस्तूर, ख़िलाफ़-मामूल वि०
ख़िलाफ़-मरज़ी वि०[फा.] मरजी विरुद्ध
ख़िलाफ़-वर्ज़ी स्त्री० [अ.+फा.] अवज्ञा (२) अयोग्य वर्तन
ख़िलाल स्त्री० [अ.] रमत के बाजीमां हार (२) जुओ 'ख़लाल' (३) अंतर
खिलौना पुं० खिलोणुं; रमकडुं
ख़िल्त पुं० [अ.] शरीरनी कफ धातु
खिल्त-मिल्त वि० मिश्रित; भेगुं
खिल्ली स्त्री० खेल; हांसी; मजाक (२) पाननुं मोटुं बीडुं (३) खीली
ख़िश्त स्त्री० [अ.] ईंट (वि० **–श्ती**)
खिसकना अ०क्रि० जुओ 'खसकना'
खिसाना अ०क्रि० जुओ 'खिसियाना'
ख़िसारा पुं० [अ.] घट; खोट; हानि
खिसियाना अ०क्रि० खिसियाणुं पडवुं; शरमावुं (२) रिसावुं
खिसी स्त्री० शरम (२) धृष्टता
खींच स्त्री० खेंच [खेंचताण
खींचतान,खींचाखींची,खींचातानी स्त्री०
खींचना स० क्रि० खेंचवुं
खीज,–झ स्त्री० खीज [खिजावुं
खीज(–झ)ना अ०क्रि० 'खिजना';खीजवुं;
खीन वि० क्षीण [नाम,०ता,०ताई]
ख़ीमा पुं० [अ.] 'खेमा'; तंबु
खीर स्त्री० दूधपाक [प्राशन कराववुं
खीर चटाना=बाळकने पहेलवहेलुं अन्न-
खीरा पुं० [सं. क्षीरक] काकडी जेवुं एक फळ [जुओ 'खिरनी'
खीरी स्त्री० ढोरनुं बावलुं; 'बाख' (२)
खील स्त्री० धाणी (२) कील; खीली
खीला पुं० खीलो
खीली स्त्री० 'खिल्ली'; पाननो बीडो
खीवन,–नि स्त्री० मदनी मस्ती
खीस स्त्री० खीज; क्रोध (२) लज्जा; शरम (३) दांतरापणुं (४) करेटुं (५) वि० नष्ट; पायमाल
खीसा पुं० [फा.कीसा] खीसुं (२) थेली

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

खुआर वि० खुवार; 'ख्वार' (नाम–री)
खुक्ख वि० शुष्क; खाली; निर्धन [शस्त्र
खुखड़ी स्त्री० (दोरानुं)फोकडुं(२)कूकरी
खुगीर पुं० [फा. खोगीर] खोगीर; घोडानुं जीन; नमदो. **–की भरती** = नकामी वस्तुओ के लोकोनो जथो
खुचर, खुचुर स्त्री० खणखोद; दोषदृष्टि
खुजलाना स० क्रि० खंजवाळवुं (२) अ० क्रि० खंजवाळ आववी
खुजलाहट स्त्री० खंजवाळ; खूजली
खुजली स्त्री० खूजली
खुजाना स० क्रि० (२) अ० क्रि० जुओ 'खुजलाना' [आशंका
खुटक स्त्री०, **–का** पुं० 'खटक'; खटको;
खुटकना स० क्रि० खूंटवुं; उपरथी टूंपवुं
खुटका पुं० जुओ 'खुटक'; खटको
खुटचाल स्त्री०खोटी–वदचाल(वि०-ली)
खुटना अ० क्रि० खूटवुं; पूरुं थवुं
खुटपन(–ना) पुं०; **खुटाई** स्त्री० खोटापणुं; दोष
खुटाना अ०क्रि० जुओ 'खुटना'
खुट्टी स्त्री० रेवडी
खुट्ठी स्त्री० जुओ 'खुरंड' [पगनी बेठक
खुड्डी(-ड्ढी) स्त्री० जाजरूनो खाडो के
खुतबा पुं० [अ.] तारीफ; स्तुति (२) प्रवचन (जेम के, जुमानी नमाज वाद, पेगंवर वगेरेनी प्रशंसा करीने अपातुं)
खुत्थी, –थी स्त्री० खूंपरो; जडियुं (२) अनामत (३) पैसा राखवानी वांसळी (४) संपत्ति [आपोआप
खुद अ० [फा.] स्वयं; जाते. **–ब खुद** =
खुदक(-कु)शी स्त्री० [फा.] आत्महत्या
खुद-काम, –ग़रज़ वि० [फा.] स्वार्थी; आपमतलवी
ख़ुदकुशी स्त्री० जुओ 'खुदकशी'
ख़ुद-ग़रज़ वि० [फा.] आपमतलबी; स्वार्थी. (नाम –ज़ी स्त्री०)
ख़ुददार वि० स्वमानी.**–री** स्त्री०स्वमान
खुदना अ० क्रि० खोदावुं
ख़ुद-नुमा वि० [फा.] (नाम, **–माई** स्त्री०) अभिमानी; आप-वडाई करनार
ख़ुद-परस्त वि० [फा.] स्वार्थी; मतलवी (२) मगरूर [स्वतः
ख़ुद-ब-ख़ुद अ० [फा.] पोतानी मेळे;
ख़ुद-बीनी स्त्री० [फा.] गर्व; घमंड
ख़ुद-मतलब वि०, **–बी** स्त्री० जुओ 'खुदग़रज़, –ज़ी'
ख़ुद-मुख़्तार वि०[फा.]स्वतन्त्र; आझाद. (नाम –री स्त्री०)
खुदरा पुं० फुटकळ चीज
ख़ुदराई स्त्री० [फा.] स्वेच्छाचार
ख़ुदराय वि० [फा.] स्वेच्छाचारी
ख़ुदरौ वि० [फा.] आपोआप ऊगनारुं; जंगली (झाड के छोड)
खुदवाई स्त्री० खोदवानुं काम के मजूरी
खुदवाना स० क्रि० खोदाववुं
ख़ुद-सिताई स्त्री० [फा.] आत्मश्लाघा
ख़ुदा पुं०खुदा;परमेश्वर. **ख़ुदा करके** = वहु महेनत-मुश्केलीथी.**–का कारख़ाना** पुं० दुनिया. **–का घर** पुं० मसीद (२) स्वर्ग. **–की मार** स्त्री० ईश्वरी कोप–शाप. **–को दरमियान देना** = ईश्वरने साक्षी राखवो
खुदाई स्त्री० जुओ 'खुदवाई'
ख़ुदाई स्त्री० [फा.] ऐश्वर्य (२) सृष्टि
ख़ुदा-तर्स वि० [फा.] ईश्वरथी डरनार (२) दयाळु
ख़ुदा-दाद वि० [फा.] ईश्वरदत्त

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

खुदानख़्वास्ता = खुदा न करे; न करे नारायण
खुदा-परस्त वि० [फा.] ईश्वरभक्त
खुदाया अ०[फा.] या खुदा! हे राम!
खुदावंद पुं०[फा.] मालिक; स्वामी (२) मोटा लोक माटे संबोधन – खुदावंत
खुदा-हाफ़िज़ श० प्र० [फा.] खुदा-हाफेज; 'ईश्वर तमारुं रक्षण करो' एवो विदाय-बोल
खुदी पुं० [फा.] अभिमान; शेखी
खुद्दी स्त्री० चोखादाळ वगेरेनुं कोरमुं
खुनक वि० [फा.] ठंडुं; शीत
खुनकी स्त्री० [फा.] ठंडक; शरदी
खुनखुना पुं० बच्चांनुं रमकडुं–घूघरो
खुनस स्त्री० (वि०,–सी) खुन्नस; क्रोध
खुनसाना अ० क्रि० क्रोधे भरावुं
खुफ़िया वि० [अ.] गुप्त; छूपुं
खुफ़िया-पुलिस स्त्री० छूपी पोलीस
खुभना अ०क्रि० 'चुभना';खूंपवुं;भोंकावुं
खुभी,–भिया स्त्री० काननुं लविंगियुं (२) हाथीना दांत पर घलाती खोळी
खुम पुं०[फा.] दारूनुं वासण. ०कदा, ०खाना पुं० दारूनी दुकान
खुमरा पुं० (स्त्री०–री) एक मुसलमान फकीर
खुमार [अ.] पुं०, –री स्त्री० खुमारी; मद (२) नशो ऊतर्ये जणाती थकावट (३) जागरणनी असर
खुमी स्त्री० दांतमां जडावाती सोनानी खीली (२)हाथीना दांत पर चडाडाती खोळी (३) बिलाडीना टोप जेवी वनस्पति
खुर पुं० [सं.] चोपगानी खरी
खुरखुरा वि० खरबचडुं; 'खरदरा'
खुरचन स्त्री० खुरचन; उखाडी उझरडी एकठुं करेलुं ते
खुरचना [सं. क्षुरण] उखाडवुं; उझरडवुं
खुरजी स्त्री०[फा.] खुरजी(२)मोटो थेलो
खुरदरा वि० जुओ 'खरदरा'
खुरदा पुं० जुओ 'ख़ुर्दा'. –करना = परचूरण कराववुं, वटाववुं
खुरपका पुं० ढोरनो (मों के खरीनो) एक रोग
खुरपा पुं० [सं. क्षुरप्र] मोटी खूरपी
खुरपी स्त्री० खूरपी [नाळ जडवी ते
खुर-बंदी स्त्री० घोडा इ० नी खरीए
खुरमा पुं० [अ.] खुरमुं–एक मीठाई (२) खारेक
खुरशीद पुं० [फा.] खुरशेद; सूरज
खुराक स्त्री० [फा.] खोराक (२) दवानो डोझ [वधारे खानारुं
खुराकी स्त्री० [फा.] खोराकी (२) वि०
खुराफ़ात स्त्री० [अ.] वेहूदी नकामी वात (२) गाळ (३) बखेडो
खुरिश स्त्री० [फा.] खावापीवानी सामग्री; सीधुंसामान
खुरी स्त्री० खरीनुं चिह्न
खुर्द वि० [फा.] नानुं; छोटुं; सूक्ष्म
खुर्दबीन स्त्री० [फा.] सूक्ष्मदर्शक यंत्र
खुर्दबुर्द अ० [फा.] नष्ट-भ्रष्ट; खेदान-मेदान
खुर्दरा वि० जुओ 'खुरदरा'
खुर्द-साल वि० [फा.] उंमरमां नानुं. –ली स्त्री० नानपण
ख़ुर्दा पुं०[फा.] परचूरण; खुरदो (२) नानी मोटी चीज. –फ़रोश पुं० फुटकळ चीजोनो वेपारी
ख़ुर्दी स्त्री० [फा.] नानपण

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

खुर्रम वि० [फा.] प्रसन्न; खुश (नाम –मी स्त्री०)

खुर्राट वि० वृद्ध अनुभवी (२) लुच्चुं; चालाक [खुलासाथी; बरोबर

खुलना अ० क्रि० खूलवुं. **खुलकर** = खुला वि० खुल्लुं

खुलासा वि० [अ.] खुल्लुं (२) पुं० सारांश (३) खुलासो [श्रद्धा

खुलूस पुं०[अ.] सरळता; पवित्रता (२)

खुले आम, –खजाने, –बंदाँ, –बाजार, –मैदान, खुल्लमखुल्ला अ० जाहेरमां; खुल्लंखुल्ला

खुल्क़ पुं० [अ.] सुशीलता; सज्जनता

खुश वि०[फा.] खुशी; राजी (२) सारुं

खुश आमदेद [फा.] भले पधार्या

खुश-क़िस्मत वि० (नाम, –ती स्त्री०) नसीबवान; भाग्यशाळी

खुशकी स्त्री० जुओ 'खुश्की'

खुश-खत वि०[फा.] सुंदर अक्षरवाळुं (२) पुं० सुंदर लखाण

खुशखबरी स्त्री० [फा.] खुश खबर; शुभ समाचार

खुश-खुराक वि०[फा.] खावामां शोखीन

खुश-खुल्क़ वि०[फा.] उत्तम स्वभावनुं; सज्जन

खुश-गवार वि० [फा.] प्रिय; मनोहर

खुशगुलू वि० [फा.] मधुर स्वरवाळुं

खुश-जायका वि० [फा.] स्वादिष्ट

खुश-दामन स्त्री० [फा.] सासु

खुश-दिल वि० [फा.] आनंदी; प्रसन्न; हसमुखुं. (नाम –ली स्त्री०)

खुश-नसीब वि० [फा.] नसीबदार (नाम –बी स्त्री०) [स्त्री०)

खुशनुमा वि० [फा.] सुंदर (नाम ०ई

खुश-वक्त वि० [फा.] सुखी

खुश-बू स्त्री० [फा.] खुशबो; सुगन्ध. **०दार** वि० सुगन्धी

खुश-मिज़ाज वि० [फा.] प्रसन्न; खुश

खुशहाल वि० [फा.] खुशाल; सुखी (नाम –ली स्त्री०)

खुशामद स्त्री० [फा.] खुशामत

खुशामदी वि० [फा.] खुशामतियुं. **०टट्टू** पुं० खुशामतियो [इच्छा; मरजी

खुशी स्त्री० [फा.] आनंद; राजीपो (२)

खुश्क वि० [फा.] शुष्क; सूकुं (२) नीरस. **०साली** स्त्री० सूकुं वर्ष

खुश्की स्त्री० [फा.] शुष्कता (२) खुशकी; जमीनमार्ग (३) अकाळ; सूकुं वर्ष

खुसर पुं० [फा.] ससरो

खुसरवाना वि० [फा.] शाही; राजवी

खुसरू पुं० [फा.] बादशाह

खुसिया पुं० [अ.] अंडकोश

खुसुरफुसुर स्त्री० जुओ 'कानाफूसी'; गुसपुस (२) अ० धीमे; गुचपुच

खुसूफ़ पुं० [अ.] चंद्रग्रहण

खुसूमत स्त्री० [अ.] दुश्मनी

खुसूस अ० खसूस; खास. **०न्** अ० [अ.] खास करीने; खसूस [विशेषता

खुसूसियत स्त्री० [अ.] खासियत;

खूँखार वि० [फा.] लोही पीनार (२) खूनखार; क्रूर; भयंकर

खूँट पुं० खूणो (२) तरफ; बाजु (३) खंड (४) स्त्री० कानने मेल (५) पूछपरछ; टोकवुं ते [खूटवुं; कम थवुं

खूँटना स०क्रि० पूछवुं गाछवुं; टोकवुं (२)

खूँटा पुं० ढोरनो खीलो; खूंटो

खूँटी स्त्री० खूंटी; खीली (जेम के सतार इ०नी) (२) छोडनुं ठूंठियुं खेतरमां रही जाय ते (३) सीमा; हद

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

खूंदना अ० क्रि० खूंदवुं; गूंदवुं (२) ऊछळीने गदडवुं
खूंरेज़ वि० [फा.] लोही रेडनारुं
खूंरेज़ी स्त्री० [फा.] खूनरेजी
खू स्त्री० [फा.] आदत; खो
खूटना अ० क्रि० खूटवुं–कम थवुं के पूरुं थवुं (२) बंध थवुं
खूद, खूदड़ (–र) पुं० वस्तुने साफ कर्ये नकामो रहेतो कचरो; कचरापटी
ख़ून पुं० [फा.] खून (लोही; हत्या). –खुश्क होना या सूखना=खूब भयभीत थवुं. –सफ़ेद होना=स्नेह सुजनता जतां रहेवां
ख़ून-ख़राबा पुं० मारकाट; मारामारी
ख़ून-ख़ार,–ख़्वार वि० जुओ 'खूंखार'
ख़ूनरेज़,–ज़ी जुओ 'खूंरेज़,–ज़ी'
ख़ूनी वि० खून करनार (२) घातकी. ०बवासीर स्त्री० दूझता हरस
ख़ूब वि०[फा.] अच्छुं; उमदा (२) अ० अच्छी रीते
ख़ूब-कलाँ स्त्री०[फा.] एक घासनां बीज
ख़ूबसूरत वि० [फा.] सुंदर; रूपाळुं. (नाम –ती स्त्री०)
ख़ूबानी स्त्री० [फा.] जरदालु
ख़ूबी स्त्री०[फा.] भलाई; उमदापणुं (२) विशेषता; खूबी [शुष्क; अरसिक
खूसट,–र पुं० उल्लु; घुवड (२) वि०
खेकसा, खेखसा पुं० कंकोडुं
खेचर पुं०[सं.] पक्षी (२) विमान (३) तारा, ग्रह, वायु (४) वादळ
खेटकी पुं० [सं.] शिकारी
खेड़ा पुं० [सं. खेट] नानुं गाम; खेडुं
खेत पुं० खेतर (२) रणक्षेत्र. –आना= लडाईमां मरवुं. –कमाना=खेडखातर करी सारी खेती करवी (२) पाक उत्पन्न करवो. –करना=लडवुं; युद्ध करवुं. –रहना=जुओ 'खेत आना'
खेतिहर पुं० खेडूत [खेतीवाडी
खेती, खेतीबाड़ी(–री) स्त्री० खेती;
खेद पुं०[सं.]खेद; दुःख; ग्लानि(२)थाक
खेदना स० क्रि० खदेडवुं (२) पीछो पकडवो
खेदा पुं० शिकार [समय काढवो
खेना स० क्रि० हलेसवुं; नाव हांकवी (२)
खेप स्त्री० आंटो; फेरो (२) एक आंटामां लदाईने अणाय तेटलुं. –भरना =खेपनो भार लादवो
खेपना स० क्रि० [सं. क्षेपण] विताडवुं; गुजारवुं
खेमटा पुं० एक प्रकारनुं गायन के नाच
ख़ेमा पुं० [अ.] तंबू. ०गाह पुं० ज्यां घणा तंबू लाग्या होय ते जगा
खेल पुं० रमतगमत (२) मामलो (३) तमासो
खेलकूद स्त्री० रमतगमत
खेलना अ० क्रि० खेलवुं; रमवुं. –खाना =खेलवुं कूदवुं; रमतमां जीवन गुजारवुं
खेलवाड़ पुं० खेल; क्रीडा; तमासो (२) गमत; मजाक [मजाकी; विनोदी
खेलवाड़ी वि० भारे रमनार (२)
खेला-खाया वि०दुनिया जोयेलुं; अनुभवी
खेलाड़ी वि० जुओ 'खेलवाड़ी' (२) पुं० खेलाडी (३) तमासो करनार
खेलाना स० क्रि० खेलाववुं; रमाडवुं
खेलार पुं० जुओ 'खेलाड़ी'
खेवट, –टिया पुं० खेवट; सुंकानी (२) तलाटीनो एक चोपडो
खेवना स० क्रि० 'खेना'; नाव चलाववी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

खेवा पुं० नावमां नदी पार करवी ते के तेनुं भाडुं (२) वार; समय
खेवाई स्त्री० नाव चलाववी ते के तेनी मजूरी [पुं० सगुं
ख़ेश वि० [फा. ख़्वेश] पोतानुं (२)
ख़ेस पुं० ओढवा पाथरवा माटेनी एक जातनी जाडी चादर
खेसारी स्त्री० एक हलकुं अन्न – दाळ
खेह(०र) स्त्री० खेर; खेरंटो; धूळ
खैंचना स० क्रि० जुओ 'खींचना'
खैर पुं० खेर वृक्ष (२) काथो
ख़ैर स्त्री० [फा.] क्षेमकुशळ (२) अ० खेर; भले
ख़ैरअंदेश वि०[फा.] शुभचिंतक;खेरखाह
ख़ैर-आफ़ियत [फा.] क्षेमकुशळ
ख़ैर-ख़ा(-ख़्वा)ह वि० [फा.] खेरखां; शुभेच्छक. (नाम –ही स्त्री०)
ख़ैर-बाद पुं० [फा.] 'कुशळ हो' एवो बोल
ख़ैर-मक़दम पुं०[अ.]स्वागत;भले पधारो
ख़ैरसार पुं० खेरसार; काथो
ख़ैरा वि० कथ्थाई; काथाना रंगनुं
ख़ैरात स्त्री० [अ.] खेरात; पुण्यदान (वि० –ती)
ख़ैरियत स्त्री०[फा.]खेरियत;राजीखुशी
खोंच स्त्री० खूंच; 'खरोंच' (जेम के, कपडामां कांटो भरावाथी) (२) पुं० मूठीमां आवे तेटलुं (अन्न इ०)
खोंटना स०क्रि० खूंटवुं; टूंपवुं; चूंटवुं
खोंडर पुं० जुओ 'खोडरा'
खोंडा,–ड्हा वि० खांडुं; अपंग (२) आगला दांत विनानुं
खोंता,–तल पुं० माळो (पक्षीनो);'खोता'
खोंप स्त्री० वखियो (लांबो) (–भरना, मारना)
खोंपना स०क्रि० भोंकवुं; खूंपे एम करवुं
खोंसना स०क्रि० खोसवुं
खोआ,–या,–वा पुं० जुओ 'खोया'
खोई स्त्री० धाणी (२) शेरडीनो कूचो (३) वरसादमां माथे ओढातो कामळो
खोखला वि० पोलुं
ख़ोगीर पुं० [फा.] घोडानुं जीन; नमदो
खोज स्त्री० खोळ; तपास (२) निशान; चिह्न (पगलुं, चीलो इ०). –ख़बर लेना =खबर अंतर पूछवी. –मारना, मिटाना =नामनिशान न रहेवा देवुं
खोजना स०क्रि० खोळवुं; ढूंढवुं; तपासवुं
खोजा पुं० खोजो–जनानानो (नपुंसक) सेवक (२) सरदार [जासूस
खोजी (–जिया) पुं० खोळ करनार;
खोट स्त्री० [सं.] दोष; बूराई (२) हलकी वस्तुनुं मिश्रण
खोटा वि० खोटुं; बूरुं. (नाम –ई स्त्री०)
खोड़ स्त्री० देवनो कोप
खोड़रा पुं० कोटर; झाडनी वखोल
ख़ोता पुं० पक्षीनो माळो
ख़ोद पुं० [फा.] वख्तरनो टोप
खोद पुं० खणखोद; पडपूछ
खोदना स० क्रि० खोदवुं (२) कोतरवुं (३) भोंकवुं; खोसवुं; खोरवुं
खोद-पूछ स्त्री०, खोद-विनोद पुं० पूछपरछ; खणखोद; तपास
खोदाई स्त्री० 'खुदाई'
खोना स० क्रि० खोवुं (२) बगाडवुं (३)/अ० क्रि० खोवावुं
ख़ोन्चा पुं० [फा. ख़्वान्चा] खूमचो
खोपड़ा, –रा पुं० खोपरी (२) माथुं (३) कोपरुं के नारियेळ
खोपड़ी, –री स्त्री० ख़ोपरी के माथुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

खोपा पुं० छापरा के मकाननो रस्ता पर पडतो खूणो; करो (२) अंबोडो
ख़ोय स्त्री० [फा. ख़ू] खो; आदत
खोया, –वा पुं० दूधनो मावो
खोर स्त्री० सांकडी गली (२) स्नान (३) ढोरनी गमाण (४) जुओ 'खोड़'
ख़ोर वि० [फा.] खानार (समासमां. उदा० नशाख़ोर)
खोरना अ० क्रि० नाहवुं
खोरा पुं० कटोरो (२) पाणीनुं पात्र (३) वि० खोडुं; अपंग; 'खोंड़ा' [–की'
खोराक पुं०, –की वि० जुओ 'खुराक,
खोल पुं० खोळ; गलेफ (२) उपरनी चामडी (जे प्राणी उतारे छे); कांचळी (३) मोटो ओछाड
खोलना स० क्रि० खोलवुं; उघाडवुं
खोली स्त्री० खोळ; गलेफ
खोवा पुं० 'खोया'; मावो [लूम
ख़ोशा पुं० [फा.] अनाजनुं डूंडुं के फळनी
खोह स्त्री० गुफा; खो
खौ स्त्री० खाडो (२) अन्न राखवानुं भोंयरुं
ख़ौज पुं० [अ.] गहन विचार
ख़ौफ़ पुं० [अ.] खोफ; डर (वि०–नाक)
खौर स्त्री० तिलक; 'टीका' (२) स्त्रीओनुं माथानुं एक घरेणुं
खौरना स० क्रि० तिलक करवुं (२) 'खौर' घरेणुं पहेरवुं
खौरा पुं० (कूतरां बिलाडांने थती) लूखस (२) वि० तेनुं रोगी
खौलना अ० क्रि० ऊकळवुं
खौलाना स० क्रि० प्रवाही गरम करवुं

ख्यात वि० [सं.] जाणीतुं; प्रसिद्ध (नाम –ति स्त्री०)
ख़्याल पुं० जुओ 'ख़याल' (२) खेल; क्रीडा
ख़्याली वि० कल्पित (२) खेल करनार. –पुलाव पकाना=शेखचल्लीना तरंग करवा
ख्रिस्ट पुं० ईशु ख्रिस्त
ख्रिस्टान पुं० 'क्रिस्तान'; ख्रिस्ती
ख्रिस्टीय वि० ख्रिस्ती
ख़्वाँ वि० [फा.] (समासने अंते) कहेनार, गानार, पढनार एवा अर्थमां
ख़्वाँदा वि० [फा.] भणेल; शिक्षित
ख़्वाजा पुं० [फा.] मालिक; सरदार (२) सद्गृहस्थ (३) व्यंडळ; खोजो
ख़्वाजा-सरा पुं० [फा.] खोजो; रणवासमां राखवा नपुंसक बनावेलो ते
ख़्वान् पुं० [फा.] थाळ; मोटी थाळी
ख़्वान्चा पुं० [फा.] 'खोन्चा'; खूमचो (२) नानी थाळी
ख़्वाब पुं० [फा.] निद्रा (२) स्वप्न. ०गाह पुं० सूवानो ओरडो
ख़्वार वि० [फा.] खुवार; पायमाल (२) तिरस्कृत [नाम –री स्त्री०]
ख़्वास्तगार वि० [फा.] इच्छुक. [नाम –री स्त्री०]
ख़्वाह अ० [फा.] अथवा (२) स्त्री० इच्छा
ख़्वाह-मख़्वाह अ० [फा.] जरूर; अवश्य; खामुखा; इच्छाए के अनिच्छाए
ख़्वाहिर स्त्री० [फा.] बहेन
ख़्वाहिश स्त्री० [फा.] खाएश; इच्छा

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ग

गंग स्त्री० गंगा नदी(२)पुं०एक कवि
गंग-बरार पुं० [गंगा+फा. बरार] गंगानो के कोई नदीनो कांप ठरी नीकळी आवेली जमीन; 'डेल्टा'
गंग-शिकस्त पुं० [गंगा+फा. शिकस्त] नदीथी तणाई के धोवाई गयेली जमीन
गंगा स्त्री० [सं.] गंगा नदी. **–उठाना**= गंगाना सम खावा. **–पार करना**= देशनिकाल करवुं. **–पीना**=जूठा सम खावा [काळुंधोळुं
गंगा-जमुनी वि० मिश्र; वेभथ्थुं (२)
गंगाजल पुं० [सं.] गंगाजळ (२) एक रेशमी कापड. **–ली** स्त्री० गंगाजळ लाववानुं पात्र. **–उठाना**=गंगाना सम खावा [एक मोटुं वासण
गंगाल पुं० 'कंडाल'; धातुनुं पाणीनुं
गंगालाभ पुं० [सं.] मृत्यु
गंगासागर पुं० गंगानो समुद्र-संगम (२) एक जातनी मोटी झारी
गंगोत्तरी स्त्री० गंगोत्री
गंगोदक पुं० [सं.] गंगाजळ
गंज पुं० माथानी ताल (२) खजानो (३) ढेर; गंज [(२) नाश
गंजन पुं० [सं.] अवज्ञा; तिरस्कार
गंजना स० क्रि० अनादर करवो (२) नाश करवुं [माथानी ताल
गंजा वि० माथे तालवाळुं (२) पुं०
गँजिया स्त्री० जाळीदार गूंथेली थेली
गंजी स्त्री० गंजीफराक (२) गंजी; ढग
गंजी, गंजेड़ी वि० गंजेरी
गंजीफ़ा पुं० [फा.] पानांनो गंजीफो
गँठकटा पुं० जुओ 'गिरहकट'
गँठजोड़ा, गँठबंधन पुं० वरकन्यानां वस्त्र गांठवानी क्रिया [भाग
गंड,०स्थल पुं०[सं.]कपाळ के लमणानो
गँडा पुं० गांठ (२) मंतरेलो दोरो; तावीज के मादळियुं (३) पक्षीना गळानो कांठलो (४) आडी लीटीओनी हार; चटापटा (जेम के साप पर) (५) चार कोडी जेटलां दाम
गँड़ासा पुं० (स्त्री० **–सी**) घासचारो कापवानुं ओजार–धारवाळुं फळुं
गँड़ेरी स्त्री० शेरडीनो वडवो; गंडेरी
गंदगी स्त्री० [फा.] गंदकी
गँदला, गंदा [फा.] वि० गंदुं
गंदुम पुं० [फा., सं. गोधूम] घउं
गंदुमी वि० घउंवर्णुं
गंध पुं० [सं.] महेक; वास; सोड
गंधक पुं० [सं.] गंधक खनिज [प्रवीण
गंधर्व पुं०[सं.]एक देव-जाति(२)संगीत-
गंधाना अ० क्रि० गंधावुं; वास मारवी
गंधी पुं० तेल अत्तर वेचनार (२) वरसादमां थतुं मांकणियुं जीवडुं
गंधीला वि० (प.) गंदुं; गंधातुं
गंभीर वि० [सं.] ऊंडुं; अगाध; गहन (२) शांत; सौम्य
गँव स्त्री० अवसर; मोको (२) मतलब; प्रयोजन; (३) उपाय; युक्ति
गँवई स्त्री० (वि० **–इयाँ**) गामनी वस्ती
गँवरदल वि० गमार; गामडियुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

गँवर-मसला पुं० गामठी कहेवत के उखाणो
गँवाना स० क्रि० [सं. गमन] गुमाववुं
गँवार, -रू वि० गमार (२) गामडियुं
गँवारी स्त्री० गमारपण (२) गमार स्त्री (३) वि० गमार जवुं (४) बदसूरत
गंस पुं० (प.) (मननी) गांठ; द्वेष; झेर (२) स्त्री० तीरनी अणी
गँसना स० क्रि० बरोबर जकडवुं के गांठवुं के बांधवुं (२) ठांसीने वणवुं (३) अ० क्रि० ठसोठस वणावुं के भरावुं; ठांसावुं
गँसीला वि० अणीदार (२) ठांसेलुं
गई करना=जवा देवुं; जतुं करवुं
गई-बहोर वि० खोवाई गयेलाने फरी देनार के बगडेलाने सुधारनार
गऊ स्त्री० गाय. ०**घाट** पुं० ढोरने पाणी पीवा माटेनो घाट
गगन पुं० [सं.] गगन; आकाश (२) शून्य. ०**चुंबी**, ०**भेदी** ०**स्पर्शी** वि० बहु ऊंचुं [स्त्री० नानो घडो
गगरा पुं० गगरो; घडो. **-री, रिया**
गच पुं० गच दईने पेसी जवुं ते (२) चूना वगेरेथी करेली पाकी फरस के ते करवानो चूनो वगेरे मसालो (३) गच्ची; अगाशी [काम
गचकारी स्त्री० 'गच' नुं के चूना इ०नुं
गज पुं० [सं.] हाथी
गज़ पुं० [फा.] गज; वार. **-इलाही** =अकबरनो ४१ आंगळनो गज
गज़क पुं० [फा.] दारू पीने करातो नास्तो (२) तलपापडी (३) नास्तो
गजट पुं० [इं.] सरकारी गेझेट
ग़जब पुं० [अ.] गजब (२) कोप
ग़ज़बका वि० अपूर्व; विलक्षण
गजर पुं० गजर; चोघडियां
गजर-दम अ० सवारे
गजरा पुं० फूलमाळा (२) गजरी-कांडानुं एक घरेणुं
ग़ज़ल स्त्री० [अ.] फारसी उर्दूमां एक प्रकारनी कविता – गजल
गजवान पुं० [सं.] महावत
गजानन पुं० [सं.] गणपति
ग़ज़ाल पुं० [अ.] हरणनुं बच्चुं
गजी स्त्री० हाथणी (२) पुं० [सं.] हाथी पर बेसनार
गज़ी स्त्री० [फा.] गजियुं. ०**गाढ़ा** पुं० जाडुं सस्तुं गजिया जेवुं कपडुं
गज्झा पुं० गंज; ढेर
गझिन वि० गाढुं; घट्ट
गटकना स० क्रि० गटकाववुं; गट करी जवुं; खाई हडप करी जवुं
गटपट स्त्री० अधिक मेळ; सहवास
गट्ट अ० गट अवाज. **-करना**=गटकाववुं
गट्टा पुं० कांडुं (२) घूंटण (३) गांठ (४) हूकानो मेर (५) एक मीठाई
गट्ठर पुं० मोटी गांसडी
गट्ठा पुं० 'गट्ठर' (२) गठ्ठो; गांठियो (जेम के डुंगळीनो) [(२) गांठ
गट्ठी स्त्री० नानो गठ्ठो के गांसडी
गठन स्त्री० रचना; बनावट
गठना अ० क्रि० गांठवुं; जोडवुं (२) मोटा बखियाथी सीववुं (जूता गठना) (३) गोठवुं; फावतुं आववुं; बनवुं (४) दाव के गुप्ततामां सामेल थवुं
गठरी स्त्री० गांसडी; पोटलुं (२) जमा करेली मिलकत. **-मारना**=धन ठगवुं; धूती आणवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

गठवाना, गठाना स०क्रि० गंठाववुं (२) सिवडाववुं (३) टांका के वखिया भराववा
गठित वि० गांठेलुं; रचेलुं
गठिया स्त्री० थेलो; खुरजी(२)सांधाना दरदनो एक रोग
गठियाना स० क्रि० गांठ मारवी
गठी बखिया पुं०ओटीने मारेलो वखियो
गठीला वि० (स्त्री० –ली) गांठाळुं (२) मजबूत
गठौत, –ती स्त्री० गोठवुं ते; मित्रता
गड़ पुं० [सं.] आड (२) ओथ (३) वाड (४) गढ
गड़गड़ा पुं० एक जातनो हूको
गड़गड़ाना अ० क्रि० गडगडवुं; (वादळ) गर्जवुं (२) हूको गगडाववो
गड़गड़ाहट स्त्री० गगडाट
गड़दार पुं० हाथी जोडें भालो लई चालनार माणस
गड़ना अ० क्रि० गडवुं; पेसी जवुं (२) शरीरमां भोकावा जेवुं दर्द थवुं (३) गडावुं; दटावुं; दफन थवुं (४) स्थिर थवुं; जामवुं. **गड़े मुर्दे उखाड़ना**= गईगुजरी पाछी काढवी
गड़पना स० क्रि० 'गटकना'; हडपवुं
गड़प्पा पुं० खाडो (२) कळण
गड़बड़ वि० ऊंचुंनीचुं (२) अव्यवस्थित (३) पुं० अव्यवस्था; गरबड (४) गोटाळो; उपद्रव [माल; गोटाळो
गड़बड़झाला, गड़बड़ाध्याय पुं० गोल-
गड़बड़ाना अ० क्रि० गरबडमां पडवुं (२)बगडवुं;गोटाळो थवो (३) स०क्रि० गरबडमां नांखवुं (४) बगाडवुं (५) चकरावा के भुलावामां पाडवुं
गड़बड़िया वि० गडबडियुं; गडबडवाळुं
गड़बड़ी स्त्री० जुओ 'गड़बड़'
गड़मड़ वि० सेळभेळ; भेगुं; एकठुं
गड़(–ड़े)रिया पुं० गडेरियो; भरवाड
गड़हा पुं० 'गड्ढा'; खाडो
गड़ा पुं० 'गड्डु'; ढेर; ढगलो
गड़ाना स० क्रि० भोंकवुं; 'गड़ना' नुं प्रेरक (२) दटाववुं; गडाववुं
गड़ारी स्त्री० गोळाकृति (२) घेरावो; घेर (३) गरगडी के तेनो खाडावाळो घेराव(४)'गंडा';आडी लीटीओनी हार
गड़आ, –वा पुं० जुओ 'गड़ुवा'
गड़ुई स्त्री० नानो 'गड़वा'; झारी
गड़ुर, –ल वि० [सं.] कूबडुं; खूंधुं
गड़ु(–ड़ो)लना पुं० वावागाडी
गड़वा पुं० नाळचावाळो लोटो–गडवो
गड़ेरिया पुं० जुओ 'गड़रिया'
गड़ोलना पुं० जुओ 'गड़ुलना'
गड्डु पुं० (स्त्री० –ड्डी) गंज; थोकडी; खरकलो; गडी (२) खाडो
गड्डब(–म)ड्डु वि० अस्तव्यस्त; आडुं-अवळुं (२) पुं० गरबडगोटो
गड्डा पुं० गाडुं
गड्ढा पुं० खाडो
गढ़ंत वि० बनावटी; कल्पित (वात)
गढ़ पुं० गढ; किल्लो (२) खाई [आकृति
गढ़त, –न स्त्री० 'गठन'; घडवुं ते (२)
गढ़ना स० क्रि० घडवुं; बनाववुं (२) घडी काढवुं(३)घडी नांखवुं; मारवुं
गढ़वाल पुं० किल्लेदार
गढ़ा पुं० 'गड्ढा'; 'गड़हा'; खाडो
गढ़ाई स्त्री० घडवानुं काम के मजूरी
गढ़ाना अ० क्रि० मुश्केली पडवी के मुश्केल थवुं (२) 'गढ़ना' नुं प्रेरक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

गढ़ि(-ढ़)या पुं० घडनारो
गण पुं० [सं.] गण; समूह (२) शिवनो गण (३) छंदनो गण (४) जाति; वर्ग
गणक पुं० [सं.] जोशी
गणतंत्र पुं० प्रजाशाही राज्य के तेनुं तंत्र
गणना स्त्री० [सं.] गणतरी; लेखुं; हिसाव; अंदाज
गणराज्य पुं० [सं.] 'गणतंत्र'; प्रजातंत्र
गणिका स्त्री० [सं.] गुणका; वेश्या
गणित पुं० [सं.] हिसाब के तेनी विद्या
गण्य वि० [सं.] गणनापात्र (२) प्रतिष्ठित; मान्य
गण्य-मान्य वि० [सं.] प्रतिष्ठित
गत स्त्री० गति; दशा (२) वि० [सं.] गयेलुं;वीतेलुं.–**बनाना**=दुर्दशा करवी; टीपवुं [लाकडी
गतका पुं० ढाललकडी के ते खेलवानी
गति स्त्री० [सं.] जवुं ते (२) चाल (३) झडप; वेग (४) दशा (५) मरण वादनी स्थिति
गत्ता पुं० कागळनी थोकडी
गत्तालखाता पुं० मांडी वाळवानी रकमनुं खातुं
गद पुं० [सं.] रोग (२) विष
गदका पुं० जुओ 'गतका'
गदगद वि० गद्‌गद
गदना स० क्रि० (प.) कहेवुं
ग़दर पुं० उपद्रव; खळभळाट (२)बळवो
गदरा(०ना) वि० पाकवा आवेलुं; नरम (फळ इ०)
गदराना अ० क्रि० (फळ) पाकवा पर आववुं; नरम थवुं(२)जुवानीथी शरीर भरावा लागवुं (३) आंख आववी (४) गंदुं थवुं (५) वि० जुओ 'गदरा'

गदला वि० 'गँदला'; गंदुं
गदहपचीसी स्त्री० गध्धापचीसी
गदहपन पुं० गध्धापणुं; मूर्खता
गदहा पुं० [स्त्री० **–ही**] 'गधा'; गधेडुं (२) [सं.] वैद्य
गदा पुं० [फा.] भिखारी; फकीर (२) स्त्री० [सं.] गदा हथियार
गदाई वि० तुच्छ; क्षुद्र (२) रद्दी; नकामुं (३) स्त्री० भीख-वृत्ति
गदी वि० [सं.] रोगी (२) गदाधारी
गदेला पुं० गदेलुं (२) नानो छोकरो
गदोरी स्त्री० हथेळी
गद्‌गद वि० [सं.] हर्ष इ०थी लागणीवश बनेलुं(जेथी वाणी पर असर थाय)
गद्द पुं० नरम जगामां धब दईने पडवुं ते (२) भारे खाधानो पेटमां भार
गद्दर वि० काचुंपाकुं (२)पुं० मोटुं गदेलुं
गद्दा पुं० गोदडुं; गादी [भारे बेवफा
ग़द्दार वि० [अ.] भारे बळवाखोर (२)
गद्दी स्त्री० नानुं गोदडुं (२) गादी (३) हथेळी के पगनुं तळियुं
गद्दी-नशीन वि० गादीए बेठेल(२)वारस
गद्य पुं० [सं.] गद्य लखाण
गधा पुं० 'गदहा'; गधेडुं
गनगनाना अ० क्रि० कंपवुं; ध्रूजवुं
गनगौर स्त्री० चैत्र सुद त्रीज; स्त्रीओनी गौरीपूजा [भारे स्वतंत्र
ग़नी वि० [अ.] भारे धनवान (२)
ग़नीम पुं० [अ.]शत्रु (२) डाकु; लुटारो
ग़नीमत स्त्री० [अ.] लूंटनो के मफतियो माल(२)गनीमत; संतोषनी सारी वात
ग़नूदगी स्त्री० [फा.] ऊंघ आववी ते
गन्ना पुं० शेरडी
गप स्त्री० जुओ 'ग़प'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ग़प स्त्री० [फा.] गप; डिंग(२)पुं० गफ्फो लईने खावुं ते [खाई जवुं

गपकना स० क्रि० गपकाववुं; गब गब

गपड़चौथ स्त्री० नकामी गप; गपाटो

गपना स० क्रि० (प.) गप मारवी

गपशप स्त्री० गपसप; नकामी–नवरा पहोरनी वात; बकवाद

गपागप अ० गपगप (जलदी खावुं)

गपिया,–हा (प.) वि० गप्पी

गपोड़ा पुं० गपोडो; गप

गप्प स्त्री० गप. **–प्पी** वि० गप मारनारुं

गप्फा पुं० गफ्फो; गफ दईने मरातो बूको (२) लाभ; फायदो

ग़फ़ वि० [फा.] ठस; गाढुं; घट्ट

ग़फ़लत स्त्री० [अ.] सावधानी, परवा या खबर होवानो अभाव (२) भूल

ग़फ़ूर वि० [अ.] क्षमावान (ईश्वर)

ग़फ़्फ़ार वि० [अ.] भारे दयाळु (ईश्वर)

ग़बन स्त्री०[अ.]सुपरत विषे वेईमानी करवी–हडप करी जवुं ते

गबरू वि० [फा. ख़ूबरू] गभरु; नव-जुवान (२) भोळुं (३) पुं० पति

गबरून पुं० .एक जातनुं जाडुं कपडुं

ग़बी वि० [अ.] गबो; मूरख

गब्बर वि० गर्विष्ठ (२) मंद; सुस्त (३) गब्बर; कीमती; धनवान

गब्र पुं० [फा.] अग्निपूजक–पारसी

गभस्ति पुं० [सं.] सूर्य (२) किरण

गभीर वि० [सं.] गंभीर

गभुआ(–वा)र वि० जन्मथी राखेला (वाळ)(२)तेवा वाळवाळुं;नानुं(वाळक)

गम स्त्री० गम; पहोंच; सूझ

ग़म पुं० [अ.] गम; दुःख (२) चिंता

गमक स्त्री० सुगंध (२) संगीतनी गमक

ग़मकदा पुं० [फा. संसार

गमकना अ० क्रि० महेकवुं

ग़मख़ोर, ग़मख़्वार वि० [फा.] गमखार; गम खाय एवुं; सहिष्णु

ग़म-ग़लत पुं० [अ.] दुःख हलकुं करे ते (२) खेल; तमासो (३) दारू

ग़मगीं, –गीन वि०[फा.]गमगीन;उदास

ग़म-गुसार वि० [फा.] दुःखभंजन

गमछा पुं० टुवाल; अंगूछो [हावभाव

ग़मज़ा पुं० [अ.] (प्रियानां) नखरां के

गमन पुं० [सं.] जवुं ते (२) स्त्रीसंग

गमनना, गमना अ० क्रि० (प.) जवुं

ग़मनाक वि० [फा.] दुःखद

गमला पुं० फूलझाडनुं के जाजरूनुं कूंडुं

गमाना स० क्रि० 'गँवाना'; गुमाववुं

गमार वि० 'गँवार'; गामडियुं

ग़मी स्त्री० [अ.] गमी; शोक (२) मरण वादनो शोक (३) मरण

गम्य वि० [सं.]जवाय, पहोंचाय एवुं(२) साध्य (३) समजाय एवुं

गय पुं० [सं.] घर (२) आकाश (३) [प्रा. गय] गज; हाथी

गया-गुज़रा, गया-बीता वि० ऊतरी गयेलुं; नकामुं; खराब

गयावाल पुं० गयावाळ; गयानो पंडो

गर पुं० (प.) गळुं; गरदन (२) [सं.] झेर; विष (३) रोग (४) [फा.] 'करनार' अर्थनो प्रत्यय. जेम के सोदागर

ग़रक़ वि० [अ.] लीन; डूबेलुं

ग़रक़ाब वि० [अ.] गरकाव; निमग्न (२) पुं० डुबाय एटलुं पाणी

ग़रक़ी स्त्री० [फा.] डूबवुं ते (२) अतिवृष्टि;रेल(३)नीचाणवाळी जमीन

गरगरा पुं० 'गराड़ी'; गरगडी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

गर-चे अ० [फा.] 'अगरचे'; जोके
गरज स्त्री० वादळ के सिंहनी गर्जना
गरजना अ० क्रि० गर्जवुं
ग़रज़ स्त्री० [अ.] गरज; जरूर (२) आशय; मतलब (३) चाह; इच्छा (४) अ० निदान; आखरे (५) सारांश के; मतलब के
ग़रज़-मंद, ग़रज़ी (-ज़ू) वि०गरजवाळुं
गरदन स्त्री० [फा.] गळुं; डोकुं. **-उठाना** =विरोध करवो; सामे थवुं. **-में हाथ देना या डालना** = गरदन पकडी बहार काढवुं
गरदनियाँ स्त्री० गरदन पकडी बहार काढवुं ते
गरदनी स्त्री० घोडानो ओढो (२) कुस्तीनो एक दाव
गरदा पुं० 'गर्द'; गरदा; धूळ
गरदान स्त्री० [फा.] [व्या.] क्रियापदनुं रूपाख्यान (२) पुं० पाळेलुं कबूतर
गरदानना स० क्रि० वारंवार कहेवुं (२) गणवुं; लेखवुं; मानवुं
गरदूँ पुं० [फा.] आकाश (२) गाडी
गरना अ० क्रि० निचोववुं (२) (प.) गळवुं; 'गलना'
ग़रब पुं० [अ.] पश्चिम दिशा
गरब पुं० गर्व; घमंड. **-गहेला** वि० गर्विष्ठ
गरब(-बा)ना अ० क्रि० गर्व करवो; फुलावुं
गरबा पुं० गरबो
ग़रबी वि० [फा.] पश्चिमनुं
गरबीला वि० गर्विष्ठ; अभिमानी
गरम वि० [फा.] ऊनुं (२) क्रोधी (३) तीक्ष्ण; उग्र
गरमाना अ० क्रि० गरम थवुं (२) उमंग के आवेश या क्रोधमां आववुं (३) स० क्रि० तपाववुं; उकाळवुं
गरमाहट स्त्री० गरमी; गरमावो
गरमी स्त्री० गरमी; ताप (२) आवेश; क्रोध (३) उमंग; जुस्सो (४) उनाळो (५) गरमीनो रोग. **-निकालना** = गर्व हणवो; तोरी उतारवी. **गरमियोंमें** =उनाळाना दिवसोमां
गरल पुं० [सं.] झेर
गराँ वि० [फा.] भारे (वजन के किंमतमां)
गराँव पुं० ढोरना गळातुं बेवडुं दोरडुं -गाळियुं
गरा पुं० 'गला'; गळुं
गराड़ी स्त्री० गरगडी (२) घसारानो कापो
गरानी स्त्री० [फा.] मोंघापणुं (२) भारेपणुं
गरारा वि० गर्ववाळुं (२) प्रबळ
ग़रारा पुं० [अ.] कोगळो
गरिमा स्त्री० [सं.] गुरुता; भारेपणुं; गौरव (२) एक सिद्धि
गरियार वि० मंद; गळियुं (ढोर)
गरिष्ठ वि० [सं.] भारे (पचवामां) (२) खूब भारे
गरी स्त्री० नारियेळनो गोटो
ग़रीज़ पुं० [अ.] स्वभाव; प्रकृति
ग़रीज़ी वि० [अ.] स्वाभाविक; सहज; कुदरती
ग़रीब वि० [अ.] निर्धन; रंक (२) कंगाळ; दीन (३) नम्र (४) परदेशी; परायुं. (नाम -बी स्त्री०)
ग़रीब-उल्-वतन वि० [अ.] विदेश खेडतुं
ग़रीब-ख़ाना पुं० [अ.+फा.] 'मारुं मकान' ए अर्थनो नम्रतानो शब्द

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ग़रीब-गुरबा पुं० गरीबगरबां; दीन ग़रीब लोक

ग़रीब-नवाज़, -परवर वि० [फा.] गरीबने पाळनार; तेनो बेली

ग़रीबाना वि० [फा.] गरीबने योग्य; गरीब ढंगनुं ['ग़रीब']

ग़रीबी स्त्री० [फा.] गरीबाई (जुओ

गरु, ०अ, ०आ, -रू वि० (प.) गुरु; भारे; मोटुं [मगरूरी; गर्व

ग़रूर पुं०, **-री** स्त्री० [अ. ग़ुरूर]

गरेबाँ,-बान पुं०[फा.] कपडानो कॉलर. **-फाड़ना** = खूब दुःखथी रोककळ करवी. **गरेबानमें मूँ डालना** = शरमावुं; मों संताडवुं

गरेरी स्त्री० गरेडी; गरगडी

गरोह पुं० [फा.] जथो; झुंड; दळ

ग़र्क़ वि० [अ.] गरक; लीन; मग्न

ग़र्ज़ स्त्री० जुओ 'ग़रज़'; गरज

गर्जन पुं०, **-ना** स्त्री० [सं.] गर्जवुं ते के तेनो अवाज

गर्त्त पुं० [सं.] खाडो (२) कबर

गर्द स्त्री० [फा.] गरद; धूळ. (किसीकी) **गर्दको न पाना** = सामे कांई न चालवुं

गर्दख़ार, गर्दख़ोर(-रा) वि० [फा.] धूळखाउ (२) पुं० पगलुछणियुं

गर्द-गुबार पुं० धूळ

गर्दभ पुं० [सं.] गधेडुं

गर्दाबाद वि० धूळथी भरेलुं;उज्जड;वेरान

गर्दिश स्त्री० [फा.] चक्कर; फेरो (२) आपत्ति; तकलीफ; मुश्केली

ग़र्ब [अ.] 'ग़रब'; पश्चिम [गर्भाशय

गर्भ पुं० [सं.] गर्भ; हमेल (२) कूख;

गर्भपात पुं० [सं.] गर्भ पडी जवो ते

गर्भवती स्त्री० [सं.] सगर्भा; बेजीवी

गर्भाशय पुं०[सं.]गर्भ रहेवानुं अंग; कूख

गर्भिणी वि० स्त्री० [सं.] सगर्भा

गर्भित वि० [सं.]मर्मयुक्त(२)पूर्ण;भरेलुं

गर्म वि०[अ.]'गरम'. (नाम **-र्मी** स्त्री०)

गर्व पुं० [सं.] अभिमान; घमंड [करवो

गर्वाना अ० क्रि० (प.) 'गरबाना'; गर्व

गर्वी, ०ला वि० गर्ववाळुं; घमंडी

गर्हण पुं०, **गर्हा** स्त्री०[सं.]निंदा; बूराई

गर्हित वि० [सं.] निंदित; बूरुं; खराब

गर्ह्य वि० [सं.] निंदापात्र

गल पुं० [सं.] गळुं

गलका पुं० आंगळी पर थतो एक फोल्लो

गलगंज पुं० घोंघाट;शोर (अ०क्रि० **०ना**)

गलगल स्त्री० एक जातनुं मोटुं खाटुं लींबु (२) एक पक्षी

गलगुथना वि० हृष्टपुष्ट; गोळमटोळ

ग़लत वि० [अ.] खोटुं; भूलभरेलुं (२) असत्य (नाम **-ती** स्त्री०)

गल-तकिया पुं० गालमशूरियुं

ग़लत-नामा पुं० [अ.+फा.] शुद्धिपत्रक

ग़लत-फ़हमी स्त्री० [अ.] भ्रम; गेरसमज

ग़लता पुं० [अ.] एक प्रकारनुं रेशमी कपडुं (गजियाणी ?)

ग़लती स्त्री० जुओ 'ग़लत'मां. (**-खाना, करना**)

गलथना पुं० गलस्तन (बकरीनो)

गलना अ० क्रि० ओगळवुं (२) ठंडीथी ठरवुं (३) निष्फळ थवुं

गलफड़ा पुं० पाणीमां श्वास लेवानुं जळचरनुं अवयव (२) जडबुं

गलफाँसी स्त्री० फांसो(२)झंझट;जंजाळ

गलबाँही स्त्री० गळे वळगवुं ते

ग़लबा पुं० [अ.] प्रभावनी अधिकता (२) आक्रमण; हल्लो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

गला पुं० गळुं. **–काटना**=बहु हानि पहोंचाडवी(२)गळामां खजूरी लागवी. **–घुटना**=श्वास रोकावो. **–घोंटना**=गळुं दबाववुं (२) जबरदस्ती करवी. **गले मढ़ना, लगाना**=माथे मारवुं; गळे वळगाडवुं

गलाऊ वि० ओगळे एवुं (जेम के दाळ)

गलाना स० क्रि० ओगाळवुं; नरम करवुं (२) खरचवुं

गलियारा पुं०; **–री** स्त्री० नानी गली

गली स्त्री० गली; शेरी

ग़लीचा पुं० जुओ 'ग़ालीचा'

ग़लीज़ वि० [अ.] गलीच (२) अपवित्र (३) घट्ट; घाडुं (४)पुं० गंदकी (५) मळ

गलेफ़ पुं० 'गिलेफ़'; गलेफ; खोळ

गलेबाज़ वि० सारुं गानार

गल्प स्त्री० गप; डिंग (२) लघु कथा

ग़ल्लई वि० गल्लाने लगतुं (२) पुं० पाक के अनाजमां लेवातुं महेसूल के सांथ [टोळुं; घोरी

गल्ला पुं० 'ग़ुल'; शोर (२) [फा.] ढोरनुं

ग़ल्ला पुं० [अ.] फसलनी ऊपज (२) अनाज (३) गल्लो; वकरो

ग़ल्लेबान पुं० [फा.] गडेरियो

गवँ स्त्री० लाग; दाव; मोको

गवँसे अ० लाग जोईने (२) धीरेथी

गवन पुं० गमन (२) 'गौना'; पहेलुं आणुं वळाववुं ते

गवनचार, गवना पुं०'गौना'; पहेलुं आणुं

गवर्नमेंट, गवमेंट स्त्री० [इं.] सरकार

गवर्नर पुं० [इं.] प्रदेशनो हाकेम. **–री** स्त्री० तेनुं काम के तेनो प्रदेश

गवाक्ष [सं.] (**–ख, –छ**) पुं० झरूखो; अटारी

गवारा वि०[फा.]गवारा;फावतुं;मनपसंद (२) स्वीकार्य; मंजूर

गवास पुं० कसाई [**–ही** स्त्री०)

गवाह पुं० [फा.] साक्षी पूरनार (नाम

गवेल, गवैंहा वि० गामडानुं; देहाती

गवेषणा स्त्री०[सं.]खोज;तपास;संशोधन

गवैया पुं० गवैयो; गायक

गव्य पुं० [सं.] गायमांथी मळतुं (छाण, दूध इ०) (२) गायनुं धण

ग़श पुं०, **–शी** स्त्री० [अ.] मूर्च्छा; बेहोशी; तम्मर. **–खाना**=तम्मर आववी; बेहोश थवुं

गश्त पुं० [फा.] गस्त; पहेरो (२) भ्रमण

गश्ती वि०[फा.] गश्त मारनार; घूमनार (२) स्त्री० कुलटा

गसना अ० क्रि० ग्रसवुं; पकडवुं; जकडवुं

गसीला वि० (स्त्री० **–ली**) खूब गीच; जकडेलुं; घट्ट (जेम के, वणाट)

गस्सा पुं० ग्रास; कोळियो

गह स्त्री० पकड (२) मूठ; हाथो

गहगहा वि० प्रफुल्लित(२) धामधूमवाळुं

गहगहाना अ० क्रि० खूब प्रसन्न थवुं (२) (झाड के पाक) लसलसवुं

गहगहे अ० धामधूम के खुशीथी

गहडोरना स० क्रि० (पाणी) डहोळवुं; हलावी गंदुं करवुं

गहन वि० [सं.] कठण; दुर्गम (२) गाढ; ऊंडुं (३) गंभीर (४) पुं० (प.) ग्रहण (५) हठ; जिद

गहना पुं० घरेणुं (२) स० क्रि० ग्रहवुं

गहबर वि० (प.) गह्वर; दुर्गम(२) व्याकुल; गभरायेलुं

गहर स्त्री० (प.) विलंब; वार (२) वि० घेरुं; दुर्गम

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

गहरना अ० क्रि० (प.) ढील के वार करवी (२) कढवुं; चिडावुं

गहरा वि० घेरुं; (२) ऊंडुं (३)गंभीर (४) घाटुं. **–हाथ**=बरोबर सपाटो. **गहरे लोग**=ऊंडा–भारे उस्ताद

गहराना अ० क्रि० घेरुं थवुं(२)स०क्रि० घेरुं करवुं (३)अ० क्रि० 'गहरना'; वार करवी [('गहना'नुं प्रेरक)

गहवाना, गहाना स० क्रि० पकडाववुं

गहिरा वि० जुओ 'गहरा'

गहेजुआ पुं० छछुंदर [गांडुं

गहेला वि० हठीलुं (२) घमंडी (३) घेलुं;

गह्वर पुं० [सं.] गुफा; बखोल (२) गुप्त जगा (३) झाडी; जंगल

गाँछना स० क्रि० गूंथवुं

गाँज पुं० गंज; ढेर

गाँजना स० क्रि० गंज करवो

गाँजा पुं० गांजो

गाँठ स्त्री० गांठ (२) गठडी (३) शरीरनो सांधो (४) (शेरडी, सडियानी) गांठ

गाँठगोभी स्त्री० नोलकोल

गाँठना स० क्रि० गांठ मारवी (२) साथे जोडवुं (३) फाटचुंतूटचुं ठीक करवुं; समारवुं. **मतलब गाँठना**=मतलब साधवी; काम काढवुं

गाँडर स्त्री० एक जातनुं घास; खस

गाँडा पुं० गंडेरी; वडवो

गाँथना स० क्रि० गूंथवुं

गाँधी स्त्री० [सं.] चोमासामां थतुं माकणियुं जंतु (२) हिंग (३) गांधी

गाँवँ, गाँव पुं० गाम. **–मारना**=गाम भांगवुं; धाड पाडवी

गाँस स्त्री० वंधन (२) वेरभाव (३) रहस्य; भेद (४) अधिकार (५) गांठ

गाँसना स० क्रि० वींधवुं; भोंकवुं (२) गूंथवुं (३) पकडमां राखवुं (४) ठांसवुं

गाँसी स्त्री० तीर वरछी इ० नुं फळुं (२) कपट; मननो मेल

गाइड पुं० [इं.] पुस्तकनी गाइड (२) रस्तो इ० बतावनार; भोमियो

गाउघप्प वि० पारकुं हडप करनार

गाउन पुं० [इं.] झब्बो (वकील, ग्रॅज्युएट इ० पहेरे छे ते)

गागर (–री) स्त्री० गागर; नानो घडो

गाच स्त्री० [इं. गॉझ] गाझ

गाछ पुं० झाड (२) छोड

गाज स्त्री० गर्जना (२) वीजळी (३) पुं० फीण [राजी थवुं

गाजना अ० क्रि० गाजवुं (२) राचवुं;

गाजर स्त्री० गाजर कंद [पाउडर

गाज़ा पुं० [फा.] मों पर घसवानो एक

गाज़ी पुं० [अ.] गाझी; धर्म माटे लडनार वीर (मुसलमान) (२) वीर पुरुष

गाड़ स्त्री० खाडो [ठोकवुं (३)संताडवुं

गाड़ना स० क्रि० गाडवुं; दाटवुं(२)अंदर

गाडर स्त्री० गाडर; घेटुं; मेंढुं

गाड़ा पुं० (प.) गाडुं; बेलगाडी (२) खाडो (फसाववाने माटेनो)

गाड़ी स्त्री० गाडी. **–छूटना**=स्टेशनेथी गाडी ऊपडवी

गाड़ीवान पुं० गाडीवाळो–हांकेडु

गाढ़ वि० गाढुं; घट्ट (२) मजबूत; दृढ (३) पुं० संकट; मुश्केली

गाढ़ा वि० घाटुं; घट्ट (२) गूढ; घेरुं (३) घोर; विकट (४) पुं० गजियुं; खादी (५) मस्त हाथी. **गाढ़ेका साथी या संगी** = संकटनो मित्र-सहायक. **गाढ़ेकी कमाई**=महेनतनी कमाणी.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

गाढ़े दिन=मुश्केलीना दहाडा
गाढ़े अ० (प.) सारी पेठे; बरोबर (२) जोरथी; दृढपणे
गात पुं० गात्र; शरीर; अंग (२) गुप्त अंग (३) स्तन (४) गर्भ. **–से होना**=गर्भ रहेवो
गाता पुं० [सं.] गवैयो
गाती स्त्री० गातडी वाळी पहेरातुं वस्त्र
गात्र पुं० [सं.] शरीरनुं गात्र – अंग
गाथा स्त्री० [सं.] कथा (२) स्तुति (३) एक छंद
गाद स्त्री० प्रवाहीमां नीचे ठरतो कचरो
गादड़, –र वि० कायर; डरपोक (२) सुस्त; मंद (३) पुं० गळियो बळद
गाध वि० [सं.] छछरुं (२) थोडुं (३) पुं० जगा (४) तळियुं (पाणीनुं) (५) लोभ
गान पुं० [सं.] गावुं ते; गायन; गीत
गाना स० क्रि० गावुं (२) वर्णववुं (३) वखाण के स्तुति करवी. **–बजाना**= मोजमजा – आनंद करवो
ग़ाफ़िल वि० [अ.] गाफेल; असावध
गाभ, गाभा पुं० कूंपळ (२) गोदडा रजाई अंदरनो गाभो (३) कशानो अंदरनो भाग – गाभो
गाभिन, –नी वि० स्त्री० गाभणी
गाय स्त्री० गाय; धेनु
गायक पुं० [सं.] गानार; गवैयो
गाय-गोठ स्त्री० गोशाळा
ग़ायत वि० अत्यंत (२) असाधारण (३) स्त्री० छेल्ली हद
गायताल वि० 'गैताल'; नकामुं; रद्दी (२) पुं० नकामुं ढोर
गायत्री स्त्री० [सं.] गायत्री मंत्र के छंद
गायन पुं० [सं.] गवैयो (२) गान; गायुं ते
ग़ायब वि० [अ.] गेब; अलोप (२) (व्या.) त्रीजो (पुरुष)
ग़ार पुं० (अ.) खाडो (२) गुफा (३) [फा.] 'करनार' अर्थनो प्रत्यय
ग़ारत वि० [अ.] नष्ट; पायमाल
गारद स्त्री० [इं. गार्ड] चोकीदार टुकडी (२) पहेरो. **–में करना, देना, रखना**= पहेरामां राखवुं
गारना स० क्रि० निचोववुं (२) पाणी साथे घसवुं
गारा पुं० (माटी चूनानो) चणवा माटेनो गारो
गारी स्त्री० (प.) गाळ; 'गाली'. **–आना, पड़ना, लगना**=कलंक लागवुं. **–लाना** =कलंक लगाडवुं
गारुड़ी पुं० [सं.] सापनो मंत्र जाणनार
गार्जियन पुं० [इं.] वाली; संरक्षक
गार्ड पुं० [इं.] (गाडीनो) गार्ड
गार्डेन पुं० [इं.] बाग
गाल पुं० [सं. गल्ल] गाल (२) बकबक करवानी आदत (३) मध्य भाग; वच (४) ग्रास; फाको. **–करना**=बकबक करवुं. **–पर गाल चड़ना**=हृष्टपुष्ट थवुं. **–फुलाना**=रिसावुं. **–बजाना या मारना**=डिंग मारवी
गालगूल पुं० (प.) बकवाद; नकामी वात
गालमसूरी स्त्री० एक मीठाई
गाला पुं० पूणी
ग़ालिब वि० [अ.] बळवान (२) विजयी (३) संभवित
ग़ालिबन् अ० [अ.] संभवतः
गाली स्त्री० गालि; गाळ [गाळागाळी
गाली-गलौज स्त्री०, **गाली-गुफ़्ता** पुं०
ग़ालीचा पुं० [फा.] गालीचो
गालू वि० गप्पी; तडाकी
गाव पुं० [फा.] गावडी; गाय

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

गाव-कुशी स्त्री० [फा.] गोवध
गाव-जबान स्त्री० [फा.] एक बुट्टी
गाव-तकिया पुं० [फा.] मोटो तकियो
गावदी वि० मूर्ख; अणसमजु [जतुं
गाव-दुम वि० [फा.] उपरथी पातळुं थतुं
गाह पुं० ग्राह; पकड (२) मगर (३) ग्राहक
गाह स्त्री० [फा.] जगा; स्थान (उदा० इबादत-गाह) (२) वखत
गाहक पुं० ग्राहक; घराक [सोदो थवो
गाहकी स्त्री० घराकी; वेचाण. **–पटना**=
गाह-गाह, गाह-ब-गाह, गाहे-गाहे अ० कदी कदी; क्यारे क्यारे [करवुं
गाहना स० क्रि० डूबकी मारवी (२) खळुं
गाहा स्त्री० गाथा; कथा [मान
गाही स्त्री० फळ गणवानुं पांचनुं एक
गिंजना अ० क्रि० चोळाईने मेलुं के खराब थवुं; 'गींजना'नुं कर्मणि
गिआन पुं० (प.) ज्ञान
गिउ पुं० (प.) गळुं; गरदन
गिचपिच, गिचिरपिचिर वि० अस्पष्ट; गमे तेमना क्रममां; गुचपुच
गिजगिजा वि० पाणीपोचूं; लचपच
ग़िज़ा स्त्री० [अ.] भोजन; खोराक
गिटपिट स्त्री० गोटपीट
गिट्टक स्त्री०, **गिट्टा** पुं० चलमनो तवो
गिट्टी स्त्री० मरड के ठीकरुं (२) 'गिट्टा'
गिड़गिड़ाना अ० क्रि० नम्रताथी विनंती करवी (नाम, **–हट** स्त्री०)
गिद्ध पुं० गीध पक्षी
गिनती स्त्री० गणतरी (२) संख्या (३) हाजरी (४) १ थी १०० सुधी आंक. **–के**=गणतर; थोडाक
गिनना स० क्रि० गणवुं; लेखवुं [प्रेरक
गिनवाना, गिनाना स० क्रि० 'गिनना'नुं
गिनी, गिन्नी स्त्री० गीनी सिक्को
गिने-गिनाये, –चुने=थोडाक; गणतर
गिरगिट पुं० काचंडो; 'गिरदान'
गिरजा(०घर) पुं० ख्रिस्ती देवळ
गिरदान पुं० जुओ 'गिरगिट'
गिरदाब पुं० [फा.] पाणीनो भमरो
गिरदावर पुं० जुओ 'गिर्दावर'
गिरना अ० क्रि० गरवुं; पडवुं. **–पड़ना** =पडवुं आखडवुं
गिरफ़्त स्त्री० [फा.] पकडवुं – गिरफ्तार
गिरफ़्ता, –फ़्तार वि० [फा.] गिरफ्तार; केद पकडेलुं
गिरमिट पुं० गिरमीट; 'ॲग्रीमेन्ट'
गिरवाना स० क्रि० जुओ 'गिराना'
गिरवी वि० [फा.] गीरवेलुं; गीरवी
गिरवी-गाँठा पुं० गीरो
गिरवीदा वि० [फा.] मोहित; आसक्त
गिरवीदार पुं० [फा.] गीरो राखनार
गिरवीनामा, गिरवीपत्र पुं० गीरो-खत
गिरह स्त्री० [फा.] गांठ (२) खीसुं (३) वारनो १६ मो भाग (४) गुलांट
गिरहकट वि० खीसाकातरु
गिरहबाज पुं० [फा.] गिरेबाज; गुलांट खातुं ऊडनारुं एक पक्षी
गिराँ वि० जुओ 'गराँ' (२) अप्रिय
गिरा स्त्री० [सं.] वाणी; वाचा (२) भाषा (३) जीभ (४) सरस्वती
गिराना स० क्रि० 'गिरना'नुं प्रेरक; पाडवुं
गिरानी स्त्री० जुओ 'गरानी'
गिरामी वि० [फा.] पूज्य; वयोवृद्ध
गिरावट स्त्री० पडवानी क्रिया के रीत
गिरि पुं० [सं.] पर्वत. **०जा** स्त्री० पार्वती
गिरिफ़्त स्त्री०, **–फ़्ता(०र)** वि० जुओ 'गिरफ़्त, –फ़्ता(०र)'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

गिरी स्त्री० 'गूदा'; गर; अंदरनो मावो
गिरेबान पुं० जुओ 'गरेबान'
गिरैयाँ स्त्री० नानुं गाळियुं (२) वि० पडनारुं; पडतुं
गिरो वि० [फा.] गीरो; गीरवी
गिर्जा, गिर्जाघर पुं० जुओ 'गिरजा'
गिर्द अ० [फा.] आसपास; चोतरफ
गिर्दाब पुं० पाणीनो भमर–वमळ
गिर्दावर पुं० [फा.] (सर्कल-इन्स्पेक्टर जेम) फरीने काम करनारो
गिल स्त्री० [फा.] माटी (२) गारो
गिलकार पुं० [फा.] (नाम,–री स्त्री०) प्लास्टर करनार
गिलट पुं० गिलेट; ढोळ
गिलटी स्त्री० गांठ (गोड घालवाथी थती के सांधा परनी)
गिलन पुं० गॅलन माप
गिलना स०क्रि० [सं. गिरण] 'निगलना'; गळवुं (२) मनमां दाबी राखवुं
गिलबिलाना अ० क्रि० अस्पष्ट–गरबड सरवड बोलवुं
गिलम स्त्री० नरम ऊनन्नो गलीचो के पाथरणुं (२) वि० नरम; मुलायम
गिलमिल पुं० एक सारी जातनुं कापड
गिलहरी स्त्री० खिसकोली
गिला पुं० [फा.] फरियाद (२) ठपको
गिलाजत स्त्री० [अ.] गंदकी (२) विष्टा
गिला(-ले)फ़ पुं० [अ.] गलेफ; खोळ (२) मोटी रजाई (३) म्यान [गारो
गिलाव,–वा पुं० कीचड (२) चणवा माटे
गिलास पुं० ग्लास; प्यालो
गिली वि० [फा.] माटीनुं
गिलेफ़ पुं० जुओ 'गिलाफ़'
गिलोय स्त्री० [फा.] एक वेल; 'गुरुच'; गळो
गिलौरी स्त्री० पानन्नो बीडो
गिलौरीदान पुं० पानदानी
गींजना स० क्रि० (कपडां इ०) मसळवुं; रोळवुं; चोळी नांखी वगाडवुं
गींव स्त्री० ग्रीवा; गरदन
गीत पुं० [सं.] गायन
गीति स्त्री० [सं.] गान (२) एक छंद
गीती स्त्री० [फा.] दुनिया
गीदड़ पुं० शियाळ (२) वि० डरपोक
गीदी वि० [फा.] कायर; डरपोक (२) बेवकूफ; मूरख
गीध पुं० जुओ 'गिद्ध'
गीधना अ० क्रि० चसको लागवो; लालचूडा थवुं [गेरहाजरी
गीबत स्त्री० [अ.] चाडीचुगली (२)
गीला वि० भीनुं; पलळेलुं
गुंग [फा.], –गा वि० मूंगुं
गुंगी स्त्री० आंधळी चाकळ
गुंचा पुं० [अ.] कळी (२) नाचरंग
गुंज स्त्री० [सं.] गुंजारव (२) गळानुं एक घरेणुं
गुंजन पुं० [सं.] गुंजारव
गुंजना अ० क्रि० गुंजवुं; गणगणवुं
गुंजा स्त्री० [सं.] चनोठी के तेनुं झाड के तेटलुं–रतीभार वजन (२) गुंजन
गुंजाइश स्त्री० [फा.] समावानी जगा; अवकाश (२) 'सुभीता'; सवड
गुंजान वि० [फा.] घन; घाडुं
गुंजार पुं० गुंजारव
गुंडली स्त्री० ऊढण
गुंडा पुं० गुंडो; दांड; बदमाश
गुँथना अ० क्रि० गूंथवुं. [गूंथवुं
गुँधना अ० क्रि० 'गूंधना'; गूंदवुं (२)
गुँधाई स्त्री० गूंदवुं के गूंथवुं ते

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

गुंफ पुं० [सं.] गूंथण (२) झघडो; पंचात (३) 'गलमुच्छा'; थोभियो [पंचात
गुंफन पुं० [सं.] (२) गूंथण (२) झघडो;
गुंबज(-द) [फा.] पुं० गुंबज; घुमट
गुंबा पुं० ढीमणुं; 'गुलमा'
गुआ पुं० चीकणी सोपारी
गुआर, -री स्त्री० गवार; 'ग्वार'
गुइयाँ पुं०; स्त्री० साथी; भेरु; सखी
गुग्गुर(-ल,-लु) पुं० गूगळ; एक औषधि
गुच्ची स्त्री० गबी (गीलीदंडा इ० खेलवानी)
गुच्छ, -च्छा पुं० [सं.] गुच्छो; गोटो
गुजर पुं० [फा.] गुजर; गति; पहोंच; प्रवेश (२) समय वीतवो ते (३) निभाव; निर्वाह; गुजारो [पार करवानो घाट
गुजरगाह स्त्री० [फा.] रस्तो (२) नदी
गुजरना अ० क्रि० गुजरवुं (समय वीतवो के वीतवुं) (२) कोई स्थाने थईने जवुं के आववुं (३) बनवुं; नभवुं. **गुजर जाना**=गुजरी जवुं
गुजर-बसर पुं० [फा.] गुजरान; निभाव
गुजरान पुं० गुजरान; गुजारो
गुजश्ता वि० [फा.] गत; भूत (काळ)
गुजारना स० क्रि० विताडवुं; समय काढवो (२) पहोंचाडवुं
गुजारा पुं० [फा.] गुजारो (२) होडी उतारे ते स्थान (३) टोलनी जगा
गुजारिश स्त्री० [फा.] निवेदन; विनंती
गुझिया स्त्री० एक मीठाई-घूघरो
गुटकना स० क्रि० गटक दईने गळवुं (२) अ० क्रि० कबूतरनुं बोलवुं [पुस्तक
गुटका पुं० गुटिका; गोळी (२) गुटको
गुटरगूँ स्त्री० कबूतरनो अवाज
गुटिका, गुटी स्त्री० गोळी
गुट्ट पुं० दल; जूथ; झुंड. **-करना**= मळीने मसलत करवी. **-बाँधना**=टोळी जमाववी; दळ एकठुं करवुं
गुट्टबंदी स्त्री० पोतानुं जूथ जमाववुं ते
गुट्ठल वि० गोटलीवाळुं (फळ) (२) जड; मूर्ख (३) पुं० गठ्ठो (४) गांठ; ढीमणुं
गुठली स्त्री० गोटली; ठळियो; गोटलो
गुड़ंबा पुं० काची केरी बाफीने चासणीमां आथे ते; गोळकेरी जेवुं एक अथाणुं
गुड़ पुं० [सं.] खाण्डानो गोळ.
गुड़गुड़ाना अ० क्रि० गुडगुड अवाज करवो; (हूको) गगडाववो
गुड़गुड़ी स्त्री० हुक्को [लाडु
गुड़धनिया, गुड़धानी स्त्री० एक प्रकारनो
गुड़हर(-ल) पुं० एक झाड के तेनुं फूल
गुड़ाकू पुं० गडाकु; तमाकु
गुड़िया स्त्री० ढींगली. **-का खेल**= रमतनुं काम
गुड़ी स्त्री० पतंग; 'गुड्डी' ['गिलोय'
गुडूची स्त्री० [सं.] गळो; अंतरवेल;
गुड्डा पुं० ढींगलो (२) मोटो पतंग
गुड्डी स्त्री० पतंग (२) एक नानो हूको
गुण पुं० [सं.] लक्षण; धर्म (२) स्वभाव; शक्ति; प्रभाव; तासीर (३) सारी तारीफ; सद्गुण
गुणना स० क्रि० गुणवुं
गुणा पुं० गुणाकार
गुत्थमगुत्था पुं० परस्पर लपटाई-फसाई जवुं ते (२) बथ्थंबथ्था
गुत्थी स्त्री० गांठ; गूंच
गुथना अ० क्रि० [सं. गुत्सन] फूल, मणका इ० गूंथावुं (२) खराब सिवावुं (३) (लडवा) बाझवुं (प्रेरक **गुथवाना**)
गुथवाँ वि० गूंथेलुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

गुदकील पुं० जुओ 'गुदांकुर'
गुदगुदा वि० मांसल (२) मुलायम
गुदगुदाना अ० क्रि० गलीपची थवी के करवी (२) विनोद करवो (३) उत्कंठा उत्पन्न करवी
गुदगुदाहट, गुदगुदी स्त्री० गलीपची (२) विनोद; उमंग (३) उत्कंठा
गुदड़ी स्त्री० गोदडी. **–बाज़ार=गुजरी;** जूनी वस्तुओनुं बजार. **–में लाल=** तुच्छ जगामां कीमती चीज
गुदना अ० क्रि० भोंकावुं; गोदो वागवो (२) पुं० छूंदणुं
गुदरना अ० क्रि० (प.) गुजरवुं; स० क्रि० (२) निवेदन करवुं; कहेवुं
गुदांकुर पुं० [सं.] हरस
गुदा स्त्री० [सं.] मळद्वार [कोमळ
गुदाज़ वि० [फा.] मांसल; दळदार (२)
गुदाना स० क्रि० गोदाववुं; भोंकाववुं
गुदारा पुं० नदी पार ऊतरवु ते के तेनी जगा; 'गुज़ारा'
गुद्दा पुं० झाडनुं मोटुं डाळ
गुद्दी स्त्री० अंदरनो गर (२) बोची. **आँखें गुद्दीमें होना या चली जाना=** ना देखावुं के समजावुं
गुन पुं० (प.) गण
गुनगुना वि० गूंगणुं (२)जुओ 'कुनकुना'
गुनगुनाना अ० क्रि० गूंगणुं बोलवुं
गुनना स० क्रि० गुणवुं (२) गणवुं (३) गोखवुं (४) विचारवुं
गुनहगार वि० [फा.] गुनेगार
गुना प्रत्यय. संख्याने लागतां 'तेटला गणुं' अर्थ थाय. दा० त० दसगुना (स्त्री० **–नी**) [गुनेगार
गुनाह पुं० [फा.] गुनो. **०गार, –ही** पुं०
गुनिया पुं० जुओ 'गोनिया'
गुन्ना पुं० [अ.] अनुस्वार
गुपचुप अ० चुपचाप; छानुंमानुं (२) स्त्री० एक मीठाई [छानुं; गूढ
गुप्त वि० [सं.] छूपुं; संतायेलुं (२)
गुप्तचर पुं० [सं.] जासूस
गुप्तमार स्त्री० मूढ़ मार
गुप्ती स्त्री० गुप्ती हथियार
गुफा स्त्री० [सं.] पहाडनी गुफा–गुहा
गुफ़्तगू, गुफ़्तार स्त्री० [फा.] वातचीत
गुफ्फा पुं० फूलनो गुच्छो (२) टोपीनुं फूमतुं [क्रोध, द्वेष दुःख वगेरे
गुबार पुं० [अ.] धूळ (२) मनमां दबावेलो
गुबा(–ब्बा)रा पुं० गुवारो; वलून
गुम वि० [फा.] गुम (२) अप्रसिद्ध (३) गुप्त
गुमटा पुं० (माथानुं) ढीमणुं
गुमटी स्त्री० गुंबज; घूमट
गुमनाम वि० [फा.] अजाण्युं; अप्रसिद्ध (२) नाम वगरनुं
गुमर पुं० गुमान (२) 'ग़ुबार'; मनमां दबायेलो क्रोध इ० (३) घुसपुस वात
गुमराह वि० [फा.] राह भूलेलुं (२) नीतिभ्रष्ट; कुमार्गे वळेलुं
गुमसुम वि० चूप; स्तब्ध; सूमसाम
गुमान पुं० [फा.] अनुमान; कयास; ख्याल (२) गुमान; गर्व
गुमाना स० क्रि० गुमाववुं; खोवुं
गुमानी वि० घमंडी; अभिमानी
गुमाश्ता पुं० [फा.] गुमास्तो; मुनीम. **०गिरी** स्त्री० गुमास्तागीरी
गुम्मट पुं० घूमट
गुम्मा पुं० मोटी ईंट (२) वि० चूप
गुर पुं० गुरुमन्त्र; युक्ति; चावी
गुरगा पुं० चेलो (२) नोकर (स्त्री० **–गी**)

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

गुरगाबी पुं० [फा.] एक जातना जोडा
गुरदा पुं० [फा. गुर्द:; सं. गोर्द] मुत्रपिंड; 'किडनी' (२) साहस; हिंमत
गुरबत स्त्री० [अ.] परदेश-निवास (२) मुसाफरी (३) नम्रता
गुरिया पुं० माळानो मणको; दाणो (२) नानो टुकडो [मोटुं; भारे
गुरु पुं० [सं.] गुरु; शिक्षक (२) वि०
गुरुआनी स्त्री० गुरुनी स्त्री के स्त्री-गुरु; गोराणी [धारण करवुं ते
गुरुडम पुं० गुरु बनी बेसवुं–गुरुपणुं
गुरुद्वारा पुं० शीख मंदिर
गुरुमुख वि० गुरुमंत्र लीधेलुं; दीक्षित
गुरुमुखी स्त्री० (शीख धर्मग्रंथनी) एक लिपि [माणस
गुरू-घंटाल पुं० बड़ो चालाक–घंट
गुरूब पुं० [अ.] तारा के सूर्यनो अस्त
गुरूर पुं० [अ.] जुओ 'ग़रूर'
गुरेज स्त्री० [फा.] कशाथी नासवुं, दूर रहेवुं के बचवुं ते (२) विषयान्तर
गुरेरना स० क्रि० आंख फाडीने जोवुं
गुर्ज पुं० [फा.] गदा जेवुं एक शस्त्र
गुर्दा पुं० जुओ 'गुरदा'
गुर्रा पुं० [अ.] श्रेष्ठ वस्तु (२) बीज; मोहरमनो बीजनो चांद. **–बताना** =कांई आप्या वगर टाळवुं;उडावी देवुं
गुर्राना अ० क्रि० घूरकवुं(२)(बिल्लीनो) घरघर अवाज थवो
गुर्वी, –र्विणी स्त्री० [सं.] गर्भवती(स्त्री)
गुल पुं० [फा.] गुल (फूल; गुलाब; बत्तीनो मोगरो) (२) हसतां गाल पर पडतो खाडो (३)तमाकुनो गल(४)डाम (५) गुलशोर (६) लमणो. (चिराग़) **गुल करना** = बुझाववुं. **–कतरना** =कांई विचित्र बनवुं. **–खाना**=डाम खावो; डंभावुं. **–खिलना**=विचित्र बनाव बनवो (२) बखेडो थवो
गल-अब्बास पुं० [फा.] एक फूलझाड
गुलकारी स्त्री० [फा.] फूलनुं भरतकाम
गुलगपाड़ा पुं० शोर; गुल
गुलगश्त पुं० [फा.] बागमां फरवुं ते
गुलगीर पुं०[फा.]बत्ती कापवानी कातर
गुलगुल वि० जुओ 'गुलगुला'
गुलगुला पुं० एक मीठाई (२) वि० नरम; 'गुलगुल'; मुलायम [पावडर
गुलगूना पुं० [फा.] मुख पर लगाववानो
गुलचीं पुं० [फा.] माळी
गुलछर्रा पुं० अनुचित स्वच्छंद के भोगविलास. **गुलछर्रे अुड़ाना**=मोज-मजा करवी [भर्युंभादर्युं; सुंदर
गुलजार पुं० [फा.] बाग (२) वि०
गुलझटी स्त्री० गांठ [भात
गुलत्थी स्त्री० लोचो थाय एम रंधायेलो
गुलथी स्त्री० (पाणीमां जेम के लोट नांखतां पडी जाय छे एवी) गांगडी
गुलदस्ता पुं०[फा.]गुलदस्त;फूलनो गोटो
गुलदान पुं० [फा.] फूलदानी
गुल-दुम पुं० [फा.] बुलबुल
गुलनार पुं० [फा.] दाडमनुं फूल के तेना जेवो लाल रंग
गुलमा पुं० गुल्म; ढीमणुं
गुलमेख स्त्री०[फा.]गोळ माथानी मेख
गुलशन पुं० [फा.] बाग [हजारी
गुलहजारा पुं० [फा.] एक फूलझाड;
गुलाब पुं० [फा.] गुलाबनुं फूल के छोड (२) गुलाबजळ
गुलाब-जामुन पुं० गुलाबजांबु मीठाई (२) एक फळझाड

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

गुलाब-पाश पुं० [फा.] गुलाबदानी

गुलाबी वि० [फा.] गुलाबी रंगनुं; गुलाब अंगेनुं (२) पुं० गुलाबी रंग (३) स्त्री० शराबनी प्याली (४) एक मीठाई

गुलाम पुं० [अ.] गुलाम (२) सामान्य नोकर. **–मी** स्त्री०

गुलाल पुं० लाल रंगनो कंकु जेवो भूको–गुलाल

गुलाला पुं० 'गुललाला'–एक फूल; गुल्लाला

गुलिस्ताँ पुं० 'गुलशन'; बाग

गुलू पुं० [फा.] गळुं (२) स्वर

गुलूबंद पुं० [फा.] गलपटो; गलूबंद

गुलेल स्त्री० गलोलो फेंकवानी कामठी; गलोल

गुलेलची पुं० गलोलो फेंकी जाणनार

गुलेला पुं० [फा. गुलूल] गलोलो (२) गलोल

गुल्फ पु० [सं.] घूंटी; 'टखना'

गुल्म पुं० [सं.] पेटनो गोळानो रोग

गुल्ला पुं० [फा.] गलोलो (२) शोर; गुल

गुल्लाला पुं० एक लाल फूल

गुल्ली स्त्री० ठळियो (२) गिल्ली; मोई

गुवार पुं० जुओ 'ग्वाल'; गोवाळ

गुवारपाठा पुं० जुओ 'ग्वारपाठा'

गुसल पुं० जुओ 'ग़ुस्ल'

गुसाँई पुं० गोसांई; गोस्वामी (२) प्रभु

गुस्ताख वि० [फा.] (नाम, **–खी** स्त्री०) बेअदब; अविवेकी; अशिष्ट

गुस्ल पुं० [अ.] गुसल; स्नान

गुस्लख़ाना पुं० [फा.] गुसलखानुं; नाहवानी ओरडी

गुस्ले-सेहत पुं० [अ.] बीमारीमांथी नीकळ्ये करातुं स्नान

गुस्सा पुं० [फा.] गुस्सो; क्रोध. **–के मारे भूत होना**=खूब क्रोध करवो–तेथी कंपवुं. **–नाक पर रहना**=जरामां गुस्से थवुं. **–पीना, –पी जाना, –मारना**=गुस्सो रोकी लेवो–दबाववो–जीतवो. **–फूक देना**= गुस्सो दूर करवो; दरगुजर करवुं

ग़ुस्साबाज़, ग़ुस्सावर [फा.], **ग़ुस्सैल** वि० क्रोधी; चीडियुं

गुहना स०क्रि० गूंथवुं (२) बखियो मारवो

गुहराना अ० क्रि० जुओ 'गोहराना'

गुहा स्त्री० [सं.] गुफा

गुहाना स० क्रि० 'गुहना' नुं प्रेरक; 'गुहवाना'

गुहार,–रि स्त्री० रक्षा माटे बूम; 'गोहार'

गुह्य वि० [सं.] गुप्त; छूपुं; छानुं (२) गूढ (२) पुं० छूपो भेद; रहस्य

गूँगा वि० जुओ 'गुंग'–मूंगुं

गूँच स्त्री० जुओ 'गुंजा'; चणोठी

गूँज स्त्री० गुंजन (२) पडघो (३) भमरडानी आर

गूँजना अ०क्रि० गुंजवुं (२) पडघो पडवो

गूँथना स० क्रि० गूंथवुं; 'गूथना'

गूँदा पुं० 'गोंदा'; गूंदो; माटीनो लोंदो

गूँधना स० क्रि० गूंदवुं; मसळवुं

गू (०ह) पुं० गू; विष्टा

गूग(–गु)ल पुं० गूगळ; 'गुग्गुल'

गूजर पुं० गोवाळनी एक जात

गूजरी स्त्री० 'गूजर' स्त्री (२) पगनुं एक घरेणुं

गूझा वि० गुह्य; गुप्त (२) पुं० जुओ ['गुझिया'

गूढ़ वि० [स.] गुह्य; गुप्त (२) अकळ

गूथना स० क्रि० गूंथवुं (२) सांधवुं

गूदड़(–र) पुं० चींथरुं; धागो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

गूदा पुं० गर; फळ के कोई चीजनो अंदरनो मावो; मगज [एक घास
गून स्त्री० रसी; दोरडुं (नावनुं) (२)
गूना पुं० [फा.] वर्ण; रंग (२) प्रकार
गूनागूँ, –गून वि० [फा.] विधविध; भात भातनुं (२) रंगबेरंगी
गूमा पुं० एक छोड–औषधि
गूलर पुं० उमरडो. **–का कीड़ा**=कूप-मंडुक. **–का फूल**=दुर्लभ वस्तु
गृध्र पुं० [सं.] गीध
गृह पुं० [सं.] घर [घरकंकास
गृह-कलह, गृहयुद्ध पुं० घरनो झघडो;
गृहस्थ पुं० [सं.] घर-संसारी (२)खेडूत
गृहस्थी स्त्री० गृहस्थनुं कर्तव्य (२) गृहव्यवस्था (३) कुटुंब के घरनो सरसामान (४) खेतीवाडीनो रोजगार
गृहिणी स्त्री० [सं.] स्त्री; घरवाळी
गृही पुं० [सं.] गृहस्थ [स्वीकृत
गृहीत वि० [सं.] ग्रहण करेलुं; मानेलुं;
गेंगटा पुं० जुओ 'केकड़ा'
गेंड़ना स० क्रि० घेरवुं; खेतरनी चारे कोर हदनो पाळो बांधवो
गेंड़ली स्त्री० गूंचळुं; कुंडाळुं (जेम के, सापनुं) **–बाँधना, –मारना**=गूंचळुं वळवुं
गेंड़ा पुं० शेरडीनां उपलां पान (२) शेरडी (३) 'गैंडा', गेंडो
गेंडुआ, –वा पुं० तकियो (२) मोटी गेंद; दडो [उढाणी
गेंडुरी, –ली स्त्री० जुओ 'गेंड़ली'(२)
गेंद पुं० दडो. **०घर** पुं० क्रिकेट, टेनिस, बिलियर्ड इ० रमवानुं स्थान. **०तड़ी** स्त्री० मारदडीनी रमत
गेंद-बल्ला पुं० गेडीदडो (२) क्रिकेट
गेंदा पुं० एक फूलझाड; हजारी
गेंदुआ, –वा पुं०(गोळ)तकियो,ओशीकुं
गेगला वि० मूरख; बाघुं
गेटिस पुं० [इं. गार्टर] मोजां बांधवानी पट्टी–गार्टर
गेती स्त्री० [फा.] संसार
गेय वि० [सं.] गवाय एवुं
गेरना स० क्रि० गेरववुं; पाडवुं; 'गिराना' (२) घेरवुं
गेरवाँ, गेराँव पुं० जुओ 'गराँव';गाळियुं
गेरुआ वि० गेरु रंगनुं; भगवुं (२) पुं० घउंनो गेरवो रोग
गेरू स्त्री० गेरु माटी
गेसू पुं० [फा.] वाळनी लट; जुलफुं
गेह पुं० [सं.] घर
गेहनी स्त्री० (प.) गृहिणी; घरवाळी
गेहुँअन पुं० घउंवर्णो एक झेरी साप
गेहुँआ वि० घउंवर्णुं
गेहूँ पुं० घउं
गैंडा पुं० गेंडो
गैंती स्त्री० तीकम के कोदाळी
ग़ैब पुं० [अ.] गेब; अदृष्ट; परोक्ष विषय
ग़ैबत स्त्री० [अ.] चुगली; गीबत; निंदा
ग़ैबी वि०[अ.]परोक्ष; गुप्त; अज्ञात; गूढ
गैयर पुं० (प.) गयवर; मोटो हाथी
गैया स्त्री० गाय
ग़ैर स्त्री० (प.) अंधेर; अन्यायनी अंधाधूंधी (२) निंदा
ग़ैर वि० [अ.] अन्य; बीजुं (२) परायुं; अजाण्युं; परजन (३) अभाव सूचवतो 'गेर' पूर्वंग
ग़ैर-आबाद वि० [अ.] उज्जड; वेरान; पडतर (जमीन) [अनावश्यक
ग़ैर-ज़रूरी वि० [अ.] बिनजरूरी;

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ग़ैर-जिम्मेदार वि० [अ.] बिनजवाबदार; अविश्वासपात्र

ग़ैरत स्त्री० [अ.] लाज; शरम

ग़ैरतदार, ग़ैरतमंद वि० लज्जाळु; शरमाळ

ग़ैरमनकूला वि० [अ.] अचल; स्थिर

ग़ैरमनकूहा वि० स्त्री०[अ.]अविवाहिता (२) रखात

ग़ैरमामूल, –ली वि० [अ.] असाधारण

ग़ैरमुनासिब वि० [अ.] गेरमुनासिब; अयोग्य, गेरवाजबी

ग़ैरमुमकिन वि० [अ.] असंभव; अशक्य

ग़ैरवाजिब वि० [अ.] गेरवाजबी;अयोग्य

ग़ैर-सरकारी वि० सरकारी नहि एवुं

ग़ैरहाजिर वि० [अ.] गेरहाजर (नाम, –री स्त्री०)

गैरिक पुं० [सं.] गेरु (२) सोनुं

ग़ैरीयत स्त्री०[अ.]परायापणुं;परजनता

गैल स्त्री० गली; रस्तो [एक माप

गैलन स्त्री० [इं.] गॅलन–प्रवाहीनुं

गैलरी स्त्री० [इं.] गॅलरी

गैस स्त्री० [इं.] गॅस; वायु

गोंठ स्त्री० कमर परनी धोतियानी गांठ–ओटी [गोंड

गोंड़ पुं० एक आदिवासी पहाडी परज;

गोंड़ा पुं० वाडो (ढोरनो) (२) म्रहोल्लो; पाडो (३) आंगणुं

गोंद पुं० गुंदर. ०दानी स्त्री० गुंदरियुं

गोंदनी स्त्री० गूंदीनुं झाड

गो अ० [फा.] जोके (२) प्रत्यय–'कहेनार' अर्थमां. उदा० बदगो= बूराई करनार (३) स्त्री० [सं.] गाय (४) इंद्रिय

गोइंठा पुं० सूकुं छाण; अडायुं

गोइन्दा पुं० [फा.] बोलनार(२)गुप्तचर

गोइयाँ पुं०; स्त्री० जुओ 'गुईयाँ'– साथी, दोस्त

गोई स्त्री० [फा.] कथन कहेवुं ते (समासमां.उदा०वदगोई)(२)'गोइयाँ'; सखी; साहेली [कि तेनो छोड

गोक्षुर [सं.], **गोखरू** पुं० गोखरु कांटो

गोखा पुं० गोख; झरूखो

गो-घातक, –घाती, –घ्न वि० [सं.] गोहत्या करनार

गोचर पुं० [सं.] गोचर; चरो

गोज़ पुं० [फा.] वा सरवो ते; वाछूट

गोजई स्त्री०जव अने घउं(भेगा वावे ते)

गोजर पुं० कानखजूरो

गोजरा पुं० जुओ 'गोजई'

गोजी स्त्री० लाकडी (२) डांग

गोझा पुं० गूंजुं; खिस्सुं (२) एक पकवान (३) एक कांटाळुं घास

गोट स्त्री० गोट; किनारीनी पट्टी; मुगजी (२) मंडळी (३) शेतरंजनुं महोरुं (४) मिजबानी; जमण

गोटा पुं० सोनेरी रूपेरी फीत-किनार

गोटी स्त्री० कूटी (२) शेतरंजनुं महोरुं

गोठ स्त्री० गोशाळा; गोठो (२)गोठ (मजा, सहेल के गोष्ठी)

गोड़ पुं०पग (स्त्री० –ड़िया=नाना पग)

गोड़इत पुं० गामनो चोकीदार

गोड़ना स० क्रि० गोडवुं, खोदवुं जेथी माटी तळे उपर थई पोचुं थाय

गोड़ा पुं० खाटला वगेरेनो पायो (२) घोडी (३) खामणुं; आलवाल

गोड़ाई स्त्री० गोडवुं ते के तेनी मजूरी

गोड़ारी स्त्री० खाटलानी पांगत (२) जूतियुं [युक्तिबाज

गोड़िया स्त्री० जुओ 'गोड़' मां (२)पुं०

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

गोड़ी स्त्री० लाभ; फायदो (२) 'गोड़'; पग

गोत पुं० गोत्र; खानदान (२) (प.) समूह

गोता पुं० [अ.] डूबकी. **–खाना**=गोथुं खाई जवुं; फरेबमां सपडावुं. **–मारना** =डूबकी खावी (२) वच्चे डूबकी मारी जवुं–जता रहेवुं

गोता-खोर, –मार पुं० डूबकी मारनार

गोत्र पुं० [सं.] गोत्र; कुल (२) समूह; दळ

गोद स्त्री० गोद; खोळो. **–पसारकर** =खोळो पाथरीने; साव वश थईने. **–बैठना** = दत्तक जवुं. **–भरना**= खोळो भरवो

गोदनहरा पुं० बळिया टांकनार

गोदना स० क्रि० गोडवुं; खोसवुं (२) गोदाववुं (३) पुं० छूंदणुं (४) बळिया टांकवानी सोय. **–गोदना**=छूंदणुं छूंदवुं

गोदनी स्त्री० बळिया टांकवानी सोय

गोदा स्त्री० गोदावरी नदी (२) पुं० नवी फूटेली डाळी (३) वड पीपळ इ० नो पाको टेटो

गोदान पुं० [सं.] गायनुं दान करवुं ते

गोदाम पुं० मालनुं 'गोडाउन'–वखार

गोदी स्त्री० गोद; खोळो (२) आगबोट इ० नी गोदी [गायोनुं धण

गोधन पुं० [सं.] गायो रूपी धन (२)

गोधूम पुं० [सं.] घउं [संध्यानो समय

गोधूलि, –ली स्त्री० [सं.] गोरज–

गोन, –नी स्त्री० [सं. गोणी] गूण; छालकुं (२) टाट ['गोवना'

गोना स० क्रि० (प.) गोपवुं; छुपाववुं;

गोनिया स्त्री० कडियानो ओळंबो (२) पुं० गूणो ऊंचकनार

गोनी स्त्री० जुओ 'गोन' [गोवाळियो

गोप, –पाल पुं० [सं.] गायोनो रखवाळ;

गोपाष्टमी स्त्री० [सं.] कारतक सुद आठम [(२) गोवाळण

गोपी, –पिका स्त्री० [सं.] व्रजनी गोपी

गोपुर पुं० [सं.] मंदिर के नगरनुं द्वार –दरवाजो

गोफन, –ना पुं० गोफण

गोफा पुं० कूंपळ; नवो फणगो (२) स्त्री० गुफा

गोबर पुं० गोमय; छाण (गायनुं)

गोबरगणे(–ने)श वि० कदरूपुं; वेडोळ (२) मूर्ख; बेवकूफ

गोबरी स्त्री० लींपण (२) छाणुं

गोबरैला पुं० छाणनो कीडो

गोभी स्त्री० एक शाक; 'फ्लावर' (२) एक घास (३) छोडनो एक रोग; 'गोभ' पण कहे छे

गोमय पुं० [सं.] 'गोबर'; छाण (गायनुं)

गोमाय, –यु पुं० शियाळ

गोमुख पुं० [सं.] गायनुं मुख (२) माळा जपवानी गोमुखी. **–नाहर, –व्याघ्र** =देखवामां सीधो पण अति वांको माणस

गोमेध पुं० [सं.] गायना बलिथी थतो यज्ञ

गोयंदा पुं० जुओ 'गोइन्दा'

गोय पुं० (प.) दडो; 'गेंद'

गोया अ० [फा.] के जाणे; जाणे के

गोर स्त्री० [फा.] घोर; कबर (२) वि० गौर; गोरुं. **–व कफ़न**=अंत्येष्टि क्रिया

गोर-कन पुं० [फा.] घोर खोदनार

गोरखधंधा पुं० झघडो; पंचात

गोरखा पुं० गुरखो

गोरस पुं० [सं.] दूध, दहीं वगेरे

गोर(–रि)स्तान पुं० [फा.] कब्रस्तान

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

गोरा वि० गोरुं (२) पुं० गोरो-विलायती माणस. (नाम ०ई स्त्री०, वि० स्त्री० -री)
गोरिल्ला पुं० गोरीलो वांदरो
गोरिस्तान पुं० जुओ 'गोरस्तान'
गोरू पुं० ढोर; घोरी
गोलंदाज पुं० तोपची
गोलंबर पुं० घूमट (२) गोळाई
गोल वि० (२) पुं० [सं.] गोळ; वर्तुळ (२) [इं.] फूटबॉल इ० नो गोल
ग़ोल पुं० [फा.] गोळ; मंडळी; झुंड
गोलक पुं० [सं.] माटीनुं मोटुं कूंडुं (२) वकरो; 'गल्ला' (३) फंड (४) गोलक (गोळो इ०)
गोल-गप्पा पुं० एक नानी पूरी
गोल-मिर्च स्त्री० मरी
गोला पुं० गोळो (२) नारियेळनो गोटो (३) मोटुं दाणा-बजार (४) वळो
गोलाई स्त्री० गोळाई; गोळपणुं
गोला-बारूद स्त्री० दारूगोळो इ० युद्धसामग्री
गोली स्त्री० गोळी
गोलोक पुं० [सं.] स्वर्ग (२) व्रज
गोवना स० क्रि० (प.) जुओ 'गोना'
गोश पुं० [फा.] कान
गोश-गुज़ार वि०[फा.](नाम -री स्त्री०) सांभळेलुं. -करना=निवेदन करवुं; कहेवुं [लटकतो मोतीनो तोरो
गोशमायल पुं० [फा.] पाघडीमांथी
गोश-माली स्त्री० [फा.] कान आमळवा ते (२) चेतवणी
गोश-वारा पुं० [फा.] कानना वाळी के कुंडळ (२) पाघडीनो तलो (३) तोरो; कलगी (४) खातावार तारण

गोशा पुं० [फा.] खूणो (२) एकांत (३) तरफ; बाजू [(२) संसारत्यागी
गोशानशीन वि० [फा.] एकांतवासी
गोशाला स्त्री० [सं.] गोशाळा
गोश्त पुं० [फा.] गोस; मांस
गोष्ठ पुं० [सं.] गायोनी गमाण के गोशाळा (२) गोष्ठी; वातचीत (३) मंडळी
गोष्ठी स्त्री० [सं.] वातचीत; मंत्रणा (२) सभा; मंडळी
गोसाई पुं० गोसांई; 'गुसाइँ'
गोस्तना, -नी स्त्री० [सं.] द्राक्ष
गोस्पंद, गोस्फ़ंद स्त्री०[फा.] घेटुं; बकरुं
गोह स्त्री० घो ['गुहार' (२) शोर
गोहरा पुं० छाणुं. **गोहरा,-री** स्त्री० जुओ
गोहराना अ० क्रि० 'गुहराना'; मोटेथी बोलवुं; पोकारवुं
गोहार (-रि, -री) स्त्री० रक्षण माटे बूम पाडवी ते; पोकार (२) शोरबकोर
गौं स्त्री० [सं.] लाग; दाव (२) मतलब; गरज. -का यार=मतलबी
गौंघात पुं० बरोबर लाग
गौ स्त्री० [सं.] गाय [गोखलो
गौख स्त्री० [सं. गवाक्ष] गोख; झरूखो;
गौखा पुं० 'गौख' (२) गायनुं चामडुं
ग़ौग़ा पुं० [अ.] (वि०-ग़ाई) घोंघाट; कोलाहल; शोर (२) अफवा [पेटा
गौण वि०[सं.]ओछा के ऊतरता महत्त्वनुं;
गौन पुं० (प.) गमन [एवी स्त्री
गौनहाई वि० स्त्री० जेनुं आणुं कर्युं होय
गौनहार स्त्री० 'गौनहाई' [धंधावाळी
गौनहार (-रिन,-री) स्त्री० गावाना
गौना पुं० कन्याने वळाववी ते; आणुं
ग़ौर पुं० [अ.]गोर;विचार;ख्याल;ध्यान
ग़ौर-तलब वि० [अ.] विचारवा जेवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

गौरव पुं० [सं.] मोटाई (२) भार; वजन (३) आदरमान
गौरी स्त्री० [सं.] गोरी स्त्री (२) पार्वती
गौरैया स्त्री० एक जळपक्षी
गौहर पुं० [फा.] मोती
ग्यान पुं० (प.) ज्ञान
ग्यारस स्त्री० अगियारश
ग्यारह वि० अगियार; ११
ग्रंथ पुं० [सं.] ग्रंथ; पुस्तक. ०**कर्ता**, ०**कार** पुं० ग्रंथलेखक
ग्रंथसाहब पुं० शीखोनुं धर्मपुस्तक
ग्रंथि स्त्री० [सं.] गांठ (२) बंधन
ग्रसना स० क्रि० ग्रसवुं; पकडवुं
ग्रस्त वि० [सं.] पकडायेलुं; फसायेलुं
ग्रह पुं० [सं.] ग्रह तारो (२) ग्रहण
ग्रहण पुं० [सं.] ग्रहवुं–पकडवुं के लेवुं ते (२) सूर्यचंद्रनुं ग्रहण
ग्रांडील वि० [इं. ग्रॅन्जर] ऊंचुं ने मोटुं
ग्राम पुं० [सं.] गाम
ग्रामीण, ग्राम्य वि० [सं.] गामडानुं (२) गामडियुं; गमार
ग्रास पुं० [सं.] कोळियो (२) ग्रसवुं ते
ग्राह पुं० [सं.] ग्रहण (२) मगर
ग्राहक पुं० घराक (२) ग्रहण करनार
ग्राही वि० [सं.] कबजियात करे एवुं
ग्राह्य वि० [सं.] ग्रहण करवा योग्य
ग्रीष्म स्त्री० [सं.] ग्रीष्म ऋतु; उनाळो
ग्रीवा स्त्री० [सं.] गरदन
ग्रेज्युएट पुं० [इं.] ग्रॅज्युएट; स्नातक
ग्रेन पुं० [इं.] ग्रेन वजन
ग्लानि स्त्री० [सं.] अरुचि; अभाव; [खिन्नता
ग्लास पुं० [इं.] काच (२) 'गिलास'–प्यालो
ग्वार स्त्री० गवार
ग्वारपाठा पुं० कुंवारपाठुं
ग्वारफली, ग्वारी स्त्री० गवारफळी
ग्वाल, –ला पुं० (स्त्री० **–लिन**) गोवाळ
ग्वैंडा पुं० गाम पासेनी जगा
ग्वैंडे अ० पासे

घ

घँघरा पुं० 'घघरा'; घाघरो
घँघरी स्त्री० घाघरी
घँघोर(–ल)ना स० क्रि० प्रवाही हलावीने तेमां घोळवुं (२) डखोळवुं
घंटा पुं० [सं.] घंट (२) कलाक (३) मोटुं (भींतनुं) घडियाळ
घंटाघर पुं० टावर
घंटी स्त्री० नानो घंट (२) घूघरी (३) गळानो घोघरो (४) गळा वच्चे लटकती पडजीभ [घेरुं; ऊंडुं
घई स्त्री० (प.) भमरो; वमळ (२) वि०
घघरा पुं०, **–री** स्त्री० जुओ 'घाघरा,-री'
घट पुं० घडो [सं.] (२) शरीर (३) स्त्री० घट; कमी (४) वि० घटतुं; थोडुं
घटक पुं० [सं.] मध्यस्थ; पंच (२) दलाल (३) घडी (४) एकम; अवयव
घटका पुं० छेवटनो श्वास; घोघरो बोलवो ते [(३) अप्रतिष्ठा
घटती स्त्री० घट; कमी (२) पडती
घटना अ० क्रि० घटवुं; बनवुं; थवुं (२) घटवुं; बंधबेसवुं; लागु पडवुं (३) ओछुं थवुं (४) स्त्री० घटना; बनाव

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

घटबढ़ स्त्री० वधघट
घटवार पुं० नदीघाटनुं महेसूल लेनार (२) होडीवाळो (३) घाट पर दान लेनार ब्राह्मण
घटवारि(-लि)या पुं० घाट के तीर्थनो ब्राह्मण-पंडो [झाड इ० नी)
घटा स्त्री० [सं.] घटा; जमावट (वादळ,
घटाना स० क्रि० घटाववुं; कम करवुं
घटाव पुं० घटाडो (२) नदीमां ओट
घटित वि० [सं.] थयेलुं; बनेलुं [ऊलटुं
घटिया वि० हलकुं; सस्तुं; 'बढ़िया'नुं
घटिहा वि० गठियुं; लुच्चुं (२) बदमाश
घटी स्त्री० कमी (२) 'घाटा'; नुकसान (३) [सं.] घडी
घट्टा पुं० घाटो; कमी (२) चीरो; फाट. **-खुलना**=फाटवुं; चीरो पडवो
घट्ठा पुं० (शरीर पर पडतुं) आंटण
घड़घड़ाना अ०क्रि० गगडवुं (नाम **-हट** स्त्री०) [मों ऊतरी जवुं; शरमावुं
घड़ा पुं० घडो. **घड़ों पानी पड़ जाना**=
घड़िया स्त्री० धातु गाळवानी अंगीठी
घड़ियाल पुं० घंट; घडियाळुं (२)मगर
घड़ियाली पुं० घंट वगाडनार
घड़ी स्त्री० घडी; समय(२)घडियाळ. **घड़ी घड़ीकी खैर माँगना**=चालु चितामां रहेवुं. **-में तोला, घड़ीमें मासा**=झट बदलाया करतुं
घड़ीसाज़ पुं०घडियाळी(नाम,**-ज़ी** स्त्री०)
घड़ौंची स्त्री० पाणीनुं वासण राखवानी घोडी
घतिया पुं० घातक (२) दगो देनार
घन पुं०[सं.] घण; हथोडो (२) घन; वादळ (३) वि० घाटुं; घेरुं (४) घन मापनुं; नक्कर
घनघनाना अ०क्रि० गडगड अवाज थवो; गर्जवुं. (नाम, **-हट** स्त्री०)
घनघोर वि० बहु घेरुं (२) पुं० खूब गडगडाट; गर्जना
घनचक्कर पुं० मूर्ख माणस (२) एक दारूखानुं-जलेबी (३) चक्कर; फेरो. **-में आना या पड़ना**=चक्करमां पडवुं; मूंझावुं; सपडावुं
घनसार पुं० [सं.] कपूर
घना वि० (स्त्री० **-नी**) घन; घाडुं; गीच (२) नजीकनुं (३) खूब; घणुं
घनिष्ठ वि० [सं.] अति गाढ के घेरुं
घने, घनेरा वि० घणुं; बहु; अनेक
घन्नई स्त्री० माटीनां हांल्लां ने मोटां लाकडांनो बनावेलो तरापो
घपची स्त्री० बाथ; बे हाथथी पकडवुं ते. **-बाँधना**=बाथ भीडवी; बाथमां लेवुं
घपला पुं० गरबड; गोलमाल
घबड़ा(-रा)ना अ०क्रि० गभरावुं (२) रघवाट थवो (३) मूंझावुं (४) स०क्रि० गभराववुं
घबड़ा(-रा)हट स्त्री० गभराट
घमंड पुं० गर्व; अभिमान; शेखी. **-पर आना, होना**=घमंडमां आववुं; गर्व करवो
घमंडी वि० अभिमानी; घमंडवाळुं
घमका पुं० घमघम अवाज (२) घुम्मो; ठांसो (३) 'घमसा'; गरमी; घाम
घमस स्त्री०, **-सा** पुं० घाम; उकळाट (२) अधिकता [युद्ध
घम(-मा)सान पुं० घमसाण; भयंकर
घर पुं० घर; मकान (२) कुळ (३) कोठो; खानुं; स्थान. **-का उजाला या चिराग़**=पुत्र; संतान. **-की मुर्ग़ी**

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ढाल बराबर=निकटनी–घरनी वात वस्तुनी कदर न थवी. **घर घरका होना–हो जाना**=मार्या मार्या फरवुं. **–में भूँजी भाँग न होना**=वहु गरीब होवुं. **–सिर पर उठा लेना**=होहा करवुं; उधमात मचाववो. [अवाज थवो
घरघराना अ० क्रि० घर घरवुं; घरर
घर-घाट पुं० रंगढंग; अवस्था [स्त्री
घरनी स्त्री० [प्रा. घरणी] गृहिणी; घरणी;
घरफोरी स्त्री० कुटुंबक्लेश करावनारी
घरबसा पुं० यार; उपपति (स्त्री०–**सी**)
घरबार पुं० घरवार; ठाम ठेकाणुं; मालमिलकत (२) घरसंसार; कुटुंबकबीलो
घरबारी पुं० गृहस्थ; घरसंसारी
घरवाला पुं० घरवाळो; पति; घरमालिक (स्त्री० –**ली**)
घराऊ वि० घर सम्बन्धी (२) निजी; घरनुं
घराती पुं० कन्यापक्षना लोक
घराना पुं० घर; खानदान; कुळ
घरू वि० जुओ 'घराऊ'
घरेलू वि० पाळेलुं (२) 'घरू'; घरनुं; खानगी (३) घेर बनेलुं
घरौंदा, –धा पुं० घर घर रमवा माटे वाळक बनावे छे ते घर
घर्म पुं० [सं.] घाम; ताप
घर्रा(०टा) पुं० कफ घररर बोले ते
घलना अ० क्रि० छूटी जवुं; फेंकावुं (२) मारामारी थवी
घलाघल, –ली स्त्री० मारामारी
घलुआ पुं० खरीदनारने उपरथी छूटनुं वधारे आपवुं ते
घसिटना अ० क्रि० घसडावुं
घसियारा पुं० घास वेचनारो
घसीट स्त्री० घसरडवुं ते
घसीटना स० क्रि० घसरडवुं; ढसरडवुं
घस्सा पुं० 'घिस्सा'; घिस्सो
घहर(–रा)ना अ० क्रि० गर्जना जेवो अवाज काढवो
घाँघरा पुं० 'घाघरा'
घाँटी स्त्री० गळुं के अंदरनी पडजीभ
घाईं स्त्री० बाजु; तरफ (२) वार; 'दफ़ा' (३) पाणीनो वमळ, भमरो
घाऊघप वि० जुओ 'गाऊघप्प'
घाग, घाघ पुं० भारे चतुर माणस
घाघरा पुं० घाघरो
घाट पुं० [सं.] जळाशयनो घाट; ओवारो (२) पहाड के पहाडी रस्तो (३) घाट; ढंग; लाग
घाटवाल पुं० जुओ 'घाटिया'
घाटा पुं० घट; खोट; हानि [ब्राह्मण
घाटिया पुं० 'घटवार'; घाट के तीर्थनो
घाटी स्त्री० खीण; पर्वतो वच्चेनो पहाडी सांकडो रस्तो
घात पुं० [सं.] घा; प्रहार (२) घात; वध (३) स्त्री० लाग; दाव; सुयोग (४) खराब करवानो लाग ताकवो ते. **–चलाना**=जंतरमंतरवुं. **–पर चढ़ना, –में आना**=लागमां आववुं. **–में फिरना**=लागमां फरवुं; तक साधवी (खराब करवा). **–लगना**=लाग खावो; मोको मळवो
घातक वि० [सं.] मारनार (२) हिंसक (३) पुं० हत्यारो (४) शत्रु
घातकी, घाती वि० घातक; हत्यारुं
घान पुं०, **घानी** स्त्री० [सं. घन] घाण; रांधवा दळवा खांडवा इ०मां एकसाथे लेवातो समूह (२) प्रहार [पीलवुं
घानी स्त्री० घाण (२) समूह. **–करना**=

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

घाम पुं० सूर्यनो ताप; गरमी [मूर्ख
घामड़ वि० घामथी पीडातुं (पशु) (२)
घाय पुं० घा; चोट; जखम
घायल वि० जखमी; घवायेलुं
घाल,-ला पुं० जुओ 'घलुआ'. **-न गिनना**=तुच्छ समजवुं
घालना स० क्रि० मारी नांखवुं (२) घालवुं; खोसवुं (३) बगाडवुं
घालमेल पुं० घालमेल, गरबडसरबड (२) मेळ; मिलन; संयोग
घाव पुं० 'घाय'; घा. **-देना**=दुख देवुं; आघात पहोंचाडवो. **-पूजना, भरना** =घा मटवो
घास स्त्री० घास; तृण; चार. **-काटना, खोदना**=घास कापवुं; नकामुं के व्यर्थ काम के महेनत करवी. **-खाना** = पशु जेवुं - वावरुं बनवुं [पूंजो
घास-पात,-फूस पुं० घास-पांदडुं; कचरो
घिग्घी स्त्री० डूसकुं के भयथी खमचाता बोलवुं के न बोलवुं ते. **-बँधना**=डरथी मों बंध थवुं [प्रार्थना करवी
घिघियाना अ० क्रि० करुण अवाजे
घिचपिच स्त्री०संकडाश; जगानी तंगी (२) वि० जुओ 'गिचपिच'
घिन स्त्री० घृणा; अरुचि; ऊबको; सूग
घिनाना अ० क्रि० 'घिन' ऊपजवी
घिनावना, घिनौना वि० 'घिन'-घृणाजनक; खराब
घिन्नी स्त्री०गरेडी;'घिरनी'(२)चक्कर
घिया स्त्री० दूधी; 'कद्दू'
घियाकश पुं० 'कद्दूकश'; छीणी
घिया-तरोई, -तोरई, -तोरी स्त्री० एक शाक; गलकुं (?)
घिरना अ० क्रि० घेराई जवुं; घेरावुं
घिरनी स्त्री० गरेडी (२) दोरडाने वळ देवानी फीरकी
घिराई स्त्री० घेरवुं ते (२) ढोरने चारवा लई जवुं ते के तेनुं महेनताणुं
घिराव पुं० घेरावुं ते (२) घेरो
घिसना स०क्रि० घसवुं (२) अ० क्रि० घसावुं
घिसघि(-पि)स स्त्री० घालमेलथी थतो विलंब; ढील; दीर्घसूत्रीपणुं
घिसाई स्त्री० घसवुं ते के तेथी पडतो कचरो के तेनी मजूरी
घिसाना,घिसवाना स०क्रि० घसाववुं
घिस्सा पुं० घिस्सो; घसरको (२) धक्को
घी पुं० घी; घृत. **-का कुप्पा लुढ़ना, -के कुप्पे लुढ़कना**=भारे नुकसान थवुं. **-का डोरा (देना)**=घीनो दोरो देवो; (भात इ०मां) ऊनुं घी नांखवुं. **-के दीए जलाना या भरना** = खूब माणवुं; सुखचेनमां रहेवुं. **-खिचड़ी होना**=भारे प्रेम के दोस्ती या बनाव होवां
घी-कुवाँर पुं० कुंवारनुं पाठुं
घुँइयाँ स्त्री० अळवी कंद
घुँघची स्त्री० चनोठी; रती
घुँघनी स्त्री० कोई अन्न पलाळी ते तळीने थतुं खाद्य; घूघरी जेवुं
घुँघरारे,-ले वि० वांकडिया (वाळ) (स्त्री० **-री, -ली**)
घुँघरू पुं० घूघरी (२) घूघरीवाळुं पगनुं घरेणुं (३) जुओ 'घटका' [त्रोरियुं
घुँडी स्त्री० कपडानुं गोळ गांगडी जेवुं
घुग्घी स्त्री० कामळाने त्रिकोण वाळी बनावातुं माथानुं ओढण
घुग्घू, घुघुआ पुं० घुवड

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

घुघुआना अ० क्रि० घुवड पेठे घुघु बोलवुं (२) बिलाडीनुं घूरकवुं
घुटकना स०क्रि० गटगटावी जवुं; पीवुं
घुटकी स्त्री० गळानी अन्ननळी
घुटना पुं० घूंटण. **–टेकना**=घूंटणे पडवुं; ताबे थवुं. **घुटनोंमें सिर देना**=चिंता के शरमथी माथुं नीचुं करवुं; पस्तावुं
घुटना अ० क्रि० श्वास घूंटावो (२) घूंटावुं (३) घसावुं जेथी सुंवाळुं थाय के चळके. **घुट घुटकर मरना**=खूब पीडाईने मरवुं. **घुटा हुआ**=बहु चालाक
घुटन्ना पुं० जांघियो
घुटाई स्त्री० घूटवुं के घसवुं ते
घुट्टी स्त्री० बाळकने पाचन माटे पिवाडाती दवा. **–में पड़ना**=गळथूथीमां पडवुं; स्वभावमां होवुं
घुड़(–र)कना स० क्रि० घूरकवुं; क्रोधथी घांटो काढीने कहेवुं
घुड़की स्त्री० घूरकवुं के वढवुं ते
घुड़चढ़ा पुं० घोडेसवार
घुड़दौड़ स्त्री० घोडदोड [तोप
घुड़नाल स्त्री० घोडा पर चडती एक
घुड़बहल स्त्री०घोडवहेल; घोडानी वहेल
घुड़सवार पुं० घोडेसवार
घुड़सार(–ल) स्त्री० घोडार; तबेलो
घुन पुं० अनाज वगेरेमां पडतो एक जीव. **–लगना**=ए जीव पडवो (२) सडवुं; खवावुं
घुनघुना पुं० घूघरो (रमवानो)
घुनना अ० क्रि० 'घून'थी खवावुं
घुन्ना वि० (स्त्री०.**–न्नी**) क्रोध, द्वेष इ० मनमां दावी राखनार
घुप वि० घाडुं; घोर (अंधारुं)
घुमक्कड़ वि० सहेलाणी; खूब घूमनार
घुमटा पुं० माथुं घूमे–चक्कर आवे ते
घुमड़ स्त्री० वादळां घेरावां ते
घुमड़ना अ० क्रि० वादळ घेरावां (२) एकठुं थवुं; छवावुं ['घुमनी'
घुमड़ी स्त्री० घुमरी; चकरी (२) जुओ
घुमना वि० (स्त्री०**–नी**)जुओ 'घुमक्कड़'
घुमनी स्त्री० गोळ गोळ फरी गबडी पडे एवो पशुरोग [(३) जुओ 'घुमनी'
घुमरी स्त्री० चकरी (२) पाणीनो वमळ
घुमाना स० क्रि० घुमाववुं; फेरववुं (२) कशामां लगाडवुं
घुमाव पुं० घूमवुं के घुमाववुं ते (२) फेर; चक्कर(३)रस्तानो वळांक [अवाज)
घुमुर अ० घम्मर घम्मर (चक्कीनो
घुरकना स० क्रि० जुओ 'घुड़कना'
घुरघुराना अ०क्रि० गळामांथी घुर घुर अवाज नीकळवो
घुरना अ० क्रि० घोर अवाज थवो
घुलना अ० क्रि० ओगळवुं (२) मळी जवुं (३) क्षीण थवुं (४) समय वीतवो (प्रेरक **घुलवाना, घुलाना**) **घुल जाना** =बहु कमजोर थवुं. **घुल-मिलकर**= खूब हळी मळीने. **घुला हुआ**=वृद्ध
घुसना अ० क्रि० घूसवुं
घुसपैठ स्त्री० प्रवेश; गति
घुसाना, घुसेड़ना स० क्रि० घुसाडवुं
घूँघट पुं० घूंघट; घूमटो. **–उठाना, –उलटना**=घूमटो दूर करवो; मों देखाडवुं.**–करना,–काढ़ना,–निकालना, –मारना**=घूमटो ताणवो;लाज काढवी
घूँघर पुं० वाळनुं वांकडियुं जुलफुं
घूँघरवारि(–ले) वि० जुओ 'घुंघराले'
घूँट पुं० घूंटडो. **–भरना, –लेना**= घूंटडो भरवो; घूंटडे घूंटडे पीवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

घूंटना स० क्रि० घूंटड़ो उतारवो; पीवुं
घूंटी स्त्री० जुओ 'घुट्टी'
घूंसा पुं० ठूंसो; मुक्को
घूक [सं.], **घूघू** पुं० घुवड; 'घुग्घू'
घूटना स०क्रि० जुओ 'घूंटना'(२)दबाववुं घूंटवुं (गळुं)
घूम स्त्री० जुओ 'घुमाव'
घूमना अ०क्रि० फरवुं; टहेलवुं(२)घूमवुं; भमवुं
घूर(-रा) पुं० कचरोपूंजो के ते नाखवानी जगा – उकरडो
घूरना अ० क्रि० गुस्साथी एकीटसे जोया करवुं (२) कुदृष्टि करवी
घूस स्त्री० लांच (२) छछूंदर (?)
घूसखोर वि० लांचखोर; लांचियुं
घृणा स्त्री० [सं.] अणगमो; तिरस्कार; नफरत
घृणित वि० [सं.] घृणापात्र
घृत पुं० [सं.] घी
घृतकुमारी स्त्री० [सं.] कुंवारपाठुं
घेंटा पुं० डुक्करनुं बच्चुं
घेघा पुं० गळानी नळी (२) गळाना सोजानो एक रोग
घेर पुं० घेर; घेरावो; परिघ
घेरना स०क्रि० घेरवुं(२)खुशामत करवी
घेरा पुं० घेर; घेरावो (२) घेरो (३) वाडा के घेरनी हद ['घिराई'
घेराई स्त्री०, **-व** पुं० घेर; घेरावो;
घेवर पुं० घेवर; एक पकवान
घोंघा पुं० घोंघा; पाणी ो एक जीव (२) वि० निःसत्त्व (३) मूर्ख
घोंटना स०क्रि० घूंटडे घूंटडे पीवुं (२) जुओ 'घोटना'
घोंसला, घोंसुआ पुं० पक्षीनो माळो

घोखना स० क्रि० गोखवुं
घोटना स० क्रि० सुंवाळुं के चमकतुं करवा खूब घसवुं (२) घूंटवुं (३) गोखवुं (४) वढवुं (५) गळुं रूंधवुं
घोटाला पुं० गोटाळो
घोड़बच स्त्री० घोडावछ औषधि
घोड़सार,-ल स्त्री० घोडासार; तबेलो
घोड़ा पुं० घोडो (२) खूंटी (कपडा माटे). **-उठाना, -डालना, -फेंकना**= घोडो तेज करवो. **-खोलना** = घोडो छोडवो; साज वगेरे दूर करवुं (२) घोडो चोरवो. **-फेरना**=घोडो पलोटवा गोळ गोळ फेरववो. **-मारना**=घोडो मारी मूकवो
घोड़ा-नस स्त्री०एडी आगळनी धोरी नस
घोड़िया स्त्री० नानी घोडी (२) भींतनी खूंटी
घोड़ी स्त्री० घोडी (२) लाकडानी घोडी (३) वरपक्षनुं लग्नगीत. **-चढ़ना** =घोडे चढवुं; परणवा जवुं
घोर वि० [सं.] भयंकर; विकराळ (२) गीच; दुर्गम (३) घेरुं; ऊंडुं (४) अति खराब; पापी (५) अतीव; खूब (६) स्त्री० घोर अवाज; गर्जना
घोल पुं० घोळी ओगाळीने करेलुं ते
घोलना स० क्रि० घोळवुं
घोष पुं० [सं.] मोटी अवाज (२) गोवाळ के तेमनो वास [जाहेरात
घोषणा स्त्री० [सं.] गर्जना (२) `रो;
घोसी पुं० घांची; दूध वेचनार (मुसलमान)
घौद पुं० फळोनी लूम; (केळांनुं) गोड
घ्राण पुं०, स्त्री० [सं.] सूंघवुं ते (२) नाक (३) वास; बू

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

च

चंक्रमण पुं० [सं.] आम तेम फरवुं, आंटा मारवा ते

चंग स्त्री० [फा.] चंग वाजुं (२) पतंग (३) पुं० गंजीफानी चंग रमत (४) वि० [सं.] सरस; सुंदर; चंगुं. **–उमहना, –चढ़ना**=चगवुं; खूब जोर थवुं. **–पर चढ़ाना**=वातचीत करीने–चगावीने मेळवी लेवुं

चंगा वि० (स्त्री० **–गी**) चंग; चंगु

चंगुल पुं० चंगूल; पशु-पक्षीनो पंजो (२) चुंगल. **–में फँसना**=चुंगलमां फसावुं

चँगेर (-री, -ली) स्त्री० वांसनी छाबडी के टोपली (२) मशक; पखाल (३) बाळकनुं खोयुं

चंचरी स्त्री० भमरी (२) एक छंद

चंचरीक पुं० [सं.] भमरो

चंचल वि० [सं.] चंचळ; अस्थिर (२) चपळ. **०ता, ०ताई** (प.), **-लाई** स्त्री०

चंचला स्त्री० [सं.] वीजळी (२) लक्ष्मी (३) एक छंद

चंचु, (०का, –चू) स्त्री० [सं.] चांच

चंट वि० चालाक; पहोंचेल; पाकुं

चंड वि० [सं.] उग्र; तीव्र (२) भयंकर (३) क्रोधी (४) पुं० ताप

चंडांशु पुं० [सं.] सूरज

चंडाल पुं० [सं.] चंडाळ (२) नीच माणस

चंडावल पुं० सेनानो पाछलो भाग; 'हरावल'थी ऊलटो (२) पहेरेगीर

चंडिका, चंडी स्त्री० [सं.] दुर्गा के काली देवी (२) व्रढकणी के कर्कशा स्त्री

चंडू पुं० चंडूल; अफीणनी एक मादक वस्तु. **०खाना** पुं० चंडूल पीवानो अड्डो

चंडूल पुं० चंडोळ पक्षी

चंडोल पुं० एक जातनी पालखी; मेना

चंद पुं० [सं.] चंद्र (२) वि० [फा.] थोडुंक (संख्यावाचक)

चंदक पुं० [सं.] चंद्र (२) चांदनी (३) एक घरेणुं (४) एक माछली

चंदन पुं० [सं.] सुखड के तेनुं झाड

चंदनी स्त्री० (प.) चांदनी [अस्थायी

चंद-रोजा वि० [फा.] थोडा दिवसनुं;

चँदला वि० 'गंजा'; माथे तालवाळुं

चँदवा पुं० चन्दरवो

चंदाँ अ० [फा.] आटलुं (२) आटली वार

चंदा पुं० चन्दा; चन्द्र (२) [फा.] फंड; फाळो (३) लवाजम

चँदिया स्त्री० खोपरी; तालकुं (२) चानकी; नानो (छेवटे वधेला लोटनो) रोटलो

चंद्र पुं० [सं.] चांदो. **०कला** स्त्री० चंद्रनी कळा. **०मा** पुं० चांदो. **०मौलि, ०शेखर** पुं० शंकर

चंद्रिका स्त्री० [सं.] चांदनी [दवा

चंद्रोदय पुं० [सं.] चंद्रनो उदय (२) एक

चंपई वि० चंपाना रंगनुं; पीळुं

चंपक पुं० [सं.] चंपो [पकडवी

चंपत बनना, होना=छू थई जवुं; चलती

चँपना अ०क्रि० दबावुं; चांपवुं (२) स०क्रि० दबाववुं

चंपा पुं० चंपो फूलझाड

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

चंपू पुं० [सं.] काव्यनो एक प्रकार
चंवर पुं० चामर (२) घोडा हाथीना माथानी कलगी. **–डलना** = चामर ढोळावो. **०ढार** पुं० चामर ढोळनार
चउ वि० 'चौ'; समासमां 'चार' अर्थमां आवे छे. उदा० चउदस, चउपाई इ०
चक पुं० चक्र; पैडुं (२) 'चकई' रमकडुं (३) चकवो पक्षी (४) जमीननो मोटो टुकडो (५) गामडुं (६) अधिकार (७) वि० भरपूर (८) चकित
चकई स्त्री० चकवी; 'चका' नुं स्त्री० (२) गोळ फेरववानुं एक रमकडुं
चकचकाना अ० क्रि० झमवुं; झरवुं; तकतकवुं
चकचून वि० चूरेचूरा थयेलुं; चकचूर
चकचौंध स्त्री० जुओ 'चकाचौंध'
चकचौंधना अ० क्रि० तेजथी अंजावुं
चकती स्त्री० चकती (२) ढींगली. **वादलमें चकती लगाना** = असंभव वात करवा मथवुं
चकत्ता पुं० चकामुं (२) दांत बेठानुं चिह्न (घा नहि) [चकित थवुं
चक(–का)ना अ०क्रि० (प.) चोंकवुं;
चकनाचूर वि० जुओ 'चकचून' (२) बहु थाकेलुं
चकफेरी स्त्री० चकरडी; परिक्रमा
चकबंदी स्त्री० जमीनना भाग – पटा नक्की करवा ते
चक़मक़ पुं० [तु.] चकमक पथ्थर
चकमा पुं० थाप; फरेब (२) हानि
चक़माक़ पुं० चकमक
चक़माक़ी वि० चकमकनुं के चकमक-वाळुं (२) स्त्री० बंदूक
चकर पुं० (प.) चक्कर (२) चकवो पक्षी
चकरबा पुं० चक्कर; गूंचवाडो (२) बखेडो
चकरा वि० (स्त्री० **–री**) चोडुं; पहोळुं
चकराना अ० क्रि० (माथुं) घूमवुं; चक्कर आववां (२) चकित थवुं (३) स० क्रि० चकित करवुं
चकला पुं० रोटली वणवानी आडणी; चकलो (२) वेश्यावाडो (३) चकलुं; विभाग; इलाको (४) घंटी (५) वि० जुओ 'चकरा'
चकली स्त्री० गरेडी (२) ओरसडी (३) वि० स्त्री० 'चकला' [मित्रोनो हांसीखेल
चकल्लस स्त्री० कचकच; झघडो (२)
चकवा पुं० चक्रवाक – चकवो पक्षी (स्त्री० **–वी**) [पक्षी; चकवो
चका पुं० चक्कर; पैडुं (२) चक्रवाक
चकाचक वि० (रव०) खूब; लचपच; तरबोळ (२) स्त्री० तलवार इ०नो उपराउपरी अवाज के तेनी झडी
चकाचौंध स्त्री० तेज आगळ आंख अंजावी ते; 'चकचौंध'
चकाना अ० क्रि० (प.) जुओ 'चकना'
चकाबू(०ह) पुं० चक्रव्यूह; चक्कर
चकित वि० [सं.] चोंकेलुं; विस्मित; गभरायेलुं
चकुला पुं० (प.) चकलो पक्षी
चकोटना स० क्रि० चूंटी खणवी
चकोतरा पुं० चकोतरुं; पपनस
चकोर पुं० [सं.] एक पक्षी (स्त्री० **–री**)
चक्कर पुं० चक्र (२) फेर; घेर (२) गूंच-वाडो. **–काटना, मारना** = फेरो मारवो
चक्का पुं० पैडुं; चक्र
चक्की स्त्री० घंटी (२) घूंटणनी ढांकणी (३) वीजळी. **–पीसना** = दळवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

चक्र पुं० [सं.] चक्र; पैडुं (२) पाणीनुं वमळ (३) कुंभारनो चाक
चक्रधर, चक्रपाणि पुं० [सं.] विष्णु
चक्रवाक पुं० [सं.] चकवो पक्षी
चक्षु पुं० [सं.] आंख
चक्षुष्य वि० [सं.] आंखने प्रिय के हितकर (२) पुं० अंजन
चख पुं० चक्षु (२) [फा.]झघडो; तकरार
चख़चख़ पुं० तक़रार; बोलाबोली
चखना स०क्रि० चाखवुं(प्रेरक **चखाना**)
चख़ाचख़ी स्त्री० 'चख'; तकरार; लडाई
चंगड़ वि० चालाक; होशियार
चचा पुं०(स्त्री० **–ची**) काका; 'चाचा'. **–बनाना**=वेर वाळवुं
चचिया वि० काका बरोबरनुं. **–ससुर**= काकाजी. **–सास**=काकीसासु
चचेरा वि० (स्त्री० **–री**) काकानुं. **–भाई**=काकानो दीकरो [दाबीने)
चचोड़(–र)ना स०क्रि० चूसवुं(दांतथी
चट अ० चट; झट. **–कर जाना**= बधुं खाई जवुं(२)त्रीजानुं उठावी जवुं
चटक स्त्री० चमक (२) जलदी (३) अ० चट; झट (४) वि० चमकतुं(५) चपळ (६) मजेदार
चटकदार वि० लहेजतदार; स्वादु (२) मनोहर; आकर्षक; चमकतुं
चटकन पुं० 'चटकना'; तमाचो
चटक(–ख)ना पुं० तमाचो(२)अ०क्रि० चट अवाज करवो (३) चीरा पडवा; ततडवुं; तरडावुं (४) खीलवुं (फूल) (५) चटी जवुं; अणबनाव थवो
चटक(–ख)नी स्त्री० बारी बारणानी आंकडी; 'सिटकनी'
चटक-मटक स्त्री०हावभाव; नाच नखरां
चटका(–खा)ना स० क्रि० तोडवुं; चीरवुं(२)आंगळीना टचाका बोलाववा (३) चट चट अवाज नीकळे एम करवुं(४)चीडववुं; गुस्से करवुं. **जूतियाँ चटकाना** = जूतां घसडता–मार्या मार्या फरवुं ['चटकहार'
चटकारा(–रेका),चटकीला वि० जुओ
चटनी स्त्री० चटणी
चटपट अ० झटपट; चटचट
चटपटा वि० लहेजतदार; मसालेदार
चटपटी स्त्री० तालावेली; अधीराई(२) अकळामण
चटाई स्त्री० सादडी (२) चाटवुं ते
चटाक (–ख) पुं० आंगळीनो टचाको
चटाका(–खा) पुं० कडाको; टचाको; कांई कठण तूटवानो अवाज. **चटाकेका** =बहु तेज; उग्र [(३) लांच आपवी
चटाना स० क्रि०चटाडवुं(२)खवडाववुं
चटापटी स्त्री० उतावळ (२) चेपी रोगथी टपोटप मरवुं ते
चटावन पुं०बाळकनो अन्नप्राशन संस्कार
चटियल वि० झाडपान वगरनुं चोख्खुं-चट (मेदान)
चटोरा वि० चटूडुं; सवादियुं (२)लोलुप
चट्टान स्त्री० मोटो पहोळो खडकनो पथ्थर; मोटी पहोळी शिला
चट्टा-बट्टा पुं० रमकडांनो समूह. **एक ही थैलीके चट्टे-बट्टे** =एक ज–मळेलां माणस. **चट्टे-बट्टे लड़ाना**=आपसमां लडावी मारवुं
चट्टी स्त्री० पडाव (२) स्लीपर जोडा (३) खोट; नुकसान (४)दंड. **–धरना** =दंड लगाववो. **–भरना**=नुकसान भरी आपवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

चट्टू वि० 'चटोरा'; सवादियुं
चढ़त स्त्री० देवने चडावाती भेट
चढ़ना अ० क्रि० चडवुं. **चढ़ बढ़कर होना**=चढियातुं होवुं. **चढ़ बनना**= फाववुं; लाग खावो
चढ़ाई स्त्री० चडवुं ते (२) चडाई (३) चडाव (४) पूजापो के नैवेद्य वगेरे
चढ़ा-उतरी स्त्री० चडऊतर
चढ़ा-ऊपरी, चढ़ाचढ़ी स्त्री० चडसा-चडसी; स्पर्धा; होड
चढ़ान स० क्रि० चडाववुं (२) पी जवुं
चढ़ाव पुं० चडवुं ते (२) चडाव (जेम के पहाडनो, नदीनो) (३) जुओ 'चढ़ावा'
चढ़ावा पुं० लग्न वेळा वर वधूने आपे छे ते घरेणुं (२) पूजापो (३) उत्साह; हिंमत. **–देना**=उत्साह देवो; उत्तेजवुं
चतुरंग वि० [सं.] चार अंगवाळुं (सेना इ०) (२) पुं० शतरंज [प्रवीण
चतुर वि० [सं.] चालाक; होशियार (२)
चतुर्थ वि० [सं.] चोथुं [विभक्ति
चतुर्थी स्त्री० [सं.] चोथ (२) चोथी
चतुर्दशी स्त्री० [सं.] चौदश
चतुर्दिक्(–श्) पुं० [सं.]चारे दिशा (२) अ० चोतरफ [आकृति (२) विष्णु
चतुर्भुज पुं० [सं.] चार बाजुवाळी
चतुर्वर्ग पुं० [सं.] चार पुरुषार्थ – धर्म, अर्थ, काम ने मोक्ष
चतुर्वर्ण पुं० [सं.] चार वर्णो – ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य अने शूद्र ['चौकोना'
चतुष्कोण पुं० [सं.]चार खूणिया आकृति;
चतुष्टय पुं० [सं.] चारनो समूह
चतुष्पद वि० (२) पुं० [सं.] चोपगुं
चदरिया स्त्री० (प.) चादर
चद्दर स्त्री० चादर (२) धातुनुं पतरुं

चनक(–ख)ना अ० क्रि० गुस्से थवुं; चटी जवुं; 'चटकना'
चना पुं० चणा. **चनेका मारा मरना**= बहु नबळुं पडी जवुं [अ० डाबु-जमणुं
चप वि० [फा.] डाबुं. **–व रास्त** वि० (२)
चपकन स्त्री० एक जातनुं अंगरखुं (२) ट्रंक वगेरेनी बेसाडीने वासवानी कळ
चपक(–ट) ना अ०क्रि० जुओ 'चिपकना'
चपटा वि० जुओ 'चिपटा'; चपटुं
चपड़ा पुं० साफ – चपडालाख (२) वंदो
चपड़ा(–रा)स स्त्री० चपरासी – पटावाळाना पटानी तखती
चपड़ा(–रा) सी पुं० चपरासी; पटावाळो
चपत स्त्री० चपेट; तमाचो
चपती स्त्री० पट्टी; फूटपट्टी
चपना अ० क्रि० दबावुं (२) शरमावुं
चपनी स्त्री० चपणुं (२) हांल्ली के घूंटणनी ढांकणी
चपरना स० क्रि० (प.) चोपडवुं; 'चिपड़ना'
चपरास, –सी जुओ 'चपड़ास, – सी'
चपल वि० [सं.] चपळ; चंचळ (२) पुं० पारो
चपला स्त्री० [सं.] 'चंचला'; वीजळी (२) लक्ष्मी (३) जीभ (४) वि० स्त्री० चपळ (स्त्री०)
चपाट पुं० सपाट; खासडी
चपाती स्त्री० चपाटी; रोटली
चपाना स० क्रि० 'चपना' नुं प्रेरक
चपेट स्त्री० [सं.], **–टा** पुं० चपेट; थप्पड (२) आफत (३) आघात; धक्को
चपेटना स० क्रि० दबाववुं (२) धमकाववुं
चपेटा पुं० जुओ 'चपेट'
चप्पल पुं० चंपल

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

चप्पा पुं० चोथो भाग (२) थोडो भाग के जगा (३) चार आंगळ जगा
चप्पी स्त्री० चंपी
चप्पू पुं० हलेसुं; चाटवो
चबाना स० क्रि० चाववुं
चबूतरा पुं० चबूतरो; चोतरो (२) मोटुं पोलीस-थाणुं [नास्तो
चबेना पुं० चवाणुं. **–नी** स्त्री० हाजरी;
चभोरना स० क्रि० झबोळवुं
चमक स्त्री० चमक; कांति; झळक (२) चसक. **–देना, –मारना**=चमकवुं. **–पड़ना**=चसक आववी
चमक-चाँदनी स्त्री० वनी ठनी रहेनारी नखरेबाज स्त्री
चमक-दमक स्त्री० चमक (२) ठाठमाठ
चमकदार वि० चमकतुं
चमकना अ० क्रि० चमकवुं (२) चसक आववी के मारवी
चमकाना स० क्रि० चमकाववुं; चमकतुं करवुं (२) चोंकाववुं (३) चीडववुं (४) चगाववुं
चमकारा पुं० चमकारो
चमकीला वि० चमकतुं (२) शानदार
चमकौवल स्त्री० चमकाववुं ते
चमगादड़ पुं० चामाचीडियुं
चमचमाना अ० क्रि० चमकवुं (२) स० क्रि० चमकाववुं
चमचा पुं० [फा.] चमचो (२) चीपियो. **–ची** स्त्री० नानो चमचो के चीपियो
चमजु(–जो)ई स्त्री० चामजू (२) जू पेठे वळगे ते [=चामडुं कमाववुं
चमड़ा पुं० चामडुं (२) छाल. **–सिझाना**
चमड़ी स्त्री० चामडी [आश्चर्य
चमत्कार पुं० [सं.] अद्भुत घटना (२)
चमत्कृति स्त्री० [सं.] चमत्कार
चमन पुं० [फा.] बगीचो
चमर पुं० [सं.] चमरी गाय (२) चम्मर
चमरख स्त्री० चमरखुं (२) वि० चमरखां जेवी सुकलकडी (स्त्री)
चमला पुं० भिखारीनुं चपणुं
चमार पुं० चामडियो. **–रिन** स्त्री० चमारण
चमारी स्त्री० चमारकाम (२) चमार स्त्री
चमू स्त्री० [सं.] सेना; फोज
चमेली स्त्री० चंपेली फूलवेल
चमोटा पुं०, **–टी** स्त्री० हजामनो चामडानो टुकडो [(३) जुओ 'चमोटा'
चमोटी स्त्री० चाबुक (२) पातळी सोटी
चमौवा पुं० रद्दी खासडुं
चम्मच पुं० चमचो के चमची
चय पुं० [सं.] ढगलो; समूह; संग्रह
चयन पुं० [सं.] संग्रह (२) चूंटणी करवी ते
चर पुं० [सं.] दूत; जासूस (२) वि० अस्थिर; फरतुं
चरई स्त्री० ढोरने चारो पाणी नीरवानुं होज के कूंडी जेवुं स्थान; गमाण
चरक पुं० [सं.] चर; दूत (२) जासूस (३) मुसाफर (४) चरक वैद
चरकटा पुं० चारो कापी लावनार
चरका पुं० [फा.] उझरडो के जराक जखम (२) डाम (३) छळ; दगो
चरख पुं० [फा. चर्ख] चक्र (२) रेंटियो (३) कुंभारनो चाक (४) तोपनी गाडी (५) गोफण (६) खराद; संघाडो
चरखा(–खा) पुं० चक्र (२) रेंटियो (३) रेंट (४) खराद (५) गरगडी (६) माथाकूटियुं काम

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

चरखी(–खी) स्त्री० फरकडी, गरगडी इ० जेवी फरनार वस्तु (२) लोढवानो चरखो (३) एक जातनुं दारूखानुं
चरचना स० क्रि० चन्दन आदि चरचवुं –अर्चा करवी (२) पूजा करवी
चरचराना अ०क्रि० चचरवुं(२)ताडानी पीडा थवी (३) जुओ 'चर्चना'
चरण(–न) पुं० [सं.] पग (२) काव्यनुं चरण (३) चोथो भाग [करनार
चरती पुं० व्रतने दिवसे उपवास न
चरना अ० क्रि० (ढोरनुं) चरवुं (२) (प.) चालवुं; विचरवुं [(३) चारो
चरनी स्त्री० चरो; चराण (२) गमाण
चरपरा वि० तीखुं (स्त्री० **–री**)
चरब वि० जुओ 'चर्ब'; तेज; तीखुं (२) चरबी–चीकटवाळुं
चरबाँक,चरबाक वि०चालाक(२)नीडर
चरबी स्त्री० [फा.] चरबी; वसा; मेद
चरम वि० [सं.] छेवटनुं; अंतिम
चरमराना अ० क्रि० चरड चरड शब्द करवो (जेम के, जोडा, खाटलो)
चरवाई,–ही स्त्री०ढोर चारवानुं काम के तेनी मजूरी; चराई
चरवाहा पुं० ढोर चारनार
चरस पुं० पाणी काढवानो कोस (२) गांजानो चडस (३) जमीननुं एक माप–२१०० हाथ
चरसा पुं० भेंस वळदनुं चामडुं(२)कोस
चरसी पुं० कोसियो (२) चडस पीनार
चराई स्त्री० जुओ 'चरवाई' (२) चरवा अंगे कर
चरागाह, चरान पुं० चरो; गोचर
चराचर वि० [सं.] चर अचर; स्थावर जंगम (२) पुं० आखी सृष्टि
चराना स० क्रि० (ढोर) चराववुं (२) मूर्ख बनाववुं
चरिंदा पुं० [फा] पशु; चरे ते
चरित, –त्र पुं० [सं.] चरित्र; कथा
चरितार्थ पुं० [सं.] कृतार्थ; सफळ
चरित्तर पुं० चरीतर; नटखटपणुं
चरी स्त्री० चराण जमीन (२) चारा माटेनी लीली जुवार (३) [सं.] जासूस स्त्री [तेनुं वासण
चरु पुं० [सं.] यज्ञनुं–आहुतिनुं अन्न के
चर्ख पुं० [फा.] आकाश (२) चक्र(३) रेंटियो (४) कुंभारनो चाक (५) चरख पशु
चर्खा पुं० रेंटियो
चर्खी स्त्री० [फा.] गरगडी; 'चरखी'
चर्च पुं० [इं.] गिरजाघर; देवळ
चर्चक पुं० [सं.] चर्चा करनार
चर्चा स्त्री० [सं.] चर्चा (२) वातचीत (३) अफवा [(२) अर्चा थयेलुं
चर्चित वि० [सं.] चर्चायेलुं; विचारायेलुं
चर्पट पुं० [सं.] थपाट; धोल
चर्ब वि० [फा.] सुंवाळुं; लीसुं; चीकणुं (२) स्थूल (३) तेज; चपळ
चर्ब-ज़बान वि० [फा.] खुशामतियुं
चर्बी स्त्री० [फा.] चरबी
चर्म पुं० [सं.] चामडुं.**०कार** पुं० चमार
चर्या, –र्य्या स्त्री० [सं.] आचरण (२) कामकाज; चालचलगत
चर्राना अ० क्रि० चररर अवाज थवो (२) ततडवुं (३) चळ आववी; जोरथी इच्छा थवी
चर्वण पुं० [सं.] चाववुं ते (२) चवाणुं
चर्वित वि० [सं.] चवाई गयेलुं
चल वि०[सं.]चळ; चंचळ(२) पुं०पारो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

चलकना अ० क्रि० चळकवुं; चमकवुं
चलचलाव पुं० जुओ 'चलाचली'
चलचाल वि० चंचळ; अस्थिर
चलचित्र पुं० [सं.] सिनेमा
चलता वि० चालु (२) चालाक (३) स्त्री० [सं.] चंचळता. **०पुरज़ा** वि० होशियार; पहोंचेल. **–बनना**=चालतुं थवुं; जवुं
चलती स्त्री० चलण; जोर; प्रभाव
चलन पुं० [सं.] चाल (२) चलण (३) रिवाज. **०सार** वि० चलणी
चलना अ० क्रि० चालवुं (२) नभवुं; टकवुं (३) पुं० चाळणो. **चल निकलना** =चालवा लागवुं; चाली जवुं. **चल बसना**=मरवुं
चलनी स्त्री० चाळणी
चलाऊ वि० चाले एवुं; टकाउ
चलाक वि०चालाक (नाम **–की** स्त्री०)
चलाका स्त्री० वीजळी
चलाचली स्त्री० चालती के नीकळती वेळानी तैयारी के तेनी धमाल(२)मोत
चलान स्त्री० मोकलवानी के चालवा चलाववानी क्रिया (२) भरतियुं; मोकल्या मालनी यादी(३) अपराधीने अदालतमां रजू करवो ते
चलाना स०क्रि० चलाववुं [चळायमान
चलायमान वि० [सं.] चळ; अस्थिर;
चलावा पुं० चाल; रीत; रिवाज (२) चालचलगत (३) आणुं
चलित वि० [सं.] चळेलुं; अस्थिर
चवन्नी स्त्री० चार-आनी
चवाई पुं० निंदक (२) चुगलीखोर
चवाव पुं० चोतरफ फेलानारी चर्चा; अफवा (२) बदनामी; निंदा
चशम, चशमा जुओ 'चश्म, चश्मा'
चश्म स्त्री० [फा.] आंख
चश्मक स्त्री० [फा.] आंखनो इशारो (२) चकमक; बोलाचाली; झघडो
चश्मदीद वि० [फा.] साक्षात् जोयेलुं
चश्म-नुमाई स्त्री०[फा.] आंखो काढवी ते; धमकी [उपेक्षा
चश्मपोशी स्त्री० [फा.] चसमपोशी;
चश्म(–श्मे)बद स्त्री० बूरी,खराब नजर
चश्मा पुं० [फा.] चसमां (२) झरो
चसक स्त्री० चसक आवे ते
चसकना अ०क्रि० चसक मारवी (२) चसको लागवो [=आदत पडवी
चसका पुं० चसको; तलब; लत.**–पड़ना**
चसना अ०क्रि० चोटवुं; लागवुं; वाझवुं
चसपाँ वि० जुओ 'चस्पाँ'
चसम,–मा जुओ 'चश्म, चश्मा'
चस्पाँ वि० [फा.] चोटाडेलुं
चह पुं० नदीनो डक्को (२) स्त्री० [फा. चाह] खाडो
चहक,–कार स्त्री० कलरव
चहकना, चहकारना अ०क्रि० कलरव करवो (२) उमंगथी खूब बोलवुं
चहचहा पुं० कलरव (२) ठिठियारी (३) वि० आनंद करावनारुं
चहचहाना अ० क्रि० जुओ 'चहकना'
चहना स० क्रि० (प.) चाहवुं; इच्छवुं (२) देखवुं
चहबच्चा पुं० पाणी भरी राखवानो खाडो के होज; चहेबचो (२) धन संताडवानुं जमीन अंदरनुं भंडकियुं
चहर, ०पहर स्त्री०जुओ 'चहल,०पहल'
चहल स्त्री० आनंदोत्सव (२) कीचड (३) वि० [फा.] 'चेहल'; ४०
चहलक़दमी स्त्री० जुओ 'चेहलक़दमी'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

चहल-पहल स्त्री० धामधूम
चहला पुं० 'चहल'; कीचड
चहार वि० [फा.] चार
चहारदीवारी स्त्री० कोट; वंडो; घेरो
चहारशंबा पुं० [फा.] बुधवार
चहारुम वि० [फा.] चतुर्थांश (२) चोथुं
चहुं,-हूँ वि० (प.) चार; चारेय
चहूंटना अ० क्रि० चोटवुं
चहेटना स० क्रि० निचोड काढवो
चहेता वि० प्रिय; वहालुं (स्त्री०**-ती**)
चहोरना अ०क्रि० छोडने एक जगाएथी बीजी जगाए चोडवो (२) संभाळ राखवी
चाँई वि० धूर्त; चालाक (२) तालवाळुं
चाँकना स० क्रि० आंकवुं; हद बांधवी (२) ओळखवा निशानी करवी
चाँगला वि० चंग; स्वस्थ (२) चतुर
चाँचु पुं० (प.) चांच
चाँटा पुं० थप्पड (२) (प.) मंकोडो
चाँटी स्त्री० तबलानी चांट के तेनो अवाज (२) (प.) कीडी मंकोडी
चाँड वि० चंड; उग्र; प्रबळ (२) स्त्री० भारे अगत्य; गरज (३) टेको; थांभलो
चांडाल पुं० [सं.] चंडाळ (२) क्रूर नीच कर्म करनार
चाँद पुं० चांदो (२) स्त्री० तालकुं. **-का टुकड़ा**=बहु रूपवान माणस. **-पर थूकना**=कोई सज्जनने एब लगाडवा जतां पोताने ज लागवी
चाँदना पुं० अजवाळुं (२) चांदनी
चाँदनी स्त्री० चांदनी (२) बिछाववानी सफेद चादर (३) सफेद चंदरवो
चाँदमारी स्त्री० बंदूकथी निशान ताकवानुं शीखवुं ते
चाँदी स्त्री० चांदी (२) तालकुं; 'चाँद' (३) सारो आर्थिक लाभ. **-का जूता**= लांच. **-काटना**=खूब कमावुं
चांद्र वि० [सं.] चंद्रनुं, -ने लगतुं (२) पुं० चंद्रकांत मणि (३) आदु (४) चांद्रायण व्रत [एक कठण व्रत
चांद्रायण पुं० [सं.] महिनामां पूरुं थतुं
चाँप स्त्री० चांपवुं - दवाववुं ते (२) धक्को (३) प्रेरणा (४) बंदूकनी चांप
चाँपना स० क्रि० चांपवुं; दवाववुं
चाँयँ चाँयँ, चाँवँ चाँवँ स्त्री० चवचव; बकवाद [लर; कुलपति
चांसलर पुं०[इं.] युनिवर्सिटीनो चान्से-
चाक पुं० चाक; चक्र; गरेडी इ० (२) [फा.] चीरो (३) वि० चिरायेलुं; फाटेलुं
चाक़ वि० [तु.] दृढ; मजबूत (२) चपळ; फूर्तीलुं
चाकचक वि० सुरक्षित; मजबूत
चाकचक्य पुं० [सं.] चकचकाट; चळकाट
चाक-चौबंध वि० हृष्टपुष्ट - दृ भरावदार (शरीर)
चाकना स० क्रि० जुओ 'चाँकना'
चाकर पुं० [फा.] नोकर; दास; सेवक
चाकर(-रा)नी स्त्री० चाकरडी; दासी
चाकरी स्त्री० [फा.] नोकरी; सेवा
चाकी स्त्री० चक्की; घंटी
चाकू पुं० [तु.] चप्पु; चाकु [प्रत्यक्ष
चाक्षुष वि० [सं.] चक्षु - आंख विषे (२)
चाखना स० क्रि० चाखवुं
चाचा पुं० (स्त्री० **-ची**) 'चचा'; काका
चाट स्त्री० तीखुं खावानो चटको; शोख (३) आदत; टेव (४) चटपटी; चळ (५) तीखी चीज के फरसाण [जवुं
चाटना स० क्रि० चाटवुं (२) चट करी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

चाटु पुं० [सं.] प्रिय वात (२) खुशामद
चाटुकार पुं० [सं.] खुशामत करनार
चाड़ी स्त्री० पीठ पाछळ निंदा; वूगली
चाढ़ा वि० (प.) प्यारुं (२) प्रेमी; आसक्त
चातक पुं० [सं.] चातक पक्षी [चतुरता
चातुरी स्त्री०, **–र्य** पुं० [सं.] चतुराई;
चादर स्त्री० चादर (२) दुपट्टो (३) पतरुं (४) पाणीनो सपाट वहेतो प्रवाह. **–उतारना**=वेआवरू करवुं. **–ओढ़ाना, –डालना**=विधवाविवाह करवो. **–तानकर सोना**=सोडो ताणीने–निरांते सूवुं. **–देखकर पाँव फैलाना**=मर्यादा समजी चालवुं; गजामां रहीने खर्चवुं. **–रहना**=लाज आवरू रहेवी [पुं० [सं.] धनुष
चाप स्त्री० चाल; पगलांनो अवाज (२)
चापट, –ड़ स्त्री० 'चोकर'; भूसुं; घउंना लोटनुं चळामण (२) वि० चपटुं (३) सपाट
चापना स०क्रि० चांपवुं; दबाववुं; 'चाँपना'
चापल, –ल्य पुं० [सं.] चपळता; चंचळता; चालाकी (२) उतावळ
चापलूस वि० [फा.] खुशामतियुं
चापलूसी स्त्री० [फा.] खुशामत
चाव स्त्री० दाढ
चावना स० क्रि० चाववुं
चावी, –भी स्त्री० चावी (ताळा, घडियाळ, यंत्र वगेरेनी)
चाबुक पुं० [फा.] चाबुक; सोटो (२) वि० स्फूर्तीलुं; तेज
चाबुक-सवार पुं० [फा.] घोडो पलोटनार; घोडो केळवनार. (नाम, **–री** स्त्री०)
चाय स्त्री० चा. **०दानी** स्त्री० चादानी; कीटली. **०पानी**=चापाणी; नास्तो
चाय स्त्री० (प.) जुओ 'चाव'. **०क** वि० (प.) चाहक
चाय-दानी, –पानी स्त्री० जुओ 'चाय' मां
चार वि० चार (२) थोडुंक (२) पुं० [सं.] चाल; गति. **–आँखें होना**= नजर मळवी. **चारों फूटना**=अंध थवुं; अन्तर बाह्य चारे आंख जवी
चारखाना पुं० [फा.] एक जातनुं कपडुं
चारजामा पुं० [फा.] घोडानुं जीन–पलाण
चारण, –न पुं० बंदीजन; भाटचारण
चारदीवारी स्त्री० जुओ 'चहारदीवारी'
चारना स० क्रि० (प.) चराववुं; चारवुं
चार-नाचार अ० [फा.] निरुपाय–लाचार थईने; ना छूटके
चारपाई स्त्री० खाटलो. **–धरना, –पकड़ना, –पर पड़ना, –लेना**= बीमारीथी पथारीवश थवुं (२) सूवुं. **–से लगना**=बीमारीथी पथारीमांथी न उठावुं [रूमाल के चादर
चारबाग़ पुं० चोखंडो वाग (२) चतुरंगी
चारयारी स्त्री० एक सुन्नी संप्रदाय
चारशंवा पुं० जुओ 'चहारशंबा'
चारा पुं० चारो; घास (२) [फा.] चारो; रस्तो; उपाय
चारित्र, –त्र्य पुं० [सं.] चरित; चालचलगत
चारु वि० [सं.] सुंदर; प्रिय; मनोहर
चार्ज पुं० [इं.] कामनो भार; सुपरत (२) किंमत; भाव (३) आरोप
चार्टर पुं० [इं.] सनद; परवानो; अधिकारपत्र [(३) दगो; छळ
चाल स्त्री० चाल; गति (२) ढंग; रीत
चालचलन पुं०, **चालढाल** स्त्री० चाल-चलगत; रीतभात

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

चालना स०क्रि० चाळवुं (२) चलाववुं; हलाववुं (३) अ०क्रि० पहेले आणे जवुं
चालबाज़ वि०कपटी; चालाक; दगाबाज
चाला पुं० रवानगी (२) वधूने पहेली वार सासरेथी के पियरथी वळाववी ते (३) जवानुं महुरत
चालाक वि०[फा.] चतुर; होशियार (२) पहोंचेल; पक्कुं. **–की** स्त्री०
चालान पुं० जुओ 'चलान'
चालिया, चाली वि० जुओ 'चालबाज़'
चालीस वि० ४०; चाळीस. **०वाँ** वि० चाळीसमुं (२) पुं० मरण पछीनुं चाळीस दिवसे थतुं कार्य के विधि (मुसलमानोमां); 'चेहलुम'
चाव पुं० चाह; प्रेम (२) प्रबळ इच्छा; आतुरता (३) आनंद; उमंग
चावल पुं० चोखा (२) भात (३) चोखाभार तोल
चाशनी स्त्री०[फा.] त्रासणी (२) चसको; लिज्जत
चास स्त्री० खेती
चासना अ० क्रि० खेडवुं
चासा पुं० खेडूत
चाह पुं० [फा.] कूवो
चाह स्त्री० चाहना; प्रेम (२) इच्छा (३) माग; जरूर (४) (प.) खबर
चाहक पुं० (प.) चाहनार; प्रेमी
चाहत स्त्री० (प.) चाह; प्रेम
चाहना स०क्रि० चाहवुं (२) मागवुं; इच्छा करवी (३) स्त्री० जरूर
चाहि अ० (प.) -ना करतां (चडियातुं)
चाहिए,–ये क्रि० उचित छे; घटे छे; जोईए
चाही वि० [फा.] कूवावाळी; कुवेतर (जमीन)
चाहे अ० गमे तेम; इच्छा मुजब

चिआँ पुं० आमलीनो कचूको
चिउँटा पुं० 'चींटा'; मंकोडो
चिउँटी स्त्री० 'चींटी'; कीडी. **–के पर निकलना**=मरणतोल थवुं
चिगना पुं० पक्षीनुं–खास करीने मरघीनुं बच्चुं
चिघाड़ स्त्री० चीस
चिघाड़ना अ० क्रि० चीस पाडवी
चिंतक वि०[सं.]चिंतन करनार; विचारक
चिंतन पुं०[सं.] विचारवुं ते; मनन; ध्यान
चिंता स्त्री० [सं.] चिंतन (२) फिकर; विमासण
चिंतित वि० [सं.] चिंतामां पडेलुं
चिंदी स्त्री० चींदरडी; टुकडो (कागळ के कपडानो)
चिउड़ा, –रा पुं० पौंआ; 'चिड़वा'
चिक स्त्री०[तु.] चक (२) पुं० कसाई (३) स्त्री० चसक; झटको
चिकट वि० चीकटथी मेलुं; मेल जामेलुं (२) चीकटुं
चिकटना अ० क्रि० मेलुं–चीकटुं थवुं
चिकन स्त्री० [फा.] एक झीणुं कापड
चिकना वि० [सं. चिक्कण] चीकणुं (२) लपसणुं (३) साफ; सुंवाळुं; सुंदर (४) माखणियुं; खुशामतियुं (५) प्रेमी (६) पुं० चीकट. **–घड़ा**=निर्लज्ज. **चिकनी चुपड़ी बातें**=मीठी मीठी कृत्रिम बात
चिकनाई,–हट स्त्री०चीकाश; चीकणापणुं
चिकनाना स० क्रि० 'चिकना' करवुं (२) अ०क्रि० 'चिकना' थवुं, जुओ 'चिकना'
चिकनिया वि० छेलबटाउ – शोखीन
चिका(–क्का)र पुं० चीत्कार; चीस
चिकारना अ० क्रि० चीस पाडवी

पुस्तकालय गुरुकुल कांगड़ी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

चिकारा पुं० सारंगी जेवुं एक वाद्य; चिकारी (२) चिकारडुं–एक जंगली जानवर
चिकित्सक पुं० [सं.] वैद; दाक्तर
चिकित्सा स्त्री० [सं.]रोगनो इलाज;वैदुं
चिकित्सालय पुं० [सं.] इस्पिताल; दवाखानुं
चिकुटी, चिकोटी स्त्री० चपटी (२) चूंटी
चिकुर पुं० [सं.] केश; वाळ
चिक्कण वि० [सं.] चीकणुं
चिक्कार पुं० जुओ 'चिकार'
चिक्कारा पुं० 'चिकारा'; चिकारडुं
चिखुरी स्त्री० 'गिलहरी'; खिसकोली
चिचड़ा पुं०,**–ड़ी** स्त्री० जुओ 'किलनी'
चिचियाना अ०क्रि० शोरबकोर करवो; 'चिल्लाना'
चिजारा पुं० कडियो
चिट स्त्री० चिठ्ठी; रुक्को
चिटकना अ० क्रि० तडकवुं; ततडवुं; तरडावुं (२) गुस्से थवुं
चिटनवीस पुं० चिटनीस [वि० सफेद
चिट्टा पुं० खोटो उत्साह के हिंमत (२)
चिट्ठा पुं० रोजमेळ; चोपडो (२) वार्षिक सरवैयुं (३) यादी (४).पगार के मजूरीनी रकम (५) बिल. **कच्चा-चिट्ठा**=पूरेपूरो हेवाल [पत्र
चिट्ठी स्त्री० चिठ्ठी; 'चिट' (२) कागळ;
चिट्ठी-पत्री स्त्री० चिठ्ठी-पत्री; कागळ-पत्र (२) पत्रव्यवहार
चिट्ठीरसाँ पुं० टपाली
चिड़चिड़ा वि० चीडियुं; झट चिडानारुं
चिड़चिड़ाना अ० क्रि० चिडावुं (२) ततडी जवुं (३) बळतां तड तड थवुं
चिड़वा पुं० [सं. चिपिट] पौंआ
चिड़ा पुं० चकलो; चकलीनो नर
चिड़ि(–रि)या स्त्री० पक्षी (२) पत्तानी एक भात. **–का दूध**=अप्राप्य वस्तु; गगनकुसुम [पक्षीनुं संग्रहस्थान
चिड़ियाखाना, चिड़ियाघर पुं० पशु-
चिड़िहार पुं०(प.) पारधी [पुं० पारधी
चिड़ी स्त्री० पक्षी (२) चकली. **०मार**
चिढ़ स्त्री० चीड; गुस्सो; नफरत
चिढ़ना अ० क्रि० चिडावुं
चिढ़ाना स० क्रि० चीडववुं
चित पुं० [सं.] चित्त; मन (२) वि० एकठुं करेलुं (३) चीत; चत्तुं
चितकबरा, चितला वि० काबरचीतरुं
चितचोर वि० (२) पुं० मनोहर; चित्त हरी ले एवुं
चितरना स०क्रि०(प.) चीतरवुं; नकशी वगेरे काढवुं
चितवन, चितौन स्त्री० नजर; दृष्टि. **–चढ़ाना**=गुस्सानी दृष्टि करवी
चिता स्त्री० [सं.] चिता; चेह
चिताना स० क्रि० चेतववुं
चितारी पुं० 'चितेरा'; चितारो
चितावनी, चितौनी स्त्री० चेतवणी; 'चेतावनी'
चितेरा पुं० चितारो
चित्त पुं० [सं.] मन; अंतःकरण
चित्ती स्त्री० डाघो; टपकुं (२) नानी कोडी (३) चीतळ साप
चितौन स्त्री० जुओ 'चितवन'
चितौनी स्त्री० जुओ 'चितावनी'
चित्र पुं०[सं.] चित्र; छबी; आकृति (२) चांल्लो के तिलक (३) वि० विचित्र; अद्भुत;रंगबेरंगी.**–उतारना,–खींचना**=चित्र काढवुं के वर्णनादिथी खडुं करवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

चित्रकार पुं०[सं.] चितारो. **–री** स्त्री० चित्रविद्या
चित्रण पुं० [सं.] चीतरवुं ते
चित्रपट पुं० [सं.] जेना पर चीतयुं होय ते (२) सिनेमा
चित्रविचित्र वि० [सं.] रंगबेरंगी (२) नकसीदार [रंगबेरंगी
चित्रित वि० [सं.] चीतरेलुं (२) चित्र;
चिथड़ा पुं० चींथरुं [अपमानवुं
चिथाड़ना स०क्रि० चीरवुं; फाडवुं (२)
चिदात्मा, चिदानंद पुं०[सं.] चैतन्य; ब्रह्म
चिद्विलास पुं० [सं.] माया; लीला
चिनक स्त्री० बळतरा(जेम के पेशाबमां)
चिनगारी, चिनगी स्त्री० तणखो; चिणगारी
चिनिया वि० चिनाई; चीननुं (२) चीनी माटी जेवुं; सफेद. **–केला**=नानी जातनुं केळुं. **–बदाम**=चिनाईसींग; मगफळी
चिन्हार वि० परिचित(नाम,**–री** स्त्री०)
चिपक(–ट)ना अ०क्रि० चोटवुं;वळगवुं
चिपकाना स०क्रि० चोटाडवुं; लगाडवुं
चिपचिपा वि० चीकणुं; चोटे एवुं
चिपचिपाना अ०क्रि० चीकणुं लागवुं
चिपटा वि० चपटुं
चिपड़ी,–री स्त्री० छाणुं. **–पाथना** = छाणुं थापवुं [(२) पोपडी
चिप्पड़ पुं० नानो चपटो ककडो; चापडो
चिप्पी स्त्री० नानो 'चिप्पड़'
चिबुक पुं०[सं.] 'ठोड़ी'; हडपची; दाढी
चिमटना अ०क्रि० चोटवुं (२) वळगवुं (प्रेरक–चिमटाना)
चिमटा पुं० चमठो; चीमटो; चीपियो
चिमटी स्त्री० नानो चीपियो
चिमड़ा वि० जुओ 'चीमड़'

चिरंजीव वि०[सं.] चिरंजीवी (२) पुं० पुत्र (३) 'घणुं जीवो' एवो आशीर्वाद
चिरंतन वि० [सं.] पुरातन; प्राचीन
चिर वि० (२) अ० लांबा वखतनुं; जूनुं
चिरकना अ० क्रि० चरकवुं; जराक अघवुं; जरा जरा घणी वार अघवुं
चिरकीन वि० [फा.] मेलुं; गंदुं
चिरकुट पुं० फाटेलुं वस्त्र; चींथरुं
चिरना अ०क्रि० ('चीरना' नुं कर्मणि) फाटवुं; चिरावुं
चिरमि(०टी) स्त्री० चनोठी
चिरवाई स्त्री० चिरामण;चिराववुं ते(२) पहेला वरसाद पछीनी खेड [चिराववुं
चिरवाना स०क्रि० 'चीरना' नुं प्रेरक;
चिराँदा स्त्री० वाळ चामडुं इ०बळवानी गंध (२) बदनामी (३) वि० चीडियुं; 'चिड़चिड़ा'
चिरा अ० [फा.] केम ? शा माटे ? **चूँ व चिरा करना**=चेंचूं करवुं
चिराई स्त्री० जुओ 'चिरवाई'
चिराग़ पुं० [फा.] दीवो. **–जले**=दीवा-वखते. **०दान** पुं० दीवी.**–बत्तीका वक़्त** =दीवा-वखत; संध्या
चिराना स०क्रि० चिराववुं (२) वि० प्राचीन; पुराणुं [=बदनामी फेलावी
चिरायँध स्त्री०जुओ 'चिराँदा'.**–फैलना**
चिरायता पुं० करियातुं
चिरायु वि० [सं.] चिरंजीव; दीर्घायु
चिरिया पुं० जुओ 'चिड़िया'
चिरौंजी स्त्री० चारोळी
चिलक स्त्री० चळक (२) सणको
चिलकना अ०क्रि० चमक चमक थवुं; चळकवुं (२) सणको नांखवो (प्रेरक चिलकाना)

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

चिलग़ोजा पुं० [फा.] एक मेवो
चिलचिल स्त्री० अवरख [चीस पाडवी
चिलचिलाना अ०क्रि० चमकवुं (२)
चिलड़ा पुं० एक पकवान [चंचळ
चिलबिला(–ल्ला) वि० 'चुलबुला';
चिलम स्त्री० [फा.] चलम
चिलमची स्त्री० [तु.] अंदर हाथ-मों धोवानुं एक वासण (२) चलम पीनार
चिलमन स्त्री० [फा.] 'चिक'; चक
चिल्लड़ पुं० जुओ 'चीलर'
चिल्लपों स्त्री० शोरबकोर
चिल्लवाना स०क्रि० 'चिल्लाना'नुं प्रेरक
चिल्ला पुं०[फा.] चाळीस दिवस के तेनुं व्रत के पुण्यपर्व (२) प्रसवना चाळीस दिवस (३) धनुषनी दोरी. **–खींचना** =चाळीस दिवस एकांतमां ईश्वरोपासनामां गाळवा. **–बाँधना**=चाळीस दिवसनुं व्रत करवुं. **चिल्लेका जाड़ा**= खूब ठंडी
चिल्लाना अ०क्रि० शोर करवो;बुमराण करवुं ['चिल्लपों'
चिल्लाहट स्त्री० शोर करवो ते;
चिहुँकना अ० क्रि० (प.) चोंकवुं; चमकवुं [(२) चोंटवुं
चिहुँटना स०क्रि० (प.) चूंटी खणवी
चिहूँटी स्त्री० चूंटी; चीमटी (२) चपटी
चिह्न पुं० [सं.] निशानी. **–ह्नित** वि० चिह्नवाळुं; अंकित
चीं स्त्री० [फा.] चहेरा पर पडती करचोळी. **–ब-जबीं होना**=गुस्से थवुं
चीं-चपड़ स्त्री० सामे जवाव आपवो ते
चींटा पुं० जुओ 'चिउँटा' (स्त्री० **–टी**)
चीक स्त्री० 'चीख'; चीस (२) पुं० कसाई (३) कीचड़
चीकट वि० बहु मेलुं (२) पुं० तेलनो मेल (३) एक रेशमी वस्त्र
चीख़ स्त्री० चीस
चीख़ना अ०क्रि० चीस पाडवी
चीखना स० क्रि० 'चखना'; चाखवुं
चीज़ स्त्री०[फा.] चीज; वस्तु (२) जणस (३) गायन के राग (४) विलक्षण के महत्त्वनी वस्तु [सरसामान
चीज़-वस्तु स्त्री० जणस-भाव (२)
चीठी स्त्री० चिठ्ठी
चीड़(–ढ़) पुं० चीडनुं झाड
चीतना स०क्रि० चिंतवुं; विचारवुं (२) याद करवुं (३) चीतरवुं [साप
चीतल पुं० एक जातनुं हरण (२) चीतळो
चीता पुं० चित्तो (२) चित्त
चीत्कार पुं० [सं.] चीस; बुमराण
चीथड़ा(-रा) पुं० चींथरुं
चीथना स०क्रि०(कपडुं) फाडवुं [उत्तम
चीदा वि० [फा.] पसंद करेलुं; चूंटेलुं (२)
चीन पुं० [सं.] धजा (२) सीसुं (३) दोरो (४) एक रेशमी वस्त्र (५) चीन देश
चीनना स०क्रि० जुओ 'चीन्हना'
चीना पुं० चीनो; चीननो वतनी (२) वि० चीननुं
चीनी स्त्री० खांड
चीन्हना स०क्रि० चीनवुं; ओळखवुं
चीपड़ पुं० चीपडुं
चीफ़ वि० [इं.] मुख्य (२) पुं० राजा; सरदार. **०कमिश्नर, ०जस्टिस, ०जज** इ० मां
चीमड़ वि० चवड; चामडा जेवुं
चीर पुं० [सं.] वस्त्र (२) चींथ (३) स्त्री० चीरवुं ते
चीरना स०क्रि० चीरवुं; फाडवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

चीरफाड़ स्त्री० वाढकाप (२) चीरवुं फाडवुं ते
चील स्त्री० [सं. चिल्ल] समडी पक्षी. **–का मूत**=शशविषाण; असंभव वस्तु.
चील-झपट्टा पुं० चीलझपट; झडपी लेवुं ते (२) एक बाळरमत [जंतु
चीलर पुं० गंदा वस्त्रमां पडतुं जू जेवुं एक
चील्ह स्त्री० चील; समडी
चीवर पुं० [सं.] संन्यासीनो चोळो, कंथा (२) बौद्ध भिख्खुनुं वस्त्र
चुंगल पुं० [फा.] पंजो (२) पकड (३) 'चंगुल'; चांगळुं [टोल; दाण
चुंगी स्त्री० चपटी जेटली वस्तु (२)
चुंगी-घर पुं० टोलनुं नाकुं
चुंदी स्त्री० चोटली
चुंधलाना अ०क्रि० जुओ 'चौंधियाना'
चुंधा वि० चूंधळुं; चूंखडुं
चुंधियाना अ० क्रि० जुओ 'चौंधियाना'
चुंबक पुं० [सं.] लोहचुंबक (२) घडानो फांसो के गाळो (३) वि० कामी
चुंबन पुं० [सं.] चूमवुं ते; बच्ची
चुंबना स०क्रि० (प.) 'चूमना'; चूमवुं
चुअना अ०क्रि० 'चूना'; चूवुं
चुआन स्त्री०खाई; नहेर [(२)चोपडवुं
चुआना स०क्रि० चुवडाववुं; टपकाववुं
चुक़ंदर पुं० [फा.] गाजर जेवुं एक शाक
चुकना अ०क्रि० ('चूकना' नुं कर्मणि) चूकवावुं; चूकतुं थवुं; बाकी न रहेवुं; पतवुं (२) पूरुं थवुं; (३) (प.) चूकवुं; 'चूकना'
चुकरैंड पुं० चाकळण साप
चुकाई स्त्री० चूकते थवुं ते
चुकाना अ०क्रि० चुकाववुं [चुकादो
चुकौता पुं० देवुं चूकते थवुं ते; देवानो
चुक्कड़ पुं० कुलडी
चुग़द पुं० [फा.] घुवड; (२) उल्लु; मूर्ख
चुगना स०क्रि० (पक्षीनुं) चूगवुं [निंदा
चुग़ल पुं०, **–ली** स्त्री० चाडी; चुगली;
चुग़लख़ोर पुं० [फा.] चुगली करनारो (नाम **–री** स्त्री०)
चुग़ली स्त्री० जुओ 'चुगल'. **–करना, खाना, लगाना**=चुगली करवी
चुग़ा पुं० जुओ 'चोगा'
चुगाई स्त्री० चूगवुं ते
चुगाना स०क्रि० पक्षीने दाणा नांखवा; चुगाववुं
चुचकारना स०क्रि० (रव०) चूमवानो अवाज करी बोलवुं; वहाल करवुं
चुचकारी स्त्री० (चूमवानो) बचकारो
चुचाना अ० क्रि० चूवुं; टपकवुं
चुटकना अ०क्रि० चाबुक मारवी (२) 'चुटकी'–चपटीथी तोडवुं
चुटकी स्त्री० चपटी (२) चूंटी.**–भरना**=चूंटी खणवी.**–लेना**=मश्करी करवी (२) टोणो मारवो; कटाक्ष करवो
चुटकुला पुं० मजेदार वात (२) दवानो सारो नुसखो. **–छोड़ना**=कोई मजानी वात छेडवी
चुटिया स्त्री० चोटली
चुटीला वि० चोट लागी के घा थयो होय एवुं (२) सौथी उपरनुं; उत्तम
चुटैल वि० 'चुटीला'; घायल
चुड़िहारा पुं० (स्त्री० **–रिन**) चूडगर
चुड़ैल स्त्री० चुडेल
चुनचुना वि० चचणे एवुं (२) पुं० झाडामां नीकळतो करमियो
चुनचुनाना अ०क्रि० चणचणवुं
चुनट(–न) स्त्री० करचली; गडी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

चुनना स०क्रि० चूंटवुं; पसंद करवुं (२) वीणवुं (३) सजवुं; ठीकठाक करवुं (४) (दीवाल इ०) चणवुं (५) चूंटवुं (जेम के फूल) (६) कपडानी कल्ली करवी

चुनरी स्त्री० चूंदडी [प्रेरक

चुनवाना, चुनाना स०क्रि० 'चुनना' नुं

चुनांचे अ० [फा. चुनांचिह्] दाखला तरीके (२) एटले; अतः

चुनाई स्त्री०, **चुनाव** पुं० चूंटणी

चुनिंदा वि० चुनंदा; उत्तम; श्रेष्ठ

चुनी स्त्री० 'चुन्नी'; चूनी

चुनौटी स्त्री० चूनानी डबी; चूनादानी

चुनौती स्त्री० उश्केरणी (२) आह्वान; पडकार

चुन्नी स्त्री० 'चुनी'; चूनी (२) वहेर (३) अनाजनी कणकी

चुप वि० चूप; शांत; मूक (२) स्त्री० मौन. –चाप, –चुप, –चुपाते = चूपचाप; गुपचूप

चुपका वि० चूपकी राखनार; मौनी. –करना = चूपकी राखवी; चूप थवुं

चुपकेसे अ० चूपकीभेर; चूपचाप

चुपड़ना स०क्रि० चोपडवुं; 'पोतना'

चुप्पा वि० (स्त्री०,–प्पी) जुओ 'चुपका'

चुप्पी स्त्री० चूपकी; मौन

चुब(–भ)लाना स०क्रि० ममळाववुं

चुभकना अ०क्रि० डूबकी खावी

चुभकी स्त्री० डूबकी [चुभोना, प्रेरक)

चुभना अ० क्रि० भोंकावुं (**चुभाना,**

चुभलाना स०क्रि० जुओ 'चुबलाना'

चुमकार पुं० वचकारो

चुमकारना स०क्रि० प्रेमथी चूमवाना जेवो अवाज करवो; बचकारवुं

चुम्मा पुं० चूमी; 'चूमा'

चुरकी स्त्री० चोटली

चुरना अ०क्रि० चडवुं; सीझवुं (२) खानगी मसलत करवी (३) पुं० करमियो; 'चुनचुना'

चुरमुर पुं० (रव०) दबावाथी थतो अवाज, जेम के चणानो, सूकां पाननो

चुरमुरा वि० 'चुरमुर' अवाज करे एवुं (जेम के, पापड)

चुरमुराना अ० क्रि० 'चुरमुर' अवाज करी तूटवुं (२) स०क्रि० तेवा अवाजथी तोडवुं

चुराई स्त्री० चोरवुं ते

चुराना स०क्रि० चोरवुं (२) छुपाववुं (३) उचित मनाय ते न करतां तेमां कसर राखवी

चुरुट पुं० [इं.] चिरूट; एक विलायती बीडी

चुल (०चुली) स्त्री० खंजवाळ

चुलचुलाना अ०क्रि० खंजवाळ आववी

चुलबुला वि० चंचळ (२) नटखट

चुलबुलाना अ०क्रि० 'चुलबुला' थवुं. (नाम, –हट स्त्री०)

चुलुक पुं० [सं.] चांगळुं (२) खूब कीचड

चुल्लू पुं० अंजलि; चांगळुं. **–भर पानीमें डूब मरना** = ढांकणीमां पाणी घालीने डूबी मरवुं; खूब शरमावुं. **–में उल्लू बनना** = जरा भांग के दारू पीने गांडुं के बेभान थवुं. **चुल्लुओं रोना** = खूब रडवुं

चुसकी स्त्री० चूसवुं ते (२) घूंटडो

चुसना अ०क्रि० ('चूसना' नुं कर्मणि) चुसावुं (२) शोषावुं; सार जतो रहेवो (३) खाली थवुं

चुसनी स्त्री० बाळकनी धावणी के दूधनी शीशी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

चुसाना स० क्रि० 'चूसना' नुं प्रेरक (नाम, -ई स्त्री०)
चुस्त वि०[फा.] तंग; कसेलुं (२) चुस्त; दृढ; मजबूत (३) फूर्तिलुं; तत्पर.-(व) चालाक=चतुर; तेज.(नाम,-स्ती स्त्री०)
चुहँ(-ह)टी स्त्री० चूंटी के चपटी; 'चुटकी'
चुहचुहा(०ता) वि० चूतुं; रसयुक्त
चुहचुहाना अ०क्रि० रस टपकवो (२) पक्षीनुं बोलवुं; कलरव करवो
चुहटी स्त्री० जुओ 'चुहँटी'
चुहल स्त्री० मजाक; हांसी; ठठ्ठो
चुहलबाज वि० मश्करुं; टीखळखोर
चहिया स्त्री० उंदरडी
चूँ पुं० चकलीनुं चूं चूं (२) धीमो अवाज. -चाँ=चूंचां
चूँकि अ०[फा.] 'क्योंकि'; एटला माटे के
चूँचरा पुं०[फा.] सामे चूंचां के आनाकानी करवी ते (२) बहानुं
चूँचूँ अ० चकलीनो अवाज
चूँदरी स्त्री० चूंदडी; 'चूनरी'
चूक स्त्री०, भूल; चूकवुं ते (२) पुं० 'चूका'; खाटियुं शाक (३) वि० बहु खाटुं; खाटुं चैड [खोवुं;
चूकना अ०क्रि० चूकवुं; भूल करवी (२)
चूका पुं० 'चूक'; एक शाक-खाटियुं
चूची स्त्री०; चूचुक पुं० [सं.] स्तन
चूजा पुं० [फा.] मरघीनुं बच्चुं
चूड़ा स्त्री० माथुं (२) चोटली; कलगी (३) पुं० चूडो. ०करण, ०कर्म पुं० वाळ उतारवानो एक संस्कार
चूड़ी स्त्री० पहेरवानी के ग्रामोफोननी चूडी. **चूड़ियाँ ठंडी करना या तोड़ना** =विधवा थवुं; चूडो भांगवो. **चूड़ियाँ पहनाना**=विधवाविवाह करवो. **चूड़ियाँ बढ़ाना**=हाथथी चूडी काढवी. (-उतारना कहेवुं अशुभ गणाय छे.)
चूड़ीदार वि० चूडी जेवां वलयवाळुं (२) पुं० तेवो पायजामो
चूतड़(-र) पुं० धगडो; कूलो.-**दिखाना** =पीठ बताववी; नासवुं. -**पीटना, -बजाना**=खूब खुश थवुं
चून पुं० चूर्ण; आटो
चूनर,-री स्त्री० 'चुनरी'; चूंदडी
चूना पुं० चूनो (२) अ० क्रि० चूवुं (३) नीचे पडवुं; गरवुं [चूनानी डब्बी
चूना(-ने)दानी स्त्री० 'चुनौटी';
चूनी स्त्री० 'चुन्नी'; चूनी (२) कणकी. -भूसी स्त्री० कूसका कणकी इ०; 'चोकर'
चूमना स०क्रि० चूमवुं; चुंबन करवुं
चूमा पुं० चूमी; चुंबन [चकचूर
चूर पुं० चूरो (२) वि० तल्लीन (३)
चूरण,-न पुं० चूरण; भूकी
चूरमा पुं० चूरमुं-एक पकवान
चूरा पुं० चूरो; भूको
चूर्ण पुं०[सं.] चूरण (२) अबील (३) धूळ (४) चूनो (५) कोडी (६) वि० चूरो करायेलुं
चूल स्त्री० सालमां बेसाडवा तैयार करेलो लाकडाना सांधानो भाग (२) चणियारामां फरतो बारणानो छेडो (३) पुं० [सं.] चोटली. **चूलें ढीली होना**=सांधा ढीला थई जवा; खूब थाकवुं
चूल्हा पुं० [सं. चुल्लि] चूलो
चूसना स०क्रि० चूसवुं (२) शोषण करवुं
चूहड़ा(-रा) पुं०, (स्त्री०-ड़ी) भंगी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

चूहा पुं० उंदर
चूहादान पुं० उंदरियुं
चें स्त्री० चें अवाज. ०**चैं**, ०**पैं** स्त्री० चेंचेंपेंपें; बकवाद [जजनी चेंबर
चेंबर पुं० [इं.] सभागृह; ओरडो (२)
चें अ० [फ़ा.] शुं?
चेअर स्त्री० [इं.] खुरशी. ०**मेन**, ०**मैन** पुं० प्रमुख; सभापति
चेक पुं० [इं.] नाणांनो चेक. **–काटना** =चेक फाडवो के लखवा [वळिया
चेचक स्त्री० [फ़ा.] शीतळामातानो रोग;
चेचक-रू वि० [फ़ा.] मों पर वळियानां चाठांवाळुं
चेटक पुं० [सं.] दास; सेवक (२) जादु के तेनो खेल (३) तमासो; भवाई (४) उतावळ; जलदी
चेटका स्त्री० स्मशान (२) चिता
चेटकी पुं० जादुगर; बाजीगर
चेटुवा पुं० चकलीनुं बच्चुं
चेटिका(–की), **चेटी** स्त्री० [सं.] दासी
चेत पुं० चेतना; होंश; भान (२) चित्त
चेतन वि० [सं.] चेतनावाळुं; जीवतुं (२) पुं० चैतन्य; प्रभु; आत्मा
चेतना स्त्री० [सं.] होश; भान (२) चेतनपणुं (३) बुद्धि (४) अ०क्रि० चेतवुं; सावध थवुं (५) स०क्रि० चितवुं; विचारवुं ['चितावनी'
चेतवनि, **चेतावनी** स्त्री० चेतवणी;
चेना पुं० चीणो
चेप पुं० कोई चीकणो रस; चीकाश
चेर(–रा) पुं० (प.) चेलो ( ) नोकर. (स्त्री० **चेरि(-री)**; नाम **चेराई** स्त्री०)
चेल पुं० [सं.] वस्त्र [–ली)
चेला पुं० चेलो; शिष्य. (स्त्री० **–लिन**,
चेष्टा स्त्री० [सं.] चेष्टा; चाळा (२) प्रयत्न; कोशिश (३) काम (४) इच्छा
चेस पुं० [इं.] शेतरंज (२) छापवानां बीबां गोठवेलुं चोकठुं
चेहरा पुं० [फ़ा.] चहेरो (२) आगलो भाग (३) ओळखवानी चहेरा वगेरेनी निशानी. **चेहरा(–रे) पर हवाइयाँ उड़ना**=डर के गभराटथी चहेरानो रंग ऊडी जवो. **–बिगाड़ना**=खूब मारवुं. **–लिखना**, **–होना** = फोजमां नाम लखाववुं – भरती थवुं
चेहरा-कुशा पुं० [फ़ा.] चित्रकार. (नाम ०ई स्त्री०)
चेहराबंदी स्त्री० [फ़ा.] चहेरा सिकल इ०नी विगत–ओळखवानी निशानीओ
चेहरा-मुहरा पुं० सूरत; सिकल; चहेरो
चेहल वि० [फ़ा.] 'चहल'; चाळीस
चेहल-क़दमी स्त्री० जुओ 'चहलक़दमी'
चेहलुम वि० (२) पुं० [फ़ा.] जुओ 'चालीसवाँ'
चैत पुं० चैत्र [ज्ञान (३) आत्मा
चैतन्य पुं० [सं.] चेतन तत्त्व (२) चेतना;
चैती स्त्री० रवीपाक (२) वि० चैत्र संबंधी
चैत्य पुं० [सं.] घर (२) मंदिर (३) चिता (४) बौद्ध विहार (५) गामनी भागोळनां झाडोनो समूह (६) बुद्ध के तेमनी मूर्ति या भिख्खु
चैत्र पुं० [सं.] चैत्र मास (२) चैत्य
चैन पुं० चेन. **–उड़ाना**=मोज करवी
चैल पुं० [सं.] कपडुं
चैला पुं० फाचरो
चैली स्त्री० भूकरी; छोल; वहेर
चैलेन्ज पुं० [इं.] पडकार; आह्वान; 'चुनौती'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

चोंगा पुं० वांसनी भूंगळी, जेवी के कलमदानीनी (२) मूर्ख
चोंगी स्त्री० धमणनी हवानी नळी
चोंच स्त्री० चांच. **दो दो चोंचें होना**= बोलाबोली थवी. **–बंद करना**=चूप थवुं
चोंडा पुं० वेडवो; वीरडो (२) माथुं (३) चोटलो
चोंथ पुं० पोदळो
चोंथना स०क्रि० फाडवुं के तोडवुं या [उखाडवुं
चोंधर(–रा) वि० चूंखळुं; झीणी आंखवाळुं (२) मूर्ख
चोआ पुं० एक सुगंधी पदार्थ जे चूवा [पिठे बनावाय छे
चोकर पुं० आटानुं चळामण–भूसुं इ०
चोक्ष वि०[सं.] चोख्खुं (२) पवित्र (३) तीक्ष्ण; तेज (४) प्रशस्य (५) दक्ष
चोख(–खा) वि० जुओ 'चोक्ष'
चोग़ा पुं० [तु. चूगा] चोगो; झब्भो
चोचला पुं० हावभाव; नखरां
चोज पुं० मजाकनो बोल
चोट स्त्री० चोट; घा के आघात (२) टोणो (३) दगो; 'धोखा' (४) वार; 'दफ़ा'. **–खाना**=चोट लागवी. **–बचाना** =घा चुकाववो, तेमांथी बचवुं
चोट-चपेट स्त्री० चोट; घा
चोटा पुं० (तमाकुनो) शीरो; काकब
चोटी स्त्री० चोटली के चोटलो (२) शिखर. **–करना**=माथुं ओळवुं. **–का** =उत्तम. **–दबना**=लाचार थवुं
चोटीवाला पुं० भूतप्रेत इ०
चोट्टा पुं० चोट्टो; चोर [जुओ 'चोब'
चोप पुं० (प.) रुचि (२) उमंग (३)
चोप(–ब)दार पुं० जुओ 'चोबदार'
चोब स्त्री० [फा.] छडी (२) दंडूको; दांडियो (३) जुओ 'चोबा'
चोबचीनी स्त्री० [फा.] चोपचीनी–एक औषधि
चोबदार पुं० [फा.] छडीदार
चोबा पुं० तंबूनो वचलो दंड के वांस
चोर पुं० [सं.] चोर; डुंगो. **–पड़ना**= चोरी थवी; चोर आववा. **–पर मोर पड़ना**=शेरने माथे सवा शेर थवुं. **–(मनमें) बैठना**=दिलमां शंका के चोरी होवी
चोरख़ाना पुं० नानुं के छूपुं खानुं; संच
चोर-चकार पुं० चोरचखार; चोर; उठावगीर
चोरटा वि० चोरटुं; चोट्टुं; चोर
चोरथन वि० दूध चोरतुं–पूरुं न देतुं (ढोर) [फूटतो दांत
चोर-दंत पुं० वधारेनो–पीडा करीने
चोर-दरवाज़ा,–द्वार पुं० छूपुं द्वार
चोरना स०क्रि० चोरवुं; 'चुराना'
चोर-बाज़ार पुं० काळुं बजार
चोरमहल पुं० रखातनो महेल–मकान
चोरमूँग पुं० गांगडु मग
चोराचोरी अ० चोरीछूपीथी; चूपकीथी
चोरी स्त्री० चोरवुं ते. **–लगना**= चोरीनो आक्षेप आववो. **–लगाना**= चोरीनुं आळ मूकवुं
चोरी-चोरी अ० जुओ 'चोराचोरी'
चोरी-छिनाला पुं०, **चोरी-यारी** स्त्री० चोरी ने छिनाळुं; खराब काम
चोलना पुं० 'चोला'; फकीरनो जामो
चोला पुं० फकीरनो चोळो–लांबुं मोटुं जामा जेवुं पहेरण (२) शरीर
चोली स्त्री० चोळी. **–दामनका साथ** =खूब घनिष्ठ संबंध
चौंआलीस वि० 'चौवालिस'; चूंवाळीस

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

चौंक स्त्री० चोंक; चोंकवुं ते

चौंकना अ० क्रि० चोंकवुं

चौंतिस, चौंतीस वि० चोत्रीस; ३४

चौंव स्त्री० आंख अंजावी ते;'चकाचौंध'

चौंधियाना अ०क्रि० आंख अंजावी (२) न देखावुं

चौंर पुं० चमर; 'चँवर'

चौंर-गाय स्त्री० चमरीगाय [दोरो

चौंरी स्त्री० चमरीगाय (२) चोटलानो

चौंसठ वि० चोसठ; ६४

चौ वि० चार (समासमां)

चौआ(-वा) पुं० जुओ 'चौवा'

चौक पुं० [सं.चतुष्क, प्रा.चउक्क] चोक

चौकड़ा पुं० कानमां पहेरवानुं चोकडुं

चौकड़ी स्त्री० फाळ; फलंग (हरणनी) (२) चार जणनी चोकडी (३) चार घोडानी गाडी

चौकन्ना वि० सावधान (२) चोंकेलुं

चौकस वि० चोकस; सावधान;होशियार (नाम,-साई,-सी स्त्री०)

चौका पुं० चोको (२) चोखंडो टुकडो (३) रोटलीनी आडणी (४) चोक्को (५) चार सरखी चीजोनो समूह. **-देना, फेरना, लगाना**=चोको करवो; लींपवुं. **-लगाना**=सत्यानाश करवुं

चौकी स्त्री० बाजठ के खुरशी (२) चोकी (३) नानी आडणी (४) पडाव; उतारो. ०**दार** पुं०चोकीदार;चोकियात

चौकोन (-ना, -र) वि० चोखंडुं; चतुष्कोण [ऊमरो

चौखट स्त्री० बारणानुं चोकठुं (२)

चौखटा पुं० चोकठुं; 'फ्रेम'

चौखानि स्त्री० चार प्रकारना (अंडज, पिंडज, स्वेदज, उद्भिज्ज) जीव

चौखूंट पुं० चारे दिशा (२) आखुं भूमंडल (३) अ० चोपास; चोखूंट

चौखूंटा वि० चोखंडुं; 'चौकोना'

चौगान पुं० [फा.] गेडीदडा के पोलो या ते रमवानुं मेदान-चोगान (२) नगारानो दांडियो

चौगिर्द अ० चोगरदम

चौगुना वि० चोगणुं

चौगोशिया वि०[फा.] चोखंडुं;चतुष्कोण

चौघड़ पुं० 'चौभड़'; दाढ

चौघड़ा पुं० चार खानांवाळुं पात्र-जेवुं के पाननो डब्बो, मसालानुं पात्र इ०

चौचंद पुं० वदनामी; निंदा. **-पारना**= निंदा करवी

चौड़ा वि० चोडुं; पहोळुं

चौड़ाई(-न) स्त्री० चोडाई; पहोळाई

चौतरफ़ा अ० चोतरफ

चौतरा पुं० चोतरो; चबूतरो

चौताल पुं० संगीतनो चोताल (२) होळीनुं एक गीत [चोथो भाग

चौथ स्त्री० चोथ तिथि (२) चोथाई-

चौथ(-था)पन पुं० चोथी-वृद्ध अवस्था; बुढापो; घडपण

चौथा वि० चोथुं (स्त्री० -थी)

चौथाई स्त्री० चोथाई-चोथो भाग

चौथिया पुं० चोथियो ताव (२) चोथा भागनो हकदार [एक विधि

चौथी स्त्री० लग्नने चोथे दिवसे थतो

चौदस स्त्री० चौदश तिथि

चौदह वि० चौद; १४

चौधराई,-त स्त्री०;**-ना** पुं० चोधरीनुं काम के पुरस्कार

चौधरानी स्त्री० चोधरीनी स्त्री

चौधरी पुं० चोधरी; मुखी; आगेवान

चौप(-पा)ई स्त्री० चोपाई छंद

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

चौपट वि० चारे बाजु खुल्लुं; अरक्षित (२) बरबाद; नष्ट; सत्यानाश; खतम

चौपटा वि० सत्यानाश करनारुं

चौपड़ स्त्री० सोकठांबाजी; 'चौसर'

चौपाई स्त्री० जुओ 'चोपाई'

चौपाया पुं० चोपगुं

चौपाल पुं० चारे बाजूथी खुल्ली एवी बेठक (२) गामलोकने बेसवानो चोतरो -चोरो (३) एक जातनी पालखी

चौफेर अ० चोफेर; चोतरफ

चौबा(-बे) पुं० जुओ 'चौबे'

चौबाइन स्त्री० चोबानी स्त्री

चौबारा पुं० उपला माळनी चारे बाजू खुल्ली मेडी (२) खुल्ली बेठक (३) अ० चोथी वार

चौबीस वि० चोवीस; २४

चौबे पुं० एक ब्राह्मणनी जात; चोबो

चौभड़ स्त्री० 'चौघड़'; दाढ [(मकान)

चौमंज़िला वि० चार मजला के खंडोवाळुं

चौमासा पुं० चोमासुं

चौमासिया वि० चोमासामां थनारुं (२) पुं० चोमासा पूरतो राखेलो नोकर

चौमुहानी स्त्री०, **चौरस्ता, चौराहा** पुं० चार-रस्ता

चौर पुं० [सं.] चोर

चौरस वि० सपाट; सरखुं (२) चोरस

चौरसाना स०क्रि० बराबर सरखुं के चोरस करवुं

चौरा पुं० चोरो (चोतरो; बेठक; देव-देवीके संतनुं स्थानक) (स्त्री०-री)

चौराई स्त्री० जुओ 'चौलाई'

चौरानवे वि० चोराणुं; ९४

चौरासी वि० चोराशी; ८४ (२) पुं० ८४ लाख योनि; लखचोराशी (३) पगमां बांधवाना घूघरा

चौराहा पुं० चार-रस्ता

चौलाई स्त्री० चोळाई शाक

चौवन वि० चोपन; ५४

चौवा पुं० हाथनी चार आंगळी (२) चार आंगळ माप (३) चोक्को (४) चोपगुं

चौवालीस वि० चुंवाळीस; ४४

चौसर पुं० चोसर-सोगटांबाजी [रस्ता

चौहट्ट,-ट्टा पुं० चौटुं; 'चौक' (२) चार

चौहत्तर वि० चुंमोतेर; ७४

चौहद्दी स्त्री० चोपासनी सीमा [वोगणुं

चौहरा वि० चोहरुं-चार वेवडुं (२)

चौहान पुं० चोहाण क्षत्रिय

च्युत वि० [सं.] पडेलुं; भ्रष्ट. **-ति** स्त्री० पडती; भ्रष्टता (२) भूल; चूक

छ

छंग पुं० (प.) उछंग; गोद

छँटना अ०क्रि० छंटावुं; विणाई जवुं (२) कपाईने अलग थवुं (३) अलग, छूटुं पडवुं

छँटनी स्त्री० (काममांथी) दूर करवुं ते

छँड़ना स०क्रि० (प.) छांडवुं; छोडवुं (२) छडवुं (३) अ०क्रि० ओकवुं

छंद पुं०[सं.] इच्छा (२) काव्यनो छंद (३) छळ; कपट (४) हाथनुं एक घरेणुं

छ, छः वि० छ; ६

छकड़ा पुं० शकट; गाडुं

छकना अ०क्रि० धरावुं (२) नशाथी चकचूर बनवुं; छकवुं (३) छक थवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

छकाछक वि० खूब तृप्त (२) छलोछल भरेलुं (२) नशामां चकचूर
छकीला वि० छकेलुं; मदमस्त
छक्का पुं० छक्को (२) छकडुं (३) होशकोश; सूधबूध. छक्के छूटना=सूधबूध जती रहेवी (२) हिंमत हारवी
छक्कापंजा पुं० दावपेच; कूडकपट
छगड़ा पुं० (स्त्री०,–ड़ी) छग; बकरो
छगन पुं० नानुं बाळक (प्यारनो शब्द). ०मगन पुं० हसतां खेलतां प्यारां बाळको
छगुनी स्त्री० टचली आंगळी
छछिआ(–या) स्त्री० छाश (२) छाश देवानुं मापियुं के वासण
छछूंदर पुं० छछूंदरुं (२) एक दारूखानानी चीज. –छोड़ना=झघडो ऊभो करवो
छजना अ० क्रि० छाजवुं (२) शोभवुं
छज्जा पुं० छजुं [छूटवुं
छटकना अ०क्रि० छटकवुं; छूटीने भागवुं;
छटपटाना अ०क्रि० बेचेन थवुं; तरफडवुं (२) आकुळव्याकुळ थवुं [आतुरता
छटपटी स्त्री० चटपटी; बेचेनी (२)
छटांक स्त्री० नवटांक; (पाका) शेरनो १६मो भाग [(३) लट; सेर
छटा स्त्री० [सं.] शोभा; खूबी (२) वीजळी
छठ स्त्री० छठ तिथि
छठवाँ, छठाँ,–ठा वि० छठ्ठुं. छठे (–ठैं) –छमासे=कोई वार; घणे दिवसे
छठी स्त्री० छठ्ठी; जन्म पछीनो छठ्ठो दिवस. –का दूध निकालना=दम के ठूस काढवी. –का दूध याद आना=एवुं हेरान थवुं के बाळपणनुं सुख याद आवे
छड़ स्त्री० धातु के लाकडानो दंडूको
छड़ा पुं० पगनो छडो (२) वि० छडुं; एकाकी
छड़िया पुं० दरवान; छडीदार
छड़ी स्त्री० लाकडी (२) धजा
छत स्त्री० मकाननी के ओरडानी छत (२) छतनो चंदरवो (३) पुं० (प.) क्षत; घा
छतगीर(–री) स्त्री० चंदरवो
छतरी स्त्री० छत्री (२) मंडप (३) समाधिना स्थान परनो मंडप
छतनार वि० फेलायेलुं घटादार (झाड)
छतियाना स०क्रि० छाती पासे लेवुं (२) बंदूकने फोडवा छाती पासे लगाववी
छतीसा वि० चतुर (२) धूर्त
छत्ता पुं० छत्री (२) मधपूडो
छत्तीस वि० छत्रीस; ३६ ['छतीसा'
छत्तीसा पुं० हजाम (२) वि० जुओ
छत्तीसी स्त्री० भारे बदमास स्त्री; छिनाळ
छत्र पुं० [सं.] छत्री (२) (राजानुं) छत्र
छत्रपति पुं० [सं.] राजा
छत्री पुं० क्षत्री (२) वि० छत्रधारी
छद पुं० [सं.] ढांकण (२) छाल (३) पांख
छदाम पुं० पैसानो चोथो भाग
छद्म पुं० [सं.] छळ; कपट (२) छूपो वेश; छपाववुं ते (३) बहानुं
छन(०क) पुं० क्षण; 'छिन'
छनकना अ०क्रि० छमकारो थवो (२) चमकवुं; भडकवुं (३) छमकवुं; छम छम थवुं
छनना अ० क्रि० चळावुं (२) गळावुं (३) छणावुं (४) तळावुं (५) पुं० गळणुं
छप स्त्री० छब एवो पाणीनो अवाज
छपछपना अ० क्रि० छबछबवुं (२) स० क्रि० छबछबाववुं
छपना अ०क्रि० छाप पडवी (२) छपावुं
छपरख(–खा)ट स्त्री० छप्परखाट
छपरी,–रिया स्त्री० छापरी; झूंपडी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

छपाई स्त्री० छाप; छापकाम(२)छपामण
छपाका पुं० छब्बाको
छप्पन वि० ५६ संख्या
छप्पय पुं० छप्पो
छप्पर पुं० छापरुं. **–पर रखना**=आघुं के अलग राखवुं; छोडवुं. **–फाड़कर देना**=घेर बेठे मळवुं – पहोंचवुं. **–रखना**=दोष देवो
छबड़ा पुं० छाबडुं; टोपलुं
छबि स्त्री० शोभा; सुंदरता
छबीला वि० छबीलुं; रुपाळुं
छब्बीस वि० छव्वीस; २६
छमना स०क्रि० (प.) क्षमा करवी
छमा(०ई) स्त्री० (प.) क्षमा
छमाही वि० छ मासिक
छय पुं०खय; क्षय; नाश [घा पर मीठुं)
छरछराना अ०क्रि० चचरवुं (जेम के
छरना अ० क्रि० झरवुं; टपकवुं (२) छळवुं; ठगवुं [(२) तेज; फूर्तिलुं
छरहरा वि०(स्त्री०,**–री**)पातळुं;हलकुं
छरोरा पुं० उझरडो
छर्दन पुं०, **छर्दि** स्त्री० [सं.] ऊलटी
छर्रा पुं० बंदूकनो छरो (२) झांझरनी घूघरी
छल पुं०[सं.] छळ; कपट (२) ठगवुं ते
छलक(०न) स्त्री० छालक;छलकावुं ते
छलकना अ०क्रि० छलकावुं
छलकाना स०क्रि० छलकाववुं
छलछंद, छलछात, छलछिद्र पुं०, **छल-छाया** स्त्री० कपट; चालबाजी
छलछलाना स०क्रि० छल छल अवाज थवो (२) छलकावुं (पाणी इ०)
छलना स०क्रि० छेतरवुं (२) स्त्री० छळ
छलनी स्त्री० चाळणी. **–में डाल छाजमें उड़ाना**=रज नुं गज करवुं; वातनुं वतेसर करवुं
छलाँग स्त्री० छलंग
छलाई स्त्री० (प.) कपट; छेतरपिंडी
छलाना स०क्रि० 'छलना' नुं प्रेरक
छलावा पुं० (भूतप्रेत) देखा दई अलोप थवुं ते
छलित वि० [सं.] छेतरायेलुं
छलिया, छली वि० कपटी; छळ करनार
छलोरी स्त्री० नहियुं पाकवुं ते; नखमां छाला पडवां के ते पाके ए रोग
छल्ला पुं० छल्लो; वींटी
छवना पुं० (स्त्री०,**–नी**) जुओ 'छौना'
छवाई स्त्री० छावुं ते के तेनी मजूरी
छवाना स०क्रि० 'छाना'नुं प्रेरक [छवी
छवि स्त्री०[सं.] शोभा(२) तेज; प्रभा(३)
छवैया पुं० छापरुं छानारो
छहरना अ०क्रि० जुओ 'छहराना'
छहराना अ०क्रि०(प.) वीखरावुं; फेलावुं (२) स०क्रि० फेलाववुं
छहियाँ स्त्री० 'छांह'; छाया
छाँगना स०क्रि० (डाळी) तोडवी-कापवी
छाँगुर पुं० छ आंगळियो
छाँछ स्त्री० छाश
छाँट स्त्री० ऊलटी (२) काटवुं के अलग करवुं ते के तेम करेली वस्तु
छाँटना स०क्रि० कापीने जुदुं करवुं (२) अलग करवुं; जुदुं पाडवुं (३) साफ करवुं
छाँड़ना स०क्रि० छोडवुं
छाँद स्त्री० ढोरना पग बांधवानी रसी
छाँदना स०क्रि० जकडवुं; बांधवुं
छाँवँ, छाँह स्त्री० छाया. **छाँह न छूने देना**=पासे न आववा देवुं. **छाँह बचाना**=पासे न जवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

छाक स्त्री० तृप्ति (२) छाक; नशो
छाग पुं० [सं.] बकरो
छाछ स्त्री० छाश; 'छाँछ'
छाज पुं० सूपडुं (२) छाज (३) छजुं. **–सी दाढ़ी**=मोटी दाढी. **छाजों मेह बरसना**=मुसळधार वरसाद थवो
छाजन स्त्री० कपडुं; वस्त्र (२) छाज; छाप (३) एक रोग
छाजना अ०क्रि० (प.) छाजवुं, घटवुं
छाता पुं० छत्री (२) बिलाडीनो टोप
छाती स्त्री० छाती (२) दिल (३) हिंमत
छात्र पुं० [सं.] विद्यार्थी; शिष्य
छात्रवृत्ति स्त्री० [सं.] शिष्यवृत्ति
छात्रालय, छात्रावास पुं०[सं.] छात्रालय; होस्टेल [तेनुं साधन
छादन पुं० [सं.] छावुं, ढांकवुं ते के
छान स्त्री० छापरुं (२) जुओ 'छाँद'
छानना स० क्रि० चाळवुं (२) अलग करवुं; छूटुं पाडवुं (३) तपासवुं
छानबीन स्त्री० बरोबर तपास के विचार
छानबे वि० छन्नुं; ९६
छाना स०क्रि० छावुं (२) बिछाववुं (३) अ०क्रि० प्रसरवुं [छाप; असर
छाप स्त्री० छाप; चिह्न; मारको (२)
छापना स०क्रि० छापवुं
छापा पुं० छाप (२) छापुं; बीबुं (३) हाथनो थापो (४) छापो
छापाख़ाना पुं० छापखानुं; 'मतवा'
छायल पुं० स्त्रीनुं एक वस्त्र; छायल
छाया स्त्री०[सं.] छांयो (२) पडछायो; प्रतिबिंब
छार पुं० खार (२) छार; राख के धूळ. **–खार करना**=खतम नष्टभ्रष्ट करवुं
छाल स्त्री० झाडनी छाल(२)एक मीठाई
छालना स० क्रि० 'छानना'; चाळवुं; साफ करवुं
छाला पुं० छाल (२) फोल्लो
छालिया पुं० कांसानुं छालुं;छालियुं (२) जुओ 'छाली'
छाली स्त्री० सोपारी
छावनी स्त्री० छाज (२) छावणी
छावा पुं० [सं. शावक] बच्चुं (२) पुत्र
छि,छिः अ० छी एवो तिरस्कारनो उद्गार
छिकनी स्त्री० छींक लावे एवी एक वनस्पति
छिगुनी स्त्री० टचली आंगळी
छिछला वि० छीछरुं [छिछोर(–रा)पन]
छिछोरा वि० छीछरुं; पामर; क्षुद्र, [नाम
छिटकना अ०क्रि० चोतरफ वीखरवुं (प्रेरक **छिटकाना**) [वाना प्रेरक)
छिड़कना स०क्रि० छांटवुं (छिड़क-
छिड़काई स्त्री० छांटवुं ते के तेनी मजूरी
छिड़काव पुं० छंटकाव
छिड़ना अ०क्रि० शरू थवुं; छेडावुं
छितराना अ०क्रि० वीखरवुं; वेरावुं (२) स०क्रि० वेरवुं; विखेरवुं
छिदना अ०क्रि० छेदावुं;भोंकावुं(**छिदाना** प्रेरक) [जर्जर (३) छिद्राळु
छिदरा वि० वीखरायेलुं; छूटुं (२)
छिद्र पुं० [सं.] काणुं (२) दोष
छिन पुं० (प.) क्षण; 'छन'
छिनक अ० (प.) क्षण वार; जरा वार
छिनकना स०क्रि० नाक नसीकवुं (२) भडकवुं; छळवुं
छिनना अ०क्रि० छिनावुं; हरण थवुं
छिनरा वि० पुं० छिनाळवो; व्यभिचारी (स्त्री०, **–री**) ['छीनना'नुं प्रेरक
छिनवाना, छिनाना स०क्रि० छिनवाववुं;

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

छिनार,–ल स्त्री० छिनाळ. –ला पुं० छिनाळुं; व्यभिचार

छिन्न वि० [सं.] छेदायेलुं; भांगेलुं

छिन्नभिन्न वि०[सं.]नष्टभ्रष्ट;अस्तव्यस्त

छिपकली स्त्री० घरोळी [होवुं

छिपना अ०क्रि० छीपवुं;छुपावुं;ढंकायेलुं

छिपा-छिपी अ० छूपी रीते; चूपकीथी; चूपचूप

छिपाना स०क्रि० छुपाववुं (२) ढांकवुं

छिपा रुस्तम वि०पुं० असाधारण शक्तिवाळुं पण अजाण्युं के छूपुं माणस (२) उपरथी सारुं पण अंदरथी खराब (माणस)

छिपाव पुं० छुपाववुं ते

छिपे छिपे अ० छूपुं छूपुं

छिबड़ा पुं० छाबडुं. –ड़ी स्त्री० छाबडी

छिमा स्त्री० (प.) क्षमा

छिया स्त्री०छी;मळ(२)घृणित चीज(३) वि० गंदुं. –छरद करना = छी छी करवुं

छिलका पुं० फळनुं छोडुं–छाल; छीलटुं

छिलना अ०क्रि० छिलावुं; छोडुं कढावुं (२) छोलावुं; उझरडो भरावो

छींक स्त्री० छींकवुं ते के छींक.–आना, मारना, लेना=छींक खावी. –होना= अपशुकन थवा

छींकना अ०क्रि० छींकवुं. छींकते या छींकने पर नाक कटना=नाना गुना माटे भारे सजा थवी; कीडी पर कटक थवुं

छींट स्त्री० छांट; सीकर(२)छींट कपडुं

छींटना स०क्रि० जुओ 'छितराना'

छींटा पुं० छांटो (२) छांटा–थोडो वरसाद (३) आक्षेप;टोणो. –छोड़ना, देना=टोणो मारवो [(बाळभाषा)

छी अ० जुओ 'छि' (२) स्त्री० छी; मळ

छीका पुं० [सं. शिक्य] शीकुं; 'सीका'

छीछड़ा पुं० मांसनो रद्दी टुकडो

छीछा-लेदर स्त्री० दुर्दशा; बेहाल

छीजना अ०क्रि० क्षीण थवुं; घटवुं

छीटा पुं० वांसनो टोपलो–छाबडुं

छीतना स०क्रि० डंखवुं (२) मारवुं

छीदा वि० 'छिदरा'; छिद्राळु (२) आछुं; छूटुं छूटुं; पांखुं

छीन वि० (प.) क्षीण

छीन-झपट स्त्री० जुओ 'छीनाझपटी'

छीनना स०क्रि० छीनवुं; झूंटवुं (२) छूटुं करवुं (३) (घंटी) टांकवी

छीना-खसोटी, छीनाछीनी, छीनाझपटी स्त्री० (जोर झपटथी) छीनवी लेवुं ते

छीप स्त्री० छीप; सीप (२) छाप; डाघ; चिह्न (३) डाघ पडी जाय एवो एक त्वचारोग (४) माछली पकडवानी लाकडी

छीपी पुं० छीपो

छीमी स्त्री० फळी; सींग [(प.) क्षीर

छीर स्त्री० कोर; किनार; 'छोर' (२)पुं०

छीलना स०क्रि० छीलवुं; छोलवुं

छीलर पुं० (पाणीनो) छछरो खाडो

छुआछूत स्त्री० स्पर्शास्पर्शनो ख्याल (२) अछूतने अडवुं ते

छुआना स०क्रि० 'छूना'नुं प्रेरक; 'छुलाना'

छुईमुई स्त्री० लजामणीनो छोड

छुच्छा वि० जुओ 'छूंछा' [घरेणुं

छुच्छी स्त्री० नानी नळी (२)नाकनुं एक

छुट वि० 'छोटा'नुं समासमां आवतुं रूप (२) अ० (प.) सिवाय; विना; छोडीने

छुटकारा पुं० छुटकारो; मुक्ति

छुटपन पुं० नानपण; बाल्यावस्था

छुटपुटा पुं० समीसांज; संध्या

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

छुट्टा वि० छूटुं; मुक्त; एकलुं [राखवी
छुट्टी स्त्री० रजा; छूटी. –मनाना=रजा
छुड़वाना, छुड़ाना स०क्रि० छोडववुं (२) नूर भरी पार्सल लेवुं
छुतिहा वि० अस्पृश्य (२) पतित (३) पुं० सुरोखार; 'शोरा'
छुपना अ०क्रि० जुओ 'छिपना'
छुपाना स०क्रि० जुओ 'छिपाना'
छुरा पुं० छरो (२) अस्तरो (३) [सं.] चूनो
छुरा(–रे)बाजी स्त्री० छरा ऊडवा–तेनी मारामारी थवी ते
छुरी स्त्री० छरी; नानो छरो.–कटारी रहना के होना=वेर होवुं; झघडो थतो रहेवो
छुला(-वा)ना स०क्रि० 'छूना'नुं प्रेरक
छुहारा पुं० खारेक [(३) निर्धन
छूँछा वि० खाली; पोलुं (२) निःसत्त्व
छू पुं० मंत्र भणी फूंक मारवानो शब्द. –मंतर होना=छूमंतर–अलोप थई जवुं
छूछा वि० जुओ 'छूँछा'
छूट स्त्री० छुटकारो; मुक्ति (२) रजा; अवकाश; छुट्टी (३) लेणदेणमां जती कराती–छूट अपाती रकम (४) कोई काम करवानुं भूलथी रही जवुं; गफलत
छूटना अ०क्रि० छूटवुं; मुक्त थवुं (२) ऊपडवुं; चालवा मांडवुं (३) छूटुं–अलग पडवुं (४) नियम के व्रत तूटवुं (५) रस छूटवो (६) बाकी बचत रहेवुं (७) काम करातुं रही जवुं–भूल थवी (८) फारेग थवुं; बेकार बनवुं
छूत स्त्री० अडवुं ते; स्पर्श (२) अस्पृश्यनो स्पर्श (रोग, गंदकी वगेरेनो) (३) वळगण. –का रोग=चेपी रोग
छूतछात स्त्री० 'छुआछूत'

छूना अ०क्रि० स्पर्श थवो (२) स०क्रि० स्पर्शवुं
छूरा,–री जुओ 'छुरा,–री'
छेंकना स०क्रि० छेकवुं (२) रोकवुं; थोभाववुं (३) घेरवुं
छेक पुं० छेद; छिद्र
छेटा स्त्री० (प.) हरकत; रुकावट
छेड़ स्त्री० छेडवुं ते (२) खीज
छेड़-खानी, छेड़-छाड़ स्त्री० खीजववुं के छंछेडवुं ते के तेवी वात
छेड़ना स०क्रि० छेडवुं; सतावववुं (२) खीजववुं (३) मश्करी करवी (४) खोदवुं (५) 'छिड़ना'; शरू करवुं (६) फोल्लो फोडवो
छेद पुं० [सं.] काणुं; छिद्र
छेदना स०क्रि० छिद्र करवुं; कापवुं; छेदवुं
छेना पुं० दूध फाडीने कढातो मावो (२) स० क्रि० छेदवुं (ताड इ०)
छेनी स्त्री० छीणी; टांकणुं
छेम पुं० (प.) क्षेमकुशळ
छेरना अ० क्रि० छेरवुं
छेरी (–ली) स्त्री० बकरी
छेव पुं० छेद; घा (२) पडनार दुःख
छेवना स० क्रि० छेदवुं (२) चिह्न करवुं. जीव पर छेवना=जान जोखममां नाखवो
छैया पुं० (प.) छैयो; वहालो छोकरो
छैल पुं० (प.) 'छैला'; छेल
छैल-चिकनियाँ, छैल-छबीला वि० छेल-छबीलो; शोखी
छैला पुं० छेल; शोखी माणस
छोकड़ा(–रा) पुं० छोकरो (२) नोकर
छोकड़ी(–री) स्त्री० छोकरी
छोटा वि० छोटुं; नानुं (२) तुच्छ; सामान्य

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

छोटामोटा वि० सामान्य; साधारण
छोटी हाजिरी स्त्री० सवारनो नास्तो
छोड़-चिट्ठी, छोड़-छुट्टी स्त्री० फारगती
छोड़ना स० क्रि० छोडवुं. **छोड़-छाड़कर** =छोडी करीने
छोड़वाना, छोड़ाना स० क्रि० छोडाववुं
छोप पुं० जाडो लेप के तेनो थर (२) बचाव; छुपाववुं ते [छांदी लेवुं
छोपना स०क्रि० लेप करवो (२) लींपवुं;
छोभ पुं० (प.) क्षोभ (अ०क्रि० **–ना**)
छोर पुं० सीमा; हद (२) धार; किनारो
छोरना स० क्रि० छोडवुं (२) हरी लेवुं
छोरा पुं० छोरो; छोकरो (स्त्री० **–री**)
छोराछोरी स्त्री० खेंचाखेंच
छोलदारी स्त्री० नानो तंबू
छोलना स० क्रि०(प.) छोलवुं;'छीलना'
छोह पुं० ममता; प्रेम (२) दया
छोहरा पुं० 'छोरा'; छोरो; छोकरो (स्त्री० **–रिया, –री**)
छोही वि० स्नेही (२) स्त्री० सांठानो कूचो
छौंक स्त्री० वघार. **–ना** स० क्रि० वघारवुं
छौना पुं० पशुनुं बच्चुं
छौलदारी स्त्री० जुओ 'छोलदारी'

ज

जंकशन पुं० [इं.] बे रेलवे मळतुं स्टेशन
जंग स्त्री० [फा.] जंग; युद्ध (२) पुं० जुओ 'ज़ंग'; काट
ज़ंग पुं० [फा.] लोढानो काट
जंग-आवर वि० [फा.] जुओ 'जंगजू'
जंगजू वि० [फा.] लडायक; वीर
जंगम वि० [सं.] जंगम; चल
जंगल पुं० वन; वेरान रण [रानी
जंगली वि० जंगलनुं के त्यां मळतुं के थतुं;
जेंगला पुं० [पो. जेंगिला] जाळी
ज़ंगार पुं० [फा.] जंगाल; तांबानो काट
ज़ंगारी वि० जंगाली; जंगालना रंगनुं
जंगी वि० फोजी; जंग – लडाईनुं के तेने लगतुं (२) मोटुं. ०**लाट** पुं० सरसेनापति
ज़ंगी पुं० [फा.] ज़ंगबारनो वतनी; हबसी
जंघा स्त्री० [सं.] जांघ
जँचना अ० क्रि० 'जांचना'नुं कर्मणि (२) ठीक लागवुं; गमवुं (३) मालूम पडवुं; लागवुं
जँचा वि० बरोबर तपासेलुं (२) अचूक
जंजाल पुं० जंजाळ; झंझट (२) जंजार तोप
जंजाली, –लिया वि० जंजाळी (२) झघडाळु
ज़ंजीर स्त्री० [फा.] जंजीर; सांकळ के बेडी (२) कमाडनी सांकळ. ०**खाना** पुं० केदखानुं
जंट, ०मजिस्ट्रेट पुं० [इं. जॉइन्ट] जॉइंट मॅजिस्ट्रेट. **–टी** स्त्री० ते पद
जंतर पुं० यंत्र; ओजार (२) तावीज; मादळियुं (३) वेधशाळा (४) वीणा
जंतर-मंतर पुं० जादुमंत्र (२) वेधशाळा
जंतरी स्त्री० पंचांग (२) जुओ 'जंता' (३) पुं० जादुगर [–यंत्र
जंता पुं० जंतरडुं; तार खेंचवानुं ओजार
जंती स्त्री० नानुं जंतरडुं
जंतु पुं० [सं.] जंतु; जीव; जीवडुं
जंत्र पुं० यंत्र (२) तावीज (३) ताळुं
जंत्री पुं० वीणा (२) स्त्री० पंचांग; 'जंतरी'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

जंद, ०अवेस्ता पुं० इराननी प्राचीन भाषा के तेमां लखायेलो पारसी धर्मग्रंथ
जंदरा पुं०'जाँता'; मोटी घंटी (२) यंत्र
जंबु(-बू) पुं० [सं.] जांबु फळ के झाड
जंबुक पुं० [सं.] मोटुं पारस जांबु (२) शियाळ
जंबूर पुं० [फा.] जंबूरो; एक नानी तोप (२) तोपनी गाडी
जंभ पुं० [सं.] दाढ (२) जडबुं(३)बगासुं
जँभाई स्त्री० बगासुं. **-लेना='जँभाना'** अ० क्रि० बगासुं खावुं
जई स्त्री०जव जेवुं एक अन्न(२)'जवारा'
जईफ़ वि० [अ.] जईफ; वृद्ध (३)दुर्बळ. **-उल्-बयान, जईफुल बयान**=वयान करवामां दुर्बळ. (वि० स्त्री० **-फा**) (नाम, **-फ़ी** स्त्री०) [पराभव
जक स्त्री० [फा.] हार (२) हानि(३)
जक स्त्री० जक; हठ (२) धून; लगनी (३) पुं० यक्ष (४) कंजूस
जकड़ स्त्री० जकड; पकड; सकंजो
जकड़ना स० क्रि० जकडवुं; बांधवुं(२) अ० क्रि० अंग अकडावुं; जकडावुं
जकात स्त्री० [अ.] जकात; कर (२) आयातवेरो (३) दान; खेरात
जकाती पुं० जुओ 'जगाती' [पवित्रता
जकावत स्त्री० [अ.] बुद्धिमत्ता; नेकी;
जकी वि० [अ.] बुद्धिमान; नेक; पवित्र
जखम, जख़्म [फा.] पुं० जखम; घा. (वि० **-मी, -ख़्मी**)
जखामत स्त्री० [अ.] स्थूलता; जाडपण
जखीम वि० [अ.] स्थूल; जाडुं
जखीरा पुं० [अ.] जखीरो; संग्रह (२) 'नर्सरी'; फूलझाड फळझाडना उछेरनी जगा

जख़्म, -ख़्मी जुओ 'जखम, -मी'
जग पुं० जगत; दुनिया
जगजगा वि० झगझगतुं.(०ना अ०क्रि०)
जगत स्त्री० कूवानो चोतरफनो परथाळ (२) पुं० जगत; दुनिया
जगतसेठ पुं० बहु धनवान माणस
जगती स्त्री० [सं.] पृथ्वी; दुनिया
जगदीश पुं० [सं.] परमेश्वर
जगना अ० क्रि० जागवुं (२) झगवुं
जगमग, -गा वि० झगमगतुं
जगमगना अ० क्रि० जगमगवुं
जगमगाहट स्त्री० झगमगाट
जगह स्त्री० जगा (२) मोको; अवसर
जगात पुं० जकात
जगाती पुं० जकातदार के तेनुं काम
जगाना अ० क्रि० जगाडवुं
जघन पुं० [सं.] पेढु (२) थापो; कूलो
जघन्य वि० [सं.] छेल्लुं (२) नीच; हलकुं (३) निंद्य
जचगी स्त्री० [फा.] प्रसूति; सुवावड
जचना अ० क्रि० जुओ 'जँचना'
जच्चा स्त्री० [फा.] प्रसूता स्त्री
जच्चाखाना पुं० [फा.] प्रसूतिगृह
जज पुं० [इं.] जज; न्यायाधीश
जजमान पुं० यजमान [परिणाम
जजा स्त्री० [अ.] प्रतिकार (२) फळ;
जजिया पुं० [अ.]दंड(२)जजिया-वेरो
जजी स्त्री० जजनुं पद के काम या तेनी कचेरी
जजीरा पुं० [फा.] जंजीरो; बेट
जजीरा-नुमा पुं० [अ.] द्वीपकल्प
जज्ब पुं० [अ.] आकर्षण (२) शोषण
जज्बा पुं० [अ.]आवेश(२)प्रबळ इच्छा
जज्बाती वि० भाव के इच्छा संबंधी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

जटना स० क्रि० ठगी लेवुं
जटल स्त्री० गप; बकवाद
जटा स्त्री० [सं.] वाळनी जटा
जटित वि० [सं.] जडित; जडेलुं
जटिल वि० [सं.] जटावाळुं (२) गूंचायेलुं; अटपटुं [वृद्ध (३) कठण
जठर पुं० [सं.] पेट; होजरी (२) वि०
जठराग्नि स्त्री० [सं.] जठरनो अग्नि
जड़ वि० [सं.] निर्जीव; अचेतन (२) मूर्ख (३) मूंगुं के बहेरुं
जड़ स्त्री० मूळ; मूळियुं (२) पायो. -जमना,-पकड़ना = 'जमना'; दृढ थवुं
जड़ना स०क्रि० जडवुं; बेसाडवुं (२) मारवुं; ठोकवुं (३) चाडी खावी; कही देवुं
जड़हन पुं० डांगर
जड़ावर पुं० [हिं. जाड़ा] गरम कपडां
जड़िया पुं० जडवानुं काम करनार
जड़ी, ०बूटी स्त्री० जडीबूटी; वनस्पति औषधि
जत अ० (प.) जेटलुं
जतन पुं० यत्न; प्रयत्न. -नी वि० जतन करनारुं (२) चतुर
जतलाना, जताना स० क्रि० जणाववुं (२) अगाउथी सूचववुं
जति, -ती पुं० यति; संन्यासी
जत्था पुं० जथो, समूह (२) मंडळी; जूथ
जत्था(-त्थे)दार पुं० जथानो नायक
जत्थाबंदी स्त्री०दलबंधी; जूथ बांधवुं ते
जथा अ० (प.) यथा; जेम (२) स्त्री० धन; पूंजी (३) पुं० जथो; 'जत्था'
जद अ० (प.) यदि; जो (२) ज्यारे;यदा
जदपि अ० यद्यपि; जोके [चोटनुं लक्ष्य
ज़द स्त्री० [फा.] चोट;मार(२) हानि(३)
जदल पुं० [अ.] जंग; युद्ध [भोग बनेलुं
ज़दा वि० [फा.] 'ज़द' – हानि के चोटनुं
जदीद वि० [अ.] नवुं; नवीन
जदुनाथ, जदुपति, जदुराई पुं० श्रीकृष्ण
जद्द स्त्री० [अ.] प्रयत्न; कोशिश (२) पुं० दादा (३) वि० ज्यादा; वधु (प.)
जद्दपि अ० (प.) यद्यपि; जोके
जद्दबद्द पुं० खराब – न कहेवा जेवी वात
जद्दी वि० [अ.] बापदादानुं
जद्दोजेहद स्त्री० [अ.] दोडधाम; प्रयत्न
जन पुं० [सं.] माणस (२)लोक(३)सेवक
जनक पुं०[सं.]पिता(२)वि०पेदा करनार
ज़न स्त्री० [फा.] स्त्री (२) पत्नी. ०मुरीद वि० पत्नीवश
ज़नखा वि० [फा.] नपुंसक
जनता स्त्री० [सं.] जनसमाज; लोक
जनन पुं० [सं.] उत्पत्ति
जनना स० क्रि० जणवुं (२) पेदा करवुं
जननी स्त्री० [सं.] माता
जनम पुं० जन्म (२) जिंदगी
जनमना अ० क्रि० जनमवुं; पेदा थवुं
जनमघूँटी स्त्री० गळथूथी
ज़न-मुरीद वि० [फा.] पत्नीवश
जनरल पुं० [इं.] सेनापति (२) वि० आम; साधारण
जनरव पुं० [सं.] जनवाद; अफवा (२) लोकनिंदा; लोकापवाद
जनवरी स्त्री० जान्युआरी मास
जनवाई स्त्री० जुओ 'जनाई'
जनवाना स० क्रि० 'जनना' (जणवुं) नुं, 'जानना' (जाणवुं)नुं प्रेरक
जनवास(-सा) पुं० जानीवासो
जनश्रुति स्त्री०[सं.]अफवा; लोकवायका
जनसंख्या स्त्री० [सं.] वस्ती

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

जनाई स्त्री० दाई के तेनी मजूरी

जनाज़ा पुं० [अ.] शत्र (२) जनाजो; (मुसलमान)मडदुं लई जवानी खाटली

ज़नानखाना पुं० [फा.] जनानो; अंतःपुर

जनाना स० क्रि० जुओ 'जनवाना'

ज़नाना वि० [फा.] स्त्रीओनुं (२) नपुंसक (३) निर्बळ (४) पुं० बायलो; हीजडो (५) जनानो; जनानखानुं

जनाब पुं० [अ.]श्रीयुत; महेरबान; महाशय (आदरसूचक पूर्वग). ०आली पुं० [अ.]जनाबे आली. –बा स्त्री० श्रीमती

जनाबे मन=मान्य महोदय;जनाबे आली

जनाव पुं० जणाववुं ते; सूचना

जनि अ० (प.) ना; नहीं; मत

जनु अ०(प.)यथा; जेम (२)जाणो;मानो

जनून पुं० [अ.]झनून; उन्माद.–**नी** वि०

जनूब स्त्री०[फा.]दक्षिण दिशा.–**बी** वि०

जनेऊ(–व) पुं० जनोई

जनेत स्त्री० (प.) जान; 'बरात'

जनेव पुं० जुओ 'जनेऊ'

ज़ब्न पुं० [अ.] ख्याल; विचार; (२) भ्रम

जन्नत स्त्री० [अ.] स्वर्ग. –(–ते) अदन पुं० स्वर्गनो बाग जेमां मनुष्य प्रथम हतो मनाय छे. –**ती** वि० स्वर्गवासी (२) ओलियुं; भोळुं; भलुं

जन्म पुं० [सं.] जनम (२) जनमारो. ०**कुंडली** स्त्री० जन्माक्षर

जन्मना अ० क्रि० जनमवुं

जन्मांतर पुं० [सं.] बीजो जन्म; पुनर्जन्म

जन्माष्टमी स्त्री० [सं.] गोकळआठम

जन्य वि० [सं.] जन संबंधी (२) देश के जाति संबंधी (३) पेदा थयेलुं

जप पुं० [सं.] जप; मंत्रनुं रटण. ०**तप** पुं० पूजापाठ; व्रत उपवासादि

जपना स० क्रि० जपवुं (२) यज्ञ करवो

जपनी स्त्री० माळा (२) गोमुखी

ज़फ़र पुं० [अ.] जीत (२) लाभ

जफ़ा स्त्री० [फा.] सखताई(२)जुलम(३) कष्ट. ०कश वि० सहनशील [अवाज

ज़फ़ीर(–ल) स्त्री० [अ.] सीटी के तेनो

जब अ० ज्यारे. –**कभी**=चाहे त्यारे. –**कि**=ज्यारे. –**तब**=क्यारेक क्यारेक

जबड़ा पुं०जडबुं. ०**तोड़** वि०जडबातोड

ज़बर वि० [अ.] 'जबरा'; जब्बरुं (२) मजबूत (नाम –ई स्त्री०) [बळवान

ज़बरदस्त वि०[फा.] जबरजस्त;मजबूत;

ज़बरदस्ती स्त्री० [फा.] जोरजुलम; अत्याचार; बलात्कार (२) अ० बळजोरीथी

जबरन् अ० [फा.] बळपूर्वक

जबरा वि० जबरुं (२) पुं० जिब्रा पशु

जबल पुं० [अ.] पहाड

जबह पुं० [अ.] झबे; कतल; वध

जबहा पुं० साहस; हिंमत

ज़बान स्त्री० [फा.] जीभ (२) भाषा

ज़बान-ज़द वि० [फा.] सौनी जीभे होय तेवुं; प्रसिद्ध

ज़बान-दराज़ वि०[फा.] लांबी जीभनुं गमे तेम – अनुचित बकनार

ज़बान-दाँ वि० [फा.] भाषानो पंडित. –**दानी** स्त्री० [साक्षी

ज़बानबंदी स्त्री०[फा.] मौन (२) लखेली

ज़बानी वि०[फा.] मौखिक(२)मोढामोढ

ज़बून वि० [फा.] बूरुं; खराब; अपशुकनियाळ [ज़ब्ती स्त्री०)

ज़ब्त पुं०[अ.] जप्त करेलुं ते. (नाम

जब्बार वि० [फा.] 'जब्र' करनार

जब्र पुं०[अ.] जबरदस्ती; सखती; जुलम

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

जब्रन् अ० [अ.] जुओ 'जबरन्'
जब्र व मुक़ाबला पुं० [अ.] बीजगणित
जमघट पुं० जमाव; भीड [कूवो
ज़मज़म पुं० [अ.] काबा पासेनो पवित्र
ज़मज़मी स्त्री० [अ.] 'ज़मज़म' कूवाना पवित्र जळनुं पात्र [थवुं
जमना अ०क्रि० जामवुं; ठरवुं; एकत्र
जमवट स्त्री० कूवानुं चक्कर
जमहूर पुं० [अ.] जनसमूह; प्रजा (२) राष्ट्र
जमहूरियत स्त्री० [अ.] लोकशाही
जमहूरी वि० [अ.] प्रजाकीय; राष्ट्रीय. **–सल्तनत**=प्रजातन्त्र
जमा वि० [अ.] जमा; एकठुं, जमा करेलुं (२) स्त्री० पूंजी; धन (३) महेसूल (४) सरवाळो (५) (व्या.) बहुवचन (६) समूहवाचक नाम
जमा-ख़र्च पुं० आवक ने खर्च
जमाअत स्त्री० [अ.] जुओ 'जमात'. **–ती** वि० सामुदायिक
जमाई पुं० जमाई; 'दामाद' (२) स्त्री० जमाववुं ते के तेनी मजूरी
जमा(०अ)त स्त्री० जमात; झुंड; समूह (२) श्रेणी; दरज्जो
जमाद पुं० [अ. जिमाद] पथ्थर जेवा पदार्थ (२) वरसाद वगरनो देश (३) कंजूस
जमादात स्त्री० [अ.] पथ्थर माटी वगेरे पदार्थ
जमादार पुं० [फा.] जमादार; सिपाईनी टुकडीनो वडो; नायक
ज़मानत स्त्री० [अ.] जमानत; जामिनगीरी
ज़मानतन् अ० [अ.] जामिनरूपे
ज़माना पुं० [अ.] समय (२) लांबो समय; जमानो
जमाना स० क्रि० जमाववुं
ज़मानासाज़ वि० [अ.+फा.] जमानो जोई वर्तनार; कार्यदक्ष
जमाबंदी स्त्री० [फा.] जमाबंदी के ते अंगेनुं तलाटीनुं पत्रक
जमामार वि० बीजानुं धन दबावी पाडनार के लई लेनार
जमाल पुं० [अ.] सुन्दरता (वि०**–ली**)
जमालगोटा पु० नेपाळो
जमाव, ०ड़ा पुं०, **०ट** स्त्री० जमाव; भीड
ज़मींकंद पुं० सूरण [**–री** स्त्री०)
ज़मींदार पुं० [फा.] जमीनदार. (नाम,
ज़मींदोज़ वि० [फा.] जमीनदोस्त
ज़मीन स्त्री० [फा.] जमीन; भूमि (२) पृथ्वी (वि०**–नी**). **–आसमानके कुलाबे मिलाना**=खूब शेखी मारवी. **–का पैबंद होना**=माटीमां मळवुं; मरी जवुं. **–चूमने लगना**=गबडीने जमीन पर पडी जवुं; नीचुं पडवुं. **–देखना**=पडवुं; गबडी जवु. **–पकड़ना**=(कुस्तीमां) जमीन साथे वळगी रहेवुं (२) निरांते बेसवुं. **–बांधना**=भूमिका तैयार करवी. **–से पीठ न लगना**=चेन न पडवुं
ज़मीमा पुं० [अ.] परिशिष्ट; जुओ 'क्रोड़पत्र'
ज़मीर पुं० [अ.] मन (२) विवेक (३) सर्वनाम
जमील वि० [अ.] सुंदर; 'जमाली' (वि०स्त्री० **–ला**)
ज़मुर्रद पुं० [फा.] 'पन्ना'–हीरो; पन्नुं. **–दी, –दीन** वि० (२) पुं० पन्नानो रंग के ते रंगनुं; लीलुं
जमुहाना अ०क्रि० बगासुं खावुं; 'जँभाना'
जमैयत स्त्री० [अ.] जमात; समूह (२) संतोष; शांति (३) फोज
जमैयतुल उलेमा स्त्री० [अ.] उलेमा–मौलवीओनुं मंडळ

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

जमोगना स० क्रि० हिसाब तपासवा (२) समर्थनमां बीजाने साक्षी आपवो (३) देवाना जामिन आपवा

जम्म वि० [अ.] खूब (२) वधुं

जम्हाई स्त्री० बगासुं

जम्हाना अ० क्रि० जुओ 'जमुहाना'

जयंती स्त्री० (महापुरुषनी) जन्मतिथि (२) धजा

जय स्त्री० [सं.] जीत; फतेह

जर पुं० जरा; घडपण (२) विनाश (३) (प.) जळ; पाणी (४) ज्वर; ताव (५) स्त्री० 'जड़'; मूळ

ज़र पुं० [फा.] जर; पैसो (२) सोनुं

ज़रकस(-सी) वि० सोनाना तारकसबवाळुं; कसबी [खरीदेलुं

ज़र-ख़रीद वि० [फा.] (पैसा आपीने)

ज़रख़ेज वि० [फा.] फळद्रुप; जरखोज. (नाम -जी स्त्री०)

ज़रगर पुं० [फा.] सोनी

जरगा पुं० [तु. जर्गः] जिर्गा; 'जिरगा'

जरठ वि० [सं.] वृद्ध; घरडुं (२) कठोर; कर्कश [(२) वि० कसबी

ज़रतार पुं० सोना चांदीना तार; कसब

ज़रतु(-दु)श्त पुं० जरथुष्ट्र (वि०-ती)

ज़रद वि० जुओ 'ज़र्द' [पीळो घोडो

ज़रदा पुं० [फा.] खावानी तमाकु (२)

ज़रदार वि० [फा.] पैसादार; धनिक

ज़रदालू पुं० [फा.] जरदाळु; एक सूको मेवो

ज़रदी स्त्री० जुओ 'ज़र्दी' (२) ईंडा अंदरनो पीळो रस

ज़रदुश्त पुं० जुओ 'ज़रतुश्त'

जरन(-नी) स्त्री० (प.) 'जलन'; दाह

जरना अ० क्रि० जळवुं; बळवुं

ज़रपरस्त वि० [फा.] लोभी; कंजूस

ज़रब स्त्री० [अ.] आघात; चोट (२) गुणाकार (३) तबला पर थाप

ज़रबख़ाना पुं० [फा.] टंकशाळ

ज़रबफ़्त पुं० [फा.] कसबी रेशमी कपडुं

ज़रबाफ़ पुं० जरदोज; तारकसबवाळो

ज़रबीला वि० भभकदार; सदर

ज़रबुल-मसल स्त्री० [अ.] कहेवत

जरमन सिलवर पुं० जर्मन सिल्वर धातु

ज़रर पुं० [अ.] हानि (२) आघात

जरस पुं० [अ.] घंट

ज़रा वि० [अ.] जरा; थोडुं. -सा=जराक

जरा स्त्री० [सं.] घडपण

ज़राअत स्त्री० [अ.] खेती के तेनी पेदाश

ज़राफ़त स्त्री० [अ.] मजाक (२) बुद्धिमत्ता

ज़राफ़तन् अ० [अ.] मजाकमां

ज़राफ़ा पुं० [अ.] जिराफ; 'ज़िराफ़ा'

जरायम पुं० [अ.'जुर्म'नुं ब० व०] अनेकविध गुना

जरायु पुं० [सं.] गर्भनी ओर. ०ज वि० ओर साथे जन्मतुं (प्राणी)

ज़रिया पुं० [अ.] कारण; सबब (२) संबंध; लाग (३) उपाय; मदद

ज़री स्त्री० जरी-कसब (२) वि० जरीनुं; कसबी [माणस

ज़रीफ़ [अ.] जरीफ-मजाकी के समजदार

जरीब स्त्री० [फा.] जमीन मापवानी सांकळ

ज़रूर वि० [अ. ज़ुरूर] जरूरी; आवश्यक (२) अ० जरूर (नाम, ०त स्त्री०)

ज़रूरी वि० जरूरनुं; आवश्यक

ज़र्क़ बर्क़ वि० [फा.] झलकदार

जर्जर,-रित वि० [सं.] जरी गयेलुं; जीर्ण

ज़र्द वि० [फा.] 'जरद'; पीळुं. ०चोब स्त्री० हळदर. (-र्दी स्त्री०)

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

जर्दालू पुं० जुओ 'ज़रदालू'
ज़र्फ़ पुं० [अ.] वासण (२) पात्रतां; बुद्धिमत्ता; समज (३) काल ने स्थान वाचक क्रियाविशेषण
ज़र्फ़ीयत स्त्री०[फा.] पात्रता; योग्यता
ज़र्ब स्त्री० जुओ 'ज़रब'
ज़र्ब-उल्-मसल स्त्री०[अ.] कहेवत (२) वि० जाणीतुं; सर्वविदित
ज़र्रा पुं० [अ.] अणु; कण
जर्रार वि०[अ.] बहादुर (२) विशाळ सेना. (नाम –री स्त्री०)
जर्राह पुं० [अ.] सरजन; शस्त्रवैद
जर्राही स्त्री० [अ.] शस्त्रवैदुं
जलंधर पुं० जळंधर रोग
जल पुं० [सं.] पाणी
जलक़ स्त्री० [अ. जल्क़] हस्तमैथुन
जल-खावा पुं० 'जलपान'; नास्तो
जलचर पुं०[सं.] जळचर प्राणी. –री स्त्री० माछळी [मोती, शंख, छीप इ०
जलज पुं०[सं.] कमळ (२) माछली (३)
जलजला पुं० [फा.] धरतीकंप
जलडमरूमध्य पुं० [सं.] सामुद्रधुनी
जलद, जलधर पुं० [सं.] वादळ; मेघ
जलधि पुं० [सं.] समुद्र
जलन स्त्री० दाह;ज्वलन(२)ईर्षा;दाझ
जलना अ०क्रि०जळवुं; बळवुं.जला-बला, जला-भुना=बहु गुस्सामां आवेलुं. जले पाँवकी बिल्ली=अहीं तहीं फर्या करती –अस्थिर स्त्री. जले फफोले फोड़ना =दाझ काढवा वळी वधारे सतावबुं
जलपान पुं० [सं.] नास्तो
जलप्रपा पुं० [सं.] परब; 'प्याऊ'
जलप्रपात पुं० [सं.] धोध
जलयान पुं० [सं.] वहाण; जहाज
जलवा पुं० जुओ 'जल्वा'
जलसा पुं० [अ.] (गायन वादननो) जलसो (२) अधिवेशन; बेठक; समारंभ
जलहरी स्त्री०जळाधारीके लिंगनी बेठक
जलाना स०क्रि० जाळवुं; बाळवुं
जलापा पुं० बळापो; दाझ (ईर्षानी)
जलाल पुं०[अ.] तेज (२) प्रभाव. –ली वि० तेजस्वी (२) पुं० एक फकीर संप्रदाय
जलालुका स्त्री० [सं.] जळो
जलाव पुं० खमीर; आथो के ते चडवो ते
जलावतन वि०[अ.] निर्वासित; देशपार थयेलुं (नाम, –नी स्त्री०)
जलावन पुं० बळतण; ईंधण [वगेरे
जलाशय पुं० [सं.] जळाशय–नदी, तळाव
जलाहल वि० जळमय; जळबंबाकार
जली वि०[अ.] चोख्खा मोटा (अक्षर)
जली-कटी, जली-भुनी (बात)=द्वेष के क्रोधादिथी कहेली वात
जलील वि०[अ.] तुच्छ (२) अपमानित
जलूस पुं० जुओ 'जुलूस'
जलेबी स्त्री० जलेबी मीठाई
जलोदर पुं० [सं.] जळंधर रोग
जलौका स्त्री० [सं.] जलालुका; 'जळो'
जल्द अ० [अ.] (नाम, -ल्दी स्त्री०) जलदी; झटपट. ०बाज़ वि० [फा.] काममां जलदी करनार
जल्प,०न पुं०[सं.] लवारो; बकवाद; डिंग
जल्पना स०क्रि०लवारो, बकवाद करवो
जल्लाद पुं०[अ.] फांसियो; घातक (२) क्रूर घातकी माणस
जल्वा पुं०[अ.] शोभा; वैभव; 'जलवा'
जव पुं० जव; 'जौ' (२) [सं.] गति; वेग
जवनिका स्त्री० पडदो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

जवाँमर्द वि० [फा.] बहादुर; जबरुं; मरद. (नाम, **–र्दी** स्त्री०)

जवान वि०[फा.] जुवान (२) बहादुर (३) पुं० युवक (४) योद्धो; सिपाई. (नाम, **–नी** स्त्री०)

जवाब पुं०[अ.] जवाब; उत्तर; सामेथी प्रतिक्रिया (२) जोड; मुकाबलानी वस्तु (३) नोकरी छूटवानी आज्ञा. **–तलब करना** = वातनुं कारण पूछवुं; जवाब मागवो

जवाब-तलब वि० [फा.] जेनो जवाब लेवानो होय ते (नाम, **–बी** स्त्री०)

जवाब-दावा पुं० [अ.] प्रतिवादीनी केफियत [जवाबदार

जवाब़-देह वि०[फा.](नाम,**–ही** स्त्री०)

जवाबी वि०[फा.] जवाब संबंधी (जेम के, कार्ड, तार इ०)

जवार पुं०[अ.]आसपासनी जगा; पडोस (२) स्त्री० जुवार (३) झंझट; जंजाळ

जवारा पुं० (जवना) जवारा

जवाल पुं० [अ.] अवनति (२) आफत

जवास,-सा पुं० जवासो–एक औषधि

जवाह(–हि)र पुं०[अ.] झवेर; रत्न

जवाहरात पुं० [अ.] झवेरात

जशन, जश्न पुं० [फा.] उत्सव; जलसो (२) हर्ष

जस पुं० जश; कीर्ति (२) अ० (प.) 'जैसा'; जेवुं [जाडाई

जसामत स्त्री०[अ.] शरीरनी स्थूलता,

जसीम वि० [अ.] जाडुं; स्थूल

जस्त स्त्री० [फा.] कूदको; छलंग

जस्ता पुं० जसत. **–स्तई** वि० जसतना रंगनुं [त्यां; अनेक जगाए

जहँ अ० 'जहाँ'; ज्यां (प.). **–तहँ**=ज्यां

जहँड़(–ड़ा)ना अ०क्रि० खोटमां पडवुं (२) फसावुं; छेतरावुं

जहद स्त्री० [अ.] कोशिश [(२) थाकवुं

जहदना अ०क्रि० 'जहदा'–कीचड थवो

जहदा पुं० खूब कादवकीचड

जहन पुं० जुओ 'ज़िहन'

जहन्न(–न्नु)म पुं०[अ.]जहन्नम;नरक. **०रसीद** वि० नरके गयेलुं. **–मी** वि० नरके जनारुं

जहमत स्त्री० [अ.] जहेमत; मुसीबत

ज़हर स्त्री० [फा.] झेर (वि० **०दार, –री,–रीला**)

जहल पुं० [अ.] अज्ञान; नादान

जहाँ अ० ज्यां (२) पुं० [फा.] 'जहान'नुं समासनुं रूप. **–तहाँ**=ज्यां त्यां; अनेक जगाए.**–का तहाँ**=ज्यांनुं त्यां;तेने स्थाने

जहाँ-दीदा पुं०[फा.]भारे अनुभवी माणस

जहाँपनाह पुं०[फा.] बादशाह; सम्राट

जहाज़ पुं०[अ.] जहाज; वहाण. **–का कौआ**=जुओ 'जहाज़ी कौआ'

जहाज़ी वि० वहाण अंगेनुं (२) पुं० खलासी. **–कौआ**=एक ज जगाए–ठेरनो ठेर रहेतो माणस (२) भारे पाको पहोंचेल माणस.**–डाकू**=चांचियो

जहान पुं० [फा.] संसार; जगत

ज़हानत स्त्री० बुद्धिमत्ता; समजशक्ति

जहालत स्त्री०[अ.] अज्ञानता; नादानी

जहिआ,–या अ० (प.) ज्यारे; 'जब'

जहीं अ० (प.) ज्यां; जहीं

ज़हीन वि० [अ.] बुद्धिमान

ज़हीर वि०[अ.] सहायक (२) कमजोर

ज़हूर पुं० [अ.] जाहेरात; प्रकाश

जहेज़ पुं०[अ.] वरने विवाहमां अपातुं धन पुं०; देज

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

जह्ल पुं० [फा.] 'ज़हर'; झेर. –(-ह्ले) कातिल = हळाहळ विष [खूब यातना
जाँ-कनी स्त्री०[फा.] मरणकाळनी पीडा;
जाँग, –घ स्त्री० जांघ; साथळ
जाँगड़ा,–रा पुं० भाट; चारण
जाँगर पुं० शरीर (२) हाथपगनुं जोर. ०चोर = आळसु; हाडकांनुं हराम
जाँगरा पुं० जुओ 'जाँगड़ा'
जाँगलू वि० जंगली; गमार
जाँघ स्त्री० जुओ 'जाँग'
जाँघिया पुं० पहेरवानो जांघियो (२) मलखमनी एक कसरत
जाँच स्त्री० तपास
जाँचना स०क्रि० तपासवुं (२) जाचवुं
जाँत(–ता) पुं० दळवानो मोटो घंटो
जाँब पुं० (प.) जांबु फळ
जांबव पुं० [सं.] जांबु (२) सोनुं
जाँ-फ़िशानी स्त्री० [फा.] खूब महेनत
जा वि० [फा.] वाजबी; उचित (२) स्त्री० जगा
जा स० (प.) जे; 'यह'
जाई स्त्री० दीकरी (२) जाई वेल
जाकड़ पुं० जांगड दीधेलो माल
जाकि(–के)ट स्त्री० [इं.] जाकीट
जाग़ पुं०[फा.] कागडो [(३)जगा;स्थान
जाग पुं०याग;यज्ञ(२)स्त्री०(प.)जागवुं ते
जागना अ०क्रि० जागवुं; ऊठवुं (२) सावध थवुं; चेतवुं [उजागरो
जागरण पुं० जागवुं ते; जागृति (२)
जागरित वि०[सं.] जाग्रत (२) जागरण
जागरूक वि० [सं.] जागतुं; सचेत
जागीर स्त्री०[फा.] वक्षिस के इनाममां मळेली जमीन. ०दार पुं०जागीरवाळो. ०दारी, जागीरी स्त्री० अमीरी

जागृति स्त्री० [सं.] जागवुं ते
जाग्रत् वि०[सं.] जागतुं (२) सावधान
जाचक पुं० याचक; मागनार(२)मागण
जाचना स०क्रि० याचवुं; मागवुं
जाज(–जिन) स्त्री०[तु.]जाजम–विछानुं
जाज़रूर पुं० [फा.] जाजरू
जाज़िब पुं० [अ.] शाहीचूस (२) वि० आकर्षक
जाजिम स्त्री० जुओ 'जाजम'
जाज्वल्य,'०मान वि० [सं.] प्रकाशतुं; तेजस्वी [तळावनो वच्चेनो स्तंभ
जाठ पुं० कोलुनो वचलो लठ्ठो (२)
जाड़ा पुं० शियाळो (२) ठंडी
जाड्य पुं० [सं.] जडता (२) मूर्खता
जात स्त्री० जाति; नात (२) वि० [सं.] जन्मेलुं
ज़ात स्त्री० [अ.] जात; देह
जातपाँत स्त्री० नातजात; ज्ञाति; वर्ण
जाति स्त्री०[सं.] जात; कुल; वंश (२) वर्ण;नात (३) राष्ट्र (४) जात; प्रकार. ०पाँति स्त्री० 'जातपाँत'; नातजात. ०वैर पुं० सहज वेर
ज़ाती वि० वैयक्तिक (२) पोतानुं
जात्रा स्त्री० यात्रा. –त्री पुं० यात्री
ज़ाद-राह पुं० [अ.] रस्तानो खर्च
जादू पुं० [फा.] जादु; चमत्कार (२) जंतरमंतर (३) नजरबंद (४) मोहिनी; आकर्षण.–डालना,मारना=जादु करवो
जादूगर पुं०[फा.] जादु करनार (नाम, –री स्त्री०)
जान स्त्री० जाण; खबर (२)[फा.] प्राण; जान (३) बळ(४)सार.–आना=जीवमां जीव आववो. –के लाले पड़ना=आवी बनवुं.–पड़ना=शक्ति आववी(२)खबर

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पडवी. –पर खेलना=जाननी परवा न करवी. –से गुज़र जाना, –से जाना=मरवुं

जानकार वि० जाणकार (२) तज्ज्ञ

जानकारी स्त्री० जाण (२) निपुणता

जान-जोखिम, जान-जोखों स्त्री० जाननुं जोखम [जानकीजीवन

जानकी-जान (–नि) पुं० रामचंद्र;

जान-जाँ, जाने-जाँ वि०अति प्रिय; जान जेवुं वहालुं

जानदार वि० जानवाळुं; जीवंत (२) हिंमतवाळुं (३) पुं० जीव; प्राणी

जानना स० क्रि० जाणवुं. –**बूझना**=जाणवुं; समजवुं

जान-निसार वि० [फा.] जान दे एवुं; वफादार. –**री** स्त्री०

जान-पहचान स्त्री०जानपिछान;परिचय

जान-फ़िशानी स्त्री०[फा.] तनतोड श्रम

जानबख़्शी स्त्री०[फा.] प्राणदान; क्षमा

जान-बाज़ वि० [फा.] बहादुर; वीर. –**ज़ी** स्त्री० वीरता; साहस

जान-बीमा पुं० जिंदगीनो बीमो

जान(-ने)मन वि० जुओ 'जानजाँ'

जा-नमाज़ स्त्री०[फा.] नमाजनुं आसन; मुसल्लो

जान-लेवा वि०जान ले एवुं; जानी दुश्मन

जानवर पुं०[फा.] प्राणी; पशु (२) मूर्ख

जा-नशीन वि० [फा.] वारस [जणवुं

जाना अ०क्रि० जवुं (२) स०क्रि० (प.)

जानिब स्त्री०[अ.] तरफ; बाजु; दिशा. ०**दार** वि०[फा.] पक्षपाती; तरफदार. ०**दारी** स्त्री० [फा.] पक्षपात

जानी वि०[फा.] जान जोडे संबंधवाळुं (२) प्राणप्रिय

जानु पुं० [सं.] घूंटण (२) जांघ

जानू पुं० [फा.] जुओ 'जानु'

जाने-अनजाने=जाण्ये अजाण्ये

जाने-जाँ, जाने-मन वि० जुओ 'जानजाँ', 'जानमन'

जापा पुं० जुओ 'सौरी'

जाफ पुं० थाक (२) मूर्छा; बेहोशी

जाफ़त स्त्री० जाफत; मिजबानी; 'ज़ियाफ़त'

ज़ाफ़रान पुं० स्त्री० [अ.] केसर

जा-ब-जा अ० [फा.] ठेर ठेर

जाबिर वि०[फा.] अत्याचारी; जालिम

जा-बेजा अ० [फा.] टाणेकटाणे

ज़ाब्ता पुं० [अ.] कायदो; नियम (२) जाप्तो; बंदोबस्त. –**दीवानी** पुं० दीवानी कायदो. –**फ़ौजदारी** पुं० फोजदारी कायदो ['जामुन' (३) [फा.] प्यालो

जाम पुं० याम; पहोर (२) जांबु;

जामगी(–गिरी) पुं०; स्त्री० [फा.] जामगरी

जामदानी स्त्री०[फा.] जामा–कपडांनी (चामडानी) पेटी (२) एक जातनुं वारीक कापड [जुओ 'जामुन'

जामन पुं० दहीं माटेनुं मेळवण (२)

जामा पुं०[फा.] जामो (२) वि०[अ.] कुल; सब. **जामेसे बाहर होना**=खूब गुस्से थवुं

जामा-मसजिद स्त्री० जुमामस्जिद

जामाता,–तु (प.) पुं० [सं.] जमाई

ज़ामिन,०दार पुं०[अ.] जामीन;बीजानी जोखमदारी पोता उपर कबूलनार; जवाबदार. (नाम, –नी स्त्री० जामिनगीरी)

जामुन पुं० जांबु के जांबुडो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

जामुनी वि० जांबुडिया रंगनुं
जामे-जम, जामे-जमशेद पुं० [फा.] ईराननना बादशाह जमशेदनो जादुई प्यालो ['जा'; जगा
जाय अ० वृथा (२) स्त्री० [फा.]
जायक़ा पुं०[अ.] जायको; खावापीवानो स्वाद के लहेजत (वि०,-**केदार**)
जायचा पुं० [फा.] जन्मोत्री
जायज़ वि० [अ.] उचित
जाय-ज़रूर पुं०[फा.] 'जा-ज़रूर';जाजरू
जायज़ा पुं० [अ.] तपास (२) इनाम
जायद वि०[अ.] वधारेपडतुं; नकामुं; फालतु
जायदाद स्त्री० [फा.] माल-मिलकत. ०**आबाई** स्त्री० पितृकी जायदाद. ०**ग़ैरमनक़ूला** स्त्री० स्थावर मिलकत. ०**मक़फूला** स्त्री० गीरो मूकेली मिलकत. ०**मनक़ूला** स्त्री० जंगम मिलकत
जाय-नमाज़ स्त्री० [फा.] मुसल्लो; नमाजनी चटाई
जायफल पुं० जायफळ—एक औषधि
जायज़ वि० [फा.] पडती थतुं; नाश पामतुं; पायमाल
जाया स्त्री० [सं.] पत्नी; स्त्री
ज़ाया वि० [फा.] बरबाद; नष्ट
जार पुं० [सं.] यार; व्यभिचारी
ज़ार पुं० [इं.] रशियानो झार (२) [फा.] 'जा'; जगा; स्थान (३) वि० रोतुं; दुःखी (४) अ० खूब. -**व क़तार**=सतत
जारी स्त्री० जारकर्म; यारी (२) वि० [अ.] चालु; वहेतुं
ज़ारी स्त्री० [फा.] रोवुं ते; रोककळ
जारूब पुं० [फा] झाडु [दगो; युक्ति
जाल पुं०[अ. जअल]जाळ;खोटी बनावट;

जाल पुं०[सं.] जाळ; जाळा (२) जाळुं
जालदार वि० जाळीदार; जाळीवाळुं
जालसाज़ वि०[फा.] दगाबाज; कपटी. -**ज़ी** स्त्री० दगो
जाला पुं० करोळियानुं जाळुं (२) आंख पर बाझतुं जाळुं—एक रोग (३) पाणीनुं एक मोटुं माटीनुं वासण [जुलमी
ज़ालिम वि०[अ.]जालिम;जुलम करनार;
जालिया वि० 'जाल'—दगो करनार; 'जालसाज़' (२) पुं० माछीमार
जाली स्त्री० जाळी (२) वि० [फा.] बनावटी;कपटी.०**दार** वि० जाळीवाळुं. ०**ले(-लो)ट** पुं० एक जातनुं जाळीदार कपडुं
जावन पुं० जुओ 'जामन'
जावित्री स्त्री० जावंत्री
ज़ाविया पुं० खूणो
जावेद वि० [फा.] स्थायी; दीर्घजीवी
जासु स० (प.) 'जिसको'; जेने
जासूस पुं० [अ.] छूपो बातमीदार; गुप्तचर. -**सी** स्त्री० तेनुं काम
जाह पुं०[अ.] उच्च पद (२) प्रतिष्ठा; गौरव. ०**व जलाल** पुं० जाहोजलाली; वैभव [त्यागी माणस
ज़ाहिद पुं० [अ.] जाहेद; धर्मनिष्ठा;
ज़ाहिर,०**ज़हूर** वि०[अ.] जाहेर; प्रगट; खुल्लुं [करनारुं
ज़ाहिरदार वि० [फा.] मात्र देखाडो
ज़ाहिरदारी स्त्री० [फा.] मात्र देखाव के ते अर्थेनुं काम के वात
ज़ाहिर-बीं वि०[फा.] उपरनुं ज जोनार, तेने ज महत्त्व आपनार. (नाम, -**बीनी** स्त्री०) [अने बहार
ज़ाहिर व बातिन अ० [फा.] अंदर

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

जाहिरा अ० [अ.] जाहेरमां; प्रत्यक्ष; देखवामां
जाहिरी वि० बाह्य; उपरनुं; प्रत्यक्ष
जाहिल वि० [अ.] मूर्ख (२) अभण
जाहिली,–लियत स्त्री० [अ.] अज्ञान; मूर्खता; अभणता
जिंक पुं० [इं.] जसतनो खार
जिंद पुं० [अ.] जीन; झंड; भूत
जिंदगी,–गानी स्त्री० [फा.] जिंदगी; जोवन; आयु
जिंदा वि० [फा.] जीवतुं (२) प्रफुल्ल; खीलेलुं (३) सळगती (आग)
जिंदा-दिल वि०[फा.] खुश-मिजाज (२) हसमुखुं (३) रसिक; विनोदी. (नाम, **–ली** स्त्री०)
जिंदाबाद श० प्र० [फा.] जीवतुं रहो
जिंस स्त्री०[फा.] प्रकार (२) जणस; चीज (३) सामग्री (४) अनाज
जिंसवार पुं० [फा.] तलाटीनुं फसल इ०नुं एक पत्रक (२) वि० वर्ग प्रमाणे. **–री** स्त्री० वर्गीकरण
जिआना स० क्रि० (प.) जिवाडवुं; 'जिलाना' [वातचीत
जिक्र पुं०[अ.] जिकर; चर्चा; उल्लेख;
जिक्र-मजकूर पुं०[अ.] चर्चा; वातचीत
जिगर पुं०[फा.] जीव (२) कलेजुं (३) हिंमत (४) सत्त्व; सार
जिगरा पुं० जिगर; छाती; हिंमत
जिगरी वि०[फा.]जिगरनुं(२)दिलोजान
जिच,–च्च स्त्री०[फ.]लाचारी;विवशता
जिजिया पुं० जुओ 'जज़िया'
जिज्ञासा स्त्री०[सं.] जाणवानी इच्छा. **–सु** वि० [वि० [सं.] जितायेलुं
जित अ० (प.) जे वाजु; 'जिधर' (२)
जितना वि० जेटलुं [प्रेरक
जिताना स०क्रि० जिताडवुं;'जीतना'नुं
जितेन्द्रिय वि०[सं.] इंद्रियोने जीतनार
जिद,–द्द स्त्री०[अ.] ऊलटी के विरुद्ध वात (२) जिद; ह . **–चढ़ना,–पकड़ना, –पर आना**=जिद्दे चडवुं. **–द्दन्** अ० हठपूर्वक. **–द्दी** वि० हठीलुं
जिधर अ० ज्यां; जे बाजु
जिन पुं० [अ.] भूतप्रेत (२) [सं.] जैन तीर्थंकर (३) स० 'जिस' नुं ब०व०
जिना पुं० [अ.] व्यभिचार
जिनाकार वि०[फा.] व्यभिचारी. **–री** स्त्री० [बळात्कार करनार
जिना-बिल्-जब्र पुं० [अ०] स्त्री पर
जिनि अ० मत; नहि
जिनिस,०वार जुओ 'जिंस,०वार'
जिबह पुं० जुओ 'ज़बह'
जिमन पुं०[अ.] संबंध; अनुसंधान (२) 'दफ़ा'; कायदानी कलम
जिमनास्टिक पुं०[इं.] कसरत (साधनो द्वारा कराती)
जिमनेशियम पुं० [इं.] व्यायामशाळा
जिमाना स०क्रि० जमाडवुं; 'जीमना'नुं प्रेरक
जिमि अ० (प.) जेम; जेवी रीते
जिम्मा पुं०[अ.] जुम्मो; जवाबदारी (२) देखरेख; रक्षण
जिम्मादा(-वा)र [फा.], **जिम्मेवार** वि० जुम्मेदार (नाम, **–री** स्त्री०)
जिय पुं० (प.) मन; चित्त; जीव
जियरा पुं० जीव; जीवडो
जियाँ,–यान पुं०[फा.] घट; तोटो; खोट
जिया स्त्री० [अ.] प्रकाश; तेज; कांति
जियादती स्त्री० [फा.] 'ज़्यादती'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

जियादा वि०[अ.] वधारे; वहु; ज्यादा
जियान पुं० जुओ 'ज़ियाँ'
जियाना स०क्रि० जिवाडवुं (२) पोषवुं
जियाफ़त स्त्री०[अ.] जाफत; मिजबानी
जियारत स्त्री०[अ.] दर्शन(२)तीर्थयात्रा
जियारती वि०[फा.] दर्शनार्थी (२) यात्री
जियारी स्त्री० जिंदगी (२) आजीविका (३) साहस; हिंमत
जिरगा पुं० [फा.] जुओ 'जरगा'
जिरह स्त्री० [अ. जुरह] चर्चा; वाद-विवाद (२) ऊलट-तपास
ज़िरह स्त्री० [फा.] कवच; बखतर
ज़िराअ(-य)त स्त्री०[अ.]जुओ'ज़राअत'
ज़िराफ़ा पुं० जुओ 'ज़राफ़ा'
जिर्म पुं० [अ.] जंतु; 'जर्म' (इं.)
जिला स्त्री०[अ.] चमक; प्रकाश (२) मांजी के रंगो-करीने चमकाववुं ते; पालीस.-करना, -देना=पालीस करवी; ढोळ चडाववो; चमक आपवी
ज़िला पुं० [अ.] जिल्लो. ०दार पुं० जुओ 'ज़िलेदार'
जिलाकार, जिलासाज़ पुं० 'जिला' करनार
जिलाना स०क्रि० जिवाडवुं (२) पाळवुं-पोषवुं
ज़िलेदार पुं० [फा.] (जमीनदारनुं) महेसूल उघरावनार अमलदार (२) नहेरखाताना एक नोकर
जिल्द स्त्री०[अ.] खाल; चामडी (२) पुस्तकनी बांधणी (३) पुस्तक; ग्रंथ
जिल्दबंद, जिल्दसाज़ पुं० [फा.] बुक-बाइन्डर (नाम, **-दी, -ज़ी** स्त्री०)
ज़िल्लत स्त्री०[अ.] अपमान; बेआबरू (२) दुर्दशा. **-उठाना या पाना**=अपमानित थवुं
जिस स० 'जो' नुं विभक्ति माटेनुं रूप
जिस्म पुं० [फा.] जिसम; देह
जिस्मानी वि० [अ.] शारीरिक
ज़िहन पुं०[अ.] समज; बुद्धि (२) याद-दास्त.**-खुलना**=बुद्धि खीलवी.**-लड़ाना**=खूब विचारवुं; मगज दोडाववुं
जिहाद पुं०[अ.]जेहाद;धर्मयुद्ध.**-दी** वि०
जिहालत स्त्री० जुओ 'जहालत'
जिह्वा स्त्री० [सं.] जीभ
जी पुं० जीव (२) अ० जी. **-करना**=हिंमत करवी (२) जीव घालवो; इच्छवुं. **-का बुख़ार निकलना**=जीवनो कढापो बळापो इ० नीकळी जीव ठरवो. **-खट्टा या फीका होना**=मन फरी जवुं; घृणा थवी, चिंता थवी. **-जानसे**=पूरा दिलथी; पूरी शक्तिथी. **-टंगा रहना या होना**=चिंता थवी. **-डूबना**=चित्त व्याकुल थवुं. **-पर आ बनना**=आवी बनवुं.**-पर खेलना**=जीव जोखममां नांखवो. **-पानी होना, -पिघलना**=दिल पीगळवुं; दया आववी. **-बढ़ना**=हिंमत उत्साह वधवो; खुश थवुं. **-बिखरना, -मतलाना**=विह्वळ के बेहोश थवुं. **-बिगड़ना**=गभरामण थवी; जीव चूंथावो. **-बुरा होना**=ऊलटी थवी (२) घृणा के अभाव थवो. **-भर आना**=दिल भराई आववुं; दुःख-दया ऊपजवां.**-भरना**=धरावुं; संतोष थवो. **-भरभरा उठना**=आवेगथी मन उत्तेजित थवुं. **-मालिश करना**=जीव गभरावो (२) ऊलटीनी हाज़त थया करवी. **-से उतर जाना**=मनथी ऊतरी जवुं. **-से जाना**=मरी जवुं. **-होना**=मरजी होवी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

जीग्रा पुं०[फा.] कलगी; तोरो; शिरपेच
जीजा पुं० मोटी बहेननो वर
जीजी स्त्री० मोटी बहेन
जीत स्त्री० जीत; फतेह (२) लाभ; सफळता
जीतना स०क्रि० जीतवुं; फतेह पामवुं
जीता वि० जीवतुं. **जीती मक्खी निगलना**=जाणीबूजीने अयोग्य के अन्यायी काम करवुं. **जीते जी**=जीवतां; हयातीमां. **जीते मरते**=कोई रीते; खूब मुश्केलीथी
जीता-जागता वि० जीवतुं जागतुं; सतेज
जीता लोहा पुं० लोहचुंबक
जीन पुं० [फा.] घोडानुं जीन (२) एक जाडुं जीननुं कपडुं
जीनत स्त्री० [फा.] शोभा; शणगार
जीनपोश पुं० [फा.] जीन परनुं कपडुं
जीनहार अ० [फा.] 'हरगिज़'; कदापि
जीना अ०क्रि० जीववुं; जीवतुं रहेवुं; जीवन गाळवुं
जीना पुं० [फा.] जीनो; सीडी
जीभ स्त्री० जीभ (२) कलमनुं अणियुं. **–भी** स्त्री० ऊलियुं (२) अणियुं
जीभा, जीभीचाभा पुं० ढोरनो एक रोग
जीमना स०क्रि० [सं. जिम्] जमवुं
जीमूत पुं०[सं.] वादळ; मेघ (२) पहाड
जीय पुं० जीव; 'जी'
जीर [सं.], **–रा** [फा.] पुं० जीरुं
जीर्ण वि० [सं.] जूनुं; जरजरी गयेलुं
जीर्णोद्धार पुं० [सं.] जूना पुराणानुं समारकाम [वायुं
जील स्त्री० धीमो अवाज (२) तबलानुं
जीवंत वि०[सं.] 'जीता'; जीवतुं जागतुं
जीव पुं०[सं.] जीव; प्राण (२) प्राणी
जीवजतु पुं० [सं.] जीवडां; जिवात; कीडीमंकोडी इ०
जीवट पुं० हिंमत; बहादुरी; छाती
जीवन पुं०[सं.] जीवन; जिंदगी. **–भरना** =जीवन गुजारवुं
जीवनमूरि स्त्री० जीवनमूळी
जीवनी स्त्री० जीवनचरित
जीवरा पुं० (प.) जीवडो; जीव
जीवसू स्त्री०[सं.] जेनी संतति जीवती होय एवी स्त्री
जीवाजून पुं० जीवजंतु; प्राणीमात्र
जीवाणु पुं० [सं.] सूक्ष्म जीवजंतु
जीवात्मा पुं० [सं.] जीव; देही
जीविका स्त्री०[सं.] आजीविका; रोजी
जीवित वि०[सं.] जीवतुं (२)पुं० जीवन
जीवन्मुक्त वि० [सं.] जीवतो छतां मुक्त; ज्ञानी
जीस्त स्त्री० [फा.] जिंदगी; जीवन
जीह(–हा,–ही) स्त्री० (प.) जीभ
जुंबिश स्त्री० [फा.] चाल; गति (२) झुंबेश; हिलचाल
जुआँ स्त्री० 'जूँ'; जू
जुआ पुं० झूंसरी (२) घंटीनो हाथो (३) जुवा; जूगटुं. **०खाना, ०घर** पुं० जुगारनो अड्डो
जुआचोर पुं० ठग; धुतारो
जुआड़ी(–री) पुं० जुओ 'जुआरी'
जुआर स्त्री० जुओ 'ज्वार' (२) पुं० जुओ 'जुआरी'
जुआर भाटा पुं० जुओ 'ज्वार भाटा'
जुआरी पुं० जुगारी
जुई स्त्री० नानी जू (२) एक कीडो
जुकाम पुं०[अ.]सळेखम; शरदी. **मेंढ़कीको जुकाम होना**=न थई शके एवुं थवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

जुग पुं० युग (२) जोडुं; युगल (३) जूथ; दळ. **–जुग**=सदाकाळ

जुगजुगाना अ०क्रि० झबको मारवो; झबूकवुं (२) दशा सुधरवी [दक्षता

जुगत स्त्री० युक्ति;उपाय(२)व्यवहार-

जुगनी स्त्री०; **जुगनू** पुं० आगियो (२) गळानुं रामपगला जेवुं घरेणुं

जुग़राफ़िया पुं० [अ.] भूगोळ

जुगल वि० युगल; जोडुं

जुगवना, जुगाना स०क्रि० साचवीने संभाळीने राखवुं; जोगववुं

जुगालना अ०क्रि० वागोळवुं

जुगाली स्त्री० वागोळवुं ते

जुज़ पुं०[फा.] भाग; हिस्सो (२) ८ के १६ पानानी थोकडी; फॉर्म [कपडुं

जुज़दान पुं० [अ.+फा.] पुस्तक बांधवानुं

जुज़बंदी स्त्री०[फा.] जुसबांधणी; अनेक फॉर्म सीवीने पुस्तक बांधव नी रीत

जुज़वी वि० [फा.] जूज; थोडुं

जुझाऊ वि० युद्ध संबंधी

जुझाना स०क्रि० झूझे एम करवुं

जुझार वि० झूझे एवुं; लडवीर; बहादुर

जुट स्त्री० जोडी (२) जथो; टोळी

जुटना अ०क्रि० जोडावुं; मळवुं; एकत्र थवुं; संगठित थवुं

जुटाना स०क्रि० 'जुटना' नुं प्रेरक

जुट्टी स्त्री० कलगी; पडो; झूडी (२) गठ्ठो (३) थप्पी

जुठारना स०क्रि० जूठुं छांडवुं; छांडवुं

जुठिहारा पुं० एठुं खानार

जुड़ना अ०क्रि० जोडावुं; 'जुटना'

जुड़पित्ती स्त्री० शीळस–एक त्वचारोग

जुड़वाँ वि० जोडियुं (२) पुं० जोडियुं जन्मेलुं बाळक

जुड़वाना स०क्रि० जुओ 'जुड़ाना' (२) जुओ 'जोड़वाना'

जुड़ाई स्त्री० जुओ 'जोड़ाई'

जुड़ाना अ० क्रि० ठंडुं के शांत थवुं (२) तृप्त थवुं (३) स० क्रि० ठंडुं पाडवुं (४) तृप्त करवुं

जुतना अ०क्रि०हळे के गाडीए जोतरावुं; जोतावुं; जोडावुं–लागी जवुं

जुताई स्त्री० जुओ 'जोताई'

जुतियाना स०क्रि० जोडाटवुं (२) भारे अपमान करवुं

जुदा वि०[फा.]जुदुं;अलग(२)छूटुं;फारेग

जुदाई स्त्री०[फा.] वियोग; छूटुं थवुं ते

जुनून [फा.]झनून; पागलपणुं. **–नी** वि०

जुन्नार पुं० [अ.] कस्ती के जनोई

जुन्हाई स्त्री० चांदनी; ज्योत्स्ना

जुफ़्त वि०[फा.] बेकी (२)पुं०जोडी;युग्म

जुब्बा पुं० [अ.] फकीरनो झभ्भो

जुमरा पुं०[अ.] जथो; भीड (२) फोज

जुमला पुं०[अ.] पूरुं वाक्य (२) जुमलो; कुल सरवाळो (३) वि० कुल; बधुं

जुमहूर,–रियत,–री [अ.]जुओ 'जमहूर, –रियत,–री'

जुमा पुं० [अ.] शुक्रवार. **–जुमा आठ दिन**=थोडा दिवस; 'चंद रोज़'

जुमा-मस्जिद स्त्री० शुक्रवारनी नमाज पढवानी–मोटी मस्जिद [गुरुवार

जुमा(-मे)रात स्त्री० [अ. जुमअरात]

जुरअत स्त्री०[अ.] जुरत; हिंमत; साहस

जुर पुं०(प.)ज्वर. ०**झुरी** स्त्री० धीकडी (२) तावनो टाढ

जुरना स०क्रि० (प.) जुओ 'जुड़ना'

जुरमाना पुं० जुओ 'जुर्माना'

जुराफ़ा पुं० [अ. जुर्राफ़ः] जिराफ पशु

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

जुरूफ़ पुं० [अ.'ज़र्फ़' नुं ब०व०] वासण-कूसण

जुरूर, जुरूरी [अ.] जुओ 'ज़रूर,–री'

जुर्म पुं० [अ.] गुनो; अपराध

जुर्माना पुं० [फा.] दंड

जुर्रा पुं० [फा.] बाज पक्षी (नर)

जुर्राब स्त्री० [तु.] पगनो मोजो

जुल पुं० छळ; कपट. **०बाज़** वि० धूर्त; कपटी. **०बाज़ी** स्त्री० कपट; दगो

जुलाई स्त्री० [इ.] जुलाई मास

जुलाब पुं० जुओ 'जुल्लाब'

जुलाल वि० [अ.] स्वच्छ (पाणी)

जुलाहा पुं० [फा. जीलाह] वणकर. (स्त्री०, –हिन)

जुलूस पुं० [अ.] राजगादी पर आववुं ते (२) सरघस के उत्सवनी धामधूम

जुल्फ़ स्त्री० [फा.] वाळनी लट–जुलफुं

जुल्म पुं० [अ.] जुलम; अत्याचार; अन्याय. **–टूटना**=आफत आववी. **–ढाना**=जुलम करवो (२) भारे करवी

जुल्मत स्त्री० [अ.] अंधारुं

जुल्मात स्त्री० [अ.] अंधारी जगा

जुल्मी वि० [फा.] जुलमी; अत्याचारी

जुल्लाब पुं० [अ.] जुलाव; दस्त; रेच

जुवा पुं० जुवा; जूगटु (२) जुओ 'जुआ'

जुवारी पुं० जुओ 'जुआड़ी'

जुस्तजू स्त्री० [फा.] जुस्तेजू; तपास; शोध

जुहार स्त्री० जुहार; प्रणाम

जुहारना स० क्रि० जहार करवो; प्रणाम करवा (२) मदद मांगवो

जुही स्त्री० [सं. यूथी] जूई; 'जूही'

जूँ स्त्री० जू. **कानों पर जूँ रेंगना**= स्थितिनुं भान थवुं; चेतवुं. **–की चाल** = बहु धीमी चाल

जूआ पुं० जुओ 'जुआ'

जूजू पुं० बाळकने डरावबानो हाउ

जूझना अ० क्रि० झूझवुं; लडवुं (२) लडतां प्राण आपवा [(४) [.] शण

जूट पुं० [सं.] झूडो (२) जटा (३) अंबोडो

जूठ वि० जुओ 'जूठा'

जूठन स्त्री० एठुं खावानुं; जूठण

जूठा वि० [सं. जुष्ट] (स्त्री०–ठी) एठुं; छांडेलुं

जूड़ा पुं० जूट; वाळनो अंबोडो

जूड़ी स्त्री० टाढियो ताव

जूता पुं० जूतुं; जोडो

जूताखोर वि० निर्लज्ज; शरम वगरनुं

जूती स्त्री० (स्त्रीनो) जोडो; जूतुं

जूतीकारी, जूती पैज़ार स्त्री० जोडाथी मारपीट

जून पुं० समय (२) तृण; घास (३) [इं.] जून मास (४) वि० (प.) जूनुं; जीर्ण

जूरर पुं० [इं.] जूरीनो सभ्य

जूरी पुं० [इं.] फोजदारी केसनुं पंच; जूरी (२) जुओ 'जूड़ी'

जूस पुं० [सं. जूष] दाळनुं ओसामण के सूप (२) [फा. जुफ़्त, सं० युक्त] बेकी संख्या

जूस-ताक पुं० एकीबेकी रमवानुं एक द्यूत

जूह पुं० जूथ; समूह (२) झूंसरुं

जूही स्त्री० [सं. यूथी] जुओ 'जुही'

जूंभ, ०ण पुं०, **–भा** स्त्री० [सं.] बगासुं (२) आळस

जेंवन पुं० भोजन; जमण ['जेवना'

जेंवना स० क्रि० [सं. जेमन] जमवुं;

जे स० 'जो'नुं ब०व०; जेओ

जेइ, जेउ (ऊ) स० 'जो'; जे

जेठ वि० ज्येष्ठ; मोटुं (२) पुं० स्त्रीनो जेठ (३) जेठ मास

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

जेठा वि० (वि०स्त्री०**–ठी**) ज्येष्ठ; मोटुं (२) सौथी सरस (नाम ०ई स्त्री०)
जेठानी स्त्री० जेठाणी
जेठी वि० जेठनुं (२) जेठ मासनुं (३) स्त्री० एक जातनो कपास (४) वि० स्त्री० जुओ 'जेठा'
जेठीमधु स्त्री० जेठीमध; 'मुलेठी'
जेठौत(–ता) पुं० जेठनो छोकरो (स्त्री० **–ती**) [पुं० जीतनार
जेता वि० 'जितना'; जेटलुं (२) [सं.]
जेतिक,जेते(–तो) वि० (प.) 'जितना' जेटलुं
जेना स०क्रि० जमवुं
जेब स्त्री० [अ.] जेब; खीसुं
ज़ेब स्त्री०[फा.] जेब; शोभा; सुंदरता. **–व ज़ीनत**=शोभा; सजावट
ज़ेब(–बा) वि०[फा.] योग्य;छाजतुं(२) शोभादायी (समासने अंते)
जेबकट पुं० खीसाकातरु
जेबघड़ी स्त्री० खीसानुं घडियाळ
ज़ेबदार वि० [फा.] सुंदर; शोभीतुं
ज़ेबा वि० जुओ 'ज़ेब'.०**इश**,०**ई** स्त्री० सुंदरता; शोभा
जेबी वि० खीसानुं (२) घणुं नानुं
जेर स्त्री० ओर; 'आँवल'
ज़ेर वि० [फा.] नीचेनुं; ऊतरतुं (२) जेर; परास्त (३) पुं० फारसी लिपिनुं एक चिह्न
ज़ेरपाई स्त्री०[फा.]हलका स्त्रीना जोडा
ज़ेरबार वि० [फा.] दुःखी; दबायेलुं (नाम, **–री** स्त्री०) [माठी दशा
ज़ेर-व-ज़बर पुं०[फा.] संसारनी सारी
जेल,०**खाना** पुं० जेल; केदखानुं
जेलर पुं० [इं.] जेलनो क अमलदार
जेवना स० क्रि० 'जंवना'; जमवु
जेवनार स्त्री० जमणवार (२) रसोई; भोजन
ज़ेवर पुं० [फा.] आभूषण; घरेणुं
जेवर,–री स्त्री० रसी; दोरी
ज़ेवरात पुं०('ज़ेवर'नुं ब०व०) झवेरात
ज़ेहन पुं० 'ज़हन'; बुद्धि; समज
जेहि स० (प.) जेने (२) जेनाथी
ज़ैतून पुं० [अ.] जेतूननुं झाड
जैन, जैनी पुं० जैन; श्रावक [(३) श्रेष्ठ
जैयद वि० [अ.] बळवान (२) खूब मोटुं
ज़ैल पुं० [अ.] नीचेनो भाग.**–में**=नीचे
जैसा वि० (स्त्री० **–सी**) जेवुं. **जैसेका तैसा**=पूर्ववत्; जेमनुं तेम
जैसे अ० जेम. **जैसे तैसे**=जेम तेम करीने
जैसो वि० (प.) जुओ 'जैसा'
जों अ० जेम; जेवी रीते; 'ज्यों'
जोंक स्त्री० जळो
जो स० जे (२) अ० (प.) जो; यदि
जोइ, जोइया स्त्री० जोरु; स्त्री
जोख स्त्री० जोख; तोल; वजन
जोखना स० क्रि० जोवुं; तपासवुं; विचारवुं (२) जोखवुं; तोलवुं
जोख(-खि)म, जोखों स्त्री० जोखम; 'ख़तरा' [योगीपणुं
जोखिता स्त्री०(प.)योषिता; पत्नी (२)
जोग पुं० योग (२) वि० योग्य; जोगुं (३) अ० जोग; –ने माटे
जोगड़ा पुं० जोगटो; नकली जोगी
जोगन(-नी) स्त्री० योगिनी; जोगण
जोगवना स०क्रि० जुओ 'जुगवना'
जोगिया वि० गेरु रंगनुं (२) जोगी संबंधी (३) पुं० जोगियो; योगी (४) जुओ 'जोगीड़ा'; जोगियो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

जोगी पुं० योगी (२) एक भिक्षुक जात
जोगीड़ा पुं० एक प्रकारनुं गायन के राग के ते गानार वृंद
जोटा पुं० जोटो; 'जोड़ा'
जोटी स्त्री० जोडी(२)जोडीदार; साथी
जोड़ पुं० सरवाळो के ते करवानी क्रिया (२)जोडाणनी जगा; सांधो (३)जोडेली वस्तु (४) समानता; बराबरी
जोड़-तोड़ पुं० दावपेच; युक्ति
जोड़न स्त्री० मेळवण; 'जावन'
जोड़ना स०क्रि० जोडवुं; सांधवुं (२) एकठुं करवुं; सरवाळो करवो (३) जोतरवुं (४) सळगाववुं
जोड़वाँ वि० जोडवुं (बाळक)
जोड़ा पुं० (स्त्री० -ड़ी) जोडी; जोटो (२) जोडा (३) पूरो पहेरवेश
जोड़ाई स्त्री० जोडवुं ते के तेनी मजूरी (२) चणतर [(३) बेल के घोडा-गाडी
जोड़ी स्त्री० जोडी (२) मगदळ-जोडी
जोत स्त्री० ज्योत (२)त्राजवानुं दामणुं (३) खेड के ते पूरती जमीन
जोतना स०क्रि० जोतरवुं (२) खेडवुं
जोताई स्त्री० 'जोतना'-ए काम के तेनी मजूरी [आगळनो)
जोति स्त्री० जोत; घीनो दीवो (देव
जोती स्त्री० जुओ 'जोति' (२) लगाम (३) त्राजवानी 'जोत'-दामणुं
जोफ़ पुं० [अ. ज़अफ़] बुढापो; घडपण (२) निर्बळता
जोबन पुं० जोबन; युवानी (२) सुंदरता (३) रोनक (४) स्तन; छाती
जोम पुं०[अ.] उमंग; उत्साह (२)जोम; शक्ति (३) अभिमान; गुमान
जोया वि० [फा.] ढूंढनार; खोळनार

ज़ोर पुं०[फा.] जोर; शक्ति; बळ; वेग; तेजी (२) महेनत; श्रम (३) काबू; अधिकार. (वि० ०दार, -रावर) **ज़ोरों पर, ज़ोरोंसे** = जोरथी; खूब वेगथी. **ज़ोरों पर होना**=जोर पर आववुं के होवुं [जोरी
ज़ोर-ज़ुल्म पुं०[फा.] जोर-जुलम; बळ-
ज़ोर-शोर पुं०[फा.] खूब जोर के वेग
ज़ोराज़ोरी स्त्री० जबरदस्ती (२) अ० जोरथी; बळजबरीथी
ज़ोरावर वि० [फा.] जोरावर; बळवान (नाम -री स्त्री०) [जोर
ज़ोरी स्त्री०(प.)जोडी (२) 'जोरावरी';
जोरू स्त्री० जोरु; पत्नी
जोलाहा पुं० जुओ 'जुलाहा'
जोश पुं० [फा.] जोस; आवेग; जुस्सो (२) ऊभरो. **-खाना**=ऊभरो आववो; ऊकळवुं. **-देना**=पाणी साथे उकाळवुं. **-व-ख़रोश**=खूब जोरशोर; धामधूम
जोशन पुं० [फा. जौशन] हाथनुं एक घरेणुं (२) कवच
जोशाँदा पुं० [फा.] क्वाथ; काढो
जोशीला वि० जोशीलुं; जोश भरेलुं
जोह,०न स्त्री० खोळ; तपास (२) राह; वाट (३) कृपादृष्टि; महेरबानी
जोहना स०क्रि० जोवुं (२) राह जोवी (३) खोळवुं
ज़ोहरा पुं०[अ.ज़ुहरः] गुरु-बृहस्पति ग्रह
जोहार पुं० 'जुहार'; प्रणाम
जौं अ० जो (२) जुओ 'ज्यों'
जौ पुं० जव (२) अ० (प.) जो (३) ज्यारे
जौक़ पुं० [अ.] भीड; गरदी
ज़ौक़ पुं० [अ.] आनंद. **-से**=सुखपूर्वक
ज़ौक़ शौक़ पुं० [अ.] मोजशोख

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

जौजा स्त्री० [अ.] जोरु; पत्नी
जौन स० (प.) जे (२) पुं० यवन
जौपै अ० (प.) 'जौ'; जो; यदि
जौर पुं० [अ.] जुलम; अत्याचार
जौहर पुं० [अ.] रत्न (२) सार (३) विशेता; खूबी
जौहर पुं० [जोव+हर] जौहर; जमोर के तेनी चिता
जौहरी पुं० [फा.] झवेरी
ज्ञात वि०[सं.] जाणेलुं. ०व्य वि०जाणवा योग्य. **–ता** पुं० जाणनार
ज्ञाति स्त्री० [सं.] नात
ज्ञान पुं० [सं.] जाण; बोध; समज; साक्षात्कार. **–नी** वि० ज्ञानवान. **–नेन्द्रिय** स्त्री० ज्ञान माटेनी इंद्रिय. **–छाँटना** = पोतानुं ज्ञान बताववा लांबीपहोळी वातो ठोकवी
ज्ञापन पुं० [सं.] जणाववुं ते; निवेदन
ज्ञेय वि० [सं.] ज्ञातव्य; जाणवा जेवुं; जाणी शकाय एवुं
ज्या स्त्री०[सं.] धनुषनी पणछ (२) पृथ्वी
ज्यादती स्त्री० [फा.] अधिकता (२) अत्याचार; बळात्कार
ज्यादा वि० जुओ 'ज़ियादा'; वधारे
ज्यान पुं० (प.) जुओ 'ज़ियान'
ज्याफ़त स्त्री० जुओ 'ज़ियाफ़त'
ज्यामिति स्त्री० [सं.] भूमिति
ज्यूं, ज्यों अ० जेम; जेवी रीते (२) 'जैसे हीं'; जेवुं; जे क्षणे; ज्यां
ज्येष्ठ वि० [सं.] मोटुं; वडु (२) पुं० जे मास
ज्यों अ० जुओ 'ज्यूँ'. **–का त्यों**=जेम होय तेम. **–ज्यों**=जेम जेम; जे क्रमे. **–त्यों**=ज्यां त्यां–जेम तेम करीने. **–हीं** =जेवुं; जे क्षणे
ज्योति स्त्री० [सं.] प्रकाश (२) जोत
ज्योतिक पुं० (प.) जोषी [जोष
ज्योतिर्विद्या स्त्री०[सं.] ज्योतिष विद्या;
ज्योतिष पुं०[सं.] जो ; ज्योतिष विद्या. **–षी** पुं० जोषी
ज्योतिष्पथ पुं० [सं.] आकाश
ज्योतिष्मान् वि० [सं.] प्रकाशवाळुं
ज्योत्स्ना स्त्री०[सं.] चांदनी के तेनी रात
ज्यो (–ज्यौ) नार स्त्री० रसोई (२) जाफत
ज्योहत,–र पुं० जौहर
ज्यौ अ० (प.) जो; यदि
ज्यौनार स्त्री० जुओ 'ज्योनार'
ज्वर पुं० [सं.] ताव [(२) स्पष्ट
ज्वलंत वि० [सं.] काशमान; जळहळतुं
ज्वलन पुं० [सं.] दाह; बळवुं ते (२) आग (३) ज्वाळा
ज्वार स्त्री० जुवार (२) जुआळ; भरती
ज्वारभाटा पुं० भरतीओट
ज्वारी पुं० जुओ 'जुआरी'
ज्वाल पुं०, **–ला** स्त्री०[सं.]झाळ;ज्वाळा (२) आंच; ताप
ज्वालामुखी पुं० ज्वाळामुखी पर्वत (२) स्त्री० एक देवी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

झ

झंक(-ख)ना अ०क्रि० जुओ 'झीखना'; झंखवुं

झंकार स्त्री०[सं.] झणकार; 'झनकार'

झंकारना स०क्रि० (२)अ०क्रि० झणझण अवाज करवो के थवो

झंखाड़ पुं० घीच कांटावाळी झाडी के वृक्ष; झांखरुं (२) रद्दी झाडझांखरांनो समूह

झंझट स्त्री० 'झाँझट'; झंझट

झंझन पुं० [सं.] झणकार; 'झंकार'

झंझनाना स०क्रि० (२) अ०क्रि० जुओ 'झंकारना'

झंझर स्त्री० 'झण्झर'; पाणी ठंडुं करवानुं एक जातनुं माटीनुं वासण

झंझरा वि० काणां काणांवाळुं;जाळीदार

झंझरी स्त्री० जाळी; जाळीवाळी बारी

झंझा,०निल,०वात पुं०[सं.] वंटोळियो; आंधी

झंझी स्त्री० फूटी कोडी

झंझोड़ना स०क्रि० झंझेडवुं; झटकाथी हलाववुं (जेम के झाडने)

झंडा पुं० झंडो; ध्वज. **झंडे पर चढ़ना**= फजेत के बदनाम थवुं

झंडा-बरदार पुं० झंडो लईने चालनार

झंडी स्त्री० नानो झंडो

झंडूला पुं० (वाळनी) बाधा उतार्या वगरनुं बाळक (२) घटादार झाड

झंप पुं० [सं.] उछाळो; छलंग

झंपना अ०क्रि० छुपावुं; ढंकावुं; (२) ऊछळवुं; कूदवुं (३) धसवुं; 'लपकना' (४) जुओ 'झेंपना'

झंपरी,-रिया स्त्री० (प.) (पालखीनो) ओढो; ढांकण

झंपान पुं० (पहाड चडवानी) डोळी

झंपोला पुं० नानुं छावडुं; 'झाबा'

झंवराना अ०क्रि० काळुं पडवुं; झंखवावुं (२) चीमळावुं; करमावुं

झंवा पुं० 'झाँवाँ';झामरो;खूब पकवेलो ईंट के ठींकरानो टुकडो जे हाथपग घसवा वपराय छे

झंवाना अ०क्रि० जुओ 'झंवराना' (२) स०क्रि० 'झंवा'-झामराथी घसवुं

झंसना स०क्रि० गवुं; छेतरी लेवुं

झइँ(-ईं) स्त्री०'झाँईं';पडछायो;अंधारुं

झक स्त्री० जक; धून (२) वि० साफ; चोख्खुं

झकझक स्त्री० रकझक;नकामी तकरार

झकझका वि० झगझगतुं; चळकतुं. ०ट स्त्री० झगझगाट; चळकाट

झकझोर पुं० झटको; धक्को (२) वि० झगझगतुं [(२) ढंढोळवुं

झकझोरना स०क्रि० खंखेरवुं; झाटकवुं

झकझोरा पुं० झटको; धक्को

झकना अ०क्रि० जक करवी (२)गुस्सामां अणघटतुं बोलवुं [चळकतुं

झकाझक वि० खूब साफ;चोख्खुं चट (२)

झकोर(-रा) पुं० हवानो झपाटो के लहरी (२) झटको

झकोरना अ०क्रि०हवानी लहरी चालवी

झक्कड़ वि० जक्की; 'झक्की' (२) पुं० भारे आंधी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

झक्की वि० जक्की; ह ीलुं

झख स्त्री० खिजावुं ते (२) दुःख रडवुं ते (३) पुं० माछली. **–मारना**=जख मारवी

झखना अ०क्रि० (प.) जुओ 'झंखना' (२) खिजावुं (३) दुःख रडवुं

झगड़(–र)ना अ०क्रि० झघडवुं; लडवुं

झगड़ा(–रा) पुं० झघडो; टंटो. **०फसाद, ०बखेड़ा** पुं० टंटोफिसाद; त्रखेडो. **–मोल लेना**=नाहक झघडो वहोरवो

झगड़ालू वि० झघडाखोर

झगा ुं० बाळकनीं गगा के ढीलुं कुरतुं

झज्झर स्त्री० जुओ 'झंझर'

झज्झी स्त्री० जुओ 'झंझी' [चमक

झझक, ०न स्त्री० खमचावुं ते (२) भडक;

झझकना अ०क्रि० खमचावुं (२) चमकवुं (३) खिजावुं (प्रेरक **झझकाना**)

झझकारना स०क्रि० वढवुं (२) तुच्छकारवुं; धुतकारवुं

झट, ०पट अ० झट; तरत; तावडतोब

झटकना, झटकारना स०क्रि० झाटकवुं; झाटको मारवो

झटका पुं० झटको (२) झपाटो; 'झोंका' (३) रोग शोक इ०नो सपाटो

झटिति अ० [सं.] झट

झड़ स्त्री० झडी (२) पुं० बे के वधारे कळनुं एक जातनुं ताळुं

झड़ना अ०क्रि० झरवुं; गरवुं (२) साफ थवुं

झड़प स्त्री० झपाझपी (२) क्रोध; आवेश (३) आगनी झपट – झोळ

झड़पना अ०क्रि० जोरथी हल्लो करवो (२) लडवुं (३) झडपी लेवुं

झड़पाझड़पी स्त्री० झपाझपी; बाथंबाथा

झड़(–र)बेरी स्त्री० रानी बोर

झड़ाझड़ अ० लगातार (२) झटपट

झड़ी स्त्री० वरसादनी झडी (२) झपाटो; रमझट

झनक, –कार स्त्री० जुओ 'झंकार'

झनकना अ०क्रि० झणझणवुं

झनकार स्त्री० जुओ 'झनक'

झनकारना स०क्रि० (२) अ०क्रि जुओ 'झंकारना' [झझणाववुं

झनझनाना अ०क्रि० झझणवुं (२) स०क्रि०

झनझनी स्त्री० 'झिनझिनी'; झणझणी

झप अ० झप; झट

झपक स्त्री० पलक वार (२) ऊंघनुं झोकुं

झपकना अ०क्रि० झोकुं खावुं–ऊंघवुं (२) जुओ 'झँपना'

झपकी स्त्री० पलकारो (२) झोकुं

झपट स्त्री० हल्लो; हुमलो; झपाटो

झपटना अ० क्रि० हल्लो करवो; तूटी पडवुं (२) स० क्रि० झपाटामां लेवुं

झपट्टा पुं० जुओ 'झपट'

झपना अ०क्रि० जुओ 'झपकना', 'झँपना'

झपाझपी स्त्री० पडापडी; उतावळ; जलदी

झपेट स्त्री० जुओ 'झपट'

झपेटना स०क्रि० झडपी लेवुं; दबाववुं

झपेटा पुं० झपाटो; हल्लो (२) भूतनी झपट

झप्पान पुं० जुओ 'झंपान'

झप्पानी पुं० झंपान ऊंचकनारो

झबरा, झबुआ वि० लांबा लांबा वाळवाळुं; जाफरियुं (पशु)

झबा(–ब्बा) पुं० घरेणा के कपडाने छेडे लटकतुं रखातुं शोभानुं फूमतुं के गुच्छ

झमक स्त्री० चमक (२) झमकार; ठणको

झमकना अ०क्रि० झमकवुं (२) झमकथी चालवुं; नाचवुं

झमझम अ० खूब वर्षानो अवाज (२) छम छम अवाज (३) झमक झमक (चळकवुं)

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

झमर झमर अ० झरमर झरमर
झमाका पुं० झणको; ठणको
झमाझम अ० 'झमझम' वर्षानो अवाज
झमूरा ुं० (रींछ इ०) जाफरियुं पशु; बाजीगरनो जंबूरो
झमेला पुं० बखेडो; झघडो (२) भीड. **–लिया** वि० झघडाखोर
झर स्त्री०[सं.] झरणुं (२) वरसादनी झडी (३) समूह; झुंड (४) आंच; झोळ
झरना पुं० झरणुं (२) अ०क्रि० झरवूं
झराझर अ० सतत; लगातार; जोरथी
झरी स्त्री० झरणुं (२) कर; लागो
झरोखा पुं० झरूखो [क्रोध
झल पुं० दाह; आंच (२) तीव्र च्छा (३)
झलक स्त्री० झळक; चमक (२) छाया; आभास. **०दार** वि०
झलकना अ०क्रि० झळकवुं; चळकवुं (२) आभास थवो; देखावुं
झलका पुं० फोल्लो [झळझळ; झगमग
झलझल स्त्री० चमक; झळमळ (२) अ०
झलझ(–म)लाना अ०क्रि० झगमगवुं; जळहळवुं (२) स०क्रि० झळकाववुं. (नाम **–हट** स्त्री०)
झलना स०क्रि०(हवा नांखवा) हलाववुं; वींझवुं (२) अ०क्रि० आम तेम हालवुं (३) 'झालना' नुं कर्मणि
झलमल पुं० जुओ 'झलझल'
झलमला वि० झगझगतुं; चमकतुं. **०ना** अ०क्रि० जुओ 'झलझलाना'
झलार पुं० झाडी; गाढुं वन
झल्ला पुं० टोपलो (२) वि० पातळुं; गाढुं नहि एवुं [चीडववुं
झल्लाना अ०क्रि० चिडावुं (२) स०क्रि०
झष पुं० [सं.] माछली (२) मगर
झाँई स्त्री० पडछायो (२) दगो (३) चहेरा पर पडी जतुं काळुं चकामुं. **–बताना**=दगो देवो
झाँक स्त्री० छूपुं डोकियुं करवुं ते ('ताकझाँक'मां वपराय छे.)
झाँकना अ०क्रि० आडमां के छूपुं जोवुं (२) डोकाववुं
झाँका पुं० झरूखो [ृश्य (३) झरूखो
झाँकी स्त्री० 'झाँक'; जोवुं ते; झांखी (२)
झाँगला वि० ढीलुं; रमतुं (वस्त्र ०)
झाँझ स्त्री० झांझ; छबलीकां (२) झांझर (३) क्रोध; दाझ (४) दुष्टता; 'शरारत'
झाँझट स्त्री० झंझट; झघडो
झाँझन(–र) स्त्री० झांझर–पगनुं घरेणुं
झाँझर वि० (प.) भांगेलुं; जीर्ण; तूटचुं-फूटचुं
झाँझरी स्त्री० झांझ; छबलीकां (२) झांझर
झाँट स्त्री० झांटुं
झाँप स्त्री० ऊंघ (२) पडदो; चक (३) कोई जातनुं ढांकण
झाँपना स०क्रि० ढांकवुं (२) शरमाववुं
झाँवना स०क्रि० 'झाँवाँ'थी – झामराथी घसीने (हाथ पग इ०) धोवुं [सुस्त
झाँवर(–रा) वि० काळु (२) मेलुं (३)
झाँवली स्त्री० आंखनो इशारो–नखरुं
झाँवाँ पुं० जुओ 'झँवा'
झाँसना स०क्रि० ठगवुं; दगो देवो; छेतरवुं
झाँसा(०पट्टी) पुं० छेतरपिंडी; धोखाबाजी; दगो. **–देना**=द ो देवो; छेतरवुं
झाँसू पुं० दगाबाज
झाग ुं० 'गाज'; ीण
झाड़ पुं० छोड (घुंगा जेवो) (२) झाड (३) झुंमर (४) स्त्री० झाडवुं ते
झाड़खंड पुं० वन

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

झाड़-झंखाड़ पुं० झाड-झांखरां; जुओ 'झंखाड़'
झाड़न स्त्री० कचरोपूंजो (२) कचरो झापटवानुं कपडुं — झापटियुं
झाड़ना स०क्रि० दूर करवुं (२) वातो फेंकवी (३) झाडवुं
झाड़-फानूस ु० झुंमर, हांडी, काचना प्याला इ० (रोशनी माटे)
झाड़-फूंक स्त्री० मंत्रथी झाडवुं के फूंकवुं ते
झाड़-बुहार स्त्री० वाळझूड; सफाई
झाड़ा पुं० जुओ 'झाड़फूंक' (२) झाडो; तपास (३) विष्टा या दस्त (४) जाजरू. —जाना=झाडे — जाजरू जवुं. —फिरना =झाडे फरवुं
झाड़ी स्त्री० नानुं झाडवुं; छोड (२) झाडी
झाड़ू पुं० झाडु; सावरणी (२) पूंछडियो तारो. ०कश, ०बरदार, ०वाला पुं० झाडुवाळो; भंगी. —देना=सावरणी फेरववी; वाळवुं. —फिरना=झाडु फरी जवुं; बधुं साफ खतम थवुं. —फेरना= खतम करी देवुं. —मारना=झाडु मारवुं; अनादर करवो; अवगणी का वुं
झापड़ पुं० झापट; थप्पड
झाबर पुं० कळण भूमि (२) 'झाबा'
झाबा पुं० टोपलो
झाम पुं० क मोटी कोदाळी
झामक पुं० [सं.] जुओ 'झँवा'
झायँझायँ स्त्री० झणकार (२) नीरव जगामां काने पडतो शून्यकारनो शब्द
झार स्त्री० झाळ; आंच (२) दाह (३) बळतरा; ईर्षा (४) पुं० समूह (५) वि० एकमात्र (६) कुल; समस्त
झारना स० क्रि० ओळवुं (२) जुओ 'झाड़ना'
झाल पुं० झांझ; छबलीकां (२) स्त्री० तीखाट (३) लहेर; मोज (४) वर्षानी झडी के हेली (५) झाळवुं ते
झालना स०क्रि० झाळवुं; रेण करवुं
झालर स्त्री० झूल (२) झांझ; छबलीकां
झावँझावँ स्त्री० बकवाद (२) जक; कजियो
झिझक स्त्री० चोंकवु के पाछा पडवुं ते
झिझकना अ०क्रि० जुओ 'झझकना'
झिझकारना स०क्रि० जुओ 'झझकारना' (२) 'झटकना'
झिड़कना स०क्रि० झाटकवुं; वढवुं
झिड़की स्त्री० झाटकणी; ठपको (२) झटको
झिड़झिड़ाना अ०क्रि० कढवुं; ुस्सो करवो
झिनझिनी स्त्री० 'झनझनी'; झझणी
झिपना अ०क्रि० शरमावुं; 'झेंपना' (प्रेरक झिपाना)
झिरझिरा वि० झीणुं; बारीक (कपडुं)
झिलँगा पुं० झोला जेवो खाटलो
झिलमिल स्त्री० झबूकतो प्रकाश (२) वि० झबूका मारतुं
झिलमिला वि० पांखुं; आछुं; जाळीदार (२) चमकतुं (३) अस्पष्ट
झिलमिलाना अ०क्रि० चमक चमक थवुं; झबूकवुं (२) स०क्रि० झ ुकाववुं के तेम थाय एम हलाववुं [चक
झिलमिली स्त्री० बारीनुं खडखडियुं (२)
झिल्ली स्त्री० पातळुं पारदर्शक पड (२) [सं.] झिल्ली; तमरुं [ओरणुं
झींक (—का) पुं० घंटीनुं एक वारनुं
झींखना अ०क्रि० (२) पुं० जुओ 'झीखना'
झींगा पुं० एक जातनी माछली के जीवडुं
झींगुर पुं० झिल्ली; तमरुं
झींसी स्त्री० फरफर (वर्षा)

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

झीखना अ० क्रि० खिजावुं; ढर्रु (२) दुःख रडवुं (३) पुं० ते क्रिया (४) आपवीती

झीना वि० झीणुं (२) काणां काणां-वाळुं (३) दुर्बल

झील स्त्री० सरोवर (कुदरती)

झीलर पुं० नानुं सरोवर

झीवर पुं० धीवर; ढीमर; माछी

झुँझलाना अ० क्रि० धूंधवावुं; चिडावुं. **–हट** स्त्री० धूंधवाट; खीज; चीड

झुंड पुं० झुंड; समूह; टोळुं

झुकना अ० क्रि० झूकवुं; लटकवुं; नीचुं थवुं (प्रेरक **झुकाना**)

झुकनी स्त्री० पीडा; दुःख

झुकाव पुं० झूकवुं ते (२) ढाळ (३) झोक

झुटपुटा पुं० (सांज सवारनो) संध्यानो वखत

झुटुंग वि० जाफरां के जटावाळुं

झुठलाना स० क्रि० जूठुं ठराववुं–पाडवुं (२) जूठुं कही छेतरवुं

झुठाई स्त्री० जूठापणुं; असत्य

झुठाना, झुठालना स० क्रि० 'झुठलाना'

झुनक स्त्री० झणकार (अ० क्रि० **झुनकना**)

झुनझुना पुं० बाळकनो घूघरो

झुनझुनी स्त्री० झणझणी; खाली

झुपरी स्त्री० (प.) झूंपडी

झुमका पुं० झूमखुं (२) झूमणुं–एक घरेणुं

झुर(–रा)ना अ० क्रि० झूरवुं; चिंताथी दुःखी थवुं (२) सुकावुं

झुरमुट झाळुं; टोळुं (२) गुटपुट शरीरने ढांकी लेवुं ते (३) झाड पांदडांथी ढंकायेली जगा; घीच झाडी

झुराना अ० क्रि० सुकावुं (२) 'झुरना'; झूरवुं; दुःख के भयथी गभरावुं (३) दूवळा पडवुं (४) स० क्रि० सूकववुं

झुर्री स्त्री० चामडीनी करचली

झुलना पुं० झूलो; हींचको (२) स्त्रीनो एक ढीलो कवजो–'झूला'

झुलसना अ० क्रि० उपर उपरथी दाझवुं जेथी काळुं पडी जाय (२) स० क्रि० तेवी रीते शेकवुं, दझाडवुं

झुलाना स० क्रि० झुलाववुं (२) धक्का खवडाववा; ढील करवी

झूँझल स्त्री० 'झुँझलाहट'; चीड; क्रोध

झूझना अ० क्रि० 'जूझना'; झूझवुं

झूठ पुं० जूठ; असत्य. **–सच कहना या लगाना**=साचुंजूठुं कही फसाववुं (२) साचांजूठां करवां के कहेवां

झूठमूठ अ० अध्धर; फोकट

झूठा वि० जूठुं (२) नकली (३) एठुं; 'जूठा'

झूम स्त्री० झोकुं; ऊंघ

झूमका पुं० जुओ 'झुमका'

झूमड़-झामड़ पुं० खोटो प्रपंच–जंजाळ

झूमना अ० क्रि० झोकां खावां; झूलता डोलवुं (२) (वादळ) झझूमवुं

झूमर पुं० माथानुं एक घरेणुं (२) काननुं झूमणुं; 'झुमका' (३) गरबा जेवुं फरीने गावानुं एक गीत के तेवो नाच

झूर वि० शुष्क; सूकुं (२) खाली; नकामुं (३) एठुं (४) स्त्री० झूरवुं ते

झूलन पं० हींडोळानो उत्सव

झूलना अ० क्रि० झूलवुं (२) कोई काममां वधु पडचा रहेवुं – लटक्या करवुं (३) वि० झूलतुं (४) पुं० झूलणा छंद

झूला पुं० झोलो; हींडोळो (२) झूलतो पुल (३) वे बाजु बांधी सूवा माटे करातो झोलो (४) गामडानी स्त्रीओनो एक झूलतो ढीलो कबजो

झेंपना, झेपना अ० क्रि० शरमावुं; लाजवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

झेर स्त्री० (प.) वार; विलंब (२) झघडो

झेल स्त्री० तरवामां हाथपग हलाववा ते (२) हिलोळो (३) वार; विलंब

झेलना स०क्रि० खमवुं; सहन करवुं (२) तरवामां हाथपगथी पाणी कापवुं (३) ढकेलवुं

झोंक स्त्री० झोक; 'झुकाव' (२) जोरनो धक्को (३) पाणीनो हिलोळो

झोंकना स०क्रि० झोंकवुं; पटकवुं (२) धकेलवुं; ठेलवुं [(३) हींचको

झोंका पुं० धक्को; झपाटो (२) झोकुं

झोंकी स्त्री० जवाबदारी; बोजो; जोखम

झोंझ पुं० पक्षीनो माळो (२) अमुक पक्षीना गळानी लबडती थेली

झोंझल स्त्री० जुओ 'झूंझल'

झोंटा पुं० लांबा वाळनुं झुंड (२) हींचका नांखवा माटे देवातो धक्को

झोंपड़ा पुं० (स्त्री०-ड़ी) झूंपडुं

झोंपा पुं० झूमखुं; गुच्छ

झोझ पुं० जुओ 'झोंझ'

झोझा पुं० पेट; होजरी

झोरना स०क्रि० धक्को दई हलाववुं; ढंढोळवुं; झंझेडवुं (२) झाटकवुं

झोरी(-ली) स्त्री० झोळी

झोल पुं० शेरवा के सूप जेवी वानी (२) धातुनो गिलेट (३) कपडा के कशामां पडती झूल; झोलो (४) भूल (५) राख; भस्म (६) गर्भ (७) वि० ढीलुं; तंग नहि एवुं (८) नकामुं; खराब

झोला पुं० झोळो (२) साधुनो झब्बो (३) झटको

झोली स्त्री० जुओ 'झोरी'

झौंसना अ०क्रि० जुओ 'झुलसना'

झौड़(-र) पुं० झघडो; रकझक (२) वढवुं ते

झौरे अ० पासे; नजीक (२) साथे

झौवा पुं० टोपली (तुवेरनी सांठीनी)

झौहाना अ०क्रि० घूरकवुं; जोरथी वढवुं

ट

टंक पुं० टांकभार (२) टांकणुं (३) कोदाळो (४) कुहाड (५) सिक्को

टंक पुं० [इं. टॅन्क] तळाव (२) बख्तर-गाडी

टंकण,-न पुं० [सं.] टंकणखार (२) रेणवुं ते

टंकना अ०क्रि० टंकावुं ('टाँकना' नुं कर्मणि) [मजूरी

टंकाई स्त्री० टांकवानी क्रिया के तेनी

टंका(-को)र पुं० धनुषनो टंकार

टंका(-को)रना स०क्रि० (धनु) टंकारवुं

टंकी स्त्री० टांकी

टंकोर,०ना जुओ 'टंकार,०ना'

टंको(-कौ)री स्त्री० सोना चांदीनो नानो कांटो

टँगड़ी स्त्री० टंगडी; टांगो; पग. **–पर उड़ाना**=तंगडी मारवी

टँगना अ०क्रि० टंगावुं; लटकवुं (२) पुं० वळगणी के ते कामनी दोरी

टँगारी स्त्री० कुहाडी [तैयार

टंच वि० नीच; कठोर (२) कंजूस (३)

टंट-घंट पुं० पूजापाठ इ०नो आडंबर-ढोंग

टंटा पुं० टंटो; झघडो (२) माथाकूट; पंचात

टंडर पुं० [इं. टेन्डर] भावतालनुं टेन्डर

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

टंड(–डै)ल पुं० मजूरोनो जमादार; मुकादम (२) नाखुदो; टंडेल

टक स्त्री० टस; टक टक नजर. –बाँधना =एकटसे ताकवुं

टकटकाना स०क्रि० एकटसे ताकवुं (२) टक टक अवाज करवो

टकटकी स्त्री० टस; एक नजर.–बाँधना =एकटसे ताकवुं

टकटो(०र,०ल)ना स०क्रि० जुओ 'टटोरना'

टकराना अ०क्रि० टक्कर खावी;जोरथी अफळावुं (२) स०क्रि० अफाळवुं

टकसार(–ल) स्त्री० टंकशाळ. –बाहर =न चालतो (सिक्को) (२) अशिष्ट (शब्द या प्रयोग)

टकसाली वि० टंकशाळनुं (२) खरुं (३)शिष्ट; सर्वसंमत (४) पुं० टंकशाळी – टंकशाळनो उपरी

टका पुं० जूनो सिक्को; रूपियो (२) टको; ढब्बु (३) धन. –सा जवाब देना =कोरुं परखाववुं;साफ ना कहेवी.–सा मुंह लेकर रह जाना=झांखा पडवुं; शरमावुं. टका(–के)सी जान, टकासा दम=एकलो माणस

टकासी स्त्री० रूपिये बु व्याज

टकी स्त्री० 'टकटकी'; टस

टकुआ पुं० त्राक

टके(–कै)त वि० टकावाळुं; धनी

टकोर स्त्री० टकोर (२) डंका के नगारा पर ठपकार (३) टंकार (४) शेक

टकोरना स०क्रि० 'टकोर' करवी ते

टकोरा पुं० टकोरो – डंका नगारानो ठपकार

टकौरी स्त्री० जुओ 'टंकौरी'

टक्कर स्त्री० टक्कर; अथडामण (२) ठोकर. –का वि० बरोबरियुं; समान

टखना पुं० घूंटी; गुल्फ

टगर पुं० [सं.]टंकणखार(२) खेल; क्रीडा (३) तगरनुं झाड (४)वि० 'टगरा'; बाडुं

टगरा वि० बाडुं

टटका वि० तात्कालिक; ताजुं; नवुं

टटड़ी स्त्री० खोपरी [थई गयेलुं

टटपूँजिया वि० अत्यंत गरीब; निर्धन

टटुआ पुं० टटवुं; टट्टु

टटोर(–ल)ना स०क्रि० स्पर्श करीने तपासवुं के ढूं वुं (२) पारखवुं. (नाम, टटोल स्त्री०)

टट्टर, टट्टा पुं० वांस इ०नुं टाटुं

टट्टी स्त्री० टट्टी; टाटुं (२) चक (३) पातळी दीवाल (४) पायखानुं. –की आड़ (या ओट)से शिकार खेलना= कोई विरुद्ध छूपी चाल चालवी के बूरुं काम करवुं. धोखेकी टट्टी=जेथी लोक फसाय एवी वात के वस्तु. –में छेद करना=शरम छोडीने वर्तवुं; लोकलाज छोडवी. –लगाना=आड करवी; वच्चे आववुं (२) भीड करवी

टट्टू पुं० टट्टु. –पार होना=त्रेडो पार थवो; टट्टु चाली जवुं. भाड़ेका टट्टू =खांधियो

टन,०टन स्त्री० टन टन अवाज

टनकना अ०क्रि० टन टन वागवुं के खखडवुं (२) रही रहीने (माथामां) दर्द नांखवुं

टन टन स्त्री० टन टन अवाज

टनटनाना स०क्रि० (२) अ०क्रि० टन टन करवुं के थवुं

टनमन(–ना) वि० स्वस्थ; तंदुरस्त; चंगुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

टनाका पुं० टन टन अवाज (२) वि० सखत (ताप) [वि० ताजुं; पुष्ट

टनाटन स्त्री० टन टन; टनटनियुं (२)

टनेल पुं० [इं] टनल; बोगदुं

टप पुं० गाडीनी छ ी जे पाडी के चडावी शकाय (२) पाणीनुं टब (३) स्त्री० टप टप टपकवानो अवाज (४) सळक जेवुं दर्द. **–से** = टप दईने; झट

टपक स्त्री० टपकवुं ते (२) टप टप पडवानो अवाज (३) सळक जेवुं दर्द

टपकना अ०क्रि० टपकवुं (२) गरवुं (जेम के, पाकुं फळ)(२) टप दईने–ओचिंतुं आवी पडवुं के गरवुं

टपका पुं० टपकवुं ते के टपकेली वस्तु (२) पाकीने खरेलुं फळ (केरी) (३) सळक जेवुं दर्द [पडवुं ते

टपकाटपकी स्त्री० टपोटप टपकवुं के

टपना अ०क्रि० 'टापना'; खाधा पीधा विना तप्या करवुं–बेठा रहेवुं,हेरान थवुं

टपाटप अ० टपोटप; चपाचप; झटपट

टपाना स०क्रि० 'टपना' नुं प्रेरक

टप्पा पुं० उछाळो; फळंग (२) टप्पो; वच्चेनो फासलो (३) टक्कर; जेम के बॉल वच्चे टक्कर खातो जाय छे ते (४) टप्पो गायन

टब पुं० [इं.] 'टप'; पाणीनुं टब

टब्बर पुं० कुटुंब; खानदान

टमटम स्त्री० एक प्रकारनी घोडागाडी

टमाटर पुं० टमेटुं; 'टॉमेटो'

टर स्त्री० कडवं के कर्कश बोलवुं ते (२) देडकानुं बोलवुं (३) हठ

टरकना अ०क्रि० टळवुं; खसवुं; हठवुं. (प्रेरक **टरकाना**)

टरटराना अ०क्रि० टें टें–बक बक करवुं

टरटरी स्त्री० बकवाट

टर(–ल)ना अ०क्रि० टळवुं (२) हठवुं

टर्रा वि० अविनीत ने कठोर बोलनार; उद्धत

टर्राना अ०क्रि० उद्धत जवाब देवो

टर्रू पुं० 'टर्रा'–माणस (२) देडको

टल्ला पुं० टल्लो;'टिल्ला'; ठेकर;धक्को

टल्लेनवीसी स्त्री० टल्ले चडाववानी होशियारी; बहानुं

टस स्त्री० भारे चीज खसवानो अवाज. **–से मस न होना**=जरा पण न चसकवुं

टसक स्त्री० चसक (अ०क्रि० **टसकना**)

टसर पुं० टसर रेशम

टसुआ पुं० आंसु; 'टिसुआ'

टहना पुं० (स्त्री० **–नी**) डाळुं; शाखा

टहल स्त्री० सेवाचाकरी (२) कामधंधो. **–बजाना**=सेवाचाकरी करवी

टहलना अ०क्रि० टहेलवुं; फरवुं. **टहल जाना**=खसी जवुं

टहलनी स्त्री० दासी; नोकरडी

टहलुआ, टहलू पुं० सेवक; दास

टहलुई स्त्री० 'टहलनी'; दासी

टहोका पुं० धब्बो के लात; झटको; धक्को

टाँक स्त्री० टांक वजन (२) टांक;अणियुं (३) किंमतनो अडसट्टो; अंदाज (४) सीवणनो टांको [माणस

टाँकर पुं० बदमाश, लुच्चो लफंगो

टाँकना स०क्रि० टांको मारवो; सीववुं (२) टांकी–लखी लेवुं; टपकाववुं (३) साथे जोडवुं (४) टांगवुं; लटकाववुं (५) (घंटी) टांकवी

टाँका पुं० पथ्थरनुं टांकणुं (२) पाणीनुं टांकुं (३) (सीवणनो के घानो) टांको (४) थींगडुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

टाँकी स्त्री० नानुं टांकणुं (२) फळ चाखवा कपाती डगळी (३) पाणीनी टांकी

टाँग स्त्री० टांग; पग. **–अड़ाना**=नकामी डखल करवी; माथुं मारवुं. **–तले से** (**या नीचे से**) **निकलना**=हारवुं. **–पसार कर सोना**=सोड ताणीने–निरांते सूवुं

टाँग(–घ)न पुं० टांगण; पहाडो टट्टु

टाँगना स०क्रि० टांगवुं; टिंगाडवुं

टाँगा पुं० कुहाडो (२) टांगो; गाडी

टाँगी स्त्री० कुहाडी

टाँघन पुं० जुओ 'टाँगन'

टाँच स्त्री० जुओ 'टाँका' ३, ४ अर्थ (२) काममां फांस मारवी ते (३) वि० तकलीफ देनारुं; ऊंधी मतिनुं

टाँचड़ा वि० जुओ 'टाँच'

टाँचना स०क्रि० जुओ 'टाँकना'

टाँट पुं० खोपरी

टाँठ(–ठा) वि० कठोर (२) दृढ; मजबूत

टाँड स्त्री० खेडूतनो माळो के तेना जेवी कोई रचना (२) मोईनो टोल्लो (३) सामान मूकवानी अभराई; 'परछत्ती'

टाँडा पुं० वणजारानी पोठ के माल; टांडुं

टाँय टाँय स्त्री० टें टें, नकामो बकवाद. **–फिस**=धामधूम खूब पण फळ कांई नहि; खाली डंफास [मथाळुं

टाइटिल स्त्री० [इं.] उपाधि; इलकाब (२)

टाइप पुं० [इं.] बीबुं. **०राइटर** पुं० टाइपराइटर यंत्र. **–पिस्ट** पुं० टाइप करनार

टाइफायड पुं० [इं.] टाइफॉईड; मुदतियो ताव

टाइम पुं० [इं.] समय; वखत. **०टेबुल** पुं० टाइमटेबल. **०पीस** पुं० [इं.] घडियाळनो डबो

टाई स्त्री० [इं.] नेकटाई; गळपटो

टाउन हाल पुं० [इं.] टाउन हॉल

टाट पुं० टाट; गूणपाट (२) साहुकारनी बेठक (३) नात; जमात; 'बिरादरी'. **–उलटना**=देवाळुं काढवुं. **–में पाटका बखिया**=मेळ वगरनो साज

टाटक वि० जुओ 'टटका'

टाटबाफ़ी स्त्री० भरतकाम

टाटर पुं० टाटुं (२) 'टाँट'; खोपरी

टाटी स्त्री० टाटुं

टान स्त्री० ताण; 'तनाव'; खेंच

टानना स०क्रि० ताणवुं

टाप स्त्री० घोडानी खरी के तेनो अवाज

टापना अ०क्रि० घोडाए पग पछाडवो (२) आम तेम फांफां मारवां के राह जोता तपवुं; 'टपना'

टापा पुं० मेदान (२) छलंग; कूदको (३) ढांकवा माटेनो टोपलो

टापू पुं० टापु; बेट

टामन पुं० टूमण; धंतरमंतरनो टुचको

टार(–ल)ना स०क्रि० जुओ 'टालना'

टारपीडो पुं० [इं.] टॉर्पीडो बोट

टाल स्त्री० मोटो ढग (२) टाळवुं ते (३) लाकडां भूसा इ०नी दुकान

टालटूल स्त्री० टाळवानी युक्ति; बहानुं

टालना स०क्रि० टाळवुं

टालमटूल स्त्री० जुओ 'टालटूल'

टाली स्त्री० ढोरना गळानी घंटडी

टावर पुं० [इं.] टावर; 'घंटाघर'

टिंडा पुं० एक शाक

टिकट पुं० टिकिट

टिकटिक अ० घडियाळनी टकटक

टिकठी स्त्री० टिपाई (२) फटका मारवा माटे गुनेगारने बांधवानी घोडी के फांसीनो मांचडो (३) ठाठडी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

टिकड़ा पुं० (स्त्री० **-ड़ी**) गोळ चपटो टुकडो (२) बाटी
टिकना अ०क्रि० टकवुं
टिकली स्त्री० टीकडी (२) टीलडी
टिकस पुं० टॅक्स; कर
टिकाऊ वि० टकाउ
टिकान स्त्री० टकवानुं ठेकाणुं के टकवुं ते
टिकाना स०क्रि० टकाववुं
टिकाव पुं० टकाव
टिकिया स्त्री० टीकडी (२) एक पकवान [(३) टीलडी
टिकैत पुं० टिकायत-पाटवी कुंवर (२) नायक; सरदार
टिकोरा पुं० आंबानो मरवो [रोटलो
टिक्कड़ पुं० मोटी टीकडी (२) टिक्कड
टिक्का पुं० 'टीका'; तिलक
टिक्की स्त्री०टीकडी. **-जमना,-बैठना, -लगना**=टीकडी लागवी; फाववुं
टिघलना अ०क्रि० जुओ 'टेघरना'
टिचन वि० [इं. एटेन्शन] तैयार [हांकवुं
टिटकारना स०क्रि० (पशुने) डचकारवुं;
टिटिह,-हा पुं० नर-टिटोडो पक्षी. **-हरी** स्त्री० टिटोडी [(२) रोककळ
टिटिहा-रोर पुं० टिटियारो; कळाहोळ
टिट्टिभ पुं० [सं.] टिटोडी
टिड्डा पुं० तीतीघोडो
टिड्डी स्त्री० तीड. **०दल** पुं० मोटुं झुंड
टिप टिप स्त्री० टपक टपक टपकवुं ते
टिपका पुं० टपकुं; बुंद
टिपवाना स०क्रि० 'टीपना' नुं प्रेरक
टिपारा पुं० कलगीवाळो मुगट
टिप्पणी,-नी स्त्री० टीपणी; टीका
टिप्पन पुं० टीपणो (२) जन्माक्षर. **-नी** स्त्री० जुओ 'टिप्पणी'
टिफ(-फि)न स्त्री० [इं.] बपोरनो नास्तो

टिमटिमाना अ०क्रि० दीवो झांखो बळवो के बुझाता पहेलां टमटमवो
टिर्रफिस स्त्री०टडपड;डफांसभेर विरोध
टिर्राना अ०क्रि० जुओ 'टर्राना'
टिलिया स्त्री० नानी मरघी के बच्चुं
टिल्ला पुं० टल्लो; धक्को. **-ल्लेनवीसी** स्त्री० जुओ 'टल्लेनवीसी'
टिसुआ पुं० 'टसुआ'; आंसु
टिहुनी स्त्री० घूटण (२) कोणी
टींटीं अ० पोपटनो अवाज
टीकना स०क्रि० 'टीका'-तिलक करवुं (२) टीक-निशानी करवी
टीकरा पुं० टेकरो (**-री** स्त्री०)
टीका पुं० तिलक; चांल्लो (२) सगाई कर्यानो के राज्याभिषेकनो चांल्लो (३) डाघो; चिह्न (४) रसी मुकाववी ते; 'इन्जेक्षन' (५) [सं.] टीका
टीड़ी स्त्री० 'टिड्डी'; तीड [या डब्बो
टीन पुं० [इं.] कलाई-टिन के तेनुं पतरुं
टीप स्त्री० टीपवुं ते (२) टीप; नोंध (३) गावामां ऊंचो सूर (४) जन्मपत्री
टीपटाप स्त्री० टापटोप
टीपन पुं० 'टिप्पन'; जन्माक्षर
टीपना स०क्रि० टीपवुं (२) दबाववुं; चांपवुं (३) टीप करवी (४) स्त्री० 'टीपन'; जन्माक्षर
टीबा पुं० टींबो; टेकरो
टीमटाम स्त्री० टापटोप
टील स्त्री० नानी मरघी; 'टिलिया'
टीला पुं० 'टीबा'; टेकरो; टिंबो (२) डुंगरो
टीस स्त्री० चसक; 'टसक'. **-ऊठना, -मारना**=चसका मारवा के नांखवा
टीसना अ०क्रि० चसका नांखवा

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

टुंटा(-डा) वि० टूंटुं; ठूंठुं
टुइल स्त्री० 'ट्विल' कपडुं
टुक अ० थोडुं; जरा [भिखारी
ुकड़गदा पुं० टुकडा मागी खानार;
टुकड़तोड़ पुं० आश्रित; परोपजीवी
टुकड़ा पुं० टुकडो. -तोड़ना=बीजा पर निर्वाह करवो. -सा जवाब देना=साफ ना पाडवी [मंडळी
ुकड़ी स्त्री० नानो टुकडो (२) टुकडी;
टुच्चा वि० तुच्छ; क्षुद्र; हीन
टुटका पुं० टुचको; मंत्रनो योग
ुटपुंजिया वि० थोडी पूंजोवाळुं; तूटेलुं
ुटरूँ पुं० होलो
टुटरूँ टूं स्त्री० होलानी बोली (२) वि० एकलुं (३) दुर्बल ने पातळुं (माणस)
टुनगा पुं०, (टुनगी स्त्री०) डाळीनो आगळनो - कूंपळवाळो भाग
टुनहाया पुं० जुओ 'टोनहाया'
टूँगना स०क्रि० करडी के करपी खावुं (जेम के कूंपळ) (२) धीरे धीरे करपीने खावुं [पर होय छे ते
टूँड़ पुं० मच्छर वगेरेने बे मूछो जेवुं मों
टूँड़ी स्त्री० डूंटी (२) डूंटो; फणगो
टूक, टूकर पुं० टुक; टुकडो
टूका पुं० टुकडो (२) भीख
टूट स्त्री० तूटी अलग पडेलो टुकडो (२) तूटवुं ते (३) लखाणमां रही गयेलो भाग जे पछी उमेराय छे (४) पुं० तोटो; घट
टूटना अ०क्रि० तूटवुं (२) तूटी पडवुं; हल्लो करवो. ूट टूट कर बरसना= मुसळधार वरसवुं
टूटा वि० तूटलुं (२)कमजोर(३)निर्धन
टूटाफूटा वि० तूटघुंफूटघुं

टूठना अ०क्रि० (प.) तूठवुं; प्रसन्न थवुं
टूठनि स्त्री० (प.) संतोष; प्रसन्नता
टूम स्त्री० घरेणुं (२) महेणुं; 'ताना'
टसी स्त्री० फूलनी कळी [बकवाद; टेंटें
टें स्त्री० पोपटनी बोली. -टें=खाली
ेंगना(-रा) स्त्री०एक जातनी माछली
टेंट स्त्री० ओटी (२) कपासनुं जींडवुं
टेंटी स्त्री०'करील'-केरडो के तेनुं केरडुं
टेंटुवा पुं० टोटो; गळानो हैडियो
ेंटें स्त्री० जुओ 'टें'मां; टेंटें [घोडी
टेउकी स्त्री०,-कन पुं० टेकण; टेकानी
टेक स्त्री० टेक; टेको (२) हठ (३) आदत
टेक(-का)न ुं०, टेकनी स्त्री० टेको; टेकण
टेकना स०क्रि० टेकवुं; टेको आपवो के लेवो. माथा ेकना=प्रणाम करवा
टेकर(-रा) ुं० टेकरो [-तेनो चोतरो
टेकान पुं० टेकण; थांभलो (२) विसामो
टेकी वि० टेकीलुं; टेकवाळुं (२) जिद्दी
टेकुआ पुं० त्राक (२) टेकानुं लाकडुं
टेकुरी स्त्री० दोरडुं भागवानी फरकडी के तकली
टेघरना अ०क्रि० पीगळवुं; ओगळवुं
टेढ़बिढ़ंगा वि० वांकुंचूकुं
टेढ़ा वि० वांकुं (२) कठण; मुश्केल (३) उद्धत. -पड़ना या होना=गरम थवुं; 'टर्राना'. टेढ़ी खीर=अघरुं काम. ेढ़ी सीधी सुनाना=सारुं-माठुं संभळाववुं. (नाम टेढ़ाई स्त्री०)
ेढ़ामेढ़ा वि० वांकुंचूकुं
टेढ़े अ० सीधुं नहि; वांकमां; फेरमां. टेढ़े जाना=गर्वथी वर्तवुं
टेना स०क्रि० धार काढवा पथ्थर पर घसवुं (२) मूछ मरडवी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

टेनिस स्त्री० [इं.] टेनिस रमत
टेबुल पुं० टेबल; मेज
टेम स्त्री० दीवानी टश (२) टाइम; समय
टेर स्त्री० ऊंचो अवाज (२) पोकार; हांक
टेरना स०क्रि० ऊंचे अवाजे गावुं के बोलवुं; हांक मारवी
टेरा वि० वाडुं (२) पुं० पडदो
टेलिग्राम पुं० [इं.] तार
टेलीफोन पुं० (इं.) टेलिफोन के तेनुं यंत्र
टेव स्त्री० टेव; आदत; लत
टेवना स०क्रि० जुओ 'टेना'
टेवा स्त्री० जनमोत्री
टेवैया पुं० धार काढनारो
टेसू पुं० केसूडो के तेनुं फूल (२) बाळकोनो (दशेरानो) एक उत्सव
टैक्स पुं० [इं.] कर; वेरो
टैक्सी स्त्री० [इं] टॅक्सी मोटर
टैनरी स्त्री० [इं.] टॅनरी; चर्मालय
टोंट स्त्री० चांच
टोंटी स्त्री० नाळचुं (जेम के झारीनुं) (२) नळनी चकली के टोटी
टोक,०टाक स्त्री० टोकणी; खगखोद
टोकना पुं० टोपलो (२) मोटो हांडो–देगडो (३) स०क्रि० टोकवुं. **–नी** स्त्री० टोपली (२) नानो हांडो
टोकरा पुं० टोपलो; छाबडुं
टोकरी स्त्री० टोपली; छाबडी (२) वटलोई
टोटका पुं० टुचको; जादुमंतर; 'टुटका'. **–करने आना**=आवीने तरत जता रहेवुं
टोटल पुं० [इं.] कुल सरवाळो. **–मिलाना** =सरवाळो करवो
टोटा पुं० कारतूस (२) घट; तोटो
टोनहा (०या) पुं० टुचको करनारो–भूवो
टोना पुं० टुचको; जादु (२) विवाहनुं एक जातनुं गीत (३) स०क्रि० हाथथी स्पर्शी जोवुं; 'टटोलना'
टोप पुं० टोपो; मोटी टोपी (२) टोप; लोढानी लश्करी टोपी
टोपा पुं० टोपो (२) टोपलो (३) मोटो टांको; टेभो
टोपी स्त्री० टोपी (२) बंदूक फोडवानी टीकडी; 'कॅप'. **०वाला** पुं० टोपीवाळो –गोरो
टोब (–बा,–भा) पुं० 'टोपा'; टेभो; [टांको
टोल स्त्री० टोळी (२) पाठशाळा (३) पुं० [इं.] रस्तानो कर, टोल
टोला पुं० लत्तो; वगो; महोल्लो (२) रोडुं; पथरा के ईंटनो ककडो
टोली स्त्री० नानो महोल्लो (२) टोळी
टोवना स०क्रि० जुओ 'टोना'
टोह स्त्री० खोळ; तपास (२) खबर; संभाळ
टोहना स०क्रि० खोळवुं (२) जुओ 'टटोलना'
टोहाटाई स्त्री० जुओ 'टोह'
टोही,–हिया वि० 'टोह' करनार के राखनार
ट्रंक पुं० [इं.] ट्रंक; पेटी
ट्रस्ट पुं० [इं.] ट्रस्ट; न्यास; सुपरत. **–स्टी** पुं० [रस्तो
ट्राम,०वे स्त्री० [इं.] ट्राम गाडी के तेनो
ट्रेन स्त्री० [इं.] रेलगाडी. **–छूटना** स्टेशनेथी गाडी ऊपडवी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ठ

ठंठ वि० ठूंठुं (झाड)
ठंठार वि० खालो; पोलुं
ठंड(-ढ) स्त्री० ठंडी; टाढ
ठंड(-ढ)क स्त्री० ठंडी; टाढ (२) शांति; तृप्ति
ठंडा(-ढा) वि० ठंडुं; शीतळ; टाढुं (२) प्रसन्न; खुश (३) शांत; निरांतवाळुं. -मुलम्मा पुं० वना तपाव्ये करा ो गिलेट. -होना = ठंडुं पडवुं; मरी जवुं. ठंडी आग=हिम (२) बरफ. ठंडी मार=मूढ-छूपो मार. ठंडी साँस = दुःखी श्वास; आह. ठंडे ठंडे = खुशी-आनंदमां (२) टाढे पहोर (३) चूपचाप
ठंढ, ०क, -ढा जुओ अनुक्रमे 'ठंड, ०क, -डा'
ठंढाई स्त्री० शरीरनी गरमी शमावे एवी दवा के मसालानुं पीणुं (२) रगडेली भांग
ठंढी वि०स्त्री० ठंडी (वस्तु) (२) स्त्री० वळिया. -ढलना=वळिया नरम पडवा. -निकलना=वळिया नीकळवा
ठक स्त्री० ठोकवानो अवाज (२) (प.) हठ (३) वि० चकित; स्तब्ध
ठकठक स्त्री०ठकठक अवाज(२)खटखट
ठकठकाना स० क्रि० ठक ठक करवुं; खटखटाववुं
ठकुरसुहाती स्त्री० खुशामत
ठकुराइन स्त्री० ठकराणी(२)क्षत्रियाणी (३) वाळंदण
ठकुराई स्त्री० ठकराई; ठकरात
ठकुरानी स्त्री० ठकराणी (२) शेठाणी
ठकुरायत स्त्री० ठकरात
ठग पुं० ठग; धुतारो. -लगना=ठगनो उपद्रव होवो ['ठगी'
ठग(-गा)ई स्त्री० ठगाई; ठगबाजी;
ठगना स०क्रि० ठगवुं (२) अ०क्रि० ठगावुं (३) चकित थवुं. ठगासा = आश्चर्यचकित
ठगनी, ठगिन(-नी) स्त्री० ठगणी के ठगनी स्त्री
ठगाई,-ही स्त्री० जुओ 'ठगई'
ठगाना अ०क्रि० ठगावुं; छेतरावुं
ठगिन,-नी स्त्री० जुओ 'ठगनी'
ठगी स्त्री० ठगनुं काम के ठगविद्या
ठगोरी स्त्री० ठगविद्या जेवी करामत के मोहिनी; जादु
ठट(-ठ) पुं० ठठ; भीड (२) हार; पंक्ति (३) ठाठ; सजावट. -लगना= ठठ जामवी
ठटना स०क्रि० ठराववुं (२) सजवुं (३) अ०क्रि० ठेरवुं; थोभवुं (४) सजावुं
ठट(-ठ)री, ठट्टी स्त्री० हाडपिंजर (२) कोई वस्तुनुं खोखुं; फरमो (३) ठाठडी
ठट्ट पुं० जुओ 'ठट'
ठट्टी स्त्री० जुओ 'ठटरी'
ठट्ठा पुं० ठठ्ठो; मश्करी
ठठ पुं० ठठ; भीड
ठठकना अ०क्रि० जुओ 'ठिठकना'
ठठरी स्त्री० जओ 'ठटरी'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ठठाना स०क्रि० ठोकवुं; ठाठां भांगवां (२) अ०क्रि० जोरथी हसवुं

ठठेरा पुं० कंसारो. ठठेरे ठठेरे बदलाई =जेवो माणस तेवो वहेवार. ठठेरेकी बिल्ली=विकट दा थी न गभरानार

ठठेरी स्त्री० कंसारण (२) कंसाराकाम

ठठोल पुं० मश्करो (२) मश्करी

ठठोली स्त्री० मश्करी

ठड्डा,-ढ़ा वि० खडुं; ऊभुं. -ढ़िया पुं० ऊभो मोटो खांडणियो

ठनक,-कार स्त्री० ठणकारो

ठनकना अ०क्रि० ठणकवुं; ठण ठण- खणण अवाज करवो; ठणठणवुं; खणखणवुं (२) चसका नांखवा

ठनगन स्त्री० मंगळ प्रसंगे दा.पु लेनार वधारे लेवा करे छे ते हठ

ठनठन-गोपाल पुं० ठणठण-गोपाळ; नकामी वस्तु के निर्धन खाली माणस

ठनठनाना स०क्रि० ठणणावुं; ठोकवुं; वगाडवुं (२) अ०क्रि० 'ठनकना'

ठनना अ०क्रि० प्रारंभ थवो (२) ठराव थवो; ठरवुं (३) तयार थवुं

ठनाका पुं० ठणकारो

ठपका पुं० ठेस; धक्को; आघात

ठप्पा पुं० कोई पण बीबुं के तेनी छाप (२) नकसीदार फूलगोटो; थप्पो

ठमक स्त्री० ठमकती चाल; मको (२) खमचावुं ते [चालवुं (२) खमचावुं

ठमकना अ०क्रि० ठमकवुं; ठमकाथी

ठयना स०क्रि० दृढताथी शरू करवुं के करवा लागवुं (२) ठराववुं (३) अ०क्रि० स्थिर थवुं; जुओ 'ठनना'

ठरना अ०क्रि० ठरवुं; ठंडीथी अकडावुं (२) खूब ठंडी पडवी

ठर्रा पुं० जाडुं सूतर (२) महुडी-दारू

ठवनी स्त्री० बेसवा के ऊठवानी रीत

ठस वि० ठस; सज्जड (२) 'ठोस'; संगीन (३) आळसु (४) बरोबर न खखडतो (रूपियो) (५) कंजूस [नखरुं

ठसक स्त्री० ठसको; रोफ (२) ठमको;

ठसका पुं० सूकी उधरस; ठांसो (२) ठोकर; ठेस

ठसाठस अ० ठसोठस; बरोबर ठांसीने

ठस्सा पुं० ठस्सो; ठसको; ठसक

ठहरना अ०क्रि० ठेरवुं; थोभवुं (२) रवुं; नक्की थवुं; बनवुं

ठहराव पुं० ठराव; निश्चय (२) स्थिरता

ठहरौनी स्त्री० विवाहमां लेवडदेवडनो ठराव [हसवुं

ठहाका पुं० अट्टहास. -लगाना=खडखड

ठाँ, ०ई स्त्री०, ०उँ पुं० ठाम; जगा (२) अ० पासे

ठाँठ वि० नीरस (२) वसूकेल

ठाँयँ पुं०,स्त्री० ठाम; स्थान (२) समीप (३) स्त्री० बंदूकनो 'ठां' अवाज

ठाँव पुं० ठाम; स्थान

ठाँसना स०क्रि० ठांसवुं (२) रोकवुं (३) अ०क्रि० ठांसवुं; खांसवुं

ठाकुर पुं० ठाकोरजी (२) ठाकोर; जमीनदार (३) स्वामी; धणी

ठाकुरद्वारा पुं०, ठाकुरबाड़ी स्त्री० मंदिर

ठाट(-ठ) पुं० ठाठ (२) टाटुं (३) अधिकता (४) साधनसामग्री; साज. -बदलना = नवां रूपरंग धारण करवां (२) नवो पेंतरो रचवो. -मारना = मोज करवी

ठाट-बाट पुं० ठाठमाठ (२) आडंबर

ठाटर पुं० ठाठमाठ (२) टाटियुं; 'ठाट'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ठाढ़ा वि० तद्दन सीधुं ऊंधुं–ऊभुं; खडुं; टटार (२) लठ्ठ; हृष्टपुष्ट

ठान स्त्री० कार्यनो आरंभ; स्थान (२) ठराव; दृढ निश्चय

ठानना, ठाना स० क्रि० तत्पर थई आरंभवुं (२) ठराववुं; नक्की करवुं

ठाम पुं० ठाम; ठेकाणुं; जगा

ठार पुं० ठार; खूब ठंडी के हिम

ठाला पुं० बेकारी (२) कमाणीनो अभाव (३) वि० ठालुं; बेकार

ठाली वि० ठालुं; बेकार; खाली

ठिगना वि० ठींगणुं; गट्टुं

ठिकाना पुं० ठेकाणुं (२) स० क्रि० ठराववुं

ठिकना अ० क्रि० खमचावुं; खचकावुं

ठिठरना, ठिठुरना अ० क्रि० टाढे ठठरवुं

ठिनकना अ० क्रि० डूसकां खाई रोवुं

ठिर,०न स्त्री० 'ठार'; खूब ठंडी

ठिरना अ० क्रि० जुओ 'ठरना'

ठिलना अ० क्रि० ठेलावुं(२) धसवुं [घडो

ठिलिया स्त्री०, **ठिल्ला** पुं० गागर; नानो

ठिलुआ वि० ठालुं; बेकार; 'निठल्ला'

ठिल्ला पुं० जुओ 'ठिलिया'

ठीक वि० साचुं; यथार्थ (२) योग्य (३) अच्छं (४) स्थिर; पाकुं; नक्की (५) अ० ठीक; वारु (६) पुं० निश्चय; ठराव. **–देना** = मनमां नक्की करवुं

ठीकठाक पुं० नक्की, ठीकठाक करेलुं ते; बंदोबस्त (२) ठराव (३) वि० बरोबर

ठीकरा पुं० ठींकरुं. (सिर पर) **–फोड़ना** = दोष माथे नांखवो. **–होना** = खूब खर्च थवुं

ठीकरी स्त्री० ठींकरी (२) चलमनो तवो

ठीका पुं० ठेको; कंत्राट (२) पटो; इजारो

ठीकेदार पुं० ठेकादार

ठीहा पुं० गादो (२) ठाम; स्थान (३) हद (४) जमीनमां दाटेलुं डीमचुं, जे उपर वस्तु मूकी सुतार वगेरे काम करे छे

ठुंठ पुं० झाडनुं ठूंठुं (२) ठूंठो

ठुकना अ० क्रि० ठोकावुं (२) मार खावो (प्रेरक, **ठुकवाना**)

ठुकराना स० क्रि० ठोकर मारवी ['ठुर्री'

ठुड्डी स्त्री० चिबुक; दाढी; 'ठोड़ी' (२) जुओ

ठुमक,०ठुमक वि० ठमक ठमक; ठमकतुं

ठुमकना अ० क्रि० ठमकवुं

ठुमकी स्त्री० पतंगनी ठुमकी

ठुमरी स्त्री० ठुमरी गायननी चाल (२) गप; अफवा [नहि

ठुर्री स्त्री० गांगडु दाणो जे शेक्ये फूले

ठुसना अ० क्रि० ठांसावुं

ठुसाना स० क्रि० ठांसाववुं

ठूँठ पुं० जुओ 'ठुंठ'

ठूँठा वि० ठूंठुं (झाड के माणस)

ठूँसना, ठूसना स० क्रि० ठांसवुं

ठेंगना वि० ठींगणुं

ठेंगा पुं० अंगूठो (२) सोटो; डंडो. **–दिखाना** = साफ ना कहेवी; डिंगो करवो

ठेंठी(–पी) स्त्री० काननो मेल (२) (काननो) दाटो

ठेकना स० क्रि० टेकववुं (२) टकवुं; ठेरवुं

ठेका पुं० टेको (२) तबलानो ठेको (३) ठोकर (४) ठेरवानुं ठेकाणुं (५) जुओ 'ठीका' [पटो ठेकवो ते

ठेकाई स्त्री० कपडांने छापवामां काळो

ठेकी स्त्री० टेको; आशरो (२) विसामो करवो ते

ठेकेदार पुं० जुओ 'ठीकेदार'

ठेठ वि० शुद्ध (२) बिलकुल; पूरुं (३) स्त्री० बोली. **–से** = ठेठथी; शरूथी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ेलना स०क्रि० ठलवुं; धकेलवुं

ठेला पुं० ठेलो (२) ठेलण-गाडी (३) धक्कंधक्का

ठेस स्त्री० ठेस; ठोकर

ठैयाँ स्त्री० 'ठाँयँ'; ठाम; ठेकाणुं

ठोंक स्त्री० ठोक; ठोकवुं ते

ठोंकना, ठोकना स०क्रि० ठोकवुं. –बजाना =तपासवुं; परखवुं

ठोकर स्त्री० ठेस; ठोकर (२) जोडानो आगळनो भाग. –उठाना=ब्रोट के दुख सहवुं. –खाना, लेना =ठोकर खावी

ठोड़ी,–ढ़ी स्त्री० चिबुक; हडपची; दाढी

ठोर पुं० ठोर पकवान (२) चांच

ठोस वि० संगीन; पोलुं नहि (२) दृढ (३) पुं० ईर्षा; दाझ

ठोसा पुं० 'ठेंगा'; अंगूठो के डंडो

ठौर पुं० ठार; ठाम (२) अवसर. ०ठिकाना पुं० ठामठेकाणुं. –न आना =पासे न आववुं. –रखना =ठार करवुं. –रहना =ठार थवुं; मरी जवुं

ठौर कुठौर अ० कठेकाणे (२) अवसर वगर; कवखते

ड

डंक पुं० डंख (२) कलमनी टांक

डंका पुं० [सं. ढक्का] डंको. डंकेकी चोट कहना=दांडी पीटीने कहेवुं

डंगर पुं० 'डाँगर'; ढोर [के डांखळी

डंठल पुं०, डंठी स्त्री० नाना छोडनुं थड

डंड पुं० दंडो (२) दंडनी कसरत (३) दंड. –डालना =दंड करवो. –पड़ना = दंड थवं; नुकसान थवुं. –पेलना = दंड पीलवा [माणस

डंडपेल पुं० पहेलवान (२) बळवान

डंडवारा पुं०, –री स्त्री० फरती दीवाल के कोटनो वंडो [चोतरफनी दीवाल

डंडा पुं० दंडो; सोटो; लाठी (२) वंडो;

डंडिया पुं० दंड–कर वसूल करनार (२) स्त्री० एक जातनी साडी

डंडियाना स०क्रि० डांडियुं करवा सीववुं

डंडी पुं० दंडी; साधु (२) स्त्री० डांडी; नानो दंडो (३) दांडा (४) हाथो; दस्तो. –मारना =तोलवामां हाथचालाकीथी दांडी नमावी देवी

डँडोरना स०क्रि० (प.) ढूंढवुं; खूब खोळवुं

डंडौत अ० (प.) दंडवत्

डंबर पुं० [सं.] आडंबर (२) विस्तार

डंबेल पुं० [इं.] कसरतनो मगदळ

डँवाँडोल वि० जुओ 'डाँवाँडोल'

डंस पुं० डांस (२) दंशनी जगा

डँसना स०क्रि० 'डसना'; डसवुं

डकार पुं० ओडकार (२) वाघ-सिंहनी गर्जना. –न लेना =परायुं धन चुपचाप हजम करी जवुं [गर्जवुं

डकारना अ०क्रि० ओडकार खावो (२)

डकैत पुं० डाकु; लूंटारो

डकैती स्त्री० डकाटी; लूंटफाट

डग पुं० डगलुं; पगलुं. –देना, भरना = डगलुं भरवुं; आगळ चालवुं. –मारना =पग उपाडवा; जलदी चालवुं

डगड(–म)गाना, डगडोलना अ०क्रि० डगमगवुं; लथडवुं

डगडौर वि० डामाडोळ; डगुमगु

डगना अ०क्रि० जुओ 'डिगना'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

डगमगाना अ०क्रि० डगमगवुं
डगर स्त्री० रस्तो; मार्ग
डगरा पुं० 'डगर' (२) छावडुं
डटना अ०क्रि० लागवुं; मंडवुं; जारी रहेवुं. डटकर खाना=खूब पेट भरीने खावुं. डटा रहना=लाग्या रहेवुं;न हटवुं
डट्टा पुं० हूकानो मेर (२) डट्टो
डढ़ार(–रा) वि० दाढ के दाढीवाळुं
डढ़ियल वि० लांबी दाढीवाळुं
डपट स्त्री० वढवुं ते (२) घोडानी रपेट –जोरदार चाल [काढवो
डपटना स०क्रि० वढवुं; ऊंचो अवाज
डपोरसंख पुं० डिंग मारनार (२) डफोळ
डफ(०ला) पुं० डफ (२) चंग; एक वाजुं
डफली स्त्री० खंजरी
डफ़ाली पुं० डफ वजावनार (२) डबगर
डब पुं० थेलो; खीसुं
डबडबाना अ०क्रि० डबडब आंसु आववां
डबरा पुं० पाणीनुं खावडुं के होज या कुंड
डबल वि० [इं.] बमणुं (२) जाडुं; स्थूल (३) पुं० पैसो
डबी,–बिया स्त्री० डबी
डबोना स०क्रि० 'डुबाना'; डबोववुं
डब्बा पुं० डब्बो (२) गाडीनो डब्बो
डब्बू पुं० पीरसवानो डूवो
डमरू पुं० डमरु; डाकलुं
डमरूमध्य पुं० संयोगीभूमि
डर पुं० डर; भय [(प्रेरक डराना)
डर(०प)ना अ० क्रि० डरवुं; बीवुं
डरपोक वि० बीकण; डरकण
डरावना वि० डरामणुं; भयानक; बिहामणुं
डरावा पुं० डराववा कहेलो वात (२) (खेतरनो) चाडियो
डल पुं० 'डला'; टुकडो; गांगडो
डलना अ०क्रि० पडवुं; नंखावुं [प्रेरक
डलवाना स०क्रि० नंखाववुं; 'डालना'नुं
डला पुं० गांगडो (२) करंडियो के छावडं
डलिया पुं० 'डला'; छाबडुं
डली स्त्री० गांगडी (२) सोपारी
डसना स०क्रि० डसवुं; करडवुं. (डसाना, डसवाना प्रेरक)
डहकना स०क्रि० ठगवुं; छेतरवुं (२) अ०क्रि० विलाप करवो (३) दुःखथी डसकां भरवां; डसकवुं
डहकाना स०क्रि० खोवुं; गुमाववुं (२) अ०क्रि० ठगावुं (३) स०क्रि० ठगी लेवुं; छेतरवुं [आनंदी
डहडहा वि० ताजुं; लीलुं (२) प्रसन्न;
डहडहाना अ०क्रि० (वनस्पतिनुं) लीलं ताजुं होवुं (२) प्रसन्न होवुं
डहना अ०क्रि० बळवुं (२) दाझे बळवुं (३) स०क्रि० बाळवुं (४) दुःखी करवं
डहर स्त्री० 'डगर'; रस्तो
डाँक स्त्री० डांक; नंग नीचे जडातुं त्रांबा सोनानुं पातळुं पतरुं (२) ऊलटी; ओक
डाँकना स०क्रि० ओळंगवुं; कूदीने पार करवुं (२) अ०क्रि० ओकवुं
डाँग पुं० जंगल (२) डांग; लाठी
डाँगर पुं० 'डंगर'; चोपगुं (२) तेनी लाश (३) वि० सूकलुं; दूबळुं (४) गमार; मूर्ख
डाँट स्त्री० काबू; वश (२) धमकी
डाँटना स०क्रि० वढवुं; धमकाववुं
डाँड़ पुं० दंडो (२) हलेसुं (३) सीमा; हद (४) दंड; 'जुरमाना'
डाँड़ना अ०क्रि० दंड करवो
डाँड़ा पुं०, जुओ 'डाँड़' १ थी ३
डाँड़ा-मेंड़ा पुं०, –ड़ी स्त्री० बे मालकी वच्चेनी हद (२) झघडो; अणबनाव

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

डांड़ी स्त्री० दांडी
डांवरा पुं० (स्त्री० –री) छोकरो; पुत्र
डांवा(–वाँ)डोल वि०डामाडोळ;अस्थिर
डाइ(–कि)न स्त्री० डाकण
डाक स्त्री० टप्पो; टपाल (२) 'डाँक'; ऊलटी. ०खाना, ०घरपुं०टपाल-ऑफिस. ०गाड़ी स्त्री० मेलगाडी. ०बंगला पुं० मुसाफरी-बंगलो. ०महसूल पुं० टपाल-खर्च. ०मुंशी पुं० पोस्टमास्तर. ०व्यय पुं० टपालखर्च ['डाँकना'
डाकना स०क्रि० (२) अ०क्रि० जुओ
डाका पुं० डाको; ड
डाकाजनी स्त्री० धाड पाडवी ते;डकाटी
डाकिन,–नी स्त्री० डाकण
डाकिया पुं० टपाली
डाकी स्त्री० ऊलटी (२) वि० खाउधरुं
डाकू पुं० लूंटारो(२)वि०'डाकी';खाउधरुं
डाक्टर पुं० [इं.] दाक्तर. –री स्त्री० तेनी विद्या के काम
डाट स्त्री० टेको (२) दाटो (३) 'डाँट'
डाटना स०क्रि० दाटो मारवो (२) 'डाँटना' (३) 'डटकर खाना'; खूब खावुं (४) जोर करीने धकेलवुं
डाढ़ स्त्री० दाढ; दांत (२) वडवाई. –गरम होना=बरोबर के सारुं खावानुं मळवुं (२) लांच मळवी
डाढ़ना स०क्रि० (प.) दहवुं; बाळवुं
डाढ़ा स्त्री० दावानळ (२) ताप
डाढ़ी स्त्री० दाढी. –छोड़ना, –रखना= दाढी राखवी–वधारवी. –पेटमें होना =नानी उंमरमां मोटानी समज होवी. –फटकारना=दाढी पर हाथ फेरवी संतोष के उत्साहनो भाव बताववो
डाबर पुं० नीची जमीन (२) तळावडुं (३) हाथ धोवानुं वासण; 'चिलमची' (४) मेलुं पाणी [(३) लीलुं नारियेळ
डाभ पुं० दर्भ; डाभ (२) आंबानो मोर
डामर पुं० [सं.] धामधूम (२) ठाठमाठ (३) चमत्कार (४) डामर [सजा
डामल स्त्री० जनमकेद; काळापाणीनी
डामाडोल वि० डामाडोळ; अस्थिर
डायन स्त्री० डाकण [डाइनेमो
डायन(–ना)मो पुं० [इं.] वीजळीनो
डायरी स्त्री० [इं.] डायरी; रोजनीशी
डार(–ल) स्त्री० डाळ (२) 'डलिया'; छाबडुं
डालना स०क्रि० नांखवुं
डालर पुं० [इं.] डॉलर सिक्को के नाणुं
डाली स्त्री० डाळी (२) जुओ 'डलिया'
डावरा पुं० जुओ 'डाँवर'
डासन पुं० (प.) बिछानुं; पाथरणुं
डासना स०क्रि० बिछाववुं
डासनी स्त्री० खाटलो; पलंग
डाह स्त्री० दाह (२) ईर्षा
डाहना स०क्रि० बाळवुं (२) सताववुं
डिंगर पुं० ढोरनो डेरो
डिंगल वि० नीच (२) स्त्री० रजपूतानानी चारणी भाषा [शोरबकोर
डिंब पुं० [सं.] ईंडुं (२) दंगोफिसाद (३)
डिंभ पुं० दंभ; घमंड (२) [सं.] बच्चुं के बाळक (३) मूर्ख
डिगना अ०क्रि० डगवुं (प्रेरक डिगाना)
डिगरी स्त्री० डिग्री; पदवी (२) हुकमनामुं; 'डिक्री'. ०दार पुं० जेना पक्षमां हुकमनामुं थाय ते
डिठार, डिठियारा वि० देखनार; देखतुं
डिठौना पुं० नजर न लागे माटे करातुं काळुं टपकुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

डिपटी पुं० डेप्युटी – नायब अमलदार
डिपाजिट पुं०[इं.] अनामत; डिपॉझिट
डिपार्टमेन्ट पुं० [इं.] विभाग; खातुं
डिपो पुं०;स्त्री० [इं.] गोदाम; भंडार
डिप्टी पुं० जुओ 'डिपटी'
डिबिया स्त्री० डब्री
डिब्बा पुं० डबो (२) एक बाळरोग
डिभगना स०क्रि० (प.) मोहित करवुं; 'डहकना'
डिमडिमी स्त्री० डुगडुगी; डिंडिम
डिम(–मु)रेज पुं० [इं.] डामरेज – तेना पैसा. (–लगना)
डिमाई स्त्री० [इं.] कागळनुं डेमी कद
डिलिवरी स्त्री०[इं.] टपालनी वहेंचणी
डिविडेंड पुं०[इं.] शेरनुं व्याज; डिविडंड
डिसमिस वि० [इं.] रद; बरतरफ
डिस्ट्रिक्ट पुं० [इं.] जिल्लो
डिस्पेंसरी स्त्री० [इं.] दवाखानुं
डींग स्त्री० डिंग; शेखी. **–हाँकना** = डिंग मारवी; शेखी बकवी
डीठ स्त्री० दृष्टि; नजर (२) समज
डीठना अ०क्रि० देखावुं (२) स०क्रि० देखवुं के देखाडवुं [जादूगर
डीठबंध पुं० नजरबंधी के ते करनार
डीमडाम स्त्री० ठाठमाठ; धामधूम
डील पुं० कद (२) डिल; शरीर
डीलडौल पुं० शरीरनुं कद; काठुं
डीह पुं० वस्ती; गाम (२) ऊजड गामनी जगा (३) ग्रामदेवता
डुक,–क्का पुं० घुम्मो
डुगडुगी, डुग्गी स्त्री० डुगडुगी; ढोलकी
डुबकी स्त्री० डूबकी; 'गोता' (२) कढीमां नखाती चणाना लोटनी वडी (–खाना, –देना, –मारना, –लगाना, –लेना)
डुबाना स०क्रि० डुबाडवुं ('डूबना'नुं प्रेरक)
डुबाव पुं० डुबाय एटलुं ऊंडाण
डुबोना स०क्रि० जुओ 'डुबाना'
डुब्बी स्त्री० डूबकी [चलाववुं
डुलाना स०क्रि० डोलाववुं; हलाववुं;
डूँगर पुं० डुंगर (२) टेकरो
डूँगा पुं० डूघो; एक जातनो चमचो
डूबना अ०क्रि० डूबवुं; बूडवुं
डेंड़सी स्त्री० काकडी जेवुं एक शाक
डेग पुं० देग; देगडो. **०ची** स्त्री० नानो देग
डेडहा पुं० डेंडवुं; साप
डेढ़ वि० दो . **–ईंटकी मसजिद बनाना** =मळीने काम न करवुं; अतडुं रहेवुं. **–चावलकी खिचड़ी पकाना**=जमाल-भाईनो जुदो चोको करवो; बधाथी जुदा पडवुं
डेढ़ा वि० दोढुं (२) पुं० दोढाना आंक
डेपुटेशन पुं०[इं.] डेप्युटेशन; तिनिधि-मंडळ लई जवुं ते
डेरा पुं० डेरो; पडाव (२) तंबू इ० पडाव नांखवानो सामान (३) घर. **–पड़ना**=डेरो नंखावो
डेल(–ला) पुं० रोडुं
डेलटा पुं० [इं.] नदीनो डेल्टा
डेला पुं० आंखनो सफेद डोळो (२) रोडुं (३) ढोरनो डेरो
डेलिगेट पुं० [इं.] प्रतिनिधि
डेवढ़ा वि० 'डेढ़ा'; दोढुं (२) पुं० दोढाना आंक [दरवाजो
डेवढ़ी स्त्री० डेली; दोढी (२) फाटक;
डेसिमल पुं० [इं.] दशांश
डेस्क पुं० [इं.] ढाळियुं मेज

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

डंना पुं० पाख
डोंगर पुं० डुंगर
डोंगा पुं० होडी (स्त्री० –गी)
डोई(–ही) स्त्री० डोयो; डूघो
डोकरा पुं० डोसो; डोकरो. (स्त्री०–री)
डोज पुं०;स्त्री० [इं.] दवानो डोझ
डोडा पुं० मोटुं जींडवुं
डोडी स्त्री० जींडवुं
डोब(–बा) पुं० डूबकी
डोम(०ड़ा) पुं० एक अस्पृश्य जात
डोम-काग,–कौआ पुं० मोटो कागडो
डोमनी, डोमिन स्त्री० डोम स्त्री
डोर स्त्री० [सं.] दोर; दोरो. **–पर लगाना**=रस्ता पर आणवुं
डोरा पुं० दोरो (२) लीटी. **–डालना**=(रजाई इ० ना) दोरा नांखवा (२) प्रेममां फसाववुं–आकर्षवुं
डोरिया पुं० दोरियुं वस्त्र
डोरी स्त्री० दोरी (२) पाश; बंधन
डोल पुं० डोल; बालटी (२) हींडोळो (३) डोळी (४) वि० चंचल
डोलची स्त्री० डोलचुं; नानी डोल
डोलडाल पुं० हरवुं फरवुं ते (२) दिशाए जवुं ते
डोलना अ०क्रि० हालवुं; डोलवुं (२) फरवुं
डोला पुं० मेनो (२) हींचकानो हेल्लो. **–देना**=कन्या आपवी. **–निकालना**=कन्याने वळाववी
डोली स्त्री० डोळी
डोही स्त्री० जुओ 'डोई'
डौंड़ी स्त्री० दांडी पिटाववी ते. **–देना, बजाना**=दांडी पिटाववी
डौआ पुं० लाकडानी कडछी
डौल पुं० ढंग; ढब; रीत (२) परेखा; 'ढाँचा' (३) युक्ति; उपाय. **–डालना**=रूपरेखा के खोखुं तैयार करवुं. **–बाँधना, –लगाना**=उपाय के तजवीज करवी. **–पर लाना**=ढंगमां आणवुं; ठीक स्वरूप घडवुं
डौलदार वि० सुंदर; घाटीलुं
ड्योढ़ा वि० दोढुं (२) पुं० दोढा; 'डेवढा'
ड्योढ़ी स्त्री० जुओ 'डेवढ़ी'. **०दार, ०वान** पुं० दरवान
ड्राइंग स्त्री० [इं.] ड्रॉइंग; चित्रकाम
ड्राइवर पुं० [इं.] गाडी हांकनार (जेम के रेलनो, मोटरनो)
ड्राम पुं० [इं.] प्रवाहीनुं एक माप
ड्रिल स्त्री० [इं.] ड्रिल; कवायत

ढ

ढँकन पुं० 'ढकना'; ढांकण
ढंग पुं० ढंग (२) उपाय; युक्ति (३) ढांग; वहातुं. **–का**=ढंगवाळुं; चतुर
ढंगी वि० चतुर; चालाक; पाकुं
ढंढोर पुं० झाळ; आंच (२) वांदरुं
ढंढोरची पुं० ढंढेरो पीटनार
ढंढोरना स०क्रि० ढूंढवुं; खोळवुं
ढँढोरा पुं० ढंढेरो
ढँपना, ढकना अ०क्रि० ढंकावुं; छपा (२) स०क्रि० ढांकवुं; छुपाववुं (३) पुं० ढांकणु
ढई स्त्री० घरणुं; त्रागुं. **–देना**=धरणं धरीने बेसवुं
ढकनिया, ढकनी स्त्री० ढांकण; ढांकणी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ढका पुं० डक्का; फुरजो (२) मोटुं ढाल (३) (प.) धक्का
ढकेलना स०क्रि० धकेलवुं [–पीवुं
ढकोसना स०क्रि० एकसाथे खूब ढींचवुं
ढकोसला पुं० ढोंग; पाखंड
ढक्कन पुं० ढांकण
ढक्का पुं० मोटुं ढोल; नगारुं
ढचर पुं० साहित्यसामग्री (२) बखेडो (३) ढोंग; आडंबर
ढड्ढा वि० बेडोळ ने मोटुं (२) पुं० खोखुं; रूपरेखा (३) जूठो 'ठाठ'
ढपना अ०क्रि० (२) पुं० जुओ 'ढँपना'
ढब पुं० ढब; ढंग; रीत (२) आदत; प्रकृति (३) युक्ति
ढयना अ०क्रि०(दीवाल इ०)धसी आववुं –पडवुं (२) ध्वस्त–जमीनदोस्त थवुं
ढरकना अ०क्रि० ढळवुं; ढोळावुं
ढरका पुं० ढोरने कांई पावानी नाळ
ढरकी स्त्री० वणवानी कांठलो
ढर्रा पुं० रस्तो; मार्ग (२) युक्ति; उपाय (३) ढंग; चाल; टेव
ढलकना अ०क्रि० ढळवुं; ढोळावुं (२) गबडवुं. (प्रेरक **ढलकाना**)
ढलका पुं० आंखनो एक रोग
ढलना अ०क्रि० ढळवुं; ढोळावुं (२) गबडवुं (३) बीबामां ढळावुं (४) चमर ढोळावो
ढलवाँ वि० भरतर; ढाळेलुं [प्रेरक
ढलवाना, लाना स०क्रि० 'ढालना'नुं
ढलाई स्त्री० ढाळवानुं काम के मजूरी
ढहना अ०क्रि० 'ढयना'; वसवुं (ढहवाना, हाना प्रेरक)
ढाँक(–प)ना स०क्रि० ढांकवुं [खरडो
ढाँचा पुं० बीबुं; फरमो (२) योजना;
ढाँपना स०क्रि० ढांकवुं
ढाँस पुं० ठांसो; सूकी खांसी [खावो
ढाँसना अ०क्रि० ठांसवुं; सूकी खांसी
ढाई वि० अढी. **–घड़ीकी आना**=मोत आववुं. **–घड़ीकी बादशाहत करना**= चार घडीनुं चांदरणुं होवुं (२) वरराजा थवुं
ढाक पुं० पलाशनुं झाड; खाखरो (२) मोटुं एक ढोल. **–के तीन पात**=सदाय सरखुं (निर्धन)
ढाटा पुं० बुकानी
ढाड़(–ढ़) स्त्री० राड; चीस; गर्जना. **–मारना**=पोक मूकीने रडवुं
ढाढ़(–र)स पुं० धैर्य; दिलासो; धीरज (२) हिंमत; दृढता. **–बँधाना**=धैर्य के हिंमत आपवी
ढाढ़ी पुं० एक गवैया जात(स्त्री०**–ढ़िन**)
ढाना स०क्रि० धसावी पाडवुं; गबडावी नाखवुं; 'ढाहना'
ढाबर वि० मेलुं; गंदुं (पाणी).
ढारना स०क्रि० जुओ 'ढालना'
ढाल स्त्री० ढाल (२) पुं०;स्त्री० ढाळ; उतार (३) ढंग; रीत; ढाळो
ढालना स०क्रि०ढाळवुं (आंसु के आकार) (२) ढोळवुं; रेडवुं (३) दारू ढींचवो
ढालवाँ, ढालू वि० ढळतुं; ढोळवाळुं
ढासना पुं० अठींगण; तकियो
ढाहना स०क्रि० जुओ 'ढाना'
ढिंढोरा पुं० ढंढेरो के ते पीटवानुं ढोल. (**–पीटना, –बजाना**) [तट; किनारो
ढिग अ० पासे (२) स्त्री० किनार (३)
ढिठाई स्त्री० धृष्टता; निर्लज्जता; अघटित साहस [(२)लो नी चाकी
ढिबरी स्त्री० दीवानो खडियो के कोडियुं
ढिमका स० (स्त्री०**–की**) फलाणुं; अमुक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ढिलढिला वि० ढीलुपाचु (२) पाणी जेवु पातळुं [ढीलुं करवुं ते
ढिलाई स्त्री० ढीलाश (२) सुस्ती (३)
ढिलाना स०क्रि० 'ढीलना' नुं प्रेरक
ढिल्लड़ वि० ढील करनारुं; मंद; ढीलुं
ढीचूंढीचूं अ० गधेडानो अवाज – होंची होंची
ढीठ(–ठा) वि० धीट; धृष्ट (२) साहसिक
ढीम पुं० ढीमचुं (पथ्थर के माटीनुं)
ढीमर पुं० ढेंकवो (कूवामांथी पाणी खेंचवानो)
ढील स्त्री० जुओ 'ढिलाई'. –देना=ढीलुं मूकवुं; जाप्तो के पकड ढीलां करवां
ढीलना स०क्रि० ढीलुं करवुं (२) छोडवुं
ढीला वि० ढीलुं
ढुंढ़वाना स०क्रि० 'ढूंढ़ना' नुं प्रेरक
ढुंढ़ी स्त्री० हाथ (२) बांय
ढुकना अ०क्रि० घूसवुं (२) आडमां संतावुं
ढुरहुरी, ढुर्री स्त्री० पगदंडी; पगथी
ढुलकना अ० क्रि० गबडवुं (प्रेरक ढुलकाना)
ढुलना अ०क्रि० ढळवुं (२) रेडावुं; ढोळावुं (३) तरफ झूकवुं; अनुकूळ थवुं (४) आम तेम डोलवुं
ढुला(–लवा)ई स्त्री० भार वही जवो –'ढोना'–ते काम के तेनी मजूरी
ढुला(–लवा)ना स० क्रि० 'ढोना' नुं प्रेरक [संताई रहेवुं ते. (–लगना)
ढूंका पुं० कांई जोवा जाणवा छूपा
ढूंढ़ स्त्री० तपास; ढूंढवुं ते
ढूंढ़ना स०क्रि० ढूंढवुं; खोळवुं
ढूका पुं० जुओ 'ढूंका'
ढूढ़िया पुं० ढूंढियो जैन
ढूह(–हा) पुं० ढगलो (२) टेकरो

ढेक पुं० जळनुं एक पक्षी
ढेंकली स्त्री० ढेकवो (२) पाणीना ढेकवा जेवी युक्तिनो खांडणियो (३) गोटमडुं
ढेंकी स्त्री० 'ढेंकली'; एक जातनो खांडणियो
ढेंढ़, ढेढ़ पुं० कागडो (२) एक हलकी जाति (३) मूर्ख (४) कपासनुं जींडवुं
ढेंप(–पी), ढेप(–पी) स्त्री० ढेपुं; 'ढेला'
ढेबुआ(–वा) पुं० पैसो
ढेर पुं० ढेर; ढग (२) वि० खूब. –करना =मारी नांखवुं; ठार करवुं. –हो रहना या जाना=मरी जवुं (२) थाकीने लोथ थई जवुं
ढेरी स्त्री० ढगलो
ढेलवाँस स्त्री० गोफण
ढेला पुं० ढेपुं; ढेखलो; दगडुं. –चौथ= दगडाचोथ; भादरवा सुद ४
ढैया स्त्री० अढोशेरियो (२) अढिया
ढोंग पुं० ढोंग; दंभ; पाखंड. ०बाज, –गी वि० ढोंगी. ०बाजी स्त्री० ढोंग
ढोंढ़ पुं० कपास इ०नो दोडो
ढोंढ़ी स्त्री० नाभि; डूंटी [(२) छोकरो
ढोटा(–टौना) पुं० (स्त्री० –टी) पुत्र
ढोना स०क्रि० भार वहवो (२) उठावीने लई जवुं
ढोर पुं० ढोर; चोपगुं
ढोरना स० क्रि० (प.) ढोळवुं
ढोरी स्त्री० ढोळवुं के ढळवुं ते (२) धून; लगनी
ढोल पुं० ढोल; नगारुं (२) कानमो पडदो
ढोलक, –की स्त्री० ढोलकी; नानुं ढोल
ढोलकिया पुं० ढोलकावाळो
ढोलना पुं० ढोलना आकारनुं मादळियुं
ढोलनी स्त्री० पाळणुं; खोयुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ढोला पुं० सडेली वस्तुमां पडेलो धोळो कीडो–इयळ(२)गामनी सीमनुं निशान (३) देह; शरीर (४) मूर्ख–जड माणस (५) रति (६) एक पजाबी गीत–प्रकार

ढोलिया पुं० 'ढोलकिया'; ढोलवाळो

ढोली स्त्री० २०० पाननी थोकडो (२) मश्करी

ढोव पुं० नजराणुं; भेट

ढौंचा पुं० साडा चारना आंक

ढौरी स्त्री० धून; रटण

त

तंग वि० [फा.] तग. **–आना, होना**= थाकी जवुं; कायर, हेरान थई जवुं. **–करना**=सतावनुं. **हाथ तंग होना**= हाथ भीडमां होवो [वाळू

तंग-खयाल वि०[फा.] संकुचित विचार-

तंगदस्त वि०[फा.] (नाम, **–स्ती** स्त्री०) कंजूस (२) गरीब [कंजूस

तंग-दिल वि०[फा.] सांकडा मननुं (२)

तंगहाल वि०[फा.] गरीब(२)संकटग्रस्त

तंगी स्त्री० [फा.] ताण; टांच (२) गरीबी (३) दुःख

तंज़ पुं० [अ] टोणो; व्यंग [मलमल

तंजेब स्त्री०[फा.] एक जातनुं झीणुं सरस

तंड,०व पुं० (प.) तांडव; नाच

तंडु(–दु)ल पुं० तांदुल; चोखा

तंतमंत पुं० जंतरमंतर

तंतु पुं०[सं.] तांतणो; दोरो (२) वंशवेलो (३) करोळियानुं जाळुं

तंतुवाय पुं० [सं.] वणकर; 'ताँती'

तंत्र पुं० तंत्रशास्त्र (२) प्रबंध; व्यवस्था; बंदोबस्त; काबू (३) तंतु; दोरो (४) वस्त्र के ते वणवानी सामग्री के वणकर (५) सेना (६) समूह

तंत्री स्त्री० वीणा, सितार इ० तंतुवाद्य के तेनो तार (२) रसो; दोरडुं (३) नाडी (४) पुं० तंतुवाद्य वगाडनार

तंदुरुस्त वि० [फा.] तंदुरस्त; नीरोगी. (नाम **–ती** स्त्री०)

तंदुल पुं० 'तंडुल'; तांदुल; चोखा

तंदूर पुं० [फा. तनूर] एक प्रकारनी गोळ भठ्ठी, जेमां रोटली शेकाय छे. (वि० **–री**) [प्रयत्न; खंत

तंदेही स्त्री० [फा. तनदिह] महेनत;

तंद्रा स्त्री० [सं.] सुस्ती; घेन. **०लु** वि०

तंबाकू पुं० तमाकु. **०गर** पुं० तमाकुवाळो

तंबीह स्त्री० [अ.] चेतवणी; नसियत

तंबू पुं० तंबु; डेरो [ते वगाडनारो

तंबूर पुं० [फा.] एक जातनुं ढोल. **०ची** पुं०

तंबूरा पुं० तंबूरो

तंबूल पुं० खावानुं पान; तांबूल

तंबोली पुं० तंबोळी; पानवाळो

तअज्जुब पुं० [अ.] ताजुबी; आश्चर्य

तअन पुं० [अ.] तानो; महेणुं

तअल्लुक़ पुं०[अ.] संबंध (२) आधार

तअल्लुक़ः(–क़ा) पुं०[अ.] अनेक गामनी जमीनदारी (२) तालुको. **०(–क़े)दार** पुं० तालुकदार

तअस्सुब पुं० [अ.] तासुबी; धर्मांधता

तआरुफ़ पुं० [अ.] परिचय; पिछान

तआला वि० [अ.] सर्वश्रेष्ठ (उदा० खुदाताला) [माटे

तईं (प्रत्यय) प्रति; तरफ (२) अ० वास्ते;

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

तइनात वि० [अ०] जुओ 'तैनात'
तई स्त्री० जलेबीना कढाई
तउ अ० (प.) तोपण; तथापि
तक अ० सुधी; पर्यंत
तक़द्दमा पुं०[अ. तक़्दिमा] अंदाज; 'बजेट'
तक़दीर स्त्री० [अ.] तकदीर; नसीब. ०वर वि० भाग्यवान [लेवुं
तकना अ०क्रि० ताकवुं; जोवुं (२) शरण
तकबीर स्त्री० [अ.] आदर के प्रशंसा करवी ते (२) ईश्वरस्तुति (३) 'अल्लाहो अकबर' के एवा सूत्रनुं वारंवार बोलवुं ते
तकब्बुर पुं० [अ.] अभिमान; घमंड
तकमील स्त्री० [अ.] पूर्णता
तकरार स्त्री०[अ.] झघडो (२) विवाद. –री वि० तकरार करनार
तक़रीब स्त्री०[अ.] समीपता (२) शुभ अवसर
तक़रीबन् अ० [अ.] प्रायः; लगभग
तक़रीर स्त्री०[अ.] वातचीत (२) भाषण
तक़रीरन् अ० [अ.] मोढे; मौखिक
तक़र्रर पुं० [अ.] ,–री स्त्री० निमणूक
तकला पुं० त्राक (स्त्री० –ली)
तक़लीद स्त्री० [अ.] अनुकरण; नकल
तक़लीदी वि० [अ.] नकली; बनावटी
तक़लीफ़ स्त्री०[अ.] तकलीफ; कष्ट; पीडा
तकल्लुफ़ पुं०[अ.] शिष्टाचार (२) ठाठ; डोळ; देखाव
तक़वा पुं० [अ.] सदाचार
तक़वियत स्त्री०[अ.] ताकात देवी ते; पुष्टि; समर्थन
तक़सीम स्त्री० [अ.] वहेंचणी (२) भागाकार
तक़सीर स्त्री० [अ.] तकसीर; भूल
तक़ाज़ा पुं० [अ.] तकादो (२) वचन प्रमाणे करवा कहेवुं ते (३) प्रेरणा
तकान स्त्री० थकावट; 'थकान'
तक़ावी स्त्री० [अ.] तगावी
तकिया पुं०[फा.] ओशीकुं (२) तकियो (३) फकीरनो तकियो (४) आशरो; भरोसो
तकिया-कलाम पुं० बोलवामां केटलाक अमुक शब्द के शब्दो वारंवार कहे छे ते. उदा० छते, समज्याने
तकियादार पुं०[फा.] कबर के तकिया-वाळो फकीर
तकुआ पुं० त्राक
तक्र पुं० [सं.] छाश
तख़मीनन् अ०[अ.] अंदाजथी; लगभग
तख़मीना पुं० [अ.] अंदाज; अनुमान
तख़लिया पुं० [अ.] एकांत स्थान
तख़लीफ़ स्त्री० [अ.] कमी; न्यूनता
तख़ल्लुस पुं० [अ.] लेखक के कविनुं उपनाम
तख़सीर पुं० [अ.] विजय
तख़सीस स्त्री० [अ.] विशेषता; खासियत
तख़्त पुं०[फा.] राजानुं सिंहासन (२) पाट
तख़्त-ताऊस पुं० [फा.] तख्तेताऊस; मयूरासन [बेठेलं
तख्त-नशीन वि० [फा.] राजगादी पर
तख़्ता पुं०[फा.] पाटियुं (२) पाट (३) ता; एक कागळ (४) ठाठडी. –उलटना=तैयार काम कथळवुं. –हो जाना = अकडावुं
तख़्ती स्त्री० तकती (२) नानो पाटियानो टुकडो (३) स्लेट तरीके वपरातुं पाटियुं
तगड़ा वि० तगडुं; जाडुं; हृष्टपुष्ट
तगदमा पुं० जुओ 'तक़दमा'
तगमा पुं० जुओ 'तमगा'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

तग़य्युर पुं०[अ.] मोटो भारे फरफार
तगादा पुं० तगादो; 'तक़ाज़ा'
तग़ाफ़ुल पुं० [अ.] उपेक्षा; बेदरकारी
तग़ार पुं० [अ.], **तग़ारी** स्त्री० चणवा माटे चूनो के गारो तैयार करवानी जगा (२) तगारुं
तचना अ०क्रि० तपवुं; गरम थवुं
तज पुं० तज के तेनुं झाड
तज़किरा पुं० [अ.] चर्चा
तजना स०क्रि० तजवुं; छोडवुं
तजम्मुल पुं०[अ.] शणगार (२) शोभा
तजर(–रु)बा पुं० [अ.] अनुभव (२) अजमायश; प्रयोग. ०**कार** पुं० अनुभवी माणस. ०**कारी** स्त्री० अनुभव
तजल्ली स्त्री०[अ.] प्रकाश (२) ईश्वरी नूर, जेनुं मूसाने पर्वत पर मळेलुं
तजवीज़ स्त्री०[अ.] मत (२) फेंसलो; निर्णय (३) बंदोबस्त; तजवीज
तजावुज़ पुं० [अ.] मर्यादानुं उल्लंघन; हद पार करवी ते
तजुर्बा पुं० जुओ 'तजरबा'
तज्जार पुं०[अ.] 'ताजिर'नुं ब०व०
तज्ञ वि० तज्ज्ञ; तत्त्वज्ञ; ज्ञानी
तट पुं०[सं.] कांठो; किनारो (२) अ० पासे; नजीक
तटनी स्त्री० (प.) तटिनी; नदी
तटस्थ वि० [सं] पासे रहेनार (२) निष्पक्ष; निरपेक्ष [तड पडवां ते
तड़ पुं० नातनुं तड; विभाग. ०**बंदी** स्त्री०
तड़कना अ०क्रि० तडकवुं; फाटवुं (२) तडूकवुं; गुस्से थवुं (३) 'तड़का'–वघार देवो
तड़का पुं० सवार (२) वघार (३) तडको
तड़प स्त्री० तलप; कूदको (२) तडपवुं –दुःखी थवुं ते; पीडा (३) वीजळीनो चमकारो
तड़प(–फ)ना अ०क्रि० दुःखथी तडफवुं
तड़फड़ाना अ०क्रि० तडफडवुं; बेचेन थवुं (२) स०क्रि० पजववुं; सतावववुं
तड़फना अ०क्रि० 'तड़पना'; तडफवुं
तड़बंदी स्त्री० तड बंधाई जवां ते
तड़ाक(०फड़ाक) अ० तडाकभडाक; तुरन्त; तडाक दईने [तरत
तड़ाका पुं० तडाको (२) अ० तडाक;
तड़ाग पुं० [सं.] तळाव
तड़ातड़ अ० तडफड; उपराउपरी
तड़ावा पुं० उपरनो रोफ के मगरूरी
तड़ित,–ता स्त्री० वीजळी
तड़ी स्त्री० धोल; तमाचो (२) बहानुं
ततारना स०क्रि० गरम पाणीथी झारवुं
ततैया स्त्री० 'भिड़'; भमरी
तत्काल अ० [सं.] तरत; त्यारे–ते ज वखते. –**लीन** वि० त्यारनुं
तत्त पुं० (प.) तत्त्व
तत्ता वि० (प.) तप्त; गरम
तत्ताथेई स्त्री० ताताथेई ए नाचनो बोल
तत्तोथंबो पुं० वच्चे पडी शांत पाडवुं ते
तत्पर वि० [सं.] तत्पर; तैयार (२) चतुर; निपुण
तत्त्व पुं०[सं.] तत्त्व; रहस्य. ०**ज्ञ**, ०**ज्ञानी**, ०**दर्शी** पुं० फिलसूफ; तत्त्वने जाणनार
तत्त्वावधान पुं० [सं.] देखरेख; नजर
तत्र अ० [सं.] त्यां
तथा अ०[सं.] अने (२) ते प्रमाणे; तेम
तथापि अ० [सं.] तोपण; छतां
तथैव अ० [सं.] तेम ज
तथ्य पुं० [सं.] सत्य; साचुं; खरुं
तदं(–दनं)तर अ० ते पछी; ते उपरांत

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

तदनुरूप वि० [सं.] तेने मळतुं; तेवुं
तदनुसार अ० [सं.] तेम; ते प्रमाणे
तदपि अ० [सं.] तोपण; तथापि
तदबीर स्त्री०[अ.] उपाय; युक्ति (२) यत्न; प्रयास. ०ए सल्तनत स्त्री० राज्यप्रबंध; राजवहीवट
तदरीज स्त्री० [अ.] क्रमिकता
तदरीस स्त्री० [अ.] भणाववुं ते
तदर्थ अ० [सं.] ते माटे (२) खास; 'ॲड हॉक'
तदा अ० [सं.] त्यारे
तदाकार वि०[सं.] तेवुं ज; तद्रूप; तल्लीन
तदाबीर स्त्री०[अ.] 'तदबीर'नुं ब०व०
तदारुक पुं० [अ.] बंदोबस्त (२) दंड; सजा (३) शोध; तपास
तदुपरांत अ०[सं.] ते उपरांत; वळी
तद्भव वि०[सं.] मूळमांथी बनेल (शब्द)
तद्रूप वि० [सं.] तेवुं ज; तदाकार [तेवुं
तद्वत् अ०[सं.] तेम ज; तेनी जेम (२) वि०
तन पुं०[फा.] तन; देह (२) अ० (प.) तरफ. –को लगना=असर पडवी (२) (खोराक) शरीरने फाववो. –देना= ध्यान देवुं; तन देवुं
तनकीह स्त्री०[अ.] तपास(२)मुकद्दमानो तपासवा जेवो मुद्दो; 'इश्यु'
तनख्वा(–ख्वा)ह स्त्री० [फा.] तनखो; पगार. ०दार पुं० पगारदार
तनज्जर अ०[अ.] कटाक्षमां; महेणा रूपे
तनज़ीम स्त्री० तंझीम; संगठन
तनजेब स्त्री०[फा.] एक जातनुं मलमल कपडुं [पडती
तनज्जुल पुं०[अ.], –ली स्त्री० अवनति;
तनतनहा अ० [फा.] साव एकलुं
तनतना पुं० [अ.] रोफ (२) क्रोध
तनतनाना अ०क्रि० रोफ के क्रोध देखाडवो
तनदिह वि०[फा.]तन दईने काम करनार
तनदिही स्त्री० जुओ 'तंदेही'
तनना अ०क्रि० तणावुं (२) अक्कड के टटार थवुं (३) गर्व के क्रोधथी रीसमां के अक्कड रहेवुं
तनय पुं०[सं.] छोकरो; पुत्र. –या स्त्री० पुत्री ['तनाना'
तनवाना स०क्रि० 'तानना'नुं प्रेरक;
तनसीख स्त्री०[अ.] रदबातल करवुं ते
तनसीफ़ स्त्री०[अ.] दुभागवुं–अधवारवुं ते (२) भाग पाडवा ते
तनसुख पुं० एक जातनुं कापड
तनहा वि०[फा.] तन्हा; एकलुं; एकाकी
तनहाई स्त्री०[फा.]एकाकीपणुं(२)एकांत
तना पुं०[फा.] झाडनुं थड (२) अ० तरफ; 'तन' [वेर; शत्रुता
तनाज़ा पुं०[अ.] झघडो (२) अदावत;
तनाना स०क्रि० 'तनवाना'; तणाववुं
तनाव स्त्री०[अ.] तंबू बांधवानी रसी
तनाव पुं०तणावुं ते;ताण(२)दोरी;रस्सी
तनावर वि० [फा.] मोटुं (२) जबरुं
तनावुल पुं०[अ.] ग्रहण करवुं ते (२) खावुं ते [के वोनुं शरीर लेवुं ते
तनासुख पुं०[अ.] विनाश (२) रूपांतर
तनासुल पुं० [अ.] प्रजोत्पत्ति
तनि(०क) वि० थोडुं; जरा
तनिया स्त्री० लंगोटी (२) काछडो (३) चोळी ['तनिया' (३)अ० 'तनिक'
तनी स्त्री० कपडानी कस (२) जुओ
तनु पुं०;स्त्री० [सं.] शरीर; बदन (२) वि० पातळुं; कृश (३) कोमळ; नाजुक (४) थोडुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

तनुज पुं०[सं.] पुत्र. –**जा** स्त्री० पुत्री
तनूर पुं० [अ.] जुओ 'तंदूर'
तनै पुं० (प.) तनय; पुत्र
तनैया स्त्री० (प.) तनया; पुत्री
तन्ज़ीम स्त्री० [अ.] जुओ 'तनजीम'
तन्ना पुं० ताणो
तन्नाना अ०क्रि० तणावुं (२) अक्कड थवुं
तन्नी स्त्री० त्राजवानां दामणां
तन्मय वि०[सं.] तद्रूप; तल्लीन; एकाग्र
तप पुं० [सं.] तप (२) ताव
तपन पुं०[सं.] तपवुं ते; गरमी (२) सूर्य (३) स्त्री० गरमी; दाह; ताप
तपना अ०क्रि० तपवुं; गरम थवुं (२) तप करवुं [ते; तपस्या
तपश्चर्या, तपस्या स्त्री० [सं.] तप करवुं
तपस्वी पुं०[सं.] तप करनार (२) दीन; बिचारुं; गरीबडुं (माणस)
तपाक पुं०[फा.] आवेश; जोश (२) वेग
तपाना स०क्रि० तपाववुं; 'तपना'नुं प्रेरक
तपिश स्त्री० [फा०] गरमी
तपी पुं० तपस्वी; तप करनार
तपे-दिक़ पुं०[फा.] क्षयरोग [मलेरिया
तपे-लरज़ा पुं० [फा.] टाढियो ताव;
तपोधन वि० [सं.] तपस्वी
तपोबल पुं० [सं.] तपनुं बळ
तपोवन पुं० [सं.] तप करवानुं वन; तपस्वीनो आश्रम [(३) क्रोधे भरायेलुं
तप्त वि०[सं.] तपेलुं; गरम (२) दुःखी
तफ़ज़ील स्त्री० [अ.] श्रेष्ठता; मोटाई
तफ़तीश स्त्री० [अ.] तपास
तफ़रक़ा पुं० [अ. तफ़रिक़ः] अंतर; फरक (२) फासलो (३) वियोग
तफ़रीक़ स्त्री०[अ.] वहेंचणी (२) वर्गीकरण (३) फरक (४) बादबाकी
तफ़रीह स्त्री०[अ.] खुशी; प्रसन्नता (२) हांसी (३) सहेल. ०न् अ० हांसीखेलमां
तफ़सील स्त्री०[अ.] तफसील; विगतवार वर्णन (२) टीका; 'तशरीह'
तफ़ावत पुं० [अ.] फरक; अंतर (२) दूर पडवुं ते; फासलो
तब अ० ते वखते; त्यारे (२) तेथी
तबअ स्त्री० [अ.] प्रकृति (२) छाप; महोर (३) ग्रंथनी आवृत्ति
तबई वि० [अ.] प्राकृतिक
तबक़ पुं० [अ.] पृथ्वीनी उपर नीचे कल्पातो लोक (२) तबक; तासक (३) (सोनाचांदीनो) वरख. ०गर पुं० वरख बनावनार
तबक़ा पुं०[अ.] तबक्को; कक्षा; दरज्जो; (२) तह; थर (३) लोकसमूह (४) मकाननो माळ [पुं० धर्मान्तर
तबदील वि०[अ.] बदलायेलुं. ०**मज़हब**
तबदीली स्त्री०[फा.] फेरफार (२) बदली
तबद्(–द्दु)ल पुं०[अ.] जुओ 'तबदीली'
तबर पुं० [फा.] कुहाडी (२) फरसी
तबर्रा पुं० [अ.] धृणा; धिक्कार [तबरूक
तबर्रुक पुं०[अ.] आशीर्वाद (२) परसाद;
तबल पुं०[फा.] मोटुं ढोल (२) नगारुं
तबलची, तबलिया पुं० तबलची
तबला पुं०[अ.] तबलुं. –**लिया** पुं० तबलची
तबलीग़ पुं० [अ.] तबलीघ; धर्मान्तर करावबुं ते
तबस्सुम पुं० [अ.] मंद हास्य
तबाक़ पुं०[अ.] एक मोटी थाळी; तबट
तबादला पुं०[अ.] 'तबदीली'; परिवर्तन
तबाशीर स्त्री०[अ.] वांसलोचन औषधि
तबाह वि०[फा.] बरबाद; नष्ट. (नाम, –**ही** स्त्री०)

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

तबीअत स्त्री०[अ.] तबियत; मन; प्रकृति (२) समज. (किसी पर) **तबीअत आना** = चाहवुं. **–फड़क उठना** = खूब उत्साही के प्रसन्न थवुं. **–लगना**=चाह पेदा थवी (२) ध्यान चोंटवुं

तबीअतदार वि०[फा.] समजदार (२) भावुक; रसज्ञ

तबीब पुं० [अ.] हकीम

तबेला पुं० तबेलो; घोडासर

तब्दील,–ली जुओ 'तबदील',–'ली'

तभी अ०ए ज वखते; त्यारे ज (२)तेथी ज

तमंचा पुं० [तु.] तमंचो; पिस्तोल

तम पुं०[सं.] तमस; अंधारुं (२)तमोगुण

तमअ स्त्री०[अ.]इच्छा (२) लालच; लोभ

तमक पुं० जोस; तीव्रता (२) क्रोध (३) [सं.] दम रोगनो एक प्रकार

तमकना अ०क्रि० आवेश के क्रोधमां आववुं; 'तड़कना'

तमगा पुं०[तु.] चांद; चंद्रक (२) महोर

तमचु(–चो)र पुं०(सं.) कूकडो; मरघो

तमतमाना अ०क्रि० ताप के क्रोधथी चहेरो लाल थवो

तमद्दुन पुं० [अ.]नागरिकता(२)संस्कृति

तमन्ना स्त्री० [अ.] इच्छा; आतुरता

तमलेट पुं० जुओ 'तामलेट'

तमसील स्त्री० [अ.]उदाहरण(२)उपमा

तमस्खुर पुं० [अ.] हांसी

तमस्सुक पुं० [अ.] दस्तावेज

तमहीद स्त्री० [अ.] भूमिका; प्रस्तावना

तमाँ(–मा)चा पुं० [फा.] तमाचो. **–जड़ना**=तमाचो मारवो [इच्छा

तमा स्त्री०[अ. तमअ]लालच; लोभ(२)

तमाकू पुं० तमाकु. **–चढ़ाना, –भरना** =चलम के हूको भरवो

तमाचा पुं० जुओ 'तमाँचा'

तमादी स्त्री० [अ.] लेणदेण के दावानी मुदत जवी ते

तमाम वि० [अ.] तमाम; बधुं; कुल (२) पूरुं; संपूर्ण. **–करना** = पूरुं करवुं (२) मारी नाखवुं. **–होना** = पूरुं थवुं (२) मरी जवुं

तमाल पुं० [सं.] एक झाड

तमाशगीर, तमाशबीन पुं०[फा.]तमासो जोनार (२) रंडीबाज; व्यभिचारी

तमाशा पुं० [फा.] तमासो; खेल (२) कौतुक; आश्चर्य

तमाशाई पुं० [अ.] तमासो जोनार

तमिल स्त्री० तामिल भाषा

तमी स्त्री० [सं.] रात (२) हळदर

तमीज स्त्री० [अ.] सारासार विवेक (२) पारख; पिछान (३)ज्ञान(४)अदब

तमोगुण पुं० [सं.] प्रकृतिना त्रणमांनो एक गुण; तामस. **–णी** वि०

तमोर, –ल पुं० (प.) तांबुल; पान

तमोली पुं० तंबोळी (स्त्री० **–लिन**)

तय वि० [अ.] समाप्त(२)निश्चित(३) निर्णीत; फेंसलो करेलुं

तरंग स्त्री० [सं.] पाणीनी लहरी, मोजुं (२) उमंग; लहेर (३) विचारनो तरंग

तरंगिणी स्त्री० [सं.] नदी

तरंगित वि०[सं.] लहेरो खातुं; डोलतुं; ऊछळतुं [मनस्वी

तरंगी वि०[सं.] तरंगवाळुं (२) लहेरी;

तर वि०[फा.] भीनुं (२) चीकटवाळुं; मालदार (३) स्त्री० काकडी

तरकश,–स पुं० [फा.] तरकस; भाथो

तरका पुं० [अ.] वारसो

तरकारी स्त्री० [फा.] शाक (२) (हिंदु लोकमां) मांस

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

तरकीब स्त्री० [अ.] मेळ (२) रचना (३) युक्ति

तरक़्क़ी स्त्री० [अ.] आबादी; उन्नति

तरखान पुं० सुतार [ति (३) आकर्षण

तरग़ीब स्त्री०[अ.] उत्तेजन (२) उश्केरवुं

तरजना अ०क्रि० वढवुं (२) गुस्साथी कहेवुं

तरजीह स्त्री० [अ.] महत्त्व देवुं ते

तरजुमा पुं० [अ.] तरजुमो; भाषांतर

तरजुमान पुं०[अ.] तरजुमो करनार (२) वक्ता

तरणि पुं०[सं.] सूर्य (२) स्त्री० नाव; होडी

तरतीब स्त्री० [अ.] क्रम; व्यवस्था

तरतीबवार अ० क्रमवार [पापी

तर-दामन वि० [फा.+अ.] अपराधी (२)

तरदीद स्त्री०[अ.] खंडन (२) रदियो

तरद्दुद पुं०[अ.] चिंता; फिकर; अंदेशो

तरना अ०क्रि० तरवुं (२)स०क्रि० तळवुं

तरपर अ० उपर नीचे (२) एक पछी एक

तरफ़ स्त्री०[अ.] बाजु (२) पक्ष. ०दार वि० पक्षपाती. ०दारी स्त्री० तरफेण; पक्षपात

तरफ़ैन पुं०[अ. 'तरफ़'नुं ब०व०] बेउ पक्ष

तरब स्त्री० [अ.] प्रसन्नता; खुशी

तर-बतर वि०[फा.] भींजायेलुं; भीनुं; तर

तरबियत स्त्री०[अ.] तालीम; केळवणी (२) पालनपोषण; उछेर

तरबूज़ पुं० 'तर्बूज़'; तरबूच

तरमीम स्त्री०[अ.] सुधारो; 'संशोधन'

तरल वि० [सं.] चपळ; चंचळ (२) प्रवाही (३) पोलुं

तरवर पुं० (ग.) तरुवर; मोटुं झाड

तरवरिया,-हा पुं० तलवार चलावनार

तरवा पुं० जुओ 'तलवा'

तरवार स्त्री० तरवार; समशेर

तरस पुं० दया. –खाना=(कोई पर) दया खावी

तरसना अ०क्रि० तरसवुं; तलसवुं; झंखवुं

तरह स्त्री०[अ.] तरेह; भात; प्रकार (२) जड; पायो (३) रीत; ढंग (४) युक्ति; उपाय (५) हाल; दशा (६) पादपूर्ति माटे आपेलुं पाद. –देना=जवा देवुं; टाळवुं; ध्यान न आपवुं

तरहटी स्त्री० तळेटी (२) नीची जमीन

तरहदार वि०[फा.] सुंदर बनावटनुं (२) शोखीन [खीण

तराई स्त्री० तळेटीनो प्रदेश (२) पहाडनी

तराज़ू पुं० [फा.] त्राजवुं

तराबोर वि० तरबोळ

तरारा पुं० छलंग; कूदको

तरावट,-त [अ. तरावत] स्त्री० भीनाश (२) तर भोजन [प्रकार (३) ढंग

तराश स्त्री०[फा.] काप (२) रचनानो

तराशना स०क्रि० कापवुं

तरियाना स०क्रि० नीचे–तळे करवुं के बेसाडवुं (२) ढांकवुं; छुपाववुं (३) अ०क्रि० नीचे ठरवुं

तरी स्त्री० भीनाश (२) ठंडक (३) भीनाश भूमि (४) 'तराई'; तळेटी (५) [सं.] होडी

तरीक़ा पुं०[अ.] रीत; ढंग (२) प्रणाली (३) उपाय; तरीको

तरु पुं० [सं.] झाड

तरुण वि०[सं.] जुवान (२) नवुं. –णाई स्त्री० तरुणपणुं. –णी स्त्री० युवती

तरुन वि० (प.) तरुण. –नाई स्त्री०, –नापन, –नापा पुं० युवावस्था

तरे अ० तळे; नीचे

तरेटी स्त्री० तळेटी; 'तराई'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

तरेरना स०क्रि० तरेरुं थवुं; गुस्सामां आंखो ततडाववी

तरोई स्त्री० जुओ 'तुरई'

तर्क पुं० [अ.] त्याग (२) [सं.] तर्क; विचार; दलील (३) टोणो; कटाक्ष

तर्कश पुं० [फा.] तरकस; भाथो

तर्की पुं० [सं.] तर्क करनार

तर्केमवालात पुं० [अ.] असहकार

तर्ज पुं०[अ.] प्रकार; तरेह (२) रीत; ढंग (३) रचना

तर्जन पुं०[सं.] डराववुं, धमकाववुं ते (२) क्रोध (३) तिरस्कार. ०**गर्जन** पुं० 'डाँट-फटकार'; धाकधमकी

तर्जना स०क्रि० धमकाववुं; वढवुं

तर्जनी स्त्री०[सं.]अंगूठा पासेनी आंगळी

तर्जुमा पुं० [अ.] 'तरजुमा'; तरजुमो

तर्पण पुं० [सं.] तृप्त करवुं ते (२) तर्पण करवानो विधि – जलांजलि

तर्बूज पुं० [फा. तर्बुज़] तडबूच

तर्रार वि० [अ.] वाचाळ (२) चपळ

तल पुं०[सं.] तळियुं (२) सपाटी (३) हथेळी (४) 'तला'; नीचेनो भाग (जेम के माळ, मजलो)

तलक अ० 'तक'; लगी; सुधी

तलक़ीन स्त्री०[अ.] शिखामण; समजण

तलख़ वि० जुओ 'तल्ख़'

तलछट स्त्री० प्रवाही नीचे ठरतो कांप के काटेडो

तलना स०क्रि० तळवुं

तलपट वि० 'चौपट'; नष्ट; बरबाद; तळियाझाटक [स्त्री० बरबादी

तलफ़ वि०[अ.] जुओ 'तलपट'. –**फ़ी**

तलफ़ना अ०क्रि०जुओ'तड़पना';तलफवुं.

तलफ़्फ़ुज़ पुं० [अ.] उच्चारण

तलब स्त्री० [अ.] तपास; शोध (२) तलप; इच्छा (३) जरूर; मांग (४) पगार (५) बोलाववुं ते. –**करना**= पासे बोलाववुं. ०**गार,** ०**दार** वि० चाहनार; इच्छुक. ०**दास्त,** ०**नामा** पुं० समन्स [अदालतने अपातो खरच

तलबाना पुं०[फा.] साक्षीओ बोलाववा

तलबी स्त्री०[अ.] मांग (२) बोलाववुं ते

तलबेली स्त्री० तालावेली; चटपटी

तलवा पुं० पगनुं तळियुं. –**खुजलाना**= मुसाफरीमां जवानुं थवुं (२)पगे झामरो होवो–मुसाफरीनी आदत पडी जवी. **तलवे चाटना**=अति खुशामत करवी. **तलवे छलनी होना**=खूब चालीने तळियां चाळणी थई जवां. **तलवोंसे आग लगना**=भारे क्रोध चढवो

तलवार स्त्री०[फा.] तरवार; खडग

तलहटी स्त्री० तळेटी

तला पुं० तळियुं (२) सखतळी

तलाक़ पुं० [अ.] तल्लाक; फारगती

तलातम पुं० [अ.] मोटुं मोजुं; लोढ

तलाफ़ी स्त्री०[अ.] निवारण; प्रायश्चित्त (२) नुकसानीनी भरपाई

तलाव पुं० 'तालाब'; तळाव

तलाश स्त्री०[तु.] तलाश; खोज (२) जरूर; आवश्यकता

तलाशी स्त्री० [फा.] तपास; खोळ

तली स्त्री० तळियुं (२) तळिये ठरेलो कचरो; 'तलछट'

तले अ० तळे; नीचे. ०**ऊपर** अ० तळे उपर (२) ऊलटपूलट

तलेटी स्त्री० तळियुं (२) सळेटी

तलैया स्त्री० तलावडी

तलौंछ स्त्री० जुओ 'तलछट'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

तल्ख वि०[फा.] कडवुं (२) बेस्वाद (३) अप्रिय [माळ; मजलो
तल्ला पुं० अस्तर (२) सखतळी (३)
तल्ली स्त्री० सखतळी; 'तला'
तवक़्क़ा स्त्री० [अ. तवक़्क़ुअ] आशा
तवक़्क़ुफ़ पुं० [अ.] विलंब; वार
तवक्कुल पुं० [अ.] ईश्वरश्रद्धा (२) परमार्थ दृष्टि
तवज्जह स्त्री०[अ.] ध्यान (२) कृपादृष्टि
तवना अ०क्रि०, तवावुं; तपवुं [जनमवुं
तवल्लुद वि० [अ.] जन्मेलुं. **–होना**=
तवा पुं० तवो. **–सा मुँह होना**=काळुं मोढुं थवुं. **तवेकीबूँ द**=क्षणवार टकनारुं (२) जेनाथी जराय तृप्ति न वळे एवुं
तवाज़ा स्त्री०[अ.] आदर (२) आतिथ्य
तवाना वि० [फा.] बळवान (नाम,**–नाई**)
तवायफ़ स्त्री० [अ. 'ताइफ़ः'नुं ब. व.] वेश्या (२) तायफो (गानार बजावनारनी टोळी)
तवारा पुं० (प.) ताप; ताव
तवारीख़ स्त्री० [अ.] इतिहास. **–खी** वि० [अ.] ऐतिहासिक
तवालत स्त्री० [अ.] लंबाई(२)अधिकता (३) झंझट; आपत्ति
तवील वि० [अ.] लांबुं
तवेला पुं० [अ. तवेल] तवेलो
तशख़ीस स्त्री०[अ.] ठराव (२) रोगनुं निदान
तशदीद स्त्री०[अ.] कठोरता; सखताई; अत्याचार (२) लेखनमां अक्षरनुं द्वित्व सूचववा फारसी लिपिमां वपरातुं चिह्न
तशद्दुद पुं० [अ.] 'तशदीद'; कठोरता
तशफ़्फ़ी स्त्री० [अ.] सांत्वन (२) संतोष
तशबीह स्त्री०[अ.] उपमा (२) उदाहरण
तशरीफ़ स्त्री० [अ.] मोटाई; महत्ता. **–लाना**=पधारवुं. **–रखना**=बिराजवुं
तशरीह स्त्री०[अ.] टीका; टिप्पण (२) शरीरशास्त्र
तशवीश स्त्री० [अ.] फिकर; चिंता
तश्त पुं० [फा.] थाळी; टाट (२) जाजरूनुं तस्तानुं
तश्तरी स्त्री० [फा.] रकाबी
तस वि० (२) अ० (प.) तेवुं; 'तैसा'
तसकीन स्त्री० [अ.] तसल्ली; दिलासो
तसदीअ(०ह) स्त्री० [अ.] माथुं दुखवुं ते (२) तस्दी [समर्थन (३) साक्षी
तसदीक़ स्त्री०[अ.]सत्यता (२) प्रामाण्य;
तसद्दुक़ पुं० [अ.] दान (२) बलिदान
तसनीफ़ स्त्री० [अ.]ग्रंथ-रचना; पुस्तक-लेखन [दिखाडो; दंभ
तसन्ना पुं० [अ. तसन्नुअ] आडंबर;
तसफ़िया पुं० जुओ 'तस्फ़िया'
तसबीह स्त्री० [अ.] तसवी; माळा
तसमा पुं०[फा.]चामडानो पटो.**–खींचना**=गळुं दबावी देवुं; गळे फांसो नांखी मारवुं.**–लगा न रखना**=गळुं उडावी देवुं
तसर्रुफ़ पुं० [अ.] खर्च (२) उपयोग (३) चमत्कार
तसला पुं० तांसळुं (स्त्री० **–ली**)
तसलीम स्त्री०[अ.] सलाम; प्रणाम (२) स्वीकृति
तसल्ली स्त्री०[अ.]तसल्ली; दिलासो(२) धीरज.**–दिलाना**=दिलासो आपवो
तसवीर स्त्री० [अ.] छबी; चित्र. **–उतारना, –खींचना, –निकालना**=छबी के चित्र पाडवुं. **–बन जाना**=साव बनी जवुं
तसव्वुफ़ पुं० [अ.] जुओ 'तसौवुफ़'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

तसव्वुर पुं०[अ.] ख्याल; कल्पना (२) सूझ (३) ध्यान [साथे तपासवुं ते
तसहीह स्त्री०[अ.] शुद्ध करवुं ते(२) मूळ
तसू(-स्सू) पुं० तसु
तसौवुफ़ पुं०'तसव्वुफ़'; गूढवाद; सूफी-वाद (२) ईश्वरपरायणता [स्त्री
तस्कर पुं० [सं.] चोर. -री स्त्री० चोर
तस्दीअ स्त्री० जुओ 'तसदीअ'
तस्फ़िया पुं० [अ.] साफ के स्वच्छ करवुं ते (२) झघडानो निपटारो
तहँ(०वाँ,-हाँ) अ० तहीं; त्यां
तह स्त्री०[अ.] थर (२) पातळुं पड (३) तळियुं (४) गडी. -करना=गडी करवी; वाळवुं. -का सच्चा=साचा दिलनुं (माणस). -की बात=गुप्त वात-रहस्य. -तक पहुँचना=मर्म पामवो. -तोड़ना=झघडो पतावबो. -देना (किसी चीज़की)=थर लगाववो; उपर चोपडवुं
तहक़ीक़(-क़ात) स्त्री०[अ.] शोधखोळ
तहक़ीर स्त्री० अपमान; बेआबरू
तहख़ाना पुं० [फा.] भोंयरुं
तहज़ीब स्त्री० [अ.] शिष्टाचार (२) सभ्यता; संस्कृति [सभ्य
तहज़ीब-याफ़्ता वि० [अ.+फा.] शिष्ट;
तहत पुं० [अ.] अखत्यार (२) अधीनता
तहत-उस्सरा स्त्री० [अ.] पाताळ
तह-दर्ज वि० [फा.] बिलकुल नवुं
तहपेच पुं० [फा.] पोतानुं
तहफ़्फ़ुज़ पुं०[अ.] बचाव;रक्षण;सलामती
तहबंद पुं०[फा.],तहमत(-द) स्त्री०लुंगी
तहरीक स्त्री० [अ.] आंदोलन (२) उश्केरणी (३) प्रस्ताव; ठराव
तहरीर स्त्री०[अ.] लेखन-शैली के लेख
तहरीरी वि०[फा.]लेखित(जेम के पुरावो)
तहलका पुं० [अ.] मोत (२) बरबादी (३) हिलचाल; खळभळाट
तहलील स्त्री० [अ.] पीगळवुं ते (२) पचवुं ते [(३) खजानो
तहवील स्त्री० [अ.] सुपरत (२)अनामत
तहस-नहस वि० बरबाद; खेदानमेदान
तहसीन स्त्री० [अ.] तारीफ; प्रशंसा; शाबाशी
तहसील स्त्री०[अ.] महेसूल उघराववुं ते (२) तहसील; तालुको के महेसूल (३) महेसूलनी कचेरी. ०दार पुं० [फा.] मामलतदार; महालकारी
तहसीलना स० क्रि० वसूल करवुं; उघराववुं
तहाँ अ० त्यां; तहीं
तहाना स० क्रि० लपेटवुं [दरकार
तहाशा पुं० [अ.] डर; बीक (२) परवा;
तहिया,-याँ अ० (प.) त्यारे; ते वखते
तहीं अ० त्यां ज; तहीं ज; 'वहीं'
तही वि० [फा.] रहित; वगरनुं. जेम के, तही-दस्त=खाली हाथनुं; निर्धन. तही-मग्ज़=मूर्ख
तहोबाला वि०[फा.] ऊंधुंचतुं(२)बरबाद
ताँईं अ० जुओ 'ताईं'
ताँगा पुं० 'टाँगा'; टांगो; घोडागाडी
तांडव पुं० [सं.] तांडव नृत्य; पुरुषनुं नृत्य
ताँत,०ड़ी स्त्री० तांत (२) तंतु; दोरी (३) पणछ (४) साळनुं राच. -सा= बहु दूबळुं पातळुं
ताँता पुं० पंक्ति; हार. -बाँधना=हार करवी; हारमां ऊभा रहेवुं
ताँती स्त्री० पंक्ति (२) ओलाद; पेढी (३) पुं० वणकर

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

तांत्रिक वि० [सं.] तंत्र- संबंधी (२) पुं० तंत्रविद्या–यंत्रमंत्र जाणनार

ताँबा पुं० तांबुं धातु [पुं० तंबोळी

तांबूल पुं० [सं.] पान; पानबीडी. **–ली**

ता अ० [फा.]'तक'; सुधी (२) [सं.] वि० उपरथी भाववाचक नाम बनावतो प्रत्यय [उपासना

ताअत स्त्री० [अ.] सेवाचाकरी (२)

ताईं अ० प्रति; पासे; तरफ

ताई स्त्री० मोटी काकी (२) तावली (३) टाढियो ताव [टेको

ताईद स्त्री० [अ.] तरफदारी; समर्थन;

ताऊ पुं० मोटा काका

ताऊन पुं० [अ.] प्लेग; मरकी

ताऊस पुं० [अ.] मोर (२) ताऊस वाद्य. **–सी** वि० मोर जेवुं के तेना रंगनुं

ताक़ पुं० [अ.] ताकुं (२) वि० एकी (३) अद्वितीय; अजोड. **–पर धरना या रखना**=पड्युं रहेवा देवुं; काममां न लेवुं. **–भरना**=(पीर के देव इ०नी) मानता पूरी करवी

ताक स्त्री० ताकवुं ते (२) स्थिर दृष्टि (३) ताक; तक; लाग (४) तलाश. **–में रहना**=लाग जोता रहेवुं. **–रखना, लगाना**=लाग ताकवो

ताक़-जुफ़्त पुं० [फा.] हाथमां कोडी इ० राखी रमाती एकीबेकीनी रमत

ताक-झांक स्त्री० वारंवार के छूपुं जोवुं ते

ताक़त स्त्री० [अ.] ताकात; शक्ति; बळ

ताक़तवर वि० [फा.] ताकातवाळुं; बळवान

ताकना स०क्रि० ताकवुं; एकीटसे जोवुं (२) ध्यानथी जोवुं; विचारवुं (३) पहेलेथी जोई राखवुं (४) जोता रहेवुं; नजर राखवी; संभाळवुं

ताक़ा पुं० [अ.] ताको; कपडानुं 'थान'

ताकि अ० [फा.] जेथी करीने

ताकीद स्त्री० [अ.] ताकीद; चेतवणी. **–करना**=ताकीद आपवी

ताकीदन् अ० ताकीदथी; आग्रहपूर्वक

ताकीदी वि० [अ.] ताकीदनुं; जरूरी

ताख़ीर स्त्री० [अ.] वार; विलंब

ताग(–गा) पुं० तागडो; दोरो

तागड़ी स्त्री० कंदोरो (२) केडनो दोरो

तागना स०क्रि० (गोदडा इ०मां) दोरा नांखवा [पहेरावाय छे)

तागपाट पुं० गळानुं एक घरेणुं (विवाहमां

तागा पुं० 'ताग'; दोरो

ताज पुं० [अ.] बादशाहनो मुगट (२) कलगी (मोर, मरघा इ०नी) (३) आग्रा-नो ताजमहाल. **०दार** पुं० बादशाह

ताज़गी स्त्री० [फा.] ताजगी; ताजापणुं

ताजन,–ना पुं० चाबुक; कोरडो

ताज़ा वि० [फा.] ताजुं; तरत थयेलुं; नवुं; लीलुं (२) थाक वगरनुं; प्रफुल्ल (३) वासी नहि; तरतनुं; सोजुं

ताज़ा-दम वि० [फा.] तत्पर; तैयार

ताज़ियत स्त्री० [फा.] मरणनो दिलासो देवा जवुं ते; उठमणुं

ताज़िया पुं० [अ.] ताजियो; ताबूत

ताज़ियाना पुं० चाबुक; साटको के तेना फटकानी सजा

ताजिर पुं० [अ.] वेपारी

ताज़ी पुं० [फा.] अरबी घोडो (२) स्त्री० अरबी भाषा [सभ्यता; विवेक

ताज़ीम स्त्री० [अ.] ताजीम; अदब;

ताज़ीमी सरदार पुं० प्रतिष्ठावान–मोटो सरदार [वि० फोजदारी

ताज़ीर स्त्री० [अ.] दंड; सजा. **–री**

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ताज़ीरात स्त्री० [अ.] फोजदारी कायदानो संग्रह. **-हिंद**=हिंदनो फोजदारी कायदो

ताज्जुब पुं० [अ.] 'तअज्जुब'; ताजुबी

ताड़ पुं० ताडनुं झाड

ताड़ना स०क्रि० मारवुं; पीटवुं; मारी ठोकी हठाववुं (२) समजी जवुं; कळी जवुं; पामी जवुं (३) स्त्री० मार-पीट; धाकधमकी

ताड़ी स्त्री० ताडी (२) एक नानुं ताडनुं [झाड

तात पुं० [सं.] तात; पिता (२) वहालनुं संबोधन–वेटा जेवुं

ताता वि० तातुं; तपेलुं; गरम

ताताथेई स्त्री० नृत्यनो बोल–तातायेई; तातार्थैया

तातील स्त्री० [अ.] रजा; छुट्टी

तात्कालिक वि० [सं.] तात्काळिक; ते वखतनुं

तात्त्विक वि० [सं.] तत्त्व के तत्त्वज्ञान संबंधी (२) यथार्थ; वास्तविक

तात्पर्य पुं० [सं.] अर्थ; आशय; मतलब; भावार्थ (२) तत्परता

तायेई स्त्री० तातायेई

तादात्म्य पुं० [सं.] अभेद; एकरूपता

तादाद स्त्री० [अ.] संख्या; गणतरी

तादृश वि० [सं.] तेवुं; तेना जेवुं

ताधा स्त्री० तातायेई

तान स्त्री० ताणवुं ते; खेंच (२) संगीतनी तान, आलाप

तान पुं० [अ.] ठपको; ताणो; महेणुं; निंदा. (किसी पर) **तान तोड़ना**= (कोईनुं) बूरुं बोलवुं [नाखवुं

तानना स०क्रि० ताणवुं; खेंचवुं (२) केदमां

तानपूरा पुं० तानपूरो; तंबूरो

तान-बान पुं० (प.) जुओ 'ताना-बाना'

ताना पुं० ताणो (२) स०क्रि० ताववुं; तपाववुं (३) पुं० [अ.] ताणो; महेणुं

ताना-बाना पुं० ताणो-वाणो. **-करना**= नकामा अहींतहीं भटकवुं के फेरा खावा

तानारीरी स्त्री० साधारण गावुं ते

तानाशाही स्त्री० आपखुदी; सर-मुखत्यारी

तानी स्त्री० ताणी; ताणानुं सूतर

ताप पुं० [सं.] ताप; गरमी (२) ताव (३) कष्ट; पीडा

तापतिल्ली स्त्री० प्लीहानो रोग

तापना अ०क्रि० तापवुं (२) स०क्रि० फूंकी मारवुं; नाश करवुं

तापमान पुं० [सं.] ताप के तावनुं माप, तेनी डिग्री

तापयंत्र पुं० [सं.] थरमॉमीटर

तापस पुं० [सं.] तपस्वी (२) वगलो. **-सी** स्त्री० तपस्वी स्त्री

तापस्वेद पुं० [सं.] कोई रीते गरमी आपी निपजावेलो परसेवो

ताफ़्ता पुं० [फा.] ताफतो; टाफेटो

ताब स्त्री० [फा.] ताप (२) चमक (३) शक्ति (४) धैर्य

ताबड़तोड़ अ० लगातार; एक पछी एक; (२) झट झट; ताबडतोब

ताबदान पुं० [फा.] बारी के प्रकाश माटेनी जाळी

ताबा,-बे वि० [अ. ताबिअ] ताबामां रहेतुं; आधीन; आज्ञांकित

ताबीर स्त्री० (स्वप्ननुं शुभ-अशुभ) फळ

ताबूत पुं० [अ.] 'जनाजा'; ठाठडी (२) ताबूत; ताजियो

ताबेदार वि० ताबामां रहेनारुं (२) पुं० नोकर. **-री** स्त्री० नोकरी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ताम पुं० तामस; क्रोध (२) तमस; अंधारुं (३) वि० भीषण (४) पुं० [सं.] दोष; विकार (५) दुःख (६) [अ.] भोजन; खावुं ते

तामजान, तामझाम, तामदान पुं० एक प्रकारनी खुल्ली पालखी–खुरशी-घाटनी डोळी

तामड़ा वि० तांबाना रंगनुं [टमलर

तामले(–लो)ट पुं० [इं. टंब्लर] टिननुं

तामस वि०[सं.]तमोगुणी (२) पुं० तमोगुण; क्रोध (३) अंधकार; अज्ञान; मोह

तामसी स्त्री० अंधारी रात (२) महाकाळी (३) वि० स्त्री० तमोगुणी

तामिल स्त्री० तामिल भाषा; 'तमिल' (२) ते बोलनार लोक

तामीर स्त्री०[अ.] बांधकाम (मकाननुं)

तामीरी वि० [फा.] रचनात्मक

तामील स्त्री० [अ.] (आज्ञा) पालन; अमल करवो ते [आनाकानी

ताम्मुल पुं० [अ.] संदेह; दुविधा;

ताम्र पुं० [सं.]तांबुं. ०**पत्र** पुं०तांबालेख

तायफ़ा पुं० स्त्री० [फा.] वेश्या (२) गानारनी के वेश्यानी मंडळी (३) फिरको; जथो

तायर पुं० [अ.] ऊडनार (२) पक्षी

ताया पुं०(स्त्री०**ताई**) 'ताऊ';मोटाकाका

तार पुं० धातुनो, वाद्य इ०नो तार(२) वीजळीनो तार के ते द्वारा मोकलातो संदेशो (३) तंतु; ताग (४) वि० तार (स्वरनुं).–**जमना, बैठना या बँधना**= वेंत वेसवो; बरोबर गोठवावुं

तारक पुं०[सं.]तारो(२)तारनार;उद्धारक

तारकश पुं० तारकस; तार खेंचनारो. –**शी** स्त्री० तेनुं काम के धंधो

तारघर पुं० तार-ऑफिस

तारण पुं० [सं.] तारवुं ते; उद्धारण

तारतम्य पुं० [सं.] ओछावत्तापणा मुजबनो क्रम

तारना स० क्रि० तारवुं; उद्धारवुं

तारपीन पुं० टर्पेन्टाईन [तार

तार-बर्क़ी पुं० वीजळीथी खबर देनारो

तारा पुं०[सं.]तारो.–**गिनना**=ऊंघ वगर रात काढवी. –**टूटना**=तारो खरवो. **तारे तोड़ लाना**=भारे के चालाकीनुं काम करवुं. ०**पथ** पुं० आकाश

ताराज पुं० [फा.] लूंटफाट (२) ताराज थवुं ते; नाश; खुवारी

तारिक वि० [अ.] त्यागी [(२) काळुं

तारीक़ वि०[फा.] (नाम, –**क़ी**) अंधारुं

तारीख़ स्त्री० [फा.] महिनानी तारीख (ईस्वी के इस्लामी पंचांगनी).–**डालना** =तारीख नाखवी–नक्की करवी (कोई काम माटे).–**पड़ना**=तारीख पडवी–नक्की थवी

तारीफ़ स्त्री०[अ.] लक्षण (२) विशेषता; गुण (३) वर्णन (४) तारीफ; प्रशंसा

तारुण्य पुं० [सं.] जुवानी

तार्किक पुं०[सं.]तर्कशास्त्री(२)तत्त्ववेत्ता

ताल पुं० संगीतनो ताल (२) ताळी (३) हथेळी (४) मंजीरा (५) ताळुं (६) तळाव (७) ताडवृक्ष. –**ठोंकना** =लडवाने आह्वान देवुं

तालअ पुं० [अ.] नसीब; भाग्य [वगर

ताल-बेताल अ० टाणे-कटाणे; ठेकाणा

तालमेल पुं० ताल–सूर मेळववो ते (२) योग्य अवसर (३) बरोबर योजना; तालमेल. –**खाना**=ताल के मेळ खावो; संयोग लागवो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ताला पुं० ताळुं. **०कुंजी** स्त्री० ताळा-कूंची (२) एक बाळरमत

तालाब पुं० तळाव

तालावेली स्त्री० 'तलबेली'; तालावेली

तालिका स्त्री० कूंची (२) सूची; अनुक्रमणिका (३) यादी [मागनार

तालिब पुं०[अ.] शोधनार (२) पूछनार;

तालिब-इल्म पुं० [अ.] विद्यार्थी

ताली स्त्री०[सं.] कूंची (२) ताडी (३) ताळी (४) नानुं 'ताल'–तळावडी. **–पीटना, बजाना**=हसी काढवुं. **–बज जाना**=हसवामां जवुं

तालीफ़ स्त्री०[अ.] संग्रह-ग्रंथ रचवो ते (२) वे वच्चे मेळ के एकता करवी ते

तालीम स्त्री० [अ.] शिक्षण; केळवणी

तालु(–लू) पुं० ताळवुं. **–में दाँत जमना**=खराब दहाडा आववा. **–से जीभ न लगना**=बोल्या करवुं; जीभ झाली न रहेवी

तालुक़ा पुं० तालुको [पैसादार

तालेवर वि० [फा.]तालेवान;नसीबदार;

ताल्लुक़ पुं० जुओ 'तअल्लुक़'

ताव पुं० ताप; गरमी (२) अधिकार के सत्तानो गर्व (३) गुस्सो (४) ताव (कागळ); ता. **–आना**=जोईए तेवुं तपवुं (२) गुस्से थवुं. **–खाना**=गरम थवुं. **–देना**=गरम करवुं. **मूँछों पर ताव देना**=मूछ पर ताल देवो. **–चढ़ना**=प्रबल इच्छा थवी

ताव-भाव पुं० लाग; मोको

तावर,–री स्त्री० ताप; गरमी (२)ताव

तावान पुं०[फा.] नुकसानीनी भरपाई; दंड

तावीज़ पुं० [अ. तअवीज़] तावीज

ताश(–स) पुं० [अ.]एक प्रकारनुं कसबी कपडुं (२) गंजीफो

ताशा(–सा) पुं० [अ.तासः]ताछुं;तासुं

तासीर स्त्री० [अ.] असर; प्रभाव; फळ; परिणाम; गुण

तासु स० (प.) तेनुं ['उससे'

तासूँ(–सों) स० (प.) ते वडे के प्रत्ये;

तास्सुब पुं० जुओ 'तअस्सुब'

ताहम अ० [फा.] तोपण

ताह(–हि)री स्त्री०[अ.] एक प्रकारनी खीचडी

तिंतिड़ी स्त्री० [सं.] आमली

तिकड़म पुं० तिकडम; युक्ति; चालाकी. **०बाज़,–मी** वि० तिकडम करनार

तिकोन(–निया) वि० त्रिकोण

तिक्की स्त्री० पत्तांनी तीरी–तरियो

तिक्त वि० [सं.] तीखुं (२) कडवुं

तिखाई स्त्री० तीखाश; तीखापणुं

तिगुना वि० तगणुं

तिजरा पुं० जुओ 'तिजारी'

तिजारत स्त्री०[अ.]वेपार;धंधोरोजगार

तिजार पुं०, **तिजारी** स्त्री० त्रीजे दिवसे आवतो ताव

तिजोरी स्त्री० लोढानी तिजोरी

तिड़ी-बिड़ी वि० छिन्नभिन्न; अस्त-व्यस्त; वेरणछेरण

तित अ० (प.) त्यां (२) ते बाजु

तितर-बितर वि० वेरणछेरण; आमतेम; अस्तव्यस्त

तितली स्त्री० पतंगियुं

तित-लौकी स्त्री० कडवी तूमडी के दूधी

तितारा पुं० त्रण तारनुं वाद्य

तितिक्षा स्त्री० [सं.] सहनशीलता (२) क्षमा. **–क्षु** वि० ते गुणवाळुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

तितिम्मा पुं० [अ.] बचत; परिशिष्ट
तिते वि० (प.) 'उतने'; एटलुं
तितेक वि० (प.) 'उतना'; एटलुं
तितै अ० (प.) त्यां
तितैया पुं० भमरी
तितो वि० (प.) 'उतना'; एटलुं
तित्तर-बित्तर वि० जुओ 'तितर-बितर'
तिथि स्त्री०[सं.] मिति; देशी तारीख. **०पत्र** पुं० पंचांग
तिदरी स्त्री० त्रण बारणांवाळो ओरडो
तिधर अ० त्यां; 'उधर' [थोर
तिधारा पुं० [सं. त्रिधार] एक जातनो
तिन स० [प.] 'तिस' नुं ब० व०
तिनक(-ग)ना अ० क्रि० चिडावुं
तिनका पुं० तृण (२)तणखलुं. **-तोड़ना** =संबंध तोडवो (२)नजर न लागे एम करवुं के इच्छवुं (स्त्री बाळकने करे छे ते). **तिनकेको पहाड़ करना** = रजनुं गज करवुं [टेबल; त्रिपाई
तिपाई स्त्री० त्रण पायानी घोडी के
तिफ़्ल पुं० [अ.] बच्चुं; बाळक
तिबाबत स्त्री० [अ.] तबीबी; वैदुं
तिबारा अ० त्रीजी वार
तिब्ब स्त्री० [अ.] हकीमी. **-ब्बिया, -ब्बी** वि० हकीमी संबंधी
तिमि अ० (प.) तेम; तेवी रीते
तिमिर पुं० [सं.] अंधारुं
तिमुहानी स्त्री० त्रण मों-मार्ग के फाटकवाळुं स्थान
तिय(-या) स्त्री० त्रिया; स्त्री
तिरकुटा पुं० त्रिकटुं; सूंठ मरी ने पीपर
तिरछ(-छां)ई स्त्री० तीरछापणुं
तिरछा वि० तीरछुं; वांकुं; कतरातुं
तिरछाना अ०क्रि० तीरछुं थवुं; कतरावुं
तिरछौहाँ वि० जरा तीरछुं
तिरछौहें अ० वांकथी; वक्रतापूर्वक
तिरना अ० क्रि० तरवुं
तिरनी स्त्री० घाघरानुं नाडुं
तिरपट वि० तीरछुं (२) कठण; मुश्केल
तिरपन वि० त्रेपन; ५३
तिरपाई स्त्री० त्रिपाई
तिरपाल पुं० छापराना छाजनां सांठी वगेरे (२) शणनी ताडपत्री
तिरमिरा पुं० आंखे अंधारां आववां के खूब प्रकाशमां अंजावुं ते (२) पाणी उपर चीकटनुं बुंद
तिरमिराना अ०क्रि० आंखो अंजावी
तिरयाक़(-क) पुं० [अ.] सापनो महोरो (२) सर्व रोगनी रामबाण दवा
तिरस्कार पुं० [सं.] अपमान; अनादर (२) धिक्कार [तरछोडायेलुं
तिरस्कृत वि० [सं.] अपमानित;
तिरानवें वि० त्राणुं; ९३
तिराना स०क्रि० तरावबुं (२) तारवुं
तिरासी वि० त्र्यासी; ८३
तिराहा पुं० त्रिभेटो
तिरिया स्त्री० (प.) स्त्री
तिरेन्दा पुं० समुद्रमां तरतुं रखातुं नीचेना पहाड के विघ्ननुं निशान; 'बॉय' (२) जाळमां माछली फसाई एम बतावनार तरतुं रखातुं चिह्न
तिरोधान, तिरोभाव पुं० [सं.] अदृश्य थई जवुं ते [(२) ढंकायेलुं
तिरोभूत, तिरोहित वि० [सं.] अदृश्य
तिर्यक् वि० [सं.] तीरछुं; वांकुं (२) पुं० पशुपक्षी
तिलंगा पुं० अंग्रेजी फोजनो देशी सिपाई
तिलंगाना पुं० तैलंगण देश

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

तिल पुं० [सं.] तल
तिलक पुं० [सं.] तिलक; टीलुं
तिलकुट पुं० तलनी एक मीठी वानी
तिलदानी स्त्री० दरजीनी थेली जेमां सोयदोरा इ० राखे ते
तिलपट्टी,तिलपपड़ी स्त्री० तलसांकळी
तिलमिल स्त्री० जुओ 'तिरमिरा'
तिलमिलाना अ०क्रि०जुओ'तिरमिराना' (२) दुःख पीडाथी गभरावुं, तडफडवुं
तिलवा पुं० तलनो लाडु
तिलशकरी स्त्री० तलसांकळी [जादुई
तिलस्म पुं०जादु; चमत्कार. **–स्मी** वि०
तिलहन पुं० तेली बियांना छोड
तिलांजलि स्त्री०[सं.] मृतात्माने अपाती तलनी अंजलि; तिलोदक
तिला पुं० [अ.] सोनुं (वि०–लाई)
तिलाक़ पुं० जुओ 'तलाक़' [पटो–तलो
तिल्ला पुं० खेस पाघडी वगेरेनो कसबी
तिल्ली स्त्री० प्लीहा (२) तल
तिशना पुं० [अ.] तानो; महेणुं
तिश्ना वि० [फा.] तरस्युं; अभिलाषी
तिस स० (प.) 'उस' 'ता' नुं विभक्ति पूर्वेनुं रूप [छतां
तिस पर ते उपरांत; वळी (२) तोपण;
तिसरायत स्त्री०त्रीजुं – त्राहित होवुं ते; तटस्थता
तिसरैत पुं० त्रीजो – तटस्थ माणस
तिहत्तर वि० तोतेर; ७३
तिहरा वि० 'तेहरा'; त्रेवडुं (२) त्रीजी वारकुं. **०ना** स०क्रि० 'तिहरा' करवुं
तिहवार पुं० [सं. तिथिवार] तहेवार
तिहाई स्त्री० त्रीजो भाग (२) फसल
तिहाउ,–व पुं० (प.) क्रोध
तिहारा,–रो स० (प.) तमारुं
तिहि स० (प.) 'तेहि'; तेने [एक थाप
तिहैया पुं० त्रीजो भाग (२) तबलानी
तीक्ष्ण वि० [सं.] तीणुं; बारीक धार के अणीवाळुं (२)तीखुं; तीव्र; आकरुं (३) कुशाग्र; चकोर
तीखा वि० तीखुं (२) तीक्ष्ण
तीज स्त्री० तीज; तृतीया (तिथि)
तीजा वि० त्रीजुं (२) पुं० मरणनो त्रीजो दिवस
तीतर पुं० तेतर पक्षी
तीता वि० तीखुं (२) तिक्त; कडवुं
तीन वि० त्रण. **–तेरह करना** = वेर-विखेर–अस्तव्यस्त करवुं.**–पाँच करना** = झघडा के पंचातनी वात करवी
तीनत स्त्री० [अ.] प्रकृति; स्वभाव
तीमार पुं०[फा.] बरदासचाकरी; सेवा
तीमारदार वि० [फा.] सहानुभूतिवाळुं (२) रोगीनी बरदास करनार
तीमारदारी स्त्री० (रोगीनी) बरदास; मावजत
तीय(–या) स्त्री० स्त्री; ओरत
तीरंदाज़ पुं० [फा.] बाणावळी. **–ज़ी** स्त्री० धनुषविद्या
तीर पुं० [सं.] कांठो; किनारो (२) [फा.] बाण. **०गर** पुं० तीर बनावनार
तीरथ, तीर्थ पुं० तीर्थ; यात्रानी जगा
तीली स्त्री०सळी के तार(२)पगनी पिंडी
तीव्र वि० [सं.] अतिशय (२) उग्र; आकरुं; तेज (३) तीखुं
तीस वि०त्रीस. **–दिन, तीसों दिन**=हमेश
तीसरा वि० त्रीजुं
तीसी स्त्री० अळसी (२) फळ गणवानुं (१५०नुं) एक मान [पुं० पर्वत
तुंग वि० [सं.] ऊंचुं (२)उग्र; प्रचंड (३)

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

तुंड पुं० [सं.] मुख; मों (२) चांच (३) सूंढ
तुंद वि० [फा.] तुंड; चडाउ; उग्र (२) विकट; घोर (३) पुं० [सं.] पेट; फांद
तुंदिल, तुंदैल (–ला) वि० [सं.] मोटा पेट – फांदवाळुं
तुंबा पुं० कडवुं तूमडुं (२) तुंबीपात्र –बी स्त्री० तूमडी
तुक स्त्री० टूक; तूक. –जोड़ना= जोडकणा जेवी रद्दी कविता करवी
तुकबंदी स्त्री० जोडकणुं; काव्यना गुण विनानी हलकी कविता
तुकमा पुं० [फा.] 'घुंडी'–बोरियानुं नाकुं
तुकार स्त्री० तुंकारो
तुकारना स०क्रि० तुंकारवुं [जाणनार
तुक्कड़ पुं० जोडकणां–'तुकबंदी' रची
तुक्कल स्त्री० तुक्कल – मोटी पतंग
तुक्का पुं० [फा.] तुक्को; बूठुं बाण
तुख़्म पुं० [अ.] तुखम; बीज
तुग़यानी स्त्री० [अ.] (नदीनुं) पूर [अल्प
तुच्छ वि० [सं.] हलकुं; शूद्र (२) नजीवुं;
तुज़ुक पुं० [तु.] शोभा (२) कानून (३) आत्मकथा (प्रायः बादशाहनी)
तुझ स० 'तू'नुं विभक्ति पूर्वेनुं रूप
तुझे स० 'तू'नुं ४ थी तथा बीजीनुं रूप
तुड़वाना, तुड़ाना स०क्रि० तोडाववुं (२) मोटा सिक्कानुं परचूरण कराववुं
तुड़ाई स्त्री० तोडवानुं काम के तेनी मजूरी
तुतरा वि० (प.) तोतडुं
तुतरा (–ला) ना अ०क्रि० तोतडावुं
तुनक वि० [फा.] नाजुक (२) कमजोर
तुनक-मिज़ाज वि० [फा.] जरामां छंछेडाई जाय एवा स्वभावनुं
तुफ़ंग स्त्री० [फा.] हवाई बंदूक
तुफ़ैल पुं० [अ.] साधन. –से = द्वारा; वडे; –ने लईने
तुम स० तमे [तूमडुं
तुमड़ी स्त्री० तूमडी पात्र (२) वगाडवानुं
तुमुल वि० [सं.] घोर; भीषण; भारे (२) पुं० घोंघाट
तुम्हारा स० तमारुं
तुम्हें स० तमने; 'तुमको'
तुरंग, ०म पुं० [सं.] घोडो
तुरंत अ० तरत; जलदी
तुरंज पुं० बिजोरुं (२) शाल, अंगरखा वगेरे पर करातुं भरतकाम
तुर पुं० वणातुं जतुं कपडुं लपेटवानो साळनो भाग – तोर
तुरई स्त्री० तूरियुं के तेनो वेलो
तुरग पुं० [सं.] तुरंग; घोडो
तुरत अ० तुरंत; तरत [सीववुं ते
तुरपई (–न) स्त्री० दोरो भरी ओटीने
तुरपना स० क्रि० दोरो भरी ओटीने सीववुं. (प्रेरक तुरपवाना, तुरपाना)
तुरबत स्त्री० [अ.] कबर
तुरही स्त्री० तुराई वाजुं
तुराई स्त्री० तळाई; गादलुं (२) अ० तरत; जलदी
तुरीय, तुर्य वि० [सं.] चोथुं; चतुर्थ
तुर्की-ब-तुर्की जवाब देना = रोकडो – बरोबर उत्तर देवो
तुर्रा पुं० [अ.] तोरो (२) कलगी (३) वि० [फा.] अद्‌भुत [कठोर
तुर्श वि० [फा.] (नाम, –र्शी) खाटुं (२)
तुर्शाना अ०क्रि० खटावुं
तुलना स्त्री० तुलना; सरखामणी (२) अ० क्रि० तोळावुं (३) गाडीनां पैडां आंजवां (४) तैयार थवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

तुलबा पुं० ब० व० [अ.] विद्यार्थीगण
तुलवाई स्त्री० तोळवानी मज़ूरी (२) पैंडां आंजवानी मजूरी
तुलवाना स० क्रि० तोलाववुं
तुलसी स्त्री० [सं.] तुळसी
तुला स्त्री० [सं.] त्राजवुं; कांटो (२) तुलना (३) एक राशि
तुलाई स्त्री० रजाई (२) तोळवानी मजूरी के क्रिया
तुलूअ पुं० [अ.] (सूर्यादिनो) उदय
तुल्य वि० [सं.] बरोबर; समान
तुवर पुं० तुवेर; 'तूर'
तुष,-स पुं० [सं.] अनाजनुं भूसुं; फोतरुं (खास चोखानुं)
तुषार पुं० [सं.] बरफ (२) झाकळ (३) वि०बरफ जेवुं ठंडुं
तुष्ट वि० [सं.] तृप्त; संतुष्ट. **–ष्टि** [स्त्री० संतोष
तुस पुं०, **–सी** स्त्री० जुओ 'तुष'
तुहमत,–ती जुओ 'तोहमत,–ती'
तुहफ़ा पुं० जुओ 'तोहफ़ा'
तुहिन पुं [सं.] जुओ 'तुषार'
तूं स० जुओ 'तू' [नानुं तूमडुं
तूंबा,–बड़ा पुं० तूमडुं. **–बी** स्त्री०
तू स० तुं. **तू तड़ाक, तू तुकार, या तू तू मैं मैं करना**=सामसामे तुंतां करीने बोलाबोली करवी
तूण,–णीर पुं० [सं.] बाणनो भाथो
तूत पुं० [फा.] एक फळझाड; 'शहतूत'
तूती स्त्री० [फा.] एक पक्षी (२) ततूडी. (किसीकी) **–बोलना**=कोईनुं चालवुं–गज खावो. **नक़्क़ारखानेमें तूतीकी आवाज़**=कदर न पामती नानी वात
तूदा पुं [फा.] ढगलो (२) हदनी निशानी; पाळी (३) बांध
तूफ़ान पुं०[अ.] तोफान (२) तहोमत (३) आफत (४) भारे मोटुं पूर; रेल (वि० **–नी**)
तूमड़ी स्त्री० तुंबडी; तुंबडो
तूम-तड़ाक स्त्री०[फा.]ठाठमाठ;सजावट
तूमना स०क्रि० पींखवुं; विखेरवुं (२) भेद खुल्लो करवो
तूमार पुं०[अ.] वातनो व्यर्थ विस्तार; लांबुं पुराण (**–बाँधना** श० प्र०)
तूर पुं० नगारुं (२) तुराई वाजुं (३) स्त्री० तुवेर
तूल पुं० [अ.] लंबाई; विस्तार (२) [सं.] रू; कपास. **–देना**=लंबाववुं. **–खींचना**=ढील थवी
तूलतवील वि० लांबुंपहोळुं; विस्तृत
तूस पुं० जुओ 'तुस' (२) [अ.] उत्तम पशमीनो के कामळी
तृण पुं० [सं.] घास. **–गहना, पकड़ना**=दीनता देखाडवा मोंमां तणखलुं लेवुं. **–टूटना**=नजर लागे एवुं सुंदर होवुं. **–तोड़ना**=संबंध छोडवो (२) नजर न लागवा माटे उपाय करवा
तृतीय वि० [सं.] त्रीजुं. **–या** स्त्री० त्रीज (२) त्रीजी विभक्ति
तृप्त वि० [सं.] धरायेलुं; संतुष्ट. **–प्ति** स्त्री० संतोष; धरपत
तृषा स्त्री० [सं.] तरस (२) लालच; लोभ. **–षित** वि० तरस्युं [तरस
तृष्णा स्त्री० [सं.] लालच; कामना (२)
तें (प्रत्यय) द्वारा; थी (२)–ना करतां (३)–मांथी
तेंतालि(–ली)स वि० तेंताळीस; ४३
तेंती(–ति)स वि० तेत्रीस; ३३
तेंदुआ पुं० चित्ता जेवुं एक हिंसक प्राणी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ते (प्रत्यय) जुओ 'तें' (२) सं०[सं.] तेओ
तेइ(-ई)स वि० तेवीस; २३
तेग़ स्त्री० [अ.] तलवार
तेग़ा पुं० खांडुं; कटार
तेज़ वि०[फा.] तेज;तीक्ष्ण; उग्र;(२) मोंघुं
तेज पुं०[सं.] तेज; प्रकाश. **०स्वी** वि० तेजवाळुं (२) प्रभावशाळी
तेज़ाब पुं०[फा.] तेजाब; ॲसिड. **-बी** वि० तेजाब संबंधी
तेज़ी स्त्री०[फा.] तेजी; उग्रता; उतावळ (२) भावनी तेजी
तेजोमय वि०[सं.] तेजस्वी; प्रकाशवान
तेतालीस वि० 'तेंतालीस'; ४३
तेरस स्त्री० तेरश तिथि
तेरह वि० तेर; १३. **-हीं** स्त्री० तेरमुं
तेरा स० तारुं. **तेरी सी**=तारा लाभ मतलबनी वात (प.)
तेरे अ०(प.) 'से'; ने; प्रति-एवा अर्थमां
तेल पुं० तेल (२) लग्ननी एक विधि-पीठी चोळवानी. **-उठना, -चढ़ना**= पीठीनी विधि थवी
तेलहन पुं० तेली बी
तेलिन स्त्री० तेलीनी स्त्री; घांचण
तेलिया वि० तेलियुं (२) पुं० तेल जेवो एक रंग
तेली पुं० तेली; घांची
तेवन पुं० बाग (२) खेल; क्रीडा
तेवर पुं० गुस्सानी नजर (२) आंखनी भमर. **-चढ़ना**=क्रोधनी आंख थवी. **-बदलना या बिगड़ना**=मिजाज जवो
तेवहार पुं० तहेवार; 'त्योहार'
तेशा पुं० [फा.] वांसलो
तेहरा वि०, **तेहराना** स०क्रि० जुओ 'तिहरा, तिहराना'
तेहवार पुं०तहेवार; 'तिहवार'; 'त्योहार'
तेहा पुं० गुस्सो (२) शेखी; घमंड
तेहि स० (प.) एने; तेने
तेही वि० 'तेहा'-गुस्सा के घमंडवाळुं
तैंतालीस वि० 'तेंतालीस'; ४३
तैंतीस वि० तेत्रीस; ३३
तै अ० एटलुं (२) पुं० [अ.] फेंसलो (३) समाप्ति (४) वि० जुओ 'तय'
तैनात वि० [अ. तअय्युनात] नियत; मुकरर (नाम, **-ती** स्त्री०)
तैयार वि०[अ.] तैयार (२) हृष्टपुष्ट. (नाम, **-री** स्त्री०)
तैरना अ०क्रि० तरवुं (प्रेरक **तैराना**)
तैराक वि० तरवामां कुशळ; तारो
तैल पुं० [सं.] तेल
तैश पुं०[अ.] क्रोध; गुस्सो
तैसा वि० तेवुं. **तैसे** अ० तेम
तों अ० [प.] 'त्यों'; तेम के त्यारे
तोंद स्त्री० फूलेलुं पेट; दुंद; फांद
तोंदल वि० दुंदाळुं; फांदवाळुं
तोंदी स्त्री० नाभि; दूंटी
तो अ० तो (२) स० (प.) तारुं
तोड़ पुं० तोडवुं ते (२) नदीनुं जोरथी वहेतुं वहेण (३) दहींनुं पाणी (४) तोड; निकाल करवानो उपाय
तोड़ना स०क्रि० तोडवुं; भागवुं (प्रेरक **तोड़वाना**)
तोड़ा पुं० पगनो तोडो (२) १००० रू. राखवानी थेली (३) नदीनो कांठो (४) पलीतो (५) चकमकथी आग करवानो लोढानो ककडो
तोतई वि० तोताना रंगनुं; पोपटियुं
तोतरा(-ला) वि० तोतडुं
तोतरा(ला)ना अ०क्रि० तोतडावुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

तोता पुं० [फा.] तोतो; पोपट (२) बंदूकनो घोडो. **–पालना**=कोई व्यसन के व्याधि होवो. **हाथोंके तोते उड़ जाना** =बहु गभराई जवुं. **तोतेकी तरह आँखें फेरना या बदलना** = ('बेमुरव्वत होना') बेशरम बनवुं

तोताचश्म पुं०[फा.]बेशरम(नाम,**–श्मी**)

तोती स्त्री० मेना (२) रखात

तोदा पुं० जुओ 'तूदा'

तोप स्त्री० [तु.] तोप. **०खाना** पुं० तोपखानुं. **०ची** पुं० तोप चलावी जाणनार

तोफ़ा वि० 'तोहफ़ा'; सुंदर; उमदा. **–फ़गी** स्त्री० खूबी; सुंदरता

तोबड़ा पुं० तोबरो. **–चढ़ाना**=तोबरो चडाववो; ना बोलवुं

तोबा स्त्री०[अ. तौबह] पश्चात्ताप; फरी न करवानी प्रतिज्ञा. **–करना**=तोबा पोकारवी; फरी नहि करुं एम कहेवुं. **–तिल्ला करना या मचाना**=रडतां के नम्र बनीने तोबा पोकारवी. **–तोबा** =कोई खराब काम विषे घृणा के न थाओ एवो भाव बतावता 'राम राम' जेवा अर्थनो उद्‌गार. **–बुलवाना**=तोबा पोकरावकी

तोय पुं० [सं.] पाणी

तोर पुं० 'तूर'; तुवेर (२) स० (प.)तारुं

तोरई स्त्री० जुओ 'तुरई'; तूरियुं

तोरण पुं० मकाननो मुख्य दरवाजो (२) तोरण

तोरी स्त्री० जुओ 'तोरई'; तूरियुं

तोलना स०क्रि० तोळवुं; जोखवुं (२) तोलन करवुं; विचारवुं(३)पैडुं आंजवुं

तोला पुं० तोलो वजन

तोलिया पुं० जुओ 'तौलिया'

तोशक स्त्री० [तु.] रूनी गादी

तोशदान पुं० [फा.] भाथानी थेली के बचकी; कारतूसनी सिपाहीनी थेली

तोशा पुं० [फा.] वटेशरी; भाथुं

तोशाख़ाना पुं० [तु.+फा.] वस्त्रादिनो अमीर वगेरेनो भंडार; तोशाखानुं

तोष पुं० [सं.] संतोष. **–षित** वि० संतोषायेलुं

तोहफ़गी स्त्री० [फा.] उत्तमता

तोहफ़ा वि० [अ. तुहफ़] उमदा; तोफा; उत्तम (२) पुं० भेंट; उपहार

तोहमत स्त्री० [अ.] तहोमत

तोहमती वि० तहोमत मूकनार

तोहि स० (प.) तने

तौंस स्त्री० तापथी लागती सखत तरस

तौंसना अ०क्रि० 'तौंस'–तरस लागवी

तौंसा पुं० सखत गरमी

तौ अ० (प.) तो (२) अ०क्रि० हतुं

तौक़ पुं० [अ.] गळानुं एक घरेणुं (२) कांठलो (३) चपरास

तौक़ीर स्त्री० [अ.] आदर; सन्मान

तौफ़ीक़ स्त्री० [अ.] ईश्वरकृपा (२) श्रद्धा (३) शक्ति; ताकात

तौबा स्त्री० [अ.] जुओ 'तोबा'

तौर पुं०[अ.] ढंग; रीत; चाल; प्रकार (२) दशा; हालत

तौर-तरीक़(–क़ा)पुं०[अ.] चालचलगत; वर्तणूक; रहेणीकरणी

तौरा(–री,–रे)त पुं० तोरत; यहूदीओनो धर्मग्रन्थ जे मूसाने प्रगट थयेलो; जनो करार

तौल पुं० [सं.] त्राजवुं (२) स्त्री० तोल; वजन (३) तोळवुं ते; 'तौलाई'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

तौलना स०क्रि० जुओ 'तोलना'
तौला पुं० तोलाट (२) महुडी; दारू (३) माटलुं
तौलाई स्त्री० तोळवुं ते के तेनी मजूरी
तौलिया स्त्री०; पुं० टुवाल
तौसीअ स्त्री० [अ.] विस्तार; लंबाण
तौसीफ़ स्त्री० [अ.] प्रशंसा; स्तुति
तौहीद स्त्री० [अ.] एकेश्वरवाद; ईश्वर एक छे एवी मान्यता
तौहीन(–नी) स्त्री० [अ.] अपमान; अनादर; बेआबरू
त्यक्त वि० [सं.] तजायेलुं
त्याग पुं०[सं.] छोडवुं ते; त्याग; बलिदान
त्यागना स०क्रि० तजवुं; छोडवुं
त्यागी वि०[सं.] छोडनार (२) वैरागी
त्याज्य वि० [सं.] छोडवा जेवुं
त्यागपत्र पुं० [सं.] राजीनामुं
त्यों अ० तेवी रीते; तेम (२) तत्काल
त्योरुस पुं० वे वर्ष पूर्वेनुं के वे वर्ष पछी आवनारुं वर्ष
त्योर पुं०,**त्योरी** स्त्री०जुओ 'तेवर';तोरी
त्योहार पुं० तहेवार. **–मनाना**=तहेवार पाळवो के ऊजववो
त्योहारी स्त्री० तहेवारने दहाडे वाळको, नोकर वगेरेने मीठाई इ० अपाय ते बोणी के भेट
त्यौनार पुं० ढंग; रीत; 'तौर'
त्यौर पुं०, **–री** स्त्री० जुओ 'त्योरी'
त्रपा स्त्री० [सं.] लज्जा; शरम [समूह
त्रय वि०[सं.] त्रण. **–यी** स्त्री० त्रणनो
त्रयोदशी स्त्री० [सं.] तेरश
त्रस रेणु पुं० [सं.] झीणी रजोटी
त्रसित, त्रस्त वि०[सं.] भयभीत; डरेलुं (२) पीडित
त्राण पुं० [सं.] रक्षण; बचाव
त्राता(०र) पुं० [सं.] रक्षक
त्रास पुं० [सं.] डर (२) पीडा
त्राहि क्रि० [सं.] बचावो; रक्षण करो
त्रि वि० [सं.] त्रण. **०काल** पुं० त्रणे काळ. **०कोण** पुं० त्रिकोण आकृति. **०गुण** पुं० प्रकृतिना त्रण गुणो
त्रिज्या स्त्री० [सं.] वर्तुलनी त्रिज्या
त्रिदोष पुं० [सं.] सनेपात; मूंझारो
त्रिधा अ० [सं.] त्रण रीते
त्रिपथ पुं०[सं.] त्रण मार्ग–कर्म, ज्ञान ने भक्ति (२) त्रिभेटो. **०गा** स्त्री० गंगा
त्रिपिटक पुं०[सं.] त्रण प्रकारना बौद्ध धर्मग्रंथोनुं साहित्य
त्रिपिताना अ०क्रि० (प.) धरावुं; तृप्त थवुं (२) स०क्रि० तृप्त करवुं
त्रिपुंड,–ड्र पुं० [सं.] त्रिपुंड; तिलक
त्रिफला स्त्री० [सं.] त्रिफळा चूर्ण
त्रिपुटी स्त्री०[सं.] त्रणनो समूह (२) नानी इलायची
त्रिभुज पुं० [सं.] त्रिकोण
त्रिमूर्ति पुं०[सं.] ब्रह्मा, विष्णु ने शिव ए त्रण
त्रिय,–या स्त्री० (प.) स्त्री
त्रियामा स्त्री० [सं.] रात्रि
त्रिविध वि० [सं.] त्रण प्रकारनुं
त्रिवेणी स्त्री०[सं.] त्रण नदीनो संगम; प्रयाग
त्रुटि,–टी स्त्री० ऊणप; खामी; भूल
त्वचा स्त्री० [सं.] चामडी
त्वरा स्त्री०[सं.] झडप; उतावळ. **–रित** वि० झडपी; वेगवान.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

थ

थंब (-भ) पुं० थंभ; थांभलो (२) टेको (स्त्री० **-बी**)
थंभन पुं० स्तंभन; थंभवुं ते
थंभना अ० क्रि० थंभवुं; 'थमना'
थकना अ० क्रि० थाकवुं(२) धीमुं पडवुं; रोकावुं (३) घडपणथी अशक्त थवुं (४) मुग्ध थवुं
थकान स्त्री० थकावट; थाक
थका-माँदा वि० थाकेलुं
थकाव(-ह)ट स्त्री० जुओ 'थकान'
थकित वि० थाकेलुं (२) मुग्ध [दहींनी
थक्का पुं० जामेलो थर, पोपडी, जेम के
थगित वि० स्थगित (२) शिथिल
थन पुं० थान (चोपगानुं); आंचळ
थनी स्त्री० अजागलस्तन
थनैत पुं० गामनो मुखी के तलाटी
थपकना स० क्रि० थाबडवुं
थपकी स्त्री० थाबडी
थपड़ा पुं० टपलो
थपड़ी स्त्री० ताळी (२) टपली
थपथपाना स० क्रि० थाबडवुं
थपुआ पुं० नळियुं (छतुं गोठववानुं जरा चपटुं होय छे ते) [धक्को मारवो
थपेड़ना स० क्रि० थपाटवुं; थप्पड के
थपेड़ा पुं० थप्पड (२) धक्को; आघात
थमना अ० क्रि० थंभवुं; थोभवुं
थर स्त्री० थर; पड
थरथराना अ० क्रि० थरथरवुं
थरथराहट,थरथरी स्त्री० थथरवुं ते; कंप
थरमामीटर पुं० [इं.] थरमॉमीटर
थर्मस पुं० [इं.] थरमॉस
थर्मामीटर पुं० [इं.] थरमॉमीटर
थर्राना अ० क्रि० जुओ 'थरथराना'
थल पुं० थळ; स्थळ (२)(कठण) जमीन (३) रण (४) वाघ-सिंहनी बोड
थलकना अ० क्रि० लथडी-लची पडी झूलवुं (२) जाडुं शरीर लथडपथड थवुं
थलचर पुं० स्थळचर जीव
थलथल वि० लथडपथड झूलतुं(क्रि० **-ना**)
थलबेड़ा पुं० नाव थोभवानी जगा-घाट
थवई पुं० कडियो (२) स्थपति
थहर(-रा)ना अ० क्रि० थरथरवुं; डरथी कांपवुं [अंदाज काढवो
थहाना स० क्रि० ऊंडाण मापवुं (२)
थाँग स्त्री० चोर डाकुनुं गुप्त स्थान(२) तपास; खोज. **-लगाना**=तपास करवी
थाँवला पुं० खामणुं (झाडनुं); थाणुं
था अ० क्रि० हतुं (स्त्री० **-थी**)
थाती स्त्री० थापण; संघरो(२) अनामत
थान पुं० थान; स्थान (२) देवदेवीनुं थानक (३) गमाण के तबेलो (४) थान; ताको (५) संख्या
थाना पुं० थाणुं
थानेदार पुं० थाण(-णे)दार
थानैत पुं० थानकनी देवता; ग्रामदेवता
थाप स्त्री० तबलानी थाप (२) थप्पड (३) प्रतिष्ठा (४) सोगन
थापा पुं० थापो; पंजानी छाप (२) छापनुं बीबुं के फरमो
थापी स्त्री० थापडी (कडियानी)

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

थाम पुं० थांभलो (२) वहाणनो मस्तूल
थामना स०क्रि० थंभाववुं; रोकवुं (२) पकडवुं (३) मदद करवी
थाल पुं० थाळ; मोटी थाळी
थाला पुं० थाणुं; खामणुं
थाली स्त्री० थाळी. **–का बैंगन**=आम के तेम, लाभ जोई गबडनार
थाह स्त्री० ऊंडाईनुं तळियुं (२) हद
थाहना स०क्रि० जुओ 'थहाना'
थिगली स्त्री० थींगडुं
थिति स्त्री० स्थिति
थिर वि० स्थिर; स्थायी
थिरकना अ०क्रि० थनथन नाचवुं; ठमकवुं
थिरना अ०क्रि० (प्रवाही) हालतुं स्थिर थवुं (२) कचरो नीचे ठरवो के तेथी प्रवाही नीतरवुं
थुक्का-फ़जीहत स्त्री० निंदा ने तिरस्कार
थुड़ी स्त्री० थू थू करवुं ते; धिक्कार. **–थुड़ी करना**=धिक्कारवुं
थूक पुं० थूंक. **थूकों सत्तू सानना**=थोडी ज सामग्रीथी मोटुं काम उपाडवुं
थूकना अ०क्रि० थूंकवुं (२) स०क्रि० निंदा करवी
थूथन पुं०, **–नी** स्त्री० (ऊंट घोडा इ०नुं) लांबुं मोढुं
थून स्त्री० जुओ 'थूथन' (२) 'थूनी'
थूनी स्त्री० थांभलो (२) टेको
थूवा पुं० माटीनो लोंदो के मोटो टेकरो
थूहर पुं० थूवर; थुवेर
थेई थेई स्त्री० थेई थेई नाचवानो बोल के ताल
थेगली स्त्री० जुओ 'थिगली'
थैला पुं० थेलो. **–करना**=मारीने ढीलो करी देवो ['रोकडिया'; कॅशियर
थैली स्त्री० थेली; कोथळी. **०दार** पुं०
थोक पुं० थोक; ढगलो; जथो. **०दार** पुं० जथाबंध वेपारी
थोड़ा (–र, –रा) वि० थोडुं. **–बहुत**= थोडुंक. **–सा**=थोडुं; जरा
थोथ स्त्री० पोलापणुं; निःसारता
थोथरा, थोथा वि० (स्त्री० **–थी**) खाली; पोलुं (२) नकामुं; निःसार
थोपड़ी स्त्री० धोल
थोपना स०क्रि० थापवुं (२) जुओ 'छोपना'
थोबड़ा पुं० जुओ 'थूथन'
थोर वि० थोडुं (२) पुं० थोरियो

द

दंग वि० [फा.] दिग; चकित; स्तब्ध. **–रह जाना, –होना**=चकित थवुं
दंगई वि० दंगो करनार; झगडाळु (२) प्रचंड
दंगल पुं० [फा.] कुस्ती (२) अखाडो (३) समूह; दळ (४) मोटुं भारे गादलुं के गादी
दंगा पुं० दंगो; तोफान
दंड पुं० [सं.] लाकडी (२) शिक्षा; सजा (३) दंड कसरत. **–देना**=दंडवुं
दंडना स०क्रि० दंडवुं; सजा करवी
दंडप्रणाम पुं०, **दंडवत्** स्त्री०; पुं० दंडवत् प्रणाम
दंडी पुं० [सं.] यमराजा (२) संन्यासी (३) राजा (४) द्वारपाळ

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

दंत पुं० [सं.] दांत. ०**कथा** स्त्री० किंवदंती; लोकवायका

दँतिया स्त्री० दंतूडी; नानो दांत

दँतुला वि० (स्त्री०-**ली**) दंताळुं; दांतवुं

दंद स्त्री० बाफ; गरमी (२) पुं० द्वंद्व; लडाई

दंदाना पुं०[फा.] दांतो(जेवो के आरीनो)

दंदारू पुं० फोल्लो; छालुं

दंपती पुं० [सं.] पतिपत्नीनुं जोडुं

दंभ पुं० [सं.] पाखंड; डोळ; ढोंग (२) खोटुं अभिमान; घमंड. -**भी** वि०

दंभोली पुं० [सं.] वज्र

दँवरी स्त्री० पगर; बळद फेरवी खळुं करवुं ते; 'दाँयँ'

दंश पुं० [सं.] डंख; दांतनो घा (२) आक्षेप; व्यंग्य

दंष्ट्रा स्त्री० [सं.] मोटो दांत

दई पुं० दई; दैव; ईश्वर. -**का घाला, दई-मारा** वि० कमनसीब

दक़ियानूस पुं० [अ.] एक अत्याचारी अरबी बादशाह. -**सी** वि० प्राचीन (२) घणुं घरडुं (३) जुनवाणी

दक़ीक़ वि० [अ.] बारीक; पातळुं (२) नाजुक (३) कठण

दक़ीक़ा पुं०[अ.] बारीकाई (२) कठिनता. **कोई दक़ीक़ा बाक़ी न रखना**=बधा उपाय करी चूकवुं

दक्खिन पुं०दक्षिण;दक्खण (वि० -**नी**)

दक्ष वि० [सं.] चतुर; प्रवीण; कुशळ

दक्षिण वि०[सं.] जमणुं (२) दक्षिणमां आवेलुं (३)अनुकूळ(४)पुं०दक्षिण दिशा

दक्षिणा स्त्री० [सं.] दक्षिण दिशा (२) दखणा - दान

दक्षिणायन पुं०[सं.]सूर्यनी दक्षिण गति

दक्षिणापथ पुं० [सं.] विंध्य के नर्मदानी दक्षिणनो प्रदेश; दक्षिण हिंद

दख़ल पुं० [अ.]अधिकार; कबजो (२) दखल;दरमियानगीरी; गोद(३)पहोंच; प्रवेश. -**देना**=दखल करवी. -**रखना**= पहोंच के गति होवी

दख़ल-दिहानी स्त्री० [फा.] कबजो-अधिकार अपाववो ते

दख़लनामा पुं० [फा.] अधिकार के कबजाहक दर्शावतुं सरकारी आज्ञापत्र

दखिन पुं० दक्षिण दिशा

दखिनहा वि०दक्षिणनुं; दखणातुं; दखणी

दख़ील वि०[अ.] अधिकारी; कबजेदार

दख़ीलकार पुं०[फा.]जमीन पर ओछामां ओछां १२ वर्षनो कबजो धरावनार

दगड़ पुं० (युद्धनुं) मोटुं नगारुं

दग़दग़ा पुं० [अ.]डर; भय (२) दगदगो; वसवसो (३) एक जातनुं फानस

दगना अ०क्रि०(बन्दूक इ०) फूटवुं (२) दहवुं; बळवुं

दगर(-रा) पुं० विलंब; ढील

दग़ल पुं० [अ.] दगो (२) बहानुं

दगल(-ला) पुं०, -**ली** स्त्री० जाडो मोटो डगलो

दग़लफ़सल पुं० [अ.] दगो फटको

दगहा वि० डाघवाळूं (२) पुं० डाघु

दग़ा स्त्री० [अ.] दगो; कपट [कपटी

दग़ादार, दग़ाबाज़ वि०[फा.] दगाखोर;

दगैल वि० डाघावाळुं (२)पुं० दगाबाज

दग्ध वि० [सं.] बळेलुं; दाझेलुं

दचक स्त्री० धक्को; हडसेलो; हेलो

दचकना अ० क्रि० धक्को के हडसेलो लागवो; तेथी दबावुं

दचका पुं० 'दचक'; हडसेलो; हेलो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

दच्छिन वि० दक्षिण
दढ़ियल वि० दाढीवाळुं
दतवन स्त्री० दातण; 'दतुअ(-व)न'
दतिया स्त्री० जुओ 'दँतिया'
दतुअ(-व)न, दतौन स्त्री० दातण
दत्त वि०[सं.] आपेलुं (२) पुं० दत्तक पुत्र
दत्तक पुं० [सं.] दत्तक पुत्र
ददा पुं० दादा (२) स्त्री० दाया; धाव
ददिया(-हा)ल पुं० दादानुं कुळ के घर
ददिया-ससुर पुं०, (**-सास** स्त्री०) दादा-ससरा
ददौड़ा(-रा) पुं० ढीमणुं (जेवुं के मच्छर करडवाथी थाय)
दद्रु पुं० [सं.] दराज; दादर
दधि पुं० [सं.] दहीं (२) (प.) समुद्र
दनदनाना अ० क्रि० 'दनदन' अवाज करवो (२) आनन्द करवो
दनादन अ० धणण अवाज साथे (तोपखानुं छूटवुं)
दनुज वि० [सं.] दानव; राक्षस
दपट स्त्री० ठपको; वढवुं ते
दपटना स०क्रि० वढवुं; ठपको आपवो
दफ़ स्त्री० [फा.] डफ; नगारी
दफ़अतन् अ०[अ.] अचानक; एकाएक
दफ़तर,-री,-रीख़ाना जुओ 'दफ़्तर, -री,-रीखाना'
दफ़ती स्त्री० [अ.दफ़्तीन] पूठुं; पत्तुं
दफ़न पुं० [अ.] दाटवुं ते (मडदुं)
दफ़नाना स०क्रि० दफनाववुं; दाटवुं
दफ़ा स्त्री० [अ.दफ़अ] वार(२)कायदानी कलम (३) वि० दूर करेलुं
दफ़ादार पुं० एक फोजी अमलदार; टुकडीनो नायक
दफ़ीना पुं० [अ.] दाटेलो खजानो
दफ़्तर पुं० [फा.] दफ्तर (कार्यालय; कागळियां) (२) सविस्तर वृत्तांत
दफ़्तरी पुं०[फा.] दफ्तरी (२) चोपडी बांधनार; बुक बाइन्डर. **०ख़ाना** पुं० चोपडी बांधवानुं स्थान (२) दफ्तर -कार्यालय [अडबंग
दबंग वि० प्रभावशाळी; दाबवाळुं (२)
दबक स्त्री० दबावुं, छुपावुं के संकोच पामवुं ते (२) धातुने टीपीने तार करवानी क्रिया
दबकगर पुं० धातुना तार बनावनार
दबकना अ० क्रि० डरथी छुपावुं (२) स०क्रि० धातुने चपटी करवा पीटवुं
दबका पुं० धातुनो टीपीने करेलो तार
दबगर पुं० डबगर
दबना अ०क्रि० दबावुं. (प्रेरक **दबवाना**)
दबदबा पुं० दबदबो; दमाम; भपको
दबाना स० क्रि० दबाववुं
दबाव पुं० दबाण. **-डालना**=दबाववुं
दबीस्ताँ पुं० [फा.] निशाळ
दबी.ज़ वि० [फा.] जाडुं; मोटुं; घाटुं
दबीर पुं० [फा.] कारकुन; मुनशी
दबैल वि० दबायेलुं; कोईना दाब के डर तळे होय एवुं
दबोचना स० क्रि० एकदम पकडीने दबाववुं (२) संताडवुं
दम पुं०[फा.] श्वास; दम (२) पळ (३) फोसलामणी.**-के दम**=क्षणभर.**-ग़नीमत होना**=जीवतो नर भद्रा पामे. **-घुटना**=श्वास घूंटावो. **-घोंटकर मारना**=गळुं दबावी मारवुं (२) खूब दुःख देवुं. **-तोड़ना**=छेल्लो श्वास लेवो.**-देना**=दगो देवो;छेतरवुं.**-नाकमें आना**=खूब हेरान थवुं. **-फूलना**=श्वास

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

खूब के भारे चालवो. **–भरना**=दम भरावबो; अभिमान ने विश्वासथी कहेवुं. **–मारना**=थाक खावो (२) बोलवुं. **–मारना, लगाना**=(चलम इ० नो)दम खेंचवो. **–सूखना**=प्राण सुकावा

दमक स्त्री० चमक

दमकना स०क्रि० चमकवुं; दमकवुं

दमकल स्त्री०, **–ला** पुं० पंप; डंकी; बंबो (२) गुलाबदानी

दमख़म पुं० [फा.] दृढता (२) प्राण

दमचूल्हा पुं० लोढानी सगडी

दमझाँसा पुं० छळकपट [बहु सस्तुं

दमड़ी स्त्री० दमडी; पैसो. **–के तीन**=

दमदमा पुं० [फा.] मोरचो; रेतीना थेलानुं कामचलाउ रक्षण

दमदार वि०[फा.] दमवाळुं(२) मजबूत (३) तेज [जूठी आशा

दम-दिलासा पुं०,**–पट्टी** स्त्री० पटामणी;

दमन पुं० [सं.]दमवुं ते; दबाण (२) काबू

दम-बदम अ० वारंवार; हरघडी

दमबाज़ वि०[सं.]फोसलावनारुं; बहानां बतावनारुं

दमसाज़ पुं० [फा.] दिलोजान दोस्त

दमा पुं० [फा.] दमनो रोग

दमाद पुं० जमाई; 'दामाद'

दमादम अ० लगातार; लागलागट

दमामा पुं० [फा.] ढोल; नगारुं

दमी वि० दमियल (२) गांजानो दम खेंचनार

दयनीय वि० [सं.] दयापात्र

दया स्त्री० [सं.] दया; कृपा; करुणा

दयानत स्त्री०[अ.] साची दानत; ईमान

दयानतदार वि०दानतवाळुं; ईमानदार. (नाम, **–री** स्त्री०)

दयार पुं० [अ.] प्रदेश (२) देव-दारु

दयामय, दयार्द्र, दयालु वि० [सं.] दयाळु

दयावना वि० दयामणुं; दयापात्र

दर पुं० [सं.] दर; काणुं; गुफा (२) डर (३) शंख (४) स्त्री० दर; भाव (५) किंमत; कदर (६) पुं० [फा.] द्वार (७) अ० अंदर; महीं

दरअसल अ० [फा.+अ.] खरुं जोतां; वस्तुतः [आयात

दर-आमद स्त्री० [फा.] आगमन (२)

दरकना अ०क्रि० चिरावुं;फाटवुं;तरडावुं

दरका पुं० फाट; चीरो (२) चीरी नांखे एवो फटको ['दरकना'

दरकाना स०क्रि० चीरवुं (२) अ०क्रि०

दरकार वि०[फा.]जरूरी(२)स्त्री०जरूर

दरकिनार अ० [फा.] दूर; अलग

दरकूच अ० [फा.] सतत कूच करतां

दरख़त, दरख़्त पुं० [फा.] झाड

दरख़ा(–ख़्वा)स्त स्त्री० [फा.] अरजी; विनंती (२) दरखास्त; प्रस्ताव

दरगाह स्त्री० [फा.] दरबार; कचेरी; डेली (२) दरघा; मकबरो

दरगुज़र वि० [फा.] दरगुजर; माफ (२) अलग [एवा अर्थमां

दर-गोर श०प्र० 'जा जहानममां मर'

दरज वि० जुओ 'दर्ज'

दरज़ स्त्री० जुओ 'दर्ज़'

दरजन पुं० 'दर्जन'; डझन

दरजा पुं० [अ.] 'दर्जा'; दरज्जो (२) कक्षा; वर्ग (३) हालत; स्थिति (४) मकाननो माळ

दरज़ी पुं० [फा.] दरजी; 'दर्ज़ी'

दरद पुं० 'दर्द'; दरद; पीडा (२) दया; करुणा

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

दरदर, दरबदर अ०[फा.] जगा जगाए
दरदरा वि० रवादार; झीणुं नहि एवुं
दरदराना स०क्रि० भरडा जेवुं थाय एम पीसवुं के कूटवुं
दरपन पुं० दर्पण; अरीसो. **–नी** स्त्री० नानो अरीसो
दर-परदा अ०[फा.] गुप्त रीते; पडदामां
दर-पेश अ० [फा.] सामे; आगळ
दर-पै अ० [फा.] (कोईनी) पूठे
दरब पुं० द्रव्य; धन
दरबदर अ० [फा.] जुओ 'दरदर'
दरबा पुं० पक्षी राखवानुं खानादार खोखुं; कबूतरखानुं
दरबान पुं० [फा.] दरवान; द्वारपाळ. **–नी** स्त्री० दरवाननुं काम
दरबार पुं०[फा.] राजसभा (२) राजा
दरमन पुं० [फा.] दवा; इलाज
दरमा पुं० वांसनुं टाटियुं
दरमाहा पुं० [फा] दरमायो
दरमियान पुं० [फा.] मध्य; वच (२) अ० दरमियान [मध्यस्थ; पंच
दरमियानी वि०[फा.] मध्यनुं (२) पुं०
दरवाज़ा पुं० [फा.] दरवाजो
दरवेश पुं०[फा.] फकीर; साधु [जेवुं
दरवेशाना वि०[फा.] दरवेश–फक़ीरना
दरवेशी स्त्री० [फा.] फकीरी
दरसना अ०क्रि० देखावुं (२) स०क्रि० देखवुं [हकीकतरूपे
दर-हक़ीक़त अ० [फा.+अ.] खरुं जोतां;
दरहम वि० [फा.] अव्यवस्थित
दरहम-बरहम वि० वेरण-छेरण (२) गुस्से थयेलुं [अ० खूब
दराज़ वि०[फा.] लांबुं; विस्तृत (२)
दराज स्त्री० चीरो (२) मेजनुं खानुं

दरार स्त्री० चीरो; फाट
दरारा पुं० जुओ 'दरेरा'
दरिंदा पुं० [फा.] हिंसक पशु
दरिद्र वि० [सं.] गरीब; कंगाळ
दरिया पुं०[फा.] नदी (२) दरियो. **०ई** वि० दरिया के नदी संबंधी
दरियाए-शोर पुं० [फा.] समुद्र (२) काळापाणी
दरियादिल वि०[फा.] उदार. **–ली** स्त्री०
दरियाफ़्त वि० [फा.] मालूम; ज्ञात
दरिया-बरामद, दरिया-बरार पुं०[फा.] नदीनुं भाठुं
दरियाव पुं० नदी [के खीण
दरी स्त्री० शेतरंजी (२) [सं.] गुफा
दरीख़ाना पुं०[फा.] घणां द्वारवाळुं घर के महेल; दरीखान (२) शाही दरबार
दरीचा पुं०[फा.] (स्त्री० **–ची**) बारी (२) झरूखो
दरीदा वि० [फा.] फाटेलुं
दरीबा पुं० पाननुं बजार
दरूद स्त्री०जुओ 'दुरूद' [(३)पश्चात्ताप
दरेग़ पुं०[फा.] दु:ख (२) कमी; कसर
दरेरना स०क्रि० रगडवुं; पीसवुं
दरेरा पुं० धक्को; धप्पो (२) पाणीना प्रवाहनुं जोर
दरोग़ पुं० [अ.] असत्य
दरोग़-हलफ़ी स्त्री०[अ.] साचुं बोलवाना सोगन खाईनेय जूठुं बोलवुं ते
दरोग़ो वि० जूठुं बोलनार
दर्ज वि० [अ.] लखेलुं
दर्ज़ स्त्री० [फा.] चीरो; फाट
दर्जन पुं० 'दरजन'; डझन
दर्जा पुं० [अ.] दरज्जो
दर्ज़ी पुं०[फा.](स्त्री०**–र्ज़िन**) दरजी; सई

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

दर्द पुं०[फा.] दरद; पीडा (२) दया; सहानुभूति [दर्द करे एवुं; करुणाजनक
दर्द-अंगेज, –आमेज, –नाक वि० [फा.]
दर्द खाना=दया करवी–खावी
दर्द-मंद, दर्दी वि०[फा.] दरदी; दुःखी (२) दयावान
दर्दुर पुं० [सं.] देडको
दर्द-सरी स्त्री०[फा.] माथाकूट; महेनत
दर्प पुं० [सं.] गर्व; अहंकार
दर्पण पुं० [सं.] आरसो
दर्भ पुं०[सं.] दरभ; एक वनस्पति
दर्मियान पुं० जुओ 'दरमियान'
दर्रा पुं०[फा.] खीणनो मार्ग; घाटी
दर्शक पुं० [सं.] प्रेक्षक [तत्त्वज्ञान
दर्शन पुं०[सं.]जोवुं ते (२) फिलसूफी;
दर्शनीय वि०[सं.] जोवा जेवुं; सुन्दर
दर्शाना स०क्रि० दर्शाववुं
दर्शित वि० [सं.] दर्शावेलुं
दर्स पुं० अभ्यास; भणवुं ते
दल पुं० [सं.] दल; पांदडुं (२) दळ; घनता; कद (३) दळ; सेना (४) पक्ष (५) (दाळना दाणानी) फाड
दलकना अ०क्रि० चिरावुं (२) कंपवुं (३) स०क्रि० डराववुं
दलदल स्त्री० कळण-भूमि (२)कादव-कीचड. **–में फँसना**=आफतमां फसावुं; मुश्केलीमां आववुं
दलदला वि० कळणवाळुं
दलदार वि० दळदार; जाडुं
दलन पुं० [सं.] नाश; संहार
दलना स०क्रि० दळवुं (२) नाश करवो
दलबंदी स्त्री०पक्ष के टोळी बांधवी ते
दलमलना स०क्रि० मसळी नाखवुं; कचरी नांखवुं; नाश करवो
दलहन पुं० द्विदळ
दलाल पुं०दलाल; मारफतियो; मध्यस्थ. **–ली** स्त्री० दलालीनुं काम के मळतर
दलित वि० [सं.] दळायेलुं; कचडायेलुं; दबायेलुं
दलिया पुं० थूलीना दळेला ककडा
दलील स्त्री० [अ.] तर्क; चर्चा
दलेल स्त्री० सजारूपे सिपाहीने करावाती कवायत. **–बोलना**=तेवी सजा फरमाववी
दव पुं० [सं.] दावानळ; दव
दवनी स्त्री० पगर; 'दँवरी'
दवा,०ई स्त्री०[फा.]दवा;औषध;ओसड
दवाखाना पुं० [फा.] दवाखानुं
दवागि(०न) स्त्री० (प.) दावाग्नि; दव
दवात स्त्री० [अ.] दोत; खडियो
दवा-दरपन पुं०,**दवादारू** स्त्री०दवादारू; इलाज [अ० हमेश
दवाम पुं०[अ.] सदा स्थायी रहेवुं ते (२)
दवामी वि० [अ.] कायमी; स्थायी. **–बंदोबस्त**=कायमी महेसूलपद्धति
दश(–स) वि० दस; १०
दशन पुं० [सं.] दांत
दशम वि०[सं.] दसमुं. **०लव** पुं० दशांश
दशहरा पुं० दशेरा; विजयादशमी
दशा स्त्री० [सं.] दशा; हालत; स्थिति
दश्त पुं० [फा.] जंगल
दस वि० जुओ 'दश'
दसना अ०क्रि० बिछावुं; पथरावुं (२) स०क्रि० पाथरवुं (३) डसवुं
दसी स्त्री० कपडांनी दशी
दस्तंदाज वि० [फा.] दखल देनार
दस्तंदाजी स्त्री० [फा.] हस्तक्षेप; दखल
दस्त पुं० [फा.] दस्त; जुलाब (२) हाथ

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

दस्तक स्त्री० [फा.] बोलाववा दरवाजो खखडाववो ते (२) महेसूल (३) महेसूल के कर वसूल करवानुं हुकमनामुं
दस्तकार पुं० [फा.] हाथकारीगर
दस्तकारी स्त्री० [फा.] हाथकारीगरी
दस्तख़त पुं० [फा.] दसकत; हस्ताक्षर
दस्तगीर वि० [फा.] मददगार; सहायक
दस्त-निगर वि० [फा.] कोईना दान तरफ ताकनारुं; गरीब
दस्त-पनाह पुं० [फा.] चीपियो
दस्त-पाक पुं० [फा.] टुवाल; रूमाल
दस्त-ब-दस्त अ० [फा.] हाथोहाथ
दस्तबरदार वि० [फा.] कशा परथी पोतानो अधिकार उठावी लेनार
दस्तबस्ता अ० [फा.] हाथ जोडीने
दस्तमाल पुं० [फा.] हाथरूमाल
दस्तयाब वि० [फा.] हस्तगत; प्राप्त
दस्तरख़ा (–ख़्वा) न पुं० जमवाना भाणा नीचे पथराती चादर के कपडुं
दस्तरस स्त्री० [फा.] शक्ति (२) पहोंच
दस्ता पुं० [फा.] दस्तो (हाथो के कागळनो घा) (२) फूल-गोटो (३) मूठीभर वस्तु
दस्ताना पुं० [फा.] हाथनुं मोजुं
दस्तार स्त्री० [फा.] पाघडी
दस्तावर वि० [फा.] रेचक
दस्तावेज़ स्त्री० [फा.] दस्तावेज
दस्ती वि० [फा.] हाथनुं (२) स्त्री० मशाल (३) नानो दस्तो
दस्तूर पुं० [फा.] धारो; रिवाज (२) पारसी दस्तूर
दस्तूरी स्त्री० दलाली; कमिशन
दस्यु पुं० [सं.] चोर; डाकु (२) एक अनार्य जाति [[फा.] दस; १०
दह पुं० ह्रद; धरो (२) कुंड (३) वि०
दहक स्त्री० दाह (२) ज्वाळा
दहकना अ०क्रि० तपवुं; बळवुं
दहक़ान पुं० [अ.] गामडियो
दहन पुं० [फा.] मों (२) [सं.] दहन; दाह
दहना अ० क्रि० बळवुं (२) स० क्रि० बाळवुं
दहर पुं० [सं. ह्रद] जुओ 'दह' (२) [फा.] जमानो; युग (३) [सं.] भाई (४) छछूंदर; ऊंदरडी
दहरिया पुं० [अ.] नास्तिक
दहल स्त्री० भयनो कंप – ध्रुजारी
दहलना अ०क्रि० भयथी कंपवुं
दहला पुं० पत्तानो दस्सो – दहेलो
दहलीज़ स्त्री० [फा.] ऊमरो. **–झाँकना** =कोई कामने माटे ऊमरो घसवा जवुं
दहशत स्त्री० [फा.] दहेशत; डर
दहा पुं० [फा. दह] मोहरमनो महिनो के तेना प्रथम १० दिवस (२) ताजिया
दहाई स्त्री० दशक
दहाड़ स्त्री० गर्जना (२) चीस
दहाड़ना अ०क्रि० गर्जवुं (२) चीस पाडवी
दहान पुं० [फा.] मों (२) काणुं
दहाना पुं० [फा.] मोढुं; द्वार (२) नदीनो संगम – मुख (३) मोरी; गटर
दहिना वि० (स्त्री० **–नी**) जमणुं; 'दाहिना'
दहिने अ० जमणी तरफ. **–होना**= अनुकूल के प्रसन्न थवुं
दही पुं० दहीं; दधि
दहुँ अ० अथवा (२) कदाच
दहेंड़ी स्त्री० (दहींनी) दोणी
दहेज़ पुं० [अ. जहेज़] देज
दहोतरसो वि० एकसो दस; ११०
दाँ [फा.] 'जाणनार' ए अर्थनो प्रत्यय उदा० **क़द्र–दाँ**=कदरदान (२) वार; दफा. जेम के 'एकदाँ'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

दांक स्त्री०, **०ना** अ०क्रि० जुओ 'दहाड़', '०ना'

दांत पुं० दांत (२) दांतो. **–काटी रोटी**=भारे मैत्री. **–किरकिरे होना**=हारी जवुं; पाछुं पडवुं. **–खट्टे करना, –तोड़ना**=खूब पजववुं के बरोबर हराववुं. **–तले उंगली दबाना**=आश्चर्यचकित थवुं. **–दिखाना**=दांत काढवा; हसवुं (२) डराववुं. **–पर मैल न होना**=खूब गरीब होवुं. **–बजना**=खूब ठंडी लागवी. **–बैठना**=दांत सिडाई जवा (मूर्छा इ०मां). **–रखना या लगाना**=खूब इच्छा राखवी (२) वेर लेवानो विचार राखवो. **दाँतों पसीना आना**=खूब श्रम पडवो. **दाँतोंमें जीभ-सा होना**=हरवखत शत्रुओ वच्चे रहेवुं

दाँता पुं० दांतो

दाँताकिटकिट, दाँताकिलकिल स्त्री० झघडो; बोलाबोली (२) गाळागाळी

दांती स्त्री० दातरडुं (२) बत्रीस दांतनो समूह; बत्रीशी [पगर करवुं

दांना स०क्रि० खळुं करवा बळद फेरववा;

दांपत्य पुं० [सं.] दंपतीधर्म; पतिपत्नी-संबंध

दांयें स्त्री० जुओ 'दँवरी'

दांवें पुं० दाव; 'दावँ'. **०पेच** पुं० दावपेच

दांवनी स्त्री० माथानी दामणी–घरेणुं

दांवरी स्त्री० दोरी

दाई वि०स्त्री० 'दाहिनी'; जमणी

दाई स्त्री० दाई; धाव. **–से पेट छिपाना**=जाणकारथी कांई छुपाववुं

दाऊ पुं० मोटाभाई [(निवासी)

दाक्षिणात्य वि० (२) पुं० [सं.] दक्षिणनुं

दाक्षिण्य पुं० [सं.] सभ्यता; विवेक

दाख स्त्री० द्राक्ष [आवेलुं

दाख़िल वि० [अ.] दाखल; सामेल; अंदर

दाख़िल-ख़ारिज पुं० [फा.] दफतरमां हकदारनुं नाम बदलवुं ते

दाख़िल-दफ़्तर वि० [फा.] विचार पर न लेतां दफतरमां नांखेलुं

दाख़िला पुं० [अ.] प्रवेश (२) दाखलो; रसीद

दाग पुं० दाह. **–देना**=दाह देवो (मडदाने)

दाग़ पुं० [फा.] (वि०. **–ग़ी**) डाघ (२) चिह्न (३) वाग्यानुं सोळ के जखम (४) दुःख; शोक. (५) कलंक; एब. **०दार** वि० डाघावाळुं

दागना स०क्रि० दागवुं; सळगाववुं (२) डाम देवो (३) डाघ के निशानी पाडवी

दागबेल स्त्री० जमीन पर कोदाळी के कशाथी करातुं निशान (सडक, पायो इ० करवामां)

दागी वि० डाघवाळुं (२) कलंकित

दाज (–झ) न स्त्री० (प.) दाझवुं ते

दाज (–झ) ना अ०क्रि० (प.) दाझवुं

दाड़िम पुं० दाडम; अनार

दाढ़ स्त्री० दाढ ['दहाड़ना'

दाढ़ स्त्री०, **०ना** अ० क्रि० जुओ

दाढ़ी स्त्री० दाढी के तेना वाळ

दाता, ०र पुं० [सं.] दान देनार

दातु (–तौ) न स्त्री० दातण

दाद स्त्री० दादर; दराज (२) [फा.] दाद; न्याय. **०ख़्वाह** वि० फरियादी. **–चाहना**=दाद मागवी. **–देना**=न्याय करवो (२) वखणावुं

दादनी स्त्री० [फा.] देवुं (२) उपलक अपाती रकम; 'एडवान्स'; 'पेशगी'

दादफ़रियाद स्त्री० [फा.] न्यायनी मागणी; फरियाद

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

दादा पुं० दादो; पितामह (२) मोटाभाई
दादी स्त्री० दादी मा (२) पुं० दाद मागनार; फरियादी
दादुर पुं० (प.) देडको [वस्तु (२) दाण
दान पुं० [सं.] दान; देवुं ते के तेनी
दानव पुं०[सं.]राक्षस. –वी वि० राक्षसी
दाना पुं० [फा.] दाणो (२) अनाज. –**दुनका**=थोडुं अन्न [बुद्धिमत्ता
दाना वि० [फा.] बुद्धिमान. ०ई स्त्री०
दानापानी पुं० दाणोपाणी; अन्नजळ
दानिश स्त्री० [फा.] बुद्धि; समज
दानिस्त स्त्री० [फा.] जाण; खबर
दानिस्ता अ० [फा.] जाणी जोईने
दानी वि०[सं.] दानी; सखी; उदार
दानेदार वि० [फा.] दाणादार; रवादार
दाप पुं० [सं. दर्प, प्रा. दप्प] अहंकार (२) जोर (३) दाव (४) क्रोध
दाब स्त्री० दाब; काबू के दबाव (२) पुं० [अ.] रोफ; दबदबो
दाबना स०क्रि० दाबवुं; दबाववुं
दाभ पुं० दाभ; दर्भ
दाम पुं०[फा.] जाळ; फांसो (२) दाम; पैसो (३) [सं.] रसी; दोरी; दामणुं
दामन पुं०[फा.]दामन; कपडांनो नीचलो भाग–कोर के पालव(२)पहाड नीचेनी जमीन; तळेटी [(२) दावो करनार
दामन-गीर पुं०[फा.] पीछो पकडनार
दामनी,–री (प.) स्त्री० रसी; दामणुं
दामिनी स्त्री०[सं.] वीजळी(२) दामणी; वंघी
दामाद पुं० [फा.] जमाई
दामी वि० कीमती (२) स्त्री० कर
दायज (–जा) पुं० जुओ 'दहेज़'
दायभाग पुं०[सं.]वडीलोपार्जित वारसो
दायम अ० [सं.] सदा [जन्मटीप
दायम-उल्-हब्स, दायमुल्हब्स पुं० [अ.]
दायर वि०[अ.] जारी; चालु. –**करना** =(दावो कोरटमां) दाखल करवो
दायरा पुं० [अ.] गोळ; वर्तुळ (२) मंडळी; टोळी; डायरो
दायाँ वि० जुओ 'दाहिने'
दायें अ० जुओ 'दाहिने'
दार स्त्री०[फा.] शूळी के फांसी (२) पुं० [अ.] जगा (३) घर (४) वि० [फा.] 'वाळुं' अर्थनो प्रत्यय
दारक पुं० [सं.] पुत्र; बेटो [तज
दार(–ल)चीनी स्त्री०[फा.] दालचीनी;
दार-मदार, दार-व-मदार पुं० [फा.] मदार; आश्रय (२) अवलंबन
दारिद्र (प.) –**द्रय** [सं.] पुं० गरीबाई
दारु पुं० [सं.] लाकडुं (२) देवदार (३) सुथार [कठोर; तीव्र
दारुण वि० [सं.] भयंकर; घोर (२)
दारुल्ख़िलाफ़त पुं०[अ.] खलीफनुं घर (२) राजधानी
दारुल्शफ़ा पुं० [अ.] इस्पिताल
दारू स्त्री०[फा.] दवा (२) दारू; शराब
दारू-दरमन पुं०[फा.]उपाय;इलाज;दवा
दारोग़ा पुं० [फा.] तपास राखनारो अमलदार. ०ई स्त्री० तेनुं काम के होद्दो
दाल स्त्री० दाळ. –**गलना**=दाढ गळी थवी; कार्यमां फाववुं
दालचीनी स्त्री० जुओ 'दारचीनी'
दालमोठ स्त्री० दाळनुं एक चवाणुं
दालान पुं० [फा.] वरंडो; ओसारो
दालिम पुं० दाडम
दावँ पुं० दाव; वारी (२) लाग; मोको
दावँना स० क्रि० जुओ 'दाँना'
दावँरी स्त्री० जुओ 'दाँवरी'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

दाव पुं०[सं.] वन (२) दव (३) अग्नि
दावत स्त्री०[अ.] नोतरुं (२) मिजबानी
दावा स्त्री० दावानळ; दव
दावा पुं०[अ.] दावो; हक; अधिकार (२) फरियाद; 'नालिश' (३) निश्चयथी के दृढतापूर्वक कथन करवुं ते
दावागीर, दावा(-वे)दार पु० [फा.] हकदार; दावो करनार
दावात स्त्री० दवात; खडियो
दास पुं०[सं.] सेवक; चाकर. **–सी** स्त्री०
दास्तान स्त्री०[फा.] हेवाल; वृत्तांत (२) कथा; किस्सो (३) वर्णन
दास्य पुं० [सं.] दासत्व; चाकरी
दाह पुं०[सं.] दाह; बळतरा; अगन (२) बळवुं ते [सतावबुं; पजववुं
दाहना स० क्रि० दाहवुं; बाळवुं (२)
दाहिना वि० जमणुं (२) अनुकूळ
दाहिने अ० जमणी बाजू
दिअली स्त्री० माटीनो नानो दीवो
दिआ पुं० 'दीया'; दीवो
दिक स्त्री० [सं.] दिशा [पुं० क्षय रोग
दिक़ वि०[अ.] हेरान (२) बीमार (३)
दिक़्क़त स्त्री० [फा.] मुश्केली (२) हेरानगत
दिखना अ० क्रि० देखावुं
दिखलवाना स०क्रि० देखाडाववुं
दिखलाई स्त्री० देखाडवुं ते के तेनुं काम
दिखलाना स० क्रि० देखाडवुं
दिखाई स्त्री० दर्शन; देखवुं के देखाडवुं ते
दिखाऊ वि० देखाडवुं (२) देखवामात्र; देखाडा पूरतुं
दिखाना स० क्रि० देखाडवुं
दिखाव पुं० देखवुं ते (२) देखाव
दिखावटी वि० देखाडा पूरतुं
दिखावा पुं० देखाडो; आडंबर
दिगंत पुं०[सं.] क्षितिज(२)बधी दिशाओ
दिगंबर पुं०[सं.] एक जैन संप्रदाय (२) शंकर (३) वि० नग्न
दिगर वि० [फा.] बीजुं; अन्य
दिग्दर्शक यंत्र पुं०[सं.] होकायंत्र; 'कंपास'
दिग्दर्शन पुं० [सं.] सामान्य परिचय; रूपरेखा
दिग्विजय स्त्री० [सं.] संपूर्ण विजय
दिग्व्यापी वि०[सं.] चारे बाजु व्यापेलुं
दिठाना अ० क्रि० नजर लागवी
दिठौना पुं० जुओ 'डिठौना'
दिन पुं० [सं.] दिवस. **–डूबना**=सूर्य आथमवो. **–पड़ना** = खराब दहाडा आववा; संकट आववुं. **–फिरना, बहुरना**=पाछा सारा दहाडा आववा
दिनकर पुं० [सं.] सूर्य [कार्यक्रम
दिनचर्या स्त्री० [सं.] रोजनुं कामकाज–
दिनांत पुं० [सं.] संध्या; समीसांज
दिनांध वि०[सं.] दिवसे न देखतुं (२) पुं० घुवड
दिनाई पुं० दराज
दिनी वि० जूनुं; पुराणुं; घणा दिवसनुं
दिनेश पुं० [सं.] सूर्य [देखावुं ते
दिनौंधी स्त्री० दिनांधता; दिवसे न
दिमाग़ पुं०[अ.] दिमाक; भेजुं (२) गर्व. **–लड़ाना**=भेजुं वापरवुं. **–ग़ी** वि० भेजावाळुं के तेने लगतुं ['०दारी'
दियानत,०दारी स्त्री० जुओ 'दयानत',
दियारा पुं० नदीनुं भाठुं (२) 'दयार' प्रदेश
दियासलाई स्त्री० दीवासळी
दिरमान पुं० [फा. दर्मान] उपचार; चिकित्सा. **–नी** स्त्री० वैदुं (२) पुं० वैद

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

दिल पुं०[फा.] दिल; हृदय (२) मन. **–के फफोले फोड़ना**=दिल ठालवी जीव हळवो करवो. **–थोड़ा करना**=मनमां ओछुं आववुं–लागवुं; रंज थवो. **–देना** =दिल देवुं; प्रेम करवो. **–बुझना**= दिलमां उत्साह के उमंग न रहेवो. **–भरके**=मन मान्युं [मनोहर

दिलकश, दिलकुशा वि०[फा.] आकर्षक;

दिलगीर वि० [फा.] नाखुश; उदास; खिन्न. **–री** स्त्री० [बहादुर

दिलचला वि० छातीचलुं; साहसिक (२)

दिलचस्प वि०[फा.] (नाम,**–स्पी**) मन लागे एवुं; आकर्षक

दिल-ज़दा वि० [फा.] दुःखी; खिन्न

दिल-जमई स्त्री०[फा.] तसल्ली;दिलासो

दिल-जला वि० दुःखी

दिल-जोई स्त्री०[फा.] जुओ 'दिल-जमई'

दिल-दादा वि० [फा.] प्रेमी; आशक

दिलदार वि०[फा.] उदार (२) प्रेमपात्र; प्रिय. **–री** स्त्री०

दिलबर वि०[फा.] प्रिय; दिल हरनारुं

दिलबस्तगी स्त्री० [फा.] दिल लागवुं ते; प्रेम (२) मनोरंजन

दिलबस्ता वि० [फा.] आसक्त; प्रेमी

दिलरुबा वि० [फा.] प्रेमपात्र; प्यारुं

दिलवाना स० क्रि० अपाववुं

दिलवाला वि०उदार (२) दिलेर;बहादुर

दिलशाद वि० [फा.] प्रसन्न; आनंदी

दिलसोज़ वि० [फा.] दिलसोजी– हमदर्दीवाळुं. **–ज़ी** स्त्री० हमदर्दी

दिला पुं० [फा.] हे दिल !

दिलाना स० क्रि० देवडाववुं

दिलारा वि० [फा.] प्रिय; माशूक

दिलावर वि०[फा.] बहादुर (२) उदार

दिलावेज़ वि०[फा.] सुंदर; मनने गमे तेवुं (नाम, **–ज़ी** स्त्री०) [आश्वासन

दिलासा पुं० [फा.] दिलासो; धीरज;

दिली वि० [फा.] दिलनुं; हार्दिक

दिलेर वि०[फा.] 'दिलचला'(नाम,**–री**)

दिल्लगी स्त्री० मश्करी. **०बाज़** पुं० मश्करो

दिवस पुं० [सं.] दहाडो [पुं० सूर्य

दिवा पुं०[सं.] दिवस (२) दीवो. **०कर**

दिवाला पुं० देवाळुं. **–निकालना, –मारना**=देवाळुं काढवुं

दिवालिया पुं० देवाळियो

दिवाली स्त्री० दिवाळी

दिव्य वि०[सं.] दैवी; अद्भुत(२)दीपतुं

दिश,–शा स्त्री० [सं.] दिशा

दिष्ट पुं०, **–ष्टि** स्त्री०[सं.]भाग्य; नसीब

दिसंबर पुं० डिसेंबर मास

दिसावर पुं० देशावर [बहारनुं (माल)

दिसावरी वि० देशावरथी आवतुं;

दिहंदा वि० [फा.] दाता; दानी

दिहाड़ा पुं० बूरी हालत (२) दहाडो

दिहात पुं० 'देहात'; गामडुं

दीक्षा स्त्री०[सं.] गुरुमंत्र लेवो ते(२)यज्ञ

दीखना अ० क्रि० देखावुं

दीगर वि० [फा.] जुओ 'दिगर'

दीठ स्त्री० दृष्टि; नजर (२) नजर लागे ते (३) कृपादृष्टि. **–उतारना या झाड़ना**=नजर उतारवी. **–जलाना** =नजर उतारवा राईमरचां बाळवां

दीठबंद पुं०, **–दी** स्त्री० नजरबंधी; जादू

दीद स्त्री० [फा.] दर्शन

दीदा पुं०[फा.] आंख (२) दृष्टि (३) धृष्टता.**–लगना**=ध्यान लागवुं. **दीदेका पानी ढल जाना**=निर्लज्ज बनी जवुं. **दीदे निकालना**=आंखो काढवी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

दीदार पुं०[फा.] देदार; दर्शन; देखाव
दीदा-रेज़ी स्त्री०[फा.] (झीणा काममां) आंखो ताणवी के फोडवी ते
दीदी स्त्री० मोटी बहेन
दीन वि० [सं.] गरीब; नरम
दीन पुं०[अ.] धर्म; मजहब. **०दार** वि० धर्म पर आस्थावाळुं; धार्मिक
दीन-दुनिया स्त्री० आलोक ने परलोक
दीनानाथ पुं० गरीबनो बेली; ईश्वर
दीनार पुं० [सं.] एक प्राचीन सोनैयो – सिक्को (२) एक घरेणुं
दीप पुं० [सं.] दीवो
दीपक पुं०[सं.] दीवो (२) वि० उत्तेजक (३)प्रकाश करे एवुं (४)भूख उघाडे एवुं
दीप्त वि० [सं.] प्रकाशित; प्रज्वलित; तेजस्वी. **–प्ति** स्त्री० प्रकाश; तेज
दीबाचा पुं०[फा.] दीबाचो; प्रस्तावना
दीमक स्त्री० [फा.] ऊधई
दीयट पुं० जुओ 'दीवट' [राणो करवो
दीया पुं० दीवो. **–ठंडा करना**=दीवो
दीयासलाई स्त्री० दीवासळी
दीर्घ वि०[सं.] लांबुं (२) मोटुं. **०दर्शी** वि० दीर्घ दृष्टिवाळुं. **०दृष्टि** स्त्री० लांबी नजर. **०सूत्र(-त्री)** वि० कोई काममां बहु झीणुं कांतनार
दीर्घायु वि० [सं.] दीर्घ आयुषवाळुं
दीर्घिका स्त्री०[सं.] नानुं जळाशय-तळाव
दीवट स्त्री० दीवी
दीवा पुं० दीवो
दीवान पुं० [अ.] दीवान (२) काव्य-संग्रह (३) राजसभा; मोटो ओरडो
दीवान-आम पुं० [अ.] दीवानेआम; राजदरबार [बेठक
दीवानख़ाना पुं० [फा.] दीवानखानुं;
दीवान-ख़ास पुं० [अ.] दीवानेखास; खास राजदरबार [स्त्री० गांडपण
दीवाना वि०[अ.] दीवानुं; गांडुं. **–नगी**
दीवानी स्त्री० दीवानी कचेरी (२) दीवानगीरी (३) वि० स्त्री० गांडी
दीवार(-ल) स्त्री० [फा.] दीवाल
दीवार-गीर पुं०[फा.] दीवालनी अंदरनी चाडा जेवी बनावट
दीवाली स्त्री० 'दिवाली'; दिवाळी
दीसना अ०क्रि० (प.) दीसवुं; देखावुं
दुंद पुं० (प.) द्वंद्वयुद्ध (२) उधमात; धमाल (३) बेनुं द्वंद्व–जोडी (४) नगारुं
दुंदुभि,–भी स्त्री० [सं.] नगारुं; डंको
दुंबा पुं० [फा.] घेटो
दुःख पुं०[सं.] क्लेश; कष्ट; पीडा. **०द, ०दायी, ०प्रद** वि० दुख दे एवुं. **–खित, –खी** वि० दुःखी; दुखमां पडेलुं
दुःसह वि०[सं.] कठण; सहेवुं मुश्केल
दुःसाध्य वि०[सं.] करवुं के मटवुं मुश्केल
दु वि० 'दो' नुं समासमां आवतुं रूप. उदा० 'दुविधा', 'दुअन्नी'
दुआ स्त्री० [अ.] दुवा; आशिष (२) विनंती. **–करना**=विनंती करवी. **–कहना**=आशिष आपवी. **–लगना** =आशिष फळवी
दुआबा पुं० [फा. दोआबः] दोआब
दुई स्त्री० द्वैतभाव. **–का परदा**=अज्ञान के मायानो पडदो
दुकड़ा पुं० जोटो (२) दोकडो
दुकान स्त्री०[फा.] दुकान. **–बढ़ाना**= दुकान वधाववी, बंध करवी.**–लगाना** =दुकान मांडवी [**–री** स्त्री० वेपार
दुकानदार पुं०[फा.] दुकानवाळो;वेपारी.
दुकाल पुं० दुकाळ

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

दुकेला वि० (स्त्री० **–ली**) बेकलुं
दुकेले अ० बेकल; साथे कोईने लईने
दुक्कड़ पुं० तबला जेवुं एक वाजुं
दुक्का वि० बेकलुं (२) जोडकुं
दुक्की स्त्री० दूरी (गंजीफानी); दूओ
दुख पुं० दुःख
दुखड़ा पुं० दुखडुं (२) आपवीती
दुखना अ० क्रि० दुखवुं; पीडा थवी
दुखाना स०क्रि० दुखाडवुं; पीडा करवी
दुखानी वि०[अ.]आगना जोरथी चालतुं
दुखारा,–री वि०(प.) दुखी; दुखियारुं
दुखी,–खिया,–खियारा वि० दुखी; पीडित
दुख़्तर स्त्री० [फा.] दीकरी; पुत्री
दुगई स्त्री० ओसरी; वरंडो
दुगदुगी स्त्री० गळानो खाडो (२) गळानुं एक घरेणुं ['दूना'
दुगना, दुगुण(–न) (प.), वि० बमणुं;
दुग्ध पुं० [सं.] दूध
दुचंद वि० जुओ 'दुगना'
दुचित(–त्ता) वि० अस्थिर चित्तनुं (२) संदेहमां पडेलुं [रता (२) संदेह
दुचिताई, दुचित्ती स्त्री० चित्तनी अस्थि-
दुज़्द पुं०[फा.]चोर.(स्त्री०**–ज़्दी**=चोरी)
दुज़्दीदा वि०[फा.] चोरीनुं. **–निगाहें** =कोई न देखे तेम जोनारी आंखो
दुटूक वि० खंडित; तूटक. **–बात**= साफ रोकडी के खरी वात
दुत् अ० धुत; तुच्छकारनो उद्‌गार
दुतकार पुं० धुत्कार
दुतकारना स० क्रि० धुत्कारवुं
दुतर्फ़ा वि० (स्त्री० **–र्फ़ी**) बे तरफनुं
दुति स्त्री० (प.) द्युति; तेज
दुति(–ती)या स्त्री०(प.) बीज; द्वितीया
दुदामी स्त्री० एक जातनुं सुतराउ कपडुं
दुध-मुख,–मुँहाँ वि० जुओ 'दूधमुँहा'
दुध-हँड़ी, दुधाँड़ी स्त्री० दूधनी हांल्ली
दुधार, दुधैल वि० दुधाळ; दूझणुं (२) दूधवाळुं
दुधिया वि० दूधवाळुं के दूध जेवुं धोळुं
दुनाली वि० स्त्री० बेनाळी (बंदूक)
दुनियवी, दुनियाई वि० दुन्यवी; संसारी
दुनियाँ,-या स्त्री० [अ. दुन्या] दुनिया. **–के परदे पर**=आखी दुनियामां
दुनियादार वि० संसारी (२) व्यवहार-चतुर (३) पुं० गृहस्थ. **–री** स्त्री०
दुनियासाज़ वि०[फा.] मतलबी; स्वार्थी
दुन्या स्त्री० [अ.] जुओ 'दुनियाँ'
दुपट्टा पुं० बे फाळनी ओढवानी चादर (२) दुपट्टो; खेस. **–तानकर सोना**= निरांते सूवुं; निश्चित होवुं ['दोपहर'
दुपहर(-रिया, –री) स्त्री० बपोर;
दुफ़सली वि० रवी अने खरीफ बंनेमां पाकतुं (२) संदिग्ध [(२) चिंता
दुबधा स्त्री० दुविधा; संशय; अस्थिरता
दुबला,०पतला वि० दूबळुं; कमजोर
दुबारा अ० बीजी वार; 'दोबारा'
दुबाला वि० बमणुं; 'दोबाला'
दुभाषिया पुं० दुभाषियो [(मकान)
दुमंज़िला वि० बे खंड के मजलानुं
दुम स्त्री० [फा.] पूंछडी. **–के पीछे फिरना**=केडे केडे फरवुं. **–दबा जाना** =डरीने भागवुं. **–में घुसना**=गेब थई जवुं; हठी जवुं. **–में घुसा रहना**= खुशामत करता रहेवुं. **–हिलाना**= पूंछडी पटपटाववी. [पूंछडानो पटो
दुमची स्त्री० [फा.] घोडाना साजनो
दुमदार वि० पूंछडियुं; पूंछडीवाळुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

दुमाता स्त्री० खराब के सावकी मा
दुमुंहा वि० बे मोंवाळुं (२) कपटी
दुरंत वि० [सं.] अपार (२) दुर्गम (३) बहु मोटुं; प्रचंड
दुरदुराना स०क्रि० दूर दूर करवुं; अपमानपूर्वक हठाववुं-हांकवुं (कूतरां माटे)
दुरमुस पुं० कूबा जेवुं ठोकवानुं ओजार
दुराग्रह पुं० [सं.] खोटो आग्रह; हठ
दुराचरण, दुराचार पुं० [सं.] खराब आचार – चालचलगत
दुरात्मा पुं० [सं.] दुर्जन
दुरादुरी स्त्री० छुपाववुं ते
दुराना अ० क्रि० दूर थवुं (२) छुपावुं (३) स०क्रि० दूर करवुं (४) छोडवुं (५) छुपाववुं
दुराव पुं० दूरतानो भाव (२) कपट
दुराशय पुं०[सं.] दुष्ट – खोटो आशय के इरादो
दुराशा स्त्री०[सं.] खोटी के व्यर्थ आशा
दुरित पुं०[सं.] पाप (२) वि० पापी
दुरुपयोग पुं०[सं.] खोटो, अयोग्य उपयोग
दुरुस्त वि० [फा.] दुरस्त (२) योग्य; उचित
दुरुस्ती स्त्री० [फा.] दुरस्ती; सुधारो
दुरूद स्त्री० [फा.] दुआ; आशीर्वाद
दुरूह वि० [सं.] कठण; दुर्गम
दुर्गंध स्त्री० [सं.] खराब वास (२) पुं० संचळ (३) डुंगळी
दुर्ग पुं० [सं.] किल्लो
दुर्गति स्त्री०[सं.] नठारी गति; दुर्दशा
दुर्गम वि०[सं.] जवामां के समजवामां कठण के मुश्केलीवाळुं
दुर्गुण पुं० [सं.] खराब गुण; एब
दुर्घट वि० दुःसाध्य; बनवुं कठण
दुर्घटना स्त्री० [सं.] आफत; दुःखद बनाव के अकस्मात
दुर्जन पुं० [सं.] खराब – दुष्ट माणस
दुर्दशा स्त्री०[सं.]खराब दशा;बूरी हालत
दुर्दैव पुं० [सं.] दुर्भाग्य; कमनसीब
दुर्बल त्रि० [सं.] दूबळुं; कमजोर
दुर्बोध वि० [सं.] समजवामां कठण
दुर्भाग्य पुं० [सं.] दुर्दैव; कमनसीब
दुर्भिक्ष पुं० [सं.] दुकाळ
दुर्मति स्त्री०[सं.] कुमति; दुर्बुद्धि (२) वि० कुमतिवाळुं
दुर्रा पुं० [फा.] कोयडो; चाबुक
दुर्लक्ष्य पुं०[सं.] खोटो बूरो उद्देश (२) वि० न जोई शकाय एवुं; जोवुं मुश्केल
दुर्लभ वि० [सं.] मळवुं मुश्केल (२) अनोखुं; विरल
दुर्वचन पुं० [सं.] गाळ
दुर्वह वि०[सं.] असह्य; वहन करवामां [कठण
दुर्व्यवस्था स्त्री० [सं.] गेरव्यवस्था
दुर्व्यवहार पुं० [सं.] गेरवर्तणूक
दुलकी स्त्री० घोडानी रवाल
दुलत्ती स्त्री० चोपगानी पाछला बे पगनी लात [एक खच्चर
दुलदुल पुं०[अ.] पेगंबरने भेट मळेलुं
दुलराना स०क्रि० बाळकने लाड करवुं (२) अ०क्रि० बाळकनी जेम प्रेममां खेल करवा
दुलह,-हिन स्त्री० नववधू; नवी वहु
दुलहा पुं० वर; 'दूल्हा'. –हिन स्त्री०
दुलाई स्त्री० थोडा रूवाळी रजाई
दुलार पुं० लाड; प्रेम [गेल करवुं
दुलारना स०क्रि० लाड करवुं; प्रेमथी
दुलारा वि० (स्त्री०, –री) लाडकुं
दुली(-लै)चा पुं० (प.) गलीचो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

दुशवार,–री जुओ 'दुश्वार,–री'
दुशाला पुं० दुशालो; कीमती शाल
दुश्चरित वि० [सं.] दुराचारी (२) पुं० दुराचार
दुश्नाम स्त्री० [फा.] गाळ
दुश्मन पुं० [फा.] शत्रु; वेरी
दुश्मनी स्त्री० शत्रुता; वेर
दुश्वार वि०[फा.] (नाम,–**री**) कठण; मुश्केल (२) दुःसह
दुष्कर वि०[सं.] करवुं कठण; अघरुं
दुष्कर्म पुं० [सं.] बूरुं काम; पाप
दुष्काल पुं० [सं.] दुकाळ
दुष्ट वि० [सं.] खराब; पापी; अधम
दुसह वि० (प.) दुःसह; असह्य
दुसार(–ल) अ०(प.) आरपार; सोंसरुं
दुसूती स्त्री० मोद जेवुं चोतारुं एक बिछानुं [मुश्केल
दुस्तर वि०[सं.] तरी जवुं–पार करवुं
दुस्सह वि० [सं.] असह्य
दुहता पुं० दौहित्र; पुत्रीनो पुत्र; 'दोहता'
दुहना स० क्रि० दोहवुं
दुहनी स्त्री० [सं. दोहनी] दोणी
दुहरा पुं० दोहरो
दुहराना स० क्रि० जुओ 'दोहराना'
दुहाई स्त्री० दोहवुं ते के तेनी मजूरी (२) दुहाई; आण (३) घोषणा.–**देना** = आण देवी. –**फिरना** = आण वर्तवी (२) ढंढेरो पिटावो
दुहाग पुं० दुर्भाग्य (२) रंडापो
दुहागिन स्त्री० विधवा
दुहागी वि० दुर्भागी
दुहिता स्त्री० [सं.] दीकरी; पुत्री
दुहेला वि० दोह्यलुं; मुश्केल; कठण
दूई स्त्री० [सं.] जुदाई; द्वैत
दूकान स्त्री० जुओ 'दुकान.' ०**दार** पुं० दुकानवाळो
दूज स्त्री० 'दुतिया'; बीज (तिथि)
दूजा वि० बीजुं
दूत पुं०[सं.] संदेशो लई जनार; खेपियो (२) जासूस; चर. –**तिका,–ती** स्त्री० दूत स्त्री; प्रेमीओ वच्चे संदेशा इ० करनारी
दूध पुं० दूध. –**उतरना** = छातीमां दूध भरावुं. –**का दूध और पानीका पानी करना** = चोखो न्याय तोळवो. –**की मक्खीकी तरह निकालना, निकालकर फेंक देना** = तुच्छ समझी दूर करवुं
दूध-पिलाई स्त्री० धाव (२) लग्ननी एक विधि
दूध-पूत पुं० धन अने संतति
दूध-मुंहा, -मुख वि० धावणुं
दून स्त्री०बमणापणुं(२)पुं०खीणनो भाग. –**की लेना या हाँकना** = गप हांकवी
दूना वि० बमणुं; बे गणुं
दूब स्त्री० दरो घास
दू-बदू अ० [फा.] सामसामे
दूभर वि० कठण; अघरुं
दूरंदेश वि०[फा.] दूरदर्शी; अगमचेती-वाळुं. –**शी** स्त्री० अगमचेती
दूर अ० [सं.] आघे; वेगळे (समय के स्थळमां). –**की कहना**=भारे सूझ के समजनी वात कहेवी. –**की सोचना**= दीर्घदृष्टिथी विचारवुं
दूरकी बात स्त्री० बारीक, कठण के भविष्यनी वात
दूर-दराज वि०[फा.] दूर दूर; बहु दूर
दूर-दर्शक, दूर-दर्शी वि० [सं.] दूरंदेश; दीर्घदृष्टिवाळुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

दूरबीन स्त्री० [फा.] दूरदर्शक यंत्र
दूरी स्त्री० दूरत्व; अन्तर
दूर्वा स्त्री० [सं.] दरो घास
दूलह, दूल्हा पुं० वर (२) पति
दूषण पुं० [सं.] दोष; खोड; एब
दूषित वि० [सं.] दोषवाळुं; बूरुं; खराब
दूसरा वि० बीजुं
दृक्(-ग) पुं० [सं.] आंख; दृष्टि
दृढ़ वि०[सं.]स्थिर;मक्कम;मजबूत;पाकुं
दृढ़ाना अ०क्रि० दृढ थवुं (२) स०क्रि० दृढ करवुं
दृश्य पुं०[सं.] देखाव (२) वि०जोवा जेवुं
दृष्ट वि०[सं.] प्रत्यक्ष; जोयेलुं; जाणेलुं
दृष्टांत पुं० [सं.] दाखलो; उदाहरण
दृष्टि स्त्री०[सं.] नजर; जोवुं ते (२) ख्याल; अनुमान (३) मत; समज
दृष्टिकोण पुं० [सं.] दृष्टिबिंदु
दृष्टिपथ पुं०[सं.] दृष्टिमर्यादा; जोवामां आवतुं क्षेत्र [जोवामां आववुं ते
दृष्टिपात पुं० [सं.] नजर पडवी ते;
देउ(-व)र पुं० देवर; दियेर
देखना स० क्रि० देखवुं; जोवुं (२) तपासवुं (३) पारखवुं (४) समजवुं–विचारवुं (५) वांचवुं. **–भालना**=जोवुं; तपासवुं. **–सुनना**=जाणवुं करवुं; खबर मेळववी. **देखते देखते**=आंखो सामे (२) जोतजोतामां. **देखते रह जाना**=जोता ज रही जवुं; छक थवुं
देखभाल, देखरेख स्त्री० देखरेख; संभाळ
देखाऊ वि० खाली देखाडावाळुं; कृत्रिम
देखादेखी स्त्री० दर्शन; देखावुं ते (२) अ० देखादेखी; बीजानुं जोईने
देखाव पुं०, ०ट स्त्री० देखाव; ठाठमाठ
देग़ पुं०[फा.]देगडो(रसोईमां वपराय ते)
देग़चा पुं० [फा.] नानो देग–देगडो
देग़ची स्त्री० देगडी
देन स्त्री० दान; देवुं ते
देनदार पुं० देणदार; देवादार [देवुं
देना स०क्रि० देवुं; आपवुं (२)पुं० देणुं;
देय वि० [सं.] आपवा योग्य [समय
देर(-री) स्त्री०[फा.] ढील; वार (२)
देरपा वि० [फा.] टकाऊ; मजबूत
देरीना वि० [फा.] प्राचीन; जूनुं
देव पुं० [सं.] देव; सुर (२) पूज्य व्यक्ति माटे आदरसूचक शब्द (३) [फा.] राक्षस
देवठान पुं० देवऊठी एकादशी
देवता पुं० [सं.] देव; सुर
देवदार पुं० देवदारनुं झाड के लाकडुं
देवधुनि, देवनदी स्त्री० [सं.] गंगा नदी
देवनागरी स्त्री० नागरी के बाळबोध लिपि
देवपथ पुं० [सं.] आकाश
देवभाषा स्त्री० [सं.] संस्कृत भाषा
देवभूमि स्त्री० [सं.] स्वर्ग
देवमंदिर पुं०[सं.] देवळ; मंदिर; देवालय
देवर पुं० [सं.] दियेर
देवरानी स्त्री० देराणी (२) इन्द्राणी
देवर्षि पुं०[सं.]देवोमां ऋषि–नारद इ०
देवल पुं० देवळ; मंदिर (२) [सं.] पूजारी
देववाणी स्त्री०[सं.] संस्कृत भाषा (२) आकाशवाणी
देवस्थान पुं० [सं.] देवळ; मंदिर
देवांगना स्त्री०[सं.] देवनी स्त्री (२) अप्सरा
देवा वि० (समासने अंते) देनार; जेम के पानीदेवा (२) देवादार; ऋणी
देवान पुं०दीवान; वजीर(२)राजदरबार

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

देवानांप्रिय पुं०[सं.] बकरो (२) मूर्ख
देवालय पुं० [सं.] देवळ; मंदिर
देवी स्त्री० [सं.] देवी (२) सन्नारी
देश(–स) पुं०[सं.] देश; मुल्क (२) स्थान; जगा
देशनिकाला पुं० देशनिकालनी सजा
देशभाषा स्त्री० [सं.] अमुक देश के प्रदेशनी भाषा
देशांतर पुं०[सं.] देशावर; बीजो देश
देशी(०य) वि०[सं.] देशनुं के तेने लगतुं
देस पुं० देश; मुल्क. **–सी** वि० देशी
देसवाल वि० देशनुं; स्वदेशी
देसावर पुं०[फा.] 'दिसावर'; देशावर
देह स्त्री० [सं.] देह; शरीर (२) पुं० [फा. दिह] देहात; गाम (३) वि० देनार (समासमां) जेम के, जवाबदेह
देहक़ान पुं०[फा.] गामडियो; ग्रामवासी (२) खेडूत. **–नियत** स्त्री० गामडिया-पणुं. **–नी** वि० गामडानुं; गामडियुं; ग्रामीण
देहरा पुं० देरुं;देवालय(२)मनुष्य-शरीर
देहरी,–ली स्त्री० [सं.] ऊमरो
देहांत पुं०[सं.] मरण [गाम
देहात पुं०[फा. 'दिह'नुं ब०व०]'दिहात';
देहाती वि० [फा.] देहातनुं; 'देहक़ान'
देही पुं० [सं.] आत्मा; देहधारी
दैत्य पुं०[सं.] दानव; असुर (२) अति मोटो बळवान माणस
दैनंदिन अ०[सं.] प्रतिदिन; रोज (२) वि० रोजनुं. **–नी** स्त्री० डायरी; रोजनीशी
दैन पुं० दैन्य; दीनता (२) स्त्री० 'देन'; देवुं ते; भेट (३) वि० देनारुं, जेम के सुखदैन (४) दिन–दिवस संबंधी
दैन पुं० [अ.] देण; देवुं
दैनदार पुं० [फा.] देणदार; देवादार
दैनिक वि० [सं.] रोजिंदुं; रोजनुं
दैन्य पुं० [सं.] दीनता
दैव वि० [सं.] देवने लगतुं (२) पुं० नसीब (३) ईश्वर (४) आकाश
दैवज्ञ पुं० [सं.] जोशी
दैवयोग पुं० [सं.] नसीबनो संयोग
दैवात् अ० [सं.] दैववशात्
दैविक वि० [सं.]देवताई(२)आधिदैविक
दैवी वि०[सं.] 'दैविक' (२) आकस्मिक
दैहिक वि०[सं.] देह संबंधी; शारीरिक
दो वि०[फा.] बे. (आ अर्थमां समासमां 'दु' जेम पण आवे छे) [प्रदेश
दोआब,–बा पुं०[फा.] बे नदी वच्चेनो
दोउ,–ऊ वि० (प.) बन्ने; बेउ [मनुष्य
दोग़ला पुं० [फा.] जारज के वर्णसंकर
दोचंद वि० [फा.] 'दुचन्द'; बेगणुं
दो-चार स्त्री०[फा.] केटलाक; बे चार
दोचित्ता वि०, **दोचित्ती** स्त्री० जुओ 'दुचित्ता,–त्ती'
दोज़ख़ पुं० [फा.] दोजख; नरक
दोज़ानू अ० [फा.] घूंटणिये (बेसवुं)
दोतरफ़ा अ० [फा.] जुओ 'दुतर्फ़ी'
दोतला,–ल्ला वि० बे खंड के माळनुं (मकान)
दोतारा पुं०. बेतारुं वाद्य
दोन पुं० दोआब (२) खीण (३) नदीओनो संगम
दोना पुं० (स्त्री०, **–नी**) द्रोण; दडियो
दोनों वि० बन्ने [बपोर
दोपहर पुं०; **–रिया** स्त्री० 'दुपहर';
दोफ़सली वि० जेमां बे फसल लेवाय तेवुं
दोबारा अ० [फा.] जुओ 'दुबारा'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

दोबाला अ० [फा.] 'दुबारा'; 'दूना'
दोभाषिया पुं० दुभाषियो ['दोतल्ला'
दोमंज़िला अ०[फा.] जुओ 'दुमंज़िला',
दोयम वि०[फा.] दुय्यम; दूयम; बीजुं
दोरंगा त्रि० दोरंगी; बंने तरफनुं. –गी स्त्री० दोरंगीपणुं (२) छळ
दोरसा पुं० एक जातनी पीवानी तमाकु (२) वि० बे रस के स्वादवाळुं. दोरसे दिन = स्त्रीना महिना
दोराहा पुं० बे रस्ता ज्यांथी फंटाय ते
दोरुखा वि० जेनी बेउ बाजु सरखो रंग के वेलबुट्टा होय तेवुं (२) एक बाजु एक ने बीजी बाजु बीजा रंगवाळुं
दोल(–ला) पुं०[सं.] हींडोळो; हींचको (२) डोळी
दोशंबा पुं० [फा.] सोमवार
दोश पुं० [फा.] खभो [–जगी)
दोशीजा स्त्री०[फा.] कुंवारिका (नाम
दोष पुं० [सं.] भूल; चूक (२) खोड; खामी (३) वांक (४) एब; लांछन (५) शरीरना त्रण दोष ते दरेक
दोषारोपण पुं० [सं.] दोष देवो ते; आळ; आक्षेप [स्त्री० दोस्ती
दोस पुं० (प.) दोष (२) दोस्त. ०दारी
दोसूती वि० चोतारुं (२) स्त्री० 'दुसूती'
दोस्त पुं० [फा.] दोस्त; मित्र [दोस्ती
दोस्ताना वि०[फा.] दोस्तीनुं (२) पुं०
दोस्ती स्त्री० [फा.] दोस्ती; मैत्री
दोहगा स्त्री० रखात; उपपत्नी
दोहता पुं० 'दुहता'; दौहित्र
दोहद स्त्री०[सं.] गर्भवतीनी इच्छा– दोहद (२) गर्भनुं चिह्न के गर्भावस्था
दोहन पुं०[सं.], –नी स्त्री० दोहवुं ते (२) दूधनी दोणी

दोहरना अ०क्रि० बेवडावुं (२) स०क्रि० जुओ 'दोहराना'
दोहरा वि० बेवडुं (२) पुं० दोहरो
दोहराना स०क्रि० बेवडवुं (२) बीजी वार करवुं के कहेवुं
दोहा पुं० दोहरो; दुहो
दोहाई स्त्री० जुओ 'दुहाई'
दौंरी स्त्री० जुओ 'दँवरी'
दौड़ स्त्री० दोड; दोडवुं ते (२) प्रयत्न (३) क्रिकेटनो 'रन'
दौड़धूप स्त्री० दोडधाम; खूब परिश्रम
दौड़ना अ० क्रि० दोडवुं [उतावळ
दौड़ादौड़ी स्त्री० दोडादोड; त्वरा;
दौड़ान स्त्री० दोट (२)वेग(३)फेरो;वारी
दौना पुं० एक छोड (डमरो?) (२) जुओ 'दोना'
दौर पुं०[अ.] दोर (सत्ता; भभको) (२) भ्रमण; फेरो (३) वार; 'दफ़ा' (४) काळचक्र; जमानो
दौरदौरा पुं० प्रबळता; सत्ता
दौरा पुं० भ्रमण करवुं ते; प्रवास (२) फेरो; आंटो. –सुपुर्द करना=सेशन्स जज पासे मोकलवुं
दौरान पुं० [फा.] भ्रमण; फेरो (२) वारी (३) जमानो
दौरी स्त्री० टोपली; छाबडी
दौर्बल्य पुं० [सं.] दुर्बळता; नबळाई
दौर्भाग्य पुं० [सं.] दुर्भाग्य
दौर्मनस्य पुं०[सं.] मननी खराब दशा (२) शोक; निराशा
दौलत स्त्री० [अ.] दोलत; धन
दौलतखाना पुं० [फा.] घर; मकान (मानार्थे बोलाय छे)
दौलतमंद वि०[फा.] धनवान;दोलतवाळुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

दौहित्र पुं०[सं.] दोहित्र; 'नाती'. (स्त्री० –त्री) [शोभा

द्युति(०मा) स्त्री०[सं.] तेज; कांति (२)

द्यूत पुं० [सं.] जूगटुं [प्रकाशनारुं

द्योतक वि० [सं.] दर्शावनारुं (२)

द्रव पुं०[सं.] द्रववुं–ओगळवुं ते (२) प्रवाही के पीगळेलुं ते (३) वि० प्रवाही; पीगळेलुं [(२) वहेवुं

द्रवना अ०क्रि० (प.) द्रववुं; पीगळवुं

द्रव्य पुं०[सं.] पैसो; नाणुं (२) वस्तु; पदार्थ

द्रष्टा वि०[सं.] देखनार (२) पुं० आतमा

द्राक्षा स्त्री० [सं.] द्राक्ष; अंगूर

द्रावक वि० [सं.] पिगळावनारुं

द्राविड़ वि०[सं.] द्राविड देशनुं; द्राविडी

द्रुत वि० [सं.] उतावळुं; झडपी (२) पीगळेलुं. –ति स्त्री०

द्रुम पुं०[सं.] झाड (२) पारिजातक वृक्ष

द्रोण पुं०[सं.] दडियो (२) होडी (३) कागडो (४) द्रोणाचार्य. –णि, –णी स्त्री० नानो द्रोण [द्रोह करनारुं

द्रोह पुं०[सं.] दगो; वेरभाव. –ही वि०

द्वंद, द्वंद्व [सं.] पुं० युग्म; जोडुं (२) बे वच्चे युद्ध (३) झघडो (४) दुविधा; शंका

द्वय वि०[सं.] बे (२) पुं० युग्म; द्वैक

द्वादशाह पुं० [सं.] बारमुं

द्वादशी स्त्री० बारश तिथि

द्वार पुं०[सं.] बारणुं; दरवाजो (२) उपाय; साधन

द्वारपाल पुं० [सं.] द्वारपाळ; दरवान

द्विज पुं०[सं.] ब्राह्मण (२) अंडज प्राणी

द्वितीय वि०[सं.] बीजुं. –या स्त्री० बीज

द्विदल पुं०[सं.] कटोळ; दाळ (२) वि० बे दळ के फाडवाळुं

द्विधा अ०[सं.] बे प्रकारे (२) बे भागमां

द्विरद पुं० [सं.] हाथी

द्विरेफ पुं० [सं.] भमरो

द्वीप पुं०[सं.] बेट; टापु [(३) चीड; गुस्सो

द्वेष पुं०[सं.] ईर्षा; झेर (२) वेर; शत्रुता

द्वै वि० (प.) बे; बेउ

द्वैत पुं० [सं.] बेपणुं; भेद; जुदाई

द्वैध पुं० [सं.] विरोध (२) बेभथ्थु राज्यपद्धति; 'डायर्की'

ध

धंगर पुं० भरवाड; आहीर

धंध,०क,०र पुं०(प.) पंचात; झंझट (२) कामधंधानो आडंबर [रहेनार

धंधकधोरी पुं० खूब कामनी धमालमां

धँधला पुं० ढोंग (२) वहानुं; छळकपट

धंधा पुं० धंधो; कामकाज; उद्यम

धँसना अ०क्रि० अंदर खची–पेसी जवुं

धँसान स्त्री०, **धँसाव** पुं० अंदर पेसी जवुं ते (२) कळण जमीन

धक स्त्री० हृदयनी धडक (२) अ० अचानक; एकाएक [धगधगवुं (आगनुं)

धकधकाना अ० क्रि० धडकवुं (२)

धकधकी स्त्री० जुओ 'धुकधुकी'

धकपकाना अ०क्रि० हृदय धडकवुं; डरवुं

धकपेल, धकाधकी स्त्री० धक्काधक्की

धकियाना, धकेलना स०क्रि० धकेलवुं; धक्को देवो

धकेलना स०क्रि० धकेलवुं; हडसेलवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

धकेलू, धकैल वि० धक्को देनार; धकेलनार
धक्कमधक्का पुं० धक्काधक्की; खूब भीड
धक्का पुं० धक्को; हडसेलो (२) आघात; हानि (३) संकट; विपत्ति
धक्कामुक्की स्त्री० धक्कामुक्की; मारपीट
धगड़,-ड़ा पुं० यार; उपपति; व्यभिचारी. **-ड़ी** स्त्री० कुलटा स्त्री
धज स्त्री० सुंदर रचना के ढंग ['धज'
धजा स्त्री० धजा; वावटो (२) जुओ
धजीला वि० सुंदर
धज्जी स्त्री० चींदरडी के लांबी पट्टी. **धज्जियाँ उड़ाना**=चीरा के टुकड़ा करी नांखवा (२) कशुं बेहाल करी नांखवुं
धड़ पुं० शरीरनुं धड (२) झाडनुं थड (३) धड अवाज
धड़क स्त्री० दिलनी धडक (२) भय
धड़कन स्त्री० धडक धडक थवुं ते
धड़कना अ०क्रि० धडकवुं (२) धड अवाज थवो [इ०नो चाडियो
धड़का पुं० जुओ 'धड़क' (२) खेतर
धड़टूटा वि० कमरमांथी वळेलुं (२) कूवडुं; खूंधुं
धड़ल्ला पुं० धडाको. **धड़ल्लेसे,-के साथ** =कशी रुकावट विना (२) बेधडक
धड़ा पुं० त्राजवानो धडो (२) पक्ष. **-बाँधना**=धडो करवो (३) कलंक लगाडवुं [धडाकाबंध; झटपट
धड़ाका पुं० धडाको, **धड़ाकेसे** अ०
धड़ाधड़ अ० (रव०) तूटवा के पडवानो अवाज (२) लगातार; जलदी
धड़ाम पुं० धब — धबाकानो अवाज
धड़ी(-री) स्त्री० चार के पांच पाका शेरनो एक तोल (२) पानथी के रंगथी होठ पर तेनी पडती रेखा
धत् अ० धत्; धुत्
धत स्त्री० लत; बूरी आदत
धतकारना स०क्रि० धुत्कारवुं
धता वि० धत् करायेलुं; धुत्कारेलुं. **-करना या बताना**=भगाडवुं; धत् करी काढवुं [गांडा जेवुं फरवुं
धतूर,-रा पुं० धंतूरो. **-खाए फिरना**=
धधक स्त्री० आगनी झोळ; आंच; भभूकवुं ते [धग लागवुं-बळवुं
धधकना अ०क्रि० (अग्नि) भडके धग
धन पुं० धन (२) गायोनुं धण
धनक पुं० जुओ 'धनुक' (२) सोनेरी रूपेरी नानी पटीनी फीत के किनार
धनकटी स्त्री० लणणीनो समय (२) एक कापड
धनकुबेर पुं० खूब धनवान माणस
धनतेरस स्त्री० आसो वद तेरस-धनतेरश
धनधान्य पुं० [सं.] धन अने धान्य-संपत्ति
धनधाम पुं० धनदोलत अने घरबार
धनवंत, धनवान, धनाढ्य, धनिक वि० [सं.] पैसादार; तवंगर
धनिया पुं० धाणा [स्वामी
धनी वि० [सं.] धनवान (२) पुं० धणी;
धनुआ पुं० धनुष (२) पींजण
धनुई स्त्री० नानो 'धनुआ'
धनुक पुं० धनुष (२) इंद्रधनुष
धनुकबाई स्त्री० धनुर्वा
धनुर्विद्या स्त्री० [सं.] धनुषनी विद्या
धनुष,-स पुं० [सं.] बाणनुं धनुष्य
धन्ना पुं० धरणुं; त्रागुं
धन्नासेठ पुं० मोटो धनी आदमी
धन्य वि० [सं.] कृतार्थ; भाग्यशाळी (२) अ० शाबाश; वाहवाह

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

धन्यवाद पुं०[सं.] शाबाशी; प्रशंसा के तेनो बोल
धप स्त्री० धब अवाज (२) धप्पो
धप्पा पुं० धप्पो (२) नुकसान
धब्बा पुं० धाबुं; डाघ
धमक स्त्री० धम दईने पडवानो अवाज; धमकारो (२) आघात
धमकना अ०क्रि० धम अवाज करवो (२) (माथुं) दुखवुं. आ **धमकना**= आवी पहोंचवुं
धमकाना स०क्रि० धमकाववुं; डराववुं
धमकी स्त्री० धमकी; डर
धमधूसर वि० जाडुं बेडोळ (माणस)
धमना स०क्रि० धमवुं; पवन फूंकवो
धमनी स्त्री० [सं.] लोहीनी नाडी
धमाका पुं० धबाको; 'धमक'
धमाचौकड़ी स्त्री० धमाचकडी
धमाधम अ० लगातार धम धम (२) स्त्री० धमाधम (३) मारामारी
धमार स्त्री० धमाल (२) धमार ताल के होळीनुं एक गीत
धरणि,-णी स्त्री० [सं.] पृथ्वी
धरता पुं० धारण करनार (२) देणदार
धरती स्त्री० धरती; पृथ्वी
धरन स्त्री० धारण करवुं ते (२) धारण; पाटडो (३) धरणुं
धरना स० क्रि० धरवुं; पकडवुं (२) रखात राखवी (३) गीरो मूकवुं (४) पुं० धरणुं; त्रागुं
धरहरा पुं० मिनारो
धरा स्त्री० [सं.] धरती; पृथ्वी
धराऊ वि० कीमती; खास अवसर माटे साचवी रखातुं
धराहर पुं० जुओ 'धरहरा'
धरित्री स्त्री० [सं.] धरती; पृथ्वी
धरी स्त्री० जुओ 'धड़ी'
धरोहर स्त्री० अनामत राखेलुं ते
धर्म पुं०[सं.] धर्म; संप्रदाय (२) फरज; कर्तव्य (३) गुण; लक्षण
धर्मधक्का पुं० धरमधक्को
धर्मपत्नी स्त्री० [सं.] विवाहित स्त्री
धर्मशाला स्त्री० [सं.] धरमशाळा; मुसाफरखानुं [जेम के स्मृति
धर्मशास्त्र पुं० [सं.] धर्म बतावतो ग्रंथ,
धर्मात्मा वि०(२)पु० [सं.] धर्मिष्ठ पुरुष
धर्मासन पुं०[सं.] न्यायासन; न्यायाधीशनी बेठक
धर्मिष्ठ वि० [सं.] धर्मवान; धार्मिक
धर्षण पुं०[सं.] अनादर (२) आक्रमण
धव पुं० [सं.] पति (२) पुरुष [गाय
धवल वि०[सं.] धोळुं. **-ली** स्त्री० धोळी
धवाना स०क्रि० दोडाववुं
धसकना अ०क्रि० धसी पडवुं; नीचे बेसी पडवुं (जमीन इ०नुं)
धाँधल स्त्री० धांधळ (२) दगो; फरेब
धाँस स्त्री० तमाकु मरचां इ०नी तेज गंध
धाँसना अ०क्रि० (पशुओनुं) खोंखारवुं
धाइ, धाई स्त्री० धाव; दाई
धाक स्त्री० धाक; भय; डर. **-बाँधना** =धाक पाडवी के जमाववी
धागा पुं० दोरो; 'तागा'
धाड़ स्त्री० धाड; हल्लो (२) धाडुं; टोळुं
धाड़स पुं० जुओ 'ढाढ़स'
धात स्त्री० धातु (२) वीर्य [पालक
धाता पुं०[सं.] ब्रह्मा (२) वि० धारक;
धातु स्त्री० [सं.] खनिज; धातु (२) शरीरनी धातु (३) क्रियापदनो धातु

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

धातुवाद पुं० [सं.] रसायण; तांबानुं सोनुं बनाववानो कीमियो
धात्री स्त्री० [सं.] धाव (२) माता
धान पुं० डांगर
धानी वि० 'धान'–डांगरना आछा लीला रंगनुं (२) स्त्री० शेकेला जव के घउं (३) आछो लीलो रंग
धान्य पुं० [सं.] अनाज; धान
धाप स्त्री० मेदान (२) लंबाईनुं एक माप (एक बे माईल जेवडुं) (३) तृप्ति
धापना अ०क्रि० धरावुं; तृप्त थवुं (२) दोडवुं; धावुं (३) स०क्रि० धरववुं
धाबा पुं०मकाननुं धाबुं के तेमांनी ओरडी
धा–भाई पुं० दूधभाई
धाम पुं०[सं.] धाम;स्थान(२)तीर्थस्थान
धामिन स्त्री० धामण साप
धाय स्त्री० धात्री; धाव
धार पुं० उधार; देवुं (२) धोधमार वरसाद(३)स्त्री० धारा(४)शस्त्रादिनी धार (५) किनारो; छेडो [देवादार
धारक वि०[सं.] धारण करनार (२)
धारण पुं०[सं.]धरवुं, पहेरवुं के अंगीकार करवुं ते (२) उधार करवुं ते
धारणा स्त्री०[सं.] निश्चय (२) समज; बुद्धि (३) याददास्त; स्मृति
धारा स्त्री०[सं.] धार; शेड (२) झरणुं; प्रवाह (३) धारो; कायदो
धारासभा स्त्री०[सं.]धारा घडनारी सभा
धारी स्त्री० लीटी; रेखा (२) समूह
धारीदार वि० लीटीदार; लीटीओवाळुं
धारोष्ण वि०[सं.] तरत दोहेलुं (दूध)
धार्मिक वि० [सं.] धर्मने लगतुं (२) धर्मवान [धोबी
धावक पुं० [सं.] हलकारो; खेपियो (२)
धावा पुं० आक्रमण; हल्लो (२) दोट. **–बोलना**=हल्लो करवा कहेवुं. **–मारना** =दोडवुं; उतावळ करवी
धिंग(–गाई) स्त्री० धींगामस्ती
धिंगा पुं० जुओ 'धींग'
धिंगाई स्त्री० (प.) जुओ 'धिंग'
धिआन पुं०(प.) ध्यान. **–ना** स०क्रि० ध्यान करवुं
धिकना अ०क्रि० (प.) धीकवुं; तपवुं
धिक्कार पुं०[सं.] फिटकार; तिरस्कार
धिक्कारना स० क्रि० धिक्कारवुं; तुच्छकारवुं
धिय,–या स्त्री० कन्या; पुत्री
धिराना अ०क्रि० धीरज राखवी (२) धीरुं के धीमुं थवुं (३) स० क्रि० धमकाववुं; डराववुं
धींग पुं० लठ्ठ माणस (२) वि० धिंगुं; लठ्ठ (३) दुष्ट; पाजी
धींगड़ा(–रा) पुं० 'धींग' (२) बदमास; गुंडो; दुष्ट माणस
धींगा वि० जुओ 'धींग'
धींगाधींगी, धींगामुश्ती स्त्री० बदमासी (२) धींगामस्ती; तोफान
धींवर पुं० धीवर; ढीमर; माछी
धी स्त्री०[सं.] बुद्धि (२) जुओ 'धीदा'
धीजना स०क्रि०(प.) स्वीकारवुं; मानवुं (२) अ०क्रि० धीरज धरवी (३) संतोषावुं; राजी थवुं
धीदा,–य,–या स्त्री० कन्या; पुत्री
धीम(–व)र पुं० ढीमर; माछी
धीमा वि० धीमुं
धीय,–या स्त्री० जुओ 'धीदा'
धीर वि०[सं.]धैर्यवान (२)पुं०(प.)धैर्य
धीरज पुं० (प.) धैर्य; धीरज

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

धीरे क्रि०वि० धीरेथी; धीमेथी
धीवर पुं० [सं.] ढीमर; माछी
धुंआँ(–वाँ) पुं० जुओ 'धुआँ'
धुंगार स्त्री० वघार
धुंगारना स०क्रि० वघारवुं
धुंद(–ध) स्त्री० धूंध; दृष्टिनी झांख (२) धूळ ऊडीने थतो अंधकार
धुंधका पुं० धुमाडो नीकळवानुं बाकुं; धुमाडियुं
धुंधकार पुं० अंधकार (२) गडगडाट; गर्जना ['धुंधला' थवुं
धुँधरा(–ला)ना अ० क्रि० धूंधळावुं;
धुँधला वि० काळाश पडतुं (२) धूळना रंगनुं; धूंधळवुं (३) अस्पष्ट
धुँधली स्त्री० जुओ 'धुंध'
धुंवाँ पुं० जुओ 'धुआँ'
धुआँ पुं० धुमाडो. **धुएँका धौरहर**= जरामां नाश थनार वस्तु. **धुएँके बादल उड़ाना** = भारे गप हांकवी. **–निकालना या काढ़ना**=शेखी मारवी. **–सा मुँह होना**=मोढुं पडी जवुं; शरमावुं
धुआँकश पुं० आगवोट (२) धुमाडियुं
धुआँधार वि० धुमाडाथी भरपूर (२) काळुं (३) घोर [बगडवो
धुआँना अ०क्रि० धुमाडी पेसी स्वाद
धुआँरा पुं० 'धुआँकश'; धुमाडियुं
धुआँस स्त्री० मरचांनी धूणी करवी ते (२) जुओ 'धुवाँस' [पाछुं थवुं ते
धुकड़ पुकड़ पुं० गभराट के तेथी आघुं-
धुकधुकी स्त्री० हृदय के तेनी धडक (२) डर; काळजानो फफडाट (३) हैडियो
धुज पुं०; **–जा** स्त्री०(प.) ध्वज; धजा
धुतकार स्त्री० 'दुतकार'; धुत्कार
धुतकारना स०क्रि० जुओ 'दुतकारना'
धुन स्त्री० धून. **–का पक्का**=आरंभेलुं न छोडे एवो
धुनकना स०क्रि० जुओ 'धुनना'
धुनकी स्त्री० पींजण
धुनना स०क्रि० पींजवुं (२) मारवुं पीटवुं (३) वार वार कहेवुं (४) कोई काम कर्ये ज जवुं
धुनि स्त्री० (प.) ध्वनि; अवाज
धुनियाँ पुं० पींजनार; पींजारो
धुपेली स्त्री० 'अँभौरी'; अळाई
धुर पुं० धुरा (२) भार (३) धर; शरूआत (४) अ० बरोबर; बिलकुल. **–सिरसे**=तद्दन शरूथी; धरमूळथी
धुरवा पुं० मेघ; वादळ
धुरा पुं० धरी (स्त्री० **–री**)
धुरीण वि० धुरंधर; अग्रेसर
धुरें(–लें)डी स्त्री० धुळेटी
धुरेटना स०क्रि०(प.) धूळथी रगदोळवुं
धुर्रा पुं० रज; धूळ; कण. **धुर्रे उड़ाना** =धूळ काढवी; खूब मारवुं (२) छिन्न-भिन्न करवुं
धुलना अ०क्रि० धोवावुं
धुलवाना, धुलाना स०क्रि० धोवडाववुं
धुलाई स्त्री० धोवुं ते के तेनी मजूरी
धुलेंडी स्त्री० धुळेटी
धुवन पुं० [सं.] अग्नि
धुवाँ पुं० जुओ 'धुआँ'
धुवाँस स्त्री० अडदनो लोट
धुस्स पुं० माटीनो ढेर (२) नदीनो बंध
धुस्सा पुं० धूंसो; जाडो कामळो
धूँध स्त्री० जुओ 'धुंध'
धूआँ पुं० धुमाडो; 'धुआँ'
धूत त्रि० (प.) धूर्त; धुतारुं
धूतना स०क्रि० (प.) धूतवुं; ठगवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

घूघू अ०(रव.) देवता जोरथी बळवानो–धग धग अवाज
घूना पुं० लोबान के तेनुं झाड
घूनी स्त्री० साधुनी धूणी (२) धूप
घूप पुं० [सं.] धूप (२) स्त्री० ताप. **–चढ़ना** या **निकलना** = ताप थवो; दहाडो चडवो. **–दिखाना** = तडके नांखवुं. **–में बाल** या **चूँड़ा सफेद करना**=विना कांई कर्ये जीवन वीतवुं
घूपघड़ी स्त्री० छायायंत्र
घूपछाँह् स्त्री० धूपछाँव; तडकोछांयडो (२) एक जातनुं कपडुं
घूपदान पुं०,**–नी** स्त्री० धूपदानी;धूपियुं
घूपवत्ती स्त्री० धूपसळी; अगरवत्ती
घूम पु० धुमाडो [सं.] (२) स्त्री० धूम; धमाल
घूमकेतु पुं० [सं.] पूंछडियो तारो
घूम-धड़क्का पुं०, **घूमधाम** स्त्री० धांमधूम; ठाठमाठ [धूंधळुं
घूमल [सं.], **–ला** वि० जुओ 'धुँधला';
घूम्र पुं०[सं.] धुमाडो (२) धूप–लोबान (३) वि० धुमाडीना रंगनुं
घूर,–रि स्त्री० (प.) धूळ
घूरधान पुं० धूळनो ढग
घूरधानी स्त्री० धूळधाणी(२) 'धूरधान'
घूर्जटि पुं० [सं.] शंकर
घूर्त वि० [सं.] लुच्चुं; पाकुं (२) धुतारुं
घूल,–लि [सं.] स्त्री० धूळ. **०धानी** स्त्री० धूळधाणी; विनाश
घूवाँ पुं० 'धुवाँ' [तेमां रगदोळायेलुं
घूसर,–रा,–रित वि० धूळना रंगनुं के
घृति स्त्री०[सं.] धीरज; धैर्य(२)स्थिरता
घृष्ट वि० [सं.] उद्धत; उद्दंड
धेनु स्त्री० [सं.] गाय

धेला,–लचा पुं० अधेलो; अर्धो पैसो
धेली स्त्री० अधेली; आठ आनी
धैना स्त्री० टेव; आदत (२)कामधंधो
धैर्य पुं० [सं.] धीरज; दृढता
धोंधा पुं० [सं.] (माटीनो) लोंदो [दाळ
धोई स्त्री० छोडां विनानी अडद मगनी
धोकड़,–ड़ा वि० जाडुं धोकडुं
धोका(–खा) पुं० धोको; दगो (२) भ्रम; भूल. **–उठाना**=भ्रममां पडी हानि उठाववी. **–खाना**=ठगावुं (२) भ्रममां पडवुं. **–देना** = छळवुं (२) भ्रममां नांखवुं. **धोखेमें, धोखेसे** = भूलथी; अजाणमां
धोखेबाज़ वि० धूर्त; कपटी [क्रिया
धोती स्त्री० धोतियुं के साडी(२)धोतीनी
धोना स०क्रि० धोवुं. **धो बहाना**= धोई काढवुं; न रहेवा देवुं
धोब पुं० धो; धोवावुं ते
धोबिन स्त्री० धोबण. **धोबी** पुं० धोबी
धोरी पुं० बळद (२) मुख्य; धुरंधर
धोरे अ० (प.) पासे. **–धोरे**=आसपास
धोवन स्त्री०धोवण;धोतां नीकळेलुं पाणी
धौंक स्त्री० धमणनी फूंक (२) ताप; लू
धौंकना स०क्रि० फूंकवुं(धमणथी);धमवुं
धौंकनी स्त्री० फूंकणी के धमण
धौंताल वि० धूनवाळुं (२) चालाक(३) साहसिक (४) हृष्टपुष्ट; मजबूत
धौंस स्त्री० धमकी (२) धाक (३) 'धौका'; छळ. **०पट्टी** स्त्री० छळकपट
धौंसना स०क्रि० धमकाववुं (२)मारवुं (३) धाक देवी
धौंसा पुं० रामढोल (२) बळ; शक्ति
धौरा वि० धोळुं
धौराहर पुं० मिनारो; बुरज

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

धौल स्त्री० धोल (२) नुकसान

धौलधक्का, –क्कड़, धौल-धप्पड़ पुं० घोलधपाट; धोलधक्को; मारपीट

धौला वि० धोळुं (नाम, –लाई स्त्री०)

ध्यान पुं०[सं.] एकाग्र चिंतन;एकाग्रता

ध्याना स०क्रि०(प.) ध्यावुं; ध्यान करवुं

ध्यानी वि० [सं.] ध्यान करनारुं; ध्यानशील

ध्येय वि० [सं.]ध्यानने योग्य(२)पुं० लक्ष्य

ध्रुव वि०[सं.] स्थिर; अडग; निश्चित (२) पुं० ध्रुव तारो के पृथ्वीनी धरीनो ध्रुव

ध्वंस पुं०[सं.] नाश; बरबादी

ध्वज पुं०[सं.],**–जा** स्त्री० ध्वज; झंडो; धजा; निशान

ध्वन्य पुं० [सं.] व्यंग्यार्थ

न

नंग पुं० नग्नता (२) गुह्येंद्रिय (३) [फा.] प्रतिष्ठा (४) लज्जा; शरम

नंग-धड़ंग,–मुनंगा वि० साव नागुं

नंगा वि० नागुं [पण–तपास

नंगा-झोली स्त्री० पूरेपूरी–नागुं करीने

नंगा-बुंगा वि० साव नागुं

नंगा-बुच्चा, नंगा-बूचा वि०गरीब;निर्धन

नंगा-लुच्चा वि० नागुंटाट; बदमास

नँगियाना स०क्रि० नागुं नवस्त्रुं करवुं (२) साव लूंटी लेवुं

नंदन पुं०[सं.] पुत्र (२) वि० आनंददायक

नंदिनी स्त्री०[सं.] पुत्री (२) नणंद (३) पत्नी (४) कामधेनु

नंदी पुं० [सं.] शिवनो पोठियो

नंदेऊ, नंदोई पुं० नणदोई

नंदोला पुं०नानी 'नाँद'-कूंडी. जुओ 'नाँद'

नंबर पुं० [इं.] अंक; संख्या (२) लोखंडनो वार–गज

नंबरदार पुं० गामनुं महेसूल उघरावनार

नंबरी वि० नंबर लागेलुं (२) प्रसिद्ध. **–गज**=३६ इंचनो मापवानो गज. **–सेर**=बंगाळी पाको शेर

न अ० [सं.] ना; नहीं (२) प्रश्नार्थ वाक्यमां 'ने, ना' एवा अर्थमां. दा. त. तुम जाओगे न ?

नई वि० स्त्री० 'नया' नुं स्त्री०; नवी

नककटा, नकटा वि० (स्त्री० **–टी**) नकटुं; बेशरम

नकघिसनी स्त्री० नाकलीटी

नकचढ़ा वि० खराब मिजाजनुं; चीडियुं

नक़द पुं० [अ.] नगद धन (२) वि० नगद (३) अ० रोकडेथी; नगद आपीने

नक़द-दम अ० [अ.] एकलुं

नक़दी स्त्री० रोकडुं नाणुं (२) जेनुं महेसूल रोकडमां आपवानुं होय तेवी जमीन. 'जिनसी' थी ऊलटुं

नक़ब स्त्री० [अ.] चोरे भींतमां पाडेलुं खातर. **–देना, –लगाना**=खातर पाडवुं; (चोरनुं) कोचवुं

नक़ब-ज़न पुं० [फा.] खातर पाडनार- (नाम **–नी** स्त्री०)

नक-बेसर स्त्री० नकवेसर–नाकनी नथ

नकरा पुं० [अ. नक्र:](व्या.)सामान्य नाम

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

नक़ल स्त्री० [अ.] नकल (२) अनुकरण (३) चाळा पाडवा ते(४) हास्यरसनी आकृति के टुचको
नक़लची पुं० [फा.] बहुरूपियो
नक़लनवीस पुं० [फा.] नकलियो कारकुन
नक़ली वि० बनावटी; जूठुं
नक़श पुं० जुओ 'नक़्श'
नक़शा पुं० [अ.] जुओ 'नक़्शा'
नकसीर स्त्री० नसकोरी. **–भी न फूटना** =जराय तकलीफ के हानि न थवी
नक़ाब स्त्री० [अ.] मोढुं ढांकवा माथे ओढातुं (स्त्रीनुं) कपडुं (२) घूंघट
नकार पुं० नन्नो; इन्कार. **०ना** अ०क्रि० नकारवुं; ना पाडवी [–रची'
नक़ारा,–रची पुं० जुओ 'नक्क़ारा,
नक़ाश,–शी जुओ 'नक्क़ाश, –शी'
नक़ाशना स० क्रि० नकशी करवी
नकियाना अ०क्रि० नाकमां बोलवुं (२) नाकमां दम आववो (३) स० क्रि० नाकमां दम आणवो
नक़ीब पुं० [अ.] नकीब; छडीदार (२) भाट-चारण [कुलरहित
नकुल पुं० [सं.] नोळियो (२) वि०
नकेल स्त्री० ऊंटनी नाथ
नक्का पुं० (सोयनुं) नाकुं [नगारखानुं
नक्क़ारखाना पुं० [फा.] टकोरखानुं;
नक्क़ारची पुं० [फा.] नगारुं बजावनार
नक्क़ारा पुं० [फा.] नगारुं; नौबत
नक्क़ाल पुं० [अ.] नकल करनार (२) भांड
नक्क़ाश पुं० [अ.] नकशी करनार
नक्क़ाशी स्त्री० [अ.] नकशी
नक्कू वि० लांबा नाकवाळुं (२) सौथी ऊंधुं वर्तनार (३) पोताने मोटुं माननार
नक़्द पुं० [अ.] जुओ 'नक़द' –नगद
नक़्ल स्त्री० [अ.] जुओ 'नक़ल'
नक़्श वि० [अ.] चीतरेलुं, अंकायेलुं के लखायेलुं (२) पुं० चित्र (३) महोर; छाप (४) तावीज [(३) हाल; दशा
नक़्शा पुं० [अ.] नकशो (२) चित्र; आकृति
नक़्शी वि० नकशीदार
नक्षत्र पुं० [सं.] तारो; तारानुं नक्षत्र के अमुक मंडळ
नख पुं० [सं.] हाथपगना नख (२) स्त्री० [फा.] पतंगनो दोर
नखलिस्तान पुं० [फा.] जुओ 'नख़्लिस्तान'
नख़रा पुं० [फा.] नखरुं (२) चंचळता. **–रीला,–रेबाज़** वि० नखरांखोर
नख़वत स्त्री० [अ.] घमंड; शेखी
नख़ास पुं० [अ. नख़्ख़ास] गुलाम के पशुओनुं बजार
नखी पुं० [सं.] नखवाळुं हिंस्र प्राणी –वाघ चित्तो इ० [खारेकनुं झाड
नख़्ल पुं० [अ.] झाड (२) खजूर–
नख़्लिस्तान पुं० रणद्वीप (२) खजूरनुं वन के बगीचो [नग; पर्वत
नग पुं० [फा.] नंग; रत्न (२) [सं.]
नगण्य वि० [सं.] तुच्छ [स्त्री
नगनी स्त्री० नानी छोकरी (२) नागी
नगर पुं० [सं.] मोटुं गाम; शहेर
नगरी स्त्री० [सं.] नगर; शहेर (२) पुं० नगरवासी
नगाड़ा(–रा) पुं० नगारुं
नगी(–गीं) [फा.] पुं० नंग; रत्न; नगीनो
नगीच अ० नजदीक; नजीक
नगीना पुं० [अ.] नगीनो; रत्न (२) वि० ठीक जडेलुं [गायन
नग़मा पुं० [अ.] मधुर स्वर (२) राग;
नग्न वि० [सं.] नागुं; उघाडुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

नचना अ०क्रि० (प.) नाचवुं (२)वि० नाचण; नाचनारुं

नचनि(-वै)या पुं० नाचनार; नृत्यकार

नचाना स०क्रि० नचववुं (२) ऊंचुंनीचुं करवुं; पजववुं

नज़दीक वि०[फा.]नजदीक;नजीक;पासे

नज़दीकी वि० [फा.] नजीकनुं (२) स्त्री० समीपता

नज़म स्त्री० [अ. नज़्म] कविता

नज़र स्त्री० [अ.] नजर; दृष्टि (२) खराब नजर (३) भेट; नजराणुं. **-आना**=देखावुं. **-उतारना**=नजर उतारवी.**-पर चढ़ना**=नजरमां आववुं, पसंद के ठीक लागवुं. **-पड़ना**= नजरे पडवुं. **-लगना**=नजर लागवी

नज़र-अंदाज़ वि० [फा.] ध्यान के नजरमां नहि आवेलुं; उपेक्षित

नज़रबंद वि० नजरकैदमां राखेलुं (२) पुं० नजरबंधीनो खेल

नज़रबंदी स्त्री० नजरकेद(२)नजरबंधी

नज़र-बाग़ पुं० [अ.] मोटा मकान के महेलनी आसपास ने सामे रखातो - घर जोडेनो बाग [तपासी जवुं ते

नज़र-सानी स्त्री० [अ.] फरीथी जोई के

नज़र-हाया वि० नजर लगाडनार

नज़राना अ०क्रि० नजर लागवी (२) स०क्रि० नजर लगाडवी (३) [अ.] नजराणुं; भेट

नज़ला पुं० [अ.]नजलो-एक रोग;शरदी

नज़ाकत स्त्री० [फा.] नाजुकता

नजात स्त्री० [अ.] मुक्ति; छुटकारो

नज़ामत स्त्री० [अ.] जुओ 'निज़ामत'

नज़ारत स्त्री० [अ.] नाजरपणुं

नज़ारा पुं० [अ.] दृश्य (२) नजर

नजासत स्त्री० [अ.] मेल; गंदकी (२) अपवित्रता

नजिकाना अ०क्रि०(प.) नजीक पहोंचवुं

नजिस वि०[अ.]मेलुं(२) अशुद्ध; अपवित्र

नजीक अ० (प.) नजीक; पासे

नज़ीर स्त्री०[अ.] उदाहरण; दृष्टांत

नजूम पुं० [अ.] 'नुजूम'; जोश; ज्योतिष विद्या (२) 'नज्म'नुं व० व०

नजूमी पुं० [फा.] जोषी; 'नुजूमी'

नज़ूल पुं० [अ.] सरकारी जमीन (२) 'नज़ला' रोग

नज्जार पुं० [अ.] सुतार

नज्म स्त्री० [अ.] तारो [जुओ 'नज़म'

नज़्म स्त्री०[अ.] प्रबंध; बंदोबस्त (२)

नट पुं० [सं.] नाचनार के नाटक करनार (२) अेक राग

नटखट वि० चंचळ; उधमातियुं (२) नटखट; धूर्त; पाकुं [नटनी स्त्री

नटनी, नटिन(-नी), नटी स्त्री० नटी के

नत वि० [सं.] नमेलुं(२)(प.) जुओ 'नतु'

नतर(-रु), नतु अ० नहितर; नहि तो

नतिनी स्त्री० 'नातिन';दीकरीनी दीकरी

नतीजा पुं० [अ.] नतीजो; फळ;परिणाम

नतु अ०(प.) नहीं तो; नीकर

नतैत पुं० नातीलो; सगो

नत्थी स्त्री० पिन के दोराथी जोडेला कागळो (२) एकसाथे नाथेलुं के जोडेलुं ते

नथ,०नी स्त्री० नाकनी नथ

नथना पुं० नसकोरुं; नाकनो आगलो भाग (२) अ०क्रि० नथावुं (३) एक साथे जोडावुं के बंधावुं

नद पुं०[सं.] मोटी नदी

नदामत स्त्री०[अ.] शरम(२)पश्चात्ताप

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

नदारद स्त्री०[फा.] गेब; अलोप
नदी स्त्री०[सं.] नदी. **–नाव संयोग** = नसीब जोगे मळी जवुं ते [लोभी
नदीदा वि०[फा. नादीद:]नहि देखेलु (२)
नधना अ०क्रि० जोडावुं (बळद, घोडानुं)
ननँद,ननद स्त्री० नणद (पुं० **ननदोई**= नणदोई) [घर
ननसार स्त्री०, **ननिहाल** पुं० नानानुं
नन्हा वि०नानुं, **–सा** = नानुंशीक
नन्हाई स्त्री० (प.) नानपण (२) नानम
नपाई स्त्री० मापवानुं काम के तेनुं महेनताणुं
नपुंसक पुं० [सं.] बायलो; हीजडो
नफ़ख़ पुं० [अ.] आफरो
नफ़र पुं०[अ.]एक जण; व्यक्ति(२)नोकर
नफ़रत स्त्री० [अ.] घृणा. **–आमेज** वि० [अ.+फा.] घृणाजनक
नफ़री स्त्री०[फा.]एक दिवसनी मजूरी (२) शाप; बददुवा
नफ़सानफ़सी स्त्री०जुओ 'नफ़्सानफ़्सी'
नफ़ा पुं० नफो; फायदो. **–उठाना, –करना** = नफो मेळववो के थवो
नफ़ाक़ पुं० जुओ 'निफ़ाक़'
नफ़ासत स्त्री० [अ.] उत्तमता; 'नफ़ीस' होवुं ते
नफ़ी स्त्री० [अ.] अभाव; न होवुं ते (२) दूर करवुं ते (३) नकार; इन्कार
नफ़ीर वि० [अ.] नफरत–घृणा करनार (२) स्त्री० फरियाद; पोकार
नफ़ीरी स्त्री० [अ.] एक वाद्य; नफेरी
नफ़ीस वि० [अ.] उमदा (२) सुंदर (३) स्वच्छ
नफ़्स पुं० [अ.] प्राण; आत्मा (२) सत्त्व; तत्त्व (३) कामवासना (४) नफस; दम.
०कुश वि० संयमी; वासनात्यागी.
०परस्त वि० विषयी; भोगी
नफ़्सानफ़्सी स्त्री० स्वार्थ; पोतपोतानी चिंता; 'आपाधापी'
नफ़्सानियत स्त्री० [फा.] स्वार्थीपणुं (२) इंद्रियाराम; कामुकता
नफ़्सी वि० पोतानुं; वैयक्तिक
नबात स्त्री० [अ.] शाकभाजी
नबातात स्त्री० [अ.] 'नबात' नुं ब०व० लीलोतरी; शाकभाजी
नबी पुं० [अ.] ईश्वरनो दूत; पेगंबर
नबेड़ना स०क्रि० निवेडो आणवो
नबेड़ा(–रा) पुं० निवेडो; फेंसलो
नब्ज़ स्त्री० [अ.] नब्झ; नाडी. **–छूटना, –न रहना** = नाडी बंध थवी; मरी जवुं
नब्बाज़ पुं० [अ.] नाडी जोनार; वैद, हकीम
नब्बे वि० नेवुं; ९० संख्या
नभ पुं०[सं.] नभ; आकाश (२) वादळ (३) वर्षा (४) पाणी
नम वि०[फा.] (नाम, **–मी** स्त्री०) भीनुं
नमक पुं० [फा.] निमक; लूण. **–अदा करना** = उपकारनो बदलो चूकववो. **–फूटकर निकलना** = निमकहरामीनी शिक्षा मळवी. **–मिर्च मिलाना या लगाना** = मीठुं मरचुं भभराववुं
नमकख़्वार वि० [फा.] लूण खानार
नमकहराम वि० [फा.] बेवफा; निमकहराम; कृतघ्न [निमकहलाल
नमकहलाल वि०[फा.] वफादार; कृतज्ञ;
नमकसार पुं० [फा.] ज्यां मीठुं बने के नीकळे ते जगा
नमकीन वि० [फा.] मीठावाळुं के खारुं (२) सुंदर (३) पुं० मीठावाळी वानी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

नमदा पुं० [फा.] नमदो; दबावीने करेलुं जाडुं गरम कपडुं

नमन पुं० [सं.] नमवुं ते; नमस्कार

नमना अ०क्रि० (प.) नमवुं

नमस्कार पुं० [सं.] नमन; प्रणाम

नमस्ते = तमने नमुं छुं – प्रणाम

नमाज़ पुं० [फा.] नमाज. (श. प्र. **–अदा करना, –गुज़ारना, –पढ़ना**) **–कज़ा होना** = वखत परनी नमाज न पडवी

नमाज़ी पुं० [फा.] नियमथी नमाज पढनार (२) धार्मिक माणस (३) मुसल्लो

नमाज़े जनाज़ा, नमाज़े मैयत स्त्री० [फा.] मरण वखते शब आगळ पढाती नमाज [तावे करवुं

नमाना स०क्रि० (प.) नमाववुं (२)

नमिश (–स) स्त्री० [फा. नमिश्क] दूधमांथी तैयार कराती एक वानी

नमी स्त्री० [फा.] भीनाश

नमूद स्त्री० [फा.] प्रगट थवुं ते (२) निशान; चिह्न [उदय थयेलुं

नमूदार वि० [फा.] प्रगट; जाहेर (२)

नमूना पुं० [फा.] नमूनो

नम्र वि० [सं.] नमेलुं (२) नम्र; विनयी

नय पुं० [सं.] नीति; न्याय (२) नम्रता (३) स्त्री० (प.) नदी

नयन पुं० [सं.] नेत्र; आंख. **०पट** पुं० आंखनी पलक; पलकारो

नयना, –नी स्त्री० आंखनी कीकी

नयनू पुं० नवनीत; माखण (२) एक जातनुं मलमल कपडुं

नया वि० नवुं; नवीन

नयाबत स्त्री० [अ.] नायबपणुं; मददनीश के मुनीम होवुं ते

नयाम पुं० [फा.] तलवारनुं म्यान

नर पुं० [सं.] पुरुष (२) वि० नरजातिनुं

नरक पुं० [सं.] नरक; दोजख (२) गंदी जगा

नरकट पुं० सरकट के बरु [गुलछडी ?

नरगिस स्त्री०; पुं० [फा.] एक फूलझाड;

नरद स्त्री० [फा. नर्द] सोगटुं के महोरुं

नरदवाँ, नरदा पुं० मेला पाणीनी मोरी

नरम वि० नरम; ढीलुं (२) आळसु (३) कोमळ; मुलायम. (**–माई, –मी** स्त्री०)

नरमा पुं० नरमो कपास; देवकपास

नरमाना स०क्रि० नरम करवुं (२) शांत के धीमुं करवुं (३) अ०क्रि० नरम के शांत या धीमुं थवुं

नरमी स्त्री० जुओ 'नर्मी'

नरसिंगा, –घा पुं० ततूडा जेवुं वाजुं

नरसों अ० जुओ 'अतरसों'

नरिया पुं० नळियुं

नरी स्त्री० वणाटना कांठलानी कोकडी (२) [फा.] बकरीनुं नरम चामडुं

नरेली स्त्री० नारियेळनी काछली

नर्त्तक पुं० [सं.] नट; नाचनार (२) चारण; बंदीजन. **–की** स्त्री०

नर्द स्त्री० [फा.] जुओ 'नरद'

नर्म वि० [फा.] जुओ 'नरम' (२) [सं.] पुं० नर्म; विनोद; हास्य

नर्मी स्त्री० [फा.] नरमाश

नर्स स्त्री० [इं.] धाव (२) रोगीनी बरदास करनार [नळराजा

नल पुं० [सं.] पाणी इ० नो नळ (२)

नला पुं० पेढुमांनी पेशाबनी नळी (२) हाथ के पगनुं लांबुं हाडकुं (नळो)

नलिन पुं० [सं.] कमळ (२) जळ

नलिनी स्त्री० [सं.] कमलिनी; कमळनुं सरोवर (२) नदी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

नली स्त्री० नळी; भूंगळी
नलुआ पुं० नानो नळ
नवंबर पुं० नवेम्बर मास
नव वि०[सं.] नव; ९ संख्या (२) नवुं
नवनीत पुं० [सं.] माखण
नवमी स्त्री०[सं.] नोम
नवरात्र पुं० [सं.] नोरतां
नवल वि०[सं.] नवुं (२) सुंदर (३) स्वच्छ
नवसप्त पुं०[सं.] (९+७) सोळ शणगार
नवाई वि०(प.) नवीन (२) स्त्री० विनय; नम्रता
नवाज़ वि०[फा.] कृपा करनार, दयाळु (समासमां). ०ना स०क्रि० दया करवी
नवाज़िश स्त्री०[फा.] नवाजिश; कृपा; बक्षिस
नवाना स०क्रि० नमाववुं (२) नम्र करवुं
नवान्न पुं० [सं.] नवुं अनाज के ते वापरवाना प्रारंभनो उत्सव
नवाब पुं०[अ.] मुसलमान राजा के तेनो सूबो (२) अमीर (३) एक इलकाब
नवाला पुं०[अ.] नवालो; कोळियो
नवासा पुं०[फा.] (स्त्री०—सी) दौहित्र
नवासी वि० ८९; नव्यासी
नवाह पुं०[सं.] नव दिननी के कोई सप्ताह (२) [अ.] आसपासनो प्रदेश
नविश्त स्त्री०[फा.] कागळ; लेख (२) दस्तावेज
नविश्ता वि० [फा.] लिखित (२) पुं० विधि; भाग्य
नवीन वि० [सं.] नवुं (२) विचित्र (३) मौलिक
नवीस पुं०[फा.] लखनार; लेखक. —सी स्त्री० 'नवीस' नुं काम
नवेला वि०(स्त्री०—ली) नौजवान (२) नवुं
नवोढ़ा स्त्री०[सं.] नववधू; युवती

नशा पुं० [अ. नश्शः] नशो के तेनी चीज. —किरकिरा हो जाना=नशानी मजा वच्चे बगडवी. (आँखोंमें) नशा छाना = नशो चडवो
नशा-ख़ोर, नशा(—शे)बाज़ वि० [फा.] नशो करवानी टेववाळु
नशापानी पुं० नशो ने तेनी सामग्री
नशीन वि० [फा.] बेसनार (समासमां उदा. तख़्तनशीन). —नी स्त्री०
नशीला वि० मादक (२) केफ चडेलुं
नशेब पुं० [फा. निशेब] नीचाण (२) नीची जगा के जमीन
नशोनुमा पुं० [अ.] 'नश्व'; चडती
नश्तर पुं०[फा.] नस्तर. —देना, —लगाना = नस्तर मूकवुं; वाढकाप करवो
नश्व पुं० [अ.] उन्नति; चडती; वृद्धि
नश्वर वि० [सं.] नाशवंत
नष्ट वि० [सं.] नाश पामेलुं (२) दुष्ट; अधम [खानाखराब थयेलुं
नष्टभ्रष्ट वि० [सं.] खतम; बरबाद;
नस स्त्री० नस; रग; रेसो
नसतालीक़ पुं० जुओ 'नस्तालीक़'
नसना अ०क्रि० नासवुं (२) नाश पामवुं
नसब पुं० [अ.] कुळ; खानदान (पितृपक्षनुं) (२) वंशावळी
नसर स्त्री० जुओ 'नस्र'
नसल स्त्री० जुओ 'नस्ल'
नसवार स्त्री० छींकणी
नसाना, नसावना अ०क्रि० नाश पामवुं
नसी(—से)नी स्त्री० 'निसेनी'; निसरणी
नसीब पुं० [अ.] दैव; भाग्य. ०जला वि० फूटेला नसीबवाळुं
नसीबवर वि० [अ.] नसीबदार [हवा
नसीम स्त्री० [अ.] ठंडी धीमी मजेदार

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

नसीहत स्त्री० [अ.] नसियत; शिखामण; सारी सलाह

नसेनी स्त्री० जुओ 'नसीनी' [व्यवस्था

नस़्क़ पुं० [अ.] दस्तूर; धारो (२)

नस्ख़ पुं० [अ.] नकल (२) अरबी लिपिनो एक मरोड

नस्ता स्त्री०[सं.] पशुना नाकनो वेध जेनाथी ते नथाय छे

नस्तालीक़ पुं०[अ.] उर्दू फ़ारसी लिपिनो (हाथे लखातो) एक सुंदर मरोड

नस्ति(-स्तो)त पुं० [सं.] नाथवाळुं-नाथेलुं पशु [(झंडो, तंबु इ०) ते

नस्ब पुं० [अ.] रोपवुं; खडुं करवुं

नस्य पुं०[सं.] छींकणी (२) पशुनी नाथ

नस्योत पुं० [सं.] जुओ 'नस्तित'

नस्र स्त्री० [अ.] गद्य लखाण

नस्ल स्त्री०[अ.] नसल; वंश; जाति (२) संतति; ओलाद

नस्सार पुं० [अ.] 'नस्र'–गद्य लेखक

नहँ, –ह पुं० नख

नहछू पुं० विवाहनो एक विधि

नहर स्त्री०[फा.] नहेर

नहरनी स्त्री० [सं. नखहरणी] नराणी

नहरी वि०[फा.] नहेरनी (जमीन)

नहरुआ पुं० नारुं के वाळानो रोग

नहला पुं० पत्तांमां नव्वो के नेलो

नहलाना स०क्रि० नवडाववुं

नहस वि०[अ.] अशुभ; अपशुकनियाळ (२) पुं० अपशुकन

नहान पुं० स्नान के तेनुं पर्व

नहाना अ०क्रि० नाहवुं

नहार पुं० [अ.] दिवस (२) वि० निराहार; नयणा कोठावाळुं. **–तोड़ना** =नास्तो करवो

नहारी स्त्री० [फा.] नास्तो

नहीं अ० ना; नहि. ०**तो** अ० एम न होय के थाय तो; नहि तो; नीकर

नहीफ़ वि०[अ.]सुकलकडी; दूबळुं-पातळुं

नहूसत स्त्री० [अ.] उदासीनता (२) अशुभता

नाँऊँ पुं० नाम. ०**गाँऊँ** पुं० नामठाम

नाँगा वि० नागुं (२) पुं० नागडो बावो

नाँधना स०क्रि० लंघवुं; ओळंगवुं

नाँठना अ०क्रि० नाश पामवुं [निराय छे

नाँद स्त्री० माटीनुं मोटुं कूंडुं जेमां पशुने

नाँवँ पुं० नाम

ना अ० ना; नहीं (२) (फा.) 'अ' पेठे नकार सूचवतो उपसर्ग. जेम के नाउम्मेद इ०

नाइत्तिफ़ाक़ी स्त्री०[फा.]विरोध;मतभेद

नाइन स्त्री० नाईनी स्त्री; वाळंदण

नाईं स्त्री० समानता (२) अ० बरोबर

नाई, –ऊ पुं० नाई; हजाम

नाउम्मेद वि० [फा.] नाउमेद; निराश. **–दी** स्त्री० निराशा [घोडो इ०)

नाकंद वि० नहि पलोटेलो (बेल,

नाक स्त्री० नाक (२) वि० [फा.] पूर्ण अर्थमां समासने अंते. उदा० दर्द-नाक (३) [सं.] पुं० नाक; स्वर्ग. **–का बाल**=नजीकनो मित्र के सलाहकार. **–रगड़ना**=खूब दीन बनी आजीजी करवी. **–सिनकना** = नाक नसीकवुं. **–सिकोड़ना** = नाक मरडवुं. **नाकों आना**=खूब हेरान थवुं. **नाकों चने चबवाना** = खूब पजववुं

नाकड़ा पुं० नाकनो एक रोग

नाक़दर, नाक़द्र वि०[फा.] कदर वगरनुं; अगुणज्ञ (नाम **–री, –द्री** स्त्री०)

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

नाका पुं० नाकुं; दरवाजो; चोकी (२) सोयतुं नाकुं. **–छेकना, –बाँधना**= नाकुं रोकवुं

नाका(-के)बंदी स्त्री० [फा.] नाकुं रोकवुं ते;पहेरो(२)पुं०नाकेदार सिपाई

ना-क़ाबिल वि०[फा.]अयोग्य; नालायक

ना-काम वि० [फा.] नकामुं; खराब

ना-क़ामयाब वि० [फा.] अफळ; व्यर्थ

नाकारा वि० [फा.] नकामुं (२) अयोग्य

नाक़िस वि० [अ.] अधूरुं (२) खराब

नाकिह् पुं०[अ.] नेका–विवाह कराव नार–काजी

नाक़ूस पुं० [अ.] शंख

नाकेबंदी स्त्री० जुओ 'नाकाबंदी'

ना-ख़लफ़ वि० [फा.] खराब; नालायक (पुत्र; कपूत)

नाख़ुदा पुं० [फा.] नाखुदो; नाविक

नाख़ु(-ख़ू)न पुं० [फा.] नाखुन; नख (२) खरी

नाख़ुना पुं० [फा.] आंखनो एक रोग (धोळा डोळामां लाल थाय छे)

नाख़ुश वि० [फा.] नाराज; अप्रसन्न. **–शी** स्त्री०

नाग पुं० [सं.] नाग; साप (२) हाथी. **–खेलना**=जीवना जोखमवाळुं काम करवुं

नागफनी स्त्री० फाफडा घाटनो थूवर

नागफेन पुं० [सं.] अफीण

नागबेल स्त्री० नागरवेल

नागर वि० [सं.] नगरनुं; शहेरी (२) चतुर; कावेल (३) पुं० नागरिक

नागरबेल स्त्री० नागरवेल

नागरमोथा पुं० नागरमोथ घास

नागरिक वि० [सं.] नगरनुं; शहेरी (२) पुं० नगरवासी [शहेरी स्त्री

नागरी स्त्री० [सं.] देवनागरी लिपि (२)

नागवल्ली, –ल्लरी स्त्री० [सं.]नागरवेल

ना-गवार (-रा) वि० [फा.] असह्य(२) अप्रिय (३) पचवामां भारे

नागहाँ अ० [फा.] अचानक

नागहानी वि० [फा.] आकस्मिक (२) स्त्री० अचानक होवुं ते

नाग़ा पुं०[अ.]वच्चे गेरहाजरी; नियमित कार्यमां भंग; खाली गाळो

नागा पुं० नागो बावो

नागाह अ० [फा.] अचानक [नागण

नागिन स्त्री०नागण(२)पीठ पर वाळनी

नाच पुं० नृत्य (२) खेल; क्रीडा. **०कूद** स्त्री० खेलकूद; नाच तमासो

नाचना अ० क्रि० नाचवुं

नाचाक़ वि० [फा.] नबळुं; ढीलुं; बीमार

नाचाक़ी स्त्री० [फा.] बीमारी (२) अणबनाव; वैमनस्य [लाचार; विवश

नाचार वि० [फा.] (नाम, **–री** स्त्री०)

नाचीज़ वि० [फा.] तुच्छ; हीन

नाज पुं० अनाज (२) खावानुं

नाज़ पुं० [फा.] नखरां; हावभाव (२) नाज; लाड (३) गर्व [सुंदर स्त्री

नाज़नीं(-नीन) स्त्री० [फा.] नाजनीन;

नाज़रीन पुं० जुओ 'नाज़िरीन'

नाज़ाँ वि० [फा.] 'नाज़'–गर्ववाळुं

ना-जायज़ वि० [अ.+फा.] अनुचित

नाज़िम वि० [अ.] प्रबंध करनार (२) पुं० राजव्यवस्थापक (मुसलमान काळमां)

नाज़िर पुं० [अ.] कोर्टनो नाजर (२) निरीक्षक (३) भडवो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

नाज़िरीन पुं० [अ. 'नाज़िर' नुं ब०व०] प्रेक्षकगण (२) भणनार [अवतरनारुं
नाज़िल वि० [फा.] नीचे ऊतरनारुं-
नाज़ुक वि० [फा.] नाजुक; कोमळ (२) पातळुं; बारीक (३) सूक्ष्म (४) झट कथळे के तूटे एवुं (५) जोखमवाळुं; **०दिमाग़, ०मिज़ाज** वि० जरामां चिडाई जाय एवुं
ना-ज़ेब (-बा) वि० [फा.] बेडोळ (२) अयोग्य
नाटक पुं० [सं.] नाटक; रूपक. **-किया, -की** पुं० नट; नाटक करनार. **-कीय** वि० नाटक संबंधी
नाटना अ०क्रि० प्रतिज्ञाभंग थवुं; फरी जवुं (२) स०क्रि० ना पाडवी; कबूल ना करवुं
नाटा वि० नीचुं; गट्टुं [अभिनय
नाट्य पुं० [सं] नटविद्या; नृत्य अने
नाठना अ० क्रि० नासवुं (२) जुओ 'नाँठना' (३) स०क्रि० नाश करवो
नाठा पुं० वारस वगरनो माणस
नाड़ स्त्री० गरदन; नाड
नाड़ा पुं० नाडुं (घाघरा इ०नुं के लाल)
नाड़ी स्त्री० [सं.] शरीरनी नाडी (२) नळी
नात पुं० (प.) नातो; संबंध (२) संबंधी
ना-तजरबाकार वि० [फा.] बिनअनुभवी
नातमाम वि० [अ.+.फा] अधूरुं, अपूर्ण
नातर (-रि,-रु) अ० (प.) नहींतर; नहीं तो; 'नतर' [गमार
नातराश वि० [फा.] असभ्य; अनघड;
नातवाँ वि० [फा.] कमजोर; अशक्त; नातवान. **-वानी** स्त्री० अशक्ति; कमजोरी
नाता पुं० नातो; संबंध के सगाई
नाताक़त वि० [फा.] नातवान; ताकात वगरनुं. **-ती** स्त्री० कमजोरी

नातिक़ा पुं० [अ.] वाचा
नाती पुं० (स्त्री० **नतिनी, नातिन**) पुत्रनो के पुत्रीनो पुत्र
नाते अ० संबंधथी (२) माटे; वास्ते
नातेदार वि० सगुं; संबंधी
नाथ पुं० [सं.] स्वामी; धणी; मालिक (२) स्त्री० ढोरनी नाथ
नाथना स० क्रि० नाथवुं
नाद पुं० [सं.] ध्वनि; अवाज
नादाँ,-दान वि० [फा.] नादान; अणसमजु. **-दानी** स्त्री० अणसमज
नादार वि० [फा.] गरीब; अकिंचन. **-री** स्त्री० गरीबाई
नादिम वि० [अ.] शरमिंदुं; लज्जित
नादिया पुं० नंदी; पोठियो [उत्तम
नादिर वि० [फा.] अद्‌भुत; अद्वितीय;
नादिहंद वि० [फा.] (नाम, **-दी** स्त्री०) लेणुं न देनार-न चूकवनार [स्वस्थ
ना-दुरुस्त वि० [फा.] ठीक नहि एवुं; अ-
नाधना स० क्रि० (बेल, घोडो) जोडवुं; जोतरवुं (२) शरू करवुं
नान स्त्री० [फा.] नान; रोटी
नानकीन पुं० एक जातनुं सुतराउ कापड
नान-ख़ताई स्त्री० [फा.] नानखटाई
नानपाव स्त्री० पांउरोटी
नानबाई पुं० [फा. नानबा] नान-रोटी बनावी वेचनार
नाना पुं० नानो; मातामह (२) [अ.] फुदीनो (३) अ० [सं.] नाना प्रकारनुं (४) अनेक
नानिहाल पुं० नाना, नानीनुं घर के स्थान
नानी स्त्री० नानी; मातानी मा-दादी. **-याद आना, -मर जाना**=मोतिया मरी जवा; दुःखमां के संकटमां फसावुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ना-नुकर पुं० इन्कार; ना पाडवी ते

नान्ह, -न्हा त्रि० (प.) नानुं; छोटुं (२) बारीक; पातळुं (३) क्षुद्र; हलकुं

नाप पुं० माप (२) मापवुं ते के तेनुं परिमाण

नाप-जोख, नाप-तौल स्त्री० मापवुं के जोखवुं ते के तेनुं परिमाण

नापना स० क्रि० मापवुं

नापसंद वि० [फा.] अप्रिय; अणगमतुं

नापाक वि० [फा.] अपवित्र; गंदुं; मेलुं. **-की** स्त्री० अपवित्रता

ना-पायदार वि० [फा.] पाया वगरनुं; अध्धर; अस्थिर. **-री** स्त्री०

नापास वि० नापास; असफळ (२) अमान्य

नापित पुं० [सं.] नापिक; वाळंद

नापैद वि० [फा.] पेदा न थयेलुं (२) अलभ्य

नाफ़ स्त्री० [फा.] नाभि

नाफ़रमाँ पुं० [फा.] नाफरमान; आज्ञा न माननार. **-मानी** स्त्री० न मानवुं ते

नाफ़हम वि० [फा.] नासमजु; मूरख. **-मी** स्त्री० नासमज; मूर्खता

नाफ़ा पुं० [फा.] कस्तूरी मृगनी नाभिनी कस्तूरीनी थेली (२) वि० [अ.] नफाकारक; लाभदायी

नाबदान पुं०[फा.] मोरी; गटर

नाबालिग़ वि० [अ.+फा.] सगीर; 'कमसिन'

ना-बीना वि०[फा.] अंध

ना-बूद वि० [फा.] नष्ट; नाबूद

नाभि,-भी स्त्री० [सं.] दूंटी (२) पैडानी नाभि (३) कस्तूरी

ना-मंज़ूर वि० [फा.] नाकबूल; अस्वीकृत

नाम पुं०[सं.] नाम (२) [फा.] नामना; कीर्ति. **०क** वि० नामे (समासमां)

नाम-आवर वि०[फा.] नामवर; प्रसिद्ध

नामए-ऐमाल पुं० [फा.+अ.] 'ऐमाल-नामा'; कारकिर्दी

नामक वि० [सं.] जुओ 'नाम' मां

नाम-ज़द वि० [फा.] प्रसिद्ध (२) नाम जेनुं दाखल करायुं के देवायुं होय एवुं. (नाम **०गी** स्त्री०)

नामदार वि० [फा.] 'नामवर'; प्रसिद्ध

नामधराई स्त्री० बदनामी

नामधारी वि० [सं.] नामे; नामक

नामधेय पुं० [सं.] नाम

नामनिशान पुं० [फा.] चिह्न; पत्तो; ठेकाणुं [जगत

नामरूप पुं० [सं.] नाम अने रूप; दृश्य

नामर्द वि० [फा.] डरपोक; बायलुं. (नाम. **-र्दी** स्त्री०) [लेनार

नामलेवा पुं० वारस; मरण पछी नाम

नामवर वि० [फा.] प्रसिद्ध; नामी (नाम. **-री** स्त्री०)

नामशेष वि० [सं.] गत; नष्ट; मृत

नामहदूद वि० [फा.] बेहद

नामांक,-कित वि० [सं.] जेनी पर नाम लखायेलुं के कोतरायेलुं होय तेवुं

नामा पुं० [फा.] पत्र (२) ग्रंथ

ना-माक़ूल वि० [फा.+अ.] अयोग्य

नामा-निगार वि० [फा.] खबरपत्री

ना-मालूम वि० [फा.] अज्ञात; अजाण; मालूम न होय एवुं

नामी वि० [फा.] नामीचुं; प्रसिद्ध;

नामी-गिरामी वि० [फा.] घणुं प्रसिद्ध; नामांकित

ना-मुनासिब वि०[फा.] अयोग्य; अघटित

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ना-मुआफ़िक़ वि० [फा.] माफक ना आवे एवुं; प्रतिकूळ
नामुमकिन वि० [फा.] असंभव
ना-मुराद वि० [फा.] निराश; निष्फळ
नामूस स्त्री० [फा.] इज्जत (२) शील; स्त्रीनुं शियळ (३) लज्जा
नामूसी स्त्री० [फा.] नामोशी; बेआबरू
ना-मेहरबान वि०[फा.] अकृपाळु; महेर वगरनुं
नामो-निशान पुं० [फा.] नामनिशान
नामौज़ूं वि० [फा.] अयोग्य; गेरवाजवी
नायक पुं०[सं.]नेता; आगेवान; सरदार (२) अधिपति; मुख्य (३) कथा, काव्य वगेरेनुं मुख्य पात्र [नायिका
नायका स्त्री० वेश्यानी मा; कूटणी (२)
नायन स्त्री०नाई स्त्री; वाळंदण; 'नाइन'
नायब पुं० (२) वि० [अ.] मददनीश; सहायक (नाम, ०त, –बी स्त्री०)
नायाब वि० [फा.]अप्राप्य;दुर्लभ(२)श्रेष्ठ
नायिका स्त्री० [सं.] मुख्य स्त्री-पात्र (२) युवती [नारंगी रंगनुं
नारंगी स्त्री० नारंगी फळ (२) वि०
नारंजी वि० [फा.] नारंगी रंगनुं
नार स्त्री० गरदन (२) नारी (३) वणकरनो कांठलो (४) पुं० नाळुं (५) नाडुं (६) [अ.] अग्नि
नारा पुं० नाडुं (२) [अ.] घोष; पोकार (३) विजयघोष
नाराज़ वि०[फा.] गुस्से थयेलुं; कफा(२) नाखुश (नाम ०गी स्त्री०) [हुक्को
नारियल पुं०नारियेळ के काछलीनो
नारियली स्त्री० काछली के तेनो हुक्को
नारी वि० [अ.] 'नार'–अग्नि संबंधी (२) स्त्री० [सं.] नारी; स्त्री

नारू पुं० 'नहरुआ'; नारुं
नाल स्त्री० [सं.] नाळ; दांडी के नळी; बंदूकनी नाळ इ० (२) पुं० बाळकनो नाळ (३) [अ.] घोडानो नाळ (४) अ० (प.) नजीक; पासे
नालकी स्त्री० पालखी [जडनार
नालबंद पुं०[फा.] जोडा के घोडाने नाळ
नालाँ वि० [फा.] रोनार; रोईने फरियाद करतुं (२) हेरान; 'तंग'
नाला पुं० पाणीनुं नाळुं (२) [फा.] रोककळ (३) शोर; बुमराण [अधम
नालायक़ वि० [फा.] अयोग्य (२) नीच;
नालिश स्त्री० [फा.] फरियाद
नाली स्त्री० नीक (२) मोरी
नावँ पुं० नाम
नाव स्त्री० होडी; नाव
नावक पुं० (प.) नाविक (२) [फा.] एक खास तीर
ना-वक़्त वि० [फा.] कसमयनुं
नावर,-रि स्त्री० (प.) नावडी; होडी
नावाक़िफ़ वि० [फा.] अजाण; (नाम, नावाक़फ़ियत स्त्री०)
ना-वाजिब वि०[फा.] गेरवाजबी; अयोग्य
नाश स्त्री० [अ. नअश] लाश; शब (२) ठाठडी
नाश पुं०[सं.] नाश; संहार. ०क, ०कारी वि० नाश करे एवुं
नाशपाती स्त्री० [तु.] नासपाती
नाशाद वि०[फा.] दुःखी; नाराज (२) कमनसीब
नाश्ता पुं० [फा.] नास्तो; हाजरी
नास स्त्री० सूंघीने लेवानी दवा (२) छींकणी
ना-सज़ा, ०वार वि० [फा.] अनुचित

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

नासदान पुं० छींकणीनी डबी

नासमझ वि० (नाम, **–झी** स्त्री०) अणसमजु; मूर्ख

नास(-से)ह वि०[अ. नासिह] नसियत देनार; सलाहकार; उपदेशक

नासा, –सिका स्त्री० [सं.] नाक

नासाज़ वि०[फा.] विरोधी; प्रतिकूळ(२) बीमार (नाम,–ज़ी स्त्री०) [हराम

ना-सिपास वि० [फा.] कृतघ्न; निमक-

नासूर पुं० [अ.] सडानुं छिद्र; जेमांथी ऊंडेथी परू नीकळ्या करे,–एवो रोग

नासेह वि० [अ.] जुओ 'नासह'

नास्तिक वि० [सं.] ईश्वर इ०मां न माननार; अश्रद्धाळु [दुष्ट (३) नीच

नाहंजार वि० [फा.] बदचालनुं (२)

नाह पुं० (प.) नाथ

नाहक़ वि० [फा.] विना कारण; नकामुं

नाहमवार वि०[फा.] असमान; ऊंचुंनीचुं

नाहर पुं० वाघ (२) सिंह

नाहरू पुं० जुओ 'नारू'

नाहीं अ० नहि; ना

निंदक पुं० [सं.] निंदा करनार

निंदना स० क्रि० निंदवुं; निंदा करवी

निंदा स्त्री० [सं.] बदगोई; वगोवणी

निंदरिया स्त्री० (प.) नींदर; ऊंघ

निंदासा वि० ऊंघ भरायेलुं; 'उनींदा'

निंबू पुं० 'नीबू'; लींबु

निंदित वि० [सं.] निंदायेलुं; दूषित; बूरुं

निंद्य वि० [सं.] निंदाने पात्र; खराब

निंब पुं० [सं.] लीमडो; 'नीम'

निःशंक वि०[सं.]शंका के डरवगर;बेशक

निःशेष वि० [सं.] पूरेपूरुं; बधुंय

निःश्रेयस पुं० [सं.] मोक्ष; कल्याण

निःश्वास पुं० [सं.] निश्वास; निसासो

निःसंकोच वि० [सं.] वगर संकोच; बेधडक [नावारस

निःसंतान वि० [सं.] संतानरहित;

निःसंदेह, निःसंशय वि० [सं.] निःशंक; बेशक

निःसीम वि० [सं.] असीम; बेहद; अपार

निःस्पृह वि० [सं.] निष्काम; निर्लोभ

निःस्वार्थ वि० [सं.] स्वार्थ वगरनुं

निअमत स्त्री० [अ०] जुओ निआमत

निअर अ० (प.) पासे (२) वि० समान

निअराना अ० क्रि० (प.) नजीक आववुं

निआमत स्त्री० [अ.] दुर्लभ के कीमती वस्तु (२) स्वादिष्ट भोजन (३) धन-दोलत; सुख

निकंदन पुं० [सं.] नाश; संहार;'खातमा'

निकट वि० [सं.] नजीकनुं (२) अ० नजीक; पासे

निकम्मा,निकर्मा वि० नकामुं(२)आळसु

निकर पुं०[सं.] ढेर; समूह (२) पुं०, स्त्री० [इं.] जांघियो; चड्डी

निकलना अ०क्रि० नीकळवुं

निकलवाना स०क्रि०'निकालना'नुं प्रेरक

निकसना अ०क्रि० (प.) नीकळवुं

निकाई स्त्री० भलाई (२) सुंदरता (३) जुओ 'निराई'; नींदामण

निकाज वि० नकामुं (२) नवरुं; काम विनानुं

निकाना स०क्रि० जुओ 'निराना'

निक़ाब स्त्री० जुओ 'नक़ाब'

निकालना स०क्रि० (बहार) काढवुं (२) निकाल करवो

निकाला पुं० निकाल; बहार काढवुं ते

निकास पुं० [सं.] निकाल (२) मूळ; ऊगम (३) नीकळवानुं द्वार

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

निकासी स्त्री० रवानगी; जवुं ते (२) परदेशनी निकास (३) आय; लाभ; नफो (४) खपत; उपाड

निकाह पुं०[अ.] निका; लग्न. **–करना, पढ़ाना, बाँधना** = लग्न करवुं

निकुंज पुं० [सं.] लतामंडप

निकृष्ट वि०[सं.] तुच्छ; हलकुं; ऊतरतुं

निकेत,०न पुं०[सं.] स्थान; धाम; घर

निकौनी स्त्री० खेतर नींदवुं ते; नींदामण

निक्षेप पुं० [सं.] फेंकवुं ते (२) छोडवुं ते (३) थापण; न्यास

निखंड वि० मध्य; बरोबर वचलुं

निखट्टू वि० ठकाणा वगरनुं; रखडेल (२) नकामुं; आळसु

निखरना अ०क्रि० साफ थवुं; नीखरावुं

निखरी स्त्री० चोखडियात–घीनी रसोई

निखार पुं० स्वच्छता; सफाई (२) सजावट

निखारना स०क्रि० निखारवुं; धोवुं; [साफ के पवित्र करवुं

निखालिस वि० निखालस; शुद्ध

निखिल वि० [सं.] बधुं; अखिल

निखु(-खू)टना अ०क्रि० (प.) खूटवुं; [घटवुं

निखोट वि० खोटाई के दोष वगरनुं (२) अ० बेलाशक; विना संकोच

निगंदना स०क्रि० गोदडा इ०मां दोरा नांखवा [नांखवा ते

निगंदा पुं० [फा.] बखियो (२) दोरा

निगड स्त्री० [सं.] निगड; बेडी (२) हाथीना पगनी सांकळ

निगम पुं० [सं.] वेद (२) मार्ग (३) बजार (४) वेपार रोजगार. **–मागम** पुं० वेद वगेरे शास्त्रो [जोनार

निगराँ वि० [फा.] निरीक्षक (२) राह

निगरानी स्त्री०[फा.] देखरेख; निरीक्षण

निगलना स० क्रि० गळवुं (२) गटाप करी जवुं

निग(-गा)ह स्त्री० जुओ 'निगाह'

निग(-गा)हबान पुं० [फा.] देखरेख राखनार; रक्षक

निगार पुं० [फा.] चित्र (२) भरतकाम

निगाली स्त्री० हूकानी नेह

निगाह स्त्री० [फा.] नजर; दृष्टि (२) महेरबानी; कृपादृष्टि (३) ध्यान; देखरेख. **०बान** वि० जुओ 'निगहबान'

निगुरा वि० नगरुं; गुरुमंत्र वगरनुं

निगूढ़ वि० [सं.] गूढ; अति गुप्त

निगोड़ा वि० अभागी; अनाथ (२) नघरोळ (३) दुष्ट

निग्रह पुं० [सं.] रोकवुं, अटकाववुं ते; दमन (२) बंधन; सजा

निघरघट वि० नहि घरनुं के नहिं घाटनुं (२) निर्लज्ज. **–देना**=निर्लज्ज थई खोटी सफाई करवी

निघरा वि० जुओ 'निगोड़ा'

निचय पुं० [सं.] चय; समूह (२) निश्चय

निचला वि० नीचलुं (२) निश्चल

निचाई स्त्री० नीचाण (२) नीचता

निचान स्त्री० नीचाण (२) ढाळ

निचिंत वि० निश्चित

निचुड़ना अ०क्रि० निचोवावुं

निचोड़(–र) पुं० निचोड; सार; तात्पर्य

निचोड़(–र)ना, निचोना स० क्रि० निचोववुं

निचोल पुं० [सं.] उपवस्त्र (२) ओढणी (२) घाघरो

निचौहा वि० नीचे नमेलुं के करेलुं. **–हैं** अ० नीचे

निछक्का पुं० एकांत

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

निछावर स्त्री० माथे उतारीने दान कराती वस्तु (२) न्योछावर करेलुं–बलिदान (कोई उपर). **–होना**=(कोईने माटे) बलिदान थवुं – मरवुं

निछोह(–ही) वि० प्रेमरहित (२) निर्दय

निज(-जी,०का) वि० निज, पोतानुं (२) साचुं; यथार्थ (३) खास; मुख्य. **निज करके**=अवश्य; जरूर

निजकारी स्त्री० भागमां खेडाती जमीन

निज़ा पुं० [अ.] झघडो; तकरार

निज़ाम पुं०[अ.] बंदोबस्त (२) निझाम

निजी वि० जुओ 'निज'

निजु,–जू वि० (प.) निज; खास पोतानुं

निज़्द अ० [फा.] पासे (२) सामे

निझरना अ०क्रि० झुडाईने साफ थवुं; वधुं खरी पडवुं

निठल्ला(–ल्लू) वि० ठालुं; कामधंधा वगरनुं

निठाला पुं० वेकारी; नवराश; ठालापणुं

निठुर वि० निष्ठुर; निर्दय

निठौर पुं० बूरी जगा; कथोल (२) दुर्दशा. **–पड़ना**=हाल थवा

निडर वि० नीडर (२) साहसिक

निढाल वि० ढीलुं; अशक्त (२) उत्साह-रहित; मंद [(२) ढाळ

नितंब पुं०[सं.] (स्त्रीनो) कूलो; थापो

नित अ० नित्य; रोज; सदा

नितराम् अ०[सं.] सदा सर्वदा; नक्की

नितांत वि०[सं.] अतिशय; खूब (२) बिलकुल; तद्दन

नित्य वि० [सं.] सनातन; अमर (२) अ० सदा. **०कर्म** पुं० रोजनां काम के तेनो विधि. **०प्रति, ०शः** अ० रोज

नियरना अ०क्रि० नीतरवुं

निथार पुं० नितार; नीतरेलुं साफ प्रवाही के नीतरीने नीचे बेसे ते

निथारना अ०क्रि० नितारवुं

निदरना स०क्रि०(प.) निरादर करवो

निदर्शन पुं०[सं.] दृष्टांत; दाखलो (२) प्रदर्शन

निदाघ पुं० [सं.] उनाळो (२) ताप

निदान पुं० [सं.] कारण (२) रोगनुं कारण के तेनी परख (३) अंत; छेडो (४) वि० नीचेनुं; छेल्ली कोटिनुं (५) अ० अंते; आखरे [चिंतन – ध्यान

निदिध्यासन पुं० [सं.] निरंतर ऊंडुं

निदेश पुं० [सं.] आदेश; आज्ञा

निद्रा स्त्री०[सं.]ऊंघ. **०लु** वि० ऊंघणशी. **–द्रित** वि० ऊंघेलुं

निधड़क अ० वेधडक

निधन पुं० [सं.] अंत; मरण

निधन(–नी) वि० निर्धन

निधान पुं० [सं.] आश्रय-स्थान; आधार (२) निधि; भंडार

निधि स्त्री० [सं.] भंडार; खजानो (२) समुद्र (३) कुबेरनां नव रत्न (४) नवनी संख्या

निनरा वि० जुओ 'निनारा'

निनाद पुं० [सं.] नाद; अवाज

निनानवे वि० नव्वाणुं; ९९. **–के फेरमें आना या पड़ना**=धननी धूनमां पडवुं

निनार(–रा) वि० (प.) निराळुं; जुदुं; अलग; न्यारुं

निनावाँ पुं० मों के जीभ आवी जवी ते; तेथी थता फोल्ला इ० (२) वि० जे वस्तुनुं नाम लेवुं खराब गणातुं होय ते ['ननिहाल'

निनौरा पुं० नानीनुं घर; खडमोसाळ;

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

निन्ना (–न्या) नबे वि० जुओ 'निनानवे'
निपजना अ०क्रि० नीपजवुं; उत्पन्न थवुं
निपजी स्त्री० (प.) नीपज (२) लाभ
निपट अ० नीपट; केवळ; बिलकुल (२) खूब
निपटना अ०क्रि० जुओ 'निबटना'
निपटा (–टे) रा पुं० जुओ 'निबटारा'
निपात पुं० [सं.] पतन; पडती (२) मृत्यु; नाश
निपीड़न पुं० [सं.] पीडवुं – दुःखी करवुं ते
निपुण, –न (प.) वि० [सं.] प्रवीण; कुशळ; चतुर [निःसंतान
निपुत्र, निपूत (–ता) वि० अपुत्र;
निफरना अ०क्रि० आरपार नीकळवुं (२) स्पष्ट थवुं
निफल वि० (प.) निष्फळ
निफ़ाक़ पुं [अ.] विरोध (२) वेर (३) अणबनाव
निफोट वि० स्पष्ट; साफ [शरत
निबंध पुं० [सं.] निबंध; लेख (२) बंधन;
निबंधन पुं० [सं.] बंधन (२) व्यवस्था; प्रबंध; नियमन
निब स्त्री० [इं.] अणियुं (होल्डरनुं)
निबकौरी स्त्री० लींबोळी; 'निबौरी'
निबटना अ०क्रि० छूटवुं (२) पूरुं थवुं (३) निवेडो आववो (४) परवारवुं (जेम के शौचादि) [आणवो
निबटाना स०क्रि० पूरुं करवुं के निवेडो
निबटा (–टे) रा, निबटाव पुं० समाप्ति (२) निवेडो; फेंसलो
निबरना अ०क्रि० ऊगरवुं; छूटवुं; मुक्त थवुं (२) पूरुं थवुं (३) ऊकलवुं; निवेडो आववो
निबल वि० (प.) निर्बळ
निबह पुं० समूह
निबहना अ०क्रि० पार पामवुं (२) नभवुं
निबहुर वि० (प.) ज्यां गये पाछुं नथी अवातुं एवी (जगा – यमद्वार)
निबाह पुं० निभाव; गुजारो [चलाववुं
निबाहना स०क्रि० 'निभाना'; नभाववुं;
निबिड़ वि० [सं.] घन; गीच; घाडुं
निबेड़ (–र) ना स०क्रि० छोडाववुं (२) निवेडो आणवो
निबेड़ा (–रा) पुं० निवेडो; फेंसलो (२) अन्त; पार (३) मुक्ति
निबौरी (–ली) स्त्री० लींबोळी
निभना अ०क्रि० नभवुं. (प्रेरक **निभाना**)
निभृत वि० [सं.] अचळ; स्थिर (२) एकांत; शांत; निर्जन (३) गुप्त; संताडेलुं (४) नम्र; धीर
निमंत्रण पुं० [सं.] नोतरुं [आमंत्रित
निमंत्रित वि० [सं.] बोलावेलुं; नोतरेलुं;
निमकौड़ी स्त्री० जुओ 'निबकौरी'
निमग्न वि० [सं.] अंदर डूबेलुं; लीन; मग्न; तन्मय
निमज्जन पुं० [सं.] डूबकुं मारवुं ते
निमाज स्त्री० नमाज; बंदगी
निमाना वि० नीचुं; ढळतुं (२) नरम; भोळुं
निमित्त पुं० [सं.] कारण; हेतु (२) चिह्न; लक्षण (३) शुकन (४) अ० लीधे; माटे; सारु [(२) पळ; क्षण
निमि (–मे) ष पुं० [सं.] आंखनो पलकारो
निमीलन पुं० [सं.] बिडावुं के संकोचावुं ते (२) पलकारो (२) मरण
निमेष पुं० जुओ 'निमिष' [एक वानी
निमौना पुं० लीला चणा के वटाणानी
निम्न वि० [सं.] नीचेनुं; नीचलुं (२) नीचाणवाळुं. ०**गा** स्त्री० नदी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

नियंता पुं० [सं.] नियामक. **–त्रण** पुं० नियमन; काबू [निश्चित
नियत वि० [सं.] नक्की थयेलुं के करेलुं;
नियति स्त्री० [सं.] नियत थवुं ते (२) भाग्य; नसीब [विधि
नियम पुं० [सं.] नियम; नियत व्यवस्था;
नियमन पुं० [सं.] नियममां राखवुं ते; काबू
नियमित वि०[सं.]नियमवाळुं; नियमबद्ध
नियर, नियराना जुओ 'निअर' 'निअराना'
नियाज स्त्री०[फा.] इच्छा (२) आजीजी (३) कृपा (४) भेट. **–हासिल करना** = मोटानी सेवामां हाजर थवुं
नियाज-नामा पुं० [फा.] कृपापत्र (कागळमां वपराय छे) [प्रबंधक
नियामक पुं० [सं.] नियममां राखनार;
नियामत स्त्री० जुओ 'निआमत'
नियार पुं०सोनीनी दुकाननो पूंजो,कचरो
नियारा वि० न्यारुं; अलग
नियारिया पुं० धूळधोयो
नियुक्त वि० [सं.] नीमेलुं (२) नक्की करेलुं; ठरावेलुं. **–क्ति** स्त्री०निमणूक
नियोग पुं० [सं.] नियुक्त करवुं ते (२) प्रेरवुं ते; आज्ञा
नियोजक पुं० [सं.] नियुक्त करनार. **–न** पुं० नियुक्त करवुं ते
निरंकुश वि०[सं.]काबू बहारनुं;स्वच्छंदी
निरंतर वि० (२) अ० [सं.] सतत; लगातार (२) सदा
निरंध वि० भारे अंध (२) महामूर्ख
निरक्षर वि० [सं.] अभण
निरख पुं० जुओ 'निर्ख'
निरखना स० क्रि० (प.) नीरखवुं; जोवुं
निरगुन वि० (प.) निर्गुण; गुणातीत (२) दुर्गुणी [निर्णय
निरजोस पुं० [सं. निर्यास] निचोड (२)
निरधार पुं०(प.) नक्की ठराव; निश्चय. **०ना** स० क्रि० निरधारवुं
निरना, –न्न, –न्ना वि० नयणा कोठावाळुं; उपवासी
निरपना वि० (प.) परायुं
निरपराध वि० [सं.] निर्दोष; बेगुना
निरपवाद वि० [सं.] अपवाद रहित (२) निर्दोष [अलग; तटस्थ
निरपेक्ष वि० [सं.] निःस्पृह (२) स्वतंत्र;
निरम(-मा)ना स० क्रि० (प.) निर्माण करवुं; बनाववुं; रचवुं
निरमोल, –लिक वि० (प.) अमूल्य
निरर्थक वि० [सं.] नकामुं
निरवद्य वि० [सं.] अनिंद्य; निर्दोष
निरवधि वि० [सं.] अमर्याद; अपार
निरवयव वि० [सं.] निराकार (२) अवयव विनानुं [उकेल; फेंसलो
निरवार पुं० छुटकारो (२) बचाव (३)
निरस वि० [सं.] नीरस; रस विनानुं
निरसन पुं० [सं.] दूर करवुं के फेंकवुं ते (२) उकेल; निराकरण (३) नाश
निरहंकार,निरहम् वि०[सं.]निरभिमानी; अहंकाररहित; नम्र
निरा वि० (स्त्री०**–री**)शुद्ध; केवळ; नर्युं
निराई स्त्री० नींदामण
निराकरण पुं० [सं.] उकेल; फेंसलो (२) खंडन; निरसन [ईश्वर; ब्रह्म
निराकार वि० [सं.] निराकार (२) पुं०
निरादर पुं० [सं.] अनादर; अपमान
निराधार वि० [सं.] आधार विनानुं (२) पाया विनानुं; अध्धर

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

निराना स० क्रि० नींदवुं; 'निकाना'
निरापद वि० [सं.] आपदा के पीडा विनानुं; निर्विघ्न; सुरक्षित [परायुं
निरापन वि० (प.) जुओ 'निरपना';
निरामय वि० [सं.] नीरोग; तंदुरस्त
निरामिष वि० [सं.] मांस रहित (२) शाकाहारी
निराला पुं० एकांत जगा (२) वि० एकांत (३) निराळु (४) अजोड;उत्तम
निराश वि० [सं.] निराश; नाउमेद. **–शी,–स** वि०(प.)निराश.**–शा** स्त्री०
निराहार वि० [सं.] उपवासी; भूख्युं
निरिंद्रिय वि० [सं.] इंद्रिय वगरनुं
निरिच्छ वि०[सं.]इच्छा रहित; निस्पृह
निरीक्षक पुं० [सं.] निरीक्षण – देखरेख राखनार
निरीक्षण पुं० [सं.] देखरेख; तपास
निरीह वि०[सं.] निरिच्छ (२) उदासीन; शांत
निरुत्तर वि० [सं.] उत्तर वगरनुं; उत्तर न आपी शकाय एवुं (२) उत्तर न आपी शकनारुं; चूप थयेलुं
निरुद्ध वि० [सं.] रोकेलुं; बांधेलुं
निरुपयोगी वि०[सं.]नकामुं; खप वगरनुं
निरुपाय वि०[सं.]लाचार; उपाय वगरनुं
निरूपण पुं० [सं.] स्पष्ट रजू करवुं ते; वर्णन (२) अवलोकन; तपास
निरोग, –गी वि० नीरोगी; तंदुरस्त
निरोध पुं०[सं.]रोकवुं ते; प्रतिबंध; निग्रह
निर्ख पुं० [फा.] भाव; दर [करवो ते
निर्खबन्दी स्त्री० [फा.] भाव नक्की
निर्गंध वि० [सं.] गंध वगरनुं
निर्गम पुं० [सं.] बहार जवुं ते; निकास
निर्गुण वि० [सं.] गुणातीत (२) खराब; दुर्गुणी. **–णिया** पुं० निर्गुण ब्रह्मनो उपासक
निर्जन वि० [सं.] एकान्त; सूनुं
निर्जल वि० [सं.] निर्जळ; पाणी विनानुं
निर्जीव वि० [सं.] अचेतन; जीव वगरनुं
निर्झर पुं० [सं.] झरो
निर्णय पुं० [सं.] निश्चय; ठराव; फेंसलो
निर्णायक वि० [सं.] निर्णय करनारुं
निर्णीत वि० [सं.] नक्की; नियत
निर्दय वि० [सं.] क्रूर; दयाहीन
निर्दिष्ट वि० [सं.] नक्की; निश्चित; बतावेलुं [बताववुं ते; वर्णन
निर्देश पुं० [सं.] आज्ञा (२) उल्लेख;
निर्दोष वि० [सं.] दोषरहित; बेकसूर
निर्धन वि० [सं.] गरीब; अकिंचन
निर्धार पुं० [सं.] निरधार; निश्चय. **०ना** स०क्रि० निरधारवुं. **–रित** वि० नक्की थयेलुं के करेलुं
निर्बल वि० [सं.] निर्बळ; नबळुं
निर्बुद्धि वि० [सं.] मूर्ख; बुद्धि वगरनुं
निर्बोध वि० [सं.] अज्ञान; अणसमजु
निर्भय वि० [सं.] नीडर
निर्भर वि० [सं.] भरपूर; भरेलुं (२) आश्रित; अवलंबित
निर्भीक वि० [सं.] नीडर
निर्भ्रम वि० [सं.] भ्रमरहित; निश्चित (२) अ० वेलाशक; विना संकोच
निर्भ्रान्ति वि० [सं.] भ्रम के संशय विनानुं
निर्मम वि० [सं.] ममता वगरनुं
निर्मल वि० [सं.] निर्मळ; स्वच्छ (२) पवित्र; निष्कलंक
निर्मली स्त्री० अरीठीनुं झाड के अरीठुं
निर्माण पुं० [सं.] रचना; बनाववुं ते
निर्माल्य पुं० [सं.] देवने चडावेली वस्तु

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

निर्मित वि० [सं.] निर्माण थयेलुं के करेलुं
निर्मूल वि० [सं.] निर्मूळ; मूळ के आधार विनानुं [चामडी
निर्मोक पुं० [सं.] सापनी कांचळी (२)
निर्मोह(-ही) वि० [सं.] मोहरहित
निर्यात पुं० [सं.] निकास थतो माल
निर्यातन पुं० [सं.] बदलो; प्रतिकार
निर्यास पुं० [सं.] वनस्पतिमांथी झरतो के कढातो रस (२) गुंदर
निर्लज्ज वि० [सं.] बेशरम; लाज वगरनुं
निर्लिप्त वि० [सं.] लेपाया वगरनुं; अनासक्त
निर्वंश वि० [सं.] निःसंतान; उच्छेदियुं
निर्वाचक पुं०[सं.] चूंटनार; मताधिकारी; मतदार
निर्वाचन पुं० [सं.] चूंटणी [आवेल
निर्वाचित वि० [सं.] चूंटायेल; चूंटणीमां
निर्वाण पुं०[सं.] मुक्ति (२) अंत; समाप्ति
निर्वासन पुं० [सं.] देशनिकाल (२) नाश; वध
निर्वाह पुं० [सं.] निर्वाह; गुजारो (२) टकवुं-नभवुं ते; निभाव (३) पालन (४) समाप्ति
निर्विकार वि० [सं.] विकाररहित
निर्विघ्न वि० (२) अ०[सं.] विघ्न विनानुं के विना
निर्विवाद वि० [सं.] बिनतकरारी
निर्वीर्य वि० [सं.] वीरता के बल वगरनुं; निस्तेज
निर्वैर वि० [सं.] वेररहित
निर्व्याज वि० [सं.] सरळ; निष्कपट
निलज,-ज्ज वि० (प.) निर्लज्ज. **०ई, ०ता** स्त्री० (प.) निर्लज्जता. **-जी** वि० स्त्री० बेशरम (स्त्री)

निलय पुं० [सं.] स्थान (२) रहेठाण; घर
निलाम पुं० 'नीलाम'; लिलाम; हराजी
निलहा वि० नील-गळी साथे संबंध वाळुं
निवर्तन पुं० [सं.] निवारण (२) पाछुं जवुं ते
निवह पुं० [सं.] समूह; झुंड
निवाज वि० 'नवाज़'; कृपाळु
निवाजना स० क्रि० निवाजवुं; कृपा करवी
निवाजिश स्त्री० कृपा; दया
निवाड़(-र) स्त्री० खाटलानी पाटी (२) कूवानुं चवकर; 'जमवट'
निवाड़ा स्त्री० एक नानी होडी
निवार स्त्री० जुओ 'निवाड़' (२) कूवानुं चक्कर (३) पुं० [सं.] मोरिया जेवुं एक धान
निवारक वि० [सं.] निवारण करनार. **-ण,-न** पुं० रोकवुं के दूर करवुं ते (२) छुटकारो. **-ना** स० क्रि० (प.) निवारवुं
निवाला पुं० जुओ 'नवाला'; कोळियो
निवास पुं० [सं.] रहेठाण (२) घर. **-सी** वि० रहेवासी [बूचुं
निविड़ वि०[सं.] घन; गीच; घाडुं (२)
निविष्ट वि० [सं.] एकाग्र (२) अंदर पेठेलुं के स्थिर थयेलुं; प्रविष्ट
निवृत्त वि० [सं.] छूटुं के फारेग थयेलुं (२) मुक्त. **-त्ति** स्त्री० छुटकारो; मुक्ति
निवेदक वि० [सं.] निवेदन के विनंति करनार [(२) समर्पण
निवेदन पुं० [सं.] विनंती; नम्र रजूआत
निवेश पुं० [सं.] पडाव; डेरो (२) घर (३) विवाह
निशंक वि० निःशंक; नीडर
निश स्त्री० [सं.] रात
निशस्त स्त्री० [फा.] बेठक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

निशा स्त्री० [सं.] रात्रि. **०कर** पुं० चंद्र. **०चर** पुं० राक्षस (२) शियाळ (३) भूतप्रेत (४) चोर

निशाख़ातिर स्त्री० संतोष; निरांत

निशात वि० [सं.] धार काढेलुं; तीक्ष्ण (२) स्त्री० [अ.] आनंद; सुख; खुशी

निशान पुं० [फा.] चिह्न (२) वावटो (३) लक्ष्य; ताकवानुं नेम – एंधाण

निशानची पुं०[फा.] निशान–झंडो लई चालनार; झंडाधारी

निशान-देही,-दिही स्त्री०[फा.] माणसनी निशानी आपवी–ओळखाववुं ते के तेनी परेड

निशान-पट्टी स्त्री० चहेरा वगेरेनी ओळख के तेनी निशानीओ

निशान-बरदार पुं० [फा.] निशानची

निशाना पुं० [फा.] ताकवानुं निशान; एंधाण. **–बाँधना, –साधना**=निशान ताकवुं. **–मारना, –लगाना**=निशान वींधवुं

निशानी स्त्री० याद राखवानुं चिह्न; स्मारक (२) चिह्न; निशान

निशास्ता पुं० [फा.] घउं पलाळी तेने वाटीने करातो एक वानी

निशित वि०[सं.] धारदार; तेज; तीक्ष्ण

निशिदिन, निशिवासर अ०[सं.] रात-दिवस; हमेश

निशीथ पुं०, **–थिनी** स्त्री० [सं.] रात

निश्चय पुं० [सं.] ठराव; निर्णय (२) दृढ विचार के संकल्प

निश्चल वि० [सं.] अचळ; स्थिर

निश्चिंत वि०[सं.] चिंता रहित; बेफिकर

निश्चित वि० [सं.] नक्की थयलुं के करेलुं

निश्चेष्ट वि०[सं.] चेष्टारहित; बेहोश; अचेत (२) स्थिर; निश्चल [कल्याण

निश्रेयस पुं० निःश्रेयस; मोक्ष; परम

निश्वास पुं०[सं.] श्वास बहार काढवो ते; निसासो [चोकस

निश्शंक वि० [सं.] नक्की; शंकारहित;

निश्शेष वि०[सं.] पूरेपूरुं; कांई बाकी रह्या विनानुं [तलवार

निषंग पुं० [सं.] तीरनो भाथो (२)

निषाद पुं० [सं.] भील के माछी जेवी एक प्राचीन जाति (२) 'नी' स्वर

निषिद्ध वि० [सं.] मना करायेलुं (२) खराब; दूषित

निषेध पुं० [सं.] मनाई; बाधा (२) इन्कार; ना पाडवी ते [दिलनुं

निष्कपट वि० [सं.] कपटरहित; साचा

निष्कर्ष पुं० [सं.] निचोड; सार

निष्कलंक वि० [सं.] कलंकरहित; शुद्ध

निष्काम वि० [सं.] कामनारहित; अनासक्त [व्यर्थ; नकामुं

निष्कारण वि० (२) अ०[सं.] अकारण;

निष्क्रिय वि०[सं.] क्रियारहित; निश्चेष्ट

निष्ठा स्त्री०[सं.] श्रद्धा; विश्वास (२) वफादारी (३) स्थिरता; निश्चय

निष्ठुर वि०[सं.] कडक; कठोर (२) क्रूर

निष्णात वि० [सं.] प्रवीण; पारंगत

निष्पक्ष वि० [सं.] पक्षरहित; तटस्थ

निष्पत्ति स्त्री०[सं.] अंत; समाप्ति (२) सिद्धि; परिणाम [फलरूप

निष्पन्न वि० [सं.] समाप्त–पूरुं थयेलुं;

निष्पाप वि० [सं.] पापरहित

निष्प्रभ वि० [सं.] निस्तेज

निष्प्रयोजन वि०[सं.] प्रयोजन विनानुं; हेतुरहित (२) व्यर्थ; नकामुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

निष्प्राण वि०[सं.] प्राणरहित; वळ के जीव वगरनुं
निष्फल वि० [सं.] निष्फळ; व्यर्थ
निसबत स्त्री०[अ.] निस्वत; संबंध (२) विवाहनी वात; सगाई (३) तुलना
निसबती वि० संबंधी
निसबती भाई पुं० बनेवी के साळो
निसर्ग पुं० [सं.] स्वभाव; प्रकृति (२) कुदरत; सृष्टि (३) दान [स्त्रीओ
निसवां स्त्री० [अ. 'निसा' नुं ब० व०]
निसां(-सा)स पुं० (प.) निसासो; लांबो श्वास
निसा स्त्री० (प.) निशा; रात्रि (२) संतोष; तृप्ति (३) पुं० नशो
निसाब पुं० [फा.] पूंजी; मूडी (२) अभ्यासक्रम
निसार पुं०[अ.] जुओ 'निछावर' (२) न्योछावर (३) वि० निःसार
निसास पुं० (प.) निसासो (वि०**-सी**)
निसोठी वि० निःसत्त्व; नीरस
निसे(-सै)नी स्त्री० निसरणी
निसोत वि० (प.) शुद्ध
निस्तत्त्व वि० [सं.] तत्त्व वगरनुं
निस्तब्ध वि०[सं.] साव स्तब्ध; स्थिर
निस्तार पुं०[सं.] पार ऊतरवुं ते (२) उद्धार; मोक्ष [मुक्त
निस्तीर्ण वि० [सं.] पार ऊतरेलुं (२)
निस्तेज वि० [सं.] तेज वगरनुं; फीकुं
निस्पंद वि० [सं.] स्पंदरहित; स्थिर; अचल [वगरनुं
निस्पृह वि० [सं.] स्पृहा-लोभलालच
निस्फ़ वि० [अ.] अरधुं
निस्फ़ानिस्फ़ वि० [फा.] अरधोअरध
निस्वत स्त्री० [अ.] जुओ 'निसबत'
निस्संदेह वि० [सं.] संदेह वगरनुं; नक्की
निस्सार वि०[सं.] सार वगरनुं; निःसत्त्व
निस्सीम वि० [सं.] असीम; अपार
निस्स्वार्थ वि० [सं.] स्वार्थरहित
निहंग वि० निःसंग; एकाकी (२)एकल; नमारमूंडुं (३) पुं० [फा.] मगर; ग्राह. **-लाड़ला** वि० माबापनां लाडथी बगडेलुं (छोकरुं)
निहत वि० [सं.] नष्ट; हणायेलुं
निहत्था वि० शस्त्रहीन (२) गरीब
निहाँ वि० [फा.] छूपुं; गुप्त
निहाई स्त्री०; **निहाउ** पुं० एरण
निहायत वि० [अ.] खूब; बेहद; अत्यंत
निहार पुं० [सं.] ओस; झाकळ
निहारना स०क्रि० (प.) निहाळवुं
निहाल वि० [फा.] न्याल; कृतकृत्य
निहाली स्त्री० [फा.] गादी (२) 'निहाई'
निहित वि०[सं.] राखेलुं; स्थापेलुं(२)छूपुं
निहोरना स०क्रि० (प.) वीनववुं (२) मनाववुं (३) कृतज्ञ थवुं
निहोरा पुं० (प.) उपकार (२)विनंति (३) आशरो; भरोंसो
नींद, ०ड़ी(-री) (प.) स्त्री० निद्रा; ऊंघ. **-उचटना, -खुलना, -टूटना** = ऊंघ ऊडी जवी; जागवुं. **-पड़ना** = ऊंघ आववी. **-लेना** = सूवुं; ऊंघवुं
नींदना स० क्रि० नींदवुं (२) निंदवुं; निंदा करवी
नीक(-का), नीको [फा.] वि० भलुं; अच्छुं (२) सुंदर
नीके अ० ठीक रीते; बरोबर
नीकोई स्त्री० [फा.]भलाई (२)सुंदरता
नीग्रो पुं० [इं.] हबसी
नीच वि० [सं.] नीचुं; अधम; हलकट

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

नीचा वि० (वि० स्त्री० **–ची**) नीचुं; ढळतुं. ०ई स्त्री० नीचाण. **–खाना**=नीचुं जोवुं – नीचुं पडवुं; हारवुं; शरमावुं. **–दिखाना**=नीचुं नमाववुं; हराववुं; मानभंग करवुं; नीचुं जोवडाववुं. **–देखना**=जुओ 'नीचा खाना'

नीचा-ऊँचा वि० ऊंचुंनीचुं(२)सारुंनरसुं (३) सुखदुःख (४) लीलीसूकी

नीचू वि० चूतुं न होय एवुं (२) नीचुं

नीचे अ० नीचे; 'ऊपर' थी ऊलटुं

नीज़ अ० [फा.] उपरांतमां; पण; वळी

नीठि स्त्री० अरुचि; अनिच्छा (२) अ० जेम तेम करीने; मुश्केलीथी

नीड़ पुं० [सं.] पक्षीनो माळो

नीति स्त्री०[सं.] ढंग; रीत (२) आचार के वर्तननो नियम; न्याय; कायदो

नीपजना अ०क्रि०(प.)नीपजवुं; पेदा थवुं

नीबी स्त्री०(प.)नीवी; नाडुं; केडनो बंध

नीबू पुं० लींबु के लींबोई

नीबू-निचोड़ वि० भारे कंजूस

नीम पुं० लीमडो (२) वि० [फा.] अडधुं

नीमचा पुं० [फा.] खांडुं; कटार

नीम-जाँ वि० [फा.] अधमूउं; मृतप्राय

नीमटर वि० अधकचरुं

नीम-रज़ा वि० थोडी - अर्धी रजा

नीम-रोज़ पुं० [फा.] बपोर

नीम(-मा)स्तीन स्त्री० नीचे पहेरवानुं अर्धी बांयनुं एक कुडतुं के बंडी

नीम-हकीम पुं०[फा.] अधकचरो वैद्य-हकीम

नीमा पुं०[फा.] नीमो – एक पहेरवेश

नीमास्तीन स्त्री० जुओ 'नीमस्तीन'

नीयत स्त्री०[अ.] नैयत; भावना; दानत

नीर पुं०[सं.] पाणी (२)फोल्ला इ०मांथी नीकळतुं प्रवाही. ०ज पुं० कमळ (२) मोती [वगरनुं

नीरद पुं० [सं.] वादळ (२) वि० दांत

नीरस वि०[सं.] रस वगरनुं; फीकुं (२) पुं० दाडम

नीरोग वि० [सं.] नीरोगी; तंदुरस्त

नील वि०[सं.] गळीना रंगनुं; नीलुं (२) पुं० गळीनो छोड (३) भूरा-काळा रंगनुं चकामुं – सोळुं [पक्षी

नीलकंठ पुं०[सं.] शिव(२) मोर(३)चास

नीलम पुं० [फा.]; **नीलमणि** पुं० [सं.] लीलम रत्न

नीला वि० नीला रंगनुं

नीला-थोथा पुं०[सं. नीलतुत्थ] मोरथूथु

नीलाम पुं० लिलाम

नीलाम्बुज; नीलोत्पल [सं.], **नीलोफ़र** पुं० [फा.] नील कमळ

नीवँ, नीव स्त्री० पायो. **–जमाना, डालना या देना**=पायो नांखवो

नीवि,-वी स्त्री०[सं.] नाडुं (२) कमरना बंधनी गांठ (३) मूडी; मुद्दल

नीहार पुं० [सं.] जुओ 'निहार'

नुक़ता पुं० [अ.] टपकुं; बिंदु; नुक्तो

नुकता पुं०[अ.] सूक्ष्म वात (२) दोष (३) रहस्य. ०चीं वि० नुक्तेचीन; दोष शोधनार; छिद्र जोनार. ०चीनी स्त्री० [फा.] नुक्तेचीनी [सफेद रंग

नुक़रा पुं० [अ.] चांदी (२) घोडानो

नुक़ल पुं० जुओ 'नुक़्ल'

नुक़सान पुं०[अ.] नुकसान; कमी; खोट; घट. **–भरना**=नुकसान भरी आपवुं

नुकीला वि० नोकदार; अणीदार (२) सुंदर

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

नुक्कड़ पुं० अणी (२) खूणो नीकळेलो होय ते; ढेको

नुक्का पुं० 'नोक'; नोख; अणी नीकळतो छेडो. **०टोपी** स्त्री० पातळी नोखवाळी एक जातनी टोपी

नुक्ल पुं [अ.] एक जातनी मीठाई (२) नशा पर खावानुं ते (३) नास्तो

नुक्स पुं० [अ.] दोष; ऊणप

नुचना अ०क्रि० ऊखडवुं (२) उझरडावुं (प्रेरक–**नुचवाना**)

नुजूम पुं० [अ.] नजूम; ज्योतिष

नुजूमी पुं० [अ.] नजूमी; जोशी

नुतफ़ा, नुत्फ़ा पुं० [अ.] वीर्य (२) ओलाद. **–ठहरना** = गर्भ रहेवो

नुनख(–खा)रा वि० मीठावाळुं; 'नमकीन'

नुनना स०क्रि० लणवुं; कापणी करवी

नुनेरा पुं० जुओ 'नोनिया'

नुमा वि० [फा.] 'देखातुं', 'दर्शक' के 'समान' अर्थमां समासमां. उदा० 'खश-नुमा'

नुमाइन्दा पुं० [फा.] प्रतिनिधि. **–न्दगी** स्त्री० प्रतिनिधित्व

नुमाइश स्त्री० [फा.] प्रदर्शन (२) सजावट; ठाठमाठ [खाली देखावडुं

नुमाइशी वि० [फा.] देखाडा पूरतुं;

नुमाई स्त्री० [फा.] देखाडवुं ते

नुमायाँ वि० [फा.] जाहेर; प्रत्यक्ष

नुसखा पुं० [अ.] नुसखो. **–बाँधना** = नुसखा प्रमाणे दवा आपवी

नूतन वि० [सं.] नवुं(२)ताजुं(३)अनोखुं

नून पुं० लूण; मीठुं. **–तेल** = मीठुं मरचुं वगेरे घरनो सामान

नूपुर पुं० [सं.] झांझर

नूर पुं० [अ.] तेज; प्रकाश; कांति. **०का तड़का** पुं० प्रातःकाळ. **०चश्म** पुं० प्यारो पुत्र. **०चश्मी** स्त्री० प्यारी पुत्री. **०बाफ़** पुं० वणकर

नूरानी वि० [अ.] नूरवाळुं; चमकदार (२) सुंदर [एक पेगंबर

नूह पुं० [अ.] (बाईबलमां बतावेला)

नृ पुं० [सं.] नर; माणस

नृत्य पुं० [सं.] नाच

नृदेव पुं० [सं.] ब्राह्मण (२) राजा

नृप, ०ति, –पाल पुं० [सं.] राजा

नृशंस वि० [सं.] दुष्ट; क्रूर; निर्दय

नेअमत स्त्री० [अ.] जुओ 'निआमत'

नेइँ(–ई) स्त्री० 'नीव', पायो

नेक वि०[फा.] नेक; भलुं; शिष्ट (२) अ० थोडुं; जरा

नेकचलन वि० सदाचारी (नाम, **–नी** स्त्री० सदाचार)

नेकनाम वि० [फा.] प्रसिद्ध; प्रख्यात. (नाम, **–मी** स्त्री०)

नेकनिहाद वि०[फा.]सुशील;चारित्रवान

नेकनीयत [फा.] वि० नेक नैयतवाळुं; उच्चाशयी. (नाम, **–ती** स्त्री०)

नेकबख़्त वि० [फा.] नसीबदार (२) सुशील. (नाम, **–ख़्ती** स्त्री०)

नेकी स्त्री० भलाई; सज्जनता (२) उपकार; हित. **०बदी** स्त्री० भलुं-बूरुं; हितअहित. **–और पूछ पूछ?** = भलुं करवामां पूछवुं शुं?

नेग पुं० लग्न के उत्सवने अंगे संबंधीओ तथा नोकरोने अपातुं दापुं के लागो

नेगचार, नेगजोग पुं० 'नेग'नो रिवाज

नेगी पुं० 'नेग'नुं हकदार

नेगीजोगी पुं० 'नेगी'; वसवायां

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

नेजा, [फा.] **नेजाल** पुं० (प.) नेजो; भालो (२) नेजुं; निशान. ०**बरदार** पुं० भालावाळो के राजानो निशानची
नेड़े(–रे) अ० (प.) नजीक; पासे
नेत पुं० निरधार; ठराव (२) संकल्प (३) स्त्री० नैयत
नेता पुं० [सं.] नायक; आगेवान
नेती स्त्री० वलोणानुं नेतरुं
नेत्र पुं० [सं.] आंख (२) नेतरुं
नेनुआ(-वा) पुं० एक शाक–गलकुं
नेपथ्य पुं०[सं.] वेशभूषा (२) रंगभूमिनो पाछळनो भाग [परोववानो
नेफ़ा पुं०[फा.] लेंघो इ०नो नेफो–नाडुं
नेम पुं० नियम (२)रिवाज (३)धर्मक्रिया
नेमत स्त्री० जुओ 'निआमत'
नेमधरम पुं० पूजापाठ इ० धर्मविधि
नेमि स्त्री०[सं.] पैडानो घेराव; परिघ (२) कूआनो कांठो (३) कांठो;किनारो
नेमी वि० नेमथी रहेनार; नियम पाळनार. ०**धरमी** वि० पूजापाठ वगेरे नियमथी करनार; 'नेमधरम'वाळुं
नेरा, नेरे अ० (प.) नेरुं; पासे; 'नियर'
नेवग पुं० (प.) 'नेग'; दस्तूर; रिवाज
नेवज पुं० नैवेद्य; भोग
नेवत(-ता) पुं० 'न्योता'; नोतरुं
नेवतना स०क्रि० नोतरवुं
नेवर पुं० नूपुर (२) वि० खराब; बूरुं (३) स्त्री० घोडाना बे पग अथडाईने वागवुं ते
नेवला पुं० नोळियो
नेवाज वि० जुओ 'निवाज़' [(३) डंख
नेश पुं० [फा.] नोक; अणी (२)कांटो;
नेशकर पुं० [फा.] शेरडी
नेश्तर पुं० [फा.] नस्तर
नेस्त वि० [फा.] अस्तित्व वगरनुं. ०**नाबूद** वि० नष्टभ्रष्ट; खेदानमेदान
नेस्ती स्त्री० [फा.] न होवुं ते; अभाव (२) आळस (३) नाश [तेल घी इ०
नेह पुं० (प.) स्नेह; प्रेम (२) चीकट;
नै स्त्री० [फा.] वांसनी नळी के वांसळी (२) हूकानी नेह
नै स्त्री० (प.) नदी (२) नीति; नय
नैचा पुं० [फा.] नेचो; हूकानो मेर. ०**बंद** पुं० नेचो बनावनार. ०**बंदी** स्त्री० तेनुं काम
नैतिक वि० [सं.] नीति संबंधी
नैन पुं० (प.) नयन
नैनसुक(–ख) पुं० नेनसूक कपडुं
नैनू पुं० 'नयनू'; माखण
नैपुण्य पुं० [सं.] निपुणता; कुशळता
नैमित्तिक वि० [सं.] निमित्तने लईने थतुं के करातुं; खास; विशेष
नैयर पुं० [अ.] खूब चळकतो तारो
नैयरे-असग़र पुं० [अ.] चंद्रमा
नैयरे-आज़म पुं० [अ.] सूर्य
नैया स्त्री० (प.) नाव; होडी
नैयायिक पुं० [सं.] न्यायशास्त्री
नैरंग पुं०, **नैरंगी** स्त्री०[फा.]चालबाजी (२) जादु. **–ए-ज़माना** = जमानानो पलटो; समयनो खेल, पलटो के जादु
नैराश्य पुं० [सं.] निराशा
नैर्ऋत, –त्य वि० [सं.] नैर्ऋत्य कोण संबंधी. **–ती** स्त्री० नैर्ऋत्य खूणो के दिशा
नैवेद्य पुं० [सं.] (देवनो) नैवेद
नै-शकर स्त्री० [फा.] शेरडी
नैष्ठिक वि० [सं.] निष्ठावाळुं
नैसर्गिक वि० [सं.] कुदरती; प्राकृतिक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

नैसा वि० (प.) 'अनैस'; अनिष्ट; खराब
नैहर पुं० पियर [पग बांधवानी रसी
नोइनी, नोई स्त्री० दोहती वखते गायना
नोक स्त्री० [फा.] नोख; छेडो; अणी. **०झोंक** स्त्री० ठाठमाठ; सजावट (२) व्यंग; कटाक्ष (३) छेडछाड. **०दार** वि० नोखवाळुं; अणीदार(२)शानदार. **०पलक** स्त्री० चहेरानी सजावट. **०पान** पुं० जोडानां रूपरंग तथा मजबूती इ०. **–काझोंकी** स्त्री० जुओ 'नोकझोंक'. **–की लेना**=छांटवुं; बेढशी हांकवी. **–दुम भागना**=जीव लईने नासवुं. **–बनाना**=सजावट करवी; सजवुं. **–रह जाना**=आबरू रहेवी [खेंची के झूंटवी लेवुं ते
नोच स्त्री० छीनवी के उखाडी या
नोच-खसोट स्त्री० छीनवी के झूंटवी लेवुं ते; लूंट
नोचना स०क्रि० उखाडी नांखवुं (२) उझरडवुं (३) झूंटवी लेवुं
नोट पुं० [इं.] रूपियानी नोट (२) चिठ्ठी (३) नोंध; टीपणी
नोटिस स्त्री० [इं.] सूचना; जाहेरात
नोन पुं० लूण; 'नून'. **०चा** पुं० अथाणुं (प्रायः केरीनुं) (२) खारी जमीन
नोना पुं० लूणो (२) वि० खारुं (३) सुंदर; सलूणुं
नोनिया पुं० खारी माटीमांथी मीठुं बनावनार (२) स्त्री० लूणीनी भाजी
नोनी स्त्री० लूणीनी भाजी (२) खारी –लूणी माटी (३) वि० स्त्री० जुओ 'नोना'
नौ वि० नव; ९ (२) [फा.] नवुं (३) स्त्री० [अ.] रीत; प्रकार (४) [सं.] नौका. **–दो ग्यारह होना**=अगियारा गणी जवुं
नौकर पुं० [फा.] (स्त्री० **–रानी**) नोकर; सेवक. **०शाही** स्त्री० सरकारी नोकरोना दोरवाळुं राज्यतंत्र. **–री** स्त्री० नोकरी; सेवा; चाकरी. **–रीपेशा** पुं० नोकरियात माणस
नौका स्त्री० [सं.] होडी
नौज अ० 'न करे नारायण'–ए अर्थमां वपराय छे [**–नी** स्त्री०)
नौजवान वि० [फा.] नवयुवक. (नाम
नौजी स्त्री० लीची
नौता वि० नवुं; नौतम (२) पुं० 'न्योता'
नौना अ०क्रि० 'नवना'; नमवुं
नौ-निहाल पुं०[फा.] नवो ऊगतो छोड (२) नवजुवान
नौबत स्त्री० [फा.] नोबत (२) वारी; प्रसंग (३) दशा. **–आना**=दशा आववी. **–गुजरना**=वखत वीतवो कें मोको जतो रहेवो. **–झड़ना**=नोबत वागवी. **–बजना**=आनंदउत्सव थवो (२) प्रताप के दोरनो डंको वागवो. **०खाना** पुं० टकोरखानुं. **–ती, –तीदार** पुं० चोकीदार; द्वारपाळ (२) नोबतवाळो
नौ-बरार पुं०[फा.] नदी हठवाथी मळती नवी जमीन, जे उपर पहेलुं महेसूल लागे
नौमी स्त्री० नोम; नवमी
नौरोज पुं०[फा.] नवरोज; पारसी बेसतुं वर्ष (२) तहेवार
नौलखा पुं० नवलख; खूब कीमती
नौशा पुं०[फा.] नौशाह; वरराजा. **–शी** स्त्री० नववधू
नौसत पुं० जुओ 'नवसप्त'; सोळ शृंगार
नौसरा पुं० नवसर हार

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

नौसरिया वि० धूर्त; चालबाज
नौसादर पुं०[फा. नौशादर]नवसार;खार
नौसिख(-खिया,-खुआ) वि० शिखाउ; काचुं; नवुंसवुं
नौसेना स्त्री० [सं.] नौकासैन्य
नौहा पुं०[अ.] 'मातम'; मरणनो शोक
न्यग्रोध पुं०[सं.] वड के शमीनुं झाड
न्यस्त वि० [सं.] छोडेलुं (२) न्यास करेलुं; अनामत राखेलुं
न्याति स्त्री० (प.) ज्ञाति; जात; नात
न्यामत स्त्री० जुओ 'निआमत'
न्याय पुं०[सं.] इनसाफ (२) न्यायशास्त्र (३) नीति; कायदो (४) धडारूप दृष्टांत
न्यायाधीश पुं०[सं.] जज; न्याय करनार
न्यायालय पुं० [सं.] अदालत; कचेरी
न्यायी वि० [सं.] न्यायथी वर्तनार
न्याय्य वि० [सं.] न्यायी; न्याययुक्त
न्यारा वि० न्यारुं; जुदुं (२) दूरनुं (३) अनोखुं; निराळुं
न्यारिया पुं० जुओ 'नियारिया'
न्यारे अ० न्यारुं; अलग; दूर
न्याव पुं० न्यायी वात (२) न्याय
न्यास पुं० [सं.] थापण; ट्रस्ट; अनामत (२) त्याग
न्यून वि० [सं.] कम; बाकी; खूटतुं (२) नीच; हलकुं
न्योछावर स्त्री० जुओ 'निछावर'; न्योछावर करवुं के थवुं ते
न्योतना स०क्रि० नोतरवुं [भोजन
न्योतनी स्त्री० मंगळ प्रसंगे करातुं
न्योतहरी पुं० नोतरे आवेल; आमंत्रित माणस
न्योता पुं० नोतरुं (२) चांल्लो (३) मिजवानी; भोजन
न्योला पुं० 'नेवला'; नोळियो
न्योली स्त्री० हठयोगनी नौलीनी क्रिया
न्हान पुं० (प.) स्नान. **-ना** अ०क्रि० (प.) नाहवुं

प

पंक पुं० [सं.] कादव. **०ज** पुं० कमळ. **-किल** वि० कीचडवाळुं
पंक्ति स्त्री० [सं.] लीटी(२)हार; पंगत
पंख पुं० पांख (२) पींछुं. **-जमना**= वहेकवुं;त्रंठव. **-लगना**=पांखो आववी; पक्षी जेम वेगवान थवुं
पँख(-खु)ड़ी स्त्री० पांखडी
पंखा पुं० पंखो; वींजणो. **-करना**= पंखो नांखवो. **०कुली** पुं० पंखो खेंचनार के नांखनार माणस
पंखी पुं० पक्षी (२) पतंगियुं(३)स्त्री० नानो पंखो
पँखुड़ा पुं० खभा ने हाथनो सांधो; पांगोंठुं (?)
पँखुड़ी स्त्री० फूलनी पांखडी
पँखेरू पुं० पंखेरुं; पक्षी [(२) अपंग
पंग, पंगा, पंगु [सं.] वि० पंगु; लंगडुं;
पंगत(-ति) स्त्री० पंक्ति(२)जमणवार के तेनी पंगत; घाल (३) सभा
पंगा,-गु वि० जुओ 'पंग'. **-गुल** वि० पंगु; लंगडुं
पंच वि० [सं.]पांच(२)पुं० पंच; लवाद
पंचक पुं० [सं.] पांचनो समूह (२) पांच अशुभ नक्षत्रनुं जूथ

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पंचकी दुहाई=सौने अन्याय सामे के मदद माटे पोकार
पंचकी भीख=सौना आशीर्वाद
पंचता स्त्री०, **–त्व** पुं० [सं.] मृत्यु
पंचनामा पुं० पंचनामुं
पंचम वि० [सं.] पांचमुं (२) चतुर (३) सुंदर (४) पुं० 'प' स्वर. **–मी** स्त्री० पांचम (२) पांचमी विभक्ति
पंचमेल वि० पांच के अनेक वस्तुओना मेळवाळुं; सेळभेळ
पंचरंग, –गा वि० पचरंगी
पंचांग पुं० [सं.] टीपणुं; करण, तिथि, नक्षत्र, योग अने वार ए बतावतुं–पंचांग (२) पांच अंगवाळुं कांई पण
पंचानन पुं० [सं.] सिंह (२) शिव
पंचानबे वि० पंचाणुं; ९५
पंचायत स्त्री० पंच (२) पंचात; विवाद. **–ती** वि० पंचनुं के ते संबंधी
पंछी पुं० पंखी; पक्षी
पंज वि० [फा.] पांच. **०गान, ०वक़्ती** पुं० पांच वखतनी नमाज. **०रोज़ा** वि० थोडा दिवसनुं; अस्थायी. **०हज़ारी** पुं० पांच हजारनी सेनानो होद्दो (मुसलमान काळमां)
पंजर पुं० [सं.] पांजरुं (२) हाडपिंजर
पंजरोज़ा, वि०, **पंजहज़ारी** पुं० जुओ 'पंज' मां
पंजा पुं० पांचनो समूह (२) [फा.] हाथनो पंजो. **–करना, –लड़ाना**= हाथना पंजानी आंगळीओ मिलावीने जोर अजमाववुं. **पंजे झाड़कर पीछे पड़ना या चिमटना**=केड बांधीने लागवुं
पंजारा पुं० पींजारो

हिं–२०

पँजीरी स्त्री० पंजरी; पंचाजीरी
पंजेरा पुं० वासण सांधनारो
पंडल वि० (प.) पंडु; पीळुं (२) पुं० पिंड; शरीर
पँडवा पुं० पाडो (वच्चुं)–पाडुं
पंडा पुं० तीर्थनो पूजारी के ब्राह्मण
पंडाइन स्त्री० 'पंडा' नी के 'पंडा' जातनी स्त्री
पंडाल पुं० मंडप
पंडित पुं० [सं.] पंडित; विद्वान
पंडिताइन, पंडितानी स्त्री० पंडिताणी
पंडिताऊ वि० पंडितना जेवुं; पंडितियुं
पंडुक पुं० होलो पक्षी (स्त्री०, **–की**)
पंडुर पुं० पाणीनुं परडवुं; डेंडवुं
पँतीजना स०क्रि० पींजवुं
पँतीजी स्त्री० पींजण
पंथ पुं० मार्ग; रस्तो (२) धर्मनो पंथ –संप्रदाय. **–थी** पुं० पंथे जनार के पंथनुं अनुयायी
पंद स्त्री० [फा.] नसियत; उपदेश
पंदरह, पंद्रह वि० पंदर; १५
पंदार पुं०[फा.] 'पंद' लेनार (जुओ 'पंद')
पंप पुं०[इं.] पंप; बंबो (२) पिचकारी
पँवरना अ०क्रि० तरवुं (२) ताग काढवो; तपासी जोवुं
पँवर,–रि स्त्री० (प.) 'ड्योढ़ी'; डेली; दरवाजो. **–रिया** पुं० दरवान. **–री** स्त्री० 'ड्योढ़ी' (२) पावडी; चाखडी
पँवाड़ा,–र पुं० [सं. प्रवाद] पवाडो; कीर्तिकथा; वीरगाथा [दूर करवुं
पँवारना स०क्रि० हठाववुं; फेंकी देवुं;
पंसारी पुं० मसालानो वेपारी; गांधी
पँसुरी,–ली स्त्री० पांसळी; 'पसली'
पंसेरी स्त्री० पांचशेरी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पकड़ स्त्री० पकडवुं ते के तेनी क्रिया या रीत (२) ग्रहण (३) समज

पकड़-धकड़ स्त्री० धरपकड

पकड़ना स०क्रि० पकडवुं (२) रोकवुं; थोभाववुं

पकना अ०क्रि० पाकवुं (२) सीझवुं

पकवान पुं० पाकी-तळीने करेली वानीओ

पकवाना स०क्रि० पकाववुं

पकाई स्त्री० पाकवुं ते के पकावववानी मजूरी

पकाना स०क्रि० पकाववुं; पाकवा मूकवुं; पाकवा देवुं [जेवी वानी

पकौड़ा पुं० (स्त्री० **-ड़ी**) पकोडी; वडा

पक्का वि० पाकुं; पाकेलुं (२) पक्कुं (३) स्थिर; टकाउ. **-खाना, पक्की रसोई**=घीमां करेली रसोई

पक्व वि० [सं.] पाकेलुं; पाकुं. **-क्वान्न** पुं० रांधेलुं अन्न (२) पकवान. **-क्वाशय** पुं० होजरी

पक्ष पुं० [सं.] पक्ष; बाजु; तरफ (२) पांख (३) पखवाडियुं. **०पात** पुं० वग; तरफदारी

पक्षाघात पुं० [सं.] लकवो

पक्षी पुं० [सं.] पंखी (२) वि० -पक्षनुं (समासमां)

पक्ष्म पुं० [सं.] पांपण; 'बरुनी'

पख़ स्त्री० [फा.] शरत (२) पंचात; लफरुं (३) झघडो (४) दोष; भूल

पख स्त्री० जुओ 'पख़' (२) पक्ष; 'पाख'; पखवाडियुं

पखड़ी स्त्री० पांखडी; 'पँखुड़ी'

पखवाड़ा, -रा पुं० पखवाडियुं

पखान पुं० (प.) पाषाण

पख़ाना पुं० जुओ 'पाख़ाना' (२) (प.) उपाख्यान; कथा

पखारना अ०क्रि० पखाळवुं; धोवुं

पखाल स्त्री० पाणीनी पखाल(२)धमण. **०पेटिया** पुं० दुंदाळो-बहु खानार माणस. **-ली** पुं० पखाली; भिस्ती

पखावज स्त्री० पखवाज; पखाज. **-जी** पुं० ते वगाडनार

पखिया पुं० झघडाळु, बखेडियुं माणस

पँखुड़ी (-री) स्त्री० पांखडी [नजीक

पखुरा,-वा पुं० बगलनो भाग (२) पास;

पखेरू पुं० पंखेरु; पक्षी

पग पुं० पग; 'पाँव' (२) डगलुं; पगलुं. **०डंडी** स्त्री० पगदंडी; पगथी; केडी

पगड़ी स्त्री० पाघडी. **-उतारना**=बेइज्जत करवी (२) ठगवुं. **(किसीके साथ) पगड़ी बदलना**=मैत्री करवी

पगना अ०क्रि० तरबोळ-रसबस थवुं

पगरा पुं० पगलुं; डगलुं (२) (प.) प्रभात

पगला वि० पागल; गांडुं. **०ना** अ०क्रि० गांडुं थवुं. **-ली** वि० स्त्री०

पगहा पुं० [सं. प्रग्रह] जुओ 'पघा'

पगा पुं० दुपट्टो (२) पाग; पाघडी (३) जुओ 'पघा'

पगार पुं० चार तरफनी हद-दीवाल (प.) (२) पग नीचेनी धूळ के कचरायेलुं ते (३) पार कराय एवुं जळाशय के नदी

पगाह स्त्री० [फा.] सूरज नीकळवानो समय; सवार [करवुं

पगुराना अ०क्रि० वागोळवुं (२) हजम

पगोडा पुं० बौद्ध मंदिर

पघा पुं० ढोर बांधवानुं दोरडुं

पच स्त्री० हठ; आग्रह (२) समासमां 'पांच' अर्थमां. जेम के, 'पचरंगा'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पचड़ा पुं० झंझट; बखेडो
पचन पुं०[सं.] पचवुं—हजम थवुं ते
पचना स०क्रि० पचवुं; हजम थवुं (२) थाकी जवुं
पचपन वि० पंचावन; ५५
पच मरना=काम करी करीने थाकी जवुं
पचमेल वि० जुओ 'पँचमेल'; पंचराउ
पचरंग पुं० चोक पूरवानी सामग्री
पचरंगा वि०पचरंगी(२)पुं०पूरेलो चोक
पचहत्तर वि० ७५; पंचोतेर
पचहरा वि० पांच-बेवडुं
पचास वि० पचास; ५०
पचासा पुं० पचास नंगनो समूह
पचासी वि० पंचासी; ८५
पचीस वि० पचीस; २५. **—सी** स्त्री० '२५'नो समूह; पचीसी
पचोतेर सो पुं० एकसो पांच; १०५
पच्चड़(—र) स्त्री० साल के सांधो इ० कांई सखत करवा मराती फाचर
पच्ची स्त्री० 'पच्चर'; फाचर (२) जडवानी वस्तु
पच्चीकारी स्त्री० जडवानुं काम
पच्छ(—च्छि)म पुं० पश्चिम
पछड़ना अ०क्रि० पछडावुं; पाछा पडवुं
पछताना, पछतावना [प.] अ० क्रि० पस्तावुं
पछतावा पुं० पस्तावो
पछना पुं० चीरवा फाडवानुं अस्त्र
पछवाँ वि० पश्चिम बाजुनुं; पश्चिमी
पछाँह पुं० पश्चिम दिशा तरफनो देश
पछाँहिया, पछाँही वि० पश्चिमनुं; पाश्चात्य
पछाड़ स्त्री० बेहोश थईने पडवुं ते. **—खाना**=बेहोश थईने पडवुं
पछाड़ना स० क्रि० पछाडवुं
पछिताना अ०क्रि० (प.) 'पछताना'; पस्तावुं. **—व** पुं० (प.) पस्तावो
पछीत स्त्री० घरनी पछीत—पाछलो भाग के त्यांनी भीत
पछेवड़ा पुं० पछेडो; मोटी चादर
पछोड़ना स०क्रि० ऊपणवुं; झाटकवुं
पजारना स०क्रि० (प.) प्रजाळवुं; बाळवुं
पजावा पुं० [फा.] ईंटनो भठ्ठो
पज़ीर वि० [फा.]पसंद, अनुकूल, कबूल; माननार—ए अर्थमां(समासमां). दा. त. **दिल-पज़ीर**=मनपसंद. **इस्लाह-पज़ीर**=सुधाराने लायक
पजूसण पुं० जैनोनां पचूसण
पझमुरदा वि० [फा.] करमायेलुं
पट पुं० पट; वस्त्र (२) कमाड (३) पडदो. **—उघड़ना, खुलना**=देवना दरवाजा ऊघडवा. **—पड़ना**=धीमुं पडवुं; न चालवुं [फट दईने फाटवुं
पटकना स०क्रि० पटकवुं (२) अ०क्रि०
पटकनी(—निया), पटकान स्त्री० पटकवुं ते; पटक [खेस
पटका पुं० कमरे बांधवानो फटको के
पटतर पुं० समानता (२) उपमा
पटतारना स०क्रि० सपाट—सरखुं करवुं
पटना अ० क्रि० सरखुं—एकसमान थवुं (२) बेने बनतुं आववुं के सहमत थवुं (३) चूकते थवुं
पटपर वि० सपाट; सरखुं
पटबीजना पुं० आगियो
पटरा पुं० चोखंडुं घडेलुं पाटियुं. **—कर देना**=मारी झूडी सपाट करी देवुं (२) खलास करी देवुं
पटरानी स्त्री० पटराणी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पटरी स्त्री० पाटियुं (२) पगथी; फूट-पाथ (३) लखवानुं पाटियुं. **–जमना या बैठना**=बेनुं पाटियुं बरोबर गोठवुं; मन मळवुं

पटल पुं० [सं.] पडदो; ढांकण (२) आंखनुं पडळ (३) समूह; टोळुं

पटवा पुं० पटवो (स्त्री० **पटइन**)

पटवारी पुं० तलाटी (नाम, **पटवारगिरी**)

पटवास पुं० [सं.] तंबू; डेरो (२) स्त्रीनी सूंथणी

पटसन पुं० शण

पटह पुं० [सं.] दुंदुभी; नगारुं

पटा पुं० पट्टो; सनद (२) सोदो

पटाना स०क्रि० पिटावी करी बरोबर करावવું (२) चूकते करवुं (३) अ० क्रि० शांत बेसवुं

पटापट अ० पटोपट; लगातार; झटपट

पटाव पुं० 'पाटना'–ए क्रिया (जुओ 'पाटना') [(२) पाटी; स्लेट

पटिया स्त्री० पथ्थरनो चोखंडो टुकडो

पटोलना स०क्रि० पटाववुं; समजावी लेवुं (२) पूरुं करवुं

पटु वि०[सं.]प्रवीण; चालाक; होशियार

पटुआ(–वा) पुं० 'पटसन'; शण

पटुली स्त्री० हींचकानुं पाटियुं

पटुवा पुं० जुओ 'पटुआ'

पटेबाज, पटैत पुं० पटावाज

पटे(–टै)ला पुं० समार; 'हेंगा' (२) कुस्तीनो एक दाव [भूंगळ

पटैला पुं० जुओ 'पटेला' (२) कमाडनी

पटोर पुं० पटोळुं–रेशमी वस्त्र. **–री** स्त्री० रेशमी साडी

पट्ट पुं०[सं.] सिंहासन (२) पट्टी (३) ताम्रपट (४) वि० मुख्य

पट्टन पुं० [सं.] शहेर; मोटुं–पाटनगर

पट्टा पुं० पट्टो

पट्टी स्त्री० पाटी; स्लेट (२) पाठ; बोध (३) खाटलानी ईस (४) पट्टी (कपडा कागळ इ०नी) (५) पंक्ति; हार (६) माथानां पटियां (७) 'पत्ती'; भाग

पट्टीदार पुं० भागियो. **–री** स्त्री० भाग; भागीदारी

पट्टू पुं० एक गरम जाडुं कपडुं; पट्टु

पट्ठा पुं० जुवान (२) पठ्ठो–लठ्ठ माणस (३) कूलो (४) स्नायु

पठन पुं० [सं.] पढवुं के भणवुं ते

पठनेटा पुं० पठाणनो छोकरो

पठान पुं० पठाण. **–निन** स्त्री० पठाण स्त्री

पठाना स०क्रि० पाठववुं; मोकलवुं

पठानी स्त्री० पठाण स्त्री (२) पठाणपणुं (३) वि० पठाणने लगतुं

पठिया स्त्री० ['पट्ठा' नुं स्त्री०] पठ्ठी; जुवान स्त्री

पड़छती(–त्ती) स्त्री० जुओ 'परछत्ती'

पड़त स्त्री०, **पड़ता** पुं० पडतर किंमत

पड़ताल स्त्री० तपास. **०ना** स०क्रि० तपास करवी

पड़(–र)ती स्त्री० पडतर जमीन (२) अनाज वावलवा माटेनी चादर के कपडुं. **–उठना**=पडतरनी खेती थवी. **–छोड़ना**=पडतर छोडवी. **–लेना**= 'पड़ती' थी वावलवुं [पडचा रहेवुं

पड़ना अ०क्रि० पडवुं. **पड़ा होना**=

पड़पड़ना अ०क्रि० मरचा इ० थी जीभ बळवी–चचरवी

पड़पोता पुं० प्रपौत्र

पड़रा(–वा) पुं० पाडुं (नर)

पड़री स्त्री० 'पड़िया'; पाडी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पड़वा पुं० जुओ 'पड़रा' (२) स्त्री० पडवो तिथि

पड़िया स्त्री० पाडी ('पड़वा'नुं स्त्री०)

पड़ि(-रि)वा स्त्री० पडवो; 'पड़वा'

पड़ोस पुं०पडोश. **-करना**=पडोशी थवुं

पड़ोसी पुं० (स्त्री० **-सिन**) पडोशी

पढ़ं(-ढ़)त स्त्री० पढवुं ते (२) जादुमंत्र

पढ़ना स० क्रि० भणवुं (२) वांचवुं (३) गोखवुं [पद्धति

पढ़ाई स्त्री० भणतर (२) भणाववानी

पढ़ाना स०क्रि० भणाववुं (२) शीखववुं; समजाववुं (३) पक्षीने पढाववुं

पढ़ा-लिखा वि० भणेलुं; शिक्षित

पण पुं० पण; प्रतिज्ञा (२) जुगटुं; बाजी के तेमां मूकेली चीज (३) मूल्य; किम्मत (४) करार; शरत

पण्य पुं० [सं.] दुकान (२) बजार (३) सोदो के तेनी चीज

पतंग पुं० [सं.] सूर्य (२) पक्षी (३) कनकवो (४) पतंगियुं

पतंगा पुं० पतंग (२) पतंगियुं

पत स्त्री०पत;आबरू;इज्जत. **-उतारना, -लेना**=लाज लेवी [ऋतु

पतझड़, पतझाड़(-र) स्त्री० पानखर

पतन पुं० [सं.] पडवुं ते (२) पडती; अधोगति (३) नाश

पत-पानी स्त्री० पत; प्रतिष्ठा; लाज

पतर वि० पातळुं (२) पुं० पत्र; पांदडुं (३) पतराळुं

पतरी स्त्री० पतराळुं

पतला वि० पातळुं. **-पड़ना**=दुर्दशामां होवुं. **-हाल**=दुर्दशा

पतलून पुं० पाटलून

पतवार(-री, -ल) स्त्री० सुकान; कर्ण

पता पुं० पत्तो (२) सरनामुं. **पतेकी बात**=रहस्य खोलती वात. **-निशान**=नामनिशान

पताई स्त्री० खरेलां पांदडांनो ढग

पताका स्त्री० [सं.] धजा; निशान

पतार, -ल पुं० (प.) पाताळ

पतावर पुं० सूकां पांदडां

पतिंग पुं० पतंगियुं

पति पुं० [सं.] धणी; स्वामी

पतिआ(-या)ना स० क्रि० पतियार करवो; पतीजवुं

पतिआ(-या)र पुं० पतियार; विश्वास

पतित वि०[सं.]पडेलुं; हारेलुं; अधोगति पामेलुं; भ्रष्ट. **०पावन** वि० पतितने पावन करे एवुं; पवित्र (२) पुं० ईश्वर

पतियाना स०क्रि० जुओ 'पतिआना'

पतियार,-रा (प.) पुं० जुओ 'पतिआर'

पतिव्रत पुं० पति प्रत्ये अनन्य प्रेम. **-ता** स्त्री० पतिव्रतवाळी स्त्री

पतीज(-न)ना स०क्रि० (प.) पतीजवुं; 'पतिआना'

पतीरी स्त्री०एक जातनी सादडी-चटाई

पतील वि० पातळुं [वि० 'पतील'

पतीला पुं०[फा.]एक वासण; तपेलुं (२)

पतीली स्त्री० नानो 'पतीला'; तपेली; हांडी

पतुरिया स्त्री० 'पातुर'; वेश्या [पडियो

पतोखा पुं० पडियो. **-खी** स्त्री० नानो

पतोह,-हू स्त्री० पुत्रवधू

पत्तन पुं० [सं.] नगर

पत्तर पुं० पतरुं (२) जुओ 'पत्तल'

पत्तल स्त्री० पतराळुं (२) पतराळी

पत्ता पुं० पान; पांदडुं (२) पत्तुं (३) धातुनुं पतरुं. **-हो जाना**=छू थई जवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पत्ती स्त्री० नानुं पान (२) पांखडी (३) भाग

पत्तीदार पुं० हिस्सेदार

पत्थर पुं० पथ्थर. **–की लकीर**=स्थिर; स्थायी. **–पर दूब जमना**=असंभव काम बनवुं. **–पड़ना**=नष्टभ्रष्ट थई जवुं

पत्थर-चटा पुं० कूपमंडूक के कंजूस माणस (२) एक जातनो साप

पत्थर-पानी पुं० वसमो–तोफान के आंधीनो समय

पत्थर-फोड़ा पुं० पथ्थर फोडनारो

पत्नी स्त्री०[सं.] भार्या; विवाहित स्त्री. **०व्रत** पुं० पोतानी स्त्री पर अनन्य प्रेमनुं व्रत

पत्र पुं०[सं.] कागळपत्र (२) छापुं (३) पांदडुं (४) पतरुं (५) पानुं; पृष्ठ

पत्रकार पुं० [सं.] छापुं चलावनार; अखबार-नवीस

पत्रव्यवहार पुं० [सं.] चिठ्ठीपत्र

पत्रा पुं० पंचांग; टीपणुं (२) पृष्ठ

पत्रिका स्त्री० [सं.] पत्र (२) मासिक जेवुं छापुं; चोपानियुं

पथ पुं० [सं.] मार्ग; रस्तो

पथरना स०क्रि० पथ्थर पर घसी धार काढवी; पथरी पर चडाववुं

पथराना अ०क्रि० पथ्थर जेवुं (कठण के स्तब्ध) थई जवुं

पथरी स्त्री० [सं.] पथ्थरियुं–पथ्थरनुं वासण, कटोरो इ० (२) पथरीनो रोग के धार काढवानी पथरी

पथरीला वि० (स्त्री० **–ली**) पथ्थरवाळुं

पथरौटा पुं०, **–टी** स्त्री० पथ्थरियुं; 'पथरी'

पथिक, पथी पुं०[सं.] वटेमार्गु; मुसाफर

पथेरा पुं० ईंटो पाडनार; दलवाडी

पथ्य वि०[सं.] अनुकूल; हितकर (२) पुं० कल्याण

पद पुं०[सं.] पग (२) पगलुं; कदम (३) होद्दो (४) श्लोकनुं चरण (५) शब्द (६) भजननुं पद

पदक पुं०[सं.] चांद (२) देवनुं पगलुं

पदवि,-वी स्त्री०[सं.] उपाधि; खिताब (२)होद्दो; दरज्जो (३)परिपाटी; पद्धति

पदाति,०क, –तीय पुं०[सं.] पायदळनो सिपाही (२) पेदु (३) नोकर; अनुचर

पदाधिकारी पुं०[सं.]अमलदार;ऑफिसर

पदाना स०क्रि० पदाववुं; खूब पजववुं के ठूस काढवी

पदार पुं० [सं.] पगरज

पदार्थ पुं०[सं.] चीज; वस्तु. **०विज्ञान** पुं० 'फिज़िक्स'. **०विद्या** स्त्री० पदार्थो विषे तत्त्वज्ञान

पदावली स्त्री० पदोनो–भजनोनो संग्रह

पदेन अ० [सं.] पदनी रूए

पद्धति स्त्री० [सं.] प्रथा; रीत; विधि

पद्म पुं०[सं.] कमळ (२) चिह्न. **–पद्मिनी** स्त्री० कमळनुं सरोवर (२) उत्तम स्त्रीनो एक प्रकार

पद्य पुं० [सं.] छंदमां लखाण; कविता

पधराना स०क्रि० पधराववुं; पधारवा कहेवुं [स्थापना

पधरावनी स्त्री० पधरामणी; मूर्तिनी

पधारना अ०क्रि० पधारवुं; आदरथी आववुं के जवुं [पुं०पण;प्रतिज्ञा

पन (प्रत्यय) पणुं. उदा० लडकपन (२)

पनकपड़ा पुं० वाग्या पर बांधवानुं भीनुं कपडुं

पनघट पुं० पणघट; पाणीनो घाट

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पनच स्त्री० पणछ

पनचक्की स्त्री० पाणीथी चालती चक्की

पनडुब्बा पुं० मरजीवो (२) पाणीमां डूबी माछली पकडनार पक्षी

पनडुब्बी स्त्री० 'सब-मॅरीन' – पाणीनी अंदर चालती नाव (२) एक पक्षी

पनपना अ०क्रि० पाणी मळतां फरी लीलुं थवुं (२) फरी साजुं थवुं

पनभता पुं० सादो भात

पनभरा पुं० पाणी भरनारो; पाणियारो. **–रिन** स्त्री०

पनवाड़ी पुं० पानवाळो; तंबोळी

पनवारा पुं० जुओ 'पत्तल'

पनस पुं० [सं.] फणस

पनसारी पुं० जुओ 'पंसारी'

पनसाल स्त्री० पाणीनी परब

पनसेरी स्त्री० जुओ 'पंसेरी'

पनह(–हा)रा पुं० पाणियारो

पनहा पुं० कपडानो पनो (२) मर्म; भेद

पनहाना स०क्रि० (आंचळने) दूध दोहवा माटे शरूमां पंपाळवो

पनहारा पुं० (स्त्री० **–रन, –रिन, –री**) जुओ 'पनहरा'

पनही स्त्री० जोडा

पना पुं० पनुं; एक पेय

पनाती पुं० प्रपौत्र; पौत्रनो पुत्र

पनार, –रा, –ला पुं० जुओ 'परनाला'. **–री, –ली** स्त्री० नानी मोरी; नीक

पनाह स्त्री० [फा.] रक्षा (२) शरण

पनिया वि० पाणीनुं के तेमां थतुं (२) पुं० पाणी. **०ना** स०क्रि० पाणी पावुं; सींचवुं. **०सोत** वि० झरण फूटे एवुं; बहु ऊंडुं [पाणी संबंधी

पनिहा वि० पाणीनुं के पाणीवाळुं के

पनीर पुं० [फा.] फाडेला दूधनी एक वानी. **–चटाना** = खुशामत करीने काम काढवुं. **–जमाना** = आगळ पण फायदो रहे एवी रीते काम लेवुं

पनीला वि० पाणीपोचुं (२) फीकुं (३) पाणीमां थतुं के रहेतुं

पन्नग पुं० [सं.] साप

पन्ना पुं० एक जातनो हीरो

पन्नी स्त्री० पित्तळ के कलाईनो वरख, जे वस्तुनी उपर शोभा माटे चोटाडाय छे (२) पुं० [फा.] एक जातनो पठाण. **०साज** पुं० 'पन्नी' बनावनारो

पपड़ा पुं० पोपडो(स्त्री० **–ड़ी**). **–छोड़ना** = पोपडो बाझवो

पपीता पुं० पपैयो के पपैयुं

पपीहा पुं० पपैयो; चातक

पपोटा पुं० पोपचुं

पबारना स०क्रि० (प.) फेंकवुं

पब्लिक स्त्री० [इं.] जनता; लोक (२) वि० आम; सार्वजनिक [वादळ

पय पुं० [सं.] पाणी (२) दूध. **०द** पुं०

पयना वि० जुओ 'पैना' [नदी

पयस्विनी स्त्री० [सं.] गाय; बकरी(२)

पयादा पुं० पायदळ सैनिक (२) वि० पगे चालतुं; 'पैदल'

पयान पुं० प्रयाण

पयाम पुं० [फा.] पेगाम; संदेश

पयार, –ल पुं० पराळ. **–झाड़ना** = नकामी माथाकूट करवी

पयोज पुं० [सं.] कमळ

पयोद पुं० [सं.] वादळ

पयोधर पुं० [सं.] वादळ (२) स्तन (३) जळाशय (४) पर्वत

पयो(नि०)धि पुं० [सं.] समुद्र

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

परंच अ० [सं.] वळी; तथा (२) परंतु
परंतु अ० [सं.] पण; किंतु; छतां
परंपरा स्त्री० [सं.] अनुक्रम; प्रणाली (२) संतति; वंश
पर पुं० [फा.]पींछुं के पांख (२) अ० पछी (३) परंतु; पण (४) वि० [सं.] पारकुं (५) उत्तम; परम [परोपकारी
परकाजी वि० परनुं काज–काम करनार;
परकार, –ल पुं० [फा.] कंपास
परकाला पुं० सीडी; जीनो (२) [फा.] टुकडो (३) चिनगारी
परकीय वि० [सं.] पारकुं; परायुं
परकोटा पुं० कोट; किल्लो
परख स्त्री० पारख; परीक्षा; कसोटी
परखना स० क्रि० पारखवुं (२) प्रतीक्षा के वाट जोवी
परगना पुं० [फा.] परगणुं; अमुक गामडांनो भाग. ०**दार** पुं० परगणानो अमलदार [जवुं (२) टेव पडवी
परचना अ०क्रि० परिचय थवो; हळी
परचा पुं० परिचय (२) पारख; परीक्षा (३) पुरावो; साबिती (४) [फा.] कागळनो ककडो (५) पत्र (६) प्रश्नपत्र
परचाना स०क्रि० परिचय करवो; हळतुं करवुं (२) टेव पाडवी
परचून पुं० सीधुंसामग्री
परचूनी पुं० मोदी
परछत्ती स्त्री० अभराई (२) दीवाल जोडेनुं एकढाळियुं–छापरुं [पोंकणुं
परछन स्त्री० वरने पोंकवानी क्रिया;
परछना स०क्रि० पोंकवुं
परछाईं स्त्री० पडछायो
परजा स्त्री० प्रजा (२) वसवायां (३) जमीनदारना वसावेला खेडूतो

परजाता पुं० पारिजातक
परजौट पुं० मकाननी जमीननुं भाडुं
परतंत्र वि०[सं.] पारकाने ताबे; परवश
परत स्त्री० थर (२) गडी [पटो
परतला पुं० तलवारनो के चपरासनो
परती स्त्री० जुओ 'पड़ती'
परतौ पुं०[फा.] प्रकाशनुं किरण (२) पडछायो
परथन पुं० जुओ 'पलेथन'
परदा पुं०[फा.] पडदो (२) लाज; मर्यादा (३) छुपाववुं ते;आड;ओझल(४) हार्मो-नियम इ०नो पडदो के स्वरनुं स्थान
परदादा पुं० दादानो बाप [रहेतुं
परदानशीन वि०[फा.]पडदा के ओझलमां
परदेश पुं०[सं.] बीजो के पारको देश
परनाना पुं० नानानो बाप [रेलो
परनाला पुं० 'पनाला'; मोरी(२)धारा;
परपराना अ०क्रि० (जीभ पर) चचरवुं; 'पड़पड़ना'
परपाजा पुं० दादानो पिता; प्रपितामह
परपोता पुं० जुओ 'पड़पोता'
परब पुं० पर्व; टाणुं; तहेवार
परबाल पुं० आंखनी पांपणनो रोग (२) प्रवाल
परम वि०[सं.]सौथी ऊंचुं; मुख्य; उत्तम
परमल पुं० जुआर घउंना दाणानुं एक चवाणुं
परमाणु पुं० [सं.] अति नानो अणु
परमात्मा पुं० [सं.] ईश्वर
परमान्न पुं० [सं.] खीर
परमायु स्त्री० [सं.] आयुषनी अवधि
परमार्थ पुं० [सं.] परम वस्तु (२) मोक्ष. **–र्थी** वि० मुमुक्षु
परमेश, –श्वर पुं० [सं.] परमेश्वर; प्रभु

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

परला वि० (स्त्री० **–ली**) ते तरफनुं. **परले दरजे या सिरेका**=हद पारनुं; खूब (२) परम कोटिनुं

परवर, –ल पुं० जुओ 'परवल'

परवर वि० [फा.](समासमां अंते)पालक

परवरदा वि० [फा.] पालित; पळायेलुं

परवर-दिगार पुं० [फा.] पालनहार; प्रभु

परवरिश स्त्री० [फा.] पालनपोषण; परवरश

परवल पुं० परवळनुं शाक के वेलो

परवश, –श्य वि० [सं.] पराधीन; परतंत्र

परवस्ती स्त्री० परवशी; पालनपोषण

परवा स्त्री० पडवो (२) [फा.] परवा; दरकार; चिंता; गरज

परवान पुं० सढनो दांडो (२) (प.) प्रमाण. **–चढ़ना**=मोटुं – उंमर लायक थवुं (२) सफळ थवुं

परवानगी स्त्री० [फा.] रजा; आज्ञा

परवाना पुं० [फा.] परवानो; आज्ञापत्र (२) पतंगियुं

परवाह स्त्री० परवा; दरकार; चिंता

परशु पुं० [सं.] फरसी

परस पुं० (प.) स्पर्श (२) पारसमणि

परसना स० क्रि० स्पर्शवुं (२) पीरसवुं

परस पखान पुं० (प.) पारस पाषाण –स्पर्शमणि

परसा पुं० जुओ 'परोसा'

परसाल अ० गये के आवते वर्षे

परसों अ० परम दिवसे

परस्त वि० [फा.] पूजक (समासने अंते उदा. बुतपरस्त)

परस्तिश स्त्री० [फा.] पूजा; उपासना

परस्पर अ० [सं.] आपसमां; अरसपरस

परहुमा पुं० [फा.] कलगी

परहेज पुं० [फा.] परेज; करी; बाधा (२) संयम; बूरा कर्मथी दूर रहेवुं ते. **–करना, –रखना**=परेज राखवी

परहेजगार वि० [फा.] 'परहेज़'वाळुं – परेज राखनार (२) संयमी

पराँठा पुं० 'परौठा'; चोपडुं

परा स्त्री०[सं.] परा; वाणी (२) वि० स्त्री० परम; उत्तम

पराकाष्ठा स्त्री०[सं.] छेल्ली हद; आखर

पराक्रम पुं० [सं.] बळ; बहादुरी (२) पुरुषार्थ; साहस. **–मी** वि०

परागंदा वि०[फा.]विखरायेलुं(२)बेहाल

पराग पुं०[सं.] फूलनी रज (२) धूळ (३) चंदन. **०केसर** पुं० फूलनुं केसर– वचलो तंतु

पराङ्मुख वि०[सं.] विमुख; प्रतिकूल

पराजय पुं० [सं.] हार

पराजित वि० [सं.] हारेलुं के हरावेलुं

परात स्त्री० पराज;अमुक घाटनी कथरोट

परात्पर वि० [सं.] सौथी परम (२) पुं० परमेश्वर

पराधीन वि० [सं.] परवश; परतंत्र

पराना अ०क्रि० (प.) पलायन करवुं

परान्न पुं० [सं.] पारकुं अन्न के भोजन

पराभव पुं०[सं.] हार (२) तिरस्कार

पराभूत वि०[सं.] हारेलुं (२) तिरस्कृत

परामर्श पुं०[सं.] विचार (२) सलाह

परायण वि०[सं.] तल्लीन; तत्पर

पराया,–वा वि० परायुं (स्त्री० **–ई**)

परार वि० (प.) परायुं (२) पुं० पराळ; 'पयाल'

परावर्त(०न) पुं०[सं.] पाछुं फरवुं ते (२) अदलोबदलो; विनिमय

परास्त वि०[सं.] हारेलुं के हरावेलुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पराह्न पुं० [सं.] तीजो पहोर; सांज
परिंदा पुं० [फा.] परिंदुं; पक्षी
परिकर पुं० [सं.] कंदोरो (२) समूह; वृंद (३) पलंग (४) परिवार (५) नोकरचाकर
परिकरमा, परिक्रमा स्त्री० परकंमा
परिक्रम,०**ण** पुं०[सं.] फरवुं ते (२) चारे तरफ फरवुं ते; परिक्रमा
परिखा स्त्री०[सं.]कोटनी चोगरदम खाई
परिगणन पुं०, **–ना** स्त्री० [सं.] पूरी गणतरी के अडसट्टो
परिगणित वि०[सं.] गणतरीमां आवेलुं के लीधेलुं; गणायेलुं
परिग्रह पुं०[सं.] ग्रहण करवुं ते; अंगीकार (२) धन वगेरेनो संग्रह (३) लग्न (४) पत्नी (५) परिवार
परिघ पुं०[सं.] आगळो (२) भोगळ जेवुं एक शस्त्र; गदा (३) घर; मकान (४) दरवाजो [(२) लक्षण
परिचय पुं०[सं.] ओळखाण; जाणकारी
परिचर पुं०[सं.] सेवक; अनुचर
परिचर्या, –रजा (प.) स्त्री० [सं.] सेवाचाकरी
परिचायक पुं०[सं.] परिचय करावनार
परिचारक पुं० [सं.] सेवक (२) देवनो पूजारी [पूजारण
परिचारिका स्त्री० [सं.] दासी (२)
परिचित वि० [सं.] जाणीतुं; ओळखीतुं
परिच्छद पुं० [सं.] ढांकण; आच्छादन
परिच्छेद पुं० [सं.] भाग; खंड (२) प्रकरण (३) सीमा; हद
परिछन पुं० जुओ 'परछन'
परिछाहीं पुं० जुओ 'परछाइ'
परिजन पुं०[सं.]परिवार(२)नोकरचाकर
परिज्ञात वि०[सं.] बरोबर जाणेलुं. **–न** पुं० पूरुं ज्ञान के जाण
परिणय पुं०[सं.] विवाह; लग्न
परिणाम पुं० [सं.] फळ (२) रूपांतर (३) विकास (४) आखर; अंत
परिणीत वि० [सं.] परणेलुं
परिताप पुं० [सं.] गरमी; ताप (२) दु:ख; शोक; पस्तावो
परितुष्ट वि० [सं.] खूब तुष्ट–संतुष्ट (२) प्रसन्न; खुश. **–ष्टि** स्त्री० संतोष (२) प्रसन्नता [स्त्री० परितुष्टि
परितृप्त वि० [सं.] परितुष्ट. **–प्ति**
परितोष पुं० [सं.] परितुष्टि; संतोष
परित्यक्त वि० [सं.] त्यजायेलुं; तरछोडायेलुं. **–क्ता** वि०स्त्री० त्यजायेली (स्त्री)
परित्याग पुं० [सं.] त्याग. **–गी** वि० त्यागी. **–ज्य** वि० तजवा योग्य
परित्राण पुं०[सं.] बचाव; रक्षण (२) शरीर परना वाळ
परिध पुं० परिधि; परिघ
परिधन (प.), **परिधान** पुं० [सं.] पहेरवुं ते (२) पोशाक (३) धोतियुं इ० नीचे पहेरवानुं वस्त्र
परिधि पुं०[सं.] परिध (२) नियत मार्ग के कक्षा (३) पोशाक
परिपंथ,०**क,–थी** पुं०[सं.] मार्गमां वच्चे पडनार; शत्रु
परिपक्व वि०[सं.] बरोबर पाकेलुं–पाकुं (२) अनुभवी; प्रौढ; प्रवीण
परिपाक पुं० [सं.] बरोबर पाकवुं के तैयार थवुं ते; पूर्णता (२) निपुणता (३) फळ; परिणाम [रीत; चाल
परिपाटी स्त्री०[सं.]क्रम;प्रणाली;पद्धति;

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

परिपालन पुं० [सं.] पालणपोषण (२) रक्षा (३) पाळवुं–अमलमां आणवुं ते
परिपुष्ट वि० [सं.] खूब पुष्ट
परिपूर्ण वि० [सं.] पूरेपूरुं; संपूर्ण
परिप्रश्न पुं० [सं.] जिज्ञासा; प्रश्न
परिभ(–भा)व पुं०[सं.]अनादर;अपमान
परिभाषा स्त्री०[सं.] स्पष्ट कथन (२) लक्षण; व्याख्या (३) परिभाषा
परिभ्रमण पुं०[सं.] आम तेम फरवुं–टहेलवुं ते (२) परिधि (३) गोळ गोळ फरवुं ते
परिमल पुं० [सं.] सुवास; सुगंध
परिमाण पुं०[सं.] माप; तोल; मात्रा
परिमार्जन पुं० [सं.] बरोबर धोवुं के मांजवुं ते (२) एक मीठाई
परिमित वि०[सं.] मर्यादित;मिजानसर (२) अल्प [सीमा; हद
परिमिति स्त्री०[सं.] माप; परिमाण (२)
परिया पुं० दक्षिण भारतनी एक अस्पृश्य जात
परिरंभ,०ण पुं०[सं.]आलिंगन; भेटवुं ते
परिवर्तन पुं०[सं.] फेरफार (२) फेरो; चक्कर (३) अदलोबदलो; विनिमय
परिवा स्त्री० प्रतिपदा; पडवो; 'पड़िवा'
परिवाद पुं०[सं.] निंदा; कूथली. **–दी** वि० निंदक
परिवार पुं०[सं.] आवरण; ढांकण (२) म्यान; कशानुं घरुं (३) कुटुंबकबीलो; बाळबच्चां (४) आश्रित नोकरचाकर वगेरे
परिवृत वि०[सं.] चारे तरफ घेरायेलुं के ढंकायेलुं. **–ति** स्त्री०
परिवृत्त वि० [सं.] ऊलटुंसूलटुं (२) घेरायेलुं. **–त्ति** स्त्री०
परिवेष,०ण पुं० [सं.] पीरसवुं ते(२)घेर; परिघ (३) कोट; किल्लो (४) प्रकाशनुं चकरडुं; 'हॅलो' [भ्रमण
परिव्रज्या स्त्री० [सं.] संन्यास (२) परि-
परिव्राज,०क,–ट पुं० [सं.] संन्यासी
परिशिष्ट वि०[सं.] बाकी बचेलुं (२) पुं० पुस्तकनुं परिशिष्ट
परिशीलन पुं० [सं.] अनुशीलन; ऊंडो विचार के अभ्यास
परिशोध,०न पुं० [सं.] पूर्ण शुद्धि (२) देवुं पूरुं के चूकते करवुं ते
परिश्रम पुं० [सं.] श्रम; महेनत (२) थाक. **–मी** वि० महेनतु
परिश्रांत वि०[सं.] थाकेलुं; ढीलुं; मांदुं
परिषद् स्त्री० [सं.] सभा (२) समूह
परिष्कार पुं०[सं.] संस्कार; शुद्धि (२) सफाई; स्वच्छता (३) सजावट
परिस्तान पुं० [फा.] परीओनो मुलक
परिस्थिति स्त्री० [सं.] आसपासनी अवस्था; दशा
परिहरण पुं०[सं.] लई लेवुं ते (२) त्याग
परिहार पुं० [सं.] त्याग (२) उकेल; उपाय; निवारण (३) कर इ० नी माफी; छूट
परिहास पुं०[सं.] खेल; हांसी; मजाक
परी स्त्री०[फा.] अप्सरा (२) सुंदर स्त्री
परीक्षा स्त्री० [सं.] तपास; कसोटी. **–क्षक** पुं० तपासनार. **–क्षण** पुं० तपासवुं ते. ०**र्थी** पुं० परीक्षामां बेसनार
परीजाद, परीरू वि० [फा.] अति सुंदर
परीशान वि०, **–नी** स्त्री० जुओ 'परेशान,–नी'
परुष वि०[सं.] कठोर; कर्कश; कडक; शुष्क (२) निष्ठुर; निर्दय

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

परे अ० पेले पार; पार (२) बाद; पछी (३) बहार; पर; अतीत. **–कहना** ='दूर हठो', 'खसो' एवुं कहेवुं. **–बिठाना**=हरावववुं; मात करवुं

परेई स्त्री० मादा पारेवुं [जोवी

परेखना स०क्रि० (प.) परीक्षवुं (२) राह

परेग स्त्री० नानी खीली

परेट,–ड पुं० सिपाहीनी परेड; कवायत

परेता पुं० दोरो लपेटवानी फरकडी के फाळको

परेवा पुं० पारेवुं

परेशान वि० [फा.] हेरान; दुःखी; व्याकुल. (नाम, **–नी** स्त्री०)

परों अ० जुओ 'परसों' [बहारनुं

परोक्ष वि० [सं.] अज्ञात; छूपुं; नजर

परोना स०क्रि० (प.) परोववुं; 'पिरोना'

परोपकार पुं०[सं.] बीजानुं भलुं करवुं ते;परहित.**०क,–री** वि० परहितकारक

परोल पुं० [इं.] पेरोल; केद के पहेरामांथी छूट

परोसना स०क्रि० पीरसवुं

परोसा पुं० एक जणनुं भाणुं; पिरसण

परोहना पुं० वाहन; सवारी

परोहा पुं० कोस; 'चड़स'

पर्चा पुं० [फा.] जुओ 'परचा'

पर्जन्य पुं० [सं.] वरसाद

पर्ण पुं० [सं.] पांदडुं; पान

पर्दा पुं० जुओ 'परदा'

पर्पट पुं० [सं.] पापड

पर्यंक पुं० [सं.] पलंग

पर्यंत अ० [सं.] लगी; सुधी (२) पुं० समीप; पास (३) अंतिम सीमा

पर्यटन पुं०[सं.] भ्रमण; आम तेम फरवुं ते

पर्यवसान पुं० [सं.] अंत (२) निश्चय

पर्याप्त वि० [सं.] पूरतुं; 'काफ़ी' (२) समर्थ; सशक्त [(२) प्रकार

पर्याय पुं० [सं.] ए ज अर्थनो बीजो शब्द

पर्व पुं० [सं.] अवसर (२) उत्सव (३) भाग; खंड

पर्वत पुं० [सं.] पहाड. **–ती** वि० पर्वतनुं के त्यां रहेतुं, थतुं के ते संबंधी

पर्वरिश स्त्री० जुओ 'परवरिश'

पर्वा, ०ह स्त्री० जुओ 'परवाह'

पर्हेज़ पुं०, **०गार** वि० जुओ 'परहेज़, ०गार'

पलंग पुं० पलंग; खाटलो. **–तोड़ना**= आळसु सूता पड्या रहेवुं. **–लगाना**= खाटलो पाथरवो

पलंगपोश पुं० पलंगनी चादर

पलंगड़ी, पलंगिया स्त्री० नानो पलंग –खाटलो

पल पुं० [सं.] पळ; क्षण (२) पलक

पलक स्त्री० [फा.] पलक; क्षण (२) पोपचुं. **–बिछाना**=प्रेमथी स्वागत करवुं. **– मारना**=पोपचुं पटपटाववुं. **–लगना**=पलकवुं (२) ऊंघ आववी

पलक-दरिया (०व) वि० अति उदार; दानी [खूब भीड

पलटन स्त्री० लश्करनी पलटण (२)

पलटना स०क्रि० पलटवुं; बदलवुं

पलटा पुं० पलटो; फेरफार (२) बदलो

पलटनिया पुं० पलटणनो सिपाई

पलटे अ० बदले; अवेजमां [पालडुं

पलड़ा(–रा) पुं० त्राजवानुं पल्लुं–

पलथी स्त्री० 'पालथी'; पलांठी

पलना अ०क्रि० पालन थवुं; पलवावुं (२) हृष्टपुष्ट थवुं

पलरा पुं० जुओ 'पलड़ा'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पलवाना स०क्रि० पलवाववुं;('पालना'नुं प्रेरक)

पलवारी पुं० नाविक; खलासी

पलस्तर पुं० प्लास्टर. ०**कारी** स्त्री० प्लास्टर करवुं ते. **–ढीला होना, –बिगड़ना**=बहु हेरान थवुं

पला पुं० पळ (२) पल्लुं

पलान पुं० घोडा इ०नुं पलाण. ०**ना** स०क्रि० पलाणवुं

पलाना अ०क्रि० (२) स०क्रि० पलायन करवुं के क़रावबुं

पलायन पुं० [सं.] नासवुं–भागवुं ते

पलित वि० [सं.] वृद्ध (२) धोळुं (वाळ) (३) पुं० पळियुं

पली स्त्री० पळी

पलीता पुं० [फा.] तावीज मंतरेलो कागळ लपेटीने करातुं मादळियुं (२) पलीतो. **–ती** स्त्री० नानो पलीतो

पलीद वि० [फा.] गंदुं (२) नापाक (३) पुं० भूत; पलीत

पलुहना अ० क्रि० (प.) पांगरवुं; पल्लववुं; 'पनपना'.(**पलुहाना**–प्रेरक)

पलेट स्त्री० प्लेट; टांको. **–डालना**= प्लेट मारवो–भरवो

पले(–लो)थन पुं०अटामण. **–निकलना** =खूब मार खावो के हेरान थवुं; आटो नीकळवो

पलोटना स० क्रि० पग दाबवा (२) अ०क्रि० कष्टथी तडफडवुं

पलोथन पुं० जुओ 'पलेथन'

पल्लव पुं० [सं.] कूंपळ (२) पालव (३) कडुं; कंकण. ०**ना** अ०क्रि० पल्लववुं; पांगरवुं. **–वित** वि० पांगरेलुं

पल्ला अ० दूर (२) पुं० पल्लो; छेटुं (३) त्राजवानुं पल्लुं (४) कमाड (५) त्रण मण (६) [फा.] पल्लो; पालव (७) वि० जुओ 'परला'. **–छूटना**= छुटकारो मळवो. **–पसारना**=पालव –खोळो पाथरवो; मागवुं. **पल्ले पड़ना** =मळवुं. **पल्ले बाँधना**=जवाबदारी सोंपवी

पल्ली स्त्री०[सं.]नानुं गामडुं (२)घरोळी

पल्लेदार पुं० अनाज तोलनार के ते वही जनार

पवन पुं० [सं.] वायु; हवा (२) श्वास. ०**चक्की** स्त्री० पवनथी चालती चक्की. ०**चक्र** पुं० वंटोळियो

पवनी स्त्री० वसवायां

पवाई स्त्री० जोडा के पावडीनी जोडीमांनुं एक (२) घंटीनुं एक पड

पवाना स०क्रि० 'पाना' नुं प्रेरक

पवित्र वि० [सं.] निर्मळ; पुनित (२) पुं० वर्षा, घी, मध, दर्भ इ० जे पवित्र गणाय छे. **–त्रित** वि० पवित्र थयेलुं के करायेलुं

पशम स्त्री० [फा.] पशम ऊन (२) बहु तुच्छ वस्तु. **–मीना** पुं० पशमीनो कापड

पशु पुं० [सं.] चोपगुं; जानवर. ०**पति** पुं० शिव. ०**पाल(०क)** पुं० पशु पाळनार. ०**राज** पुं० सिंह

पशेमान वि० [फा.] पस्तायेलुं (२) लज्जित (नाम, **–नी** स्त्री०)

पश्चात् अ० [सं.] पछी; बाद (२) पश्चिममां

पश्चात्ताप पुं० [सं.] पस्तावो; अफसोस

पश्चिम पुं० [सं.] पश्चिम दिशा (२) वि० पछीनुं. **–मी** वि० पश्चिमनुं. **–मोत्तर** पुं० वायव्य कोण

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पश्तो स्त्री० [फा.] पठाणोनी भाषा

पश्म स्त्री० [फा.] जुओ 'पशम'

पश्मीना पुं० [फा.] पशमीनो

पषार(-ल)ना स०क्रि० (प.) पखाळवुं; धोवुं [वि० जराक

पसंग,-गा,-घा पुं० 'पासंग'; धडो (२)

पसंद वि० [फा.] गमतुं; अनुकूल (२) स्त्री० पसंदगी; रुचि. **-दा** पुं० मांसनी एक वानी. **-दीदा** वि० सारुं; गमतुं (२) पसंद करेलुं

पस अ० [फा.] पछी (२) अंते (३) तेथी

पस-अंदाज पुं० [फा.] संकट के घडपण माटेनो धनसंग्रह

पसखुरदा पुं० [फा.] एठवाड

पस-पा वि० [फा.] पाछुं हठनार. **०ई** स्त्री० पीछेहठ; हार

पसर पुं० ढोरनुं पसर-राते चरे ते (२) अर्धी पोश-पसलो

पसरना अ०क्रि० प्रसरवुं; फेलावुं

पसरहट्टा पुं० हाट; बजार (गांधीओनुं)

पसरू पुं० [फा.] नोकर; अनुचर

पसली स्त्री० पांसळी. **-फड़कना**=मनमां जोश आववुं; उत्साह होवो

पसाउ पुं० (प.) प्रसाद; कृपा

पसाना स०क्रि० ओसाववुं [फेलावो

पसार(-रा) पुं० प्रसरवुं ते; प्रसार;

पसारना स०क्रि० प्रसारवुं; फेलाववुं

पसारा पुं० जुओ 'पसार'

पसारी पुं० जुओ 'पंसारी'

पसाव(०न) पुं० ओसामण

पसिजर पुं० पेसेन्जर (उतारु के गाडी)

पसीजना अ०क्रि० झरवुं (२) पीगळवुं

पसीना पुं० पसीनो;परसेवो. **पसीने पसीने होना**=परसेवाथी रेबझेब थई जवुं

पसुरी,-ली स्त्री० पांसळी

पसूजना स०क्रि० सीधा दोराथी सीववुं

पसेरी स्त्री० पांचशेरी

पसेउ,-व पुं० पसीनो; परसेवो

पसोपेश पुं० [फा.पस-व-पेश]आघापाछी; दुविधा; आनाकानी (२) लाभालाभ

पस्त वि०[फा.] नीचुं; नीचाणवाळुं (२) थाकेलुं (३) परास्त (४) नीच कोटिनुं

पस्तक़द वि० [फा.] वामन; ठींगणुं

पस्त-हिम्मत वि० [फा.] भीरु; डरपोक

पस्ती स्त्री०[फा.] नीचाण (२) नीचता (३) भीरुता

पहँ अ० (प.) पासे; नजीक

पहँसुल स्त्री० दातरडा जेवी पाटिये जडेली शाक कापवानी बनावट

पहचान स्त्री० पिछान; ओळख

पहचानना स०क्रि० पिछानवुं; ओळखवुं

पहन पुं० (प.) पहाणो; पथ्थर (२) [फा.]पानो; प्रेमथी माने दूध छूटवुं ते

पह(-हि)नना स०क्रि० पहेरवुं. (**पहन-वाना, पहनाना** स०क्रि० प्रेरक)

पह(-हि)नाव(-वा) पुं० पहेरवेश (२) पोशाकनी भेट; पहेरामणी

पहपट पुं० निंदा; कूथली (२) शोर-बकोर (३) दगो; छळ (४) एक जातनुं स्त्रीगीत. **०बाज** वि० 'पहपट' मां कुशळ

पहर पुं० प्रहर; पहोर

पहरना स०क्रि० पहेरवुं

पहरा पुं० पहेरो; चोकी. **-देना**=पहेरो भरवो; चोकी करवी. **-पड़ना**=पहेरो के चोकी होवी. **-बैठना**=पहेरो बेसवो के लागवो

पहराना स०क्रि० पहेरावववुं. **-वा** पुं० जुओ 'पहनावा'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पह(-हि)रावनी स्त्री० पोशाकनी भेट; पहेरामणी

पहरी,-रू,-रेदार पुं० पहेरेदार

पहल पुं० पहेल; बाजु; पासुं (२) पहेल; प्रारंभ. ०**दार** वि० पासादार. **-निकालना**=पासा पाडवा

पहलवान पुं० [फा.] पहेलवान

पहला वि० पहेलुं (स्त्री० **-ली**) [रहस्य

पहलू पुं० [फा.] पहेल; पासुं; पक्ष (२)

पहलू-तिही स्त्री० [फा.] उपेक्षा

पहले अ० पहेलां. **-पहल** अ० पहेल-वहेलुं; सौथी शरूमां

पह(-हि)लौठा वि० (स्त्री० **-ठी**) पहेला खोळानुं

पह(-हि)लौठी स्त्री० पहेली प्रसूति

पहाड़ पुं० पर्वत. **-कटना**=भारे संकट दूर थवुं. **-टूटना**=भारे संकट आववुं

पहाड़ा पुं० आंकनो पाडो

पहाड़ी वि० पहाडनुं के ते संबंधी (२) स्त्री० नानो पहाड (३) एक रागणी

पहिचान स्त्री०, ०**ना** स० क्रि० जुओ 'पहचान, ०ना'

पहिन(-र)ना, पहिना(-रा)ना स० क्रि० जुओ 'पहनना, पहनाना'

पहिया पुं० पैडुं ['पहरना, पहराना'

पहिरना, पहिराना स० क्रि० जुओ

पहिरावनि,-नी स्त्री० जुओ 'पहरावनी'

पहिला वि० पहेलुं (२) पहेला वेतरनुं. **-ले** अ० पहेलां

पहिलौठा,-ठी जुओ 'पहलौठा, -ठी'

पहुँच स्त्री० पहोंच. ०**ना** अ० क्रि० पहोंचवुं

पहुँचा पुं० पहोंचो

पहुँचाना स०क्रि० पहोंचाडवुं

पहुँची स्त्री० पहोंची

पहुना पुं० परोणो; 'पाहुना'. ०**ई** स्त्री० परोणाचाकरी

पहुप पुं० (प.) पुष्प; फूल; 'पुहुप'

पहुम, -मि,-मी स्त्री० पृथ्वी; 'पुहुमी'

पहेली स्त्री० समस्या; उखाणो. **-बुझाना** =समजाय नहि एम लांबुं लांबुं कहेवुं

पहलवी स्त्री० पहेलवी भाषा

पाँ(०ई,०उँ) (प.),०**व** पुं० पग; 'पाउँ'

पाँईबाग पुं० मकान आसपासनो (खानगी) नानो बाग

पाँक पुं० पंक; कीचड

पाँख,०ड़ा पुं० पक्षीनी पांख

पाँखड़ी स्त्री० (फूलनी) पांखडी

पाँखी पुं० पक्षी; पंखी (२) पतंगियुं

पाँखुरी स्त्री० पांखडी

पाँच वि० पांच; ५. ०**वाँ** वि० पांचमुं

पाँचा पुं० खंपाळी [जोडवी

पाँजना स०क्रि० रेणवुं; धातुने रेणथी

पाँजर पुं० पासुं; पांसळानो भाग (२) पांसळी [सुकावी ते

पाँजी स्त्री० पार कराय एटली नदी

पांडित्य पुं० [सं.] पंडिताई; विद्वत्ता

पांडु पुं०[सं.] पीळाश पडतो के सफेद रंग. ०**र** वि० पीळुं के सफेद

पांडुलिपि स्त्री०, **पांडुलेख** पुं० [सं.] काचो खरडो

पाँति स्त्री० पंक्ति (२) पंगत

पांथ पुं० [सं.] पथिक; वटेमार्गु

पाँयँ पुं० जुओ 'पायँ'. ०**चा** पुं० जुओ 'पायँचा'. ०**ता** पुं० खाटलानी पांगत; 'पायँता'

पाँव पुं० 'पावँ'; पग

पाँवर वि० पामर; क्षुद्र

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पांशु पुं० [सं.] धूळ; रज. ०ल वि० धूळवाळुं (२) व्यभिचारी

पाँस स्त्री० खेतरमां नांखवानुं खातर. ०ना स०क्रि० खातर नांखवुं

पाँसा पुं० [सं. पाशक] रमवानो पासो. –उलटना=बाजी फरी जवी

पा पुं०[फा.] पग (प्रायः समासमां)

पा-अंदाज़ पुं० [फा.] पगलुछणियुं

पाइप पुं० [इं.] पाईप; नळ [लीटी

पाई स्त्री० पाई नाणुं (२) पाणनी ऊभी

पाउँ पुं० पग; 'पाँव'

पाउंड पुं०[इं.] पाउंड सिक्को के नाणुं

पाउडर पुं० [इं.] पाउडर; भूको

पाक वि० [फा.] पवित्र (२) निर्दोष (३) पुं० [सं.] रांधवुं–पकववुं ते. –करना, –होना=कोई अनिष्टमांथी मुक्त करवुं के थवुं [खिस्सुं

पाक(–के)ट पुं० पाकीट; थेली के

पाक-दामन वि० [फा.] पतिव्रता; शीलवती (स्त्री)

पाकबाज़ वि०[फा.] अति पाक–पवित्र

पाकर पुं० पीपळनुं (?) झाड

पाक-साफ़ वि० तद्दन पाक (२) तद्दन (कशाथी) अलग–संबंध रहित

पाकी स्त्री०[फा.] पाक के पवित्र होवुं ते

पाकीज़ा वि०[फा.] पाक; पवित्र; शुद्ध (२) सुंदर (३) निर्दोष

पाकेट पुं० पाकीट; खिस्सुं. –गरम करना=लांच लेवी के आपवी

पाक्षिक वि०[सं.]पक्ष संबंधी(२)पक्षपाती

पाखंड पुं० वेद विरुद्ध आचार (२) ढोंग. –डी वि० पाखंडवाळुं

पाख पुं० पक्ष; पखवाडियुं (२) मकानना करानो उपलो त्रिकोण भाग

पाख़ाना पुं०[फा.] पायखानुं (२) मळ. –फिरना=झाडे फरवुं

पाग स्त्री० पाघडी (२) पुं० चासणी. ०ना स०क्रि० चासणीमां मूकवुं

पागल वि०[सं.] पागल; गांडुं. ०ख़ाना पुं० गांडानुं दवाखानुं

पागुर पुं० वागोळवुं ते; 'जुगाली'

पाचक वि०[सं.] पचावे एवुं (२) पुं० रसोइयो. –न पुं० पचवुं ते (२) पकाववुं ते

पाछ स्त्री० चीरो; फाट

पाछना स०क्रि० चीरवुं; फाट करवी; फाडवुं

पाछल, पाछिल(-ला) वि० (प.) पाछलुं

पाछी,–छू,–छे अ०(प.) पछी; पाछळ

पा(०य)जामा पुं० [फा.] पायजामो; सूथणुं

पाजी पुं० दुष्ट; हलकुं; खोटुं

पा(०य)ज़ेब स्त्री० [फा.] नूपुर; झांझर

पाटंबर पुं० रेशमी वस्त्र

पाट पुं० पहोळाई; जेम के धोतियानो पनो; नदीनो पट (२) चक्कीनुं पडियुं (३) रेशम (४) शण (५) राजपाट –सिंहासन (६) नदीनो पट (७) शिला के जाडुं पाटियुं, जेम के धोबीनुं (८) कूवा परनुं चोकठुं

पाटन स्त्री० छत; गच्ची (२) पहेला माळ उपरनो मकाननो भाग (३) पाटण–गाम

पाटना स०क्रि० सपाट-समतल करवुं (२) तृप्त करवुं (३) खाडा परथी के अध्धर जवाने अध्धर पुल जेवी गोठवण करवी

पाटव पुं० [सं.] पटुता; चालाकी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पाटवी वि० पटराणीनो (पुत्र); युवराज (२) रेशमी
पाटसन पुं० जुओ 'पटसन'
पाटा पुं० पाटलो (२) खेडूतनो समार
पाटी स्त्री० परिपाटी; रीत (२) श्रेणी; पंक्ति (३) पाटीगणित (४) पुं० पाटी; स्लेट (५) खाटलानी ईस (६) लेसन
पाठ पुं० [सं.] वांचवुं ते के तेनो विषय (२) पाठ; बोध [(३) उपदेशक
पाठक पुं० [सं.] वांचक (२) शिक्षक
पाठशाला स्त्री० [सं.] विद्यालय;निशाळ
पाठा वि० पठ्ठुं; हृष्ट-पुष्ट
पाठी पुं० [सं.] जुओ 'पाठक'
पाठ्य वि० [सं.] पठन करवा योग्य
पाड़ पुं० किनार (२) मांचडो (३) फांसीनो मांचडो (४) कूवा परनी जाळी
पाड़ा पुं० पाडो; महोल्लो (२) ˘सनो पाडो
पाढ़ पुं० सोनी इ०नी पाड (२) खेडूतनो चोकी करवा वेसवां माटेनो माळो
पाण पुं० [सं.] वेपार (२) दाव; बाजी (३) पाणि; हाथ
पाणि पुं० [सं.] हाथ. ०**ग्रहण** पुं० लग्न. ०**ज** पुं० आंगळी (२) नख
पात पुं० [सं.] पतन (२) नाश (३) (प.) पान; पत्र [पापी
पातक पुं० [सं.] पाप; गुनो. -**की** वि०
पातर,-ल स्त्री० पतराळुं (२) वेश्या (३) वि० पातळुं
पातशाह पुं० पादशाह
पाताबा पुं० [फा.] पगनां मोजां (२) जोडानी सखतळी
पाताल पुं० [सं.] पाताळ
पातिव्रत,-त्य पुं० [सं.] पतिव्रतापणुं
पाती स्त्री० (प.) चिठ्ठीपत्र (२) झाडनां पान (३) लाज; शरम
पातुर,०नी स्त्री० पातर; वेश्या
पात्र पुं० [सं.] वासण (२) नदीनुं पात्र —पट (३) नाटकनुं पात्र (४) वि० (नाम साथे समासमां)—ने योग्य
पाथ पुं० (प.) पथ; मार्ग [पीटवुं
पाथना स०क्रि० घडवुं (२) थापवुं(३)
पाथर पुं० (प.) पथ्थर
पाथेय पुं० [सं.] भाथुं; वटेसरी
पाद पुं० [सं.] पग (२) चोथो भाग (३) खंड; भाग (४) पुं०; स्त्री० पादवुं ते [करवी
पादना अ०क्रि० पादवुं; वाछूट थवी के
पादप पुं० [सं.] झाड
पादरी पुं० ख्रिस्ती धर्मगुरु; पादरी
पादशाह पुं० [फा.] बादशाह; राजा
पादाति,०क पुं० [सं.] पायदळ सैनिक
पादुका स्त्री० [सं.] पावडी (२) जोडा
पादोदक पुं० [सं.] चरणामृत
पाद्य पुं० [सं.] पग धोवा माटे पाणी
पाधा पुं० उपाध्याय (२) पंडित
पान पुं० पान; पर्ण (२) खावानुं पान (३) [सं.] पीवुं ते (४) पीणुं—पाणी, दारू इ० (५) शस्त्रने पाणी चडाववुं ते. ०**गोष्ठी** स्त्री० दारू पीनारी मंडळी. ०**दान** पुं० पाननो डबो
पान-पत्ता पुं० पानपट्टी (२) जुओ 'पानफूल' [पांखडी
पान-फूल पुं० फूल नहि तो फूलनी
पाना स०क्रि० प्राप्त करवुं; पामवुं
पानी पुं० पाणी. —**का बताशा** या **बुलबुला**=पाणीनाप रपोटा जेवुं क्षण-भंगुर ते. —**छूना**=झाडे फरी पाणी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

लेवुं. –टूटना = पाणी खूब खूटवुं. (जळाशयमां). –देना = पाणी पावुं (२) पितृओने अंजलि आपवी. –पड़ना = वरसाद पडवो (२) (किसी पर)–पड़ना = शर्मिंदुं थवुं. –पानी होना = खूब शरमावुं. –मरना=दोष के वांक होवो. –लगना = (पाणीनी के बीजी खराब) असर थवी; पाणी लागवुं

पानीदार वि० पाणीदार

पानीदेवा वि० अंजलि आपनार–तर्पण करनार वारस

पाप पुं०[सं.] पाप; कुकर्म. –**कटना**=पाप टळवुं – नाश थवुं (२) झघडामांथी छूटवुं. –**पड़ना** = मुश्केल के कठण पडवुं. –**मोल लेना**=जाणीजोईने कशा झघडामां पडवुं

पापड़ पुं० खावानो पापड (२) वि० पातळुं. –**बेलना**=खूब महेनत करवी

पापाचार पुं०[सं.]पापी आचार; दुराचार

पापात्मा, पापिष्ठ, पापी वि० [सं.] पापी; दुराचारी

पा(०य)पोश पुं० [फा.] जोडा

पाप्मा पुं०[सं.] पाप (२) वि० पापी

पा-प्यादा अ० [फा.] पगवाळुं; 'पैदल'

पाबंद वि० [फा.] (नाम, –दी) बद्ध; केद (२) नियमित (३) नियमबद्ध

पामर वि०[फा.] क्षुद्र; नीच (२) पापी

पा(०य)माल वि०[फा.] (नाम, –ली) पायमाल; बरबाद

पायँ पुं० (प.) पग. ०चा पुं० जुओ 'पायचा'. ०ता, पुं०, ०ती स्त्री० खाटलानी पांगत; 'पाँयँता'

पायंदाज़ पुं० जुओ 'पा-अंदाज़'

पायख़ाना पुं०[फा.] 'पाख़ाना'; जाजरू

पायचा पुं० [फा.] 'पायँचा'; लेंघा के पायजामानी बांय

पायजामा पुं० जुओ 'पाजामा'

पायज़ेब पुं० जुओ 'पाज़ेब'

पायतख़्त पुं० [फा.] राजधानी

पायताबा पुं० [फा.] पगनुं मोजुं

पायदार वि० [फा.] टकाउ; मजबूत (नाम, –री)

पायपोश पुं० जुओ 'पापोश'

पायबंद वि० [फा.] जुओ 'पाबंद' (नाम, –दी स्त्री०)

पायमाल वि०, –ली, स्त्री० जुओ 'पामाल', '–ली'

पायल स्त्री० नूपुर (२) जनमतां पहेला पग बहार आव्या होय तेवुं बाळक

पायस स्त्री०, पुं०[सं.] खीर; दूधपाक

पाया पुं०[फा.] खाटला इ० नो पायो (२) स्तंभ (३) दरज्जो

पायाब वि० [फा.] चालीने पार करी शकाय एवुं छछरुं (पाणी)

पारंगत वि० [सं.] निपुण; निष्णात

पार पुं० [सं.] छेडो; अंत (२) सामो किनारो

पारखी पुं० पारेख; परखनार

पारचा पुं०[फा.] टुकडो (२) कपडुं (३) कूवाना मों पर मुकातुं लाकडानुं चोकठुं

पारतंत्र्य पुं०[सं.] परतंत्रता; गुलामी

पारद पुं० [सं.] पारो

पारदर्शक वि० [सं.] आरपार जोई शकाय एवुं

पारदर्शी वि० [सं.] दूरनुं के छेवटनुं जोनार; चतुर; दूरदर्शी

पारधी पुं० शिकारी (२) हत्यारो

पारना स०क्रि० पाडवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पारमार्थिक वि० [सं.] परमार्थ संबंधी; परम सत्य
पारलौकिक वि० [सं.] परलोक संबंधी
पारस पुं० पारसमणि (२) ईरान देश (३) पतराळी–पतराळा पर पीरसेलुं भोजन
पारसा वि० [फ़ा.] सदाचारी; धर्मनिष्ठ
पारसाई स्त्री० साधुता; धर्मनिष्ठा
पारसी पुं० पारसी लोक
पारसीक पुं० पारस देश के तेनो निवासी
पारस्परिक वि०[सं.]आपसनुं; परस्परनुं
पारा पुं० पारो (२) [फा.] टुकडो
पारायण पुं० [सं.] समाप्ति (२) कोई पाठनो पारायण
पारावत पुं० [सं.] कबूतर; पारेवुं (२) पर्वत (३) वानर
पारावार पुं० [सं.] बेउ कांठा (२) हद (३) समुद्र
पारिजात, ०क पुं० [सं.] पारिजातक फूलझाड
पारितोषिक पुं० [सं.] इनाम (२) वि० संतोष के प्रसन्नता आपे एवुं
पारिभाषिक वि० [सं.] परिभाषावाळुं; खास अर्थवाळुं
पारिषद पुं० [सं.] सभासद (२) पार्षद; अनुचर; गण
पारी स्त्री० पाळी; वारो
पार्थिव वि० [सं.] पृथ्वी संबंधी के तेमांथी थयेलुं (२) पुं० राजा
पार्ल(–र्ला)मेन्ट स्त्री० [इं.] देशनी वडी धारासभा
पार्श्व पुं० [सं.] पासुं; वाजु (२) पांसळी (३) पास; समीपता
पार्षद पुं० [सं.] पासे रहेनार मंत्री के सेवक (२) सभासद
पार्सल पुं० [इं.] पारसल
पाल पुं० सढनुं कपडुं (२) तंवू (३) स्त्री० (पाणीनी) पाळ (४) फळ पकाववा नांखवां ते
पालक पुं० [सं.] पालन करनार (२) अश्वपाल (३) दत्तक पुत्र (४) पालक भाजी [भाजी
पालकी स्त्री० पालखी (२) पालकनी
पालतू वि० पाळेलुं; पोषेलुं
पालथी स्त्री० 'पलथी'; पलांठी
पालन पुं० [सं.] पाळवुं के पोषवुं ते (२) गायनुं करेटुं
पालना स०क्रि० पाळवुं (२) पुं० पाळणुं
पालव पुं० पल्लव; कोमळ पान
पाला पुं० झाकळ; हिम (२) ठंडी (३) संबंध; जोग (४) अखाडो. **–मार जाना**=हिम पडवाथी नुकसान थवुं. **–पड़ना**=पालां पडवां; व्यवहार बंधावो. **पाले पड़ना**=आशरे के वशमां पडवुं
पालागन स्त्री० पायलागणुं; पायवंदन
पालान पुं० जुओ 'पलान'
पालित वि० [सं.] पालन करायेलुं
पालिश स्त्री० [इं.] पालीस; चळकी के ते लाववानुं साधन [पॉलिसी
पालिसी स्त्री० [इं.] नीति (२) वीमानी
पाली स्त्री० पालि भाषा(२) पाळी; वारी
पालू वि० जुओ 'पालतू'
पावँ पुं० पग
पावँड़ा पुं० पग मूकवा पाथरेलुं वस्त्र
पावँड़ी स्त्री० पावडी (२) जोडा
पावँर वि० (प.) पामर; क्षुद्र

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पाव पुं० पा–चोथो भाग (२) पाशेर
पावक वि० [सं.] शुद्ध के पवित्र करे एवुं (२) पुं० अग्नि (३) सदाचार (४) सूर्य
पावती स्त्री० पहोंच; रसीद
पावदान पुं० पग मूकवानी के चडवा माटे टेकववानी सवड के वस्तु
पावन वि० [सं.] पवित्र; पावक (२) पुं० अग्नि (३) शुद्धि (४) पाणी
पावना स०क्रि० (प.) जुओ 'पाना' (२) पुं० लेणुं
पावर पुं० [इं.] बळ; शक्ति. **०स्टेशन, ०हाउस** पुं० वीजळीघर
पावली स्त्री० चारआनी
पावा पुं० पायो (खुरशी इ० नो)
पावस पुं० वरसाद
पाश पुं० [फा.] कपडुं जरी जवुं ते (२) टुकडो (३) [सं.] बंध; बंधन (४) फांसो (५) जाळ; फांदो
पाशव वि० [सं.] पशु संबंधी के तेनुं के तेना जेवुं
पाशा पुं० तुर्की सरदारनो इलकाब
पाशुपत वि० [सं.] पशुपति–शिवनुं; शैव [(२) पछीनुं
पाश्चात्य वि० पश्चिमनुं के त्यां आवेलुं
पाषंड पुं० [सं.] पाखंड; मिथ्याधर्म; दंभ. **–डी** वि० दंभी; पाखंडी
पाषाण पुं० [सं.] पथ्थर
पासंग पुं० [फा.] धडो; पाशंग. **(किसीका) पासंग भी न होना**= मुकाबले बहु ऊतरतुं होवुं
पास पुं० पास; बाजु (२) समीपता (३) अ० पासे (४) पुं० [फा.] पहेरो; चोकी (५) तरफदारी; शरम (६) ख्याल; 'लिहाज़'
पासना अ० क्रि० ढोरे पाहो मूकवो; 'पेन्हाना'
पास-पड़ोस पुं० पासेनी जगा; पडोश.
पासबान पुं० [फा.] पहेरेगीर (२) स्त्री० रखात. **–नी** स्त्री० पहेरो; रक्षा; चोकी •
पासा पुं० पासो. **–उलटना, –पलटना** =बाजी बगडवी; कथळवुं. **–पड़ना** =फाववुं; पोबार पडवुं
पासी पुं० [सं. पाशी] ताड छेदनारी एक अस्पृश्य गणाती जात (२) स्त्री० पाश
पाहँ अ० (प.) जुओ 'पाहिं'
पाहन पुं० (प.) पाषाण; पथ्थर
पाहरू पुं० (प.) पहेरेगीर; रक्षक
पाहिं,–हों अ० (प.) पासे (२) प्रत्ये
पाहि [सं.] 'रक्षण करो'; 'बचावो'
पाहुना पुं० परोणो; महेमान (२)जमाई. **–नी** स्त्री० स्त्री-महेमान (२) परोणागत
पाहुर पुं० भेट; नजराणुं (२) चांल्लो
पिंग वि० [सं.] लालाश पडतुं पीळुं (२) छींकणी रंगनुं (३) पुं० पाडो (२) कोळ; उंदर
पिंगल वि० [सं.] 'पिंग'; पिंगळ (२) पुं० कपि (२) नोळियो (३) पिंगळ; छंदशास्त्र के तेना ऋषि
पिंगला स्त्री० एक नाडी (योगविद्या)
पिंजड़ा पुं० पांजरुं; पिंजर
पिंजन पुं० [सं.] पींजण
पिंजर [सं.], **–रा** पुं० पांजरुं
पिंजरापोल पुं० पांजरापोळ
पिंजिका स्त्री० [सं.] पूणी
पिंजियारा पुं० पींजारो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पिंड पुं० [सं.] गोळ पिंड (२) देह; शरीर. **–छोड़ना**=तंग न करवुं; न पजववुं. **–पड़ना**=पाछळ लागवुं

पिंडज पुं० [सं.] जरायुज जीव

पिंडरोग पुं० [सं.] शरीरमां घर करीने लागेलो रोग (२) कोढ; पत [कंपवुं

पिंडली स्त्री० पिंडी. **–हिलना**=भयथी

पिंडा पुं० पिंड (२) देह (३) पिंडो. **–पानी देना**=सरावकवुं

पिंडारा,–री पुं० पींढारो

पिंडालू स्त्री० एक कंद [गोळी

पिंडी स्त्री० नानो पिंड के पिंडो; लोचो;

पिअ पुं० (प.) पियु; पति (२) वि० प्रिय

पिअ(–य)र वि० पीळुं. **–राई** स्त्री० पीळापणुं

पिआ(–या)ज पुं० प्याज; डुंगळी

पिउ पुं० (प.) पियु; पति [कोयल

पिक पुं० [सं.] कोकिल. **–की** स्त्री०

पिघलना अ०क्रि० पीगळवुं

पिघलाना अ०क्रि० पिगळाववुं

पिचक स्त्री० पिचकारी. **–का** पुं० पिचकारो

पिचकना अ०क्रि० दबावुं; गोबो पडवो; दबावाथी बेसी जवुं. (प्रेरक **पिचकाना**)

पिचकारी, पिचकी स्त्री० पाणीनी सेड के ते मारवानुं यंत्र. **–छोड़ना**= पिचकारी मारवी

पिच्चित, पिच्ची वि० दबायेलुं; बेठेलुं

पिच्छ(–च्छि)ल वि० [सं.] चीकणुं; लीसुं

पिछड़ना अ०क्रि० पाछळ पडवुं – रहेवुं

पिछलगा,–ग्गू पुं० अनुयायी (२) नोकर

पिछलगी स्त्री० अनुयायी के नोकर होवुं ते

पिछला वि० पाछलुं (२) गत

पिछवाड़ा पुं० मकान पछवाडेनो भाग के जमीन; पछवाडुं

पिछाड़ी स्त्री० पछाडीनो भाग (२) घोडानी पछाडी – पगनुं दोरडुं

पिछौरा पुं० पिछोडो; पछेडो

पिछौरी स्त्री० पिछोडी (२) स्त्रीओनुं उपरणुं

पिटंत स्त्री० मारपीट

पिटना अ०क्रि० पिटावुं; मार खावो (२) पुं० थापडी (कडियानी) [मजूरी

पिटाई स्त्री० पीटवुं के टीपवुं ते के तेनी

पिटारा पुं० (वांस-नेतर इ० नी) पेटी

पिट्ठी,–ठी स्त्री० जुओ 'पीठी'

पिट्ठू पुं० अनुगामी (२) खांधियो; मददगार (३) रमतनो भेरु [वडुं

पिठौरी स्त्री० 'पीठी'– वाटेली दाळनुं

पितर पुं० मृत पूर्वज; पितृ

पितराई, –इँध स्त्री० पीतळनो काट

पितराना अ०क्रि० पीतळथी कटावुं

पिता पुं० [सं.] बाप. **०मह** पुं० दादा

पितिया पुं० काका. **०नी** स्त्री० काकी. **०ससुर** पुं० काकोससरो. **०सास** स्त्री० काकीसासु [पुं० काका

पितृ पुं० [सं.] पिता (२) पितर. **०व्य**

पित्त पुं० [सं.] (शरीरनुं) पित्त. **–उबलना या खौलना**=पित्तो जवो. **–डालना** =ऊलटी थवी के करवी [पित्तळ

पित्तल वि० [सं.] पित्त करे एवुं (२) पुं०

पित्ता पुं० पित्ताशय (२) साहस; हिंमत. **– उबलना या खौलना**=पित्तो जवो के ऊछळवो. **–मारना**= क्रोध दबाववो

पित्ताशय पुं० [सं.] पित्तनो संग्रह शरीरना जे अंगमां रहे छे ते

पुस्तकालय

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पित्ती स्त्री० अळाई (२) एक पित्तरोग

पिदड़ी, पिद्दी स्त्री०, **पिद्दा** पुं० एक पक्षी

पिधान पुं० [सं.] ढांकण; आवरण(२) म्यान (३) कमाड

पिनकना अ०क्रि० ऊंघथी के अफीणना नशाथी झोकां खावां

पिनकी पुं० अफीणियो

पिपासा स्त्री० [सं.] तरस (२) इच्छा; लालच. **–सित,–सी,–सु** वि० तरस्युं

पिपीलिका स्त्री० [सं.] कीडी [प्रिय

पिय(–या) पुं० पियु; पति (२) वि०

पियक्कड़ वि० (दारू तमाकु इ०) खूब पीनार – व्यसनी [–राई

पियर वि०, **–राई** स्त्री० जुओ 'पिअर,

पिया पुं० (प.) जुओ 'पिय'

पियाज पुं० जुओ 'पिआज'

पियादा पुं० [फा.] प्यादुं–शेतरंजनुं (२) पेदल सिपाई (३) (अदालतनो)सिपाई

पियादा-पा अ० 'पँदल'; पगपाळुं

पियार पुं० एक झाड (२) प्यार (३) वि० प्यारुं. **–रा** (प.) वि० प्यारुं

पियाल पुं० 'पियार' झाड

पिरकी स्त्री० फोल्ली

पिराना अ०क्रि० पीडावुं; कष्टावुं

पिरोजा पुं० पीरोज – एक रत्न

पिरोना स०क्रि० परोववुं

पिलना अ०क्रि० एकसाथे कशा पर तूटी पडवुं (२) पिलावुं

पिलपिला वि० अंदरथी नरम ने भीनुं

पिलपिलाना स०क्रि० दबाववुं; घोळवुं (जेम के केरी)

पिलाना स०क्रि० पिवडाववुं (२) पीवाने माटे आपवुं (३) अंदर भरवुं

पिल्ला पुं० कुरकुरियुं

पिल्लू पुं० इयळ

पिव पुं० (प.) पियु; पति

पिशवाज स्त्री० [फा.] नाचती वखते पहेराय छे एवो एक जातनो घाघरो

पिशाच पुं०[सं.] भूतप्रेतनी एक योनि

पिशुन वि० [सं.] चाडियुं (२) नीच; दुष्ट

पिष्ट वि० [सं.] पीसेलुं के पिसायेलुं

पिष्टपेषण पुं० [सं.] तेनुं ते फरी कह्या करवुं ते [दळी खानारी स्त्री

पिसनहारी स्त्री० दळनार के दळणां

पिसना अ०क्रि० पिसावुं; दळावुं (२) थाकीने लोथ थई जवुं

पिसर पुं० [फा.] पुत्र

पिसवाना स०क्रि० पिसाववुं

पिसाई स्त्री० पीसवुं ते के तेनी मजूरी (२) कडी महेनत

पिसान पुं० आटो; लोट

पिसौनी स्त्री० जुओ 'पिसाई'

पिस्तई वि० पिस्ताना रंगनुं

पिस्ता पुं० [फा.] पिस्तुं

पिस्तौल स्त्री० पिस्तोल

पिस्सू पुं० डांस

पिहकना, पीकना अ०क्रि० टहुकवुं

पिहित वि० [सं.] ढांकेलुं; छूपुं

पींजना स० क्रि० पींजवुं

पीक स्त्री० पानवाळुं थूंक. **०दान** पुं० पीकदानी

पीकना अ०क्रि० जुओ 'पिहकना'

पीका पुं० कूंपळ; नवुं कोमळ पान

पीच स्त्री० भातनुं ओसामण

पीछा पुं० पाछलो भाग (२) पीछो (३) पछीनो समय. **–करना**=केडे पडवुं; पीछो पकडवो. **–पकड़ना**= पाछळ लागवुं; केडो पकडवो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पीछू (प.), **पीछे** अ० पाछळ (२) पछीथी. **पीछे छोड़ना, –डालना** = पाछळ मोकलवुं (२) (धन) बचावी संघरवुं
पीटना स०क्रि० पीटवुं (२) टीपवुं
पीठ पुं० [सं.] आसन; स्थान (२) केन्द्र (३) स्त्री० शरीरनी पीठ. **–ठोकना** =पीठ थाबडवी; शाबाशी के हिंमत आपवी. **–तोड़ना** = नाहिंमत करवुं
पीठा पुं० एक वानी
पीठी स्त्री० पलाळीने पीसेली दाळ
पीडक वि० [सं.] पीडा करनार; पीडनार. **–न** पुं० पीडवुं ते (२) दबाववुं ते
पीडा स्त्री० [सं.] दुःख; व्यथा. **–ड़ित** वि० पीडायेलुं; पीडामां आवेलुं
पीढ़ा पुं० बेसवानो पाटलो
पीढ़ी स्त्री० पेढी (२) नानो पाटलो
पीत वि० [सं.] पीळुं (२) पुं० पीळो रंग
पीतम पुं० (प.) प्रीतम; पति
पीतल पुं० पित्तळ धातु
पीतांबर पुं० [सं.] पीळुं वस्त्र (२) रेशमी पीतांबर (३) श्रीकृष्ण
पीदड़ी स्त्री० जुओ 'पिदड़ी'
पीन वि० [सं.] जाडुं; हृष्टपुष्ट
पीनक स्त्री० अफीणियानुं अडबडियुं (२) झोकां खावां ते [पीनस रोग
पीनस स्त्री० पालखी (२) पुं० [सं.]
पीना स० क्रि० पीवुं (२) दबाववुं; रोकवुं; अंदर राखवुं, जेम के वात, गुस्सो इ० (३) दारू पीवो
पीप(–ब) स्त्री० परु [लींडी-पीपर
पीपर(–ल) पुं० पीपळो (२) स्त्री०
पीपा पुं० पीप (पाणी इ०नुं)
पीब स्त्री० 'पीप'; परु
पीयूष पुं० [सं.] अमृत (२) दूध
पीर स्त्री० (प.) पीडा; दुःख; दरद
पीर पुं० [फा.] पीर; सिद्ध; महात्मा (२) वृद्ध; बुझुर्ग (३) सोमवार. **०जादा** पुं० पीरनुं संतान. **०नाबालिग** वि० साठे बुद्धि नाठी एवुं वृद्ध. **०मुरशिद** पुं० गुरुमहाराज; पूज्य गुरुजन
पीरी स्त्री० [फा.] पीरपणुं (२) बुढापो (३) चेला मूंडवानो धंधो
पील पुं० [फा.] हाथी. **०खाना** पुं० हाथीखानुं. **०पाँव, ०पा** पुं० हाथीपगो रोग. **०बान, ०वान** पुं० महावत
पीलसोज पुं० (प.) दिवेट
पीला वि० पीळुं (२) फीकुं (३) पुं० पीळो रंग. **पीली चिट्ठी** = कंकोतरी. **पीली फटना** = पोह फाटवो; सवार थवुं
पीलिया पुं० कमळो
पीलू पुं० एक कांटाळुं झाड (२) इयळ (३) एक राग ['पीवर'
पीव स्त्री० परु; पाच (२) जुओ वि०
पीवर वि० [सं.] जाडुं; स्थूल; हृष्टपुष्ट
पीसना स० क्रि० पीसवुं (२) कडी महेनत करवी (३) पुं० दळणुं
पीहर पुं० पियेर; 'मैका'
पुंख पुं० [सं.] तीरनो छेडानो पींछांवाळो भाग. **– खित** वि० पींछांवाळुं (तीर)
पुंगव पुं० [सं.] सांढ (२) (समासना नामने अंते) तेमां श्रेष्ठ, जेम के नरपुंगव
पुंगीफल पुं० [सं.] सोपारी
पुँछार पुं० (प.) मोर
पुँछाला पुं० जुओ 'पुछल्ला'
पुंज पुं० [सं.] राशि; ढगलो
पुंड पुं० टीलुं; तिलक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पुंडरीक पुं० [सं.] धोळुं कमळ (२) रेशमनो कीडो (३) टीलुं; तिलक (४) खांड; साकर
पुंलिंग पुं० [सं.] नरजाति (व्याकरण)
पुंश्चली स्त्री० [सं.] वेश्या
पुंस पुं० (प.) पुरुष; नर [(२) दूध
पुंसवन पुं० [सं.] सोळमांनो एक संस्कार
पुंस्त्व पुं० [सं.] पुरुषत्व (२) वीर्य
पुआ पुं० मालपूडो
पुआल पुं० 'पयाल'; पराळ
पुकार स्त्री० पोकार (बूम के फरियाद)
पुकारना स०क्रि० पोकारवुं
पुखराज पुं० पोखराज मणि [पुख्तगी)
पुख्ता वि० [फा.] दृढ; मजबूत (नाम.
पुचकार,–री स्त्री० बचकारो
पुचकारना स०क्रि० प्रेमथी बचकारवुं
पुचारा पुं० पोतुं के कूचडो (२) भीनुं पोतुं फेरववुं ते (३) पातळो लेप (४) खुशामत (५) उत्तेजन
पुच्छ पुं० [सं.] पूंछडी; 'दुम'
पुच्छल वि० पूंछडियुं, पूंछडीवाळुं. **०तारा** पुं० पूंछडियो तारो
पुछल्ला पुं० लांबुं पूंछडुं (२) पूंछडा जेम साथे लागेलुं ते (३) आश्रित
पुजना अ०क्रि० पूजावुं; 'पूजना' नुं कर्मणि
पुजवाना, पुजाना स०क्रि० पूजाववुं
पुजाई स्त्री० पूजवुं ते के तेनी मजूरी
पुजापा पुं० पूजापो
पुजा(–जे)री, पुजैया पुं० पूजारी
पुट पुं० पट; पास (२) [सं.] ढांकण (३) दडियो (४) औषधिनो संपुट
पुटकी स्त्री० पोटकी (२) अकस्मात् मृत्यु (३) शाकमां घलातो चणानो लोट. **–पड़ना**=गजब थवो
पुटी स्त्री० नानो दडियो के कटोरी (२) पडीकी (३) लंगोटी [माटे) लापी
पुटीन पुं० (काच इ० बारणामां जडवा
पुट्ठा पुं० थापानो उपरनो भाग (२) पुस्तकनी बांधणीनी पटी
पुठवार अ० पूठे; पाछळ
पुठवाल पुं० मददगार; सागरीत
पुड़ा पुं० पडो; मोटुं पडीकुं
पुड़िया स्त्री० पडीकुं के पडीकी. **–बाँधना** =पडीकुं वाळवुं
पुण्य पुं० [सं.] सुकृत; सारुं काम के तेनुं शुभफळ (२) वि० पवित्र; शुभ. **०वान** वि० पुण्यशाळी. **०श्लोक** वि० पवित्र जीवनवाळुं (२) पुं० तेवो आदर्श पुरुष
पुण्याई स्त्री० पुण्यनुं फळ के पुण्यता
पुण्यात्मा पुं०[सं.] पवित्र पुरुष; धर्मात्मा
पुण्याह पुं०[सं.] शुभ दिन; मंगळ दिवस
पुतरा पुं०, **–री** स्त्री० (प.) जुओ 'पुतला,–ली'
पुतला पुं० नर-पूतळी;ढींगलो.(किसीका) **पुतला बाँधना**=बदनामी करवी
पुतली स्त्री० ढींगली. **०घर** पुं० कारखानुं; मिल
पुताई स्त्री० 'पोतना' परथी नाम
पुत्तली,–लिका स्त्री० [सं.] पूतळी
पुत्र पुं० [सं.] दीकरो. **०वती** स्त्री० पुत्रवाळी स्त्री. **०वधू** स्त्री० पुत्रनी वहु. **–त्रिका,–त्री** स्त्री० दीकरी. **–त्रेष्टि** स्त्री० पुत्रप्राप्ति माटेनो यज्ञ
पुदीना पुं० फुदीनो
पुनः अ० [सं.] फरी (२) उपरांत
पुनरपि अ० [सं.] फरी पण [पुनर्जन्म
पुनरागमन पुं०[सं.] फरी आववुं ते (२)

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पुनरावृत्ति स्त्री० [सं.] फरी करवुं के पढवुं के आववुं ते
पुनरुक्ति स्त्री० [सं.] फरी कहेवुं ते
पुनर्जन्म पुं० [सं.] फरी जनमवुं ते
पुनर्निर्माण पुं० [सं.] नवरचना
पुनर्भू स्त्री०[सं.] फरी परणेली विधवा
पुनि(-नी) अ० (प.) पुनः; फरीथी
पुनीत वि० पवित्र; पुनित
पुर वि०[फा.] पूर्ण; भरेलुं. (समासमां पहेला पद तरीके पण. जेम के **पुर-असर**=असरकारक; **पुर-जोश** इ०) (२) पुं० [सं.] नगर; गाम (३) देह (४) घर [(स्त्री०-**खिन**)
पुरखा पुं० पूर्वज (२) घरनो वृद्धजन
पुरचक स्त्री० 'पुचकार'; बचकारो (२) उत्तेजन(३)उश्केरणी (४) समर्थन; पक्ष
पुरजा पुं० [फा.] टुकडो (२) अवयव (३) अंश; भाग (**चलता पुरजा**=चालाक पाको माणस) [पूर्वजन्मनुं
पुरब(-बि,-बु)ला वि० पूर्वनुं (२)
पुरबिया वि०पुरबियुं; पूर्वनुं(स्त्री० ०नी)
पुरबि(-बु)ला वि० जुओ 'पुरबला'
पुरवट पुं० पाणीनो कोस
पुरवना स०क्रि० (प.) पूरवुं; भरवुं; पूरुं करवुं (२) अ०क्रि० पूरुं होवुं (३) पूरतुं के जोईतुं होवुं [पवन (३) कुलडी
पुरवा पुं० नानुं पुर – गाम (२) पूर्वनो
पुरवाई, पुरवैया स्त्री० पूर्वनो वायरो
पुरश्चरण पुं० [सं.] कार्यसिद्धि माटे करातुं अनुष्ठान के विधि इ०
पुरसाँ वि० [फा.] पूछनार
पुरसा पुं० माथोडुं माप (२) [फ़ा.] जुओ 'ताजियत'
पुरसिश स्त्री०[फा.] पुरसीस; पूछपरछ
पुरस्कार पुं० [सं.] इनाम; भेट
पुरा अ०[सं.] पहेलां; प्राचीन काळमां (२)स्त्री०पूर्व दिशा (३) नानुं पुर; गाम
पुराण वि० [सं.] प्राचीन; जूनुं (२) पुं० पुराण ग्रंथ [विद्या
पुरातत्त्व पुं०[सं.] प्राचीन काळ संबंधी
पुरातन वि० [सं.] प्राचीन; जूनुं
पुराना वि० पुराणुं(२) स०क्रि० पुराववुं. **-घाघ** = भारे चालाक; अनुभवी
पुरिखा,-षा पुं० जुओ 'पुरखा'
पुरी स्त्री० [सं.] पुरी; नगरी (२) जगन्नाथ (३) [फा.] पूर्णता; पूरवुं के भरवुं ते (समासमां)
पुरीष पुं० [सं.] विष्टा; मळ
पुरुष पुं०[सं.] नर; माणस (२) आत्मा
पुरुषार्थ पुं०[सं.] पुरुषना उद्देश के ते अर्थेनो उद्यम (२) सामर्थ्य; बळ. **-र्थी** वि० उद्यमी; महेनतु
पुरोग,-गामी वि०[सं.] अग्रेसर; नायक
पुरोध,-धा,-हित पुं०[सं.]गोर; कुलगुरु
पुरोहिताई स्त्री० पुरोहितनुं काम
पुर्जा पुं० जुओ 'पुरज़ा'
पुर्तगाल पुं० पोर्टुगल देश
पुल पुं०[फा.] पुल; सेतु. **-टूटना**=खूब वधवुं. (किसी बातका) **-बाँधना**= अतिशयता करवी
पुलक पुं०[सं.] अति आनंद; रोमांच. **-कित** वि० रोमांचित
पुलटिस स्त्री०. पोटीस
पुलपुला वि० अंदरथी नरम ने पोचुं
पुलपुलाना स०क्रि०नरम चीज दबाववी; घोळवुं (२) घोळीने चूसवुं
पुलसरात पुं०[फा.] बहिश्तमां जवानो बारीक पुल

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पुलाव पुं० मांस साथे थती चोखानी एक वानी

पुलिंदा पुं० बंडल; थोकडो

पुलिन पुं० [सं.] रेताळ नदीकिनारो (२) पाणी हठीने थती कांपवाळी जमीन

पुलिस स्त्री० [इं.] पोलीस. **०मैन** पुं० पोलीसनो सिपाई [परंपरानी)

पुश्त स्त्री० [फा.] पीठ (२) पेढी (वंश-

पुश्तक स्त्री० [फा.] घोडा गधेडानी पाछला पगनी लात

पुश्तनामा पुं० [फा.] वंशावळी

पुश्त-पनाह पुं० [फा.] मददगार; टेको आपनार. **–ही** स्त्री० मदद; टेको

पुश्ता पुं० [फा.] पुस्तो; बांध (२) जुओ 'पुट्ठा' (२) [एटलो भार

पुश्तारा पुं० [फा.] पीठ पर लेवाय

पुश्ती स्त्री० [फा.] टेको (२) मदद (३) तरफदारी (४) तकियो

पुश्तैन स्त्री० वंशपरंपरा; पेढी दर पेढी

पुश्तैनी वि० [फा.] वंशपरंपरा चालतुं आवेलुं के चालनारुं

पुष्कर पुं० [सं.] कमळ (२) तळाव (३) पाणी. **–रिणी** स्त्री० तळावडी

पुष्कल वि० [सं.] पुष्कळ; खूब (२) उत्तम (३) परिपूर्ण; भरपूर

पुष्ट वि० [सं.] खाईपीने ताजुं माजुं (२) पोषायेलुं (३) दृढ; मजबूत

पुष्टई स्त्री० ताकात के पुष्टिनी दवा

पुष्टि स्त्री० [सं.] पोषण (२) पुष्ट थवुं ते (३) दृढता (४) समर्थन

पुष्प पुं० [सं.] फूल (२) आंखमां फूल पडे तें (३) स्त्रीनी रज

पुसाना अ०क्रि० (प.) पूरुं पडवुं के ठीक लागवुं; पोसावुं

पुस्तक स्त्री० [सं.] चोपडी; 'किताब'. **–कालय** पुं० ग्रंथालय. **–की, पुस्तिका** स्त्री० नानी चोपडी; चोपानियुं

पुह(–हु)प पुं० (प.) पुष्प

पुहुमी स्त्री० (प.) पृथ्वी; भूमि

पूँछ स्त्री० पूंछडी (२) पछवाडेनो भाग. **०ड़ी** स्त्री० पूंछडी

पूँजी स्त्री० पूंजी; धन (२) मूडी. **०पति** पुं० मूडीदार; धनवान. **०वाद** पुं० मूडीवाद

पूआ पुं० पूडो के मालपूओ

पूग पुं० [सं.] सोपारी के तेनुं झाड (२) पुंज; ढगलो (३) फणस के तेनुं झाड. **–गी** स्त्री० सोपारी के तेनुं झाड

पूछ स्त्री० पूछवुं ते (२) तपास; खोळ (३) कोई पूछे ते; आदर; गणना

पूछता(–पा)छ स्त्री० पूछपरछ

पूछना स०क्रि० पूछवुं ['पूछताछ'

पूछपाछ, पूछता(–पा)छी स्त्री० जुओ

पूजक पुं० [सं.] पूजा करनार

पूजन पुं० [सं.] पूजा; पूजवुं ते

पूजना स०क्रि० पूजवुं; सेवा करवी (२) लांच आपवी (३) अ०क्रि० पूरुं थवुं (४) भरावुं; बरोबर थवुं

पूजनीय वि० [सं.] पूज्य; पूजाने पात्र

पूजा स्त्री० [सं.] पूजा; उपासना; अर्चन (२) लांच (३) मार; मेथीपाक

पूज्य वि० [सं.] पूजनीय

पूड़ा पुं० मालपूडो

पूड़ी स्त्री० पूरी

पूत वि० [सं.] पवित्र; शुद्ध (२) पुं० पुत्र

पूतड़ा पुं० बळोतियुं

पूति स्त्री० [सं.] पवित्रता (२) दुर्गंध

पूती स्त्री० गांठ (२) लसणनुं जींडवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पूनी स्त्री० पूणी
पूनव, पूनिउँ, पूनो,–न्यो स्त्री० पूनम
पूप पुं० [सं.] मालपूडो
पूय पुं० [सं.] परु; पाच
पूर पुं० पूर; भरती (२) पूरण (कचोरी इ० नुं)
पूरक वि० [सं.] पूर्ति करनारुं (२) पुं० एक प्राणायाम [पूरवुं ते
पूरण पुं० [सं.] पूरुं थवुं के करवुं ते;
पूरण,–न वि० (प.) पूर्ण; पूरुं
पूरनपूरी स्त्री० पूरणपोळी
पूरनमासी स्त्री० पूर्णिमा
पूरना स०क्रि० पूरवुं; भरवुं (२) पूरुं करवुं (३) अ०क्रि० पूरुं थवुं; भरावुं
पूरब पुं० (२) वि० पूर्व. ०ल पुं० (प.) पूर्वजन्म (२) प्राचीन जमानो. ०ला वि० (प.) प्राचीन; पुराणुं (३) पूर्वजन्मनुं. –बी वि० पूर्वनुं
पूरा वि० पूरुं; पूर्ण भरेलुं (२) पूरतुं; बधुं
पूरी स्त्री० पूरी–एक वानी
पूर्ण वि० [सं.] पूरुं (२) परितृप्त (३) भरपूर (४) बधुं. ०**मासी** स्त्री० पूर्णिमा; पूनम. ०**विराम** पुं० वाक्यनुं (.) चिह्न
पूर्णाहुति स्त्री० [सं.] यज्ञनी पूर्णाहुति (२) समाप्ति
पूर्णिमा स्त्री० [सं.] पूनम
पूर्ति स्त्री० [सं.] पूरुं थवुं ते; समाप्ति (२) भरपाई; खूटतुं पूरुं करवुं ते
पूर्व वि० [सं.] पहेलांनुं (२) पुराणुं; जूनुं (३) पूर्वनुं (४) पुं० पूर्वदिशा (५) अ० पूर्वे; पहेलां
पूर्वक वि० [सं.] ते साथे; सहित (नाम साथे समासमां) [मोटो भाई
पूर्वज पुं० [सं.] पूर्व पुरुष; वडवो (२)
पूर्वापर वि० [सं.] पूर्व अने अपर; आगळ पाछळनुं (२) अ० आगळ पाछळ. (नाम,–र्य पुं०) [पहेलो भाग
पूर्वाह्न,–ह्ण पुं० [सं.] दिवसनो पूर्व–
पूर्वी वि० पूर्वनुं [अगाउ कहेलुं
पूर्वोक्त वि० [सं.] पहेलां – उपर के
पूला पुं० पूळी (स्त्री० –ली)
पूस पुं० पोष मास
पृच्छक वि० [सं.] पूछनार; जिज्ञासु
पृच्छा स्त्री० [सं.] प्रश्न; सवाल; जिज्ञासा
पृथक् वि० [सं.] जुदुं; छूटुं; अलग. –**क्करण** पुं० अलग करवुं के पाडवुं ते
पृथिवी, पृथ्वी स्त्री० [सं.] धरती; दुनिया
पृथु वि० [सं.] मोटुं; विशाळ; विस्तृत (२) अगणित
पृष्ठ पुं० [सं.] पीठ (२) उपरनी सपाटी (३) पाछळनो भाग (४) चोपडीनुं पानुं
पेंग स्त्री० हींचकानो हेल्लो. –**मारना** = हींचकाने हेल्लो मारवो; हींचवुं
पेंडुकी स्त्री० होलो (२) जुओ 'गुझिया'
पेंदा पुं०, **पेंदी** स्त्री० तळियुं
पेंशन स्त्री० [इं.] पेनशन; निवृत्ति. ०र पुं० निवृत्त थयेलो
पेंसिल स्त्री० [इं.] पेनसिल
पेखना स०क्रि० (प.) देखवुं; जोवुं
पेच पुं० [फा.] पेच (स्क्रू, आंटो, युक्ति वगेरे). –**घुमाना** = पेच मरडवो; युक्ति करी पलटी नांखवुं
पेचक स्त्री० [फा.] दोरनी गूंचळी (२) पुं० [सं.] घुवड
पेचकश पुं० [फा.] पेचियुं
पेचताब पुं० [फा.] दाझ; मननी गुस्सो
पेचदार वि० जुओ 'पेचीदा'
पेचा पुं० 'पेचक'; घुवड

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पेचिश स्त्री० [फा.] मरडानो रोग

पेचीदा(–ला) वि० [फा.] (नाम,–**दगी**) पेचवाळुं (२) कठण; आंटीघूंटीवाळुं

पेट पुं० पेट (२) गर्भ (३) पेटुं; अंदरनो भाग (४) मन. –**काटना**=बचत करवा ओछुं खावुं. –**का पानी न पचना**= रही के रोकाई न शकावुं.–**का हलका** =हलका पेटनुं; क्षुद्र. –**गिरना**=गर्भपात थवो. –**चलना**=दस्त थवा. –**छूटना**= दस्त थवो (२) पूंछडुं छूटवुं. –**जलना** =भूख लागवी (२) गुस्सो आववो. –**जारी होना**=झाडा थवा. –**देना**= मननी वात बताववी. –**पानी होना**= पातळो झाडो थवो (२) डरवुं. –**पालना**=जेम तेम गुजारो चलाववो; पेटियुं पूरुं करवुं. –**पीटना**=पेट कूटवुं; वेचेन थवुं. –**में चूहे कूदना या दौड़ना** = खूब भूख लागवी. –**में दाढ़ी होना** =बचपनथी होशियार होवुं. –**में पाँव होना**=पाकुं, पहोंचेल होवुं. –**में पानी न पचना**=पेटमां वात न रहेवी. –**में पानी होना**=गभरावुं; चितामां पडवुं. –**में बल पड़ना**=हसवाथी पेट दुखवुं. –**लगना** = भूखथी पेट चोटी जवुं. –**से होना** = गर्भवती होवुं

पेटक पुं०[सं.] पेटी; पटारो (२) 'ढेर'

पेटल वि० मोटा पेटवाळुं; दुंदाळुं

पेटवाली स्त्री० सगर्भा स्त्री

पेटा पुं० पेटुं; अंदरनो भाग (२) नदीनो पट (३) हिसाबनुं पेटुं (४)घेराव;सीमा

पेटार,–रा पुं० पटारो

पेटार्थी,–र्थू वि० खाउधरुं; पेटूडुं

पेटी स्त्री० पटो (२) नानी पेटी

पेटू वि० जुओ 'पेटार्थी'

पेटेंट वि० [इं.] पेटंट करावेलुं (२) पुं० कोई चीज इ० सरकारमां पेटंट कराववी ते

पेट्रन पुं० [इं.] संरक्षक; समर्थक

पेट्रोल पुं० [इं.] मोटरनुं पेट्रोल

पेठा पुं० भूराकोळुं (२) तेनी एक मीठाई

पेड़ पुं० झाड. –**लगना** = झाड ऊगवुं के थवुं के रोपावुं

पेड़ा पुं० पेंडो (२) कणकनो लूओ

पेड़ी स्त्री० झाडनुं थड (२) धड

पेड़ू पुं० पेढुं (२) गर्भाशय

पेन स्त्री० [इं.] कलम

पेनी स्त्री० [इं.] पेन्स

पेन्शन स्त्री०[इं.] नोकरीमांथी निवृत्त थये मळतुं वेतन. ०**र** पुं० ते पामनार

पेन्सिल स्त्री० [इं.] सीसापेन

पेन्हाना अ०क्रि० पाहो मूकवो

पेय पुं० [सं.] पीणुं (२) पाणी (३) दूध (४) वि० पीवा योग्य

पेरना स०क्रि० पीलवुं (२) पीडवुं (३) प्रेरवुं (४) मोकलवुं

पेलना स०क्रि० घुसाडवुं (२) धकेलवुं

पेला पुं० झघडो; तकरार (२) गुनो; कसूर (३) हल्लो; चडाई (४) घुसाडवुं के धकेलवुं ते

पेवस पुं०, –**सी** स्त्री० करेटुं; तरतना वियायेला ढोरनुं दूध

पेश अ०[फा.] सामे; आगळ. –**आना**= थवुं; बनवुं (२) व्यवहार के वर्तन करवुं. –**चलना, जाना** = जोर चालवुं

पेश-क़ब्ज स्त्री० [फा.] कटारी

पेश-कश स्त्री० [फा.] भेट; बक्षिस

पेशकार पुं०[फा.] अदालतनो शिरस्ते-दार. –**री** स्त्री० तेनुं काम के पद

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पेशखेमा पुं०[फा.] फोजनी आगळ जती टुकडी के आगळ रवाना थतो तेनो सामान

पेशगी स्त्री० [फा.] कोई काम माटे अगाउथी अपाती रकम; बानुं

पेशतर अ० [फा.] पहेलां

पेशबंद पुं०[फा.] घोडानी छाती परनो पटो, जेथी जीन पाछळ सरे नहि

पेशबंदी स्त्री०[फा.] अगमचेती; पहेलेथी सावधानी [मदद करनार मजूर

पेशराज पुं० पथ्थर लावी आपी कडियाने

पेशवा पुं० [फा.] नेता; सरदार (२) मराठा राज्यनो पेशवा. ०ई स्त्री० तेनुं पद के कार्य (२) जुओ 'अगवानी'

पेशवाज़ स्त्री०[फा.] जुओ 'पिशवाज़'

पेशा पुं० [फा.] पेशो; धंधो

पेशानी स्त्री०[फा.] माथुं (२) कपाळ (३) नसीब. **–पर बल लाना** = मगज गुमाववुं; गुस्से थवुं

पेशाब पुं० पेशाब; मूत्र (२) वीर्य. ०ख़ाना पुं० मुतरडी

पेशावर पुं०[फा.] पेशावाळो; धंधादार

पेशी स्त्री०[फा.] रजूआत (२) सुनावणी (३) [सं.] पेशी; 'टिश्यु'

पेशीन-गोई स्त्री० [फा.] भविष्य कहेवुं ते

पेश्तर अ० [फा.] जुओ 'पेशतर'

पेंग स्त्री० जुओ 'पेंग'

पेंजना पुं०, **–नी** स्त्री० पगनुं एक घरेणुं

पेंठ स्त्री० पेंठ; बजार

पेंड़ पुं० डगलुं (२) रस्तो

पेंड़ा पुं० रस्तो (२) तबेलो (३) प्रणाली

पेंत स्त्री० युक्ति; पेंतरो; दाव

पेंतालीस वि० पिस्ताळीस; ४५

पेंतीस वि० पांत्रीस; ३५

पैंदा पुं०, **–दी** स्त्री० जुओ 'पेंदा,–दी'

पैंसठ वि० पांसठ; ६५

पै प्रत्यय – (सातमीनो) उपर (२) (त्रीजीनो) द्वारा (३) अ० प्रति; तरफ (४) पासे (५) पछी (६) पण

पैक पुं० [फा.] खेपियो

पैकर स्त्री० [फा.] चहेरो; सिकल

पैकार पुं० [फा.] फेरियो के परचूरण मालनो नानो वेपारी

पैख़ाना पुं० पायखानुं

पैग़म्बर पुं० [फा.] पेगंबर. **–री** वि० पेगंबरनुं (२) स्त्री० पेगंबरनुं कार्य

पैग पुं० (प.) पग; कदम

पैग़ाम पुं०[फा.] पेगाम; संदेशो. **–मी** पुं० दूत; संदेशवाहक

पैज स्त्री० (प.) प्रतिज्ञा; पण (२) होड

पैजामा पुं० पायजामो

पैज़ार स्त्री० [फा.] पेजार; जोडा

पैठ स्त्री० पेस; प्रवेश (२) गति; पहोंच

पैठना अ०क्रि० पेसवुं

पैड़ी स्त्री० सीडी (२) कूवानुं ओलण

पैतरा पुं० पेंतरो; पवित्रा (२) पगलुं

पैत(–थ)ला वि० छछरुं

पैतृक वि० [सं.] पितानुं के तेमना संबंधी

पै-दर-पै अ० [फा.] क्रमशः (२) लगातार

पैदल वि० (२) अ० पगे चालतुं; पगपाळुं (३) पुं० पायदळ

पैदा वि० [फा.] पेदा; उत्पन्न

पैदाइश स्त्री० [फा.] पेदाश; उत्पत्ति; जन्म [स्वाभाविक

पैदाइशी वि० जनम साथेनुं (२)

पैदावार,–री स्त्री०[फा.] खेतीनी पेदाश

पैना वि० [सं. पैण] तीक्ष्ण; तेज (२) पुं० बळद हांकवानो परोणो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पैंनाना स०क्रि० धार काढवी [जमीन)
पैमाइश स्त्री० [फा.] मापवुं ते (जेम के
पैमाना पुं० [फा.] धोरण
पैयाँ स्त्री० पग
पैया पुं० पोचो दाणो; खोखुं
पैर पुं० पेर; पग (२) पगलुं (३) खळुं. **–डालना**=दखल करवी; हाथ घालवो. **–तोड़ना**=टांगा तोडवा; थाकवुं. **–भर जाना**=पग भराई जवा–थाकवुं. **–भारी होना**=गर्भ रहेवो. **पैरों चलना** =पगे चालवुं [साइकल
पैर-गाड़ी स्त्री० पगनी गाड़ी; जेवी के
पैरना अ०क्रि० तरवुं
पैरवी स्त्री० [फा.] अनुसरण (२) आज्ञापालन (३) पेरवी. ०**कार** पुं० 'पैरवी' करनार
पैरा पुं० पगलुं (२) पगनुं एक घरेणुं (३) [इं.] पॅरो; फकरो
पैराई स्त्री० तरवुं ते के तेनी कळा
पैराक पुं०. तारो; तरनारो
पैराव पुं० तरीने जवाय एवुं ऊंडुं पाणी
पैराशूट पुं० [इं.] ऊंचेथी ऊतरवा विमानी छत्री
पैरी स्त्री० खळामां एकठां करेलां डूंडांनो ढग के खळुं करवुं ते
पैरो वि० [फा.] अनुयायी
पैरोकार पुं० जुओ 'पैरवीकार'
पैवंद पुं० [फा.] थींगडुं (२) झाडनी कलम (३) मित्र; सगो
पैवंदी वि० कलमी (२) वर्णसंकर
पैवस्त वि० [फा.] (प्रवाहीथी) तरबोळ
पैशाच,–चिक वि० [सं.] घोर; राक्षसी; पिशाच जेवुं [चुगली; दुष्टता
पैशुन,–न्य पुं० [सं.] पिशुनता; चाडी-
पैसना अ०क्रि० (प.) पेसवुं
पैसा पुं० पैसो (२) धन
पैसेवाला पुं० पैसादार (२) सराफ
पैंसिजर पुं० [इं.] पेसेंजर; उतारु
पैहम अ० [फा.] जुओ 'पै-दर-पै'
पैहारी वि० पय–दूध ज पीने रहेनार (साधु)
पों स्त्री० फूंकानो के पादवानो अवाज. **–बोलना**=हारी जवुं (२) देवाळुं काढवुं
पोंकना अ०क्रि० छेरवुं (२) डरवुं (३) पुं० छेरवानो (पशुनो) रोग
पोंगा पुं० नळी (वांस के धातुनी) (२) वि० पोलुं (३) मूर्ख
पोंछ स्त्री० पूंछ; पूंछडी
पोंछना स० क्रि० घसवुं; लोहवुं (२) पुं० तेने माटेनुं कपडुं
पोआ पुं० सापनो कणो
पोइया स्त्री० [फा. पोयः] घोडानी जोरदार रवाल
पोइस स्त्री० सपाटाबंध दोडवुं ते (२) अ० पोईस; हठो; खसो
पोई स्त्री० पोईनी वेल (२) घउं बाजरी इ०नो नानो छोड (३) शेरडीनी आंख
पोखर(–रा) पुं० तळाव (स्त्री० **–री**)
पोच वि० [फा. पूच] तुच्छ (२)अशक्त
पोट स्त्री० पोटली (२) ढेर
पोटला पुं० मोटुं पोटलुं
पोटली स्त्री० पोटली; नानुं पोटलुं
पोटा पुं० पेट (२) आंखनुं (उपलुं) पोपचुं (३) छाती; जोर(४)(चकलीनो) पोटो–बच्चुं
पोढ़ा वि० [सं. प्रौढ़] दृढ (२) कठण
पोढ़ाना अ०क्रि० दृढ के कठण थवुं (२) स०क्रि० दृढ के कठण करवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पोत पुं० जमीनमहेसूल; 'पोता' (२) [सं.] पशुपक्षीनुं बच्चुं (३) नानो छोड
पोतड़ा पुं० 'पूतड़ा'; बळोतियुं. **पोतड़ोंके अमीर या रईस**=अमीर खानदाननो; गर्भश्रीमंत
पोतदार पुं० महेसूल जमा राखनार (२) खजानामां रूपिया पारखनार
पोतना स०क्रि० धोळवुं; लींपवुं (२) पुं० पोतुं; कूचडो
पोतला पुं० 'पराँठा'; चोपडुं
पोता पुं० पौत्र (२) महेसूल (३) पोतुं
पोती स्त्री० पौत्री
पोथा पुं० मोटुं पोथुं (२) कागळनी थोकडी. **-थी** स्त्री० चोपडी
पोदना पुं० वामन (२) एक नानुं पक्षी
पोदीना पुं० [फा.] फुदीनो
पोना स०क्रि० (रोटलो) हाथे घडवो (२) परोववुं (३) गूंथवुं
पोप पुं०[इं.] सौथी मोटो ख्रिस्ती धर्मगुरु
पोपला वि० दांत वगरनुं; बोखलुं (२) पोपलुं; पोचकण
पोपलाना अ०क्रि० बोखुं के पोपलुं थवुं [के होवुं
पोया पुं० सापनुं बच्चुं; कणो (२) नानो छोड के बच्चुं [(२) पेराई
पोर स्त्री० आंगळ के आंगळीनो वेढो
पोल पुं० पोलाण (२) अंदरनुं पोल
पोला वि० पोलुं; खाली
पोश पुं० [फा.] (समासमां) ढांकण. उदा. मेजपोश (२) पोशाक
पोशाक, पोशिश [फा.] स्त्री० पोशाक; पहेरवेश. **पोशाक बढ़ाना** = कपडां उतारवां
पोशीदा वि०[फा.] गुप्त; ढंकायेलुं. **-दगी** स्त्री० गुप्तता; ढांकवुं के छुपाववुं ते
पोषक वि०[सं.] पोषनारुं (२) सहायक
पोषण पुं०[सं.]पोषवुं ते;पालन;सहायता
पोष(-स)ना स०क्रि०पोषवुं;पालन करवुं
पोष्य वि० [सं.] पालनपोषण करवा योग्य. **०पुत्र** पुं० दत्तक पुत्र
पोस पुं० पालणपोषण करवा माटेनो आभार-कृतज्ञता. **०पूत** पुं० दत्तक पुत्र
पोसना स०क्रि० पोषवुं; पाळवुं
पोस्ट स्त्री०[इं.] जगा;नोकरी (२) टपाल
पोस्ट आफिस पुं० [इं.] डाकघर
पोस्ट कार्ड पुं०[इं.] टपालनुं पत्तुं; कार्ड
पोस्ट मार्टम पुं०[इं.] मरण बाद कराती मडदानी चीरफाड के ते तपास
पोस्ट मास्तर पुं०[इं.] पोस्ट ऑफिसनो वडो
पोस्टमैन पुं० [इं.] टपाली
पोस्टर पुं० [इं.] जाहेरात माटे मोटो कागळ छपाय छे ते
पोस्टेज पुं० [इं.] टपालखर्च
पोस्त पुं० [फा.] छोडुं (२) पोस; अफीणनो दोडो (३) जुओ 'पोस्ता'
पोस्ता पुं० अफीणनो छोड
पोस्ती पुं०[फा.] पोस्ती; पोस उकाळी पीनार (२) आळसु
पोस्तीन पुं०[फा.] चामडानो (रुवांटी-वाळो) कोट के अमुक पोशाक
पोहना स०क्रि० 'पिरोना' (२) छेदवुं (३) अंदर घूसवुं
पौंडा, पौंड्रक पुं०[सं.] जाडी मोटी शेरडी
पौंरना अ०क्रि० 'पैरना'; तरवुं
पौ स्त्री० परव (२) रमतनुं पो (३) पोह; पो. **-बारह होना**=पो पडवुं (२) लाभनो लाग मळवो
पौआ(-वा) पुं० पाशेरो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

पौगंड पुं० [सं.] बाल्यावस्था (पांचथी दसेक वर्ष उंमरनी)
पौडर स्त्री० पाउडर
पौढ़ना अ०क्रि० जुओ 'झूलना' (२) पोढवुं; सूवुं (प्रेरक **पौढ़ाना**)
पौत्र पुं० [सं.] पुत्रनो पुत्र. (२) वि० पुत्र संबंधी. **–त्रिकेय** पुं० पुत्रीनो पुत्र. **–त्री** स्त्री० पुत्रनी पुत्री
पौद स्त्री० छोड (२) धरु
पौदर स्त्री० पगदंडी (२) रेंट के कोस या कोलुना बळदथी पडी जती वाट
पौदा,–धा पुं० छोडवो
पौन वि० पोणुं (२) पुं०, स्त्री० पवन (३) प्राण (४) भूत. **–चलाना या मारना** = जादु के टुचको करवो. **–बिठाना** = भूत वळगाडवुं
पौना पुं० पोणाना आंक (२) झारो
पौनार,–रि स्त्री० कमळनी दांडी
पौनी स्त्री० वसवायां (२) नानो 'पौना' – झारो
पौने वि० पोणुं [[सं.] पुरनुं
पौर स्त्री० जुओ 'पौरि' (२) वि०
पौरा पुं० पगलुं; 'पैरा'
पौराणिक वि० [सं.] पुराणुं (२) पुराणोनुं के ते संबंधी (३) पुं० पुराणी; पुराणवेत्ता [(३) पावडी
पौरि,–री स्त्री० सीडी (२) डेली; खडकी
पौरि(–लि)या पुं० पोळियो; द्वारपाळ
पौरुष पुं०[सं.] पुरुषत्व(२) बळं; पराक्रम (३) उद्यम; पुरुषार्थ [तेनुं करेलुं
पौरुषेय वि० [सं.] पुरुषनुं के ते संबंधी के
पौर्णमासी स्त्री० [सं.] पूनम
पौल पुं० पोळ; मोटो दरवाजो. **–लिया** पुं० जुओ 'पौरिया'

पौली स्त्री० 'पौरी'; डेली (२) पगलुं
पौवा पुं० जुओ 'पौआ'
पौष पुं० [सं.] पोष मास
पौष्टिक वि० [सं.] पुष्टि आपे एवुं
पौसर(–रा,–ला) पुं० परब
पौहारी वि० जुओ 'पैहारी'
प्याऊ पुं० परब
प्याज पुं० पियाज; डुंगळी
प्याजी वि० प्याजना रंगनुं आछुं गुलाबी
प्यादा पुं० [फा.] पायदळ सिपाई; प्यादुं (२) दूत; खेपियो
प्यार पुं० प्रेम; वहाल. **–रा** वि० प्यारुं; वहालुं
प्याला पुं० [फा.] वाडको. **–देना**=शराब पीवा आपवो. **–पीना या लेना**=शराब पीवो. **–बहना**=गर्भपात थवो.**–भरना** =आयुष पूरुं थवुं. **–ली** स्त्री० वाडकी
प्यास स्त्री० तरस (२) प्रबल इच्छा. **–बुझाना**=तरस छिपाववी. **–लगना** =तरस लागवी
प्यासा वि० तरस्युं; पिपासु
प्यून पुं० [इं.] पटावाळो; सिपाई
प्योसर पुं० करेटुं (गायनुं)
प्योसार पुं० (प.) पियर
प्रक(–ग)ट वि० [सं.] प्रगट; प्रत्यक्ष; खुल्लुं; जाहेर
प्रकरण पुं० [सं.] पुस्तकनुं प्रकरण; अध्याय (२) विषय; प्रसंग (३) चर्चा; वृत्तांत [जात; भेद
प्रकार पुं० [सं.] रीत; तरेह (२)
प्रकाश पुं० [सं.] तेज; अजवाळुं (२) विकास; स्फोट; साफ समज (३) प्रसिद्धि
प्रकाशक पुं० [सं.] प्रकाश करनार

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

प्रकीर्ण वि० [सं.] मिश्रित (२) छूटुंछवायुं (३) विविध; परचूरण (४) फेलायेलुं; विस्तृत [प्राकृतिक; स्वाभाविक

प्रकृत वि० [सं.] असली; खरुं (२)

प्रकृति स्त्री० [सं.] स्वभाव; मिजाज (२) कुदरत; निसर्ग (३) जगतनी मूळ शक्ति; माया

प्रकोप पुं० [सं.] अधिक कोप (२) रोगनुं के कोई वस्तुनुं वधारेपडतुं जोर थवुं ते – अतिशयता

प्रकोष्ठ पुं० [सं.] मुख्य दरवाजा पासेनी ओरडी (२) आंगण; वाडो

प्रक्रिया स्त्री० [सं.] क्रिया के तेनी रीत – युक्ति; विधि

प्रक्षालन पुं० [सं.] धोवुं ते

प्रक्षिप्त वि० [सं.] फेंकेलुं (२) क्षेपक; पछीथी घसाडेलुं के नांखेलुं

प्रक्षेप,०ण पुं० [सं.] फेंकवुं ते (२) प्रक्षिप्त होवुं ते; क्षेपक (३) भागीदारे नांखेली मूडी

प्रखर वि० [सं.] उग्र; तीव्र; तीक्ष्ण

प्रख्यात वि० [सं.] प्रसिद्ध; मशहूर. -ति स्त्री० कीर्ति

प्रगट वि० जुओ 'प्रकट'. **०ना** अ०क्रि० प्रगट के जाहेर थवुं

प्रगल्भ वि० [सं.] प्रतिभावान; चतुर (२) साहसिक; निर्भय (३) उद्दंड; अमर्याद

प्रगाढ़ वि० [सं.] बहु गाढुं (२) खूब; बहु

प्रचंड वि० [सं.] तेज; उग्र; प्रखर (२) प्रबळ; जोरदार (३) भयंकर

प्रचलन पुं० [सं.] चलण; रिवाज; चाल

प्रचलित वि० [सं.] चालु; रिवाज पडेलुं

प्रचार पुं० [सं.] फेलावो (२) चाल; रिवाज

हिं–२२

प्रचारक वि० (२) पुं० प्रचार करनार

प्रचारना स०क्रि० फेलाववुं; प्रचार करवो

प्रचुर वि० [सं.] बहु; खूब

प्रच्छन्न वि० [सं.] छूपुं; ढांकेलुं; गुप्त

प्रजनन पुं० [सं.] प्रजोत्पत्ति (२) जणवुं के जणाववुं (दाईए) ते (३) पिता

प्रजा स्त्री० [सं.] संतान; परिवार (२) रैयत

प्रजातंत्र पुं० [सं.] प्रजा द्वारा – तेना प्रतिनिधिथी चालतुं राज्यतंत्र; लोकशाही राज्यव्यवस्था [(३) पिता

प्रजापति पुं० [सं.] ब्रह्मा (२) राजा

प्रजावती स्त्री० [सं.] बहु प्रजावाळी स्त्री (२) सगर्भा (३) भाभी

प्रजासत्ता स्त्री० [सं.] प्रजातंत्र. **०क** वि०

प्रज्ञ वि० [सं.] विद्वान; जाणकार

प्रज्ञा स्त्री० [सं.] बुद्धि; विवेकशक्ति. **०चक्षु** वि० ज्ञानी (२) अंध

प्रज्वलन पुं० [सं.] बळवुं के सळगवुं ते

प्रज्वलित वि० [सं.] बळतुं; धगधगतुं

प्रण पुं० पण; प्रतिज्ञा

प्रणत वि० [सं.] नमेलुं के नमन करतुं (२) नम्र (३) पुं० दास; भक्त. **०पाल** पुं० दास के भक्तनो पाळनार

प्रणति स्त्री० [सं.] नमन; प्रणाम (२) नम्रता (३) विनंती

प्रणय पुं० [सं.] प्रेम (२) प्रेमपूर्वक विनंती (३) विश्वास; श्रद्धा (४) मोक्ष (५) प्रसव; छुटकारो

प्रणयन पुं० [सं.] रचना; निर्माण

प्रणयी वि० [सं.] प्रेमपात्र; प्रेमी (२) पुं० पति (स्त्री० **-यिनी**)

प्रणव पुं० [सं.] ओमकार (२) परमेश्वर

प्रणवना स०क्रि० प्रणामवुं; नमवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

प्रणाम पुं० [सं.] नमस्कार. **-मी** वि० प्रणाम करनार

प्रणाली स्त्री०[सं.]प्रथा; परंपरा; रिवाज (२)शैली; रीत(३)पाणी जवानी नीक; 'नाली' [अर्पण; भक्ति

प्रणिधान पुं० [सं.] एकाग्रता; ध्यान (२)

प्रणिपात पुं० [सं.] प्रणाम; पगे लागवुं ते

प्रणीत वि० [सं.] रचित; बनावेलुं (२) मंतरेलुं (३) पुं० मंतरेलुं पाणी

प्रणेता पुं० [सं.] रचनार; कर्ता

प्रताप पुं० [सं.] प्रभाव; तेज; बळ; वीरता. **०वान,-पी** वि० प्रतापवाळुं

प्रतारक वि० [सं.] ठगनार; छेतरनार

प्रतारण पुं०, **-णा** स्त्री० ठगवुं के छेतरवुं ते

प्रतिचा स्त्री० धनुषनी प्रत्यंचा

प्रति अ० [सं.] भणी; तरफ (२) स्त्री० प्रत; नकल

प्रति(-ती)कार पुं०[सं.]सामनो; वदलो (२) उपाय; इलाज [विरुद्ध

प्रतिकूल वि० [सं.] प्रतिकूळ; नामाफक;

प्रतिकृति स्त्री० [सं.] छबी; प्रतिमा (२) नकल (३) प्रतिबिंब (४) प्रतिकार; वदलो

प्रतिक्रिया स्त्री० [सं.] प्रतिकार (२) सामेथी परिणमती क्रिया; प्रत्याघात

प्रतिग्रह पुं० [सं.] ग्रहण करवुं ते (२) पाणिग्रहण; विवाह (३) सामे थवुं के जवाव आपवो ते [रुकावट

प्रतिघात पुं० [सं.] प्रत्याघात (२) बाधा;

प्रतिच्छाया [सं.], **प्रतिछांई(-ह,-ही)**, **प्रतिछाया** स्त्री० पडछायो (२)प्रतिबिंब

प्रतिज्ञा स्त्री० [सं.] पण; वचन; शपथ; एकरार

प्रतिदान पुं०[सं.]परत करवुं ते(२)वदलो

प्रतिदिन अ० [सं.] रोज; नित्य

प्रतिद्वंद्वी पुं० [सं.] सामेवाळो; शत्रु (२) बरोबरियो. **-द्विता** स्त्री० विरोध; सामनो

प्रतिध्वनि स्त्री० [सं.] पडघो

प्रतिनिधि पुं० [सं.] प्रतिमा (२) -ने वदले काम करवाना अवेज - अधिकारवाळो

प्रतिपक्ष पुं० [सं.] विरोधपक्ष (२) विरोधी; प्रतिवादी; शत्रु. **-क्षी** पुं० विरोधी; शत्रु

प्रतिपत्ति स्त्री० [सं.] प्रतीति; ज्ञान (२) प्रतिपादन; समर्थन; निरूपण

प्रतिपदा स्त्री० [सं.] पडवो

प्रतिपन्न वि० [सं.] प्रतीत; जाणेलुं (२) साबित के नक्की थयेलुं (३) शरणे आवेलुं

प्रतिपादन पुं० [सं.] प्रतिपत्ति; समज (२) समर्थन; साबित के सिद्ध करवुं ते

प्रतिपालक पुं० [सं.] पालक; रक्षक. **-न** पुं० पालन; रक्षण [परिणाम; फळ

प्रतिफल पुं० [सं.] छाया; प्रतिबिंब (२)

प्रतिबंध पुं०[सं.] मनाई (२) रुकावट; बाधा (३) प्रबंध; बंदोबस्त. **०क** वि० प्रतिबंध करनारुं

प्रतिबंधु पुं० [सं.] भाई समान ते

प्रतिबिंब पुं०[सं.] पडछायो (२) प्रतिमा; छबी (३) अरीसो

प्रतिभा स्त्री०[सं.]असाधारण बुद्धिशक्ति

प्रतिभू पुं० [सं.] जामिन

प्रतिमा स्त्री० [सं.] मूर्ति (२) प्रतिबिंब

प्रतियोगिता स्त्री०[सं.] हरीफाई; होड (२) विरोध [भागीदार

प्रतियोगी पुं०[सं.] शत्रु; हरीफ(२)साथी;

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

प्रतिलिपि स्त्री० [सं.] नकल; 'कॉपी'
प्रतिलोम वि० [सं.] ऊलटा क्रमवाळुं (२) प्रतिकूळ (३) हलकुं
प्रतिवाद पुं० [सं.] सामे वाद – खंडन के तेनी चर्चा या जवाब. **–दी** पुं० प्रतिवाद करनार (२) प्रतिपक्षी
प्रतिवास पुं०[सं.]पडोश.**–सी** पुं० पडोशी
प्रतिवेश पुं०[सं.]पडोश. **–शी** पुं० पडोशी
प्रतिशब्द पुं० [सं.] पडघो
प्रतिशोध पुं० [सं.] बदलो; वेर
प्रतिषिद्ध वि०[सं.] निषिद्ध; मना; वर्ज्य
प्रतिषेध पुं०[सं.] निषेध;मनाई (२)खंडन
प्रतिष्ठा स्त्री०[सं.] स्थापना (२) मूर्तिनी स्थापना (३)यश;आबरू(४)स्थान;जगा
प्रतिष्ठान पुं० [सं.] स्थापवुं ते (२) देव इ० नी प्रतिष्ठा (३) स्थान; जगा
प्रतिष्ठित वि० [सं.] प्रतिष्ठा थयेलुं के पामेलुं [**–र्धी** पुं० हरीफ
प्रतिस्पर्धा स्त्री० [सं.] स्पर्धा; हरीफाई.
प्रतिहत वि०[सं.] पाछुं पडेलुं; रोकायेलुं (२) निराश [प्रतिहारी
प्रतिहार पुं०[सं.] दरवाजो; द्वार (२)
प्रतिहारी पुं० [सं.] द्वारपाळ
प्रतीक वि०[सं.] ऊलटुं (२) विरुद्ध (३) पुं० चिह्न (४)प्रतिरूप (५) अंग;अवयव
प्रतीकार पुं० [सं.] जुओ 'प्रतिकार'
प्रतीक्षा स्त्री० [सं.] राह; वाट (२) परिपालन; भरणपोषण
प्रतीची स्त्री०[सं.] पश्चिम दिशा. ०**न**, **–च्य** वि० पश्चिमनुं
प्रतीत वि०[सं.]विदित; ज्ञात; समजायेलुं. **–ति** स्त्री० ज्ञान; समज (२) विश्वास
प्रतीप वि० [सं.]ऊलटुं; सामेनुं [पक्षी
प्रतुद पुं० [सं.] चांचथी तोडीने खानार
प्रतोली स्त्री०[सं.] नानी सडक; गली
प्रत्न वि० [सं.] प्राचीन; पुराणुं
प्रत्यंचा स्त्री० [सं.] धनुषनी दोरी
प्रत्यक्ष वि०[सं.] आंखो सामेनुं; उघाडुं (२) पुं० प्रत्यक्ष प्रमाण
प्रत्यय पुं०[सं.] प्रतीति; विश्वास (२) पतीज (३) व्याकरणनो प्रत्यय
प्रत्यागत वि०[सं.] पाछुं आवेलुं
प्रत्यागमन पुं० [सं.] पाछुं आववुं ते
प्रत्याघात पुं० [सं.] प्रतिक्रिया; टक्कर
प्रत्यावर्तन पुं०[सं.] पाछुं आववुं ते
प्रत्याशा स्त्री० [सं.] आशा; भरोंसो
प्रत्युत अ० [सं.] बल्के; ऊलटुं
प्रत्युत्तर पुं०[सं.] उत्तरनो उत्तर; पड-उत्तर [उपकार
प्रत्युपकार पुं० [सं.] उपकार सामे
प्रत्यूष पुं० [सं.] सवार (२) सूर्य
प्रत्येक वि० [सं.] दरेक
प्रथम वि०[सं.] पहेलुं (२) मुख्य. ०**पुरुष** पुं० पहेलो पुरुष (व्याकरणमां)
प्रथा स्त्री० [सं.] रिवाज; रीत
प्रदक्षिण पुं०, **–णा** स्त्री०[सं.] भक्तिथी चारे तरफ फरवुं ते
प्रदर पुं० [सं.] एक स्त्री-रोग
प्रदर्शक पुं०[सं.] देखाडनार (२) जोनार; प्रेक्षक. **–न** पुं० देखाडवुं ते (२) जुओ 'प्रदर्शनी'
प्रदर्शनी स्त्री० प्रदर्शन; 'नुमाइश'
प्रदान पुं०[सं.] दान; भेट (२) विवाह
प्रदायक वि० [सं.] देनार; दाता
प्रदाह पुं० [सं.] दाह; बळतरा
प्रदीप पुं० [सं.] दीवो (२) प्रकाश
प्रदीप्त वि०[सं.] प्रकाशित; उज्ज्वळ
प्रदीप्ति स्त्री० [सं.] प्रकाश (२) चमक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

प्रदेश पुं०[सं.] देशनो विभाग; प्रांत (२) स्थान (३) वेंत माप

प्रदोष पुं० [सं.] सूर्यास्त; संध्याकाळ

प्रद्योत पुं०[सं.] किरण (२)दीप्ति;चमक

प्रधान वि०[सं.] मुख्य (२) उत्तम (३) पुं० सचिव; वजीर (४) सृष्टिनुं प्रधान के मूळतत्त्व

प्रध्वंस पुं० [सं.] ध्वंस; नाश

प्रपंच पुं०[सं.] सृष्टिनो विस्तार; जंजाळ (२) झंझट; बखेडो (३) ढोंग; छळ. **–ची** वि० प्रपंचवाळुं

प्रपत्ति स्त्री०[सं.]अनन्य भक्ति(२)शरण लेवुं ते [शरणागत

प्रपन्न वि० [सं.] प्राप्त; पहोंचेलुं (२)

प्रपात पुं०[सं.] धोध (२) ऊभी भेखड

प्रपितामह पुं०[सं.]पडदादा;दादाना पिता

प्रफुल्ल वि०[सं.] खीलेलुं (२) फूलेलुं-फालेलुं (३) प्रसन्न [निबंध

प्रबंध पुं०[सं.] व्यवस्था; बंदोबस्त (२)

प्रबल वि०[सं.] प्रबळ; बळवान (२) उग्र; जोरदार [(३) प्रफुल्ल

प्रबुद्ध वि०[सं.] जागेलुं; चेतेलुं (२) ज्ञानी

प्रबोध,०न पुं०[सं.] ज्ञान; चेतना; जागृति (२) सांत्वन; दिलासो (३) चेतवणी

प्रबोधना स०क्रि० (प.) जगाडवुं; चेतववुं (२) दिलासो आपवो [अगियारश

प्रबोध(–धि)नी स्त्री० [सं.] देवऊठी

प्रभव पुं०[सं.] जन्म; उत्पत्ति (२) सृष्टि

प्रभा स्त्री० [सं.] तेज; चमक; प्रकाश

प्रभाकर पुं०[सं.] सूर्य, चंद्र के अग्नि

प्रभाकीट पुं० [सं.] आगियो

प्रभात पुं० [सं.] सवार. **–ती** स्त्री० प्रभातियुं

प्रभाव पुं० [सं.] महिमा; प्रताप (२) शक्ति (३) दोरदमाम (४) असर

प्रभावित वि० [सं.] प्रभावमां आवेलुं

प्रभास पुं० [सं.] तेज; ज्योति

प्रभु पुं० [सं.] स्वामी; अधिपति (२) परमेश्वर

प्रभृति अ० [सं.] वगेरे; इत्यादि

प्रमत्त वि०[सं.] मस्त; नशामां चकचूर (२) पागल

प्रमदा स्त्री० [सं.] युवती; प्रेमदा

प्रमाण पुं० [सं.] साचा ज्ञाननुं साधन (२) पुरावो; साबिती (३) परिमाण; माप; मर्यादा

प्रमाणपत्र पुं० [सं.] योग्यता इ०नुं खातरीपत्रक [प्रमाणवाळुं

प्रमाणित वि० [सं.] साबित; सिद्ध;

प्रमाद पुं० [सं.] सुस्ती; आळस (२) भूल; भ्रांति; गफलत (३) मद; नशो. **–दी** वि० प्रमादवाळुं

प्रमीला स्त्री०[सं.] तंद्रा (२) शिथिलता

प्रमुख वि० [सं.] मुख्य; प्रधान (२) मान्य; अग्रेसर (३) अ० इत्यादि

प्रमेय वि०[सं.] जेनुं ज्ञान के माप मळी शके एवुं

प्रमेह पुं० [सं.] एक मूत्ररोग

प्रमोद पुं०[सं.] मजा; आनंद; मनोरंजन

प्रयत्न पुं० [सं.] महेनत; कोशिश

प्रयागवाल पुं० प्रयागतीर्थनो पंडो

प्रयाण पुं०[सं.] जवुं के ऊपडवुं ते (२) आक्रमण (३) आरंभ

प्रयास पुं० [सं.] प्रयत्न; महेनत

प्रयुक्त वि०[सं.] जोडायेलुं; लागेलुं (२) काममां आणेलुं; प्रयोजायेलुं

प्रयुत वि०[सं.] सहित (२) मळेलुं (३) पुं० दस लाख; 'मिलियन'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

प्रयोग पुं०[सं.] काममां लेवुं–वापरवुं ते (२) अजमावी के वापरी जोवुं ते (३) दाखलो; दृष्टांत (४) मंत्रनो प्रयोग (५) व्याजे धीरवुं ते

प्रयोजक पुं०[सं.] प्रयोग करनार

प्रयोजन पुं०[सं.] अर्थ; हेतु (२) मतलब; गरज (३) उपयोग

प्रलंब वि०[सं.] अति लांबु (२) लटकतुं; टींगावेलुं (३) सुस्त; ढीलुं (४) पुं० लटकवुं ते (५) डाळी

प्रलय पुं०[सं.] लय थवुं ते (२) संसारनो सर्वनाश. **–यंकर** वि० प्रलयकारी

प्रलाप पुं०[सं.] नकामो बकवाद; लवारो. **–पी** वि० ते करनार

प्रलेप,०न पुं०[सं.] लेप, मलम इ० के ते चोपडवुं ते

प्रलोभ,०न पुं० [सं.] लोभ; लालच

प्रवंचना स्त्री० [सं.] वंचना; ठगाई

प्रवचन पुं० [सं.] स्पष्ट निरूपण के विवरण(२)धर्म के नीति पर व्याख्यान

प्रवर वि०[सं.] श्रेष्ठ; मुख्य (२) पुं० संतान (३) अगरबत्ती (४) गोत्रना प्रवर्तक मुनि

प्रवर्तक पुं० [सं.] संचालक (२) प्रथम प्रवर्तावनार–चलावनार (३) मध्यस्थ; पंच

प्रवर्तन पुं०[सं.] प्रवर्तवु के प्रवर्ताववुं ते

प्रवाद पुं०[सं.] वातचीत (२) कूथली; निंदा (३) अफवा; ऊडती वात

प्रवास पुं०[सं.] परदेश के त्यां निवास. **–सी** वि० परदेशवासी. **–सित** वि० देशनिकाल थयेलुं

प्रवाह पुं० [सं.] (पाणी इ०) वहेवुं ते; (२) वहेतुं पाणी (३) क्रम; प्रघात

प्रवाही वि०[सं.] वहेतुं के वहे एवुं (२) स्त्री० रेती

प्रविसना अ० क्रि० (प.) प्रवेशवुं

प्रवीण वि० [सं.] कुशळ; होशियार

प्रवृत्त वि० [सं.] (काममां) लागेलुं के लगाडेलुं; रोकायेलुं

प्रवृत्ति स्त्री०[सं.] वलण; रुचि; झुकाव (२) कामकाज (३) संसारनुं कामकाज के तेमां लागवुं ते [पहोंच

प्रवेश पुं०[सं.] दाखल थवुं ते (२) गति;

प्रव्रज्या स्त्री० [सं.] संन्यास

प्रशंसा स्त्री०[सं.] वखाण; तारीफ. **–सक** पुं० वखाणनार (२) खुशामतियो. **–सनीय** वि० वखाणने पात्र

प्रशस्त वि०[सं.]वखणायेलुं;उत्तम. **–स्ति** स्त्री० प्रशंसा. **–स्य** वि० प्रशंसनीय

प्रशाखा स्त्री० [सं.] शाखानी शाखा; डाळखी

प्रश्न पुं० [सं.] सवाल. **–श्नोत्तर** पुं० सवाल-जवाब (२) पूछपरछ

प्रश्रय पुं० [सं.] आश्रय (२) टेको

प्रसंग पुं०[सं.] अवसर; मोको (२) मेळ; लाग (३) बनाव (४) प्रकरण; विषय

प्रसन्न वि०[सं.] राजी; खुशी (२) स्वच्छ

प्रसव पुं०[सं.] जनमवुं ते; प्रसूति (२) संतान के फलफूल

प्रसाद पुं०[सं.] कृपा; महेरबानी (२) प्रसन्नता(३)निर्मळता(४)देवनो प्रसाद

प्रसादी स्त्री० प्रसाद (२) वि० कृपाळु (३) निर्मळ [संचार; गमन

प्रसार पुं०[सं.] पसारो; फेलावो (२)

प्रसिद्ध वि०[सं.] जाणीतुं (२) शणगारेलुं. **–द्धि** स्त्री० ख्याति (२) शणगार

प्रसुप्त वि०[सं.] ऊंघेलुं. **–प्ति** स्त्री० ऊंघ

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

प्रसू स्त्री० [सं.] जणनारी (२) माता
प्रसूत पुं० प्रसूति बाद थतो स्त्री-रोग; सुवारोग (२) संतान; प्रजा (३) वि० प्रसवेलुं [खाटलावश स्त्री
प्रसूता,–तिका स्त्री० [सं.] प्रसवथी
प्रसूति स्त्री०[सं.] जणवुं ते; प्रसव (२) उत्पत्ति (३) संतान; प्रजा
प्रसून पुं० [सं.] फळ के फूल
प्रसेद पुं० (प.) प्रस्वेद; परसेवो
प्रस्ताव पुं० [सं.] प्रसंग; अवसर (२) चर्चा; प्रकरण; विषय (३) दरखास्त; चर्चा माटेनो ठराव (४) प्रस्तावना
प्रस्तावना स्त्री० [सं.] आरंभ के ते माटेनुं लखाण इ०; उपोद्घात
प्रस्तुत वि०[सं.] प्रासंगिक; प्रसंगोचित; उपस्थित
प्रस्थ पुं० [सं.] पहाड परनो सपाट प्रदेश; 'टेबल-लॅन्ड' (२) पहोळो विस्तार
प्रस्थान पुं० [सं.] जवुं के ऊपडवुं ते; प्रयाण (२) विजययात्रा
प्रस्वेद पुं० [सं.] परसेवो [भाग
प्रहर पुं० [सं.] पहोर; दिवसनो ८ मो
प्रहरी पुं० [सं.] दर पहोरे टकोरा मारनार चोकीदार; पहेरावाळो
प्रहसन पुं० [सं.] हांसी; मश्करी (२) एक प्रकारनुं नाटक
प्रहार पुं० [सं.] घा; मार
प्रहारना स०क्रि० (प.) प्रहार करवो (२) अस्त्र फेंकवुं [कोयडो; समस्या
प्रहेलिका स्त्री० [सं.] जुओ 'पहेली';
प्रांगण(–न) पुं० [सं.] आंगणुं; चोक
प्रांजल वि० [सं.] सीधुं; सरळ (२) साचुं; प्रामाणिक; सालस [हाथवाळुं
प्रांजलि वि० [सं.] दीनताथी जोडेला

प्रांत पुं० [सं.] प्रदेश; इलाको (२) सीमा (३) किनारो; छेडो
प्रांतर पुं० [सं.] बे स्थानो के वच्चेनो लांबो झाडपान वगरनो रस्तो के वेरान प्रदेश [तेने लगतुं
प्रांतिक, प्रांतीय वि० [सं.] प्रांतनुं के
प्रांशु वि० [सं.] ऊंचुं
प्राइवेट वि० [इं.] खानगी; निजी
प्राका(–चो)र पुं० [सं.] कोट; किल्लो
प्राकृत वि० [सं.] स्वाभाविक (२) भौतिक; प्राकृतिक (३) सामान्य; लौकिक; मामूली (४) स्त्री० प्राकृत भाषा
प्राकृतिक वि० [सं.] जुओ 'प्राकृत'
प्राक् वि० [सं.] पहेलुं; पूर्व
प्राक्कथन पुं० [सं.] शरूना बे बोल; प्रस्तावना
प्राक्तन पुं० [सं.] नसीब (२) वि० प्राचीन; पहेलांनुं [मत-पद्धति
प्राक्सी स्त्री० [इं.] प्रॉक्सी; अवेज-
प्राङ्मुख वि० [सं.] पूर्वाभिमुख
प्राची स्त्री० [सं.] पूर्व दिशा
प्राचीन वि० [सं.] पुराणुं; जूनुं; पूर्वनुं
प्राचीर पुं० [सं.] जुओ 'प्राकार'
प्राचुर्य पुं० [सं.] प्रचुरता; बाहुल्य; अधिकता
प्राच्य वि० [सं.] पूर्वनुं; प्राचीन
प्राज्ञ वि० [सं.] बुद्धिमान; विद्वान
प्राण पुं० [सं.] वायु; हवा (२) जीव (३) शक्ति; बळ. ०**दंड** पुं० मोतनी सजा. ०**दान** पुं० जीवन आपवुं ते (२) मोतथी कोईने बचाववुं ते
प्राणांत पुं० [सं.] मोत
प्राणी पुं० [सं.] जीव (२) जंतु

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

प्रातः[सं.],**प्रात** (प.) पुं० सवार (२) अ० सवारे [परवारवुं ते
प्रातःकर्म पुं० [सं.] सवारमां शौचादिथी
प्रातःकाल पुं० [सं.] सवार
प्रातःस्मरण पुं० [सं.] सवारनुं ईश्वर-स्मरण. **–णीय** वि० पूज्य [आदि
प्राथमिक वि० [सं.] प्रारंभिक; शरूनुं;
प्रादुर्भाव पुं० [सं.] अस्तित्वमां आववुं के प्रगट थवुं ते (२) उत्पत्ति
प्रादुर्भूत वि० [सं.] प्रगट थयेलुं; हयातीमां आवेलुं (२) उत्पन्न
प्रादेशिक वि० [सं.] प्रदेशनुं के ते संबंधी
प्राधान्य पुं० [सं.] मुख्यत्व (२) श्रेष्ठता
प्रापना स०क्रि० (प.) पामवुं; प्राप्त थवुं
प्राप्त वि० [सं.] मळेलुं के मेळवेलुं (२) पेदा थयेलुं के आवी मळेलुं. **०काल** पुं० उचित समय (२) मरणकाळ
प्राप्तव्य, प्राप्य वि० [सं.] मेळववा योग्य
प्राप्ति स्त्री० [सं.] प्राप्त थवुं ते (२) आवक; मळतर (३) भाग्य
प्राबल्य पुं० [सं.] प्रबळता; जोर
प्रामाणिक वि० [सं.] प्रमाणसिद्ध (२) मानवा जेवुं (३) ठीक; साचुं
प्रामिसरी नोट पुं० [इं.] हूंडी के चलणी नोट [घणुं करीने
प्रायः अ० [सं.] लगभग (२) बहुधा;
प्राय(–यो)द्वीप पुं० [सं.] द्वीपकल्प
प्रायशः अ० [सं.] प्रायः; घणुं करीने
प्रायश्चित्त पुं० [सं.] पाप धोवा करातुं कर्म [सामान्य
प्रायिक वि० [सं.] प्रायः थाय एवुं;
प्रायोगिक वि० [सं.] नित्य प्रयोग के उपयोगमां आवतुं
प्रायोद्वीप पुं० [सं.] जुओ 'प्रायद्वीप'
प्रायोपवेश, ०न पुं० [सं.] प्राणांतक अनशनव्रत. **–शी** वि० ते करनार
प्रारंभ पुं०[सं.] शरूआत (२) उपाडेलुं काम. **–भिक** वि० शरूनुं; आदि
प्रारब्ध पुं०[सं.] नसीब (२) वि० शरू थयेलुं के करायेलुं
प्रार्थना स्त्री०[सं.] विनंती; नम्र निवेदन (२) याचना; मागणी (३) उपासना; ईश्वर-स्तुति (४) स० क्रि० (प.) प्रार्थना करवी. **०पत्र** पुं० निवेदन-पत्र; अरजी [याचनार; उमेदवार
प्रार्थी वि०[सं.]प्रार्थना करनार; इच्छुक;
प्रालेय पुं० [सं.] जुओ 'पाला'
प्राविट (प.),**प्रावृट्,–ष्,–षा** [सं.] स्त्री० वर्षाऋतु
प्राशन पुं० [सं.] अशन; खावुं ते
प्राशी वि०[सं.] खानार; प्राशन करनार
प्राश्निक पुं०[सं.] प्रश्नकार (२) सभानो सदस्य [लगतुं के ते विषेनुं
प्रासंगिक वि०[सं.] प्रसंग पूरतुं के तेने
प्रासाद पुं० [सं.] महेल
प्रासादिक वि०[सं.] दयाळु; कृपाळु (२) सुंदर; सरस; प्रसन्न
प्रासीक्यूटर पुं०[इं.] प्रोसिक्यूटर; केस कोर्ट आगळ मूकनार वकील
प्रास्पेक्टस पुं०[इं.] प्रॉस्पेक्टस; संस्था के मंडळीनुं निवेदन के बोधपत्र
प्राहुण,०क पुं० [सं.] परोणो; महेमान
प्रिंटिंग स्त्री० [इं.] छपाई; छापकाम. **०प्रेस** पुं० छापखानुं. **०मशीन** स्त्री० छापवानुं यंत्र; प्रेस
प्रिंसिपल पुं०[इं.] प्रिन्सिपाल; आचार्य (२) मुद्दल
प्रियंवद वि०[सं.]प्रिय लागे एवुं बोलनार

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

प्रिय वि०[सं.] वहालुं; प्यारुं (२) पुं० स्वामी (३) जमाई (४) भलुं; हित
प्रिया स्त्री०[सं.] स्त्री (२) पत्नी (३) माशूक [स्त्री० प्रीति
प्रीत वि०[सं.] प्यारुं; प्रिय (२) पुं०,
प्रीतम पुं० पति (२) वि० अति प्रिय
प्रीति स्त्री० [सं.] प्रेम; स्नेह (२) खुशी; प्रसन्नता. ०**भोज** पुं० प्रीति-भोजन; जमण [प्रूफ
प्रूफ पुं० [इं.] साबिती (२) छापखानानुं
प्रूम पुं० दरियानी ऊंडाई मापवानी दोरीनो सीसानो गठ्ठो
प्रेक्षक पुं० [सं.] 'दर्शक'; जोनार
प्रेक्षण पुं० [सं.] आंख (२) जोवुं ते
प्रेक्षा स्त्री० [सं.] जोवुं ते (२) नजर (३) प्रज्ञा
प्रेत पुं० [सं.] मरेलो जीव (२) भूत (३) पहोंचेल ने पूरो कंजूस के स्वार्थी माणस
प्रेतकर्म पुं० [सं.] अंत्येष्टि; मरण पछीनो बधो विधि
प्रेतगृह पुं० [सं.] श्मशान के कबरस्तान के दखमुं इ०
प्रेतनी, प्रेता [सं.] स्त्री० पिशाचणी; भूतडी
प्रेताशौच पुं० [सं.] सूतक; शोक
प्रेती पुं० प्रेतपूजक
प्रेम पुं० [सं.] प्रीति; वहाल; स्नेह
प्रेमिक वि० प्रेमी. **–का** स्त्री० प्रिया; माशूक [(२) आशक
प्रेमी वि०[सं.] प्रेम राखनार के करनार
प्रेय(०स्) वि० [सं.] प्रिय; मनपसंद
प्रेयसी स्त्री०[सं.] प्यारी स्त्री; 'प्रेमिका'
प्रेरक पुं० [सं.] प्रेरनार; प्रेरणा देनार
प्रेरणा स्त्री०[सं.] कार्यमां लगाडवुं ते (२) प्रोत्साहन; उत्तेजना; उश्केरणी (३) दबाण; धक्को
प्रेरित वि० [सं.] प्रेरायेलुं
प्रेषक पुं०[सं.] मोकलनार (२) प्रेरक
प्रेषण पुं०[सं.] मोकलवुं ते (२) प्रेरणा
प्रेस पुं० [इं.] छापखानुं के तेनुं यंत्र
प्रेसिडेन्ट पुं० [इं.] प्रमुख; सभापति
प्रोक्त वि० [सं.] कहेवायेलुं; उक्त
प्रोग्राम पुं०[इं.] कार्यक्रम के तेनो पत्र
प्रोटेस्टेन्ट पुं० [इं.] प्रोटेस्टन्ट ख्रिस्ती
प्रोत वि० [सं.] ओतप्रोत (२) छुपायेलुं
प्रोत्साह पुं०[सं.] उत्साह; उमंग. ०**न** पुं० उत्साह के उत्तेजना आपवां ते
प्रोफेसर पुं० [इं.] कॉलेजनो अध्यापक
प्रोबेशन पुं० [इं.] नोकरीनो हंगामो
प्रोमोशन पुं० [इं.] नोकरी के वर्गमां उपर चडवुं ते
प्रोषित वि०[सं.] 'प्रवासी'; परदेश गयेलुं
प्रौढ़ वि० [सं.] आधेड उंमरनुं; पीढ (२) परिपक्व; पूरुं अनुभवी; समजु; ठरेल
प्लक्ष पुं० [सं.] पीपळानुं झाड
प्लवंग,०म पुं०[सं.] वांदरुं (२)हरण;मृग
प्लाट पुं०[इं.] प्लॉट; जमीननो टुकडो, (२) नाटकनुं वस्तु
प्लान पुं० [इं.] नकशो; योजना
प्लावन पुं० [सं.] पाणीनी रेल (२) खूब धोवुं ते (३) तरवुं ते
प्लावित वि०[सं.] तरबोळ (२) पुं० रेल
प्लास्टर पुं०[इं.] मकाननुं प्लास्टर (२) दाक्तरी प्लास्टर
प्लीडर पुं० [इं.] वकील
प्लीहा स्त्री० [सं.] बरोळ; 'तिल्ली'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

प्लुत पुं० [सं.] 'पोई'; घोडानी एक रवाल (२) प्लुत स्वर (३) वि० प्लावित; तरबोळ

प्लेग पुं० [इं.] कोगळियुं; प्लेग रोग

प्लैटफार्म पुं० [इं.] प्लॅटफॉर्म; फलाट

प्लैटिनम पुं० [इं.] एक कीमती धातु

फ

फंक स्त्री० फांक; चीरी

फंका पुं० फाको (२) फांक; चीरी

फंकी स्त्री० फाकी

फंग (प.), **फंद,-दा** पुं० फंद; बंधन; जाळ; कपट [फसावुं

फंदना अ०क्रि० (प.) फंदमां पडवुं;

फंदवार वि० फंदामां नांखनार

फंदा पुं० जुओ 'फंद'. **-छुड़ाना**=फंदामांथी मुक्त करवुं. **-देना, -लगाना**=फंदामां फसाववुं. **-पड़ना, -लगना**=फंदामां पडवुं के फसावुं

फंदाना स०क्रि० फंदमां नांखवुं

फँसना अ०क्रि० फसावुं (प्रेरक **फँसाना**)

फँसिहारा वि०फसावनार(स्त्री०,**-रिन**)

फ़क़ वि० [अ.] फग; सफेद (२) विवर्ण

फक्किका स्त्री० [सं.] कोयडो; प्रश्न (२) फसामणी

फ़क़त अ० [अ.] फक्त; केवळ; मात्र

फ़क़ीर पुं० [अ.] फकीर; साधु (२) भिखारी (३) गरीब-निर्धन माणस. **-री** स्त्री० फकीरपणुं

फ़क्र स्त्री० [अ.] दीनता (२) फकीरी (३) जरूर पूरती ज कामना होवी ते

फ़ख़र, फ़ख़्र [फा.] पुं० घमंड; शेखी

फ़ख़ीर वि० [अ.] घमंडी; शेखी मारनार [अ० गर्वपूर्वक

फ़ख़्र पुं० [फा.] जुओ 'फ़ख़र'. **-ख़िया**

फगुआ पुं० होळी (२) फाग. **-खेलना या मनाना**=होळी रमवी. रंग गुलाल वगेरे नांखवां

फगुहारा पुं० फगवो; घेरैयो

फ़ज(-जि)र स्त्री० [अ.] सवार

फ़ज़ल पुं० जुओ 'फ़ज़्ल'

फ़ज़ा स्त्री० [अ.] खुल्लुं मेदान (२) शोभा

फ़जिर स्त्री० जुओ 'फ़जर'

फ़जिता पुं०, **-ती** स्त्री० फजेतो; 'फ़ज़ीहत'

फ़ज़ीलत स्त्री० [अ.] मोटाई; श्रेष्ठता. **-की पगड़ी**=विद्वत्तानुं आदरमान

फ़ज़ीहत,-ती स्त्री०[अ.] फजेती; दुर्दशा के बदनामी

फ़ज़ूल वि० जुओ 'फ़ुज़ूल'. ०**ख़र्च** वि० उडाउ. ०**ख़र्ची** स्त्री० अपव्यय; उडाउपणुं

फ़ज़्ल पुं०[अ.] अधिकता (२) कृपा; दया

फट(-टि)क पुं० (प.) स्फटिक (२) अ० फट दईने; झट

फटकन स्त्री० झटकामण; उपणामण

फटकना स०क्रि० झाटकवुं, ऊपणवुं. **-पछोरना**=झाटकीने साफ करवुं (२) बरोबर तपासीने जोवुं

फटका पुं० पींजणनो धोको (२) फट अवाज करे एवुं ते

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

फटकार स्त्री० वढवुं ते; झाटकणी; ठपको. **–खाना**=तफडवुं (२) ठपको खावो. **–बताना**=ठपको आपवो

फटकारना स०क्रि० फटकारवुं(२)झटको मारी खंखेरवुं (३) पटकी पछाडीने धोवुं (४) मेळववुं; काढी लेवुं (५) झटका साथे दूर फेंकवुं (६) साफ साफ ने सखत वात कही चूप करवुं; झाटकणी काढवी; ठपको आपवो

फटना अ०क्रि० फाटवुं [पहोंचवुं

फट पड़ना अ०क्रि० ओचिंतुं आवी

फटफट स्त्री० फटफट अवाज(२)बकवाद. **–होना**=बोलाबोली के तकरार थवी

फटफटाना स०क्रि० फडफडाववुं (२) बकवाद करवो

फटसे अ० फट दईने; झट

फटिक पुं०(प.) स्फटिक (२) संगेमरमर

फटा पुं० फाट; छेद (२) स्त्री० [सं.] सापनी फणा (३) गर्व; शेखी (४) छळ; दगो. **फटमें पाँव देना**=कोईना झघडामां वच्चे पडवुं. **फटे हालों रहना**=बूरी दशामां होवुं

फट्टा,–ट्ठा पुं० वांसनुं खपाटियुं (२) टाटियुं. **–उलटना, –लौटना**=देवाळुं नीकळवुं

फड़ स्त्री० जुगारखानुं (२) दाव (३) सोदा करवानुं बजार के जगा

फड़ पुं० जुगारनो अड्डो के तेनो दाव (२) दुकानदारनी बेठक

फड़कना अ०क्रि० फरकवुं(२)धबधबवुं; ऊछळवुं. **फड़क उठना या जाना**=राजी राजी थई जवुं

फड़नवीस पुं० (मराठा काळमां) एक मोटो महेसूली के खजानानो अमलदार

फड़फड़ाना स० क्रि० फफडाववुं (२) अ०क्रि० फफडवुं; डरवुं (३)आतुर होवुं

फड़बाज़ पुं० पोताने त्यां बोलावी जुगार खेलावनार [फडियो; कणियो

फड़िया पुं० जुओ 'फड़बाज़' (२)

फण पुं०, **–णा** स्त्री० [सं.] सापनी फेण. ०धर, **–णी** पुं० साप

फ़तवा पुं० [अ.] फतवो; धर्मनी आज्ञा

फ़त(–ते)ह स्त्री० [अ. फ़तह] फतेह

फतिंगा पुं० ऊडनारुं जीवडुं (२) पतंगियुं

फ़तीलसोज़ पुं० [फा.] दीवी

फ़तीला पुं० [अ.] पलीतो

फ़तूर पुं० 'फ़ुतूर'; फितूर (२) विघ्न; बाधा (३) दोष; विकार

फ़तूरिया वि० फितूरी; उपद्रवी

फ़तूह स्त्री० [अ. 'फ़तह' नुं ब. व.] फतेह

फ़तूही स्त्री० [अ.] सदरो (२) लूंट के लडाईनो माल

फ़ते, ०ह स्त्री० जुओ 'फ़तह'

फदकना अ०क्रि० फदफदवुं; खदखदवुं

फन पुं० फणा; फेण

फ़न पुं० [फा.] खूबी (२) विद्या; कळा-कौशल्य (३) फंद; छळ [सापनो)

फनकार स्त्री० फूं अवाज (जेम के,

फनगना अ० क्रि० फणगो फूटवो

फनगा पुं० फणगो; अंकुर (२) जुओ 'फतिंगा'

फनस पुं० फणस फळ

फ़ना स्त्री० [अ.] नाश; खुवारी (२) समाधिमां लीन थवुं ते; तादात्म्य

फ़ना-फ़ी-अल्लाह पुं० [अ.] ईश्वरमां तन्मय दशा

फ़नून पुं० ब० व० जुओ 'फ़ुनून'

फन्नी स्त्री० फाचर (२) साळनी फणी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

फफदना अ०क्रि० फदफदवुं (२) जुओ 'फबकना'

फफसा पुं० फेफसुं (२) वि० खाली फूलेलुं पण अंदरथी पोलुं (३) फीलुं; स्वादहीन

फफूंदी स्त्री० फूग

फफोला पुं० फोडलो; फफोलो

फबकना अ० क्रि० (झाड छोड इ०) खीलवुं; फूटवुं; वधवुं

फबती स्त्री० समयने अनुकूळ वात (२) व्यंग; कटाक्ष. **–उड़ाना**=हांसी करवी. **–कसना, –कहना**=कटाक्ष करवुं

फबना अ०क्रि० शोभवुं (नाम, **फबन** स्त्री०) [(नाम, **–ज़ी**)

फ़य्याज़ वि० [अ.] उदार; दानी; दोलुं

फ़र पुं० [फा.] शोभा; सजावट

फ़रउन पुं० [अ.] मगर (२) मिसरनो एक अभिमानी नास्तिक बादशाह (३) अत्याचारी के घमंडी

फ़रउनी स्त्री०घमंड के दुष्टता [फासलो

फ़रक़ पुं० फरक; फेर (२) अंतर;

फरक(०न) स्त्री० (अंग) फरकवुं ते

फरकना अ०क्रि० फरकवुं (२) फरफरवुं

फ़रज़ंद पुं० [फा.] संतान; पुत्र. **–दी** स्त्री० पुत्रभाव

फ़रज़ पुं० जुओ 'फ़र्ज़'

फ़रज स्त्री० जुओ 'फ़र्ज़'

फ़रज़ी पुं० [फा.] शेतरंजनो वजीर (२) वि० जुओ 'फ़र्ज़ी'

फ़रज़ीबंद पुं०[फा.] शेतरंजमां वजीरथी मात करवानो एक दाव

फ़रद स्त्री० [अ. फ़र्द] व्यक्ति; एक जण (२) यादी (३) खोळ, गलेफ जेवानुं कोई एक बाजुनुं कपडुं (४) वि० अजोड; अद्वितीय

फ़रदा अ० [फा.] आवती काले (२) स्त्री० कयामतनो दिन

फरफंद पुं० दावपेच (२) फंद; नखरां

फरफराना अ० क्रि० फरफरवुं; लहेरवुं

फ़रबा वि०[फा.]जाडुं; स्थूल शरीरवाळुं. (नाम, **–बही** स्त्री०) ['फ़रमाँ-रवा'

फ़रमाँ-गुज़ार पुं० [फा.] बादशाह;

फ़रमाँ-बरदार वि० [फा.] फरमान माननार [(२) बादशाह

फ़रमाँ-रवा पुं० [फा.] फरमान करनार

फरमा पुं० फरमो

फ़रमाइश स्त्री० [फा.] फरमाश; आज्ञा

फ़रमाइशी वि०[फा.]फरमाव्या प्रमाणेनुं

फ़रमान पुं० [फा.] आज्ञा; हुकम के तेनी सनद [करवी

फ़रमाना स० क्रि० फरमाववुं; आज्ञा

फरलांग पुं० [इं.] फर्लांग; माईलनो आठमो भाग

फरवरी पुं० फेब्रुआरी

फरवार पुं० खळुं. **–री** स्त्री० खळामांथी वसवायांने अपातुं अन्न

फरवी स्त्री० ममरा

फ़रश पुं० [अ.फ़र्श] बिछानुं (२) बेसवानी सपाट जमीन (३) फरसबंधी के पाकी बनावेली जमीन

फ़रशबंद पुं० जुओ 'फ़रश'

फ़रशी स्त्री० हूको (२)वि० फरसने लगतुं

फरसा पुं० फरशी; परशु

फ़रसूदा वि० [फा.] जरी-पुराणुं; रद्दी (२) थाकेलुं (३) बेहाल [बुद्धिमत्ता

फ़रहंग स्त्री० [फा.] शब्दकोश (२)

फ़रह(०त) स्त्री०[अ.] आनंद; खुशी

फरहद पुं० एक झाड [फरफरवुं

फरहर(-रा)ना अ० क्रि० फरकवुं;

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

फरहरा पुं० वावटो (२) वि० अलग; छूटुं (३) शुद्ध; चोख़्खुं (४) खीलेलुं
फ़रहाँ वि० [फा.] खुश; आनंदी
फरहा पुं० धजा; पताका
फ़रहाद पुं०[फा.] शिल्पी; पथ्थरफोडो (२) एक प्रसिद्ध प्रेमी व्यक्ति
फराक पुं० मेदान; खुल्ली जगा (२) पहेरवानुं फराक(३)वि०जुओ 'फ़राख़'
फराक्त वि०(प.) जुओ 'फ़राख़' (२) स्त्री० जुओ 'फ़राग़त'
फ़राख़ वि०[फा.] विस्तृत; लांबुं पहोळुं; विशाळ [नहि–छूटा हाथवाळुं
फ़राख़-दस्त वि० [फा.] खर्चमां कंजूस
फ़राख़ी स्त्री०[फा.] फेलावो; विस्तार (२) समृद्धि; बहुलता (३) घोडानो तंग
फ़राग़त स्त्री० [अ.] छुटकारो (२) निश्चितता (३) मळत्याग. **–जाना**= शौच जवुं.**–पाना, होना**=निश्चित थवुं
फ़रामोश वि०[फा.] भुलायेलुं; विस्मृत
फ़रायज़ पुं० [अ. 'फ़र्ज़'नुं ब० व०] कर्तव्यकर्मो [नाठेलुं
फ़रार(–री) वि० [अ. फ़िरार] भागेलुं;
फ़रासीस पुं०[फा.] फ्रांस देश के तेनो निवासी. (वि०,**–सी**) [**–मी**=संग्रह)
फ़राहम वि०[फा.] एकठुं; जमा. (नाम,
फरिया पुं० एक जातनो लेंघो
फरियाना स०क्रि० वस्तु प्रथम धोईने तारवी काढवी–चोख्खा पाणीमां फरी झबोळवी के धोवी (२) फेंसलो करवो; 'निबटना' (३) अ०क्रि० फेंसलो थवो (४) वस्तु तारवी कढावी
फ़रियाद स्त्री०[फा.] अरजी (२) दावो (३) जुलम के अन्याय सामे पोकार. **–दी** पुं० फरियाद करनार
फ़रिश्ता पुं० [फा.] फिरस्तो; देवदूत
फरी स्त्री० ढाल
फ़रीक़ पुं० [अ.] टोळी; जथो (२) झघडानो कोई एक पक्ष ['मुद्दई'
फ़रीक़-औवल पुं० [अ.] केसनो वादी;
फ़रीक़-बंदी स्त्री० [फा.] तरफदारी
फ़रीक़-सानी पुं०[अ.] केसनो प्रतिवादी; 'मुद्दा-लेह'
फ़रीक़ैन पुं० 'फ़रीक़'नुं ब० व०
फ़रीज़ा पुं० [अ.] खुदानी फरमायेली आज्ञा के फरज (नमाज, रोजा इ०)
फरुही स्त्री० नानो पावडो
फरेंद,–दा पुं० पारस जांबु
फ़रेफ़्ता वि०[फा.] फरेबमां सपडायेलुं (२) आसक्त
फ़रेब पुं०[फा.] फरेब; दगो; कपट (२) चालाकी. **०कार,–बी** वि० दगो देनार. **०ख़ुर्दा** वि० छेतरायेलुं
फ़रो अ० [फा. फ़िरो] नीचे; वशमां (२) वि० नीच (३) शांत; दावमां आवेलुं
फ़रोख़्त स्त्री० [फा. फ़िरोख़्त] वेचाण
फ़रोग़ पुं० प्रकाश; चमक. **–पाना** = नामना मळवी
फ़रो-गुज़ाश्त स्त्री० [फा.] उपेक्षा (२) आनाकानी (३) भूल; त्रुटी
फ़रोद अ०[फा.]नीचे (२)पुं० ऊतरवुं–मुकाम करवो ते [(नाम, **–शी**)
फ़रोश वि० [फा. फ़िरोश] वेचनार
फ़र्क़ पुं० [अ.] फरक [योनि
फ़र्ज स्त्री० [अ.] चीरो; फाट (२) स्त्रीनी
फ़र्ज़ पुं० [अ.] फरज; कर्तव्य (२) मान्यता; कल्पना; धारणा. **–करना** =मानवुं; धारवुं. **–पढ़ना**=नमाज पढवी
फ़र्ज़न् अ० मानीने; मान्यतापूर्वक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

फ़र्जन्द पुं० [फा.] फरजंद; संतान
फ़र्जन्दी स्त्री० [फा.] पुत्रपणुं; पुत्रभाव. **–में लेना**=दत्तक लेवुं (२) जमाई करवो
फ़र्जानगी स्त्री० [फा.] बुद्धिमत्ता (२) विद्या (३) योग्यता; गुण
फ़र्जाना वि० [फा.] बुद्धिमान (२)पंडित
फ़र्ज़ी वि० [फा.] मानेलुं; कल्पित (२) नामनुं ['फ़रद'
फ़र्द स्त्री० (२) वि० [फा.] जुओ
फ़र्दन्(०**फ़र्दन्**) अ० [फा.] अलग अलग; दर माणसे
फर्राटा पुं० वेग; तेजी
फ़र्रार वि० [अ.] जोरथी दोडनारुं
फ़र्राश पुं० [अ.] फरास (२) नोकर
फ़र्राश-ख़ाना पुं० [अ.+फा.] फरासखानुं
फ़र्रुख़ वि० [फा.] सुंदर; मनोहर (२) सरस
फ़र्श पुं० [अ.] जुओ 'फ़रश'
फ़र्शी स्त्री०(२)वि०[फा.] जुओ 'फ़रशी'
फ़र्शी-सलाम स्त्री० फरस सुधी नमीने करेली सलाम; कुर्निश [फळुं
फल पुं० [सं.] फळ (२) (हथियार इ० नुं)
फ़लक पुं० [अ.] फलक; आकाश
फलका पुं० फफोलो; छालुं
फलदान पुं०[सं.] सगाई करवानो विधि
फलदार वि० फळवाळुं (२) फळे एवुं; फळाउ
फलन पुं० [सं.] फळवुं ते
फलना वि० फळवुं (२) फलदायी थवुं. **–फूलना**=फूलवुंफालवुं
फलश(**-स**) पुं० [सं.] फणस
फ़लसफ़ा पुं०[अ.] फिलसूफी; 'फ़ल्सफ़ा'
फ़लसफ़ी पुं० फिलसूफ; 'फ़ल्सफ़ी'

फ़लाँ,–लाना वि०[फा.] फलाणुं; अमुक
फलाँग स्त्री० फलंग (अ०क्रि०, ०ना)
फ़लाकत स्त्री०[अ.] गरीबी (२) कष्ट
फ़लातूँ,–तून पुं० प्लेटो; अफलातून
फ़लाना वि० फलाणुं; 'फ़लाँ'
फलार,–हार [सं.]पुं० फलाहार; फराळ
फलाली (**–ले,–लै**)**न** पुं०[इं.] फलालीन –गरम कपडुं
फलाहार पुं० [सं.] जुओ 'फलार'
फ़लासिफ़ा पुं० [अ.] फिलसूफी
फ़लाह स्त्री०[अ.] फतेह; सफळता (२) सुख (३) परोपकार; भलाई
फ़लाहत स्त्री० [अ.] खेतीवाडी
फलित वि०[सं.] फळेलुं; नीपजेलुं (२) पुं० फळझाड. **–तार्थ** पुं० सार; निचोड
फली स्त्री० फळी; सिंग
फ़लीता पुं० पलीतो; 'फ़तीला'
फलेंदा, फलेंद्र [सं.] पुं० जुओ 'फरेंदा'
फ़ल्सफ़ा पुं० [अ.] फिलसूफी; तत्त्वज्ञान
फ़ल्सफ़ी वि० फिलसूफ; तत्त्वज्ञानी
फ़वायद पुं० [अ.] 'फ़ायदा' नुं ब० व०
फ़व्वारा पुं० फुवारो; 'फ़ौव्वारा'
फ़सकड़ा पुं० पलांठो. **–मारना**=पलांठो मारवो; पलांठी वाळवी
फसकना अ०क्रि०(कपडुं) फसकवुं के बेसी जवुं (२) वि० फसके के बेसी जाय एवुं
फ़सद स्त्री० जुओ 'फ़स्द'
फ़सल स्त्री०, **फ़सली** वि० जुओ 'फ़स्ल, फ़स्ली' [(वि०,**–दी**)
फ़साद पुं०[अ.] फिसाद; टंटो; तोफान
फ़साना पुं० [फा.] कल्पित कथा (२) विवरण. ०**नवीस**, ०**निगार** पुं० कथाकार [भाषणनी शक्ति
फ़साहत स्त्री० [अ.] सुंदर वर्णन के

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

फ़सील वि० [अ.] नगरनो कोट
फ़सीह वि०[अ.] सुंदर वक्ता के वर्णनकार
फ़सूँ पुं० [अ.] जंतरमंतर; 'टोटका'
फ़सूँगर पुं०[फा.] जादुगर (२) जंतर-मंतर करनार; भूवो
फ़स्ख़ पुं०[अ.] विचार बदलवो ते (२) तोडवुं के रद करवुं ते
फ़स्द स्त्री०[अ०] फस – नाडी खोलाववी ते. **–खोलना,–लेना**=फस खोली लोही काढवुं (२) गांडपणनी दवा करवी
फ़स्ल स्त्री० [अ.] फसल (ऋतु) के खेतीनी ऊपज (२) ग्रंथनुं प्रकरण (३) फासलो (४) छळ; दगो
फ़स्ली वि०[अ.] फसली; मोसमनुं (२) पुं० कॉलेरा. **०कौआ** पुं० एक पहाडी कागडो (२) वि० मतलबी; गरजनं सगुं. **०बुख़ार** पुं० मलेरिया. **०सन, ०साल** पुं० अकबरे चलावेली एक सन
फ़स्ले-गुल, फ़स्ले-बहार स्त्री० [फा.] वसंत ऋतु
फ़स्साद पुं०[अ.] फस खोलनार–तेमांथी लोही काढवा नस्तर मूकनार
फ़हम स्त्री०[अ.] ज्ञान; समज; विवेक
फ़हमाइश स्त्री०[फा.] समजण; बोध; चेतवणी (२) आज्ञा [(वि०,**–दा**)
फ़हमीद स्त्री० [फा.] समज; बुद्धि.
फहरना अ०क्रि० फरकवुं; ऊडवुं
फहरान स्त्री० फरकाववुं ते. **–ना** स०क्रि० फरकाववुं; उडाडवुं
फ़हरिस्त स्त्री० जुओ 'फ़ेहरिस्त'
फ़हश वि०[अ. फ़ुहश] अश्लील (२) फूवड
फ़हीम वि०[अ.] 'फ़हमीदा'; समजदार
फाँक स्त्री० 'फंक'; चीरी (२) ककडो
फाँकना स०क्रि० फाकवुं; फाको मारवो
फाँका पुं० फाको. **–की** स्त्री० फाकी
फांट पुं० [सं.] काढो
फाँट स्त्री० वहेंचणी. **०ना** स०क्रि० वहेंचवुं (२) फांट के काढो बनाववो
फाँड़,–ड़ा पुं० कमरनी ओटी; 'फेंट'. **–कसना, बाँधना**=कमर कसवी; काम माटे तैयार थवुं. **–पकड़ना**=बरोबर पकडवुं
फाँद स्त्री० उछाळो (२) पुं०; स्त्री० फांदो; जाळ; पाश. **–मारना**=जाळ पाथरवी [कूदी जवुं; ओळंगवुं
फाँदना अ०क्रि० ऊछळवुं (२) स०क्रि०
फाँस स्त्री० फांस (२) पास; जाळ; फांसो
फाँसना स०क्रि० फसाववुं
फाँसी स्त्री० पाश; फांसो (२) फांसी. **–पड़ना, –पाना**=फांसीनी सजा थवी; फांसी मळवी
फाइल स्त्री०[इं.] कागळो के सामयिकनी फाईल–एक साथे थयेलो संग्रह
फ़ाक़ा पुं०[अ.] फाका; उपवास (२) गरीबी
फ़ाक़ा-कश वि० [अ.+फा.] भूख्युं (२) निर्धन. (नाम, **–शी** स्त्री०)
फ़ाक़ा (–के) मस्त वि० [अ.+फा.] भूखे मरतुं छतां बेपरवा
फ़ाख़तई, फ़ाख़्तई स्त्री० होला जेवो–आछो जांबुडियो रंग [होलो
फ़ाख़ता, फ़ाख़्ता स्त्री०[अ.] एक पक्षी;
फाग पुं० होळी के तेनुं गीत
फागुन पुं० फागण मास. **–नी** वि० फागणनुं [**–रा** वि० स्त्री०
फ़ाजिर वि०[अ.] व्यभिचारी; बदमाश.
फ़ाज़िल वि० [अ.] वधारेपडतुं; फाजल (२) विद्वान. **०बाक़ी** स्त्री० हिसाबे नीकळतुं लेणुं के देणुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

फाटक पुं० मोटो दरवाजो (२) झाटकण; झटकामण

फाटका पुं० सट्टो. –केबाज़ वि० सट्टाखोर

फाड़न स्त्री०, पुं० फाडेलो टुकडो (२) फाडेला दूधनुं पाणी [करवुं

फाड़ना स०क्रि० फाडवुं; चीरवुं; अलग

फ़ातिहा पुं०[अ.] प्रार्थना (२) फातियो

फ़ानी वि० [अ.] नाशवंत; क्षणभंगुर

फ़ानूस पुं०[फ़ा.] फानस (२) दीवानुं झाड

फ़ाम पुं० [फ़ा.] रंग; वर्ण

फ़ायदा पुं०[अ.] फायदो; लाभ; नफो. –देमंद वि० फायदावाळुं; लाभनुं

फ़ायल वि० [अ. फ़ाइल] (व्या.) कर्ता

फाया पुं० जुओ 'फाहा' [फारगती

फ़ारखती स्त्री० [फ़ा. फ़ारिग़+खती]

फारम पुं० [इं.] फॉर्म

फारमूला पुं०[इं.] सूत्र; गुरुसूत्र; नियम

फ़ारस पुं०[अ.] ईरान; पारसदेश. –सी स्त्री० फारसी भाषा (२) वि० ईरानी

फ़ारिग़ वि० [अ.] फारग; छूटुं

फ़ारिग़-उल्-बाल वि० [अ.] सौ रीते सुखी; निश्चिंत

फ़ारूक वि० सारासारनुं विवेकी

फाल स्त्री० हळनी कोस [सं.] (२) कापेली सोपारी (३) पुं० फाळ; छलंग

फ़ाल स्त्री०[फ़ा.]पासाथी जोश जोवा ते

फ़ालतू वि० वधारानुं; फालतु (२) नकामुं

फ़ालसई वि० फालसाना रंगनुं

फ़ालसा पुं०[फ़ा.] फालसी के फालसुं

फ़ालिज पुं० [अ.] लकवो; पक्षाघात

फ़ालूदा पुं०[फ़ा.] एक ठंडुं मीठुं पीणुं

फाल्गुन पुं० [सं.] फागण मास. –नी स्त्री० एक नक्षत्र [नानो पावडो

फावड़ा पुं० पावडो. –ड़ी स्त्री० पावडी;

फ़ाश वि०[फ़ा.] प्रगट; खुल्लुं; जाणीतुं

फासफरस पुं० [इं.] फॉस्फरस; एक मूळ पदार्थ [फासलो; अंतर

फ़ास(–सि)ला पुं० [अ. फ़ासिला]

फ़ासिद वि० [अ.] फसाद करनार; 'फ़सादी' (२) खराब; दुष्ट

फास्ट वि० [इं.] तेज; वेगवाळुं

फाहा पुं० घी तेल अत्तर इ०नुं पूमडुं

फ़ाहिश वि० [अ.] अनाचारी (२) गंदुं; अश्लील

फ़ाहिशा स्त्री० छिनाळ [(३)टोणो

फ़िक़रा पुं० [अ.] वाक्य (२) फकरो

फिकैत पुं० ढाल लकडी चलावी जाणनार; 'फ़ेंकनैत' [धर्मशास्त्र

फ़िक़्क़ा स्त्री० [अ. फ़िक़:] मुसलमाननुं

फ़िक्र स्त्री०[अ.]फिकर;चिंता; काळजी. ०मंद वि० चिंतातुर

फ़िगार वि० [फ़ा.] घायल

फिचकुर पुं० मोंमांथी नीकळतुं फीण (जेम के, मूर्छामां)

फ़िज़ूल वि० जुओ 'फ़ज़ूल' [शाप

फिटकार स्त्री० धिक्कार (२) बददुआ;

फिटकारना स० क्रि० फिटकारवुं

फिटकिरी स्त्री० फटकडी

फिटन स्त्री० फेटन गाडी [कारीगर

फिटर पुं० [इं.] यंत्र फिट करनार

फिट्टा वि० फिटकार पामेलुं

फिड्डा वि० एडीनो भाग बेठेलो (जोडो)

फ़ितना पुं० [अ.] झघडो; दंगो; फितनो

फ़ितरत स्त्री० [अ.] स्वभाव; प्रकृति (२) धूर्तता, ० न् अ० स्वभावत:

फ़ितरती वि० [फ़ा.] धूर्त; दग़ाबाज

फ़ितरी वि० [फ़ा.] स्वाभाविक; कुदरती

फ़ितूर पुं० जुओ 'फ़तूर'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

फ़िदविया स्त्री० दासी; नोकरडी
फ़िदवी वि० [अ.] आज्ञाकारी (२) पुं० दास [आसक्त; मुग्ध
फ़िदा वि० [अ.] खूब खुश (२) गुलतान;
फ़िदाई पुं० [अ.] फिदवी; दास (२) प्रेमी [जंतुनाशक दवा
फिनायल, फिनैल पुं० [इं.] फिनाईल
फ़िन्नार अ० [अ.] 'जा जहान्नममां'
फ़िरंग पुं० चांदीनो रोग (२) युरोप; गोरा फिरंगीनो देश; 'फ़िरंगिस्तान'
फ़िरंगी वि० गोराना देशनुं (२) पुं० तेनो वतनी; गोरो. **–गिस्तान** पुं० युरोप; गोराओनो मुलक [थयेलुं
फ़िरंट वि० विरुद्ध (२) लडवा सामे
फिर अ० फरी (२) पछी (३) तो पछी
फ़िरक़ा पुं० [अ.] फिरको; जमात; संप्रदाय. **०बंदी** स्त्री० दळबंधी. **०वार, ०वाराना** वि० जमातनुं; सांप्रदायिक
फिरकी स्त्री० फरकडी (२) फिरकी
फिरता पुं० अस्वीकार (२) पाछुं फेरववुं ते (३) वि० पाछुं फेरवेलुं (स्त्री० **–ती**)
फ़िरदौस पुं० [अ.] बाग (२) स्वर्ग
फिरना अ०क्रि० फरवुं (प्रेरक, **फिराना**)
फ़िरनी स्त्री० [फा.] एक प्रकारनी चोखाना लोटनी खीर
फिरवाना स०क्रि० फेरवाववुं
फ़िराक़ पुं०[अ.] वियोग (२) फिकर; चिंता (३) खोळ; शोध [संतोष
फ़िराग़ पुं०[अ.] छुटकारो (२) खुशी (३)
फ़िरार पुं० [अ.] नासवुं ते; पलायन. **–होना** = नासी जवुं
फ़िरारी वि०[फा.] जुओ 'फ़रार,–री'
फ़िरासत स्त्री० [अ.] बुद्धिमत्ता

फ़िरिश्ता पुं० [फा.] फिरस्तो; देवदूत
फ़िरोख्त स्त्री० जुओ 'फ़रोख्त'
फ़िर्क़ा पुं० जुओ 'फ़िरक़ा'
फ़िल-जुमला अ०[अ.] टूंकमां; सारांश कें
फ़िलफ़िल स्त्री० मरी
फ़िल-फौर अ० [अ.] तरत
फ़िल-वाक़ा –हक़ीकत अ०[अ.] वस्तुतः; हकीकतमां
फ़िलस्तीन पुं० पेलेस्टाईन देश
फ़िल-हक़ीकत अ०[अ.] हकीकत जोतां; वस्तुतः [अत्यारे
फ़िल-हाल अ०[अ.] हमणां; आ वखते;
फ़िल्ली स्त्री० पगनी पिंडी
फिस अ० कांई नहीं; मींडुं; व्यर्थ
फिसड्डी वि० काममां मंद; ढीलुं
फिसलन स्त्री० लपसवुं ते
फिसलना अ० क्रि० लपसवुं; ढळी जवुं
फ़िसाद पुं० जुओ 'फ़साद'
फ़िसाना पुं० जुओ 'फ़साना'
फ़िहरिस्त स्त्री० [फा.] यादी; 'फ़ेहरिस्त'
फ़ी अ० [अ.] दर; प्रति एक. **०कस** अ० जण दीठ
फीका वि० फीकुं; मोळुं
फ़ी-ज़माना अ० [अ.+फा.] आजकाल; हालना समयमां
फ़ीता पुं० फीत; कोर (२) (मापवानी) पट्टी (३) कागळो इ० बांधवानी पट्टी; 'टेप'
फ़ीरनी स्त्री० जुओ 'फ़िरनी'
फ़ीरोज़ वि० [फा.] विजयी; सफळ. **–ज़ी** स्त्री० विजय
फ़ीरोज़ा पुं० [फा.] पीरोज रंग. (वि० **–ज़ी**) [हाथीखानुं
फ़ील पुं० [फा.] हाथी. **०ख़ाना** पुं०

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

फ़ीलपा पुं० [फा.] हाथीपगो रोग
फ़ील-पाया पुं० [फा.] थांभलो
फ़ीलवान पुं० [फा.] हाथीनो महावत
फ़ीला पुं० [फा.] शेतरंजनो हाथी
फ़ीली स्त्री० जुओ 'फिल्ली' [बेसवी
फ़ीस स्त्री० [इं.] फी. –लगना = फी
फ़ी-सदी अ० [अ.+फा.] सेंकडे
फ़ी-साल अ० दर साल – वरसे
फुंकना अ० क्रि० 'फूंकना' नुं कर्मणि; फूंकावुं (२) पुं० फूंकणी (३) फुक्को; मूत्राशय
फुंकनी स्त्री० फूंकणी (२) धमण
फुंक(–का)रना अ० क्रि० फूंफाडो मारवो; फूं करवुं (सापनुं)
फुंका(–कवा)ना स० क्रि० फूंकाववुं
फुंकार पुं० फूंफाडो
फूंकारना स० क्रि० जुओ 'फुँकरना'
फुंदना पुं०, फुँदिया स्त्री० फूमतुं
फुंसी स्त्री० झीणी फोल्ली
फुआरा पुं० फुवारो
फुकना अ०क्रि० (२) पुं० जुओ 'फुंकना'
फुकनी स्त्री० जुओ 'फुंकनी'
फुचड़ा पुं० कपडा इ०मांथी नीकळतुं रूछुं, फूमतुं
फ़ुज़ूल वि० [फा.] जुओ 'फ़ज़ल'
फ़ुज़ूला पुं० [अ.] वस्तु काढी लेतां रहेतो कचरो (२)शरीरमांथी नीकळतो थूंक, गळफो, झाडो, पेशाब इ० मळ
फुट वि० एकाकी (२) अलग (३) पुं० [इं.] फूट – १२ इंच
फुटकर,–ल वि० जुओ 'फुट' (२) फुटकळ; विविध (३) छूटक
फुटका पुं० फोडलो [टिप्पणी
फुटनोट पुं० [इं.] पाना नीचे अपाती
फुटपाथ पुं० [इं.] पगथी; फूटपाथ
फुटबाल पुं० [इं.] फूटबॉल दडो
फुटमत पुं० मतभेद
फुटेहरा पुं० धाणी जेवा फूलेला शेकेला चणावटाणा [नसीबनुं
फुट्टैल वि० जुओ 'फुट' (२) फूटेला
फ़ुतूर पुं०[अ.] फितूर; झघडो(२)खराबी
फ़ुतूह स्त्री० [अ.] जुओ 'फ़तूह'
फुत्कार पुं० [सं.] फूंफाडो [आववुं
फुदकना अ०क्रि० ऊछळवुं (२)उमंगमां
फुदकी स्त्री० एक नानुं पक्षी
फुनगी स्त्री० फणगो; अंकुर
फ़ुनून पुं० [अ.] 'फ़न' नुं ब०व०
फुफँदी स्त्री० नाडुं
फुफकार पुं० फुफवाटो (अ०क्रि०–ना)
फुफू स्त्री० जुओ 'फूफी'
फुफेरा वि० फूआनुं (स्त्री०–री)
फुप्फुस पुं० [सं.] फेफसुं
फुर वि० (प.) साचुं; सत्य
फ़ुरक़त स्त्री० [अ.] वियोग
फुरती स्त्री० फूर्ति; स्फूर्ति; तेजी
फुरतीला वि० फूर्तिलुं
फुरना अ०क्रि० (प.) स्फुरवुं (२) साचुं सावित थवुं; सफळ थवुं
फुरफुराना अ०क्रि० फरफरवुं (२) स०क्रि० फफडाववुं. –हट स्त्री० फरफराट; फफडाट
फ़ुरसत स्त्री०[अ.] फुरसद; नवराश (२) रोग मटवो ते; आराम
फुरेरी स्त्री० छेडे पूमडुं लपेटेली सळी (२) रोमांच साथे कंप. –आना,–लेना = थरथरवुं; कांपवुं [०'ला'
फुर्ती, स्त्री० ०ला वि० जुओ 'फुरती'
फुर्सत स्त्री० जुओ 'फ़ुरसत'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

फुलका पुं० फफोलो (२) फूलको–रोटली. **–की** स्त्री० नानो फूलको
फुलझड़ी स्त्री० दारूखानानी फूलकणी के तारामंडळ (२) पंचातनी वात
फुलवर पुं० फुलेवर रेशमी कापड
फुलवार वि० प्रफुल्ल; प्रसन्न
फुलवारी स्त्री० बगीचो (२) कागळनी फूलवाडी
फुलहारा पुं० माळी
फ़ुलाँ वि० जुओ 'फ़लाँ'
फुलाना स० क्रि० फुलाववुं
फुलाव पुं० फूलवुं के फुलाववुं ते
फुलिया पुं० कानमां पहेरवानुं फूल-घरेणुं
फुलिसकेप पुं० फूल्सकॅप कागळ
फुलेरा पुं० फूलोनी करेली छत्री
फुलेल पुं० (फूलोनुं) सुगंधीदार तेल
फुलेली स्त्री० फुलेलनी शीशी
फुलौरी स्त्री० एक जातनुं भजियुं
फुल्ल वि० [सं.] खीलेलुं; प्रफुल्ल
फुवा(–हा)र स्त्री० जुओ 'फुहार'
फुस स्त्री० फूस एवो धीमो अवाज. **०फुस** स्त्री० गुसपुस वात. **०से** अ० धीरेथी; धीमेथी
फुसफुसा वि० फासफूसियुं [बोलवुं
फुसफुसाना अ० क्रि० गुसपुस धीमे धीमे
फुसलाना स० क्रि० फोसलाववुं
फ़ुहश वि० [अ.] जुओ 'फ़हश'
फुहार स्त्री० पाणीनी झीणी छांट; फरफर; फोरुं
फुहारा पुं० फुवारो (२) झीणी छांट
फूँही स्त्री० जुओ 'फुहार'
फूँक स्त्री० फूंक; श्वास; फूंकवुं ते. **–मारना**=फूंकवुं
फूँकना स०क्रि० फूंकवुं (२) फूंकी मारवुं

फूँका पुं० ढोरनुं दूध खेंची काढवानी एक क्रूर युक्ति के ते माटेनी नळी (२) फोल्लो
फूँद स्त्री०, **–दा** पुं० 'फुंदिया'; फूमतुं
फूँद-फूँदारा वि० फूमतांवाळुं
फूँदा पुं० जुओ 'फूँद'
फूई स्त्री० जुओ 'फूँही' (२) फूग; 'फफुँदी'
फूट स्त्री० फूट; फूटवुं ते (२) भेद; तड (३) एक जातनी काकडी
फूटना अ० क्रि० फूटवुं. **फूट फूटकर रोना**=विलाप करवो. **फूटी आँखों न भाना**=बहु खराब देखावुं–लागवुं
फूत्कार पुं० [सं.] फूंफाडो
फूफा पुं० फुओ (स्त्री० **–फी**)
फूल पुं० पुष्प (२) अस्थि-फूल (३) फूल इ०नुं भरतकाम. **–झड़ना**=मीठा शब्दो बोलवा. **–पड़ना**=बत्तीने मोगरो थवो
फूलगोभी स्त्री० फलावरनुं शाक
फूलडोल पुं० हींडोळानो उत्सव
फूलदान पुं० फूलदानी
फूलदार वि० फूल इ०ना शणगारवाळुं; फूलवाळुं
फूलना अ० क्रि० फूल आववां (२) खीलवुं (३) फूलवुं (४) प्रफुल्ल के गर्वित थवुं (५) मों चडाववुं; रिसावुं. **–फलना**=खूब समृद्ध थवुं; फूलवुं फालवुं. **–फालना**=खुश खुश थवुं
फूला(०फूला)फिरना = फुलाई जवुं; घमंडमां फरवुं के रहेवुं (२) प्रसन्न थई फरवुं. **फूला न समाना**=आनंदनो पार न रहेवो
फूली स्त्री० आंखमां पडतुं फूल
फूस पुं० सूकुं घास; खड (२) छाजनुं घास

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

फूहड़,-र वि० फूवड; ठेकाणा वगरनुं (२) स्त्री० फवड स्त्री

फूही स्त्री० जुओ 'फूँही, फुहार'

फेंक स्त्री० फेंकवुं ते

फेंकना स०क्रि० फेंकवुं

फेंट स्त्री० कमरनी भेट के कमर (२) 'फेंटना' नी क्रिया

फेंटना स०क्रि० फीणवुं; हलाववुं

फेंटा पुं० जुओ 'फेंट' (२) फेंटो

फेंटी स्त्री० सूतरनी आंटी (अटेरण पर उतारेली)

फ़ेज़ पुं० एक टोपी (तुर्की घाटनी)

फेन पुं० [सं.] फीण

फेनी स्त्री० सूतरफेणी

फेफड़ा पुं० फेफसुं

फेफड़ी,-री स्त्री० तरस के गरमीथी होठ पर वळती पोपडी

फेर पुं० फेर (चक्कर; तफावत) (२) दुविधा;मूंझवण (३) संशय (४) फेरफार (५) उपाय; युक्ति (६) लेवडदेवड; फेरफार. **-खाना**=फेरावामां पडवुं. **-बांधना**=उपाय के तजवीज करवी. **-में आना या पड़ना**=गूंचवावुं. **-में डालना**=गूंचववुं

फेरना स०क्रि० फेरववुं (२) पाछुं लेवुं के करवुं

फेर-पलटा पुं० 'गौना'; आणुं

फेरफार पुं० फेरफार; परिवर्तन; फरक (२) आघुंपाछुं करवुं ते

फेरबदल पुं० फेरफार; बदलवुं ते

फेरा पुं० फेरो; आंटो; चक्कर

फेराफेरी स्त्री० हेरफेर;आमतेम फेरफार

फेरी स्त्री० फेरी (वेचवा माटे) (२) फेरो; आंटो. **०वाला** पुं० फेरियो

फ़ेल पुं०[अ.] कार्य (२) दुष्कर्म; फेल (३) क्रियापद (४) वि० [इं.] निष्फळ; नापास

फ़ेल-ज़ामिनी स्त्री० सारी चालनी जामीनगीरी

फ़ेलन् अ० [अ.] कार्यरूपे [ढोंगी

फ़ेली वि०[अ.] 'फ़ेल' वाळुं (२) फेलबाज;

फ़ेहरिस्त स्त्री० यादी; 'फ़िहरिस्त'

फैकनैत पुं० घा करवामां होशियार; 'फिकैत'

फ़ैक्टरी स्त्री०[इं.] कोठी (२) कारखानुं

फ़ैज़ पुं०[अ.] फायदो; हित (२) भलाई; परोपकार (३) फेज; परिणाम

फ़ैज़ेआम पुं० [अ.] लोकहित

फ़ैयाज़ वि० जुओ 'फ़य्याज़'

फ़ैयाज़ी स्त्री० जुओ 'फ़य्याज़ी'

फ़ैर स्त्री० बंदूकनो बार

फैलना अ०क्रि० फेलावुं (प्रेरक **फैलाना**)

फ़ैलसूफ़ पुं० [फा.] फिलसूफ (२) 'फ़ज़ूलखर्च'; उडाउ (३) दगलबाज

फ़ैलसूफ़ी स्त्री० अपव्यय (२) दगलबाजी

फैलाव पुं० फेलावो

फ़ैशन पुं० [इं.] फॅशन; चाल; रीत

फ़ैसल पुं० [अ.] न्यायाधीश (२) न्याय; फेंसलो

फ़ैसला पुं० [अ.] फेंसलो

फोक पुं० नकामो कूचो (२) नीरस चीज

फोकट वि० फोगट; तुच्छ; नकामुं;मफत. **-का**=फोगटियुं; मफतनुं. **-में**= मफतमां

फोकला पुं० छोतरुं; छोडुं

फ़ोकस पुं० [इं.] दूरबीन; कॅमेरा इ०नुं खास अमुक केन्द्रबिंदु. **-लेना**=फोकस मेळववुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

फ़ोटो, ०ग्राफ पुं० [इं.] फोटो; छबी. **०ग्राफर** पुं० छबी पाडनार. **०ग्राफी** स्त्री० तेनी कळा के विद्या

फोड़ना स० क्रि० फोडवुं

फोड़ा पुं० फोडलो. **–ड़िया** स्त्री० फोल्ली

फोता पुं० [फा.] थेली (२) अंडकोष (३) महेसूल (४) खजानो; तिजोरी

फ़ोतेदार पुं०[फा.]खजानची; 'रोकड़िया'

फ़ोश वि० गंदुं; बीभत्स

फ़ौआ(–व्वा)रा पुं० फुवारो

फ़ौक़ वि०[अ.] उच्च; श्रेष्ठ (२) पुं० उच्चता

फ़ौक़ियत स्त्री०[अ.] श्रेष्ठता (२) उन्नति

फ़ौज स्त्री० [अ.] फोज; लश्कर

फ़ौजदार पुं० [फा.] सेनापति (२) फोजदार–अमलदार. **–री** स्त्री० टंटो; झघडो (२) फोजदारी अदालत

फ़ौजी वि० [फा.] फोजने लगतुं

फ़ौत वि० [अ.] गत; मृत (२) स्त्री० नाश (३) मृत्यु

फ़ौती स्त्री० [फा.] मृत्यु (२) वि० मृत्यु संबंधी

फ़ौरन् अ० [अ.] तरत

फ़ौरी वि०[अ.] जलदीनुं; तात्कालिक

फ़ौलाद पुं०[फा.] पोलाद (वि० **–दी**)

फ़ौवा(–व्वा)रा पुं० [अ. फ़व्वार] फुवारो

फ्रांसीसी वि० फ्रांसनुं

फ्राक पुं० [इं.] पहेरवानुं फराक

फ्रेम पुं०[इं.] चोकठुं (२) छबीनी फ्रेम

फ्लूट पुं०[इं.] वांसळी जेवुं एक वाजुं

ब

बंक वि० बंकुं; वांकुं (२) दुर्गम (३) पुं० बॅन्क

बंकनाल स्त्री० सोनीनी फूंकवानी नळी

बँगला वि० बंगाळी (२) स्त्री० बंगाळी भाषा (३) पुं० बंगलो

बंगाल पुं० बंगाळ देश. **–ली** वि० बंगाळी (२) स्त्री० ते भाषा

बंचक पुं० (प.) वंचक; ठग. **–ना** स्त्री० ठगाई; वंचना (२) स०क्रि० ठगवुं

बंछना स०क्रि० (प.) वांछवुं; इच्छवुं

बंजर पुं० ऊसर जमीन

बँटना अ०क्रि० 'बाँटना' नुं कर्मणि

बँटवारा पुं० वहेंचणी

बंटा पुं० गोळ के चोखंडो नानो डबो

बँटाई स्त्री० बांटवुं ते (२) भागनी खेती

बँटाना स० क्रि० 'बँटवाना'–वहेंचाववुं (२) मददमां लागवुं. हाथ **बँटाना**= हाथ देवो

बंडल पुं० [इं.] बंडल; पोटकुं

बंडा पुं० एक कंद; रताळु (?)

बँडेरी स्त्री० छापरानुं मोभनुं लाकडुं

बंद पुं० [फा.] बंधन; केद (२) बांध (३) अंगरखा इ०नी कस (४) कागळनी लांबी पटी (५) छप्पा जेवी उर्दू कवितानुं चरण (६) वि० बन्ध करेलुं के थयेलुं; रोकायेलुं के रोकेलुं; बद्ध

बंदगी स्त्री०[फा.] गुलामी (२) प्रार्थना (३) सलाम

बंदगोभी स्त्री० करमकल्लो; कोबी

बंदनवार पुं० तोरण

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बंदना स०क्रि० वंदवुं (२) स्त्री० वंदना
बंदर पुं० वांदरो (२) [फा.] बन्दर. **–घुड़की, –भबकी**=खाली डरावबा माटे धमकाववुं ते
बंदरगाह पुं० [फा.] बन्दर
बंदा पुं० [फा.] दास; सेवक (स्त्री० **–दी**)
बंदा-नवाज़ वि० [फा.] दास पर दया करनार; दीनदयाळ
बंदिश स्त्री० [फा.] बांधवुं ते (२) प्रबंध (३) पेंतरो
बंदी पुं० [फा.] केदी (२) भाट; चारण (३) स्त्री० बंधी घरेणुं (४) दासी (५) बंधी; केद; बंधन. **०ख़ाना, ०घर** पुं० केदखानुं; जेल. **०वान** पुं० केदी. **०छोर** पुं० केदमांथी छोडावनार
बंदूक स्त्री० [फा.] बंधूक. **–चलाना, –छोड़ना, –मारना, –लगाना**=बंदूक फोडवी. **–भरना**=बंदूक भरवी. **–छतियाना**=बंदूक फोडवा तैयार थवुं. **०ची** पुं० बंदूकवाळो
बंदोबस्त पुं० [फा.] बंदोबस्त; प्रबंध; व्यवस्था (२) महेसूलनी जमाबंधी
बंध पुं० [सं.]बंधन; बेडी; केद(२)पाणीनो बंध; बांध (३) बांधण – रसी इ०
बंधक पुं० गीरो मूकेली वस्तु; 'रेहन'
बंधन पुं० [सं.] बांधवुं ते (२) बंध, बेडी, केद, रस्सी इ० [साधन
बंधना अ० क्रि० बंधावुं (२) पुं० बांधवानुं
बंधान पुं० धारो; बंधी; करार (२) पाणीनो बांध (३) सम ताल
बंधी स्त्री० नक्की प्रबंध के कार्यक्रम; 'बंधेज'; बंधावुं ते [के स्वजन
बंधु पुं० [सं.] भाई; भांडु (२) भाईबंध
बंधुआ, –वा पुं० बंधायेलो ते; केदी
बंधेज पुं० कशुं नियमित बांधवुं के बंधावुं ते; बंधामणी; करार (२) बंधी; प्रतिबंध
बंपुलिस स्त्री० सार्वजनिक जाजरूनुं स्थान
बंब स्त्री० बम बम ध्वनि (२) नगारुं
बंबा [अ. मंबा] बंबो (२) स्रोत; झरणुं
बँबाना अ० क्रि० (ढोरनुं) बांघडवुं
बंसकपूर, बंसलोचन पुं० वांसकपूर
बंसरी, बंसी स्त्री० वांसळी; बंसी
बँहगी स्त्री० 'बहँगी', पाणीनो बांगो; कावड
ब [फा.] पूर्वग; 'स' जेम, सहित एवा अर्थमां; उदा० बक़ौल, बशर्त इ०
बईद अ० [अ.] दूर
बक पुं० [सं.] बगलो (२) बकासुर (३) स्त्री० बकवुं ते; बकवाद; लवारो. **०झक, ०बक** स्त्री० बकवाद
बक(–कु)चा पुं० [तु. बुक़्चः] जुओ 'बकुचा'; बचको
बकची स्त्री० 'बक़ुची'; बचकी
बकझक स्त्री० बकवाद; 'बक'
बक(–ख)तर पुं० बख्तर; कवच
बकना स०क्रि० बकवुं; बोलवुं; बकवाद करवो. **–झकना**=व्यर्थ बोलवुं; बकवाद करवो
बकबक स्त्री० बकवाद; लवारो; 'बक'
बक़र-ईद स्त्री० जुओ 'बक़्र-ईद'
बकर-क़साब पुं० बकरानुं मांस वेचनार
बकरना स० क्रि० एकला बकवुं–बबडवुं (२) पोते कबूल करी के कही देवुं
बकरा पुं० बकरो. **–री** स्त्री० बकरी
बकरीद स्त्री० जुओ 'बक़्र-ईद'
बकलस [इं. बकल्स] बकल
बकला पुं० वल्कल (२) फळनं छोडुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बकवाद,–स,–सी स्त्री० बकवाद; बकबक. **–दी** वि० बकवाद करनार

बकस पुं० पेटी; 'बॉक्स'

बकसना स०क्रि० बक्षवुं (२) माफ करवुं (प्रेरक **बकसाना**)

बकसुआ(–वा) पुं० 'बकलस'; बकल

बकायन स्त्री० एक झाड

बक़ाया पुं० [अ.] बाकी; बचत

बकारी स्त्री० बोल; शब्द; मोंमांथी नीकळतो ध्वनि. **–फूटना**=बोल के शब्द नीकळवो

बकावल पुं० [फा.] बबरची

बक़िया वि०[अ.] शेष; बचेलुं; परिशिष्ट

बकुचा पुं० (स्त्री०**–ची**) बचको; पोटलुं

बकेन(–ना) स्त्री० बाखडी गाय-भेंस

बकैयाँ पुं० घूंटणिये चालवुं ते

बकोटना स०क्रि० नखथी उझरडो भरवो

बे-क़ौल अ० [अ.] कोल प्रमाणे

बक्कल पुं० [सं. वल्कल] 'बकला'; छाल (२) छोडुं

बक़्क़ाल पुं० [अ.] बकाल; वाणियो

बक़्र-ईद स्त्री० [अ.] बकरी-ईद

बक्स पुं० 'बकस'; पेटी

बखतर पुं० जुओ 'बकतर'

बख़रा पुं० [फा.] भाग; हिस्सो

बखरी स्त्री० रहेवा लायक (सारुं) घर

बख़शीश, बखसीस (प.) स्त्री० जुओ 'बख़्शिश'

बखान पुं० वर्णन (२) वखाण

बखानना स०क्रि० वर्णववुं (२) वखाणवुं (३) गाळो भांडवी

बखार पुं० अनाजनो कोठार के वखार (स्त्री० **–री**=नानी वखार)

बख़िया पुं० [फा.] बखियो; सिलाईनो टांको. **–उधेड़ना**=सीवण खोलवुं (२) वातनो भेद उघाडो करवो

बखियाना स०क्रि० बखिया दई सीववुं

बखीर स्त्री० शेरडीना रसमां रांधेलो भात [**–ली** स्त्री०)

बख़ील वि०[अ.] बखील; कंजूस (नाम

ब-ख़ुद अ० [फा.] जाते; पोते

बख़ूबी अ०[फा.] खूबीथी; अच्छी तरेह

बखेड़ा पुं० बखेडो; झघडो; (२) पंचात; झंझट. **–ड़िया** वि० झघडाळु; बखेडो करनारुं

बखेरना स०क्रि० विखेरवुं

ब-ख़ैर अ० [फा.] बरोबर; खूबीथी

बख़्त पुं० [फा.] नसीब; भाग्य

बख़्तर पुं० [फा.] जुओ 'बकतर'

बख़्तावर, बख़्तियार वि० [फा.] भाग्यशाळी

बख़्शना स०क्रि० बक्षवुं (२) त्यागवुं (३) क्षमा करवी

बख़्शिश स्त्री० [फा.] बक्षिश (२) उदारता (३) क्षमा

बग पुं० बगलो

बगई स्त्री० बगाई

बग-छुट, बगटुट अ० जोरथी; सडसडाट

बगदना अ०क्रि० बगडवुं (२) भूलवुं (३) भ्रष्ट थवुं

बगमेल पुं० बराबरी; स्पर्धा

बगर पुं० महेल के मोटुं मकान (२) घर (३) आंगणुं

बगर(–रा)ना अ०क्रि० (प.) फेलावुं; वीखरावुं

बगराना अ०क्रि० जुओ 'बगरना' (२) स०क्रि० फेलाववुं; विखेरवुं

बगरी स्त्री० जुओ 'बखरी'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बग़ल स्त्री० [फा.] बगल (२) पासुं; पडखुं (३) पासेनुं स्थान. **–गरम करना** = सहवास करवो. **–में** = पासे (२) एक बाजु. **–में ईमान दबाना** या **रखना** = बेईमानी करवी. **–में मुँह डालना** = शरमावुं के शरमाववुं. **–सूँघना** = पस्तावुं. **–हो जाना**=बाजुए खसी जवुं.
बग़लें झाँकना = आम तेम भागवा मथवुं (२) गल्लांतल्लां करवां. **बग़लें बजाना** =काखलियो कूटवी; राजी राजी थवुं
बग़लगंध पुं० बगलबामणी (२) बगलमां खराब पसीनो नीकळवानो रोग
बग़लबंदी स्त्री० बगलबंडी
बग(–गु)ला पुं० बगलो. (स्त्री०**–ली**)
बगला-भगत पुं० बगभगत
बगलियाना अ०क्रि० बगलमां – पासे थईने नीकळी जवुं (२)स०क्रि० अलग करवुं (३) बगलमां मारवुं
बगली स्त्री० बगलानी मादा
बग़ली वि० [फा.] बगलनुं (२) स्त्री० बगलनुं कपडुं (३) दरजीनी थेली
बगार स्त्री० गायनी गमाण
बगारना स०क्रि० (प.) जुओ 'बगराना'
बग़ावत स्त्री०[अ.] बळवो (२) राजद्रोह
बगिया स्त्री०, **बगीचा** पुं०, बगीचो; नानो बाग
बगुला पुं० बगलो
बगूला पुं० वंटोळियो
बगेरी स्त्री० एक नानुं पक्षी
बग़ैर अ० [अ.] वगर; विना
बग्गी,–ग्घी स्त्री० बगी गाडी
बघंबर, बघछाला पुं० व्याघ्रचर्म
बघनहाँ(–हियाँ) पुं० वाघनख
बघार पुं० वघार के तेनी महेक. **–आना, –उठना** = वघार बरोबर थवो. **–देना** = वघार करवो; वघारवुं
बघारना स०क्रि० वघारवुं (२) योग्यता बहारनुं बोलवुं – छांटवुं
बच स्त्री० वच औषधि (२) पुं० (प.) वचन
बचकाना वि० बच्चाने योग्य के बच्चा [जेवुं
बचत स्त्री० बचाव; रक्षा (२) बचत; बचावेलुं ते; शेष (३) नफो
बचन पुं० वचन. **–डालना** = मागवुं; याचवुं [बोलवुं; कहेवुं
बचना अ०क्रि० बचवुं (२) (प.) स०क्रि०
बचपन पुं० बचपण; नानपण
बचा पुं० (प.) बचो; छोकरो
बचाना स०क्रि० बचाववुं
बचाव पुं० बचाव; रक्षण
बच्चा पुं० [फा.] बच्चुं (२) बाळक (३) वि० नादान; बालिश
बच्चादान पुं० [फा.] गर्भाशय
बच्ची स्त्री० बची; छोकरी
बच्चेकच्चे पुं० ब० व० बच्चांकच्चां; बाळबच्चां
बच्चेदानी स्त्री० जुओ 'बच्चादान'
बच्छ पुं० (प.) वत्स; छोकरो (२)वाछडो
बच्छा,–छ,–छड़ा पुं० वाछडो
बछड़ी, बछिया स्त्री० वाछडी
बछेड़ा पुं० घोडानो वछेरो
बजंत्री पुं०(वाजुं) वगाडनार–बजावनार
बजना अ० क्रि० वागवुं; बजवुं (२) (शस्त्र) चालवुं [फीण आववुं
बजबजाना अ०क्रि० सडाथी खदबदवुं–
बजरंग वि० वज्र जेवां अंगवाळुं (२) पुं० हनुमान. **०बली** पुं० हनुमान
बजरा पुं० एक प्रकारनी मोटी नाव

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बजरी स्त्री० कांकरेट (२) कोटनो कांगरो (३) बाजरी

बजा वि० [फा.] उचित; ठीक; स्थाने. **–लाना** = बजावvुं; करवुं

बजा-आवरी स्त्री० [फा.] कर्तव्य के आज्ञानुं पालन

बजाज पुं० [अ. बज्ज़ाज़] कापडियो

बजाजा पुं० [फा.] बजाजोनुं–कापडिया-ओनुं बजार; कापड-बजार

बजाजी स्त्री० [फा.] कापडनो वेपारधंधो

बजाय अ० [फा.] बदले; अवेजमां

बजार पुं० (प.) जुओ 'बाज़ार'. **–री, –रू** वि० बजारु (२) सामान्य; मामूली

बजाहिर अ० [फा.] देखवामां; उपरथी जोतां; उघाडुं

बजुज अ० [फा.] सिवाय; (अमुक) छोडीने

बजे अ० वाग्ये

बज्म स्त्री० [फा.] सभा; मंडळी

बझना अ०क्रि० (प.) बंधावुं (२) फसावुं; गूंचवावुं

बझाव पुं०, ०ट स्त्री० गूंचवण; फसावुं ते

बट पुं० वट; वड (२) वडुं (३) वजन; बाट (४) वळ (५) वाट; रस्तो

बटखरा पुं० वजन; बाट

बटन स्त्री० आमळवुं ते; वळ (२) पुं० [इं.] बटन [पुं० उपटण

बटना स०क्रि० वळ देवो; आमळवुं (२)

बट-परा, –पार, –मार पुं० वाटपाडु; डाकु

बटला पुं० मोटी वटलोई

बटली, –लोई स्त्री० वटलोई; तांबडी

बटवार पुं० नाकेदार (२) पहेरेगीर

बटवारा पुं० वहेंचणी; 'बँटवारा'

बटाई स्त्री० वहेंचणी (२) भागे जमीन आपवी ते. ०**दार** वि० भागे खेडनार

बटाऊ पुं० वटेमार्गु; मुसाफर. **–होना** = चालवा मांडवुं

बटिया स्त्री० नानी गोळी

बटी स्त्री० गोळी

बटुआ (–वा) पुं० जुओ 'बटुवा'

बटुरना अ०क्रि० टोळे वळवुं; एकठुं थवुं

बटुवा पुं० वाटवो (२) मोटी वटलोई

बटेर स्त्री० एक पक्षी. ०**बाज़** पुं० तेने पाळनार

बटोर पुं० टोळुं (२) ढगलो

बटोरना स०क्रि० समेटवुं; एकठुं करवुं

बटोही पुं० मुसाफर; 'बटाऊ'

बट्टा पुं० [सं. वार्त्त; प्रा. वाट्ट] दलाली (२) तोटो; घट (३) खलनो वत्तो

बट्टा-खाता पुं० डूबेली रकमनुं खातुं

बट्टाढाल वि० लीसुं अने सपाट

बड़ स्त्री० बडबडाट; बकवाद; वेडशी (२) वडनुं झाड (३) वि० 'बड़ा' नुं समासमां आवतुं रूप, जेम के 'बड़भागी'

बड़कौला पुं० वडनो टेटो

बड़प्पन पुं० मोटाई; महत्ता

बड़बट्टा पुं० वडनो टेटो

बड़बड़ स्त्री० बबडाट; बकवाद

बड़बड़ाना स० क्रि० बबडवुं; बकवाद करवो

बड़बेरी स्त्री० 'झड़बेरी'; जंगली बोर

बड़बोल (–ला) वि० बडी बडी वातो हांकनार; बहुबोलुं [भाग्यशाळी

बड़भाग (–गी) वि० बडभागी; महा

बड़वा स्त्री० वडवा; घोडी (२) वडवाग्नि

बड़वाग्नि, –नल पुं० वडवानळ

बड़हन पुं० एक जातनुं अनाज

बड़हर, –ल पुं० एक झाड

बड़हार पुं० लग्न पछीनुं महाभोजन

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बड़ा पुं० वडुं (२) वि० वडुं; मोटुं (उंमर, कद, गुण इ० मां)
बड़ाई स्त्री० वडाई; मोटाई; मान प्रतिष्ठा. **–देना**=आदर करवो. **–मारना** =शेखी बकवी
बड़ा घर पुं० केदखानुं
बड़ा दिन पुं० २५मी डिसेम्बर
बड़ा बोल पुं० गर्वनो बोल (२) डिंग
बड़ी स्त्री० वडी (२) वि० स्त्री० मोटी. **–बड़ी बातें करना**=डिंग मारवी
बड़ी बात स्त्री० कठण के अघरुं काम
बड़ी माता स्त्री० शीतळा; बळिया
बड़ेरा पुं०, **–री** स्त्री० 'वँडेरी'; मोभ
बढ़ई पुं० सुतार. **०गीरी** स्त्री० सुतारी
बढ़ती स्त्री० वृद्धि (२) चडती; उन्नति
बढ़ना अ०क्रि० वधवुं (२) उन्नति थवी (३) दुकान इ० बंध थवुं के दीवो बुझावो. **बढ़कर चलना**=फुलावुं; घमंड करवो
बढ़नी स्त्री० सावरणी; बुहारी
बढ़ाव पुं० वृद्धि (२) उन्नति
बढ़ावा पुं० उत्तेजन (२) उश्केरणी
बढ़िया वि० उत्तम
बढ़ोतरी स्त्री० उत्तरोत्तर चडती (२) वेतनमां क्रमिक वधारो
वणिक,–ज पुं० वणिक; वाणियो; वेपारी
बत [अ.], **०क (–ख)** स्त्री० बतक
बत-कहाव पुं०, **बतकही** स्त्री० वातचीत (२) वादविवाद
बतचल वि० बकवाद करनारुं
बतबढ़ाव पुं० वात वधवी ते; झघडो
बतरस पुं० वातचीतनो रस
बतलाना स०क्रि० 'बताना'; बतलाववुं; देखाडवुं
बताऊँ पुं० वेंगण; वंताक
बताना स० क्रि० बताववुं; जणाववुं; कहेवुं
बताशा (–सा) पुं० पतासुं (२) फूलकणी (३) परपोटो
बतिया स्त्री० फळनो मरवो
बतियाना अ०क्रि० वातचीत करवी
बतियार स्त्री० बातचीत
बतीसी स्त्री० दांतनी बत्रीसी. **–दिखाना**= हसवुं; दांत काढवा. **–बजना**=खूब टाढ वावी
बतोला पुं० चालाकी के छेतरपिंडीनी रीत
बतौर अ०[अ.] रीत प्रमाणे; ढंगथी
बत्तक (–ख) स्त्री० बतक; 'बतख'
बत्ति (–त्ती)स वि० बत्रीस; ३२
बत्ती स्त्री० वाट; दिवेट (२) दीवो (३) मीणबत्ती (४) पलीतो. **–दिखाना**= दीवो बताववो. **–देना**=पलीतो चांपवो. **–लगाना**=लगाडवुं
बत्तीस वि० जुओ 'बत्तिस'. **–सी** स्त्री० जुओ 'बतीसी'
बत्न पुं० [अ.] पेट (२) गर्भ
बथुआ पुं० बथवो–एक भाजी
बद स्त्री० बदलो; अवेज (२) बद रोग (३) वि० [फा.] खराब
बद-अमली स्त्री० अराजक; अव्यवस्था; अशांति
बद-इंतजामी स्त्री० खराब प्रबंध; अव्यवस्था
बदकार वि० [फा.] खराब; कुकर्मी; व्यभिचारी. **–री** स्त्री० दुराचार; व्यभिचार
बद-क़िस्मत वि० [फा.] अभागी. (**–ती** स्त्री०)
बद-ख़ू वि० खोटी खो–टेव वाळुं
बद-ख़्वाह वि० [फा.] अशुभ चाहनार; 'खैर–ख्वाह' थी ऊलटुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बद-गुमान वि० [फा.] शक के वहेमनी दृष्टिवाळुं. (नाम, **–नी** स्त्री०)
बदगो वि०[फा.] निंदक; कूथली करनारुं. **०ई** स्त्री० निंदा; कूथली
बद-चलन वि० खराब चालचलगतवाळुं. (नाम, **–नी** स्त्री०) [(**–नी** स्त्री०)
बद-जबान वि० [फा.] गाळो बोलनारुं.
बदजात वि० [फा.] नीच; हलकुं
बदजेब वि० [फा.] शोभारहित; कदरूपुं
बद-तमीज़ वि० [फा.] असभ्य; अशिष्ट. (**–ज़ी** स्त्री०) [वि० अति बूरुं
बदतर वि० [फा.] वधारे खराब. **–रीन**
बद-तहज़ीब वि० [फा.] 'बदतमीज़'; असभ्य (नाम, **–बी** स्त्री०)
बद-दयानत वि० [फा.] खराब दानत-वाळुं (नाम, **–ती** स्त्री०)
बद-दुआ स्त्री० [फा.] शाप
बदन पुं० शरीर [फा.] (२) वदन; मुख. **–चुराना**=शरमथी शरीर संकोचवुं. **–टूटना**=शरीर फाटवुं. **–फलना**= गडगूमड थवां [स्त्री०)
बद-नसीब वि० [फा.] कमनसीब (**–बी**
बदना स०क्रि० वदवुं; कहेवुं (२) ठराववुं (३) शरत के होड बकवी (४) वदवुं; गांठवुं [(नाम, **–मी** स्त्री०)
बद-नाम वि० [फा.] कलंकित; बेआबरू
बदनीयत वि० [फा.] बददानतवाळुं; बेईमान (नाम, **–ती** स्त्री०)
बद-नुमा वि० [फा.] कदरूपुं; वेडोळ
बद-परहेज़ वि० [फा.] परेज न राखनारुं; अपथ्य करनारुं (नाम, **–ज़ी** स्त्री०)
बदबख्त वि० [अ.] कमनसीब; दुर्भागी. (नाम, **–ख्ती** स्त्री०) [वि० गंधातुं
बदबू स्त्री० [फा.] बदबो; दुर्गंध. **०दार**
बद-मआश [फा.],**बदमाश** वि० बदमास; दुष्ट(२)लफंगुं;दुराचारी.(**–शी** स्त्री०)
बद-मज़गी स्त्री० [फा.] अणबनाव; कडवाश (२) बेस्वादपणुं
बदमज़ा वि० [फा.] फीकुं; बेस्वाद; खराब (२) मजा विनानुं
बद-मस्त वि० [फा.] नशाथी चकचूर (२) लंपट; कामी. (नाम, **–स्ती** स्त्री०)
बद-माश वि० **–शी** स्त्री० अनुक्रमे जुओ 'बदमआश,–शी'
बद-मिज़ाज वि०[फा.] चीडियुं; खराब मिजाज के स्वभावनुं (नाम,**–जी** स्त्री०)
बद-रंग वि० [फा.] बूरा, बगडी के ऊडी गयेला रंगनुं (२) पुं० पत्तांमां ऊतरथी बीजो रंग. (नाम, **–गी** स्त्री०)
बदर पुं० [सं.] बोर के बोरडी (२) कपास के कपासियो
बदर अ० [फा.] बहार. **–निकालना** =हिसाबमां कोईनी जमाबाकी काढवी
बदरनवीस पुं० [फा.] हिसाबनी भूलो काढनार (नाम, **–सी** स्त्री०)
बदर-रौ स्त्री० [फा.] मोरी
बदरा पुं० (प.) वादळ (२) स्त्री० [सं.] कपास; वेण
बद-राह वि० [फा.] बदरस्ते चडेलुं; बूरुं
बदरि,०का,–री स्त्री० [सं.] बोरडी
बदरौंह वि० जुओ 'बदराह'
बदल(–ला) पुं० [अ.] बदलो (२) फेरफार (३) अवेज
बद-लगाम वि० [फा.] बेलगाम; निरंकुश
बदलना अ०क्रि० बदलावुं; फरवुं (२) स०क्रि० बदलवुं; फेरववुं (३) फेर-बदली के अदलोबदलो करवो
बदला पुं० जुओ 'बदल'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बदली स्त्री० वादळांनी घटा (२) बदली
बदलौवल स्त्री० अदलाबदली
बद-वज़ा वि० [फा.] रीतभात के ढंगधडा विनानुं; कढंगुं
बद-शकल, बद-सूरत वि० [फा.] कदरूपुं
बद-शगून वि० अशुभ; अपशकनियुं (नाम, **–नी** स्त्री०) [(**–क़गी** स्त्री०)
बद-सलीक़ा वि० [फा.] कढंगुं; फूवड
बद-सलूक़ी स्त्री० [फा.] बूरो खोटो व्यवहार के वर्तन
ब-दस्त अ० [फा.] हाथे; द्वारा; मारफत
ब-दस्तूर अ० [फा.] दस्तूर मुजब; जेमनुं तेम; यथापूर्व
बद-हज़मी स्त्री० [फा.] अपचो; अजीरण
बद-हवास वि० [फा.] बेबाकळुं; विकळ (२) बेहोश [बेहाल
बद-हाल वि० [फा.] बूरा हालवाळुं;
बदा वि० नसीबमां लखायेलुं; नियत
बदान स्त्री० बदवुं ते (जुओ 'बदना')
बदाबदी स्त्री० चडसाचडसी; होड
बदाम पुं०, **–मी** वि० जुओ 'बादाम, –मी'
बदी स्त्री० वदि; कृष्णपक्ष (२) [फा.] वदी; बूराई [–ने लईने
ब-दौलत अ० [फा.] कृपाथी; कारणथी;
बद्दर(–ल) पुं० वादळ
बद्द पुं० बदमास; दुराचारी
बद्ध वि० [सं.] बांधेलुं के बंधायेलुं. ०**कोष्ठ** पुं० बंधकोश
बद्धी स्त्री० रसी; दोरी (२) एक घरेणुं
बद्र पुं० [फा.] पूनमनो चांदो
बध पुं० वध
बधना स०क्रि वध करवो (२) पुं० नाळचावाळुं जळपात्र, जेवुं के मुसलमान प्रायः वापरे छे

बधाई स्त्री० वृद्धि (२) वधाई; वधामणी (३) आनंदोत्सव (४) धन्यवाद
बधाया(–वा) पुं० वधामणी
बधिक पुं० वध करनार (२) जल्लाद (३) शिकारी
बधिया पुं० खस्सी करेलुं पशु
बधिर वि० [सं.] बहेरुं
बधू स्त्री० वधू; वहु [(३) नववधू
बधूटी स्त्री० पुत्रवधू (२) सधवा स्त्री
बध्य वि० वध्य; वधने पात्र
बन पुं० वन
बनकर पुं० वननी पेदाश
बनजर स्त्री० जुओ 'बंजर'
बनजारा पुं० वणजारो (२) वेपारी. (**–रन, –री** स्त्री०)
बनत स्त्री० बनावट (२) मेळ; बनवुं ते
बनना अ०क्रि० बनवुं. **बन आना, पड़ना** =सुयोग मळवो; लाग खाई जवो. **बनकर**=बनीठनीने; बरोबर. **–ठनना, –सँवरना**=बनवुंठनवुं. **बना रहना** =कायम रहेवुं (२) जीवतुं रहेवुं
बनफ़्शा पुं० [फा.] बनफशा; एक औषधिनी वनस्पति. **–फ़्शई** वि० बनफशाना रंगनुं
बनबिलाव पुं० रानी बिलाडो
बनरा पुं० बनडो (वर; लग्ननुं गीत)
बनरी स्त्री० बनडी; कन्या
बनवारी पुं० श्रीकृष्ण
बना पुं० बनडो; वर [बनातनुं
बनात स्त्री० बनात कपडुं. **–ती** वि०
बनाना स०क्रि० बनाववुं; रचवुं इ० (२) वीणवुं (३) समारवुं
बनाबं(–बन)त पुं० सगाई करवा माटे जनमोतरी मळवी – बेसती आववी ते

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बनाम अ० [फा.] नामथी (२) प्रति; विरुद्धमां
बनाय अ० पूरेपूरुं; अच्छी तरेह
बनाव पुं० बनावट; रचना (२) शणगार; बनवुंठनवुं ते (३) युक्ति
बनावट स्त्री० बनावट; रचना (२) आडंबर; देखाव. **–टी** वि० नकली; कृत्रिम
बनावन पुं० विणामण
बनाव-सिंगार पुं० बनवुंठनवुं ते
बनासपती स्त्री० (प.) वनस्पति; शाक, घासपालो इ० ['बनजारा,–री'
बनिजारा पुं०, **–रिन,–री** स्त्री० जुओ
बनिता स्त्री० वनिता; स्त्री
बनिया पुं० वाणियो (२) मोदी
बनियाइन स्त्री० वाणियण (२) [इं. बॅनियन] गंजीफराक [मुकाबले
बनिस्बत अ० [फा.] सरखामणीमां;
बनी स्त्री० वनखंड (२) बाग; नानुं वन के वाटिका (३) नववधू (४) जुओ 'बन्नी' (५) पुं० बनियो; वाणियो
बनीनी स्त्री० 'बनिया'नी स्त्री
बनेठी स्त्री० बनेटी
बनैला वि० वननुं; जंगली
बन्नात स्त्री० जुओ 'बनात'
बन्नी स्त्री० अनाजमां अपाती मजूरी
बपतिस्मा पुं० [इं. बॅप्टिझम] जलदीक्षा
बप(–पु)मार वि० बापने मारनार (२) सौने दगो देनार
बपु पुं० (प.) वपु; शरीर
बपुरा वि० बापडुं; बीचारुं
बपौती स्त्री० बापीकी जायदाद–वारसो
बफारा पुं० दवा नांखी बाफथी अपातो नास के ते दवा

बबकना अ०क्रि० भभूकी ऊठीने बोलवुं
बबर पुं० [अ.] सिंह
बबुआ पुं० (स्त्री० **–ई**) पुत्र के जमाई माटे लाडनुं संबोधन; बाबु; बचु
बबूल पुं० [सं. बब्बूर] बावळ
बबूला पुं० जुओ 'बगूला' (२) परपोटो
बभूत स्त्री० भभूत; भस्म
बम पुं० बॉम्ब (२) बम बम अवाज. **–बोलना** या **बोल जाना**=ठंठण गोपाळ थवुं
बमकना अ०क्रि० शेखी मारवी; बडाई हांकवी (२) जुओ 'बबकना'
बमगोला पुं० बॉम्बगोळो
बमचख स्त्री० शोरबकोर (२) झघडो
बमपुलिस पुं० जुओ 'बंपुलिस'
ब-मुकाबला अ० [फा.] समक्ष; सामे (२) विरुद्धमां (३) तुलनामां
बमूजिब अ० [फा.] मुजब; अनुसार
बयस स्त्री० वय; उंमर
बयाज़ स्त्री० [अ.] नोंध के तेनी चोपडी
बयान पुं० [फा.] ब्यान; हेवाल; वर्णन
बयाना पुं० [अ. बैआनः] बानुं; 'पेशगी'
बयाबान पुं० [फा.] वियाबान; जंगल
बयार,–रि,–री स्त्री० (प.) हवा; पवन. **–करना**=पंखो के पवन नांखवो
बर पुं० वर (२) वरदान (३) बळ (४) वि० वर; श्रेष्ठ
बर अ० [फा.] उपर. **–आना,-पाना**= बर आववुं; सफळ नीवडवुं
बर-अक्स अ० [फा.] ऊलटुं
बर-आमद वि० [फा.] जुओ 'बरामद'
बरई पुं० तंबोळी (स्त्री० **–इन**)
बरक़ंदाज पुं० [फा.] मोटी लाठी के बंदूकवाळो सिपाई; बंदूकची

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बरकत स्त्री० [अ.] बरकत; आबादी (२) एक बे . . एम गणतरीमां एक माटे वपराय छे (३) समाप्ति (शुभ-सूचक अर्थमां) (४) कृपा. **–उठना**=बरकत न आववी; पडती थवी; घटवुं. **–देना**=बरकत पूरवी. **–होना**=बरकत आववी

बरकती वि० बरकतवाळुं

बरकना अ० क्रि० मटवुं; टळवुं(२) हठवुं; दूर रहेवुं

बर-क़रार वि० [फा.+अ.] कायम (२) मोजूद

बरकाज पुं० विवाह

बरख़ास्त वि० [फा.] (सभा) वीखरायेलुं (२) (नोकरी के काममांथी) दूर करायेलुं; बरतरफ (नाम, ०गी स्त्री०)

बरख़िलाफ़ अ० [फा.] प्रतिकूळ; विरुद्ध

बर-ख़ुरदार पुं० [फा.] पुत्र (२) वि० खाधेपीधे सुखी (नाम, **–री** स्त्री०)

बरगद पुं० वडनुं झाड

बरछा पुं० बरछो; भालो

बरछैत पुं० बरछो चलावी जाणनार

बरजना स०क्रि० रोकवुं; मना करवी

बरज़बान वि० [फा.] कंठस्थ; याद

बर-जस्ता वि० [फा.] बरोबर; सचोट

बरज़ोर वि० जोरावर (२) अत्याचारी

बरज़ोरी अ० बळपूर्वक (२) स्त्री० जबरदस्ती

बरत पुं० व्रत (२) वरत; दोरडुं

बरतन पुं० वासण (२) वर्तन; वर्ताव

बरतना अ०क्रि० वर्तवुं (२) स०क्रि० वापरवुं; काममां लेवुं

बरतर वि० [फा.] वहेतर; वधारे सारुं

बरतरफ़ वि० [फा.] काढी मूकेलुं (२) अ० एक तरफ; किनारे; अलग (नाम, **–फ़ी** स्त्री०)

बरतरी स्त्री० [फा.] श्रेष्ठता; साराई

बरताना स०क्रि० वहेंचवुं

बरताव पुं० वर्ताव; वर्तन

बरतोर पुं० बालतोड–फोल्लो

बरदा पुं० [तु.] दास; लडाईमां पकडेलो गुलाम

बरदा(–धा)ना स०क्रि० मादाने नर देखाडवो (२) अ०क्रि० मादा गाभणी थवी

बरदा-फ़रोश वि०[फा.]गुलामनो वेपारी (नाम, **–शी** स्त्री० गुलामी वेपार)

बरदार वि० [फा.] वही जनार

बरदाश्त स्त्री० [फा.] खमवुं ते; सहन करवुं ते

बरधा पुं० वळद ['बरदाना'

बरधाना स०क्रि० (२) अ०क्रि० जुओ

बरन पुं० (प.) वर्ण; रंग (२) अ० बलके

बरना स०क्रि० वरवुं (२)अ०क्रि० बळवुं

बरपा वि० [फा.] खडुं थयेलुं; मचेलुं

बरफ़ स्त्री० 'वर्फ़'; बरफ. **–फ़ानी** वि० बरफनुं; बरफवाळुं

बरफ़ी स्त्री० बरफी मीठाई

बरबर पुं० बर्बर जातिनो माणस (२) स्त्री० बडबडाट; बकबक. **–रियत** स्त्री० बर्बरता; जंगलीपणुं

बरबस अ० बळपूर्वक (२) व्यर्थ

बरबाद वि० [फा.] खुवार; तबाह; नष्ट. [नाम, **–दी** स्त्री०]

बर–मला अ०[अ.] खुल्लामां;सौनी सामे

बर-महल वि० [फा.] योग्य; मोका परनुं (२) अ० वखत पर; 'बरवक़्त'

बरमा पुं० (स्त्री० **–मी**) शारडी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बरमी पुं० बर्मी; ब्रह्मदेशवासी (२) स्त्री० ब्रह्मदेशनी भाषा (३) वि० तेने लगतुं (४) स्त्री० नानी शारडी

बर-वक़्त अ० [फा.] बरोबर वखत पर; वखतसर

बरवट स्त्री० प्लीहानो रोग

बरस पुं० वरस. **०गाँठ** स्त्री० वर्षगांठ

बरसना अ०क्रि० वरसवुं. **बरस पड़ना** =खूब गुस्से थई वढवुं

बरसाइत स्त्री० वटसावित्री व्रत

बरसात स्त्री० वरसादनी ऋतु

बरसाती वि० वरसादने लगतुं (२) पुं० वरसादमां थतो एक जातनो फोल्लो (३) छत पर करातो अमुक ओरडो

बरसी स्त्री० वरसी; वार्षिक मृतक्रिया

बर-हक़ वि० [फा.] हकनुं (२) उचित (३) साचुं [स्त्री०)

बरहना वि० [फा.] नागुं (नाम, **–नगी**

बरहम वि० [फा.] गुस्से थयेलुं (२) चकित

बरहा पुं० पाणीनो ढाळियो (२) वरत (कोसनी)

बरही पुं० मोर; बर्ही (२) मरघो (३) स्त्री० जन्म पछी बारमा दिवसनी अमुक क्रिया (४) भारो बांधवानुं दोरडुं (५) लाकडांनो भारो

बरांडा पुं० वरंडो; 'बरामदा'

बरांडी स्त्री० ब्रान्डी दारू

बरा पुं० खावानुं वडुं

बराक पुं० [सं. वराक] युद्ध (२) वि० कंगाळ; गरीब; बापडुं (३) नीच

बरात स्त्री० जान. **–ती** पुं० जानैयो

बरानकोट पुं० [इं. ब्राउनकोट] बुरानकोट

बराना अ०क्रि० बचवुं; अलग रहेवुं (२) स०क्रि० वरवुं; पसंद करवुं; चूंटवुं

बराबर वि० [फा.] बराबर; समान (२) सरखुं; सपाट (३) अ० लगातार; सतत (४) हमेश. **–करना** = पूरुं करवुं. **–से निकलना** = –नी पासेथी जवुं

बराबरी स्त्री० [फा.] समानता (२) सरसाई; स्पर्धा; सामनो

बरामद वि० [फा.] बहार के सामे आवेलुं; उपस्थित (२) स्त्री० जुओ 'गंगबरार; दियारा' (३) आमदानी

बरामदा पुं० [फा.] वरंडो (२) छजुं

बरामीटर पुं० बॅरोमीटर

बराय अ० [फा.] वास्ते; माटे. **०नाम** =नामनुं; कहेवानुं [लोढानुं कडुं

बरायन पुं० विवाहमां वरने पहेरावातुं

बराव पुं० 'बराना'–बचवुं ते; निवारण

बरास पुं० एक जातनुं कपूर

बराह पुं० वराह (२) अ० [फा.] तरीके (३) द्वारा; मारफत

बरी स्त्री० वडी (२) वरपक्ष कन्याने वस्त्र वगेरे (लग्नविधि बाद) आपे छे ते (३) वि० (प.) बली; बळवान

बरी वि० [फा.] मुक्त; छूटुं

बरु अ० (प.) भले; ठीक [उपनयन

बरुआ(–वा) पुं० बडवो; बटुक (२)

बरु(–रौ)नी स्त्री० पांपण के तेनो वाळ

बरेंडा पुं० छापरानो मोभारो

बरेखी,–च्छा,–षी स्त्री० सगाई; विवाह-संबंध ठराववो ते

बरोक पुं० सगाई कर्यानो चांल्लो

बरोह स्त्री० वडवाई

बरौनी स्त्री० जुओ 'बरुनी' [तेज

बर्क़ स्त्री० [अ.] वीजळी (२) वि० चपळ;

बर्क़त स्त्री० जुओ 'बरकत'

बर्ख़ास्त वि० जुओ 'बरखास्त'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

वर्ग पुं० [फा.] झाडनुं पान

वर्छा पुं० जुओ 'बरछा'

वर्जना स०क्रि० जुओ 'वरजना'

वर्तना अ०क्रि० जुओ 'बरतना'

वर्ताव पुं० जुओ 'बरताव'

वर्दाश्त स्त्री० जुओ 'बरदाश्त'

बर्फ़ स्त्री० [फा.] बरफ

बर्फ़ानी, बर्फ़ीला वि० [फा.] बरफनुं

वर्फ़िस्तान पुं० [फा.] बरफनो प्रदेश

वर्फ़ी स्त्री० जुओ 'बरफ़ी'

वर्बर पुं० [सं.] जुओ 'बरबर'

वर्र पुं० [अ.] स्थळ; जमीन (२) वन

वर्र-ए-आजम पुं० [अ.] महाद्वीप

वर्राक़ वि० [अ.] चमकतुं (२) 'बर्क़'; तेज; चपळ

वर्राना अ०क्रि० बकवुं(२)बबडवुं; लवरी

वर्रै पुं० 'तितैया'; भमरी

बलंद वि० [फा.] बुलंद (२) बहु ऊंचुं; श्रेष्ठ (नाम, –दी स्त्री०)

बल पुं० वळ; आमळ (२) आंटो (३) आंटी; गांठ (४) लचकवुं–झूकवुं ते (५) कमी; कसर (६) [सं.] बल; शक्ति. **–खाना**=वळ खावो, समावो (२) कसर के खोट खावी–खमवी (३) वंकावुं; 'ऐंठना'

बलकट वि० 'पेशगी'; अगाउथी अपातुं

बलक(-ग)ना अ०क्रि० ऊकळवुं (२) ऊमटवुं

वलग़म पुं० [अ.] कफ (वि० **–मी**)

वलद पुं०[सं.] बळद. **–दिया** पुं० गाय-बळद चरावनार

वलना अ०क्रि० बळवुं

बलबलाना अ०क्रि० बबडवुं; व्यर्थ वकवुं (२) ऊंटनुं बोलवुं. (नाम,–हट स्त्री०)

बलभी स्त्री० छत परनी कोटडी; 'बरसाती'

बलवंत वि० (प.) बळवान; जबरुं

बलवा पुं० [फा.] बळवो

बलवाई पुं० बळवाखोर

बला स्त्री०[अ.] बला (२) दुःख; आफत (३) रोग. **–का**=गजब; भारे

बलाक पुं० [सं.] बगलो

बलाग़त स्त्री० [अ.] प्रसंगोचित बोलवुं ते (२) जुवानी; उंमरे पहोंचवुं ते

बलाढ्य वि०[सं.] बळवान (२) पुं० अडद

बलात्कार पुं०[सं.] जबरदस्ती;अत्याचार

बलाय स्त्री० बला

बलि पुं० [सं.] महेसूल; करभार (२) भेट (३) पूजापो (४) बळि; भोग (५) स्त्री० सखी. **–जाना**=वारी जवुं

बलिदान पुं०[सं.] बलिनुं अर्पण; त्याग; कुरबानी

बलि(-ली)वर्द पुं० [सं.] बळद

बलिष्ठ वि० [सं.] खूब बळवान

बली वि० [सं.] बळियुं (२) स्त्री० जुओ 'वली'

बलिहारी स्त्री० वारी जवुं; कुरबान थवुं ते. **–जाना**=वारी जवुं. **–लेना**= प्रेम बतावको

बलीग़ पुं० [अ.] सरस वक्ता

बलुआ वि० रेतीवाळुं;रेताळ (स्त्री०**–ई**)

बलूत पुं० [अ.] एक झाड

बले अ० [फा.] हा; ठीक

बलैया स्त्री० बला. (किसीकी) **बलैया लेना**=धन्यवाद के शुभाशिष बताववी

बल्कि अ०[फा.] बल्के (२) परंतु; प्रत्युत

बलग़म पुं० [अ.] जुओ 'बलग़म'

बल्लम पुं० सोटो;दंडो(२)बरछी(३)छडी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बल्लमटेर पुं० 'वॉलंटियर'; स्वयंसेवक

बल्लम-बर्दा(-रदा)र पुं० अनुचर; छडीदार

बल्ला पुं० सोटो; लाकडानो वळो (२) हलेसुं (३) बॉलनुं बॅट [हलेसुं इ०

बल्ली स्त्री० नानो 'बल्ला'; वळी,

बवँड़ना अ०क्रि० भटकवुं; रखडवुं

बवंडर पुं० वंटोळियो (२) आंधी

बवना स० क्रि० (प.) वाववुं; 'बोना' (२) विखेरवुं

बवासीर स्त्री० [अ.] हरसनो रोग

बशर पुं० [अ.] मनुष्य

बशारत पुं० [अ.] शुभ समाचार

बशाशत स्त्री० [अ.] खुशी; प्रसन्नता

बशीर वि०[अ.] 'बशारत', शुभ समाचार लावनार (२) सुंदर

बश्शाश वि० [अ.] राजी; खुश

बसंत पुं० वसंत. **–ती** वि० वसंतनुं के ते संबंधी

बसंदर पुं० आग

बस अ० पूरतुं; 'काफ़ी' [फा.] (२) पुं० वश; काबू (३) स्त्री० [इं.] मोटर बस

बसन पुं० 'वसन'; वस्त्र

बसना अ०क्रि० वसवुं; रहेवुं (२) पुं० वासण (३) वांसळी; थेली; कांई लपेटीने राखवानुं वस्त्र

बसर पुं० [अ.] निर्वाह; गुजारो

बसरो-चश्म अ० [फा.] राजीखुशीथी

बसवार पुं० वघार

बसवास पुं० वास; वसवाट

बसह पुं० वृषभ; बेल

बसा-औक़ात अ० [फा.] वारंवार

बसारत स्त्री० [अ.] दृष्टि (२) समज

बसीक(–ग)त स्त्री० वस्ती(२)वसवाट

बसीठ पुं० दूत. **–ठी** स्त्री० दूतकार्य

बसीना पुं० (प.) वास; रहेठाण

बसीरत स्त्री० जुओ 'बसारत'

बसूला पुं० वांसलो (स्त्री० **–ली**)

बसेरा वि० वसनार (२) पुं० निवास (३) उतारो. **–री** वि० (प.) वसनार

बसैया वि० (प.) वसनार

बसौंधी स्त्री० बासूदी; 'रवड़ी'

बस्ट पुं० [इं.] छाती सुधीनुं बावलुं

बस्ता पुं० [फा.] कागळपत्र इ०बांधवानुं कपडुं [जगा

बस्ती स्त्री० वस्ती के तेना वसवाटनी

बहँगा पुं० मोटो बांगो; कावड. (स्त्री० **–गी**)

बहकना अ० क्रि० बहेकवुं; वंठी जवुं (२) फुलावुं (३) बीजी वातमां पडी राजी थवुं (बाळके) (प्रेरक, **बहकाना**)

बहत्तर वि० बोंतेर; ७२

बहन स्त्री० बहेन (२) वहन; वहेवुं ते

बहना अ०क्रि० वहेवुं(२)वही–बहेकी जवुं

बहनापा पुं० बहेनपणां

बहनेली स्त्री० बहेनपणी

बहनोई पुं० बनेवी [शुभ कार्य

बहबूदी स्त्री०[फा.] भलाई; उपकार (२)

बहम अ०[फा.] साथे; जोडे (२) (प.) वहेम. **–पहुँचाना** = आणी आपवुं

बहर अ० [फा.] माटे; सारु (२) पुं० [अ. बह्र] समुद्र [कोई रीते

बहर-हाल अ०[फा.] गमे तेम करीने;

बहरा वि० बहेरुं (२) पुं०[फा.] नसीब; (३) हिस्सो

बहराना स०क्रि० बहार काढवुं (२) (प.) राजी करवुं, दुःख भूले एम करवुं (३) फोसलाववुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बहरावर वि० [फा.] नसीबदार
बहरियाना स०क्रि० 'बहराना'; बहार काढवुं
बहरी वि० स्त्री० [फा.] बहेरी (२) स्त्री० बाज जेवुं एक पक्षी (३) 'बहर'–समुद्र संबंधी
बहरो वि० (प.) बहेरो
बहल, –ली स्त्री० वहेल; रथ
बहलना अ०क्रि० चित्त प्रसन्न थवुं
बहलाना स०क्रि० बहलाववुं; 'बहकाना'; चित्त प्रसन्न करवुं
बहलाव पुं० वहलाववुं ते; मनोरंजन
बहली स्त्री० वहेल; 'बहल'
बहस स्त्री०[अ.] वादविवाद; चर्चा; बोस
बहसना अ०क्रि० 'बहस'–चर्चा करवी
बहा पुं० [फा.] मूल्य; किंमत
बहादुर वि० [फा.] शूरवीर; पराक्रमी; नीडर. –री स्त्री० शूरवीरता
बहाना स०क्रि० 'वहना' नुं प्रेरक (२) पुं०[फा.] निमित्त; बहानुं. –बनाना= बहानुं काढवुं
बहार स्त्री० [फा.] बहार; भभको के आनंद; मजा(२)वसंत ऋतु(३)विकास. –पर आना, –पर होना = बहारमां आववुं; खीलवुं [प्रसन्न; स्वस्थ
बहाल वि० [फा.] कायम; पूर्ववत् (२)
बहाली स्त्री० [फा.] बहाली; कायम राखवुं ते (२) बहानुं
बहाव पुं० प्रवाह; वहेण ['बहनापा'
बहिन स्त्री० बहेन. –नापा पुं० जुओ
बहिरंग वि० [सं.] बहारनुं
बहिर,–रा वि० (प.) बधिर; बहेरुं
बहिराना अ०क्रि० बहार होवुं के थवुं (२) स०क्रि० बहार काढवुं

बहिला वि० वांझियुं (ढोर)
बहिश्त पुं० [फा.] बहिस्त; स्वर्ग
बहिश्ती पुं० [फा.] भिस्ती (२) स्वर्गमां रहेनार (३) वि० स्वर्ग सम्बन्धी
बहिष्कार पुं० [सं.] बहार करवुं के काढवुं ते; 'बायकाट' [त्यक्त
बहिष्कृत वि० [सं.] बहिष्कार करायेलुं;
बही स्त्री० वही; चोपडो
बहीर स्त्री० जनसमूह; भीड (२) फोज साथेनो मददनीश नोकर वगेरेनो वर्ग के तेमनी सामग्री
बहु वि० [सं.] घणुं; अनेक
बहुज्ञ वि० [सं.] जाणकार; तद्विद
बहुत वि० वहोत; घणुं; अनेक. –करके =घणुं करीने; प्रायः. –कुछ=घणुं; सारी पेठे. –ख़ूब=ख़ूब सरस
बहुताई (–त,–यत) स्त्री० बहुता; अधिकता [रीते
बहुतेरा स्त्री० बहोत (२) अ० अनेक
बहुतेरे वि० संख्यामां बहु
बहुधा अ० [सं.] प्रायः; घणुं करीने (२) अनेक रीते
बहुमत पुं० [सं.] बहुमती (२) अनेक जुदा जुदा मत
बहुमूत्र पुं० [सं.] पेशाबनो एक रोग
बहुमूल्य वि० [सं.] कीमती
बहुरना अ०क्रि० पाछुं आववुं (२) फरी मळवुं [वधुमां
बहुरि अ० (प.) फरी; पुनः (२)उपरांत;
बहुरिया स्त्री० नववधू; कन्या
बहुरूपिया पुं० बहुरूपी
बहुल वि० [सं.] बहु; अधिक
बहुला,–ली स्त्री० [सं.] इलायची
बहुश्रुत वि० [सं.] विद्वान; कुशळ

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बहू स्त्री० वहु (पत्नी के पुत्रवधू) (२) कन्या; वधू
बहेड़ा पुं० बहेडानुं झाड
बहेतू वि० भटकतुं; रखडतुं
बहेलिया पुं० पारधी; शिकारी
बहोरि अ० (प.) 'बहुरि'; फरी
बह्र पुं० [अ.] 'बहर'; समुद्र
बह्रे-रवाँ पुं० [फा.] जहाज; वहाण
बाँ पुं० (प.) वार; वेळा (२) अ० गाय बळदनो रव – बांगरडवुं ते
बाँक पुं० वांक – एक घरेणुं (२) वांकापणुं; वळांक [छेलबटाउ
बाँका वि० वांकुं (२) बहादुर (३) बंको;
बाँग स्त्री०[फा.] पोकार (२) नमाझनी वांग (३) कूकडानो अवाज
बाँगड़(-र) पुं० वागड; ऊंचो प्रदेश, जेवो के पंजाबनो हरियाना
बाँगड़ू वि० मूर्ख; बेवकूफ
बाँगर पुं० जुओ 'बाँगड़'
बाँगा पुं० कपास
बाँगुर पुं० जाळ; फांदो [(३)वाकी रहेवुं
बाँचना स० क्रि० (प.) वांचवुं (२) वचवुं
बाँझ स्त्री० वांझणी; वंध्या
बाँट स्त्री० वहेंचणी (२) भाग
बाँटना स०क्रि० वहेंचवुं(२)भाग पाडवा
बाँटा पुं० जुओ 'बाँट' [असहाय
बाँडा वि० वाडुं (पशु) (२) एकलुं;
बाँद पुं० [फा. बंदा] सेवक; दास (स्त्री०–दी) [फणगो
बाँदा पुं० वांदो – झाडने थतो नकामो
बाँदी स्त्री० दासी; लूंडी
बाँध पुं०–नदी इ० नो बंध
बाँधना स०क्रि० बांधवुं(२) रोकवुं (३) नक्की करवुं
बाँधनूँ पुं० पहेलेथी बांधेली अटकळ; मनसूबो (२) रंगरेजनी बांधणी
बांधव पुं० [सं.] वंधु; भाई
बाँबी स्त्री० ऊधई के सापनुं घर
बाँस पुं० वांस. **–पर चढ़ना**=बदनाम के फजेत थवुं. **–बजना**=मारपीट थवी; लाकडीओ चालवी. **बाँसों उछलना**= खूब राजी थवुं
बाँसली स्त्री०वांसळी(वाद्य के रूपियानी)
बाँसुरी स्त्री० वांसळी
बाँह स्त्री० बांय (हाथ; के कपडानी बांय). **–गहना या पकड़ना**=मदद करवी (२) परणवुं. **–चढ़ाना**=वांयो चडावीने लडवा तैयार थवुं. **–टूटना**= खरी सहाय जवी. **–देना**=मदद करवी. **–बुलंद होना**=साहसिक के उदार होवुं
बाँह-बोल पुं० मदद के रक्षा करवानुं वचन
बा अ० [फा.] (पूर्वग) साथे; सहित. उदा० **बा-अदब**=विवेकपूर्वक. **बा-असर**=असरकारक; प्रभावशाळी
बाइबिल स्त्री० बाइबल
बाइस पुं०[अ.] कारण; सबब (२) वि० जुओ 'बाईस'
बाइसिकल स्त्री० [इं.] साइकल
बाई स्त्री० वायु (२) बाई
बाईस वि० २२; बावीस. **–सी** स्त्री० बावीसी; बावीसनो समूह
बाउर वि० (प.) बावरुं; गांडुं; मूर्ख
बाएँ अ० जुओ 'बायें'
बाक-चाल वि० बहुबोलुं; वाचाळ
बाक़र पुं०[अ.] मोटो विद्वान के धनी
बाक़र-खानी स्त्री०[अ.]एक जातनी रोटी
बाकला पुं० [अ.] वटाणा जेवी एक फळी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बा-क़ायदा वि० [फा.] नियम के कायदा मुजब; कायदेसर
बाक़ियात स्त्री० [अ.] बाकी रकमो
बाकिरा स्त्री० [अ.] कुमारी
बाक़ी वि० [अ.] बाकी (२) स्त्री० बादबाकी (३) अ० बाकी; नहि तो
बा-ख़बर वि० [फा.] वाकेफ; 'जानकार'
बा-ख़ुदा वि० [फा.] ईश्वरनुं भक्त
बाग, बागडोर स्त्री० लगाम
बाग़ पुं० [अ.] बाग; बगीचो. **बाग़ बाग़ होना**=खुश खुश थई जवुं
बाग़बा(-वा)न पुं० [फा.] माळी. **-नी** स्त्री० माळीकाम
बागर पुं० वागड; नदीकांठानो ऊंचो प्रदेश ज्यां कदी नदीनुं पाणी न पहोंचतुं होय
बा-ग़रज़ वि० [फा.] गरजु; गरजवाळुं
बागा पुं० वाघो; जामो
बाग़ाती स्त्री० [फा.] बागायती जमीन
बाग़ी पुं० [अ.] राजद्रोही (२) वि० बाग संबंधी
बाग़ीचा पुं० [फा.] बगीचो; नानो बाग
बागुर पुं० जाळ; फांदो
बाघंबर पुं० वाघ-चामडुं (२) एक जातनो कामळो
बाघ पुं० वाघ
बाछ स्त्री० होठना बे छेडा. **बाछें खिल जाना**=खड खड हसवुं
बाछा पुं० वाछडो (२) वत्स; छोकरो
बाज़ पुं० [फा.] बाज पक्षी (२) वि० नामने लागतां, ते 'वाळुं' के '-मां कुशळ' के 'शोखीन' अर्थ बतावतो प्रत्यय (३) वगरनुं; वंचित; रहित (४) [अ. बअज़] थोडुंक; केटलुंक; अमुक. **-आना**=पाछुं आववुं (२) वगरनुं थवुं; खोवुं (३) दूर रहेवुं. **-करना, -रखना**=रोकवुं; मना करवी
बाज़-गश्त वि०[फा.] पाछुं आवतुं; ऊलटुं
बाज़-गुज़ार पुं० [फा.] कर भरनार
बाज़-दावा पुं०[फा.] दावा-अधिकारनो त्याग; फारगती
बाजन पुं० वाजुं; वाद्य
बाजना अ०क्रि० वागवुं; बजवुं (२) बाझवुं; लडवुं (३) जाहेर थवुं (४) वागवुं; लागवुं
बाजरा पुं० बाजरी
बाजा पुं० वाजुं. **०गाजा** पुं० वागतुं गाजतुं ते; अनेक वागतां वाजांनो समूह
बा-ज़ाब्ता अ०[फा.]जापताथी; नियमथी (२) वि० नियमवाळुं; 'बाक़ायदा'
बाज़ार पुं०[फा.]बजार.**-करना**=खरीदी करवा बजारमां जवुं. **-गर्म होना**= घराको खूब होवा (२) काम जोरथी चालवुं
बाज़ारी(-रू) वि०[फा.] बजार संबंधी (२) बजारु; सामान्य के अशिष्ट
बाज़िन्दा पुं०[फा.] खेलाडी (२) बाजंदुं-धूर्त (नाम, **-न्दगी** स्त्री०)
बाजि,-जी पुं० [सं.] घोडो; वाजी
बाज़ी स्त्री०[फा.] बाजी; शरत; होड; दाव. **-मारना**=बाजी जीतवी. **-ले जाना**=फाववुं; आगळ जवुं
बाज़ीगर पुं० [फा.] जादुगर
बाज़ीचा पुं० [फा.] रमकडुं
बाजु अ० (प.) 'बाज'; सिवाय; विना
बाज़ू पुं० [फा.] बाहु; हाथ (२) बाजु; तरफ (३) पक्षीनी पांख. **०बंद** पुं० एक घरेणुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बाट पुं० वाट; रस्तो (२) तोलवानुं बांट (३) वाटवानो बत्तो
बाटना स०क्रि० वाटवुं (२) जुओ 'बटना'
बाटिका स्त्री० वाटिका; वाडी
बाटी स्त्री० बाटी–रोटी (२) गोळी
बाड़ स्त्री० वाड (२) धार
बाड़व, –वानल पुं० वडवानळ
बाड़ा पुं० वाडो (स्त्री० **-ड़ी**)
बाडिस स्त्री० [इं.] विलायती चोळी; बॉडिस
बाड़ी स्त्री० वाडी; वाटिका
बाढ़ स्त्री० वृद्धि (२) रेल (३) लाभ; नफो (४) सतत शस्त्र चालवुं ते (५) शस्त्रादिनी धार. **–दगना**= सतत तोप छूटवी
बाढ़ी स्त्री० 'बाढ़'; वृद्धि; लाभ
बाण पुं० [सं.] तीर
बात स्त्री० वात (२) पुं० वात; वायु. **–का धनी, पक्का** या **पूरा**=प्रतिज्ञा के वचन पाळनार. **–का बतंगड़ करना**=रजनुं गज करवुं. **–खोना**= शाख बगाडवी. **–पाना** = रहस्य समजी जवुं. **–बनाना**=जूठुं बोलवुं (२) बहानुं काढवुं
बातचीत स्त्री० वातचीत
बातिन पुं० [अ.] बातेन–अंदरनो भाग (२) अंतःकरण
बातिनी वि० [अ.] अंदरनुं (२) मननुं
बातिल वि० [अ.] मिथ्या; जूठुं; नकामुं (२) बातल; रदबातल
बाती स्त्री० वत्ती; वाट
बातुल कि० [सं. वातुल] वायल; पागल
बातूनिया, बातूनी वि० वातोडियुं
बाथ पुं० बाथ; गोद
बाद पुं० वाद; बोस (२) वाद; होड; शरत (३) अ० व्यर्थ; 'बादि' (४) वि० बाद; कम (५) पुं० [फा.] वात; हवा (६) अ० [अ.] बाद; पछी
बाद-कश पुं० [फा.] धमण [झघडवुं
बादना स०क्रि० (प.) वादविवाद करवो;
बाद-नुमा पुं० [फा.] वायुनी दिशा बतावनारुं यंत्र [बकबक करनारुं
बाद-फ़रोश पुं० [फा.] खुशामतियुं (२)
बादबान पुं० [फा.] वहाणनो सढ
बादर, –ल पुं० वादळ. **–उठना, चढ़ना** =वादळ चडी आववां
बादला पुं० कसबनुं बादलुं
बादशाह पुं० [फा.] राजा; सुलतान. **०त** स्त्री० बादशाही; राज्यकाळ. **–ही** स्त्री० 'बादशाहत' (२) वि० बादशाहनुं के तेने छाजे एवुं [भारे कष्ट
बाद-सख़्त स्त्री० [फा.] आंधी (२)
बाद-हवाई अ० [फा.] व्यर्थ; 'फ़ज़ूल'
बादाम पुं० [फा.] बदाम. (वि०, **–मी**)
बादि अ० (प) व्यर्थ; नकामुं
बादियान पुं० [फा.] वरियाळी
बादी वि० [फा.] वायु संबंधी (२) वायु करनारुं (३) स्त्री० वातविकार
बादे-सबा स्त्री० [फा.] पूर्वनी हवा
बाध पुं० मुंजनुं दोरडुं (२) [सं.] अडचण
बाधक वि० [सं.] बाध करे एवुं
बाधना स०क्रि० (प.) बाध नाखवो; रोकवुं
बाधा स्त्री० [सं.] विघ्न; अडचण (२) संकट; भय. **–डालना, –देना**=रोकवुं; विघ्न आणवुं. **–पड़ना, –पहुँचना**= विघ्न आववुं
बाधित वि० [सं.] बाधमां नंखायेलुं; रोकायेलुं (२) असंगत (तर्क)

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बाध्य वि० [सं.] लाचार; विवश; फरजियात
बान पुं० बाण (२) वाण; दोरी (३) स्त्री० वान; वर्ण के बांधो के रचना (४) टेव; आदत
बानगी स्त्री० वानगी; नमूनो
बानबे वि० बाणुं; ९२
बानर पुं० वानर; वांदरुं
बा-नवा वि० [फा.] सारा अवाजवाळुं (२) संपन्न (३) समर्थ
बाना पुं० पहेरवेश; पोशाक (२) रीत; ढंग (३) वणाट (४) वाणो (५) पतंगनो दोर (६) भाला जेवुं एक शस्त्र (७) स०क्रि० पहोळुं करवुं; खोलवुं (जेम के मोढुं)
बानिया पुं० (प.) 'वनिया'; वाणियो
बानिन स्त्री० वाणियण
बानी स्त्री० वाणी (२) प्रतिज्ञा (३) पुं० वाणियो (४) [अ.] प्रवर्तक; नेता
बानैत पुं० 'बाना' शस्त्र के बाण चलावी जाणनार (२) योद्धो [वडवो
बाप पुं० बाप; पिता. **०दादा** पुं० पूर्वज;
बापुरा वि० बापडुं; बीचारुं
बापू पुं० बापु
बाफ स्त्री० बाफ; वराळ
बाफ़्ता पुं०[फा.]एक जातनुं रेशमी कपडुं
बाब पुं० [अ.] प्रकरण; अध्याय
बाबत स्त्री० [अ.] विषय; संबंध
बाबरची पुं० बबरची; 'बावर्ची'
बाबरी स्त्री० वाळनी बाबरी – लांबा वाळनी जटा
बाबा पुं० [तु.] बाप (२) दादा (३) साधु संन्यासी माटे आदरवाचक शब्द (४) बाबो; छोकरो (लाडनो शब्द)
बाबू पुं० बाबु; सद्‌गृहस्थ (आदरसूचक)
बाभन पुं० बामण; ब्राह्मण
बाम वि० वाम; डाबुं (२) पुं० [फा.] घरनी मेडी के छत (३) स्त्री० एक जातनी माछली (४) वाम माप
बा-मज़ा वि० [फा.] मजेदार; स्वादिष्ट
बा-मज़ाक वि० [फा.] रसिक; विनोदी
बा-मुराद वि० [फा.] सफळ; फळीभूत
बायँ वि० 'बायाँ'; डावुं (२) दाव के लक्ष्य चूकेलुं
बायकाट पुं० [इं.] बॉयकोट; बहिष्कार
बायद अ० [फा.] जेम जोईए एम. **–व शायद** वि० आदर्श; उत्तम
बायन पुं० 'बयाना'; बानुं (२) 'बैना'; वायन; भेट
बायलर पुं० [इं.] बॉईलर
बायाँ वि० डाबुं (२) ऊलटुं (३) विरुद्ध (४) पुं० बायुं तबलुं. **–देना**=बची जवुं; सरकी जवुं (२) जाणीने छोडवुं
बायु पुं० वायु
बायें अ० डाबी बाजू (२) विपरीत. **–होना**=विरुद्ध के नाराज थवुं
बारंबार अ० वारंवार; फरी फरी
बार पुं० [फा.] भार; बोजो (२) परिणाम
बार पुं० बार; द्वार (२) स्त्री० बार; वखत; फेरो (३) पुं० (प.) 'बाल'; केश (४) बाळ; छोकरो [मकान
बार(–रि)क स्त्री० वराक; फोजनुं
बारकश पुं० [फा.] बोजो लई जनार गाडी [(२) तंबू
बारग(–गा)ह स्त्री० [फा.] दरबार
बारगीर पुं० [फा.] बोजो उठावनार (२) बारगीर–घोडेसवार सैनिक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बारजा पुं० खडकीनो मेडो के कठेरो –अटारी अथवा वरंडो

बारतिय स्त्री० 'वारस्त्री'; वेश्या

बारदान,–ना पुं० [फा.] वारदान (२) फोजनुं सीधुंसामान

बारना स०क्रि० वारवुं; रोकवुं(२)वाळवुं

बारनिश स्त्री० वार्निश; पालीस करवानो रोगान

बार-बरदार पुं० [फा.] बोजो लई जनार; मजूर. (नाम,**–री**)

बारवधू, बार-मुखी स्त्री० (प.) वेश्या

बारयाब वि०[फा.] मोटा माणस पासे जनार–पहोंचनार. **–बी** स्त्री० पहोंच; प्रवेश; गति

बारह वि० बार; १२. **–बाट करना या घालना**=बारेवाट–छिन्नभिन्न करी नांखवुं. **–बाट जाना या होना**=छिन्न-भिन्न–रफेदफे थवुं

बारहखड़ी स्त्री० बाराखडी

बारहदरी स्त्री० (मंडप जेवी) चारे पास खुल्ली बेठक

बारहबान पुं०खरुं उमदा सोनुं. **–ना,–नी** वि० खरुं (सोनुं)

बारहमासा पुं० बार महिनानुं गीत

बारहमासी वि० बारमासी (२) हमेश लीलुं रहेनार

बारह-वफ़ात स्त्री० [फा.] बारेवफात; महंमद पेगंबरना अंतिम मांदगीना बार दिवस

बारह-सिंगा पुं० बारसींगुं हरण

बारहाँ पुं० बारमो दिवस (जन्म के मरणनो)

बारहा अ० [फा.] वारंवार (२) प्रायः; घणुं करीने

बारहीं स्त्री० 'बरही'; बाळकना जन्म पछी बारमा दिवसनो उत्सव

बाराँ पुं० [फा.] वरसाद

बारा वि० बाळ; नानुं (२) पुं० बाळक. **–रेतें**=बाळपणथी [कि, **बारेमें**

बारा पुं० [फा.] विषय; बाबत. जेम

बारात स्त्री० 'बरात'; जान; वरयात्रा. **–उठना** = जान ऊठवी–चालवी

बारानी वि० [फा.] वर्षा संबंधी (२) स्त्री० चोमासु खेती कराती जमीन (३) वरसादथी बचवा पहेरातुं कपडुं

बारामीटर पुं० बॅरोमीटर; 'बैरोमीटर'

बारिक स्त्री० जुओ 'बारक'; बराक

बारिश स्त्री०[फा.] वरसाद (२) वर्षाऋतु

बारी स्त्री० वारी; पाळी (२) वाडी; बगीचो (३) वाड (४) किनार; धार (५) शस्त्रादिनी धार (६) घर; मकान (७) वहाणनुं बारुं (८) नादान छोकरी के युवती (९) पुं० पडिया पतराळां बनावती एक जात. **बारीका** (ज्वर)= पाळीथी आवतो (ताव)

बारीक वि०[फा.] झीणुं; पातळुं; सूक्ष्म; गूढ. **–की** स्त्री० बारीकाई

बारीक-बीं, –बीन वि० [फा.] बारीकाई जोनार के समजनार.(नाम,**–नी** स्त्री०)

बारू स्त्री० रेती; धूळ; 'बालू'. **०दानी** स्त्री० रेतदानी

बारूद स्त्री० [फा.] बारूत; फोडवानो दारू. **०ख़ाना** पुं० दारूगोळानुं गोदाम के भंडार

बारे अ० [फा.] अंते; छवटे

बारेमें अ० संबंधमां; विषे

बारोठा पुं० द्वारपूजा; वर द्वारे आवतां कराती क्रिया

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बाल पुं० [सं.] वाळ (२) बाळक (३) स्त्री० घउं इ०नुं डूंडुं (४) पुं० [फा.] पांख. **–खिचड़ी होना**=काळा करतां धोळा वाळ वधु होवा. **–न बाँकना** = वाळ वांको न थवो. **–पकना** वाळ धोळा थवा. **–बालबचना** = मांड मांड बचवुं

बालक पुं०[सं.]बाळक; छोकरुं (२)नादान

बालटी स्त्री० डोल [फोल्लो

बाल-तोड़ पुं० बालतोडो; एक जातनो

बालना स०क्रि० वाळवुं; लगाडवुं

बालबच्चे पुं० बाळबच्चां; परिवार

बालबोध वि० बाळक समजे एवुं; सरळ (२) स्त्री० बाळबोध लिपि

बालम पुं० वहालम; पति; वल्लभ

बालम–खीरा पुं० एक जातनी 'खीरा' –काकडी

बाल-विवाह पुं० [सं.] बाळलग्न

बाल-विधु पुं० [सं.] बीजनो चंद्र

बाल-सूर्य पुं० [सं.] ऊगतो सूरज

बाला स्त्री० [सं.] बाळा; कन्या (२) नवयुवती (३) पत्नी

बाला अ० [फा.] ऊंचे; उपर (२) वि० उपरनुं; उपलुं. **–बाला** = बारोबार; उपर उपर

बालाई वि० [फा.] उपरनुं (२) स्त्री० दूधनी मलाई (३) ऊंचाई

बालाखाना पुं० [फा.] मेडो

बालापन पुं० बाळपण

बाला बाला अ० जुओ 'बाला' [फा.] मां

बाला-भोला वि० भोळुं भाळुं; सीधुं सादुं

बालाबर पुं० [फा.] एक जातनुं अंगरखुं

बालार्क पुं० [सं.] बालसूर्य

बालिका स्त्री० [सं.] छोकरी; कन्या

बालिग़ पुं० [अ.] उंमरे पहोंचेल जुवान

बालिश स्त्री० [फा.] ओशीकुं (२) वि० [सं.] अज्ञान, बेसमज

बालिश्त स्त्री० [फा.] वेंत; 'बित्ता'

बालिस-ट्रेन स्त्री० बालास गाडी

बाली स्त्री० काननी वाळी–कडी (२) 'बाल'; डूंडुं (३) वालि वानर

बालीदगी स्त्री० [फा.] वृद्धि; विकास

बालीन पुं० [फा.] ओशीकुं

बालुका स्त्री०, **बालू** पुं० रेती. **–की भीत** = क्षणभंगुर वस्तु

बालू-दानी स्त्री० रेतदानी

बालूसा(–शा)ही स्त्री० एक मीठाई

बाल्य पुं० [सं.] बाळपण

बाव पुं० वायु (२) अपानवायु. **–गोला** पुं० गोळानो रोग

बा-वज़ वि० [फा.] सभ्य; शिष्ट

बा-वजूद अ० [फा.] तोपण

बा-वफ़ा वि० [फा.] वफादार

बावड़ी स्त्री० वाव

बावन वि० '५२'. **–गजका** = पाकुं; खंधुं. **–तोळे पाव रत्ती** = तद्दन ठीक. **–वीर** = बहादुर

बावन(–ना) वि० वामन; ठींगणुं

बावर पुं० [फा.] भरोंसो; विश्वास

बावर(–रा,–ला) वि० बावरुं;घेलुं(२)मूर्ख

बावरची, बावर्ची पुं० [तु.] बबरची; रसोइयो. **०ख़ाना** पुं० रसोडुं

बावर,–रा,–ला वि० बावरुं; गांडुं (२) वायुना रोगवाळुं

बावली स्त्री० वाव (२) ऊंडी तलावडी

बावाँ वि० डाबुं; 'बायाँ' (२) प्रतिकूल

बाशिंदा पुं० [फा.] निवासी; रहीश

बाष्प पुं० [सं.] बाफ; वराळ (२) आंसु (३) लोढुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बास पुं० वास; रहेठाण (२) वास, गंध (३) कपडुं (४) स्त्री० वासना (५) आग
बासठ वि० ६२; बासठ
बासन पुं० वासण
बासना स्त्री० वासना; इच्छा (२) स०क्रि० (प.) सुवासित करवुं
बासमती पुं० ए नामनी चोखानी जात
बासर पुं० वासर; वार; दिवस(२)सवार
बासा पुं० वीशी (२) वास; रहेठाण
बासिरा पुं० [अ.] दृष्टि; नजर
बासी वि० वासी. **–कढ़ीमें उबाल आना**=घडपणमां जुवानीनो उमंग थवो (२) कसमये कोई वासना ऊठवी
बासी ईद स्त्री० ईदनो बीजो दिवस
बासी-तिवासी वि० केटलाय दिवसनुं (वासी)
बासी मुँह अ० नयणे कोठे; खाली पेटे
बाहना स०क्रि० वही लाववुं (२) हांकवुं (३) खेडवुं (४) हथियार चलाववुं
बाहम,-मी अ०[फा.]आपसमां;अंदरोअंदर
बाहर अ० बहार (२) अलग; वेगळे. **–करना**=दूर करवुं
बाहरी वि० बहारनुं (२) परायुं (३) देखवामात्र; उपरनुं
बाहिज अ० (प.) बाह्यतः, बहारथी
बाहु पुं० [सं.] हाथ
बाहुल्य पुं० [सं.] बहु होवुं ते; अधिकता
बाह्य वि० [सं.] बहारनुं
बिंग पुं० जुओ 'व्यंग्य'; 'कटाक्ष'
बिंजन पुं० (प.) जुओ 'व्यंजन'
बिंदा स्त्री० वृंदा गोपी(२)मोटो चांल्लो
बिंदी स्त्री० बिंदु; मीडुं (२) चांल्लो (३) टपकुं
बिंदु पुं० [सं.] बिंदु; मीडुं (२) टपकुं
बिंधना अ०क्रि० वींधावुं (२) फसावुं
बिंब पुं०[सं.] पडछायो; प्रतिबिंब (२) घिलोडुं; बिंबफळ
बिंबा,–बी स्त्री० घिलोडीनो वेलो
बिआज पुं० व्याज
बिआधि स्त्री० (प.) व्याधि; पीडा
बिआना स०क्रि० वावुं; जणवुं(ढोर माटे)
बिओग पुं० (प.) जुओ 'वियोग'
बिकट वि० 'विकट'; विकराळ
बिकना अ०क्रि० वेचावुं
बिकरार वि० विकराळ (२) विकळ; व्याकुळ; 'बेक़रार'
बिकराल वि० 'विकराल'; विकराळ
बिकल वि० जुओ 'विकल'. **–लाई** स्त्री० विकलता. **–लाना** अ०क्रि० अकळावुं
बिकवाना स०क्रि० वेचाववुं
बिक(-ग)सना अ०क्रि०विकसवुं;खीलवुं
बिकाऊ वि० वेचाउ; वेचवा माटेनुं
बिकार पुं० जुओ 'विकार'
बिकारी वि० जुओ 'विकारी' (२) स्त्री० रूपिया इ०नी निशानी
बिख,०म पुं० वख; झेर
बिक्री स्त्री० वेचाण; वकरो
बिखरना अ०क्रि० वीखरावुं
बिखराना, बिखेरना स०क्रि० विखेरवुं
बिगड़(-र)ना अ०क्रि० बगडवुं (२) क्रोधे भरावुं (३) सामे थवुं के न बनवुं
बिगड़ेदिल पुं० बगडेला दिलनुं; कुमार्गी (२) झघडाळु
बिगड़ै(-राइ,-रै)ल वि० झघडाळु (२) जिद्दी (३) बगडेलुं
बिगर अ० (प.) वगर; विना
बिगरना अ०क्रि० जुओ 'बिगड़ना'
बिगरै(-राइ)ल वि० जुओ 'बिगड़ैल'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बिगल पुं० जुओ 'बिगुल'
बिगसना अ०क्रि० (प.) विकसवुं; खीलवुं
बिगहा पुं० वीघुं
बिगाड़ पुं० बगाड (२) खराबी; बूराई (३) अणबनाव. **०ना** स०क्रि० बगाडवुं
बिगाना वि० जुओ 'बेगाना'
बिगार पुं० जुओ 'बिगाड' (२) स्त्री० जुओ 'बेगार'
बिगारी स्त्री० जुओ 'बेगारी'
बिगुल पुं० [इं.] ब्यूगल. **०र** पुं० ते वगाडनार; ब्यूगलवाळो
बिगूचन स्त्री० गूंचवण; मूंझवण (२) मुश्केली
बिगूचना अ०क्रि० गूंचावुं; मूंझावुं
बिगोना स०क्रि० (प.) बगाडवुं (२) छुपाववुं(३)विताववुं(४)भ्रममां नांखवुं
बिघन पुं० (प.) विघ्न
बिच अ० जुओ 'बीच'
बिचकना अ०क्रि० वचकवुं (२) भडकवुं
बिचकाना अ०क्रि० वचकावुं; चिडावुं (२) मों मरडवुं [ते; मध्यस्थी
बिचबिचाव पुं० झघडामां वच्चे पडवुं
बिचरना अ०क्रि० विचरवुं; फरवुं
बिचलना अ०क्रि० चळवुं; डगवुं (२) फरी जवुं
बिचला वि० वचलुं
बिचवई, बिचवान(-नी) पुं० झघडामां मध्यस्थ, वचलो माणस
बिचारना स०क्रि० विचारवुं (२) पूछवुं
बिचारा वि० बिचारुं; 'बेचारा'
बिचारी पुं० विचारवान; विचारक
बिचेत वि० अचेत; बेहोश
बिच्छू पुं० वींछी [कर्मणि
बिछना अ०क्रि० बिछावावुं; 'बिछाना'नुं
बिछलन स्त्री० 'फिसलन'; लपसवुं के लोभावुं ते [लपसवुं
बिछल(-ला)ना अ०क्रि० 'फिसलना';
बिछा(०व)ना स० क्रि० बिछाववुं; पाथरवुं (२) मारीने जमीन पर सुवाडी देवुं (३) विखेरवुं
बिछावन पुं० बिछानुं; 'बिछौना'
बिछावना स०क्रि जुओ 'बिछाना'
बिछिआ, -या पुं० पगनो वींछियो
बिछुआ(-वा) पुं० वींछियो; पगनी आंगळीनुं घरेणुं (२) चुलेतरुं; सूडो
बिछुड़न स्त्री० वछूटवुं ते; वियोग
बिछुड़(-र)ना अ० क्रि० वछोडावुं; वछूटवुं; विखूटुं थवुं
बिछुवा पुं० जुओ 'बिछुआ'
बिछोई वि० विरही; वियोगी
बिछोड़ा पुं० विरह(२)वछूटवुं ते; वियोग
बिछोय(-ह) पुं० 'बिछोड़ा'; वियोग
बिछौना पुं० बिछानुं (२) पथारी
बिजन वि० एकलुं; विजन; एकांत
बिजन(-ना) पुं० वींझणो; पंखो
बिज़न पुं० [फा.] कत्लेआम
बिजली स्त्री० वीजळी. **-कड़कना** = आकाश गजंवुं
बिजाती वि० विजातीय; बीजी जातनुं
बिजान वि० (प.) अज्ञान; अजाण
बिजूका(-खा) पुं० (खेतरमां मुकातो) चाडियो [वि० जोर वगरनुं
बिजोरा पुं० 'बिजौरा'; बिजोरुं (२)
बिजौरा पुं० बिजोरुं
बिज्जु स्त्री० वीजळी
बिज्जू पुं० रानी बिलाडा जेवुं एक पशु
बिट पुं० विट; वैश्य (२) पक्षीनी अघार; बीट

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बिट्ठल पुं० विठ्ठल; प्रभु
बिटारना स०क्रि० वटाळवुं; गंदुं करवुं
बिटिया स्त्री० बेटी (लाडवाचक)
बिठाना स०क्रि० जुओ 'बैठाना'
बिड पुं० 'बिट'; अघार (२) बिड लवण – मीठुं
बिडर वि० विखरायेलुं (२) नीडर
बिडरना अ०क्रि० विखेराई जवुं(२)डरवुं
बिड़ाल पुं० [सं.] बिलाडी
बिढ़वना स०क्रि० वधारवुं; संघरवुं
बित पुं० वित्त; धन (२) शक्ति (३) कद
बितरना स०क्रि० वहेंचवुं
बिताना स०क्रि० विताववुं; गुजारवुं
बित्त पुं० वित्त; धन-दोलत
बित्ता पुं० वेंत
बिथकना अ० क्रि० चकित थवुं (२)मोहवुं
बिथरना अ० क्रि० (प) विखेरावुं; छूटुं छूटुं थवुं
बिथा स्त्री० (प.) व्यथा
बिदकना अ०क्रि० फाटवुं; चिरावुं (२) घायल थवुं (३) डरवुं
बिदकाना स० क्रि० 'बिदकना' नुं प्रेरक
बिदर पुं० विदर्भ देश (२) एक उपधातु
बिदरी स्त्री० 'बिदर'नुं धातुकाम. ०साज पुं० ते करनार कारीगर
बिदा स्त्री० [अ. विदाअ] विदाय; जवुं ते
बिदाई स्त्री० विदाय थवुं ते के तेनी आज्ञा के ते वेळा कांई आपवुं ते; विदायगीरी
बिदून अ० [फा.] विना; वगर
बिदेस पुं० विदेश; परदेश
बिद्दत स्त्री० [अ. बिदअत] खराबी (२) कष्ट (३) आफत (४) जुलम (५) दुर्दशा
बिध स्त्री० रीत; प्रकार (२) विधि; ब्रह्मा (३) जमा उधारनो हिसाब. –मिलाना = हिसाब मेळववो
बिधना पुं० विधाता; ब्रह्मा (२) अ०क्रि० (प.) वींधावुं; छेदावुं
बिन अ० विना; विण (२) [अ.] पुं० पुत्र
बिनई वि० (प.) विनयी; नम्र
बिनऊ स्त्री० (प.) विनय
बिनती स्त्री० विनंती; अरज
बिनन स्त्री० वणवुं के वीणवुं ते (२) वणाट के विणामण
बिनना स०क्रि० वीणवुं (२) वणवुं
बिनय स्त्री० विनय [पामवुं
बिनस(-सा)ना अ०क्रि० (प.) विनाश
बिनसाना स०क्रि० विनाश करवो (२) अ०क्रि० जुओ 'बिनसना'
बिना अ० विना (२) [अ.] स्त्री० पायो (२) जड; मूळ (३) आरंभ
बिनाई स्त्री० 'बिनना' -वणवुं के वीणवुं ते
बिना-बर अ०[फा.] आथी; आ वास्ते
बिनावट स्त्री० वणाट
बिनौला पुं० कपासियो
बिपत(–त्ता,–त्ति,–द,–दा) स्त्री० विपत्ति; दुःख
बिफरना अ०क्रि० वीफरवुं
बिबर पुं० विवर; काणुं
बिबस वि० विवश
बिबा(–वा)ई स्त्री० पग फाटवा ते
बिबाक वि० जुओ 'बेबाक'
बिबाकी स्त्री० बाकी न रहेवुं–चूकते करवुं ते (२) समाप्ति
बिबि वि० (प.) द्वि; बे [मन विना
बिमन वि० उदास; दुःखी (२) अ०
बियर स्त्री० [इं.] 'बीर' दारू
बिया पुं० बियुं; बीज (२) वि० बीजुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बियाना स०क्रि० जुओ 'बिआना'
बियाबान पुं० [फा.] जुओ 'बयाबान'
बियारी(-रू,-लू) स्त्री० (रातनुं) वाळु
बिरंग वि० रंगबेरंगी (२) रंग विनानुं
बिरंज पुं० [फा.] बिरंज (२) पीतळ
बिरंजी वि० [फा.] पीतळनुं
बिरगिड स्त्री० 'ब्रिगेड'; सेनानी पलटण
बिर(-रि)छ पुं० (प.) वृक्ष
बिरता पुं० शक्ति; बळ; ताकात
बिरथा अ० (प.) वृथा [प्रसिद्ध
बिरद पुं० नाम; यश. -दैत वि० नामी;
बिरध वि० (प.) वृद्ध. -धाई स्त्री०, -धापन पुं० घडपण
बिरसना अ०क्रि० विरमवुं; अटकवुं (२) विराम करवो (३) मोहवुं
बिरयाँ वि० [फा.] शेकेलुं
बिरयानी स्त्री० [फा.] मांसनी एक वानी (चोखामां शेकेला मांस साथे कराती)
बिरला वि० विरल; कोक
बिरवा पुं० छोड (२) झाड
बिरवाही स्त्री० बाग; वाडी
बिरह पुं० विरह; वियोग. -हा पुं० विरह के तेनुं एक गीत. -ही वि० विरही
बिराजना अ०क्रि० बिराजवुं; बेसवुं (२) शोभवुं
बिरादर पुं० [फा.] भाई (२) भाईबंध. ०जादा पुं० भत्रीजो. ०जादी स्त्री० भत्रीजी [बिरादरीनुं
बिरादराना वि० [फा.] भाई जेवुं (२)
बिरादरी स्त्री० [फा.] भाईचारो (२) एक जातिनो समूह; नात
बिराना स०क्रि० चीडववुं; सामे मोंथी चाळा करवा (२) वि० जुओ 'बेगाना'
बिरियाँ स्त्री० समय; वेळा(२)वार; फेरो

बिलंद वि० बुलंद; ऊंचुं; मोटुं
बिलंब पुं० विलंब; ढील. ०ना अ०क्रि० विलंब करवो; मोडुं करवुं
बिल पुं० [सं.] विवर; काणुं (२)[इं.] मालनुं बिल (३) कायदानुं बिल
बिलकुल अ० [अ.] तद्दन; पूरुं; साव
बिलखना अ० क्रि० विलाप करवो; रोवुं (२) दु:खी थवुं (३) संकोचावुं
बिलग वि० अलग; जुदुं (२) पुं० 'बिलगाव'; जुदाई
बिलगाना अ० क्रि० अलग थवुं (२) स० क्रि० अलग करवुं
बिलगाव पुं० अलगपणुं; जुदाई
बिलटी स्त्री० रेलवे-रसीद
बिलनी स्त्री० माटीना घरवाळी काळी भमरी (२) आंखनी आंजणी
बिलपना अ० क्रि० विलाप करवो
बिलफ़ेल अ० [अ.] हमणां; अत्यारे
बिलबिलाना अ० क्रि० कीडा खदबदवा (२) व्याकुळ थईने बकवुं के रोवुं
बिलम पुं० विलंब; ढील
बिलमना अ० क्रि० विलंबवुं; रोकावुं; थोभवुं के मोडुं करवुं [वलवलवुं
बिललाना अ० क्रि० विलाप करवो;
बिलल्ला वि० मूर्ख; गमार
बिलवाना स० क्रि० नष्ट करवुं; विलय करवुं के कराववुं (२) छुपाववुं; संताडवुं
बिलसना अ० क्रि० विलसवुं; झळकवुं
बिला अ० [अ.] वगर; विना; उदा० बिला-नाग़ा = सतत; लगातार. बिला-शक = बेलाशक; जरूर. बिला-शर्त = वगर शरते
बिलाई स्त्री० बिल्ली (२) कूवामां नांखवानी बिलाडी (३) बारणुं बंध करवानी आंकडी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बिलाना अ० क्रि० विलय पामवुं
बिला-नाग़ा अ० [अ.] जुओ 'बिला'मां
बिलायत स्त्री० विलायत; परदेश
बिलार पुं०बिलाडो. **–री** स्त्री० बिलाडी
बिला-शक, बिला-शर्त अ. [अ.] जुओ 'बिला' मां
बिलियर्ड पुं० [इं.] एक विलायती रमत
बिलैया स्त्री० 'बिल्ली' (२) छीणी
बिलोड़ना स० क्रि० वलोववुं (२) अस्तव्यस्त करवुं
बिलोन वि० लावण्यरहित; कदरूपुं
बिलोना स०क्रि० वलोववुं (२) वि० जुओ 'बिलोन'
बिल् [अ.] 'साथे, सहित' अर्थमां शब्दना पूर्वंग तरीके. उदा० बिलकुल
बिल्-अक्स अ० [अ.] एथी विरुद्ध-ऊलटुं
बिल्-इरादा अ० [अ.] इरादापूर्वक; जाणी जोईने
बिल्-उमूम अ० [अ.] साधारणतः
बिल्-जब्र अ० [अ.] जबरदस्तीथी
बिल्-ज़रूर अ० [अ. बिज्ज़रूर] जरूर
बिल्-जुमला अ० [अ.] कुल मळीने
बिल्-फ़र्ज़ अ० [अ.] धारो के; मानो के
बिल्-फ़ेल अ० [अ.] आ समये; अत्यारे
बिल्-मुक़ाबिल अ० [अ.] तुलनामां; मुकाबले
बिल्मुक़्ता वि० [अ.] अचल; निश्चित (२) पुं० कायमी महेसूल
बिल्ला पुं० बिलाडो (२) बिल्लो; पदक
बिल्ली स्त्री० बिलाडी (२) बारणुं खुल्लुं राखवानी कडी के ठेंस वगेरे
बिल्लौर पुं० [फा.] बिलोर (वि०**–री**)
बिवर(–रा)ना स०क्रि० वाळ ओळवा
बिवाई स्त्री० जुओ 'बिलाई'
बिस पुं० विष; झेर
बिसंभर पुं० (प.) विश्वंभर (२) वि० संभाळी न शकाय एवुं
बिसखपरा पुं० घो जेवुं एक झेरी प्राणी
बिसन पुं० (प.)व्यसन. **–नी** वि० व्यसनी
बिसमउ,–य,–व पुं० (प.) विस्मय; आश्चर्य [भूलवुं
बिसमरना स०क्रि० (प.) विस्मरण थवुं;
बिसमिल वि० जुओ 'बिस्मिल'
बिसमिल्ला(०ह) पुं० जुओ 'बिस्मिल्ला'
बिसरना स०क्रि० वीसरवुं; भूली जवुं
बिसरात पुं० (प.) खच्चर
बिससना अ०क्रि० विश्वास करवो
बिस(–सा)हना स० क्रि० जुओ 'बिसाहना'
बिसाँयँध वि० सडेलानी गंधवाळुं (२) स्त्री० सडेलानी गंध; बदबो
बिसात स्त्री० [अ.] बिसात; गणतरी; शक्ति (२) शेतरंज के बाजी रमवानुं चीतरेलुं कपडुं (३) पाथरणुं; जाजम(४) बिसात; पूंजी. **ख़ाना** पुं० 'बिसाती'-नी दुकान [दुकानदार
बिसाती पुं० [अ.] फुटकळ चीजोनो
बिसारना स० क्रि० विसारवुं; भूलवुं
बिसारा वि० विषवाळुं; झेरी
बिसास पुं० (प.) विश्वास. **–सी** वि० विश्वासु
बिसाह पुं० खरीदी [खरीदी; सोदो
बिसाहना स० क्रि० खरीदवुं (२) पुं०
बिसाहनी स्त्री०, **बिसाहा** पुं० सोदो
बिसियार वि० [फा.] खूब; अधिक
बिसुनना अ० क्रि० खाधेलुं नाकमां जवुं
बिसु(–सू)रना अ० क्रि० (प.) चिंता करवी (२) रोतल चहेरो करवो के धीमुं रडवुं (३) स्त्री० चिंता; फिकर

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बिसेसर पुं० (प.) विश्वेश्वर
बिस्कुट पुं० [इं.] बिस्किट
बिस्तर,-रा पुं० पथारी; बिस्तरो
बिस्तुइया स्त्री० घरोळी [माटे)
बिस्मिल वि० [अ.] घायल (प्रायः प्रेमी
बिस्मिल्लाह पुं० [अ.] श्रीगणेश; आरंभ
बिस्वा पुं० वसो; वीघानो वीसमो भाग
बिस्वादार पुं० भागियो (२) पेटा-जमीनदार
बिस्वास पुं० विश्वास
बिहंग(०म) पुं० विहंगम; पक्षी
बिहतर वि० [फा.] बहेतर; सारुं
बिहतरी स्त्री० [फा.] भलाई; हित
बिहरना अ० क्रि० विहरवुं; विचरवुं
बिहान पुं०वहाणुं;प्रभात(२)आवती काल
बिहाना अ० क्रि० (प.) वहेवुं; वीतवुं (२) स० क्रि० छोडवुं; त्यागवुं
बिहाल वि० बेहाल
बिहिश्त पुं० [फा.] बेहेस्त; स्वर्ग. **–का जानवर**=मोर. **–का मेवा**=अनार; दाडम. **–की हवा**=ठंडी सुगंधी हवा
बिही स्त्री० [फा.] एक झाड. **०दाना** पुं० 'बिही' ना फळना दाणा
बिहीन, बिहून (प.) वि० विहीन; रहित
बींड़ी स्त्री० उढाणी (२) बेलगाडीमां आगळ जोडातो त्रीजो बळद के तेनुं दोरडुं
बींधना स० क्रि० वींधवुं; छेद पाडवो
बी स्त्री० बीबी; स्त्री
बीका वि० वांकुं; 'बाँका'
बीघा पुं० वीघुं
बीच पुं० वच; मध्य (२) आंतरो; फरक (३)अ० वच्चे; अंदर. **–खेत**=खुल्लेखुल्लुं (२) अवश्य. **–बीचमें**=वच्चे वच्चे
बीच-बचाव पुं० जुओ 'बिचबिचाव'
बीचि स्त्री० वीचि; लहेर; मोजुं
बीचोबीच अ० वच्चोवच्च
बीछना स०क्रि० वीणवुं; चूंटवुं
बीछी, –छू पुं० वींछी
बीज पुं० [सं.] बी (२) मूळ (३) कारण; हेतु (४) वीर्य; शुक्र [(३) बिजोरुं
बीजक पुं० [सं.] सूचि; यादी (२) बी
बीजन, –ना पुं० वींजणो
बीजरी स्त्री० (प.) वीजळी
बीजा पुं० बीज (२) वि० (प.) बीजुं
बीजी स्त्री० गोटली; मींज
बीजु(०री) स्त्री० वीजळी
बीजू वि० बीज वाव्ये थतुं; 'कलमी' थी ऊलटुं (२) पुं० 'बिज्जु'; वीजळी
बीट स्त्री० अघार; पक्षीनी विष्टा
बीड़ स्त्री० रूपियानी थोकडी
बीड़ा पुं० पाननुं बीडुं. **–उठाना**=बीडुं झडपवुं.**-डालना,-रखना**=बीडुं फेरववुं
बीड़ी स्त्री० पाननी के पीवानी बीडी (२) दांतनी मसी
बीतना अ०क्रि० वीतवुं; गुजरवुं
बीता पुं० जुओ 'बित्ता'; वेंत
बीती स्त्री० वीतेलुं ते; वीतक
बीधना अ० क्रि० 'बिँधना'; वींधावुं (२) स०क्रि० 'बींधना'; वींधवुं [वाजुं
बीन स्त्री० बीन वाजुं (२) मदारीनुं
बीनना स०क्रि० वीणवुं (२) वणवुं
बीनाई स्त्री० [फा.] जोवानी शक्ति;दृष्टि
बीनी स्त्री० [फा.] नाक
बीफै पुं० गुरुवार
बीबी स्त्री० [फा.] कुलीन स्त्री (२) पत्नी (३) 'सन्नारी' एवुं संबोधन
बीभत्स वि० [सं.] गंदुं; घृणित; खराब

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बीमा पुं० [फा.] वीमो. ०**कराई** स्त्री० वीमानुं प्रिमियम. ०**दार** पुं० वीमो उतरावनार. **–करना**=वीमो उतारवो

बीमार वि० [फा.] बीमार; मांदुं

बीमारदार वि० [फा.] बीमारनी बरदास करनार (नाम, **–री** स्त्री०)

बीमार–पुरसी स्त्री० [फा.] बीमारनी खबर पूछवी ते

बीमारी स्त्री० [फा.] बीमारी; मांदगी

बीर पुं० वीरो; भाई (२) वीर पुरुष (३) स्त्री० (प.) साहेबी

बीरन पुं० वीरो; भाई

बीरबहूटी स्त्री० इंद्रगोप जीवडुं

बील वि० पोलुं (२) पुं० नीचाणवाळी भूमि

बीवी स्त्री० जुओ 'बीबी'

बीस वि० २०; वीस. **–बिस्वे**=वीस वसा; घणुं करीने; नक्की

बीसी स्त्री० वीसनो समूह; वीसी; कोडी

बीहड़ वि० असमान; ऊंचुंनीचुं (२) विकट

बुंद स्त्री० बुंद; टीपुं; 'बूंद'

बुंदकी स्त्री० टपकुं; 'बिंदी' (२) डाघो

बुंदिया, बुंदौरी स्त्री० 'बूंदी'; एक मीठाई

बुंदीदार वि० टपकांवाळुं

बुंदेली स्त्री० बुंदेलखंडनी (हिंदीनी एक) [बोली

बुआ स्त्री० जुओ 'बूआ'

बुक स्त्री० चोपडी [इं.] (२) एक जातनुं कापड. ०**सेलर** चोपडीओ वेचनार

बुक़(–ग़)चा पुं० [तु.] बचको; गांसडी; पोटलुं. **–ची** स्त्री० बचकी; पोटली

बुकनी स्त्री० बूकणी; भूकी; चूर्ण

बुक्का स्त्री० [सं.] हृदय

बुख़ार पुं० [अ.] ताव (२) वाफ; वराळ (३) शोकक्रोधादिनो आवेग

बुख़ारात पुं० ब. व. [अ.] वाफ; वराळ

बुख़्ल स्त्री० [अ.] कंजूसाई; बखीलता

बुग़चा, –ची जुओ 'बुक़चा, –ची'

बुग़दा पुं० [फा.] कसाईनो छरो

बुग्ज़ पुं० [अ.] द्वेष; कीनो; वेर

बुज़ स्त्री० [फा.] बकरी. ०**कसाब** पुं० कसाई [डर; भीरुता

बुज़दिल वि० [फा.] डरपोक. **–ली** स्त्री०

बुज़ुर्ग पुं० [फा.] बुजरग; वयोवृद्ध (२) वडवो; पूर्वज (३) पूज्य व्यक्ति

बुज़ुर्गवार वि० [फा.] वयोवृद्ध

बुज़ुर्गाना वि० [फा.] वयोवृद्ध वडील के जेवुं के तेने योग्य

बुज़ुर्गी स्त्री० बुजरगी (जुओ 'बुज़ुर्ग')

बुझ(–त)ना अ०क्रि० बुझावुं; ओलावुं

बुझा(–ता)ना स०क्रि० बूझववुं (२) बुझवाववुं

बुझारत स्त्री० हिसाबकिताबनी समज

बुड़ना अ०क्रि० बूडवुं; डूबवुं

बुड़बुड़ाना अ०क्रि० मनमां बडबडवुं

बुड्ढा, बूढ़ा वि० बुढ्ढुं; वृद्ध (नाम, **बुढ़ाई** स्त्री०, **–पा** पुं० घडपण)

बुढ़ाना अ०क्रि० बूढुं थवुं

बुत पुं० [फा.] मूर्ति; प्रतिमा (२) प्रियतम; माशूक. ०**ख़ाना** पुं० मंदिर. ०**परस्त** वि० मूर्तिपूजक. ०**परस्ती** स्त्री० मूर्तिपूजा. ०**शिकन** वि० [फा.] मूर्तिभंजक

बुतना अ०क्रि०, **बुताना** स०क्रि० जुओ अनुक्रमे 'बुझना, बुझाना'

बुताम पुं० बटन; बोरियुं

बुत्ता पुं० दगो (२) बहानुं

बुदबुद(–दा) पुं० परपोटो

बुद्ध वि० [सं.] जाग्रत थयेलुं (२) ज्ञानी (३) पुं० भगवान बुद्ध

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बुद्धि स्त्री०[सं.] अकल; समज. ०मत्ता, ०मानी स्त्री० समज
बुद्धू वि० मूर्ख; बाघडुं [ग्रह के वार
बुध पुं० [सं.] बुद्धिमान; विद्वान (२) एक
बुनकर पुं० वणकर
बुनना स०क्रि० वणवुं (२) गूंथवुं; भरवुं
बुनाई स्त्री० वणाट के वणकरी
बुनावट स्त्री० वणाटनो प्रकार
बुनियाद स्त्री०[फा.] जड; पायो (२) असल वात; वास्तविकता
बुनियादी वि०[फा.] पायानुं; आधाररूप; मूळ; असल [रोवुं
बुबुकना अ०क्रि० जोरथी डसकां भरीने
बुबुकारी स्त्री० जोरथी रडवानो अवाज
बुभुक्षा स्त्री०[सं.] भूख
बुभुक्षित, बुभुक्षु वि० [सं.] भूख्युं
बुयाम पुं० चीनी माटीनी बरणी
बुरकना स०क्रि० भभराववुं
बुरक़ा पुं० बुरखो
बुरा वि० बूरुं; खराब. –भला=भलुंबूरुं
बुराई स्त्री० बूरापणुं (२) अवगुण (३) निंदा. ०भलाई स्त्री० भलुंबूरुं काम
बुराक़ पुं० [अ.] कल्पित घोडो (एम मनाय छ के एनी पर बेसी पेगंबर साहेब आकाशमां गया हता)
बुरादा पुं० [फा.] लाकडानो वेर
बुरुश पुं० ब्रश; पींछी के कूचडो इ०
बुर्क़ा पुं० [अ.] जुओ 'बुरक़ा'
बुर्ज पुं० [अ.] मकान किल्ला इ०नो बुरज (२) राशि; नक्षत्र
बुर्द स्त्री०[फा.] नफो; लाभ (२) होड; शरत (३) शेतरंजमां फक्त राजा रहे एवी बाजी. –देना = खोवुं; गुमाववुं. –मारना = मफतनी रकम लेवी
बुर्दबार वि०[फा.] सहनशील (२) सुशील. (नाम –री स्त्री०)
बुर्राक़ वि० जुओ 'बर्राक़' [महान
बलंद वि० (नाम,–दी) बुलंद; ऊंचुं (२)
बुलबुल स्त्री० [अ.] बुलबुल पक्षी
बुलबुला पुं० बुद्‌बुद; परपोटो
बुलाक़ स्त्री०[तु.]बुलाख–नथनुं एक मोती
बुलाना स०क्रि० बोलाववुं
बुला(–लौ)वा पुं० नोतरुं
बुलूग पुं० [अ.] 'बालिग़' थवुं ते; उंमरे पहोंचवुं ते
बुल्ला पुं० परपोटो
बुस पुं० अनाजनुं भूसुं; 'भूसी'
बुहारना स०क्रि० बहोरवुं; वाळवुं
बुहारा पुं० सावरणो
बुहारी स्त्री० सावरणी
बूँद स्त्री० बुंद; टीपुं
बूँदाबाँदी स्त्री० झरमर वरसतो–छांटा जेवो वरसाद; फरफर [टीपुं
बूँदी स्त्री० कळी मीठाई (२) 'बूंद';
बू स्त्री० [फा.] वास; गंध
बूआ स्त्री० फोई (२) मोटी बहेन
बकना स० क्रि० पीसवुं; दळवुं (२) छांटवुं; बेडशी हांकवी
बूचड़ पुं० कसाई. ०ख़ाना पुं०कसाईवाडो
बूचा वि० कान वगरनुं (२) बूठुं; कदरूपुं
बूज़ना पुं० [फा.] वांदरुं
बूझ स्त्री० बूज; समज [(२) पूछवुं
बूझना स०क्रि० बूझवुं; समजवुं; जाणवुं
बूट पुं० चणानो छोड के लीलो दाणो; पोपटो (२) [इं.] बूट; जोडा
बूटा पुं० छोड (२) फूलवेल इ० वेलबुट्टो
बूटी स्त्री० जडी बुट्टी (२) भांग (३) झीणो वेलबुट्टो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बूड़ना अ०क्रि० बूडवुं; डूबवुं
बूढ़ा वि०घरडुं;वृद्ध. **–ढ़ी** स्त्री०वुद्धी स्त्री
बूढ़ा, -फूँ(-फू)स वि० अतिवृद्ध
बूत, बूता पुं० बळ; शक्ति
बूदो-बाश स्त्री० [फा.] रहेठाण; निवास
बूम पुं० [अ.] घुवड (२) स्त्री० [फा.] जमीन
बूर स्त्री० लोटनुं चाळण–भूसुं. **–के लड्डू**=छेतरपिंडी; दगो
बूरा पुं० खांडनुं बूरुं
बृहत् वि० [सं.] मोटुं; विशाळ
बेंग पुं० देडको
बेंच स्त्री० [इं.] बेन्च; पाटली (२) न्यायासननी –न्यायाधीशोनी बेन्च
बेंचना स०क्रि० वेचवुं; 'बेचना'
बेंट(–ठ) स्त्री० दस्तो; हाथो; मूठ
बेंत पुं० नेतर के तेनी सोटी; 'वेत'
बेंदा पुं० माथानुं एक घरेणुं (२) तिलक; चांल्लो
बेंदी स्त्री० माथानुं एक घरेणुं
बेंवड़ा पुं० बारणानी भूंगळ
बे अ० [फा.] 'विना' ना अर्थनो पूर्वग उदा० बेईमान
बे-अंत वि० अनंत; बेहद
बे-अक़ल वि० [फा.] अकल वगरनुं; अणसमजु; मूर्ख. **–ली** स्त्री० मूर्खता
बे-अदब वि० [फा.] असभ्य; अविनयी; उद्धत. **–बी** स्त्री० अविनय
बे-असल वि० [फा.] निराधार (२) जूठुं
बे-आब वि० [फा.] पाणी वगरनुं; निस्तेज
बे-आबरू वि० [फा.] अप्रतिष्ठित;आबरू वगरनुं. **०ई** स्त्री० बेआबरू; शरम
बे-इंतहा वि० [फा.] असीम; अपार
बे-इंसाफ़ वि० [फा.] अन्यायी. **–फ़ी** स्त्री० अन्याय; गेर-इन्साफ
बे-इज्ज़त वि०[फा.] 'बेआबरू'; अपमान, पामेलुं. **–ती** स्त्री० अप्रतिष्ठा; अपमान
बे-इल्म वि० [फा.] अभण. **–ल्मी** स्त्री० अभणता
बे-ईमान वि० [फा.] अधर्मी (२) अप्रामाणिक; बददानतवाळुं; दगाबाज. **–नी** स्त्री० अधर्मिता (२) दगो; जूठ; बददानत
बे-उज्र वि० [फा.] कांई करवामां खटको के बहानुं जेने न नडे एवुं
बे-क़द्र, –दर वि० [फा.] बेआबरू (२) कृतघ्न [**–री** स्त्री०
बे-क़रार वि० [फा.] बेचेन; अशांत.
बेकल वि० विकल; व्याकुळ (नाम,**–ली**)
बेकस वि०[फा.] एकलुं; असहाय (२) गरीब; कंगाळ (नाम, **–सी** स्त्री०)
बे-क़सूर वि० जुओ 'बे-कुसूर'
बेकहा वि० कह्युं न माननार
बे-क़ानूनी वि० गेरकायदेसर
बेक़ाबू वि० [फा.] काबू खोई बेठेलुं; विवश (२) काबूमां न आवे एवुं
बेकाम, बेकार वि० नवरुं(२)नकामुं; रद्दी
बेक़ायदा वि०[फा.] अनियमित; कायदा विरुद्ध. (नाम, **–दगी** स्त्री०)
बेकार वि०[फा.] काम वगरनुं; नवरुं (२) व्यर्थ; नकामुं. **–री** स्त्री०
बे-कुसूर वि०[फा.] निर्दोष; निरपराध
बेख़ स्त्री०[फा.] जड; मूळ. **–व बुनियाद** =जडमूळ
बेखटक,–के वि०(२)अ० खटका–संकोच वगरनुं; बेधडक
बेख़तर वि० [फा.] निर्भय; नीडर
बेख़ता वि० बेकसूर; बेगुना; निर्दोष

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बेख़बर वि०[फा.] अजाण (२) बेपरवा (३) भान वगरनुं; बेहोश (नाम, -री स्त्री०)

बेख़ुद वि०[फा.] बेहोश; बेभान; नशामां चकचूर (नाम, -दी स्त्री०)

बेख़ौफ़ वि०[फा.] नीडर; खोफ वगरनुं

बे-ख़्वाबी स्त्री० [फा.] अनिद्रा

बेग पुं० वेग (२) [तु.] बेग; अमीर (३) [इं.] बॅग; थेली इ०

बेगम स्त्री०[तु.]बेगम; राणी; महाराणी. **-मी** वि० बेगम संबंधी (२) उमदा

बे-ग़म वि० [फा.] गम वगरनुं

बेग़रज़ वि०[फा.] गरज वगरनुं; बेपरवा (२) व्यर्थ [(नाम, **-ज़गी** स्त्री०)

बेगाना वि० [फा.] परायुं (२) अजाण्युं

बेगार स्त्री० [फा.] वेठ. **-टालना** = वेठ उतारवी [करनार

बेगारी स्त्री०[फा.] वेठियो; वेठे काम

बेगि अ० (प.) वेगथी; जलदी

बे-गुनाह वि० [फा.] वगर गुनानुं; निरपराध; निर्दोष (नाम,-ही स्त्री०)

बे-घर(-रा) वि० घरबार विनानुं

बेचक पुं० वेचनार

बेचना स०क्रि० वेचवुं

बेचवाना, बेचाना स०क्रि० वेचाववुं

बेचारगी स्त्री० [फा.] वीचारापणुं; लाचारी; दीनता

बेचारा वि० [फा.] बीचारुं; असहाय;दीन

बे-चिराग़ वि० [फा.] दीवा वगरनुं; उज्जड (२) अपुत्र [स्त्री०)

बेचैन वि० बेचेन; व्याकुळ (नाम, **-नी**

बेजड़ वि०जड-मूळ वगरनुं; नापायादार

बेज़बान वि० [फा.] मूक (२) दीन

बेजा वि० [फा.] ठेकाणा वगरनुं (२) अनुचित (३) खराब; बूरुं

बेजान वि० जान वगरनुं; मृत (२)निर्बळ

बेज़ाब्ता वि० [फा.] बेकायदा; नियम विरुद्ध (नाम, **-ब्तगी** स्त्री०)

बेज़ार वि० [फा.] नाराज (२) दुःखी. **-री** स्त्री०

बेजोड़ वि० अखंड (२) अजोड

बेटा पुं० बेटो; पुत्र. **-बनाना** = छोकरो दत्तक लेवो

बेटा-बेटी स्त्री० बाळ-बच्चां; संतान

बेटी स्त्री० बेटी; दीकरी. **०व्यवहार** पुं० विवाहसंबंध

बेठन पुं० लपेटवा माटेनुं कपडुं; वेष्टन

बेठिकाने वि० ठेकाणा वगरनुं (२) व्यर्थ

बेड़ा पुं० तरापो (२) वहाणोनो समूह

बेड़ी स्त्री० बेडी; जंजीर (२) नानी होडी के तरापो

बेडौल वि० बेडोळ; कदरूपुं

बेढंग, -गा वि० कढंगुं; कदरूपुं

बेढ़ना स०क्रि० खेतर, छोड इ० ने वाड वाडोलियुं करवुं (२) ढोर हांकी जवां

बेढब वि० कढंगुं; ढब वगरनुं

बेत पुं० नेतर

बे-तकल्लुफ़ वि० [फा.] सरळ; चोख्खा-बोलुं; निर्व्याज (२) अ० साफसाफ; बेधडक (नाम, **-फ़ी** स्त्री०)

बे-तक़सीर वि० [फा.] बेगुना; निरपराध

बे-तमीज़ वि० [फा.] अविवेकी; बेअदबी

बे-तरतीब वि० [फा.] अव्यवस्थित; क्रम रहित (२) अस्तव्यस्त (नाम, **-बी** स्त्री०)

बे-तरह अ० [फा.] बूरी तरेहथी (२) असाधारण रीते (३) खूब; बेहद

बे-तरीक़ा वि० (२)अ० [फा.] अनुचित; नियम विरुद्ध

बे-तलब अ० [फा.] विना माग्ये के कह्ये

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बे-तहाशा अ० [फा.] उतावळथी (२) अधीराईथी (३) विना समज्ये
बेताब वि० [फा.] दुर्बळ (२) बेचेन (नाम, -बी स्त्री०)
बेतार वि० तार विनानुं
बेतारका तार पुं० 'वायरलेस' तार
बेताल पुं० वैताल (२) भाट; चारण (३) वि० ताल वगरनुं; 'बेताला'
बेतुक,-का वि० मेळ के ढंग वगरनुं; कढंगुं; 'बेढब'
बे-तौर अ०[फा.] जुओ 'बेतरह'; कढंगु
बेद स्त्री० 'बेंत'; नेतर [फा.](२)पुं० वेद
बेदखल वि० [फा.] कबजो के अधिकार रहित (नाम,-ली स्त्री०)
बेदन,-ना स्त्री० वेदना; पीडा
बेदम वि०[फा.] मरेलुं (२) अधमूउं (३) दम वगरनुं
बेद-मुश्क पुं० [फा.] एक फूलझाड
बेदरद, बेदर्द वि०[फा.] कठोर हृदयनुं; निष्ठुर (नाम, -र्दी स्त्री०)
बेदाग़ वि० [फा.] डाघ वगरनुं (२) निष्कलंक
बेदाना पुं० सरस काबुली अनार (२) बेदाणा औषधि (३) वि० [फा.] मूर्ख; बेवकूफ [बदाम
बे-दाम वि० वगर पैसे; मफत (२) पुं०
बेदार वि० जागतुं; जाग्रत (नाम, -री)
बेध पुं० वेध; काणुं
बधड़क वि० (२) अ० निःसंकोच (२) नीडर (३) निःशंक
बेधना स०क्रि० वींधवुं
बेधर्म,-रम वि० धर्मभ्रष्ट
बे-नज़ीर वि० [फा.] अनुपम; अजोड
बेनट स्त्री० बॅयोनेट; संगीन
बे-नमक वि०[फा.] फीकुं; लूण वगरनुं
बे-नमूना वि० [फा.] बेनमून; अजोड
बे-नवा वि० [फा.] गरीब (२) फकीर
बे-नसीब वि०[फा.] कमनसीब; अभागी
बेना पुं० वांसनो पंखो
बेनाग़ा अ० सतत; लगातार
बे-नियाज़ वि० [फा.] सौथी पर (२) बेपरवा (नाम, -ज़ी स्त्री०)
बेनी स्त्री० वेणी (२) त्रिवेणी
बेनुली स्त्री० घंटीनी मांकडी
बेपरद, बेपर्द वि०[फा.] पडदा वगरनुं; खुल्लुं (२) नग्न (नाम, बेपर्दगी)
बे-परवा(०ह) वि० [फा.] बेपरवा; बेफिकर (२) अति उदार (नाम, ०ई, ०ही स्त्री०)
बेपार पुं० वेपार. -री पुं० वेपारी
बेपीर वि० बीजानी पीड न समजनारुं; निष्ठुर; निर्दय (२) [फा.] पीर के गुरु वगरनुं; नगरुं
बेपेंदी वि० तळिया वगरनुं. **-का लोटा** =ढोचका जेम अस्थिर के गबडता विचारनुं [नकामुं
बेफ़ायदा वि० (२) अ० [फा.] व्यर्थ;
बेफ़िक्र वि० [फा.] बेफिकर (नाम, -क्री स्त्री०) [निर्भेळ
बे-बदल वि० [फा.] अफर; नक्की (२)
बे-बरकत वि० [फा.] बरकत वगरनुं. -ती स्त्री० [स्त्री०)
बेबस वि० लाचार; विवश (नाम, -सी
बेबहा वि० [फा.] भारे किंमतनुं; अमूल्य
बेबाक़ वि० [फा.] चूकते थयेलुं (ऋण) (नाम, -क़ी स्त्री०)
बे-बाक वि० निर्भय; नीडर (२) चूकते; बाकी वगरनुं. -की स्त्री० नीडरता

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बे-बुनियाद वि० [फा.] पाया वगरनुं; निर्मूळ

बे-ब्याहा वि० कुंवारुं

बेभान वि० बेभान; अचेत

बेभाव अ० बेहद; बेशुमार. **–की पड़ना** =खूब मार पडवो [वगरनुं

बे-मजा वि० [फा.] स्वाद के मजा

बे-मन वि० मन विनानुं

बे-मरम्मत वि० [फा.] जीर्ण; मरामत वगरनुं; तूटचुंफूटचुं (नाम, **–ती** स्त्री०)

बे-महल वि० [अ.] कवखतनुं

बे-मालूम वि० [फा.] अज्ञात; गुप्त

बे-मिलावट वि० भेळसेळ विनानुं; शुद्ध

बे-मिस्ल वि० अजोड; अद्वितीय; बेनमून

बे-मुनासिब वि० [फा.] अयोग्य; अनुचित

बे-मुरव्वत वि० [फा.] बेशरम; अविनयी (नाम, **–ती** स्त्री०)

बे-मेल वि० मेळ वगरनुं

बेमौक़ा वि० कवखतनुं (२) पुं० मोको न होवो ते; कवखत

बे-मौक़े अ० कवखते

बे-मौत अ० कमोते

बेर पुं० बोर (२) स्त्री० वार; फेरो

बेरस वि० रस के मजा विनानुं; नीरस

बेरहम वि० [फा.] निर्दय (नाम, **–मी** स्त्री०)

बेरा पुं० वेळा; समय (२) सवार (३) फेरो; वार (४) 'बॅरर'; चपरासी (५) बेडो; जुओ 'बेड़ा'

बे-राह वि० [फा.] आडे रस्ते गयेलुं; कुमार्गी (नाम **–ही** स्त्री०)

बेरुख़ वि० [फा.] काम पडे त्यारे मों फेरवी बेसनार (२) गुस्से थयेलुं

बेरोक(०टोक) वि० रोक वगर; निर्विघ्न

बे-रोज़गार वि० [फा.] बेकार; नवरुं (नाम, **–री** स्त्री०)

बे-रौनक़ वि० [फा.] रोनक के शोभा वगरनुं (नाम, **–क़ी** स्त्री०)

बेल पुं० बीली के बीलुं (२) स्त्री० वेल; वेलो [निरंकुश

बे-लगाम वि० [फा.] काबू वगरनुं;

बेलचा पुं० [फा.] एक जातनी कोदाळी के पावडो [या मजा वगरनुं

बे-लज़्ज़त वि० [फा.] लहेजत के स्वाद

बेलदार पुं० [फा.] पावडो चलावनार मजूर. **–री** स्त्री० तेनुं काम

बेलन पुं० रोलर (रस्ता माटे के कोई यंत्रनो) (२) पींजणनो गोटीलो (३) वेलण [इ० वणवुं

बेलना पुं० वेलण (२) स०क्रि० रोटली

बेलपत्र पुं० बिल्व-बीलीपत्र [वखत

बेला पुं० मोगरानुं फूलझाड (२) वेळा;

बेलाग वि० बिलकुल अलग – नहि लागेलुं (२) स्वतंत्र; निष्पक्ष (३) साफ; चोख्खुं (४) पवित्र

बेलौस वि० [फा.] साचुं; खरुं. (नाम, **–सी** स्त्री०) [**–री** स्त्री०

बे-वक़र वि० [फा.] वक्कर वगरनुं; तुच्छ.

बे-वकूफ़ वि० [फा.] अणसमजु; मूर्ख. **–फ़ी** स्त्री० [परदेशी

बे-वतन वि० [फा.] घरबार विनानुं;

बेवक़्त अ० [फा.] कवखते

बेवफ़ा वि० [फा.] बेवफादार; कृतघ्न; दगाबाज. **०ई** स्त्री०

बेवरेवार वि० तफसीलवार; विस्तृत

बेवा स्त्री० [फा.] विधवा

बेश वि० [फा.] वधारे (२) श्रेष्ठ. **–शी** स्त्री० अधिकता (२) श्रेष्ठता

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बेशऊर वि० [अ.] मूर्ख; अणसमजु (नाम, –री)
बेशक अ०[फा.] बेशक; जरूर; निःसंदेह
बे-शरम,–र्म वि० [फा.] बेशरम; निर्लज्ज. –र्मी स्त्री०
बेशी स्त्री० [फा.] जुओ 'बेश' मां
बे-शुमार वि०[फा.] खूब; शुमार विनानुं
बेस पुं० वेश; 'भेंस'
बेसन पुं० चणानो लोट. –नी वि० 'बेसन' नुं (२) स्त्री० 'बेसन' नी पूरी
बेसबब वि०[फा.] विना सबब; अकारण
बेसबरा, बेसब्र[फा.] वि० बेसबूर; अधीरुं
बेसब्री (–बरी) स्त्री० [फा.] बेसबूरी; अधीरता
बेसबूरी स्त्री० जुओ 'बेसबरी'
बेसमझ वि० समज वगरनुं; नादान; मूर्ख. –झी स्त्री०
बेसर पुं० खच्चर (२) वेसर; नथ
बेसरोसामान वि०[फा.] गरीब; कंगाळ
बे-सलीक़ा वि० [फा.] अशिष्ट; असभ्य
बेसवा, बेसा स्त्री० वेश्या; रंडी
बेसाख़्ता वि० [फा.] सहज; कुदरती; अकृत्रिम [खरीदवुं
बेसाहना स०क्रि० जुओ 'बिसाहना';
बे-सिलसिला वि० [फा.] क्रमरहित; अव्यवस्थित. –ले अ०
बे-सुध वि० बेहोश; बेभान. –धी स्त्री०
बेसूर(–रा) वि० बेसूरुं (२) कवखतनुं
बेसूद वि०[फा.] व्यर्थ; फायदा वगरनुं
बेस्वाद वि० स्वाद विनानुं; खराब
बेहंगम वि० कढंगुं; बेडोळ [सारुं
बेह पुं० वेह; छिद्र (२) वि०[फा.] भलुं;
बेहतर वि०[फा.]बहेतर(२)अ० ठीक;भले
बेहतरी स्त्री०[फा.] उत्तमता (२) भलाई
बेहद वि० [फा.] अपार; असीम
बेहना पुं० पींजारो
बेहमिय्यत वि० [फा.] बेहया; बेशरम
बेहया वि० [फा.] बेशरम; निर्लज्ज; ०ई स्त्री० [हालवाळुं. –ली स्त्री०
बेहाल वि०[फा.] बेचेन; व्याकुळ; खराब
बेहिजाब वि०[फा.] निर्लज्ज. –बी स्त्री०
बेहिम्मत वि० नाहिंमत; डरपोक
बेहिस वि० [फा.] निश्चेष्ट
बेहिसाब वि० [फा.] बेहद; असंख्य
बेहुनर,–रा वि० हुन्नर कसब वगरनुं
बेहुरमत वि०[फा.]बेआबरू; अप्रतिष्ठित. –ती स्त्री०
बेहूदगी स्त्री० [फा.] बेहूदापणुं
बेहूदा वि०[फा.] बेहूदुं; अशिष्ट; असभ्य
बेहौफ़ वि०[फा.] बेफिकर; चिंतारहित
बेहोश वि०[फा.]बेभान;बेसूध.–शी स्त्री०
बैंक पुं० [इं.] बॅन्क
बैंगन पुं० वेंगण; वंताक
बैंग(–ज)नी वि० वेंगणना रंगनुं
बैंड पुं० [इं.] बॅन्ड; वाजांवाळा
बै स्त्री० [अ.] वेचाण
बैआना पुं० [अ.] बानुं; 'बयाना'
बैकल वि० पागल; गांडुं
बैग पुं० [इं.] बॅग; थेली
बैगन पुं० जुओ 'बैंगन'
बैजं(–जयं)ती स्त्री० वैजयंतीमाळा
बैज पुं० [इं.] 'बेज'; बिल्लो [अंडकोश
बैज़ 'बैज़ा' नुं पुं० ब०व० [अ.] ईंडां (२)
बैज़वी वि० [फा.] अंडाकार
बैज़ा पुं० [फा.] ईंडुं (२) अंडकोश
बैट पुं० [इं.] रमवानुं बॅट
बैटरी स्त्री०[इं.] वीजळीनी बॅटरी (२) तोपखानुं
बैठक स्त्री० बेठक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बैंठका पुं० बेठक; दीवानखानुं
बैंठकी स्त्री० बेठकनी कसरत
बैंठन स्त्री० बेसवुं ते के तेनो ढंग
बैंठना अ०क्रि० बेसवुं
बैंठे बैंठे, बैंठे बैंठाए अकारण(२)अचानक
बैंत स्त्री०[अ.] बेत; श्लोक (२) पुं० (समासमां) घर; स्थान
बैंत-उल्-इल्म पुं०[अ.]विद्यामंदिर;शाळा
बैंत-उल्-खला, बैंतुलखला पुं० [अ.] पायखानुं; जाजरू
बैंत-उल्-माल, बैंतुलमाल पुं० [अ.] सरकारी खजानो (२) बिनवारसी माल
बैंत-उल्-मुक़द्दस, बैंतुलमुक़द्दस पुं०[अ.] जेरुसलेम [मक्का
बैंत-उल्-हराम्, बैंतुलहराम पुं० [अ.]
बैंत-उल्ला, बैंतुल्लाह पुं० [अ.] काबा; खुदानुं घर
बैंतबाजी स्त्री०[फा.] अंतकडीनी रमत
बैंद पुं० (स्त्री० –दिन) वैद. ०ई, –दाई स्त्री० वैदुं
बैंन अ० [अ.] वच्चे; मध्ये
बैंना पुं० विवाह वगेरे शुभ निमित्ते मित्रादिने मोकलाती मीठाई इ० भेट
बैं-नामा पुं० [अ.] वेचाणखत
बैंपार पुं० वेपार. –री पुं० वेपारी
बैंरंग वि० 'बॅरर' नुं; लेनारे नाणां आपवानां करीने मोकलेलुं (पार्सल इ०)
बैंर पुं० वेर; शत्रुता [[इं.] बराक
बैंरक़(–ख) पुं० [अ.] लश्करी झंडो (२)
बैंरा पुं० [इं.बॅरर] चाकर; दास
बैंराखी स्त्री० स्त्रीनुं हाथनुं एक घरेणुं
बैंराग पुं० वैराग्य. –गी पुं० एक जातनो (वैष्णव) साधु
बैंरिस्टर पुं० [इं.] बॅरिस्टर. –री स्त्री०
बैंरी वि० वेरी; विरोधी
बैंरूँ अ० [फा. बेरूँ] बहार
बैंरूनी वि० [फा. बेरूनी] बहारनुं
बैंरोमीटर पुं० [इं.] बॅरोमीटर
बैंल पुं० बेल; बळद (२) मूर्ख. ०गाड़ी स्त्री० बळदगाडी
बैंलर पुं० जुओ 'बायलर'; बॉइलर
बैंलून पुं० [इं.] बलून; गुबारो
बैंसंत(–द)र पुं० (प.) वैश्वानर अग्नि
बैंस स्त्री० (प.) वय; आयु; उंमर; जवानी (२) पुं० वैश्य (३) एक क्षत्रिय जाति
बैंसना अ०क्रि० (प.) बेसवुं
बैंसर स्त्री० फणी
बैंसाख पुं० वैशाख
बैंसाखी स्त्री० लंगडानी लाकडी (बगलमां राखी चालवानी)
बैंसा(०र)ना स०क्रि० (प.) बेसाडवुं
बोक(०रा) पुं० बोकडो; बकरो
बोआई स्त्री० वावणी के तेनी मजूरी
बोआना स०क्रि० ववडाववुं
बोझ पुं० बोजो
बोझना स०क्रि० बोजो लादवो
बोझ(–झि)ल वि० वजनदार; भारे
बोझा पुं० 'बोझ'; बोजो. ०ई स्त्री० लादवुं ते के तेनी मजूरी. –झिल वि० जुओ 'बोझल'
बोट स्त्री० [इं.] होडी (२) आगबोट
बोटी स्त्री० मांसनो टुकडो
बोतल स्त्री० (मोटी) बाटली
बोदा वि० मूर्ख (२) जड; मंद (३) बोदुं; फासफूसियुं [धीरज; संतोष
बोध पुं० [सं.] जाणवुं ते; ज्ञान (२)
बोधक वि० [सं.] बोध करावनारुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

बोधि, ०तरु, ०द्रुम, ०वृक्ष पुं० [सं.] (गयानुं) पीपळानु–बोधिवृक्ष
बोना स०क्रि० वाववुं [गांसडी
बोबा पुं० (स्त्री०, –बी) स्तन (२)
बोय स्त्री० बू; गंध
बोरना स०क्रि० बोळवुं
बोरसी स्त्री० माटीनी सगडी
बोरा पुं० थेलो; कोथळो; बोरो
बोरिया पुं०[फा.] सादडी (२) बिस्त्रो
बोरी स्त्री० नानो कोथळो; थेली
बोर्ड पुं०[इं.] नामनुं पाटियुं (२) बोर्ड; समिति; मंडळ
बोल पुं० बोल; वचन
बोलचाल स्त्री० वातचीत; बोलवुं चालवुं ते, के तेवो संबंध(२)बोलाचाली;झघडो
बोलता पुं० प्राण; जीव (२) वि० वाचाळ
बोलती स्त्री० बोलवानी शक्ति; वाचा
बोलना स०क्रि० बोलवुं. **बोल जाना**= खतम थवुं; हारवुं [चलण होवुं ते
बोलबाला पुं० ख्याति; प्रसिद्धि (२)
बोलवाना स०क्रि० बोलाववुं
बोलसर पुं० बोरसळीनुं झाड
बोलावा पुं० 'बुलावा'; नोतरुं
बोली स्त्री० बोली; वाणी (२) हराजीनी मागणीनो बोल (३) मजाक
बोली-ठोली स्त्री० मश्करी; मजाक
बोलीदार पुं० गणोत के कांई लख्या वगर मोढाना बोलथी जमीन खेडनार
बोवना स०क्रि० 'बोना'; वाववुं
बोवाई स्त्री० जुओ 'बोआई'
बोवाना स०क्रि० जुओ 'बोआना'
बोश पुं० [अ.] दबदबो; दमाम
बोसा पुं० [फा.] बोसो; चुंबन [पुराणुं
बोसीदा वि० [फा.] दम वगरनुं; जरी
बोसो-कनार पुं०[फा.] चूमवुं ने भेटवुं ते
बोह स्त्री० डूबकी. **–लेना**=डूबकी मारवी
बोहतान पुं०[अ.] खोटो आरोप; आक्षेप. **–जोड़ना**=कलंक लगाडवुं
बोहनी स्त्री० बोणी; पहेलो सोदो
बोहित पुं० (प.) नाव; होडी
बौंड़ स्त्री० (प.) लांबी गयेली शाखा के लता. **०ना** अ०क्रि० 'बौंड' पेठे वधवुं
बौंड़ी स्त्री० छोड के वेलानुं काचुं फल
बौखल वि० पागल; गांडुं; बेबाकळुं
बौखलाना अ०क्रि० गभराई जवुं; गांडा जेवुं थवुं
बौछाड़(–र) स्त्री० पाणी, वायु के कशानी झडी (२) टाणो; कटाक्ष
बौड़म,–हा वि० गांडुं; धूनी
बौद्ध पुं०[सं.] बुद्धधर्मी (२) वि० बुद्ध विषेनुं
बौना पुं० वामन–ठींगणो माणस
बौर पुं० आंबानो मोर
बौरना अ०क्रि० मोरवुं; मोर आववो
बौरहा, बौरा वि० बावरुं; पागल
बौराना अ०क्रि० बावरुं–गांडुं थवुं
बौलाना अ०क्रि० जुओ 'बौखलाना'
ब्यवहर पुं० करज; देवुं. **–रिया** पुं० शराफ; साहुकार
ब्याज पुं० व्याज. **–जू** वि० व्याजूकुं
ब्याना स०क्रि० वियावुं; जणवुं
ब्यापना अ०क्रि० व्यापवुं
ब्यारी स्त्री०, **ब्यालू** पुं० वाळु
ब्याल पुं० व्याळ; साप. **–ली** स्त्री० सापण (२) वि० सापवाळो
ब्याह पुं० विवाह; लग्न
ब्याहता वि० विवाहित
ब्याहना स०क्रि० विवाह करवो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ब्योंत स्त्री० वेंत; व्यवस्था; वेतरण
ब्योंतना स०क्रि० (कपडुं) वेतरवुं
ब्योपार पुं० वेपार. **–री** पुं० वेपारी
ब्योरना स०क्रि० (प.) वाळ ओळवा
ब्योरा पुं० विवरण; वर्णन. **–रेवार** अ० सविस्तर; विगतवार
ब्योहर पुं० व्याजवटावनो व्यवहार
ब्योहरिया पुं० व्याजवटुं करनार
ब्यो(–ब्यौ)हार पुं० व्यवहार
ब्रज पुं० व्रज
ब्रह्म पुं० [सं.] मूळ सत्य; परमात्मा
ब्रह्मचर्य पुं०[सं.] ब्रह्मचारीनुं व्रत; पूरो इंद्रियनिग्रह
ब्रह्मचारी पुं० [सं.] कुंवारो; ब्रह्मचर्य पाळनारो; प्रथम आश्रममां रहेनार–विद्यार्थी
ब्रह्मभोज पुं० ब्राह्मणोने अपातुं भोजन
ब्रह्मर्षि पुं०[सं.] ब्राह्मण ऋषि (उत्तम कोटिनो)
ब्रह्मसमाज पुं० (राजा राममोहन राये चलावेलो) एक नवो संप्रदाय
ब्रह्मांड पुं०[सं.] विश्व; आखी सृष्टिनो गोळो
ब्रह्मास्त्र पुं० [सं.] एक अमोघ अस्त्र
ब्राह्म वि० [सं.] ब्रह्म संबंधी
ब्राह्मण पुं०[सं.] चारमांनो पहेलो वर्ण
ब्रिगेड पुं०[इं.] सेनानी अमुक संख्यानी पलटण
ब्रिटिश वि०[इं.] ब्रिटन देशनुं के ते संबंधी
ब्रुश पुं० [इं.] ब्रश [चावी
ब्रेक पुं० [इं.] गाडीनी ब्रेक – रोकवानी
ब्लाक पुं० [इं.] ब्लॉक

भ

भंग पुं० [सं.] भांगवुं तूटवुं ते (२) नाश; पराजय (३) टुकडो; भाग (४) बाधा; हरकत (५) तरंग (६) स्त्री० भांग
भंगड़ वि० भांगनो व्यसनी; 'भँगेड़ी'
भँगरा पुं० भांगरो
भँगार पुं० कूवो खोदवा करेलो खाडो (२) घास इ० कचरो
भंगी पुं० भंगी - एक नात के तेनो माणस (२) वि० भांगवाळो
भंगुर वि० [सं.] भांगी जाय एवुं (२) नाशवंत (३) वांकुं; वळांकवाळुं
भँगेड़ी वि० भांगनो व्यसनी [नाश
भंजन पुं० [सं.] भांगवुं ते (२) ध्वंस;
भँजना अ०क्रि० भंगावुं; तूटवुं (२) मोटो सिक्को वटाववो (३) भांगवुं; वळ देवो
भँटा पुं० भट्टो; गोळ मोटुं वेंगण
भंड पुं० [सं.] भांड (२) वि० पाखंडी
भँड़फोड़ पुं० भांगफोड [हाटियुं
भंडरिया स्त्री० दीवालनुं भंडारियुं–
भंडा पुं० भांड; वासण (२) मर्म; भेद. **–फूटना** = भेद खूलवो; घडो फूटवो
भंडार पुं० [सं.] भंडार; कोठार (२) पेट (३) रसोडुं (४) खजानो
भँडारा पुं० भंडारो (साधुनो) (२) भंडार (३) समूह (४) पेट
भंडारी पुं० भंडारी; कोठारी (२) खजानची (३) रसोइयो (४) स्त्री० नानुं भंडारियुं – हाटियुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

भंड़ौआ पुं० भांड भवैयानुं गीत के तेवी कविता
भंभाना अ०क्रि० (ढोर–गाय भेंसनुं) बांगरडवुं; आरडवुं
भंवना अ०क्रि० भमवुं; फरवुं; रखडवुं
भंवर पुं० भमरो (जंतु के पाणीनो)
भंवरजाल पुं० भ्रमजाळ; संसारचक्र
भंवरभीख स्त्री० भीख मागवा फरवुं ते
भंवरी स्त्री० पाणीनो भमरो (२) शरीर परना वाळनो भमरो (३) फेरी
भइया पुं० भाई
भउजाई स्त्री० भोजाई; भाभी
भकभक अ० भगभग. **–काना** अ०क्रि० भगभग थवुं
भकुआ(–वा) वि० मूर्ख; अणसमजु
भकुआना अ०क्रि० गभरावुं (२) बनवुं (३) स०क्रि० ग रावबुं के बनाववुं
भकोसना स०क्रि० गळचवुं; ठांसवुं; खावुं
भक्त वि० [सं.] भांगेलुं (२) वहेंचेलुं (३) अलग भागे करेलुं (४) भक्तिवाळुं (५) पुं० भगत
भक्ति स्त्री० [सं.] भागवुं, वहेंचवुं ते (२) भाग; अंग (३) सेवापूजा (४) श्रद्धा; विश्वास; प्रेमभाव
भक्ष पुं० [सं.] भक्षण; खोराक; आहार
भक्षक वि० [सं.] भक्ष करनार; खानार
भक्षण पुं० [सं.] खावुं ते (२) आहार
भक्ष(–ख)ना स०क्रि० (प.) भक्षवुं; खावुं
भक्ष्य वि० [सं.] खावा जेवुं; खाद्य (२) पुं० खोराक
भख पुं० (प.) भक्ष; खोराक
भखना अ०क्रि० (प.) भक्षवुं; खावुं
भगंदर पुं० [सं.] भगंदर रोग
भग पुं० [सं.] भाग्य (२) ऐश्वर्य (३) स्त्रीयोनि [भूवो
भगत पुं० भक्त; सेवक; उपासक (२)
भगदड़(–र) स्त्री० भागवुं–नासवुं ते
भगना अ०क्रि० भागवुं; नासवुं (२) पुं० भाणेज
भगवंत पुं० (प.) भगवान
भगवती स्त्री० [सं.] देवी (२) स्त्री (आदरसूचक)
भगवान पुं० भगवान; प्रभु
भगाना स०क्रि० भगाडवुं(२)हरण करवुं
भगिनी स्त्री०[सं.] बहेन. **०य** पुं० भाणेज
भगीरथ वि०[सं.] अति भारे के कठण (२) पुं० राजा भगीरथ
भगेडू(–लु), भगोड़ा, भग्गू वि० भागेलुं (२) कायर
भगौती स्त्री० (प.) जुओ 'भगवती'
भगौहाँ वि० जुओ 'भगेडू' (२) भगवुं; गेरवुं
भग्गू वि० जुओ 'भगेडू'
भग्न वि०[सं.] भांगेलुं (२) हारेलुं; निराश
भचक स्त्री० लंगडाश; खोडंगावुं ते
भचकना अ०क्रि० लंगडावुं;पग लहेकावो (२) चकित थवुं [तेनी कविता
भजन पुं०[सं.] नामस्मरण; कीर्तन (२)
भजना स०क्रि० भजवुं; स्तुति करवी (२) अ०क्रि० (प.) भागवुं
भजनी पुं० भजनिक
भट पुं० [सं.] भट्ट; योद्धो
भटकना अ०क्रि० भटकवुं; रखडवुं (२) रस्तो भूलवो; भूलुं पडवुं
भटई स्त्री० भाटाई; खोटी खुशामत
भटा पुं० 'भंटा'; भट्टो [अली; सखी
भटू स्त्री० स्त्री माटे एक संबोधन (२

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

भट्ठा पुं० ईंट इ० नो भठ्ठो
भट्ठी स्त्री० (दारू दवा इ०नी) भठ्ठी
भठियारा पुं० धर्मशाळानो व्यवस्थापक (२) मुसलमानोनुं रांधनार–भठियारो
भठियाल पुं० समुद्रनी ओट; 'भाटा'
भड़क स्त्री० चमक (२) भडक; बीक
भड़कदार, भड़कीला वि० चमकतुं (२) भडकामणुं
भड़कना अ०क्रि० भडकवुं (२) भडको थवो; भभकवुं (३) गुस्से थवुं
भड़भड़ स्त्री० भड भड अवाज (२) बड बड वातो [करवो
भड़भड़ाना अ०क्रि० भड भड अवाज
भड़भड़िया वि० गप्पी
भड़भूंजा पुं० भाडभूंजो
भड़ी स्त्री० खोटी उश्केरणी
भड़ुआ पुं० भडवो
भणना स०क्रि० (प.) भणवुं; कहेवुं
भतीजा पुं० (स्त्री० **–जी**) भत्रीजो
भत्ता पुं० भथ्थुं
भदई स्त्री० भादरवानी फसल
भदेस,–सिल,भद्दा वि० कुरूप; कढंगुं
भद्र वि०[सं.] सभ्य (२) सारुं; भलुं (३) पुं० कल्याण [ऊडती वात
भनक स्त्री०भणकारो; धीमो अवाज (२)
भनभनाना अ०क्रि० गुंजारव करवो; गणगणवुं. **–हट** स्त्री० गुंजारव; गणगणाट
भन्नाना अ०क्रि० क्रोधथी भभूकवुं
भबका पुं० अर्क काढवानुं वासण
भब्भ(–भ्भ)ड़ स्त्री० भीड; धक्कंधक्का
भभक स्त्री० ऊभरो; उछाळो
भभकना अ०क्रि० ऊकळवुं; उछाळो मारवो (२) भभकवुं
भभकी स्त्री० खाली धमकी
भभरना अ०क्रि० (प.) डरवुं; गभरावुं (२) भ्रममां पडवुं; भरमावुं
भभूका पुं० ज्वाळा; झोळ
भभूत स्त्री० भभूती; भस्म
भयंकर वि० [सं.] भयानक
भय पुं० [सं.] डर; बीक (२) शंका. **–खाना**=डरवुं
भयभीत वि० [सं.] डरेलुं
भयाना अ०क्रि० (प.) भय पामवुं; बीवुं (२) स०क्रि० डराववुं
भया क्रि० (प.) 'हुआ'; थयुं; बन्युं (स्त्री० **भई,–यी**)
भयानक, भयावन(–ना), भयावह [सं.] वि० भयामणुं; भयंकर
भर वि० पूरुं; बरोबर. उदा० शेरभर (२) पुं० भार. **–पाना**=भरपाई थवी (२) तंग थवुं; थाकवुं [वितन
भरण पुं० [सं.] भरवुं–पोषवुं ते (२)
भरत पुं० कांसु (२) कंसारो
भरता पुं० भरतनुं शाक
भरतार पुं० भरथार; पति
भरती स्त्री० भरावुं के उमेरावुं ते (२) दाखल थवुं ते. **–होना**=दाखल थवुं
भरना स०क्रि० भरवुं; पूरवुं (२) अ०क्रि० भरावुं; पूरुं थवुं
भरनी स्त्री० 'ढरकी'; साळनो कांठलो
भरपाई अ० बरोबर; पूरेपूरुं (२) स्त्री० भरपाई; बाकी पूरी चूकते करवी ते
भरपूर वि० परिपूर्ण (२) अ० बरोबर; पूरी रीते
भरपेट अ० पेट भरीने
भरम पुं० संदेह (२) भेद; रहस्य. **–गँवाना**=भेद खोलवो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

भरमाना स० क्रि० भरमाववुं (२) भमाववुं; रखडाववुं (३) अ०क्रि० चकित थवुं
भरमार स्त्री० खूब होवुं ते
भरराना अ०क्रि० भडक दईने ओचिंतुं तूटी पडवुं
भरसक अ० यथाशक्ति; बने तेटलुं
भरसाई पुं० भाडभूंजानी भठ्ठी; 'भाड़'
भरा वि० 'भर'; भरेलुं; पूरुं
भराई स्त्री० भरवानी क्रिया के तेनुं महेनताणुं
भरापूरा पुं० भर्युंभादर्युं; संपन्न
भराव पुं० भरावो; जमाव (२) भरवुं ते
भरी स्त्री० तोलो; रूपियाभार
भरोसा पुं० भरोंसो; विश्वास (२) आशा (३) आशरो
भर्त्ता(०र) पुं० [सं.] पति; स्वामी
भर्त्सना स्त्री० [सं.] निंदा; तिरस्कार; फिटकार [स्त्री० भलमनसाई
भलमनसत, भलमनसाहत, भलमनसी
भला वि० भलुं; सारुं (२) पुं० कल्याण
भले अ० ठीक; सारी रीते. **–ही** =भलेने; छोने
भल्लु(-ल्लू)क पुं० [सं.] रींछ
भव पुं०[सं.] जन्म (२) संसार (३) शिव
भवदीय वि० [सं.] आपनुं
भवन पुं०[सं.] घर; मकान (२) महेल; मोटुं मकान
भवनीय वि०[सं.] थनारुं; बननारुं
भवितव्य पुं०[सं.] अवश्य थनारुं; नसीब
भविष्य वि०[सं.] 'भवनीय'; थनारुं (२) पुं० भविष्यकाळ
भव्य वि० [सं.] सुंदर; शानदार; भारे शोभावाळुं (२) भावी (३) सत्य
भसना अ०क्रि० पाणी पर तरवुं के तेमां डूबवुं
भसम पुं० भस्म; राख
भसमा पुं० काळो कलप (२) लोट
भसुंड पुं० हाथी
भसुर पुं० स्त्रीनो जेठ
भसूंड़ पुं० हाथीनी सूंढ
भस्त्रा,०का,–स्त्रिका स्त्री०[सं.] धमण
भस्म पुं० [सं.] भस्म; राख
भहराना अ०क्रि० ढसडाई पडवुं; एकाएक तूटवुं
भाँग स्त्री० भांग – एक केफी पदार्थ
भाँज स्त्री० भांगवुं ते (२) सिक्का के नोटनुं परचूरण
भाँजना स०क्रि० भांगवुं; तोडवुं
भाँजी स्त्री० काममां फांस मारवी ते
भाँटा पुं० भट्टो; वेंगण
भाँड़ पुं० भांडभवैयो(२)मश्करो;विदूषक
भाँड़ा पुं० भांड; वासण. **भाँड़े भरना**= पस्तावुं [खजानो
भांडागार, भांडार पुं० [सं.] भंडार;
भाँत, भाँति स्त्री० रीत; प्रकार
भाँपना स०क्रि० ओळखवुं; पारखवुं
भाँयँ भाँयँ पुं० शून्यकारनो ध्वनि
भाँवर स्त्री० परिकम्मा (२) लग्ननी चोरीमां वरकन्या फेरो फरे ते
भा अ० (प.) या; अथवा (२) स्त्री० [सं.] तेज
भाइ पुं० (प.) भाव; प्रेम (२) स्त्री० 'भाँति'; प्रकार
भाइप पुं० (प.) भाईचारो; भाईबंधी
भाई पुं० भाई. **०चारा** पुं० भाईचारो; दोस्ती
भाई-दूज स्त्री० भाईबीज

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

भाईबंद पुं० सगोसंबंधी; नातभाई (२) भाईवंध; मित्र

भाई-बिरादर पुं० नातभाई. **–री** स्त्री० नात के स्वजननो समूह

भाउ,–ऊ पुं० (प.) भाव; हेत; प्रेम

भाखना स०क्रि० (प.) भाखवुं; कहेवुं

भाखा स्त्री० (प.) भाषा

भाग पुं०[सं.] भाग;हिस्सो(२)भागाकार

भाग पुं० (प.) भाग्य (२) कपाळ (३) सवार; प्रातःकाल

भागड़, भागदौड़ स्त्री० भागवुं ते;भंगाण; 'भगदर'

भागना अ०क्रि० भागवुं; दोडवुं; नासवुं

भागनेय, भागिनेय पुं० [सं.] भाणो

भागी पुं०[सं.] भागियो; भागीदार (२) –नो हकदार; अधिकारी

भाग्य पुं० [सं.] नसीब [संख्या

भाजक पुं० [सं.] भागाकारमां भाजक

भाजन पुं० [सं.] वासण; पात्र (२) –ने योग्य; पात्र (समासमां)

भाज्य पुं० [सं.] भागवानी रकम (२) वि० भागवा योग्य

भाजी स्त्री० शाकभाजी; तरकारी

भाट पुं० भाट; चारण (२) खुशामतियो (३) स्त्री० नदीनुं भाठुं के किनारो के तेनो पट

भाटा पुं० ओट; भरतीथी ऊलटुं

भाड़ पुं० भाडभूंजानी भठ्ठी. **–झोंकना** =नकामा के तुच्छ काममां वखत काढवो [(२) नकामुं

भाड़ा पुं० भाडुं. **भाड़ेका टट्टू**=क्षणिक

भात पुं० खावानो – रांधेलो भात

भाथा पुं० तीरनो भाथो

भाथी स्त्री० धमण

भादों, –दौं, –द्र, –द्रपद [सं.] पुं० भादरवो महिनो

भान पुं० भानु; भाण; सूर्य (२) [सं.] प्रकाश (३) भान; खबर; प्रतीति

भानजा पुं० (स्त्री० **–जी**) भाणेज

भानमती स्त्री० जादुगर स्त्री. **–का पिटारा**=नकामी भरकूस

भाना अ०क्रि० भाववुं; गमवुं (२) मालूम पडवुं; लागवुं (३) शोभवुं

भानु पुं० [सं.] सूर्य

भाप,–फ स्त्री० वराळ; बाष्प

भाभी स्त्री० भाभी; भोजाई

भामा,–मिनी स्त्री० [सं.] स्त्री (२) क्रोधी स्वभावनी स्त्री [मूल्य

भाय पुं० (प.) भाई (२) भाव; वृत्ति;

भायप पुं० भाईचारो

भाया वि० प्रिय; प्यारुं

भार पुं० [सं.] बोजो; वजन (२) जवाबदारी

भारत पुं० [सं.] महाभारत ग्रंथ (२) हिंद देश. **–ती** स्त्री० वाणी; भाषा. **–तीय** वि० भारत देशनुं के संबंधी

भारी वि० भारे. **–भरकम**=मोटुं ने भारे; भारेखम

भार्या,–र्य्या स्त्री० [सं.] स्त्री; पत्नी

भाल पुं० [सं.] कपाळ (२) (प.) भालो (३) 'भालू'; रींछ

भालना स०क्रि० भाळवुं; बरोबर जोवुं; तपासवुं ('देखना' साथे प्रायः वपराय छे.) [चलावी जाणनार

भाला पुं० भालो. ०**बरदार** पुं० भालो

भाली स्त्री० भालानुं फळ; भालोडियुं (२) शूळ; कांटो

भालु(०क),–लू,–लूक पुं० रींछ

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

भाव पुं० [सं.] होवुं ते; हस्ती (२) मननो भाव–ख्याल, विचार, अभिप्राय मतलब (३) भाव; दर; किंमत (४) हेत; स्नेह; आदरमान
भावज स्त्री० भाभी
भावताव पुं० भावताल
भावना स्त्री० [सं.] भाव; विचार; ख्याल (२) इच्छा (३) (प.) अ०क्रि० भाववुं; गमवुं; फाववुं; 'भाना'
भावार्थ पुं० [सं.] सार; मतलब
भाविक वि० [सं.] भावनाप्रधान; भावुक
भावी स्त्री० [सं.] भविष्य काळ (२) नसीब (३) वि० थनारुं
भावुक वि० [सं.] जुओ 'भाविक'
भाषण पुं० [सं.] व्याख्यान (२) वातचीत; बोलवुं ते
भाषांतर पुं० [सं.] अनुवाद; तरजुमो
भाषा स्त्री० [सं.] बोली; वाणी. **–षी** वि० बोलनार (समासने अंते)
भाष्य पुं० [सं.] विस्तृत विवरण के समजूती [कल्पना
भास पुं० [सं.] प्रकाश (२) ख्याल;
भासना अ०क्रि० भासवुं; लागवुं; देखावुं (२) प्रकाशवुं
भास्कर पुं० [सं.] सूर्य (२) अग्नि (३) दिवस (४) वि० प्रकाशतुं
भिंगा(–जा)ना स०क्रि०जुओ 'भिगाना'
भिंडी स्त्री० भींडो–शाक
भिक्षा स्त्री० [सं.] भीख. **०र्थी** पुं० भिखारी. **–क्षु(०क)** पुं० भिखारी (२) संन्यासी
भिखमंगा पुं० भिखारी; भीख मागनार
भिखार, –री पुं० भिखारी. **–रिणी, –रिन** स्त्री० भिखारण
भिगा(–गो)ना, भिजवना स० क्रि० भिजाववुं; पलाळवुं
भिजवाना स०क्रि० मोकलाववुं
भिजा(–जो)ना स०क्रि०जुओ 'भिगाना'
भिड़ स्त्री० भमरी; 'बरँ'
भिड़ना अ०क्रि० टक्कर खावी (२)लडवुं (३) भिडावुं; साथे साथे लागी जवुं
भितरिया पुं० भितरियो(वैष्णव मंदिरनो)
भितल्ला वि० भीतरनुं (२) पुं० अस्तर
भित्ति स्त्री० [सं.] भींत (२) भूमिका
भिदना अ०क्रि० भेदावुं; छेदावुं; घायल थवुं (२) घूसी जवुं
भिनकना अ०क्रि० बमणवुं; गगणवुं (२) घृणा थवी [बमणवुं
भिनभिनाना अ० क्रि० 'भिनकना';
भिन(–नु)सार पुं० प्रभात; सवार
भिनही अ० सवारे [अलग
भिन्न पुं०[सं.] अपूर्णांक (२) वि० जुदुं;
भियना अ०क्रि० (प.) भय पामवुं; डरवुं
भिलनी स्त्री० भीलडी; भील स्त्री
भिलवाँ पुं० भिलामुं
भिल्ल पुं० [सं.] भील
भिश्त(-स्त) स्त्री० बेहेस्त; स्वर्ग
भिश्ती,–स्ती पुं० भिश्ती
भिषक् पुं० [सं.] वैद
भिस्त स्त्री० जुओ 'भिश्त'
भिस्ती पुं० जुओ 'भिश्ती'
भींग(–ज)ना अ०क्रि० जुओ 'भीगना'
भी अ० पण. जेम के, 'मैं भी'=हुंय, हुं पण (२) स्त्री० [सं.] भय
भीख स्त्री० भीख; मागवुं ते
भीग(–ज)ना अ०क्रि० भींजावुं; पलळवुं
भीटा पुं० ऊंची टेकराळी जमीन
भीड़ स्त्री० भीड; गिरदी (२) संकट

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

भीड़भड़क्का पुं०, **भीड़भाड़** स्त्री० भीड; गिरदी

भीत स्त्री० भींत; दीवाल. **–में दौड़ना** =गजा उपरवटनं काम करवुं

भीत वि० [सं.] डरेलुं; बीनेलुं. **–ति** स्त्री० डर; बीक

भीतर अ० अंदर (२) पुं० अंतःकरण (३) जनानखानुं

भीतरका, भीतरी वि० अंदरनुं; गुप्त

भीति स्त्री० [सं.] जुओ 'भीत' मां

भीनना अ०क्रि० तरबोळ थवुं; भींजवुं; भीनुं थवुं

भीना पुं० बनेवी (२) वि० भीनुं (३) आछुं; हलकुं (रंग के वास)

भीम त्रि०[सं.] मोटुं; प्रचंड(२)भयानक

भीर स्त्री० (प.) जुओ 'भीड' (२) वि० भीरु; डरपोक

भीरु वि०[सं.] डरपोक; कायर. **०ता** [सं.], **०ताई** (प.) स्त्री० कायरता

भील पुं० भील जातिनो माणस

भीलनी स्त्री० 'भिलनी'; भीलडी

भीषण, भीष्म वि०[सं.] उग्र; घोर (२) भयानक

भुंई स्त्री० (प.) भोंय; भूमि; 'भुइँ'

भुँइध(-ह)रा पुं० भोंयरुं

भुँजना अ०क्रि० भूंजावुं; शेकावुं

भुंडा वि० शींगडां विनानुं (पशु) (२) (प.) भूंडुं; खराब

भुअंग(०म) पुं० (प.) भुजंग; साप

भुअन पुं० (प.) भुवन

भुआर(-ल) पुं० (प.) भूपाल

भुइं स्त्री० (प.) जुओ 'भुँई'. **०कंप, ०चाल, ०डोल** पुं० भूकंप

भुक्खड़ वि० भूख्युं के भुखाळवुं (२) दरिद्र

भुक्त वि०[सं.] भोगवेलुं (२) खाधेलुं. **–क्ति** स्त्री० भोजन (२) उपभोग

भुखमरा वि० भूखे मरतुं. **–री** स्त्री० भूखमरो

भुगतना स०क्रि० भोगववुं; सहवुं (२) अ०क्रि० चूकते के पूरुं थवुं (३) वीतवुं

भुगतान पुं० चकादो; फेंसलो; पतावट

भुच्च(०ड़) वि० मूर्ख

भुजंग पुं० [सं.] साप

भुज पुं० [सं.] हाथ; भुजा. **०ग** पुं० साप

भुजा स्त्री० [सं.] हाथ; बाहु

भुजाली स्त्री० छरो; कूकरी

भुजिया पुं० उकाळेली डांगरना चोखा (२) भजियुं; तळेलुं शाक

भुजी स्त्री० भाजीनुं तैयार शाक

भुट्टा पुं० भुट्टो (२) जुवार बाजरीनुं डूंडुं

भुनगा पुं० पतंगियुं

भुनना अ०क्रि० भूंजावुं; शेकावुं (२) मोटो सिक्को के नोट वटाववी

भुनभुनाना अ०क्रि० (मनमां चिडाई) गणगणवुं; बबडवुं

भुनाना स० क्रि० (मोटो सिक्को) वटाववो; परचूरण करवुं

भुरकना अ०क्रि० सुकाईने छूटुं पडी जवुं–भभरुं थई जवुं

भुरक(–कु)स पुं० भूको; चूर्ण. **–निकलना**=आदो नीकळवो (२) नाश पामवुं [=खूब मारवुं, पीटवुं

भुरता पुं० जुओ 'भरता'. **–कर देना**

भुरभुरा वि० भभरुं; कण कण छूटुं पडी जाय एवुं [स०क्रि० भभराववुं

भुरभुराना अ०क्रि० जुओ 'भुरकना' (२)

भुलक्कड़ वि० भुलकणुं

भुलवाना, भुलाना स०क्रि० भुलाववुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

भुलावा पुं० भुलावो; भ्रम; भूलमां नाखे एवी युक्ति. **–देना** = भुलावामां नाखवुं
भुवंग(०म) पुं० (प.) भुजंग; साप
भुव स्त्री० (प.) भू; पृथ्वी
भुवन पुं० [सं.] जगत; लोक
भुवार(–ल) पुं० (प.) भूपाल
भुस पुं०, **–सी** (प.) स्त्री० जुओ 'भूसा'
भूँकना अ०क्रि० (कूतरानुं) भसवुं (२) व्यर्थ वकवुं
भूँचाल, भूँडोल पुं० भूकंप
भूँजना स०क्रि० शेकवुं (२) तळवुं (३) सताववुं; दुख देवुं
भूँसना अ०क्रि० (प.) भसवुं
भू स्त्री० [सं.] भूमि; जमीन
भूआ(–वा) पुं० रू (शीमळानुं)
भूकंप पुं० [सं.] धरतीकंप
भूक,–ख स्त्री० भूख (२) इच्छा (३) ताण; तंगी. **–मरना, भूखों मरना** = भूखे मरवुं
भूखण,–न पुं० (प.) भूषण
भूखा वि० भूख्युं
भूगर्भ पुं० [सं.] पृथ्वीनो अंदरनो भाग; [भूस्तर
भूगोल पुं० [सं.] पृथ्वीनो गोळो के तेनी विद्या – भूगोळ
भूचाल, भूडोल पुं० भूकंप
भूत वि० [सं.] थई गयेलुं (२) पुं० पंचमहाभूत (३) प्राणी (४) भूतप्रेत (५) भूतकाळ
भूतल पुं० [सं.] पृथ्वीनी सपाटी; भूतळ
भूति स्त्री० [सं.] थवुं ते; उत्पत्ति (२) वैभव (३) भभूति; राख
भूतिनी स्त्री० भूतडी
भूदेव पुं० [सं.] ब्राह्मण
भूधर पुं० [सं.] पहाड (२) राजा (३) [भगवान
भूनना स०क्रि० भूंजवुं; शेकवुं (२) तळवुं
भूप,०ति,–पाल पुं० [सं.] राजा
भूभल, भूभुरि (प.) स्त्री० भरसाडना जेवी गरम राख, रेती, धूळ वगेरे
भूमि स्त्री० [सं.] जमीन. **०का** स्त्री० आमुख; प्रस्तावना (२) पार्श्वभूमि. **०जीवी** पुं० खेडूत
भूमिया पुं० जमीनदार (२) ग्रामदेवता
भूमिहार पुं० उत्तर हिंदनी एक जात
भूय(–र)सी दक्षिणा स्त्री० भूरसी दक्षिणा [(प.)
भूर वि० भूरि; बहु. **०पूर** वि० भरपूर
भूरा वि० कथ्थई के छींकणीना रंगने मळतुं; 'ब्राउन'
भूरि वि० [सं.] बहु; खूब
भूर्जपत्र पुं० [सं.] भोजपत्र
भूल,०चूक स्त्री० खामी; चूक
भूलना स०क्रि० भूलवुं; वीसरवुं (२) भूल खावी; भुलावामां पडवुं
भूलभुलैयाँ स्त्री० भुलभुलामणी (२) बहु गूंचवाडावाळी वात के घटना
भूलोक पुं० [सं.] पृथ्वी
भूवा पुं० (प.) जुओ 'भूआ'
भूषण पुं० [सं.] शणगार; घरेणुं
भूषा स्त्री० [सं.] शणगार; सजावट. **–षित** वि० सज्ज; शणगारेलुं
भूसा पुं० भूसुं; घउं, जुवार इ०नां डूंडां के ढूंणसांनुं गोतुं; कुशका
भूसी स्त्री० जुओ 'भूसा' (२) कुशकी
भृंग पुं० [सं.] भमरो. **–गी** स्त्री० भमरी
भृकुटी स्त्री० [सं.] आंखनी भमर
भृत्य पुं० [सं.] सेवक; नोकर; दास
भेंगा वि० बाडुं
भेंट स्त्री० भेट (मुलाकात के उपहार)

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

भुलावा पुं० भुलावो; भ्रम; भूलमां नाखे एवी युक्ति. –देना = भुलावामां नाखवुं
भुवंग(०म) पुं० (प.) भुजंग; साप
भुव स्त्री० (प.) भू; पृथ्वी
भुवन पुं० [सं.] जगत; लोक
भुवार(–ल) पुं० (प.) भूपाल
भुस पुं०, –सी (प.) स्त्री० जुओ 'भूसा'
भूँकना अ०क्रि० (कूतरानुं) भसवुं (२) व्यर्थ बकवुं
भूँचाल, भूँडोल पुं० भूकंप
भूँजना स०क्रि० शेकवुं (२) तळवुं (३) सतावववुं; दुख देवुं
भूँसना अ०क्रि० (प.) भसवुं
भू स्त्री० [सं.] भूमि; जमीन
भूआ(–वा) पुं० रू (शीमळानुं)
भूकंप पुं० [सं.] धरतीकंप
भूक,–ख स्त्री० भूख (२) इच्छा (३) ताण; तंगी. –मरना, भूखों मरना = भूखे मरवुं
भूखण,–न पुं० (प.) भूषण
भूखा वि० भूख्युं [भूस्तर
भूगर्भ पुं० [सं.] पृथ्वीनो अंदरनो भाग;
भूगोल पुं० [सं.] पृथ्वीनो गोळो के तेनी विद्या – भूगोळ
भूचाल, भूडोल पुं० भूकंप
भूत वि० [सं.] थई गयेलुं (२) पुं० पंचमहाभूत (३) प्राणी (४) भूतप्रेत (५) भूतकाळ
भूतल पुं० [सं.] पृथ्वीनी सपाटी; भूतळ
भूति स्त्री० [सं.] थवुं ते; उत्पत्ति (२) वैभव (३) भभूति; राख
भूतिनी स्त्री० भूतडी
भूदेव पुं० [सं.] ब्राह्मण [भगवान
भूधर पुं० [सं.] पहाड (२) राजा (३)
भूनना स०क्रि० भूंजवुं; शेकवुं (२) तळवुं
भूप,०ति,–पाल पुं० [सं.] राजा
भूभल, भूभुरि (प.) स्त्री० भरसाडना जेवी गरम राख, रेती, धूळ वगेरे
भूमि स्त्री० [सं.] जमीन. ०का स्त्री० आमुख; प्रस्तावना (२) पार्श्वभूमि. ०जीवी पुं० खेडूत
भूमिया पुं० जमीनदार (२) ग्रामदेवता
भूमिहार पुं० उत्तर हिंदनी एक जात
भूय(–र)सी दक्षिणा स्त्री० भूरसी दक्षिणा [(प.)
भूर वि० भूरि; वहु. ०पूर वि० भरपूर
भूरा वि० कथ्थई के छींकणीना रंगने मळतुं; 'ब्राउन'
भूरि वि० [सं.] बहु; खूब
भूर्जपत्र पुं० [सं.] भोजपत्र
भूल,०चूक स्त्री० खामी; चूक
भूलना स०क्रि० भूलवुं; वीसरवुं (२) भूल खावी; भुलावामां पडवुं
भूलभुलैयाँ स्त्री० भुलभुलामणी (२) बहु गूंचवाडावाळी वात के घटना
भूलोक पुं० [सं.] पृथ्वी
भूवा पुं० (प.) जुओ 'भूआ'
भूषण पुं० [सं.] शणगार; घरेणुं
भूषा स्त्री० [सं.] शणगार; सजावट. –षित वि० सज्ज; शणगारेलुं
भूसा पुं० भूसुं; घउं, जुवार इ०नां डूंडां के ढूंणसांनुं गोतुं; कुशका
भूसी स्त्री० जुओ 'भूसा' (२) कुशकी
भृंग पुं० [सं.] भमरो. –गी स्त्री० भमरी
भृकुटी स्त्री० [सं.] आंखनी भमर
भृत्य पुं० [सं.] सेवक; नोकर; दास
भेंगा वि० बाडुं
भेंट स्त्री० भेट (मुलाकात के उपहार)

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

भेंटना स० क्रि० भटवुं
भेइ,-उ पुं० (प.) भद
भेक पुं० [सं.] देडको. -की स्त्री० देडकी
भेख(-ष,-स) पुं० भेख; वेश
भेजना स०क्रि० मोकलवुं (प्रेरक भेजवाना) [भेजुं खावुं
भेजा पुं० भेजुं; मगज. -खाना, -पकाना =
भेड़ -ड़ी स्त्री० घेटी. ०चाल स्त्री० जुओ 'भेड़िया धसान'
भेड़ा पुं० घेटो
भेड़िया पुं० वरु
भेड़िया धसान पुं० गाडरियो प्रवाह
भेड़ी स्त्री० 'भेड़'; घेटी
भेद पुं०[सं.] छूटुं करवुं के पडवुं ते (२) रहस्य; मर्म (३) फूट. ०क वि० भेद करे एवुं
भेदड़ी स्त्री० रावडी
भेदन पुं० [सं.] भेदवुं ते
भेदिया, भेदी पुं० भेदु; गुप्तचर
भेर,-रि,-री स्त्री० भेरी; नगारुं
भेली स्त्री० गोळनो (के कोई चीजनो) गोळो (२) सूरणनी गांठ
भेष(-स) पुं० भेख; वेश
भेष(-स)ज पुं० [सं.] दवा; औषधि
भैंस स्त्री० भेंस. -सा पुं० पाडो
भैक्ष पुं० [सं.] भीख [भाणेज
भैन(-ना,-नी) स्त्री० बहेन. -ने पुं०
भैया पुं० भाई. ०चार(-रा) पुं०, ०चारी स्त्री० भाईचारो. ०दूज स्त्री० भाईबीज
भैरव वि० [सं.] भयंकर; रुद्र (२) पुं० शिवनो गण (३) एक राग. -वी स्त्री० एक देवी के रागिणी
भैषज,-ज्य पुं० [सं.] दवा

भोंकना स० क्रि० भोंकवुं; खोसवुं
भोंगाल पुं मोटो अवाज काढवा माटेनुं भूंगळुं
भोंचाल पुं० भूकंप
भोंडा वि० भूंडुं; बेडोळ; कदरूपुं
भोंदू वि० मूर्ख
भोंपा,-पू पुं० अंजीननी सिसोटी
भोक्ता पुं० [सं.] भोगवनार
भोग पुं० [सं.] भोगववुं ते (२) सुख; विलास (३) संभोग (४) सापनी फणा (५) देवनुं नैवेद्य
भोगना अ०क्रि० जुओ 'भुगतना'
भोगबंधक पुं० गीरो-हक
भोगी पुं० [सं.] भोग भोगवनार (२)साप (३) विषयासक्त [धनधान्य
भोग्य वि० [सं.] भोगववा जेवुं (२) पुं०
भोज पुं० जमणवार
भोजन पुं० [सं.] जमण (२) खोराक. ०खानी स्त्री० (प.), ०गृह पुं०, ०शाला स्त्री०, -नालय पुं० रसोडुं. ०भट्ट पुं० खाउधरो
भोजपत्र पुं० जुओ 'भूर्जपत्र'
भोजपुरी स्त्री० हिंदी भाषानी (बिहार तरफनी) एक बोली
भोजविद्या स्त्री० इंद्रजाळ; बाजीगरी
भोज्य वि० (२) पुं० [सं.] खाद्य
भोट पुं० भुतान देश
भोटिया पुं० भुतानवासी (२) स्त्री० भुतानी भाषा. -बदाम = आलु (२) मगफळी
भोथरा वि० बुठ्ठी धारवाळुं
भोपा पुं० मिलनुं भूंगळुं (२) मूर्ख
भोर पुं० सवार; प्रभात (२) (प.) भ्रम (३) वि० (प.) भोळुं (४) मुग्ध; चकित

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

भोरा वि० (प.) भोळुं; 'भोर'
भोला वि० भोळुं; सरळ (२) मूर्ख
भोलाभाला वि० भोळुंभाळुं; साव भोळुं
भौं स्त्री० जुओ 'भौंह' (२) अ० कूतरानो अवाज
भौंकना अ०क्रि० जुओ 'भूंकना'; भसवुं (२) बक बक करवुं
भौंतुवा पुं० एक जीवडुं (२) हाथनो एक रोग (३) घाणीनो बेल
भौंर पुं० भमरो (२) पाणीनो भमरो
भौंरा पुं० भमरो (२) एक रमकडुं (३) भरवाडनो कूतरो (४) भोंयरुं
भौंरी स्त्री० 'भाँवर'; चोरीमां वरकन्यानो फेरो (२) वाळनो के पाणीनो भमरो
भौंह स्त्री० भमर; भृकुटी. **–चढ़ाना, –तानना**=भमरो चडाववी; गुस्से थवुं. **–जोहना**=खुशामत करवी
भौंहरा पुं० (प.) भोंयरुं
भौगोलिक वि० [सं.] भूगोल विषेनुं
भौचक वि० स्तंभित; चकित
भौज, भौजाई स्त्री० भोजाई; भाभी
भौतिक वि०[सं.] पंचभूत संबंधी; जड; पार्थिव (२) भूतप्रेत संबंधी
भौम वि०[सं.] भूमि संबंधी; पार्थिव. **०वार** पुं० मंगळवार
भौमिक पुं०[सं.] भूमिपति; जमीनदार. (२) वि० भूमि संबंधी
भ्रंश(–स) पुं० [सं.] पतन; नाश
भ्रम पुं०[सं.]भ्रांति; संदेह; खोटो आभास
भ्रमण[सं.],**–न** (प.) पुं० भमवुं–फरवुं ते
भ्रमना अ०क्रि० (प.) भ्रममां के भुलावामां पडवुं (२) भमवुं
भ्रमर पुं० [सं.] भमरो
भ्रमी वि०[सं.] भ्रमित (२) चकित (३) भमतुं
भ्रष्ट वि० [सं.] पतित; खराब
भ्रांत वि०[सं.] भ्रममां पडेलुं; भूलेलुं (२) गभरायेलुं
भ्रांति स्त्री०[सं.]भ्रम; संदेह (२)भूल; मोह
भ्रात (प.), **–ता** [सं.] पुं० भाई
भ्रामक वि० [सं.] भ्रम करावे एवुं
भ्रामर पुं० [सं.] मध
भ्रुकुटि,–टी स्त्री० भ्रूकुटी; भमर; भवुं
भ्रू स्त्री० [सं.] आंखनी भमर. **०कुटि (–टी)** स्त्री० भवुं
भ्रूण पुं० गर्भमांनुं बाळक

म

मंगता(–न) पुं० मागण; भिखारी
मँगनी स्त्री० उछीनुं लेवुं ते (२) मागुं
मंगल पुं० [सं.] कल्याण; शुभ (२) मंगळ ग्रह के वार (३) वि० शुभ
मंगलसूत्र पुं० [सं.] मंगळनुं कांडे बंधातुं नाडुं (२) स्त्रीनुं मंगळसूत्र
मंगलाचरण पुं० [सं.] आरंभे मंगळ करवा गवातुं गीत के स्तुति
मंगलामुखी स्त्री० वेश्या
मंगली वि० मंगळ ग्रहनी कुंडळीवाळुं
मँगवाना, मँगाना स०क्रि० मंगाववुं
मँगेतर वि० जेनुं कोईने माटे मागुं थयुं होय तेवुं; मागुं करायेलुं
मंगोल पुं० (उत्तर एशियानी) माँगोल जाति
मंच,०क पुं० मंच; व्यासपीठ

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मंजन पुं० दंतमंजन(२)(प.)स्नान; मज्जन
मँजना अ०क्रि० मंजावुं(२)अभ्यास होवो
मंजना स०क्रि० (प.) मांजवुं
मंज़र पुं० [अ.] दृश्य [मांजर
मंजरी स्त्री० [सं.] कूंपळ (२) मोर;
मँजाई स्त्री० मांजवुं ते [मांजारी
मंजार पुं० बिलाडो. **–री** स्त्री० बिलाडी;
मंज़िल स्त्री० [अ.]मजल; उतारो; पडाव (२) मकाननो खंड. **–मारना**=दूर मजल करवी (२) भारे मोटुं काम करवुं; मुश्केली पार करवी
मंज़िलत स्त्री० [अ.] पद; होद्दो
मंजिष्ठा स्त्री०[सं.] मजीठ; एक औषधि
मंजीर पुं० [सं.] झांझर; नूपुर
मंजु,०ल वि०[सं.] सुंदर; रम्य
मंज़ूर वि०[अ.] स्वीकारेलुं; मंजूर. **–री** स्त्री० मंजूरी; संमति
मंजूषा स्त्री०[सं.] पेटी; डब्बो(२)मजीठ
मँझधार स्त्री० जुओ 'मझधार'
मँझला वि० मझलुं; वच्चेनुं
मँझा पुं० 'माँझा'; मांजो (२) वि० मध्यनुं. **–देना**=दोर पावो
मँझा(–झिया)ना स०क्रि० चालीने नदी पार करवी
मँझार(–रि) अ०(प.) वचमां; मोझार
मँझियाना स०क्रि० जुओ 'मँझाना'
मंड पुं०[सं.] भातनुं ओसामण; 'माँड'
मंडन पुं०[सं.] मांडवुं, सजीने गोठववु ते ('खंडन' थी ऊलटुं)
मंडप पुं० [सं.] मंडप; मांडवो
मंडर पुं० (प.) जुओ 'मंडल'
मंडरना स०क्रि०(प.)चारे बाजुथी घेरवुं
मँडरा(–ला)ना अ०क्रि०चक्कर चक्कर घूमवुं (२) चोतरफ फरवुं
मंडल पुं०[सं.] मंडळ; गोळ; चक्र (२) मंडळी; समूह. **–लाकार** वि० गोळ
मँडलाना अ०क्रि० जुओ 'मँडराना'
मंडली स्त्री० मंडळी; टोळी (२) पुं० वडनुं झाड (३) सूर्य
मंडलीक पुं० मांडळिक; राजा
मँड़वा पुं० मांडवो; मंडप
मंडित वि० [सं.] सज्ज; शणगारेलुं
मंडी स्त्री० हाट; मोटुं वजार. **–लगना**= वजार भरावुं
मँड़ुआ पुं० एक जातनुं धान
मंडूक पुं० [सं.] देडको; 'मेंढक'
मंत पुं० (प.) मंत्रणा; सलाह (२) मंत्र
मंतव्य पुं०[सं.] मत; विचार; मान्यता
मंतिक़ पुं० [अ.] तर्कशास्त्र
मंत्र पुं०[सं.] मंत्रणा; सलाह (२) मंत्र (जपनो, वेदनो इ०)
मंत्रणा स्त्री० [सं.] सलाह; मसलत
मंत्री पुं०[सं.]सलाहकार;मसलत करनार (२) सचिव; प्रधान. **०मंडल** पुं० प्रधान-मंडळ; कॅबिनेट
मंथन पुं० [सं.] वलोववुं ते (२) ऊंडी विचारणा के चिंतन
मंथर वि०[सं.] मंद; सुस्त; जड (२) पुं० माखण (३) दूत
मंद वि०[सं.] धीमुं (२) ढीलुं (३) ओछुं; नबळुं (४) [फा.] '–वाळुं' अर्थनो प्रत्यय, जेम के अक़्लमंद [एक वाजुं
मँदरा,–ला वि० ठींगणुं; गट्टुं (२) पुं०
मंदा वि० मंद; धीमुं के ढीलुं (२) सस्तुं (३) हलकी जातनुं [आकाशगंगा
मंदाकिनी स्त्री० [सं.] एक नदी (२)
मंदाग्नि स्त्री०[सं.] मंद पाचनशक्ति
मंदिर पुं० [सं.] घर (२) देवमंदिर

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मंदी स्त्री० भावतालनी मंदी; सस्ताई
मंद्र पुं० [सं.] त्रण स्वर-सप्तकमांनुं पहेलुं सप्तक (२) वि० गंभीर (ध्वनि)
मंशा पुं०[अ.] मनीषा; इच्छा (२) आशय
मंसब पुं०[अ.] पद; होद्दो (२) कार्य
मंसा स्त्री० जुओ 'मंशा'
मंसूख़ वि०[अ.] रद करेलुं; बातल
मअदिन पुं० [अ.] धातुनी खाण
मअदिनियात स्त्री०[अ.] खनिज; धातु
मअबूद पुं० [अ.] आराध्य; ईश्वर
मअरूज़ वि०[अ.] अरज करेलुं; निवेदित
मअलूल वि० [अ.] तर्कसिद्ध (२) पुं० निष्कर्ष; सार
मआज़-अल्लाह श०प्र० [अ.] ईश्वर [रक्षा करे
मआनी पुं०[अ.] मायनो; अर्थ; उद्देश
मआश स्त्री०[अ.] आजीविका; निर्वाह
मआशरत स्त्री० [अ.] समूहजीवन
मई स्त्री० मे महिनो
मक(-का)ई स्त्री० मकाई
मकड़ा पुं० मोटी 'मकड़ी'
मकड़ी स्त्री० करोळियो
मकतब पुं० [अ.] मदरेसा; निशाळ
मक़तल पुं० [अ.] कतलनुं स्थान
मक़ता पुं० [अ०] मकतो; गझलनी छेल्ली कडी
मक़तूब पुं० [अ.] पत्र; लेख (२) वि० [लखेलुं
मक़तूल वि० [अ.] कतल करायेलुं (२) प्रेमी
मकदूनिया पुं०(सिकंदरनो मेसिडोनिया) [प्रदेश
मक़दूर पुं० [अ.] मगदूर; शक्ति
मक़नातीस पुं० [अ.] चुंबक पथ्थर
मकफ़ूल वि० [अ.] गीरो राखेलुं
मक़बरा पुं० [अ.] मकबरो; रोजो
मक़बूज़ा वि० [अ.] कबजे करायेलुं; वश
मक़बूल वि० [अ.] कबूलेलुं; मानेलुं (२) सरस; प्रिय; पसंद करायेलुं. -लियत स्त्री० लोकप्रियता
मकरंद पुं० [सं.] पराग; फूलनुं केसर -मध (२) भ्रमर
मकर पुं० [सं.] मगर के ते राशि (२) माछली (३) [फा.] जुओ 'मक्र'. ०ध्वज पुं०कामदेव. ०संक्रांति स्त्री० उतराण
मक़रूज़ वि० [अ.] करजदार
मकरूह वि० [अ.] घृणापात्र; गंदुं ने खराब; नापाक
मक़लूब वि० [अ.] ऊंधुं; ऊलटुं
मक़सद पुं० [अ.] मकसद; मुराद; आशय
मक़सूद वि० [अ.] धारेलुं; अभिप्रेत
मक़सूम वि० [अ.] विभक्त; वहेंचायेलुं (२) पुं० तगदीर
मकाद स्त्री० [अ.] पूंछडुं; गुदा
मकान पुं० [अ.] रहेवानुं घर (२) इमारत. -नात पुं० व०व० [अ.]
मक़ाम पुं० [अ.] मुकाम; स्थान
मकाफ़ात स्त्री० [अ.] पापनुं फळ (२) बदलो [करारनामुं
मक़ाला पुं० [अ.] ग्रंथ (२) प्रकरण (३)
मकु अ० (प.) भले; चाहे
मकुना पुं० दांत वगरनो हाथी (२) मूछ वगरनो-बडमूछो माणस
मकूला पुं० [अ.] कहेवत; उखाणो
मकोड़ा पुं० मंकोडो
मकोय स्त्री० एक औषधि
मक्कर पुं० जुओ 'मकर, मक्र'; दगो
मक्का पुं० मकाई (२) मक्का नगरी
मक्कार वि०[अ.] फरेबी; दगाबाज; मक्करबाज. (नाम, -री स्त्री०)
मक्खन पुं० माखण

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मक्खी स्त्री० माखी. **०कागज़** पुं० माखो मारवानो एक कागळ **०चूस** वि० कंजूस. **–छोड़ना हाथी निगलना**= नानी भूलथी वचवुं पण क्यांक मोटी करी बेसवुं. **–मारना**=माखो मारवी; नवरा बेसी रहेवुं

मक्र पुं० [अ.] 'मकर'; फरेब; दगो

मक्षिका स्त्री० [सं.] माखी

मख पुं० [सं.] यज्ञ

मख़ज़न पुं०[अ.] खजानो (२) शब्दकोष

मख़तूल पुं० काळुं रेशम. **–ली** वि० तेनुं बनेलुं

मख़दूम पुं० [अ.] शेठ; स्वामी; सेव्य

मख़दूश वि० [अ.] जोखम भरेलुं

मखन पुं० (प.) माखण. **–निया** पुं० माखण वेचनार (२) वि० माखण काढी लीधेलुं (दूध)

मख़फी वि० जुओ 'मख़्फी'

मख़मल स्त्री०[अ.] मखमल कपडुं. **–ली** तेनुं बनेलुं के तेना जेवुं

मख़मसा पुं०[अ.] प्रश्न के प्रसंग; झघडो

मख़मूर वि० [अ.] नशामां चकचूर

मख़रज पुं०[अ.] मूळ; ऊगम (२) शब्दनी व्युत्पत्ति (३) मों [सृष्टि

मख़लूक़ वि०[अ.] रचेलुं; सृष्ट (२) स्त्री०

मख़लूकात स्त्री०[अ.] सृष्टिनां जीवजंतु

मख़लूत वि० [अ.] मिश्र

मख़सूस वि० [अ.] खास; विशेष

मख़ौल पुं० मश्करी; ठठ्ठो

मख़ौलिया पुं० मश्करो

मख़्फ़ी वि० [अ.] छूपुं; गुप्त

मग पुं० (प.) मार्ग; रस्तो

मग़ज़ पुं० मगज (भेजुं; फळनो गर); **–खाना, –चाटना** = मगज खावुं; भेजुं पकववुं. **०चट** वि० मगज खानारुं; बोली बोलीने हेरान करनारुं. **०चट्टी, ०पच्ची** स्त्री० मगजमारी; माथाझीक

मग़ज़ी स्त्री० मुगजी; गोट [लाडु

मगदल पुं० मगदळ; मगनो के अडदनो

मगन वि० मग्न; लीन; डूबेलुं (२) खुश; राजी

मग़फ़रत स्त्री० [अ.] क्षमा; माफी

मग़फ़ूर वि० [अ.] मृत; स्वर्गस्थ

मग़मूम वि० [अ.] दुःखी; व्यथित; उदास

मगर पु० मगर प्राणी. **०मच्छ** पुं० मगर (२) मोटो मच्छ

मगर अ० [फा.] पण; परंतु

मग़रिब पुं० [अ.] पश्चिम दिशा. **–की नमाज़**=सांजनी नमाज. **–बी** वि० पश्चिमनुं

मग़रूर वि० [अ.] मगरूर; अभिमानी (नाम, **–री**)

मग़लूब वि० पराजित; हारेलुं; दबायेलुं

मगस स्त्री० [अ.] माखी (२) मधमाख

मगस(–सि)र पुं० मागशर मास

मग़्ज़ पुं० [अ.] मगज; भेजुं. **०चट्टी, ०पच्ची** स्त्री० मगजमारी. **०रोशन** स्त्री० छींकणी

मग़्ज़ी स्त्री० जुओ 'मग़ज़ी'

मग्न वि० [सं.] तन्मय; लीन (२) डूबेलुं

मघवा पुं० [सं.] इंद्र [पीडा

मचक स्त्री० दबाववुं ते के तेथी थती

मचकना स०क्रि० जोरथी हलाववुं के दबाववुं जेथी 'मच मच' थाय

मचना अ०क्रि० शोरबकोरवाळुं काम शरू थवुं (२) फेलावुं; मचवुं; जामवुं

मचल स्त्री० हठ

मचलना अ०क्रि० हठ करवी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मचला वि० जिद्दी (२) जाणीबूजीने न बोले एवुं; मींढुं

मचलाना अ०क्रि० ऊलटी थवा जेवुं लागवुं (२) स०क्रि० 'मचलना'नुं प्रेरक

मचवा पुं० खाटलो के तेनो पायो (२) मछवो; नाव

मचान स्त्री० शिकारनी मांची के खेतरनो माळो

मचाना स०क्रि० मचाववुं; जमाववुं (कर्मणि, **मचना**)

मचिया स्त्री० पलंगडी

मच्छ पुं० मच्छ; मोटुं माछलुं

मच्छड़(–र) पुं० मच्छर. **०दानी** स्त्री० 'मसहरी'; मच्छरदानी

मच्छी, मछली स्त्री० माछली

मच्छी(–छली)मार पुं० माछी

मछवा पुं० माछीनो मछवो–होडी

मछुआ(–वा), मछेरा पुं० माछी

मजकूर(–रा), मजकूर ए बाला वि० [अ.] उपरोक्त; आगळ कहेलुं; मजकूर

मज़कूरी पुं० [फा.] समन्स बजावनार पटावाळो के बेलीफ (२) गामनी सामान्य सहियारी जमीन

मज़दूर पुं० [फा.] मजूर. **०नी,–रिनी** स्त्री० मजूरण. **–री** स्त्री० मजूरी

मजनूँ वि० [अ.] मजनू; प्रेमघेलुं (२) दूबळा शरीरनुं [वधस्थान

मजबह पुं० [अ.] झबे करवानी जगा;

मज़बूत वि० [अ.] दृढ; मजबूत (२) हृष्टपुष्ट; बळवान; तगडुं. **–ती** स्त्री०

मजबूर वि०[अ.] लाचार; अवश. **०न्** अ०[अ.] लाचारीथी; नछूटके. **–री** स्त्री० लाचारी; नाछूटको

मजमा पुं०[अ.] भीड के भीडनी जगा

मजमूआ पुं० [अ.] संग्रह (२) वि० संघरेलुं. **०जाबिता दीवानी** पुं० दीवानी केसना विधिनो कायदो; 'सिविल प्रोसीजर कोड'. **०जाबिता फ़ौजदारी** पुं० फोजदारी कामोना विधिनो कायदो; 'क्रिमिनल प्रोसीजर कोड'

मजमूई वि० [अ.] कुल; बधुं

मज़मून पुं०[अ.] लेख के तेनो विषय. **–बाँधना** = गद्यपद्यमां नवुं लखवुं. **–मिलना, –लड़ना** = बे जणनी कृतिना भाव मळता आववा

मज़रअ पुं० [अ.] खेतर (२) गाम

मजरिया वि० चालु; जारी

मज़रूआ वि०[अ.] खेडीने वावेलुं (खेतर)

मज़रूह वि० [अ.] घायल; जखमी

मजल स्त्री० जुओ 'मंज़िल'; पडाव. **–मारना**=लांबुं चालवुं (२) भारे काम करी पाडवुं

मजलिस स्त्री०[अ.] सभा; मंडळी (२) नाचनो जलसो (३) मिजलस. **–सी** वि० सभा संबंधी (२) पुं० सभासद

मज़लूम वि०[अ.] जुलमनुं भोग बनेलुं

मज़हका पुं० [अ.] मजाक; हांसी

मज़हब पुं० [अ.] धर्म; संप्रदाय

मज़हबी वि० [अ.] धार्मिक (२) पुं० भंगीकाम करनार शीख

मजहूल वि०[अ.]सुस्त;आळसु (२)थाकेलुं (३) अप्रसिद्ध (४) [व्या.] सह्य (भेद)

मज़ा पुं०[फा.] स्वाद (२) आनंद; सुख (३) मजाक. **–चखाना** = गुना बदल सजा करवी [स्वाद

मज़ाक़ पुं० [अ.] मजाक (२) रुचि;

मज़ाक़न् अ० [अ.] मजाकमां; हांसीमां

मज़ाकिया वि० [अ.] मजाकी; मश्करुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मजाज वि० [अ.] बनावटी (२) पुं० अधिकार; हक [प्रमाणे
मजाजन् अ० [अ.] नियमसर; कायदा
मजाज़ी वि० [अ.] बनावटी (२) सांसारिक
मज़ार पुं० [अ.] कबर; समाधि के मकबरो
मजारि, -री स्त्री० (प.) मांजारी; बिलाडी [बळ; मगदूर
मजाल स्त्री० [अ.] मजाल; ताकत;
मज़ाहिब पुं० [अ.] 'मज़हब' नुं ब०व०
मजिस्टर, मजिस्ट्रेट पुं० [इं.] मॅजिस्ट्रेट
मजिस्ट्रेटी स्त्री० मॅजिस्ट्रेटनुं पद के तेनी कचेरी
मजीठ स्त्री० मजीठ; एक औषधि. **-ठी** वि० मजीठियुं; लाल
मजीद वि० [अ.] पवित्र (२) वडुं (३) पुं० कुरान [अधिक
मज़ीद पुं० [अ.] अधिकता (२) वि०
मजीरा पुं० मंजीरो [-री'
मजूर पुं०, **-री** स्त्री० जुओ 'मजदूर,
मज़ेदार वि० [फा.] मजानुं (२)स्वादिष्ट (३) सरस. **-री** स्त्री० स्वाद; मजा
मज्जन पुं० [सं.] स्नान [मज्जा
मज्जा स्त्री० [सं.] हाडकांनी अंदरनी
मझधार स्त्री० (नदीनी) मध्य धारा (२) मध्य; वच
मझला वि० मझलुं; वच्चेनुं
मझाना अ०क्रि० दाखल थवुं; पेसवुं
मझार अ० (प.) मोझार; मध्ये
मझियारा वि० (प.) मझलुं; वचलुं
मझोला वि० मझलुं; वचलुं (२) मध्यम कदनुं
मझोली स्त्री० एक जातनी बळदगाडी
मटक स्त्री० चाल; गति (२) मटको; लटकमटक
मटकना अ०क्रि० मटको करीने चालवुं (२) आंख मटमटाववी
मटका पुं० मटकुं; माटलुं
मटकी स्त्री० मटकी; माटली (२) मटको; चाळो
मटकीला वि० लटकमटकवाळुं
मटमँगरा पुं० वरध जेवो एक लग्नविधि
मटमैला वि० माटीना रंगनुं
मटर पुं० वटाणा
मटरगश्त पुं०, **-श्ती** स्त्री० सहेल-सपाटो (२) फरवुं ते; सहेल
मटियाना स०क्रि० माटीथी मांजवुं (२) माटीथी ढांकवुं (३) वात टाळवी; ध्यान पर न लेवी
मटियाफूस वि० साव फूस – नबळुं
मटियामसान, मटियामेट वि० सत्यानाश; नष्टप्राय; 'मलियामेट'
मटियाला, मटीला वि० जुओ 'मटमैला'
मटुका पुं० मटकुं. **-किया, -की** स्त्री० मटकी
मट्टी स्त्री० 'मिट्टी'; माटी
मट्ठर वि० सुस्त; जड
मट्ठा, मठा पुं० छाश [धाम
मठ पुं०[सं.] साधु संन्यासीनो निवास–
मठरना पुं० सोनी कंसारानुं एक ओजार
मठा पुं० जुओ 'मट्ठा'
मठाधीश पुं०[सं.] मठनो मुख्य – महंत
मठिया स्त्री० नानो मठ; 'मठी' (२) एक जातनी चूडी
मठी स्त्री० नानो मठ (२) पुं० मठाधीश
मठोर स्त्री० वलोणानी गोळी
मड़ई स्त्री० नानो मांडवो; पर्णकुटी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मड़वा पुं० 'मँड़वा'; मांडवो
मड़आ पुं० जुओ 'मँड़आ'
मड़ैया स्त्री० जुओ 'मड़ई'
मढ़ वि० अडियल (२) पुं० मठ
मढ़ना स०क्रि० मढवुं [प्रेरक
मढ़वाना, मढ़ाना स०क्रि० 'मढ़ना' नुं
मढ़ाई स्त्री० मढामण
मढ़ी स्त्री० मढी; झूंपडी (२) नानो मठ
मणि स्त्री०[सं.] मणि; रत्न. ०धर पुं० साप. ०बंध पुं० कांडुं
मतंग पुं०[सं.] हाथी (२) वादळ. –गी पुं० हाथीनो सवार [पंथ
मत पुं०[सं.] मत; अभिप्राय (२) संप्रदाय;
मत अ० ना; नहि (२) स्त्री० (प.) जुओ 'मति' [दृढ; पाकुं
मतन पुं० [अ.] मध्य भाग (२) वि०
मतबख़ पुं० [अ.] रसोडुं
मतबा पुं० [अ.] छापखानुं
मतब्ब पुं० [अ.] दवाखानुं
मतरूक वि० [अ.] छोडायेलुं; त्यक्त
मतलब पुं०[अ.] मतलब; आशय (२) अर्थ (३) स्वार्थ (४) संबंध; लेवादेवा. **–गाँठना,–निकालना**=मतलब काढवी, ते सरे एम करवुं. **–हो जाना**=मतलब सरवी (२) बूरा हाल थवा (३) खतम थई जवुं. **–बी** वि० स्वार्थी
मतला पुं०[अ.] पूर्व दिशा (२) गजलनी पहेली बे कडी. **–साफ़ होना**=आकाश चोख्खुं थवुं (२) मुश्केली दूर थवी
मतली स्त्री० ऊलटी थाय एवुं थवुं ते
मतलूब वि०[अ.] चाहेलुं; इष्ट; अभिप्रेत. **–बा** वि०स्त्री० माशूक
मतवार(-रा) (प.), **–ला** वि० मदमस्त; केफथी चकचूर (२) पागल
मतांतर पुं० [सं.] बीजो मत; मतभेद
माताधिकार पुं० [सं.] मत आपवानो हक. **–री** पुं० मतदार
मतानत स्त्री० [अ.] दृढता; मजबूती
मतालिब पुं० 'मतलब' नुं ब० व०
मति स्त्री० [सं.] बुद्धि (२) सलाह (३) इच्छा
मति, –ती अ० (प.) 'मत'; ना
मतीन वि० [अ.] दृढ; पाकुं
मतीरा पुं० तडबूच
मतेई स्त्री० (प.) सावकी मा
मत्कुण पुं० [सं.] माकण
मत्त वि० [सं.] मस्त; मदवाळुं; छकेल (२) प्रसन्न; खुश [नमवुं
मत्था पुं० माथुं. **–टेकना**=माथुं नमाववुं;
मत्सर पुं० [सं.] दाझ; ईर्षा (२) क्रोध. **–री** वि० ईर्षाळु
मत्स्य पुं० [सं.] माछलुं
मथन पुं० [सं.] मंथन; मथवुं ते
मथना स०क्रि० मथवुं; वलोववुं (२) नाश करवो (३) श्रमपूर्वक कांई करवुं
मथनी स्त्री० वलोणानी गोळी (२) वलोववुं ते के तेनुं साधन–वांस
मथवाह पुं० हाथीनो महावत
मथानी स्त्री० वलोववानो वांस. **–पड़ना, –बहना**=खळभळाट मचवो
मद स्त्री० [अ.] विभाग (२) खातुं (३) पुं० [सं.] मद (४) वि० मत्त; मदवाळुं
मदक स्त्री० अफीणना सत्त्वनो चलममां पीवानो एक पदार्थ
मदकची पुं० मदक पीनार
मदक(–ग)ल वि०[सं.] मत्त; 'मतवारा'
मदख़ल वि०[अ.] दाखल के जमा करेलुं
मदख़ूला स्त्री० [अ.] रखात

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मदद स्त्री० [अ०] मदद; सहाय. ०**गार** वि० सहायक

मदन पुं० [सं.] कामदेव

मदफ़न पुं० [अ.] कबर के कबरस्तान

मदफ़ून वि० [अ.] दाटेलुं; दफनावेलुं

मद(-दी)यून वि०[अ.] देवादार; ऋणी

मदरसा पुं० मदरेसा; शाळा

मदह स्त्री० [अ.] प्रशंसा; तारीफ

मद-होश वि० मदमत्त (नाम, -शी)

मदाखिल स्त्री० [अ.] आमदानी

मदाखिलत स्त्री०[अ.]अधिकार जमाववो ते(२) दखल करवी के रोकवुं ते. ०**बेजा** स्त्री० अनधिकार प्रवेश के दखल

मदार पुं० आकडो (२) [अ.] मदार; आधार (३) एक पीरनुं नाम

मदारात स्त्री० [अ.] 'मदार' नुं ब०व०

मदारी पुं० रींछ वानर इ०नो (सापनो नहि) खेल करनार; मदारी

मदिरा स्त्री० [सं.] दारू

मदीय वि० [सं.] मारुं

मदीयून पुं० जुओ 'मदयून'

मदीला वि० नशो चडे एवुं; केफी

मदोन्मत्त वि०[सं.] मदथी भरेलुं; मदांध

मद्द पुं०[अ.]भरती(२)स्त्री० 'मद';खातुं; विभाग. ०**व जज़र** पुं० भरतीओट

मद्देनज़र वि० [फा.] नजर सामे होय तेवुं; लक्षमां लीधेलुं

मद्धिम वि० मध्यम; साराथी ऊतरतुं

मद्धे अ० मध्ये; वचमां (२) (ते) विषे; बाबतमां, खाते

मद्य पुं०[सं.] दारू. ०**प** पुं० दारूडियो

मद्रसा पुं० [अ.] जुओ 'मदरसा'

मधु पुं०[सं.] मध (२) दारू (३) वि० मीठुं; गळ्युं. ०**कर** पुं० भमरो. ०**करी** स्त्री० भमरी (२) भिक्षा. ०**प** पुं० भमरो. ०**पर्क** पुं० पंचामृत. ०**मक्खी**; ०**मक्षिका** स्त्री० मधमाख. ०**र** वि० मीठुं (२) सुंदर; रुचिर (३) शांत; धीमुं; मंद. ०**राज** पुं० भमरो

मधुरिमा स्त्री० [सं.] मधुरता

मधूक पुं० [सं.] महुडो के महुडुं

मध्य पुं०[सं.] वच (२) वि० वचलुं. ०**म** वि० वचलुं (२) पुं० म स्वर (संगीत). ०**मा** स्त्री० वचली आंगळी. ०**वर्ती** वि० वचलुं; केन्द्रीय. ०**स्थ** पुं० तटस्थ; पंच (२) वि० मध्यमां आवेलुं

मध्याह्न पुं० [सं.] बपोर

मध्ये अ० [सं.] जुओ 'मद्धे'

मन पुं० मन; चित्त (२) मण (३) (प.) मणि (४) स्त्री० कूवानी फरती पाळ

मनका पुं० मणको (२)गरदननुं करोडनी तरत ज उपरनुं हाडकुं

मनक़ूला वि०स्त्री०[अ.] जंगम(मिलकत)

मनकूहा वि० [अ.] परणेतर (स्त्री)

मन-गढ़ंत वि० कपोल-कल्पित; कल्पी ज लीधेलुं (२) स्त्री० कल्पना ज मात्र

मनचला वि० हिंमतवान; नीडर (२) रसिक [इष्ट

मनचाहा, मनचीता वि० मनवांछित;

मनज़र पुं० [अ.] दृश्य; देखाव

मनन पुं० [सं.] चिंतन; ऊंडो विचार

मनफ़ी वि०[अ.] कमी के बाद करेलुं (२) (व्या.) नकारवाचक [गमतुं; प्रिय

मनभाया,-वता,-वन वि० (प.) मनने

मनमाना,-नता वि० मनगमतुं; फावतुं (२) मनमान्युं; खूब

मनमुटाव पुं० अणबनाव; वैमनस्य

मनमौजी वि० मोजी; लहेरी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मनशा स्त्री० [अ.] जुओ 'मंशा'
मनसब पुं०[अ.] पद; होद्दो (२) अधिकार. ०**दार** पुं० अधिकारी. -**बी** वि० पद संबंधी [अ० [सं.] मनथी
मनसा स्त्री० जुओ 'मनशा'; इच्छा (२)
मनसिज पुं० [सं.] कामदेव
मनसूख वि० [अ.] खोटुं ठरावेलुं; रद करेलुं (२) त्यक्त; छोडेलुं (नाम, -**खी**)
मनसूबा पुं०[अ.] युक्ति (२) मनसूबो; इरादो. -**बाँधना** = युक्ति विचारी राखवी; मनमां गोठवी राखवी
मनस्वी वि०[सं.] सारा मन के बुद्धिवाळुं (२) मक्कम मनवाळुं (३) मोजीलुं; 'मनमौजी'
मनहर वि० मनोहर; सुंदर
मनहुँ अ० (प.) मानो के; जेम के
मनहूस वि०[अ.] अशुभ; अपशुकनियाळ (२) उदास; खिन्न. -**सी** स्त्री०
मना वि० [अ.] मना करेलुं; निषिद्ध. ०**ई**, ०**ही** स्त्री० मनाई
मनाक्(-ग्) वि० [सं.] थोडुं
मनादी स्त्री० जुओ 'मुनादी'
मनाना स०क्रि० मनाववुं (२) स्वीकाराववुं
मनावन पुं० मनामणी; रूठेलाने मनाववुं ते
मनाही स्त्री० [अ.] मनाई; निषेध
मनिहार पुं० चुडगर. ०**न**,-**रिन**,-**री** स्त्री० चुडगर स्त्री
मनी स्त्री०[अ.] वीर्य (२) (प.) मान; अहंकार (३) मणि
मनी आर्डर पुं० [इं.] मनी ऑर्डर
मनीषा स्त्री०[सं.] बुद्धि (२) इच्छा. -**षी** पुं० बुद्धिमान; पंडित
मनुआँ(-वाँ) पुं० मन (२) मनुष्य
मनुज,-ष्य पुं० [सं.] माणस
मनुसाई स्त्री०(प.) माणसाई; पुरुषार्थ
मनुहार स्त्री० विनंती; प्रार्थना (२) मनाववुं-राजी करवुं ते (३) खुशामत
मनेजर पुं० [इं.] मॅनेजर; व्यवस्थापक
मनोकामना स्त्री०[सं.] इच्छा; मंछा
मनोगत वि०[सं.] मननुं; दिलमां आवेलुं (२) पुं० इच्छा; विचार (३) कामदेव
मनोज पुं० [सं.] कामदेव
मनोज्ञ वि० [सं.] मनोहर; सुंदर
मनोनीत वि०[सं.] पसंद करेलुं; चूंटेलुं; 'निर्वाचित'
मनोरंजक वि०[सं.] मनने राजी करे एवुं. -**न** पुं० विनोद; मननो राजीपो
मनोरथ पुं० [सं.] मनसूबो; इच्छा
मनोरम वि० [सं.] रम्य; सुंदर
मनोरा पुं० गोबरनां भींत-चित्र जेने शणगारी दिवाळी बाद स्त्रीओ त्यां गीत गाय छे ने खेले छे. ०**झूमक** पुं० एक प्रकारनुं गीत
मनोविकार पुं० [सं.] मननो भाव के वृत्ति या आवेग
मनोविज्ञान पुं० [सं.] मानसशास्त्र
मनोविश्लेषण पुं० [सं.] चित्तना भावोनी समीक्षा; 'साइको-एनेलिसिस'
मनोवृत्ति स्त्री० [सं.] मननी के चित्तनी वृत्ति-भाव
मनोव्यापार पुं० [सं.] चित्तनुं कामकाज
मनोहर, मनोहारी वि० [सं.] मनहर; सुंदर; आकर्षक
मनौती, मन्नत स्त्री० मानता; बाधा. -**उतारना या बढ़ाना** = मानता पूरी करवी. -**मानना** = मानता मानवी के राखवी
मन्जर पुं० [अ.] जुओ 'मनजर'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मन्नत स्त्री० जुओ 'मनौती'
मन्वंतर पुं० [सं.] एक मनुनो अधिकार-काल (२) दुकाळ
मन्सूख वि० [अ.] जुओ 'मनसूख'
मन्सूब वि० [अ.] संबंधवाळुं (२) जेनुं मागुं थयुं होय तेवुं
मन्सूबा पुं० [अ.] जुओ 'मनसूबा'
मफ़रूर वि० [अ.] 'फ़रारी'; नासी के भागी गयेलो (गुनेगार)
मफ़हूम पुं० [अ.] मुद्दो; वस्तु
मम स० [सं.] मारुं. ०**कार** पुं० पोतानी मालमता. ०**ता** स्त्री०, ०**त्व** पुं० मारापणुं; अहंकार (२) भाव; हेत (३) मोह
ममनून वि० [अ.] कृतज्ञ; आभारी; 'मश्कूर'
ममियाना अ०क्रि०(बकरीनुं) बें बें करवुं
ममिया ससुर पुं० मामोससरो
ममिया सास स्त्री० मामीसासु
ममियौरा पुं० मोसाळ
ममेरा भाई पुं० मामानो दीकरो
मम्बा पुं० [अ.] झरणुं (२) ऊगम
मयंक पुं० मृगांक; चंद्र
मयंद पुं० मृगेंद्र; सिंह
मय अ० [अ.] जुओ 'मैं'; साथे (२) स्त्री० [फा.] दारू. ०**कदा**, ०**खाना** पुं० दारूनुं पीठुं
मयगल पुं० (प.) मेगळ; मदगळतो हाथी
मयस्सर वि० [अ.] मळेलुं; प्राप्त
मया स्त्री० (प.) माया
मयार वि० (प.) मायाळु; दयाळु
मयूख पुं० [सं.] किरण (२) प्रकाश
मयूर पुं० [सं.] मोर
मरंद पुं० मकरंद; पराग
मरकज़ पुं० [अ.] केन्द्र; मध्यस्थान. **–ज़ी** वि० केन्द्रीय; मध्यस्थ; मुख्य
मरकत पुं० [सं.] एक जातनो हीरो
मरक़द पुं०[अ.] सूवानो ओरडो(२)कबर
मरकना अ०क्रि० दबावुं; दबाईने तूटवुं
मरकहा वि० मारकणुं (ढोर–पशु)
मरक़ूम(–मा) वि० [अ.] लखेलुं
मर(–ल)गजा वि० मेलुं; गंदुं; चूंथायेलुं (२) झांखुं
मरग़ूब वि० [अ.] प्रिय (२) सुंदर
मरग़ोल(–ला) पुं० [फा.] संगीतनी गिटकीडी
मरघट पुं० स्मशान [कुटेव
मरज़ पुं० [अ. मर्ज़] मरज; रोग (२)
मरजिया, मरजीवा पुं० मरजीवो (२) वि० मृतप्राय; अधमूउं (३) मरतुं बचेलुं
मरज़ी स्त्री०[अ.] मरजी; खुशी (२) आज्ञा (३) स्वीकार
मरण,–त पुं० [सं.] मोत; मृत्यु
मरतबा पुं०[अ.] मरतबो; मोभो (२) वारो; फेरो
मरतूब वि० [अ.] भीनुं
मरद पुं०(प.) मर्द; पुरुष. ०**ई,–दानगी** पौरुष. **–दाना** वि० मरद संबंधी
मरदुम पुं०[फा.] माणस. ०**शुमारी** स्त्री० वस्तीगणतरी. **–मी** स्त्री० मरदानगी
मरदूद वि० [अ.] नीच; तिरस्कृत
मरना अ०क्रि० मरवुं
मरन पुं०, **मरनी** स्त्री० मरण
मरनी-करनी स्त्री० अंत्येष्टि क्रिया
मरफ़ा पुं० [फा.] ढोल; मरफो
मरभुक्खा वि० जुओ 'भुक्खड़'
मरम पुं० मर्म; रहस्य
मरमर पुं०[अ.]संगेमरमर; आरसपहाण

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मरम्मत स्त्री०[अ.]मरामत; समारकाम. **–करना**=ठोकवुं; मारवुं
मरसा पुं० एक शाक–भाजी
मरसिया पुं०[अ.] मरसियो; राजियो (२) मरणशोक
मरहट पुं० (प.) 'मरघट'; स्मशान
मरहटा(–ठा) पुं० (स्त्री० **–ठिन**) मराठो; महाराष्ट्री. **–ठी** स्त्री० मराठी भाषा (२) वि० मराठा संबंधी
मरहबा अ० [अ.] शाबाश; वाह वाह
मर(–ल)हम स्त्री० [अ.] मलम
मरहला पुं० [अ.] जुओ 'मंज़िल'. **–तय करना**=कठण काम पूरुं करवुं
मरहून वि० [अ.] गीरो मूकेलुं
मरहूम वि० [अ०] स्वर्गस्थ
मराठा पुं० मराठो; महाराष्ट्री. **–ठी** स्त्री० मराठी भाषा
मरात स्त्री० [अ.] स्त्री
मरातिब पुं० [अ.] 'मरतबा' नुं ब०व० (२) क्रमिक अवस्थाओ; पगलां
मराल पुं० [सं.] हंस
मरिच पुं० [सं.] काळुं मरी. **–चा** पुं० लाल मरचुं [मा
मरियम स्त्री० [अ.] कुमारी (२) ईशुनी
मरियल वि० खूब दुर्बळ
मरी स्त्री० महामारी
मरीचि स्त्री०[सं.] किरण (२) पुं० एक ऋषि. ०**का** स्त्री० मृगजळ. **–ची** पुं० सूर्य (२) चंद्र
मरीज़ पुं० [अ.] बीमार; मांदो
मरीना पुं० मरीनो कापड
मरु पुं० [सं.] रणभूमि [मोभारो
मरुआ(–वा) पुं० डमरो (२) छापरानो
मरुत् पुं० [सं.] वायु
मरुद्विप पुं० [सं.] ऊंट
मरुद्वीप पुं० [सं.] रणद्वीप
मरुधर पुं० मारवाड [भूमि; रण
मरुभूमि, मरुस्थ(–थ)ल पुं० [सं.] मरु-
मरोड़ पुं० पेटमां मरडावानी पीडा (२) मरडावुं ते (३) क्रोध (४) गर्व. **–खाना** =चक्कर खावुं (२) गूंचवणमां पडवुं. **–गहना**=क्रोध करवो
मरोड़ना स०क्रि० मरडवुं; आमळवुं (२) दुःख देवुं; पीडवुं
मरोड़ा पुं० मरोड; वळ (२) चूंक; मरडो
मर्कट पुं० [सं.] मांकडुं; वांदरुं. **–टी** स्त्री० वांदरी
मर्ग पुं० [फा.] मरण
मर्गज़ार पुं० [फा.] लीलुं मेदान
मर्ज़ पुं० [अ.] रोग; बीमारी
मर्ज़ी स्त्री० [अ.] 'मरज़ी'
मर्तबा पुं० [अ.] जुओ 'मरतबा'
मर्तबान पुं० अथाणा इ० नी बरणी; 'अमृतबान' [माणस (३) पृथ्वी
मर्त्य वि० [सं.] मरणधर्मी (२) पुं०
मर्द पुं० [फा.] मरद; पुरुष, ०**क** पुं० मरद (तुच्छकारवाचक). **–र्दानगी** स्त्री० मरदानगी. **–र्दाना** वि० मरद विषेनुं. **–र्दी** स्त्री० मरदानगी
मर्दन पुं० [सं.] चोळवुं, मालिस करवुं ते (२) ध्वंस; नाश
मर्दानगी, मर्दाना, मर्दी जुओ 'मर्द' मां
मर्दुम पुं०[फा.] माणस. ०**शुमारी** स्त्री० [फा.] वस्तीगणतरी
मर्दुमी स्त्री० [फा.] मरदानगी
मर्म पुं०[सं.] रहस्य; भेद (२) शरीरनो नाजुक भाग. ०**ज्ञ** वि० मर्म जाणनार
मर्मर पुं० जुओ 'मरमर'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मर्मवचन पुं०[सं.] गूढ वचन (२) मर्ममां वागे एवुं वचन
मर्मी वि० मर्मज्ञ; मर्म जाणनार
मर्या(–र्य्या)द (प.), **–दा** [सं.] स्त्री० हद; सीमा (२) आबरू; रीत
मलंग पुं० [फा.] एक जातनो फकीर
मल पुं० [सं.] मळ; मेल; विकार
मलऊन वि० [अ.] निंद्य; शापित
मलक पुं० [अ.] देवदूत; फिरस्तो
मलका पुं०[अ.] प्रतिभा (२) दक्षता (३) स्त्री० महाराणी; बेगम; मलिका
मलखंभ, मलखम पुं० मलखम(कसरतनो)
मलगजा वि० जुओ 'मरगजा'
मल(–ला)गिरी पुं० आछो कथ्थई रंग
मलग़ोबा पुं० [तुर्की] गंदकी; मळ; मेल (२) कचरापटी
मलज़ूम वि० [अ.] आवश्यक; जरूरी
मलना स०क्रि० मसळवुं; मर्दन करवुं; घसवुं
मलफ़ूज़ पुं० [अ.] संतमहात्मा के धर्माचार्यनुं वचन
मलबा पुं० कचरापटी (२) रोडां मटोडुं वगेरे (भागेला मकाननो) काटरडो
मलबूस पुं० [अ.] पहेरवेश; पोशाक
मलमल स्त्री० मलमल वस्त्र
मलमास पुं० [सं.] अधिकमास
मलय पुं० [सं.] चंदन (२) केरळ के मलबार देश. ०ज पुं० चंदन. **–यानिल** पुं० मलयगिरिनो सुगंधी पवन
मलवाना स०क्रि० चोळाववुं; घसाववुं
मलहम पुं० जुओ 'मरहम'; मलम
मलाई स्त्री० दूधनी मलाई (२) सार; तत्त्व (३) 'मलना' परथी नाम
मलाट पुं० जाडो पूठानो (ब्राउन) कागळ
मलामत स्त्री० [अ.] वढवुं ते (२) गंदगी; कचरो
मलार पुं० मल्हार राग
मलाल पुं०[अ.] दुःख (२) उदासीनता
मलाह पुं० (प.) 'मल्लाह'; नाविक
मलाहत स्त्री० [अ.] शामळापणुं (२) चहेरानी कान्ति
मलिंद पुं० (प.) भमरो
मलिक पुं० [अ.] राजा (स्त्री० **–का**)
मलिन वि० [सं.] मेलुं; गंदुं (२) पापी (३) धीमुं; म्लान
मलियामेट पुं० सत्यानाश; खुवारी
मलीदा पुं०[फा.] मलीदो; चूरमुं (२) मुलायम ऊननुं एक कापड
मलीन वि० (प.) मलिन
मलूल वि०[अ.] दुःखी; शोकातुर; खिन्न (२) मांदुं; बीमार (३) थाकेलुं
मलेरिया पुं० [इं.] टाढियो ताव
मलोला पुं० दुःख (२) चिंता. **मलोले आना** = दुःख के पस्तावो थवो. **–खाना** = सहवुं; खमवुं
मल्ल पुं०[सं.]मल; कुस्तीबाज पहेलवान. ०भूमि, ०शाला स्त्री० अखाडो. ०युद्ध पुं० कुस्ती
मल्लार पुं० [सं.] मल्हार राग
मल्लाह पुं०[अ.] माछी के होडीवाळो. **–हिन** स्त्री० माछण. **–ही** स्त्री० माछीनो धंधो (२) वि० माछी विषेनुं
मल्हराना, मल्हाना, मल्हारना स०क्रि० मलाववुं; लाड लडाववां
मवक्किल पुं० [अ. मुवक्किल] असील
मवाजिब पुं० [अ.] नियमश्री मळे ते –गळतर, जेम के पगार
मवाज़ी वि० [अ. मुवाज़ी] कुल

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मवाद पुं० [अ.] पाच; परु (२) रद्दी के गंदो भाग
मवास पुं०[सं.] आश्रय के रक्षानुं स्थान (२) किल्लो; गढ [किल्लेदार
मवासी स्त्री० नानो गढ (२) पुं०
मवेशी पुं० [अ.] ढोर; जानवर
मवेशीखाना पुं० ढोरनो तबेलो
मशक पुं०[सं.] मच्छर (२) स्त्री०[फा.] पाणीनी मशक. ०**कुटी** स्त्री० मच्छर माटेनी चमरी.०**हरी** स्त्री०मच्छरदानी
मशकूक वि०[अ.] शकवाळुं; संदिग्ध
मशकूर वि०[अ.] कृतज्ञ; 'मश्कूर'
मशक़्क़त स्त्री० [अ.] महेनत; मजूरी; तकलीफ; मशागत
मशग़ला पुं० [अ.] विनोद; मनरंजन
मशग़ूल वि० [अ.] मशगूल; काममां रोकायेलुं-मग्न (नाम, -**ली** स्त्री०)
मशरफ़ पुं० [अ.] ऊंचुं प्रतिष्ठानुं स्थान
मशरिक़ पुं० [अ.] पूर्व दिशा (वि० -**की**)
मशरू पुं० एक जातनुं कपडुं
मशवरत स्त्री० **मशव(-वि)रा** पुं० [अ.] सलाह; मसलत
मशहूर वि० [अ.] जाणीतुं; प्रसिद्ध
मशा(-सा)न पुं० मसाण; स्मशान
मशाल स्त्री० [अ.] मशाल. ०**ची** पुं० मशालवाळो [शेखी; गर्व
मशीख़त स्त्री० [अ.] वडीलपणुं (२)
मशीन स्त्री० [इं.] यंत्र; 'कल'
मशीर पुं० [अ.] सलाहकार
मश्क स्त्री० [फा.] मशक; पखाल
मश्क़ स्त्री० [अ.] महावरो; अभ्यास
मश्कूर वि० [अ.] कृतज्ञ; आभारी; 'ममनून' [के अभ्यासवाळुं
मश्शाक़ वि० [अ.] कुशळ (२) महावरा
मस पुं० मच्छर (२) [अ.] स्पर्श (३) स्त्री० ऊगती मूछ. -**भींजना**=मूछनो वाळ फूटवो
मसक पुं० (२) स्त्री० जुओ 'मशक' (३) स्त्री० फसकी के फाटी जवुं ते
मसकना स०क्रि० जोरथी दबाववुं जेथी वस्तु फसकी-फाटी जाय (२) अ०क्रि० फसकी जवुं; फाटवुं
मसकरा पुं० मश्करो; 'मसख़रा'
मसक़ला पुं० -**ली** स्त्री० मसकलो; 'मिस्कला'
मसका पुं० [फा.] मसको; माखण (२) ताजुं घी (३) दहींनुं पाणी
मसकीन वि० (प.) जुओ 'मिसकीन'
मसख़रा पुं० जुओ 'मस्ख़रा'. -**री** स्त्री० मश्करी
मसजिद स्त्री० [अ]. मस्जिद
मसनद स्त्री० [अ.] मोटो तकियो (२) (अमीरनी) गादी [चीज
मसनूअ पुं० [अ.] कारीगरीनी बनावेली
मसनूई वि० [अ.] बनावटी; नकली
मसदर पुं० [अ.] मूळ; ऊगम (२) क्रियापदनो धातु
मसरफ़ पुं० [अ.] उपयोगिता
मसरूक़ा वि० [अ.] चोरीनुं; चोरेलुं
मसरूफ़ वि०[अ.]मशगूल;काममां लागेलुं
मसरूर वि० [अ.] प्रसन्न; खुश
मसल स्त्री० [अ.] कहेवत; लोकोक्ति
मसलख़ पुं० [अ.] कतलखानुं
मसलन् अ० [अ.] दाखला तरीके
मसलना स०क्रि० मसळवुं (२) गूंदवुं
मसलहत स्त्री०[अ.] मसलत; संतलस; गुप्त सलाह करवी ते
मसलहतन् अ०[अ.] सलाहभेर; समजीने

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मसला पुं०[अ.]विचारवानो विषय; प्रश्न
मसविदा पुं० मसूदो; खरडो; 'मसौदा'. **–बाँधना** = युक्ति के उपाय रचवो
मसहरी स्त्री० मच्छरदानी
मसा पुं० मसो (२) मच्छर
मसाइब पुं० [अ.] 'मुसीबत' नुं ब०व०
मसान पुं० मसाण; श्मशान (२) भूत-पिशाच. **–जगाना**=स्मशानमां शवनो विधि करवो. **–पड़ना**=शून्यकार थवुं
मसाना पुं० [अ.] मूत्राशय
मसानिया पुं० मशाणियो; चंडाळ
मसानी स्त्री० डाकण
मसाफ़ पुं०[अ.] युद्ध (२) रणक्षेत्र
मसाफ़त स्त्री०[अ.] अंतर; फासलो (२) श्रम [रोमकूप
मसाम पुं० [अ.] चामडी परनुं छिद्र;
मसायल पुं० [अ.] 'मसला' नुं ब०व०; प्रश्नो; समस्याओ
मसालहत स्त्री० मेळ के संधि करवी ते
मसाला पुं० [फा.] साधनसामग्री (२) मसालो. **–लेदार** वि० मसालावाळुं; स्वादिष्ट [मापणी (२) मापवुं ते
मसाहत स्त्री० [अ.] मसात; जमीन-
मसि स्त्री० [सं.] शाही (२) काजळ; मेंश. **०दानी** स्त्री०, **०पात्र** पुं०शाहीनो खडियो. **०बिंदु** पुं० नजर न लागे ते माटे करातुं मेंशनुं टपकुं
मसिय(–या)र पुं० (प.) मशाल. **–रा** पुं० मशालची
मसीत(–द) स्त्री० मसीद
मसीह(–हा) पुं० [अ.] ईशु ख्रिस्त (२) जीवनदाता ['मसीह' नुं पद के कार्य
मसीहाई, मसीही पुं० ख्रिस्ती (२)स्त्री०
मसूड़ा(–रा) पुं० दांतनुं पेढुं
मसूर पुं०, **मसूरा** स्त्री० [सं.] मसूरनी दाळ [ओरी
मसूरी(–रिका,–रिया) स्त्री० बळिया;
मसूस, ०न (प.) स्त्री० व्यथा; पीडा
मसू(–सो)सना अ०क्रि०मनमां पीडावुं; अन्दर व्यथा थवी (२) अमळावुं (३) स०क्रि० आमळवुं (४) निचोववुं
मसौदा पुं० मसूदो; खरडो. **–गाँठना, –बाँधना** = कोई काम करवानी युक्ति के योजना विचारवी
मसौदेबाज़ पुं० युक्तिबाज; चालाक
मस्कन पुं० [अ.] मकान; घर
मस्करा (प.), **मस्ख़रा** पुं० [अ.] मश्करो
मस्त वि० [फा.] मग्न; खुश; प्रसन्न (२) मदथी मस्त
मस्तक पुं० [सं.] माथुं
मस्तगी स्त्री० [अ.] एक जातनो गुंदर
मस्ताना अ०क्रि० (२) स०क्रि० मस्त थवुं के करवुं (३) वि० [फा.] मस्तानुं
मस्तिष्क पुं० [सं.] भेजुं; मगज
मस्ती स्त्री० [फा.] मस्त थवुं के होवुं ते; मद (२) पशु के वनस्पतिमांथी अमुक जे स्राव थाय छे ते
मस्तूर वि० [अ.] गुप्त; छूपुं
मस्तूरात स्त्री०[अ.]स्त्रीओ(२)सन्नारीओ
मस्तूल पुं०[पो.] वहाणनो कूवास्तंभ; मुख्य स्तंभ
मस्सा पुं० मसो के मसानो रोग
महँ(–हुँ) अ० (प.) मां; महीं
महँगा वि० मोघुं (नाम, **–गाई** स्त्री०)
महँगी स्त्री० मोंघवारी (२) दुकाळ
महंत पुं० मठाधीश (२) वि० श्रेष्ठ. **–ती** स्त्री० महंतनुं पद
मह वि०(प.) महा (२) अ० जुओ 'महँ'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

महक स्त्री० महेक; वास (अ०क्रि० **महकना**; वि० **महकदार, महकीला**)
महकमा पुं० [अ.] खातुं; विभाग
महकीला वि० महेकवाळुं [आधीन
महकूम (-मा) वि० [अ.] हुकममां आवतुं;
महज़ वि० [अ.] शुद्ध (२) अ० मात्र; केवळ
महज़-क़ैद स्त्री० [अ.] सादी सजा; आसान केद
महज़र पुं० [अ.] सूचनापत्र; नोटिस
महत् वि० [सं.] मोटुं; महान
महता पुं० गामनो मुखी (२) महेतो; मुनशी; लखनार
महताब स्त्री० [फा.] चांदनी (२) पुं० चंद्र
महताबी स्त्री० [फा.] महताब; एक दारूखानुं (२) चांदनीमां बेसवा जेवो चोतरो (बाग के तळाव पासेनो)
महतारी स्त्री० माता
महत्त्व पुं०, **-त्ता** स्त्री० मोटाई; श्रेष्ठता
महदी पुं० [अ.] मार्गदर्शक (ईमाम)
महदूद वि० [अ.] हद बांधेलुं; मर्यादित
महफ़िल [अ.] महेफिल; जलसो
महफ़ूज वि० [अ.] सुरक्षित
महबस पुं० [अ.] जेल; केदखानुं
महबूब वि० [अ.] महेबूब; प्यारुं. (**-बा** वि० स्त्री०. नाम, **-बियत, -बी** स्त्री०)
महमह अ० मघमघ. **-हाना** अ०क्रि० मघमघवुं; महेकवुं. **-हा** वि० मघमघतुं
महमूद वि० [अ.] स्तुति पामेलुं; प्रशस्त. **-दी** स्त्री० एक जातनुं मलमल कपडुं (२) एक जूनो सिक्को
महमेज़ स्त्री० [फा. मिहमेज़] मिहमेज; घोडेसवारनी एडीनी लोढानी रेख
महर पुं० मुखी; मोटा (आदरवाचक शब्द) (२) [अ.] मुसलमानोमां वर कन्याने आपे ते देज के पल्लुं (३) वि० (प.) महेकतुं; मघमघतुं
महरम पुं० [अ.] नजीकनो सगो के मित्र (२) विवाहसंबंध न थई शके एवुं सगुं (३) स्त्री० स्त्रीना कबजानो छातीनो भाग
महरा पुं० कहार; पालखी ऊंचकनार (२) वि० मुख्य; प्रधान
महराज, -जा पुं० महाराज, -जा
महराब स्त्री० महेराब; कमान
महरी स्त्री० 'महरा' नुं स्त्री०
महरू वि० [फा.] चंद्रवदन
महरूम वि० [अ.] वंचित (२) कमनसीब. **-मी** स्त्री०
महर्षि पुं० [सं.] मोटा ऋषि
महल पुं० [अ.] महेल (२) अंतःपुर (३) मोटो ओरडो (४) अवसर; मोको (५) पत्नी; बेगम
महलसरा स्त्री० [अ.+फा.] जनानखानुं
महली पुं० [अ.] अंतःपुरनो चोकीदार; व्यंढळ
महल्ला पुं० [अ.] महेल्लो
महशर पुं० [अ.] कयामतनो दिवस. **-बरपा करना** = भारे आंदोलन करवुं
महसूल पुं० [अ.] जमीन महेसूल (२) कर (३) भाडुं [पडेलुं
महसूस वि० [अ.] अनुभवेलुं; मालूम
महसूसात स्त्री० ब०व० [अ.] जाणी के अनुभवी शकाय एवा पदार्थो
महा वि० मोटुं; महान; श्रेष्ठ
महाजन पुं० [सं.] महापुरुष (२) धनवान (३) शराफ (४) वाणियो
महाजनी स्त्री० शराफनो धंधो (२) शराफना चोपडानी एक लिपि

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

महात्मा पुं०[सं.] महा मोटो साधु पुरुष (२) संन्यासी
महान वि० [सं.] मोटुं; विशाळ
महानिद्रा स्त्री० [सं.] मोत; मृत्यु
महानिशा स्त्री० [सं.] मधरात (२) प्रलयरात्रि
महानुभाव पुं०[सं.] महापुरुष; महाशय
महापथ पुं०[सं.] राजमार्ग (२) मरण
महाप्रसाद पुं०[सं.] जगन्नाथनो प्रसाद–भात (२) मांस [गाळवो ते
महाप्रस्थान पुं०[सं.] मरण (२) हिमाळो
महाबत पुं० [अ.] भय; डर
महाभारत पुं०[सं.] महाभारत के तेवो कोई मोटो ग्रंथ (२) महान युद्ध
महाभूत पुं० [सं.] पंच भूत
महामना वि० [सं.] मोटा मनवाळुं; महानुभाव
महामांस पुं०[सं.]गाय के मनुष्यनुं मांस
महामारी स्त्री० कोगळियुं, प्लेग इ० जेवो मोटो रोग
महायात्रा स्त्री० [सं.] मरण
महार स्त्री० [फा.] ऊंटनी नाथ
महारत स्त्री०[अ.] अभ्यास; महावरो (२) दक्षता
महारथ,–थी पुं० [सं.] महान योद्धो
महाराज पुं०[सं.] मोटो राजा (२) साधु संत ब्राह्मण इ० माटे आदरनो शब्द. **–ज्ञी,–नी** स्त्री० महाराणी
महारोग पुं०[सं.] कोढ इ० जेवो भारे के असाध्य रोग. **–गी** पुं० तेनो दरदी
महार्घ वि० [सं.] मोंघुं
महाल पुं० [अ. 'महल'नुं ब०व०] महेल्लो (२) महाल; परगणुं (३) भाग (४) मधपूडो
महावट स्त्री० महा महिनानुं मावठुं
महावत पुं० हाथीनो महावत
महावर पुं० अळतो (पगे चोपडवानो)
महावरा पुं० जुओ 'मुहावरा'
महावरी स्त्री० 'महावर' नी गोटी
महाशय पुं०[सं.] महानुभाव; सज्जन; 'जनाब'
महि स्त्री०[सं.] मही; पृथ्वी(२)महिमा
महिमा स्त्री० [सं.] महिमा; मोटाई; माहात्म्य
महिला स्त्री० [सं.] स्त्री
महिष पुं०[सं.] पाडो (२) महिषासुर. **–षी** स्त्री० भेंस (२) राणी
मही स्त्री०[सं.] पृथ्वी (२) देश; स्थान (३) नदी (४) (प.) छाश
महीधर पुं० [सं.] पर्वत (२) शेषनाग
महीन वि० पातळुं; बारीक; झीणुं (२) कोमळ; धीमुं (अवाज माटे)
महीना पुं० महिनो (२) मासिक पगार (३) रजोधर्म. **महीनेसे होना**=स्त्रीअे वेगळुं बेसवुं
महीप,०ति,–पाल पुं० [सं.] राजा
महुँ अ० (प.) 'महँ'; महीं
महुअर पुं० [सं. मधुकर] महुवर के ते बजावी करातो एक खेल (२) स्त्री० एक जातनुं घेटुं
महुआ,–वा पुं० महुडो. **०री** स्त्री० महुडानुं जंगल
महुवरि पुं० जुओ 'महुअर'
महुवा पुं० जुओ 'महुआ'
महूरत, –ति पुं० (प.) महुरत
महेंद्र पुं० [सं.] विष्णु (२) इंद्र
महेर पुं० अडचण; पंचात
महेर,–रा पुं० जुओ 'महेरी'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

महेरी स्त्री० दहीं के छाशमां रांधेला अनाजनी एक वानी (२) वि० अडचण नांखनारुं

महेश [सं.] ,–स (प.)पुं०शिव; महादेव

महोक, –ख, –खा पुं० एक पक्षी

महोगनी पुं० [इं.] एक झाड के तेनुं लाकडुं [समारंभ

महोत्सव पुं० [सं.] मोटो उत्सव–

महोदधि पुं० [सं.] मोटो समुद्र

महोदय वि० [सं.] महाशय; 'जनाब'

महोला पुं० (प.) वहानुं (२) दगो

मह्व वि० [अ.] लीन; गुलतान; गरक (२) नष्ट

मह्वर पुं० [अ. मिह्वर] धरी (पैंडा इत्यादिनी)

माँ स्त्री० मा. ०**जाई** स्त्री० सगी बहेन. ०**जाया** पुं० सगो भाई

माँखी स्त्री० माखी; 'मक्खी'

माँग स्त्री० मांग; मागणी (२) वाळनी पांती; सेंथो. **–कोखसे सुखी रहना** =सौभाग्यवती ने संतानवाळी रहेवुं. **–पट्टी करना**=सेंथो पाडवो; ओळवुं

माँगटीका पुं० सेंथा परनुं एक घरेणुं

माँगन पुं० मांगवुं ते; भीख (२) मागण; भिखारी

माँगना स०क्रि० मागवुं

मांगलिक वि० [सं.] मंगळ; शुभ

मांगल्य पुं० [सं.] शुभ; कल्याण

माँजना स०क्रि० मांजवुं (२) पतंगनी दोरी पावी

माँझ अ० (प.) मां; अंदर; मोझार (२) पुं० अंतर; आंतरो; गाळो

माँझा पुं० मांजो के तेनी लूगदी (२) नदी वच्चेनो टापु (३) झाडनुं थड

माँझी पुं० मांजी; होडीवाळो (२) मध्यस्थ; झघडो पतवनार

माँट, –ठ पुं० (प.) माटलुं

माँड पुं० भातनुं ओसामण; मंड

माँडना स०क्रि० (प.) मसळवुं; गूंदवुं (२) लेप करवो

मांडलिक पुं० [सं.] मंडळनो राजा

माँडव पुं० मांडवो; मंडप

माँड़ा पुं० आंखनो एक रोग; मोतियो (२) जुओ 'पराँठा' (३) मांडवो

माँडी स्त्री० भातनुं ओसामण (२) कपडाने करातो आर

माँत वि० (प.) मातुं; मत्त (२) मात थयेलुं; हारेलुं. ०**ना** अ०क्रि० मातवुं. **–ता** वि० मातेलुं; मत्त

मांत्रिक पुं० [सं.] मंत्रवाळो; मंतरनार

माँद स्त्री० बखोल; बोड (२) वि० मंद; हलकुं; ऊतरतुं (३) पराजित

माँदगी स्त्री० [फा.] बीमारी (२) थाक

माँदा वि०[फा.] मांदुं; बीमार (२) मंद; ढीलुं (३) थाकेलुं

मांद्य पुं० [सं.] मंदता

मांस पुं० [सं.] मांसमट्टी; गोस. ०**ल** वि० मांस-भरेलुं; तगडुं. **–साहारी** वि० मांस खानार [मां

माँह,–हा,–हि,–हीँ,–है अ० (प.) मांही;

मा स्त्री०[सं.] मा (२) पुं०[अ.] पाणी (३) प्रवाही

माइका पुं० पियर; 'नैहर'

माई स्त्री० मा (२) मोटी स्त्री माटे आदरवाचक. **–का लाल**=उदार; दानी (२) बहादुर [पौष्टिक सेरवो

मा-उल्-लहम पुं० [अ.] मांसनो एक

मा-क़बल अ० [अ.] आनी पहेलां

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

माक़ूल वि० [अ.] सयुक्तिक; उचित; योग्य (२) अच्छुं (३) समजदार (४) वादविवादमां निरुत्तर के अनुकूल थयेलुं के मानी लेनारुं

माकूस वि० [अ.] ऊलटुं; ऊंधुं

माखन पुं० माखण; 'मक्खन'

माखी स्त्री०(प.) माखी (२) सोनामुखी

माख़ूज़ वि० [अ.] दोषित; आरोपी

माख़ूलिया पुं० [फा.] गांडपण

माघ पुं०[सं.] माह महिनो. **–घी** वि० ते मासनुं

माछ पुं० (प.) माछली

माछी स्त्री० माखी [प्रसंग

माजरा पुं०[अ.] हाल; वृत्तांत (२) बनाव;

माजिद पुं० [अ.] बुजरग; वडील

माज़िया अ० [अ.] पछीथी; आगळथी

माज़िरत स्त्री० [अ.] बहानुं; उजर

माज़ी वि० [अ.] माजी; थयेलुं; भूतपूर्व (२) पुं० भूतकाळ

माजून स्त्री०[अ.] (शक्तिनी दवावाळो) मीठो अवलेह (२) भांगवाळी चासणीनुं चकतुं

माज़ूर वि०[अ.] नकामुं (२) असमर्थ

माज़ूल वि०[अ.] रद करेलुं (२) पदभ्रष्ट

माट पुं० मोटुं कूंडुं (रंगनुं) (२) माटलुं

माटा पुं० लाल मंकोडो

माटी स्त्री० (प.) 'मिट्टी'; माटी

माणिक,–क्य पुं० [सं.] माणेक

मातंग पुं० [सं.] हाथी

मात स्त्री०[अ.] मात थवुं ते; हार (२) वि० मात; हारेलुं. **–करना, देना** = मात करवुं. **–खाना** = हारवुं

मातदिल वि० [अ. मुअतदिल] न बहु गरम के ठंडुं; समशीतोष्ण

मातना अ०क्रि० मातवुं (जुओ 'माता'मां)

मातबर वि० [अ. मुअतबर] साचुं; विश्वासपात्र; इतबार लायक. **–री** स्त्री० विश्वासपात्रता [रोवुं वगेरे

मातम पुं० [अ.] मरणनो शोक के

मातमदारी स्त्री० शोक पाळवो ते

मातमपुर्सी स्त्री० [फा.] शोकमां सांत्वन देवुं ते; दिलासो; खरखरो

मातमी वि० [फा.] शोकसूचक

मातहत वि० [अ.] अधीन; ताबानुं

मातहती स्त्री० [फा.] अधीनता; ताबो

माता स्त्री० मा. (२) वि० मातुं; मस्त (अ०क्रि० **मातना**) [मामी

मातुल पुं० [सं.] मामा. **–ली** स्त्री०

मातृ स्त्री० सं.] माता. **०का** स्त्री० मा (२) धाव; आया (३) सावकी मा. **०भाषा** स्त्री० स्वभाषा; मादरी जबान

मात्र अ० [सं.] केवळ; फक्त

मात्रा स्त्री० [सं.] माप; प्रमाण (२) स्वर के सूरनी मात्रा

मात्सर्य पुं० [सं.] मत्सर; द्वेष

माथा पुं० माथुं. **–टेकना**=माथुं नमाववुं; प्रणाम करवा. **–ठनकना**=कोई खराब बनावनी आगळथी शंका जवी. **०पच्ची, ०पिट्टन** स्त्री० माथा झीक; मगजमारी.

माथे अ० माथा उपर (२) आशरे; भरोंसे. **–पर बल आना, पड़ना**=चहेरा पर क्रोधनी के दुःख इ०नी करचली पडवी – ते देखावां. **–मानना** = स्वीकारवुं; माथे चडाववुं; अंगीकार करवो. **–मारना** = खूब मथवुं.

मादक वि० [सं.] केफी; नशावाळुं

मादन पुं० [अ.], **–नियात** स्त्री० जुओ 'मअदन', –'नियात'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मादर स्त्री० [फा.] मा. ०ज़ाद वि० [फा.] सहोदर (२) नग्न (३) जन्मनुं
मादरी त्रि० माता संबंधी. **–ज़बान=** मातृभाषा
मादा, मादीन स्त्री० [फा.] मादा; स्त्री जातिनुं प्राणी
मादूम वि० [अ.] नष्ट; हयाती वगरनुं
माद्दा पुं० [अ.] मूळतत्त्व (२) योग्यता (३) परु; पाच
माद्दी वि० [अ.] तात्त्विक(२)स्वाभाविक
माधव पुं०[सं.] विष्णु (२) वैशाख मास (३) वसंतऋतु. **–वी** स्त्री० एक फूलवेल
माधुरी स्त्री०[सं.] मीठाश; मधुरता (२) शोभा (३) शराब
माधुर्य पुं० [सं.] मधुरता (२) सुंदरता
माधो,–धौ पुं० (प.) माधव
माध्यम वि०[सं.] वचलुं (२) पुं० वाहन; साधन. **–मिक** वि० मध्यनुं
माध्याकर्षण पुं० [सं.] गुरुत्वाकर्षण
माध्वी स्त्री० [सं.] शराब
मान पुं०[सं.] तोल; माप (२) अभिमान (३) प्रतिष्ठा; आबरू (४) क्रोध; रोष
मानअ पुं० [अ.] मनाई (२) आपत्ति
मानचित्र पुं० [सं.] नकशो
मानता स्त्री० 'मनौती'; बाधा; मानता
मानदंड पुं० [सं.] मापवानो गज
मानना स०क्रि० मानवुं
माननीय वि०[सं.] मानने पात्र;आदरपात्र
मानमंदिर पुं० [सं.] कोपभवन (२) वेधशाळा [मनामणुं
मान-मनौती स्त्री० मानता(२)रिसामणुं-
मानव पुं० [सं.] माणस. ०ता स्त्री० माणसाई. ०शास्त्र पुं० मानव विषेनुं शास्त्र; 'अॅन्थ्रोपोलॉजी'
मानवी स्त्री०[सं.] नारी (२) वि० मानव संबंधी (३) [अ.] मायना के अर्थ संबंधी (४) अंदरनुं
मानस पुं०[सं.] मन; चित्त (२) मानसरोवर (३) वि० मानसिक. ०शास्त्र पुं० मनोविज्ञान [सरोवर
मानसर,–रोवर पुं० हिमालयनुं जाणीतुं
मानसिक वि० [सं.] मानस संबंधी
मानसी स्त्री० मानस पूजा (२) वि० मानसिक
मानसून पुं०[इं.] चोमासु दरियाई हवा, जे वरसाद लावे छे
मानहुँ अ० (प.) मानो; समजो; जाणो
मानिंद वि० [फा.] समान; बरोबर
मानिक पुं० माणेक [सोपारी
मानिकचंदी स्त्री० एक जातनी नानी
मानित वि० [सं.] आदरमान पामेलुं; मानवंतुं [मानवती (स्त्री)
मानिनी वि०स्त्री०[सं.] अभिमानवाळी–
मानी स्त्री०[अ.] अर्थ; मायनो; मतलब (२) वि०[सं.] मानी; अभिमानी (३) संमानित
मानुष वि०[सं.] मनुष्य संबंधी (२) पुं० माणस. **–षिक** वि० मानुष. **–षी** वि० मानुष (२) स्त्री० स्त्री
मानूस वि०[अ.] हळी गयेलुं; प्रिय
माने पुं० [अ.] 'मानी'; अर्थ
मानों,–नो,–नौं (प.) अ० मानो के; जाणो के; जेम के
मान्य वि०[सं.] माननीय; आदरपात्र
माप स्त्री० माप; प्रमाण
मापना स०क्रि० मापवुं; 'नापना'
माफ़ वि० [अ. मुआफ़] क्षमा करायेलुं; जतुं करेलुं (नाम, **–फ़ी** स्त्री०)

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

माफ़(-फ़ि)क़त स्त्री० माफक होवुं ते; अनुकूलता (२) मेळ; मैत्री [प्रमाणे
माफ़िक वि० [अ. मुवाफ़िक़] माफक;
माफ़ी स्त्री० माफी; क्षमा (२) महेसूल माफ करेली जमीन [होय ते
माफ़ीदार पुं० माफी जमीन जेने मळी
मा-बक़ा वि०[अ.] बचेलुं; अवशिष्ट
मा-बाद अ०[अ.] (कशानी) पछी; बाद
माबूद पुं० जुओ 'मअबूद'
मा-बैन अ० [अ.] दरमियान
मामलत स्त्री० [अ. मुआमलत] मामलो; झघडो (२) मुद्दो; चर्चानो विषय. ०**दार** पुं० 'तहसीलदार'
मामला पुं० [अ. मुआमला] कामधंधो (२) व्यवहार के तेनो झघडो (३) विवादनो प्रश्न (४) मुकद्दमो. **-करना** =सोदो के फेंसलो करवो; वात पाकी करवी (२) अदालतमां केस करवो
मामा पुं० मामो (२) स्त्री० [फा.] माता (३) नोकरडी; दासी (४) रसोइयण
मामाग(-गी)री स्त्री० [फा.] 'मामा' -दासीनुं काम के पद
मामी स्त्री० मामी (२) दोष विषे मा मा-ना कहेवुं-ते ना मानवो. **-पीना**=पोतानी भूल ध्यानमां न लेवी
मामूँ पुं० मामा [मुकरर
मामूर वि० [अ.] पूर्ण (२) नियुक्त;
मामूल पुं० [अ.] रीत; रिवाज
मामूली वि० [अ.] साधारण; सामान्य (२) नियमसरनुं
मायका पुं० पियर [मिश्रित
मायल वि० [अ.] वळेलुं; झूकेलुं (२)
मायह स्त्री० [फा.] धन; पूंजी; मिलकत
माया स्त्री० [सं.] माया; लीला (२) धन (३) मोह; भ्रम. ०**विनी** स्त्री०, ०**वी** पुं० बहु चालाक के ठगारुं; मायावाळुं [(२) बनावटी
मायिक वि० [सं.] मायावी; भ्रामक
मायूब वि० [अ.] एबवाळुं (२) खराब
मायूस वि० [अ.] निराश (नाम, **-सी**)
मार स्त्री० मार; मारवुं ते (२) पुं० [सं.] मार; सेतान. ०**क** वि० मारे एवुं; घातक [मोटी घटना
मारका पुं० [अ.] लडाई (२) भारे
मारका पुं० मारको; निशान. **मारकेका** =महत्त्वपूर्ण
मारकाट स्त्री० लडाई; खूनरेजी
मारकीन पुं० नानकीन कपडुं
मारखोर पुं० [फा.] एक जातनी बकरी
मारग पुं० (प.) मार्ग; रस्तो. **-मारना** =वाट पाडवी; लूंटवुं (रस्ते जतां)
मारण पुं० [सं.] मारवुं ते (२) तंत्र-विद्यानो एक प्रयोग
मारतौल पुं० हथोडो
मारना स०क्रि० मारवुं
मारपेच पुं० पेच; युक्ति; चालबाजी
मार(-रि)फ़त अ० (२) स्त्री० जुओ 'मारिफ़त' [मारामारी
मारामार अ० जलदीथी (२) स्त्री०
मारिफ़त स्त्री० [अ.] ईश्वरनुं ज्ञान (२) परिचय; ओळखाण (३) साधन; 'ज़रिया' (४) अ० मारफत; द्वारा
मारी स्त्री० महामारी
मारुत पुं० [सं.] वायु; मरुत; पवन
मारू पुं० मारू राग (२) एक मोटुं नगारुं (३) वि० -मारु; मारनारुं (४) हृदयवेधी; कातिल

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मारूफ़ वि०[अ.] जाणीतुं; प्रसिद्ध (२) (व्या.) मूळ (भेद)
मारे अ० –नुं मार्यु; कारणथी
मार्का पुं० 'मारका'; मारको; चिह्न
मार्केट पुं० [इं.] बजार
मार्ग पुं० [सं.] रस्तो [मास
मार्गशिर, मार्गशीर्ष [सं.] पुं० मागशर
मार्च पुं०[इं.] मार्च महिनो (२) सेनानी कूच [स्त्री० सावरणी
मार्जन पुं०[सं.] मांजवुं ते; सफाई. **–नी**
मार्जार पुं० [सं.] बिलाडी
मार्तंड पुं० [सं.] सूर्य
मार्दव पुं०[सं.] मृदुता; नम्रता; कोमळता
मार्फ़त अ० 'मारफ़त'; द्वारा [मर्मज्ञ
मार्मिक वि०[सं.] मर्मवाळुं; मर्मवेधी (२)
माल स्त्री० माळा (२) रेंटियानी माळ (३) पुं०[अ.] माल; धनमाल; साधन-सामग्री (४) मालमलीदा (५) महेसूल. **०अदालत** स्त्री० महेसूली अदालत. **०असबाब** पुं० सरसामान [माल
माल-ए-मुफ़्त पुं० [अ.+फा.] मफतियो
मालकँगनी स्त्री० मालकांगणी
मालकियत स्त्री० [अ.] मालकी
मालखाना पुं०[फा.] वखार; गोदाम; भंडार
मालगाड़ी स्त्री० भारखानुं
मालगुज़ार पुं० [अ.+फा.] जमीनदार. **–री** स्त्री० महेसूल
माल-गोदाम पुं० स्टेशननी गोदी
मालदार वि० [फा.] मालदार; धनिक
मालन स्त्री० माळण
मालपु(–पू)आ, मालपूवा पुं० मालपूडो
मालमताअ पुं०[अ.]मालमता;धनदोलत
माला स्त्री० [सं.] माळा
मालामाल वि० खूब मालदार; अमीर
मालिक पुं०[अ.] मालिक; धणी; स्वामी (२) प्रभु (३) [सं.] माळी (४) धोबी. **–का** स्त्री० माळण (२) माळा; हार
मालिकाना पुं० [फा.] मालकीहक (२) वि० मालिकनुं
मालिकी स्त्री० मालकी; 'मालकियत'
मालिनी स्त्री०[सं.] माळण (२) एक छंद
मालिन्य पुं० [सं.] मलिनता; मेलापणुं
मालियत स्त्री०[अ.] संपत्ति; पूंजी (२) किंमत (३) कीमती चीज
मालिया पुं० [फा.] महेसूल [चोळवुं ते
मालिश स्त्री० [फा.] मालिस; मर्दन;
माली पुं० (स्त्री० **–लिन, –लिनी**) माळी (२) वि० [फा.] माल संबंधी; आर्थिक
मालीदा पुं० [फा.] जुओ 'मलीदा'
मालूम वि० [अ.] मालूम; जाणेलुं
मावस स्त्री० 'अमावस'; अमास
मावा पुं० सत्त्व (२) मंड (३) मावो. **–निकालना** = खूब मारवुं
माश(–ष) पुं० माष; अडद. **–मारना** = अडद मंतरी कोई पर नांखवा
माशा(–सा) पुं० मासो; आठ रती
माशा अल्लाह श०प्र० [अ.] ईश्वर बूरी नजरथी बचावो
माशूक़ पुं० [अ.] प्रेमपात्र व्यक्ति. **–क़ा** स्त्री० माशूक स्त्री. **–क़ी** स्त्री० माशूकनो भाव. **–क़े हक़ीक़ी** पुं० अल्ला; प्रभु
माश्की पुं० मशकवाळो; भिस्ती
मास पुं० [सं.] महिनो [कहेलुं
मा-सबक़ वि० [अ.] पूर्वोवत; पहेलां
मा-सलफ़ वि० [अ.] थई गयेलुं; विगत
मासा पुं० जुओ 'माशा'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मासिक वि० महिनानुं (२) पुं० मासिक पत्र

मासियत स्त्री० [अ.] आज्ञा न मानवी

मा-सिवा अ० [अ.] सिवाय

मासी स्त्री० मासी; 'मौसी'

मासूम वि० [अ.] निरपराध (नाम, –मियत स्त्री०)

मास्टर पुं० [इं.] मास्तर; महेताजी. –री स्त्री० तेनुं काम के पद

माह पुं० [फा.] चांदो (२) माह; महिनो

माहज़र वि० [अ.] मोजूद; वर्तमान

माहत स्त्री० महत्ता; मोटाई

माहताब पुं० [फा.] 'महताब'; चन्द्र के चांदनी. –बी स्त्री० जुओ 'महताबी'

माहर वि० जुओ 'माहिर'

माह-रू, माह-लका वि० [फा.] चंद्रमुखी

माहली पुं० जुओ 'महली'

माहवार अ०(२)वि० मासिक; माहवारी

माहवारी स्त्री० [फा.] मासिक पगार (२) वि० मासिक [ते (२) गुनो

माहसल पुं० [अ.] ऊपज (२) प्राप्ति [(३) परिणाम

माहात्म्य पुं० [सं.] महिमा; गौरव

माहिं(–हीं) अ० (प.) मांही; मां; अंदर

माहि(–ही)यत स्त्री० [अ.] कोई वस्तुनुं असली तत्त्व

माहियाना वि० (२) पुं० जुओ 'माह- [वार, –री'

माहिर वि० [अ.] माहेर; माहितगार

माहिला पुं० (प.) जुओ 'मल्लाह'

माहीं अ० (प.) जुओ 'माहिं' [मासिक

माही स्त्री०[फा.] माछली (२) वि०

माही-ख़्वार पुं० [फा.] बगलो

माहीगीर पुं० [फा.] माछी

माही-मरातिब पुं० [फा.] राजधानी आगळ हाथी पर चालता सात झंडा

माहीयत स्त्री० जुओ 'माहियत'

माहुर पुं० विष; झेर

माहौल पुं० वातावरण; 'वायुमंडल'

मिंबर पुं० [अ.] मसीदमां ज्यां मुल्लां बेसीने उपदेश करे छे ते जगा

मिअयार पुं०[अ.] कसोटीनो पथ्थर (२) सोनाचांदी तोलवानो कांटो (३) धोरण

मिक़दार स्त्री० [अ.] परिमाण; माप

मिक़नातीस पुं०[फा.] जुओ 'मक़नातीस'

मिकाडो पुं० जापाननो राजा

मिचकना अ०क्रि० आंखो पलकवी– मटमटाववी [मिचावुं

मिचना अ०क्रि० ['मीचना'नुं कर्मणि]

मिचलाना अ०क्रि० 'मचलाना'; ऊलटी थवा जेवुं थवुं

मिज़राब स्त्री० [अ.] मिजराफ; नखी

मिज़ाज पुं०[अ.] प्रकृति; स्वभाव (२) शरीर के मननी दशा (३) अभिमान. –आली, –शरीफ=मजामां छो ? एवो कुशळ प्रश्न. –ख़राब होना, बिगड़ना =मनमां क्रोध, नाराजी, के अस्वस्थता इ० उत्पन्न थवुं. –न मिलना=अभि-मानने लईने कोई साथे बोलवुं नहि. –पाना=स्वभावथी परिचित होवुं. –पूछना=तबियतनी खबर पूछवी

मिज़ाजदार, मिज़ाजी वि० मिजाजी; भारे अभिमानी

मिझगाँ स्त्री० [फा.] 'मिझह' नुं ब०व०

मिझह स्त्री० [फा.] आंखनुं पोपचुं

मिटना अ०क्रि० मटवुं; रद थवुं के नाश पामवुं के हयात न रहेवुं

मिटाना स०क्रि० 'मिटना' नुं प्रेरक

मिट्टी स्त्री० जमीन (२) माटी; धूळ (३) राख (४) शब; लाश. –करना

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

=माटी भेगुं–धूळधाणी करवुं. **–के मोल** = पाणीने भावे; खूब सस्तुं. **–देना** = दफनाववुं. **–पलीद या बरबाद करना** = दुर्दशा करवी

मिट्टीका तेल पुं० ग्यासतेल

मिट्ठी स्त्री० मीठी; चुंबन [बोलनार

मिट्ठू पुं० पोपट (२) मीठुं–मधुर

मिठबोला वि० मीठाबोलुं

मिठलोना वि० कम मीठावाळुं

मिठाई स्त्री० मीठाई (२) मीठाश

मिठास स्त्री० मीठाश

मिडिल वि० [इं.] माध्यमिक (शाळा)

मिडिलची पुं० 'मिडिल' पास थयेलो

मित वि० [सं.] परिमित; हदनी अंदरनुं (२) थोडुं. **०भाषी** वि० थोडाबोलुं. **–ति** स्त्री० माप; सीमा

मिती स्त्री० मिति; देशी तारीख

मित्र पुं० [सं.] भाईबंध (२) सूर्य

मिथुन पुं० [सं.] जोडुं; युगल (२) मैथुन; संभोग (३) एक राशि

मिथ्या अ० [सं.] फोगट; व्यर्थ (२) असत्य; नाशवंत

मिनक़ार पुं० [अ.] चांच (२) सारडी

मिन-जानिब अ० [अ.] तरफथी; वाजुथी

मिन-जुमला अ० [अ.] कुल; बधामांथी

मिनट पुं० [इं.] मिनिट समय

मिनती स्त्री० जुओ 'मिन्नत'; विनंती

मिनमिन अ० गूंगणाते के धीमे अवाजे. **–नाना** अ०क्रि० तेवे अवाजे बोलवुं (२) सुस्तीथी काम करवुं

मिनवाल पुं० [अ.] वणायेलुं कपडुं लपेटवानो साळनो भाग; तर

मिनहा वि० [अ.] कापी लीधेलुं; घटाडलुं

मिन्नत स्त्री० [अ.] मिन्नतजारी; आजीजी. **–मानना** = बाधा राखवी [बोलवुं

मिमियाना अ०क्रि० बकराघेटानुं बें बें

मियाँ पुं० [फा.] स्वामी; शेठ के पति (२) महाशय (संबोधन) (३) मियां; मुसलमान

मियाँ मिट्ठू पुं० जुओ 'मिट्ठू' (२) मूर्ख

मियाद स्त्री० जुओ 'मीआद'

मियान पुं० [फा.] मध्य भाग (२) कमर (३) स्त्री० म्यान

मियाना वि० [फा.] मध्यम कदनुं (२) पुं० म्यानो [भाग

मियानी स्त्री० [फा.] पायजामानो वच्चेनो

मिरगी स्त्री० [सं. मृगी] वायुथी मूर्छा आववानो एक रोग; अपस्मार

मिरचा पुं० मरचुं; 'मिर्च' [डगलुं

मिरजई स्त्री० एक जातनुं अंदर पहेरातुं

मिरज़ा पुं० [फा.] अमीर-जादो (२) राजकुंवर (३) एक उपाधि

मिरात स्त्री० [अ.] दर्पण

मिर्च स्त्री० मरचुं (२) मरियुं

मिर्रीख़ पुं० [अ.] मंगळ ग्रह

मिल स्त्री० [इं.] कारखानुं

मिलन पुं० [सं.] मळवुं ते [स्त्री०

मिलनसार वि० मळतावडुं; सुशील. **–री**

मिलना स०क्रि० मळवुं (प्रेरक **मिलाना**)

मिलना-जुलना स०क्रि० मळता रहेवुं

मिलनी स्त्री० लग्नमां बेउ पक्षना लोके मळवानो एक विधि

मिला-जुला वि० मिश्रित

मिलान पुं० मळवुं के मेळववुं ते; मेळाप; मिलन (२) मळतापणुं; मुकाबलो (३) मेळवी के बरोबर छे के केम ते तपासी लेवुं ते

मिलाना स०क्रि० मिलाववुं; मेळववुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मिलाप पुं० मेळाप; मळवुं ते (२)मित्रता
मिलाव पुं०, ०ट स्त्री० भेळसेळ; भेग
मिलिंद पुं० [सं.] भमरो [मळतियापणुं
मिली भगत स्त्री० छूपी संतलस के
मिल्क स्त्री० [अ.] जागीर(२)जमीनदारी
मिल्कियत स्त्री० [अ.] 'मिल्क' (२) मिलकत
मिल्की पुं० [अ.] 'मिल्क' वाळो (जुओ 'मिल्क')
मिल्लत स्त्री० मेळ (२) मिलनसारपणुं (३) [अ.] पंथ; संप्रदाय
मिशन पुं० [इं.] उच्च उद्देश के ते साधनारुं मंडळ. ०री पुं० पादरी
मिश्क पुं० [फा.] मुश्क; कस्तूरी
मिश्र वि० [सं.] भेगुं; सेळभेळ
मिश्रण पुं० [सं.] मिश्र करवुं के करेलुं ते
मिश्रित वि० [सं.] भेळवेलुं; भेगवाळुं
मिष पुं० [सं.] वहानुं (२) छळकपट (३) दाझ (४) होड; शरत
मिष्ट वि० [सं.] मीठुं; मधुर
मिष्टान्न पुं० [सं.] मीठाई; मिष्ट भोजन
मिस पुं० 'मिष;' वहानुं [**–नी** स्त्री०
मिसकीन वि०मिस्कीन; गरीबडुं; निर्धन.
मिसरा पुं० [अ.] मिसरो; तूक; चरण
मिसरी स्त्री० साकर (२)मिसरनी भाषा (३)वि० मिसरनुं (४) पुं० मिसरवासी
मिस(–सि)ल स्त्री० तुमार; फाईल
मिसवाक स्त्री० [अ.] दातण
मिसाल स्त्री० [अ.] उपमा (२) उदाहरण (३) कहेवत
मिस्लि स्त्री० जुओ 'मिसल'
मिस्क़ल(–ला) पुं० [अ.] मसकलो – एक ओजार
मिस्कीन वि० [अ.] जुओ 'मिसकीन'
मिस्तर पुं० [अ.] लखवामां लीटी सीधी रहे ते सारु कागळ नीचे रखातुं आंकेलुं साधन [कडियो
मिस्तरी पुं० मिस्त्री; कारीगर–सुतार,
मिस्र पुं० [अ.] मिसर; इजिप्त. **–स्री** स्त्री० (२) वि० जुओ 'मिसरी' (२ थी ४ अर्थ) [फाईल
मिस्ल वि० [अ.] बरोबर; समान (२)
मिस्सी स्त्री० दांत रंगवानुं एक काळुं मंजन [सामग्री
मिस्सी-काजल पुं० सधवानी शृंगार-
मिहनत स्त्री० [अ.] महेनत
मिहना पुं० जुओ 'मेहना'; महेणुं
मिहराब स्त्री० [अ.] जुओ 'मेहराब'
मिहिर पुं० [सं.] सूर्य
मींगी स्त्री० बीनो अंदरनो गर; मींज
मींज(–ड़)ना स०क्रि० मसळवुं; गूंदवुं
मीआ(–या)द स्त्री० [अ.] हद; अवधि. (वि०, **–दी**)
मीज़ान स्त्री०[अ.] सरवाळो (२) त्राजवुं
मीटर पुं० [इं.] मापवानो मीटर
मीठा वि० मीठुं; मधुर
मीठा तेल पुं० तलनुं तेल
मीठा पानी पुं० पीवानो 'लेमन'
मीठी छुरी स्त्री० विश्वासघातक (२) कपटी [तेवो मूढ मार
मीठी मार स्त्री० उपरथी जणाय नहि
मीत पुं० (प.) मित्र
मीन पुं०[सं.] माछली (२) एक राशि. **–मेख निकालना** = दोष काढवो
मीना पुं० [फा.] मीनो; मीनाकारी
मीनाकार पुं०[फा.] मीनानो कारीगर. **–री** स्त्री० तेनी कारीगरी [बजार
मीना बाज़ार पुं० चोकसीनुं दरदागीनानुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मीमांसक पुं० [सं.] मीमांसानो पंडित
मीमांसा स्त्री० [सं.] एक दर्शन (२) गंभीर मनन ने विवेचन
मीनार स्त्री० [अ. मनार] मिनारो
मीयाद,–दी स्त्री० जुओ 'मीआद,–दी'
मीर पुं०[फा.] अमीर (२) धर्माचार्य (३) समासमां 'सौथी मोटुं, वडुं' ए अर्थमां. उदा० **–अदल** पुं० वडो न्यायाधीश(४) शरतमां–हरीफाईमां पहेलो आवनार (५) पत्तामां राजा
मीरास स्त्री०[अ.] वारसो (वि०,**–सी**)
मीरी स्त्री० अमीरी (२) पुं० जुओ 'मीर'
मील पुं० माईल
मुँगरा पुं० मोगरो – मोटी मोगरी
मुँगरी स्त्री० ठोकवानी मोगरी
मुंड पुं०[सं.] माथुं (२) वि० मूंडेलुं; बोडुं (३) नीच; अधम [फकीर
मुँड़चिरा पुं० पोता पर घा करी मागतो
मुंडन पुं० [सं.] माथुं मूंडावुं ते
मुँड़ना अ०क्रि० माथुं मूंडावुं (२) लूंटावुं के ठगावुं
मुंडा पुं० तालियो; बोडियो (२) मूंडाईने चेलो थयेलो ते; मूंडियो (३) वि० बोडुं कांई ते; जेम के, मुंडा (शींगडा वगरनो) बैल, (डाळ पान वगरनुं) वृक्ष, इ०
मुँड़ाई स्त्री० मूंडामण
मुँड़िया पुं० मूंडियो; साधु
मुंडी स्त्री० बोडी स्त्री; विधवा (२) [सं.] पुं० मूंडियो (३) हजाम
मुँड़ेर स्त्री०, **–रा** पुं० मकाननी छतनी सौथी उपरनी धारनी दीवाल
मुंतक़िल वि० जुओ 'मुन्तक़िल'
मुंतख़िब वि० जुओ 'मुन्तखिब'
मुंतज़िम वि० जुओ 'मुन्तज़िम'
मुंतज़िर वि० जुओ 'मुन्तज़िर'
मुंतही वि० जुओ 'मुन्तही'
मुँदना अ०क्रि० बुरावुं, ढंकावुं; बंध थवुं
मुंशियाना वि०[फा.] मुनशीना जेवुं
मुंशी पुं० [अ.] मुनशी; लखनार
मुंसरिम पुं० [अ.] (दफतरनो) मुख्य कामदार; व्यवस्थापक. **–मी** स्त्री० तेनुं काम के पद
मुंसलिक वि०[अ.] साथे जोडेलुं के बीडेलुं
मुंसिफ़ पुं०[अ.] न्यायाधीश; मुनसफ (२) क्रिकेटनो 'अंपायर'. **–फ़ाना** वि० न्याययुक्त [कचेरी
मुंसिफ़ी स्त्री० मुनसफनुं काम, पद के
मुँह पुं० मों. **–छूना** = उपर उपरथी, विवेकनुं कहेवुं. **–दर मुँह**=सामे; रूबरू. **–देखेका** = उपर उपरनुं; देखाव पूरतुं. **–धो रखना, लेना**=आशा छोडवी. **–निकल आना**=चहेरो ऊतरी–पडी जवो (रोग कमजोरी के शरमथी). **–पड़ना** = (कहेवा) हिंमत होवी. **–पर पानी फिर जाना** = चहेरा पर पाणी आववुं–खुश थवुं. **–पर रखना** = चाखवुं (२) तमाचो मारवो. **–पर लाना** = मुखथी कहेवुं – वर्णववुं. **–पाना** = रूख–मरजी जोवी. **–पेट चलना** = झाडा ऊलटी थवां. **–फैलाना**= (लोभथी) घणुं मागवुं, लेवुं. **–भरके** = मनमान्युं; खूब. **–भरना** = लांच आपवी. **–मुलाहजेका** = परिचित. **–में थूँक बिलोना** = खाली थूंक उडाडवुं. **–लगना** = माथे चडी लागवुं; मोढे चडवुं. **–लगाना** = मोढे चडाववुं
मुँह-अँधेरे,–उजाले अ० भरभांखळुं थये; परोढिये

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मुंह-अखरी वि० (प.) मौखिक
मुंहकाला वि० काळुं मों करेलुं; बेआबरू
मुंह-छुट वि० जुओ 'मुँह-फट'. (नाम, –टाई स्त्री०) [–री स्त्री०
मुंहज़ोर वि० बहुबोलुं (२) आखाबोलुं.
मुंहतोड़ वि० जडबांतोड (उत्तर)
मुंहदिखाई स्त्री० नवी वहुनुं मों जोवानी रीत के त्यारे तेने अपातुं धन
मुंहदेखा वि० देखाडा पूरतुं; कृत्रिम
मुंहफट वि० आखाबोलुं
मुंहबँधा पुं० जैन साधु (मों पर पट्टी बांधे ते परथी) [एवुं (सगुं)
मुंहबोला वि० कहेवानुं, खरेखर नहि
मुंहभर अ० सारी पेठे; धराईने
मुंहभराई स्त्री० लांच
मुंहमाँगा वि० मोंमाग्युं
मुंहामुंह अ० छलोछल; मों सुधी
मुंहामुंही स्त्री० बोलाबोली; तकरार
मुंहासा पुं० जुवानीमां थतो खील
मुअज़्ज़(–ज़्ज़ि)न पुं० मसीदनो अज़ान पोकारनार [(माणस)
मुअज़्ज़म वि० [अ.] प्रतिष्ठित, मोटुं
मुअज़्ज़िज़ वि० [अ.] इज्जतदार; प्रतिष्ठित
मुअज़्ज़िन पुं० [अ.] जुओ 'मुअज़्ज़न'
मुअतदिल वि० [अ.] जुओ 'मातदिल'
मुअतबर वि० [अ.] जुओ 'मातबर'
मुअत्तल वि० [अ.] (दंड रूपे) अमुक समय कामथी बरतरफ करायेलुं
मुअद्दिब वि० [अ.] अदबवाळुं; विनयी
मुअद्दिब पुं० [अ.] अदब शीखवनार
मुअन्नस पुं० [अ.] मादा (२) स्त्रीलिंग
मुअम्मा पुं० [अ.] भेद; रहस्य (२) गोटाळो
मुअय्यन वि०[अ.]नक्की करेलुं; निश्चित
मुअल्लक़ वि० [अ.] लटकतुं
मुअल्ला वि० [अ.] सर्वोच्च (२) मान्य
मुअल्लिम वि० [अ.] 'इल्म' – ज्ञान देनार; शिक्षक. –मा स्त्री० शिक्षिका. –मी स्त्री० शिक्षकनो धंधो
मुअस्सिर वि० [अ.] असरकारक; प्रभावयुक्त
मुआफ़ वि०[अ.]माफ (नाम,–फ़ी स्त्री०)
मुआफ़िक वि० [अ.] माफक; अनुकूल (२) सरखुं; बरोबर; जेवुं; मळतुं. ०त स्त्री० माफक होवुं ते
मुआफ़ी स्त्री० [अ.] माफी
मुआमलत स्त्री० [अ.] जुओ 'मामलत'
मुआमला पुं० [अ.] जुओ 'मामला'
मुआयना पुं० [अ.] तपास; निरीक्षण
मुआलिज पुं० [अ.] इलाज करनार
मुआलिजा पुं० [अ.] इलाज; चिकित्सा
मुआवज़ा पुं० [अ.] मुआजेब; बदलो के महेनताणुं या वळतर
मुआहदा पुं० [अ.] निश्चय; करार
मुक़त्ता वि० [अ.] कापी करीने ठीक करेलुं (२) सभ्य; शिष्ट
मुक़द(–द्द)मा पुं० [अ. मुक़द्दमा] मुकद्दमो; दावो. –मेबाज़ वि० दावा लडवानुं रसियुं. –मेबाज़ी स्त्री०
मुक़द्दम वि० [अ.] कदमी; प्राचीन; पुराणुं (२) जरूरी (३) पुं० मुखी; नेता
मुक़द्दमा पुं० [अ.] जुओ 'मुक़दमा'
मुक़द्दर वि० [अ.] गंदुं; मेलुं (२) क्षुब्ध
मुक़द्दर पुं० [अ.] नसीब
मुक़द्दस वि० [अ.] पाक; पवित्र
मुक़म्मल वि० [अ.] संपूर्ण

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मुकरना अ०क्रि० मुकरी जवुं; कहीने फरी जवुं

मुक़र्रब पुं० घनिष्ठ मित्र [-मा)

मुकर्रम वि० [अ.] संमान्य; पूज्य (स्त्री०

मुकर्रर अ० [अ.] बीजी वार; फरीथी

मुक़र्रर वि० [अ.] मुकरर; नक्की थयेलुं (२) नियुक्त (नाम, -री स्त्री०)

मुक़र्रिर वि० [अ.] वक्ता; 'तक़रीर' के व्याख्यान करनार

मुक़व्वियात स्त्री० [अ.] पौष्टिक दवाओ

मुक़व्वी वि० [अ.] पौष्टिक

मुक़ाबला पुं०[अ.] सामसामा आवी जवुं ते;'मुठभेड़' (२)हरीफाई (३)मुकाबलो; तुलना (४) विरोध

मुक़ाबिल पुं०[अ.] हरीफ (२) विरोधी; शत्रु (३) अ० सामे; आगळ

मुक़ाम पुं० [अ. मक़ाम] जगा; मुकाम; उतारो (२) स्थान; अवसर

मुक़ामी वि० स्थानिक (२) कायम

मुक़िर वि०[अ.] एकरार करनार; साख (२) दस्तावेज लखनार

मुकुट पुं० [सं.] मुगट; ताज

मुकुर पुं० [सं.] दर्पण

मुकुल पुं० [सं.] कळी. -लित वि० कळीवाळुं (२) अर्ध खीलेलुं (३) पलकतुं (नेत्र)

मुक़ैयद वि० [अ.] केद करायेलुं

मुक्का पुं० मुक्को; घुम्मो. -क्की स्त्री० मुक्केबाजी; मुक्कामुक्कीनी लडाई (२) धीमी मुक्कीथी शरीरनी चंपी

मुक्त वि०[सं.] छूटेलुं; छूटुं; बंधनरहित

मुक्ता स्त्री०, ०फल पुं०[सं.] मोती

मुक्ति स्त्री०[सं.] छूट; छुटकारो; मोक्ष

मख पुं० [सं.] मोढुं

मुखड़ा पुं० मुखडुं; चहेरो

मुख़तार पुं०[अ.]मुखत्यार;एलची;वकील

मुख़तार-ए-आम पुं० [अ.] मुखत्यार-नामावाळो; प्रतिनिधि

मुख़तारनामा [अ.+फा.]पुं०मुखत्यारनामुं

मुख़तारी स्त्री०[फा.] 'मुख़तार' नुं काम के पद

मुख़न्नस वि० [अ.] नपुंसक [संक्षेप

मुख़फ़्फ़फ़ वि०[अ.] संक्षिप्त (२) पुं०

मुखबंध पुं० [सं.] प्रस्तावना (ग्रंथनी)

मुख़बिर पुं०[अ.] जासूस. -री स्त्री० जासूसी

मुखर वि०[सं.] बोलकणुं (२) कडवाबोलुं

मुख़लिस वि०[अ.] एकलुं(२)अविवाहित

मुख़लिसी स्त्री०[अ.] छुटकारो; मुक्ति

मुखशुद्धि स्त्री०[सं.] मुखवास (२) मों दांत इ० साफ करवुं ते [करेलुं

मुखस्थ, मुखाग्र वि०[सं.] कंठस्थ; मोढे

मुख़ातिब वि०[अ.] कहेवा के सांभळवा प्रवृत्त थनार; सन्मुख थनार

मुखापेक्षा स्त्री०[सं.] कोईना मों सामे ताकवुं ते; आश्रितता

मुखापेक्षी पुं० आश्रित; मुखापेक्षावाळो

मुख़ालिफ़ वि०[अ.] विरोधी (२) शत्रु (३) ऊलटुं. ०त स्त्री० विरोध; शत्रुता

मुख़ासमत स्त्री० [अ.] शत्रुता

मुखिया पुं० मुखी; नायक

मुख़िल वि० [अ.] खलेल पाडनारुं; विघ्नकर [(२) भिन्न

मुख़्तलिफ़ वि०[अ.] जुदुं जुदुं; विविध

मुख़्तसर वि०[अ.] मुखतेसर; टूंकुं (२) थोडुं; अल्प. ०न् अ० टूंकामां

मुख़्तार पुं० [अ.] जुओ 'मुखतार'

मुख्य वि०[सं.] प्रधान;सौथी आगळनुं;वडुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मुगदर पुं० [सं. मुद्‌गर] मगदळियो

मुग़ल पुं०[फा.] मोंगलनो वतनी (२) मोगल जाति. ०ई वि० मोगलाई

मुग़लाई वि० (२) स्त्री० मोगलाई

मुग़लानी स्त्री० मोगल स्त्री (२) दासी (३) कपडां सीवनार स्त्री

मुग़ालता पुं०[अ.] छळ; कपट; दगो (२) भूल; भ्रम

मुग़ीस वि० [अ.] (दावामां) वादी

मुग्घम वि० मोघम; अस्पष्ट. **–रहना**= चूप रहेवुं (व्यक्तिए) (२) स्पष्ट न थवुं

मुग्ध वि० [सं.] मोहित (२) भोळुं

मुचलका पुं०[तु.] मुचरको; जामिनखत

मुछंदर पुं० मोटो मुछाळो (२) कुरूप ने मूर्ख माणस

मुज़क्कर पुं० [अ.] पुंलिंग (२) नर

मुज़तर(०ब) वि०[अ.] बेचेन; व्याकुळ

मुजदा स्त्री० जुओ 'मुझदा'

मुज़फ़्फ़र वि० [अ.] विजयी

मुज़बज़ब वि०[अ.] गोटाळामां पडेलुं; अनिश्चित; अस्थिर

मुज़म्मत स्त्री०[अ.मज़म्मत] बूराई;निंदा

मुजरा पुं० [अ.] जारी करेलुं ते (२) मुजरे के मजरे करवुं ते; मजरो (३) मुजरो; सलाम (४) वेश्यानुं नाच वगरनुं सादुं गायन

मुजरिम पुं० [अ.] आरोपी; गुनेगार

मुज़र्रत स्त्री०[अ. मज़र्रत] हानि;नुकसान

मुजर्रद वि०[अ.] कुंवारुं (२) एकलुं

मुजर्रब वि० [अ.] अजमावेलुं; तपासेलुं

मुजल्लद वि० [अ.] 'सजिल्द'–पूंठानी बांधणीवाळुं (पुस्तक) [मूर्तिमंत

मुजस्स(–स्सि)म वि० [अ.] साक्षात्;

मुज़ाअफ़ वि० [अ.] मुजाफत; बमणुं

मुज़ायक़ा पुं० [अ.] वांधो; हरकत; नुकसान

मुज़ारा वि० [अ.] समान; बराबर

मुजाव–(वि)र पुं०[अ.मुजावर] 'मज़ार' –कबर जेवां स्थाननो रक्षक के पूजारी

मुजाहिद पुं० [अ.] जेहाद लडनार

मुजिब अ० मुजब; प्रमाणे (२) पुं० कारण; हेतु

मुज़िर वि० [अ.] हानिकारक; खराब

मुझ स० 'मैं'नुं १ली तथा ६ठ्ठी विनानी विभक्तिओमां थतुं रूप. उदा० 'मुझको'

मुझदा स्त्री० [अ.] शुभ खबर

मुझे स० मने ('मैं'नुं २जी, ४थीनुं रूप)

मुटका पुं० मुकटो; रेशमी अबोटियुं

मुटाई स्त्री० स्थूलता; जाडपण (२) मोटाई; अभिमान

मुटाना अ०क्रि० 'मोटा' (शरीरे जाडा के अभिमानी) थई जवुं

मुटासा वि० बेपरवा ने घमंडी

मुटिया पुं० मजूर; हेलकरी

मुट्ठा पुं० मुठ्ठो (२) मूठ; हाथो

मुट्ठी स्त्री० मुट्ठी (२)चंपी. **–भरना** = पग दाबवा; चंपी करवी

मुठभेड़ स्त्री० झघडो; लडाई; अथडामण

मु[ठ]िया स्त्री० दस्तो; हाथो (२) मुठ्ठी

मुड़ना अ०क्रि० मोडावुं; वळवुं; वांकुं थवुं

मुड़हर पुं० साल्लानो माथावटीनो भाग

मुड़िया पुं० मूंडियो; माथुं मूंडावेलो

मुतअद्दद वि० [अ.] अनेक; कंई

मुतअद्दी वि० [अ.] चेपी (रोग) (२) (व्या.) सकर्मक

मुतअल्लिक़ वि० [अ.] 'तअल्लुक़'–संबंध राखतुं (२) अ० ए संबंधे; विषे; बाबत

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मुतअल्लिक़ीन पुं० [अ.] संबंधी लोको; सगांसंबंधी; आश्रित लोको
मुतकल्लिम वि० [अ.] (व्या.) बोलनार –पहेलो पुरुष
मुतफ़न्नी वि० [अ.] पहोंचेल; चालाक; [धूर्त
मुतफ़र्रिक़ वि० [अ.] तफरके–अस्तव्यस्त थयेलुं (२) विविध; तरेहवार
मुतबन्ना पुं० [अ.] दत्तक पुत्र
मुतबर्र(–र्रि)क वि० [अ. मुतवर्रक] मुबारक (२) पवित्र
मुतमइन वि० [अ.] संतुष्ट (२) शांत
मौतमौवल वि० [अ. मुतमव्विल] धनी; अमीर
मुतरज्जिम वि० [अ. मुतरजिम] अनु- [वादक; तरजुमो करनार
मुतरिब पुं० [अ.] गायक (नाम, **–बी**)
मुतलक़ अ० [अ.] जरा पण; मुतलग
मुतलाशी वि० [अ.] तलाश करनार
मुतवज्जह वि० [अ.] ध्यान देनार
मुतवातिर अ० [अ.] सतत; लगातार
मुतसद्दी पुं०[अ.] मुत्सद्दी; मुनशी; महेतो के प्रबंध करनार
मुतहम्म(–म्मि)ल वि०[अ.] सहिष्णु; [सहनशील
मुतहैयर वि० [अ.] आश्चर्यचकित
मुताबिक़ अ०[अ.] अनुसार; प्रमाणे (२) वि० अनुकूल (नाम, **मुताबिक़त** स्त्री०)
मुतालबा पुं०[अ.] बाकी मागती रकम–लेणुं
मुताला पुं० [अ.] भणवुं ते; अभ्यास; [स्वाध्याय
मुतास्सिब वि० [अ.] कट्टर; चुस्त
मुतास्सिर वि०[अ.] असर तळे आवेलुं
मुताह पुं०[अ.] शिया मुसलमानोमां थतो अमुक अस्थायी विवाह
मुताही स्त्री० 'मुताह' करेली स्त्री (२) [रखात
मुत्तफ़िक़ वि०[अ.] सहमत; एकतावाळुं
मुत्तसिल वि० [अ.] पासेनुं; संबद्ध
मुत्तह(–हि)द वि०[अ.] जोडे मळेलुं; संयुक्त
मुद पुं० [सं.] हर्ष; आनंद
मुदब्बिर पुं०[अ.] सलाहकार; अमात्य
मुदम्मिग़ वि० [अ.] अभिमानी
मुदर्रिस पुं०[अ.] शिक्षक. **–सी** स्त्री० शिक्षकनुं काम
मुदल्लल वि०[अ.] दलीलवाळुं; तर्कसिद्ध
मुदल्लिल वि० [अ.] दलील करनार
मुदाख़लत स्त्री०[अ.] जुओ 'मदाख़िलत'
मुदाम अ० [अ.] सदा (२) सतत
मुदामी वि० सदा हयात
मुदारात स्त्री० [अ.] आगतास्वागता
मुदित वि० [सं.] राजी थयेलुं; प्रसन्न
मुद्‌गर पुं० [सं.] मगदळ
मुद्दआ पुं० [अ.] मुद्दो; अभिप्राय; मतलब
मुद्दई पुं० [अ.] दावो करनार; वादी (२) शत्रु; मूदई (स्त्री० **मुद्दैया**)
मुद्दत स्त्री० [अ.] मुदत; अवधि (२) समय; अरसो
मुद्दा-अलेह, मुद्दालेह पुं० [अ.] प्रतिवादी
मुद्दैया स्त्री० [अ.] जुओ 'मुद्दई' मां
मुद्रक पुं० [सं.] छापनार
मुद्रण पुं० [सं.] छापवुं ते
मुद्रणालय पुं० [सं.] छापखानुं
मुद्रा स्त्री० [सं.] छाप; महोर (२) वींटी (३) टाईप; बीबुं (४) अभिनयनी मुद्रा
मुद्राक्षर पुं० [सं.] छापवाना अक्षर; बीबुं
मुद्रायंत्र पुं० [सं.] छापखानानुं यंत्र
मुद्रिक,–का स्त्री० [सं.] वींटी
मुद्रित वि० [सं.] छापेलुं (२) सीलबंध
मुधा अ० [सं.] वृथा (२) वि० व्यर्थ (३) असत्य

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मुनकिर वि० [अ.] इन्कार करनार (२) नास्तिक
मुनक़्क़ा पुं० [अ.] मोटी किसमिस
मुनगा पुं० सरगवो [कोतरकाम
मुनब्बतकारी स्त्री० [अ.] पथ्थर परनुं
मुनसिफ़ पुं० जुओ 'मुंसिफ़'
मुनहनी वि० [अ.] वळेलुं; वांकुं (२)सूकलुं
मुनहरिफ़ वि० [अ.] वक्र (२) विरोधी
मुनहसिर वि०[अ.] आश्रित; आधारवाळुं
मुनाजरा पुं० [अ.] वादविवाद; चर्चा
मुनादी स्त्री० [अ.] ढंढेरो
मुनाफ़ा पुं० [अ. मुनाफ़अ] नफो
मुनासिब वि० [अ.] मुनासब; योग्य; ठीक (२) अ० प्रमाणे; अनुसार
मुनीब(-म) पुं० [अ.] मुनीम (२) मददगार
मुनीश, -श्वर पुं० [सं.] श्रेष्ठ मुनि
मुन्तक़िल वि० [अ.] स्थानांतर करेलुं के थयेलुं
मुन्तख़िब वि०[अ.] चूंटायेल; 'मनोनीत'
मुन्तज़िम वि०[अ.] 'इंतज़ाम' करनार
मुन्तज़िर वि० [अ.] इंतेजार
मुन्तही वि० [अ.] पूर्ण
मुन्ना पुं०, **-न्नी** स्त्री० प्रिय; प्यारा (नानाने माटे प्रेमनो शब्द)
मुफ़लिस वि० [अ.] गरीब; रंक. **-सी** स्त्री० गरीबाई
मुफ़सदा पुं०[अ.] फिसाद;बखेडो (२)दंगो
मुफ़सिद वि०[अ.] फिसादखोर; उपद्रवी
मुफ़स्सल वि०[अ.] विगतवार; विस्तृत (२)पुं० मुफसिल; मुख्य नगर बहारनो प्रदेश
मुफ़ारक़त स्त्री० [अ.] जुदाई; वियोग
मुफ़ीज वि०[अ.] गुणकारक; उपकारक
मुफ़ीद वि०[अ.] फायदेमंद; लाभकारी
मुफ़्त वि०[अ.] मफतनुं. **-में**=मफत (२) व्यर्थ; नकामुं [मफतियापणुं
मुफ़्तख़ोर पुं० मफतियो. **-री** स्त्री०
मुफ़्ती वि० मफतनुं (२) पुं०[अ.] मुफ्ती; मुसलमान धर्मशास्त्री
मुबतला वि० जुओ 'मुब्तला'
मुबद्दल वि० [अ.] बदलायेलुं
मुबनी वि० [अ. मबनी] आश्रित
मुबर्रा वि०[अ.]पवित्र;साफ (२) निर्दोष
मुबलिग़ पुं०[अ.] रकम (धननी) (२) वि० कुल नक्की [अदलबदल
मुबादला पुं० [अ.] मोंबदलो; अवेज;
मुबादा अ० [फा.] कदाच; रखे ने
मुबारक वि०[अ.] शुभ; भलुं; मंगळ. **०बाद(-दी),मुबारकी** स्त्री० धन्यवाद
मुबाल(-लि)ग़ा पुं०[अ.] अतिशयोक्ति
मुबाह पुं० [अ.] (कुरानमां) विहीत; शास्त्रविधियुक्त ['बहस'
मुबाहिसा पुं०[अ.] वादविवाद; चर्चा;
मुब्तदी पुं०[अ.] शिखाउ; नवो विद्यार्थी
मुब्तला वि०[अ.] (रोग के संकटमां) सपडायेलुं
मुमकिन वि० [अ.] संभवित; शक्य
मुमतहिन पुं०[अ.] परीक्षक; 'मुम्तहिन'
मुमताज़ वि० [अ.] माननीय
मुमलकत स्त्री० [अ. मम्लुकत] राज्य; सल्तनत
मुमानअत, मुमानिअ(-य)त स्त्री०[अ.] मुमानियत; मनाई; निषेध
मुमानी स्त्री० मामी
मुमुक्षा स्त्री०[सं.] मोक्षनी इच्छा. **-क्षु** वि० तेनी इच्छावाळुं [उमेदवार
मुम्तहन पुं०[अ.] परीक्षार्थी; परीक्षानो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मुम्तहिन पुं० [अ.] परीक्षक
मुरकना अ०क्रि० मरडावुं; वळवुं; झूकवुं (नाम, **मुरक** स्त्री०)
मुरग़ा पुं० [फा. मुर्ग़] (स्त्री०–**ग़ी**) मुरघो
मुरग़ाबी स्त्री० मुरघाबी; जळकूकडी
मुरचंग पुं० मोरचंग; मोंथी बजाववानुं एक वाद्य
मुरज पुं० [सं.] मृदंग
मुरझाना अ०क्रि० करमावुं (२) सुस्त के खिन्न थवुं
मुरतकिब पुं० जुओ 'मुर्तकिब'
मुरतहिन पुं० जुओ 'मुर्तहिन'
मुरतिद पुं०[अ.] इस्लाम छोडी देनार
मुरत्तब वि० [अ.] क्रमबद्ध
मुरत्तिब पुं० [अ.] क्रममां गोठवनार
मुरदन पुं० जुओ 'मुर्दन'
मुरदनी स्त्री० जुओ 'मुर्दनी'
मुरदा पुं० जुओ 'मुर्दा'
मुरदार वि० [फा.] मुडदाल; मृत (२) अपवित्र (३) पुं० लाश; मडदुं
मुरब्बा पुं० [अ.] मुरब्बो (२) समचोरस (३) वि० वर्ग (संख्यानो)
मुरब्बी पुं० [अ.] वाली; वडील
मुरमुराना अ०क्रि० चूरेचूरा थई जवुं
मुरली,–लिका [सं.], **–लिया** (प.) स्त्री० मोरली; वंसी
मुरव्वज वि०[अ.]रिवाज पडेलुं; प्रचलित
मुरव्वत स्त्री० [अ.] सज्जनता; शील; सारमाणसाई (२) जुओ 'लिहाज़'
मुरशिद पुं० [अ.] गुरु (२) पूज्य व्यक्ति
मुरस्सा वि० [अ.] जडाउ; नंग जडेलुं. **०कार** पुं० नंग जडनार कारीगर
मुर(–ल)हा वि० मूल नक्षत्रमां जन्मेलुं (२) तोफानी (३) अनाथ
मुराद स्त्री० [अ.] इच्छा; अभिलाषा. **–पाना**=मुराद बर आववी **–माँगना**= मुराद पूरी करवा प्रार्थना करवी
मुरादी वि० [अ.] मुरादवाळुं
मुराफ़ा पुं० [अ.] अपील (अदालतमां)
मुरासला पुं०[अ. मुरासिलः] पत्र; कागळ
मुरासलात पुं० [अ.] 'मुरासला' नुं व.व. (२) पत्रव्यवहार
मुरीद पुं० [अ.] चेलो; शिष्य
मुरेठा पुं० फेंटो; साफो
मुरौवज वि० जुओ 'मुरव्वज'
मुरौवत स्त्री० जुओ 'मुरव्वत'
मुर्ग़ पुं० [फा.] मुरघो. **–र्ग़ी** स्त्री० मुरघी
मुर्तकिब पुं० [अ.] अपराधी; गुनेगार
मुर्तहन वि० [अ.] गीरो राखेलुं
मुर्तहिन पुं० [अ.] गीरो राखनार
मुर्दन पुं० [फा.] मरण
मुर्दनी स्त्री० [फा.] मरणनां (मुख परनां) चिह्न (२) मरणयात्रा के तेमां जवुं ते
मुर्दा पुं० [फा.] मडदुं
मुर्रा पुं० मरडो
मुर्री स्त्री० दोरानी एक सांध (२) कपडानी कल्ली करी टंगावता पहेलां वळ आपे छे ते (३) आमळीने करेली दिवेट के ओटी
मुर्शिद पुं० [अ.] जुओ 'मुरशिद'
मुलक पुं० जुओ 'मुल्क'
मुलकना अ०क्रि० (प.) मलकवुं; धीमेथी [हसवुं
मुलकी वि० जुओ 'मुल्की'
मुलजिम वि० [अ.] आरोपी; अपराधी
मुलतवी वि० [अ.] जुओ 'मुल्तवी'
मुलमची पुं० गिलेट चडावनार
मुलम्मा पुं०[अ.] गिलेट; ढोळ. **०गर, ०साज़** पुं० गिलेट करनार

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मुल्हा वि० जुओ 'मुरहा'
मुलाक़ात स्त्री०[अ.] मेळाप; भेट (२) मेळ; परिचय
मुलाक़ाती पुं० मुलाकात लेनार अथवा परिचित व्यक्ति [मळनार
मुलाक़ी पुं० [अ.] मुलाकात लेनार;
मुलाज़िम पुं० [अ.] नोकर; सेवक
मुलाज़िमत स्त्री० [अ.] नोकरी; सेवा
मुलायम वि० [अ.] मृदु; नाजुक (२) मंद; धीमुं. **–करना**=नरम, शांत करवुं. **–चारा**=हलको खोराक (२) सहेजे बीजानी वातमां फसाय एवुं (३) सुप्राप्य (४) नाजुक शरीरनुं
मुलायम(–मिय)त [अ.], **मुलायमी** स्त्री० मुलायमपणुं
मुलाहज़ा पुं०[अ.] देखरेख (२) मलाजो; मर्यादा (३) आदरयुक्त नम्र वर्तन
मुलेठी स्त्री० जेठीमध
मुलैयन वि० [अ.] रेचक
मुल्क पुं०[अ.] मुलक; देश (२) राज्य. **०गीरी** स्त्री० बीजा देश जीतवा ते. **०दारी** स्त्री० राज्यवहीवट; शासन. **–ल्की** वि० मुलकी;देशी (२)लश्करीथी ऊलटुं [मोकूफ
मुल्तवी वि० [अ.] मुलतवी; स्थगित;
मुल्ला पुं० [अ.] मुल्लां (२) शिक्षक (मस्जिदनो). **०नी** स्त्री० मुल्लांनी स्त्री
मुवक्किल पुं० [अ.] वकीलनो असील
मुवज्जह वि० [अ.] तर्कशुद्ध; योग्य
मुवज्ज़िन पुं० [अ.] अज्ञान के बांग पोकारनार
मुवना अ०क्रि०(प.)मरवुं (प्रेरक **मुवाना**)
मुवर्रिख़ पुं० [अ.] इतिहासकार
मुवस्सिर वि० [अ.] असरकारक
मुवाफ़क़त वि० [अ.] जुओ 'माफ़क़त'
मुवाफ़िक़ वि० [अ.] माफक; अनुकूळ(२) समान; बराबर (३) योग्य; उचित
मुशज्जर पुं० [अ.] एक जातनुं छापेलुं भातीगर कपडुं
मुशफ़िक़ वि० [अ.] दयावान; महेरबान (२) दोस्त; मित्र ['मुशावह'
मुशब्बह वि० [अ.] समान; तुल्य;
मुशर्रफ़ वि० [अ.] उच्च (२) माननीय
मुश(–ष)ल पुं० [सं.] मूसळ; सांबेलुं
मुशाइ(–य)रा पुं०[अ.]जुओ 'मुशायरा'
मुशाबह वि० [अ.] मळतुं; समान (नाम, **मुशाबहत** स्त्री०)
मुशायरा पुं० मुशायरो; कविसंमेलन
मुशाहदा पुं० [अ.] देखवुं ते; दर्शन
मुशाहरा पुं० [अ.] मुसारो; पगार
मुशाहिद वि० [अ.] देखनार; प्रेक्षक
मुशाहीर पुं० [अ. मशाहीर] मशहूर लोक
मुशीर पुं० [अ.] सलाहकार (२) वजीर
मुश्क पुं० [फा.] कस्तूरी (२) स्त्री० भुजा; खभा कोणी वच्चेनो हाथनो भाग. **मुश्कें कसना या बाँधना**= मुश्केटाट बांधवुं
मुश्किल वि० [अ.] मुश्केल (२) स्त्री० मुश्केली; मुसीबत [परमेश्वर
मुश्किल-कुशा पुं० [अ.+फा.]दुःखभंजन;
मुश्की वि०[फा.] कस्तूरीना रंगनुं; काळ (२) कस्तूरीवाळुं
मुश्त पुं० [अ.] मूठी
मुश्तबह वि० [अ.] संदिग्ध
मुश्तमिल वि०[अ.] भेगुं; सामेल थयेलुं; संमिलित; जोडायेलुं
मुश्तरक,–का वि० [अ.] संयुक्त; भेगुं
मुश्तरिक वि० [अ.] भागीदार

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मुश्तहर वि० [अ.] प्रसिद्ध; प्रकाशित
मुश्तहिर वि०[अ.] प्रकाशक; प्रसिद्धकर्ता
मुश्ताक़ वि० [अ.] मुस्ताक; इच्छुक; आतुर; भारे कामनावाळुं (२) शोख-वाळुं (३) आशक; प्रेमी
मुषल पुं० जुओ 'मुशल' [मूठ
मुष्टि स्त्री०[सं.] मूठी (२) मुक्को (३)
मुसकराना अ०क्रि० मुस्कावुं; मंद हसवुं
मुसकराहट स्त्री० स्मित; मुस्कावुं ते
मुसकाना अ०क्रि० मुस्कावुं; मलकावुं
मुसजर पुं० (प.) जुओ 'मुशज्जर'
मुसद्दक़ा वि०[अ.] तपासेलुं; प्रमाणित
मुसद्दस पुं० [अ.] षट्कोण (२) छप्पो
मुसद्दिक़ पुं० [अ.] तपासनार
मुसना अ०क्रि० चोरावुं
मुसन्ना पुं० [अ.] नकल के पहोंचनुं अडधियुं [लेखिका
मुसन्निफ़ पुं०[अ.] लेखक. **–फ़ा** स्त्री०
मुसफ़्फ़ा वि० [अ.] शुद्ध; साफ
मुसब्बर पुं० [अ.] एक दवा
मुसम्मन वि० (२) पुं०[अ.] अष्टकोण
मुसम्मम वि० [अ.] पाकुं; दृढ
मुसम्मा वि० [अ.] नामी; नामवाळुं
मुसम्मात स्त्री०[अ.] श्रीमतीनी माफक स्त्रीओनां नामनी साथे जोडाय छे. उदा० मुसम्मात हमीदा (२) स्त्री
मुसरिफ़ वि० [अ.] खर्चाळ; उडाउ
मुसर्रत स्त्री० [अ.] खुशी; आनंद
मुसलमान पुं०[फा.]इस्लामनो अनुयायी. **–नी** वि० ते संबंधी (२) स्त्री० सुन्नत (३) मुस्लिम स्त्री [मुसलमान
मुसलमीन पुं० ['मुस्लिम'नुं ब०व०]
मुसलसल वि० [अ.] क्रमबद्ध; क्रमिक
मुसलाधार अ० मूसळधार

मुसलिम पुं० जुओ 'मुस्लिम'. **०लीग** स्त्री० ए नामनी संस्था. **०लीगी** पुं० ते संस्थानो सभ्य
मुसलि(–ले)ह वि० [अ.] सुधारक
मुसल्लम वि० [फा.] मान्य; मंजूर (२) साबूत; अखंड (३) पूरुं; कुल
मुसल्लस पुं० [अ.] त्रिकोण
मुसल्लह वि० [अ.] सशस्त्र
मुसल्ला पुं० [अ.] नमाजनो मुसल्लो
मुसवद्दा पुं० 'मसविदा'; मुसद्दो
मुसव्विर पुं० [अ.] चित्रकार. **–री** स्त्री० चित्रकळा
मुसहर पुं० एक जंगली जातनो माणस. **–रिन** स्त्री० तेनी स्त्री
मुसहिल वि० [अ.] रेचक
मुसाफ़हा पुं० [अ.] मळती वखते मित्र जोडे हाथ मेळववो ते
मुसाफ़िर पुं० [अ.] मुसाफर. **०ख़ाना** पुं० धरमशाळा. **०गाड़ी** स्त्री० रेलवे ट्रेन. **०त,–री** स्त्री० [अ.] मुसाफरी
मुसालहत स्त्री० [अ.] जुओ 'मसालहत'
मुसावात स्त्री० [अ.] बराबरी; समानता
मुसावी वि० [अ.] बरोबर; तुल्य (२) समांतर (लीटी)
मुसाह(–हि)ब पुं०[अ.] साथी; हजूरमां रहेनार. **०त,–बी** स्त्री० संग; साथ
मुसीबत स्त्री० [अ.] मुश्केली; कष्ट
मुस्कराना अ०क्रि० जुओ 'मुसकराना'. **–हट** स्त्री० जुओ 'मुसकराहट'
मुस्किरात पुं० [अ.] मादक पदार्थो
मुस्तंडा वि० हृष्टपुष्ट (२) बदमाश
मुस्तअफ़ी वि० [अ.] 'इस्तीफ़ा'–राजीनामुं देनार
मुस्तक़बिल पुं० [अ.] भविष्यकाळ

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मुस्तक़िल वि० [अ.] दृढ; स्थिर (२) मुस्ताक; मजबूत
मुस्तक़ीम वि० [अ.] सीधुं; टटार
मुस्तग़ीस पुं०[अ.] दावेदार; फरियादी
मुस्ततील पुं० [अ.] लंबचोरस
मुस्तनद वि० [अ.] प्रमाणभूत
मुस्तफ़ा वि०[अ.] शुद्ध (२) पुं० शुद्ध दुर्गुणरहित पुरुष [आशावाळुं
मुस्तफ़ीज़ वि०[अ.] लाभ के उपकारनी
मुस्तफ़ीद वि० [अ.] फायदो चाहतुं
मुस्तवी वि० [अ.] समतल; सपाट
मुस्तस्ना वि०[अ.] अलग पडतुं; जुदुं (२) अपवादरूप [पात्र
मुस्तहक़ वि०[अ.] अधिकारी; हकदार;
मुस्तहकम वि० [अ.] दृढ (२) वाजबी
मुस्तेमल वि०[अ.] उपयोगमां आवतुं–वपरातुं [–दी स्त्री०
मुस्तैद वि० [अ.] तत्पर (२) चालाक.
मुस्तौजिर पुं०[अ.] ठेकेदार; इजारदार. **–री** स्त्री० ठेको; इजारो
मुस्तौफ़ी पुं०[अ.] अन्वेषक; 'ऑडिटर'
मुस्बत वि०[अ.] प्रमाणित; सिद्ध (२) (व्या.) हकारवाचक
मुहकम वि० [अ.] दृढ; पाकुं
मुहक़मा पुं० [अ.] 'महक़मा'; खातुं; विभाग [ठीक; सारुं
मुहक़्क़क़ वि०[अ.] अजमावी जोयेलुं (२)
मुहक़्क़िक़ पुं०[अ.] परीक्षक;अजमावनार
मुहज़्ज़ब वि० [अ.] शिष्ट; सभ्य
मुहतमिम पुं० [अ.] व्यवस्थापक
मुहताज वि० [अ.] गरीब; कंगाळ (२) आश्रित (नाम;**–जी** स्त्री०) [जाणनार
मुहद्दिस पुं० [अ.] 'हदीस'–धर्मशास्त्र
मुहन्दिस पुं० [अ.] गणिती

मुहब्बत स्त्री० [अ.] महोबत; प्रेम; चाह; दोस्ती. **–ती** वि० प्रेमी
मुहम्मद पुं० [अ.] महम्मद पेगंबर (२) वि० अति प्रशंसा पामेलुं. **–दी** वि० पेगंबरने लगतुं (२) मुस्लिम
मुहय्या वि० जुओ 'मुहैया'
मुहर स्त्री० महोर; छाप; सील. **–करना** =महोर मारवी
मुहरा पुं० सामेनो – मोरनो भाग (२) [फा.] शेतरंजनुं महोरुं. **–लेना**=सामे आवीने लडवुं
मुहर्रम पुं० [अ.] मोहरम; अरबी वर्षनो पहेलो मास. **–की पैदाइश**=रोतल के शोकातुर चहेरानुं माणस
मुहर्रमी वि० मोहरम अंगेनुं के लगतुं (२) शोकदर्शक; दुःखी. **०सूरत** पुं० जुओ 'मुहर्रमकी पैदाइश'
मुहर्रिक वि० [अ.] संचालक (२) नेता
मुहर्रिर पुं० [अ.] मुनशी; महेतो; कारकुन; लहियो (नाम, **–री**)
मुहलत स्त्री० [अ.] फुरसद (२) छुट्टी (३) अवधि; महेतल
मुहल्ला पुं० [अ.] महोल्लो
मुहसिन वि० [अ.] उपकार करनार
मुहस्सिल वि० उघरावनार; वसूल करनार (२) पुं० पायदल सैनिक
मुहाजरत स्त्री० [अ.] अलग थवुं ते (२) हिजरत करवी ते
मुहाफ़ज़त स्त्री० [अ.] 'हिफ़ाज़त'; संभाळ; रक्षा
मुहाफ़ा पुं० [अ.] माफो; रथ (स्त्री माटे)
मुहाफ़िज़ वि०[अ.] 'हिफ़ाज़त' करनार; संरक्षक; संभाळ लेनार. **०ख़ाना** पुं० दफ्तरखानुं; कागळ दस्तावेज संभाळी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

राखवानुं स्थान. ०त स्त्री० रक्षा; संभाळ. ०दफ़्तर पुं० दफ्तरी; 'रेकर्डकीपर'

मुहार स्त्री० [फा.] ऊंटनी नकेल—नाथ

मुहाल वि० [अ.] असंभव; अघरुं

मुहावरा पुं० [अ.] महावरो; आदत (२) भाषानो रूढिप्रयोग; कहेवत

मुहासरा पुं० [अ.] घेरो

मुहासिब [अ.] हिसाबनीस (२) अन्वेषक (३) गणिती

मुहासिरा पुं० जुओ 'मुहासरा'

मुहासिल पुं० [फा.] आवक (सरकारी अने बीजी) (२) नफो

मुहिब्ब पुं० [अ.] दोस्त

मुहिम स्त्री० [अ.] भारे काम (२) लडाई (३) चडाई; आक्रमण

मुहीत वि० [अ.] घेरो घालनारुं (२) पुं० घेरो

मुहीब वि० [अ. महीब] डरामणुं; भयानक

मुहूर्त पुं० [सं.] शुभ घडी; महुरत (२) अमुक समय – दिवसनो ३० मो भाग

मुहैया वि० [अ.] तैयार; हाजर

मूँग स्त्री० पुं० मग

मूँगफली स्त्री० मगफळी

मूँगा पुं० परवाळुं; एक लाल रत्न

मूँछ स्त्री० मूछ. **—उखाड़ना** = अभिमान उतारवुं. **मूँछें नीची होना**=मूछ नीची थवी; पाछा पडवुं; आबरू जवी. **मूँछों पर ताव देना** = मूछ पर ताल देवो; मूछ मरडवी

मूँज स्त्री०; मुंज घास

मूँड़ पुं० मुंड; माथुं. **—चढ़ाना** = मोढे चडाववुं. **—मारना**=माथाझीक करवी. **—मुँड़ाना** = संन्यासी थवुं

मूँड़न पुं० मुंडन; मूंडाववुं ते

मूँड़ना स० क्रि० मूंडवुं

मूँड़ी स्त्री० माथुं. **०काटा** पुं० 'मूओ' अर्थनो स्त्रीओनो पुरुष माटे प्रयोग.

मूँदना स० क्रि० ढांकवुं

मू, मूए पुं० [फा.] मुवाळो; वाळ

मूक वि० [सं.] मूगुं (२) विवश; लाचार

मूकना स० क्रि० (प.) मूकवुं; छोडवुं

मूका पुं० मुक्को

मूछ स्त्री० 'मूँछ'; मूछ

मूजिद वि० [अ.] शोधक; 'ईजाद' करनार

मूजिब पुं० [अ.] कारण

मूज़ी वि० [अ.] दुष्ट; पीडा करनार

मूठ(–ठि,–ठी) स्त्री० मूठी (२) दस्तो; हाथो (३) मूठनो मंत्रतंत्र

मूड़ पुं० मुंड; माथुं

मूढ़ वि० [सं.] मूर्ख; जड (२) शूढमूढ

मूढ़गर्भ पुं० [सं.] गर्भमां वगाड—विक्रिया

मूत पुं० मूत्र; मूतर

मूतना अ० क्रि० मूतरवुं

मूत्र पुं० [सं.] मूतर; पेशाब

मूत्राशय पुं० [सं.] फुक्को; शरीरनी मूतरनी कोथळी

मूनिस पुं० [अ.] मित्र (२) मददगार

मू–ब–मू अ० [अ.] वारीकाईथी (२) सौ वातोमां [(२) जडीबुट्टी

मूर पुं०, **मूरि(–री)** स्त्री० मूळी; मूळ

मूरख पुं० (प.) मूर्ख; अज्ञान

मूरत स्त्री० (प.) मूर्ति

मूरि, –री स्त्री० जुओ 'मूर'

मूरिस पुं० [अ.] मृत पूर्वज; वारसो मूकी जनार

मूर्ख पुं० [सं.] अज्ञान; बेवकूफ

मूर्च्छा, –र्छा स्त्री० [सं.] बेभान; बेहोशी

मूर्च्छि(–र्छि)त वि० [सं.] मूर्छा पामेलुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मूर्त्त वि० [सं.] मूर्त; साकार; नक्कर
मूर्त्ति स्त्री० [सं.] मूर्ति; आकृति (२) शरीर (३) नक्करपणुं
मूर्तिमान वि० [सं.] साक्षात् (२)साकार
मूर्द्ध, -र्द्धा पुं० [सं.] माथुं
मूल पुं० [सं.] मूळ (२) पायो (३) मुद्दल मूडी (४) एक नक्षत्र
मूल धन पुं० [सं.] रोकाण; वेपारनी मूळ मूडी (२) रोकडुं धन; पूंजी
मूली स्त्री० मूळो. **-गाजर समझना** = भाजीमूळा समजवुं; तुच्छ लेखवुं
मूल्य पुं० [सं.] मूल; किंमत
मूल्यवान वि० [सं.] कीमती
मूष(०क) [सं.], **-स** पुं० 'मूसा'; उंदर
मूसदानी स्त्री० उंदरियुं
मूसना स०क्रि० चोरवुं
मूसर(-ल) पुं० मुसळ; सांबेलुं
मूसलचंद पुं० गमार; मूर्ख
मूसल(-ला)धार अ० मुसळधार (वर्षा)
मूसा पुं० उंदर (२) [अ.] मूसा पेगंबर. **०ई** पुं० मूसानो अनुयायी; यहूदी
मूसीक़ी स्त्री० [अ.] संगीतशास्त्र
मृग पुं०[सं.] मृग; हरण (२) जंगली कोई पशु
मृगचर्म पुं० [सं.] हरणनुं चामडुं
मृगजल पुं० [सं.], **मृगतृषा,-ष्णा** स्त्री० [सं.]मृगजळनो आभास; झांझवानां जळ
मृगनाभि, मृगमद पुं०, **मृगमदा** स्त्री० [सं.] कस्तूरी
मृगमरीचिका स्त्री० [सं.] मृगतृष्णा
मृगया पुं० [सं.] शिकार
मृगांक पुं० [सं.] चंद्र
मृगी स्त्री० [सं.] हरणी (२) 'मिरगी'
मृणाल,-लिका स्त्री० [सं.] कमळदंड
मृणालिनी स्त्री०[सं.] कमळनुं सरोवर
मृण्म(-न्म)य वि०[सं.] माटीनुं बनेलुं
मृत वि०[सं.] मरेलुं. **०क** पुं० मरेलुं-मडदुं (२) सूतक
मृत्तिका स्त्री० [सं.] माटी
मृत्यु स्त्री० [सं.] मरण
मृदंग पुं० [सं.] मृदंग ढोल
मृदु वि०[सं.] मुलायम;कोमळ; (२) प्रिय; मधुर (३) नरम
मृन्मय वि० [सं.] जुओ 'मृण्मय'
मृषा अ० [सं.] व्यर्थ; नकामुं (२) मिथ्या
में 'मां'; सातमीनो प्रत्यय (२) पुं० बकरीनुं बें बोलवुं ते
मेंगनी स्त्री० लींडी
मेंड स्त्री० जुओ 'मेड़'
मेंडक पुं० जुओ 'मेढक'
मेंधी,-धिका स्त्री० [सं.] मेंदी
मेंबर पुं० [इं.] सभासद; सभ्य
मेअराज पुं० [अ.] सीडी
मेख़ स्त्री०[फा.] मेख; खीली. **-मारना**= मेख मारवी (२) मकानमां खातर पाडवुं
मेखला स्त्री० [सं.] कंदोरो
मेगज़ीन पुं० [इं.] सामयिक पत्र (२) 'बारूदख़ाना'; दारूगोळानो भंडार
मेघ पुं० [सं.] वादळ
मेघाडंबर पुं०[सं.] मेघाडंबर; मेघगर्जना (२) मोटो तंबु
मेचक पुं०[सं.] अंधारुं (२) वि० काळुं
मेज़ स्त्री० [फा.] मेज; टेबल
मेज़बान पुं० [फा.] मिजवान; आतिथ्य करनार. **-नी** स्त्री० आतिथ्य
मेट पुं० [इं.] मजूरोनो जमाद्दार
मेटना स०क्रि० जुओ 'मिटाना'
मेड़ पुं० नानो बांध; पाळ

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मेडल पुं० [इं.] चांद; चंद्रक
मेड़िया स्त्री० मढी; नानुं घर
मेढक पुं० मेंडक; देडको
मेढ़ा पुं० मेंढो; घेटो
मेढ़ी स्त्री० त्रण लटमां गूंथेली वेणी
मेथी स्त्री० [सं.] मेथी भाजी
मेथौरी स्त्री० मेथीनी भाजीनुं वडुं
मेद पुं० [सं.] चरबी
मेदा स्त्री०[सं.] एक औषधि–मूळियुं (२) [अ. मेअद] पेट; जठर
मेदिनी स्त्री० [सं.] पृथ्वी
मेध पुं० [सं.] यज्ञ
मेधा स्त्री० [सं.] बुद्धि; याददास्त
मेधावी वि० [सं.] बुद्धिशाळी
मेना स०क्रि० मोवुं; करमोववुं
मेम स्त्री० मडम; गोरी (२) गंजीफानी राणी. **०साहबा** स्त्री० मडम साहेब
मेमना पुं० घेटानुं बच्चुं
मेमार पुं०[अ.]कडियो (नाम,**–री** स्त्री०)
मेमो,०रैन्डम पुं०[इं.] हकीकतनुं टांचण (याद राखवा) [नामुं; अरजीपत्र
मेमोरियल पुं०[इं.] स्मारक (२) हकीकत-
मेय वि० [सं.] मापी शकाय एवुं
मेयर पुं०[इं.] मोटा शहेरनी सुधराईनो प्रमुख [मिश्रित करवुं
मेरवना स०क्रि० (प.) मेळववुं; भेगुं–
मेरा स० मारुं (स्त्री० **–री**)
मेराउ(–व) पुं० (प.) मेळाप
मेराज स्त्री० [अ.] (स्वर्गनी) सीडी
मेराव पुं० जुओ 'मेराउ'
मेरी स० मारी (२) स्त्री० अहंकार
मेरुदंड पुं० [सं.] करोडरज्जु
मेरे स० 'मेरा' साथे ब०व० शब्द के विभक्तिवाळो शब्द आवतां थतुं रूप

मेल स्त्री०[इं.] टपाल (२) मेल गाडी
मेल पुं०[सं.] मेळ; मळवुं ते (२) एकता; मेळ के बनतुं होवुं ते (३) मळतुं होवुं के आववुं ते; बरावरी (४) प्रकार; तरेह (५) मिश्रण; मेळववुं ते. **–खाना, –बैठना, –मिलना**=मेळ खावो; बनवुं. **०जोल, ०मिलाप** पुं० हेतसंबंध; प्रीति
मेला पुं० भीड; जमावट (२) मेळो. **०ठेला, ०तमाशा** पुं० मेळो. **–लगना** = मेळो भरावो
मेली पुं० साथी (२) वि० मळतावडुं
मेव पुं० एक मुसलसान जाति–जाट
मेवा पुं० [फा.] सूको मेवो. **०फ़रोश** पुं० मेवो वेचनार
मेष पुं० [सं.] घेटुं (२) एक राशि
मेशीन,०री स्त्री० [इं.] मशीन; यंत्र
मेहँदी स्त्री० मेंदी [मेघ; वादळ
मेह पुं० [सं.] प्रमेह रोग (२)वरसाद (३)
मेहतर पुं०[फा.] महापुरुष (२) नायक (३) महेतर; भंगी (स्त्री० **–रानी**)
मेहनत स्त्री० [अ.] महेनत
मेहनताना पुं० [अ.+फा.] महेनताणुं
मेहनती वि० महेनतु
मेहमान पुं० [फा.] महेमान; परोणो. **०दार** पुं० परोणागत करनार. **०दारी, –नी** स्त्री० परोणागत
मेहर स्त्री० महेर; कृपा. **०बान** वि० महेरबान; कृपाळु; [के दया
मेहरबानी स्त्री०[फा.] महेरबानी; कृपा
मेहरा पुं० स्त्री जेवो माणस; बायलो
मेहराब स्त्री० [अ.] महेराब; कमान. **०दार,–बी** वि० कमानवाळुं; कमान आकारनुं [ओरत (२) पत्नी
मेहरारू, मेहरिया, मेहरी स्त्री० स्त्री;

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मेह् स्त्री० [फा.] महेर; कृपा (२) सहानुभूति (३) पुं० सूरज. ०**बान** वि०, ०**बानी** जुओ अनुक्रमे 'मेहरबान–नी'

मैं स० हुं

मै स्त्री० [फा.] दारू (२) अ० [अ.] साथे

मै–कश वि० [फा.] दारूडियो. **–शी** स्त्री० शराबखोरी

मै-क़दा, मै-ख़ाना पुं० [फा.] दारूनुं पीठुं

मैका पुं० 'मायका'; पियर

मै-ख़्वार पुं० [फा.] दारूडियो. **–री** स्त्री० शराबखोरी [मदगळ

मैंगल पुं० मेगळ; मस्त हाथी (२) वि०

मैच पुं० [इं.] मॅच (जेम के क्रिकेटनी)

मैटर पुं० [इं.] पदार्थ (२) छापवानुं लखाण

मैत्री स्त्री० [सं.] दोस्ती [भाषा

मैथिली स्त्री० [सं.] सीता (२) मैथिली

मैथुन पुं० [सं.] संभोग

मैदा पुं० [फा.] मेंदो

मैदान पुं० [फा.] मेदान. **–छोड़ना** = रणमांथी नासवुं. **–जाना** = जंगल जवुं. **–जीतना, –मारना** = जीतवुं; फाववुं. **–में आना** = लडवा सामे आवी जवुं

मैदानी वि० मेदाननुं के मेदान जेवुं सपाट

मैन पुं० मीण (२) (प.) मदन; कामदेव. ०**फल** पुं० मींढळ

मैनसिल पुं० एक धातु (दवाना कामनी)

मैना स्त्री० [सं. मदना] मेना; सारिका

मैनेजर पुं० [इं.] मॅनेजर; व्यवस्थापक

मैयत स्त्री० [फा.] मोत (२) मडदुं

मैया स्त्री० माता

मैयार पुं० [अ.] त्राजवुं; कसोटी; धोरण (२) अभ्यासक्रम

मैर स्त्री० (प.) सापना झेरनुं घेन

मैल स्त्री० [सं. मलिन, प्रा. मइल] मेल; गंदकी (२) दोष; विकार

मैल पुं० [अ.] मननुं वलण; झोक (२) चाह; प्रेम (३) सुरमो आंजवानी सळी

मैलखोरा वि० मेलखाउ [मेलुं; गू

मैला वि० मेलुं; गंदुं; अस्वच्छ (२) पुं०

मैला-कुचैला वि० बहु मेलुं [रुचि

मैलान पुं० [अ.] 'मैल'; मननुं वलण;

मैहर पुं० (प.) पियेर; महियर

मों अ० (प.) मां; अंदर (२) स० 'मैं'–हुं अर्थमां ('मोंको, मोंपै, मोरा' जेवां रूपोमां)

मोंछ स्त्री० मूछ

मोंढ़ा पुं० मूडो; सरकट इ० नुं गोळ आसन (२) खभो

मो स० (प.) मारुं (२)जुओ 'मों' २ अर्थ

मोकल (–ला) वि० (प.) मोकळुं; छूट-वाळुं; छूटूं

मोक्ष [सं.], **–ख** पुं० (प.) मुक्ति

मोखा पुं० (प.) नानी बारी के जाळियुं

मोगरा पुं० मोगरो (फूल)

मोगल पुं० जुओ 'मुगल'

मोघ वि० [सं.] अफळ; व्यर्थ

मोच स्त्री० शरीरना अंगनी मचकोड

मोचन पुं० [सं.] छोडवुं ते; छुटकारो

मोचना स०क्रि० (प.) छोडवुं

मोची पुं० (जोडा सीवनार) मोची

मोछ स्त्री० मूछ (२) पुं० (प.) मोक्ष

मोज(–जि)ज़ा पुं० [अ. मुअजिज़] मोजेजो; अद्‌भुत करामत; चमत्कार

मोज़ा पुं० [फा.] पगनुं मोजुं

मोजिज़ा पुं० जुओ 'मोजज़ा'. [कोस

मोट स्त्री० पोटली (२) पुं० पाणीनो

मोटर,०**कार** स्त्री० [इं.] मोटर गाडी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मोटरख़ाना पुं० मोटरनुं 'गॅरेज'
मोटरी स्त्री० (प.) मोटली; पोटली
मोटा वि० जाडुं; स्थूळ (कद के दळमां). **–असामी** = मालदार माणस. **–झोटा**= जाडुं खद्दड (कपडुं). **–ताज़ा** = जाडुं; हृष्टपुष्ट; स्थूल. **मोटी बात**=साधारण के सामान्य वात. **मोटे तौर पर**= साधारणतः. **मोटे हिसाबसे** =अंदाजथी
मोटाई स्त्री० जुओ 'मुटाई'; मोटापणुं (२) गर्व; शेखी (३) दुष्टता. **–चढ़ना** =बदमाश के गर्विष्ठ थवुं
मोटाना अ०क्रि० जुओ 'मुटाना' (२) स०क्रि० जाडुं करवुं (बीजाने)
मोटिया पुं० जाडुं खद्दड कपडुं (२) मोटियो; कूली
मोठ स्त्री० मठ अनाज
मोड़ पुं० वळवुं ते के वळांक
मोड़ना स०क्रि० फेरववुं; वाळवुं (२) मोडवुं; मरडवुं के (धार) कुंठित करवी
मोड़ी स्त्री० (मराठीनी) एक लिपि
मोतक़िद वि० [अ. मुअतक़िद] विश्वास करनार (२) कोई धर्मनो अनयायी
मोतदिल वि० [अ.] (गुणमां) न गरम न ठंडुं (दवा विषे); मध्यम
मोतबर, मोतमद वि०[अ.] विश्वासपात्र
मोतमिद वि० [अ.] विश्वास करनार
मोताद स्त्री० [अ. मुअताद] (दवानी) मात्रा; प्रमाण
मोतिया वि० मोती संबंधी के तेना जेवुं (२)पुं० एक जातनो मोगरो;'मोती-बेल'
मोतियाबिंद पुं० आंखनो मोतियो
मोती पुं० मोती; मुक्ता. **–ढलकना**= रडवुं. **–पिरोना**=सुंदर बोलवुं (२)सुंदर अक्षरे लखवुं (३) रडवुं. **–रोलना**=वगर महेनते बहु कमावुं. **मोतियोंसे मुँह भरना** =राजी थईने न्याल करवुं
मोतीचूर पुं० कळी के तेनो लाडु
मोतीझ(–झि)रा पुं० छातीए मोती जेवी फोल्ली थाय छे एवो ताव [वेल
मोती-बेल स्त्री० 'मोतिया'–मोगरानी
मोती-सिरी स्त्री० मोतीनी माळा
मोथा पुं० नागरमोथ औषधि
मोद पुं०[सं.] खुशी; आनंद (२) सुगंध
मोदक पुं० [सं.] लाडु
मोदना अ०क्रि० (प.) राजी थवुं (२) महेकवुं (३) स०क्रि० राजी करवुं
मोदी पुं० मोदी वाणियो. **०ख़ाना** पुं० मोदीखानुं; कोठार
मोना स०क्रि० (प.) मोवुं; –थी तर करवुं (२) पुं० करंडियो
मोम पुं०[फा.] मीण. **–की नाक**=अस्थिर मतिनुं; ढोचका जेवुं. **–की मरियम** = कोमळ सुकुमार स्त्री
मोमजामा पुं०[फा.] मीण-कपड; मीणियुं
मोमबत्ती स्त्री० मीणबत्ती
मोमिन पुं० [अ.] आस्तिक, ईमानदार मुसलमान (२) मुसलमान वणकरनी जात (मोमनो ?)
मोमिया स्त्री० [फा.] ममी; दवाओ भरीने राखेलुं मडदुं
मोमियाई स्त्री०[फा.] नकली शिलाजित. **–निकालना** = ठूस काढवी (२) खूब ठोकवुं
मोमी वि० [फा.] मीणनुं
मोयन पुं० मोण. **०दार** वि० (बराबर) मोण नांखेलुं; मोणवाळुं
मोर पुं० मयूर (२) [अ.] कीडी (३) स० (प.) मारुं; मोरुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मोरचा पुं० [फा.] काट (लोढानो) (२) दर्पण परनो मेल (३) किल्लानी खाई (४) मोरचो. **–खाना**=काट खावो; वगडवुं. **–जीतना या मारना**=शत्रुनो मोरचो जीतवो. **–लेना**=युद्ध करवुं

मोरचाबंदी स्त्री० [फा.] मोरचो बांधवो ते; व्यूह

मोरछल पुं० मोरनां पीछांनी चमर

मोरछली पुं० बोरसळी; 'मौलसिरी' (२) 'मोरछल' चमर ढोळनार

मोरन स्त्री० जुओ 'शिखरन'

मोरनी स्त्री० मोरडी; ढेल

मोरपंख, मोरपखा (प.) पुं० मोरनुं पींछुं

मोरमुकुट पुं० मोरनां पींछांनो मुगट

मोरी स्त्री० मोरी; गटरनी नीक (२) (प.) मोरडी

मोल पुं० मूल्य; किंमत. **–करना**=वधारे भाव कहेवो (२) मूलववुं. **–लेना**=खरीदवुं

मोल-तोल, मोल-भाव पुं० भावताल

मोलना पुं० (प.) मौलाना

मोलवी पुं० 'मौलवी'; मुल्लां

मोष पुं० (प.) मोक्ष; छुटकारो

मोह पुं० [सं.] भ्रम; अज्ञान (२) वहाल; आसक्ति; राग

मोहक वि० [सं.] मोह पमाडे एवुं

मोहड़ा पुं० पात्रनुं मोढुं (२) वस्तुनुं मोढुं– -उपरनो के आगलो भाग

मोहतमिम पुं० 'मुहतमिम'; व्यवस्थापक

मोहताज वि० जुओ 'मुहताज'

मोहन वि० [सं.] मोहक (२) पुं० मोहन; कृष्ण (३) मोहमां नांखवुं ते

मोहनभोग पुं० एक मीठाई–मोहनथाळ

मोहनमाला स्त्री० मोहनमाळा घरेणुं

मोहना अ०क्रि० मोहवुं; मुग्ध थवुं (२) स०क्रि० मोहमां नांखवुं; लोभाववुं

मोह(–हि)नी स्त्री०[सं.] माया; मोहिनी; मोहमां नांखवुं ते (२) वि० स्त्री० मोहक

मोहफ़िल स्त्री० जुओ 'महफ़िल'

मोहब्बत स्त्री० जुओ 'मुहब्बत'; महोबत

मोहमिल वि० [अ. मुहमिल] निरर्थक (२) छोडेलुं; त्यक्त

मोहर स्त्री० [फा. मुह्र] महोर

मोहरा पुं० जुओ 'मुहरा' 'मोहड़ा' (२) [फा.] महोरुं

मोहरी स्त्री० पग घालवानो पायजामानो भाग (२) नानुं मों (वासणनुं)

मोर्हरिर पुं० जुओ 'मुहर्रिर'

मोहलत स्त्री० जुओ 'मुहलत'

मोहलिक वि० [अ. मुहलिक] मारी नांखे एवुं; जीवलेण (रोग)

मोहसिन वि० जुओ 'मुहसिन'

मोहार पुं० द्वार; दरवाजो (२) मधमाख (मोटी) के तेनो पूंडो

मोहिं स० (प.) मने

मोहित वि० [सं.] मोह पामेलुं

मोहिनी स्त्री० (२) वि० स्त्री० [सं.] जुओ 'मोहनी'

मोही वि० [सं.] मोहनारुं; लोभी

मौक़ा पुं० [अ.] मोको; समय; लाग. **–तकना, –देखना**=मोको जोवो. **–देना**=मोको आपवो. **–पड़ना**=समय आववो; जरूर लागवी. **–शर्त है**=समय मळे तो

मौक़ूफ़ वि०[अ.] मोकूफ; बंध पडेलुं (२) रद के बरखास्त करेलुं (३) निर्भर; आधारवाळुं. **–फ़ी** स्त्री०

मौक्तिक पुं० [सं.] मोती

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मौख पुं० एक मसालो (२) [सं.] मुखथी थतुं पाप – जूठ इ०

मौखिक वि०[सं.] मोढेथी थतुं; 'ज़वानी' (२) मौखिक परीक्षा – 'ओरल'

मौज स्त्री०[अ.] मोज; मजा (२) मोजुं (वि० **–जी**) [मोजो

मौज़ा पुं०[अ.] गाम (२) खेतर; वांटो;

मौजी वि० मोजी; मनस्वी; आनंदी

मौज़ूँ वि०[अ.]तोल करेलुं(२)योग्य;ठीक

मौजूद वि०[अ.] मोजूद; हयात; हाजर; तैयार. ०**गी** स्त्री० मौजूद होवुं ते

मौजूदा वि०[अ.] वर्तमानकाळनुं; प्रस्तुत

मौजूदात स्त्री० [अ.] समस्त सृष्टि

मौत स्त्री० [अ.] मोत; मरण. **–का तमाचा**=मोत याद करावे एवुं काम के घटना; मोतनो खेल. **–के दिन पूरे करना**=वगर मोते बहु दुःखमां दहाडा काढवा. (**अपनी**) **मौत मरना** = मोते मरवुं; स्वाभाविक मरण थवुं

मौताद स्त्री० जुओ 'मोताद'

मौन पुं०[सं.] मौन; चूपकी; मुनिव्रत (२) वि० मौनी; चूप

मौना पुं० 'मोना'; करंडियो

मौनी वि० मौनवाळुं (२) पुं० मुनि (३) नानो 'मौना'-करंडियो

मौर पुं० [सं. मुकुट, प्रा. मउड़] लग्ननो मोड (२) शिरोमणि; सरदार (३) [सं. मुकुल, प्रा. मउल] मोर; मंजरी

मौरना स०क्रि० मोर आववो; मोरवुं

मौरूसी वि० [अ.] वारसानुं; पैतृक

मौर्ख्य पुं० [सं.] मूर्खता

मौर्वी स्त्री० [सं.] धनुषनी प्रत्यंचा

मौलवी पुं० [अ.] मोलवी; मुल्लां (२) अरबी फारसीनो पंडित. ०**गिरी** स्त्री० मोलवीनुं काम

मौलसिरी स्त्री० बोरसळी; वकुल

मौला पुं० [अ.] मित्र (२) धणी (३) ईश्वर [मोलवी

मौलाना पुं० [अ.] मौलाना; मोटो

मौलि स्त्री०[सं.]जटा (२)माथुं (३)मुगट

मौलिक वि० [सं.] मूलगत; असली (२) मूळ संबंधी (३) साव नवीन

मौली पुं० [सं.] मुगटधारी

मौलूद पुं० [अ.] जन्मेलुं बालक (२) महमद पेगंबरनो जन्मोत्सव

मौस(–सि)म पुं० जुओ 'मोसिम'

मौसा पुं० मासो; मासीनो पति

मौसिम पुं० [अ.] मोसम; ऋतु (२) योग्य समय. ०**गुल**, ०**बहार** पुं० वसंत ऋतु. **मौसिमे खिज़ाँ** पुं० पानखर ऋतु

मौसिमी वि० [अ.] मोसमनुं

मौसिया वि० मासी जेवुं (२) पुं० 'मौसा'; मासा. ०**ससुर** पुं० मासो-ससरो. ०**सास** स्त्री० मासीसासु

मौसी स्त्री० मासी

मौसूफ़ वि० [अ.] वर्णवेलुं; उल्लेखेलुं

मौसूम वि० [अ.] नामवाळुं; नामे (वि० स्त्री० **–मा**)

मौसूल वि० [अ.] मळेलुं; प्राप्त

मौसेरा वि० मसियाई; मासीने लगतुं

म्याँवँ, –व अ० म्याउं

म्यान पुं० [फा.] तलवार वगेरेनुं म्यान

म्युनिसिपैल्टी स्त्री० म्युनिसिपालिटी

म्यूज़ियम पुं० [इं.] संग्रहस्थान

म्योँ अ० जुओ 'म्याँवँ'

म्योँड़ी स्त्री० एक झाड [स्त्री०

म्लान वि०[सं.] करमायेलुं (२)मेलुं. **–नि**

म्लेच्छ पुं० [सं.] म्लेच्छ जातिनुं माणस (२) वि० नीच; पापी

म्हारा स० (प.) अमारुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

य

यंत्र पुं० [सं.] यंत्र; मशीन; ओजार (२) वाजुं (३) ताळुं
यंत्रणा स्त्री० [सं.] तकलीफ; पीडा
यंत्रमंत्र पुं० [सं.] जादू; जंतरमंतर
यंत्रालय पुं० [सं.] कारखानुं (२) छापखानुं
यक वि० [फा.] एक
यक-क़लम वि० पूरुं; कुल (२) अ० एकसाथे; एकझपट
यक-ज़बाँ, -बान वि० [फा.] एकवचनी
यकजा अ० [फा.] एकत्र; एकठुं
यकजान वि० [फा.] एकदिल; खूब मळेला जीववाळुं
यकतरफ़ा वि० [फा.] एकतरफी
यकता वि० [फा.] एक्को; अद्वितीय; अजोड. ०ई स्त्री० अद्वितीयता
यक-बयक, यक-बारगी अ० [फा.] अचानक; ओचिंतुं
यकमुश्त अ० [फा.] एकसाथे
यक-लख़्त अ० [फा.] एकदम; 'यक-क़लम'
यकलौता वि० एकलो ज (पुत्र). **-ती** वि० स्त्री० एकली ज (पुत्री)
यकसाँ वि० [फा.] एकसरखुं
यकसू वि० [फा.] एक ज तरफनुं (२) एकाग्र (३) स्थिर. ०ई स्त्री०
यकायक अ० [फा.] एकाएक; अचानक
यक़ीन पुं० [अ.] विश्वास. **-आना** = विश्वास पडवो. **-करना, जानना** = विश्वास करवो. **-दिलाना** = खातरी आपवी. **-लाना** = विश्वास करवो; मानवुं
यक़ीनन् अ० [अ.] जरूर; खातरीपूर्वक
यक़ीनी वि० [अ.] निश्चित; खातरीबंध
यकुम वि० [फा.] प्रथम; पहेलुं (२) स्त्री० पडवो; पहेली तिथि
यकृत् पुं० [सं.] काळजुं; 'लिवर'
यक्का वि० [फा.] एक्को; अजोड (२) एकलुं (३) पुं० एका-गाडी
यक्ष पुं० [सं.] एक देवयोनि
यक्ष्मा पुं० [सं.] क्षय. **-क्ष्मी** पुं० क्षयरोगी
यख़ पुं० [फा.] हिम; बरफ (२) वि० बहु ठंडुं
यख़नी स्त्री० [फा.] मांसनो शेरवो
यगानगत, यगानगी स्त्री० [फा. यगाँ] सगपण; संबंध (२) मेळ; एकता
यगाना वि० [फा.] सगुंसंबंधी (२) अजोड
यज़दान पुं० [फा.] ईश्वरनुं नाम (वि० **-नी**)
यजन पुं० [सं.] होम यज्ञ करवो ते; हवन
यजमान पुं० [सं.] यज्ञ करनार. **-नी** स्त्री० पुरोहितनुं काम; गोरपदुं
यजुर्वेद पुं० [सं.] यजुर् नामे वेद
यज्ञ पुं० [सं.] होम, हवन
यज्ञसूत्र, यज्ञोपवीत पुं० [सं.] जनोई
यति पुं० [सं.] साधुसंन्यासी (२) योगी
यतीम पुं० [अ.] अनाथ. ०**ख़ाना** पुं० अनाथालय. **-मी** स्त्री० अनाथता
यतेंद्रिय वि० [सं.] जितेंद्रिय; संयमी
यत्किंचित् वि० [सं.] बहु थोडुं; जूज
यत्न पुं० [सं.] प्रयत्न; उद्यम (२) उपाय; उपचार

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

यत्र अ० [सं.] ज्यां
यथा अ० [सं.] जेम; जेवी रीते [तेम ज
यथातथ्य अ०[सं.] आबेहूब; बरोबर
यथापूर्व अ०[सं.] जेमनुं तेम; पहेलां पेठे
यथायोग्य अ०[सं.] घटारत; जेवुं घटे तेम
यथार्थ वि०[सं.] साचुं; वाजवी (२) उचित
यथावत् अ० [सं.] योग्य रीते (२) जेमनुं तेम
यथाविधि अ० [सं.] विधिपूर्वक
यथाशक्ति, यथाशक्य अ० [सं.] बने तेटलुं; शक्ति मुजब
यथासंभव अ० [सं.] बने त्यां सुधी
यथेच्छ, यथेष्ट अ०[सं.] इच्छा मुजब; मनमान्युं
यथोक्त वि० [सं.] कह्या प्रमाणेनुं
यथोचित वि० [सं.] योग्य; घटित
यदा अ०[सं.] ज्यारे. **०कदा** अ० कदी कदी; क्यारेक [‘यद्यपि’; जोके
यदि अ० [सं.] जो. **०च, ०चेत्** अ०
यदृच्छा स्त्री०[सं.] स्वेच्छा (२) सहज के अकस्मात बनवुं ते
यद्यपि अ० [सं.] जोके
यम पुं० [सं.] निग्रह; काबू (२) जम
यमज, यमल पुं०[सं.] जोडकां बाळक
यमी स्त्री०[सं.] यमनी बहेन–यमुना नदी
यमीन वि०[अ.] जमणुं (२) पुं० जमणो हाथ (३) कसम; सोगन (४) कस; बळ
यरक़ाना पुं०[अ.] कमळो; पांडुरोग
यलगार स्त्री० [तु.] हुमलो; चडाई
यलदा स्त्री०[फा.] लांबी अंधारी रात
यव पुं० [सं.] जव धान्य
यवन पुं०[सं.] यूनान–ग्रीसनो वतनी (२) आर्येतर जातिनो माणस; म्लेच्छ
यवनिका स्त्री०[सं.] जवनिका; पडदो
यवास पुं० जवासो
यश पुं० [सं.] जश; कीर्ति
यशब, –म पुं०[अ.] एक जातनो पथ्थर; ‘संगे-यशब’ [फतेहमंद
यशस्वी वि०[सं.] यशवाळुं (२) सफळ;
यशी, ०ल वि० (प.) यशस्वी
यष्टि, ०का स्त्री० [सं.] लाकडी
यसार पुं० [अ.] डाबो हाथ (२) खूब संपत्ति (३) वि० डाबुं
यह स० आ (विभक्तिनां रूपमां ‘इस’ थाय छे. उदा० ‘इसको’. व्रजभाषामां ‘या’ थाय छे. ‘याको’)
यहाँ अ० अहीं
यही स० ‘यह + ही’; आ ज
यहूद पुं० पॅलेस्टाईन देश. **–दिन** स्त्री० यहूदी स्त्री. **–दी** पुं० ‘यहूद’ नो वतनी
याँचना स०क्रि० (प.) याचवुं; मागवुं
या अ० [फा.] वा; अथवा (२) हे!
याक़ूत पुं० [अ.] एक जातनो मणि
याग पुं० [सं.] यज्ञ
याचक पुं० [सं.] मागनार
याचना स०क्रि० मागवुं; याचवुं (२) स्त्री० [सं.] मागवुं ते; मागणी
यातना स्त्री० [सं.] पीडा; कष्ट
याता स्त्री० देराणी के जेठाणी
यातायात पुं० [सं.] आवागमन
यात्रा स्त्री० [सं.] प्रवास; सफर (२) जात्रा; तीर्थाटन
यात्रावाल पुं० तीर्थनो पंडो
यात्री पुं० [सं.] यात्राळु; मुसाफर
याथातथ्य, याथार्थ्य पुं० [सं.] यथार्थता; सत्य
याद स्त्री० [सं.] स्मृति; स्मरण
यादगार स्त्री०[फा.]स्मारक; स्मृतिचिह्न

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

याददाश्त स्त्री० [फा.] स्मृति; याददास्त (२) याद राखवा लखी के नोंधी लीधेलुं ते [आक्रमण

यान पुं० [सं.] वाहन (२) चडाई;

यानी(-ने) अ० [अ. यअनी] याने; अर्थात्; एटले के

यापन पुं० [सं.] वीतवुं-पसार थवुं ते

याफ़्त स्त्री० [फा.] प्राप्ति (२) आवक

याफ़्तनी स्त्री० [फा.] बाकी लेणुं

याब [फा.] (समासमां) 'प्राप्त करनार' ए अर्थमां. उदा० काम-याब(नाम.-बी)

याबू पुं० [फा.] टट्टु

याम पुं०[सं.] पहोर – त्रण कलाक समय

यामल पुं० [सं.] जोडकुं

यामाता पुं० [सं.] जमाई

यामिक पुं० [सं.] चोकीदार

यामिनी स्त्री० [सं.] रात्रि

यार पुं० [फा.] यार; दोस्त (२) जार; व्यभिचारी [यारबाज; विषयी

यार-बाश वि० [फा.] मिलनसार (२)

यार-मार वि० मित्रद्रोही

यारान पुं० [फा.] 'यार'नुं ब०व०; यारो

याराना वि० [फा.] मित्रतानुं; मित्र जेवुं (२) पुं० मैत्री (३) व्यभिचार

यारी स्त्री० [फा.] मैत्री (२) व्यभिचार

याल स्त्री० [तु.] गरदन (२) याळ (घोडा सिंह इ० नी)

यावर वि० [फा.] मित्र; सहायक; मददगार. **-री** स्त्री० मैत्री; मदद

यावा वि० [फा.] उटपटांग; ढंगधडा वगरनी (वात). **-होना** = उल्लु बनवुं

यास स्त्री० [अ.] निराशा (२) भय; अंदेशो (३) पुं० [सं.] प्रयास [जूई

यासम(-मी)न स्त्री०[फा.] चंपेली (२)

युक्त वि०[सं.] जोडायेलुं (२) योग्य (३) -'वाळुं'; 'सहित' (समासने अंते)

युक्ति स्त्री०[सं.]उपाय;तरकीब;करामत (२) तर्क; न्याय

युग पुं०[सं.]युग (२) जमानो (३) युगल. **– युग**=बहु दिवसो सुधी; घणो समय

युगपत् अ० [सं.] एकीसाथे

युगल पुं० [सं.] जोडुं [युगपलटो

युगांतर पुं०[सं.] बीजो युग (२) क्रांति;

युग्म पुं० [सं.] युगल; जोडुं

युत वि० [सं.] युक्त; सहित

युद्ध पुं० [सं.] लडाई

युनिर्वसिटी स्त्री० [इं.] विश्वविद्यालय

युरोप पुं० [इं.] जुओ 'यूरोप'

युरोपियन पुं० जुओ 'यूरोपियन'

युयुत्सा स्त्री०[सं.] लडवानी इच्छा (२) शत्रुता. **-त्सु** वि० लडवा इच्छनार

युवक, युवा(०न) वि०[सं.] जुवान

युवती स्त्री० [सं.] जुवान स्त्री

युवराज पुं०[सं.] पाटवी कुंवर. **-ज्ञी** तेनी पत्नी

युवा,०न वि० [सं.] जुओ 'युवक'

यूँ अ० जुओ 'यों'

यूक पुं०, **-का** स्त्री० [सं.] जू

यूति स्त्री० [सं.] मेळ; मळवुं ते

यूथ पुं० [सं.] जूथ; समूह

यूथिका, यूथी स्त्री० [सं.] जूई

यूनान पुं० युनान देश

यूनानी वि० युनाननुं (२) स्त्री० युनाननी भाषा के वैदक-पद्धति

यूनिर्वसिटी स्त्री० [इं.] युनिर्वसिटी

यूर(-रो)प पुं० [इं.] युरोप खंड

यूरिश स्त्री० [तु.] हल्लो; हुमलो

यूरोपीय, यूरोपियन वि० (२) पुं० युरोपनुं के तेनो रहेवासी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ये स० ('यह' नुं व०व०) आ वधा
येई स० (प.) जुओ 'यही'
येऊ, –हू स० (प.) आ पण; 'यह भी'
येतो वि० (प.) जुओ 'एतो'; 'इतना'
यों अ० आम; आ प्रमाणे
योंही अ० आम ज (२) व्यर्थ; विना खास प्रयोजन
योग पुं० [सं.] मेळाप (२) योग दर्शन
योगरूढ़ि स्त्री० [सं.] खास अर्थमां प्रचलित समास. उदा० चंद्रभाल
योगी पुं० [सं.] योग साधनार; जोगी
योग्य वि० [सं.] उचित; वाजबी
योजन पुं० [सं.] योजवुं ते; (२) चार गाउ
योजना स्त्री० [सं.] गोठवण; व्यवस्था; आयोजन
योद्धा पुं० [सं.] योद्धो
योनि स्त्री० [सं.] देव, पशु इ० जाति (२) उत्पत्तिनुं स्थान (३) स्त्रीनी योनि
योम पुं० जुओ 'यौम'
यौं अ० (प.) आम; आ रीते
यौत(–तु)क पुं० [सं.] लग्ननी पहेरामणी; देज पैठण इ०
यौन वि० [सं.] योनि संबंधी
यौम पुं० [अ.] दिवस
यौमिया पुं० [अ.] रोजी (२) वि० रोजनुं (३) अ० रोज
यौवन पुं० [सं.] जुवानी

र

रंक वि० [सं.] गरीब; निर्धन (२) कंजूस
रंग पुं० [सं.] कलाई; 'रांग' (२) रंगभूमि (३) रंग (वर्ण वगेरे अर्थमां.) [फा. पण] **–चूना या टपकना**=भरजुवानीमां होवुं. **–निखरना**=चहेरो साफ ने चमकतो होवो. **–मारना**=जीतवुं. **–रलना**=लहेर करवी. **–लाना**=प्रभाव के गुण देखाडवो
रंगढंग पुं० हाल; दशा; स्थिति (२) वर्तन
रंगत स्त्री० रंग (२) मजा; आनंद (३) दशा
रंगतरा पुं० संतरुं
रँगना स०क्रि० रंगवुं
रंगबिरंगा वि० रंगबेरंगी
रंगभवन पुं० [सं.] जुओ 'रंगमहल'
रंगभूमि स्त्री० [सं.] नाटकशाळा, अखाडो के युद्धक्षेत्र (२) मंच [जगा
रंगमहल पुं० आनंद उल्लास माणवानी
रंगर(–रे)ली स्त्री० मजा; लहेर; रंगरस
रँगरूट पुं० लश्करमां दाखल थनार
रँगरेज पुं० [फा.] रंगरेज (स्त्री० **–जिन**)
रंगरेली स्त्री० जुओ 'रंगरली'
रंगशाला स्त्री० [सं.] नाटकशाळा
रंगसाज़ पुं० [फा.] रंगारो (मकान इ०नो) (२) रंग बनावनार. **–ज़ी** स्त्री० तेनो धंधो के काम [मजूरी
रँगाई,–वट स्त्री० रंगवानुं काम के तेनी
रंगारंग वि० [फा.] रंगबेरंगी
रँगि(–गै)या पुं० 'रंगसाज़'; रंगारो
रंगी वि० [सं.] रंगीलुं; मोजीलुं
रंगीन वि० [फा.] रंगवाळुं; रंगित (२) रंगीलुं (३) मजेदार; रसिक. **–नी** स्त्री० 'रंगीन' होवुं ते (२) सजावट; शणगार

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

रँगीला वि० आनंदी; रंगीलुं; लहेरी (२) सुंदर; खूबसूरत
रँगैया पुं० जुओ 'रँगिया'
रंच(०क) वि० रज; थोडुं; जरा
रंज पुं० [फा.] दु:ख; खेद (२) शोक; अफसोस; पस्तावो
रंजक पुं० [सं.] रंगरेज; रंगारो (२) मेंदी (३) वि० रंगनार (४) रंजन करनार (५) स्त्री० [फा.] तोप बंदूक फोडवा रखातो थोडो दारू (६) [ला.] उश्केरनारी वात
रंजन पुं० [सं.] रंगवुं ते (२) चित्तनुं रंजन; प्रसन्नता; राजी थवुं ते
रंजिश स्त्री० [फा.] रंज पामवुं ते; अणबनाव
रंजीदा वि० [फा.] नाराज; रंजाडायेल; दुभायेलुं. **–दगी** स्त्री०
रंडा स्त्री० [सं.] रांड; विधवा
रँडापा पुं० रंडापो; वैधव्य
रंडी स्त्री० वेश्या; गुणका. **०बाज़** वेश्यागामी. **०बाज़ी** स्त्री० वेश्यागमन
रँडुआ (–वा) पुं० विधुर
रंति स्त्री० [सं.] खेल; क्रीडा
रँदना स०क्रि० रंदवुं; रंदाथी छोलवुं
रंदा पुं० [फा.] रंदो
रंधन पुं० [सं.] रांधवुं ते; रांधण
रंध्र पुं० [सं.] काणुं; छिद्र (२) दोष
रंभा पुं० कोश; नराज (२) स्त्री० [सं.] एक अप्सरा (३) केळ (४) गायनुं बांगरडवुं ते (५) सुंदर स्त्री (६) वेश्या
रँभाना अ०क्रि० (गायनुं) बांगरडवुं
रँहचटा पुं० चसको; लोभलालच
रअय्यत स्त्री० [अ.] रैयत; प्रजा (२) सांथियो खेडूत (३) नोकर; अनुचर. **०आज़ार** वि० प्रजापीडक; अत्याचारी. **०दार** पुं० हाकेम; राजा. **०वारी** स्त्री० एक महेसूल-पद्धति
रइअत स्त्री० जुओ 'रअय्यत'
रई स्त्री० रवैयो; नानी वलोणी (२) रवो
रईस पुं० [अ.] जागीरदार; तालुकदार (२) अमीर; मोटो माणस
रउरे स० आप; बीजा पुरुषनुं मानवाचक
रऊनत स्त्री० [अ.] अभिमान
रऐयत स्त्री० जुओ 'रअय्यत'
रक़बा पुं० [अ.] क्षेत्रपट
रक़म स्त्री० [अ.] लखवुं ते (२) छाप; महोर (३) रकम; दागीना के धन (४) तरेह; प्रकार (५) रकम; संख्या
रक़मी पुं० कांईक राहतथी खेडतो सांथियो – एक जातनो खेडूत
रकाब स्त्री० [अ.] रकाब; पेंगडुं
रकाबत स्त्री० [अ.] 'रक़ीब' होवुं ते; प्रेमनो झघडो [(३) खवास
रकाबदार पुं० [फा.] कंदोई (२) खानसामो
रकाबा पुं० [फा.] मोटी थाळी; 'परात'
रका(–के)बी स्त्री० रकेबी
रक़ीक़ वि० [अ.] पाणी जेवुं पातळुं (२) कोमळ (३) दयाळु
रक़ीब पुं० [अ.] रकीब; एकनी प्रियानो बीजो आशक
रकेबी स्त्री० जुओ 'रकाबी'
रक्त पुं० [सं.] लोही (२) वि० रातुं; लाल (३) रंगायेलुं (४) अनुरागवाळुं
रक्तकंठ पुं० [सं.] कोयल (२) रींगण
रक्तपात पुं० [सं.] लोही रेडावुं ते; खूनरेजी
रक्तपित्त पुं० [सं.] पत; कोढ
रक्तबीज पुं० [सं.] दाडम (२) एक राक्षस

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

रक्तस्राव पुं० [सं.] लोही वहेवुं–नीकळवुं ते

रक्तार्श पुं० दूझता हरस

रक्तालू पुं० [सं.] रताळु

रक्ति स्त्री० [सं.] प्रेम; अनुराग (२) रती; 'रक्तिका'

रक्तिका [सं.] रती वजन

रक्ष पुं०[सं.] रक्षा (२) रक्षक (३) राक्षस

रक्षक पुं०[सं.]रक्षा करनार (२) रखेवाळ

रक्षण पुं०, **रक्षा** स्त्री०[सं.] बचाववुं ते; पालन

रक्षागृह पुं० [सं.] प्रसूतिगृह (२) चोकी

रक्षित वि०[सं.]रक्षा पामेलुं (२) आश्रित

रक़्स पुं०[अ.] नृत्य. **रक़्से ताउस**=मोर जेवो नाच

रखना स०क्रि० राखवुं. **रख छोड़ना**= राखी मूकवुं [एब; दोष

रख़ना पुं०[फा.] वारी (२) खलेल (३)

रख़ना-अंदाज़ वि०[फा.]विघ्न नांखनारुं; अडचणकर्ता (नाम, **–ज़ी** स्त्री०)

रखनी स्त्री० रखात

रखला पुं० जुओ 'रहँकला'

रखवाई,–ली स्त्री० रखेवाळी

रखवार,–ला पुं० रखेवाळ

रखवाली, रखाई स्त्री० जुओ 'रखवाई'

रखाना स०क्रि० रखाववुं (२) रक्षा करवी

रखे(–खै)ली स्त्री० रखात

रग स्त्री० [फा.] रग; नस (शरीर के पाननी). **–उतरना**=जिद के क्रोध ऊतरवो. **–चढ़ना**=जिदे के क्रोधे चडवुं (२) रग चडवी–आघी पाछी थवी. **–दबना**=दबावुं; मानवुं; कह्यामां के प्रभाव तळे आववुं. **–फड़कना**= आंख फरकवी; अनिष्ट थवानी वीक थवी [नस

रगजाँ स्त्री० [फा.] सौथी मोटी–धोरी

रगड़ स्त्री० रगडवुं, घूंटवुं के घसवुं ते (२) रगड; भारे महेनत (३) रगडो; झघडो; पंचात (४) घसावाथी थतुं चिह्न; उझरडो. **–खाना**=धक्का खावा; रगडपट्टी थवी. **–देना** = तंग करवुं. **–पड़ना** = खूब महेनत पडवी

रगड़ना स० क्रि० रगडवुं; घसवुं के घूंटवुं (२) खूब महेनतपूर्वक करवुं (३) हेरान करवुं (४) अ० क्रि० खूब महेनत करवी

रगड़ा पुं० जुओ 'रगड़'. ०**झगड़ा** पुं० लडाई; टंटो. **–देना** = रगडवुं; घसवुं

रगड़ान स्त्री० 'रगड़ा'; रगडवुं ते

रगदना स०क्रि० खदेडवुं; दोडाववुं

रग़बत स्त्री० [अ.] रुचि; चाह; इच्छा

रग-रेशा पुं० पांदडानी नसो (२) शरीरनी रगेरग–अंदरनां बधां अंग

रचना स०क्रि० रचवुं (२) स्त्री० [सं.] रचवुं के रचायेलुं ते; बनावट; कृति

रचनात्मक वि० [सं.] रचनाने लगतुं; जेमां रचवानुं-करवानुं होय एवुं; अमली

रचयिता पुं० [सं.] रचनार; निर्माता

रचित वि० [सं.] रचेलुं; बनावेलुं

रज़ पुं० [फा.] अंगूर

रज पुं० [सं.] रजोगुण (२) स्त्रीनो मासिक अटकाव (३) पराग (४) स्त्री० रज; धूळनो कण

रजक पुं० [सं.] धोबी. **–की** स्त्री० धोवण

रजत स्त्री० [सं.] चांदी (२) वि० धोळुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

रजनी स्त्री० [सं.] रात्री (२) हळदर
रजवाड़ा पुं० रजवाडो; देशी राज्य
रजस्वला वि० स्त्री० [सं.] वेगळी बेठेली (स्त्री) [(२) अनुमति
रज़ा स्त्री० [अ.] रजा (मंजूरी; छूटी)
रजाइ स्त्री० (प.) आज्ञा; हुकम
रज़ाई स्त्री० [फा.] ओढवानी रजाई
रज़ाकार पुं० [फा.] स्वयंसेवक [स्त्री०)
रज़ामंद वि० [फा.] सहमत. (नाम,**–दी**
रजिस्टर पुं० [इं.] नोंधपत्रक
रजिस्ट्री स्त्री० रजिस्टर कराववुं ते
रज़ील वि० [अ.] रजाळु; नीच; हलकट
रजोगुण पुं० [सं.] राजस; प्रकृतिनो एक गुण [ऋतुधर्म–अटकाव
रजोदर्शन, रजोधर्म पुं० [सं.] स्त्रीनो
रज़्ज़ाक़ पुं० [अ.] रोजी आपनार
रज्जु स्त्री० [सं.] दोरडी; रसी (२) लगाम
रज़्म स्त्री० [फा.] युद्ध
रट स्त्री० रटवुं ते; रटन (२) गोखण
रटना स०क्रि० रटवुं (२) गोखवुं
रण पुं० [सं.] युद्ध; जंग
रणसिंघा पुं० रणशिंगुं
रत वि० [सं.] लीन; आसक्त (२) पुं० मैथुन
रतजगा पुं० जागरण (उत्सवादिनुं)
रतन पुं० रत्न
रतनार(–रा) वि० रतूमडुं
रतल स्त्री० [अ.] शरावनो प्यालो (२) रतल वजन
रतालू पुं० रताळु
रति स्त्री० [सं.] काम; आसक्ति (२) संभोग
रतूबत स्त्री० [अ.] भेज; भीनाश
रतौंधा पुं०, **–धी** स्त्री० रतांधळापणुं. (वि० **–धिया** = रतांधळुं)
रत्ती स्त्री० रती वजन (२) रती; चनोठी
रत्तीभर वि० रतीभार; बहु थोडुं
रत्थी स्त्री० ठाठडी
रत्न पुं० [सं.] रत्न; मणि
रत्नाकर पुं० [सं.] समुद्र
रथ पुं० [सं.] रथ गाडी. **–थी** पुं० रथमां बेसी लडनार योद्धो
रद पुं० दांत [सं.] (२) वि० 'रद्द'
रदच्छद, रदछद (प.), **रदपट** [सं.] पुं० होठ
रदीफ़ स्त्री० [अ.] गजलमां काफिया बाद वारंवार आवतो शब्द
रदीफ़वार वि० [अ.+फा.] अक्षरक्रममां आवेलुं
रद्द वि० [अ.] रद करेलुं (२) खराब; नकामुं; 'रद्दी' (३) स्त्री० ऊलटी
रद्द-बदल पुं० [अ.] रदबदल; फेरफार
रद्दा पुं० [फा.] थर; पड. **–जमाना** = आरोप मूकवो. **–रखना** = आरोप मूकवो (२) थर उपर थर चडाववो (३) खाईने वळी फरी खावुं
रद्दी वि० 'रद्द' (२) स्त्री० कागळनी पस्ती
रनबंका, रनबाँकुरा पुं० रणबंको; शूरवीर
रन(–नि)वास पुं० रणवास; राणी-वास
रपट स्त्री० लपसवुं ते (२) ढाळ; उतार (३) लांबी दोड; रपेटी (४) रिपोर्ट; सूचना; निवेदन
रपटना अ०क्रि० लपसवुं (२) रपेटी –झपाटामां चालवुं; झपाटवुं
रपट्टा पुं० लपसवुं ते (२) रपेटी; झपाटो
रफ़ वि० [इं.] काचुं; खरडारूप (२) खरबचडुं [एक गरम रग
रफ़ल स्त्री० राईफल-बंदूक (२) ओढवानुं
रफ़ा, रफ़ादफ़ा वि० [अ.] दूर करेलुं (२) निवृत्त; शांत

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

रफ़ाह स्त्री० [अ.] सुख; आराम (२) परोपकार

रफ़ीक पुं० [अ.] साथी; सहायक; मित्र

रफ़ू पुं० [अ.] कपडुं तूणवुं ते

रफ़ूगर पुं० तूणनार; तूणियो. **–री** स्त्री० तेनुं काम [भागी गयेलुं

रफ़ू-चक्कर वि० रफुचक्कर; गेब;

रफ़्त वि० [फा.] गयेलुं; गत

रफ़्तनी स्त्री० [फा.] बहार जवुं ते (२) मालनी निकास

रफ़्तार स्त्री० [फा.] चाल; गति

रफ़्ता रफ़्ता अ० [फा.] रफते रफते; धीरे धीरे; क्रमशः

रब पुं०[अ.]पालनपोषण करनार; ईश्वर

रबड़(–र) पुं० [इं.] रबर

रबड़ना स०क्रि० घुमाववुं; चलाववुं (२) प्रवाहीने घुमरडी खवडाववी (३) अ०क्रि० रखडवुं; रखडवुं

रबड़ी स्त्री० बासूदी

रबदा पुं० चालवानो थाक (२) कीचड. **–पड़ना** = खूब वरसाद थवो

रबा(–वा)ब पुं० [अ.] सारंगी जेवुं एक वाद्य. **–बिया** पुं० ते वगाडी जाणनार

रबी स्त्री० [अ. रबीअ] वसंत के ते ऋतुनी फसल – रवी पाक

रबी-उल्-अव्वल पुं० [अ.] अरबी वर्षनो त्रीजो मास

रबी-उल्-आखिर, रबी-उस्सानी पुं० [अ.] अरबी वर्षनो चोथो मास

रबीब पुं० [अ.] आंगळियो पुत्र (२) पालक-पितानो पुत्र

रब्त पुं०[अ.] रफ्त; महावरो (२) मेळ; संबंध. **०ज़ब्त** पुं० मेळ; खूब संबंध. **–डालना** = महावरो पाडवो; टेवावुं

रब्बाब पुं० जुओ 'रबाब'

रमक पुं० प्रेमी; यार [सं.] (२) स्त्री० लहेर; तरंग

रमक़ स्त्री०[अ.]अंतिम श्वास (२) थोडो भाग (३) नशानी थोडी असर के रमकझमक (४) वि० थोडुंक; जराक

रमकना अ०क्रि० हींडोळा पर झूलवुं (२) डोलती चाले चालवुं

रमज़ान पुं०[अ.] हिजरी सननो नवमो - रोजानो मास

रमज़ानी वि० रमजानने लगतुं के ते मासमां जन्मेलुं (२) भुखाळवुं

रमण पुं०[सं.] क्रीडा (२) संभोग (३) कामदेव (४) पति (५) वि० रमण करनार (६) प्रिय; सुंदर

रमणी स्त्री० [सं.] (सुंदर) स्त्री

रमणीक,–य वि०[सं.] सुंदर; मनोहर

रमद पुं० [अ.] आंख लाल थई जवानी एक बीमारी

रमना अ०क्रि० रमवुं; आनंद के भोग-विलास करवो (२) घूमवुं; विचरवुं (३) पुं० रमणुं; चोगान के चरो (४) वाग के तेवुं रम्य स्थान [एक विद्या

रमल पुं०[अ.]पासा नांखी जोष जोवानी

रमा स्त्री० [सं.] लक्ष्मी

रमाना स०क्रि० रमाडवुं (२) मोहित करवुं; लोभाववुं

रमीदगी स्त्री० [फा.] घृणा; नफरत

रमीम वि० [अ.] जीर्ण; जरीपुराणुं

रमूज़ स्त्री० [अ. 'रम्ज़' नुं व०व०] आंखनो इसारो (२) रहस्य; झीणी वात

रमैती स्त्री० खेतीमां सूंढलनी रीत के तेनो दिवस

रमैया पुं० (प.) राम; ईश्वर

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

रम्ज़ स्त्री० [अ.] जुओ 'रमूज़'
रम्माल पुं० [अ.] रमली; (रमल – पासाथी) जोष जोनार
रम्य वि० [सं.] मनोहर; रमणीय
रम्हाना अ०क्रि० जुओ 'रँभाना'
रयन,–नि स्त्री० (प.) रयणी; रात
रया स्त्री० [अ.] दंभ; देखाडो (२) दगो
रयासत स्त्री० जुओ 'रियासत'
रय्यत स्त्री० जुओ 'रअय्यत'; रैयत
ररंकार पुं० रकार; 'र' ध्वनि
ररा वि० राड पाडे एवुं; झघडाळु (२) भारे मांगण
रली स्त्री० मजा; आनंद; खेल
रव पुं० [सं.] अवाज; गुंजारव
रवकना अ०क्रि० झपाटवुं; दोडवुं (२) उमंगमां आववुं
रवन्ना पुं० रवानगीनो भरतिया जेवो कागळ (२) नाकेथी जवा देवानो परवानो – नाकानी रसीद
रवाँ वि०[अ.] वहेतुं (२) जारी; चालु (३) प्रचलित
रवा पुं० दाणो; कण (२) रवो (३) वि० [फा.] उचित; वाज़बी
रवाज स्त्री०[फा.] रिवाज; चाल; रीत. **–देना** = रिवाज पाडवो; जारी करवुं. **–पकड़ना** = रिवाज थवो; जारी के चालु थवुं
रवादार वि० संबंध राखनारुं (२) [कणकीदार
रवानगी स्त्री०[फा.] रवाना थवुं ते; प्रयाण
रवाना वि०[फा.] मोकलेलुं के गयेलुं
रवाब,–बिया पुं० जुओ 'रबाब,–बिया'
रवायत स्त्री० [अ.] कहेवत (२) पुराणी कथा

हिं–२९

रवा-रवी स्त्री० जलदी; उतावळ
रवि पुं० [सं.] सूर्य (२) अग्नि (३) आकडो
रविश स्त्री० [फा.] गति; चाल (२) ढंग; रीत; रवेश (३) क्यारीओमां वच्चे थई जती केडी के नानो रस्तो
रवैया पुं० [फा.] रवैयो; परिपाटी
रशीद वि० [अ.] बोध पामेलुं (२) सभ्य ने शिक्षित, संस्कारी
रश्क पुं० [फा.] ईर्षा; दाझ
रश्मि पुं० [सं.] किरण (२) दोरी; लगाम (३) पांपण; 'बरौनी'
रस पुं० [सं.] स्वाद (२) मजा; आनंद (३) सार; निचोड (४) धातुनी भस्मनी दवा
रसकोरा, रसगुल्ला पुं० एक मीठाई
रसद वि० [सं.] रसप्रद (२) स्वादिष्ट (३) स्त्री० [फा.] भाग; वहेंचणी (४) सीधुंसामान (५) [अ.] वेधशाळा
रसदार वि० रसवाळुं (२) स्वादिष्ट; मजेदार
रसना अ०क्रि० चूवुं के झमवुं या धीरे धीरे झरवुं (२) रसमग्न के तन्मय थवुं (३) स्त्री० [सं.] जीभ
रसनेंद्रिय स्त्री० [सं.] रसना; जीभ
रसपति, रसराज(–य) पुं० [सं.] चंद्रमा (२) शृंगार रस (३) पारो (४) वसंत ऋतु [विलायती फळ
रसब(–भ)री स्त्री० [इं. रासबेरी] एक
रसम स्त्री० जुओ 'रस्म'
रसमसा वि० तरबोळ (२) रसमय
रसराज,–य पुं० जुओ 'रसपति'
रसाँ वि० [फा.] 'पहोंचाडनार' ए अर्थमां शब्दने अंते.दा० त० 'चिट्ठीरसाँ'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

रसा स्त्री० [सं.] रसना (२) पृथ्वी (३) पुं० रसो (४) वि० [फा.] पहोंचनार

रसाई स्त्री० [फा.] पहोंचवुं ते (२) पहोंच; प्रवेश (३) ओळख (४) धीरज; सबूरी

रसादार वि० रसावाळुं (शाक)

रसायन पुं० [सं.] रसायण शास्त्र (२) भस्मवाळी औषधि

रसाल पुं० [सं.] शेरडी (२) आंबो (३) वि० रसाळ; मीठुं के सुंदर

रसाला पुं० जुओ 'रिसाला' (२) स्त्री० [सं.] दहींनी एक वानी; 'सिखरन' (३) द्राक्ष (४) जीभ

रसाव पुं० झमवुं के चूवुं–'रसना'–ते

रसावर(–ल) पुं० जुओ 'रसौर'–'वखीर'

रसिक वि० [सं.] रस पडे एवुं; रसयुक्त (२) रसज्ञ; रसियुं (३) प्रेमी; विलासी

रसिया पुं० रसियो (२) फागणमां गवातुं एक प्रकारनुं गायन

रसीद स्त्री०[फा.] पहोंचवुं ते के तेनी पावती. **–करना** = पहोंचतुं करवुं (२) दई देवुं; मारवुं. **–काटना** = रसीद फाडवी के आपवी

रसील (प.), **–ला** वि० रसीलुं (२) स्वादिष्ट (३) रसियुं (४)छबीलुं; सुंदर

रसु(–सो)न पुं० लसण; 'लहसुन'

रसूम पुं० [अ. 'रस्म' नुं ब०व०] नियम; धारो (२) धारा प्रमाणे आपवाना लागानुं धन. उदा० **रसूम अदालत**= अदालतमां केस करवा आपवुं पडतुं धन; कोर्ट-फी

रसूल पुं०[अ.] पेगंबर; ईश्वरनो दूत. **–ली** वि० रसूल संबंधी

रसोइया पुं० रसोइयो; महाराज

रसोई स्त्री० रसोई (२) रसोडुं

रसोईख़ाना, रसोई-घर पुं० रसोडुं

रसोईदार पुं० रसोइयो. **–री** स्त्री० तेनुं काम

रसोन पुं० [सं.] जुओ 'रसुन'

रसौत स्त्री० एक दवा

रसौता पुं०, **–ती** स्त्री० वरसाद थता पहेलां कराती वावणी

रसौर पुं० जुओ 'वखीर'

रसौली स्त्री० रसोळी

रस्ता पुं० जुओ 'रास्ता'

रस्म स्त्री०[अ.] 'रसम'; रिवाज (२) वर्तन; व्यवहार

रस्म-उल्-ख़त पुं० [अ.] लिपि

रस्सा पुं० रसो; जाडुं दोरडुं

रस्सी स्त्री० रसी; दोरडी

रहँकला पुं० रेंकडी के तेवी (तोप लादवानी) नानी गाडी

रहँ(–ह)चटा पुं० चसको; लालसा

रहँट पुं० [सं. आरघट्ट] रहेंट

रहँटा पुं० (प.) रेंटियो

रहँटी स्त्री० लोढवानो चरखो (२) दर महिने अमुक हप्ते आपवाना करीने अपातुं उधार

रह स्त्री० 'राह' नुं समासमां आवतुं रूप. दा० त० **रहगुज़ार, रहज़न** इ०

रहचटा स्त्री० जुओ 'रहँचटा'

रहज़न पुं०[फा.] जुओ 'राहज़न'. **–नी** स्त्री० डकाटी; लूंट

रहन,–नि,–नी स्त्री० रहेणी के रहेवुं ते

रहन-सहन स्त्री० रहेणीकरणी

रहना अ०क्रि० रहेवुं. **रहा जाना**= रहेवावुं (प्रायः आ प्रयोग नकार साथे). **रहा-सहा** = थोडुंघणुं बचेलुं; रह्युंसह्युं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

रहनि,–नी स्त्री० जुओ 'रहन'
रहनुमा वि०[फा.] मार्गदर्शक; राहबर
रहनुमाई स्त्री०[फा.]मार्गदर्शन;दोरवणी
रहबर वि०, **–री** स्त्री० जुओ 'राहबर,–री'
रहम पुं०[अ.] रहेम; दया (२) गर्भाशय
रहमत स्त्री०[अ.]रहेमत;दया;महेरबानी
रहमान वि० [अ.] दया करनार (२) पुं० ईश्वर; रहेमान
रहल स्त्री० जुओ 'रिहल'
रहवाल स्त्री० [फा. रहवार] घोडानी [रवाल
रहस पुं० [सं.] रहस्य; छूपी वात (२) एकान्त (३) आनंद; खेल
रहसना अ०क्रि० (प.) आनंदवुं; राचवुं
रहस्य पुं० [सं.] छूपो भेद(२)मर्म; सार
रहाइश स्त्री० रहेणीकरणी (२) रहेठाण
रहाई स्त्री० 'रहन' (२) चेन; आराम
रहावन पुं० गामनां ढोरने भेगां थई बेसवानी जगा – पादर
रहा-सहा वि० जुओ 'रहना' मां
रहित वि० [सं.] - विनानुं; हीन
रहिला पुं० चणा
रहीम वि० [अ.] रहेमवाळुं; महेरबान; कृपाळु (२) पुं० ईश्वर
राँक वि० रंक; रांक; गरीब; सालस
राँग पुं० 'रंग'; कलाई
राँगा पुं० सीसुं
राँड़ स्त्री० रांड; विधवा (२) रंडी; वेश्या
राँध अ० पासे; पडोशमां
राँध-पड़ोस पुं० अडोशपडोश
राँधना स०क्रि० रांधवुं; पकाववुं
राँभना अ०क्रि० (गायनुं) बांगरडवुं
राइ(–य) पुं० राय; राजा; दरबार
राइ(–य)ता पुं० राईतुं
राइफल स्त्री० [इं.] राइफल बंदूक
राई स्त्री० राई तेजानो (२) राई जेटलुं माप. **–काई करना**=राई जेवडा टुकडा करवा. **–नोन उतारना**=राई मरचां उतारवां–नजर उतारवी. **–से पर्वत करना**=राईनो पर्वत–रजनुं गज करवुं
राउ पुं० (प.) राजा; राय [वीर
राउ(–व)त पुं० (प.) क्षत्री; सरदार;
राउ(–व)र पुं० रणवास; जनानो (२) वि० (प.) आपनुं; 'रावर'
राकस पुं० (प.) राक्षस. **–सिन,–सी** स्त्री० राक्षसी [**–केश** पुं० चंद्र
राका स्त्री० [सं.] पूनमनी रात. **०पति,**
राक़िम वि० [अ.] राकिम; लेखक
राक्षस पुं० [सं.] दैत्य. **–सी** स्त्री०
राख स्त्री० रख्या; राखोडी
राखना स०क्रि० (प.) रक्षवुं; राखवुं (२) रोकवुं
राखी स्त्री० राखडी (२) राख; खाक
राखी-पूनो स्त्री० बळेव; राखडीनी पूनम
राग पुं० [सं.] गावानो राग (२) मननो राग – प्रेम, चाह (३) लालच; इच्छा (४) ईर्षा; मत्सर (५) लाल रंग. **–गिनी** स्त्री० रागणी. **–गी** वि० रागवाळुं [इच्छावाळुं
राग़िब वि० [अ.] 'रग़बत'– रुचि के
रागी वि० [सं.] जुओ 'राग' मां
राघव पुं० [सं.] रामचंद्र
राचना स०क्रि० (प.) रचवुं; बनाववुं (२) अ० क्रि० रचावुं; बनवुं (३) राचवुं; माणवुं (४) रंगे रंगावुं
राछ पुं० वणकरनुं राच (२) जान के सरघस (३) घंटीनो खीलडो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

राज पुं० राज्य (२) राजा (३) कडियो
राज़ पुं० [फा.] रहस्य; मर्म
राजकर पुं० [सं.] जुओ 'राजस्व'
राजकाज पुं० राज्यव्यवस्था; राज्यनुं कामकाज, नीति इ० [संबंधी
राजकीय वि० [सं.] राजा के राज्य
राजकुँअर (प.), **राजकुमार** [सं.] पुं० राजकुंवर; राजपुत्र
राजगद्दी स्त्री० राजगादी; राजपाट
राजगीर पुं० 'राज'; कडियो. **–री** स्त्री०
राजत पुं० [सं.] रजत; चांदी (२) वि० चांदीनुं [तिनी सजा
राजदंड पुं० [सं.] राज्यनुं शासन के
राजदूत पुं० [सं.] एलची
राजद्रोह पुं० [सं.] राज्य के राजा सामे काम करवुं ते
राजधानी स्त्री० [सं.] राज्यनुं पाटनगर
राजना अ०क्रि० (प.) राजवुं; शोभवुं (२) बिराजवुं [रायणनुं झाड
राजन्य पुं० [सं.] राजा (२) क्षत्रिय (३)
राजपथ पुं० [सं.] धोरी रस्तो; राजमार्ग
राजपूत पुं० राजपुत्र; रजपूत. **–ताना** पुं० रजपूताना प्रदेश
राजबाहा पुं० सौथी मोटी–मुख्य नहेर, जेमांथी नानी फूटती जाय
राजभक्त पुं० [सं.] राजा के राज्यनुं भक्त, वफादार. **–क्ति** स्त्री०वफादारी
राजभवन पुं० [सं.] राजानो महेल
राजभोग पुं० एक अनाज (२) बपोरनुं (ठाकोरजीने धरातुं) नैवेद्य
राजमहल पुं० राजमहेल
राजमार्ग पुं० [सं.] जुओ 'राजपथ'
राजरोग पुं० [सं.] क्षय
राजर्षि पुं० [सं.] क्षत्रिय ऋषि

राजश्री स्त्री०[सं.] राज्यलक्ष्मी; राजानी विभूति
राजस वि० [सं.] रजोगुणी (२) पुं० क्रोध; जुस्सो [सत्ता
राजसत्ता स्त्री० [सं.] राजा के राज्यनी
राजसभा स्त्री० [सं.] राजानी सभा; दरबार (२) राज्यनी सभा – संसद
राजसूय पुं० [सं.] (सम्राटनो) एक प्रकारनो यज्ञ
राजस्व पुं० [सं.] राजाने आपवानो कर
राजहंस पुं० [सं.] एक प्रकारनो हंस
राजा पुं० [सं.] राजा; नृप. **०धिराज** पुं० महाराजा; सम्राट [(२) राई
राजि(–जी) स्त्री० [सं.] पंक्ति; हार
राज़िक पुं० [अ.] अन्नदाता (२) ईश्वर
राजिका स्त्री० [सं.] जुओ 'राजि' (२) अळाई [शोभतुं
राजित वि० [सं.] बिराजेलुं (२) राजतुं;
राजी स्त्री० [सं.] जुओ 'राजि'
राज़ी वि० [अ.] राजी; संमत (२) नीरोग (३) राजी; खुश (४) सुखी (५) स्त्री० 'रज़ामंदी'; सहमती. **०ख़ुशी** स्त्री० क्षेमकुशळ
राज़ीनामा पुं०[फा.] (वादी प्रतिवादीना) झघडानी पतावटनुं सुलेहनामुं
राजीव पुं० [सं.] कमळ
राज्ञी स्त्री० [सं.] राणी
राज्य पुं०[सं.] राजानो देश (२) शासन; हकूमत; सत्ता
राज्यतंत्र पुं०[सं.]राज्यनुं तंत्र;शासनप्रथा
राज्यपाल पुं०[सं.] राज्यप्रदेशनो गवर्नर
राज्यव्यवस्था स्त्री०[सं.] राजकारभार
राज्याभिषेक पुं० [सं.] राजगादी पर वेसाडवुं ते के तेनो विधि

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

राटु(-ट्)ल पुं० कंपाण; मोटो कांटो
राड़ वि० नीच; क्षुद्र (२) कायर
राणा(-ना) पुं० राणो; राजा
रात स्त्री० रात्रि
राता वि० (प.) रातुं; लाल (२) रंगेलुं
रातिब पुं०[अ.] रातब; रोजनुं बांधेलुं सीधुं (प्राय: हाथी वगेरे पशुनुं)
रातुल पुं० जुओ 'राटुल'
रात्रि,-त्री स्त्री० [सं.] रात
राधना स०क्रि० (प.) आराधवुं
रान स्त्री० [फा.] जांघ
राना पुं० राणो; राजा
रानी स्त्री० राणी (२) शेठाणी; स्वामिनी
राब स्त्री० शेरडीना रसने उकाळी मध जेवो करे छे ते पदार्थ
राबड़ी स्त्री० 'रबड़ी'; बासूदी
राबता, राबिता पुं०[अ.] मेळ (२) संबंध
राम पुं०[सं.] रामचंद्र (२) ईश्वर (३) वि० [फा.] सेवक (४) आज्ञांकित. **-करना** = ताबे करवुं. **-शरण होना** = साधु थवुं (२) मरी जवुं
राम-कहानी स्त्री० लांबुं रामायण; लांबुं वर्णन
राम-जना पुं० एक वर्णसंकर जाति. **-नी** स्त्री० गुणका; वेश्या
रामतरोई स्त्री० भींडो
रामतारक पुं० [सं.] 'रां रामाय नम:' ए राममंत्र [रामजयंती
रामनवमी स्त्री०[सं.] चैत्र सुद नोम –
रामनामी पुं० रामनाम छापेलुं कपडुं
रामनौमी स्त्री० रामनवमी
रामरज स्त्री० गोपीचंदन–पीळी माटी
रामरस पुं० मीठुं (२) भांग
राम-राम पुं० प्रणाम (२) स्त्री० भेट; मुलाकात. **-करके** = भारे मुश्केलीथी. **-हो जाना** = मरी जवुं
रामलीला स्त्री०[सं.] रामायणनी कथानुं – रामनी लीलानुं नाटक
रामसनेही पुं० एक वैष्णव संप्रदाय
रामा स्त्री०[सं.] स्त्री; रमणी–सुंदर स्त्री
रामावत पुं० (रामानंद प्रणीत) एक वैष्णव संप्रदाय
राय स्त्री०[अ.] मत; अभिप्राय; सलाह. **-कायम करना** = ठराववु
राय पुं० राजा (२) सरदार (३) भाट
रायगाँ वि० [फा.] व्यर्थ; नकामुं
रायज वि० [अ.] प्रचलित; चालु
रायता पुं० 'राइता'; रायतुं
रायल वि० [इं. रॉयल] शाही; राजवी (२) स्त्री० रॉयल कद (कागळनुं)
रायसा पुं० रासो
रार पुं० राड; झघडो; तकरार
राल स्त्री०[सं.] राळ (२) [सं. लाला] लाळ; थूंक. **-गिरना, चूना, टपकना** = लाळ गळवी
राव पुं० राजा (२) सरदार; अमीर
रावटी स्त्री० नानो तंबू–डेरो (२) नानी छापरी के खुल्ली अडाळी
रावत पुं० जुओ 'राउत'
रावर पुं० (२) वि० जुओ 'राउर'
रावल पुं० राजा; रावळ (२) (प.) 'रावर'; अंत:पुर
रावी पुं०[अ.] कथावार्ता कहेनार के लखनार
राशि स्त्री०[सं.] ढगलो (२) नक्षत्रनी राशि
राशी पुं०[अ.] लांचियो; रुशवत लेनार
राष्ट्र पुं० [सं.] देश; राज्य; 'क़ौम'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

राष्ट्रपति पुं० [सं.] देशना राज्यनो अध्यक्ष [चालु एक भाषा
राष्ट्रभाषा स्त्री० [सं.] आखा राष्ट्रनी
राष्ट्रीय वि०[सं.] राष्ट्रनुं के तेने लगतुं
रास पुं० [अ.] भूशिर (२) पशुओनी संख्या जोडे वपराय छे.उदा० 'चालीस रास बैल'=चालीस बळद (३) स्त्री० लगाम (४) वि० [फा. रास्त] अनुकूळ; ठीक [(२) रासमंडळी
रास पुं०[सं.] रासक्रीडा के तेनुं गीत
रास स्त्री० राशि; ढग (२) नक्षत्र राशि (३) दत्तक (४) व्याज. ०**नशीन** वि० दत्तक लीधेलुं
रासना पुं० जुओ 'रास्ना'
रासभ पुं०[सं.]गधेडो. **–भी** स्त्री० गधेडी
रासायन,–निक वि०[सं.] रसायन संबंधी
रासिख़ वि० [अ.] दृढ; पक्कुं
रासो पुं० रासो–वीररसनुं एक काव्य
रास्त वि०[फा.] ठीक; साचुं; वाजबी (२) सीधुं; सरळ (३) अनुकूळ
रास्तगो वि० [फा.] साचुं कहेनार
रास्तबाज़ वि० [फा.] साचुं; ईमानदार. **–ज़ी** स्त्री० सच्चाई; ईमानदारी
रास्ता पुं० [फा.] रस्तो (२) उपाय (३) प्रथा; चाल. **–कटना**=रस्तो कपावो. **–काटना**=चालवामां कोईनी आडे ऊतरवुं. **–देखना**=वाट जोवी. **–बताना**=रस्ते पडवानुं–जवानुं कहेवुं (२) दोरवुं; मार्गदर्शन करवुं
रास्ना पुं० [सं.] एक औषधि
राह स्त्री०[फा.] राह; रस्तो. **–ताकना, –देखना**=वाट जोवी. **–पड़ना**=रस्तो पडवो (२) जवुं; रस्ते पडवुं (३) (प.) लूटवुं; वाट पाडवी. **–लगना**=रस्तो पकडीने के केडे केडे चालवुं (२) थाक लागवो
राहख़र्च पुं० [फा.] वाटखरची
राहगीर पुं० [फा.] वटेमार्गु; मुसाफर
राहगुज़र पुं० [फा.] सडक; रस्तो
राहचलता पुं० 'राहगीर'(२)रस्ते जतो–त्राहित माणस
राहज़न पुं०[फा.] लूंटारो; डाकु; वाटपाडु
राहज़नी स्त्री० [फा.] लूंट; धाड
राहत स्त्री० [अ.] सुख; आराम
राहदार पुं०[फा.] नाकुं लेनार; नाकेदार
राहदारी स्त्री० [फा.] रस्तानो कर; नाकुं
राहबर पुं० [फा.] मार्गदर्शक; भोमियो. **–री** स्त्री० मार्गदर्शन
राह व रब्त, राह व रस्म स्त्री० [फा.+अ.] मेळ; बनाव
राह-रस्म पुं०, **राह-रीति** स्त्री० लेण-देण; व्यवहार; संबंध
राहिन पुं० [अ.] गीरो राखनार
राहिब पुं० [अ.] एकांतवासी; त्यागी
राही पुं० [फा.] वटेमार्गु
राहोरब्त, राहोरस्म पुं० जुओ 'राह व रब्त', 'राह व रस्म'
रिंगना अ०क्रि० जुओ 'रेंगना'
रिंद पुं०[फा.] नास्तिक (२) स्वच्छन्दी (३) वि० मस्त; मदमस्त
रिंदा वि० निरंकुश; उद्दाम
रिआ(–या)यत स्त्री० [अ.] नरम के दयाभर्यो व्यवहार (२) कमी; छूटछाट (३) ख्याल; विचार
रिआयती वि० [अ.] 'रिआयत' वाळुं
रिआया स्त्री० [अ.] रैयत
रिकशा पुं० [इं.] रिक्षागाडी
रिकाब स्त्री० जुओ 'रकाब'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

रिकाबी स्त्री० जुओ 'रकाबी'
रिक़्क़त स्त्री० [अ.] दया; कृपा
रिक्त वि०[सं.] खाली; शून्य (२) निर्धन
रिच्छ पुं० (प.) रींछ
रिज़क़ पुं० [अ. रिज़्क़] रोजी; निर्वाह. **–मारना** = निर्वाहमां बाधा नांखवी
रिज़र्व वि० [इं.] खास अंकित
रिज़्वान पुं०[अ.] स्वर्ग के तेनो दारोगो
रिज़ाली स्त्री० रजाळुपणुं; नीचता
रिझा(व०)ना स०क्रि० रीझववुं; प्रसन्न के राजी करवुं
रिझाव पुं० रीझवुं ते; प्रसन्नता
रिटायर वि० [इं.] निवृत्त; 'रिटायर्ड'
रिद्धि स्त्री० [सं.] समृद्धि; ऋद्धि
रिपु पुं० [सं.] शत्रु; दुश्मन
रिपोर्ट स्त्री० [इं.] हेवाल. **०र** पुं० खबरपत्री [(३) मोटाई
रिफ़अत स्त्री०[अ.] ऊंचाई (२) उन्नति
रिमझिम अ० झरमर झरमर (वरसवुं) (२) स्त्री० वर्षानी फरफर
रियह पुं० [अ.] फेफसुं
रिया स्त्री०[अ.] छळकपट. **०ई, ०कार** वि० कपटी; धूर्त; दगाबाज
रियाज़ पुं०, **०त** स्त्री०[अ.] परिश्रम; महेनत (२) तप (३) अभ्यास
रियाज़ी स्त्री० [अ.] गणित; ज्योतिष इ० विद्याओ; गणितविद्या
रियायत स्त्री० जुओ 'रिआयत'
रियासत स्त्री० [फा.] राज्य; हकूमत (२) वैभव; अमीरी. **–ती** वि० 'रियासत' संबंधी [शरीरनो वायु
रियाह स्त्री० [अ. 'रीह'नुं ब० व०]
रिवाज पुं० [अ.] धारो; प्रथा; चाल
रिवाल्वर पुं० [इं.] तमंचो; पिस्तोल
रिश्ता पुं० [फा.] नातो; संबंध
रिश्तेदार पुं०[फा.] सगो; संबंधी. **–री** स्त्री० सगाई; संबंध
रिश्वत स्त्री०[अ.] लांच. **०ख़ोर** वि० लांचियुं
रिस स्त्री० रीस; गुस्सो. **०हा** वि० क्रोधी
रिसाना अ०क्रि० रिसावुं; गुस्से थवुं
रिसानी स्त्री० (प.) रीस
रिसाल पुं० राज्यनो कर [काम
रिसालत स्त्री० [अ.] पेगंबरी (२) दूतनुं
रिसालदार पुं० [फा.] रसालदार
रिसाला पुं०[फा.] घोडेसवारोनो रसालो (२) नानी चोपडी–चोपानियुं, मासिक वगेरे जेवुं
रिहल स्त्री०[अ.] पुस्तक राखवानी घोडी
रिहलत स्त्री०[अ.] कूच; रवानगी (२) मरण; परलोकगमन
रिहा वि० [फा.] मुक्त; छूटुं
रिहाइश स्त्री० जुओ 'रहाइश'
रिहाई स्त्री० [फा.] छुटकारो; मुक्ति
रींधना स०क्रि० 'राँधना'; रांधवुं
री अ० अली (सखीनुं संबोधन)
रीछ पुं० रींछ (स्त्री० **रीछनी**)
रीझ स्त्री० रीझवुं–राजी थवुं ते; खुशी
रीझना अ०क्रि० रीझवुं; राजी थवुं (२) मुग्ध थवुं; मोह पामवुं
रीठा पुं०, **रीठी** स्त्री० अरीठी के अरीठुं
रीढ़(–र) स्त्री० करोड़; मेरुदंड
रीत,–ति स्त्री० जुओ 'रीति'
रीता वि० रिक्त; खाली
रीति स्त्री०[सं.] रीत; ढंग (२) प्रथा; रिवाज (३) शैली
रीम स्त्री०[इं.] कागळनुं रीम (२) परु
रीर स्त्री० जुओ 'रीढ़'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

रीस स्त्री० 'रिस'; क्रोध (२) ईर्ष्या; दाझ (३) स्पर्धा; बराबरी. **–करना=** बराबरी करवी; स्पर्धवुं
रीसना अ०क्रि० रिसावुं; गुस्से थवुं
रीह स्त्री० [अ.] अपानवायु (२) वा; वायु
रुंज पुं० एक वाद्य
रुंड पुं० [सं.] धड
रुँदवाना स०क्रि० 'रौंदना' नुं प्रेरक
रुंधना अ०क्रि० रूंधावुं ('रूँधना' नुं कर्मणि)
रुअब पुं० जुओ 'रोआब'
रुआ पुं० (प.) 'रोआँ'; रूवुं; रोम
रुआ(–वा)ब पुं० जुओ 'रोआब'
रुकना अ०क्रि० रोकावुं; अटकवुं
रुकाव पुं०, **०ट** स्त्री० रोकाण; बाधा; अंतराय; विघ्न
रुक़्क़ा पुं० [अ.] रुक्को; चिठ्ठी
रुक्न पुं० [अ.] स्तंभ
रुक्म पुं० [सं.] सोनुं
रुक्ष वि० [सं.] लूखुं; शुष्क (२) कठोर
रुख़ पुं० [फा.] गाल (२) मों (३) मों पर जणाती मननी इच्छा (४) कृपादृष्टि (५) शेतरंजनुं महोरुं – हाथी (६) अ० तरफ; बाजूए
रुख़दार वि० [फा.] पडतो; घटतो (भाव)
रुख़सत स्त्री० [अ.] आज्ञा (२) रवानगी (३) छुट्टी; रजा [अपातुं धन
रुख़सताना पुं० [फा.] विदाय देती वेळा
रुख़सती स्त्री० [अ.] विदाय; वळाववुं ते
रुख़सार पुं० [फा.] गाल; कपोल
रुखाई स्त्री० रूक्षपणुं; शुष्कता (२) कठोरता
रुखानी स्त्री० सुतारनी फरसी
रुग्ण वि० [सं.] मांदुं; बीमार
रुचना अ०क्रि० रुचवुं; गमवुं
रुचि स्त्री० [सं.] इच्छा; भाव (२) भूख
रुचिकर वि० [सं.] सुंदर; प्रिय (२) भूख उघाडे एवुं [पीडा
रुज पुं०, **रुजा** स्त्री० [सं.] भांग (२) रोग;
रुजी वि० बीमार; रोगी [लागेलुं
रुजू वि० [अ.] कशामां प्रवृत्त थयेलुं–
रुठ पुं० क्रोध; गुस्सो
रुठना अ०क्रि० 'रूठना'; रूठवुं
रुठाना स०क्रि० रूठववुं; नाराज करवुं
रुतबा पुं० [अ.] होद्दो; पद (२) प्रतिष्ठा
रुदन पुं० [सं.] रोवुं ते
रुद्ध वि० [सं.] रोकायेलुं; बंध; घेरायेलुं
रुद्र वि० [सं.] भयानक (२) पुं० शंकर के तेना गण [(जेनी माळा बने छे)
रुद्राक्ष पुं० [सं.] एक वृक्ष के तेनुं बीज
रुद्राणी स्त्री० [सं.] पार्वती
रुद्री स्त्री० शिवनी स्तुतिनुं एक स्तोत्र
रुधिर पुं० [सं.] लोही [झणकार
रुनझुन, रुनुकझुनुक स्त्री० रूमझूम करतो
रुपना अ०क्रि० रोपावुं; 'रोपना' नुं कर्मणि
रुप(–पै)या पुं० रूपियो (२) धन; संपत्ति. **०पैसा** पुं० धन; संपत्ति
रुपहरा, -ला वि० रूपेरी; चांदी जेवुं
रुबा वि० [अ.] चोथा भागनुं
रुबाई स्त्री० [अ.] रुबायत; एक चरण
रुमाल पुं० जुओ 'रूमाल'
रुमाली स्त्री० पट्टीवाळो त्रिकोणाकार लंगोट (२) मगदळनो एक दाव
रुरुआ पुं० एक जातनो मोटो घुवड
रुलाई स्त्री० रोवुं ते; रुदन
रुलाना स०क्रि० रडाववुं (२) रोवडाववुं; नष्ट के खराब करवुं
रुवा पुं० शीमळानुं रू

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

रुवाब पुं० जुओ 'रोआब'
रुष्ट वि०[सं.] रोषे भरायेलुं; नाराज
रुसवा वि० [फा.] बदनाम (नाम, **रुसवाई** स्त्री०) [विश्वास
रुसूख़ पुं० [अ.] दृढता (२) मेळ (३)
रुसूम पुं० ब० व० [अ.] जुओ 'रसूम'
रुसूल पुं० जुओ 'रसूल'
रुस्त वि० [फा.] ताकातवाळुं; मजबूत (२) बहादुर (३) स्त्री० ऊगवुं ते
रुस्तम पुं० [फा.] प्रसिद्ध फारसी पहेलवान (२) बहादुर; वीर. **छिपा रुस्तम**=देखवामां सीधोसादो पण खरेखर रुस्तम जेवो बहादुर; छूपुं रत्न. **रुस्तमका साला**=(व्यंग) बडुं बहादुर
रुस्तमी स्त्री० बहादुरी (२) जबरदस्ती
रुहजान पुं० वलण; रुचि; वृत्ति
रुहेला पुं० रोहिला जातनो पठाण. **–लखंड** पुं० रोहिलखंड
रुँगटा पुं० जुओ 'रोंगटा' [करवी
रुँधना स०क्रि० रूंधवुं (२) घेरवुं; वाड
रू पुं०[फा.] मों (२) कारण; सबब. **–से**=रूए; अनुसार; मुजब
रूई स्त्री० रू (२) रू जेवुं रुंछुं. **०दार** वि० रू भरेलुं
रूईदगी स्त्री० [फा.] वनस्पति
रूईदार वि० जुओ 'रू' मां
रूए स्त्री०[फा.] 'रू'; चहेरो (२) कारण
रूएदाद स्त्री० [फा.] जुओ 'रूदाद'
रूक्ष वि० [सं.] जुओ 'रुक्ष'
रूख,०ड़ा पुं० (प.) वृक्ष; झाड
रूखा वि० लूखुं; रूक्ष; सूकुं (२) नीरस (३) कठोर (४) उदासीन; वेरागी. **–पड़ना, –होना**=लाजशरम छोडवी; नफट थवुं (२) गुस्से थवुं
रूखासूखा वि० लूखुंसूकुं; सादुं साधारण; जाडुं पातळुं (खावानुं)
रूठ (प.), **०न** स्त्री० रूठवुं ते; क्रोध
रूठना अ०क्रि० रिसावुं [वि० स्त्री०
रूड़,–ड़ो (प.) वि० रूडुं; सुंदर. **–ड़ी**
रूढ़ वि०[सं.] आरूढ; चडेलुं (२) पेदा थयेलुं (३) रूढ; चालु (४) गमार; जड
रूढ़ि स्त्री०[सं.] चडवुं ते (२) जन्म; उत्पत्ति (३) रूढि; चाल; रिवाज
रूदाद स्त्री० समाचार; हेवाल (२) दशा; हाल (३) वर्णन (४) अदालतमां केसनुं कामकाज
रूनुमाँ वि०[फा.] जाहेर; प्रगट; खुल्लुं. **–माई** स्त्री० मों बताववुं ते; मोंजोणुं
रूप पुं०[सं.] रूप; आकार (२) वेश (३) सूरत; सिकल (४) सुंदरता (५) (प.) रूपुं. **–भरना**=वेष लेवो; रूप धरवुं
रूपक पुं०[सं.] नाटकनो एक प्रकार (२) एक काव्यालंकार (३) रूप; मूर्ति; प्रतिकृति
रूपजीविनी स्त्री० [सं.] वेश्या
रूपरंग पुं० [सं.] सिकल; चहेरो; रूप
रूपरेखा स्त्री० [सं.] खोखुं; आकार; टूंको चितार
रूपा पुं० रूपुं; चांदी
रूपोश वि०[फा.] छूपुं; गुप्त (२) मों छुपावतुं; भागी छूटेलुं
रूप्य वि०[सं.] रूपाळुं; सुंदर (२) पुं० रूपुं. **०क** पुं० रूपियो
रूबकार पुं०[फा.] रूबरू करवुं ते (२) हुकमनामुं. **–री** स्त्री० केसनुं कामकाज–सुनावणी
रूबराह वि०[फा.] सज्ज; तैयार (२) दुरस्त; ठीक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

रूबरू अ० [फा.] मोढामोढ; प्रत्यक्ष; समक्ष

रूबाह स्त्री० [फा.] शियाळ. **०बाज़ी** स्त्री० लुच्चाई; धूर्तता [ओरडी

रूम पुं०[फा.] तुर्कस्तान (२) [इं.] रूम;

रूमाल पुं० [फा.] मोंनो रूमाल (२) (माथे के केडे बंधातो) रूमाल

रूमाली स्त्री० जुओ 'रुमाली'

रूमी वि० [फा.] 'रूम'–तुर्कस्ताननुं

रूरा वि० रूडुं; सरस; सुंदर

रू-रिआ(-या)यत स्त्री० [फा.+अ.] पक्षपात; तरफदारी

रूल पुं० [इं.] नियम (२) लीटी (३) आंकणी; 'रूलर' स्त्री०)]

रू-शनास वि०[फा.]परिचित (नाम,**–सी**

रूस पुं० [फा.] रशिया (वि०, **–सी**)

रूसना अ०क्रि० रूठवुं; रोषावुं

रू-सफ़ेद वि०[फा.] गोरुं (२) खूबसूरत (३)आबरूदार(४)निर्दोष [घास

रूसा पुं० अरडूसो (२) एक सुगंधीदार

रूसियाह वि० [फा.] काळा मोंनुं (२) पापी (३) बदनाम (नाम, **–ही** स्त्री०)

रूसी स्त्री० रशियन भाषा (२) माथानो खोडो (३) वि० रशियानुं

रूसे अ० रूए (जुओ 'रू' मां)

रूह स्त्री०[अ.] आत्मा (२) सत्त्व; सार

रूहानी वि० [अ.] आत्मानुं के ते संबंधी; आध्यात्मिक

रेंकना अ०क्रि० भूंकवुं

रेंगटा पुं० खोलकुं

रेंगना अ०क्रि० धीरे धीरे, कीडीनी जेम, चालवुं (२) पेटे चालवुं

रेंट पुं० लींट; शेडा

रेंड़ पुं० एरंडो. **–ड़ी** स्त्री० एरंडी

रेंरें अ० ऊंऊं करतो रोवानो अवाज

रे अ० **ए**! ओ! (नाना माटे संबोधन)

रेख स्त्री० रेखा; लीटी (२) निशानी (३)नवी फूटती मूछ. **–आना,–भींजना** या **भीनना**=मूछ फूटवी; मूछ आववी

रेख़ता पुं०[फा.] रेखतो; एक प्रकारनी गजल के काव्यनो ढाळ

रेखा स्त्री० [सं.] लीटी (२) आकार. **०गणित** पुं० भूमिति. **०चित्र** पुं० 'स्केच'

रेग स्त्री० [फा.] रेती

रेगज़ार पुं०[फा.] रण; रेतीनुं मेदान

रेगमाल पुं० [फा.] रेतियो कागळ

रेगिस्तान पुं० [फा.] रेतीनुं रण

रेचक वि०[सं.] रेच करे एवुं (२) पुं० एक प्राणायाम

रेचन पुं०[सं.] रेच; जुलाब के तेनी दवा

रेज़गारी, रेज़गी स्त्री० आनी बेआनी वगेरे परचूरण; खुरदो

रेज़ा पुं०[फा.] नानो टुकडो (२) कडिया-कामनो मजूर (३) रेजो; सोनीनी धातु गाळवानी नळी

रेज़िश स्त्री०[फा.] शरदी; सळेखम

रेजीमेन्ट स्त्री० [इं.] पलटन; सेनानो एक भाग

रेट पुं०[इं.] भाव; दर (२) गति; चाल

रेडियम पुं० [इं.] एक कीमती धातु

रेडियो पुं०[इं.] रेडियो यंत्र के तेनुं काम

रेणु,०का स्त्री० [सं.] रज (२) धूळ (३) रेती

रेत स्त्री० रेती (२) रेतीनुं मेदान (३) पुं० [सं.] वीर्य (४) पारो

रेतना स०क्रि० रेतडीथी घसवुं

रेता पुं० रेती के रेतीनुं मेदान (२) माटी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

रेती स्त्री० रेतडी; कानस (२) नदी के दरियानो रेताळ किनारो

रेतीला वि० रेताळ

रेफ पुं० [सं.] 'र' नो रेफ – तेनुं चिह्न

रेब पुं०[अ.] दुविधा; शंका (२) शक; संदेह [रिलगाडी

रेल स्त्री०[इं.] रेलवे के तेनो पाटो (२)

रेल स्त्री० रेलवुं–वहेवुं ते; प्रवाह (२) भीड, **०ठेल** स्त्री० जुओ 'रेलपेल'

रेलगाड़ी स्त्री० आगगाडी

रेलना स०क्रि० धकेलवुं (२) खूब खावुं (३) अ०क्रि० ठसोठस भरावुं

रेलपेल स्त्री० खूब भीड (२) भरमार; अधिकता [रेलवे खातुं

रेलवे स्त्री० [इं.] रेलनी सडक (२)

रेला पुं० रेलो (२) हल्लो (३) धक्कम-धक्का; भीड

रेवड़ पुं० बकरां घेटांनुं टोळुं

रेवड़ा पुं० रेवडी जेवो मोटो टुकडो

रेवड़ी स्त्री० खावानी रेवडी. **–के फेरमें आना**=लालचमां पडवुं; ललचाई जवुं

रेशम पुं०[फा.] रेशम–एक तंतु. **–मी** वि० रेशमनुं [वि० रेसावाळुं

रेशा पुं०[फा.] रेसो; तंतु. **०(-शे)दार**

रेह स्त्री० खारी माटी; ऊस

रेहन पुं० [फा.] गीरो [राखनार

रेहनदार पुं०[फा.] गीरवीदार; गीरो

रेहननामा पुं० [फा.] गीरो-खत

रेहल स्त्री० जुओ 'रिहल'

रैदास पुं० रहीदास भक्त (२) चमार

रैन(–नि) स्त्री० (प.) रात

रैयत स्त्री० रैयत; प्रजा; 'रिआया'

रैहर पुं० झघडो; टंटो

रोंग,०टा पुं० रूवुं; रोम

रोंगटी स्त्री० अणची; रमतमां वांकुं बोलवुं ते

रोआब पुं० 'रुअब'; रोफ

रोउँ(–ञ) पुं० (प.) रूवुं; रोम

रोक स्त्री० रोकवुं ते (२) अटकाव; रोकाण (३) मनाई (४) पुं० रोकड

रोक-टोक स्त्री० रोकवुं ते; मनाई; निषेध

रोकड़ स्त्री० नगद–रोकडा रूपिया के धन के पूंजी

रोकड़बही स्त्री० रोकड हिसाबनो चोपडो

रोकड़िया पुं० खजानची; रोकड लेनार मुनीम; 'कॅशियर'

रोकना स०क्रि० रोकवुं

रोग पुं० [सं.] बीमारी; व्याधि

रोग़न पुं० [फा. रौग़न] रोगान

रोग़नी वि० रोगानी; रोगान करेलुं

रोगिया, रोगी [सं.]वि० रोगवाळुं; मांदुं

रोचक वि०[सं.] रुचे एवुं; गमतुं (२) पुं० भूख (३) केळुं

रोज़ पुं०[फा.] दिवस (२) अ० रोज

रोजगार पुं० [फा.] धंधो (२) वेपार. **–चमकना**=धंधामां लाभ थवो

रोज़गारी पुं० [फा.] वेपारी

रोज़-नामचा पुं०[फा.] डायरी;रोजनीशी

रोज़-ब-रोज़ अ०[फा.] दररोज; प्रतिदिन

रोज़मर्रा अ०[फा.] रोज; नित्य (२) वि० व्यवहारमां चालती (भाषा)

रोज़ा पुं० [फा.] रोजो (२) उपवास

रोज़ाख़ोर पुं०[फा.] रोजो न करनार

रोज़ादार पुं० [फा.] रोजो करनार

रोज़ाना अ० [फा.] रोज; हमेश

रोज़ी स्त्री० [फा.] रोजी. **०दार** पुं० रोजीवाळो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

रोज़ीना पुं० [फा.] दिवस के मासनी मजूरी; रोजी के पगार
रोट पुं० जाडो मोटो रोटलो–भाखरो
रोटी स्त्री० रोटली (२) रसोई. **–दाल चलना** = निर्वाह थवो [विघ्न पाडवुं
रोड़ा पुं० रोडुं. **–अटकाना, –डालना**=
रोदसी पुं० [सं.] स्वर्ग (२) पृथ्वी
रोदा पुं० धनुष्यनी दोरी (२) [फा.] आंतरडुं के (आंतरडानी बनेली) तांत
रोना अ०क्रि० रोवुं; रडवुं (२) चिडावुं के दुःख मानवुं (३) वि० रोतल (स्त्री० **–नी**) (४) पुं० दुःख; खेद. **–पड़ना** = शोक फेलावो; ककळाट थई जवो. **–पीटना**=खूब रडवुं;छाती कूटवी
रोनी-धोनी स्त्री० रोवुं ते; दुःखशोक
रोपना स०क्रि० रोपवुं; वाववुं
रोपनी, रोपाई स्त्री० रोपणी
रोब पुं० रुआव; रोफ. **–जमाना** = (कोई पर) रोफ मारवो के पाडवो. **–में आना** = प्रभाव के भीतिमां आवी जवुं
रोब-दाब पुं० [अ.] प्रभाव; रोफ
रोबदार वि० प्रभाव–रोफवाळुं
रोम पुं० [सं.] रूवुं [कि ते पंथ
रोमन कैथलिक पुं०[इं.] रोमन कॅथलिक
रोमपाट पुं० [सं.] ऊननुं कपडुं
रोमराजी, रोमलता स्त्री०[सं.] रोमनी हार (खास करीने पेट परनी)
रोमहर्ष(०ण), रोमांच पुं०[सं.] रूवां खडा थई जवा ते के तेवी ऊर्मि
रोमांचित वि०[सं.] रोमांच अनुभवतुं; पुलकित ['रोमराजी'
रोमावलि,–ली स्त्री० [सं.] जुओ
रोयाँ पुं० रूवुं; रोम. **–खड़ा होना** = रोमांचित थवुं. **–टेढ़ा न होना** = वाळ वांको न थवो. **–पसीजना**=दया आववी
रोर,–ल स्त्री० रोळ; कळाहोळ (२) धमाल; आंदोलन
रोला पुं० रोळ; शोरबकोर (२) घमसाण
रोली स्त्री० कंकु
रोवनी-धोवनी स्त्री० जुओ 'रोनी-धोनी'
रोवासा वि०(स्त्री० **–सी**)रडुं रडुं थयेलुं
रोशन वि० [फा.] प्रकाशमान (२) प्रसिद्ध (३) जाहेर; प्रगट
रोशन-चौकी स्त्री० शरणाई
रोशन-दान पुं०[फा.] प्रकाश आववानी बारी
रोशन-दिमाग़ पुं०[फा.] उत्तम दिमाग-वाळो (२) छींकणी
रोश(-स)नाई स्त्री० [फा.] रुशनाई; शाही (२) जुओ 'रोशनी'
रोश(-स)नी स्त्री० [फा.] अजवाळुं; प्रकाश. (२) दीवो के तेनो प्रकाश. **–का मीनार** = दीवादांडी
रोष(-स) पुं० [सं.] गुस्सो; चीड
रोसनाई, रोसनी जुओ अनुक्रमे 'रोशनाई, रोशनी'
रोह पुं०[सं.]चडवुं ते(२)अंकुर(३)कळी
रोहण पुं०[सं.] चडवुं ते (२) ऊगवुं के अंकुर फूटवा ते
रोहिणी स्त्री०[सं.] गाय (२) एक नक्षत्र
रोहित वि० (२) पुं० [सं.] लाल रंग
रौंद स्त्री० कचडवुं ते (२) 'राउन्ड'; चक्कर
रौंदना स०क्रि० पगथी कचडवुं
रौ स्त्री० गति; चाल (२) वेग (३) पाणीनो प्रवाह (४) धून (कशी वातनी)
रौग़न पुं०[फा.] रोगान; पोलिश. **–नी** वि० रोगान करेलुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

रौजन पुं० [फा.] छिद्र; बाकुं (२) नानी बारी

रौज़ा पुं०[अ.] रोजो; समाधि(२)बगीचो

रौताइन स्त्री० रावनी स्त्री; ठकराणी

रौताई स्त्री० रावपणुं; सरदारी

रौद्र वि०[सं.] रुद्र; भयंकर (२) पुं० एक काव्यरस

रौनक़ स्त्री० [अ.] रोनक; शोभा

रौप्य वि०[सं.] रूपानुं; रूपेरी (२) पुं० रूपुं; चांदी

रौरव पुं० [सं.] एक महा नरक

रौरे स०(प.)'रउरे';आप (आदरवाचक)

रौला पुं० 'रोला'; शोरबकोर; धमाल

रौशन वि० [फा.] जुओ 'रोशन'

रौशनी स्त्री० [फा.] जुओ 'रोशनी'

रौहाल स्त्री० (प.) घोडानी रवाल

ल

लंक स्त्री० लंका (२) [सं.] कमर

लंकलाट पुं० 'लॉन्ग क्लॉथ'; एक जातनुं जाडुं कापड

लंग स्त्री० काछडी (२) पुं०[सं.] यार

लंग पुं० [फा.] लंगडापणुं (२) वि० लंगडुं. **–करना, –खाना**=लंगडावुं

लँगड़,-ड़ा वि० लंगडुं

लँगड़ा(-रा)ना अ०क्रि० लंगडावुं

लंगर पुं० [फा.] वहाणनुं लंगर (२) हराया ढोरने गळे बंधायेलुं लाकडुं; डेरो (३) सदाव्रतनी जगा (शीखोनुं लंगर) (४) पहेलवाननो लंगोट (५) वि० भारे; वजनदार (६) 'लँगड़'; लंगडुं(७)नटखट; तोफानी. **–उठाना**= लंगर उठाववुं; वहाण रवाना थवुं. **–करना, –डालना, –फेंकना**= लंगर नांखवुं; लांगरवुं. **–बाँधना**= पहेलवाननुं काम करवुं (२) ब्रह्मचर्य लेवुं. **–लँगोट कसना या बाँधना**= लडवा तैयार थवुं

लंगरख़ाना पुं० [फा.] शीख लंगर

लंगरगाह पुं०[फा.] लंगर नांखवानी–लांगरवानी जगा

लंगरदार वि० [फा.] भारे

लंगूर पुं० वांदरो के तेनी पूंछडी

लंगूल पुं० लांगूल; पूंछडी

लँगोट(–टा) पुं० लंगोट; कच्छ

लँगोटबन्द पुं० ब्रह्मचारी

लँगोटिया यार पुं० लंगोटियो मित्र

लँगोटी स्त्री० कौपीन; लंगोटी. **–पर फाग खेलना**=थोडुं जोर छतां बहु करवुं

लंघन पुं० [सं.] लांघवुं ते; उपवास

लंठ वि० मूर्ख; जड

लँडूरा वि० बांडुं (पक्षी)

लंतरानी स्त्री०[अ.] शेखी; डिंग; मोटी मोटी वातो ठोकवी ते

लंप पुं० 'लॅम्प'; दीवो [(२)पुं० यार

लंपट वि०[सं.] कामी; विषयी; दुराचारी

लंब पुं०[सं.] लंब रेखा (२) वि० लांबुं

लंबकर्ण पुं०[सं.] बकरो (२) गधेडो (३) हाथी (४) वि० लांबा कानवाळुं

लंबग्रीव पुं० [सं.] ऊंट

लंबतडंग वि० लांबुं ताड० जेवुं

लंबर पुं० नंबर. **०दार** पुं० जुओ 'नंबरदार'; महालकरी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

लंबा वि० लांबुं (२) ऊंचुं (माणस). **–करना**=(माणसने) रवाना करवुं (२) जमीन पर लांबु करी देवुं

लंबाई(–न) स्त्री० लंबाई; लंबाण

लंबा-चौड़ा वि० लांबुंपहोळुं; विस्तृत

लंबाना स०क्रि० लंबाववुं

लंबी वि० स्त्री० लांबी. **–चौड़ी हांकना** =गप मारवी.**–तानकर सोना,–तानना** =निरांते लांबा थईने बेफिकर बनीने सूवुं. **–साँस भरना, लेना**=निसासो नांखवो

लंबू वि० लंबूश (लांबो माणस)

लंबोतरा वि० वधारे लांबुं–लंबायेलुं

लंबोदर पुं० [सं.] गणपति

लंबोष्ठ पुं०[सं.] ऊंट (२) वि० लांबा ओठवाळुं

लअन-तअन स्त्री०[अ.] गाळो ने टोणा

लऊक़ पुं० [अ.] अवलेह; चाटवानी दवा

लकड़बग्घा पुं० जरख प्राणी

लकड़हारा पुं० कठियारो

लकड़ा पुं० लाकडानुं डीमचुं

लकड़ी स्त्री० लाकडुं (२) वळतण; ईंधण(३)लाकडी. **–चलना**=लाकडीनी मारामारी थवी. **–देना**=मडदुं वाळवुं. **–सा**=लाकडा जेवुं पातळुं, दूबळुं; सुकलकडी. **–होना**=लाकडा जेवुं सुकुं थई जवुं

लक़दक़ पुं०[फा.] साफ (घास के झाड-पान विनानुं) वेरान मेदान

लक़ब पुं० [अ.] इलकाव; पदवी

लक़लक़ पुं०[अ.] सारस पक्षी; लगभग (२) वि० बहु दूबळुं पातळुं; नाजुक

लक़लक़ा पुं०[फा.] वारंवार जीभ काढी हलाववी ते (२) महाकांक्षा (३) दमाम; रोब (४) सारसनी बोली

लक़-व-दक़ पुं०[अ.] उज्जड वेरान मेदान

लक़वा पुं०[फा.] लकवो रोग. **–मारना** =लकवो थवो

लकसी स्त्री० जुओ 'लग्गा'

लक़ा पुं० [अ.] चहेरो (२) एक पक्षी

लकीर स्त्री०लीटी. **–का फ़क़ीर**=विना समज्ये जूनाने वळगी रहेनार; चीले-चलु. **–पर चलना**=जूनाने वळगीने चालवुं. **–पीटना**=वगर समज्ये रूढिने वळगवुं ['वड़हर'

लकुच,–ट पुं० एक झाड के तेनुं फळ;

लकुट(–टी) स्त्री० लाकडी

लक्कड़ पुं० लाकडानुं मोटुं डीमचुं; 'लकड़ा'

लक़्क़ा पुं०[अ.] 'लक़ा'; एक पक्षी; लक्की

लक्खी वि० लाखी; लाखना रंगनुं (२) पुं० लखपति

लक्त वि० [सं.] लाल [लक्षण; चिह्न

लक्ष वि०[सं.] लाख (२) पुं० लक्ष्य (३)

लक्षण पुं०[सं.] गुण; धर्म (२) चिह्न; निशानी (३) व्याख्या (४) लक्षण; आचरण [शब्दशक्ति

लक्षणा स्त्री० [सं.] लक्ष्यार्थ बतावती

लक्षित वि०[सं.] लक्षमां आवेलुं (२) चिह्नित (३) धारेलुं के कल्पेलुं

लक्ष्मी स्त्री०[सं.] धन (२) लक्ष्मीदेवी

लक्ष्य पुं०[सं.] उद्देश; हेतु (२) निशान

लखन पुं० (प.) लक्ष्मण

लखपति,–ती पुं० लक्षाधिपति

लखलखा पुं०[फा.] मूर्छा दूर करनार एक सुगंधी वस्तु

लखलुट वि० उडाउ; अपव्ययी (आदमी)

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

लखेरा पुं० लाखनी चूडी इ० बनावनार

लखौटा पुं० कंकु वगेरे शृंगारनी सामग्री राखवानी पेटी के डबो

लखौरी स्त्री० जूनी नवतेरी ईंट (२) भमरीनुं (माटीनुं) घर

लख़्त पुं० [फा.] टुकडो

लग अ० लगी; सुधी (२) स्त्री० लगनी

लग़्ज़िश स्त्री०[फा.] लपसवुं के ठोकर खावी ते

लगढ(–भ)ग अ० लगभग; 'क़रीब'

लगन स्त्री० लगनी (२) प्रेम (३) संबंध (४) पुं० विवाहनुं महुरत (५) [फा.] एक जातनी मोटी थाळी; परात. **–धरना**=लगन नक्की करवुं

लगनपत्री स्त्री० कन्यानो बाप वरना पिताने लग्नमुहूर्त लखी मोकले ते

लगनवट स्त्री० लगनी; प्रेम

लगना अ०क्रि० लागवुं

लगनी स्त्री० नानी थाळी

लगभग अ० जुओ 'लगढग'

लगमात स्त्री०कानो मात्रा वगेरेनां चिह्न

लगलग वि० जुओ 'लक़लक़'

लगव वि० (प.) जूठुं; असत्य (२) व्यर्थ; नकामुं

लगवार पुं० यार; आशक; प्रेमी

लगातार अ० सतत; चालु; एक पछी एक

लगान पुं० लागवुं के लगाडवुं ते (२) महेसूल

लगाना स०क्रि० लगाववुं; लगाडवुं

लग़ाम स्त्री० [फा.] लगाम. **–चढ़ाना, –देना** = बोलवामां रोकवुं – लगाम राखवी. **–लिये फिरना**=पीछो पकडवो (काबूमां लेवा) [पर्यन्त

लग़ायत अ०[अ.] लागु; साथे (२) सुधी;

लगार स्त्री० (प.) लागो; रिवाज (२) संबंध; 'लगाव' (३) लगनी; प्रीति (४) लागलागट थवुं ते; क्रम (५) भेदु

लगालगी स्त्री० प्यार; स्नेह (२) संबंध; मेळ [०ट स्त्री० प्रेम (२) संबंध

लगाव पुं० लागतुं वळगतुं होवुं ते; संबंध.

लगि अ० (प.) लगी; 'लग'

लग्गा पुं० लांबो वांस (२) वांसी के तेना जेवुं फळ वगेरे पाडवानुं साधन (२) काममां लागवुं ते. **–लगना**= कामे लागवुं; काम शरू थवुं

लग्गी स्त्री० नानो 'लग्गा'; जुओ 'लग्गा'

लग्घड़ पुं० बाज पक्षी

लग्घा पुं० जुओ 'लग्गा'

लग्न पुं०[सं.] लग्न; विवाह (२) वि० लागेलुं; जोडायेलुं [के जूठी वातो

लग्वियात स्त्री०[अ.] नकामी, वाहियात

लघड़बग्गा पुं० जुओ 'लग्घड़'

लघिमा स्त्री०[सं.]लघुता (२) एक सिद्धि

लघु वि० [सं.] नानुं (२) थोडुं (३) हलकुं. **०मति** वि० ओछी बुद्धिनुं; अणसमजु. **०शंका** स्त्री० पेशाबनी हाजत

लच, लचक स्त्री० लचकवुं – झूकवुं के नमवुं ते [झूकवुं

लचकना अ०क्रि० लची पडवुं; लचकवुं;

लचकीला वि० जुओ 'लचीला'

लचना अ०क्रि० जुओ 'लचकना'

लचलचा वि० जुओ 'लचीला'

लचार वि०, **–री** स्त्री० (प.) अनुक्रमे जुओ 'लाचार,–री'

लचीला वि० लची जाय एवुं नरम

लच्छ पुं० (प.) लक्ष; उद्देश (२) लाख संख्या (३) स्त्री० लक्ष्मी

लच्छण,–न पुं० (प.) लक्षण

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

लच्छा पुं० दोरनो लच्छो (२) हाथ के पगनुं एक घरेणुं [लाख

लच्छि स्त्री० (प.) लक्ष्मी (२)पुं० लक्ष;

लच्छी स्त्री० दोरीनी लच्छी (२) (प.) लक्ष्मी [लच्छावाळी (वानी)

लच्छेदार वि० मजेदार (वात) (२)

लछमन पुं० लक्ष्मण

लजना अ०क्रि० 'लजाना'; लाजवुं

लजाना अ०क्रि० लाजवुं; शरमावुं (२) स०क्रि० लजववुं

लजारू(-लू) पुं० लजामणीनो छोड

लज़ीज़ वि०[अ.] लहेजतदार; स्वादिष्ट

लजीला, लजोहा, लजौहाँ वि० लज्जाळु

लज़्ज़त स्त्री० [अ.] लहेजत; मजा; स्वादनो आनंद [लाज; मर्यादा

लज्जा स्त्री०[सं.] शरम; संकोच (२)

लज्जालु पुं०[सं.] लजामणी; 'लजालू' (२) वि० लज्जाळु

लट स्त्री० माथानी लट (२) गूंचवायेलां लटियां (३) अग्निनी झोळ. **-पड़ना** =वाळ गूंचावा [(२) लटको

लटक स्त्री०,**०न** पुं० लटकवुं ते; लचक

लटकना अ०क्रि० लटकवुं; लबडवुं (२) लचकवुं; नमवुं; झूकवुं

लटका पुं० चाल; हींडछा (२) लटको (३) बोलवामां लहेको इ० करवुं ते-तेवी कृत्रिमता (४) नानो मंत्रोपचार के नुसखो

लटकीला वि० लटकावाळुं; लचकतुं

लटकौआ(-वा) वि० लटकतुं

लटना अ०क्रि० थाक के कमजोरीथी लटी जवुं; नरम पडवुं (२) (प.) लोभावुं; लट्टु थई जवुं

लटपट,-टा वि० लपटुं; ढीलुं (२) भांग्युंतूटचुं (शब्द माटे) (३) थाकेलुं (४) अस्तव्यस्त

लटपटाना अ०क्रि० (नाम, **लटापटी, लटपटान**)लथडावुं के अडबडियां खावां (२) लपटावुं [शण; 'पटसन'

लटिया स्त्री० सूतरनी आंटी. **०सन** पुं०

लटी स्त्री० जूठी वात; गप (२) वेश्या

लटूरी स्त्री० वाळनी लट

लट्टू पुं० भमरडो. **-होना**=(कोई पर) लट्टु थवुं; लोभावुं के आसक्त थवुं

लट्ठ पुं० लठ्ठ; मोटी लाठी. **०बाज़** वि० लाठी चलावी जाणनार. **-लिये फिरना**=लठ्ठ लईने फरी वळवुं; सखत विरोध करवो

लट्ठमार वि० लठ मारनार (२) अप्रिय ने कठोर (वात के वचन)

लट्ठा पुं० जाडुं मोटुं लाकडानुं डीमचुं के पाटडो के थांभलो (२) एक जातनुं जाडुं कपडुं (३) ५॥ वारनुं जमीननुं एक माप

लठैत पुं० लाठी चलावी जाणनार

लड़ंत स्त्री० लडाई; सामनो

लड़ स्त्री० लटी; सेर; माळा; लट

लड़क(-का)ई स्त्री० छोकरवाद

लड़क-खेल पुं० छोकरानो खेल; सहेलुं के साधारण काम

लड़क-बुद्धि स्त्री० नादानी; छोकरमत

लड़का पुं० छोकरो (२) पुत्र

लड़का-बाला पुं० संतान; परिवार

लड़की स्त्री० छोकरी (२) पुत्री

लड़को(-कौ)री वि० स्त्री० धावणा छोकरावाळी (स्त्री)

लड़खड़ाना अ०क्रि० लथडावुं; लडथडावुं

लड़ना अ०क्रि० लडवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

लड़ाई स्त्री० लडाई; झघडो (२) बोला-बोली; अणबनाव [लडकणुं

लड़ाका वि० लडनार (२) लडाकु;

लड़ाकू वि० लडवामां काम लागनार (२) लडाकु [लडाववां

लड़ाना स०क्रि० लडाववुं (२) लाड

लड़ी स्त्री० लडी; माळा

लड़ुआ(–वा) पुं० लाडवो; लड्डु

लड़ैता वि० लाडकुं; 'लाडला' (२) लडनार

लड्डू पुं० लाडवो; लड्डु. (मनके) **लड्डू खाना** या **फोड़ना**=खाली तरंग करवा (शेखचल्ली जेवा)

लढ़िया स्त्री० वेलगाडी

लत स्त्री० खराब–बूरी टेव के व्यसन

लतख़ोर(–रा) वि० लात खातुं (२) नीच; क्षुद्र (३) पुं० पगलुछणियुं

लतर स्त्री० लता; वेल

लतहा वि० लात मारे एवुं

लता स्त्री० [सं.] वेल

लता(-था)ड़ स्त्री० जुओ 'लथाड़'

लता(–था)ड़ना स०क्रि० गूंदवुं; कचडवुं (२) लताडवुं; हेरान करवुं

लतापता स्त्री० झाडपान (२) जडीबुट्टी

लताफ़त स्त्री०[अ.] सूक्ष्मता; कोमळता (२) स्वाद (३) उत्तमता

लतिका स्त्री० [सं.] नानी लता–वेल

लतियर,–ल वि० जुओ 'लतख़ोर'

लतियाना स०क्रि० लाताटवुं

लतीफ़ वि०[अ.] मजेदार; स्वादिष्ट (२) उत्तम (३) सूक्ष्म; कोमळ

लतीफ़ा पुं० [अ.] लतीफो; टुचको; मजेदार के गमतनी वात

लत्ता पुं० चींथरुं (२) कपडानो टुकडो

लत्ती स्त्री० (पशुनी) लात (२) धजा (३) पतंगनुं पूंछडुं

लथपथ वि० लदबद; तरबोळ

लथाड़ स्त्री० जमीन पर पटकी बरोबर रगडवुं ते; पछाड (२) हार. **–खाना, –पड़ना**=पटकावुं; पछडावुं

लथा(–थे)ड़ना स०क्रि० रगदोळवुं (२) जमीन पर पटकी रगडवुं (३) लताडवुं; हेरान करवुं (४) वढवुं

लदना अ०क्रि० लदावुं

लदाव पुं० लादवुं ते (२) बोजो

लदुवा, लद्दू वि० बोजो उठावनारुं

लद्धड़ वि० सुस्त; आळसु

लप पुं० पोश; अंजलि

लपक स्त्री० आगनी ज्वाळा (२) चमक (३) वेग; तेजी [पडवुं

लपकना अ०क्रि० वेगथी धसवुं; कूदी

लपट स्त्री० ज्वाळा (२) आंच (३) महेक

लपटना अ०क्रि० 'लिपटना'; लपटावुं

लपटा पुं० लही के लापसी जेवी वस्तु

लपलपाना स०क्रि० (२) अ०क्रि० लप लप करवुं के थवुं (जीभ) (२) चाबुक फटफट करवी के थवी (३) चाकु इ० चमकवुं के चमकाववुं

लपसी स्त्री० लापसी (२) राब

लपेट(०न) स्त्री० लपेटवुं ते (२) लपेटो; लपेटवानुं चक्कर (३) घेराव (४) लपटामण; पंचात

लपेटना स०क्रि० लपेटवुं; वाळवुं, वींटवुं

लफ़ंग(–गा) वि० [फा.] लफंगुं; लंपट

लफ़्ज़ पुं०[अ.] शब्द (२) वात; बोल

लफ़्ज़ी वि०[अ.] शाब्दिक. **०मानी** पुं० शब्दार्थ

लफ़्फ़ाज़ वि० शेखी मारनार (नाम,–ज़ी)

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

लब पुं० [फा.] होठ (२) थूंक; लाळ (३) किनारो
लबड़-धोधों स्त्री० नकामी धमाल (२) गोटाळो; अंधेर (३) लबाडीपणुं
लबरेज़ अ० [फा.] जुओ 'लबालब'
लबलबी स्त्री० बंदूकनो घोडो
लब व लहजा पुं०[फा.] बोलवानी रीत
लबादा पुं०[फा.] एक लांबो रुयेल डगलो
लबार वि० लबाड; जूठो (२) गप्पी
लबारी वि० लबाडी(२)स्त्री०लबाडीपणुं
लबालब अ० [फा.] ठेठ काना सुधी– छलोछल (भरेलुं)
लबी स्त्री० शेरडीना रसनी राब
लबे-गोर वि०[फा.]घोर नजीक पहोंचेलुं; मरणने कांठे आवेलुं
लबेद पुं० वेदमां नहि एवुं पण लोकाचारनुं वचन
लबेदा पुं० डंगोरो
लब्ध वि०[सं.] प्राप्त; मळेलुं के मेळवेलुं
लब्ध-प्रतिष्ठ वि०[सं.] प्रतिष्ठा पामेलुं; प्रतिष्ठित
लब्धि स्त्री०[सं.] प्राप्ति (२) भागाकार
लब्बैक अ०[अ.] लब्बेक; 'सेवामां हाजर छुं' एवो उद्गार
लभ्य वि०[सं.] मेळववा जेवुं के मळे एवुं
लमतड़ंग वि० जुओ 'लंबतड़ंग'
लमधी पुं० वेवाईनो बाप
लम्हा पुं० [अ.] क्षण; जरा वार
लय पुं०[सं.] लीन थवुं ते (२) विनाश (३) स्त्री० संगीतनो लय
लरज़ना अ०क्रि० कंपवुं; हालवुं(२)डरवुं
लरज़ा पुं० [फा.] कंप (२) भूकंप
ललक स्त्री० प्रबळ के ऊंडी इच्छा;लालच
ललकना अ०क्रि० ललचावुं
ललकार स्त्री० पडकार; आह्वान
ललकारना स०क्रि० पडकारवुं
ललचना अ०क्रि० ललचावुं
ललचाना स०क्रि० ललचाववुं
ललन पुं०[सं.]'लला';प्रिय बाळक के पति
ललना स्त्री० [सं.] स्त्री (२) जीभ
लला पुं० प्रिय पुत्र के नायक या पति (संबोधन) (स्त्री०, –ली)
ललाई स्त्री० लाली
ललाट पुं० [सं.] कपाळ
ललाना अ०क्रि० इच्छा के लालच करवी; मेळववा आतुर बनवुं
ललाम वि०[सं.] सुंदर (२) लाल (३) पुं० रत्न
ललामी स्त्री० सुंदरता (२) लाली
ललित वि०[सं.] सुंदर; मनोहर (२) प्रिय
लली स्त्री० 'लला' नुं स्त्री०
लल्ला पुं० जुओ 'लला'
लल्लो पुं० जीभनो लोलो–जीभ
लल्लो-चप्पो,–पत्तो स्त्री० खुशामत
लवंग पुं० [सं.] लविंग
लव पुं०[सं.] अल्प प्रमाण (२) 'लवा' पक्षी (३) लविंग; जायफळ [सुंदर
लवण पुं०[सं.] मीठुं (२) वि० खारुं (३)
लवन पुं० [सं.] लणणी; कापणी
लवना स०क्रि० लणवुं; कापवुं (२) वि० (प.) जुओ 'लोना'
लवनि (–नी) स्त्री० लणणी (२) माखण
लवलीन वि० तल्लीन; मग्न
लवलेश (–स) पुं० [सं.] जरा पण संबंध के अंश
लवा पुं० एक पक्षी (२) 'लावा'; धाणी
लवाई स्त्री० जुओ 'लुनाई' (२) (प.) तरत वियायेली गाय

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

लवाज़मा, लवाज़िम(-मा,-मात) [अ.] पुं० साथेनो रसालो के सरसामान (२) जरूरी सामग्री

लवारा पुं० वाछडुं

लवाहक पुं०[अ.] सगो संबंधी (२) नोकर

लशकर पुं०[फा.] लश्कर (२) छावणी (३) खलासीओनी टुकडी. **–री** वि० फोजी (२) पुं० सिपाई; सैनिक (३) खलासी

लशु(–सु)न पुं० [सं.] लसण

लश्कर,–री जुओ 'लशकर,–री'

लस पुं०[सं.] चीकाश के चीकणी वस्तु (२) आकर्षण. **०दार** वि० चीकणुं

लसना स०क्रि० चोटाडवुं; चिपकाववुं (२) अ०क्रि० लसवुं; शोभवुं; चळकवुं

लसम वि० खोटुं; जूठुं; दूषित

लसलस वि० चीकणुं

लसी स्त्री० जुओ 'लस' (२) लोभ; फायदानी नजर (३) संबंध (४) दूध पाणीनुं शरबत

लसीला वि० चीकणुं (२) रसीलुं; सुंदर

लसुन पुं० जुओ 'लशुन'

लसुनिया पुं० लसणियो हीरो

लस्टम-पस्टम अ० गमे तेम करीने

लस्त वि० थाकेलुं (२) अशक्त

लस्सान वि० [अ.] वातोडियुं [छाश

लस्सी स्त्री० चीकाश; 'लसी' (२) जाडी

लहँगा पुं० घेरदार घाघरो

लहक स्त्री० लहेकवुं ते (२) लळक;चमक

लहकना अ०क्रि० लहेकवुं (२) चमकवुं

लहकौर(–रि) स्त्री० वरकन्या अरसपरस खवडावे ते विधि

लहजा पुं०[अ.] गावा बोलवामां लहेंको–आरोहअवरोह

लहज़ा पुं० [अ.] लहेजो; पळ; क्षण

लहज़ा ब लहज़ा अ० प्रतिपळ; क्षणे क्षणे

लहद स्त्री० [फा.] कबर; घोर

लहनदार वि० लेणदार

लहना स०क्रि० लहेवुं; मेळववुं (२) पुं० लेणुं

लहबर पुं० एक जातनो मोटो चोगो–अंगरखुं (२) झंडो

लहमा पुं० 'लहज़ा'; क्षण

लहर स्त्री० लहेर; तरंग (२) मजा; उमंग (३) वांकीचूकी चाल (४) चसक के झेर पेठे चडवुं ते. **–देना, –मारना** =चसको मारीने पीडा थवी (२) वांकुंचूकुं चालवुं. **–लेना**=समुद्रनी लहेरोमां नाहवुं [खातुं डोलवुं

लहर(–रा)ना अ०क्रि० लहेरवुं; लहेरो

लहर-पटोर पुं०,**–री** स्त्री० रेशमी वस्त्र

लहरा पुं० लहेर; मोजुं के मजा

लहराना अ०क्रि० जुओ 'लहरना' (२) स०क्रि० लहेराववुं

लहरि,–री स्त्री० लहेरी; मोजुं. **–रिया** पुं० लहेरियुं वस्त्र

लहलहा वि० भर्युंभादर्युं (२) प्रफुल्ल; फूल्युंफाल्युं (अ०क्रि०, **०ना**)

लहसुन पुं० [सं. लशुन] लसण

लहालोट वि० आनंदमग्न (२) मुग्ध; लट्टु थयेलुं [(भाई माटे)

लहुरा वि० (स्त्री० **–री**) लघु; नानुं

लहू पुं० लोही. **०लुहान** वि० लोहीलुहाण

लहेरा पुं० रंगरेज (रेशमनो)

लाँक स्त्री० (प.) 'लंक'; कटि; कमर

लाँग स्त्री० काछडी [वांदरो

लांगु(–गू)ल पुं० [सं.] पूंछडी. **–ली** पुं०

लाँघना स०क्रि० ओळंगी जवुं; लंघवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

लाँच स्त्री० लांच; 'घूस' [निशानी
लांछन पुं० [सं.] कलंक; डाघो (२)
ला अ० [अ.] नकार दर्शावतो पूर्वग. उदा० लाचार, ला-इलाज
लाइ पुं० लाय; अग्नि
लाइ(-य)क वि० लायक; योग्य; उचित
लाइ(-य)ची स्त्री० इलायची
लाइन स्त्री० [इं.] लीटी (२) हार
लाइब्रेरी स्त्री० [इं.] पुस्तकालय
ला-इलाज वि०[फा.] असाध्य; निरुपाय; लाचार
ला-इल्म वि० [फा.] अज्ञान; अभण
लाइसेन्स पुं० [इं.] परवानो
लाई स्त्री० जुओ 'लावा' (२) [फा.] एक रेशमी वस्त्र (३) धावळी जेवुं एक जातनुं गरम वस्त्र
लाई-लुतरी स्त्री० चाडीचुगली (२) चुगलीखोर स्त्री
ला-उबाली वि० [फा.] स्वच्छंदी (२) बेफिकर (३) भमतुं; रखडतुं
ला-कलाम वि०[अ.] निस्संदेह; निश्चित
लाक्षणिक वि०[सं.] लक्षणवाळुं के लक्षण संबंधी
लाक्षा स्त्री० [सं.] लाख; 'लाह'
लाख वि० (२) पुं० लाख संख्या (३) स्त्री० लाख. **-टकेकी बात**=खूब महत्त्वनी वात [रंगनुं
लाखी पुं०(२)वि० लाखनो रंग के ते
लाग स्त्री० संबंध (२) लाग; आधार (३) प्रेम (४) लाग; युक्ति (५) विवाहनुं दापुं (६) जुओ 'लाग-डाँट'
लाग-डाँट स्त्री० शत्रुता (२) प्रतिस्पर्धा
लागत स्त्री० पडतर खर्च
लाग़र वि०[फा.]दूबळुं;सूकलुं(नाम,-री)
लागि, -गे अ० (प.) लईने; लीधे; कारणथी (२) लगी; सुधी (३) वास्ते; माटे
लागू वि० लागु; लागे एवुं; लागु पडतुं
लाघव पुं० [सं.] लघुता; अल्पता; हलकापणुं
लाचार वि० [फा.] विवश; निरुपाय. **-री** स्त्री०
लाज स्त्री० शरम (२) पुं०[सं.] जुओ 'लाजा' (३) खस; वीरणनो वाळो
लाजवर्द पुं०[फा.] एक जातनो नील-भूरो हीरो (वि० **-र्दी**)
ला-जवाब वि०[फा.] अनुपम(२)निरुत्तर
ला-ज़वाल वि०[अ.] अविनाशी; नित्य
लाजा स्त्री०[सं.] चोखा (शेकेला) (२) धाणी
लाजिम वि०[अ.] जरूरी; अनिवार्य (२) लाजम; योग्य (३) (व्या.) अकर्मक (क्रि०) (४) पुं० फरज; कर्तव्य
लाज़िमा पुं० जुओ 'लवाज़मा'
लाज़िमी वि० [अ.] आवश्यक; जरूरी
लाट(-ठ) स्त्री० मोटो ऊंचो थांभलो (२) पुं० लॉट; जथ्थो (३) लाट साहेब
लाटी स्त्री० (प.) होठ जीभनुं सुकावुं ते. **-लगना**=तेवुं थवुं
लाठी स्त्री० लाकडी; डंडो. **-चलना**= लाठी चालवी; मारपीट थवी. **-बाँधना** =जोडे लाठी लेवी
लाड़ पुं० लाड; लालन; वहाल; **-करना, -लड़ाना**=लाड लडाववां
लाड़-चाव पुं० प्यार; वहाल
लाड़लड़ैता, लाड़ला वि० लाडीलुं; प्यारुं
लाड़ा पुं० वर. **-ड़ी** स्त्री० लाडी; वधू
लाडू पुं० लाडु; लाडवो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

लात स्त्री० पग के तेनी लात; पाटु. **–जाना**=दूझणा ढोरे लात मारी दूध न देवुं. **–मारना**=(लात मारी) दूर करवुं; छोडवुं

लातर स्त्री० जूनुं जूतियुं

लातीनी स्त्री० [अ.] लॅटिन भाषा

ला-तादाद वि०[फा.] बेशुमार; असंख्य

लाद स्त्री० लादवुं ते (२) पेट (३) आंतरडुं

लादना स०क्रि० लादवुं; (वजन) भरवुं; खडकवुं [नथी एवुं

लादवा वि०[अ.] लाइलाज; जेनी दवा

लादी स्त्री० लादेडो; लादवानो भार. **–दिया** पुं० जेनी उपर लदाय ते (ढोर)

लान,०तान पुं०, **०त, ०त-मलामत** स्त्री० [अ. लअनत] ल्यानत; धिक्कार; तुच्छकार

लानती वि० [फा.] ल्यानतने पात्र

लाना स०क्रि० लाववुं; लई आववुं (२) सामे राखवुं; रजू करवुं

ला-पता वि० पत्ता वगरनुं; गुम; गेब

लापरवा(०ह) वि० [फा.] बेदरकार

लापरवाई,–ही स्त्री० [फा.] बेदरकारी

लाफ़ स्त्री० [अ.] आत्मस्तुति; शेखी; डिंग. **०जन** वि० शेखी मारनार. **०जनी** स्त्री० [फा.] शेखी मारवी ते

लाबत स्त्री० [अ.] लावा रस

लाबुद्द वि०[अ.] जरूरी; आवश्यक (२) निश्चित; नक्की (३) लाचारीथी; न चाल्ये

लाभ पुं०[सं.] प्राप्ति (२) फायदो; नफो

लाम पुं० [फा.] सेना; लश्कर

ला-मकान वि० [फा.] मकान के स्थान वगरनुं (२) पुं० ईश्वरनुं स्थान; स्वर्ग

लाम-काफ़ पुं० [फा.] मम्मोचच्चो; अपशब्द

लामज,–ज्जक [सं.] पुं० खस; वीरण

ला-मजहब वि०[फा.]धर्मरहित;नास्तिक. **–बी** स्त्री०

लामज्जक पुं० [सं.] जुओ 'लामज'

लामा पुं० तिबेटनो लामा–सौथी मोटो धर्मगुरु

ला-मानी वि० [फा.] निरर्थक; व्यर्थ

ला-मिसाल वि०[फा.] अजोड; अद्वितीय

लाय स्त्री० (प.) झोळ (२) लाय; अग्नि

लायक़ वि०[अ.] लायक; योग्य; गुणवान. **–क़ी** स्त्री० लायकात

लायची स्त्री० जुओ 'लाइची'

लार स्त्री० लाळ (२) लार;हार; 'कतार'. **–आना,–टपकना**=मोंमां पाणी आववुं; लालच थवी. **–लगाना**=मधलाळ लगाडवी

लारी स्त्री० मोटर-बस के लारी (मालगाडी)

लार्ड पुं० [इं.] लॉर्ड; अमीर

लाल वि० लाल; रातुं (२) क्रोधथी लाल (३) पुं० वहालुं बाळक के माणस; 'लला' (४) पुत्र (५) स्त्री० लाळ; 'लार' (६) (प.) लालच (७) पुं० लाल; माणेक (८) एक पक्षी

लालच पुं० लालसा; लोभ; इच्छा

लालची वि० लालचु; लोभी

लालटेन स्त्री० दीवो; फानस

लालड़ी,(–री) स्त्री०, पुं० (नथमां होतुं) एक लाल नंग

लालन पुं०[सं.] लाड लडाववां ते (२) प्यारुं बाळक

लालना स०क्रि० (प.) लाड लडाववां

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

लाल परी स्त्री०, **लाल पानी** पुं० शराब; दारू [काढनार
लालबुझक्कड़ पुं० वातनो उटपटांग अर्थ
लाल मिर्च स्त्री० लाल मरचुं
लालमी पुं० खडबूचुं
लालसा स्त्री०[सं.] लोभ; लालच; इच्छा
लाला पुं०[फा.] एक लाल रंगनुं फूल (२) स्त्री० [सं.] लाळ
लाला पुं० मानवाचक शब्द, जेम के लाला लजपतराय (२) बाळक माटे प्रेमनुं संबोधन [लाडियुं
लालायित वि० [सं.] ललचायेलुं (२)
ललित वि०[सं.] प्यारुं (२)पाळेलुं;पोषेलुं
लालित्य पुं० [सं.] ललितता; सुंदरता
लालिमा स्त्री० [सं.] लाली; लालाश
लाली स्त्री० लालाश (२) आबरू
लाले पुं० लालसा. **–पड़ना** = (कोई चीजनी) लालसा थवी–तरसवुं
लाव पुं० 'लवा' पक्षी (२) आड राखी अपातुं ऋण (३) स्त्री० आग; आंच (४) दोरडुं; वरत. **–चलाना** = कोस चलावी पाणी पावुं
लावक पुं० कोस के ते खेंचवानो (एक वार) समय (२) [सं.] 'लाव' पक्षी
लावण वि०[सं.] खारुं (२) पुं० छींकणी
लावण्य पुं० [सं.] सुंदरता; मनोहरता (२) खाराश
लावदार वि० पलीतो चांपवाने तैयार (२) पुं० तोपची [ललणी
लावनी स्त्री० लावणी छंद (२) लाणी;
ला-क्वाली वि० जुओ 'ला-उबाली' (२) पुं० तेवो माणस (३) स्त्री० बेपरवाई; स्वच्छंद [सामग्री इ०
लाव-लश्कर पुं०सेना ने तेनी जोडे रहेती
लावल्द वि०[अ.] निःसंतान(नाम,–ल्दी)
लावा पुं० 'लाजा'; धाणी (२) [इं.] लावा रस
लावा-परछन पुं० विवाहनो एक विधि (कन्यानो भाई तेमां होय छे)
ला-वारिस पुं० [अ.] वारस वगरनुं माणस (वि० **–सी**)
लाश स्त्री० [फा.] मडदुं; शब
ला-शरीक वि०[अ.] एक अद्वितीय (प्रभु)
लासा पुं० 'लस'; गुंदर के एवो चीकणो पदार्थ
ला-सानी वि०[अ.] अद्वितीय; अजोड
लास्य पुं० [सं.] नृत्य; नाच
लाह स्त्री० लाख (२) पुं० (प.) लाभ; फायदो [निर्भर; आश्रित
लाहक़ वि०[अ.] जोडायेलुं; संबद्ध (२)
ला-हल वि० [अ.] हल न थाय एवुं; कठण; दुःसाध्य
ला-हासिल वि०[अ.] निरर्थक; नकामुं
लाहु पुं० (प.) जुओ 'लाह'
लाहौल पुं०[अ.] भूतप्रेतादिने भगाडवा बोलाता अरबी वाक्यनो पहेलो शब्द. **–पढ़ना, –भेजना** = ए मंत्र भणवो
लिंग पुं०[सं.] चिह्न (२) जाति (३) पुरुषनुं लिंग (४) शिवलिंग
लिंगायत पुं० एक शैव पंथ के तेनो अनुयायी
लिंगी पुं० चिह्नवाळो (२) आडंबरी
लिंट पुं० [इं.] घा पर बांधवानुं एक जातनुं कपडुं
लिए अ० माटे; वास्ते
लिक्खाड़ पुं० भारे मोटो लेखक (व्यंगमां)
लिक्षा स्त्री० [सं.] लीख
लिखत स्त्री० लिखित; लेख

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

लिखना स०क्रि० लखवुं (प्रेरक, लिखाना)

लिखाई स्त्री० लखवुं ते के तेनी ढब के मजूरी (२) लेख

लिखापढ़ी स्त्री० लखापट्टी; पत्रव्यवहार (२) कशाने लखी लई नक्की करवुं ते

लिखावट स्त्री० लखवानी रीत(२)लिपि

लिखित वि० [सं.] लखेलुं; लेखी (२) पुं० लखत; लखाण

लिटाना स०क्रि० 'लेटना' नुं प्रेरक

लिट्ट पुं०बाटी; (सीधो आग पर शेकेलो) भाखरो

लिथड़ना अ०क्रि० लदबद थवुं;रगदोळावुं

लिपटना अ०क्रि० लपटावुं (२) गळे वळगवुं (३) तन्मय थईने कोई काममां पडवुं (प्रेरक, लिपटाना स०क्रि०)

लिपना अ०क्रि० लींपावुं; धोळावुं के रंगावुं; 'लीपना' नुं कर्मणि

लिपाई स्त्री० लींपवुं ते के तेनी मजूरी

लिपाना स०क्रि० 'लीपना' नुं प्रेरक

लिपि स्त्री०[सं.] अक्षरोनां चिह्न के ते लखवानी रीत. ०**बद्ध** वि०[सं.] लखेलुं

लिप्त वि०[सं.] लींपेलुं (२) लेपायेलुं; आसक्त

लिप्सा स्त्री० [सं.] लोभ; लालच

लिफ़ाफ़ा पुं०[अ.] परबीडियुं (२) उपरनो आडंबर (३) देखावडो पहेरवेश. **–खुल जाना**=भेद उघाडो पडवो. **–बनाना**= ठाठ के आडंबर करवो

लिफ़ाफ़िया वि० आडंबरी

लिबड़ी स्त्री० कपडांलत्तां. ०**बरतना**, ०**बारदाना** पुं०निर्वाहनी साधनसामग्री

लिबास पुं० [अ.] लेबास; पोशाक

लियाक़त स्त्री०[अ.] लायकात; 'लायक़ी'

लिल्लाह अ०[अ.] ईश्वरना नामथी

लिवाना स०क्रि०लवडाववुं(२)लेवडाववुं

लिवाल पुं० खरीदनार के लेनार; लेवाल करनार

लिहाज़ पुं०[अ.]ख्याल;कोई वातनुं ध्यान (२) विवेकमर्यादा; अदब

लिहाज़ा अ०[अ.] एटला वास्ते; माटे

लिहाड़ा वि० नीच (२) खराब

लिहाड़ी स्त्री० निंदा; हांसी

लिहाफ़ पुं० [अ.] ओढवानुं गोदडुं के [रजाई

लीक स्त्री० लीक (रेखा के हद) (२) चीलो(३) पडेली प्रथा; रूढि. **–खिंचना**=अटल के दृढ़ निश्चय करवो (२) मर्यादा बांधवी. **–खींचकर**=नक्की (२) जोर दईने. **–पीटना**=रूढि प्रमाणे चालवुं; चीले चालवुं

लीख स्त्री० (माथानी) लीख

लीचड़ वि० नकामुं; 'बेकाम' (२) लेण-देणमां ठीक न होय एवुं

लीची स्त्री० एक झाड के तेनुं फळ

लीझी स्त्री० कूचो (२) वि० नकामुं; निस्सार

लीडर पुं० [इं.] नेता

लीतड़ा(-रा) पुं० जूनो फाटेलो जोडो

लीथो,०ग्राफ पुं० [इं.] शिलाछाप

लीद स्त्री० (पशुनी) लाद

लीन वि० [सं.] गरक; तल्लीन

लीपना स०क्रि० लींपवुं. **–पोतना**= लींपवुं गूंपवुं. **लीप पोतकर बराबर करना**=सत्यानाश वाळवुं

लीमू पुं० लींबु; 'नीमू'

लील वि० नील; भूरुं

लीलना स०क्रि० गळवुं; गळे उतारवुं

लीला स्त्री०[सं.] खेल; क्रीडा; नाटक (२) वि० नील; भूरुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

लुँगाड़ा पुं० लफंगो
लुंगी स्त्री० पहेरवानी लुंगी (२) हजामनो रूमाल जे पग पर रखाय छे (३) स्त्री० एक पक्षी
लुंचन पुं० [सं.] वाळ टूंपी काढवा ते
लुंज,०पुंज वि० हाथपग वगरनुं (२) ठूंठुं (झाड)
लुंड पुं० धड; कबन्ध
लुंडमुंड वि० हाथपग के माथा वगरनुं (२) पान वगरनुं; ठूंठुं
लुंडा वि० पांख के पूंछडी वगरनुं (पशु, पक्षी) (२) पुं० सूतरनो पिंडो के कोकडी [उबाडियुं
लुआठा पुं०, **–ठी** स्त्री० खोरियुं;
लुआब पुं०[अ.] जुओ 'लासा' (२) थूंक
लुक स्त्री० 'लूक'; झोळ (२) पुं० (माटीनां वासण पर कराती) पॉलिश; वार्निश. **०दार** वि० 'लुक'-पॉलिशवाळुं
लुकठी स्त्री० जुओ 'लुआठा'
लुकनत स्त्री० [अ.] तोतडापणुं
लुकना अ०क्रि० संतावुं; छूपवुं
लुक़मा पुं० [अ.] कोळियो. **–करना**= खाई जवुं
लुकसाज पुं० पॉलिश करेलुं चामडुं
लुकाना अ०क्रि० जुओ 'लुकना' (२) स०क्रि० तेनुं प्रेरक
लुगड़ा(–रा) पुं० लूगडुं; कपडुं
लुगड़ी(–री) स्त्री० जुओ 'लुगरी'
लुग़त स्त्री० [अ.] भाषा; बोली (२) शब्दकोश
लुगदी स्त्री० लूगदी; पिंडो
लुगरा पुं० जुओ 'लुगड़ा' (२) वि० चुगलीखोर; निंदक [निंदा; चुगली
लुगरी स्त्री० जूनी फाटेली साडी (२)
लुगाई स्त्री० स्त्री; ओरत
लुग़ात स्त्री०['लुग़त' नुं ब०व०]शब्दकोश
लुग़वी वि० [अ.] शाब्दिक
लुच्चा वि० दुराचारी; लफंगुं; बदमाश
लुटना अ०क्रि० लूंटावुं (२) बरबाद थवुं
लुटिया स्त्री० नानी लोटी. **–डुबाना**= जुओ 'लोटा डुबाना'
लुटेरा पुं० लुटारो [लुढ़काना)
लुढ़कना अ० क्रि० गबडवुं (प्रेरक,
लुतरा वि० चुगलीखोर; निंदक
लुत्फ़ पुं०[अ.] मजा; आनंद (२) रुचि; स्वाद (३) दया; कृपा
लुनना स०क्रि० लणवुं [लावण्य
लुनाई स्त्री० लणणी के तेनी मजूरी (२)
लुनेरा पुं० लणनार [पामेलुं
लुप्त वि०[सं.] गुप्त; गेब; अदृश्य; लोप
लुबरी स्त्री० प्रवाही नीचे ठरतो कचरो
लुब्ध वि०[सं.] लोभायेलुं (२) मोहित (३) पुं० लुब्धक
लुब्धक पुं० [सं.] व्याध; शिकारी
लुब्बे-लुबाब पुं० [अ.] सार; सत्त्व
लुभाना अ०क्रि० लोभावुं; ललचावुं के मोहावुं (२) स०क्रि० लोभाववुं
लुरकी स्त्री० काननी वाळी
लुरी स्त्री० तरतनी वियायेली गाय
लुहार पुं० 'लोहार'; लोढानो कारीगर
लुहारिन स्त्री० लुहारण
लुहारी स्त्री० लुहारण (२) लुहार-काम
लू स्त्री० तापनी लू. **–चलना, –बहना**= लू वावी. **–मारना, लगना**=लू लागवी
लूक स्त्री० अग्निनी झोळ (२) लू (३) खरतो तारो. **–लगाना**=आग लगाडवी
लूका स्त्री० आगनी झोळ (२) खोरियुं. **–की** स्त्री० तणखी; चिनगारी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

लूगड़ पुं० लूगडुं (२) चादर
लूगा पुं० लूगडुं; वस्त्र
लूट स्त्री० लूंट. ०**खसोट**, ०**खूँद**, ०**पाट**, ०**मार** स्त्री० लूटफाट; डाको
लूटना स०क्रि० लूंटवुं. **लूट खाना**=लूंटी खावुं. **लूट पाटना**, **लूट मारना**=लूंट-फाट करवी
लूत,-ता [सं.] स्त्री० करोळियो
लून पुं० लूण; 'लोन'; मीठुं
लूनना स०क्रि० 'लुनना'; लणवुं
लूला वि० ठूंठुं; हाथ वगरनुं
लूलू पुं० [फा.] हाउ (२) मूर्ख
लेंड़ पुं० लींडुं; बांधेलो नीकळतो मळ
लेंड़ी स्त्री० [सं. लेंड] लींडी के लींडुं
लेँहड़(-ड़ा) पुं० समूह; लंगर (पशु माटे)
ले अ० लईने; शरू करीने; 'लेकर'
लेइ अ० सुधी; लगी
लेई स्त्री० लाही. ०**पूंजी** स्त्री० सर्वस्व
लेकिन अ० [अ.] पण; परंतु
लेक्चर पुं०[इं.] भाषण. ०**बाजी** स्त्री० भाषण झूडवुं ते (२) खूब बोलवुं ते; वकवाद. **-झाड़ना**=भाषण झूडवुं
लेख पुं०[सं.] लिपि (२) लखाण (३) हिसाब; नामुं
लेखक पुं० [सं.] लखनार
लेखन पुं०[सं.] लखवुं ते (२) हिसाब करवो ते (३) आलेखन
लेखनी स्त्री० [सं.] कलम; लेखण
लेखा पुं० हिसाब; नामुं (२) स्त्री०[सं.] रेखा (३) लिपि (४) लेखुं; समज; गणतरी. ०**पत्तर** पुं०, ०**बही** स्त्री० हिसाबनो चोपडो. **-डेवढ़ करना**= हिसाब बरोबर के चूकते करवो (२) नाश करवुं. **-पूरा या साफ़ करना**=हिसाब पूरो के चूकते करवो
लेखिका स्त्री० [सं.] स्त्री-लेखक
लेखित वि० [सं.] लेखी; लखायेलुं
लेख्य वि० [सं.] लखवा जेवुं (२) पुं० लेख (३) दस्तावेज
लेज़(-ज़ि)म स्त्री० [फा.] लेजीम
लेटना अ०क्रि० लेटवुं; सूवुं (प्रेरक, **लेटाना**)
लेटर पुं०[इं.] पत्र. ०**बक्स** पुं० टपालपेटी
लेन पुं० लेवुं ते (२) लेणुं. ०**दार** पुं० लेणदार
लेनदेन पुं० लेणदेण
लेना स०क्रि० लेवुं. **(आड़े) हाथों लेना**= छूपो टोणो मारी शरमाववुं-झंखवाणुं पाडवुं. **(कानमें) लेना**=सांभळवुं. **लेना एक न देना दो**=कशी लेवादेवा नथी. **लेनेके देने पड़ना**=लेवाने बदले देवुं पडवुं; लाभने बदले हानि थवी
लेप पुं०[सं.] लेप; चोपडवानो मलम
लेपन पुं० [सं.] लेप करवो ते
लेपना स०क्रि० लींपवुं; लेपन करवुं
ले-पालक पुं० दत्तक पुत्र
लेफ़्टिनेन्ट पुं०[इं.] मददनीश (२) एक लश्करी होद्देदार
लेबुल पुं०[इं.] लेबल; नामठामनी चिठ्ठी
लेबोरेटरी स्त्री० [इं.] प्रयोगशाळा
लेमनेड पुं० [इं.] लेमननुं पीणुं
लेरुआ,-वा पुं० वाछडुं
लेव पुं० लेप (२) कंटेवाळो (३) गार [माटी
लेवा पुं० जुओ 'लेव' (२) कादव (३) ढोरनुं बावलुं (४) वि० (समासने अंते)-लेनार. जेम के, 'नामलेवा'
लेवा-देई स्त्री० लेणदेण
लेवाल पुं० जुओ 'लिवाल'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

लेश वि० [सं.] जरा; अल्प (२) पुं० निशान (३) अणु; सूक्ष्म अंश
लेसना स०क्रि० लगाडवुं; बाळवुं (२) लेप करवो; 'पोतना' (३) चोटाडवुं (४) अहींनुं तहीं कहीने लडाडवुं; चुगली करवी
लेहड़ा पुं० लार; लांबी हार
लेहन पुं० [सं.] चाटवुं ते
लेहाज़ा अ० जुओ 'लिहाज़ा'
लेहाफ़ पुं० जुओ 'लिहाफ़'
लेह्य वि०[सं.] चाटवा जेवुं (२) पुं० चाटण; अवलेह
लैंप पुं० [इं.] 'लॅम्प'; दीवो
लै अ० (प.) सुधी; लगी; पर्यन्त
लैटिन स्त्री०[इं.] लॅटिन भाषा;'लातीनी'
लैत व लअल, लैतोलाल पुं०[अ.] बहानुं; (वात के कांई) टाळवुं ते
लैन स्त्री० [इं. लाईन] लीटी (२) हार (३) सिपाईओनी रहेवानी वराक
लैल स्त्री० [अ.] रात्रि [रातदिन
लैल व नहार, लैलोनिहार पुं० [अ.]
लैसंस पुं० [इं.] लाइसन्स; परवानो
लैस वि० [इं. ?] तैयार; कटिबद्ध (२) पुं० किनार (कपडा पर लगाववानी)
लौं अ० (प.) जुओ 'लौं'
लोंदा पुं० लोंदो; लचको
लोई स्त्री० कणकनो लूओ (२) एक जातनी कामळी (३) पुं० (प.) लोक
लोकंदा पुं० कन्याने पहेली वळावतां साथे दासी जाय ते. -दी स्त्री० तेम जनारी दासी
लोक पुं०[सं.] विश्वनो भाग-भुवन (२) संसार; पृथ्वी (३) लोको; जनता
लोकना स०क्रि० झीलवुं (२) अध्धर उठावी लेवुं; वच्चेथी ज उठाववुं
लोकमत पुं० [सं.] लोकोनो मत
लोकसभा स्त्री० [सं.] लोकोना प्रतिनिधिनी सभा [मृत
लोकांतर पुं०[सं.] परलोक. -रित वि०
लोकाचार पुं०[सं.] लोक-व्यवहार के रूढि-चाल
लोकाट पुं० एक फळ के तेनो छोड
लोकापवाद पुं०[सं.] बदनामी; अपकीर्ति
लोकायत पुं०[सं.] चार्वाक दर्शन (२) आ लोकमां ज माननार
लोकैषणा स्त्री०[सं.] स्वर्ग के कीर्तिनी वासना
लोकोक्ति स्त्री० [सं.] कहेवत
लोकोत्तर वि०[सं.]अलौकिक;असाधारण
लोखर पुं० हजाम के लुहारनां ओजार
लोग पुं०ब०व० लोको
लोगाई स्त्री० (प.) जुओ 'लुगाई'
लोच स्त्री० लचक (२) कोमळता (३) पुं० अभिलाषा (४) वाळनुं लुंचन
लोचन पुं० [सं.] आंख. **-भर आना**= आंसु आवी जवां
लोट स्त्री० लोटवुं-आळोटवुं ते
लोटना अ०क्रि० लोटवुं; आळोटवुं (२) सूवुं; 'लेटना'; आराम करवो. **लोट जाना**=बेहोश थवुं(२)मरी जवुं. **लोट-पोट करना**='लेटना'; आराम करवो. **लोट हो जाना, होना**=गांडुं थई जवुं (२) मोही पडवुं; आशक होवुं
लोटा पुं० लोटो. **-डुबाना**=वधुं बगाडी मूकवुं (२) बट्टो लगाडवो
लोटिया, लोटी स्त्री० नानो लोटो; लोटी
लोढ़ना स०क्रि० लोढवुं (२) चूंटवुं; तोडवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

लोढ़ा पुं० निशातरो; वाटवानो पथ्थर. **–डालना**=बरोबर सरखुं करवुं
लोढ़ाढाल वि० खतम; सत्यानाश
लोढ़िया पुं० नानो 'लोढ़ा'
लोथ स्त्री० लोथ; लाश. **–गिरना**=लोथ थईने थाकीने के मरीने पडवुं; मरवुं. **–डालना**=लोथ पाडवी; मारी नांखवुं
लोथड़ा पुं० मांसनो लोचो
लोथपोथ वि० थाकीने लोथ थई गयेलुं
लोथि स्त्री० (प.) 'लोथ'
लोद(–ध) स्त्री० एक झाड
लोन पुं० लूण; मीठुं (२) लावण्य
लोना वि० मीठावाळुं; खारुं (२) लवण; सुंदर (३) पुं० दीवालनो लूणो (४) खारी माटी
लोनार पुं० मीठानो अगर
लोनिया पुं० अगरियो
लोनी स्त्री० लोणीनी भाजी
लोप पुं०[सं.] लोपावुं ते (२) नाश; क्षय
लोबत स्त्री०[अ.] पूतळी; ढींगली (२) चित्र. ०**बाज़** पुं० कठपूतळीना नाचनो तमाशो करनार
लोबान पुं० [अ.] लोबान; धूप
लोबिया पुं०[फा.] शाकनी एक फळी
लोभ पुं० [सं.] लालच
लोभना अ०क्रि०(प.) लोभावुं; ललचावुं
लोभित वि० [सं.] लोभायेलुं; लुब्ध
लोभी वि० [सं.] लोभवाळुं; लालचु
लोम पुं० [सं.] वाळ (२) रोम; रूवुं
लोमड़ी स्त्री० लोंकडी; शियाळ
लोय पुं० (प.) 'लोई'; लोक (२) स्त्री० झोळ; आंच
लोय(०न) पुं० (प.) लोचन; आंख
लोरी स्त्री० हालरडुं
लोल वि०[सं.] चंचळ; चपळ(२)अस्थिर; क्षणिक (३) लटकतुं; डोलतुं; झूलतुं (४) आतुर; उत्सुक [लोळियुं
लोलक पुं०[सं.] लटकतुं ते (२) काननुं
लोला स्त्री०[सं.] जीभ (२) पुं० एक रमकडुं [अति उत्सुक
लोलुप वि०[सं.] लोभी; लालचु (२)
लोवा स्त्री० लोंकडी (२) 'लवा' पक्षी
लोष्ट पुं० [सं.] ढेफुं (२) पथ्थर
लोहँड़ा पुं० लोढानुं एक पात्र. **–ड़ी** स्त्री० लोढी जेवुं पात्र
लोह पुं०[सं.] लोखंड. ०**कार** पुं० लुहार
लोहा पुं० लोह; लोढुं (२) हथियार (३) लोढानुं ओजार. **–बजना**=युद्ध थवुं. (किसीका) **–मानना**=हारवुं. (किसीसे) **–लेना**=लडवुं
लोहाना अ०क्रि० लोढानो पास लागवो
लोहार पुं० लुहार. **–रिन** स्त्री०
लोहार(–रि)न स्त्री० लुहारण
लोहारी स्त्री० 'लुहारी'; लुहारकाम
लोहित वि०[सं.] लाल (२) पुं० लोही (३) मंगळ ग्रह
लोहिया पुं० लोढानो वेपारी (२) मारवाडीनी एक जात
लोहू पुं० लोही
लौं अ० (प.) लगी; सुधी
लौंग पुं० लविंग
लौंडा पुं० छोकरो (२) वि० नादान (स्त्री०, **–डी,–डिया**)
लौंडी स्त्री० लूंडी (२) छोकरी
लौंद पुं० अधिक मास
लौंदा पुं० लोंदो; 'लोंदा'
लौ स्त्री० आगनी झोळ (२) दीवानी शग (३) लगनी; चाह (४) आशा.

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

–उठना = झोळो नीकळवी. –लगना = लगनी लागवी
लौआ पुं० जुओ 'कद्दू'
लौकिक वि०[सं.]लोक संबंधी;सांसारिक
लौकी स्त्री० दूधी
लौज पुं०[फा.] बदाम के तेनी बरफी. **–जात, –जियात** स्त्री० बदामनो हलवो. **–जीना** पुं० बदाम पिस्तांवाळी एक मीठाई
लौट स्त्री० पाछुं आववुं ते
लौटना अ०क्रि० पाछुं आववुं (२) ऊलटुं थवुं (नाम, **लौट** स्त्री०)
लौट-पौट स्त्री० ऊलट सूलट करवुं ते (२) बेउ बाजू सरखुं छापकाम
लौट-फेर पुं० फेरफार; परिवर्तन
लौटाना स०क्रि० पाछुं आपवुं (२) उलटाववुं; फेरववुं
लौटानी अ० पाछा फरती वखते
लौना पुं० 'लौनी'; लाणी (२) ढोरना आगळ पाछळना पग बांधती रसी (३) (प.) वि० लवण; सुंदर
लौनी स्त्री० लणणी; कापणी (२)(प.) माखण
लौलीन वि० (प.) जुओ 'लवलीन'
लौस पुं०[अ.] संबंध (२) मेल (३) कलंक
लौह पुं०[सं.]लोह(२)स्त्री०[अ.]लाकडानुं पाटियुं (३) पुस्तकनुं मुखपृष्ठ
ल्यारी पुं० वरु; 'भेड़िया'

व

वंक वि०[सं.] वांकुं (२)पुं० नदीनो वांक
वंकट वि० वांकुं (२) विकट
वंकनाल पुं०, **–ली** स्त्री० सुषुम्णा नाडी
वंकिम वि० [सं.] वांकुं
वंग पुं०[सं.] वंग; वंगाळ (२) सीसुं (३) वेंगण (४) कपास
वंचक वि० [सं.] धूर्त; ठगारुं
वंचन पुं०, **–ना** स्त्री० [सं.] ठगाई; छेतरवुं ते
वंचना स०क्रि० वांचवुं (२) छेतरवुं (३) स्त्री० जुओ 'वंचन' मां
वंचित वि०[सं.] छेतरायेलुं (२) रहित; विनानुं [लागतो प्रत्यय
वंद [फा.] 'वाळुं' ए अर्थमां शब्दने अंते
वंदन पुं०, **–ना** स्त्री०[सं.] प्रणाम (२) स्तुति (३) पूजन
वंदनीय, वंद्य वि०[सं.] वंदनने योग्य; पूज्य
वंदीगृह पुं० बंदीगृह; जेल
वंदीजन पुं० [सं.] बंदीजन
वंद्य वि० [सं.] जुओ 'वंदनीय'
वंश पुं० [सं.] वांस (२) कुल; जाति
वंशज, वंशधर पुं०[सं.] संतान; ओलाद
वंशलोचन पुं०[सं.] वांसलोचन औषधि
वंशावली स्त्री०[सं.] वंशनी सूचि
वंशी स्त्री०[सं.] वंसी; वांसळी
वंशीवट पुं०[सं.] वृंदावननो बंसीवट
व अ० [फा.] अने ['वरना'
व-इल्ला अ०[अ.] नहीं तो; अगर तो;
वक पुं० [सं.] बक; बगलो
वक़अत स्त्री०[अ.] ताकात (२) शाख; आबरू (३) किंमत; महत्त्व

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

वक़ाया पुं० ब०व० [अ.] बनावो के तेनी खबरो [मननी स्थिरता
वक़ार पुं० [अ.] शील; चारित्र्य (२)
वकालत स्त्री०[अ.] वकीलात; वकीली (२) प्रतिनिधित्व
वकालतन् अ० [अ.] वकील द्वारा
वकालतनामा पुं०[फा.] वकीलातनामुं
वक़ीअ वि०[अ.] आबरूदार (२) ऊंचुं; बुलंद
वकील पुं०[अ.] वकील (२) राजदूत
वकुल पुं० [सं.] वकुलनुं झाड
वक़ूअ (-आ) पुं०[अ.] घटना; बनाव
वक़ूफ़ पुं० [अ.] ज्ञान; समज
वक़्त पुं० [अ.] वखत
वक़्तन्-फ़वक़्तन्, वक़्त-बवक़्त अ० [अ.] कोई कोई वार; वखते वखते
वक्तव्य पुं०[सं.]जाहेर निवेदन;'स्टेटमेन्ट' (२) वि० निंद्य; टीकापात्र; कहेवा जेवुं
वक्ता पुं०[सं.] बोलनार; व्याख्याता
वक्तृता स्त्री०, **-त्व** पुं०[सं.] भाषण के तेनी छटा
वक्त्र पुं० [सं.] मों
वक़्फ़ पुं० [अ.] वकफ-धर्मादा मालमिलकत. **०नामा** पुं० दानपत्र
वक़्फ़ा पुं० [अ.] छुट्टी; आराम
वक्र वि०[सं.] वांकुं (२) पुं० नदीनो वांक
वक्रोक्ति स्त्री० [सं.] एक अलंकार; व्यंग; टोणो
वक्ष, -क्षःस्थल पुं० [सं.] छाती
वगर अ० 'अगर'; यदि; जो
वगर-ना अ० नहीं तो; अगर तो
वग़ैरह, वग़ैरा अ०[अ.] वगेरे; इत्यादि
वचन पुं० [सं.] बोल; कथन (२) व्याकरणनुं वचन
वजद पुं० [अ. वज्द] अति हर्षनी मस्त दशा [वजनवाळुं
वज़न पुं०[अ.] वजन; भार. **०दार** वि०
वज़नी वि० [फा.] वजनदार; भारे
वजह स्त्री०[अ.]कारण; हेतु(२)ढंग; रीत
वजा पुं० [अ.] पीडा; दरद
वज़ा स्त्री०[अ.] बनावट; रचना (२) दशा; हाल (३) ढंग; नीति (४) प्रसव; जणवुं ते
वज़ादार वि०[फा.] सरस रचनावाळुं; सुंदर (२) फॅशनवाळुं (३) नीतिरीतिमां मक्कम
वज़ादारी स्त्री० [फा.] सुंदरता (२) फॅशन (३) नीतिरीतिमां मक्कमता
वज़ारत स्त्री०[अ.] वजीरपदुं के तेनी कचेरी
वजाहत स्त्री०[अ.] सुंदरता (२) भव्यता (३) मोटाई; आबरू [कहेवुं ते
वज़ाहत स्त्री० [अ.] विस्तार करीने
वज़ीफ़ा पुं० [अ.] वजीफो; विद्वान, विद्यार्थी के त्यागी वगेरेने दानमां अपाती वृत्ति (२) जप के पाठ
वज़ीर पुं०[अ.] वजीर; प्रधान (नाम,**-री**)
वज़ू पुं० [अ. वुज़ू] वजू; नमाज पहेलां कराती शौचविधि
वज़ूद पुं०[अ. वुजूद] सिद्धि; सफळता (२) अस्तित्व; हयाती (३) देह; शरीर. **-पाना**=स्थपावुं; हयातीमां आववुं. **-में लाना**=हयातीमां आणवुं; स्थापवुं
वजूहात स्त्री० ['वजह'नुं ब०व०] कारणो
वज्द पुं० [अ.] जुओ 'वजद'
वज्र पुं० [सं.] इंद्रनुं अस्त्र (२) वि० अति कठण के मजबूत
वट पुं० [सं.] वड; 'बरगद'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

वटी,-टिका स्त्री० [सं.] गोळी
वटु,०क पुं० [सं.] वटुक; छोकरो
वणिक पुं० [सं.] वाणियो
वतन पुं०[अ.] पोतानुं स्थान–जन्मभूमि
वतन-परस्ती स्त्री० [फा.] देशभक्ति
वतनी वि० [फा.] स्वदेशनुं
वतीरा पुं० [अ.] रंगढंग; पद्धति
वत्स पुं० [सं.] वाछडो (२) छोकरो
वत्सर पुं० [सं.] वरस; साल
वत्सल वि० [सं.] वत्स प्रत्ये वहालवाळुं
वदंती स्त्री० [सं.] वात; कथा
वदतोव्याघात पुं० [सं.] कहेली वातथी विरुद्ध पाछुं कहेवुं ते
वदन पुं० [सं.] मुख
वदान्य वि० [सं.] भारे दानी, उदार
वदि [सं.], –दी अ० वद; कृष्ण पक्षमां
वदीअत स्त्री० [अ.] अनामत
वध पुं० [सं.] हत्या; कतल; नाश
वधू,०टी स्त्री० [सं.] कन्या (२) वहु (३) पुत्रवधू
वध्य वि० [सं.] वधने पात्र
वन पुं० [सं.] जंगल
वनचर, वनचरी पुं०[सं.] वनमां फरनार (२) जंगली पशु के माणस
वनमाला स्त्री० [सं.] वनना फूलोनी माळा. –ली पुं० कृष्ण
वनराज पुं० [सं.] सिंह
वनराजि,–जी स्त्री०[सं.] वन के वृक्षोनो समूह (२) वननी पगदंडी
वनवास पुं० [सं.] वस्ती छोडी वनमां रहेवा जवुं ते. –सी पुं० वनवास करनार
वनस्पति स्त्री० [सं.] झाडपान इ०
वनिता स्त्री० [सं.] स्त्री
वनी स्त्री० [सं.] नानुं वन
वनेचर पुं० जुओ 'वनचर' [त्रुटी
वनौषध,–धि स्त्री० [सं.] जंगली जडी-
वन्य वि०[सं.]वननुं, तेमां थतुं (२) जंगली
वपन पुं० [सं.] वाववुं ते (२) मूंडवुं–वतुं करवुं ते
वपु पुं० [सं.] शरीर; देह
वफ़ा स्त्री० [अ.] वफा; प्रामाणिकता; ईमानदारी (२) सुशीलता. ०दार वि० प्रामाणिक; ईमानदार (२)स्वामी-भक्त (३) राजभक्त. ०दारी स्त्री०
वफ़ात स्त्री० [अ.] मरण
वफ़्द पुं०[अ.]प्रतिनिधिमंडळ; डेप्युटेशन
वबा स्त्री० [अ.] कॉलेरा, प्लेग जेवी महामारी [(३) ईश्वरी कोप
वबाल पुं० [अ.] भार; बोजो (२) आफत
वमन पुं० [सं.] ऊलटी
वमनी स्त्री० [सं.] जळो
वमि स्त्री० [सं.] ऊलटीनो एक रोग
वयःक्रम पुं० [सं.] वय; उंमर
वयःसंधि स्त्री०[सं.] बाळपण ने जवानी वच्चेनो काळ
वय,०स् [सं.] पुं० उंमर
वयस्क वि०[सं.] उंमरनुं (समासमां) (२) उंमरे पहोंचेलुं; सगीर मटेलुं
वयस्य पुं० [सं.] सखा; मित्र (२) वि० समान वयनुं; लंगोटियो
वयोवृद्ध वि० [सं.] घरडुं
वरंच अ० [सं.] बल्के (२) परंतु
वर [फा.] वि० 'वाळुं' ए अर्थनो प्रत्यय. उदा० 'हुनरवर' (२) पुं० [सं.] वर; पति (३) वरदान (४) वि० उत्तम
वरक़ पुं०[अ.] सोनाचांदीनो वरख (२) पुस्तकनुं पानुं. ०साज पुं० वरख बनावनार. –क़ी वि० वरखनुं; वरखवाळुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

वरग़लाना स०क्रि० बहेकाववुं; फटववुं (२) उश्केरवुं [-शी वि० कसरती
वरज़िश स्त्री०[फा.] व्यायाम; कसरत.
वरण पुं०[सं.] वरवुं के पसंद करवुं ते (२) मंगळकार्यमां होता व० ने देवातुं दान
वरद,-दाता वि० [सं.] वर देनारुं
वरदान पुं० [सं.] वरनुं-इष्ट वस्तुनुं दान. -नी वि० वरदाता
वरदी स्त्री० [अ.] अमलदार वगेरेनो खास पोशाक; 'युनिफॉर्म'
वरन् अ० बल्के
वरना अ० [अ.] नहीं तो; अगर तो
वरम पुं० [अ.] सोजो
वरयात्रा स्त्री०[सं.] वरघोडो (२) जान
वरसा पुं० [अ. वर्सः] वारस
वरांगना, वरानना स्त्री०[सं.] सुंदर स्त्री
वरासत स्त्री० [अ.] वारसो के वारस होवुं ते. ०न् अ० वारसाहकथी
वराह पुं०[सं.]भूंड;सूवर (२)एक अवतार
वरिष्ठ वि० [सं.] सर्वोत्तम; श्रेष्ठ
वरुण पुं०[सं.] एक देव (२) एक ग्रह-'नेप्च्यून'
वरुणालय पुं० [सं.] समुद्र
वर्ग पुं०[सं.] श्रेणी (२) विभाग (३) गणितनो वर्ग-घात (४) चोरस
वर्ग़लाना स०क्रि० जुओ 'वरग़लाना'
वर्गीकरण पुं०[सं.]वर्गवार तफा पाडवा ते
वर्चस् पुं० [सं.] तेज; वर्चस्व [निषेध
वर्जन पुं०[सं.] वर्जवुं ते; त्याग (२) मनाई;
वर्जित वि० [सं.] छोडेलुं; त्यक्त (२) निषिद्ध; मना करायेलुं
वर्जिश स्त्री० [फा.] जुओ 'वरज़िश'
वर्ज्य वि०[सं.] त्याज्य (२) मना; निषिद्ध
वर्ण पुं०[सं.] रंग (२) जाति (३) अक्षर
वर्णन पुं० [सं.] वर्णववुं ते; बयान
वर्तन पुं०[सं.] वर्तवुं ते; व्यवहार (२) 'बरतन'; वासण
वर्तमान वि० [सं.] चालु; मौजूद
वर्तुल वि०[सं.] गोळ (२) पुं० गोळ; वृत्त (३) गाजर (४) वटाणा
वर्त्म पुं० [सं.] रस्तो; मार्ग (२) चीलो
वर्दी स्त्री० जुओ 'वरदी'
वर्द्ध(-र्ध)क वि० [सं.] वधारनारुं (२) पुं० सुथार [वृद्धि
वर्द्ध(-र्ध)न पुं० [सं.] वधवुं ते; वधारो;
वर्द्ध(-र्ध)मान वि०[सं.] वधतुं जतुं (२) पुं० महावीर स्वामी
वर्द्धि(-र्धि)त वि० [सं.] वधेलुं
वर्म पुं० [सं.] कवच; बखतर [अंते)
वर्य,-र्य्य वि०[सं.] वर; श्रेष्ठ (समासने
वर्ष पुं० [सं.] वरस; साल (२) वर्षा. ०गाँठ स्त्री० जन्मगांठ; जयंती. ०फल पुं० वर्षफळ (जोशी काढे ते)
वर्षा स्त्री० [सं.] वरसाद; वृष्टि (२) चोमासुं
वर्हो पुं० [सं.] मोर; मयूर [विचलन
वलन पुं० [सं.] ग्रह आदिनी वक्रगति;
वलय पुं०[सं.] कंकण; कडुं (२) घेरो
वलवला पुं० [अ.] शोर (२) उत्साह (३) आवेश
वलादत स्त्री० [अ. विलादत] प्रसव
वलाहक पुं० [सं.] वादळ (२) पर्वत
वलि(-ली) पुं० [सं.] रेखा; करचली
वली पुं० [अ.] मालिक (२) वाली; संरक्षक (३) पीर; फकीर. ०अल्लाह पुं० मोटो फकीर. ०अहद पुं० युवराज. ०अहदी स्त्री० युवराजपद
वले,०क, ०किन अ० [अ.] परंतु; पण

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

वल्कल पुं०[सं.] झाडनी छाल के तेनुं वस्त्र. **–ली** पुं० ते पहेरनार

वल्द पुं० [अ.] पुत्र ('वलदे, बिन' ए अर्थमां दस्तावेजमां वपराय छे)

वल्दियत स्त्री० बापनुं नाम दई परिचय आपवो ते–जानदान

वल्मीक पुं० [सं.] ऊधईनो राफडो

वल्लभ वि०[सं.] अति प्रिय (२) पुं० पति (३) प्रिय जन. **–भा** स्त्री० पत्नी (२) प्यारी स्त्री

वल्लरि, –री स्त्री० [सं.] वेल; लता

वल्लाह अ० [अ.] ईश्वरना सोगन; खरेखर [जाणे

वल्लाहु-आलम [अ.] दैव जाणे; कोण

वल्ली स्त्री० [सं.] वेल; लता

वश पुं०[सं.] काबू; अधिकार; प्रभुत्व (२) इच्छा. **०वर्ती** वि० वशमां रहेनारुं

वशा स्त्री०[सं.] स्त्री (२) गाय (३) वंध्या स्त्री के गाय (४) नणंद

वशिता स्त्री०, **–त्व** पुं० [सं.] वश; अधीनता [तिनो मंत्र के जादू इ०

वशीकरण पुं० [सं.] वशमां आणवुं ते के

वश्य वि० [सं.] परवश; आधीन

वसंत पुं०[सं.] वसंत ऋतु. **–ती** वि० आछा पीळा रंगनुं

वसअ,०त स्त्री०[अ.] विस्तार; फेलावो (२) क्षेत्रफळ (३) वसात; सामर्थ्य

वसति,–ती स्त्री०[सं.] वास; रहेठाण; घर (२) वस्ती (३) रात्रि

वसन पुं० [सं.] वस्त्र (२) वसवुं ते

वसमा पुं०[अ.] वाळनो कलफ. **–करना** = कलफ लगाववो

वसवास पुं०[अ.]वसवसो; भ्रम; आशंका; संदेह. **–सी** वि० शंकावाळुं; संशयात्मा

वसह पुं० (प.) वृषभ; बेल

वसी पुं०[अ.] वारस; जेने नामे वसियत करी होय ते

वसीअ वि० [अ.] विस्तृत; चोडुं

वसीअ(-य)त स्त्री० [अ.] वसियत; वारसा-व्यवस्था. **०नामा** पुं० वारसा-खत

वसीक़ वि०[अ.] दृढ; मजबूत; टकाउ

वसीक़ा पुं० [अ.] वकफनो दस्तावेज

वसीला पुं०[अ.] वसीलो; संबंध; सहाय के आशरो(२)रस्तो;कार्यसिद्धिनो मार्ग

वसुंधरा स्त्री० [सं.] पृथ्वी

वसु पुं०[सं.] धन (२) रत्न के सोनुं (३) (आठ) वसु देव. **०दा,०धा** पृथ्वी

वसूल वि०[अ.] मळेलुं; प्राप्त; चूकते करेलुं. **–पाना**=मेळववानुं मळवुं

वसूली स्त्री० वसूलात; वसूल करवुं के करवानुं ते; प्राप्ति

वस्त पुं०[अ.] मध्यभाग (२) [अ०] वच्चे (वि० **–स्ती**)

वस्ति स्त्री० [सं.] बस्ति; पेडु

वस्तु स्त्री०[सं.] वस्तु; चीज; पदार्थ. **०तः** अ० खरेखर; साचुं जोतां

वस्त्र पुं० [सं.] कपडुं

वस्फ़ पुं० [अ.] गुण; विशेषता; खूबी

वस्ल पुं० [अ.] मिलन (२) मृत्यु

वस्साफ़ वि०[अ.] प्रशंसक; वखाणनार

वह स० ते (२) वि० पेलुं

वहदत स्त्री० [अ.] एकता

वहदानियत स्त्री० [अ.] एकता (२) अद्वितीयता

वहन पुं०[सं.] वही जवुं–लई जवुं ते

वहम पुं० [अ.] वहेम; शंका (वि० **–मी**)

वहश पुं० [अ.] जंगली जानवर

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

वहशत स्त्री०[अ.] जंगलीपणुं; असभ्यता (२) गांडपण (३) चंचळता; अधीराई (४) डर; भय; भयंकरता

वहशी वि०[अ.] जंगली; असभ्य (२) अधीर; चंचळ

वहाँ अ० त्यां [तेनो अनुयायी

वहाबी पुं० एक मुसलमान संप्रदाय के

वहीं अ० त्यां ज

वही स० [वह ही] ते ज (व्यक्ति) (२) स्त्री० [अ.] खुदानो पेगाम

वहीद वि० [अ.] अनुपम; अजोड

वह्नि पुं० [सं.] अग्नि

वांछनीय वि० [सं.] इच्छवा योग्य

वांछा स्त्री० [सं.] इच्छा; कामना

वांछित वि० [सं.] इच्छेलुं [ऊलटी

वांत वि०[सं.] ऊलटी थयेलुं (२) पुं०

वांति स्त्री० [सं.] ऊलटी

वा अ०[सं.] अथवा; या (२) [अ.] हाय; हा (३) स० (प.) 'वह' नुं व्रज भाषानुं रूप. जेम के 'वाको' 'वाने'

वाइज़ पुं० [अ.] धर्मोपदेशक; वायेज

वाइदा पुं० [अ.] वायदो; 'वादा'

वाक् स्त्री० [सं.] वाचा; वाणी

वाक़अ वि०[अ.] बननारुं; थनारुं (२) आवेलुं; स्थित

वाक़ई वि० [अ.] यथार्थ; साचुं (२) अ० खरेखर; साचे; वस्तुतः

वाक़फ़ियत स्त्री०[अ.] वाकेफगारी;जाण (२) परिचय [समाचार

वाक़या पुं० [अ. वाक़िअ] बनाव (२)

वाक़ा वि० जुओ 'वाक़अ'. –होना=बनवुं

वाक़िफ़ वि० [अ.] वाकेफ

वाक़िफ़कार वि० वाकेफगार; प्रवीण

वाक़ियात स्त्री०[अ.] 'वाक़या' नुं ब०व०

वाक़िफ़यत स्त्री०[अ.]जुओ 'वाक़फ़ियत'

वाक्य पुं० [सं.] वचन; वाक्य

वागीश पुं०[सं.]ब्रह्मा(२)कवि(३) वक्ता

वागीश्वरी स्त्री० [सं.] सरस्वती

वागुरा स्त्री०[सं.] जाळ; फांदो [वडां

वाग्जाल पुं०[सं.] वातोनी जाळ; वातनां

वाग्दत्त वि०[सं.] जेने आपवानी वात थई होय एवुं [वचन

वाग्दान पुं०[सं.] कन्यानी सगाई करवानुं

वाग्दोष पुं०[सं.] बोलवामां भूल (२) गाळ; निंदा [बृहस्पति (३) पंडित

वाग्मी पुं० [सं.] अच्छुं बोलनार (२)

वाग्विलास पुं० [सं.] वातोनो आनंद

वाङ्मय पुं० [सं.] साहित्य (२) वि० वाचा संबंधी

वाच्, **–चा** स्त्री० [सं.] वाणी [बोलनार

वाचक वि०[सं.] सूचक (२)पुं० शब्द (३)

वाचन पुं० [सं.] वांचवुं ते [जगा

वाचनालय पुं० [सं.] छापां वांचवानी

वाचा स्त्री० [सं.] वाणी. ०बद्ध वि० वचनथी बंधायेलुं [बोलनारुं

वाचाट, **–ल** वि० [सं.] वाचाळ; अति

वाच्य वि०[सं.] कहेवा जेवुं(२) वाचकथी बतावाय एवुं

वाच्यार्थ पुं० [सं.] शब्दार्थ

वाज़ पुं०[अ.] उपदेश (२) धार्मिक कथा

वाज़ा वि० [अ.] बनावनार

वाजिब वि०[अ.] योग्य; वाजबी (२) पुं० वृत्ति; वेतन [कार्यो

वाजिबात स्त्री० ब०व० [अ.] आवश्यक

वाजिबी वि० [अ.] वाजबी; योग्य

वाजिह वि० [अ.] मालूम; प्रतीत (२) खुल्लुं; स्पष्ट. –होना = मालूम पडवुं; विदित थवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

वाजी पुं० [सं.] घोडो
वाजीकरण पुं० [सं.] दवाथी शक्ति वधारवी ते – तेवो प्रयोग
वाट पुं० [सं.] वाट; रस्तो (२) वाडो
वाटिका स्त्री० [सं.] वाडी; वगीचो
वाडव,–वाग्नि,–वानल पुं० [सं.] वडवानल
वाणिज्य पुं० [सं.] वेपार
वाणी स्त्री० [सं.] बोल; वचन; वाचा
वात पुं० [सं.] वायु
वातायन पुं० [सं.] बारी (२) झरूखो
वातावरण पुं० [सं.] पृथ्वीनी चोमेर हवानो पट छे ते (२)आसपासनी स्थिति
वातुल वि० [सं.] गांडुं; पागल
वात्सल्य पुं० [सं.] वहाल; स्नेह
वाद पुं०[सं.] शास्त्रीय कोई दलील के मान्यता; 'इझम'
वादन पुं०[सं.] वाजुं के ते वगाडवुं ते
वादा पुं०[अ.] वायदो; करार; वचन. **–खिलाफ़ी करना**=वायदाथी विरुद्ध करवुं. **–वफ़ाई करना**=वायदो पूरो करवो
वादित्र पुं० [सं.] वाजुं; वाजिंत्र
वादी स्त्री०[अ.] पहाडो वच्चेनी खीण (२)[सं.] (अदालतमां) वादी; फरियादी
वाद्य पुं० [सं.] वाजुं [आश्रम
वानप्रस्थ पुं० [सं.] निवृत्तिनो – त्रीजो
वानर पुं०[सं.] वांदरुं. **–री** स्त्री० वांदरी
वापस वि०[फा.] पाछुं. **–करना**=पाछुं आपवुं. **–होना**=पाछुं फरवुं (२) पाछुं अपावुं [पाछुं फरवुं ते
वापसी वि० पाछुं फरतुं–वळतुं(२)स्त्री०
वापी,–पिका स्त्री० [सं.] वाव
वाफ़िर वि० [अ.] खूब; पुष्कळ
वाफ़ी वि०[अ.] पूरतुं; जोईए तेटलुं
वाबस्ता पुं०[फा.] वाबस्तुं; सगुं; संबंधी
वाम वि०[सं.] डाबुं (२) ऊलटुं; विरुद्ध (३) वांकुं; खराब (४) सुंदर; प्रिय
वामन वि०[सं.] गट्टुं (२) पुं० गट्टो
वामा स्त्री० [सं.] स्त्री
वाय अ०[फा.] 'हाय' अर्थनो उद्‌गार
वायव्य वि०[सं.] वायु संबंधी (२) पुं० उत्तर-पश्चिम खूणो [कागडी
वायस पुं०[सं.] कागडो. **–सी** स्त्री०
वायु पुं०[सं.] पवन; हवा. **०कोण** पुं० वायव्य खूणो. **०मंडल** पुं० वातावरण. **०यान** पुं० ॲरोप्लेन
वारंट पुं० [इं.] वॉरंट; हुकमनामुं. **०गिरफ़्तारी** पुं० पकडवानुं वॉरंट. **०तलाशी** पुं० जगा तपासवानुं वॉरंट. **०रिहाई** स्त्री० छोडवानुं वॉरंट
वारंवार अ० [सं.] फरी फरी
वार पुं०[सं.] दिवस (२) वखत; वेळा; वारो (३) वारण; रोकवुं ते (४) नदीनो किनारो
वार पुं० वार; हल्लो; चोट (२) वि० [फा.] अनुक्रम सूचक प्रत्यय. जेम के माहवार (३) तेवुं के ते वाळुं सूचवतो प्रत्यय. जेम के सजावार
वारण पुं०[सं.] वारवुं ते(२)मनाई; निषेध (३) हाथ [फिसाद; मारामारी
वारदात स्त्री०[अ.] दुर्घटना (२) दंगो-
वारना स०क्रि० ओवारवुं (२) पुं० ओवारणुं. **वारने जाना**=वारी जवुं
वारनिश स्त्री० [इं.] वार्निश; रोगान
वारपार पुं० (नदीनी) आ पारथी ते पार; पूरो विस्तार (२) अ० पारोपार
वारफेर स्त्री० वलि; न्योछावर करेलुं ते

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

वारफ़्ता वि० [फा.] 'बेख़ुद'; मस्त; आत्मामां लीन. **–फ़्तगी** स्त्री० 'बेख़ुदी'
वारमुखी, वारवधू, वारस्त्री, वारवनिता, वारांगना स्त्री०[सं.] वेश्या
वारा पुं० करकसर (२) लाभ (३) वि० सस्तुं (४) (व्रजमां)-वाळुं; 'वाला' ए अर्थनो प्रत्यय(५)वारी गयेलुं;न्योछावर
वारा-न्यारा पुं० फेंसलो; निवेडो
वारि पुं०[सं.] पाणी. **०ज** पुं० कमळ
वारित वि०[सं.] वारेलुं; रोकेलुं; मना करायेलुं
वारिद वि० [अ.] आवनार (२) पुं० महेमान (३) दूत (४) [सं.] वादळ
वारिधि पुं० [सं.] समुद्र
वारियाँ स्त्री० वारी जवुं ते; न्योछावर
वारिस पुं० [अ.] वारस
वारीफेरी स्त्री० बाधा के अशुभ दूर करवा माथे फेरवीने उतारवुं ते
वारुणी स्त्री० [सं.] दारू
वारे-न्यारे होना = खूब फायदो थवो
वार्ड पुं० [इं.] वॉर्ड; विभाग; लत्तो
वार्डर पुं० [इं.] (जेलनो) वॉर्डर
वार्ता,-र्त्ता स्त्री०[सं.] वात; खबर (२) अफवा (३)विषय;प्रकरण (४)वातचीत
वार्ता(-र्त्ता)लाप पुं० [सं.] वातचीत
वार्द्धक्य पुं० [सं.] घडपण (२) वृद्धि
वार्षिक वि०[सं.] वर्षनुं के तेने लगतुं (२) दरेक वर्षनुं (३) वर्षा ऋतुनुं
वाला 'वाळुं' अर्थनो प्रत्यय (स्त्री०**वाली**)
वाला वि० [फा.] उच्च; श्रेष्ठ
वालिद पुं० [अ.] पिता
वालिदा स्त्री० [अ.] माता
वालिदैन पुं० ब० व० [अ.] मावाप
वालुका स्त्री० [सं.] रेती
वावैला पुं०[अ.] रोककळ (२)शोरबकोर
वाष्प पुं०[सं.] बाष्प; वराळ (२) आंसु
वासंती स्त्री० [सं.] जूई वेल
वास पुं०[सं.] वास; घर के रहेठाण (२) सुवास; सुगंध
वासक पुं०, **–का** स्त्री०[सं.] अरडूसी
वासकेट पुं०;स्त्री०[इं.] जुओ 'वास्कट'
वासना स्त्री०[सं.] इच्छा; आशा; चाह
वासर पुं० [सं.] वार; दिवस
वासव पुं० [सं.] इंद्र
वासा स्त्री० [सं.] जुओ 'वासका'
वासिक़ वि० [अ.] दृढ; पाकुं
वासिल वि०[अ.] वसूल थयेलुं; मळेलुं. **०बाक़ी** स्त्री० [अ.] वसूल बाकी. **०नवीस** पुं० वसूल बाकीनो हिसाबनीस; वसूलदार
वासिलात स्त्री० कुल वसूल
वास्कट पुं०; स्त्री० [इं.] वासकोट
वास्तव वि० [सं.] वास्तविक; खरुं; यथार्थ (२) पुं० वस्तुता; यथार्थ तत्त्व. **०में** अ० खरुं जोतां
वास्तविक वि० [सं.] वास्तव; खरुं
वास्ता पुं०[अ.] संबंध;लेवादेवा. **–पड़ना** = काम पडवुं; संबंधमां आववुं
वास्तु पुं०[सं.] घर; मकान (२) तेने योग्य जगा [विद्या–इजनेरी
वास्तुविद्या स्त्री०[सं.] मकान करवानी
वास्ते अ० [अ.] माटे; सारु
वाह अ० [फा.] वाह! उद्गार
वाहक पुं० [सं.] वहन करनार
वाहन पुं०[सं.] 'सवारी'; गाडी इ०साधन
वाहवाही स्त्री० वाहवाह; प्रशंसा
वाहिद वि० [अ.] एकमात्र (२) पुं० ईश्वर (३) (व्या.) एकवचन

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

वाहिनी स्त्री० [सं.] सेना (२) नदी
वाहिब वि० [अ.] क्षमाशील; दयाळु
वाहिम वि० [अ.] वहेम के कल्पना करनारुं; कल्पनाशील
वाहिमा स्त्री० [अ.] कल्पनाशक्ति
वाहियात वि० वाहियाद; नकामुं (२) खराब; बूरुं
वाही वि०[अ.] नवरुं; नकामुं (२) सुस्त; ढीलुं (३) मूर्ख (४) बेहूदुं (५) [सं.] वही-लई जनारुं; वाहक
वाही-तबाही वि० बेहूदुं (२) ढंगधडा वगरनुं (३) स्त्री० तेवी वातो
विकट वि० [सं.] कठण; मुश्केल (२) वांकुं (३) भयंकर
विकराल वि०[सं.] विकराळ; भयंकर
विकल वि०[सं.] व्याकुळ; बेचेन (२) कलारहित (३) व्यंग; खंडित
विकलित वि०[सं.] व्याकुळ (२) दुःखी
विकल्प पुं०[सं.] भ्रांति (२) ऊलटी-विपरीत कल्पना (३) विविध कल्पना
विकसना अ०क्रि० विकसवुं; खीलवुं
विकार पुं०[सं.] वदलावुं के बगडवुं ते (२) रोग; दोष (३) वासना
विकास पुं० [सं.] खिलवणी; फेलावो
विकीर्ण वि०[सं.]वीखरायेलुं(२)विख्यात
विकृत वि०[सं.] विकारवाळुं; बगडेलुं; दोषित. **-ति** स्त्री० विकार; दोष
विकेट पुं० [इं.] क्रिकेटनी विकेट
विक्टोरिया स्त्री०[इं.] चार पैडांनी एक जातनी बगी
विक्रम पुं०[सं.] ताकात; बळ. **-मी** वि० बळवान.(२) विक्रमने लगतुं
विक्रय पुं० [सं.] वेचाण
विक्रांत वि० [सं.] पराक्रमी; वीर
विक्री स्त्री० वेचाण (२) वकरो
विक्रेता पुं० [सं.] वेचनार
विक्षिप्त वि०[सं.]फेंकेलुं(२)व्यग्र; विह्वळ
विक्षुब्ध वि०[सं.] क्षोभ पामेलुं; अशांत
विक्षेप पुं०[सं.] फेंकवुं ते (२) व्यग्रता (३) विघ्न
विक्षोभ पुं०[सं.] क्षोभ; अशांतता; उद्वेग
विख पुं० (प.) वख; झेर (२) वि० [सं.] नकटुं; नाक विनानुं
विख्यात वि०[सं.] जाणीतुं; प्रसिद्ध. **-ति** स्त्री० प्रसिद्धि
विगंध वि० [सं.] निर्गंध (२) गंधातुं
विगत वि०[सं.] गयेलुं; वीतेलुं; पहेलांनुं
विगति स्त्री० [सं.] दुर्गति; खराबी
विगर्हण पुं०, **-णा** स्त्री० [सं.] निंदा; तुच्छकार [(२) खराब
विगर्हित वि०[सं.] निंदित; तुच्छकारायेलुं
विगलित वि०[सं.] पीगळेलुं; ढीलुं पडेलुं
विगुण वि० [सं.] गुणहीन
विग्रह पुं०[सं.] शरीर (२) युद्ध; झघडो
विघटन पुं०[सं.] विगठन; संगठन मटी जवुं ते
विघ्न पुं० [सं.] अडचण; खलेल
विचक्षण वि०[सं.] चतुर; बुद्धिमान (२) निपुण; प्रवीण
विचरना अ०क्रि० विचरवुं; हरवुं-फरवुं
विचल,-लित वि०[सं.] अस्थिर; चलित
विचार पुं०[सं.] ख्याल; समज; मननो निश्चय [(२) न्यायाधीश
विचारक पुं०[सं.] विचार करी जाणनार
विचारणा स्त्री० [सं.] विचारवुं ते
विचारणीय वि०[सं.] विचारवा योग्य के तेम करवानी जरूरवाळुं
विचारना स०क्रि० विचारवुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

विचारालय पुं० [सं.] न्यायाधीशनी कचेरी; अदालत

विचिकित्सा स्त्री० [सं.] शक; संदेह

विचित्र वि० [सं.] अद्‌भुत; आश्चर्यकारक (२) सुंदर (३) चित्रविचित्र

विच्छिन्न वि०[सं.] छेदाईने छूटुं पडेलुं (२) छूटुं; भिन्न; अलग; जुदुं

विच्छेद,०न पुं० [सं.] कापवुं के अलग करवूं के थवुं ते

विछलना अ० क्रि० चळवुं; 'फिसलना'

विछोह पुं० वियोग; विच्छेद (वि०**–ही**)

विजन वि० [सं.] एकांत; निर्जन (२) पुं० वींजणो

विजना पुं० (प.) 'विजन'; वींजणो

विजय स्त्री० [सं.] फतेह; जीत

विजया स्त्री० भांग (२) विजयादशमी

विजयी वि० [सं.] जीतनार

विजात वि० [सं.] कुजात; वर्णसंकर; जारज [जातिनुं

विजाति, -तीय वि० [सं.] जुदी-भिन्न

विज़ारत स्त्री० [अ.] जुओ 'वज़ारत'

विजिगीषा स्त्री० [सं]. जीतनी इच्छा. **–षु** वि० ते इच्छावाळुं

विज़िट स्त्री० [इं.] मुलाकात

विजित वि० [सं.] जितायेलुं

विजेता पुं० [सं.] जीतनार

विजोग पुं० (प.) वियोग

विजोर वि० कमजोर (२) पुं० बिजोरुं

विज्जु स्त्री० वीजळी

विज्ञप्ति स्त्री०[सं.] विनंती (२) जाहेरात (३) नोटिस; सूचना

विज्ञान पुं०[सं.] कोई विषयनुं खास ज्ञान के शास्त्र. **–नी** पुं० तेनो जाणकार

विज्ञापन पुं० [सं.] जुओ 'विज्ञप्ति'

विट पुं०[सं.] लंपट (२) लुच्चो; धूर्त

विटप पुं० [सं.] झाड के तेनी शाखा

विडंबना स्त्री०[सं.] मश्करी (२) नकल; अनुकरण [करवुं (२) भगाडवुं

विडारना स०क्रि० वेरणछेरण,नष्ट-भ्रष्ट

विडाल पुं०[सं.] बिलाडी. **–ली** स्त्री०

वितंडा स्त्री०[सं.] नकामी–खोटी दलील के वाद

वितत वि० [सं.] फेलायेलुं; विस्तृत

वितथ,–थ्य वि०[सं.] असत्य; जूठुं; मिथ्या

वितरण पुं० [सं.] दान (२) वहेंचणी

वितरना स०क्रि० (प.) वहेंचवुं

वितरेक, वितरिक्त अ० (प.) सिवाय; 'व्यतिरिक्त' [शंका

वितर्क पुं०[सं.] विशेष के वधु तर्क (२)

वितल पुं० [सं.] एक पाताळ

वितान पुं० [सं.] फेलावो; विस्तार

वितुंड पुं० [सं.] हाथी

वित्त पुं० [सं.] धन; संपत्ति

विथकना अ०क्रि० (प.) थाकवुं; ढीलुं थवुं (२) मोह के आश्चर्यथी चूप थई जवुं

विथकित वि० (प.) थाकेलुं

विथराना, विथारना स०क्रि० (प.) बधे पाथरवुं – फेलाववुं [व्यथित

विथा स्त्री० (प.) व्यथा. **–थित** वि०

विथारना स०क्रि० जुओ 'विथराना'

विदग्ध वि० [सं.] काबेल; चतुर; होशियार (२) दाझेलुं

विदरना अ०क्रि० फाटवुं; चिरावुं (२) स०क्रि० फाडवुं; विदारवुं

विदा स्त्री० [अ.] विदाय

विदाई स्त्री० विदाय (२) विदायगीरी के त्यारे अपातुं धन

विदारण पुं० [सं.] विदारवुं–चीरवुं ते

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

विदारना स०क्रि० विदारवुं; चीरवुं
विदारी स्त्री० एक कंठरोग (२) एक जातनुं कंद (३) वि०[सं.] विदारे-फाडे एवुं
विदाही वि० [सं.] दाही; दाहक
विदित वि० [सं.] ज्ञात; जाणेलुं
विदिश्,-शा स्त्री०[सं.] बे दिशा वच्चेनो खूणो [नष्ट
विदीर्ण वि० [सं.] फाटेलुं; चीरेलुं (२)
विदुर वि०[सं.] चतुर; दक्ष (२) पुं० तेवो पुरुष
विदुषी स्त्री० [सं.] विद्वान स्त्री
विदूर वि० [सं.] घणुं दूर
विदूषक पुं०[सं.] अति विषयी माणस (२) मश्करो
विदूषना स०क्रि० दोष देवो (२) सतावबुं (३) अ०क्रि० दुःखी थवुं
विदेश पुं० [सं.] परदेश [जनक राजा
विदेह वि० [सं.] देह वगरनुं (२) पुं०
विद्ध वि० [सं.] वींधायेलुं
विद्यमान वि० [सं.] हयात; मोजूद
विद्या स्त्री० [सं.] (कोई खास) ज्ञान; जाणकारी
विद्यार्थी पुं०[सं.] विद्या भणनार; छात्र
विद्यालय पुं० [सं.] शाळा
विद्युत् स्त्री०[सं.] वीजळी (२) संध्या. **०मापक** पुं० वीजळी मापवानुं यंत्र
विद्रुम पुं० [सं.] कूंपळ (२) परवाळुं
विद्रोह पुं०[सं.] बळवो; सामे थवुं ते
विद्वत्ता स्त्री० [सं.] पंडिताई
विद्वान् पुं० [सं.] पंडित; ज्ञानी [वेरी
विद्वेष पुं०[सं.] द्वेष; वेर. **-षी,-ष्टा** वि०
विधना स०क्रि० मेळववुं (२) पुं० विधि; भावी
विधर्म(-र्म्म) पुं० परधर्म (२) वि० धर्म के गुण विनानुं; खोटुं. **-र्मी** वि० परधर्मी (२) धर्मभ्रष्ट
विधवा स्त्री० [सं.] रांडेली स्त्री
विधाता पुं०[सं.] ब्रह्मा (२) व्यवस्थापक; प्रबंधक
विधान पुं० [सं.] विधि; क्रिया (२) कथन; उक्ति (३) नियम; कायदो. **०परिषद्** स्त्री० उपली धारासभा. **०सभा** स्त्री० नीचली धारासभा
विधायक वि० [सं.] विधान करनार; रचनार; नियामक
विधि स्त्री० [सं.] रीत; ढंग (२) शास्त्रोक्त व्यवहार (३) पुं० ब्रह्मा (४) दैव. **-बैठना** = मेळ खावो; फाववुं
विधु पुं० [सं.] चंद्र (२) ब्रह्मा
विधुर वि० [सं.] दुःखी; व्याकुळ (२) पुं० रांडेलो [योग्य
विधेय वि० [सं.] कहेवा के करवा
विध्वंस पुं० [सं.] नाश (२) घृणा; अनादर (३) शत्रुता; वेर. **-सी** पुं० नाश करनार
विध्वस्त वि० [सं.] नाश थयेलुं
विनत वि० [सं.] वळेलुं; वांकुं (२) विनीत; नम्र (३) शिष्ट
विनति,-ती,-तड़ी स्त्री० विनंती (२) नमवुं-झूकवुं ते
विनम्र वि० [सं.] अति नम्र; विनयी
विनय स्त्री० [सं.] नम्रता; सभ्यता; शिष्टता (२) शिक्षण (३) विनंती; अनुनय. **-यी** वि० विनयवाळुं
विनश(-स)ना अ०क्रि० (प.) वणसवुं; नाश पामवुं
विनश्वर वि० [सं.] नाशवंत

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

विनष्ट वि० [सं.] नाश पामेलुं; मृत; भ्रष्ट
विनसना अ०क्रि० (प.) जुओ 'विनशना'
विनसाना अ०क्रि० (प.) 'विनसना' (२) स०क्रि० वणसाडवुं
विना अ० [सं.] वगर; सिवाय
विनाथ वि० [सं.] अनाथ [बरवादी
विनाश पुं० [सं.] खुवारी; नाश; हानि;
विनासना स०क्रि० (प.) जुओ 'विनसाना'
विनिमय पुं० [सं.] बदलो; आप-ले (२) गीरो
विनियोग पुं० [सं.] उपयोग; खपमां लेवुं ते (२) प्रवेश [सुशील
विनीत वि० [सं.] विनयी; सभ्य; नम्र;
विनु अ० (प.) विना
विनोद पुं० [सं.] कौतुक; गमत; हांसी-खेल. **–दी** वि० विनोदवाळुं [गोठवणी
विन्यास पुं० [सं.] रचना; सजावट;
विपक्ष पुं० [सं.] सामेनो–विरुद्ध पक्ष (२) वि० सामेनुं; विरुद्ध. **–क्षी** पुं० सामावाळियो
विपत्ति स्त्री० [सं.] संकट; आफत (२) दुःखदशा (३) मुश्केली; पंचात. **–ढहना** = दुःख आवी पडवुं
विपथ पुं० [सं.] कुमार्ग; आडो रस्तो
विपद,–दा स्त्री० [सं.] विपत्ति; आफत
विपन्न वि० [सं.] दुःखी; विपत्तिमां आवेलुं
विपरीत वि० [सं.] ऊलटुं; ऊंधुं; अवळुं; प्रतिकूल
विपर्यय, विपर्यास पुं० [सं.] ऊलटुं; अवळुं-सवळुं थवुं ते (२) भ्रम [अस्तव्यस्त
विपर्यस्त वि० [सं.] विपर्यय पामेलुं (२)
विपाक पुं० [सं.] परिपक्व दशा; फळ (२) दुर्दशा (३) स्वाद
विपात पुं० [सं.] विनिपात; नाश
विपादिका स्त्री० [सं.] पगनो एक रोग
विपिन पुं० [सं.] वन; जंगल (२) उपवन; बाग
विपुल वि० [सं.] खूब; पुष्कळ (२) अगाध
विपुला स्त्री० [सं.] धरती; पृथ्वी
विप्र पुं० [सं.] ब्राह्मण
विप्रलंभ पुं० [सं.] वियोग (२) छळ; धोखो
विप्लव पुं० [सं.] बळवो; उत्पात (२) पाणीनी रेल (३) नाश
विफल वि० [सं.] फळरहित; व्यर्थ; नकामुं
विबुध पुं० [सं.] विद्वान (२) चंद्र (३) देव
विबोध पुं० [सं.] जागरण (२) होंशमां आववुं ते; सावधानी (३) ज्ञान; बोध
विभक्त वि० [सं.] छूटुं; भाग पाडेलुं के वहेंचेलुं
विभक्ति स्त्री० [सं.] वहेंचणी; विभाजन (२) व्या०नी विभक्ति; कारक
विभव पुं० [सं.] वैभव; सांहेबी; ऐश्वर्य (२) मुक्ति [राजा
विभाकर पुं० [सं.] सूर्य (२) अग्नि (३)
विभाग पुं० [सं.] हिस्सो; खंड (२) खातुं
विभाजन पुं० [सं.] विभाग करवा ते (२) वहेंचणी (३) भाजन; पात्र
विभात पुं० [सं.] प्रभात; सवार
विभाति स्त्री० [सं.] शोभा; प्रभा
विभावरी स्त्री० [सं.] रात (२) खराव स्त्री
विभिन्न वि० [सं.] भिन्न; जुदुं (२) विविध
विभु वि० [सं.] सर्वव्यापक (२) पुं० प्रभु
विभूति स्त्री० [सं.] ऐश्वर्य; वैभव; समृद्धि
विभूषण पुं० [सं.] भूषण; शणगार; शोभा
विभेद पुं० [सं.] भेद; अंतर; फरक (२) छेद; काणुं
विभ्रम पुं० [सं.] भ्रम; संदेह (२) गभराट (३) भ्रमण; चक्कर
विभ्राट् पुं० [सं.] बखेडो; झघडो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

विमत पुं०, **–ति** स्त्री०[सं.] विरुद्ध मत (२) असंमति [खिन्न
विमन,०स्क वि०[सं.] अनमनुं; उदास;
विमर्श,०न पुं० [सं.] विचार; विवेचन; समीक्षा
विमल वि० [सं.] निर्मळ; स्वच्छ
विमाता स्त्री० [सं.] सावकी मा
विमान पुं०[सं.] हवाई वाहन (२) रथ
विमुक्त वि०[सं.] मुक्त; स्वतंत्र; छूटुं (२) रहित
विमुक्ति स्त्री० [सं.] मुक्ति; स्वतंत्रता
विमुख वि०[सं.]विरुद्ध; सामेनुं; प्रतिकूळ
विमुद वि० [सं.] अप्रसन्न; उदास
विमूढ़ वि० [सं.] मूढ; अति मोहमां पडेलुं; जड [(२) रहित
वियुक्त वि०[सं.] विखूटुं; छूटुं; अलग
वियोग पुं०[सं.] छूटुं पडवुं ते (२) विरह
वियोगान्त वि०[सं.] अशुभान्त (नाटक इ०) [रंगोनुं
विरंग वि०[सं.] खराब रंगनुं (२) विविध
विरंचि पुं० [सं.] ब्रह्मा
विरक्त वि०[सं.] वैराग्यवाळुं; निवृत्त (२) विमुख; अलग
विरक्ति स्त्री०[सं.] वैराग्य; उदासीनता
विरचित वि०[सं.] रचायेलुं; बनेलुं
विरत वि०[सं.] विशेष रत–लीन (२) विरतिवाळुं; विरक्त
विरद पुं० [सं. विरु] विरद; ख्याति
विरदावली स्त्री० विरदावली; यशोगान
विरल वि०[सं.] अलग अलग; छूटुं (२) दुर्लभ (३) अल्प
विरस वि० नीरस; फीकुं; अप्रिय
विरसा पुं० 'वारसा'; वारसो
विरह पुं०[सं.] जुदाई; वियोग के तेनुं दुःख. **–हिणी** स्त्री० विरहवाळी स्त्री. **–ही** पुं० विरहवाळो
विराग पुं०[सं.] वैराग्य. **–गी** वि० वेरागी
विराजमान वि०[सं.] शोभीतुं(२)हयात
विराजना अ०क्रि० विराजवुं; शोभवुं (२) विराजवुं; बेसवुं (३) हाजर होवुं
विराट वि० [सं.] बहु मोटुं (२) पुं० विश्वरूप; विभु [आराम
विराम पुं०[सं.] विरमवुं, थोभवुं ते;
विरासत स्त्री०[अ.] जुओ 'वरासत'
विरुद पुं० [सं.] ख्याति; प्रशस्ति
विरुदावली स्त्री०[सं.] जुओ 'विरदावली'
विरुद्ध वि० [सं.] सामे; प्रतिकूळ
विरूप वि०[सं.] ऊलटुं (२) कदरूपुं
विरेचक वि०[सं.] रेचक; 'दस्तावर.' **–न** पुं० रेच के तेनी दवा
विरोचन पुं०[सं.] सूर्य (२) चंद्र (३) अग्नि (४) प्रकाश; चमक
विरोध पुं०[सं.] अणवनाव; प्रतिकूळता (२) सामे होवुं के थवुं ते; शत्रुता
विरोधाभास पुं०[सं.] विरोधनो आभास; एक अर्थालंकार [सामेवाळुं; शत्रु
विरोधी वि०[सं.] सामेनुं; प्रतिकूळ (२)
विर्द स्त्री०[अ.]नित्यनुं कार्य; दैनिक कार्य
विलंब पुं०[सं.] ढील; मोडुं थवुं ते (२) लटकवुं ते [लटकवुं
विलंबना अ०क्रि० विलंब करवो (२)
विलंबित वि०[सं.] लटकतुं (२) ढीलमां पडतुं; विलंबवाळुं
विलक्षण वि० [सं.] अपूर्व; असाधारण
विलखना अ०क्रि० जुओ 'बिलखना'
विलग वि० (२) पुं० जुओ 'बिलग'
विलगाना अ०क्रि० (२) स०क्रि० जुओ 'बिलगाना'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

विलपना अ०क्रि० विलाप करवो;विलपवुं
विलाप पुं० [सं.] रोवुं ककळवुं ते
विलायत पुं०; स्त्री० [अ.] पारको के दूरनो देश. **–ती** वि० परदेशी
विलायती बैंगन पुं० टॉमेटो
विलास पुं० [सं.] लहेर; मजा (२) एशआराम; सुखभोग (३) शृंगारना हावभाव के चेष्टा [(२) वेश्या
विलासिनी स्त्री०[सं.] युवती; कामिनी
विलासी वि०[सं.] विलासप्रिय; कामी; एशआरामी
विलीन वि०[सं.] लीन; अलोप थयेलुं (जेम के ओगळीने के मळी जईने)
विलेप,०न पुं०[सं.] लेप के ते करवो ते
विलोकन पुं० [सं.] जोवुं, तपासवुं के निहाळवुं ते
विलोचन पुं० [सं.] आंख [(२) विघ्न
विलोप,०न पुं०[सं.] लोप करवुं ते; नाश
विलोम वि०[सं.] ऊलटुं; सामेनुं (२) पुं० साप
विलोल वि०[सं.] लोल; अस्थिर; चंचळ
विल्व पुं०[सं.] बिल्व; बीलुं के बीली. **०पत्र** पुं० बिल्वपत्र
विवक्षा स्त्री०[सं.] बोलवानी इच्छा (२) अर्थ; मतलब; आशय
विवक्षित वि०[सं.] अभिप्रेत; अपेक्षित (२) पुं० प्रयोजन; उद्देश; आशय
विवर पुं०[सं.] काणुं (२) गुफा (३) बोड
विवरण पुं०[सं.] विस्तारथी कहेवुं ते; वर्णन; बयान [रहित
विवर्ण वि० [सं.] वर्ण (रंग के जाति)
विवर्त पुं०[सं.]आकाश(२)समूह(३)भ्रम
विवश(–स) वि०[सं.] लाचार; अवश
विवस्त्र वि० [सं.] वस्त्ररहित; नागुं
विवाद पुं०[सं.] वाग्युद्ध (२) सामो वाद के मत (३) झघडो
विवाह पुं०[सं.] लग्न. **–हित** वि० परणेलुं
विवाहना स०क्रि० परणवुं; 'ब्याहना'
विविक्त वि०[सं.] एकलुं; एकांत (२) शुद्ध; पवित्र
विविध वि० [सं.] अनेक जातनुं
विवृत वि०[सं.] खुल्लुं; पहोळुं; विस्तृत
विवेक पुं०[सं.] सारानरसानी समज के तेनी शक्ति. **–की** वि० विवेकवाळुं
विवेचन पुं०[सं.] अवलोकन, परीक्षा, के मीमांसा; सारासारनुं निरूपण
विशद वि० [सं.] स्पष्ट; साफ (२) चोख्खुं; स्वच्छ (३) सफेद
विशारद वि०[सं.] प्रवीण; दक्ष; कुशळ
विशाल वि० [सं.] विशाळ; मोटुं
विशिष्ट वि० [सं.] विशेष; खास; असाधारण
विशुद्ध वि०[सं.] शुद्ध; निर्मळ; चोख्खुं; पवित्र. **–द्धि** स्त्री० शुद्धता; पवित्रता
विशूचिका स्त्री० [सं.] कॉलेरा रोग
विशृंखल वि० [सं.] क्रम के बंधन विनानुं
विशेष वि०[सं.] वधु (२) खास (३) असाधारण (४) पुं० भेद; तफावत (५) अधिकता; वधारो (६) खास गुण
विशेषज्ञ वि०[सं.] खास जाणनार; तज्ज्ञ
विशोक वि०[सं.] शोकरहित (२) पुं० अशोक वृक्ष
विश्रंभ पुं० [सं.] विश्वास (२) प्रेम
विश्रांति स्त्री०, **विश्राम** पुं०[सं.] आराम; थाक [स्त्री० प्रख्याति
विश्रुत वि०[सं.] विख्यात; प्रसिद्ध. **–ति**
विश्लिष्ट वि० [सं.] पृथक्; छूटुं (२) खीलेलुं (३) ढीलुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

विश्लेषण पुं० [सं.] छूटुं करवुं ते; पृथक्करण
विश्वंभर पुं० [सं.] भगवान; प्रभु
विश्व पुं० [सं.] सृष्टि; ब्रह्मांड
विश्वविद्यालय पुं० युनिवर्सिटी; विद्यापीठ
विश्वसनीय, विश्वस्त वि०[सं.] विश्वास-पात्र [ब्रह्म
विश्वात्मा, विश्वाधार पुं०[सं.] ईश्वर;
विश्वास पुं०[सं.] भरोंसो; श्रद्धा; यकीन. **–जमाना, दिलाना**=विश्वास पेदा करवो
विश्वासघात पुं० [सं.] दगो; धोखो
विश्वासी पुं०[सं.] विश्वास करनार (२) विश्वासपात्र
विश्वेदेव पुं० [सं.] अग्नि
विश्वेश,–श्वर पुं० [सं.] ईश्वर
विश्वकोश पुं०[सं.]'एन्साइक्लोपीडिया'; सर्वसंग्रह
विष पुं० [सं.] वख; झेर. **–की गाँठ** =उपद्रवकारी के पंचातनुं घर
विषण्ण वि० [सं.] खिन्न; दुःखी
विषधर पुं० [सं.] साप
विषमंत्र पुं०[सं.] झेर उतारवानो मंत्र
विषम वि०[सं.] असमान (२) कठण; मुश्केल (३) पुं० संकट [वासना
विषय पुं० [सं.] बाबत; वस्तु (२) काम-
विषयक वि० [सं.] (समासमां) अमुक विषय संबंधी
विषयी वि०[सं.] कामी; भोग-विलासी
विषाक्त वि० [सं.] विषयुक्त
विषाण पुं०[सं.] शींगडुं (२) हाथीदांत
विषाद पुं० [सं.] शोक; खेद; दुःख
विषालु वि० [सं.] झेरी
विषुव,०त् पुं०[सं.] रात दिवस बरोबर होय ते समय
विषुव(०त्)रेखा पुं०[सं.] विषुववृत्त
विषैला वि० झेरी
विष्टा,–ष्ठा स्त्री० [सं.] गू
विष्टि स्त्री० [सं.] वेठ (२) मजूरी
विष्ठा स्त्री० जुओ 'विष्टा'
विष्णु पुं० [सं.] एक हिंदु देव. **०पदी** स्त्री० गंगा नदी [(२) दगो
विसंवाद पुं० [सं.] असंगतता; विरोध
विसदृश वि०[सं.] असमान; ऊलटुं; जुदुं
विसर्ग पुं० [सं.] त्याग (२) दान (३) शौच; मळत्याग (४) मोक्ष (५) लिपिनो (:) विसर्ग
विसर्जन पुं०[सं.] छोडवुं ते (२) बरखास्त करवुं ते; अंत
विसर्प पुं०[सं.] एक जातनो ताव (खस खूजली साथे)
विसर्पी वि० [सं.] चेपी [मृत्यु
विसाल पुं०[अ.] संयोग (२) संभोग (३)
विसूचिका स्त्री० [सं.] कॉलेरा
विस्तार पुं० [सं.] फेलावो
विस्तीर्ण, विस्तृत वि०[सं.] फेलायेलुं; विस्तारवाळुं [फोल्लो
विस्फोट पुं०[सं.] फूटवुं ते (२) झेरी
विस्फोटक वि०[सं.] फूटे एवुं (२) पुं० तेवो पदार्थ
विस्मय पुं० [सं.] आश्चर्य; अचंबो
विस्मरण पुं० [सं.] वीसरवुं ते
विस्मित वि०[सं.] आश्चर्ययुक्त; चकित
विस्मृत वि० [सं.] वीसरायेलुं. **–ति** स्त्री० विस्मरण
विहंग(०म), विहग पुं० [सं.] पक्षी
विहान पुं० सवार; प्रभात
विहार पुं०[सं.] विचरवुं–फरवुं ते (२) रति-क्रीडा (३) बौद्ध विहार – मठ

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

विहित वि० [सं.] निश्चित के निर्देश करायेलुं
विहिन वि० [सं.] रहित; विनानुं
विह्वल वि० [सं.] बेचेन; गभरायेलुं; व्याकुल
वीक्षण पुं० [सं.] जोवुं ते
वीचि,-ची स्त्री० [सं.] मोजुं; तरंग
वीज पुं० [सं.] बीज
वीजन [पुं०] वींजणो; पंखो
वीणा स्त्री० [सं.] एक वाद्य. **०पाणि** स्त्री० सरस्वती (२) पुं० नारद
वीत वि० [सं.] वीतेलुं; निवृत्त; रहित
वीथि,०का,-थी स्त्री० [सं.] हार; पंक्ति (२) रस्तो (३) सूर्यमार्ग [योद्धो
वीर वि० [सं.] बहादुर (२) पुं० भाई (३)
वीरगति स्त्री० [सं.] युद्धमां मरनारनी (उत्तम) गति; स्वर्ग
वीरशय्या स्त्री० [सं.] युद्धक्षेत्र
वीरान वि० [फा.] वेरान; उज्जड (नाम, **-नी** स्त्री०)
वीराना पुं० [फा.] वेरान जगा; जंगल
वीर्य,-र्य्य पुं० [सं.] वीरता; शौर्य (२) शुक्र
वुक़ूअ,-आ पुं० [अ.] जुओ 'वक़ूअ'
वुक़ूफ़ पुं० [सं.] जुओ 'वक़ूफ़'
वुज़ू पुं० [अ.] जुओ 'वज़ू'
वुजूद पुं० जुओ 'वजूद' ['वसअत'
वुसअ, वुसअत स्त्री० [अ.] जुओ 'वसअ',
वुसूल वि०,**-ली** स्त्री० जुओ 'वसूल,-ली'
वृंत पुं० [सं.] डींटुं (२) स्तननी डींटडी
वृंताक पुं० [सं.] वंताक; रींगण
वृंद पुं० [सं.] टोळुं
वृक पुं० [सं.] वरु
वृक्ष पुं० [सं.] झाड [(३) गोळ; वर्तुल
वृत्त पुं० [सं.] वृत्तांत; चरित (२) समाचार
वृत्तांत पुं० [सं.] वृत्त; खबर; हेवाल
वृत्ति स्त्री० [सं.] जीविका; धंधो (२) मननी वृत्ति, वलण; मनोव्यापार
वृथा अ० [सं.] व्यर्थ; फोगट
वृद्ध वि० [सं.] घरडुं [(३) अभ्युदय
वृद्धि स्त्री० [सं.] वधवुं ते (२) व्याज
वृश्चिक पुं० [सं.] वींछी
वृषभ पुं० [सं.] सांढ के बळद
वृषल पुं० [सं.] शूद्र (२) पापी
वृष्टि स्त्री० [सं.] वरसाद
वेग पुं० [सं.] त्वरा; झडप
वेणि,-णी स्त्री० [सं.] चोटलो (२) प्रवाह; धारा
वेणु पुं० [सं.] वांस (२) वांसळी
वेतन पुं० [सं.] मजूरी; पगार
वेताल पुं० [सं.] वैताळ; भूत
वेत्ता पुं० [सं.] जाणकार
वेत्र पुं० [सं.] नेतर [चारनो संकेत
वेद पुं० [सं.] वेद ग्रंथ (२) ज्ञान (३)
वेदना स्त्री० [सं.] पीडा; दुःख
वेदवाक्य पुं० [सं.] वेदनुं प्रमाणभूत वाक्य
वेदांग पुं० [सं.] वेदनां छ अंग
वेदांत पुं० [सं.] अंतिम ज्ञान; एक दर्शन
वेदि,०का,-दी स्त्री० [सं.] यज्ञनी वेदी
वेध पुं० [सं.] वींधवुं ते (२) काणुं (३) खगोळनां ग्रह नक्षत्रादि जोवां ते. **०शाळा** स्त्री० खगोळ निहाळवानी प्रयोगशाळा
वेपथु पुं० [सं.] कंप; ध्रुजारी
वेला स्त्री० [सं.] वेळा; समय (२) समुद्रकिनारो (३) मर्यादा
वेल्लि,-ल्ली स्त्री० [सं.] वेली; लता
वेश पुं० [सं.] पहेरवेश; पोशाक (२) 'भेस'; रूप

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

वेशभूषा स्त्री० [सं.] पहेरवेश
वेश्म पुं० [सं.] घर; मकान
वेश्या स्त्री० [सं.] गुणका; रंडी
वेष्टन पुं० [सं.] लपेटवानुं–बांधवानुं कपडुं; वांधण (२) पाघडी; फेंटो
वैकल्पिक वि० [सं.] अनिश्चित (२) आ के ते विकल्पवाळुं; मरजियात
वैकुंठ पुं० [सं.] विष्णुलोक; स्वर्ग
वैगन पुं० [इं.] भारखानानो डबो
वैचित्र्य पुं० [सं.] विचित्रता
वैज्ञानिक वि०[सं.] विज्ञान संबंधी (२) पुं० विज्ञानवेत्ता
वैतनिक पुं० [सं.] पगारदार; नोकर
वैताल,–लिक पुं०[सं.] बंदीजन; स्तुति करनार
वैद पुं० वैद्य (२) [सं.] विद्वान
वैदक पुं० आयुर्वेद; वैदुं–वैदनी विद्या
वैदग्ध्य पुं० [सं.] विदग्धता; चातुरी
वैद्य पुं० [सं.] वैद; वैदुं करनार. ०क पुं० जुओ 'वैदक' [ठीक; रीतसरनुं
वैध वि०[सं.] विधि के कानून मुजवनुं;
वैधव्य पुं० [सं.] रंडापो
वैनतेय पुं० [सं.] गरुड (२) अरुण
वैपार पुं० वेपार. –री पुं० वेपारी
वैभव पुं० [सं.] ऐश्वर्य; महिमा (२) धनदोलत [शत्रुता
वैमनस्य पुं०[सं.] अणबनाव (२) वेर;
वैमात्र(-त्रेय) वि०[सं.] सावकुं; 'सौतेला'
वैर पुं० [सं.] वेर; झेर; द्वेष [बदलो
वैरशुद्धि स्त्री०[सं.] वेर लेवुं ते; वेरनो
वैयाकरण पुं०[सं.] व्याकरण-शास्त्री
वैरागी पुं० वैराग्यवाळो (२) एक जातनो साधु
वैराग्य पुं० [सं.] वैराग; विरक्ति
वैरि,–री पुं० [सं.] वैरी; शत्रु
वैवाहिक वि०[सं.] विवाह संबंधी (२) पुं० ससरो
वैशाख पुं० [सं.] वैशाख मास
वैशेषिक पुं०[सं.] छमांनुं एक दर्शनशास्त्र
वैश्य पुं० [सं.] चारमांनो एक वर्ण
वैश्वानर पुं० [सं.] अग्नि
वैषम्य पुं० [सं.] विषमता; असमानता
वैष्णव पुं० [सं.] विष्णुपंथी
वैसा वि० तेवुं; ते जातनुं. **–से** अ० तेम; ते रीते [मतदार
वोट पुं० [इं.] मत. ०दाता, ०र पुं०
व्यंग,–ग्य पुं० [सं.] कटाक्ष
व्यंजन पुं०[सं.] क, ख इ० अक्षर (२) निशानी (३) खानपाननी वानी के शाक अथाणुं चटणी इ०
व्यंजना स्त्री०[सं.] प्रगट करवानी शक्ति
व्यक्त वि० [सं.] प्रगट
व्यक्ति पुं० [सं.] जण; कोई एक (२) कोई व्यक्त पदार्थ [लीन; उद्यमी
व्यग्र वि० [सं.] व्याकुल (२) काममां
व्यजन पुं० [सं.] वींजणो; पंखो
व्यतिक्रम पुं०[सं.] ऊलटो क्रम (२) विघ्न
व्यतिरिक्त अ० सिवाय, 'अलावा' (२) वि० [सं.] भिन्न; सिवायनुं
व्यतिरेक पुं०[सं.] अतिरेक; वृद्धि (२) भेद; जुदाई; ऊलटापणुं
व्यतीत वि० [सं.] वीतेलुं; गत
व्यतीपात पुं० [सं.] भारे उत्पात (२) ज्योतिषमां एक खास योग
व्यथा स्त्री० [सं.] पीडा; दुःख
व्यथित वि०[सं.] दुःखी; व्यथा पामेलुं
व्यभिचार पुं०[सं.] दुराचार; छिनाळवुं. **–री** वि० व्यभिचार करनार

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

व्यय पुं० [सं.] खपत; खर्च
व्यर्थ वि० [सं.] नकामुं; फोगट
व्यलीक वि० [सं.] अप्रिय (२) दुःखद (३) पुं० अपराध (४) दुःख
व्यवधान पुं०[सं.] आंतरो; पडदो (२) अलग पडवुं ते; विच्छेद (३) अंत
व्यवसाय पुं०[सं.] धंधो; रोजगार (२) अभिप्राय;मतलब. **–यी** वि० धंधावाळुं
व्यवस्था स्त्री०[सं.] प्रबंध; गोठवण (२) नियम
व्यवस्थापक पुं० [सं.] व्यवस्थानुं काम [करनार; मॅनेजर
व्यवस्थित वि० [सं.] व्यवस्थावाळुं; नियमित
व्यवहार पुं० [सं.] वर्तन (२) धंधो रोजगार (३) प्रथा; रिवाज (४) केस; मुकद्दमो
व्यष्टि स्त्री०[सं.] एकल व्यक्ति (ऊलटुं–[समष्टि)
व्यसन पुं०[सं.] दुःख; विपत्ति (२) टेव; शोख (३) कुटेव (४) विषयासक्ति. **–नी** वि० व्यसनवाळुं
व्यस्त वि० [सं.] जुओ 'व्यग्र'
व्याकरण पुं० [सं.] भाषाना शब्दो वगेरेना नियमनी विद्या
व्याकुल वि० [सं.] व्यग्र; गभरायेलुं
व्याख्या स्त्री०[सं.] स्पष्टीकरण; टीका
व्याख्याता पुं०[सं.] व्याख्यान करनार
व्याख्यान पुं० [सं.] भाषण; विवेचन
व्याघात पुं०[सं.] विघ्न (२) घा; प्रहार
व्याघ्र पुं० [सं.] वाघ
व्याज पुं० [सं.] छळ; कपट (२) ढील; वार (२) मूडीनुं व्याज
व्याध पुं०[सं.] शिकारी (२) वि० दुष्ट
व्याधि स्त्री०[सं.] रोग; बीमारी (२) पंचात; झंझट
व्यापक वि० [सं.] फेलायेलुं
व्यापना स०क्रि० व्यापवुं; प्रसरवुं; फेलावुं
व्यापार पुं० [सं.] काम; धंधो (२) वेपार; रोजगार
व्यापारी पुं०[सं.] वेपारी; सोदागर (२) वि० व्यापार संबंधी
व्याप्त वि०[सं.] व्यापेलुं; प्रसरेलुं. **–प्ति** स्त्री० प्रसार; फेलावुं ते
व्यायाम पुं० [सं.] कसरत
व्याल पुं०[सं.] साप (२) वाघ (३) वि० [दुष्ट
व्यालू स्त्री०; पुं० वाळु
व्यावहारिक वि० [सं.] व्यवहारनुं के ते विषेनुं (२) वहेवारु
व्यासंग पुं० [सं.] अति संग; व्यसन
व्याहार पुं० [सं.] वाक्य
व्युत्पत्ति स्त्री० [सं.] भाषाना शब्दोनो ऊगम के तेनी विद्या
व्युत्पन्न वि० [सं.] विद्वान; पंडित
व्यूह पुं०[सं.] वृंद; समूह (२) सेनानी खास रचना–मोरचो (३) परिणाम
व्योम पुं० [सं.] आकाश (२) वादळ
व्रज पुं०[सं.] जवुं ते (२) समूह; टोळुं (३) व्रज प्रदेश
व्रज्या स्त्री०[सं.] फरवुं ते (२) रणभूमि [(३) हुमलो
व्रण पुं० [सं.] घा; जखम
व्रत पुं० [सं.] आचारनो नियम (२) [उपवास
व्रतिक, व्रती, व्रत्य पुं० [सं.] व्रतवाळो; व्रतधारी (२) ब्रह्मचारी
व्रीड़ा स्त्री० [सं.] लज्जा; शरम
व्रीहि स्त्री० [सं.] चोखा; डांगर

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

श

शंकना अ०क्रि० (प.) शंका करवी
शंकर पुं० [सं.] महादेव; शिव
शंका स्त्री० [सं.] संशय; डर. –कित वि० शंकावाळुं
शंकु पुं०[सं.] खीली; खूंटी (२) शंकु आकार
शंख पुं० [सं.] शंखलो. –फूँकना = जाहेर करवुं. –बजना = जीत थवी. –बजाना = राजी थवुं (फाववाथी)
शंजरफ़ पुं०[फा.] 'शिंगरफ़'; हिंगळोक
शंठ पुं० शंढ; हीजडो (२) बेवकूफ
शंड(–ढ) पुं०[सं.] शंढ; नपुंसक(२)सांढ
शंबर पुं० [सं.] युद्ध
शंभु पुं० [सं.] शिव
शअबान पुं०[अ.] शाबान; अरबी ८मो [मास
शऊर पुं०[अ.] शहूर; अकल; आवडत (२) काम करवानी रीत, पहोंच
शऊरदार वि० शहूरवाळुं; काबेल
शकट पुं०[सं.] गाडुं (२) भार; बोजो
शकर स्त्री० [फा.] 'शक्कर'; खांड
शकरक़ंद पुं० शकरियुं
शकरपारा, –ला पुं० शकरपारो, एक वानी (२) एक फळ
शकररंजी स्त्री० मीठो झघडो; प्रेम- [कलह
शकल स्त्री० [अ. शक्ल] सिकल; चहेरो; रूप (२) उपाय; रस्तो
शकाब्द पुं० [सं.] शालिवाहनो शक संवत
शकील वि० [फा.] रूपाळुं; सुंदर [सिकलवाळुं
शकुंत पुं० [सं.] पक्षी
शकुन पुं०[सं.] शुकन; शुभ घडी(२)पक्षी. –देखना, –विचारना = शुकन जोवा
शकुनि पुं०[सं.]पक्षी(२)दुर्योधननो मामो
शक़्क़ पुं० [अ.] चीरो; फाट
शक्कर स्त्री० खांड
शक्की वि० शकवाळुं; शंकाशील
शक्त पुं० [सं.] सशक्त; समर्थ
शक्ति स्त्री०[सं.] बळ; ताकात (२) देवी
शक्तु पुं० [सं.] सक्तु; साथवो
शक्य वि०[सं.] बनी शके एवुं; संभवित
शक्र पुं० [सं.] इंद्र
शक्ल स्त्री० [अ०] जुओ 'शकल'
शख़्स पुं०[अ.] शखस; माणस; व्यक्ति
शख़्सियत स्त्री० [अ.] व्यक्तित्व
शख़्सी वि०[अ.] एक जणनुं; व्यक्तिगत
शग़ल पुं० [अ. शग़्ल] वेपार; कामधंधो (२) विनोद; मनोरंजन
शग़ाल पुं० [अ.] शृगाल; शियाळ
शगुन पुं० शुकन (२) सगाई थयानो चांल्लो इ० करवानो विधि. –लेना = शुकन जोवा
शगुनियाँ पुं० शुकन जोई खानार साधारण जोषी
शगुफ़्ता वि० [फा.] खीलेलुं; प्रफुल्ल (नाम, –फ़्तगी)
शगून, शगूनियाँ जुओ 'शगुन, शगुनियाँ'
शगूफ़ा पुं० कळी (२) फूल (३) विलक्षण कोई नवी घटना
शचि, –ची स्त्री० [सं.] इंद्राणी
शजर(–रा) पुं० [अ.] वृक्ष; झाड

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

शजरा पुं० [अ.] वृक्ष (२) वंशवृक्ष (३) तलाटीनो खेतरोनो नकशो
शठ पुं०[सं.] पाको, खंधो लुच्चो माणस
शण(–न) पुं० शण; 'सन'
शत वि० [सं.] सो; १०० [(२) सैकुं
शतक पुं० [सं.] सोनो समूह; सेंकडो
शतधा अ०[सं.] सो रीते; सेंकडो प्रकारे
शतरंज स्त्री० [फा.] शेतरंज
शतरंजी स्त्री० [फा.] शेतरंजी (२) शेतरंज रमवानां खानांनुं कपडुं (३) पुं० सरस शेतरंज रमी जाणनार
शताब्दी स्त्री०[सं.] सैकुं; सो वरस
शतायु वि०[सं.] सो वरसनुं; चिरंजीव
शतावधान पुं० [सं.] सो अवधान के तेनी शक्तिवाळो माणस. **–नी** पुं० तेवो माणस (२) स्त्री० शतावधाननुं काम के शक्ति
शत्रु पुं० [सं.] दुश्मन; सामेवाळो
शदीद वि० [अ.] भारे; खूब; सखत
शद्द पुं०[अ.] जोर; भार (२) 'तशदीद'– अक्षरनुं द्वित्व. **०व मद, –द्दो मद** पुं० ठाठमाठ; धामधूम
शद्दा पुं० [अ.] तावूतनो झंडो
शनवा वि०[फा.] सांभळनार; सुणनार. **०ई** स्त्री० सुनावणी [परिचय
शनाख़्त स्त्री० [फा. शिनाख़्त] पिछान;
शनास वि० [फा. शिनास] पिछाननार (समासने अंते). **–सा** वि० पिछाननार. **–साई** स्त्री० पिछान
शनि पुं०[सं.] एक ग्रह (२) एक वार के दिवस (३) कमनसीब
शनैः अ० [सं.] धीमे
शपथ पुं० [सं.] सोगन
शफ़क़ स्त्री० [अ.] संध्या के उषानी लाली. **–का टुकड़ा**=खूब सुंदर. **–फूलना**=ए लाली फेलावी
शफ़क़त स्त्री० [अ.] कृपा; महेरबानी
शफ़ा स्त्री० [अ. शिफ़ा] तंदुरस्ती; आरोग्य. **०ख़ाना** पुं० दवाखानुं
शफ़ी वि० [अ. शफ़ीअ] वच्चे पडी पतावट करनार
शफ़ीक़ वि० [अ.] दयाळु; महेरबान
शफ़्फ़ाक़ वि०[अ.] स्वच्छ (२) पारदर्शक
शब स्त्री० [फा.] रात [–री)
शब-कोर वि० [फा.] रतांधळुं (नाम,
शबनम स्त्री०[फा.] झाकळ; ओस (२) पातळा बारीक मलमलनी एक जात
शबनमी स्त्री० [फा.] मच्छरदानी
शब-बरात स्त्री० [फा.] एक इस्लामी तहेवार [खूबसूरती
शबाब पुं० [अ.] यौवन; जुवानी (२)
शबाहत स्त्री० [अ.] सूरत; सिकल
शबिस्तान पुं० [फा.] सूवानो ओरडो; अंतःपुर
शबीना वि०[फा.] राततुं; वासी (२) पुं० रातमां पूरुं करवानुं काम, दा०त० कुराननो पाठ
शबीह स्त्री० [अ.] चित्र; छबी
शबेक़द्र स्त्री० [फा.+अ.] रमजान मासनी २७मी तारीखनी रात (एम मनाय छे के त्यारे खुदा जुए छे के कोण मारी बंदगी करे छे)
शबे-तार, शबे-तारीक स्त्री० [फा.] अंधारी रात [चांदनी रात
शबे-माह, शबे-माहताब स्त्री० [फा.]
शबोरोज़ अ०[फा.] रातदिवस; हरदम
शब्द पुं०[सं.] अवाज; ध्वनि (२) शब्द; वचन; बोल; वाणी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

शब्बीर वि० [फा. ?] नेक; भलुं (२) सुंदर; खूबसूरत
शम पुं०[सं.] शांति; शमवुं के शमाववुं ते (२) मननो संयम
शमन पुं० [सं.] शमवुं–शमाववुं ते
शमबा पुं० जुओ 'शम्बा'
शमला पुं०[अ.] पाघडी के फेंटानो तलो
शमशेर स्त्री० [फा.] तलवार
शमस पुं० जुओ 'शम्स'. **–सी** वि० जुओ 'शम्सी'
शमा स्त्री० [अ. शमअ] मीणवत्ती (२) दीवो. **०दान** पुं० दीवी
शमी स्त्री० [सं.] समडानुं झाड
शम्बा पुं० [फा.] शनिवार
शम्मा वि० [अ.] जराक; 'तनिक' (२) पुं० मृदु-जरा सुवास
शम्स पुं०[अ.] सूर्य. **–म्सी** वि० सौर; सूर्य संबंधी [जुओ 'शैतानी'
शयतान पुं० जुओ 'शैतान'. **–नी** वि०
शयन पुं०[सं.] सूवुं ते (२) शय्या; पथारी
शय्या स्त्री० [सं.] पथारी (२) पलंग
शर पुं०; स्त्री० [अ.] दुष्टता (२) पुं० [सं.] बाण
शरअ स्त्री०[अ.] शर; कुराननी आज्ञा (२) मुसलमाननुं धर्मशास्त्र (३) दीन; मजहब
शरई वि०[अ.] शर–धर्मशास्त्र प्रमाणेनुं (२) धर्मने अनुसरी चालनार
शरक़ी वि० जुओ 'शर्क़ी'
शरण स्त्री०[सं.] आशरो; ओथ; शरण
शरणागत वि० [सं.] शरणे आवेलुं
शरणार्थी वि० [सं.] शरण चाहतुं
शरण्य वि० [सं.] शरणदाता
शरत्, –द् स्त्री० [सं.] शरद ऋतु
शरफ़ पुं०[अ.] मोटाई (२) उत्तमता (३) मान; महत्ता
शरबत पुं०[अ.] ठंडुं मीठुं एक पीणुं
शरबती वि० आछा पीळा रंगनुं (२) रसदार (३) पुं० एक जातनुं लींबु के मलमल
शरम स्त्री०[फा.] 'शर्म'; लाज; मर्यादा. **–से गड़ना या पानी पानी हो जाना=** शरमना मार्या मरी जवुं; खूब शरमावुं
शरमसार वि०[फा.] शरमाळ; शर्मिंदुं
शरमाऊ(-लू) वि० शरमाळ
शरमाना अ०क्रि० शरमावुं; संकोच पामवुं (२) स०क्रि० शरमाववुं
शरमाशरमी अ० शरमे शरमे; शरमथी
शर्मिंदा वि०[फा.] शर्मिंदुं; शरमायेलुं. **–दगी** स्त्री० शरमाळपणुं; लाज
शरमीला वि० शरमाळु
शरर पुं० [अ.] चिनगारी
शरह स्त्री०[अ.] टीका; भाष्य; स्पष्टीकरण (२) भाव; दर
शरह-लगान स्त्री० 'लगान' नो दर; विघोटी
शराकत स्त्री० [फा.] शरीक थवुं ते; हिस्सेदारी; सामेलगीरी; सहयोग
शरा(-र्रा)टा पुं० सुसवाट (हवानो) (२) मोटो अवाज
शराफ़त स्त्री० [अ.] शरीफपणुं; भलमनसाई; सुजनता
शराब स्त्री० [अ.] दारू. **–खींचना, –ढालना, –पीना=**दारू ढींचवो–पीवो
शराबख़ाना पुं० [फा.] दारूनुं पीठुं
शराबख़ोर, शराबख़्वार, शराबी पुं० दारूडियो [दारूनी लत
शराबख़ोरी, शराबख़्वारी स्त्री० [फा.]

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

शराबोर वि०[फा.] तरबोळ; बिलकुल पलळीने लदबद थयेलुं
शरायत स्त्री०[अ. शर्तनुं ब०व०] शरतो
शरार पुं० [अ.] 'शरर'; चिनगारी
शरारत स्त्री० [अ.] दुष्टता; 'शर'
शरारतन् अ० [अ.] दुष्टताथी
शरारा पुं० [अ.] चिनगारी
शरासन पुं० [सं.] धनुष
शरीअत स्त्री० [अ.] शरियत; 'शरअ'
शरीक वि० [अ.] सामेल (२) पुं० भागीदार (३) मददगार
शरीफ़ पुं० [अ.] खानदान के भलो माणस (२) वि० पवित्र (माणस)
शरीफ़ा पुं० सीताफळ के सीताफळी
शरीर वि० [अ.] दुष्ट; शरारतवाळुं (२) पुं० [सं.] शरीर; देह [शरीरधारी
शरीरी पुं० [सं.] देही; आत्मा (२) वि०
शर्क़ पुं०[अ.] सूर्योदय (२) पूर्व दिशा
शर्करा स्त्री० [सं.] साकर
शर्क़ी वि० [फा.] पूर्वनुं
शर्ट स्त्री० [इं.] खमीश
शर्त स्त्री०[अ.] शरत; होड. **–बदना, –बाँधना** = शरत मारवी
शर्तबंद वि० [फा.] शरतथी बंधायेलुं
शर्तिया अ० [अ.] शरत साथे; नक्की (२) वि० निश्चित
शर्ती वि० शरती; शरतवाळुं
शर्फ़ पुं० [अ.] जुओ 'शरफ़'
शर्बत,–ती जुओ अनुक्रमे 'शरबत,–ती'
शर्म स्त्री० [फा.] जुओ 'शरम'
शर्मसार वि० [फा.] शरमाळ (२)शर्मिंदुं
शर्माऊ,–लू वि० जुओ 'शरमाऊ,–लू'
शर्माशर्मी अ० जुओ 'शरमाशरमी'
शर्मिंदा वि०, **–दगी** स्त्री० जुओ अनुक्रमे 'शरमिंदा,–दगी'
शर्मीला वि० जुओ 'शरमीला'
शर्राटा पुं० जुओ 'शराटा'
शर्व पुं० [सं.] शिव के विष्णु
शर्वरी स्त्री० [सं.] रात्रि (२) सांज (३) स्त्री
शलग़म, शलजम पुं० [फा.] सलगम; गाजर जेवुं एक कंद
शलभ पुं० [सं.] तीड (२) पतंगियुं
शलाका स्त्री०[सं.] सळियो (२) तीर (३) हाडकुं [जातनो कबजो
शलूका पुं० [फा.] (स्त्रीओनो) एक
शल्य पुं० [सं.] नस्तर; वाढकाप (२) एक जातनुं बाण
शव पुं० [सं.] शब; मडदुं [छ; ६
शश पुं०[सं.] ससलुं (२) वि० [फा.]
शशक पुं० [सं.] शश; ससलुं
शशदर पुं०[फा.] छ बाजूओ (२) वि० चकित; दिग
शशधर पुं० [सं.] चंद्र
शश-माही वि० [फा.] छमासिक
शश-व-पंज पुं०[फा.] जुओ 'शशो-पंज'
शशांक पुं० [सं.] चंद्रमा
शशा पुं० शश; ससलुं
शशि,–शी पुं० [सं.] चंद्र
शशो-पंज पुं०[फा.] 'शश-व-पंज'; छक्को-पंजो; जूगटुं (२) गडमथल; विमासण
शस्त स्त्री० जुओ 'शिस्त'
शस्त्र पुं०[सं.] हथियार. ०**क्रिया** स्त्री० वाढकाप; नस्तर [जगा
शस्त्रागार पुं० [सं.] शस्त्रो राखवानी
शस्य पुं० [सं.] घास, फळ, फूल इ० (२) अनाज (३) फसल; पाक
शहंशाह पुं० [फा.] शहेनशाह

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

शह पुं० [फा.] शाह; बादशाह (२) वरराजा (३) वि० श्रेष्ठ; उत्तम (४) स्त्री० शेह; प्रभाव
शहजादा पुं०[फा.] शाहजादो; राजकुंवर
शहजोर वि० [फा.] बळवान
शहतीर पुं० [फा.] लांबो पाटडो
शहतूत पुं०[फा.] एक फळझाड–शेतूर
शहद पुं०[अ.] मध. **–लगाकर चाटना** = मध मूकीने चाटवुं
शहना पुं० [अ.] कोटवाळ (२) खेती-वाडीनो रखेवाळ
शहनाई स्त्री० [फा.] शरणाई; नफेरी
शहबाला पुं० [फा.] वर जोडे जतो नानो छोकरो
शहमात स्त्री०[फा.] शेहमात करवुं ते
शहर पुं० [फा.] शहेर; नगर
शहर-पनाह स्त्री०[फा.] कोट; शहेर-कोट
शहर-बदर वि० [फा.] शहेर बहार काढेलुं; बहिष्कृत
शहरयार पुं०[फा.] एक मोटो बादशाह (२) शहेरनो रक्षक ने सहायक
शहराती वि० शहेरी [शहेरीपणुं
शहरियत स्त्री० [फा.] नागरिकता;
शहरी वि० [फा.] शहेरी; नागरिक
शहवत स्त्री०[अ.] शहेवत; कामातुरता
शहादत स्त्री०[अ.] साक्षी (२) साबिती (३) साक्षी थवुं ते (४) शहीदी
शहाना वि०[फा.] शाही; राजवी (२) उत्तम (३) पुं० एक राग
शहाब पुं० [फा.] एक जातनो घेरो लाल रंग (वि० **–बी**)
शहीद पुं०[अ.] धर्म अर्थे प्राण आपनार
शांकर वि०[सं.] शंकर संबंधी
शांत वि०[सं.] चूप; मूगुं (२) स्थिर; अचंचल (३) ढीलुं; थाकेलुं (४) तृप्त; संतुष्ट; ठंडी प्रकृतिवाळुं
शांति स्त्री० [सं.] शांतता
शाइस्तगी स्त्री० [फा.] शिष्टता; सभ्यता (२) सारमाणसाई
शाइस्ता वि०[फा.] शिष्ट; सभ्य (२) भलुं; नम्र
शाक पुं० [सं.] 'साग'; शाकभाजी
शाक़(–क़ा) वि०[अ.] कठण; मुश्केल (२) असह्य [एक शाखा
शाकल पुं०[सं.] टुकडो (२) ऋग्वेदनी
शाकाहार पुं० [सं.] मांसनो नहि, शाकपान अनाजनो आहार. **–री** वि० ते ज आहार करनार के ते विषेनुं
शाकिर वि०[अ.] कृतज्ञ (२) संतोषी
शाकी वि०[अ.]फरियादी(२)चुगलीखोर
शाक्त वि० [सं.] शक्ति संबंधी (२) पुं० शक्ति-पूजक
शाख़ स्त्री० [फा.] शाखा (२) शींग. **–निकालना** = दोष काढवो (२) एक-मांथी बीजुं काम काढवुं
शाख़दार वि०[फा.] शाखा के शींगवाळुं
शाख़-साना पुं० अणबनाव के झघडो या पंचात (२) शक; संदेह (३) कलंक; एब
शाखा स्त्री० [सं.] डाळी (२) अंग; विभाग; फांटो
शाखामृग पुं० [सं.] वानर
शाखी पुं०[सं.] झाड (२) वि० शाखा-वाळुं; शाखानुं [**–र्दी** स्त्री०)
शागिर्द पुं०[फा.] शिष्य; चेलो (नाम,
शाज़ वि० [अ.] विलक्षण; अनोखुं
शाज़-व-नादिर अ० [अ.] कदी कदी; क्यारेक क्यारेक [कसोटीनो पथ्थर
शाण पुं०[सं.] जुओ 'सान'; सल्ली (२)

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

शातिर वि० [अ.] दक्ष; निपुण (२) पुं० शेतरंज रमी जाणनार

शाद वि०[फा.] खुश; राजी (२) पूर्ण; भरेलुं [शाबाश

शाद-बाश अ० [फा.] राजी रहो (२)

शादमान वि० [फा.] राजी; खुश

शादाब वि० [फा.] भर्युंभादर्युं

शादियाना पुं० [फा.] खुशीनां वाजां वागे ते (२) मुबारकबादी के तेने अंगे अपाती भेट [लग्न

शादी स्त्री० [फा.] खुशी; आनंद (२)

शाद्वल वि०[सं.] हरियाळुं; लीलुं (२) पुं० लीलुं घास

शान स्त्री०[अ.] ठाठमाठ; भपको; छटा (२) भव्यता (३) शक्ति; वैभव (४) प्रतिष्ठा. (किसीकी) **शानमें** = कोई मोटाना संबंधमां

शानदार वि० [फा.] भव्य; भभकदार 'शान'वाळुं [भपको; ठाठ

शान-शौक़त स्त्री० [अ.] शानसोगात;

शाना पुं०[फा.] कंधो;खभो (२) कांसकी

शाप पुं० [सं.] श्राप; वददुवा

शापित वि० [सं.] शाप पामेलुं

शाफ़ा पुं० [फा.] दवावाळी दिवेट के बत्ती, घामां मुकाय छे ते

शाफ़ी वि० [फा.] 'शफ़ा'–आरोग्य आपनारुं [आधेड वयनो पुरुष

शाब पुं० [अ.] २४थी ४० उंमरनो–

शाबाश अ० [फा.] धन्य ! वाह !

शाब्द,–ब्दिक,–ब्दी वि० [सं.] शब्द संबंधी (२) शब्दोमां कहेलुं; मौखिक

शाम स्त्री०[फा.] सांज (२) अंतकाळ (३) पुं० सीरिया देश. **–का फूलना** = संध्यानी लाली फेलावी. **–की सुबह करना** = आखी रात जागवुं. **–सुबह करना** = सवारनी सांज करवी–टाळवुं; ढील करवी

शामत स्त्री०[अ.] कमनसीब (२) दुर्दशा (३) आफत; विपत्ति. **–का घेरा** या **मारा** = दुर्दशामां सपडानार–आवेलुं

शामत-ज़दा वि० [फा.] कमनसीब; अभागियुं

शामती वि० कमनसीब [तंबू

शामियाना पुं०[फा.] शमियानो; मोटो

शामिल वि० [फा.] सामेल; साथे मळेलुं. ०**हाल** वि० सुखदु:खनुं साथी

शामी स्त्री० दस्ता के हाथाने छेडे पहेरावाती खोळी (२) वि० सीरिया देशनुं. ०**कबाब** एक जातनो कबाब–मांसनी वानी

शाम्मा पुं० [अ.] सूंघवानी शक्ति

शायक पुं०[सं.] सायक; बाण (२) तलवार

शायक़ वि० [अ.] शोखीन

शायद अ० [फा.] कदाच

शायर पुं० [अ. शाइर] कवि. **–रा** स्त्री० स्त्री-कवि. **–री** स्त्री० कविता

शाया वि० [अ.] प्रगट; जाहेर (२) छपावेलुं; प्रकाशित [पोढनार

शायी वि०[सं.] (समासमां अंते) सूनार;

शारंग पुं० [सं.] सारंग

शारंगी स्त्री० [सं.] सारंगी

शारद वि० [सं.] शरद ऋतु संबंधी (२) पुं० वर्ष (३) वादळ

शारदा स्त्री०[सं.] विद्यादेवी; सरस्वती

शारदी,०**य** वि० [सं.] शरद संबंधी

शारिका स्त्री० [सं.] मेना

शारीर,–रिक वि०[सं.] शरीर संबंधी

शार्दूल पुं० [सं.] सिंह (२) वाघ

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

शाल पुं० [सं.] सालनुं झाड (२) स्त्री० [फ़ा.] ओढवानी शाल [करनार
शालदोज़ पुं०[फा.] शाल पर भरतकाम
शालबाफ़ पुं०[फा.] शाल वणनार (२) एक जातनुं रेशमी वस्त्र. **–फ़ी** स्त्री० शालनुं वणाटकाम [स्थान; जगा
शाला स्त्री०[सं.] शाळा; निशाळ (२)
शालि पुं० [सं.] डांगर [सदाचारी
शालीन वि०[सं.] नम्र;विवेकी(२)शिष्ट;
शावक पुं० [सं.] पशुनुं बच्चुं
शाश्वत वि० [सं.] नित्य; सनातन
शासक पुं० [सं.] हाकेम; राज्यकर्ता
शासन पुं० [सं.] राज्य; हकूमत (२) शास्त्र; आज्ञा (३) दंड; सजा
शासित वि० [सं.] शासन पामेलुं
शास्ति स्त्री० [सं.] शासन (२) शिक्षा
शास्त्र पुं० [सं.] धर्मशास्त्र (२) कोई विषयनुं प्रमाणवद्ध ज्ञान
शास्त्री पुं० [सं.] शास्त्र जाणनार
शास्त्रीय वि०[सं.] शास्त्र संबंधी (२) शास्त्रशुद्ध
शाहंशाह, शाहन्शाह पुं०[फा.] शहेनशाह
शाहंशाही स्त्री० शहेनशाहपणुं (२) शाहवट; चोख्खो वहेवार [बहु मोटुं
शाह पुं०[फा.] राजा; बादशाह (२)वि०
शाहज़ादा पुं०[फा.] शाहजादो; राजकुंवर. **–दी** स्त्री० राजकुंवरी
शाहराह पुं० [फा.] राजमार्ग
शाहाना वि० (२) पुं० जुओ 'शहाना'
शाहिद पुं०[अ.]शाहेद;साक्षी(नाम,**–दी**)
शाही वि०[फा.] बादशाही; बादशाहने लगतुं •
शिंगरफ़ पुं० हिंगळोक (वि० **–फ़ी**)
शिंबी स्त्री० [सं.] शिंग; फळी
शिंबी धान्य पुं० [सं.] द्विदळ; दाळ
शिकंजा पुं० [फा.] सकंजो. **शिकंजेमें खिंचवाना** = खूब कष्ट देवडाववुं
शिकन स्त्री०[फा.] दबावाथी के बीजी रीते पडती गडी
शिकम पुं०[फा.] पेट (२) अंदरनो भाग
शिकमी वि० [फा.] पेटनुं (२) पेटा; अंदरनुं. **०काश्तकार** पुं०[फा.] सांथियो
शिकरा पुं० [फा.] शकरो बाज
शिकवा पुं० [अ.] शिकायत; फरियाद
शिकस्त स्त्री० [फा.] हार; पराजय. **–खाना** = हार खावी; हारवुं. **–देना** = हराववुं
शिकस्ता वि०[फा.] तूटचुं-फूटचुं; भागलुं (२) घसडी नांखेलुं (लखाण). **–स्तगी** स्त्री० तूटचुं-फूटचुं होवुं ते
शिकायत स्त्री० [अ.] फरियाद (२) चाडीचुगली (३) रोग; बीमारी
शिकायती वि० 'शिकायत' करनार (२) जेमां 'शिकायत' होय तेवुं
शिकार पुं० [फा.] पशुपंखी खेलमां मारवां ते; मृगया (२) शिकारनुं पशुपंखी (३) भक्ष; भोग
शिकारी पुं०; वि० शिकार करनार
शिकेब पुं० [फा.] संतोष
शिक्षक पुं० [सं.] भणावनार; मास्तर
शिक्षण पुं०[सं.] भणतर; केळवणी (२) भणाववुं ते; अध्यापन [पाठ; सजा
शिक्षा स्त्री० [सं.] शिक्षण (२) बोध;
शिक्षार्थी पुं० [सं.] विद्यार्थी
शिक्षित वि० [सं.] केळवायेलुं; भणेलुं
शिखंड पुं०[सं.] मोरनुं पींछुं (२) शिखा
शिखंडी पुं० [सं.] मोर (२) बाण
शिखर पुं० [सं.] टोच; शृंग

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

शिखरन स्त्री० दहीं खांड इ०नुं एक पेय
शिखा स्त्री० [सं.] चोटली; 'शिखंड'
शिखी पुं० [सं.] जुओ 'शिखंडी'
शिगाफ़ पुं० [फा.] चीरो; नस्तर (२) फाट (३) काणुं; छेद
शिगुफ़्ता वि०, **शिगूफ़ा** पुं० जुओ अनुक्रमे 'शगुफ़्ता', 'शगूफ़ा'
शित वि० [सं.] क्षीण; दूबळुं (२) धारदार; तेज [तरत
शिताब अ० [फा.] सितावीथी; जलदी;
शिताबदार वि० उतावळुं
शिताबी स्त्री० [फा.] उतावळ
शिथिल वि०[सं.] ढीलुं; पोचुं (२) धीमुं; मंद (३) आळसु (४) थाकेलुं
शिद्दत स्त्री० [अ.] तेजी; जोर (२) अधिकता [पारख
शिनाख़्त स्त्री०[फा.] जुओ 'शनाख़्त';
शिनास(-सा) वि०[फा.] जुओ 'शनास'
शिफर पुं० [फा. सिपर] ढाल
शिर पुं०[सं.] माथुं (२) मथाळुं (३) शिखर ['शराकत'; भागीदारी
शिरकत, शिराकत स्त्री० [अ.] जुओ
शिरहन पुं० ओशीकुं
शिरा स्त्री०[सं.] लोहीनी नस; नाडी
शिराकत स्त्री० जुओ 'शिरकत'
शिरीष पुं०[सं.] एक वृक्ष के तेनुं फूल
शिरोधार्य वि०[सं.] माथे चडाववा जेवुं; पूज्य; मान्य
शिरोमणि पुं० [सं.] श्रेष्ठ व्यक्ति
शिरोज,–रुह पुं० [सं.] माथाना वाळ
शिर्क पुं० [अ.] ईश्वर जेवुं बीजाने मानवुं ए पाप (इस्लाममां)
शिला स्त्री०[सं.] पथ्थरनी छाट; पथरो
शिलाजित पुं०;स्त्री० शिलाजित औषधि
शिलालेख पुं०[सं.] पथ्थर पर कोतरेलो लेख [एक सिक्को
शिलिंग पुं० [इं.] विलायती नाणानो
शिलीमुख पुं० [सं.] भमरो (२) बाण (३) मूर्ख (४) युद्ध
शिल्प पुं० [सं.] हुन्नरकळा; कारीगरी. **०कार, –ल्पी** पुं० कारीगर
शिव पुं०[सं.] भलुं; कल्याण (२) शंकर
शिवरानी, शिवा, शिवानी स्त्री० पार्वती
शिवालय, शिवाला पुं० शिवालय; महादेव (२) मंदिर
शिविका स्त्री० [सं.] डोळी; पालखी
शिविर पुं०[सं.] शिबिर; छावणी; डेरो (२) कोट; किल्लो
शिशिर पुं० [सं.] ठंडी के तेनी ऋतु; शियाळो. **०कर** पुं० चंद्रमा
शिशु पुं० [सं.] बाळक; बच्चुं
शिश्न पुं० [सं.] पुरुषनी गुह्येंद्रिय
शिष्ट वि०[सं.] सभ्य; सुशील. **०मंडल** पुं० प्रतिनिधि-मंडळ; डेप्युटेशन
शिष्टाचार पुं० [सं.] शिष्ट ने उचित के सभ्य गणातो आचार
शिष्य पुं० [सं.] चेलो (२) विद्यार्थी
शिस्त पुं० नियमबद्ध वर्तन;'डिसिप्लिन'
शिस्त स्त्री०[फा.] माछली पकडवानो कांटो (२) निशान; लक्ष्य
शिहाब पुं०[अ.] ज्वाळा(२)खरतो तारो
शीआ(–या) पुं० [अ.] मुसलमानोनो शिया संप्रदाय
शीकर पुं०[सं.] सीकर; पाणीनी फरफर
शीघ्र वि० [सं.] तरत; जलदी; झडपी
शीत वि०[सं.] ठंडुं (२) पुं० शियाळो **०कर** पुं० चंद्र
शीतल वि० [सं.] शीतळ; ठंडुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

शीतला स्त्री० [सं.] शीतळा; बळिया
शीर पुं०[फा.] दूध; क्षीर. **–व-शकर**= दूध अने साकर पेठे खूब मळेलुं
शीर-खिश्त स्त्री० [फा.] एक युनानी दवा–रेच
शीरखोर(–रा), शीरख़्वार [फा.] वि० दूध पीतुं–धावणुं (बाळक)
शीर-गर्म वि० [फा.] साधारण गरम; कोकरवायुं
शीर-बिरंज स्त्री०[फा.] खीर; दूधपाक
शीरमाल स्त्री० [फा.] एक जातनी खमीरनी रोटी
शीरा पुं० [फा.] शरबत (२) चासणी
शीराज़ा पुं०[फा.] पुस्तकनी बांधणीनी पट्टी के त्यांनुं सीवण(२)व्यवस्था; प्रबंध
शीरीं वि० [फा.] शीरीन; मीठुं (२) प्यारुं
शीरीनी स्त्री०[फा.] मीठाश (२) मीठाई
शीर्ण वि० [सं.] तूटेलुं फूटेलुं; जीर्ण
शीर्ष पुं० [सं.] शिर; माथुं
शीर्षक पुं० [सं.] मथाळुं (२) माथुं
शील पुं० [सं.] वर्तन; चारित्र्य (२) स्वभाव; प्रकृति
शीश पुं० माथुं
शीशम पुं० [फा.] सीसम
शीशमहल पुं० [फा.] काचथी जडेलो महेल. **–का कुत्ता**=पागल; गांडुं
शीशा पुं०[फा.] काच (२) दर्पण (३) काचनी बनेली वस्तु; शीशो. **०बाशा** वि० अति कोमळ, नाजुक
शीशी स्त्री० शीशी; बाटली. **–सुँघाना**= क्लॉरोफॉर्म आपवुं
शुंठि–ठी स्त्री० [सं.] सूंठ [मद
शुंड पुं० [सं.] हाथीनी सूंढ के तेने गळतो
शुंडा स्त्री० [सं.] सूंढ (२) शराब
शुंडी पुं० [सं.] हाथी (२) दारूवाळो
शुआअ स्त्री० [अ.] सूर्यकिरण
शुक पुं०[सं.] पोपट. **–की** स्त्री० मेना
शुकराना पुं०[फा.] शुक्राना; कृतज्ञता; आभार
शुकी स्त्री० [सं.] मेना
शुकोह पुं० [अ.] दबदबो; प्रताप
शुक़्क़ा पुं० [अ.] शाही फरमान
शुक्ति स्त्री० [सं.] छीप
शुक्र पुं० [सं.] शुक्र तारो के वार (२) वीर्य
शुक्र(–क्रिया) पुं० [फा.] आभार; 'धन्यवाद' [–री)
शुक्रगुज़ार वि० आभारी; कृतज्ञ (नाम,
शुक्रिया पुं० जुओ 'शुक्र'. **–अदा करना** =आभार मानवो
शुक्ल वि०[सं.] धोळुं; ऊजळुं (२) पुं० अजवाळियुं (३) चांदी (४) माखण
शुग़ल पुं० [अ.] जुओ 'शग़ल'
शुगु(–गू)न पुं० शुकन
शुग़ल पुं० [अ.] जुओ 'शुग़ल', 'शग़ल'
शुचि वि० [सं.] शुद्ध; पवित्र (२) साफ; चोख्खुं
शुजा,०अ वि० [अ.] वीर; बहादुर
शुजाअत स्त्री० [अ.] वीरता
शुतुर पुं० [फा.] उष्ट्र; ऊंट
शुदनी स्त्री०[फा.] भविष्यनी वात; भावी
शुदबुद स्त्री०[फा.] कोई विषयनुं थोडुंक ज्ञान के समज–सूधबूध
शुदा वि०[फा.] थई चूकेलुं; गयुंगुजयुं (२) थयेलुं (समासमां) उदा० 'तयशुदा'
शुद्ध वि० [सं.] चोख्खुं; साफ; निर्दोष
शुद्धि स्त्री० [सं.] चोख्खाई (२) साफ के पवित्र थवुं ते
शुफ़ा पुं० [अ.] पडोस

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

शुबहा पुं० [अ.] शक (२) वहेम; भ्रम
शुभ वि०(२)पुं०[सं.] सारुं; भलुं; कल्याण
शुभा पुं० जुओ 'शुबहा' (२) स्त्री०[सं.] शोभा
शुभ्र वि० [सं.] सफेद; धोळुं
शुमार पुं०[फा.] गणतरी; लेखुं; हिसाब (२) संख्या (३) शुमार; अंदाज
शुमाल स्त्री०; पुं०[अ.] उत्तर दिशा. **–ली** वि० उत्तरनुं
शुमूल वि० [अ.] पूरुं; कुल; बधुं
शुरू पुं० [अ.] शरूआत; आरंभ(२) ऊगम
शुल्क पुं० [सं.] मूल्य; फी
शुश्रूषा स्त्री०[सं.] सेवाचाकरी; बरदास
शुष्क वि० [सं.] सूकुं; नीरस; लूखुं
शुस्त-व-शू स्त्री०[फा.] नाहवुंधोवुं ते (२) धोई करी शुद्ध करवुं ते
शुस्ता वि० [फा.] धोयेलुं (२) स्वच्छ
शुहदा पुं० [अ.] बदमाश (२) गुंडो
शुहरत स्त्री० [अ.], **शुहरा** पुं० जुओ 'शोहरत', 'शोहरा'
शूकर पुं०[सं.] सूवर; भूंड; वराह
शूद्र पुं०[सं.] चोथो वर्ण के तेनो माणस
शून्य पुं०[सं.] मीडुं (२) आकाश (३) वि० खाली
शूप पुं० [सं. शूर्प] सूपडुं; 'सूप'
शूम वि० [अ.] खराब (२) अभागी (३) सूम; कंजूस
शूर,०वीर वि०[सं.] बहादुर; वीर
शूल पुं०[सं.] शूळ; कांटो (२) शूळी (३) पीडा; चूंक (४) त्रिशूळ
शूलपाणि पुं० [सं.] शिव
शूली पुं०[सं.] शिव (२) स्त्री० शूळी (३) शूळ; पीडा [(२) क्रम; श्रेणी
शृंखल पुं०, **–ला** स्त्री० [सं.] सांकळ; बेडी
शृंग पुं०[सं.] टोच; शिखर (२) शींगडुं
शृंगार पुं० [सं.] शणगार; सजावट
शृंगारना स०क्रि० शणगारवुं; सजवुं
शृंगारहाट स्त्री० वेश्यावाडो
शृंगारित वि०[सं.]शणगारेलुं; शृंगारवाळुं
शृंगारिया पुं० देवना शणगार सजनार (२) बहुरूपियो
शृगाल पुं० [सं.] शियाळ
शेख़ पुं० मुसलमाननी एक जात (२) पीर; इस्लामनो धर्माचार्य
शेख़चिल्ली पुं० [फा.] शेखचल्ली; मूर्ख
शेखर पुं०[सं.] शिखर; टोच (२) शीश; माथुं (३) मुगट
शेख़ी स्त्री० [फा.] बडाई; अभिमान; घमंड. **–बघारना, –मारना, –हाँकना** =शेखी मारवी [गप्पी
शेख़ीख़ोर, शेख़ीबाज़ वि०[फा.] घमंडी;
शेफ़्ता वि० [फा.] आसक्त; आशक (नाम, **–फ़्तगी**)
शेयर पुं० [इं.] शॅर (कंपनीनो)
शेर पुं० [फा.] वाघ (२) भारे बहादुर; साहसिक माणस. **०दिल** पुं० बहादुर
शेरनी स्त्री० वाघण
शेरपंजा पुं० वाघनखनुं शस्त्र
शेर-बबर पुं० [फा.] सिंह
शेरवानी स्त्री० उत्तर हिंदनी अमुक ढबनो कोट
शेवा पुं०[फा.] रीत; ढंग (२) दस्तूर; प्रथा
शेवाल पुं० सेवाळ; 'सेवार'
शेष पुं०[सं.] बाकी; बचत (२) शेषनाग (३) वि० बाकी रहेलुं
शै स्त्री०[अ.] चीज; वस्तु (२) भूतप्रेत
शैख़ पुं० [अ.] जुओ 'शेख़' (२) सरदार
शैतनत स्त्री० [अ.] शेतानियत

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

शैतान पुं० [अ.] शेतान (२) भूतप्रेत (३) दुष्ट माणस (४) क्रोध, खोटाई इ० दुर्गुण. **–का बच्चा**=नीच दुष्ट माणस. **–की आँत**=बहु लांबी वस्तु (नाम के वि०, **–नी**)

शैथिल्य पुं० [सं.] शिथिलता; ढीलाश

शैदा वि० [फा.] शयदा; आशक

शैल पुं०[सं.] पर्वत (२) वि० पथ्थरनुं (३) कठण. **०जा** स्त्री० पार्वती

शैली स्त्री० [सं.] ढब; रीत

शैलेन्द्र पुं० [सं.] हिमालय

शैलेय वि० [सं.] पथ्थरनुं (२) पहाडी

शैव वि०[सं.] शिव विषेनुं (२) पुं० शिवनो भक्त के तेना धर्मनो अनुयायी

शैवलिनी स्त्री० [सं.] नदी

शैवाल पुं० [सं.] सेवाळ

शैशव पुं० [सं.] बाळपण

शोक पुं० [सं.] खेद; दुःख

शोख़ वि०[फा.] धीट; धृष्ट(२) नटखट (३) चपळ (४) (रंगमां) चटकदार (नाम, **–ख़ी**) [शोक

शोच पुं०[सं.]चिंता; विमासण (२) दुःख;

शोचनीय वि०[सं.] दुःखद; चिंताजनक

शोण वि०[सं.] लाल (२) पुं० लाल रंग

शोणित पुं० [सं.] लोही

शोथ पुं० [सं.] सोजो

शोध पुं० [सं.] शुद्धि (२) दुरस्ती (३) पतावट; अदा करवुं ते (४) शोध; तपास; खोळ

शोधक पुं०[सं.] शोधनार(२)सुधारनार

शोधन पुं०[सं.] शुद्ध–साफ करवुं ते (२) शोधवुं ते; तपास; खोळ (३) विरेचन

शोधना स०क्रि० शुद्ध करवुं (२) शोधवुं

शोब पुं०[फा.] धोवुं ते के तेनी मजूरी

शोबदा पुं० [अ. शअबदः] जादु (२) दगोफटको

शोबा पुं० [अ. शुअबः] खातुं; शाखा

शोभन वि० [सं.] शोभतुं; सुंदर (२) शुभ; मंगळ [(प.) शोभवुं

शोभना स्त्री०[सं.] सुंदरी (२) अ०क्रि०

शोभा स्त्री० [सं.] कांति; सुंदरता

शोभायमान वि० [सं.] शोभीतुं; सुंदर

शोभित वि० [सं.] शोभावाळुं; सुंदर

शोर पुं०[फा.] क्षार (२) शोरबकोर. **०गुल** पुं० शोरबकोर; घोंघाट

शोरबा पुं० [फा.] सेरवो

शोरा पुं० एक खार (सूरोखार). **शोरेकी पुतली**=बहु गोरी स्त्री

शोरापुश्त वि० [फा.] झघडाळु

शोरिश स्त्री० [फा.] शोरबकोर (२) झघडो (३) खळभळाट

शोरीदा वि० [फा.] व्याकुळ; विकळ

शोरीदा–सर वि० [फा.] पागल

शोला पुं० [अ.] आगनी झोळ; शोलो

शोला–ख़ू वि० उग्र स्वभावनुं

शोला–रू वि० बहु सुंदर

शोशा पुं० [फा.] अद्‌भुत वात (२) व्यंग्य. **–छोड़ना**=झघडो खडो करे एवी वात करवी

शोष पुं० [सं.] सोस; तरस

शोषण पुं० [सं.] शोषवुं ते

शोहदा पुं० व्यभिचारी; लफंगो (२) गुंडो

शोहरत स्त्री०[अ.], **शोहरा** पुं० ख्याति; प्रसिद्धि (२) अफवा [झोक

शौक़ पुं०[अ.] शोख; होंस (२) वलण;

शौकत स्त्री० [अ.] शान; ठाठ (२) ताकत (३) रोफ; प्रभाव

शौक़िया वि० शोखवाळुं(२)अ०शोखथी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

शौक़ीन वि० शोखीन (नाम,–नी स्त्री०)
शौच पुं० [सं.] शुद्धता; पवित्रता (२) जंगल जवुं ते; प्रातःकर्म
शौत स्त्री० 'सौत'; शोक; पतिनी बीजी स्त्री
शौर्य पुं० [सं.] शूरवीरता
शौहर पुं० [फा.] स्वामी; मालिक
श्मशान पुं० [सं.] मसाण
श्मश्रु पुं० [सं.] दाढी मूंछ
श्याम वि०[सं.] काळुं (२) पुं० श्रीकृष्ण
श्यामल वि० [सं.] काळुं; शामळुं
श्यामा स्त्री० [सं.] युवती (२) कोयल (३) अंधारी रात
श्याल पुं० शियाळ (२) [सं.] साळो के बनेवी
श्येन पुं० [सं.] वाज पक्षी
श्रद्धा स्त्री० [सं.] निष्ठा; विश्वास; आस्था
श्रद्धालु वि० [सं.] श्रद्धाळु
श्रद्धेय वि० [सं.] पूज्य; श्रद्धापात्र
श्रम पुं० [सं.] महेनत (२) थाक
श्रम-कण पुं० [सं.] परसेवानुं टीपुं
श्रमजल पुं० [सं.] परसेवो
श्रमजीवी वि० [सं.] महेनत मजूरी करीने जीवनार (२) पुं० मजूर
श्रमण पुं० [सं.] बौद्ध साधु; यति
श्रमित वि० [सं.] थाकेलुं
श्रमी वि०[सं.] महेनतु (२) श्रमजीवी
श्रवण पुं०[सं.], –न पुं० (प.) कान (२) सांभळवुं ते
श्रव्य वि० [सं.] सांभळवा योग्य
श्रांत वि०[सं.] थाकेलुं (२) शांत; संयमी
श्रांति स्त्री०[सं.] थाक; विश्राम
श्राद्ध पुं० [सं.] पितृओनुं तर्पण
श्राप पुं० शाप
श्रावक पुं०[सं] जैन के बौद्ध धर्मी (२) वि० सांभळनार
श्रावण पुं० [सं.] श्रावण मास. –णी स्त्री० बळेव
श्राव्य वि०[सं.] श्रव्य; सांभळवा योग्य
श्री स्त्री०[सं.] लक्ष्मी (२) शोभा (३) विभूति; ऐश्वर्य
श्रीखंड पुं० [सं.] चंदन (२) शिखंड
श्रीफल पुं० [सं.] नारियेळ
श्रीमंत वि० धनिक (२) पुं० माथानुं एक आभूषण
श्रुत वि० [सं.] सांभळेलुं
श्रुति स्त्री० [सं.] वेद (२) कान
श्रेणी स्त्री० [सं.] पंक्ति; हार(२)परंपरा
श्रेय पुं०(२)वि० [सं.] भलुं; कल्याण
श्रेयस्कर वि०[सं.] भलुं करे एवुं; शुभ
श्रेष्ठ वि० [सं.] उत्तम
श्रेष्ठी पुं० [सं.] शेठ
श्रोता पुं० [सं.] सांभळनार
श्रोत्र पुं० [सं.] कान (२) वेद
श्रौत वि० [सं.] श्रुति संबंधी
श्लथ वि० [सं.] ढीलुं; नरम
श्लाघा स्त्री० [सं.] तारीफ
श्लील वि० [सं.] सारुं; शुभ
श्लेष पुं० [सं.] संयोग (२) आलिंगन (३) एक अलंकार–द्विअर्थी शब्दप्रयोग
श्लेष्मा पुं० [सं.] श्लेष्म; कफ
श्लोक पुं० [सं.] संस्कृत पद्यनी कडी (२) कीर्ति; प्रशंसा
श्वपच पुं० [सं.] चंडाळ
श्वशुर पुं० [सं.] ससरो
श्वश्रू स्त्री० [सं.] सासु
श्वान पुं० [सं.] कूतरो
श्वास स्त्री० [सं.] श्वास; दम (२) प्राण
श्वासकास पुं० [सं.] दम अने खांसी
श्वेत वि०[सं.] सफेद (२) पुं० सफेद रंग (३) चांदी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

ष

षंड,–ढ पुं० [सं.] पंढ; हीजडो
षट् वि० [सं.] ६; छ संख्या
षट्क पुं० [सं.] छकडुं; छनो समूह
षट्कर्म पुं०[सं.] खटकर्म (ब्राह्मणोना)
षट्चक्र पुं०[सं.] शरीरनां छ चक्र (२) षड्यंत्र; कावतरुं
षट्तिला स्त्री०[सं.] महा वद एकादशी
षट्पद पुं० [सं.] भमरो. **–दी** स्त्री० भमरी (२) छप्पो; छ चरणनुं पद
षड् वि० [सं.] छ (समासमां)
षडंग पुं० [सं.] वेदनां छ अंग
षड्ज पुं० [सं.] संगीतनो 'स' स्वर
षड्दर्शन पुं० [सं.] छ शास्त्र (सांख्य, योग, न्याय इ०)
षड्यंत्र पुं० [सं.] कावतरुं (२) जाळ; फांदो
षड्रस पुं०[सं.] खाटुं, खारुं इ० छ रस
षड्रिपु पुं० [सं.] काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर ए छ शत्रुओ
षडानन पुं० [सं.] कार्तिकेय
षष्टि वि० [सं.] ६०; साठ
षष्ठ वि०[सं.] छठ्ठुं. **–ष्ठी** स्त्री० छठ (२) जन्म पछी छठ्ठो दिवस (३) छठ्ठी विभक्ति
षाण्मासिक वि० [सं.] छमासिक
षोडश वि०[सं.] सोळमुं (२) सोळ; १६
ष्ठीवन पुं०[सं.] थूंकवुं ते (२) थूंक

स

सँइतना स०क्रि० लींपवुं; अबोट करवो
संकट पुं०[सं.] दुःख; विपत्ति; आफत (२) खीणनो के सांकडो रस्तो
संकर पुं० [सं.] भेळपेळ; मिश्रण
सँकरा वि० सांकडुं (२) पुं० सांकड; कष्ट
सँकराना स०क्रि० संकडाववुं
संकल स्त्री० सांकळ के सांकळी
संकलन पुं०[सं.] संग्रह; एकठुं करवुं ते
संकलित वि० [सं.] एकठुं करेलुं
संकल्प पुं०[सं.] इरादो; निश्चय; ठराव
संकीर्ण वि०[सं.] संकुचित (२) संकीर्ण; मिश्र (३) क्षुद्र (४) पुं० मिश्र राग (५) संकट
संकीर्तन पुं०[सं.] गुणगान(२)वर्णववुं ते
सँकुचना अ०क्रि० संकोचाववुं
संकुचित वि०[सं.] संकोच पामेलुं (२) सांकडुं; नानुं; क्षुद्र
संकुल वि०[सं.] परिपूर्ण; भरपूर (२) पुं० समूह
संकेत पुं० [सं.] इशारो (२) चेष्टा (३) चिह्न
सँकेलना स०क्रि० संकेलवुं; समेटवुं
संकोच पुं०[सं.]अचकावुं ते; लज्जा; शरम
सँकोचना स०क्रि० संकोचवुं
संकोची वि० [सं.] संकोचायेलुं (२) संकोचवाळुं; शरमाळ

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

संक्रमण पुं० [सं.] एकमांथी बीजामां जवुं ते; प्रवेश; गमन

संक्रांति स्त्री० [सं.] (एकमांथी बीजी राशिमां) प्रवेश; गमन

संक्रामक वि० [सं.] चेपी (रोग)

संक्षिप्त वि०[सं.] टूंकुं; सारभूत. ०**लिपि** स्त्री० लघुलिपि

संक्षेप पुं० [सं.] टूंकाण; सार

संखिया पुं० सोमल के तेनी भस्म

संख्या स्त्री० [सं.] आंकडो; गणतरी

संग अ० साथे; संगाथे (२) पुं०[फा.] पथ्थर (३) [सं.] सोबत; मिलन

संगठन पुं० अलग होय तेने एकत्र बांधवुं ते के तेम करी तैयार करातुं तंत्र

संगठित वि० संगठन करायेलुं; एकत्रित करीने रचायेलुं [साधुनो मठ

संगत स्त्री० संग; संगति (२) उदासी

संगतरा पुं० संतरुं

संग-तराश पुं० [फा.] पथ्थरफोडो

संगति स्त्री० [सं.] संग; सोबत

संगतिया, संगती पुं० गवैयानो साजिंदो –साथी

संग-दिल वि० [फा.] कठण दिलनुं; क्रूर; कठोर (नाम, –**ली** स्त्री०)

संग-पुश्त पुं० [फा.] काचबो

संगम पुं० [सं.] मळवुं ते; मिलन

संग-मर्मर पुं० [फा.] संगेमरमर; आरसपहाण

संगमूसा पुं०[फा.] एक जातनो काळो लीसो कीमती पथ्थर [पथ्थर

संग-यशब पुं०[फा.] एक लीलो कीमती

संगरेजा पुं०[फा.] नानो पथ्थरो; रोडुं

संग-लाख पुं०[फा.] पहाडी स्थान (२) वि० कठण; कठोर

संग-साज़ पुं० [फा.] लीथोना पथ्थरने ठीक करनार

संग-सार पुं०, –**री** स्त्री० [फा.] 'संगसारी'–पंचईंटाळीनी सजा

संग-सुरमा पुं०[फा.] सुरमो बनाववानो पथ्थर

संगाती पुं० संगाथी (२) दोस्त

संगी पुं० साथी; सोबती (२) स्त्री० एक जातनुं कपडुं (३) वि० [फा.] पथ्थरनुं; संगीन

संगीत पुं० [सं.] गायन, वादन इ०

संगीन वि०[फा.] (नाम,–**नी**) पथ्थरनुं (२) संगीन; मजबूत; टकाउ (३) विकट; अटपटुं (४) पुं० बंदूकनुं संगीन

संगृहीत वि० [सं.] संघरायेलुं

संगे-असवद पुं० [फा.+अ.] काबानो पवित्र काळो पथ्थर

संगे-पारस पुं० पारसमणि

संग्रह पुं० [सं.] संघरो; संचय

संग्रहणी स्त्री० [सं.] एक रोग

संग्रहालय पुं० [सं.] संग्रहस्थान

संग्राम पुं० [सं.] युद्ध; लडाई

संघ पुं० [सं.] समूह; जूथ (२) मंडळ

संघटन पुं० संगठन (२) [सं.] मेळाप; संयोग [संहारवुं

संघ(–घा)रना स०क्रि० (प.) संघारवुं;

संघर्ष,०**ण** पुं०[सं.] झपाझपी; अथडामण

संघात पुं०[सं.] समूह (२) संघ; जूथ (३) आघात

संघाती पुं० [सं.] साथी

संघार पुं० (प.) संहार

संघारना स०क्रि०(प.) जुओ 'संघरना'

संघाराम पुं०[सं.] बौद्ध मठ के बिहार

संचय पुं०[सं.] ढेर; ढगलो (२) संग्रह

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

संचरना अ०क्रि० (प.) जवुं; नीकळवुं
संचार पुं० [सं.] जवु ते; गति; प्रवेश
संचालक पुं० [सं.] संचालन करनार; नियामक [प्रबंध; व्यवस्था
संचालन पुं० [सं.] चलाववु ते (२)
संचित वि०[सं.] एकठुं थयेलुं के करेलुं
संजात वि० [सं.] पेदा थयेलुं; जन्मेलुं
संजाफ़ स्त्री०[फा.], **संजाब** पुं० संजाप; झूल, कोर (२) मगजी; गोट. **–फ़ी** वि० कोर के गोटवाळुं
संजीदा वि०[फा.] गंभीर; धीर; शांत (२) समजु (नाम,–दगी)
संजीवन पुं०[सं.] फरी जीवतुं थवुं के करवुं ते. **–नी** स्त्री० तेम करे एवी एक औषधि
सँजोइल वि० सुसज्ज (२) एकत्रित
सँजोउ, संजोग पुं० (प.) संयोग
संज्ञा स्त्री०[सं.] नाम (२) चेतना; होश
संझा स्त्री० संध्या [खूब ज़ाडुं
संड पुं० सांढ. ०**मुसंड** वि० सांढ जेवुं,
सँड़सा पुं० साणसो (स्त्री०, **–सी**)
संडा वि० जुओ 'संड-मुसंड'
संडास पुं० डटणजाजरू
संत पुं० साधु पुरुष; महात्मा
संतत वि० [सं.] फेलायेलुं (२) अ० सतत; लगातार (३) स्त्री० (प.) संतति
संतति स्त्री० [सं.] संतान; बाळबच्चां
संतप्त वि०[सं.] खूब तपेलुं (२) दुखी
संतरा पुं० संतरुं; नारंगी
संतरी पुं० संत्री; पहेरेगीर [वंश
संतान पुं०; स्त्री० [सं.] संतति; औलाद;
संताप पुं०[सं.] पीडा; कष्ट (मानसिक)
संतापना स०क्रि० पीडवुं; सतावववुं
संती अ० (प.) बदले; वती
संतुष्ट वि०[सं.] संतोष पामेलुं; धरायेलुं; राजी
संतोष पुं० [सं.] तृप्ति; धरपत. **–षी** वि० संतोषवाळुं
संत्री पुं० जुओ 'संतरी'
संथा स्त्री० पाठ; लेसन
संदर्भ पुं० [सं.] निबंध; लेख; कृति
संदल पुं० [फा.] चंदन
संदली वि० चंदनना रंगनुं; आछुं पीळुं
संदिग्ध वि० [सं.] संदेह के शंकावाळुं
संदीपन पुं० [सं.] उद्दीपन; उत्तेजित करवुं ते (२) वि० उत्तेजक
संदूक़ पुं० [अ.] संदूक; पेटी
संदूक़चा पुं०, **संदूक़ची(–ड़ी)** स्त्री० नानी पेटी
संदूर पुं० सिंदूर
संदेश पुं०[सं.] संदेशो (२) एक बंगाळी मी ाई. **–शा** पुं० संदेशो
सँदेसा पुं० संदेशो; कहेवडावेली खबर
सँदेसी पुं० संदेशो लई जनार; दूत
संदेह पं० [सं.] शंका; संशय
संदेह-दोल(–ला) पुं० संशयनो हींडोळो; दुविधा
संदोह पुं० [सं.] समूह; टोळुं
संधना अ०क्रि० संधावुं; जोडावुं
संधान पुं०[सं.] सांधवुं ते; संधाण (२) खोज; तपास
संधानना स०क्रि० (बाण) सांधवुं
संधाना पुं० संधानुं; अथाणुं
संधि स्त्री०[सं.] जोडावुं के जोडवुं ते (२) कोलकरार [संध्यापूजा
संध्या स्त्री०[सं.] सांज; सायंकाळ (२)
संन्यास पुं० [सं.] संसारत्याग. **–सी** पुं० त्यागी; वेरागी; बावो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

संपत्ति स्त्री० [सं.] धनदोलत (२) ऐश्वर्य (३) पूर्णता

संपद्,–दा स्त्री० [सं.] संपत्ति; वैभव

संपन्न वि० [सं.] –वाळुं; युक्त (२) संपत्तिवाळुं (३) सिद्ध; पूर्ण

संपर्क पुं०[सं.] स्पर्श; संबंध (२) संसर्ग; मिलाप (३) मिश्रण

संपा स्त्री० [सं.] वीजळी

संपात पुं०[सं.] एकसाथे के उपराउपर पडवुं ते; संगम; संसर्ग

संपादक पुं० [सं.] छापानो तंत्री (२) मेळवनार के तैयार या पेदा करनार

संपादन पुं०[सं.] छापुं चलाववुं ते (२) करवुं ते; प्राप्ति [करेलुं

संपादित वि० [सं.] संपादन थयेलुं के

संपुट पुं० [सं.] पात्राकार वस्तु (२) पडियो (३) डब्बो (४) खोबो; अंजलि (५) फूलनी पांदडी वच्चेनो पात्राकार भाग (६) बे शकोरांनो संपुट

संपूर्ण वि०[सं.] बधुं; पूरेपूरुं (२) पूरुं; समाप्त. **०तः, ०तया** अ० बरोबर; पूरेपूरी रीते [–रिन)

सँपेरा पुं० सापनो मदारी (स्त्री०,

सँपोला पुं० सापोलियुं. **–लिया** पुं० 'सँपेरा'; मदारी

संप्रति अ० [सं.] अत्यारे; हालमां

संप्रदान पुं० [सं.] आपवुं ते; दान; भेट; दीक्षा (२) (व्या०मां) चोथी कारक विभक्ति

संप्रदाय पुं० [सं.] पंथ; धर्म (२) रीत; चाल; प्रथा

संप्राप्त वि०[सं.] ठीक मेळवेलुं के मळेलुं

संबंध पुं०[सं.] नातो; संपर्क; जोडाण (२) संयोग; मेळ (३) सगाई; सगपण

संबंधी वि०[सं.] संबंधवाळुं; विषेनुं (२) पुं० सगुं

संबत् पुं० संवत; साल [संयक्त

संबद्ध वि०[सं.] संबंधवाळुं; जोडायेलुं;

संबल पुं० वटेशरी [सं.] (२) सोमल

संबोधन पुं०[सं.] संबोधवुं–जगाडवुं के पोकारवुं ते के तेनी उक्ति (२) (व्या०)आठमी विभक्ति [कर्मणि

संभर(–ल)ना अ०क्रि० 'सँभालना' नुं

संभव पुं०[सं.] शक्यता (२) जन्म. **०तः** अ० कदाच [शक्य होवुं

संभवना अ०क्रि० (प.) संभववुं; बनवुं;

संभार पुं०[सं.] संचय; ढेर (२) साज; सामग्री [जाळवणी

सँभार पुं० (प.) संभाळ; देखरेख;

सँभारना स०क्रि० जुओ 'सँभालना' (२) संभारवुं; याद करवुं

सँभाल स्त्री० संभाळ; देखरेख

सँभालना स०क्रि० भार उपाडवो (२) पडतुं रोकवुं; टेकववुं (३) संभाळवुं

संभावना स्त्री० [सं.] संभव; शक्यता (२) आदरभाव

संभावित वि० [सं.] सन्मानित (२) कल्पेलुं; विचारेलुं; अनुमान करेलुं

संभाषण पुं०[सं.] वार्तालाप; वातचीत

संभूय अ० [सं.] साथे; भागमां

संभूय-समुत्थान पुं० [सं.] भागीदारीथी थतुं काम

संभोग पुं०[सं.] उपभोग (२) मैथुन

संभ्रम पुं०[सं.] गभराट (२) भ्रम; भूल

संभ्रांत वि०[सं.] गभरायेलुं (२) भ्रममां पडलुं [मतवाळुं

संमत वि० [सं.] अनुकूळ; साथमां

संमति स्त्री०[सं.] अनुकूळ मत; मंजूरी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

संमान पुं० [सं.] आदर; मान
संमेलन पुं० भेगा मळवुं ते; सभा
संयत वि० [सं.] काबू के संयममां राखेलुं (२) संयमी
संयम पुं० [सं.] काबू; वश; दमन
संयमी वि० [सं.] संयम राखनारुं; संयमवाळुं
संयुक्त,-त वि० [सं.] जोडायेलुं (२) सहित; समन्वित [जोग; लाग
संयोग पुं० [सं.] मेळ; मिलाप (२)
संयोजक पुं०[सं.] जोडनार (२) (सभा इ० नुं) आयोजन करनार; प्रबंधक
संयोजन पुं० [सं.] जोडवुं ते (२) आयोजन; प्रबंध
संरक्षक पुं०[सं.] रक्षण करनार; वाली
संरक्षण पुं०[सं.] रक्षा; संभाळ; देखरेख
संरक्षित वि० [सं.] संभाळेलुं; रक्षामां लीधेलुं के राखेलुं
संलग्न वि० [सं.] साथे लागेलुं; संबद्ध
संलाप पुं० [सं.] वार्तालाप; 'संभाषण'
संवत्, संवत्सर पुं० [सं.] वर्ष; साल
सँवरना अ०क्रि० 'सँवारना' नुं कर्मणि
सँवरिया वि० (प.) शामळुं; कृष्ण
संवर्द्ध(-र्ध)क वि० [सं.] वधारे एवुं
संवर्द्ध(-र्ध)न पुं० [सं.] वधारो; वृद्धि
संवाद पुं० [सं.] वातचीत (२) खबर; समाचार. **०दाता** पुं० खबरपत्री
संवादी वि० [सं.] मेळवाळुं; मळतुं (संगीतमां)
सँवारना स०क्रि० सजवुं (२) समारवुं; ठीक करवुं (३) बरोबर क्रमथी राखवुं
संवाहन पुं०[सं.]वही जवुं के पहोंचाडवुं ते
संविदा स्त्री० [सं.] ठेको; कंट्राक्ट
संविधान पुं०[सं.] व्यवस्था; प्रबंध (२) रचना (३) बंधारण. **०सभा** स्त्री० बंधारणसभा
संवेद,०न पुं० [सं.] सुखदुःख इ० नो अनुभव (२) ज्ञान; प्रतीति
संशय पुं० [सं.] शंका; संदेह
संशयालु वि०[सं.] शंकाशील; वहेमीलुं
संशयित वि०[सं.] शंकावाळुं; संदिग्ध
संशयी वि० [सं.] शंका करनारुं
संशोधन पुं० [सं.] शुद्धि; सफाई (२) सुधारो (जेम के ठरावमां) (३) (ऋण आदि) अदा करवुं ते
संशोधित वि० [सं.] सुधारेलुं
संशोधी वि० [सं.] सुधारनारुं
संश्रय पुं०[सं.] आश्रय; शरण; सहाय
संस,०इ,०य, संसा पुं० (प.) संशय
संसर्ग पुं० [सं.] स्पर्श; संबंध; संग
संसा पुं० जुओ 'संस'; संशय
संसार पुं० [सं.] दुनिया; जगत (२) घरसंसार (३) प्रपंच; माया
संसारी वि० [सं.] संसारनुं के तेने लगतुं; लौकिक [मरणना फेरा
संसृति स्त्री० [सं.] संसारचक्र; जन्म-
संसृष्ट वि०[सं.] साथेनुं; मिश्रित (२) संबद्ध (३) सामेल
संस्करण पुं० [सं.] सुधारवुं के ठीक करवुं ते (२) पुस्तकनी आवृत्ति
संस्कार पुं०[सं.] मन पर पडती छाप के असर के ते द्वारा थती केळवणी (२) शुद्धि; सुधारो (३) (सोळ) धार्मिक आचार [केळवायेलुं
संस्कारी वि० [सं.] संस्कारवाळुं;
संस्कृत वि०[सं.] संस्कार पामेलुं; शुद्ध (२) स्त्री० संस्कृत भाषा
संस्कृति स्त्री० [सं.] सुधारो; सभ्यता

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

संस्था स्त्री०[सं.] स्थिति (२) व्यवस्था (३) मंडळ; तंत्र
संस्थान पुं० [सं.] स्थिति; मुकाम; निवास (२) हयाती [प्रवर्तक
संस्थापक पुं० [सं.] स्थापना करनार;
संस्थापन पुं० [सं.] स्थापवुं ते
संस्मरण पुं० [सं.] संभारणुं
संहत वि० [सं.] संयुक्त; एकठुं (२) संपवाळुं
संहति स्त्री०[सं.] समूह (२) संप; मेळ
संहरना अ०क्रि० नाश थवुं (२) स०क्रि० संहारवुं
संहार पुं० [सं.] नाश; वध; अंत
संहारक वि० [सं.] संहार करनार
संहारना स०क्रि० संहारवुं; नाश करवो
संहिता स्त्री० [सं.] वेद संहिता (२) संग्रह (३) संहति; संप
सआदत स्त्री० [अ.] सद्‌भाग्य
सई स्त्री० [अ.] प्रयत्न
सईद वि० [अ.] शुभ; सारुं
सऊबत स्त्री० [अ.] मुश्केली; आफत
सकट पुं० शकट; गाडी
सक्ता पुं०[अ.] मूर्छानो रोग; मृगी (२) कवितामां यतिभंग. **–पड़ना** = यतिभंग थवो
सकना अ०क्रि० शकवुं
सकपकाना अ०क्रि० अचरज पामवुं (२) अचकावुं (३) शरमावुं
सकरकंदी स्त्री०, **सकरकन** पुं० शक्करियुं; सकरकंद
सकरना अ०क्रि० 'सकारना' नुं कर्मणि
सकरपाला पुं० सकरपारो
सकरिया पुं० शक्करियुं
सकल वि० [सं.] सकळ; बधुं
सकलात पुं० रजाई (२) भेट
सकाना अ०क्रि० (प.) शंका आणवी; वहेमावुं (२) संकोच के डरमां पडवुं
सकाम वि० [सं.] कामनावाळुं
सकारना स०क्रि० स्वीकारवुं (२) शिकारवुं [दलाली
सकारा पुं० हूंडीनी शिकारणी–तेनी
सकारे अ० सवारे ['सक़ील')
सक़ालत स्त्री० [अ.] भारेपणुं (जुओ
सकिलना अ०क्रि० सरकवुं; लपसवुं (२) संकडावुं; संकोडावुं (३) थवुं; बनवुं
सक़ील वि०[अ.] पचवामां भारे (२) वजनदार (नाम, **सक़ालत**)
सकुच,–चाई स्त्री० संकोच; शरम
सकुचना अ०क्रि० संकोच करवो; शरमावुं
सकुचाई स्त्री० संकोच; शरम
सकुन पुं० शकन (२) पक्षी
सकुनी स्त्री० पक्षी
सकून पुं० जुओ 'सुकून' [निवास
सकूनत स्त्री०[अ.] 'सुकूनत'; रहेठाण;
सकृत् अ० [सं.] एक वार (२) सदा; सर्वदा (३) तरत
सकेलना स०क्रि० एकत्र करवुं; संकेलवुं
सकोरा पुं० शकोरुं; 'कसोरा'
सक़्क़ा पुं० [अ.] भिस्ती
सक्त वि०[सं.] आसक्त (२) संलग्न
सक्ति स्त्री० (प.) शक्ति; बळ
सक्तु,०क पुं० सत्तु
सक़्फ़ पुं० [अ.] मकाननी छत
सक्रिय वि० [सं.] क्रियावाळुं
सखरा पुं०, **सखरी** स्त्री० सखडी; बोटाय एवी रसोई दाळभात जेवी
सखा पुं० [सं.] मित्र

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सखावत स्त्री० [अ.] दान (२) उदारता
सखी स्त्री० [सं.] साहेली
सख़ी वि० [अ.] सखी; दानी; उदार
सखुआ पुं० शाल वृक्ष; 'साखू'
सख़ुन पुं० [फा.] वातचीत (२) बोल; वचन; सुखन (३) काव्य
सख़ुन-चीन वि० [फा.] चुगलीखोर
सख़ुन-तकिया पुं० [फा.] जुओ 'तकिया कलाम' [–दानी)
सख़ुन-दाँ वि० काव्यरसिक (नाम,
सख़ुन-परवर वि० [फा.] वचन पाळनार (२) हठीलुं; मूढाग्रही
सख़ुन-शनास, सख़ुन-संज पुं० [फा.] 'सख़ुन'–काव्य के वातचीतनो मर्म समजनार; मर्मज्ञ
सख़ुन-साज पुं० [फा.] काव्य रचनार (२) वनावीने जूठी वात कहेनार. (नाम, –ज़ी स्त्री०) [कठण
सख़्त वि० [अ.] सखत; कडक; कठोर;
सख़्ती स्त्री० सखताई; कडकाई (२) तंगी (३) जुलम
सख्य पुं० [सं.] मैत्री; दोस्ती
सग पुं० [फा.] कूतरो
सगड़ी स्त्री० नानी गाडी
सग(–गा)पन पुं० सगपण; सगा होवुं ते
सगपहती स्त्री० शाकपांदडुं नांखीने करेली दाळ
सगबग वि० (प.) लयपथ; तरवोळ
सगबगाना अ०क्रि० तरबोळ थवुं (२) गभरावुं
सगरा,–ल,–ला वि० (प.) सघळुं
सगर्भ वि० [सं.] सगुं; सहोदर (२) पुं० सगो भाई [बहेन
सगर्भा स्त्री० बेजीव स्त्री (२) सगी
सगल,–ला वि० (प.) सघळुं; बधुं
सगा वि० सगुं; संबंधी (२) सहोदर
सगाई स्त्री० सगाई; वेविशाळ (२) सगानो संबंध (३) नातरा जेवुं ऊतरतुं मनातुं लग्न
सग़ीर वि० [अ.] नानुं. **सग़ीर-सिन**= सगीर; नानी उंमरनुं
सगुण वि० [सं.] गुणियल (२) पुं० साकार (ब्रह्म)
सगुन पुं० (प.) शुकन (२) सगुण
सगुनिया पुं० शुकन जोनार–जोशी
सगुनौती स्त्री० शुकन जोवा ते
सगोत,–ती, सगोत्र [सं.] पुं० एक गोत्रनुं (२) सगुं
सग्गड़ पुं० भार खेंचवानुं गाडुं
सघन वि० घन; गीच
सच वि० साचुं (नाम, –चाई)
सचमुच अ० खरेखर; साचे; साचमाच
सचराचर वि० [सं.] स्थावर अने जंगम; बधुं (२) पुं० विश्व
सचाई स्त्री० सच्चाई; सत्यता
सचान पुं० सींचाणो; बाज
सचिंत वि० [सं.] चिंतावाळुं; फिकर करतुं
सचिक्कण वि० खूब चीकणुं
सचिव पुं० [सं.] मित्र (२) मंत्री (३) अमात्य; प्रधान; वजीर
सचिवालय पुं० [सं.] सचिवनुं दफतर– कार्यालय [खबरदार
सचेत वि० जीवतुं जागतुं (२) सावध;
सचेतन वि० [सं.] चेतनवंतुं; जीवतुं
सच्चा वि० साचुं (२) साचुं बोलनार; ०ई स्त्री० सत्य; 'सचाई'
सच्चिदानंद पुं० [सं.] सत्, चित्, आनंद रूप परमात्मा

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सज स्त्री० सजावट (२) शोभा
सजग वि० सावधान; जाग्रत; सचेत
सजदार वि० सुंदर
सजधज स्त्री० सजावट; ठाठमाठ
सजन पुं० स्वजन (२) प्रीतम; पति
सजना अ०क्रि० सजावुं; शणगारवुं (२) शोभवुं (३) स० क्रि० सजवुं
सजनी स्त्री० सखी (२) प्रिया
सजल वि० [सं.] जळ सहित; भीनुं (आंसुथी)
सजवाई स्त्री० सजाई; सजवुं सजाववुं ते [के तेनी मजूरी
सजा [फा.], **सजाइ** स्त्री० सजा; शिक्षा
सजाति,-तीय वि० [सं.] एक जातिनुं
सजाना स०क्रि० सजाववुं; बरोबर ठीक करीने गोठववुं
सजायाफ़्ता वि० [फा.] सजा पामेलुं
सजायाब वि० [फा.] सजापात्र (२) सजा पामेलुं
सजाव पुं० खूब उकाळेला दूधनुं दहीं (२) सजावट; सजाववुं ते
सजावट स्त्री० सजावट; शोभा (२) सज्जता; तैयारी
सजावल पुं० [तु. सज़ावुल] कलेक्टर; कर उघरावनार अमलदार
सजावर वि०[फा.] सजावर; योग्य (२) सजावार; सजापात्र
सजीला वि० छेलबटाउ (२) सुंदर
सजीव वि० [सं.] जीवतुं (२) पुं० जीव; प्राणी
सजीवन पुं०, **-नी** स्त्री० संजीवनी
सजूरी स्त्री० एक मीठाई
सज्ज वि० [सं.] सज्ज; तैयार
सज्जन पुं० [सं.] सारो माणस
सज्जा स्त्री० शय्या (२) सजावट
सज्जादा पुं० [अ.] मुसल्लो; नमाजनी चटाई (२) फकीरनो तकियो
सज्जित वि०[सं.]सज्ज थयेलुं के करायेलुं
सज्जी स्त्री०, **०खार** पुं० साजीखार
सज्ञान वि०[सं.] समजणुं (२) बुद्धिमान
सटक स्त्री० सटको जवुं ते; छटक (२) लांबी वळी शके तेवी हूकानी नेह (३) चाबुक जेवी पातळी सोटी; साटको
सटकना अ०क्रि० सटकवुं; छटकी जवुं
सटका पुं० साटको; चाबुक
सटकाना स०क्रि० सटकाववुं; सोटी के 'सटका' (साटका) थी मारवुं
सटकारा वि० लांबा सुंवाळा (वाळ)
सटकारी स्त्री० पातळी सोटी; साटको
सटक्का पुं० साटको (२) सपाटो; झपट. **-मारना**=झपाटो मारवो
सटना अ०क्रि० बे चीजोनां पडखां बरोबर साथे बंधबेसवां के गोठवावां
सटपट स्त्री० दुविधा;गूंचवण;सपटामणी
सटपटाना अ०क्रि० गूंचवावुं; सपटावुं
सटर-पटर वि० तुच्छ; मामूली (२) स्त्री० सटरपटरियुं के नकामुं काम
सटसट अ० झट झट; चप चप
सटाना स०क्रि० जोडवुं; बंध बेसाडवुं
सटीक वि० टीका सहित [सं.] (२) बरोबर ठीक
सटोरिया पुं० सटोडियो; 'सट्टेबाज़'
सट्टा पुं० सट्टो (२) सोदो; करार
सट्टा-बट्टा पुं० युक्ति; चालबाजी (२) मेळ
सट्टी स्त्री० हाट; बजार. **-मचाना**= शोरबकोर मचाववो. **-लगाना**=बधुं रमण भमण करवुं
सट्टेबाज पुं० सटोडियो
सठ पुं० शठ. **०ता** शठता

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सठियाना अ०क्रि० साठ वर्षना थवुं (२) साठे बुद्धि नासवी
सठेरा पुं० सांठी; 'संठी'
सड़क स्त्री० सडक; रस्तो
सड़न स्त्री० सडवुं ते; सडो
सड़ना अ०क्रि० सडवुं; बगडवुं
सड़सठ वि० सडसठ; ६७
सड़ाई(-यँ)ध स्त्री० सडेलानी दुर्गंध
सड़ासड़ अ० सडासड; उपराछापरी
सड़ियल वि० सडेलुं (२) रद्दी (३) तुच्छ
सत वि० (प.) शत; सो
सत पुं० सच्चाई. **-पर चढ़ना**=सती थवुं. **-पर रहना**=पतिव्रता रहेवुं
सतत वि० [सं.] चालु; लगातार
सतनजा पुं० सात अनाजनो खीचडो
सतप(-पु)तिया स्त्री० एक शाक के तेनो वेलो
सतफेरा पुं०, **सतपदी, सतभौंरी** स्त्री० सप्तपदी; विवाहना सात फेरा
सतमासा पुं०गर्भाधानने सातमे मासे थतो विधि (२) सातमे महिने अवतरेलो ते
सतरंज स्त्री० शेतरंज रमत
सतरंजी स्त्री० शेतरंजी
सतर स्त्री०[अ.] लीटी (२) हार; कतार (३) वि०[सं.] वांकुं (४) क्रोधे भरायेलुं
सत(-त्त)रह वि० सत्तर; १७
सतराना अ०क्रि० चिडावुं; गुस्से थवुं
सतर्क वि०[सं.]सावध;जाग्रत(२)तर्कयुक्त
सतसई स्त्री० सतसाई; सप्तशती
सतह स्त्री०[अ.] सपाटी; तल; क्षेत्रफळ
सतहत्तर वि० सित्तोतेर; ७७
सतही वि० [फा.] 'सतह'नुं; सपाट
सताइश स्त्री० [फा. सिताइश] प्रशंसा
सता(०व)ना स०क्रि० सतावबुं; पजववुं
सता(-त्ता)सी वि० ८७; जुओ 'सत्तासी'
सती स्त्री० [सं.] सती स्त्री (२) मृत पति साथे सती थनारी स्त्री
सतुआ पुं० सत्तु; साथवो
सतून पुं० [फा.] स्तंभ; थांभलो
सतोगुण पुं० सत्त्वगुण
सत् पुं० [सं.] सत्य; ब्रह्म (२) वि० सत्य; नित्य (३) सारुं
सत्कर्म पुं० सारुं पुण्य काम
सत्कार पुं० [सं.] सन्मान; आदर
सत्त पुं० सत्त्व; सार
सत्तर वि० सित्तेर; ७०
सत्तरह वि० सत्तर; १७
सत्ता स्त्री०[सं.] हयाती (२) अधिकार (३) पुं० गंजीफानो सत्तो
सत्ताईस वि० सत्तावीस; २७
सत्तानवे वि० सत्ताणुं; ९७
सत्तार पुं० [अ.] ईश्वर
सत्तावन वि० ५७
सत्तासी वि० सित्यासी; ८७
सत्तू पुं० सत्तु; साथवो. **-बांधकर पीछे पड़ना**=कशा पाछळ लागी जवुं-मंडवुं
सत्त्व पुं० [सं.] सत्त्व; सार
सत्य पुं० [सं.] साच (२) वि० साचुं
सत्यवाद पुं०[सं.] साचुं बोलवुं के तेने वळगीने चालवुं ते. **-दी** वि० सत्यवादी; साचुं
सत्यसंध वि० [सं.] सत्य-वचनी
सत्याग्रह पुं०[सं.] सत्यने खातर आग्रह राखी झूझवुं ते
सत्यानास पुं० सत्यानाश; खुवारी
सत्यानासी वि० सत्यानाश करनार
सत्र पुं० [सं.] यज्ञ (२) अन्नक्षेत्र (३) टर्म; भणतरनुं सत्र

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सत्रह वि० 'सतरह'; सत्तर; १७
सत्वर वि० [सं.] जलदी; तरत
सत्संग पुं० [सं.] सारी के साधुजननी सोबत
सथरी स्त्री० साथरो; घासनी पथारी
सथिया पुं० साथियो (२) शस्त्रवैद
सद वि० (प.) ताजुं (२) अ० सद्य; तरत (३) स्त्री० आदत; टेव
सद वि० [फा.] सो; शत; १००
सदक़ा पुं०[अ.] दान (२) कोईने माथे उतारीने रस्ते मुकाय ते; उतार. **–उतारना, –करना**=(दाणा इ०)माथे उतारवुं. **सदक़े जाना**=वारी जवुं; कुरबान थवुं
सदन पुं० [सं.] धाम; स्थळ; घर
सदफ़ स्त्री० [अ.] मोतीनी छीप
सदमा पुं० [अ.] आघात; धक्को (२) दुःख. **–उठाना**=दुःखनो घा वेठवो. **–पहुँचना**=आघात लागवो
सदय वि० [सं.] दया सहित; दयाळु
सदर वि० [अ. सद्र] प्रधान; मुख्य; प्रमुख (२)पुं० केन्द्रस्थान(३)कशानो आगलो भाग (४) सभानो प्रमुख. **०आला** पुं० नानो न्यायाधीश. **०दरवाजा** पुं० खास दरवाजो. **०नशीन** पुं० सभापति. **०बाजार** पुं० मोटुं के खास बजार
सदरी स्त्री० [अ.] सदरो; बंडी
सदसत्,–द् वि०[सं.] सत्य असत्य; सारुं नरसुं के साचुं जूठुं
सदस्य पुं० [सं] सभ्य; सभासद
सदहा वि० [फा.] सेंकडो; अनेक
सदा स्त्री०[अ.] प्रतिध्वनि; पडघो (२) अवाज; शब्द (३) पोकारनो शब्द
सदा अ० [सं.] हंमेश
सदाक़त स्त्री० [अ.] सत्य
सदाचरण, सदाचार पुं०[सं.] सारुं शुभ वर्तन [धर्मिष्ठ
सदाचारी वि० [सं.] सारा वर्तनवाळुं;
सदाफर,–ल वि० सदा फळतुं (२) पुं० उमरडो (३) नारियेळी (४) बीली
सदाबरत, सदावर्त पुं० सदाव्रत; अन्नक्षेत्र
सदा-बहार वि० हंमेश खीलेलुं रहे एवुं (२) सदा लीलुं रहेतुं
सदारत स्त्री०[अ.] सदरपणुं; सभापतित्व
सदावर्त पुं० सदाव्रत; अन्नक्षेत्र
सदाशय वि० [सं.] शुभ आशयवाळुं
सदा-सुहागिन स्त्री० वेश्या (व्यंग्य)
सदी स्त्री० [फा.] सैकुं; शताब्दी
सदृश वि०[सं.] मळतुं; जेवुं; समान
सदेह वि० [सं.] देह सहित
सदैव अ० [सं.] सदाय; हंमेश
सदोष वि०[सं.] दोषवाळुं (२) गुनेगार
सद्गति स्त्री०[सं.] शुभ गति(मरण बाद)
सद्गुण पुं०[सं.] सारो गुण के लक्षण
सद्द अ० (प.) सद्य; तरत; हमणां (२) स्त्री० [अ.] आड; दीवाल
सद्धर्म पुं०[सं.] सारो धर्म (२) बौद्ध के जैन धर्म [अस्तित्व
सद्भाव पुं०[सं.] सारो भाव; मेळ (२)
सद्य अ० [सं.] हमणां; तरत
सद्र पुं० [अ.] जुओ 'सदर'
सधना अ०क्रि० सधावुं (प्रेरक **सधाना**)
सधर्म वि०[सं.] समान धर्म के गुणवाळुं
सधवा स्त्री० [सं.] सौभाग्यवती स्त्री
सन पुं० शण (२) वि० स्तब्ध; सूम (३) [अ.] सन; साल
सनअत स्त्री० [अ.] कारीगरी; कळा-कौशल्य (२) उद्योग; धंधो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सनक स्त्री० धून; मननुं घेलुं (२) झनून. **–चढ़ना, –सवार होना**=धून आववी; घेलुं लागवुं

सनकना अ०क्रि० पागल थवुं [करवो

सनकारना स०क्रि० सनकारवुं; इशारो

सनद स्त्री०[अ.] प्रमाणपत्र के प्रमाण. **–दी** वि० प्रमाणवाळुं [प्रमाणित

सनद-याफ़्ता वि०[फा.] सनद पामेलुं;

सनदी वि० [फा.] सनदवाळुं

सनना अ० क्रि० पलळीने एक सरखुं थवुं (जेम के, आटो) (२) कशामां मळी के लीन थई जवुं; तरबोळ थवुं (३) गंदुं थवुं

सनम पुं०[अ.] मूर्ति (२) प्रिय पुरुष

सनसनाना अ०क्रि० सणसणवुं; सणसण अवाज करवो ['सनसनी'

सनसनाहट पुं० सणसणाट (२) जुओ

सनसनी स्त्री० झझणाट (२) सनसनाटी

सनहकी स्त्री०[अ.सनहक](मुसलमानोमां प्रायः वपरातुं) माटीनुं एक वासण

सना स्त्री० [अ.] वखाण; स्तुति (२) जुओ 'सनाय'

सनाअत स्त्री० जुओ 'सनअत'

सनातन वि०[सं.]हंमेशनुं; चिरंतन. **–नी** पुं० सनातन धर्मनो माणस

सनाथ वि० [सं.] साधार; नाथ के धणीवाळुं

सनाय स्त्री० सोनामुखी

सनाह पुं० कवच; बखतर

सनीचर पुं० शनिश्चर; शनिवार

सनीचरी स्त्री० शनिनी दशा

सनेह पुं० (प.) स्नेह; प्रेम; हेत. **–ही** वि० स्नेही [सरुनुं झाड

सनोबर पुं० [अ.] सनूबर; चीडनुं के

सन्न वि० सूम; शून्य; 'सन'

सन्नाटा पुं० शून्यता; नीरवता (२) एकांत (३) स्तब्धता (४) हवानो सणसणाट (५) वि० नीरव (६) एकांत. **–खींचना या मारना**=एकदम चूप थई जवुं. **सन्नाटेमें आना**=स्तब्ध थई जवुं [पासे होवुं ते

सन्निधि स्त्री० [सं.] पडोश; निकटता;

सन्निपात पुं०[सं.] एकसाथे पडवुं के अफळावुं ते (२) त्रिदोष रोग

सन्निविष्ट वि०[सं.] साथे बेठेलुं; एकठुं (२) स्थापेलुं (३) दाखल थयेलुं

सन्निवेश पुं०[सं.] संनिवेश; समीप (२) आसन; जगा

सन्निहित वि० [सं.] पासेनुं (२) पासे राखेलुं (३) तत्पर; तैयार

सन्मान पुं० [सं.] आदर-सत्कार

सन्मुख वि० [सं.] सामे; मोढामोढ

सपक्ष वि० [सं.] पक्षनुं; सहायक (२) पुं० मित्र [पत्नी सहित

सपत्नी स्त्री० [सं.] शोक (स्त्री). ०क वि०

सपथ पुं० शपथ; सोगन [थवुं

सपन,–ना पुं० स्वप्नुं. **–होना**=दुर्लभ

सप(–फ)रदाई पुं० नाचनारी साथेना साजनो माणस; साजिंदो

सपरना अ०क्रि० पूरुं थई शकवुं

सपराना स०क्रि० पूरुं करवुं; आटोपवुं

सपरिकर वि० [सं.] अनुचरो इ० ना ठाठ साथे

सपाट वि० सपाट; एकसरखुं

सपाटा पुं० सपाटो; झपाटो

सपिंड वि० [सं.] एक गोत्रनुं–सगोत्र

सपुर्द स्त्री० [फा. सिपुर्द] सुपरत; सोंपण

सपुर्दगी स्त्री० सोंपवुं ते; सुपरत करवुं ते

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सपूत पुं० सुपुत्र. **–ती** स्त्री० सपूतनी मा (२) सपूत होवो ते
सपेत(–द) वि० सफेद
सपेरा पुं० सापनो मदारी [बच्चुं
सपेला, सपोला पुं० सापोलियुं; सापनु
सप्त वि० [सं.] सात; ७
सप्तक पुं० [सं.] सातनुं जूथ
सप्तपदी स्त्री०[सं.] लग्ननी सप्तपदी– एक विधि [सातम
सप्तम वि० [सं.] सातमुं. **–मी** स्त्री०
सप्तर्षि पुं०[सं.] सात ऋषिनुं मंडळ (२) एक नक्षत्र [तिटलुं व्रत इ०
सप्ताह पुं०[सं.] सात दिननी मुदत के
सफ़ स्त्री०[अ.] पंक्ति; हार (२) फरस
सफगोल पुं० इसपगोळ
सफ़दर वि० [अ.] वीर; योद्धो
सफ़र पुं० [अ.] सफर; मुसाफरी (२) अरबी बीजो मास
सफरदाई पुं० जुओ 'सपरदाई'
सफर-मैना स्त्री०[इं.सॅपर ॲन्ड माईनर] सेनानी आगळ रस्ता इ० करनार सिपाहीवर्ग
सफ़रा पुं० [अ.] पित्त
सफ़री वि०[अ.] सफरमां कामनुं (२) पुं० सफर–खर्च [कामियाब
सफल वि० [सं.] फळवाळुं; सार्थ;
सफ़हा पुं० [अ.] सफो; पानुं
सफ़ा वि०[अ.] साफ (२) पाक; पवित्र (३) लीसुं; सपाट
सफ़ाई स्त्री० सफाई; स्वच्छता (२) मामलानी पतावट; तोड [सत्यानाश
सफ़ाया पुं० सफाचट–पूरुं थई जवुं ते(२)
सफ़ी वि०[अ.] साफ (२) पवित्र (३) पुं० एक फारसी फकीर

सफ़ीना पुं०[अ.] अदालती समन्स (२) नोंधपोथी (३) होडी
सफीर स्त्री० पक्षीनो कलरव के तेने बोलाववानी सीटी
सफ़ीर पुं० [अ.] एलची; राजदूत
सफ़ूफ़ पुं० [अ. सुफ़ूफ़] चूर्ण; भूको
सफ़ेद वि० [फा. सुफ़ैद] सफेद; धोळुं (२) कोरुं; कशुं लख्या वगरनुं
सफ़ेद-पोश पुं० सफेद कपडांवाळो (२) शिष्ट माणस; बाबू
सफ़ेदा पुं० [फा.] सफेदो (२) एक जातनी केरी (३) धोळी छालवाळुं एक झाड
सफ़ेदी स्त्री० सफेदी; धोळाश(२)चूनाथी धोळवुं ते. **–आना**=घरडुं थवुं; वाळ धोळा थवा [स्त्री० क्रूरता
सफ़्फ़ाक वि० [अ.] क्रूर; घातकी. **–की**
सब वि० सौ; बधुं (२) पूरुं; सारुं
सबक़ पुं० [अ.] पाठ; शिखामण (२) शिक्षा.**–देना, –पढ़ाना**=पाठ शीखववो (२) शिक्षा करवी. **–पढ़ना, –पाना, –लेना**=धडो लेवो
सबक़त स्त्री० [अ.] बीजाथी आगळ के विशेष होवुं ते. **–करना, –ले जाना** =आगळ वधी जवुं; टपी जवुं
सबका सब वि० बधुं ज; पूरेपूरुं
सब कुछ वि० एकेएक; बधुं ज
सबत करना=(कागळ दस्तावेज पर) सही दस्कत (के महोर) करवां
सबद पुं० (प.) शब्द; वाणी
सबब पुं०[अ.] कारण; हेतु (२) साधन
सबर पुं० सबूर; 'सब्र' (२)वि०(प.) सबळ
सबल वि० [सं.] सबळ (२) सेनायुक्त
सबा स्त्री०[अ.] (सवारनी) पूर्वनी हवा
सबात पुं० [अ.] स्थिरता; दृढता

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सबील स्त्री० [अ.] सडक; रस्तो (२) उपाय; युक्ति (३) परब

सबू पुं० [फा.] माटीनो घडो

सबूचा पुं० [फा.] नानो 'सबू'

सबूत पुं० [अ.] साबूती; संगीनता; दृढता (२) साबिती; प्रमाण

सबेरा पुं० जुओ 'सवेरा'

सब्ज़ वि०[फा.] काचुं ताजुं (फळफूल इ०) (२) लीलुं. **–बाग़ दिखलाना**= पोतानुं काम काढी लेवा मोटी मोटी आशाओ देखाडवी

सब्ज़-क़दम वि० अपशुकनियाळ पगलांवाळुं. **–मी** स्त्री०

सब्ज़-पा वि० अभागी

सब्ज़-बख़्त वि० सद्‌भागी. **–ती** स्त्री०

सब्ज़ा पुं०[फा.] हरियाळी (२) सबजी; भांग [जगा

सब्ज़ा-ज़ार पुं० खूब लीलोतरीवाळी

सब्ज़ी स्त्री०[फा.] जुओ 'सब्ज़ा' (२) लीलुं शाक [लखवुं

सब्त पुं०[अ.] लेख; खरडो. **–करना**=

सब्बल पुं० कोश; नराज

सब्र पुं० [अ.] सबर; धीरज. **–आना, –करना**=धीरज धरवी;खामोश रहेवुं. **–देना**=धीरज आपवी. (किसीका) **–पड़ना**=कोकने कष्ट दीधानां फळ मळवां. **–रखना**=खामोशी राखवी

सभा स्त्री० [सं.] मेळावडो; संमेलन. **०गृह** पुं० सभानुं स्थान. **०पति** पुं० सभानो प्रमुख. **०सद** पुं० सभ्य

सभ्य वि०[सं.] सभा संबंधी (२) शिष्ट; संस्कारी (३) पुं० सभासद. **०ता** स्त्री० शिष्टता (२) सुधारो; संस्कारिता

समंजस वि० [सं.] उचित; ठीक

समंत पुं०[सं.] सीमा; हद (२) वि० समस्त; बधुं

समंद पुं०[फा.]एक उमदा जातनो घोडो

समं(–मुं)दर पुं० समुद्र

सम वि०[सं.] समान; सरखुं (२) पुं० संगीतनो सम ताल(३)[अ. सम्म] झेर

समअ पुं० [अ.] कान

समअ-ख़राशी स्त्री० [फा.] नकामी वातोथी कान फोडवा के माथुं खावुं ते

समकक्ष वि० [सं.] समान कक्षानुं; बराबरियुं

समकालीन वि०[सं.] एक ज समयनुं

समकोण पुं०[सं.] काटखूणो (२) वि० सरखा खूणावाळुं

समक्ष अ० [सं.] सामे; रूबरू

समग्र वि० [सं.] कुल; बधुं

समझ स्त्री० समज; बुद्धि. **०दार** वि० समजणुं. **–पर पत्थर पड़ना**= समजमां ना ऊतरवुं – ना समजवुं

समझना स०क्रि० समजवुं

समझाना स०क्रि० समजाववुं

समझाव,–वा पुं० समजण

समझौता पुं० समजूती; आपसमां समजीने आणेलो निकाल

समतल वि० [सं.] सपाट

समता स्त्री० [सं.] समानता

समदना अ०क्रि० (प.) प्रेमथी मळवुं; भेटवुं (२) भेट करवुं; आपवुं

समधियाना पुं० पुत्र के पुत्रीनुं सासरुं

समधी पुं० पुत्र के पुत्रीनो ससरो; वेवाई

समन पुं० [अ.] मूल्य; किंमत (२) [इं.] अदालतनो समन्स (३) स्त्री० [फा.] चमेली [एकीकरण

समन्वय पुं० [सं.] संयोग; मिलन;

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

समन्वित वि० [सं.] संयुक्त; भेगुं
समय पुं० [सं.] काळ; वखत (२) युग; जमानो
समर पुं० [सं.] युद्ध
समर(-रा) पुं० [अ.] परिणाम; फळ (२) लाभ; बदलो
समर्थ वि०[सं.]बळवान; सशक्त(२)योग्य
समर्थक वि० समर्थन के टेको आपनार
समर्थन पुं० [सं.] टेको; पुष्टि
समर्पण पुं०[सं.] आपवुं के सोंपी देवुं ते
समर्पित वि०[सं.] निवेदित;समर्पण थयेलुं
समवाय पुं० [सं.] निकट संबंध (२) समूह; टोळुं
समवेत वि०[सं.] एकठुं थयेलुं; एकत्रित
समष्टि स्त्री० [सं.] कुल समूह
समसाम स्त्री० [अ.] नागी तलवार
समस्त वि०[सं.] बधुं; कुल (२) संयुक्त
समस्या स्त्री०[सं.] कोयडो; मुश्केल प्रश्न (२) काव्यपूर्ति माटेनी छेल्ली कडी
समाँ पुं० समय; समो; जमानो; ऋतु. **-बँधना** =(संगीत वगेरे) एवुं थवुं के लोक छक थई जाय
समा पुं०[अ.] आसमान; आकाश (२) जुओ 'समाँ' (३) स्त्री० [सं.] साल
समाअत स्त्री० [अ.] सांभळवुं ते
समाई स्त्री० समावेश; गुंजाश (२) वि० [अ.] सांभळेलुं; कोईनुं कहेलुं
समागत वि० [सं.] आवेलुं; पधारेलुं; एकठुं मळेलुं
समागम पुं०[सं.] मळवुं ते; भेट; साथ
समाचार पुं० [सं.] खबर. **०पत्र** पुं० वर्तमानपत्र; छापुं
समाज पुं०[सं.] समुदाय (२) मंडळ; संघ
समादर पुं० [सं.] आदरमान
समाधान पुं० [सं.] निवेडो; पतावट (२) शांति; संतोष
समाधि स्त्री० [सं.] तल्लीनता (२) योगनुं एक अंग (३) अंतिम क्रियानी जगा पर करातुं स्मारक मकान; रोजो
समान वि०[सं.] सरखुं; बरोबर (२) पुं० शरीरना पांच वायुमांनो एक
समाना अ०क्रि० समावुं (२) स०क्रि० समाववुं; भरवुं
समापक वि०[सं.] समाप्त-पूरुं करनार
समापन पुं० [सं.] समाप्त के पूरुं करवुं ते
समाप्त वि० [सं.] पूरुं; खतम. **-प्ति** [स्त्री० अंत
समारंभ पुं० [सं.] (धामधूम साथे) आरंभ; उत्सव
समारोह पुं० [सं.] समारंभ
समालोचक पुं०[सं.] गुणदोषनी समीक्षा करनार; अवलोकनकार. **-न** पुं०, **-ना** स्त्री० समीक्षा; अवलोकन
समावर्तन पुं० [सं.] परवारीने पाछुं फरवुं ते. जेम के, विद्या पूरी करीने
समाविष्ट वि० [सं.] समावायेलुं
समावी वि०[अ.] आसमानी; आकाशीय
समावेश पुं० [सं.] अंदर समाववुं ते; समास [शब्दोनो समास
समास पुं०[सं.] संग्रह; भेगुं थवुं ते (२)
समाहार पुं०[सं.] समूह; ढग (२) मिलन
समिति स्त्री० [सं.] कमिटी; नानुं मंडळ के सभा
समिध,-धा स्त्री० [सं.] (यज्ञनुं) ईंधण
समीकरण पुं० [सं.] समान करवुं ते (२) गणितनुं समीकरण [विवेचन
समीक्षा स्त्री०[सं.] समालोचना; सम्यक्
समीचीन वि० [सं.] योग्य; ठीक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

समीप अ० [सं.] पासे; निकट. **०वर्ती** वि० पासेनुं
समीर,०ण पुं० [सं.] वायु; पवन
समुंदर पुं० समुद्र; 'समंदर'
समुचित वि० [सं.] वाजबी; योग्य
समुच्चय पुं० [सं.] ढग; समूह
समुझ स्त्री० (प.) समज. **०ना** स०क्रि० (प.) समजवुं
समुदाय पुं० [सं.] समूह; जथो
समुद्र पुं०[सं.] दरियो. **०गा** स्त्री० नदी
समुहा वि० सामेनुं (२) अ० सामे; सन्मुख [थवुं
समुहाना अ०क्रि० सामे आववुं; सन्मुख
समूचा वि० समूचुं; बधुं
समूम स्त्री० [अ.] लू; ऊनो–गरम वा
समूर पुं०[सं.] सावर हरण (२) [अ.] शियाळ जेवुं एक पशु के तेनुं रुवांटीदार चामडुं [सकारण
समूल वि०[सं.] मूळ साथे; समूळगुं (२)
समूह पुं०[सं.] टोळुं; समुदाय (२) ढगलो
समृद्ध वि०[सं.] मातबर; मालदार (२) भर्युंभादर्युं. **–द्धि** स्त्री० संपत्ति
समेटना स०क्रि० समेटवुं; एकठुं करवुं
समेत अ० [सं.] सहित; साथे
समै(०या),–मो पुं० (प.) समय
समोना स०क्रि० पाणी समोववुं
समौरिया वि० समोवडियुं; समान उंमरनुं [संमति
सम्मत वि० [सं.] संमत. **–ति** स्त्री०
सम्मान पुं० [सं.] सन्मान; आदर
सम्मिलन पुं० [सं.] संमिलन; मेळाप
सम्मिश्रण पुं० [सं.] संमिश्रण; भेगुं करवुं ते
सम्मुख अ० [सं.] सन्मुख; सामे
सम्मेलन पुं० [सं.] संमेलन; मेळावडो
सम्मोह पुं० [सं.] संमोह; मोह; भ्रम
सम्यक् वि० [सं.] बरोबर; योग्य
सम्राज्ञी स्त्री०[सं.] सम्राटनी महाराणी
सम्राट पुं०[सं.] चक्रवर्ती राजा; बादशाह
सयानपत स्त्री०, सयानप, **०न** पुं० शाणपण (जुओ 'सयाना')
सयाना वि० शाणुं; समजु; चतुर (२) चालाक; पहोंचेल (३) उंमरे पहोंचेलुं
सरंजाम पुं०[फा.] प्रबंध; तैयारी (२) सामान; असबाब (३) छेवट; अंजाम
सर पुं०[फा.]शिर (२) टोच (३) पत्तांनो सर (४) वि० सर–ताबे करेलुं; पराजित (५) अ० उपर (६) सामे
सर-अंजाम पुं०[फा.] जुओ 'सरंजाम'
सरकंडा पुं० सरपट जेवी एक वनस्पति; सरकट [दारूनो नशो
सरक स्त्री० 'सरकना'–परथी नाम (२)
सरकना अ०क्रि० सरकवुं; खसवुं (२) नियत समयथी मोडुं थवुं–मुहूर्त खसवुं (३) काम नभवुं के चालवुं [एवुं
सरकश वि० [फा.] उद्धत (२) सामे थाय
सरक़ा पुं० [अ.] चोरी; तफडंची. **०बिलजब्र** पुं० डकाटी
सरकार स्त्री०[फा.] राजसत्ता; हकूमत (२) पुं० सूबो; जिल्लो (३) मालिक. **–करना, –चढ़ना**=कोरट कचेरीए चडवुं ने फरियाद करवी
सरकारी वि० सरकारनुं के तेने लगतुं
सरकारी काग़ज़ पुं० सरकारी कागळियुं (२) पैसानी नोट [(२) शिक्षा; दंड
सरकोबी स्त्री० [फा. सर+कोब] दमन
सरख़त पुं० [फा.] भाडाचिठ्ठी (२) ऋण चूकते कर्यानी पहोंच

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सरग पुं० (प.) स्वग
सरग़ना पुं० [फा.] नेता; आगेवान
सरगम पुं० संगीतनी सारीगम
सरगरदाँ वि०[फा.] गभरायेलुं; हेरान
सरगरम, सरगर्म वि० [फा.] जोशीलुं (२) उत्साही (३) तत्पर; चालाक. (नाम, **–मी, –र्मी** स्त्री०)
सरगश्ता वि०[फा.] दुर्दशामां सपडायेलुं; बेहाल (नाम, **–श्तगी**)
सर-गुज़श्त स्त्री०[फा.] आपवीती (२) वर्णन (३) जीवनचरित
सर-गोशी स्त्री० [फा.] कानफूसियां
सरघा स्त्री० [सं.] मधमाख
सर-चश्मा पुं०[फा.] नदीनो उगम (२) पाणीनो झरो
सरज़द वि० प्रगट; जाहेर
सर-ज़मीन स्त्री०[फा.] देश (२) जमीन
सरजा पुं० सिंह (२) सरदार
सरज़ोर वि० [फा.] जबरुं (२) शिरजोर (३) जुओ 'सरकश' (नाम, **–री**)
सरणी स्त्री० [सं.] रस्तो (२) पगदंडी
सरताज पुं०[फा.] सर्वश्रेष्ठ; शिरताज
सरतान पुं० [अ.] करचलो
सर-ता-पा अ० [फा.] माथाथी पग लगी; आदिथी अंत लगी
सरता-बरता पुं० वहेंचणी. **–करना**= सहकारथी काम करवुं
सरद वि० जुओ 'सर्द'
सरदई वि० जुओ 'सर्दई'
सर-दर अ० सरासरी (२) एक छेडेथी
सर-दर्द पुं० माथानुं दरद; पीडा
सरदा पुं०[फा.] एक जातनुं खडबूचुं
सरदार पुं० [फा.] नायक (२) अमीर (३) शीख माटे मानवाचक शब्द. **–री** स्त्री० सरदारपणुं
सरदी स्त्री० जुओ 'सर्दी'
सरन पुं० (प.) शरण; आशरो
सर-नविश्त स्त्री०[फा.] नसीब; तकदीर
सरना अ०क्रि० सरवुं; चालवुं (२) निपटवुं (३) नभवुं; चाली जवुं
सरनाम वि० [फा.] नामीचुं; प्रख्यात
सरनामा पुं० [फा.] (लेखनुं) मथाळुं; शीर्षक (२) सरनामुं
सरपंच पुं० पंचायतनो प्रमुख
सरपट अ० पूरपाट; पुरजोश
सरपत(–ता) पुं० [सं. शरपत्र] सरपट; कुश जेवुं छाजनुं घास
सरपरस्त वि०[फा.] संरक्षक (नाम **–स्ती**)
सरपें(–पे)च पुं० शिरपेच; कलगी; तोरो
सरपोश पुं०[फा.] थाळी इ० ढांकवानो रूमाल के ढांकणुं [(नाम, **–शी**)
सर-फ़राज़ वि०[फा.] प्रतिष्ठित; मोटुं.
सरफ़ा पुं० जुओ 'सर्फ़ा'
सरबंधी पुं० बाणावळी
सर-बराह(०कार) पुं०[फा.] सरभरा करनार; व्यवस्थापक (२) मुकादम
सर-बराही स्त्री०[फा.]सरभरा; बंदोबस्त
सरबस पुं० (प.) सर्वस्व; बधुं
सर-ब-सर अ० [फा.] पूरुं; आद्यन्त
सर-बस्ता वि० [फा.] छूपुं; गुप्त
सर-बाज़ वि०[फा.] जानना जोखमथी वर्तनार; वीर; बहादुर [नसीबदार
सर-बुलंद वि० [फा.] प्रतिष्ठित (२)
सरमद वि० [अ.] शाश्वत; नित्य
सरमस्त वि० [फा.] मस्त; मदमत्त
सरमा स्त्री०[सं.] देवनी कूतरी (वेदोमां) (२) कूतरी (३) पुं० [फा.] शियाळो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सरमाया पुं० [फा.] मूडी (२) संपत्ति. ०**दार** पुं० मूडीवाळो. ०**दारी** स्त्री० मूडीवाद

सरल वि० [सं.] सरळ; सीधुं; सहेलुं

सरवत स्त्री० [अ.] समृद्धि; वैभव

सरवर पुं० सरदार [फा.] (२) (प.) सरोवर (३) तुलना

सरवरि स्त्री० (प.) तुलना

सरवरी स्त्री० [फा.] सरदारी

सरवरे-कायनात पुं० [फा.] सृष्टिनो सरवर-नेता (२) महंमद पेगंबरनो एक इलकाब

सरवाक पुं० कोडियुं; शकोरुं

सरवान पुं० तंबू

सरविस स्त्री० [इं.] नोकरी (२) सेवा

सरवे पुं० [इं.] जमीननी मापणी

सरशार वि० [फा.] नशाथी चकचूर (२) मदमत्त (नाम, –री)

सरस वि० [सं.] रसवाळुं (२) भीनुं (३) सारुं; सुंदर (४) रसिक; मजेदार

सरसई स्त्री० मरवा जेम वेसतुं नानुं फळ (२) (प.) सरसता; सौंदर्य (३) सरस्वती नदी

सरसठ वि० सडसठ; ६७

सरसना अ०क्रि० लीलुं थवुं; फूटवुं

सरसब्ज वि० [फा.] हरियाळुं; भर्युंभादर्युं

सरसर पुं० सरसर गतिनो ध्वनि (जेम के हवा, साप इ० नो)

सरसराना अ०क्रि० सरसर जवुं के वहेवुं. –**हट** स्त्री० तेनी क्रिया

सरसरी अ० सरसर; झटझट

सरसाई स्त्री० सरसता; सुंदरता (२) सरसाई; चडियातापणुं

सरसाम पुं० [फा.] सन्निपात; मूंझारो

सरसार वि० मग्न (२) चकचूर

सरसिज,–रुह पुं० [सं.] कमळ

सरसी स्त्री० [सं.] तळावडी

सरसेटना स०क्रि० वढवुं; झाटकवुं

सरसों स्त्री० सरसव

सरस्वती स्त्री० [सं.] विद्यादेवी (२) वाणी

सरह पुं० तीड (२) पतंगियुं

सरहंग पुं० सैनिक (२) सेनापति (३) कोटवाळ (४) वि० उद्दंड

सरहज स्त्री० साळावेली

सरहटी स्त्री० एक छोड

सरहद स्त्री० [फा.+अ.] सरहद; सीमा. –**दी** वि० सरहदनुं के ते संबंधी

सरहरी स्त्री० एक छोड [चिता

सरा स्त्री० 'सराय'; धर्मशाळा (२) (प.)

सराई स्त्री० शकोरुं

सराध पुं० श्राद्ध

सराप पुं० शाप. ०**ना** स०क्रि० शाप देवो

सरापा अ० [फा.] जुओ 'सर-ता-पा'

सराफ़ पुं० [अ. सर्राफ़] शराफ; नाणावटी (२) सोना चांदीनो वेपारी. ०**खाना** पुं० बॅन्क [(३) बॅन्क

सराफ़ा पुं० सराफी (२) सराफ-बजार

सराफ़ी स्त्री० सराफनो धंधो; व्याजवटुं

सराब पुं० [अ.] मृगजळ

सराबोर वि० तरबोळ; साव पलळेलुं

सराय स्त्री० [फा.] सराई; धर्मशाळा. –**ए-फ़ानी** स्त्री० फानी दुनिया. –**का कुत्ता**=मतलबी; स्वार्थी. –**की भठियारी** =झघडाळु–बेशरम स्त्री

सरायत स्त्री० घूसवुं ते; प्रवेश (२) असर; प्रभाव

सराव पुं० शकोरुं

सरावग(–गी) पुं० श्रावक; जैन

सरासर अ० [फा.] सरार; सराधरा; हरार

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सरासरी स्त्री०[फा.] जलदी; उतावळ (२) सरेराश; अंदाज (३) अ० जलदी (४) सरासरी; अंदाजथी

सराह स्त्री० (प.) स्तुति; प्रशंसा

सराहत स्त्री०[अ.] टीका (२) स्पष्टता

सराहना स्त्री० सराह; स्तुति (२) स०क्रि० सराहवुं; वखाणवुं. **–नीय** वि० स्तुतिपात्र

सरि वि० सरखुं; समान (२) स्त्री० [सं.] झरणुं (३) नदी; सरिता [समुद्र

सरित्,–ता स्त्री० [सं.] नदी. **–त्पति** पुं०

सरियाना स०क्रि० ठीकठाक करीने एकठुं करवुं; 'समेटना'

सरिश्त स्त्री०[फा.] स्वभाव (२) गुण (३) वि० मिश्रित

सरिश्ता पुं० [फा. सरेरिश्तः] कचेरी (२) कार्यालयनुं खातुं; दफतर

सरिश्तेदार पुं० शिरस्तेदार (२) खातानो मोटो अमलदार. **–री** स्त्री० तेनुं काम

सरिस वि० (प.) सदृश; समान

सरीअ वि०[अ.] जलदी करनार;उतावळुं

सरीखा वि० सरखुं; समान

सरीफा पुं० जुओ 'शरीफा' [गादी

सरीर पुं० (प.) शरीर (२) [अ.] तख्त;

सरीह वि० [अ.] स्पष्ट; खुल्लुं

सरीहन् अ०[अ.] सरेतोरे; जाहेर; छचोक

सरुज वि० [सं.] रोगी

सरुष वि० [सं.] रोषमां आवेलुं

सरूप वि०[सं.] साकार (२) रूपवान

सरूर पुं० जुओ 'सुरूर' [सरियाम

सरेआम अ०[फा.] जाहेर; खुल्लंखुल्ला;

सरेख,–खा वि०(प.) लायक; समजणुं

सरे-दस्त अ०[फा.] हमणां ज; अबघडी (२) हाल पूरतुं; 'फ़िलहाल'

सरे-नौ अ० [फा.] तद्दन शरूआतथी

सरे-बाज़ार अ०[फा.] छडेचोक; सरेतोरे

सरेराह पुं० [फा.] धोरी रस्तो (२) अ० रस्ता उपर [एक झाड

सरो पुं० [फा.] बागमां शोभा माटे होतुं

सरोकार पुं० [फा.] संबंध; लेवादेवा

सरोज पुं० [सं.] कमळ

सरोजना स०क्रि० (प.) प्राप्त करवुं

सरोद पुं० [फा.] एक तंतुवाद्य (२) गानतान

सरोरुह पुं० [सं.] कमळ

सरोवर पुं० [सं.] तळाव

सरोश पुं० [फा.] पेगंबर; फिरस्तो

सरोष वि० [सं.] जुओ 'सरुष'

सरो-सामान पुं० सरसामान

सरौता पुं० सरोतो; सूडी

सर्कस पुं० [इं.] सरकस खेल

सर्क़ा पुं० [अ.] जुओ 'सरक़ा'

सर्किट-हाउस पुं०[इं.] सरकारी उतारो

सर्किल पुं०[इं.] गामोनुं मंडळ; 'सर्कल'

सर्क्यूलर पुं० [इं.] परिपत्र

सर्ग पुं० [सं.] अध्याय; प्रकरण (२) सर्जन; सृष्टि (३) त्याग (४) (प.) स्वर्ग

सर्गुन वि० (प.) सगुण [शस्त्रवैद

सर्जन पुं०[सं.] निर्माण; उत्पत्ति (२) [इं.]

सर्जन्ट, सर्जेन्ट पुं०[इं.] सारजंट पोलीस

सर्जरी स्त्री० [इं.] शस्त्रवैदुं

सर्टिफिकेट पुं० [इं.] प्रमाणपत्र

सर्द वि०[फा.] ठंडुं; शीतळ (२) ढीलुं; मंद (३) नामरद; निर्वीर्य

सर्द-मिज़ाज वि० ठंडुं; उत्साह वगरनुं (२) शुष्क; सहानुभूति वगरनुं

सर्दी स्त्री०[फा.] 'सर्द' परथी नाम (२) शरदी; सळेखम (३) शियाळो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

• Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सर्प पुं०[सं.] साप. ०**काल** पुं० गरुड़
सर्पिणी स्त्री०[सं.] सापण (२) एक वेल
सर्पि,०स् पुं० [सं.] घी
सर्फ़ पुं०[अ.] व्यय; खरच (२) व्याकरण
सर्फ़ा पुं० [अ.] खरच; वापर; व्यय
सर्फ़ी वि० [अ.] वैयाकरणी
सर्बस वि० (प.) सर्वस्व
सर्राफ़ पुं० [अ.] जुओ 'सराफ़'
सर्राफ़ा पुं० जुओ 'सराफ़ा'
सर्व वि० [सं.] बधुं
सर्वकाम पुं०[सं.] सौ कामनाओ पूरी करनार (२) शिव
सर्वग्रास पुं० [सं.] खग्रास ग्रहण
सर्वजनीन वि० [सं.] सार्वजनिक
सर्वज्ञ वि० [सं.] बधुं जाणनार (२) पुं० प्रभु
सर्वतंत्र वि०[सं.] बधां शास्त्रोने मान्य
सर्वतः अ०[सं.] बधी तरफथी के रीते
सर्वतोभाव,-वेन अ०[सं.] 'भली भाँति'; सौ रीते; बरोबर
सर्वत्र अ० [सं.] बधे
सर्वथा अ० [सं.] बधी रीते
सर्वदा अ० [सं.] सदा
सर्वरी स्त्री० (प.) शर्वरी; रात्रि
सर्वशः अ० [सं.] बधी – पूर्ण रीते
सर्वस्व पुं०[सं.] बधुं; कुल मालमत्ता
सर्षप पुं० [सं.] सरसव
सर्सों पुं० 'सरसों'; सरसव
सलई स्त्री० चीडनुं झाड के तेनो गुंदर
सलग(-ज)म पुं० जुओ 'शलग़म'
सलज्ज वि० [सं.] लज्जावाळुं
सलतनत स्त्री०[अ.] सल्तनत (२) प्रबंध; गोठवण (३) आराम; निरांत
सलना अ०क्रि० साल पडवुं; वींधावुं
सलफ़ वि० [अ.] गत; व्यतीत
सलब वि० [अ. सल्व] बरबाद; नष्ट
सलमा पुं० सोनाचांदीनो तार
सलवात स्त्री० [अ.] रहेम; शुभेच्छा (२) गाळ
सलवार स्त्री० [फा.] एक जातनो [पायजामो
सलहज स्त्री० जुओ 'सरहज'
सला स्त्री० [अ.] नोतरुं; आमंत्रण
सलाई स्त्री० पातळी सळियो (२) दीवासळी
सलाख स्त्री० सळियो [एक भाजी
सलाद पुं०[इं.] कचुंबर तरीके खवाती
सलाबत स्त्री० [अ.] दृढता; मजबूती
सलाम पुं०[अ.] सलाम; वंदन. **–देना** = सलाम करवी. **–लेना** = सामे सलाम करवी; सलाम झीलवी [रक्षा
सलामत वि० [अ.] सुरक्षित. **–ती** स्त्री०
सलामत-रवी स्त्री० [अ.+फा.] मध्यम मार्ग (२) मापसर खरच
सलामी स्त्री० सलामनी रीत; सलाम करवी ते
सलार पुं० एक पक्षी
सलाह स्त्री०[अ.] भलाई; सदाचार (२) सलाह सूचना (३) इच्छा; विचार. ०**कार,–ही** पुं० सलाह आपनार. **–हि(-ही)यत** स्त्री० भलाई; योग्यता
सलिल पुं० [सं.] पाणी
सलीक़ा पुं० [अ.] ढंग; रीत (२) कुशळता; होशियारी (३) सभ्यता (४) वर्तन; रीतभात. ०**दार,** ०**मंद** वि० 'सलीक़ा'वाळुं
सलीता पुं० एक जातनुं गजिया जेवुं कपडुं
सलीपर पुं० स्लीपर जोडा
सलीब स्त्री०[अ.] शूळी (२) खिस्ती क्रॉस

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सलीम वि० [अ.] ठीक; सारुं (२) तंदुरस्त (३) साफ दिलनुं (४) शांत; धीर
सलीम-उत्तबा वि०[अ.] कोमळ दिलनुं (२) धीर; गंभीर (३) बुद्धिमान
सलीस वि० [अ.] सुगम; सरळ
सलूक पुं०[अ.] वर्तन; रीतभात (२) मेळ (३) भलाई; नेकी
सलोतर पुं० सालोत्रीनी विद्या; ढोर-वैदुं
सलोतरी पुं० सालोत्री [सुंदर
सलोना वि० लूण–मीठावाळुं(२) सलूणुं;
सलोनो पुं० बळेव; रक्षाबंधननो तहेवार
सल्ख स्त्री० [अ.] सुद बीज
सल्तनत स्त्री० जुओ 'सलतनत'
सल्ब वि० [अ.] जुओ 'सलब'
सल्लम पुं० जाडुं कपडुं–गजियुं
सवत(–ति) स्त्री० 'सौत'; शोक; सपत्नी
सवन पुं० [सं.] प्रसव [उंमरनुं
सवयस,–स्क वि०[सं.] समवयस्क;सरखी
सवया स्त्री० [सं.] सखी; साहेली
सवर्ण वि०[सं.] सरखा वर्ण के जातिनुं
सवा वि० एक उपर पा
सवाई वि० सवायुं (२) स्त्री० सवाया व्याजनो दर
सवाद पुं० (प.) स्वाद
सवाब पुं० [अ.] पुण्य (२) भलाई
सवार पुं०[फा.] घोडेसवार (२) वि० आरूढ; उपर चडेलुं
सवारी स्त्री०[फा.] सवार थवुं ते के तेनुं वाहन (२) वरघोडो (३) वाहनमां बेसनार व्यक्ति
सवाल पुं० [अ.] प्रश्न (२) मागणी. **–लात** पुं० ब०व० [अ.] सवालो
सवाली पुं० [फा.] मागणी करनार
सविकल्प वि०[सं.] संशय के दुविधावाळुं
सविता पुं० [सं.] सूर्य [कानूनभंग
सविनय अवज्ञा स्त्री० [सं.] सविनय
सवेरा पुं० सवार; प्रभात
सवैया पुं० सवा शेरनुं वजन(२) सवाना आंक (३) सवैया छंद
सव्य वि०[सं.] डाबुं (२) जमणुं (३) विरुद्ध
सशंक वि० [सं.] साशंक
ससि,०धर पुं० (प.) शशी; चंद्र
ससुर पुं० ससरो
ससुराल स्त्री० सासरी
सस्ता वि० सस्तुं. **सस्ते छूटना**=थोडामां के थोडी महेनते पतवुं [सस्तुं करवुं
सस्ताना अ०क्रि० सस्तुं थवुं(२) स०क्रि०
सस्ती स्त्री० सस्तापणुं
सस्त्रीक वि० [सं.] साथे पत्नी के स्त्रीवाळुं
सस्य पुं० [सं.] धान्य; अन्न
सहँगा वि० (प.) सोंघुं; सस्तुं
सह वि० [सं.] साथे; सहित
सहकार पुं०[सं.] आंबो (२) साथे मळी काम करवुं ते; साथ (३) मददगार
सहकारी पुं० [सं.] साथी; मददनीश. **–रिता** स्त्री० साथ; मदद [थवुं ते
सहगमन पुं० [सं.] साथे जवुं ते (२) सती
सहगामिनी स्त्री०[सं.] सती थनार स्त्री
सहगामी पुं० [सं.] साथे जनार; अनुयायी
सहगौन पुं० (प.) सहगमन
सहचर पुं०[सं.] साथी; मित्र (२) सेवक
सहचरी स्त्री०[सं.] सखी (२) पत्नी
सहज वि०[सं.] स्वाभाविक (२) सहेलुं (३) पुं० सगो भाई; सहोदर
सहत पुं० 'शहद'; मध
सहदानी स्त्री० (प.) निशानी; चिह्न
सहधर्मिणी स्त्री० [सं.] पत्नी [आंगणुं
सहन पुं०[सं.] सहेवुं ते (२) [अ.] चोक;

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सहना स०क्रि० सहवुं; वेठवुं; भोगववुं
सहनीय वि० [सं.] सह्य
सहपाठी पुं० [सं.] सहाध्यायी
सहभोज,०न पुं० सहभोजन
सहभोजी पुं० सहभोजन करनार
सहम पुं०[फा.] भय; डर (२) संकोच. **०नाक** वि० भयानक
सहमत वि०[सं.] संमत; सरखा मतवाळुं
सहमना अ०क्रि० डरवुं (प्रेरक **सहमाना**)
सहयोग पुं० [सं.] सहकार
सहर पुं० [अ.] सवार; प्रभात (२) [अ. सिह्] जादु (३) अ० धीमे धीमे; मंद गतिए
सहर-खेज़ वि०[अ.+फा.] चोर;उठावगीर
सहर-गही स्त्री० 'सहरी'; सरगी
सहरा पुं० [अ.] खाली मेदान (२) जंगल (३) रण. **०ई** वि० जंगली
सहरी स्त्री० शफरी माछली (२) सरग़ी; रोजामां करातो मळसकानो नास्तो
सहल वि० [अ.] सहेलुं
सहलाना स०क्रि० थाबडवुं; धीरेथी पंपाळवुं या घसवुं के हाथ फेरववो (२) गलीपची करवी (३) अ०क्रि० गली थवी के वलूर आववी
सहवास पुं०[सं.] साथे रहेवुं ते (२) मैथुन
सहस,–स्त्र वि० [सं.] हजार
सहसा अ० [सं.] एकदम
सहस्र वि० [सं.] हजार
सहाइ (–ई,–उ) पुं० सहाय; मददगार
सहाध्यायी पुं० [सं.] साथे भणनार
सहानुभूति स्त्री०[सं.] हमदर्दी; सामाना दुःखथी दुःखी थवुं ते
सहाब पुं० [अ.] वादळुं
सहाबा पुं० [अ.] मित्र; दोस्त
सहाय पुं० [सं.] मदद (२) सहायक
सहायक वि०[सं.] सहाय के मदद करनारुं
सहायता स्त्री० [सं.] मदद
सहायी वि० [सं.] सहायक
सहार पुं० सहन (२) सहनशीलता
सहारना स०क्रि० सहवुं; खमवुं
सहारा पुं० सहाय; मदद (२) आशरो; हूंफ
सहालग पुं० लगनगाळो
सहावल पुं० 'साहुल'; ओळंबो
सहिजन पुं० [सं. शोभांजन] सरगवो
सहित अ० [सं.] साथे [निशानी
सहिदान,–नी स्त्री० (प.) 'सहदानी';
सहिष्णु वि० [सं.] सहनशील; वेठी जाणे एवुं [शुद्ध (२) स्त्री० सही; दस्कत
सही वि० [अ. सहीह] साचुं; प्रामाणिक;
सही भरना=मानी लेवुं
सहीफ़ा पुं०[अ.] पुस्तक (२) सामयिक
सही-सलामत वि० [अ.] सारी हालत-वाळुं; स्वस्थ; नीरोग [सलामत
सही-सालिम वि० बरोबर; पूरुं (२) सही-
सहीह वि० [अ.] स्वस्थ; दुरस्त
सहूलत [अ.], **सहूलियत** स्त्री० सहेलाई (२) अदब; विनय; विवेक
सहृदय वि० [सं.] भली लागणीवाळुं; दयाळु; हमदर्द
सहेजना स०क्रि० संभाळीने तपासवुं के जोई लेवुं (२) कही समजावीने सोंपवुं
सहेट,–त पुं० प्रेमीओने मळवानुं संकेत-स्थान
सहेतुक वि० [सं.] हेतुयुक्त
सहेली,–लरी स्त्री० (प.) साहेली; सखी
सहैया वि० सहनार (२) पुं०(प.) सहायक
सहो पुं० [अ. सह्व] भूल; चूक
सहोदर पुं० [सं.] सगो भाई

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सह्य वि० [सं.] सही शकाय एवुं
सह्वन् अ० [अ.] भूलथी
साँई पुं० स्वामी (२) प्रभु (३) फकीर
साँकड़ पुं० सांकळ (२) सांकळुं (३) वि० सांकडुं; तंग
साँकड़ा पुं० पगनुं सांकळुं
साँकर,-ल स्त्री० सांकळ
सांग वि० [सं.] अंग सहित
साँग स्त्री० बरछी जेवुं एक शस्त्र
साँगी स्त्री० जुओ 'साँग' (२) गाडीना हांकनारने बेसवानी जगा के तेनी नीचे कांई मूकवा रखाती झोळी
सांगोपांग वि० [सं.] पूरेपूरुं
साँच वि० साच; सत्य
साँचला वि० साचकलुं; सत्यवादी
साँचा पुं० सांचो; बीबुं; फरमो. **साँचेमें ढालना**=बहु सुंदर बनाववुं
साँची पुं० पोथी आकारनी छपाई
साँझ स्त्री० (प.) सांज; संध्या
साँझला पुं० एक हळे सांज सुधीमां खेडी शकाय एटली जमीन
साँझी स्त्री० देवमंदिरमां कराती फूलनी सजावट
साँट स्त्री० सोटी के कोयडो या तेनो सोळ
साँटा पुं० सोटो (२) सांठो (शेरडीनो)
साँटिया पुं० ढोल पीटनार
साँटी स्त्री० सोटी (२) मेळ (३) बदलो
साँठ पुं० सांठो (२) पगनुं सांकळुं
साँठ-गाँठ स्त्री० गांठ; मेळाप (२) अनुचित गुप्त संबंध
साँड़ पुं० सांढ; गोधो
साँड़नी स्त्री० सांढणी
साँड़ा पुं० सांढो [सवार
साँड़िया पुं० वेगवाळुं ऊंट (२) सांढणीनो

सांत्वन पुं०, **-ना** स्त्री० [सं.] दिलासो; संतोष; शांति [सांधवुं (३) सांधवुं
साँधना स०क्रि० (प.) निशानी करवी (२)
साँप पुं० साप. (स्त्री० **साँपिन**) **-उतारना**=सापनुं झेर उतारवुं. **कलेजे पर साँप लोटना**=भारे दुःख थवुं. **-का पाँव देखना**=अशक्य माटे मथवुं. **-के मुँहमें**=जोखम के खतरामां. **-सूँघ जाना**=मरी जवुं (साप करडवाथी)
सांप्रत अ० [सं.] अत्यारे; हमणां (२) वि० अर्वाचीन; अत्यारनुं
सांप्रदायिक वि० [सं.] संप्रदायनुं के ते संबंधी
सांबरी स्त्री० जादूगरी
साँभर पुं० सांभर सरोवर के तेमांथी पकवातुं मीठुं (२) वटेसरी; भाथुं
साँमुहे अ० सामे
साँवत पुं० (प.) सामंत; योद्धो
सांवत्सरी स्त्री० [सं.] संवत्सरी; वार्षिक मरणतिथि
साँवर वि० (प.) शामळुं
साँवला,-लिया वि० शामळुं; काळाश पडतुं (२) पुं० श्रीकृष्ण
साँवाँ पुं० सामो धान्य
साँस स्त्री० सास; श्वास (२) दमनो रोग. **-उखड़ना, -टूटना**=श्वास ऊपडवो के तूटवो (मरती वेळा). **-चढ़ना, -फूलना**=श्वास चडवो. **-लेना**=सास खावो; विराम लेवो
साँसत स्त्री० श्वास लेवानी मुश्केली (२) सांसता; सांसा; मुश्केली
साँसत-घर पुं० जेलनी काळी कोटडी; अंधेरी [पीडवुं
साँसना स०क्रि० (प.) शासन करवुं;

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सांसा पुं० सास; दम (२) प्राण; जिंदगी (३) संशय; सांसो (४) डर; दहेशत. **–चढ़ना**=फिकर थवी. **–पड़ना**=शक जवो. **–रहना**=अंदेशो होवो

सांसारिक वि०[सं.]संसार संबंधी; ऐहिक

सांस्कारिक वि० [सं.] संस्कार संबंधी

सांस्कृतिक वि०[सं.] संस्कृति के सुधारा संबंधी

सा वि० पुं० जेवुं; समान. उदा.'चाँदसा'

साअ(–इ)त स्त्री० [अ.] एक कलाक (२) पळ (३) महुरत

साइक़ा स्त्री० [अ.] वीजळी

साइकिल स्त्री० [इं.] बाइसिकल

साइनबोर्ड पुं० [इं.] नामनुं पाटियुं

साइन्स स्त्री० [इं.] विज्ञान; शास्त्र

साइयाँ पुं० (प.) सांई; स्वामी; प्रभु

साइ(–य)र पुं० [अ.] जुओ 'सायर'

साईं पुं० जुओ 'साँई'

साई स्त्री० बानुं; 'पेशगी'

साईस पुं० [फा.] सईस; रावत. **–सी** स्त्री० तेनुं काम के धंधो

साक(–ग) पुं० शाक [थड

साक़ स्त्री० [अ.] पगनी पिंडी (२) झाडनुं

साकचेरि स्त्री० मेंदी

साकट,–त पुं० शाक्तपंथी (२) छाटको के दुष्ट नगरो माणस [स्मारक

साका पुं० शक; संवत (२) कीर्ति के तेनुं

साकार वि० [सं.] मूर्त; स्थूल (२)रूपवान

साकिन वि० [अ.] निवासी; रहेवासी (२) खोडो अक्षर, जेम के 'द्'

साक़ी पुं० [अ.] दारू पानार (२) प्रेमीनुं संबोधन (स्त्री० **साक़िन**)

साकेत,०न पुं० [सं.] अयोध्या

साक्षर वि० [सं.] भणेलुं

साक्षात् अ० [सं.] प्रत्यक्ष

साक्षात्कार पुं०[सं.] भेट; मुलाकात (२) प्रत्यक्ष ज्ञान [शाहेदी

साक्षी [सं.] शाहेद (२) प्रेक्षक (३) स्त्री०

साक्ष्य पुं० [सं.] साक्षी; शाहेदी

साख पुं० साक्षी; शाहेद (२)साख; आबरू

साखना स०क्रि० (प.) साख पूरवी

साखा स्त्री० (प.) शाखा (२) घंटीनो खीलडो

साखी पुं० साक्षी देनार (२) स्त्री० साक्षी (३) साखी काव्य. **–पुकारना**=साक्षी आपवी

साखू पुं० शाल वृक्ष [वात

साख़्त स्त्री० [फा.] बनावट (२) कल्पित

साग पुं० तैयार करेलुं शाक (२) भाजीपालो

सागपात पुं० लूखुंसूकुं भोजन

सागर पुं० [सं.] दरियो

साग़र पुं० [अ.] प्यालो (शराबनो). ०**कश** वि० दारू पीनार

सागवन पुं० साग; 'सागौन'

सागू(–गो) पुं० एक झाड जेमांथी सागुचोखा बनावाय छे

सागूदाना पुं० सागुचोखा; साबुदाणा

सागो पुं० जुओ 'सागू'

सागौन पुं० साग; 'सागवन'

साज़ पुं० [फा.] साज; सजावटनी सामग्री. ०**गार** वि० ठीक; अनुकूळ. ०**सामान** पुं० जुओ 'साज़-व-सामान'

साजन पुं० स्वामी (२) ईश्वर (३) सज्जन

साजना स०क्रि० (प.) सजावुं [संबंध

साज-बाज पुं० तैयारी (२) मेळ; खूब

साज़-व-सामान पुं०[फा.] साजसरंजाम; सामग्री (२) ठाठमाठ

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

साजिंदा पुं०[फा.] साजिंदो; 'सपरदाई'

साजिश स्त्री० [फा.] मेळ; संप (२) दावपेच; षड्यंत्र

साझा पुं० भाग; हिस्सो

साझी, साझेदार पुं० भागियो; हिस्सेदार

साट पुं० जुओ 'साँट'

साटन पुं० साटीन कपडुं

साटना स०क्रि० जुओ 'सटाना'

साटमार पुं० हाथीनी साठमारी करावनार

साठ वि० ६० संख्या

साठा पुं० सांठो (२) वि० साठ उंमरनुं

साठी पुं० एक धान

साड़ी स्त्री० साल्लो

साढ़े(–ढ़े)साती स्त्री० साडा सात वर्ष, मास के दिवसनी (अशुभ) दशा

साढ़ी स्त्री० अषाढनुं वावेतर (२) दूधनी कावरी (३) साडी

साढ़ू पुं० साढु; साळीनो वर

साढ़े वि० साडा. उदा० साढ़ेचार

साढ़ेसाती स्त्री० जुओ 'साढ़साती'

सात वि० ७. **–परदेमें रखना**=खूब संभाळीने के संताडीने राखवुं. **–पाँच** =चालाकी; धूर्तता.**–राजाओंकी साक्षी देना**=कोई वातनी सत्यता पर खूब जोर देवुं. **– समुद्र पार**=अति दूर. **सातों भूल जाना**=होशकोश न रहेवा; बेभान थवुं

सात-फेरी स्त्री० लग्नना सात फेरा

सातला पुं० एक जातनो थुवेर

सात्त्विक वि० [सं.] सत्त्व गुण संबंधी (२) सत्य (३) पवित्र

साथ पुं० साथ; संघात (२) मेळ; संबंध (३) अ० साथे. **–ही**=एनी साथे; उपरांत. **–ही साथ**=साथे साथे

साथरा पुं० साथरो; सादडी

साथी पुं० सोबती; मित्र. (स्त्री० **–थिन**)

सादगी स्त्री०[फा.] सादाई (२) सरळता; निष्कपटता

सादा वि० [फा.] सादुं (२) एकलुं; निर्भेळ (३) सरळ सादीसीधी रचना के बनावटनुं (४) निष्कपट (५) भोळुं; मूर्ख

सादिक़ वि०[अ.] साचुं (२) सत्यनिष्ठ. **–आना**=सावित थवुं [नीकळनारुं

सादिर वि०[अ.] जारी;चालु होनारुं (२)

सादृश्य पुं० [सं.] समानता; बरोबरी

साध पुं० साधु (२) सज्जन (३) स्त्री० इच्छा

साधक पुं०[सं.] साधना करनार; योगी; तपस्वी(२)मंत्रतंत्र करी जाणनार;भूवो

साधन पुं०[सं.] ओजार; उपकरण (२) उपाय (३) साधवुं ते

साधना स्त्री०[सं.]साधवुं ते(२)आराधना (३) स०क्रि० साधवुं [ओजार

साधनी स्त्री० सपाटी जोवानुं 'लेवल'

साधारण वि० [सं.] सामान्य (२) सहेलुं; मामूली

साधु वि०[सं.] सारुं (२)पुं० संत; सज्जन; भलो माणस (३) बावो; मुनि

साधुवाद पुं० [सं.] 'साधु साधु' कही शाबाशी आपवी ते

साधू पुं० जुओ 'साधु'

साध्य वि०[सं.]साधी शकाय के सधे एवुं

साध्वी स्त्री० [सं.] साधु स्त्री

सानंद वि० [सं.] आनंदपूर्वक

सान पुं० सल्ली; अस्त्रो घसवानी पथरी. **–देना, धरना**=पथरी पर अस्त्रो चडाववो; धार काढवी ['सनना')

सानना स०क्रि० 'सनना'नुं प्रेरक (जुओ

पुस्तकालय
गुरुकुल काँगड़ी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सानिअ पुं०[अ.] रचनार (२) कारीगर
सानिहा पुं०[अ.] दुर्घटना; माठो बनाव
सानी स्त्री० पाणीमां पलाळी पशुने अपातुं खाण(२)वि०[अ.] बीजुं; 'दूसरा' (३) जोडियुं; समान; साथी
सानु पुं०[सं.] शिखर; टोच (२) अंत
सान्निध्य पुं० [सं.] पासे होवुं ते; निकटता
साप पुं० (प.) शाप [निर्दोष
साफ़ वि० [अ.] चोख्खुं (२) स्पष्ट (३)
साफल्य पुं० [सं.] सफळता; कृतार्थता
साफ़ा पुं० [अ.] साफो; फेंटो (२) पाघडी (३) पहेरवानां कपडां धोवां ते. **–देना**=भूख्युं राखवुं (कोई हेतुने लईने पशुने)
साफ़ी स्त्री० [अ.] हाथरूमाल (२) साफी; चलम पीवानो कपडानो ककडो (३) भांग गाळवानो रूमाल
साबक़ा पुं० जुओ 'साबिक़ा'
साबत वि० साबूत
साबिक़ वि० [अ.] पूर्वनुं; पुराणुं
साबिक़-दस्तूर अ० पूर्ववत्; यथापूर्वम्
साबिक़ा पुं०[अ.] पिछान (२) लेवादेवा; संबंध (३) वि० जुओ 'साबिक़'. **–पड़ना**=संबंधमां आववुं
साबित वि० [अ.] साबूत; आखुं पूरुं (२) ठीक; बरोबर (३) [फा.] साबित
साबिर वि०[अ.] सबूर करनार; खामोश
साबु(–बू)न पुं० [अ.] साबु
साबूत वि० [फा.] अखंड; पूरेपूरुं (२) स्थिर; कायम
साबूदाना पुं० साबुचोखा
साबून पुं० जुओ 'साबुन'. **०साजी** स्त्री० साबुकाम–तेनो धंधो [मेळ
सामंजस्य पुं०[सं.] योग्यता; औचित्य(२)
सामंत पुं०[सं.] सरदार; मांडलिक (२) योद्धो [मांनो एक–समजावट
साम पुं० [सं.] सामवेद (२) चार उपाय-
सामग्री स्त्री० [सं.] सरसामान (२)साधन
सामना पुं० सन्मुख थवुं के आववुं ते(२) सामनो; सामे थवुं ते (३) सामेनो भाग
सामने अ० सामे; सन्मुख
सामयिक वि० [सं.] समयसरनुं (२) समय संबंधी के अमुक समयनुं
सामर्थ्य पुं०[सं.] समर्थता; शक्ति; ताकत
सामा पुं० [अ.] श्रोता
सामाजिक वि० [सं.] समाज विषेनुं
सामान पुं०[फा.] सामान; साधनसामग्री. **–करना**=तैयारी करवी. **–बनना**= तैयारी थवी [पुं० समानता
सामान्य वि०[सं.] साधारण; मामूली(२)
सामिष वि०[सं.] आमिष–मांस साथेनुं
सामीप्य पुं० [सं.] समीपता; निकटता
सामुदायिक वि०[सं.] समुदाय–समूहनुं के तेने लगतुं
सामुहाँ,–हें अ० (प.) सामे; सन्मुख
सामूहिक वि० [सं.] समूहने लगतुं
साम्य पुं० [सं.] समता; सरखापणुं
साम्राज्य पुं०[सं.] शहेनशाही; सल्तनत
सायंकाल पुं० [सं.] सांज; संध्या
सायक पुं० [सं.] बाण (२) तलवार
सायत पुं० जुओ 'साअत' [वाछंटियुं
सायबान पुं० [फा. सायःबान] सायबान;
सायर वि० [अ. साइर] बधुं; कुल (२) अवशिष्ट; बाकी (३) पुं० जकात
सायल पुं०[अ.] प्रश्नकर्ता (२) मागण
साया पुं०[फा.] छाया; छांयडो (२) भूत-प्रेत (३) असर; छाया (४) [इं. शेमीज़] स्त्रीओनुं घाघरा जेवुं एक वस्त्र

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सायुज्य पुं० [सं.] एक–विलीन थई जवुं तें; तेवुं जोडाण

सारंग पुं०[सं.] मृग (२) एक राग (३) एक धनुष्य (४) कमळ (५) वि० (प.) सरस; सुंदर

सारंगिया पुं० सारंगीवाळो

सारंगी स्त्री० एक तंतुवाद्य

सार पुं०[सं.] निचोड; सत्त्व (२) वि० सारवाळुं; मुख्य [जमादार

सारजं(–जें)ट पुं०[इं.] (गोरो) पोलीस

सारटिफिकट पुं० [इं.] प्रमाणपत्र

सारथि पुं० [सं.] रथनो हांकेडु

सारना स०क्रि० (प.) सारवुं; साधवुं; पूरुं करवुं (२) शोभाववुं; सजवुं

सारबान पुं० [फा.] ऊंट पर बेसनार

सारभाटा पुं० ओट (समुद्रना पाणीनी)

सारमेय पुं० [सं.] कूतरो

सारल्य पुं० [सं.] सरळता

सारस पुं०[सं.] एक पक्षी (२) कमळ. **–सी** स्त्री० सारसनी मादा

सारस्वत वि० [सं.] सरस्वती संबंधी

सारांश पुं० [सं.] सार; निचोड

सारा वि० सारुं; बधुं; पूरुं (स्त्री० **–री**)

सारिका स्त्री० [सं.] मेना पक्षी

सारूप्य पुं० [सं.] एकरूपता

सार्जन्ट पुं० [इं.] जुओ 'सारजंट'

सार्टिफिकेट पुं० [इं.] सर्टिफिकेट

सार्थ वि०[सं.]अर्थवाळुं [गुणकारी

सार्थक वि०[सं.] सार्थ (२) सफळ (३)

सार्द्र वि० [सं.] आर्द्र; भीनुं

सार्वजनिक वि०[सं.] सौ कोईनुं; जाहेर

सार्वत्रिक वि० [सं.] सर्वत्र होय एवुं

सार्वभौम पुं०[सं.] चक्रवर्ती राजा (२) वि० बधी भूमिने लगतुं

सार्वराष्ट्रीय वि० [सं.] अनेक राष्ट्रो साथे संबंधवाळुं; आंतरराष्ट्रीय

साल स्त्री० वींधवुं ते (२) साल; छेद (३) सालवुं ते; पीडा (४) पुं० [फा.] साल; वर्ष

सालक वि० साले एवुं; पीडक

सालखुर्दा वि०[फा.]पुराणुं; जूनुं(२)घरडुं

साल-गिरह स्त्री० [फा.] सालगरेह; वर्षगांठ [स्त्री० वार्षिक हेवाल

साल-तमाम पुं०[फा.] वर्षनो अंत. **–मी**

सालन पुं० मसालेदार शाक (मांसवाळुं)

सालना अ०क्रि० सालवुं (२) स०क्रि० साले तेम करवुं (३) सालववुं

साल-नामा पुं०[फा.] पत्रनो वार्षिक अंक

साल-ब-साल अ० [फा.] हर साल

सालरस पुं० [सं.] राळ

सालस पुं० [अ.] 'सालिस'; पंच (२) वि० [सं.] आळसु

सालसी स्त्री० लवादी; पंचायत

सालहा-साल अ० [फा.] वर्षो सुधी; घणा वखत सुधी [स्त्री० शाळा

साला पुं० साळो (२) सालो (गाळ) (३)

साला(–लिया)ना वि० [फा.] वार्षिक

सालार पुं०[फा.]नेता. **०जंग** पुं० सेनापति

सालिक पुं० [अ.] यात्राळु (२) धर्मिष्ठ माणस

सालिम वि० [अ.] संपूर्ण; पूरुं(२) तंदुरस्त

सालियाना वि० जुओ 'सालाना'

सालिस वि०[अ.] त्रीजुं (२) पुं० पंच; मध्यस्थ; 'सालस'

साली स्त्री० साळी(२)दर साल गणोतथी अपाती जमीन (३) दर साल अपातो अमुक लागो [वपरातुं)

सालू पुं० एक लाल वस्त्र (मंगळ कार्यमां

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सालेह त्रि० [अ. सालिह] नेक; भलुं (२) सदाचारी (३) नसीबदार (स्त्री० **–हा**)
सालोक्य पुं० [सं.] एक लोकमां साथे रहेवुं तेवी एक प्रकारनी मुक्ति
सावंत पुं० सामंत
साव पुं० जुओ 'साहु'
सावकाश वि० [सं.] अवकाश सहित (२) पुं० अवकाश; फुरसद (३) अवसर
सावचेत वि० सावध; खबरदार. **–ती** स्त्री० सावधानी [खबरदार
सावधान वि०[सं.] सावचेत; होशियार;
सावन पुं० श्रावण (वि० **–नी**)
साष्टांग वि० [सं.] आठे अंग सहित
सास स्त्री० सासु
सासनलेट पुं० एक जातनुं कपडुं
सासा स्त्री० (प.) संशय (२) श्वास
सासु स्त्री० (प.) जुओ 'सास'
सासुर पुं० ससरो (२) सासरी
साह पुं० शाह; शेठ (२) 'साहु'
साहचर्य पुं० [सं.] साथ; सोबत
साह(–हि)नी स्त्री०(प.) सेना(२)साथी
साह(–हि)ब पुं० मित्र (स्त्री० **साहिबा**) (२) मालिक (३) ईश्वर (४) साहेब; गोरो (५) सन्माननुं संबोधन
साहब-सलामत स्त्री० [सं.] सामसामे जय जय – प्रणाम
साहबी वि० साहेबनुं (२) स्त्री० साहेबी
साहस पुं० [सं.] हिंमत (२) उतावळ करीने कूदी पडवुं ते; 'जल्दबाज़ी' (३) व्यभिचार, लूंट जेवुं कुकर्म. **–सिक, –सी** वि० साहस करे एवुं
साहा पुं० लग्नमुहूर्त के तेनी पत्रिका
साहाय्य पुं० [सं.] सहाय; मदद
साहित्य पुं० [सं.] वाङ्मय (२) मिलन. ०**कार** पुं० साहित्य रचनार. **–त्यिक** वि० साहित्य संबंधी
साहिनी स्त्री० जुओ 'साहनी'
साहिब पुं० [अ.] जुओ 'साहब'
साहिर पुं० [अ.] जादुगर
साहिल पुं० [अ.] किनारो; तट
साही स्त्री० साहुडी
साहु,–हू पुं० साधुपुरुष (२) साहुकार
साहुल पुं० ओळंबो; 'सहावल'
साहू पुं० जुओ 'साहु'
साहूकार पुं० साहुकार; मोटो वेपारी
साहूकारा पुं० साहुकारी; शराफी (२) साहुकारोनुं बजार
साहेब पुं० जुओ 'साहब'
सिंकना अ०क्रि० सेकावुं
सिंकोना पुं० [इं.] एक वृक्ष (जेमांथी क्विनाईन बने छे) [सिंगडानुं पात्र
सिंगड़ा पुं० फोडवानो दारू राखवानुं
सिंगरफ पुं० हिंगळोक. **–फी** वि० तेना रंगनुं
सिंगल पुं० रेलवेनो हाथ; 'सिगनल'
सिंगा पुं० रणशिंगुं
सिंगार पुं० शृंगार (२) शणगार(३)शोभा
सिंगारना स०क्रि० (प.) शणगारवुं
सिंगारदान पुं० शणगार सजवानी वस्तुओनी पेटी
सिंगार-हाट पुं० वेश्यावाडो
सिंगारिया, सिंगारी पुं० देवना शणगार सजनार; पूजारी
सिंगिया पुं० एक झेरी मूळियुं
सिंगी पुं० जुओ 'सिंगा' (२) स्त्री० खराब लोही चूसीने खेंचवानी नळी
सिंगौटी स्त्री० जुओ 'सिंगारदान'
सिंघ पुं० (प.) सिंह

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सिंघाड़ा पुं० [सं. शृंगाटक] शिंगोडुं. **–ड़ी** स्त्री० शिंगोडीनुं तळाव

सिंचन पुं०[सं.] पाणी छांटवुं के पावुं ते

सिँचाई स्त्री० खेतरने पाणी पावुं ते

सिँचाना स०क्रि० खेतर पवडाववुं

सिंजाफ़ पुं० [फा. संजाफ़] संजाप; कपडानो गोट, ओटेली किनार

सिंदूर पुं०[सं.] कंकु जेवो लाल भूको. **०दान** पुं० लग्नविधिनी एक रीत. **–रिया,–री** वि० सिंदूरना रंगनुं

सिंदो(–धो)रा पुं० जुओ 'सिंधोरा'

सिंधी स्त्री० सिंधनी भाषा (२) वि० सिंधनुं (३) पुं० सिंधनो वतनी

सिंधु पुं० [सं.] दरियो

सिंधुर पुं० [सं.] हाथी

सिंधूरा पुं० सिंधुडो राग

सिंधोरा पुं० (सिंदूर राखवानी) कंकावटी

सिंबी स्त्री० [सं.] 'छीमी'; फळी

सिंह पुं०[सं.] केसरी (२) एक राशि. **०द्वार** पुं० मुख्य दरवाजो. **०नी, –ही** स्त्री० सिंहण

सिंहल पुं० [सं.] लंका. **–ली** स्त्री० लंकानी भाषा (२) वि० लंका विषेनुं

सिंहावलोकन पुं० [सं.] सारांशनी समालोचना [आसन

सिंहासन पुं०[सं.] तख्त; देव के राजानुं

सिंही स्त्री० [सं.] सिंहण

सिअरा वि० (प.) शीतळ (२) पुं० छांयो (३) शियाळ ['सिलाना'

सिआ(–या)ना स०क्रि०(प.)सिवडाववुं;

सिआ(–या)र पुं० शियाळ (स्त्री०–री)

सिकंजबीन स्त्री० [फा.] लींबु के सरकानुं एक शरबत

सिकंदरा पुं० रेलवेनो हाथ; सिग्नल

सिकड़ी स्त्री० बारणानी सांकळ (२) गळानी सांकळी – एक घरेणुं

सिकता स्त्री०[सं.] रेती के रेताळ जमीन

सिकत्तर पुं० सेक्रेटरी; मंत्री

सिक़ली स्त्री० [अ. सैक़ल] सराणियानुं काम. **०गर** पुं० सराणियो

सिकहर पुं० [सं. शिक्य+घर] शींकुं

सिकुड़न स्त्री० संकडावुं ते; संकोच (२) गडी; 'शिकन'

सिकुड़(–र)ना अ०क्रि०संकडावुं; संकोचावुं (२) गडी पडवी [संकडाववुं

सिकोड़ना स०क्रि० तंग के भेगुं करवुं;

सिकोरा पुं० 'सकोरा'; शकोरुं

सिकोली स्त्री० टोपली

सिकोही वि० पराक्रमी; वीर

सिक्का पुं० [अ.] सिक्को. **०जन** पुं० सिक्का पाडनार कारीगर. **–जमना या बैठना**=अधिकार स्थापित थवो (२) रोफ पडवो

सिक्ख, सिख स्त्री० शीख; 'सीख' (२) पुं० शिष्य (३) शीख; नानकपंथी

सिक्त वि० [सं.] भीनुं; भींजायेलुं

सिख पुं० (२) स्त्री० जुओ 'सिक्ख'

सिखरन स्त्री० 'शिखरन'; दहीं खांडनी एक मीठी प्रवाही वानी

सिखलाना, सिखाना स०क्रि० शिखवाडवुं

सिखावन पुं० शिखामण; शीख

सिखी पुं० (प.) 'शिखी'; मोर

सिगड़ी स्त्री० सगडी (२) चूलो

सिगनल पुं० [इं.] 'सिग्नल'; हाथ

सिगरा(–रो) वि० (प.) सघळुं; बधुं (स्त्री० –री)

सिगरेट पुं० [इं.] विलायती बीडी

सिगरो वि० (प.) सघळुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सिगार पुं०[इं.] विलायती मोटी बीडी; 'चिरूट'
सिचान पुं० (प.) शकरोबाज
सिजदा पुं०[अ.] सिजदो; प्रणाम; वंदन
सिजल वि० सुंदर; देखावडुं
सिझना अ०क्रि० सीझवुं; चडवुं; पाकवुं
सिझाना स०क्रि० सीझववुं; चडववुं; रांधवुं [इस्टापडी
सिटकिनी स्त्री० कमाड बारीनी
सिटपिटाना अ०क्रि० सपटावुं; दबावुं (२) धीमुं पडवुं (३) मूंझावुं; सपटावुं
सिट्टा पुं० जुवारनुं डूंडुं
सिट्टी स्त्री० वाचाळपणुं. **–भूलना**= सपटावुं; गभरावुं
सिठनी स्त्री० लग्ननुं फटाणुं
सिठाई स्त्री० फीकापणुं; 'सीठापन'
सिड़ स्त्री०, **०पन(–ना)** पुं० गांडपण; उन्माद (२)धून. **०बिल्ला** वि० गांडुं(२) मूर्ख. **सिड़ सवार होना**=गांडपण धावुं
सिड़ी वि०पागल(२)धूनी (स्त्री० **–ड़िन**)
सितंबर पुं० सप्टेम्बर मास
सित वि०[सं.] श्वेत; धोळुं (२)पुं० शुक्ल पक्ष (३) चांदी (४) खांड
सितम पुं० [फा.] जुलम; अत्याचार. **०गर** पुं० जुलमी; सितम गुजारनार. **०कश, ०जदा, ०रसीदा** वि० [फा.] सितमनुं भोग बनेलुं. **सितम ढाना, तोड़ना**=जुलम करवो
सिताइश स्त्री०[फा.] धन्यवाद; शाबाशी (२) आभार; 'शुक्रिया'
सिताब अ० [फा. शिताब] जलदी; झट. **–बी** स्त्री० शीघ्रता
सितार पुं०.सतार वाद्य. **०बाज** पुं० सितारियो. **०बाजी** स्त्री० तेनी विद्या के कळा
सितारा पुं०[फा.] सितारो; तारो (२) सोनाचांदीनी बिंदी-टीलडी (३)नसीब; भाग्य. **–चमकना, –बुलंद होना**= नसीब ऊघडवुं. **–भारी होना**=दशा बेसवी
सितारा-दाँ पुं० [फा.] जोशी
सितारिया पुं० सितारियो; सतार वगाडी जाणनार
सितुई,–ही स्त्री० छीप; सीप
सितून पुं० [फा.] स्तंभ (२) मिनारो
सिदक़ा पुं० जुओ 'सदक़ा'; खेरात
सिदरी स्त्री० त्रण दरवाजा के कमान-वाळो ओरडो के वरंडो
सिदिक् वि० जुओ 'सिद्दीक़'
सिद्क़ पुं० [अ.] सत्यता
सिद्दीक़ वि० [अ.] सत्यनिष्ठ
सिद्ध वि० [सं.] सधायेलुं; सफळ (२) पुरवार के साबित थयेलुं; पाकुं (३) साधनानुं फळ पामेलुं [एवुं स्थान
सिद्ध-पीठ पुं० [सं.] ज्यां साधना झट फळे
सिद्धरस पुं० [सं.] पारो
सिद्धांत पुं०[सं.] सिद्ध – पाकी प्रमाणित वात, वस्तु के निर्णय
सिद्धाई स्त्री० सिद्ध होवुं ते; सिद्ध दशा
सिद्धि स्त्री० [सं.] सिद्धता; साधना फळवी ते
सिधाई स्त्री० सीधापणुं [मरवुं
सिधारना अ०क्रि० सिधाववुं; जवुं (२)
सिन पुं० [अ.] उंमर; अवस्था (२) साल (३)[सं.] शरीर (४) पोशाक (५) वि० सफेद (६) काणुं
सिनक स्त्री० लींट; नाकनो मेल
सिनकना अ०क्रि० नाक नसीकवुं
सिन-बुलूग़त पुं० [अ.] उंमरे पहोंचवुं ते (२) युवानी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सिन-रसीदा वि० [फा.] वृद्ध; घरडुं
सिनान पुं० [फा.] भालो, तीर इ० नी अणी [मंडळ
सिनेट स्त्री०[इं.] युनिवर्सिटीनुं नियामक
सिनेमा पुं० [इं.] चलचित्र
सिन्नी स्त्री० मीठाई (प्राय: खुशीमां के देवना प्रसाद तरीके वहेंचाय ते)
सिपर स्त्री० [फा.] आड; ओथ (२) ढाल. **०दारी** स्त्री० रक्षण
सिप(-पा)ह स्त्री० [फा.] सेना
सिप(-पा)हगरी स्त्री०[फा.] सिपाईगीरी
सिपह-सालार पुं० [फा.] सेनापति
सिपाई,-ही पुं० [फा.] सैनिक (२) चपरासी (३) पोलीस
सिपारस स्त्री०, **-सी** वि० जुओ अनुक्रमे 'सिफ़ारश,-शी' [अध्याय के खंड
सिपारा पुं० [फा. सीपार] कुराननो
सिपा(-फ़ा)रिश स्त्री० सिफारस
सिपास स्त्री०[फा.] धन्यवाद; आभार
सिपाह,०गरी स्त्री०[फा.] जुओ अनुक्रमे 'सिपह,०गरी'
सिपाहियाना वि० [फा.] सिपाही जेवुं
सिपाही पुं० [फा.] जुओ 'सिपाई'
सिपुर्द वि० [फा.] सोंपेलुं. **०गी** स्त्री० सुपरत; हवालो. **०नामा** पुं० तेनुं खत
सिप्पा पुं० युक्ति; उपाय (२) प्रभाव. **-भिड़ाना, लड़ाना**=युक्ति लगाववी
सिप्रा स्त्री० [सं.] भेंस (२) एक नदी
सिफ़त स्त्री०[अ.] विशेषता (२) लक्षण; गुण; स्वभाव (३) (व्या०मां) विशेषण
सिफ़र पुं० [इं. साइफ़र] शून्य; मीडुं
सिफ़लगी स्त्री०[फा.] 'सिफ़ला' मां जुओ
सिफ़ला,-ली वि०[अ.] सिफलुं; हलकुं; क्षुद्र (२) छीछरुं (नाम, **-लगी**)
सिफ़ा स्त्री० 'शिफ़ा'; आरोग्य
सिफ़ारत स्त्री०[फा.] 'सफ़ीर'-राजदूतनुं काम
सिफ़ारिश स्त्री० [फा.] सिफारस
सिफ़ारिशी वि० सिफारसवाळुं (२) जेनी सिफारस करी होय तेने लगतुं. **०टट्टू** पुं० सिफारसथी ज पद पर पहोंचेल माणस
सिम(-मि)टना अ० क्रि० समेटावुं; निपटावुं (२) संकडावुं; संकोचावुं (३) गडी के करचोली पडवी
सिमरन पुं० (प.) स्मरण
सिमरना स०क्रि०(प.)समरवुं; 'सुमिरना'
सिमिटना अ०क्रि० जुओ 'सिमटना'
सिमेन्ट पुं० [इं.] (चणवानो) सिमेंट
सिम्त स्त्री० [अ.] दिशा; बाजू
सिय,-या स्त्री० (प.) सीता
सियरा वि० (प.) शीतळ (वि० स्त्री०, **-री**. नाम, **-राई** स्त्री०)
सिया स्त्री० (प.) सीता
सियादत स्त्री०[अ.] सरदारी; आगेवानी (२) हकूमत
सियाना वि० शाणुं; समजणुं (२) स०क्रि० जुओ 'सिआना'
सियापा पुं० स्त्रीओनुं रोवुं कूटवुं ते
सियार(-ल) पुं० शियाळ (स्त्री० **-रिन,-री**)
सियाला पुं० शियाळो
सियासत स्त्री० [अ.] राजव्यवस्था
सियासी वि० राजद्वारी; राजकीय
सियाह वि० [फा.] काळुं (२) अशुभ. **०कार** वि० बदकार; खराब; दुराचारी. **०कारी** स्त्री० दुराचार; पाप
सियाहत स्त्री० [अ.] सफर; मुसाफरी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सियाहा पुं० [फा.] हिसाबनो चोपडो; रजिस्टर (गणोत इ० नुं). **०नवीस** पुं० ते लखनार के राखनार [काळापणुं

सियाही स्त्री० शाही; रोशनाई (२)

सिर पुं० शिर; माथुं. **–आँखों पर बैठाना** = आदर करवो. **–आँखों पर होना** = माथे चडाववुं; मानवुं. **–आना** = भूत आववुं. **–ओखलीमें देना** = मुश्केलीमां पडवुं. **–करना, बाँधना** = (स्त्रीनुं) माथुं ओळवुं. **–के बल जाना** = आदरथी कोई पासे जवुं. **–खपाना** = खूब महेनत – माथाझीक करवी. **–खाना** = माथुं खावुं; खाली माथाकूट कराववी. **–खाली करना** = खाली नकामी माथाकूट करवी. **–जोड़ना** = एक बनवुं; संप करवो. **–थोपना** = माथे मारवुं के ओढाडवुं. **–नंगा करना** = बेआबरू करवुं. **–पर छप्पर रखना** = माथे बाबरी वधारवी (२) माथे बोजो–जवाबदारी नांखवी. **–पर पाँव रखकर भागना** = जीव लईने नासवुं. **–पर पाँव रखना** = उद्धत बनवुं. **–पर हाथ फेरना** = वश करवुं. **–मुँड़ाते ही ओले पड़ना** = प्रारंभमां ज विघ्न नडवुं. **–से क़फ़न बाँधना** = जान हथेळीमां लेवो. **–से खेलना** = जुओ 'सिर आना'. **–से पानी गुज़रना** = मुसीबतनी – सहवानी हद आववी. **–होना** = पीछो पकडवो

सिरकटा वि० शिर कपायेलुं के कापनारुं

सिरका पुं० [फा.] सरको

सिरकी स्त्री० सरकटनी सोटी के तेनी बनेली सादडी के छाज

सिरजनहार पुं० सर्जनहार; प्रभु

सिरजना स०क्रि० (प.) सर्जवुं; रचवुं

सिरताज पुं० मुगट (२) सरदार; शिरोमणि

सिरतान पुं० जमीनदार

सिर-ता-पा अ० जुओ 'सर-ता-पा'

सिरदार पुं०(प.) सरदार. **–री** स्त्री० सरदारी

सिरधरा(–रू) पुं० आगेवान; नायक

सिरनामा पुं० जुओ 'सरनामा'

सिरनेत पुं० पाघडी (२) कलगी

सिरपाव पुं०सरपाव; भेट अपातो पोशाक

सिरपें(–पे)च पुं० पाघडी

सिरपोश पुं० माथानुं ढांकण–टोप इ०

सिरफूल पुं० माथानुं एक घरेणुं

सिरबंद पुं० साफो; फेंटो

सिरबंदी स्त्री० माथानुं एक घरेणुं

सिरमौर पुं० जुओ 'सिरताज'

सिरवा पुं० खळामां वावलवा माटेनुं वस्त्र. **–मारना** = ते वडे वावलवुं

सिरस पुं० एक झाड

सिरहाना पुं० पथारीनो माथानो भाग

सिरा पुं० छेडो; अंत (२) (शरूना के अंतना) छेडानो भाग (३) अणी (४) शिरा; नाडी(५)पाणीनो ढाळियो. **सिरेका** = अवल दरज्जानुं

सिरा(०व)ना स०क्रि० ठंडुं करवुं (२) व्यतीत करवुं (३) अ०क्रि० ठंडुं के निरुत्साह थवुं (४) वीतवुं; पसार थवुं

सिरावन पुं० (खेडूतनो) समार

सिरावना स०क्रि० (२) अ०क्रि० (प.) 'सिराना'

सिरिश्ता, सिरिश्तेदार जुओ 'सरिश्ता, सरिश्तेदार'

सिरोपाउ (प.), **–व** पुं० जुओ 'सिरपाव'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सिरोही पुं० शिरोही प्रदेश (२) तलवार (३) स्त्री० एक पक्षी

सिर्का पुं० जुओ 'सिरका' [एकलुं

सिर्फ़ अ० [अ.] फक्त; केवळ (२) वि०

सिल स्त्री० शिला; पत्थर (२) निशातरो (३) पुं० शिलोंछ; खेतरमां वेरायेला दाणा वीणी निर्वाह करवो ते (४) [अ.] क्षयरोग

सिलगना अ०क्रि० सळगवुं

सिलपट वि० बरोबर; सपाट (२) 'चौपट'; सत्यानाश

सिलफ़(-ब)ची स्त्री० हाथमों धोवानुं वासण; 'चिलमची' [पथ्थर

सिलबट्टा पुं० निशातरो ने वाटवानो

सिलवट स्त्री० गडी; 'सिकुड़न'

सिलवाना स०क्रि०सिवडाववुं;'सिलाना'

सिलसिला पुं० [अ.] सिलसिलो; क्रम; परंपरा (२) सांकळ (३) व्यवस्था (४) वंशपरंपरा (५) वि० भीनुं (६) लपसणुं

सिलसिलेवार वि० क्रमिक; क्रम प्रमाणे; सिलसिलाबंध; व्यवस्थित

सिल(-ला)ह पुं० [अ.] हथियार. **०ख़ाना** पुं० शिलेखानुं; शस्त्रागार. **०पोश, ०बंद** वि० शस्त्रसज्ज

सिलहार,-रा पुं० शिलोंछ वृत्तिवाळो

सिलहिला वि० 'सिलसिला'; लपसणुं; चीकणुं कादववाळुं [शिलोंछ;

सिला स्त्री० शिला (२) पुं० 'सिल';

सिला पुं०[अ.] बदलो; अवेज (२) इनाम

सिलाई स्त्री० सीवणकाम के तेनी ढब के मजूरी

सिलाना स०क्रि० जुओ 'सिलवाना'

सिलावट पुं० सलाट [जुओ 'सिलह'

सिलाह,०ख़ाना,०पोश,०बंद पुं० [अ.]

सिलाहबाज़ पुं०[फा.]हथियार बनावनार

सिलाही पुं० [अ.] सैनिक; सिपाही

सिलि(-ली)पट पुं० (रेलनो) सलेपाट

सिलिया स्त्री० एक जातनो इमारती पथ्थर

सिलेट स्त्री० स्लेट; पाटी

सिलौट(-टा) पुं० 'सिल'; निशातरो. **-टी** स्त्री० नानो निशातरो

सिल्ली स्त्री० सल्ली; अस्त्रानी पथरी

सिवई स्त्री० घउंनी सेव; 'सिवैयाँ'

सिवा(०इ,०य) अ० [अ.] सिवाय

सिवान पुं० हद; सीमा (२) भागोळ

सिवार स्त्री० शेवाल; लील

सिवाल पुं०; स्त्री० 'सिवार'; सेवाळ

सिवाला पुं० शिवालय; महादेव

सिविल वि०[इं.] मुलकी (२) नागरिक संबंधी (३) सभ्य. **-लियन** पुं० मोटो मुल्की अमलदार; 'आइ. सी. एस.'

सिसकना अ०क्रि० डूसकां भरवां (२) छाती धडकवी; जीव गभरावो (३) कशा माटे तलसवुं [सीत्कारवुं

सिसकारना अ०क्रि० सिसकारो भरवो;

सिसकारी,सिसकी स्त्री० डूसकुं (२) सिसकारो. **-भरना, -लेना**=डसकुं भरवुं

सिहर(-रा)ना अ०क्रि० थथरवुं (डर के ठंडीथी) (२) रूवां खडां थवां

सिहरी स्त्री० ध्रुजारी; कंप (२) रोमांच

सिहाना अ० क्रि० ईर्षा करवी (२) हरीफाई करवी (३) स० क्रि० आतुर भावे जोवुं; लालच करवी

सींक स्त्री० ताड मुंज वग़ेरेनुं सकतुं के पातळी डूंख के सळेखडुं (२) नाकनुं एक घरेणुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सींका पुं० पातळी सळी जेवी डूंख

सींकिया वि० सळेखडा जेवुं पातळुं,सूकलुं (२) पुं० एक जातनुं बारीक कपडुं

सींग पुं० शिंगडुं. **–कटाकर बछड़ोंमें मिलना**=मोटा छतां बाळकोमां भळवुं. **–समाना**=ठेकाणे पडवुं

सींगरी स्त्री० (शाकनी) एक फळी

सींगी स्त्री० शिंगडुं वाद्य (२) खराब लोही चूसवानी भूंगळी(३)एक माछली

सींच स्त्री० सींचवुं ते

सींचना स०क्रि० पाणी पावुं (२) सिंचवुं

सींचाई स्त्री० (झाड इ० ने) पाणी पावुं ते [=जोर बतावबुं

सींवँ, सींव पुं० (प.) सीमा; हद. **–चरना**

सी वि०स्त्री० 'सा' नुं स्त्री०; जेवी

सीकर पुं० [सं.] छांटो; फरफर

सीकल स्त्री० जुओ 'सैक़ल' (२) पुं० आंबा पर पाकेली केरी; साख

सीकस पुं० ऊषर; खारी जमीन

सीकाकाई स्त्री० शिकाकईनुं झाड

सीकुर पुं० घउं मकाई वगेरेना डूंडाने छेडे होय छे ते फूमताना रेषा

सीख स्त्री० शीख; सलाह; शिखामण. **–लेना**=शीखवुं [पातळो सळियो

सीख़ स्त्री० [फा.] लोढानी शीख–

सीख़चा पुं० [फा.] सळियो

सीखना स०क्रि० शीखवुं [पुरुष

सीग़ा पुं० [अ.] भाग; खातुं (२) (व्या.)

सीज(–झ) स्त्री० सीझवुं ते. (जुओ 'सीजना') [(२) सधावुं

सीज(–झ)ना अ०क्रि० सीझवुं; चडवुं

सीट स्त्री० गप्पुं मारवुं ते (२) [इं.] बेठक

सीटना स०क्रि० गप्पुं मारवुं; ठोकवुं

सीटपटाँग स्त्री० गप; डिंग

सीटी स्त्री० सिसोटी. **–देना**=सीटी वगाडवी

सीठना पुं०, **सीठनी** स्त्री० फटाणुं

सीठा वि० फीकुं; नीरस

सीठी स्त्री० कूचो; रस काढ्या पछीनो रहेतो डूचो; निःसत्त्व चीज

सीड़ स्त्री० भीनाश के भीनाशभूमि

सीढ़ी स्त्री० सीडी; निसरणी

सीतलपाटी स्त्री० एक उमदा जातनी सुंवाळी चटाई (२) एक जातनुं कपडुं

सीतल बुकनी स्त्री० सत्तु (२) संतवाणी

सीताफल पुं०[सं.] सीताफळ; 'शरीफा'

सीत्कार पुं० [सं.] सिसकारो

सीथ पुं० (प.) भातनो दाणो

सीद पुं०[सं.] व्याज खावुं ते; व्याजवटुं

सीदना अ०क्रि० दुःखी थवुं

सीध स्त्री० सीधुं होवुं ते (२) निशानी

सीधा वि०(२)पुं० सीधुं. **सीधी उँगलियाँ घी नहीं निकलता**=ढीलाशथी काम नथी सरतुं. **सीधी सुनाना**=सीधेसीधुं –रोकडुं संभळाववुं

सीधा-सादा वि० भोळुं; सरळ

सीधे अ० सीधी रीते; सीधुं

सीन पुं०[इं.]दृश्य. ०**सीनरी** स्त्री० नाटकनी रंगभूमिनो शणगार, सजावट इ०

सीना स०क्रि० सीववुं. **–पिरोना**=सिलाई के भरतकाम वगेरे करवुं

सीना पुं० [फा.] सीनो; छाती

सीना-जोर वि० [फा.] शिरजोर; जबरदस्त (नाम, –री)

सीना–बंद पुं० [फा.] स्त्रीनी चोळी

सीना–सिपर अ०[फा.] सामी छातीए

सीनियर वि० [इं.] मोटुं; उपरनुं (दरज्जा के वयमां)

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सीनी स्त्री० [फा.] थाळी; तासक
सीप पुं० छीप के तेनी अंदर रहेतो जंतु
सीप-सुत, सीपिज पुं० मोती
सीपी स्त्री० सीप; छीप
सीमंत पुं०[सं.] स्त्रीनो सेंथो; पांती (२) अघरणी (३) सीमानी लीटी (४) शरीरनां हाडकांनो सांधो. **–तिनी** स्त्री० स्त्री; नारी [धनदोलत
सीम स्त्री० [फा.] रूपुं; चांदी (३)
सीम,–मा स्त्री० सीमा; हद. **–काँड़ना, –चरना,–चाँपना**=पारकानी जमीननुं दवाण करवुं
सीमाब पुं० [फा.] पारो
सीमित वि० सीमावाळुं; मर्यादित
सीमी वि० [फा.] 'सीम'–चांदीनुं
सीमोल्लंघन पुं० [सं.] सीमा के हद ओळंगवी ते
सीय स्त्री० 'सिय'; सीता
सीर स्त्री० सहियारी के जेमां जमीनदार पोते जाते खेती करतो होय एवी जमीन (२) रक्तशिरा (३) पुं० [सं.] हळ. **–में**=एकसाथे मळीने
सीरत स्त्री०[अ.] प्रकृति; टेव (२) गुण; विशेषता. ०न् अ० स्वभाव के गुणथी
सीरनी स्त्री० 'शीरीनी'; मीठाई
सीरा पुं० [फा. शीरः] चासणी (२) शीरो
सील स्त्री० 'सीड़'; जमीननी भीनाश(२) पुं० [इं.] सील; महोर
सीला पुं० 'सिला'; शिलोंछ(२)वि० भीनुं
सीवक पुं० [सं.] सीवनार; सई
सीवन पुं०,स्त्री०[सं.] सीववुं ते; सिलाई
सीवनी स्त्री० [सं.] सोय
सीस पुं० शीश; माथुं (२) [सं.] सीसुं
सीस(०क) [सं.], **सीसा** पुं० सीसुं धातु
सीसम पुं० शीशम लाकडुं
सीसमहल पुं० जुओ 'शीशमहल'
सीसा पुं० सीसुं (२) (प.) 'शीशा'; काच
सीसी स्त्री० सीसको
सीसों पुं० 'सीसम'; शीशम
सीह पुं० जुओ 'साही' [प्रत्यय
सुँ (प.) 'सों'; ३जी के ५मी विभक्तिनो
सुँघनी स्त्री० छींकणी [प्रेरक
सुँघाना स०क्रि० सूंघाडवुं; 'सूँघना'नुं
सुंडभुसुंड पुं० (प.) हाथी
सुंडा स्त्री० सूंढ. ०ल पुं० हाथी
सुंदर वि० [सं.] रूपाळुं (२) सारुं. **–री** स्त्री० सुंदर स्त्री
सुँधिया स्त्री० सूंढियुं जार
सुंबा पुं० वादळी (२) तोपनी नळी पर वींटाळातुं कपडुं (३) लोढामां काणुं पाडवानुं ओजार
सुअ(–व)न पुं० (प.) सुत; पुत्र
सुअर पुं० 'सूअर'; सूवर; भूंड
सुआ पुं० 'सूआ'; सूडो पोपट (२) सोयो; मोटी सोय
सुआमी पुं० (प.) स्वामी
सुआ(–वा)र पुं० (प.) रसोइयो
सुआसिन(–नी) स्त्री० (प.) सुवासण
सुई स्त्री० 'सूई'; सोय
सुकड़ना अ०क्रि० जुओ 'सिकुड़ना'
सुकर वि० [सं.] सहेलुं; सुसाध्य
सुक़रात पुं० सॉक्रेटीस
सुकूत पुं० [अ.] मौन; ख.मोशी(२)शांति
सुकून पुं० [अ.] स्थिरता(२)मननी शांति
सुकूनत स्त्री० [अ.] जुओ 'सकूनत'
सुकृत, –त्य पुं०. **–ति** स्त्री० [सं.] पुण्य; शुभ कर्म
सुक्कान पुं० [अ.] सुकान; 'पतवार'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सुखंडी वि० सुकलकडी (२) पुं० जेमां बाळक सुकाई जाय एवो एक बाळरोग
सुख पुं० [सं.] सुख; चेन; आराम. ०कर, ०द वि० सुख करे के आपे एवुं
सुखदास पुं० एक अनाज
सुख़(-ख़ु)न पुं० जुओ 'सख़ुन'
सुखमन स्त्री० (प.) सुषुम्णा नाडी
सुखलाना, सुखाना स०क्रि० सुकाववुं
सुखारा,-री वि० (प.) सुखी
सुखाला वि० (प.) सुखदायी
सुखावह वि० [सं.] सुखद
सुखिआ, -या, सुखी वि० सुखियुं
सुख़ुन पुं० जुओ 'सख़ुन'
सुगंध पुं० [सं.] सुवास; खुशबो
सुगंधि,-धी पुं० [सं.] सुगंध (२) वि० सुगंधीदार
सुगंधित वि० [सं.] सुगंधीदार
सुगंधी वि० (२) पुं० जुओ 'सुगंधि'
सुगत पुं० [सं.] बुद्ध भगवान
सुगति स्त्री० [सं.] सारी शुभ गति
सुगना, सुग्गा पुं० तोतो; पोपट
सुगम वि० [सं.] सहेलुं; आसान
सुगुरा पुं० सद्‌गुरु पासेथी मंत्र पामेल
सुग्गा पुं० पोपट; शुक [सुसाध्य
सुघट वि० [सं.] सुंदर (२) सुकर;
सुघटित वि० [सं.] सुंदर; सुघड
सुघड़(-र) वि० सुघड; सुंदर (२) निपुण. ०ता स्त्री०
सुघड़ा(-रा)ई, स्त्री० **सुघड़ापा** पुं० सुघडता; सुंदरता (२) निपुणता
सुचाना स०क्रि० ('सोचना'नुं प्रेरक) विचारवा प्रेरवुं (२) सूचववुं
सुचाल स्त्री० सदाचार (वि०, -ली)
सुचित (प.), **-त्त** [सं.] वि० निश्चित; शांत (२) निरांतवाळुं (३) एकाग्र
सुचेत वि० सचेत; सावध
सुजन पुं०[सं.] सज्जन (२) (प.) स्वजन
सुजनी स्त्री० [फा. सोज़नी] एक जातनुं बिछानुं
सुजातिया वि० (प.) स्वजातिनुं
सुजान वि० सुजाण; शाणुं (२) पुं० (प.) प्रभु (२) पति के प्रेमी
सुज्ञ वि० [सं.] समजणुं (२) विद्वान
सुझाना स०क्रि० सुझाडवुं; बताववुं
सुझाव पुं० सुझाडवुं ते; सूचना; सलाह
सुठ,-ठार,-ठि वि० (प.) सुष्ठु; सुंदर
सुड़कना अ०क्रि० सड अवाजनी साथे खेंचवुं, लेवुं, पीवुं वगेरे
सुड़सुड़ाना अ०क्रि० सड सड करवुं (जेम के नाकनुं के हूकानुं)
सुडौल वि० सुंदर; सुघटित
सुढंग पुं० सारो ढंग (२) वि० 'सुढंग'-वाळुं; ढंगीलुं
सुढर वि० (प.) दयाळु (२) सुंदर
सुढार,-रु वि० (प.) सुंदर; सुघड
सुत पुं० [सं.] पुत्र
सुतरां अ० [सं.] तेथी (२) अति; खूब
सुतरी(-ली) स्त्री० सूतळी; दोरी
सुत(-तु)ही स्त्री० जुओ 'सुतुही'
सुता स्त्री० [सं.] पुत्री
सुतार पुं० सुथार (२) सगवड (३) वि० अच्छुं; उत्तम [सुतारकाम
सुतारी स्त्री० मोचीनो सोयो (२)
सुतुही स्त्री० सीप
सुतून पुं० स्तंभ; थांभलो
सुथना पुं०, **सुथनी** स्त्री० जुओ 'सूथन'
सुथरा वि० सूथरुं; स्वच्छ; साफ

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सुदर्शन पुं० [सं.] सुदर्शन चक्र (२) वि० सुंदर
सुदि,-दी स्त्री० अजवाळियुं
सुदूर वि० [सं.] घणुं दूर
सुद्दा पुं०, **सुद्दी** स्त्री० [अ. सुद्द:] पेटनो जूनो सूको मळ
सुद्धा(-द्धां) अ० सुध्धां; समेत; साथे
सुध स्त्री० सूध. **सुधबुध**=सूधबूध; भान
सुधरना अ०क्रि० सुधरवूं
सुधराई स्त्री० सुधरवुं ते; सुधारो (२) सुधारवानी मजूरी [धार्मिक
सुधर्मा,-र्मी वि० [सं.] धर्मपरायण;
सुधवाना अ०क्रि० सुधरावववुं
सुधा स्त्री०[सं.] अमृत (२) पाणी (३) पृथ्वी (४) दूध (५) पुत्री के पुत्रवधू (६) घर (७) मध (८) चूनो
सुधाई स्त्री० सीधापणुं
सुधाकर पुं० [सं.] चंद्र [छोनार)
सुधाकार पुं० [सं.] कडियो (चूनाथी
सुधार पुं० सुधारो. ०**क** पुं० सुधारो करनार [(प.) सुधारनार
सुधारना स०क्रि० सुधारवुं (२) वि०
सुधारा वि० (प.) सीधुं; निष्कपट
सुधी पुं० [सं.] विद्वान; पंडित
सुन वि० जुओ 'सुन्न' [मर्म; भद
सुन-गुन स्त्री० ऊडती वात; अफवा (२)
सुनति स्त्री० (प.) सुन्नत
सुनना स०क्रि० सुणवुं; सांभळवुं
सुनबहरी स्त्री० हाथीपगानो रोग
सुनवाई स्त्री० सांभळवुं ते (२) सुनावणी
सुन(-न्न)सान वि० सूमसाम; निर्जन के उज्जड (२) पुं० 'सन्नाटा'; सूमसाम
सुनहरा(-री,-ला) वि० सोनेरी
सुनहा पुं० (प.) श्वान; कूतरो
सुनाई स्त्री० जुओ 'सुनवाई'
सुनाना स०क्रि० संभळाववुं
सुनार पुं० सोनी (स्त्री० **-रिन,-री**)
सुनारी स्त्री० सोनारण (२) सोनीकाम (३) [सं.] सारी सुंदर स्त्री
सुनावनी स्त्री० मृत्युनी खबर आववी ते के ते आव्ये करातुं स्नान
सुन्न पुं० शून्य; मीडुं (२) वि० निश्चेष्ट; अचेत [धर्मक्रिया
सुन्नत स्त्री० [अ.] एक मुसलमानी
सुन्नसान वि० जुओ 'सुनसान'
सुन्ना पुं० शून्य; मीडुं [संप्रदाय
सुन्नी पुं० [अ.] एक मुसलमान धर्म-
सुपक वि० (प.) जुओ 'सुपक्व'
सुपक्व वि० [सं.] सारी रीते पक्व (२) पुं० पाकी केरी
सुपच पुं० (प.) श्वपच; चांडाळ
सुपत वि०(प.) सारी पतवाळुं; प्रतिष्ठित
सुपथ पुं० [सं.] सारो रस्तो; सदाचार
सुपन(-ना) पुं०सपनुं. **-नाना** अ०क्रि० (प.) स्वप्नुं आववुं
सुपरडंट, सुपरिंटेंडेंट [इं.] पुं० कचेरी के खातानो अध्यक्ष अमलदार
सुपात्र पुं० [सं.] योग्य व्यक्ति
सुपारी स्त्री० सोपारी
सुपास पुं० आराम; सुख; निरांत
सुपुत्र पुं० [सं.] (सारो) पुत्र; सपूत (२) वि० सुपुत्रवाळुं
सुपुर्द, सुपुर्दगी जुओ 'सपुर्द, सपुर्दगी'
सुपूत पुं० सपूत. **-ती** स्त्री० सपूत होवुं ते (२) सपूतवाळी स्त्री
सुपेत,-द वि० सफेद. **-ती,-दी** स्त्री० सफदी
सुपैदा पुं० सफेदो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सुप्त वि० [सं.] सूतेलुं; ऊंघेलुं. **–प्ति** स्त्री० ऊंघ; शयन
सुफरा पुं० [अ.] दसतरखान (२) 'ट्रे'; मोटी परात ['सुपेद, –दी'
सुफेद वि०, **–दी** स्त्री० जुओ अनुक्रमे
सुफ़ूफ़ पुं० [अ.] जुओ 'सफ़ूफ़'; चूर्ण
सुबह स्त्री० [अ.] सवार; प्रातःकाळ. **०दम, ०सवेरे, ०सुबह** अ० वहेली सवारे
सुबहा स्त्री० जपमाळा
सुबहान वि० [अ.] पवित्र. **–अल्ला, –तेरी क़ुदरत**=हर्ष के अचंबो प्रगट करनारुं संबोधन – वाह! धन्य!
सुबास(०ना) स्त्री० सुवास; सुगंध
सुबि(–वि)धा स्त्री० सगवड;अनुकूळता
सुबिस्ता, सुबीता पुं० जुओ 'सुभीता'
सुबुक वि० [फा.] हलकुं; कम वजननुं (२) सुन्दर; रूपाळुं
सुबुक-दस्त वि० [फा.] फूर्तिलुं; चपळ
सुबुकी स्त्री० [फा.] हलकापणुं (२) अपमान; तुच्छकार [घडो (शराबनो)
सुबू स्त्री० जुओ 'सुबह' (२) पुं०[फा.]
सुबूत पुं० जुओ 'सबूत'
सुबोध वि० [सं.] सुबुद्धिवाळुं (२) समजवुं सहेलुं (३) पुं० सारो बोध के समज
सुभग वि० [सं.] सुंदर; मनोरम (२) भाग्यवान (३) सुखद
सुभट पुं० [सं.] मोटो योद्धो
सुभाइ(-उ,-य,-व) पुं० (प.) स्वभाव
सुभाग,–गी,–ग्य [सं.] सारा भाग्यवाळुं; नसीबदार
सुभान, ०अल्ला जुओ 'सुबहान,०अल्ला'
सुभाय,–व पुं० (प.) स्वभाव
सुभाष,–षी वि०[सं.] सारुं मीठुं बोलनार
सुभाषित पुं०[सं.] सारो बोल के वचन
सुभिक्ष पुं० [सं.] सुकाळ
सुभीता पुं० सरळता; सहेलाई (२) सुयोग; सवड; अनुकूळता
सुम पुं० [फा.] पशुनी खरी; 'टाप'
सुमति स्त्री० [सं.] सारी बुद्धि
सुमन पुं० [सं.] फूल
सुम(–मि)रन पुं० (प.) स्मरण
सुम(–मि)रना स०क्रि० (प.) स्मरवुं
सुम(–मि)रनी स्त्री० नानी (२७ दाणानी) जपमाळा
सुयश पुं० [सं.] सारी कीर्ति, नामना
सुयोग पुं० [सं.] सारो मोको, लाग
सुरंग वि० [सं.] सुंदर; सारा रंगवाळुं (२) पुं० सारो रंग (३) हिंगळोक (४) स्त्री० फूटती के फोडवानी सुरंग (५) चोरनुं खातर
सुर पुं० [सं.] देव
सुर पुं० सूर; अवाज. **–में सुर मिलाना**= हाजी हा करवुं; गायुं गावुं
सुरअत स्त्री०[अ.] तेजी; स्फूर्ति; जल्दी
सुरकना स०क्रि० सीसका साथे खेंचवुं
सुरख,–खा वि० जुओ 'सुर्ख़'
सुरख़ाब पुं० [फा.] 'चकवा'; चातक. **–का पर लगना**=विशेषता होवी
सुरख़ी स्त्री० ईंटनो चूरो – झिकाळो (२) जुओ 'सुर्ख़ी'
सुरज पुं० (प.) सूरज; सूर्य
सुरत पुं० [सं.] रतिक्रीडा
सुरत(–ता) स्त्री० ध्यान; सरत
सुरती स्त्री० खावानो जरदो – तमाकु
सुरदार वि० सुरीलुं; सुस्वर
सुरधुनी स्त्री० सुरनदी; गंगा
सुरना पुं०; स्त्री० [फा.] नफेरी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सुरपुर पुं० [सं.] देवलोक; स्वर्ग
सुरबहार पुं० एक तंतुवाद्य
सुरभि पुं० [सं.] वसंत ऋतु (२) स्त्री० गाय (३) सुगंध (४) वि० सुवासित (५) सुंदर. ०त वि० सुगंधीदार
सुरभी स्त्री० [सं.] सुगंध (२) गाय
सुरमई वि० [फा.] सुरमाना रंगनुं; भूखरुं; नील (२) स्त्री० एक पक्षी (३) पुं० 'सुरमई' रंग
सुरमचू पुं० सुरमो आंजवानी सळी
सुरमा पुं० [फा.] आंखनो सुरमो. **–देना, –लगाना** = सुरमो आंजवो
सुरमादानी स्त्री० सुरमो राखवानी शीशी के तेनुं पात्र
सुर(०व)स पुं० ताणो करवानी पातळी लाकडी (जेनाथी जोग नंखाय छे)
सुरसती स्त्री० (प.) सरस्वती
सुरसरि, ०त, ०ता, –री स्त्री० गंगानदी
सुरसुराना अ०क्रि० सरसर (इयळ इ० पेठे) चालवुं (२) खंजवाळ आववी. (नाम, **–हट** स्त्री०)
सुरा स्त्री० [सं.] मद्य; दारू. **०कर** पुं० दारूनी भठ्ठी. **०कार** पुं० दारू गाळनार; कलाल
सुराख पुं० छेद; काणुं
सुराग़ पुं० [तु.] भाळ; पत्तो
सुराग़-रसाँ वि० भाळ काढनार
सुराज, –ज्य पुं० [सं.] सारुं राज्य (२) स्वराज्य
सुराप, –पी वि० दारू पीनार
सुराही स्त्री० [अ.] भोटवो; सुराई. **०दार** वि० सुराईना घाटनुं
सुरीला वि० सुरीलुं; मधुर
सुरुख वि० प्रसन्न; राजी (२) 'सुर्ख़'
सुरुखरू वि० जुओ 'सुर्ख़रू'
सुरूर पुं० [फा.] आनंद (२) नशानी आछी लहेर–लहेजत
सुरैत(–तिन) स्त्री० रखात
सुर्ख़ वि० पुं० [फा.] लाल (२) लाल रंग (३) रती [सफळ (३) प्रतिष्ठित
सुर्ख़रू वि०[फा.] तेजस्वी (२) यशस्वी;
सुर्ख़ी स्त्री० [फा.] लाली (२) लेख वगेरेनुं मथाळुं (३) लोही
सुर्ता वि० समजु; होशियार
सुलग अ० पासे [सुलगाना)
सुलगना अ० क्रि० सळगवुं; लागवुं (प्रेरक
सुलझन स्त्री० सूझ; उकेल (गूंचनो)
सुलझना अ०क्रि० रस्तो सूझवो; गूंच ऊकलवी. (प्रेरक **सुलझाना**)
सुलझाव पुं० जुओ 'सुलझन'
सुलटा वि० सूलटुं
सुलतान पुं० [अ.] महाराजा; बादशाह. **–ना** स्त्री० सुलताननी बेगम के माता. **–नी** वि० सुलताननुं (२) स्त्री० बादशाही (३) एक रेशमी वस्त्र
सुलफ वि० नरम; मुलायम; 'लचीला'
सुलफ़ा पुं० [फा.] सुल्फो; नशावाळी तमाकु (२) चडस
सुलफ़ेबाज़ वि० गांजो या चडस पीनार
सुलभ वि० [सं.] सहेलाईथी मळे एवुं (२) सुगम; सरळ
सुलह स्त्री०[अ.] सुलेह; संधि. **०नामा** पुं० सुलेहनामुं; कोलकरार
सुलाना स० क्रि० 'सोना'नुं प्रेरक; सुवडाववुं
सुलेमान पुं० [अ.] यहूदीओनो प्रसिद्ध राजा सॉलोमन. **–नी** वि० सुलेमान संबंधी (२) पुं० एक जातनो घोडो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सुवन,-नारा पुं० (प.) जुओ 'सुअन'
सुवर्ण पुं० [सं.] सोनुं (२) वि० सारा के सोनेरी रंगनुं
सुवा पुं० सूडो; पोपट
सुवार पुं० (प.) जुओ 'सुआर'
सुवास पुं०[सं.] सुगंध (२) सुंदर घर
सुवासित वि० [सं.] सुगंधीदार
सुवासिनी स्त्री० सुवासण स्त्री (२) पियेर रहेती युवती स्त्री
सुविधा स्त्री० जुओ 'सुबिधा'
सुशील वि०[सं.] शीलवान;चारित्र्यवान
सुश्रूषा स्त्री० [सं.] सेवाचाकरी
सुषमना,-नि स्त्री०(प.) सुषुम्णा नाडी
सुषमा स्त्री० [सं.] परम शोभा
सुषुप्ति स्त्री० [सं.] निद्रानी दशा
सुषुम्ना स्त्री० [सं.] एक नाडी (योगमां)
सुष्ट वि० दुष्ट नहि एवुं; भलुं; नेक
सुष्ठु अ० [सं.] ठीक; सारी रीते
सुसंग पुं० [सं.] सत्संग; सारी सोबत
सुसंगत वि० [सं.] बरोबर संगत; सयुक्तिक. **-ति** स्त्री० सारी सोबत (२) संगतता
सुस,-सा स्त्री० (प.) बहेन
सुसकना अ०क्रि०(प.) जुओ 'सिसकना'
सुसताना अ०क्रि० श्वास के थाक खावो; आराम करवो
सुसर(-रा) पुं० ससरो
सुसराल स्त्री० 'ससुराल'; सासरी
सुसा स्त्री० जुओ 'सुस'
सुस्त वि० [फा.] कमजोर; दुर्बळ (२) मंद; आळसु; ढीलुं
सुस्ताना अ०क्रि० जुओ 'सुसताना'
सुस्ती स्त्री० [फा.] सुस्तपणुं

सुस्थ वि०[सं.] स्वस्थ; तंदुरस्त (२) सुखी
सुहँगा वि० सोंघुं; सस्तुं
सुहबत स्त्री० सोबत; 'सोहबत'
सुहबती पुं० सोबती; मित्र
सुहाग पुं० सुहाग; सौभाग्य (२) लग्न प्रसंगनुं वरनुं वस्त्र के वरपक्षनी स्त्रीओनुं गीत. **-उतरना**=सौभाग्य टळवुं; विधवा थवुं
सुहाग(-गि)न स्त्री० सुहागण; सौभाग्यवती
सुहागा पुं० टंकणखार (२) 'सोहागा'; समार
सुहागिन(-नी) जुओ 'सुहागन'
सुहाता वि० खमाय एवुं; सह्य (२) मजेदार (३) कोकरवरणुं (पाणी)
सुहाना अ०क्रि० सोहावुं; शोभवुं (२) फाववुं; सारुं लागवुं
सुहाया वि० (प.) सोहीतुं; शोभीतुं
सुहारी स्त्री० पूरी
सुहाल पुं० एक पकवान
सुहावना वि० सोहामणुं; सुंदर (२) अ०क्रि० जुओ 'सुहाना'
सुहृद् पुं० [सं.] मित्र
सुहेला वि० सोह्यलुं; शोभीतुं; सारुं
सूँघना स०क्रि० सूंघवुं
सूँघा पुं० पाणी-सूंघो; सूंघीने जमीननुं पाणी बतावनार (२) जासूस
सूँठ स्त्री० 'सोंठ'; सूंठ
सूँड़ स्त्री० हाथीनी सूंढ
सूँस स्त्री० जुओ 'सूस'
सू अ० [फा.] तरफ; भणी; बाजु
सूअर पुं० सूवर; शूकर; भूंड. **०नी, -री** स्त्री० तेनी मादा; भूंडण
सूआ पुं० सोयो (२) शूक; सूडो

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सूई स्त्री० सोय (२) घडियाळना जेवो कोई पण कांटो. **–का फावड़ा या भाला बनाना**=रजनुं गज करवुं. **सूइयों नाज पिरोना**=बहु कंजूसी करवी

सूकर पुं० [सं.] सूअर; भूंड. **–री** स्त्री०

सूका पुं० पावली (२) वि० सूकुं. **–की** स्त्री० लांच

सूक्त पुं० [सं.] वेदनुं सूक्त – मंत्रोनुं जूथ (२) सुवाक्य (३) वि० सारी रीते कहेलुं

सूक्ति स्त्री० [सं.] सुवाक्य; सारो बोल

सूक्ष्म वि० [सं.] बारीक; झीणुं. **०दर्शक यंत्र** पुं० सूक्ष्म पदार्थ जोवानुं यंत्र. **०दर्शी** वि० तीणुं जोई शकनार; कुशाग्रबुद्धि

सूखना अ०क्रि० सुकावुं

सूखा वि० सूकुं; शुष्क; लूखुं (२) पुं० सुकवणुं; दुकाळ (३) सूको; जरदो (४) पाणी वगरनी सूकी जगा

सूचक वि० [सं.] सूचवतुं; बतावतुं (२) पुं० सोय (३) दरजी [चेतवणी

सूचना स्त्री० [सं.] सूचववुं ते; नोटिस;

सूचि स्त्री० [सं.] सोय (२) इस्टापडी; कडी (३) यादी [सूंढ

सूचिका स्त्री० [सं.] सोय (२) हाथीनी

सूचित वि० [सं.] सूचवायेलुं

सूची पुं० [सं.] चाडियो के गुप्तचर (२) स्त्री० सोय (३) यादी

सूच्यार्थ पुं० [सं.] व्यंग्यार्थ

सूजन(–नी) स्त्री० सूज; सोजो. **–ना** अ०क्रि० सूजवुं; फूलवुं

सूजा पुं० 'सूआ'; सोयो

सूजाक पुं० [फा.] एक मूत्ररोग

सूजी स्त्री० रवो; जाडो लोट (२) सोय (३) पुं० दरजी

सूझ-बूझ स्त्री० समज; सूझ

सूझना अ०क्रि० सूझवुं; देखावुं

सूट पुं० [इं.] पहेरवानुं 'सूट' – कोटपाटलून

सूत पुं० सूतर (२) दोरो

सूतक पुं० [सं.] प्रसव; जन्म (२) अशौच (जन्म-मरणनुं). **–की** वि० सूतकवाळुं

सूतना अ०क्रि० (प.) सूवुं

सूता पुं० 'सूत'; सूतर (२) स्त्री० [सं.] प्रसूता स्त्री

सूतिका स्त्री० [सं.] सुवावडी. **०गार, ०गृह, ०भवन** पुं० प्रसूतिगृह

सूती वि० सूतरनुं (२) स्त्री० सीप

सूत्र पुं० [सं.] सूतर; दोरो (२) टूंक वचन के वाक्य (३) तंत्र; व्यवस्था

सूत्रकार पुं० [सं.] सूत्र रचनार (२) सुथार (३) वणकर [मुख्य नट

सूत्रधार पुं० [सं.] नाटकनो नायक;

सूत्रपात पुं० [सं.] शरूआत

सूथन(–नी) स्त्री० स्त्रीओनी सूंथणी

सूथार पुं० सुथार

सूद पुं० [फा.] लाभ (२) व्याज. **–दर सूद**=व्याजनुं व्याज

सूदी वि० व्याजुकुं

सूधा वि० (प.) सीधुं

सूधे अ० (प.) जुओ 'सीधे'

सून पुं० [सं.] प्रसव (२) पुत्र, फळ, कळी इ० (३) (प.) शून्य (४) वि० सूनुं. **०सान** वि० जुओ 'सुनसान'

सूना वि० सूनुं (२) पुं० एकांत जगा (३) स्त्री० [सं.] पुत्री

सूप पुं० सूपडुं (२) [सं.] सूप – एक पेय वानी. **०क, ०कार** पुं० रसोइयो. **०ड़ा** पुं० सूपडुं

सूफ़ पुं० [अ.] ऊन के गरम कपडुं (२) काळी शाहीना खडियामां रखातुं कपडुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सूफ़ियाना वि०[फा.] जुओ 'सोफ़ियाना'
सूफ़ी पुं० [अ.] सूफीवादी माणस (२) सादो साधु माणस
सूबा पुं०[फा.] प्रांत; देशनो भाग (२) सूबो; सूबेदार. **–बेदार** पुं० सूबो (२) अमुक दरज्जानो पोलीस के सैनिक
सूम,०ड़ा वि० कंजूस
सूर पुं० सूरदास (२) वि० शूर (प.) (३) पुं० सूवर (४) [अ.] क्यामतने दिवसे वागनारुं एक वाजुं (५) [फा.] खुशी; आनंद (६) लाल रंग
सूरज पुं० सूर्य. **०मुखी** पुं० एक फूल (२) एक जातनुं दारूखानुं. **–को दीपक दिखाना**=स्वयं जे प्रसिद्ध के गुणी होय तेनो परिचय कराववो. **–पर थूकना या धूल फेंकना**=निर्दोष के पवित्रने लांछन लगाडवुं
सूरत स्त्री० [अ.] शिकल; रूप (२) रस्तो; उपाय (३) हाल; दशा. **–दिखाना**=मों बतावvुं; सामे आववुं. **–बनाना**=रूप काढवुं; वेश बदलवो (२) मों मरडवुं. **–बिगड़ना**=चहेरो फीको पडवो; निस्तेज थवुं [बाह्यतः
सूरतन् अ० [अ.] देखवामां; उपरथी;
सूरत-परस्त वि० [फा.] सौंदर्य-पूजक(२) बुत-परस्त [पण उपरथी देखावडुं
सूरत-हराम वि० [फा.] अंदरथी निस्सार
सूरति स्त्री० (प.) सूरत (२) स्मृति
सूरन पुं० सूरण
सूरमा(–वाँ) पुं० शूर; वीर; योद्धो
सूरा पुं० सूरदास; अंध (२) अनाजमां पडतुं एक जीवडुं (३) [अ.] कुराननुं प्रकरण
सूराख़ पुं० [फा.] सुराख; छिद्र
सूर्य पुं०[सं.] सूरज. **–र्यास्त** पुं० सूर्य आथमे ते. **–र्योदय** पुं० सूर्य ऊगे ते
सूल पुं० शूळ; सूळ
सूली स्त्री० शूळी (२) फांसी
सूस(०मार) पुं० 'सूंस'; एक जलचर
सूहा पुं० एक जातनो लाल रंग (२) एक संकर राग (३) वि० लाल
सृगाल पुं० [सं.] शियाळ (२) डरपोक के दुष्ट माणस
सृजक वि० (प.) सर्जक; पेदा करनार
सृजन पुं० (प.) सृष्टि; सर्जन. **०हार** पुं० सर्जनहार
सृजना स०क्रि०(प.) सरजवुं; पेदा करवुं
सृष्ट वि०[सं.] सरजेलुं; रचेलुं (२)त्यजेलं
सृष्टि स्त्री० [सं.] जगत; विश्व (२) सर्जन (३) त्याग
सेँक स्त्री० शेक; शेकवुं ते
सेँकना स०क्रि० शेकवुं
सेँगर पुं० शाकनी एक फळी के तेनो एक छोड (२) बावळनो परडो (३) एक अनाज (४) एक रजपूत जात
सेँत स्त्री० खर्च वगर–मफत थवुं ते
सेँतमें, सेँत-मेँत अ० मफत (२) व्यर्थ
सेँदुरा वि० सिंदूरियुं (२) पुं० सिंदूरनी डबी [फूल झाड
सेँदुरिया वि० सिंदूरियुं (२) पुं० एक
सेँदूर पुं० सिंदूर. **–चढ़ना**=स्त्रीए परणवुं
सेँध स्त्री० दीवालमां खातर पडे ते; बाकुं. **–लगाना**=कोचीने खातर पाडवुं
सेँधना अ०क्रि० भींतमां खातर पाडवुं
सेँधा पुं० सिंधव
सेँधिया वि० खातर-पाडु (चोर) (२) पुं० ग्वालियरनो सिंधिया

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सेँवई स्त्री० घउंनी शेव
सेँहुड़ पुं० जुओ 'सेहुँड़'
सेकंड पुं०[इं.] पळ; मिनिटनो ६०मो भाग
सेक पुं० [सं.] सींचवुं – छांटवुं ते
सेक्रेटरी पुं० [इं.] मंत्री [कचेरी
सेक्रेटेरियेट पुं०[इं.] सरकारी मंत्रीओनी
सेख पुं० (प.) शेष (२) शेख
सेग़ा पुं० 'सीग़ा'; विभाग
सेज,–ज्या स्त्री० (प.) शय्या; पथारी
सेजपाल पुं० शयनगृहनो रक्षक
सेटना स०क्रि० गणतरीमां लेवुं; मानवुं
सेठ पुं० शेठ (स्त्री० **–ठानी**)
सेढ़ पुं० (वहाणनुं) सढ
सेढ़ा पुं० शेडा; लींट
सेतु पुं० [सं.] पुल; बंध
सेन पुं० श्येन; बाज (२) स्त्री० (प.) सैन्य
सेना स्त्री० [सं.] सैन्य. **०नी, ०पति** पुं० सेनाधिपति
सेना स०क्रि० (प.) सेववुं
सेनी स्त्री०[फा.] अमुक थाळी के रकाबी
सेनी स्त्री०(प.) बाजनी मादा (२) श्रेणी
सेनेट स्त्री० [इं.] जुओ 'सिनेट'
सेफ पुं० [इं.] तिजोरी
सेब पुं० [फा.] सेप; सफरजन; 'सेव'
सेम पुं० पापडी के वालोळ
सेमई स्त्री० 'सेँवई'; सेव (घउंनी) (२) वि० आछा लीला रंगनुं
सेमर पुं० कळण भूमि (२) (प.) जुओ 'सेमल'
सेमल पुं० शाल्मली झाड
सेमा पुं० मोटी पापडी के वालोळ
सेर पुं० शेर (वजन) (२) शेर; सिंह (३) वि० [फा.] तृप्त; संतुष्ट
सेरवा पुं० 'सेरा'–खाटलानुं नानुं लाकडुं
सेरा पुं० खाटलानुं माथा आगळनुं लाकडुं (२) पायेली जमीन
सेराना अ०क्रि० (प.) ठंडुं थवुं; ठरवुं (२) मरवुं
सेराब वि० [फा.] पाणीथी तरबोळ; पाणी पीधेलुं
सेरी पुं० (प.) शेरी; रस्तो (२) स्त्री० [फा.] तृप्ति; संतोष
सेल पुं० बरछो; भालो
सेला पुं० सेलुं; शेलुं
सेली स्त्री० नानो 'सेल'–भालो (२) योगी साधु इ. नी गळानी एक माळा
सेव पुं० चणानी सेव(२)'सेब'; सफरजन (३) स्त्री० (प.) सेवा
सेवइँ स्त्री० जुओ 'सेँवई'
सेवक पुं० [सं.] सेवा करनार
सेवकाई स्त्री० सेवा
सेवती स्त्री० [सं.] धोळा गुलाबनो छोड
सेवन पुं० [सं.] सेववुं – सेवा करवी ते
सेवा स्त्री० [सं.] चाकरी (२) पूजा
सेवा-टहल स्त्री०सेवा; चाकरी; खिदमत
सेवाधारी पुं० पूजारी
सेवा-बंदगी स्त्री० पूजापाठ; सेवापूजा
सेवार(–ल) स्त्री० शेवाळ
सेविंग(–ग्स) बैंक पुं० [इं.] बचत राखवानी बॅन्क
सेविका स्त्री० [सं.] सेवक स्त्री
सेवी वि० [सं.] सेवन करनार
सेवैयाँ स्त्री० सेवोनो दूधपाक
सेव्य वि० [सं.] सेवापात्र
सेशन पुं० [इं.] अधिवेशन; बेठक (२) सत्र (३) सेशन कोरट–कचेरी
सेसर पुं० पत्तांनी एक बाजी (२) जाळ
सेसरिया पुं० जाळमां फसावनार; कपटी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सेह वि० [फा.] त्रण (प्रायः समासमां.) **०खाना** पुं० त्रण माळनुं मकान. **०पाई** स्त्री०, **०पाया** पुं० तिपाई

सेहत स्त्री० [अ.] आरोग्य (२) रोगमांथी मुक्ति (३) सुखचेन; राहत (४) (भूलोनी) शुद्धि

सेहत-खाना पुं० पायखानुं

सेहत-नामा पुं० शुद्धिपत्रक

सेह-माही वि० त्रैमासिक

सेहर पुं० [अ. सिह्र] जादु; इंद्रजाळ

सेहरा पुं० वरराजानो खूंप. **–रे जलवेकी** वि० परणेतर

सेहशंबा पुं० [फा. सिहशंब:] मंगळवार

सेही स्त्री० [सं. सेधा] 'साही'; साहुडी

सेहुँड़ पुं०, **सेहुँड़ा** स्त्री० 'सेंहुड़'; थोर

सेहुआँ पुं० एक चर्मरोग; करोळिया

सैंगर पुं० बावळनो परडो

सैंतना स०क्रि० (खंतथी) एकठुं करवुं

सैंतालि(–ली)स वि० सुडताळीस; ४७

सैंति(–ती)स वि० साडत्रीस; ३७

सैंदूर वि० [सं.] सिंदूरना रंगनुं

सैंधव पुं० [सं.] सिंधव (२) सिंधनो निवासी के घोडो (३) वि० सिंधनुं के सिंधु–समुद्रनुं

सै पुं० [सं. शत, प्रा. सय] गुजराती 'सें' –सो जेम वपराय छे. उदा. 'सोरह सै इकतीस'

सैकड़ा पुं० सेंकडो; सैको

सैकड़े अ० सेंकडे; 'प्रति शत'

सैकड़ों वि० सेंकडो; अनेक सो (२) घणुं

सैकत वि०[सं.] रेताळ; रेतीनुं [काम

सैक़ल पुं० [अ.] सिकलीगर–सराणियानुं

सैक़लगर पुं० [अ.]सराणियो; सिकलीगर

सैथी स्त्री० बरछी; भालो

सैद पुं० शिकार (२) [अ.] सैयद

सैदानी स्त्री० सैयद स्त्री

सैन स्त्री० (प.) इशारो (२) सैन्य (३) श्येन; बाज

सैनभोग पुं० मंदिरोनो शयनभोग

सैनासैनी स्त्री० सामसामे इशारा करवा ते

सैनिक पुं० [सं.] योद्धो; सिपाही (२) वि० सेना विषेनुं [(प.) सैन्य

सैनी पुं० 'नाई'; वाळंद (२) स्त्री०

सैनू पुं० एक जातनुं कपडुं

सैन्य पुं० [सं.] सेना; फोज

सैफ़ स्त्री० [अ.] तलवार

सैफ़ा पुं० [फा.] कागदीनुं एक ओजार

सैयद पुं० [अ.] नेता; सरदार (२) पेगंबरनो वंशज; ते जातिनो माणस. **–दा, –दानी** स्त्री० सैयद स्त्री

सैयाँ पुं० स्वामी

सैयाद पुं० [अ.] शिकारी [करनारो

सैयार पुं० [फा.] खूब सेर–सहेल

सैयारा पुं० [अ.] (आकाशनो) ग्रह

सैयाल वि० [अ.] प्रवाही; पाणी जेवुं

सैयाह वि० [अ.] यात्री; सफर करनार

सैयाही स्त्री० [अ.] सफर; यात्रा

सैर स्त्री० [फा.] सेर; मोज खातर फरवुं ते; सहेल (२) मजा; आनंद (३) मोज खातर पर्यटने जवुं ते

सैरगाह पुं०; स्त्री० सहेल करवानी मजानी सुंदर जगा

सैर-सपाटा पुं० सहेलसपाटा

सैल पुं०; स्त्री० [अ.] प्रवाह; वहेण

सैला पुं० फाचरो (२) फाचर के चीर (३) दंडो; दस्तो

सैलानी वि० सहेलाणी; लहेरी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सैलाब पुं० [फा.] रेल (पाणीनी)
सैलाबा पुं० पाणीमां डूबी गयेलो पाक
सैलाबी स्त्री० [फा.] भीनाश (२) नदीनी रेलथी सींचाती जमीन (३) रेल (४) वि० रेल संबंधी
सैली स्त्री० नानो 'सैला' (जुओ 'सैला')
सों प्रत्यय 'सें' या 'से'नुं पद्यनुं रूप
सोंचर-नमक पुं० संचळ [छडीदार
सोंटा पुं० सोटो; लाठी. **०बरदार** पुं०
सोंठ स्त्री० सूंठ. **–ठौरा** पुं० सुवावडमां खवाती सूंठ वसाणांनी एक वानी
सोंध (–धा) वि० सुगंधीदार (२) पुं० एक सुगंधी पदार्थ (तेलमां नंखातो)
सोंपना स०क्रि० सोंपवुं; 'सौंपना'
सो स० ते (२) अ० तेथी; अतः
सोआ (–या, –वा) पुं० एक शाक; सुवा
सोई स० (प.) 'वही'; ते ज; 'सोय'
सोखना स०क्रि० शोषी लेवुं; चूसवुं
सोख़्तनी स्त्री० [फा.] सूकुं लाकडुं
सोख़्ता पुं०[फा.] शाहीचूस कागळ (२) वि० [फा.] बळेलुं; दग्ध
सोगंद स्त्री० जुओ 'सौगंद'
सोग पुं०(प.) शोक. **–गी** वि० शोकमां पडेलुं; शोकवाळुं (स्त्री० **–गिनी**)
सोच पुं० विचारवुं ते (२) चिंता (३) शोक; पस्तावो
सोचना अ०क्रि० विचारवुं ते (२) चिंता करवी (३) खेद करवो
सोचविचार पुं० 'समझ-बूझ'; बधी रीतनो–पूरो विचार
सोज़ पुं० [फा.] बळतरा (२) दुःख
सोज स्त्री० सोज; सोजो
सोज़न स्त्री० [फा.] सोय
सोज़ां वि० [फा.] दुःखद; करुण
सोज़िश स्त्री०[फा.] सोजो (२) जुओ 'सोज़'
सोझ (–झा) वि० (प.) सीधुं; सरळ
सोडा पुं०[इं.] सोडा क्षार. **०वाटर** पुं० सोडानुं एक पेय
सोढर वि० मूर्ख; ढ
सोत (ता) पुं० स्रोत; झरणुं
सोदर वि०(२)पुं० [सं.] सहोदर (भाई)
सोध, ०न पुं० (प.) शोध; तपास (२) चूकते, अदा थवुं ते
सोन पुं० (प.) सोनुं (२) शोण नदी
सोनकेला पुं० सोनेरी केळुं
सोनचिरी स्त्री० नटी; नर्तकी
सोनहरा (–ला) वि० सोनेरी
सोना पुं० सोनुं (२) अ०क्रि० सूवुं; ऊंघवुं (३) अंगे झराणी चडवी. **सोनेका घर मिट्टी होना**=खेदानमेदान थई जवुं. **सोनेकी चिड़िया**=धनिक; मालदार. **सोनेमें घुन लगना**=असंभव वस्तु बनवी. **सोनेमें सुगंध**=उत्तम चीजमां वळी उत्तमता [माक्षिक
सोनामक्खी स्त्री० एक उपधातु–सुवर्ण-
सोनार, सोनी पुं० 'सुनार'; सोनी
सोपान पुं० [सं.] सीडी
सोपारी स्त्री० जुओ 'सुपारी'
सोफ़ता पुं० एकांत; अलग जगा (२) फुरसद [के आसन
सोफ़ा पुं०[इं.] गादीवाळी एक खुरशी
सोफ़ियाना वि० सुफी संबंधी (२) सादुं पण सारुं लागतुं; सुफियाणुं
सोम पुं० [सं.] चंद्र (२) सोमवार (३) सोमरसनी वेल (४) अमृत (५) पाणी
सोमवारी वि० सोमवारनुं (२) स्त्री० सोमवती अमास

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सोय स० (प.) 'वही'; 'सोई' (२) 'सो'; ते
सोयम वि० [फा.] त्रीजुं
सोया, –वा पुं० 'सोआ'; सवा
सोर पुं० (प.) शोर; कोलाहल (२) स्त्री० जड; मूळ [राग
सोरठा पुं० सोरठो छंद. **–ठी** स्त्री० एक
सोरनी स्त्री० सावरणी
सोरह वि० (प.) 'सोलह'; सोळ
सोर(–ल)ही स्त्री० सोळ कोडीथी रमाती एक बाजी–जुगार
सोलह वि० सोळ; १६. **–ही** स्त्री० जुओ 'सोरही'. **सोलहो आने**=सोळे आना; पूरेपूरुं [टोपीमां वपराय छे ते
सोला पुं० जे झाडनां छोडां सोला
सोलाना स०क्रि० 'सुलाना'; सुवाडवुं
सोलिसिटर पुं० [इं.] अमुक काम माटेनो एक वकील
सोवड़ पुं० सुवावडनी ओरडी; प्रसूतिगृह
सोवना अ०क्रि० (प.) 'सोना'; सूवुं
सोवा पुं० जुओ 'सोआ'
सोसनी वि० (प.) जांबुडियुं
सोसाइ(–य)टी स्त्री० [इं.] समाज (२) सोबत; संग [सौभाग्यनी चीजो
सोहगी स्त्री० लग्ननी एक रीत (२)
सोहन वि० शोभीतुं; सुन्दर. (स्त्री० **–नी**) **०पपड़ी** स्त्री० एक मीठाई. **०हलवा** पुं० एक जातनो हलवो
सोहना अ०क्रि० सोहवुं;शोभवुं(२)नींदवुं
सोहनी स्त्री० झाडु; सावरणी (२) नींदामण (३) वि० स्त्री० सुन्दर
सोहबत स्त्री० [अ.] सोबत (२) संभोग
सोहबती पुं० [फा.] सोबती; साथी
सोह(–हि)ला पुं० मंगळ गीत
सोहाई स्त्री० नींदामण
सोहाग पुं० जुओ 'सुहाग'
सोहागा पुं० जुओ 'सुहागा' (२) खेडूतनो समार
सोहागिन, –नी, –ल स्त्री० जुओ 'सुहागिन'
सोहाता(–या) वि० सुंदर; सोहातुं
सोहा(०व)ना स०क्रि० (प.) सोहाववुं; शोभाववुं
सोहाया वि० जुओ 'सोहाता'
सोहारी स्त्री० पूरी
सोहावना स०क्रि० जुओ 'सोहाना'
सोहिल पुं० अगस्त्य तारो
सोहिला पुं० जुओ 'सोहला'
सोहीं, –हैं अ० (प.) सामे; आगळ
सौंचना स० क्रि० शौच जवुं के जईने धोवुं के त्यार बाद हाथपग धोवा
सौंचर,०नमक पुं० संचळ; 'सोंचर-नमक'
सौंचाना स०क्रि० 'सौंचना'नुं प्रेरक
सौंड़,–ड़ा पुं० रजाई इ० जेवुं ओढवानुं ते
सौंदन स्त्री० खारमां मेलां कपडां धोबी पलाळे छे ते. **–ना** स०क्रि० तेम कपडां पलाळवां
सौंदर्य पुं० [सं.] सुंदरता
सौंध स्त्री० सुगंध (२) पुं० महेल; 'सौध'
सौंपना स०क्रि० सोंपवुं
सौंफ़ स्त्री० वरियाळी. **–फ़िया, –फ़ी** वि० वरियाळीवाळुं (२) स्त्री० तेवुं पेय (दारू इ०) [सन्मुख
सौंह स्त्री०(प.) सोगन (२) अ० सामे;
सौ वि० सो; १००. **–बातकी एक बात**=सारांश; टूंकमां; तात्पर्य के
सौक(०न) स्त्री० 'सौत'; शोक; सपत्नी
सौख, सौख्य पुं० [सं.] सुख
सौगंद(–ध) स्त्री०[फा.] सोगंद; कसम

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

सौगंध पुं० [सं.] अत्तरियो (२) सुगंध (३) वि० सुगंधीदार (४) स्त्री० जुओ 'सौगंद'

सौग़ात स्त्री० [तु.] सोगात; भेट

सौग़ाती वि० भेट तरीके शोभे एवुं; उत्तम; नमूनेदार; विरल

सौधा वि० (प.) सोंघुं; सस्तुं

सौच पुं० (प.) शौच

सौचि,०क पुं० [सं.] दरजी

सौज स्त्री० (प.) साज; सामग्री

सौजन्य पुं०[सं.] सज्जनता; भलमनसाई

सौजा पुं० शिकारनुं प्राणी; शिकार

सौड़ पुं० जुओ 'सौंड़'

सौत(०न,०नि,–तिन) स्त्री० सपत्नी; शोक; 'सवत'; 'सौक'

सौतिया डाह स्त्री० शोको वच्चेनी ईर्षा (२) भारे ईर्षा

सौतेला वि० सावकुं; शोकनुं; शोक संबंधी (स्त्री० **–ली**)

सौदा पुं० [अ.] सोदो (२) सोदानी चीज; माल (३) वेपार (४) पागलपणुं; गांडपण (५) धून (६) वि० काळुं

सौदाई पुं० पागल; गांडो; धूनी

सौदागर पुं० [फा.] सोदागर वेपारी (नाम, **–री**)

सौदाम(–मि)नी स्त्री० [सं.] वीजळी

सौदा-सुलुफ़,–सुल्फ़ पुं० सोदो करवानी चीजो

सौदा-सूत पुं० व्यवहार

सौध पुं० [सं.] महेल; भवन (२) चांदी

सौनन पुं० जुओ 'सौंदन'

सौभग पुं० [सं.] सद्भाग्य (२) सुख (३) धनदोलत (४) सौंदर्य

सौभागिनी स्त्री० [सं.] सौभाग्यवती

सौभाग्य पुं० [सं.] सद्भाग्य (२) सधवापणुं (३) शुभ; भलुं. **०वती** स्त्री० सधवा [(३) चांद्र

सौम्य वि० [सं.]सुंदर (२) कोमळ; मृदु

सौर वि० [सं.] सूर्य संबंधी (२) पुं० [अ.] बळद के सांढ (३) स्त्री० (प.) सोड; चादर [वि० सुगंधीदार

सौरभ पुं० [सं.] सुगंध (२) केरी (३)

सौरी स्त्री० प्रसूतिघर; प्रसवस्थान

सौरीय, सौर्य वि० [सं.] सूर्य संबंधी; सूर्यनुं

सौवर्चल पुं०[सं.] संचळ; 'सोंचर-नमक'

सौष्ठव पुं० [सं.] उत्तमता (२) सुंदरता (३) चातुर्य

सौसन पुं० [फा.] एक फूलझाड

सौसनी वि० [फा.] 'सोसनी'; जांबुडिया रंगनुं

सौहँ स्त्री० (प.) सोगन (२) अ० सामे; सन्मुख; 'सौंह'

सौहार्द, –र्द्य पुं० [सं.] मित्रता; दोस्ती

सौहीं अ० (प.) 'सौहँ'; सामे

सौहृद पुं० [सं.] मित्रता (२) सुहृद

स्कंध पुं० [सं.] खभो (२) थड (३) अध्याय; खंड (ग्रंथनो) (४) समूह; जूथ

स्कंभ पुं० [सं.] थंभ (२) प्रभु

स्कालर पुं० [इं.] छात्र; विद्यार्थी

स्कीम स्त्री० [इं.] योजना

स्कूल पुं०[इं.] शाळा. **–ली** वि० शाळानुं के ते संबंधी

स्क्रू पुं० [इं.] पेचवाळो खीलो

स्खलित वि० [सं.] पडेलुं (२) पतित

स्टांप पुं० [इं.] स्टॅम्प; टिकिट (२) छाप; महोर

स्टाक पुं० [इं.] स्टॉक; मालनो जथो (२) शेरनी मूडी (३) भंडार; गोदाम

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

स्टाफ़ पुं० [इं.] संस्था के संगठनमां काम करतो कुल सेवक समूह
स्टीमर पुं० [इं.] आगबोट
स्टेज पुं० [इं.] रंगभूमि [इ० नुं)
स्टेशन पुं० [इं.] मथक (रेल, मोटर
स्तंभ पुं० [सं.] थंभ (२) थड
स्तनंधय वि० (२) पुं० [सं.] धावतुं, धावणुं (बाळक के वाछडुं)
स्तन पुं० [सं.] धाई. **–पीना**=धाववुं
स्तन्य पुं० [सं.] दूध [मंद; धीमुं
स्तब्ध वि० [सं.] स्थिर; जड; निश्चल(२)
स्तर पुं० [सं.] थर; पड (२) सेज; पथारी
स्तव, ०न पुं० [सं.] स्तुति (२) स्तोत्र
स्तुति स्त्री० [सं.] प्रशंसा; गुणगान (२) स्तोत्र [प्रशंसनीय
स्तुत्य वि० [सं.] स्तुतिने लायक;
स्तूप पुं० [सं.] ढेर; ढगलो (२) बौद्ध स्तूप–स्मारक इमारत
स्तेन पुं० [सं.] चोर
स्तेय पुं० [सं.] चोरी
स्तोक पुं० [सं.] बुंद; बिंदु (२) वि० थोडुं
स्तोत्र पुं० [सं.] स्तुतिनुं गीत के ग्रंथ
स्त्री स्त्री० [सं.] नारी (२) पत्नी
स्त्रीव्रत पुं० पत्नीव्रत; अव्यभिचार
स्त्रैण वि० [सं.] स्त्री संबंधी (२) पुं० स्त्रीत्व; स्त्री जेवी कोमळता
स्थगन पुं० [सं.] स्थगित करवुं के ढांकवुं छुपाववुं ते
स्थगित वि० [सं.] ढांकेलुं (२) रोकेलुं
स्थल पुं० [सं.] स्थळ; जगा; स्थान. ०चर, ०चारी वि० थळचर (प्राणी)
स्थलांतर पुं० [सं.] बीजी जगा
स्थला, –ली स्त्री० [सं.] सूकी ऊंची जमीन
स्थविर वि० [सं.] स्थिर; दृढ (२) वयोवृद्ध; घरडुं [(३) शिव
स्थाणु वि० [सं.] स्थिर; दृढ (२) पुं० स्तंभ
स्थान पुं० [सं.] जगा; स्थळ; ठाम (२) पवित्र स्थान; मंदिर; धाम
स्थानापन्न वि० [सं.] अवेजी; कामचलाउ
स्थानिक, स्थानीय वि० [सं.] स्थानने लगतुं; 'लोकल'
स्थापक वि० [सं.] स्थापनार
स्थापत्य पुं० [सं.] शिल्पकळा; बांध-कामनी विद्या
स्थापन पुं०, **–ना** स्त्री० स्थापवुं ते
स्थापित वि० [सं.] स्थपायेलुं; जमावेलुं
स्थायी वि० [सं.] स्थिर; कायम
स्थाली स्त्री० [सं.] थाळी (माटीनी) (२) हांल्ली
स्थावर वि० [सं.] स्थिर; अचळ (२) पुं० पर्वत (३) स्थावर मिलकत
स्थित वि० [सं.] ऊभेलुं (२) स्थिर (३) बेठेलुं [ति (२) दशा; अवस्था
स्थिति स्त्री० [सं.] रहेवुं; टकवुं के होवुं
स्थिर वि० [सं.] दृढ; अडग; अचळ (२) कायम; नक्की [भारे
स्थूल वि० [सं.] स्थूळ; जड (२) जाडुं;
स्नातक पुं० [सं.] ग्रॅज्युएट
स्नान पुं० [सं.] नाहवुं ते
स्नायु स्त्री० [सं.] नस; रग
स्निग्ध वि० [सं.] चीकणुं; चीकटवाळुं (२) सुंदर; प्रिय
स्नेह पुं० [सं.] प्रेम (२) चीकट पदार्थ
स्नेही वि० [सं.] स्नेहवाळुं (२) पुं० मित्र
स्पंद, ०न पुं० [सं.] कंपवुं, हालवुं के धडकवुं ते [(वि०, **–र्द्धी**)
स्पर्द्धा स्त्री० [सं.] स्पर्धा; हरीफाई

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

स्पर्श पुं० [सं.] अडकवुं ते; संपर्क
स्पर्शी वि० [सं.] स्पर्शनार
स्पष्ट वि० [सं.] साफ; चोख्खुं; उघाडुं. **–ष्टीकरण** पुं० चोखवट [अध्यक्ष
स्पीकर पुं० [इं.] वक्ता (२) पार्लमेन्टनो
स्पृश्य वि० [सं.] अडकी शकाय एवुं
स्पृष्ट वि० [सं.] स्पर्शायेलुं
स्पृहणीय वि० [सं.] स्पृहा करवा जेवुं
स्पृहा स्त्री० [सं.] इच्छा; कामना
स्पृही वि० [सं.] स्पृहा करनारुं
स्प्रिंग स्त्री० [इं.] कमान. **०दार** वि० कमानवाळुं
स्फटिक पुं० [सं.] बिलोरी काच (२) एक जातनो मणि (३) फटकडी
स्फुट वि०[सं.] खीलेलुं (२) स्पष्ट; खुल्लुं (३) फुटकळ [के स्फुरवुं ते
स्फुर, ०ण पुं०, **०णा** स्त्री० [सं.] कंपवुं
स्फुलिंग पुं० [सं.] तणखो; चिनगारी
स्फूर्ति स्त्री० [सं.] स्फुरवुं ते (२) उत्साह; आवेग [(२) फूटवुं ते (३) फोल्लो
स्फोट पुं० [सं.] स्फुट थवुं ते; खुलासो
स्फोटक पुं० [सं.] फोल्लो
स्फोटन पुं० [सं.] फूटवुं के फाटवुं ते (२) स्फूट करवुं ते [ति; जप
स्मरण पुं० [सं.] याददास्त (२) स्मरवुं
स्मरणीय वि० [सं.] याद करवा जेवुं
स्मशा(–सा)न पुं० मशाण; स्मशान
स्मारक वि०[सं.] याद करावतुं (२) पुं० तेवी वस्तु [तेनुं अनुयायी
स्मार्त वि० [सं.] स्मृतिशास्त्र संबंधी के
स्मित पुं० [सं.] मंद हास्य [याद
स्मृत वि० [सं.] स्मरण करेलुं (२) पुं०
स्मृति स्त्री० [सं.] स्मरण (२) स्मृतिशास्त्र
स्यंदन पुं० [सं.] रथ (२) वि० वहेतुं; सरकतुं
स्यात् अ० [सं.] कदाच; 'शायद'
स्यानप(०न) पुं० शाणपण; डहापण
स्याना वि० शाणुं; डाह्युं (२) उंमरे पहोंचेलुं; 'वयस्क'
स्यापा पुं० जुओ 'सियापा'. **–पड़ना** = रडवुं कूटवुं (२) सूमसान थई जवुं
स्याम वि० (प.) श्याम; काळुं (२) पुं० सियाम देश. **०ल** वि० शामळुं. **०लिया** पुं० शामळियो; कृष्ण
स्यार(-ल) पुं० शियाळ; 'सियार'
स्याल पुं० जुओ 'श्याल' (२) [सं.] साळो. **–ली** स्त्री० साळी
स्याह वि० जुओ 'सियाह'
स्याही स्त्री० शाही (२) श्यामता
स्यों, स्यो अ० (प.) साथे; जोडे
स्रक,–ग,–ज पुं०; स्त्री० फूलमाळा
स्रव,०ण पुं०[सं.] स्रववुं–झरवुं के चूवुं के टपकवुं ते
स्रष्टा पुं० [सं.] सर्जनहार; प्रभु
स्राप पुं० (प.) शराप; शाप [गर्भपात
स्राव पुं० [सं.] स्रववुं के स्रवे ते (२)
स्रावक, स्रावी वि०[सं.] स्रव करावनारुं
स्रोत पुं० [सं.] प्रवाह; धारा. **०स्वती, ०स्विनी** स्त्री० नदी
स्लीपर पुं०[इं.] सलेपाट (२) अमुक जोडा
स्लेट स्त्री० [इं.] पथ्थरपाटी
स्व वि०[सं.] पोतानुं (२) पुं० मिलकत
स्वक,–कीय वि०[सं.] पोतानुं (२) पुं० मिलकत (३) मित्र; सगुं
स्वच्छ वि० [सं.] चोख्खुं; साफ
स्वजन पुं०[सं.] पोतानुं, सगुं के संबंधी माणस

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

स्वतंत्र वि० [सं.] स्वाधीन; मुक्त
स्वतः अ० [सं.] आपमेळे; स्वयम्
स्वतोविरोधी पुं० [सं.] पोते ज पोतानी वस्तुनो विरोध करनार; वदतो-व्याघातवाळुं
स्वप्न पुं० [सं.] स्वप्नुं (२) सूवुं ते
स्वभाव पुं० [सं.] प्रकृति; तासीर
स्वयं अ० [सं.] जाते; पोते
स्वयंभू पुं० [सं.] जाते थनार (प्रभु, कामदेव, ब्रह्मा इ०)
स्वयंवर पुं०[सं.] इच्छापूर्वक परणवुं ते; [स्त्री लग्ननो एक प्रकार
स्वयंवरा स्त्री०[सं.] स्वयंवरथी परणनार
स्वयंसिद्ध वि० [सं.] आपमेळे सिद्ध
स्वयंसेवक पुं० [सं.] स्वेच्छाए-खुशीथी सेवा करनार
स्वर पुं०[सं.] सूर; अवाज (२) अक्षरनो एक प्रकार
स्वराज्य पुं० [सं.] स्वराज
स्वरित वि० [सं.] स्वरयुक्त (२) पुं० त्रणमांथी वचला उच्चारनो स्वर
स्वरूप पुं०[सं.] आकार; रूप (२) आत्मा
स्वरोद पुं० एक तंतुवाद्य
स्वर्ग पुं० [सं.] देवलोक. **०वास** पुं० मरण. **०वासी** वि० मृत; मरहूम. **-र्गीय** वि० स्वर्गवासी (२) स्वर्ग जेवुं-उत्तम
स्वर्ण पुं०[सं.] सोनुं. **०कार** पुं० सोनी
स्वर्धुनी स्त्री० [सं.] गंगा नदी
स्वल्प वि० [सं.] अति थोडुं
स्वसा स्त्री० [सं.] बहेन
स्वसुर पुं० ससरो. **-राल** स्त्री० सासरी
स्वस्ति अ० [सं.] 'भलुं थाओ' एवुं आशीर्वचन
स्वस्तिक पुं० [सं.] साथियो
स्वस्थ वि०[सं.] तंदुरस्त (२) शांत; स्थिर
स्वाँग पुं० स्वांग; बनावटी वेश (२) तमाशो; खेल. **-बनाना, -भरना, -लाना**=वेश लेवो
स्वाँगी पुं० बहुरूपी; स्वांग काढी पेट भरनारो
स्वांत पुं० [सं.] अंतःकरण (२) मरण
स्वागत पुं० [सं.] आवकार
स्वातंत्र्य पुं० [सं.] आझादी; स्वतंत्रता
स्वाति,-ती स्त्री० [सं.] एक नक्षत्र
स्वाद पुं०[सं.] जीभनो रस (२) लहेजत; मजा (३)(प.) इच्छा. **-दिष्ट, -दिष्ठ** वि० अति स्वादवाळुं
स्वादी वि०[सं.] स्वाद माणनारुं; रसिक
स्वादु वि० [सं.] स्वादवाळुं
स्वाधीन वि० [सं.] पोताना काबुनुं; स्वतंत्र; स्वायत्त
स्वाध्याय पुं० [सं.] अभ्यास; मनन
स्वान पुं० (प.) श्वान; कूतरुं (२) [सं.] अवाज
स्वाप पुं० [सं.] ऊंघ
स्वापन पुं०[सं.] ऊंघाडवुं ते (२) तेवुं एक अस्त्र [कुदरती
स्वाभाविक वि०[सं.] स्वभाव मुजबनुं;
स्वामित्व पुं० [सं.] धणीपणुं; मालकी
स्वामिनी स्त्री० [सं.] धणियाणी
स्वामी पुं० [सं.] धणी; मालिक; पति
स्वायत्त वि० [सं.] स्ववश; स्वतंत्र. **०शासन** पुं० स्थानिक स्वराज
स्वार्थ पुं०[सं.] वाच्यार्थ (२) पोतानी मतलब के गरज के हेतु (२) वि० स्वार्थी. **-र्थी** वि० [मननी)
स्वास्थ्य पुं०[सं.] स्वस्थता (तन के

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

स्वाहा अ०[सं.] हवन करवानो उद्गार (२) स्त्री० अग्निनी पत्नी

स्वीकार पुं०[सं.] अंगीकार; मानवुं के कबूल करवुं–स्वीकारवुं ते. **–र्य** वि० स्वीकारवा जेवुं [स्वीकार

स्वीकृत वि०[सं.] स्वीकारेलुं. **–ति** स्त्री०

स्वेच्छा स्त्री० [सं.] मरजी; पोतानी इच्छा. **०चार** पुं० स्वच्छंद. **०सेवक** पुं० स्वयंसेवक

स्वेद पुं०[सं.] परसेवो [(२)स्वच्छंदी

स्वैर वि० [सं.] मनमोजीलुं; मनपसंद

स्वैरिणी स्त्री० [सं.] कुलटा स्त्री

स्वैरी वि० [सं.] स्वैराचारी; स्वच्छंदी. **–रिता** स्त्री० स्वच्छंदता

ह

हँक स्त्री० हांक; पोकार [बोलवुं

हँकड़(–र)ना अ०क्रि० पडकारीने

हँकराव,–वा पुं० होकारो; पोकारीने–हांक मारीने बोलाववुं ते (२) नोतरुं

हँकवा पुं० वाघने हांकाहांक करी शिकारी पासे लाववो ते

हँकाई स्त्री० हांकवुं ते के तेनी मजूरी

हँकाना स०क्रि० हांक मारवी (२) हांकवुं

हँकार स्त्री० होकारो; ताणीने बोलाववुं ते; बूम. **–पड़ना**=होकारो पडवो; हांक वागवी [पडकार

हंकार पुं० (प.) अहंकार (२) हुंकार;

हँकारना स०क्रि० जोरथी बोलाववुं; पोकारवुं (२) आह्वान करवुं

हंकारना अ०क्रि० होकारो करवो; गर्जवुं

हंकारा पुं० होकारो (२) नोतरुं; आमंत्रण

हंगाम पुं० [फा.] वखत; मोसम (२) जुओ 'हंगामा' [(२) भीड

हंगामा पुं०[फा.] हंगामो; हल्लो; तोफान

हंजार पुं० [फा.] मार्ग (२) ढंग; रीत

हंटर पुं० [इं.] एक जातनी चाबुक. (–जमाना, –मारना, –लगाना)

हंडल पुं० 'हॅन्डल'; हाथो

हंडा पुं० हांडो; देगडो

हँड़िया, हंडी स्त्री० हांडी; हांल्ली

हंत अ०[सं.] खेद, अफसोसनो उद्गार

हंता पुं० [सं.] हणनार [खावो

हँफनि स्त्री० हांफ. **–मिटाना**=थाक

हंस पुं०[सं.] हंस पक्षी (२) सूर्य (३) जीवात्मा

हँसतामुखी पुं० हसमुखो आदमी

हँसन स्त्री० हसवुं ते; हास्य

हँसना अ०क्रि० (२) स०क्रि० हसवुं

हँसनि स्त्री० (प.) हसवुं ते

हंसनी स्त्री० हंसणी; हंस मादा

हँसमुख वि० हसमुखुं (२) विनोदी; टीखळी [हाडकुं के घरेणुं

हँसली स्त्री० गळानी हांसडी–ते नामनुं

हँसाई(–य) स्त्री० हसवुं ते (२) हांसी

हँसाना स०क्रि० हसाववुं

हँसाय स्त्री० (प.) जुओ 'हँसाई'

हंसिनी स्त्री० हंसणी; हंसी

हँसिया स्त्री० दातरडुं

हंसी स्त्री० [सं.] हंस मादा

हँसी स्त्री० हास्य (२) हांसी. **–छूटना**= हसवुं आववुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

हँसुआ(-वा) पुं० जुओ 'हँसिया'
हँसोड़(-र) वि० हांसीखोर; मजाकी
हँसो(-सौ)हाँ वि० हसमुखुं (२) हांसीखोर
हक पुं० हृदय धडकवुं ते. **०दक** वि० चकित. **०बक** वि० 'हक्का-बक्का'
हक़(-क़्क़) वि० [अ.] हक; योग्य; वाजबी (२) साचुं (३) पुं० अधिकार (४) फरज (५) न्यायी के वाजबी वात के पक्ष (६) खुदा
हक़तलफ़ी स्त्री० [अ.] अन्याय
हक़ताला पुं० [अ.] परमेश्वर; खुदा
हकदक वि० जुओ 'हक' मां
हक़दार वि० [फा.] हकवाळुं; अधिकारी
हक़नाहक़ अ० हकनाक; नाहक; वगर-फांसु (२) फरजियात; बळजोरीथी (३) पुं० न्यायान्याय; सत्यासत्य
हकबक वि० जुओ 'हक' मां
हकबकाना अ०क्रि० गभरावुं
हकला(०हा) वि० तोतडुं बोलतुं
हकलाना अ०क्रि० तोतडावुं
हकलाहा वि० जुओ 'हकला'
हक़श(-शु)फ़ा पुं० [अ.] कोई जमीन जायदाद वेचाण पर होय तो तेने खरीदवानो पहेलो हक कोईने होवो ते
हक़-शिनासी वि० [फा.] कदरदान (२) न्यायी (३) आस्तिक (नाम, **-सी**)
हक़शुफ़ा पुं० [अ.] जुओ 'हक़शफ़ा'
हक़ारत स्त्री० [अ.] घृणा (२) वेआबरू
हक़ीक़त स्त्री० [अ.] हकीकत; असल के साची वात; तथ्य
हक़ीक़तन् [अ.], **हक़ीक़तमें** अ० वस्तुताए; खरुं जोतां [सगुं; पोतानुं
हक़ीक़ी वि० [अ.] असली; मूळ (२)
हकीम पुं० [अ.] विद्वान; ज्ञानी (२) तबीब; युनानी वैद. **-मी** स्त्री० हकीमनुं काम के विद्या
हक़ीयत स्त्री० जुओ 'हक़्क़ियत'
हक़ीर वि० [अ.] दूबळुं (२) तुच्छ
हक़ूक़ पुं० ब० व० [अ.] हको; अधिकारो
हकूमत स्त्री० जुओ 'हुकूमत'
हक़्क़ पुं० जुओ 'हक़'
हक़्क़ा अ० [अ.] ईश्वरना सोगन
हक़्क़ाक़ पुं० [अ.] हीरा पर जडावकाम करनार
हक़्क़ानी वि० [अ.] ईश्वर संबंधी (२) खुदा परस्त. **-नि(-नी)यत** स्त्री० अध्यात्म
हक्का-बक्का वि० गभरायेलुं; चकित
हक़्क़ियत स्त्री० [अ.] हकदारी; हक-अधिकार होवो ते
हक़्क़े-तस्नीफ़ पुं०[अ.+फा.] 'कॉपीराईट'; लेखकनो अधिकार
हगना अ०क्रि० अघवुं; झाडे फरवुं
हगास स्त्री० अघवानी हाजत; अघण. **-लगना** = हाजत थवी
हगोड़ा वि० वारे वारे अघतुं
हचकना अ०क्रि० आंचको, उछाळो, हेल्लो इ० लागवुं
हचका, हचकोला पुं० आंचको; धक्को; उछाळो (गाडी खाटलो वगेरेमां बेसतां लागे छे ते)
हज पुं० मक्कानी हज
हज़ पुं०[अ.] सद्भाग्य (२) खुशी (३) मजा; लहेजत
हज़म पुं० (२) वि० जुओ 'हज़्म'
हजर पुं० [अ.] पथ्थर

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

हज़रत पुं०[अ.] महात्मा के महापुरुष माटे संबोधन (२) (व्यंग्यमां) दुष्ट के पाजी माणस. ०**सलामत** पुं०[अ.] बादशाहनुं 'हुज़ूर' जेवुं संबोधन

हजरे-असवद पुं०[अ.] कावानो पथ्थर

हज़ा स० [अ.] आ; 'यह'

हजाब पुं० जुओ 'हिजाब'

हजा(–ज्जा)म पुं० जुओ 'हज्जाम'

हजामत स्त्री०[अ.] मूंडाववुं ते. **–बनाना** हजामत करवी (२) [ला.] लूंटवुं (३) मारवुं झूडवुं

हज़ार वि०[फा.] हजार; १००० (२) हजारो; अनेक (३) अ० गमे तेटलुं

हज़ार-पा पुं० [फा.] कानखजूरो

हजारहा वि० [फा.] हजारो; बहु ज

हज़ारा पुं०[फा.]हजारीगोटो (२) फुवारो

हज़ारी पुं० [फा.] हजार सिपाईनो नायक–सरदार. ०**बज़ारी** वि० सर्व-साधारण; मामूली

हज़ीमत स्त्री० [अ.] हार; पराजय

हजूम पुं० जुओ 'हुजूम'

हज़ूर पुं० हजूर (जुओ 'हुज़ूर')

हज़ूरी पुं० हजूरियो; अनुचर (२) वि० हजूर–दरबारने लगतुं

हजो स्त्री० [अ.] निंदा

हज्ज पुं० [अ.] हज; मक्कानी यात्रा

हज्जाम पुं० [अ.] हजाम (नाम, **–मी**)

हज़्म वि० [अ.] हजम; पचेलुं (२) पुं० पाचन; हजमियत

हट(-ठ) स्त्री० हठ; जिद्द

हटक, ०न स्त्री० मनाई; रुकावट

हटकना स० क्रि० अटकाववुं; रोकवुं; मना करवी

हट(–ड़)ताल स्त्री० हडताल; पाकी

हटना अ०क्रि० हठवुं; खसवुं

हटवा पुं० हाटवाळो; दुकानदार

हटवाई स्त्री० (प.)दुकानदारी

हटवार पुं० (प.) दुकानदार

हटाना स०क्रि० हठाववुं

हट्ट पुं० [सं.] हाट; बजार

हट्टा-कट्टा वि० हृष्टपुष्ट; स्थूल

हट्टी स्त्री० दुकान

हठ पुं० [सं.] हठ; जिद्द

हठना अ०क्रि० (प.) हठ करवी (२) दृढ प्रतिज्ञा लेवी

हठी(०ला) वि० हठीलुं; जिद्दी (२) दृढप्रतिज्ञ; टेकीलुं

हड़ स्त्री० हरड

हड़कंप पुं० खळभळाट

हड़क स्त्री० हडकवा (वि० **–हड़काया**) **–उठना**=हडकवा लागवो

हड़कना अ० क्रि० हडकवा लागवो; कशा माटे खूब तलसवुं

हड़काना स०क्रि० हडकायुं के रघवायुं के आतुर करवुं; तरसाववुं

हड़गाया वि० हडकायुं

हड़गिल्ल, हड़गीला पुं० (बगला जेवुं) [एक पक्षी

हड़ताल स्त्री० पाकी

हड़प वि० गब दईने खाधेलुं के गेब करेलुं. **–करना**=हजम करी जवुं; उडावी जवुं

हड़पना स०क्रि० हप करी जवुं; 'हड़प करना'

हड़फूटन स्त्री० हाडकांमां थतुं कळतर

हड़बड़ स्त्री० उतावळनो रघवाट

हड़बड़ाना अ०क्रि० हडबडवुं; उतावळ करवी; रघवावुं (२) स०क्रि० उतावळ करवा कहेवुं

हड़बड़िया वि० उतावळियुं; रघवाटियुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

हड़बड़ी स्त्री० जुओ 'हड़बड़'

हड़ावरि,-ल स्त्री० (प.) हाडकानी माळा के माळखुं

हड्डा पुं० भमरी; 'बर्र'

हड्डी स्त्री० हाडकुं (२) (ला.) कुळ; खानदान. **-उखड़ना**=हाडकुं ऊतरी जवुं

हत वि० [सं.] हणायेलुं; घायल

हतक, हतक-इज़्ज़ती स्त्री० बेआबरू; मानभंग; बदनक्षी

हतना स०क्रि० (प.) हणवुं; मारवुं

हता अ०क्रि०(प.)हतुं('होना'नो भूतकाळ)

हताश वि० [सं.] निराश; नाउमेद

हत्ता अ०[अ.] त्यां सुधी; एटली हदे के

हत्थ पुं० (प.) हाथ

हत्था पुं० हाथो; दस्तो (२) केळांनुं घोड. **-मारना**=हाथ मारवो; चोरवुं

हत्थि पुं० (प.) हाथी

हत्थी स्त्री० हाथो; दस्तो

हत्थे अ० हाथमां. **-चढ़ना**=हाथमां आववुं; हाथे चढवुं [पंचात; झघडो

हत्या स्त्री०[सं.] खून; घात; वध (२)

हत्यारा पुं० हत्यारो [घातकी

हत्यारी स्त्री० हत्यानुं पाप(२)वि०स्त्री०

हथ पुं० समासमां वपरातुं 'हाथ'नुं रूप

हथउधार पुं० जुओ 'हथफेर' अर्थ ३

हथकंडा पुं० हाथचालाकी

हथकड़ी स्त्री० हाथकडी [एवुं

हथछूट वि० हाथनुं छूटुं-झट मारी बेसे

हथनाल स्त्री० हाथी पर रखाती तोप

हथनी स्त्री० हाथणी

हथफेर पुं० वहालमां हाथ फेरववो-पंपाळवुं ते (२) हाथ मारी जवानी चालाकी (३) थोडा दिवस माटे उचक लेवाती के देवाती रकम

हथलेवा पुं० लग्ननो हस्तमेळाप

हथवाँस पुं० नाव चलाववानो बधो सरसामान

हथवाँसना स०क्रि० कोई चीजनो प्रथम वापर शरू करवो

हथसार स्त्री० हाथीखानुं; हस्तीशाळा

हथिनी स्त्री० हाथणी

हथिया पुं० हाथियो; हस्त नक्षत्र

हथियाना स०क्रि० हाथमां-कबजामां लेवुं (२) हाथ मारी जवुं; उडावी लेवुं

हथियार पुं० शस्त्र (२) ओजार. **०बंद** वि० हथियार बंध; सशस्त्र

हथेरी(-ली) स्त्री० हथेळी (२) रेंटियानो हाथो

हथौटी स्त्री० हथोटी; हस्तकौशल्य (२) कशामां हाथ नाखवो ते

हथौड़ा पुं० हथोडो (स्त्री० **हथौड़ी**)

हद स्त्री० [अ.] सीमा (२) अंत. **०समाअत** स्त्री० जुओ 'हद्दे समाअत'

हदफ़ पुं० [अ.] निशान; लक्ष्य

हदिया पुं० [अ.] भेट; उपहार

हदीस स्त्री० [अ.] हजरत महमदनां वचनो तथा कार्यनो संग्रह. **-खींचना**= सोगन खावा

हदूद स्त्री० [अ.] 'हद्द' नुं ब०व०

हद्द स्त्री० [अ.] हद; सीमा

हद्दे समाअत स्त्री० [अ.] कचेरीमां दावो दाखल करी देवानी नक्की अवधि

हद्दे सियासत स्त्री० [अ.] न्यायाधीशना अधिकारनी हद

हनन पुं० [सं.] हणवुं ते; वध

हनना स०क्रि० (प.) हणवुं; मारवुं

हनु स्त्री० [सं.] दाढी; हडपची

हनोज़ अ० [फा.] अत्यार सुधी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

हफ़-नज़र [फा.] श० प्र० =ईश्वर करे ने नजर न लागे
हफ़्त वि० [फा.] सप्त; सात
हफ़्त-इक़लीम [फा. +अ.] स्त्री० साते देश; आखो संसार [शनिवार
हफ़्ता पुं० [फा.] हफ्तो; सप्ताह (२)
हफ़्ताद वि० [फा.] सत्तर; ७०
हबकना अ०क्रि० करडवा के बचकुं भरवा मों फाडवुं (२) स०क्रि० करडवुं
हबन्नक़ वि० [अ.] मूर्ख; बेवकूफ
हबर-द(-ह)बर अ० झटझट; जलदी
हबश,-शा पुं० जुओ 'हब्श'. **-शी** पुं० जुओ 'हब्शी'
हबीब पुं० [अ.] मित्र (२) प्रियजन
हबूब पुं०ब०व० [अ.] दाणा(२) गोळीओ
हब्बा पुं० [अ.] अनाजनो दाणो; कण (२) दाणा जेटलुं जराक; चपटी
हब्बा-डब्बा पुं० उटांटियुं–एक बाळरोग
हब्श पुं० [अ.] आबिसीनिया देश
हब्शी पुं०[अ.] 'हब्श' देशनो रहेवासी; हबसी [होवाथी थतो घाम
हब्स पुं० [अ.] केद; बन्धन (२) पवन न
हम स० अमे (२) आपणे (३) पुं० हमडी; अहंता (४) अ० [फा.] साथे (५) समान (समासमां उदा० हमदर्दी; हमदीन)
हम-असर वि० [फा.] समकालीन
हम-आहँग वि०[फा.] एकसाथे बधानी जोडे बोलनारुं (नाम, **-गी**)
हम-उम्र वि० [फा.] समान उंमरनुं
हम-क़दम वि०[फा.]साथे चालनार; साथी
हम-कलामी स्त्री० [फा.] वातचीत
हम-चश्म वि०[फा.] सरखा दरज्जावाळुं
हमजिन्स वि० [फा.] सजातीय
हम-ज़ुल्फ़ पुं० [फा.] साढु
हमजोली पुं० समोवडियो; साथी
हमदम पुं०[फा.] दिलोजान, घनिष्ठ मित्र
हमदर्द पुं० [फा.] सहानुभूति राखनार. **-र्दी** स्त्री० सहानुभूति
हम-नफ़्स, हम-नशीन वि०[फा.] साथी
हम-निवाला वि०[फा.] साथे खानार-पीनार [जोडीदार
हम-पल्ला वि० [फा.] बरोबरियुं;
हम-पाया वि०[फा.] बरोबरियुं; सरखा पदवाळुं
हम-पियाला वि० [फा.] एक प्याले पीनार; साथे खानारपीनार
हम-पेशा वि० [फा.] एक धंधावाळुं
हम-मक़तब वि० [फा.] सहाध्यायी
हमराह अ० [फा.] साथे; संगाथे
हमल पुं० [अ.] हमेल; गर्भ
हमला पुं० [अ.] हुमलो (२) आघात; प्रहार
हमला-आवर वि०[फा.] हुमलो करनारुं; आक्रमणकारक
हमवतन पुं० [फा.] देशबंधु; देशभाई
हमवार वि० [फा.] सपाट; समतल
हमशीर(-रा) स्त्री० [फा.] बहेन
हम-सबक़ पुं० [फा.] सहाध्यायी
हमसर वि० [फा.] समान; जोडीदार; बरोबरियुं (नाम, **-री**)
हम-साज़ पुं० [फा.] मित्र
हमसायगी स्त्री०[फा.] पडोशी होवुं ते
हमसाया पुं० [फा.] पाडोशी
हमसिन वि० [फा.] समोवडियुं
हमहमी स्त्री० जुओ 'हमाहमी'
हमा वि० [फा.] कुल; बधुं; पूरुं
हमाक़त स्त्री० [अ.] मूर्खता; अणसमज

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

हमा-तन अ० पगथी माथा सुधी (२) आखुं; बधुं
हमाम पुं० जुओ 'हम्माम' [पराई
हमाम-दस्ता पुं० हमामदस्तो; खांडणी-
हमारा स० अमारुं (२) आपणुं
हमाल पुं० जुओ 'हम्माल'
हमा-शुमा वि० [फा.] मारा तमारा जेवा सामान्य (लोक)
हमाहमी स्त्री० पोतपोताना स्वार्थनी खेंचताण; अहमहमिका
हमें स० 'हमको'; अमने (२) आपणने
हमेल स्त्री० जुओ 'हुमेल'
हमेव पुं० (प.) अहम; अहंता
हमेशा अ० [फा.] हमेशां (नाम, हमेशगी)
हम्द स्त्री० [अ.] ईश्वरस्तुति
हम्माम पुं० [अ.] 'हमाम'; स्नानगृह; नावणियुं (२) गरम पाणीनो बंबो
हम्माल पुं० [अ.] 'हमाल'; कुली
हय पुं० [सं.] घोडो [करवो
हयना स०क्रि० (प.) वध करवो; नाश
हया स्त्री० [अ.] लाज; शरम
हयात स्त्री० [अ.] हयाती (२) जिंदगी
हयादार, हयामंद वि० [फा.] शरमवाळुं; लज्जाळु
हर पुं० [सं.] शिव (२) वि० (समासने अंते) हरनारुं (३) [फा.] दरेक
हरकत स्त्री० [अ.] गति (२) चेष्टा; वर्तन; व्यवहार (प्रायः अनिष्ट) (३) स्वर के तेनां झबर, झेर, पेश इ० चिह्न
हरकारा पुं० [फा.] हलकारो; कासद (२) टपाली
हरख पुं० (प.) हर्ष; आनंद. ०**ना** अ०क्रि० हरखावुं. **–खाना** अ०क्रि० हरखावुं (२). स०क्रि० हरखाववुं
हरगिज़ अ०[फा.]कदी; कदापि; हरगिज
हरचंद अ० [फा.] जोके; यद्यपि (२) अनेक वार
हरज(–जा) पुं० जुओ 'हर्ज'
हरजाई वि० [फा.] ज्यां त्यां भटकतुं (२) स्त्री० कुलटा; भटकण स्त्री
हरजाना पुं०[फा.] नुकसाननी भरपाई
हरण पुं०[सं.] हरवुं–लई लेवुं ते (२) (गणितमां)भागाकार
हरता-धरता पुं० कर्ताहर्ता; पूर्ण अधिकारी
हरताल स्त्री० एक उपधातु. **–फेरना, –लगाना** = खतम करवुं; बगाडी नांखवुं
हरद,–दी स्त्री० हळदळ; 'हल्दी'
हर-दिल-अज़ीज़ वि०[फा.] हरेकने प्रिय; सर्वप्रिय; लोकप्रिय
हरना स०क्रि० हरवुं; लई लेवुं (२) पुं० (प.) हरणुं; 'हिरन'
हरनी स्त्री० हरणी; मृगली
हरफ़ पुं० 'हर्फ़'. (किसी पर)–**आना** = (कोई पर) एक अक्षर पण आववो; कसूर नीकळवी. **–उठाना** = अक्षर वांचतां आवडवुं. **–बनाना** = सरस अक्षर काढवा (२) दस्तावेजमां कपटथी फेरफार करवो. **–बैठाना** = बीबां गोठववां
हरफ़गीर पुं० टीकाखोर; दोषदृष्टिवाळुं
हरफ़गीरी स्त्री० खणखोद; टीकाखोरी; दोष देख्या करवा ते
हरफ़त स्त्री० जओ 'हिरफ़त'
हर-फ़न-मौला पुं० हरेक काममां आवडतवाळो – होशियार [फळ
हरफा रेवडी स्त्री० एक झाड के तेनुं
हरबराना अ०क्रि० जुओ 'हड़बड़ाना'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

हरबा पुं०[अ.] हथियार; शस्त्रास्त्र (२) चडाई; हुमलो [पुं० अंधेर; अराजक

हरबोंग वि० गमार (२) मूर्ख; जडसु (३)

हरम पुं० [अ.] जनानो; अंतःपुर (२) स्त्री० रखात (३) लूंडी; दासी. ०**खाना** पुं० जुओ 'हरमसरा'

हरमजदगी स्त्री० हरामजादापणुं; दुष्टता; बदमाशी [खानुं

हरमसरा स्त्री० [अ.] अंतःपुर; जनान-

हरवल स्त्री० खेडूतने उधार के उछीनी अपाती रकम (२) (प.) पुं० जुओ 'हरावल'

हरवली स्त्री० सेनानी आगेवानी

हरवाह(-हा) पुं० खेडूत; 'हलवाह'. **-ही** स्त्री० तेनुं काम के मजूरी

हरसिंगार पुं० पारिजातकनुं झाड

हरहट, हरहा वि० हरायुं

हरहाई वि० स्त्री० हराई (गाय)

हरा वि० लीलुं (२) ताजुं (३) काचुं (फळ, दाणो इ०) (४) पुं० लीलो रंग. **-बाग़**=खोटी आशा आपती-खाली वात [हारवुं ते

हराई स्त्री० हळनो चास (२) हार;

हराभरा वि० लीलुं; ताजुं (२) हरियाळुं

हराम वि० [अ.] हराम; निषिद्ध (२) पुं० निषिद्ध वस्तु (३) अधर्म; पाप (४) व्यभिचार. **-करना**=कशुं करवानुं कठण करी मूकवुं. **-होना**=मुश्केल थवुं [करनार (२) व्यभिचारी

हरामकार वि० [फा.] हराम काम

हरामख़ोर वि० [फा.] आळसु; हरामनुं खानार (२) कृतघ्न

हराम-ज़ादा पुं० वर्णसंकर (२) हरामी; बदमास (स्त्री० **-दी**)

हरामी वि० व्यभिचारथी उत्पन्न (२) हरामी; बदमास

हरारत स्त्री० [अ.] गरमी (२) धीकडी; जीर्ण ज्वर [आगलो भाग

हरावल पुं० [तु.] 'हरोल'; सेनानो

हरास पुं० [फा. हिरास] डर; आशंका (२) खेद; दुःख (३) निराशा

हरासत स्त्री० जुओ 'हिरासत'

हरासाँ वि० जुओ 'हिरासाँ' [लीलुं

हरि पुं०[सं.] विष्णु (२) वांदरो (३) वि०

हरिआ(-या)ली स्त्री० हरियाळी (२) झाड, छोड इ० लीलोतरीनो विस्तृत समूह. **-सूझना**=बधे आनंद आनंद देखावो

हरिजन पुं० [सं.] प्रभुभक्त (२) अस्पृश्य मनाती एवी जातिनो माणस

हरिण(-न) पुं० [सं.] हरण. **-णी (-नी)** स्त्री० हरणी

हरित वि० [सं.] लीलुं (२) पुं० लीलो रंग

हरिद्रा स्त्री० [सं.] हळदर

हरिन पुं०, **-नी** स्त्री० जुओ अनुक्रमे 'हरिण, -णी'

हरियाली स्त्री० जुओ 'हरिआली'

हरिवासर पुं० [सं.] रविवार (२) एकादशी

हरि(-री)स स्त्री० [सं. हलीषा] हळनुं लांबुं लाकडुं जेणे धूंसरी बंधाय छे

हरीकेन पुं० [इं.] एक जातनुं फानस

हरीतकी स्त्री० [सं.] हरडे

हरीफ़ पुं० [अ.] शत्रु; सामावाडियो

हरीरा पुं० [अ.] राबडी जेवुं एक पेय

हरीस स्त्री० जुओ 'हरिस' (२) वि० [अ.] लालचु (३) ईर्षाळु

हरुअ(-आ) वि० (प.) हलकुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

हरुए अ० (प.) हळवे; धीमेथी के चुपचाप [हरफो
हरूफ़ पुं० [अ. 'हर्फ़' नुं ब० व०] अक्षरो;
हरें,–रे अ० (प.) 'हरुए'; हळवे; धीमे
हरेक वि० 'हरएक'; दरेक
हरो(–रौ)ल पुं० हरोल; जुओ 'हरावल'
हर्ज पुं० [अ.] अडचण; विघ्न (२) हानि; नुकसान
हर्जाना पुं० जुओ 'हरजाना'
हर्ता पुं० [सं.] हरनार [अव्यय
हर्फ़ पुं०[अ.] हरफ; अक्षर (२) नामयोगी
हर्फ़गीर वि० दोषदर्शी [अक्षर
हर्फ़-ब-हर्फ़ अ० [अ.] अक्षरशः; अक्षरे-
हर्ब स्त्री० [अ.] लडाई
हर्र(–र्रे) स्त्री० हरड
हर्रा पुं० मोटी हरड
हर्राफ़ वि०[अ.] पाकुं; चालाक; पहोंचेल
हर्रे स्त्री० हरडे [हरखायेलुं; राजी
हर्ष पुं०[सं.] आनंद; हरख. **–र्षित** वि०
हल पुं० [सं.] हल
हल पुं०[अ.] उकेल; फेंसलो. **–करना** = फेंसलो करवो; उकेलवुं (२) भळे के मळी जाय एम करवुं. **–होना** = उकेलावुं (२) भळवुं; मळी जवुं
हलकंप पुं० हिलचाल; आंदोलन (२) खळभळाट
हलक़ पुं० हलक; कंठ; गळुं. **–के नीचे उतरना** = पेटमां जवुं (२) गळे ऊतरवुं; समजावुं
हलकई स्त्री० हलकाश; हलकापणुं (२) वि० नीचापणुं; वट के शोभाने हानि
हलकना अ०क्रि० हेलारे चडवुं; लहेरो खावी [हलकुं पाडवुं; अपमानवुं
हलका वि० हलकुं (२) नीचुं. **–करना** =

हलक़ा पुं० [अ.] गोळाकार; वृत्त (२) परिघ (३) मंडळ; समूह (४) गामोना खास समूह; गोळ [कंटाळेलुं
हलकान वि० जुओ 'हैरान'; हलाक;
हलकाना स०क्रि० हेल्ले चडाववुं (२) अ०क्रि० हलकुं थवुं
हलकारा पुं० जुओ 'हरकारा'
हलकोरा पुं० हेलकारो; तरंग
हलचल स्त्री० खळभळ; उपद्रव. **–पड़ना, –मचना** = धांधळ मचवी; खळभळवुं
हलद-हात स्त्री० पीठी चोळवानो विवाहनो विधि
हलदिया पुं० कमळानो रोग
हलदी स्त्री० हळदर. **–उठना, –चढ़ना** = पीठी चढवी. **–लगना** = विवाह थवो. **–लगे न फिटकरी** = मफत; वगर खरचे
हलफ़ पुं० [अ.] कसम; सोगन. **–उठाना** = सोगन खावा
हलफ़न् अ० [अ.] सोगनथी
हलफा पुं० लहेर; मोजुं; हेलारो
हलफ़ी वि० [फा.] सोगनपूर्वक
हलब(–भ)ल स्त्री० जुओ 'हलचल'
हलराना स०क्रि० (बाळकने) हाथ पर लई झुलाववुं
हलवा पुं० [अ.] शीरो. **हलवे माँड़ेसे काम** = केवळ पोतानी मतलब
हलवाई पुं० [अ.] कंदोई (स्त्री० **–इन**)
हलवाह(–हा) पुं० [सं.] हळजोडुं; खेडूत
हलहलाना स०क्रि० जोरथी हलाववुं; हचमचाववुं
हलाक वि० [अ.] मरेलुं (२) थाकेलुं (३) नाश पामेलुं [नाश
हलाकत, हलाकी स्त्री०[अ.] मोत (२)
हलाकान वि० जुओ 'हलकान'

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

हलाकानी स्त्री० हेरानगत; 'परेशानी'
हलाकी(–कू) वि० मारो; घातक; अत्याचारी
हला-भला पुं० तोड; निकाल
हलाल वि०[अ.] कुरानथी विहित (२) पुं० खावा माटे विहित पशु (३) बीजनो चन्द्र. **–करना**=झबे करवुं; हणवु
हलाल का वि० 'हरामनुं' थी ऊलटुं; वाजबी रीते मेळवेलुं के मळेलुं
हलालख़ोर पुं० प्रामाणिकताथी महेनत-मजूरी करनार (२) भंगी
हलीम वि०[अ.] सहनशील; शांत (२) पुं० मोहरममां करातुं एक मांसनुं भोजन
हली(–ले)सा पुं० हलेसुं; 'चप्पू'
हलूक स्त्री० 'हुलकी'; ऊलक
हलोरना स०क्रि० हेलारे चडाववुं (२) ऊपणवुं (३) संघरवुं; एकठुं करवुं
हलोरा पुं० हेलारो; मोजुं; 'हिलोरा'
हल्क़ पुं० [अ.] गळुं; (२) गरदन
हल्द,–ल्दी स्त्री० जुओ 'हलदी'. **०हात** स्त्री० जुओ 'हलद-हात'
हल्ला पुं० शोर; कोलाहल (२) लडाईनी हाक (३) हल्लो; हुमलो
हवन पुं० [सं.] होम; यज्ञ
हवन्नक़ वि० जुओ 'हबन्नक़'
हवलदार पुं० हवालदार [तृष्णा
हवस स्त्री०[फा.] लालच (२) इच्छा;
हवा स्त्री०[अ.] हवा; वायु (२) भूतप्रेत (३) आंट; शाख (४) इच्छा; चाह (५) वासना. **–उखड़ना**=शाख जवी. **–उड़ना**=खबर फेलावी. **–करना**=पंखो नांखवो. **–बँधना**=नामना थवी (२) शाख होवी. **–बताना**=उडावी देवुं; टाळवुं; डिंगो बतावववो. **–बिगड़ना**=चेपी रोग फेलावो (२) चाल बगडवो के खराब विचार फेलावा. (किसीकी) **–लगना**=संगनो प्रभाव पडवो. **–हो जाना**=झट जता रहेवुं; ऊडी जवुं
हवाई वि० हवानुं, हवा संबंधी (२) तरंगी; अध्धर (३) स्त्री० एक दारू-खानुं. (मुँह पर) **हवाइयाँ उड़ना**= चहेरो फीको पडी जवो
हवाई अड्डा पुं० विमानमथक; ॲरोड्रोम
हवाई जहाज़ पुं० विमान; ॲरोप्लेन
हवाख़ोरी स्त्री०हवा खावा जवुं ते; सहेल
हवागीर पुं० दारूखानुं बनावनार
हवाचक्की स्त्री० पवनचक्की
हवादान पुं० हवा आववा रखाती जाळी
हवादार वि० [फा.] हवावाळुं; खुल्लुं (२) इच्छावाळुं (३) प्रेमी
हवापरस्त वि० [अ.+फा.] इंद्रियारामी
हवापानी पुं० आबोहवा
हवारी पुं० [अ.] ईशुना (बार) साथी
हवाल पुं० हाल; दशा (२) खबर; हेवाल
हवालदार पुं० (अमुक दरज्जानो) फोजी के पोलीस सिपाई
हवाला पुं०[अ.] साबिती; प्रमाण (२) उदाहरण; दाखलो (३) हवालो; सुपरत
हवालात स्त्री० [अ.] हवाले करवुं ते (२) काची केद; हाजतमां राखवुं ते के तेनी जेल
हवाली स्त्री० [अ.] आसपासनी जगा
हवास पुं०[अ.] इंद्रियो (२) होश; भान. **–गुम होना**=होशकोश ऊडी जवा
हवास-बाख़्ता वि० [अ.+फा.] जओ 'हक्काबक्का'
हवि पुं० [सं.] यज्ञनी–हवननी सामग्री

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

हवेली स्त्री०[अ.] हवेली (२) स्त्री; पत्नी
हव्वा स्त्री० [अ.] बावा आदमनी स्त्री; 'Eve' (२) पुं० हाउ [वैभव
हशमत स्त्री०[अ.] गौरव; मोटाई (२)
हशर पुं० जुओ 'हश्र'
हश्त वि० अष्ट; आठ
हश्तुम वि० आठमुं
हश्र पुं० [अ.] कयामतनो दिन; हशर (२) शोक; आक्रंद (३) शोरबकोर
हश्शाश वि० [अ.] खूब प्रसन्न; राजी. **–बश्शाश** = खूब खुश
हसद पुं० [अ.] ईर्षा; झेर
हसन पुं०[सं.] हसवुं ते (२) हांसी; विनोद
हसब पुं० [अ.] 'नसब'थी ऊलटुं (मातृ-पक्षनुं) कुळ; वंश [खानदान
हसब-नसब पुं० [अ.] माबापनुं कुळ–
हसरत स्त्री० जुओ 'हस्रत'
हसीन वि० [अ.] सुंदर; खूबसूरत
हसूल पुं० जुओ 'हुसूल'
हस्त पुं० [सं.] हाथ (२) सूंढ (३) एक नक्षत्र [(२) जिंदगी
हस्त(–स्ती) स्त्री० [फा.] हस्ती; हयाती
हस्तक्षेप पुं० [सं.] दखल
हस्तगत वि०[सं.] हाथमां आवेलुं; मळेलुं
हस्ताक्षर पुं० [सं.] दस्कत; सही
हस्तामलक पुं० [सं.] मेळववुं; हस्तगत करवुं सहेलुं ते
हस्ती स्त्री० [फा.] जुओ 'हस्त' (२) पुं० [सं.] हाथी
हस्ते अ० द्वारा; मारफत
हस्ब अ० [अ.] अनुसार; प्रमाणे
हस्रत स्त्री० [अ.] हसरत; शोक; अप्राप्तिनुं दुःख (२) कामना; लालच
हहर स्त्री० कंपारी (२) डर
हहरना अ० क्रि० कांपवुं; थथरवुं (२) डरवुं (३) चोंकवुं (४) अदेखाई करवी
हाँ अ० हा. **–करना** = हा कहेवी (२) संमत थवुं. **–में हाँ मिलाना** = हाजियो भणवो; हाजी हा करवुं
हाँक स्त्री० हांक; बोलाववा माटे बूम. **–देना, मारना, लगाना** = हांक मारवी. **–पुकार कर कहना** = बधा सामे भय संकोच वगर कहेवुं
हाँकना स०क्रि० हांकवुं (२) हांक मारवी
हाँगा पुं० हांजा; शरीरनी ताकात (२) जबरदस्ती. **–छूटना** = हांजा वछूटवा; कमजोर के नाहिंमत थई जवुं
हाँगी स्त्री० 'हामी'; हा; संमति. **–भरना** = हा पाडवी
हाँड़ी स्त्री० हांल्ली (२) दीवानी हांडी
हाँप(–फ)ना अ०क्रि० हांफवुं
हाँफा पुं०, **–फी** स्त्री० हांफ
हाँसी स्त्री० 'हँसी'; हास्य (२) हांसी
हाइड्रोजन पुं० [इं.] एक वायु
हाइफन पुं०[इं.] एक विरामचिह्न (-)
हाई स्त्री० दशा; हाल (२) ढंग; रीत (३) वि०[इं.] ऊंचुं; मोटुं. (दा० त० हाई कोर्ट पुं०, –स्कूल पुं०)
हाऊ पुं० हाउ; 'हौवा'
हाकिम पुं० [अ.] हाकेम; अमलदार
हाकिमी वि०(२)स्त्री० हाकेमी; हकूमत
हाजत स्त्री०[अ.] हाजत; जरूर; (२) चाह (३) पहेरो; केद; 'हवालात'. **–में देना या रखना** = पहेरामां राखवुं
हाजती स्त्री० पेशाबपाणी माटे रोगी पासे रखातुं वासण (२) वि० हाजतवाळुं [पाचनक्रिया
हाजमा पुं० [अ.] पाचनशक्ति के

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

हाज़ा स० [अ.] आ; 'यह'
हाज़िम वि०[अ.] पाचक; पचावे एवुं
हाज़िर वि०[अ.] हाजर; उपस्थित (२) हयात; विद्यमान (३) (व्या) बीजो (पुरुष) [(नाम, **–री**)
हाज़िर-जवाब वि०[अ.] हाजरजवाबी.
हाज़िरी स्त्री०[अ.] हाजरी (२) बपोरनी हाजरी – नास्तो [आवेल
हाजी पुं०[फा.] हज करनार के करी
हाट स्त्री० हाट; बजार के दुकान. **–करना**=दुकान काढवी (२) बजार करवा जेवुं
हाटक पुं०[सं.] सोनुं (२) वि० सोनेरी
हाड़ पुं० हाडकुं
हाता पुं० [अ. इहातः] वाडो; आंगणुं (२) प्रांत; 'सूबा' (३) सीमा (४) वि० (स्त्री० **–ती**) (प.) अलग; दूर करेलुं
हातिम पुं० [अ.] चतुर आदमी (२) उस्ताद; तज्ज्ञ (३) हातिमताई के तेना जेवो दानी [(३) हाथो
हाथ पुं० शरीरनो हाथ(२)दाव(रमतनो)
हाथपाँव फूलना=डर के शोकथी गभरावुं
हाथपान पुं० हाथपहोंचियुं–एक घरेणुं
हाथा पुं० हाथो (२) हाथनो थापो
हाथापाई, हाथाबाँही स्त्री० हाथपगथी मारामारी; धोलधापट
हाथी पुं० गज; हस्ती; हाथी
हाथीख़ाना पुं० हाथीखानुं
हाथीपाँव पुं० हाथीपगानो रोग
हाथीवान पुं० महावत
हाथोंहाथ अ० हाथोहाथ (२) जोत-जोतामां. **–लेना**=बहु आदरमान करवुं
हाद(–दि)सा पुं० [अ. हादिसा] दुर्घटना; आपत्ति (२) अकस्मात
हादिस वि० [अ.] नवुं (२) नश्वर
हादिसा पुं० [अ.] जुओ 'हादसा'
हादी पुं० [अ.] नेता; मार्गदर्शक
हानि स्त्री० [सं.] नुकसान (२) नाश
हाफ़िज़ पुं० [अ.] कुरान कंठस्थ होय एवो मुसलमान
हाफ़िज़ा पुं० [अ.] स्मरणशक्ति
हामिद वि० [अ.] प्रशंसक; गुणगान करनार
हामिल वि० [अ.] हमाल; बोजो ऊंचकनार के वही जनार [वती
हामिला वि०[अ.] स्त्री० भारेवाई; गर्भ-
हामी स्त्री० हा; स्वीकार (२) वि० [अ.] हिमायती; समर्थक **–भरना** = हा पाडवी; स्वीकारवुं
हाय स्त्री० दुःख के पीडा (२) अ० तेनो उद्‌गार [**–देना** = हराववुं
हार स्त्री० पराजय. **–खाना** = हारवुं.
हारना अ० क्रि० हारवुं; पाछुं पडवुं
हारमोनियम पुं० [इं.] पेटीवाजुं
हारसिंगार पुं० जुओ 'हरसिंगार'
हारे दर्जे अ० विवश–लाचार थईने
हार्द पुं० [सं.] प्रेम; दया (२) मर्म (३) वि० हृदय संबंधी
हार्दिक वि० [सं.] हृदय संबंधी; दिली
हाल स्त्री० हालवुं ते; हलन (२) पुं० पैडानी लोढानी वाट (३) [इं.] हॉल
हाल पुं०[अ.] हाल; दशा (२) खबर; समाचार (३) विवरण; वर्णन (४) कथा; चरित्र (५) (व्या.) वर्तमान काळ (६) ईश्वरमां तल्लीनता (७) अ० हाल; हमणां
हालका वि० नवुं; ताजुं; हालनुं
हालडोल पुं० हालवुं ते (२) हिलचाल

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

हालत स्त्री०[अ.] दशा;हालत;परिस्थिति
हालमें अ० थोडा वखतथी; हालमां
हालरा पुं० हींचोळो के हींचको
हालाँकि अ० [फा.] जोके; यद्यपि
हाला पुं०[अ.] कुंडळ; वर्तुल (२) चंद्रनी चारेकोर देखातो गोळ (३) स्त्री० [सं.] दारू [समाचार
हालात पुं० [अ.] 'हाल' नुं ब०व०;
हालाहल पुं० हळाहळ; झेर
हाली अ०[अ.] जलदी; तरत (२) वि० हालनुं; वर्तमान (३) पुं० चलणी नाणुं
हाव पुं०[सं.] चेष्टा; नखरुं (शृंगारनुं)
हावन स्त्री० [फा.] लोढानी खांडणी
हावन-दस्ता पुं० [फा.] खांडणी पराई; 'हमामदस्ता'
हाव-भाव पुं० [सं.] चेष्टा; नखरां
हावला-बावला वि० हावरुं बावरुं; घेलुं
हावी वि०[अ.] कुशळ; दक्ष (२) बधी तरफथी वशमां राखनारुं
हाशिया पुं०[अ.] कोर; धार (२) गोट; मगजी (३) हांसियामां करेली नोंध. **–चढ़ाना**=मरचुं मीठुं भभराववुं; रसिक करवा वातने वधारवी
हास पुं०[सं.] हास्य (२) उपहास; मजाक
हासिद वि०[अ.] 'हसद'–ईर्षा करनारुं
हासिल वि० (२) पुं० [अ.] हांसल; मळेलुं; लाभ (३) वद्दी (गणितमां)
हासिल-कलाम अ० [अ.] सारांश के; तात्पर्य के
हासिल-जमा पुं० [अ.] सरवाळो
हासिल-ज़र्ब पुं०[अ.] गुणाकार; गुणनफल
हासिल-तक़सीम पुं० [अ.] भागाकार
हास्य पुं० [सं.] हसवुं ते (२) मजाक (३) वि० हसवा जेवुं; हास्यजनक
हाहाकार पुं० [सं.] (शोक, जुलम इ० नी लागणीथी) हाहा करवुं ते
हाहाठीठी, हाहाहीही स्त्री० हाहाहीही
हाही स्त्री० कांई मेळववा हाय हाय करवुं ते. **–पड़ना**=हाय हाय थवी
हाहू पुं० हाहो; शोर
हिंकरना अ० क्रि० हणहणवुं
हिंकार पुं० वाछडाने बोलाववा गाय बांगरडे ते के वाघनो अवाज
हिंग, –गु [सं.] पुं० हींग के तेनुं झाड
हिंडोरा (प.), **–ल, –ला** पुं० हिंडोळो (२) पारणुं (३) चगडोळ
हिंदवाना पुं० तडबूच
हिंदवी स्त्री० [फा.] हिंदीभाषा
हिंदसा पुं० [अ.] गणित (२) रेखागणित (३) रकम; संख्या (४) (ब०व०) आंक
हिंदी वि० [फा.] हिंदनुं के तेने लगतुं (२) पुं० हिंदनो वतनी (३) स्त्री० हिंदी भाषा
हिन्दुस्तानी वि० [फा.] जुओ 'हिंदी'
हिंदू पुं० हिंदु
हिंदोल पुं० [सं.] हिंडोळो (२) एक राग
हिंदोस्तान पुं० [फा.] हिंदुस्तान
हिंमत स्त्री० 'हिम्मत'; बहादुरी; धैर्य. **–पड़ना**=हिंमत होवी
हिंमती वि० हिंमतवान
हियाँ अ० (प.) अहीं; 'यहाँ'
हिंव,–वार पुं० हिम; बरफ
हिंस स्त्री० (प.) घोडानो हणहणाट
हिंसक वि० [सं.] घातक; हिंसावाळुं
हिंसना अ०क्रि० (प.) हणहणवुं (२) स०क्रि० हिंसा करवी; मारवुं
हिंसा स्त्री० [सं.] घात; वध; नाश
हिंस्र वि० [सं.] हिंसक

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

हिअ(-आ) पुं० 'हिय'; हृदय
हिकमत स्त्री० [अ.] विद्या; कळा (२) हिकमत; युक्ति (३) हकीमी; युनानीवैदक
हिकमत-अमली स्त्री० [अ.] चालाकी; होशियारी (२) कूटनीति
हिकमती वि० हिकमतवाळुं
हिकायत स्त्री० [अ.] कहाणी; वात
हिक़ारत स्त्री० जुओ 'हक़ारत'
हिक्का स्त्री० [सं.] हेडकी
हिचक स्त्री० आनाकानी; घडभांज; खमचावुं ते
हिचकना, हिचकिचाना अ० क्रि० अचकावुं; आनाकानी करवी (२) हेडकी आववी
हिचकिचाहट स्त्री० जुओ 'हिचक'
हिचकी स्त्री० हेडकी
हिजड़ा,-रा पुं० हीजडो
हिजराँ पुं० [अ.+फा.] वियोग; 'हिज्र'
हिजरी पुं० [अ.] मुसलमानी संवत
हिजाब पुं० [अ.] पडदो (२) शरम
हिज्जे पुं० [अ.] जोडणी. **-करना**= वादविवाद के नुक्तेचीनी करवी. **-पकड़ना**=भूल काढवी
हिज्र पुं० [अ.] वियोग
हिज्र(-जर)त स्त्री० [अ.] हिजरत
हित पुं०[सं.] लाभ; फायदो (२) भलुं (३) मित्र (४) हेत (५) अ० -ने माटे; सारुं [हितकारी होवुं
हितवना अ०क्रि० (प.) हेत होवुं;
हिताई स्त्री० नातो; संबंध
हिताना अ०क्रि०(प.) जुओ 'हितवना'
हितेच्छु, हितैषी वि०[सं.] हित चाहनार; 'हिती' [मित्र (३) संबंधी
हिती(-तु,-तू) पुं० हितेच्छु (२) स्नेही;
हिदायत स्त्री० [अ.] शिखामण (२) आदेश; आज्ञा
हिनहिनाना अ०क्रि० हणहणवुं
हिना स्त्री० [अ.] मेंदी
हिनाई वि० [अ.] हिनाना-मेंदीना रंगनुं; लाल (२) मेंदीवाळुं [देखरेख
हिफ़ाजत स्त्री०[अ.] जाळवणी; संभाळ;
हिफ़्ज़ अ०[अ.] कंठस्थ; मोढे (२) पुं० हिफाजत; संभाळ (२) अदब
हिफ़्ज़े-सेहत पुं० [अ.] स्वास्थ्यनी रक्षा
हिब्बा पुं० [अ.] इनाम (२) दान
हिम पुं०[सं.] बरफ (२) ठंडी के तेनी ऋतु (३) चंद्र (४) चंदन. **०उपल, ०कण** पुं० करा [राखवानी वांसळी
हिमयानी स्त्री०[अ.]रूपिया कमरे बांधी
हिमाक़त स्त्री० [अ.] मूर्खता; बेवकूफी
हिमाद्रि पुं० [सं.] हिमालय
हिमामदस्ता पुं० हमामदस्तो; खांडणी-पराई; 'हावनदस्ता'
हिमायत स्त्री० [अ.] तरफदारी; पक्ष करवो ते (२) रक्षण; वालीपणुं; देखरेख (वि० **-ती**) [-ती'
हिम्मत स्त्री०, **-ती** वि० जुओ 'हिंमत,
हिय(-या,०रा) पुं० हृदय; हैयुं (२) छाती. **-हारना**=हिंमत हारवुं. **हियेका अंधा**=हैयाफूटुं; मूर्ख; अज्ञान
हियाँ अ० जुओ 'हियाँ'
हिया,०व पुं० हिंमत; छाती
हिरण्य स्त्री० [सं.] सोनुं [जवुं
हिरन पुं० हरण. **-हो जाना**=नासी
हिरनौटा पुं० हरणनुं बच्चुं
हिरफ़त स्त्री० [अ.] हाथकारीगरी (२) हुन्नरकळा (३) धंधोरोजगार (४) चालाकी (५) चालबाजी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

हिरमजी स्त्री० [अ.] लाल माटी; रंगी

हिराना अ०क्रि० गेब थवुं; खोवावुं (२) मटवुं; टळवुं (३) स०क्रि० भूली जवुं

हिरास स्त्री० [फा.] जुओ 'हरास'

हिरासत स्त्री० [अ.] चोकी; पहेरो (२) नजरकेद

हिरासाँ वि० [फा.] भयभीत (२) निराश

हिर्फ़त स्त्री० जुओ 'हिरफ़त'

हिर्स स्त्री० [अ.] लालच; लोभ (२) इच्छानो आवेग (३) स्पर्धा. **–करना, –छूटना** = ललचावुं

हिर्साहा वि० लालचु [चडी जईने

हिर्साहिर्सी अ० देखादेखी; स्पर्धा पर

हिर्सी वि० [फा.] लालचु [मोजुं

हिल्कोर(–रा) पुं० हेलकारो; हेलारो;

हिल्कोरना स०क्रि० हेलकारो मारवो

हिलग स्त्री० संबंध (२) ओळख (३) प्रेम; मेळ

हिलगना अ०क्रि० टंगावुं; लागी रहेवुं (२) फसावुं; बाझवुं (३) हळी जवुं; ओळखावुं (प्रेरक **हिलगाना**)

हिलना अ० क्रि० हालवुं (२) हळवुं; गोठवुं. **–मिलना** = हळवुंमळवुं

हिलाना स०क्रि० हलाववुं; डोलाववुं

हिलाल पुं० [अ.] बीजनो चंद्र

हिलोर,–रा,–ल पुं० हिलोळो; हेलारो. **–लेना** = हेलारा खावा [चडाववुं

हिलोरना स०क्रि० हिलोळवुं; हिलोळे

हिलो(–ल्लो)ल पुं० जुओ 'हिलोर'

हिल्म पुं०[अ.] सहनशीलता (२) नम्रता

हिल्लोल पुं० [सं.] जुओ 'हिलोर,–ल'

हिवंचल, हिवर पुं० 'हिंवार'; बरफ

हिस स्त्री० [अ.] होश; भान (२) गति; चेष्टा

हिसका पुं० ईर्षा (२) देखादेखी इच्छा थवी ते; स्पर्धा

हिसका-हिसकी स्त्री० स्पर्धा

हिसाब पुं०[अ.] गणना (२) गणितनो दाखलो (३) नामुं (४) रीत; ढंग (५) लेखुं; ख्याल

हिसाब-किताब पुं०[अ.] हिसाबकिताब; आवक खरचनो हिसाब (२) ढंग; चाल; वर्तन

हिसाब-बही स्त्री० नामानो चोपडो

हिसाबी वि० हिसाबवाळुं (२) हिसाब राखीने चालनारुं [किल्लो; गढ

हिसार पुं० [अ.] शहेरनो कोट (२)

हिस्सा पुं०[अ.] हिस्सो; भाग; अंग; अंश

हिस्सा-रसद अ० [फा.] हिस्सा प्रमाणे

हिस्सेदार पुं०[फा.] भागियो; भागीदार

हिहिनाना अ०क्रि० जुओ 'हिनहिनाना'

हीँग स्त्री० हिंग

हीँस स्त्री० हिसारव; हींसारव; हणहणाट

हीँसना अ०क्रि० हींसारवुं; हणहणवुं

ही अ० ज (२) (प.) अ०क्रि० 'होना' नुं भूतकाळ स्त्री० रूप (व्रज भाषा)

हीक स्त्री० हेडकी (२) सूक्ष्म दुर्गंध

हीठना अ०क्रि० (प.) पासे जवुं (२) पहोंचवुं

हीन वि०[सं.] हीणुं; नीचुं; हलकुं (२) रहित; विनानुं (३) त्यक्त

हीन पुं० [अ.] समय; वखत

हीन-हयात अ०[अ.] आजन्म; उंमरभर (२) स्त्री० जीवनकाल [०रा–या'

हीय,०रा,–या पुं० (प.) जुओ 'हिय,

हीर पुं० हीरो [सं.] (२) हीर; सत्त्व; सार

हीरा पुं० हीरो

हीरा-कसीस पुं० हीराकसी

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

हीलतन् अ०[अ.] युक्तिथी; बहानाथी; छेतरीने

हीला पुं०[अ.] बहानुं; मिष (२) निमित्त; कारण. ०हवाला पुं० बहानुं

हीला-गर,-बाज़,-साज़ वि० चालाक; फरेबी; बहानुं काढनार

हीला-हवाला पुं० [अ.] बहानुं

हुंकार पुं० हुंकारो; पडकार; गर्जना

हुंकारना अ०क्रि० होकाटवुं; ठपको देवो (२) हुंकारो करवो; गर्जवुं

हुँकारी स्त्री० हंकारो; हा कहेवुं ते

हुंडा भाड़ा पुं० महेसूल इ० बधुं आपीने माल पहोंचाडवानो ठेको

हुँड़ार पुं० वरु

हुंडा(-डिया)वन स्त्री० हूंडियामण

हुंडी स्त्री० हूंडी. **-करना**=हूंडी लखवी

हु अ० (प.) 'भी'; पण; सौ. जेम के राम हु=राम पण

हुआना अ०क्रि० शियाळनुं बोलवुं

हुकुम पुं० हुकम

हुक़ूक़ पुं०[अ.] 'हक़' नुं ब०व०; जुओ 'हक़ूक़'

हुकूमत स्त्री०[अ.] हकूमत; सत्ता; शासन

हुक़्क़ा पुं०[अ.] हूको (तमाकुनो). ०पानी हूकापाणीनो वहेवार; संबंध

हुक्काम पुं० [अ. 'हाकिम' नुं ब०व०] हाकेम-अमलदार-वर्ग

हुक्म पुं० [अ.] हुकम

हुक्म-उदूली स्त्री० [अ.] हुकमनी अवगणना [फरमान

हुक्म-नामा पुं० [अ.+फा.] हुकमनामुं;

हुक्म-बरदार वि० [अ.+फा.] आज्ञाकारी

हुक्म-राँ वि० [अ.+फा.] हुकम देनार; शासक

हुक्मी वि० [अ.] अचूक; अटल (२) आज्ञाकारी (३) अ० सदा

हुचकी स्त्री० हेडकी; 'हिचकी'

हुजरा पुं० [अ.] हुजरो; ओरडी (२) मसीदनी एकांत ध्यान माटेनी ओरडी

हुजूम पुं० [अ.] 'हजूम', भीड; 'मजमा'

हुज़ूर पुं० [अ.] 'हजूर'-एवुं संबोधन (२) हजूर; हाजरी; समक्षता (३) दरबार; कचेरी

हुज़ूर-वाला पुं० [अ.] जनाब; श्रीमान

हुज़ूरी पुं० [अ.] हजूरियो; नोकर (२) दरबारी (३) वि० सरकारी; हजूरनुं

हुज्जत स्त्री० [अ.] खाली तर्कबाजी; दलीलबाजी (२) झघडो; तकरार (वि० **-ती**)

हुड़कना अ०क्रि० टळवळवुं; दुःखी थवुं; बीवुं (बाळक एकलुं पडे तेथी)

हुड़दंग पुं० धमाचकडी; धांधल

हुत अ०क्रि० (प.) हतुं (२) वि० [सं.] होमायेलुं

हुताशन पुं० [सं.] अग्नि

हुति(-ते) अ० (प.) द्वारा; थी (२) तरफथी (त्रीजी ने पांचमी विभक्तिना अर्थमां)

हुदहुद पुं० [अ.] एक पक्षी

हुदूद स्त्री० [अ.] 'हदूद'; 'हद्द' नु ब० व०

हुदूद-अरबा स्त्री० [अ.] चतुःसीमा; चारे बाजूनी हद

हुन पुं० [सं. हून] सोनामहोर (२) सोनुं

हुनर पुं० [फा.] हुन्नर; कारीगरी (२) कौशल; चातुरी (३) गुण [कुशळ

हुनर-मंद वि० [फा.] हुन्नरी; कसबी;

हुनूद पुं०[अ.]'हिंदू' नुं ब०व० [मरजी

हुब स्त्री० प्रेम (२) दोस्ती (३) इच्छा;

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

हुबाब पुं० [अ.] 'हबूब'; परकोटो
हुब्ब पुं० [फा.] प्रेम; मैत्री; 'हुब'
हुब्बुलवतन, हुब्बे-वतन स्त्री० [अ.] देशप्रेम
हुमक(-ग)ना अ०क्रि० ऊछळवुं (२) छलंग मारवा पग पर जोर देवुं
हुमा स्त्री० [फा.] हुमा नामनुं एक काल्पनिक पक्षी [हुमायु बादशाह
हुमायूँ वि०[फा.] शुभ; मुबारक (२)पुं०
हुमेल स्त्री० [अ. हमाइल] 'हमेल'; सिक्का वगेरेनी गळानी एक माळा
हुरदंग(-गा) पुं० जुओ 'हुड़दंग'
हुरमत स्त्री० [अ.] मान; आबरू
हुलकना अ०क्रि० ऊलक थवी; ओकवुं
हुलकी स्त्री० ऊलक (२) कॉलेरा
हुलसना अ०क्रि० हूलवुं; उल्लसवुं (२) ऊलसवुं; ऊभरावुं; ऊमटवुं
हुलसी स्त्री० 'हुलास'; उल्लास; उमंग
हुलास पुं० उल्लास (२) ऊलट (३) स्त्री० छींकणी
हुलिया पुं० [अ.] चहेरो; रूप; आकार के तेनुं वर्णन. **-कराना, -लिखाना** = पोलीसमां माणसनी ओळख माटे तेनुं वर्णन आपवुं [दंगो
हुल्लड़ पुं० हल्लो; होहा (२) तोफान;
हुवैदा वि० [फा.] स्पष्ट; जाहेर; 'रोशन'
हुश अ० चूप करवा माटेनो एक उद्गार
हुस्न पुं० [अ.] उत्तमता; खूबी (२) हुसन; कांति; खूबसूरती
हुस्ने-महफ़िल पुं० एक जातनो हुक्को
हूँ अ० हा (२) अ०क्रि० छुं; 'होना' नुं पहेला पुरुषनुं ए० व० नुं रूप
हूँकना अ०क्रि० हुंकारो करवो; गर्जवुं (२) डूसकुं भरवुं
हूँठा पुं० [हि. हूँठ=साडा त्रण] ऊठांना आंक [ते (३) गोद; टोक्या करवुं ते
हूँस स्त्री० ईर्षा (२) बूरी नजर लागवी
हूँसना स०क्रि० नजर लागे एम करवुं; टोकवुं (२) टोकवुं; 'कोसना'
हूक स्त्री० हृदयनी पीडा; शूळ
हूकना अ०क्रि० दुखवुं (२) शूळ जेवी पीडाथी चोंकवुं
हूठा पुं० डिंगो; टिक्को. **-देना** = डिंगो करवो; टिक्को बतावको
हूदा वि० [फा.] वाजबी; ठीक
हूबहू अ०[अ.] आबेहूब; बिलकुल मळतुं
हूर स्त्री०[अ.] हूरी; अप्सरा (२) वि० खूब सुंदर
हूल स्त्री० अणीदार कशुं भोंकवुं-हुलावी देवुं ते (२) शूळ; पीडा
हूलना स०क्रि० हुलावी देवुं; खोसवुं
हूश वि० असभ्य; जंगली
हूहा स्त्री० होहा; शोरबकोर
हृत वि० [सं.] हरायेलुं; लई लीधेलुं
हृदय पुं० [सं.] शरीरनुं हृदय (२) अंतःकरण; दिल
हृद्य वि०[सं.] प्रिय; गमतुं (२) हार्दिक; दिली [जाडुं; लठ्ठ
हृष्ट वि०[सं.] खुश; राजी. **०पुष्ट** वि०
हू हू पुं० आग भडभड बळे तेनो अवाज
हेंगा पुं० 'पाटा'; समार (खेतीनो)
हे अ० [सं.] हे एवो उद्गार
हेकड़ वि० हृष्टपुष्ट; स्थूल (२) जबरुं (३) 'उद्दंड; उजड्ड' (नाम **-ड़ी**)
हेच वि० [फा.] नजीवुं; पामर (२) नकामुं; असार (३) हिचकारुं
हेचकारा वि० [फा.] नकामुं; निरर्थक
हेठा वि० हेठुं; तुच्छ के नीचुं

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

हेठी स्त्री० हेठुं पडवुं ते; मानहानि
हेतु पुं० [सं.] इरादो; प्रयोजन (२) कारण. ०**वाद** पुं० तर्कविद्या (२) नास्तिकवाद
हेत्वाभास पुं० [सं.] तर्कदोष
हेमंत पुं० [सं.] छमांनी एक ऋतु
हेम पुं० [सं.] सोनुं (२) हिम; बरफ
हेय वि० [सं.] त्याज्य; खोटुं; खराब
हेरंब पुं० [सं.] गणपति
हेरना स०क्रि० (प.) ढूंढवुं; खोळवुं (२) हेरवुं; निहाळवुं (३) समजवुं; विचारवुं
हेरना-फेरना स०क्रि० हेरफेर करवी; बदलवुं के अहींनुं तहीं करवुं
हेरफेर पुं० चक्कर (२) वात लांबी लांबी करवी ते (३) दावपेच (४) हेरफेर; फेरफार (अने आपले बेउ अर्थमां)
हेराना स०क्रि० 'हेरना'नुं प्रेरक (२) अ०क्रि० गेब थवुं; न रहेवुं; अभाव होवो के नष्ट थवुं (३) फीकुं के मंद पडवुं (४) लीन – तन्मय थवुं
हेराफेरी स्त्री० हेरफेर; अदलबदल
हेल पुं० छाणां वगेरेनी हेल
हेलना अ०क्रि० हांसीखेल करवा (२) स०क्रि० हेलवुं; अवगणवुं
हेलमेल पुं० मेळ; मित्राचारी (२) संग; साथ (३) परिचय
हेला पुं० हल्लो; चडाई (२) हेल्लो; धक्को (३) एक वार लई जवाय एटली खेप (४) भंगी (५) स्त्री० [सं.] अवज्ञा (६) केलि; खेल
हेलिन,–नी स्त्री० भंगी स्त्री
हेली स्त्री० (प.) हे अली! (सखी)
हैं अ० हें! (२) अ०क्रि० 'होना' नुं ब० व०, वर्तमानकाळनुं रूप
हैंडिल पुं० [इं.] 'हॅन्डल'; हाथो
है अ०क्रि० 'होना' नुं ए० व०, वर्तमान-काळनुं रूप
हैकड़ वि० जुओ 'हेकड़'
हैकल स्त्री०[अ.] घोडाना गळानी माळा (२) तावीज (३) जुओ 'हुमेल' (४) चहेरो; सिकल
हैज़ पुं० [अ.] स्त्रीनो रजोधर्म
हैज़ा पुं० [अ.] कॉलेरा
हैफ़ अ० [अ.] हाय; अफसोस
हैबत स्त्री०[अ.] हेबत; हबक; धास्ती
हैबत-ज़दा वि० [फा.] हेबताई गयेलुं
हैबत-नाक वि० [फ़ा.] भयंकर; भीषण
हैम वि० [सं.] सोनेरी; सोनानुं के ते संबंधी (२) बरफवाळुं. ०**वती** स्त्री० पार्वती (२) गंगा
हैयत स्त्री० [अ.] खगोळविद्या
हैरत स्त्री० [अ.] हेरत; अचंबो
हैरत-अंगेज़ वि० [फा.] आश्चर्यकारक
हैरान वि०[अ.] हेरान; 'परेशान' (२) आश्चर्यचकित (नाम, **–नी**)
हैवान पुं०[अ.] हेवान; पशु (२) गमार
हैवानियत स्त्री०[अ.] हेवानियत; पशुता
हैवानी वि० हेवान; पशु जेवुं; पाशव
हैसबैस पुं०[अ.] 'बहस'; विवाद; चर्चा
हैसियत स्त्री०[अ.] हेसियत; योग्यता; शक्ति (२) आर्थिक दशा; धनसंपत्ति (३) दरज्जो; कक्षा
हों अ०क्रि० 'होना' नुं ब०व०, विध्यर्थ
होंठ पुं० होठ. **–काटना, –चबाना**= होठ करडवा; क्रोध प्रगट करवो
हो अ० हे; अहो (२) अ०क्रि० होत; 'होना' नुं त्रीजो पुरुष, विध्यर्थ, के बीजो पुरुष, ब०व०, वर्तमानकाळनुं रूप

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

होटल पुं० [इं.] होटेल; वीशी के नास्तापाणीनी दुकान

होड़ स्त्री० होड; शरत (२) स्पर्धा (३) हठ. **–बदना, –लगना** = होड बकवी

होड़ाबादी, होड़ाहोड़ी स्त्री० चडसा-चडसी; होड

होतब(-व्य) पुं०, **–व्यता** स्त्री० (प.) थनारुं; भावी; 'होनहार'

होता पुं०[सं.] हवन करनार; पुरोहित

होनहार वि० होनार; भावी (२) श्रेष्ठ नीवडनारुं; सारां लक्षणवाळुं (३) पुं० भावी; नियत

होना अ०क्रि०होवुं; थवुं. **होकर रहना** = जरूर थवुं. **हो बैठना** = थई पडवुं; बनी बेसवुं (२) स्त्रीनुं दूर बेसवुं

होनी स्त्री० पेदाश; उत्पत्ति (२) हाल; वृत्तांत (३) भावी के संभवित घटना

होम पुं० [सं.] हवन; यज्ञ

होमना स०क्रि० होमवुं; यज्ञमां नाखवुं

होरसा पुं० ओरसियो

होरहा पुं० चणानो छोड के पोपटो

होरा(–ला) पुं० [सं. होलक] चणानो ओळो (२) 'होरहा'; पोपटो

होरिल पुं० तरत जन्मेलुं बाळक

होरी,–ली स्त्री० जुओ 'होली'

होला स्त्री० (शीखोनी) होळी (२) पुं० जुओ 'होरा'

होली,–लिका [सं.] स्त्री० होळी के तेनुं गीत

होल्ड-ऑल पुं०[इं.] 'होल्डॉल'–बिस्तरो

होल्डर पुं० [इं.] कलम

होश पुं०[फा.] होश; चेतन (२) याद; सूधबूध (३) समज. **–की दवा करना** = होश ठेकाणे आणवा. **–दंग होना** = आश्चर्यथी दंग थवुं. **–दिलाना** = याद देवडाववुं

होशमंद वि० [फा.] समजदार

होश(०व)हवास पुं० [फा.+अ.] होशकोश

होशियार वि० [अ.] समजु; चालाक; अकलवाळुं (२) सावध; सजाग (नाम, **–री** स्त्री०)

होस्टल पुं० [इं.] 'हॉस्टेल'; छात्रालय

हौं अ०क्रि० छुं; 'होना' नुं पहेलो पुरुष, ए० व०, वर्तमानकाळनुं रूप (२) स० (व्रज) हुं

हौ अ०क्रि० छे; 'होना' नुं बीजो पुरुष, ए० व०, वर्तमानकाळनुं रूप

हौआ(–वा) पुं० हाउ; 'हव्वा'

हौज(–द) पुं० [अ. हौज़] होज

हौदा पुं० होद्दो; अंबाडी

हौल पुं० [अ.] डर; दहेशत. **–पैठना, –बैठना** = दहेशत लागवी; डर पेसवो

हौलजौल पुं० उतावळ के तेथी थतो रघवाट के गभराट

हौल-दिल पुं० [फा.] दिल धडकवुं ते के तेनो रोग (२) वि० डरी गयेलुं के डरपोक (३) गभरायेलुं; व्याकुळ

हौल-दिला वि० 'हौलदिल'; डरपोक के गभरायेलुं

हौलनाक वि० [फा.] भयानक

हौली स्त्री० दारूनी दुकान [एवुं

हौलू वि० 'हौलदिल'; डरपोक; झट डरे

हौले अ० धीरेथी; आस्ते (२) हळके हाथे

हौवा स्त्री० जुओ 'हव्वा'

हौस स्त्री० [अ. हवस] प्रबळ इच्छा (२) होंस; उमंग; उत्साह

हौसला पुं०[अ.] होंस; उत्साह; उमंग (२) साहस; हिंमत. **–निकालना** =

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

होंस पूरी थवी. –पस्त होना=होंस शमी जवी; जोर ठंडुं पडवुं

हौसला-मंद वि०[फा.] होंसीलुं; उत्साही के साहसी; उमंगी

ह्रद पुं०[सं.] तळाव के सरोवर(२)ध्वनि

ह्रदिनी स्त्री० [सं.] नदी

ह्रस्व पुं०[सं.] वामन; ठींगणो (२) वि० लघु; टूंकुं

ह्रास पुं० [सं.] क्षय; पडती (२) कमी, न्यूनता

ह्री स्त्री० [सं.] शरम; लज्जा

ह्लाद,०**न** पुं० [सं.] आह्लाद; आनंद

ह्वाँ अ० (प.) 'वहाँ'; त्यां

ह्विस्की स्त्री० [इं.] 'विस्की' दारू

ह्वेल पुं० [इं.] वहेल माछली

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

हमारी परीक्षोपयोगी पुस्तकें

हिन्दी बालकहानियां

नौ सुन्दर और शिक्षाप्रद बालकहानियोंका संग्रह।

की० ०–४–० डाकखर्च ०–२–०

हिन्दी बालपाठावली

सरल और सुबोध भाषामें छपी बालोपयोगी पुस्तक। अन्तमें कठिन शब्दोंके गुजराती, मराठी व बंगलामें अर्थ दिये गये हैं।

की० ०–६–० डाकखर्च ०–२–०

बातचीत––१

लेखक : **गिरिराजकिशोर**

अिस पुस्तिकाका अुद्देश्य हिन्दी सीखनेवालोंके सामने बोलचालकी हिन्दी भाषा रखना है। अिसके अन्तमें रोज अुपयोगमें आनेवाले हिन्दी शब्दोंके गुजराती पर्याय भी दिये गये हैं।

की० ०–४–० डाकखर्च ०–२–०

बातचीत––२

लेखक : **गिरिराजकिशोर**

अिस पुस्तकका अुद्देश्य पाठकोंके सामने बोलचालकी सीधी-सादी लेकिन मुहावरेदार हिन्दी भाषा रखना है। अिसके अन्तमें हिन्दी शब्दोंके गुजराती पर्याय भी दिये गये हैं।

की० ०–४–० डाकखर्च ०–२–०

संवाद

लेखक : **गिरिराजकिशोर**

अिसका अुद्देश्य भी पाठकोंके सामने बोलचालकी हिन्दी रखना है। लेकिन यह पुस्तक विषय और वाक्यरचनाकी दृष्टिसे 'बातचीत –– २' से आगे बढ़ी हुअी है।

की० ०–६–० डाकखर्च ०–२–०

हिन्दी पाठावली––पहली किताब

बालोपयोगी गद्य-पद्य-संग्रह। अिसमें भी अन्तमें कठिन शब्दोंके अर्थ गुजराती, मराठी व बंगलामें दिये गये हैं।

की० ०–१०–० डाकखर्च ०–३–०

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

हिन्दी पाठावली -- दूसरी किताब

संपा० गिरिराजकिशोर, नरेन्द्र अंजारिया

यह संग्रह हिन्दीकी तीसरी परीक्षाके लिअे है। अिसमें पाठों और काव्योंकी पसन्दगीमें भाषाकी सरलता और चलतेपनका खास खयाल रखा गया है।

की० १-४-० डाकखर्च ०-५-०

हिन्दी पाठावली -- तीसरी किताब

संपा० गिरिराजकिशोर, नानुभाअी बारोट

हिन्दी भाषाका अच्छा अभ्यास करनेवालोंके लिअे यह गद्य-पद्य-संग्रह बड़ा अुपयोगी सिद्ध होगा। अिसमें हिन्दी-भाषी और अहिन्दी-भाषी दोनों लेखकों और कवियोंकी हिन्दी रचनाअें दी गअी हैं।

की० १-८-० डाकखर्च ०-६-०

गद्य-संग्रह

संपा० गिरिराजकिशोर, अम्बाशंकर नागर

यह संग्रह 'हिन्दी सेवक' की परीक्षाके लिअे तैयार किया गया है। हिन्दीके प्रसिद्ध लेखकोंके सिवा गुजराती और मराठी-भाषी लेखकों और विचारकोंके लेख भी अिसमें शामिल किये गये हैं।

की० २-८-० डाकखर्च ०-१३-०

हिन्दी कहानी संग्रह--भाग १

संपादक : गिरिराजकिशोर

चुनी हुअी आठ कहानियोंका संग्रह, कठिन शब्दोंके अर्थके साथ।

की० ०-४-० डाकखर्च ०-२-०

हिन्दी कहानी संग्रह--भाग २

संपा० गिरिराजकिशोर, नरेन्द्र अंजारिया

हिन्दीकी सात सुन्दर कहानियोंका संग्रह, कठिन शब्दोंके अर्थके साथ।

की० ०-९-० डाकखर्च ०-३-०

हिन्दी कहानी संग्रह -- भाग ३

संपा० गिरिराजकिशोर, नरेन्द्र अंजारिया

यह संग्रह हिन्दी विनीत परीक्षाके लिअे है। अिसमें छः प्रसिद्ध कहानी-लेखकोंकी अुत्तम रचनायें ली गअी हैं।

की० ०-१०-० डाकखर्च ०-४-०

नाटक खेलें

संपा० गिरिराजकिशोर, नरेन्द्र अंजारिया

ये अेकांकी नाटक पाठकोंको हिन्दी सीखनेमें बड़े मददगार होंगे। अिनकी भाषामें प्रवाह और चलतापन है। सरलता अिनका खास गुण है।

की० ०-६-० डाकखर्च ०-२-०

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

मुनाजाते बेवा

संपा० गिरिराजकिशोर

यह अुर्दूके प्रसिद्ध कवि मौलाना अल्ताफहुसेन हालीके काव्यका नागरी रूपान्तर है। अिसमें भारतीय विधवाकी व्यथाका अितना सच्चा और मार्मिक चित्रण है, मानो किसी विधवाने ही अिसे लिखा हो।

की० ०–५–० डाकखर्च ०–२–०

चुपकी दाद

संपा० गिरिराजकिशोर

यह मौलाना हालीकी दूसरी सुन्दर पुस्तक है। अिसमें अुन्होंने लोगोंको समझाया है कि स्त्रियोंका समाजमें क्या स्थान है, अुनकी कितनी बड़ी जिम्मेदारियां हैं और अिन्हें वे पूरा कर सकें अिसके लिअे अुन्हें शिक्षा देना कितना जरूरी है।

की० ०–३–० डाकखर्च ०–२–०

आधुनिक हिन्दी कविता

संपा० नानुभाअी बारोट, गिरिराजकिशोर

अिस पुस्तकमें नागरी और अुर्दू लिपिमें लिखी गअीं 'खड़ी बोली'की आधुनिक कविताओंका संग्रह किया गया है। हिन्दी-अुर्दूकी मिलीजुली आसान शैलीमें लिखनेवाले आधुनिक युगके लगभग सभी प्रतिनिधि कवियोंकी रचनाओंके नमूने अिसमें आ गये हैं।

की० १–०–० डाकखर्च ०–४–०

प्राचीन हिन्दी कविता

संपा० — गिरिराजकिशोर, अम्बाशंकर नागर

यह संग्रह राष्ट्रभाषाके अभ्यासके खयालसे तैयार किया गया है। कवियों और अुनकी रचनाओंके चुनावमें यह बात ध्यानमें रखी गअी है कि अैसे कवियों और काव्योंको लिया जाय जो समाज पर अपना असर छोड़ गये हैं। कुछ प्रसिद्ध अहिन्दी-भाषी सन्तोंकी रचनायें भी अिसमें ली गअी हैं।

की० १–१०–० डाकखर्च ०–५–०

भूल-सुधार

लेखक : गिरिराजकिशोर, अम्बाशंकर नागर

अिस पुस्तकके नामसे ही पता चलता है कि यह गुजरातमें हिन्दी सीखनेवालोंको बोलने और लिखनेकी भूलोंसे बचानेके लिअे तैयार की गअी है। भाषाशास्त्रकी दृष्टिसे अिसका लाभ गुजरातीके सिवा अन्य भाषा-भाषियोंको भी मिलेगा।

की० १–०–० डाकखर्च ०–४–०

प्राप्तिस्थान — नवजीवन कार्यालय, अहमदाबाद–१४

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

STOCK VERIFY
2020
G.K.V. Library

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

उस पारके पड़ोसी	३–८–०
जीवनका काव्य	२–०–०
बापूकी झाँकियाँ	१–०–०
स्मरण-यात्रा	३–८–०
हिमालयकी यात्रा	२–०–०
ईशु ख्रिस्त	०-१०-०
गांधी और साम्यवाद	१–४–०
जड़मूलसे क्रांति	१–८–०
जीवनशोधन	३–०–०
निर्भयता	०–३–०
भावी भारतकी एक तसवीर	१–०–०
शिक्षाका विकास	१–४–०
शिक्षामें विवेक	१–८–०
संसार और धर्म	२–८–०
स्त्री-पुरुष-मर्यादा	१-१२-०
बापू : मैंने क्या देखा, क्या समझा ?	३–०–०
शराबबन्दी क्यों ?	०-१०-०
हमारी बा	२–०–०
कलकत्तेका चमत्कार	१–०–०
बा और बापूकी शीतल छायामें	२–८–०
बापू — मेरी मां	०-१०-०
गांधीजी	०-१२-०
ग्रामसेवाके दस कार्यक्रम	१–४–०
गांधीजीके पावन प्रसंग	०–६–०
जीवनकी सुवास	०–६–०
मरुकुंज	१–४–०
सर्वोदयका सिद्धान्त	०-१०-०
ठक्करबापा	३–०–०
गांधी-साहित्य-सूचि	३–४–०
आश्रमभजनावलि	०-१०-०

नवजीवन कार्यालय, अहमदाबाद–१४

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar

Digitized by Arya Samaj Foundation Chennai and eGangotri

राष्ट्रभाषा हिन्दुस्तानी

लेखक — **गांधीजी**; अनुवादक — **काशिनाथ त्रिवेदी**

गांधीजीने सन् १९०९ से हिन्दुस्तानके लिए एक राष्ट्रभाषाकी जरूरत महसूस कर ली थी। उनकी यह निश्चित राय बन गई थी कि यह राष्ट्रभाषा हिन्दुस्तानी ही हो सकती है। इसके लिए उन्होंने जीवनभर कार्य किया। इस पुस्तकमें राष्ट्रभाषा और लिपिके विषयमें गांधीजीके सारे लेखों और भाषणोंका समावेश किया गया है। राष्ट्रभाषाका प्रचार करनेवालों और उसे सीखने-सिखानेमें दिलचस्पी रखनेवालोंके लिए यह पुस्तक बड़ी उपयोगी है।

कीमत १–८–०　　　　डाकखर्च ०–६–०

अहिंसक समाजवादकी ओर

लेखक — **गांधीजी**; अनुवादक — **रामनारायण चौधरी**

महात्मा गांधी यह मानते थे कि सच्चे समाजवादका लक्ष्य प्रेम और शांति है, इसलिए वह अहिंसक साधनोंसे ही प्राप्त किया जा सकता है। इस पुस्तकमें अहिंसक समाजवादकी स्थापनाका आदर्श और साथ ही व्यावहारिक मार्ग बताया गया है। आशा है हमारी सरकारके समाजवादी समाज-रचनाके ध्येयको मूर्तरूप देनेमें यह पुस्तक सरकार और जनता दोनोंका उचित मार्गदर्शन करेगी।

कीमत २–०–०　　　　डाकखर्च ०–१४–०

CC-0. In Public Domain. Gurukul Kangri Collection, Haridwar